हजरतं महस्मद और इस्लाम

लेखक-सुन्दरलाल

ं इस किनाब का पहला पड़ीशन 1941 में निकला था देश ने उसका स्वागत किया और जर्ल्य वह खत्म हो गया. दूसरे पड़ीशन की मांग अर्से से हो रही थी. पर वह अब ही मुमकिन हो सका है.

इस एडं। शन को पंडित सुन्दरलाल जी एहितयात के साथ देख गये हैं बहुत बुजुगों और साथियों की कीमती राय और सुकावों से इस में कायुदा उठाया गया है. नये एडीशन की खाम बात यह है कि इस किताब के शुरू में पंडित विशम्बरनाथ। ने दस सफ्ते का एक गम्भीर और वजनदार नोट यानी श्रामुख लिखा है.

इस किताब से इस्लाम की श्रमनी तालीम और उसके धुनियादी उसूलों की जानकारी हासिल होने के साथ साथ ह जरत मुहम्मद की सीधी सच्ची और बेमिसाल जिल्ह्गी- एक ऐसी जिल्ह्गी जिसने सिदयों से लाखों करोड़ों के जीवन को रौशन किया है की मलक मिनती है इससे पता चलेगा कि किस तरह हजरत मुहम्मद ने न सिर्फ श्रम्ब जैसे दक्षयानूमी और फिरका परस्त देश की काया पलट दी बल्कि एक नये धर्म, एक नये राज और एक नई तहलीय की जन्म दिया

ं हमे यक्तीन हैं कि पहले एडीशन को तरह इसकी भी काको मांग होगी और पढ़ने वाले इससे कायंदा उठायेंगे.

सुनदर जिल्दा बढ़िया हबल डिमाई काराज पर छूपी 160 सकी, कई तसकीरों और नक्शों के साथ किताब का दाभ सिक्ष तीन रूपया.

मिलन का पता-

मैनेजर 'तथा हिन्द' 145, मुट्टीगंज, इलाहाबाद,

حضوت محمد اور ابلام

لهكهك --سقدر لال

ایس نکاپ کا پہا ایڈیشن سن 1941 میں نکا تھا۔ پانٹے اُس کا سوائٹ کیا اور جلدی وہ ختم ہوگیا ۔ ایٹے ایڈیشن کی مانگ موسے سے مو رہی تھی ، ہو وہ ہے منکن عوسکا ہے .

اس ایڈیشن کو بغذت سڈ، و الل جی احتماط کے دیکھ گئے ممن ، بہت سے بزرگوں اور ساتمموں کی آئے والے اور سعماووں سے اِس ممن فائدہ آٹھ یا گیا ہے۔ ایڈیشن کی خاص بات یہ ہے کہ اِس کتاب کے شروع ممن ایڈیشن کی خاص بات یہ ہے کہ اِس کتاب کے شروع ممن ایک بشممور باتھ نے دس صفاحے کا ایک کممور اور وزیدار یعدی آمکھ لکھا ہے ۔

ایس نقاب سے اسلام کی اصلی تعلقم اور اس کے اور کی جانکاری ہونے کے ساتھ ساتھ حصات اور کی سفال زندگی۔۔ایک رندگی جس نے صدیوں سے لاکھور درووں کے جھوں والین نیا ہے۔۔ای حملک ملتمی ہے ، اس سے یتھ جلکھکا اس طوح حصوت معصد نے نه صوف موب جھسے اس طوح حصوت دیھی دی کایا بلت دی داخه اسسی اور فوقه یاست دیھی دی کایا بلت دی تهذیب کو انگیا دیگی تهذیب کو انداز ایک دیگی تهذیب کو

سَلَادِ جَلَّدُ بَوَهُهَا قَبَلَ فَ الْنِ كَافِلَ بِرَ جَهُهِي 160 مِنْ اللَّي تَصَوِيرُونَ أَوْرَ نَقَفُونَ كِي سَانِهِ كَتَابِ كَاهَامُ تَعْنِي وَوَيْهِهُ .

male 5.

مَا اللهُ ال

हिन्दुस्तानी कलवर सोसाइटी

هندستاني كلبجر سوسائتل

ماسد

 एक ऐसी हिन्दुस्तानी कलचर का बढ़ाना, फैलाना प्रमार रना जिसमें सब हिन्दुस्तानी शामिल हों.

(2) पकता फैलाने के लिये कताबों, श्रस्तबारों, रिसालों क्यीं का छापना.

ं (3) पढ़ाई घरों, किताब घरों, सभात्रों, कानफरेन्सों, नेप्यबरों से सब धर्मों, जातों, बिरादरियों और फिक़ों में अपस का मेल बढ़ाना

-: 0:--

ंसोसाइटी के प्रेसीडेन्ट—मि० ऋब्दुल मजीद ख्वाजा; ॥इस प्रेसीडेन्ट—डा० भगवानदास ऋौर डा० ऋब्दुल ऋ गवर्रानंग बाडी के प्रेसीडेन्ट—डा० भगवानदास; केटरी—पं० सुन्दरलाल.

गक्रिनंग बाडी के ऋीर मेम्बर—

ं हैं। सैयद महमूद, डा० ताराचन्द, मीलवी सैयद दुलैमान नदवी, मि० मंजर श्रली सांख्ला, श्री बी० जी० पेर, पं० बिशम्भर नाथ, महातमा भगवानदीन, सेठ पूनम चन्द्र रांका, क्राजी मोहम्मद श्रब्दुल राष्ट्रकार श्रीर श्री श्रोम मक्की पालीबाल.

मेम्बरी के क्रायदों के लिये लिखिये-

1

सुन्दरलाल सेक्रेटरी, हिन्दुस्तानी कलचर मोमाइटी 145, सुट्टीगंज, इलाहाबाद

नीट सोसाइटी के नए क़ायदे के अनुसार मेम्बरी की कीस सिर्फ एक रुपया कर दी गई है. "नया हिन्द" की बाहुक मेम्बर बनना चाहे उनको सिर्फ छै रुपया दोने पर ही मेम्बर बना लिया जायेगा. अलग से किरी की कीस देने वाले, सोसाइटी की निकली हुई कोई जोवा जो एक रुपया दाम की होगी मुक्त ले सकेंगे या सिंदा दाम की किताबें लेने पर एक बार एक रुपया कम

(1) ایک ایسی هندستانی کلنچر کا بوهانا بههانا اُور پوچار فرنا جس میں سب هندستانی شامل هوں .

. (2) ایکٹا پھیلانے کے ایک کتابوں' اخباروں' رسالوں فھورہ کا جہایفا .

 (3) پوهائي گهرون' دهاب گهرون' سجهاؤن' کانمردسون' لهکتچرون سے سب دهرمون' جانون' پرآدريوں إور فرقون مهن آپس کا مهل بوهانا .

سوسائقی نے پریسیق سے سستر فیدانسجید حواجه ا وائس پریسیق سے افائر بهکوان داس اور قاکتر فیدالحق ، گورنگ باقی کے پریسه قانت — قانتر بهکوان داس ا سکریقری — بنقت سندرال ،

گورنگگ ہاڈی کے اور منہر _

قائقر سهد محبود' ذائقر تارا چند' مهلوی سهد سلهمار بدوی' مسقر مقطر علی سوخته' شری بی، چی . فهمر' یفقت بشمیهر باته' مهاتما بهکوان دین' سیقه پوئم چند رابنا دافتی محمد عبدالفقار اور شری اوم پرکاهی هاهوال

معبوي نے قاعدوں کے لگے اعهدُے ۔

سلدر لاان

سكريگري؛ هندستاني كلنچو سوسائگي؛ 145- مگهي گلمغ؛ العآباد ،

سوف سوسائلی نے نئے قاعدے کے انوسار ممبری کی فیس صرف ایک روپیہ کرنسی گئی ہے ''نیا ہند'' کے بھو گھک ممدر بغلا چاھیں اُن کو صرف چھہ روپیہ چلدہ اُنیکا ۔ الگ سے ممبری کی انسلی ہوئی کوئی کتاب جو فیس فیلے والے سوسائلی کی نکلی ہوئی کوئی کتاب جو فیس فیلے والے سوسائلی کی نکلی ہوئی کوئی کتاب کی شام کی ہوئی مخت لے سکیس کے یا زیادہ دام کی ہوئی مخت لے سکیس کے یا زیادہ دام کی ہوئی مخت کے سکیس کے یا زیادہ دام کی ہوئی عار اُیک روپیہ کے کرا سکیلی

| हमारे पहां मिलने | वासी कुछ और | 4 | तार्व | , | الى عيم ارز عنابيل | معرب المعرب | | | |
|---|-------------------------------------|---|-------|---|-------------------------------------|---|--|--|--|
| नोटः - यह कितावें सिर्फ हिन्दी में हैं | | | | | | | | | |
| नाम किताब | लेखक | | दाम | | ليکهک | نام کتاب | | | |
| 1. रोर को ज्ञायरी | श्री अयोध्या प्रसाद गोयलीय | 8 | 0 | 0 | شری ایودهها پرساد گوگهلی | 1. شعر و شاعري | | | |
| 2. शेर चो सुखन | *** | 8 | 0 | 0 | 91 | 2. شعر و سطن | | | |
| 3. गहरे पानी पैठ | . " | 2 | | - | 9) | 3, گهرے ہاتی بھٹھ | | | |
| 4. हमारे भाराध्य | श्री बनारसीदास | 3 | 0 | 0 | شری بقارسی دانس | 4. هماريم آرادهيم | | | |
| | मतुर्वे दी ः | | | | جالرويدى | | | | |
| 5. संस्मरण | 33 | | 0 | 0 | " | 5. سلسمرن | | | |
| 6. दो हजार वर्ष पुरानी कहानियां | श्री जगदीशचन्द्र जैन | 3 | 0 | 0 | " شريٰ جگديش چلدر جهن | ا گار مو هزار ورهی پرانی ا کهانهان | | | |
| 7. ज्ञान गंगा | श्री नारायस्य प्रसाद जैन | 6 | 0 | 0 | شري نارائن پرماد جهن | 797. كيان كنا | | | |
| 8. पथ चिन्ह | श्री शान्ति प्रिय दिवेदी | 2 | 0 | 0 | شرق شانتی پریهدریدی | 878. يتو چلو | | | |
| 9. पंच प्रदीप | शान्ति एम. ए. | 2 | 0 | 0 | شانتی ایم . اے | . 9. ينج پرديپ | | | |
| 10. बाकाश के तारे घरती के फूल | श्री कन्हैयालाज मिश्र प्रभाकर | 2 | 0 | 0 | شری ک نهیال ل مشر پریهائر | 10. آگھن کے تارے دھرتی کے پھول | | | |
| 11. मुक्ति दूत | श्री वीरेन्द्र कुमार | 5 | 0 | 0 | شرمی ویریندر کمار جهن | ء 11. مكتبي درت | | | |
| | जैन एम ए. | | * | | ايم . أے | | | | |
| 12. मिलन यामिनी | श्री बच्चन | 4 | 0 | 0 | شری بچن | | | | |
| 13. रजत रश्मि | हाक्टर रामकुमार वर्मा | | 8 | 0 | قائقر رام كمار ورسا | _ | | | |
| 14. मेरे बापू | श्री तन्मय बुस्नारिया | | 8 | 0 | شري تئم بشاریا | 14. مهرے باہو | | | |
| 15. विश्व संघ की श्रोर | पंडित सुन्दरलाल भगवानदास केला | 3 | 0 | 0 | پلقت سندرلال' بهگران داس کها | • | | | |
| 16. भारतीय अर्थशास | श्री भगवानदास केला | 5 | 0 | 0 | شری بهکوان داس کهلا | دُ 16. بهارتهه ارته شاستر | | | |
| 17. भारतीय शासन | ,, | 3 | 0 | 0 | 19 | 17. بهارتیه شاسن | | | |
| 18. नागरिक शास्त्र | 21 | 2 | 4 | 0 | 37 | 18'، ناگرک هاهتر | | | |
| 19. हाश्रास्य और उनका पतन | " | | 8 | 0 | 39 | 19. سامراے اور اُن کا پتنی | | | |
| 20. भारतीय स्वाघीनता श्रम्योजन | 73 | 1 | 4 | 0 | 91 | 20°. بهارتهه سوادههنتا آندولن | | | |
| 21 सर्वीवय द्यर्थ व्यवस्था | " | 1 | 8 | 0 | ,, | 24. سرودے ارتب ریومتیا | | | |
| 22. इमारी आदिम जातियां | श्री भगवानदास केला | 3 | 8 | 0 | شری بهگوان داس که | 22. هماری آدم جاتهاں | | | |
| | और श्री अखिल बिनय | | | | اور شری اکہل رنے | | | | |
| 23. अर्थशास्त्र शब्दावली | भी वया शंकर दुवे, | 2 | 0 | 0 | شری دیا شلکر دویے | يُ 28. ارته شاسعر شيداولي | | | |
| 1 | एम. ए. एस एस. बी. | | | | ايم آاء ايل ايل . بي . | | | | |
| गजाधर प्रसाद, सम्बद्ध, अक्षां रेज्याक | | | | | | | | | |
| | मगवानदास केला | | | | بهکوان داس کیلا | , 1 | | | |
| 24. नागरिक शिका | भगवानदास केला श्री दवाशंकर दुवे | 1 | | | شری بهکوان داس کید دیا شنکر دویے | 24. نافرک همما | | | |
| 25. रास्ट्र संबक्ष शासन | भी द्याशंकर दुवे | 1 | 8 | | دیا شلکر دویے | 25. راعثر مندل عاسن | | | |
| 26. जवानी | महात्मा मगवानदीन | 3 | 0 | | مهاتما يهكوان دين | .26 جوانو | | | |
| 27. मार्ब की हिन्मत ! | 19 | 1 | 0 | 0 | 77 | 22 مارنے کی هست | | | |
| 28. सकीम संप | 71 | 0 | 8 | 0 | >9 | 28 مارنا سے | | | |
| 99, जेरे सामी | 19 | 1 | 0 | 0 | 37 | 28 میرے سالھی | | | |
| विवास का परा | | | | | | | | | |
| the second second | 145, agrie, pengrapa. Soldel 24 145 | | | | | | | | |

सम्पादक—श्री रघुपति सहाय 'फिराक़'

पिछले पन्द्रह बरस से झाज तक की उरदू की चुनी हुई किविताओं का यह संग्रह पढ़कर आप को माल्म होगा कि एरबू किवता ने किस तरह खयाली दुनिया को छोड़ कर किन्दगी की सच्चाइयों से अपना नाता जोड़ लिया है. आज की उरदू शायरी गुल व खुलखुज और वस्ल व किराक़ तक ही सीमित नहीं है. अब आप को उरदू किवता में किसानों और मज़दूरों के दिलों की धड़कनें सुनाई देंगी. गुलामी, धन्याय और लूट खसोट के खिलाक आप एक ऐसी आवाज सुनेंगे जो आपके दिल की गहराइयों को छुएगी.

"इन कविताओं में अन्तर्राष्ट्री तथा राश्ट्री दोनों मुखकें मिलती हैं.....सजीव तथा साकार हैं.....वास्तव में हिन्दी संसार में यह प्रयास अनोखा है और उरदू साहित्य के आधुनिक दौर में श्रद्धितय है..."

23-2-'52 —-रोजाना 'लोकवाणी' जयपुर "जहां तक भाव का सम्बन्ध है कविताएं उच्चस्तर की हैं."

6. 3. '52 — 'विशाल भारत' कलकत्ता

"मंकार में प्रकाशित 72 उरदू की कविताएं आज ही के युग की समस्याओं से ओत श्रीत हैं."

17. 2. '52 - 'नव भारत टाइम्स' दिल्ली

"हिन्दी के पाठक स्तेह और चाव से इस संग्रह का आनन्द लेंगे और उनसे प्रेरना ग्रहन करेंगे, यह निश्चित है."

13. 1. '52 — 'अमृत पत्रिका' इलाहाबाद

"हम उन की (कविताओं की) शक्ति, ताजगी और सूत्र के क्रायल हैं. वह एक नए युग का सन्देश देती हैं... भाषा अधिकतर सरत और वामहावरा है. कहीं कही तो ठेठ कियी है."

8. 5. '52 — 'जीवन साहित्य' दिल्ली

'मंद्रार' की रचनाओं में युग की पुकार है और मापा विवासका बोल बाल के निकट हैं"—'नया समाज' कलकता नागरी लिखावट में ऐसा भरपूर उरदू कविता संमह आज तक नहीं निकला. सुन्दर जिल्द, बढ़िया कागल. उन्दा ह्याई. दाम सिर्फ तीन कपया. दस किताबों की एक साथ इरीदारी पर पचास फीसवी कमीशन.

سىمائىكىسىھارى رئەرياتى ساڭ ، قراق ،

ود ان کوپتاؤں میں انعر راشتری تنها راشتری دروں میں انعر راشتری دروں جہلکیں معنی هیں۔۔۔ درنوں جہلکیں منعی هیں۔۔۔ درنوں جہلکی سنسار میں یہ دریاس انوکھا ہے آرد اردو سامتیہ کے آدھنک دور میں اُدید ہے۔۔۔''

23-2-152 اورآمه الوک وانی جه بود

" ہمہاں تک یہاؤ کا سمہندھ <u>ہے</u> کویٹائیں آج استر کی مہن ۔"

6-3-152 في المارك كالمعدد

ا جھھکار میں پرکشت 72 اردو کی کویٹائیں آج
 ھی کے یک کی سنسیاؤں نے اوت پروت ہیں ۔''

25°2_2_1 — نو بهارت ثائمس دلى

" هندس کے ہاٹھک اِسلیم اور جاؤ سے اِس سلکرہ کا آنفد لیلکہ اور اُن سے بریدا کرھن کریلکے' یہ مشجبت ہے۔''

13-1-52 امرت بعربيكا العآباد

" هم أن كى (كويتاؤں كى) شكتى' تازئى اور سوتر كى اشكتى' تازئى اور سوتر كى تائل هيں ، ولا ايك نئے يگ كا سنديض ديتى هيں ... پهاشا ادهك تو سول اور بامصاورلا هے ، كهمال كيمال تو تائميته هندى هى ."

52'-52 هـ -- دون ساهتهه دلي

ال چھفتوا کی رچھاؤں میں یگ کی یکار ہے اور بہاشا بالکل بول جال کے تکت ہے۔'اسال نیا ساج ا کلکته الاوری تکھارت میں ایسا بیرپیور آردو کویٹا سفکرہ آجے ٹک تیمن نکٹ سندو جلدا بوهیا کافل مدد جھیائی دام صرف تین رویت دس کتابوں کی لیک ساتھ خورداری پر پچاس نیصدی کیھن ،

प्रसने का परा--मेरेकार 'संसा दिल्य' 145, मुद्दीगंज, इसाहाबार.

⁻all & str

ستهجر الها مند ا 145 متبى كني الداباد .

गांधी बाबा

तेसक—क्रुदसिया जैदी दो शब्द—जवाहरलाल नेहरू

यह अनमोल किताब जन्म से बिलदान तक की गांधी की की पूरी और सच्ची जीवनी भी है और कहानी भी. हमारे देश में यह पुराना रिवाज रहा है कि माएं अपने वचों को महापुरशों के जीवन चरित कहानी के रूप में सुनाती हैं. इस तरह की कहानियां आम तौर पर वीर राजाओं और उनके युद्धों की कहानियां होंसी हैं. बेगम कुद्दिया खैदी ने, जो महात्मा गांधी की परम भक्त हैं, अपनी इस किताब में गांधीजी की जीवनी और उनका सत्य, अहिंसा, प्रेम और त्याग का उपदेश बच्चों को ऐसी प्यारी, सीधी सादी बोली में और ऐसे ढंग से सुनाया है कि बच्चों के दिल में उत्तरता चला जाता है. हिन्दी में गांधीजी के उपर बच्चों के लिये इससे बढ़कर किताब नहीं है. इसमें कहानी का रस भी है और बच्चों को उन्ना उठाने वाले उपदेश भी.

पंडित जबाहरलाल नेहरू ने अपने 'दो शब्द' में लिखा है—

"उन्होंने (क़ुद्सिया जैदी ने) यह छोटी सी किताब सच्चे दिल से लिखी है. वह इसे सिर्फ एक किताब नहीं समकतीं. उनके लिये गांधीजी की कहानी एक बहुत ही महस्व की और प्यारी चीज है...मुके ज़ुशी है कि यह किताब लिखी गई है."

मोटे काराज पर, मोटे टाइप में, बहुत सी रंगीन तसवीरें, जार्ट पेपर पर सुन्दर रंगीन कवर और दफ्ती की मजबूत जिल्द—दाम केवल दो रुपए.

भाषा

लेखक-लाला मदन गोपाल

हिन्दी वर्ष और हिन्दुस्नानी की तकरार पर एक वे लाग राष इस किताब में आपको मिलेगी. रास्ट्र भाषा के सवाल में दिलचस्पी रखने वाले हर आई-बहन की इस किताब के पढ़ने से फायदा होगा—सोचने की राहें स्मेंगी, जानकारी बढ़ेगी और तरह तरह की तंग नम्मरियां मिटेंगी.

क्ररीय सवा सौ सक्रे की सुन्दर किताय, दाम डेढ़ कप्या

मिलने का पता-

मैजनेर, 'नया हिन्द' 145 मुद्रीगंज, इबाहाबाद.

كاندهي بابا

لیکهکاسالدسیه زیدی دو شید-جواهر لال نهرو

پہ انسول کتاب جتم سے بلیدان تک کی گاندھی جی پوری اور سچی جھونی بھی ہے اور کہانی بھی، ھمارے دیھی میں یہ پرانا رواج رھا ہے کہ مائیں آئے بچوں کو مہاپرشوں کے جھون بھرت کہانی کے روپ میں سفاتی ہیں، اس طرح کی کہانیاں عام طور پر ویر راجاؤں اور ان کے پدھوں کی کہانیاں ھوتی ھیں، بیٹم قدستہ زیدی نے چو مہاتما گاندھی کی پرم بھکت ھیں، اپنی اِس کتاب میں گاندھی جی کی جھونی اور اُن کا سٹیما امنسا پریم اور تیاگ کا ایدیس بچوں کو ایسی پیاری سیدھی سادی بہلی میں اور ایسے قطنگ سے سفایا ہے کہ بچوں کے دل میں آثرتا چلا جاتا ہے ، ھلدی میں گاندھی جی میں کاندھی جی میں کاندھی جی میں کاندھی جی میں کہانی کا رس بھی ہے اور بچوں کو ارتچا آتھانے والے میں کہانی کا رس بھی ہے اور بچوں کو ارتچا آتھانے والے

پندس جواهر لالنهرونے آنے ادو شید، میں لعها ہے---

"أنهوں نے (قدسیه زیدی نے) یه چهراتی سی
کتاب سچے دل سے لکھی ھے ، وہ اِسے صرف ایک
کتاب نہیں سمجھتیں ، اُن کے لیّے کاسدھی جی
کی کہانی ایک بہت ھی مهتم کی اور پھاری چھز
ھے....مجھے خوشی ھےکہ یہ کتاب لکھی کئی ہے ."

مولّے کافل پر' مولّے تائیب میں' بہت سی رنگین تصریریں' آرے پیپر پر سلدر رنگین کور آور دفائی کی مضبوط جلد۔۔۔دام کیول دو ررہیائے ،

لدلي

ليكيك--قاله مدن كويال

مقدی اردو اور مقدستانی کی تکرار پر ایک ہے لاک والے اِس کتاب میں آپ کو ملے گی ۔ راشتر بہاشا کے سوال میں دلچسٹی رکھنے والے ہر بہائی بہن کو اِس کتاب کے پومنے سے قائدہ ہوتا۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔ کی رامیں سوجیس گی اُ جانکاری بوٹے گی اور طرح طرح کی تکک نظریاں

مغیں کی ۔ کرپیپ سواسو صفحت کی سفدر کتاب کام قبوم رزیعہ ۔ ملقہ کا عته---

مينيجر' 'نيا هند' مينيجر 154 مايي للم' العالماد.

महात्मा गांधी की वसीयत

लेखक-श्री मंजर अली सोख्ता

अपने देहान्त से कुछ घन्टे पहले महात्मा गांधी ने फांगरेस को लोक सेवा संघ में बदल देने के लिए अपनी तजबीज लिखी थी. यह देश के नाम उनकी आखिरी वसीयत है और इसकी व्याख्या गांधी जी के परम भक्त भी मंजर अली सोखता ने की है जो गांधीवाद को समम्मने और अपनाने वाले देश के इने गिने लोगों में से एक हैं.

गांधीवाद को समम्बने के लिए इसका पढ़ना बहुत जरूरी है. 225 सफ्ने की सुन्दर जिल्द बँधी किताब की क्रीमत सिफ दो रुपए.

अहिंसात्मक इन्क्रलाव का रास्ता

लेखक-श्री मंजर ऋली सोख्ता

इस छोटी सी किताब को पढ़ कर आपको पता चलेगा कि महात्मा गांधी क्या चाहते थे और किस तरह उनके रास्ते पर चल कर अहिंसात्मक ढंग से देश में इन्क़लाब लाया जा सकता है.

वैतीस पनने की किताब, दाम सिर्फ चार आने.

आज के शहीद

सम्पादक—श्री रतन लाल बंसल उन बहादुरों की कहानियां जिन्होंने विदेशी हाकिमों की फैलाई फूट की आग में इनसानियत को भस्म होते देख एक छन की भी देर न की श्रीर उसे बुमाने की कोशिश में अपनी जान कुरवान कर दी. दाम सिर्फ ढाई रुपया.

मुस्लिम देश भक्त

लेखक-श्री रतन लाल बंसल

खन मुसलमान देश भक्तों के जीवन का हाल जिन्होंने श्चपनी जान हथेली पर रखकर हिन्दुम्तान और विदेशों में रहते हुए भारत माला को गुलामी की जंजीरों से आजाद करने की कोशिश की. किताब बड़े दिलचस्प ढंग से लिखी वर्ह है, कीमत सिर्फ एक स्पया बारह आने

भिज़ने का पता— भीनेजर, 'नपा हिन्द' 45, सुद्वीगंज, इताहाबाद.

مهاتما کاندهی کی وصیت

لهكهك شرى ملطر على سوخاته

ابھ دیہانت سے کچھ کہنٹے پہلے مہاتما گاندھی نے کانگریس کو لوگ سیوا سفکھ میں بدل دینے کے لئے آپنی تجویز لکھی تھی۔ یہ دیش کے نام انکی آخری وصیت ہے اور اسکی وکھیا گاندھی جی کے پرم بھکت شری مقطر علی سوختہ نے کی ہے جو گاندھی واد کو سمجھنے اور ایقانے والے دیسے کے لؤگرں میں سے ایک ھیں ،

گاندهی واد کو سمجھلے کے لگے اِسکا پڑھلا بہت ضروری ہے ۔ 225 صفحے کی سفدر جلد بقدهی کتاب کی قیمت صرف دو روپھگے ۔

اهنساتیک إنقلاب کا راسته

لهكها -- شرى ملظر على سوخاته

اِس چھوڑی سی کتاب کو پوھکر آپ کو پتھ چلے کا کے مہاتما کاندھی کیا چاھٹے نیے اور کسطرح اُن کے راسٹے پوچل کو اھٹساتمک ڈھٹگ سے دیھی میں انقلاب لایا جا سکتا ہے .

پیلتیس ہے کی کتاب دام صرف چار آنے .

آج کے شہیں

سمهادك-شرى رتن لال بدسل

ان بہادروں کی کہانیاں جلہوں نے ودیشی حاکموں کی پھھائی پہوت کی آگ میں اِنسانیت کو بہسم ھوتے دیکہ ایک چھن کی اور اُسے بجھانے کی عوصص میں اپنیجان قربان کو دی۔ دام صرف تھائی روپھ

مسلم ديش بهكت

لهکهک-شوی رتن لال بلسل

ا ان مسلمان دیش بهکتوں کے جهون کا حال جلهوں نے اپنی جان هتههای ور رکهکر هلدستان آور ردیشوں میں رہتے ہوئے جان مانا کو قلامی کی زنجیوروں سے آزاد کرنےکی کوشش کی۔ کوشش کی۔ کاب بولے دلتے سپ دھلگ سے لکھی لائی ہے۔ کوشش کی۔ کوشش مرتب ایک وربعہ بارہ آئے۔

سلال کا پلا

लेखक-पंडित सुन्दरलाल गीता और कुरान

इस किताब में हिन्दू धर्म और इसलाम दोनों के मेल की बात है. गीता का बड़प्पन, गीता के एक एक अध्याय का निचोड़, क़ुरान का बड़प्पन, लगभग 15 स्तास स्तास मज्ममूनों पर क़ुरान की क़रीब 500 आयतों का लक्जी तर्जुमा बरौरा दिया गया है.

जो लोग सब धर्मों की बुनियादी एकला को जानना और सममना चाहें उनके लिये यह किताब अनमोल है.

पौने तीन सौ सफ्ते की सुन्दर जिल्द बंधी किताब की क्रीमत सिर्फ ढाई रुपया, डाक सार्च अलगः

हिन्दू मुसलिम एकता

इस किताब में वह चार लेक्चर जमा किये गए हैं जो पंढित जी ने कन्सीलियेटरी बोर्ड ग्वालियर की दावत पर ग्वालियर में दिये थे.

सौ सके की किलाब. क़ीमत सिर्फ बारह आने.

महात्मा गांधी के बलिदान से सबक्र

साम्प्रदायिकता यानी फिरक्रापरस्ती की बीमारी पर राजकाजी, मजहबी और इतिहासी पहलू से विचार और इसका इलाज. इसी ने आखिर में देश पिता महात्मा गांधी तक को हमारे बीच में न रहने दिया.

क्रीमत बारह आने.

पंजाब हमें क्या सिखाता है

श्वक्तूबर सन् 1947 में पच्छिमी श्रीर पूरबी पंजाब के बटवारे के बाद वहां की भयंकर बरवादी श्रीर श्वापसी मार काट के कारन लोगों पर जो जो मुसीबतें श्राइ उन का दर्दनाक श्रांखों देखा वर्नन. इस छोटी सी किताब में खाजकल की मुसीबतों को इल करने के लिए कुछ सुमाव भी पेश किये गए हैं. क्षीमत चार श्वाने.

वंगाल और उससे सबक्र

इस छोटी सी किताब में 1949-50 में पूरबी और पण्डिमी बंगाल के फिरकेबाराना भगड़ों पर रोशनी डाली गई है और ऐसे मगड़ों की हमेशा के लिएं सत्म करने की तरकीब भी सुमुद्ध गई है. क्रीमत सिर्फ दो आने.

मिसने का गरा-

रेजिक्स, 'जवा क्रिप्' 145, स्ट्रीगंज, स्वाहाबाद.

ليكهك بنتات سندر لال كيتا اور قرآن

اِس کتاب میں هندو دهرم اور اِسلامدونوں کے میل کی باتھ اِهیں۔ گھتا کا بویں' گھتا کے ایک ایک ادهیا کا نچور' قرآن کا بویں' لگ بھگ 15 خاص خاص مقمونوں پر قرآن کی قریب 500 آئٹوں کا لفظی ترجمہ وفیرہ دیا گھا ہے ۔

جو لوگ سب دهرموں کی بلیادی ایکھا کو جانفا اور سمجھفا چاهیں اُن کے لئے یہ کتاب المول ہے . پوئے تین سو صفحے کی سندر جلد بندھی کتاب کی قیمت صوف ڈھائی روپھہ ڈاک خرچ الگ .

هندو مسلم ايكتا

اِس کتاب میں وہ چار لیکچر جمع کئے گئے میں جو پندت جی نے کلسیلیٹری بورڈ کوالیار کی دموت پر گوالیار میں دئے تھے،

سو صفحے کی کتاب ، قیمت صرف بارہ آئے ،

مہاتما کاندھی کے بلیدان سے سبق

سامپردایکتا یعنی فرته پرستی کی بیماری پر راج کلچی، مذهبی اور اتهاسی پهلو سے وچار اور اُسکا علاج. اُنجی نے آخر میں دیش پتا مهانما کاندهی تک کو همارے بہتے میں نه رهنے دیا ،

تهست بارة آنے .

پنجاب همیں کیا سکھاتا ھے

اکٹوپر سن 1947 میں پچھمی اور پورہی پنجاب کے بھیارے کے بعد وہاں کی بھیلکر برہادی اور آہسی مار کاف کے کارن لوگوں پر جو جو مصیبتیں آئیں اُن کا مردناک آئکھوں دیکھا ورتن ، اس چھوٹی سی کتاب میں آجکل کی مصیبتوں کو حل کرنے کے لئے کچھ سجھاڑ بھی پیش کئے گئے ہیں، قیمت چار آئے ،

بنگال اور اُس سے سبق

اِس چھوٹی سی کتاب میں 50-1949 میں پررای اور پھھسی بنتال کے فرقعوارات جھکڑوں پر روشنی ڈائی گئی ہے اور ایسے جھکڑوں کو حمیشیت کےلئے ختم کرنے کی ترکیب بھی سچھائی گئی ہے ۔ قیمت صرف دو آنے ۔

مللے کا پتا---

معنيس الها هده أ145 مقمى كليم اله باد .

The second of th

तरह काम के बना दिये जायं तो कोई वजह नहीं कि वह बोहों का स्थान न पा सकें. हर शहर हर क़सबे में दरिम-यानी दर्जे के आदमी गाय पालने की बड़ी ज़ाहिश रखते हैं पर न उनके पास रखने को जगह है, न चराने के लिये चरागाह. अगर कोई किसी शहर में यह ठेका ले ले कि वह गायों के लिये चरागाहों का इंतजाम कर लेगा और ज्वालों की ऐसी जमात तैयार कर देगा जो पहले की तगह घर घर से गाय ले जाया करेंगे और शाम को वापिस छोड़ जाया करेंगे तो गोरचा का सवाल बड़ी आसानी से हल हो जायगा गाय से हर हिन्दुस्तानी को मोहब्बत हो जायगी और फिर शायद इस बात की ज़रूरत ही न रह जायगी कि लोग गोवध बंदी क़ानून के लिये सरकार के पास दौड़े दौड़े जायं.

किसी राजकाजी फायदे को निगाह में ग्य कर गांवध बंद करने की आवाज हरगिज नहीं उठानी चाहिये. पर होता हमेशा यही रहा है. सबसे पहले यह आवाज बादशाह बाबरे ने उठाई. गोंबध रोकने की सलाह उसने अपने वेटे हुमायूं को दी. इस सलाह में गोंरत्ता का इतना ख़याल न था जितना हुमायूं के राज के जमने का और उन मुसलमानों के ख़िलाफ नफरत पैदा करने का जो हिन्दुस्तान में पहले से मीजूद थे और जिनके हाथ में हिन्दुस्तानी हकूमत की बागडोर थी. अंगरेजों के खिलाफ इस हथियार से काम लिया गया. गांधी जी को छोड़ कर बहुत से लोगों ने मिल का कपड़ा छुड़ाने के लिये यह दलील दी कि इसमें गाय और सूकर की चरबी लगती है. आज भी गोंबध बंदी का सवाल राजकाजी हथियार बना हुआ है, सच्चे मानों में गोरत्ता का हथियार नहीं है. طبح کام کے بقا دیائے جائیس تو کوئی رجعہ نہیں کہ وہ گھوروں کا استجان نہ یا سکیس ۔ هو شہر هو قصعہ میس دومیائی دوچ کے آدمی کائے یالئے کی بوی خواهش رکھتے هیں ہو نہ اُن کے پاس رکھئے کو جگہ ہے' نہ جوائے کے لئے چواگھ ۔ اگر کوئی کسی شہر میں یہ تھیکہ نے لے که وہ گایوں کے لئے چواگھ ۔ لئے چواگھوں کا انتظام کو لے کا اور گوائوں کی آیسی جماعت تھار کو دے گا جو پہلے کی طرح گھو گھر سے گائے لے جایا کویلئے اور شام کو وایس چھور جایا کویلئے تو گورکشا کا سیال ہوی آسانی سے حل هو جائیکا ۔ گئے سے عو هفدستانی سوال ہوی آسانی سے حل هو جائیکا ۔ گئے سے عو هفدستانی کی محصوب هو جائیکی کو محصوب ہو جائیکی کو دورت کی دورت کی دورت کی گھراس دوڑے دوڑے جائیں ۔

کمی راجاجی فائدے کو نکاہ میں رکھار کوبدھ بند کونے کی آوار ہرکو نہیں آٹھانی جاھئے ، یہ ہوتا ہمیشہ یہیں رہا ہے ، سب سے پہلے یہ آوار بادشاہ دابر نے آٹھائی، گوند روائے کی صلاح اس نے آئے بھتے ہمایوں کو دی . اس صلاح میں گورشا کا انقا خمال نہ تھا جتفا ہمایوں کے رائے کے جملہ کا اور اُن مسلمانوں کے خلاف نفرت کی دائے کا جو ہدستان میں پہلے سے موجود تھے ارر چین کے ہاتھ میں ہدستانی حکومت کی باگ قرر تھی ، انگریؤوں کے خلاف اِس ہتھیار سے کام لھا گھا ، کادھیجی کو جھوڑ کر بہت سے لوگوں نے مل کا کھڑا جھوائے کے لئے کو جھوڑ کر بہت سے لوگوں نے مل کا کھڑا جھوائے کے لئے کہ ایس میں گائے اور سور کی جربی لگتی ہو جھوڑ کر بہت ہے لوگوں نے مل کا کھڑا جھوائے کے لئے ہو جھوڑ کر بہت سے لوگوں نے مل کا کھڑا جھوائے کے لئے ہو جھوڑ کر بہت سے لوگوں نے مل کا کھڑا جھوائے کے لئے ہو جھوڑ کر بہت سے معلوں میں گورکشا کا ہتھیار نہیں ہے . آج بھی گوبدھ ہندی کا سوال راج کجی ہتھیار بغا

--بهکران دین

9-6-53

9. 6. 33

— भगवानदीन

यहां की म्यूनिसिपिल्टी वध करने के तिये पास नहीं करती वह लोगों के हाथ पड़ जाती हैं और उनका वध चोरी चीरी होता है." हमने कहा, "वह रोका क्यों नहीं जाता ?" वह बोले, "रोके कौन ? जो रोकने वाले हैं वही तो वध कराते हैं." हम कुछ न समक पाये, उन्होंने हमें यों समकाना शुरू किया:

वार्जितिंग में यह लोग हैं जो गाय से क्या किसी भी जानवर से कुछ परहेज नहीं रखते. पहले नंबर पर हैं अंगरेज, जो चाय बारा में रहते हैं, जिनकी तादाद एक इकारके लगभग है. दूसरे नंबर पर हैं नैपाली, जो दो इजार से कुछ जियादा ही हैं. तीसरे नंबर पर हैं तिब्बती, जिनकी संख्या है तो कम पर फिर भी काफी है. इस पूछ बैठे, "क्या नैपाली भी गाय से परहेज नहीं करते ?" वह बोले, 'नैपाली ब्राह्मन क्यत्रिय वैश्य तो गाय से परहेज करते हैं पर शुद्ध कहताने वाली जातियां किसी तरह का भी परहेज नहीं रखती. और इन ही जातियों में से बहुत से लांग पुलिस में हैं. और एक तो ऐसी जगह पर है जहां उनके होने से गोबध में बड़ी मदद मिलती है. अब चोरी चोरी गोबध न हो तो क्या हो ? उन्होंने यह भी कहा कि जब से बंगाल में गोबध का क़ानून बना है तब से गोबध रुकना तो एक तरफ, ऐसी गायें भी मरने लगी है जो पहले नहीं मारी जाती थीं.

यह सब ऐसी बातें हैं जिन पर ठंडे दिल से विकार करने की ज़रूरत है. भावुकता में इब कर जो काम किये जाते हैं उनका नतीजा शुरू में भले ही कुछ भला माइस हो बंत में बुरा ही रहता है.

कब से, क्यों, किसलिये हिन्दुस्तानी सरकार बड़ा मांस मेजने के लिये मजयूर है, पता नहीं ? वह एक तो कोरिया जाता है और दूसरे लिसबन जो योरप के राज स्पेन की राजधानी है. यह ब्योपार भी गोषध का ज़बरदस्त कारन है. पर हम इस तरफ भी निगाह क्यों डालें ? हमें तो सोचना यह है कि हम गोषध क्यों रोकना चाहते हैं ? सिफ इसीलिये कि हमें काफी दूध नहीं मिलता और हमारी खेती बारी के लिये हमें काफी मज़बूत बैच नहीं मिलते. अगर यह दो चीज़ हमें मिलने लगें तब हमारी निगाह गोषध की तरफ जाना बंद हो जायगी जिस तरह वेद काल में महीं जाती थी. और यह दोनों काम गोरचा से हो सकते हैं, गोषध बंदी के कानून से नहीं.

घोड़े का बभ नहीं होता. इतना ही नहीं, अब तो जंगली घोड़े मिलते ही नहीं. घोड़ा आदमी के लिये इतने काम का जानवर हो गया है कि घादमी उसके बभ की बात सोच ही नहीं सकता. अगढ़ साम और बढ़ दे भी इसी یہاں کی مہونسہائی بدھ کرئے کے لئے پاس نہیں کرتی وا لوگوں کے ہاتھ ہو جاتی ہیں اور آن کا بدھ جوری جوری ہوتا ہے۔ " ہم نے کہا' " وا روکا کہوں نہیں جاتا ؟" وا بولے' " رو کے کون ؟ جو روکئے والے میں رھی تو بدھ کراتے ہیں ۔" ہم کجھ نہ سمجھ پائے' آنہوں نے ہمیں یوں سمجھانا شروع کیا :

دارجلنگ میں یہ لوگ هیں جو گانے سے کھا کسی بھی جائور سے کچھ پرھیڑ نہیں رکھتے ۔ پہلے نمبر پر ھیں انگریو' جو چائے باغ - یں رہتے میں' جن کی تعداد ایک ھزار کے لگ بھک ھے ، دوسرے نمجر پر ھے نھھالی جو دو مزار سے گچھ زیادہ ھی ھیں. تیسرے نمبر پر ھھی تباتی[،] جن کی سفکهها هے تو کم پر پهر بهی کافی هے . هم پوچه بھٹھ' '' کیا نہیالی بھی گائے سے پڑھیڑ نہیں کرتے ؟'' ولا بوالے '' نیپالی براهس چهتری ریش سے تو گائے برههر کرتے ھیں پر شودر کیلانے والی جانهاں کسی طرح کا بھی پرههر نهیں رکھتیں . اور إنهیں جاتیوں میں سے بہت سے لوگ پولیس میں هیں . اور ایک تو ایسی جگه پر ہے جہاں أن كے هونے سے كويده ميں بوى مدد ملتى هے . اب چوری چوری گویدھ نه هو تو کیا هو؟ اُنهوں نے یه بھی کہا کہ جب سے بنگال میں گوید کا قادون بنا ہے تب سے گوہدھ رکنا تو ایک طرف ایسی کائیں بھی صرفے لکی هیں جو پہلے نہیں ماری جانی تھیں ،

یه سب ایسی بالیں هیں جن پر تهفقے دل ہے وچار کرنے کی فرووت ہے ، بهاوکتا میں توب کر جو کام کئے جاتے هیں اُن کا نتیجه شروع میں بہلے هی کچه بها معلوم هو انت میں برا هی رهتا ہے .

کب سے' کیوں' کس لئے ھندستانی سرکار پوا سانس پہھیجئے کے لئے متھیورہ بتہ نہیں ؟ وہ ایک تو کوویا جاتا ہے اور دوسرے لسین جو یورپ کےراج اِسپین کی اُجدھانی ہے ، یہ بپویار بھی گوبدھ کا وہردست کارن ہے ، پر هم اِس طرف بھی نکاہ کیوں ڈائیں ؟ همیں تو سوچنا یہ ہے کہ هم کوبدھ کیوں روکنا چاھتے ہیں ؟ صرف اِسی لئے کہ همیں کافی دودھ نہیں ملتا اور هماری کھیتی بازی کے همیں مائی دودھ نہیں ملتا اور هماری کھیتی بازی کے همیں مائے گئے تب هماری نکاہ گوبدھ کی طرف جانا عمیں مائے گئے تب هماری نکاہ گوبدھ کی طرف جانا بید ہو چائے گئ جس طرح دید کال میں نہیں جانی تھی ، اور یہ دونوں کام گورکشا ہے ھو سکتے ھیں ، گوبدھ بید بیش ، گوبدھ کی الیہ بید بیش ، گوبدھ کی الیہ بیش ، گوبدھ کی دونوں کام گورکشا ہے ھو سکتے ہیں ، گوبدھ بیش ، گوبدھ کی الیہ بیش ، گوبدھ کی دونوں کام گورکشا ہے ھو سکتے ہیں ، گوبدھ بیش ، گوبدھ کی الیہ بیش ، گوبدھ کی دونوں کام گورکشا ہے ھو سکتے ہیں ، گوبدھ کی ۔

کھوڑے کا بدھ نہیں ھوٹا۔ اِٹٹا ھینیس' آپ تو جٹکلی گھوڑے ملکے ھی نہیں ۔ گھوڑا آدمی کے لگے اِٹٹے کام کا جھٹور موگھا ہے کہ آدمی اُس کے بدھ کی بات سوچ ھی نہیں سکتا۔ اگر گئے اور بجھوڑے ایمی اِسی

(1) A.

को जैसे बने अपने उपर से उठाकर फेंक दे. सेर मर रस गुल्ले पेट में पड़े भारी नहीं मालूम होते पर वही रसगुल्ले हाथ में रखे श्वादमी को थका देते हैं. और उनको फेंकने के लिये जल्दी ही जी मचलने लगता है. यही हाल मरकारी छानूनों का होता है. सरकारी क़ानून धर्म नियमों की तरह कभी भी श्वादमी के जीवन का श्वंग नहीं बन पाते.

आज जो लोग गोवध बंद करना चाहते हैं वह गोवध बंदी क़ानून तो बनवा सकते हैं पर गोवध रोक नहीं सकते. चोरी जिपे गोबध होता ही रहेगा. गोबध बंद कराने के काम में जो लोग सच्चे जी से लगे हुए हैं उनसे इम मिले हैं. उनका कहना है, बंगाल ने गोवध बंदी क़ानून पास किया, दसको चौदह म्युनिस्पिबटियों में लागू किया. नतीना यह हुआ कि जहां वह जागू नहीं हुआ था वहां गोबध शुरू ही गया और गायों के मरने की तादाद उतनी ही बनी रही जितनी पहले थी. उनका यह भी कहना था कि जब तक सारे बंगाल में वह क़ानून लागून किया जाय तब तक बंगाल में गोवध बंद नहीं हो सकता. हम पूछ बैठे, तब पड़ोसी रियासतों में होगा. वह बोले, "हां यह तो होगा ही." यह भी बोल, हिन्दुस्तान भर में ही लागू होने पर गोबध बंद हो सकता है. हमने कहा- "तब गोया, पांडेचेरी, कारीकाल, माही खुले रहेंगे क्योंकि यह हिन्दुस्तान में होते हुए भी बिदेशी राज के कारन हिन्दुस्तान में नहीं माने जाते." वह बोले हां यह तो होगा ही. हमने कहा, "इतना ही क्यों, बंदरों की तरह फिर गायें भी बध होने के लिये विदेश बदने लगेंगी. वह बोले, "उसे रोकने के लिये एक क्रानून और बनाना पढ़ेगा." मतलब यह कि क्रानून पर क्रानन बनाते जाइये और नतीजा कुछ नहीं.

आजहल गार्थे जियादातर इस गरज से नहीं मारी जातीं जिस गरज से बकरे मारे जाते हैं. यह तो व्यापार की गरज से मारी जाती हैं. हजारों बाखों मन बड़ा मांस कोरिया लढ़ कर जाता है. या लिसबन की मंडी की चला जाता है जो योरप के एक देश की राजधानी है.

गाय की बध होने से बचाने के लिये यह बिलकुल फरूरी है कि एक ऐसी जमात तैयार की जाय जो हर तरह के मांस से परहेज करती हो. जैसा महावीर और बुद्ध के समय में हुआ. तब और तब ही यह संभव है कि गाय के लिये वहीं फ़द्र फिर पैदा हो नाय जो कभी उस वक्ष्त पैदा हुई थी जब गाय से किसी को परहेज न था.

इसी महीने में हम दार्जिलिंग ये. वहां गोवध रोकने के प्रचारक से हमारी मेंट हुई. उन्होंने हम बताया कि दार्जिलिंग के क्रमाई घर में 22 गायों का रोज वध होता है और इससे कई. सुना और गायें चोरी चोरी वध की जाती हैं. हमने पूछा यह चोरी से वध क्यों ? वह बोले, "जो गायें

کو جوسے پلے لئے آوپر سے آتھا کو پھیلک دے، سھر پھر رس کلے پیش میں پڑے بھاری تھیں معلوم ہوتے پر وہی وس کلے ہاتھ میں رکھے آدمی کو تھکا دیتے میں، اور اُن کو پھیکنے کے لگے جلدی ہی جی محتیلئے لگتا ہے، یہی حال سرکاری قانونوں کا عرتا ہے ، سرکاری قانون دھرم میموں کی طرح کھھی بھی آدمی کے جھوں کا انگ نہھی بن پاتے ،

آج جو لوگ گويده يند كرنا چاهتيهيس وه گويده يندي قانون تو بلوا سکته ههی یا گویده ورک نهیں سکتے، چوری جهور کوبده هوتا هی رهے ؟ کوبده بدد کرانے کے کم مهر بجو لوگ سعے جی سے لکہ هوئے هيں اُن سے هم ملے هيں . ال كا نهدًا هـ، بنكال نے كوبدء بددى قانون ياس كيا، أسكو چودة مهونسها تهون مهن لائو كها . تقهجه يه هوا كه جهال وه الكونهدي هوا تها وهال كويده شروع هو كها أور کایوں کے سرئے کی تعداد اُللی هی بلی رهی جندی پہلے تھی . اُن کا یہ بھی کہذا تھا کہ جب تک سارے بنکال سهي ولا قانون الأو تم كها جائے ثب تك يتكال مهن كوبدھ يقد نهون مو سكتا . هم پوچه بهتم " تب پرومى رياستون میں هوگا ، وه بولی^{۱۵ د} هاں یہ تو هوگا هی ، ^{۱۵} یه بهی بولی^۲ هندستان بهر میں هي لائو هونے پر گوبدھ بند هو سکتا ھے ، هم آنے کھا۔۔۔ آ تب کویا' یانڈینچری' کاریکال' ما هی كهلير رهين كي كيونكم يم هلدستان مهن هوت هوئي بھی وسیشی واج کے کارن ھندستان میں نیوں مانے جائے ." وہ بولے هاں يه تو هوگا هي . هم نے كها "إنقا هي کھوں' بلدووں کی طرح یہو کاٹیس بھی بدھ ھونے کے لگے وديق لدنے لکهلکی ." وہ بولے" " أسر روكنے كے لئے قانون أور يقانا يوس كا ." مطلب يه كه قادون ير قادون يقالة جايئے اور تعيجه نجه نهيں ،

آج دل کالیں زیادہ در اس فرض سے تبھی ماری ہاتھیں جس فرض سے تبھی ماری ہاتھیں جس فرض سے بحرے مارے جاتے ھیں ، یہ دو یہوںاری فرض سے ماری جاتی ھیں ، ھزاروں لاکھوں میں ہوا مارس کوریا لدکر جاتا ھے یا لسین کی فقی کو چلا جاتا ھے یہ جو یورپ کے ایک دیھی کی راجدعائی ھے ،

گلے کو پدھ ھوتے سے بنچاتے کے لگے یہ بالکال ضروری ہے کہ لیک ایسی جماعت، تھار کی جاگے جو ھر طرح کے مانس سے پرھھڑ کرتی ھو ۔ جیسا مہاویر اور یدھ کےسمے میس ھوا ۔ تباور تب ھی یہ سمجو ہے کہ گائے کے لگے وهی قدر پھر پھدا ھو جائے جو کبھی اُس وقت پہدا ھوئی تھی جب گائے سے کسے کو پرھیڑ نہ تھا ۔

آس مهیئے میں هم دارجلنگ تھے، وهاں گویده روکئے پرچارک سے معاری بھیلت هوئی۔ اُنھوں نے معیں بھایا که دارجلنگ کے قصائی کیو میں بالیسی الیوں کا روز بدھ هوتا ہے اور اِسسے کئی گلا اور گئیس چوری چوری یدھ کی جاتی هیں۔ هم لے پرچیا یہ چوری یدھ کیوں؟ لادو الاجوالائیں

Water Wood and in

गोरक्षा बनाम गोवध बंदी

गोरक्षा से इमारा मतलब है गाय के लिये चन्छी चरागाहों का प्रबंध करना, गाय की नसल बढ़ाना, ऐसी दुधारी गाय सैयार करना जो एक बक्त में दस पंद्रइ सेर दूध दे सके. गाय के मुख के लिये सब तरह के साधन जुटाना. लोगों के लिये ऐसे मुभीते कर देना कि वह चासानी से गाय पाल सकें. बीमारी से बचने के लिये एकिस साहित्य जुटाना चौर इलाज के लिये काफी चर्यताच सोलना.

गोवध बंदी में यह सब बातें. शामिल नहीं हैं. उसमें तो सिर्फ इस बात का शोर मचाया जाता है कि गायों का किसी क्षरह भी बध न होने पाए.

वेद काल में आर्थ लोग गाय पालने के बढ़े शौक़ीन थे. इस समय का साहित्य गाय की बदवारी का हाल इतना अच्छा बताता है. कि इसको सुन सुनकर मुंह में पानी भर आता है. दूध की नदी बहने की बात सचमुच अगर कभी सही रही होगी तो वेद काल में ही सही रही होगी. पर इस दिनों गोबध बंद नहीं था.

वसके बाद के काल में भी गोक्य बंद करने की बात कभी नहीं उठी. पर गोरचा जरूर होती रही. गोषध बंद करने की बात सिर्फ उस वक्षत उठी जब बुद्ध भगवान और महाबीर स्वामी जैसों ने मांस साने के खिलाफ आवाज डर्काई, और सैकड़ों हजारों नहीं लाखों ने उनकी बात सुनी, मानी और उस पर अमल किया. करोड़ों के गले उतर गई. और वह बाहे मांस छोड़ न सकें हों तब भी निरामिश मोजियों से इर तरह की सहातुभूति रखते थे, उनकी इपजत करते थे. जब मांस न खाने बार्कों की तादात काफी हो गई तब एक आवाज यह भी उठी कि भाई अगर तुम और मांस नहीं छोड़ सकते तो कम से कम ऐसे पशु का मांस तो छोड़ों जो खेती में तुम्हारी बड़ी मबुद करता है. मां के मर जाने पर आदमी के बच्चे का पालन करता है, और बेहद मोजामाला है. इस बावाज ने जब बढ़ा रूप लिया तब नतीजा यह हुआ कि लोग जिस गाय को बहुत पहले से मां सममते आ रहे थे सच्चे मानों में मां मानने जारे और एसके बहारों को अपना माई सममने लगे. फिर जल्दी ही वह दिन चा गया कि गाय का वध करना. अपने आप अवर्म बन बैठा. गोबध बंद करने का अगर कहीं कानून बना होता तो गाय को यह बड़ी जगह कभी न मिली होती जो बाज मिली हुई है. धर्म विधान और राज विधान में यही तो यंतर है. धर्म विधान धारमी के मन मस्तक में ही नहीं सारी भारमा में रम काता है. और राज विज्ञान कपर कपर रहता है जिसे बादमी हमेशा बोम्स सममता रहता है. अंदर से यह बाहता रहता है कि वह उस बोमे

گورکشا بنام گوبده بندی

گورکشا سے همارا مطلب ہے گئے کے لئے اچھی چراگاهوں کا پریقدھ کرنا گئے کی نسل ہوھانا ایسی ددھاری گئے تھار کرنا جو آیک وقت میں دس یقدرہ سور دودھ دیے سکے . گئے کے سکھ کے لئے سب طرح کے سادھی جگانا . لوگوں کے لئے ایسے شہوعتے کو دیفا کہ رہ آسانی سے گئے یال سکھیں . بھماری سے بچنے کے لئے اُچت سامتھہ جگانا اور علاج کے لئے اُچت سامتھہ جگانا اور علاج کے لئے اُچت سامتھہ جگانا اور علاج کے لئے کائی اُسپتال کھولفا .

گریدھ بقدی میں یہ سب باتیں شامل نہیں ھیں ۔ اُس میں تو صرف اِس بات کا شور متھایا جاتا <u>ہے</u> کہ کایس کا کسی طرح بھی بدھ نہ ھونے پائے ۔

وید کال میں آریہ لوگ کائے پالٹے کے بڑے شوقین تھے۔ اُس سمے کا ساھھیہ کائے کی بڑھواری کا حال اِنٹا اچھا بھاتا ھے کہ اُسکو سن سن کر سٹھ میں پائی بھر آتا ھے ۔ دودھ کی ندی بہلے کی بات سے میے اگر کبھی صحیمے رھی ھوگی ، تو وید کال شاھی صحیمے رھی ھوگی ، پر اُن دنوں گوبدھ بقد نہیں تیا ۔

اُس کے بعد کے کال میں بھی گو بدھ بند کرنے کی بات كبهى تبهن ألهى ، يو كوركشا فدرور هوتى رهى . گویدھ بند کرنے کی بات صرف اُس وقت اُٹھی جب بدھ بھکوان اور مہاویر سوامی جهسوں نے سانس کھانے کے خلاف آواز اُتھائی اور سھنگروں ھزاروں نہیں لاکھوں نے اُن کی بات سلی' مالی اور اُس پر عمل کھا ، کروڑوں کے کلے أَتُو اللَّي ، أور ولا جاهي مانس فه چهور سکے هوں قب بھی ترامش بھوجھوں سے هو طوح کی سپانوبھوتی رکھتے تھے کی کے عوص کرتے تھے ۔ جب مانس قد کھالے والوں كى تعداد كافي هوكائي تب ايك آواز يه بهي أنهىكه بهائي، اگر تم اور مانس نہیں چھوڑ سکتے تو کم سے کم ایسے چھو کا مانس تو چهورو جو کهیتی میں تمهاری یوی مده کرتا ہے . ماں کے مر جانے پر آدمی کے بنچے کا بالن کرتا ھے ۔۔ اور سے حد بھولا بھالا ھے ، اِس آواز نے جب ہوا روپ لها تب نعهجه هوا که لوگ جس کانے کو بہت پہلے سے مان سمجها أره تم سجد معدون مهن مان مانلے لك اور اُس کے بحہوں کو اینا بہائی سنجھٹے لگے ۔ یہر جلدي هي ولا دان آ گيا كه كائي كا يده كرنا؟ أبي آب ادهرم ين بيتها . كريده بند كرني كا أكر كيهن قانون بنا هوتا تو گائے کو یہ ہوں جاکہ کبھی نہ ملی ہوتی جو آج ملی ہوتی ھے ، دھرم ودھان اور راہے ودھان میں یہی تو اِنکر ھے . دهرم ردهان آدمی کے من مستک میں هی نهیں ساري أنما مهن رم جاتا هـ. اور راج ونهان أرير أيور رهدا هے جسے آدمی همهمه برجها سنجیدا رهدا هے الدر سے یہ جامعا رمعا ہے که رد اس دوجهے

قائلر لوهها نے وہ دونوں خط آجاریہ کوہائی کے اختیار ''وجال'' میں چھھوا دیئے ۔ لیکن مس اِسکاریٰ اُلم طاهر بہیں کیا ۔ پر نہ جانے کیسے دلی کے امریکی دوناواس نے لیکھٹ کا ٹھیک پتہ لاا لیا ۔ یہ یات همارے لئے شرم کی ھے اِسکا مطلب یہ ھے کہ هم لیک معمولی سا واز بھی چھھا کر نہیں وکھ سکتے اور اِسکا مطلب یہ بھی ھے کہ امریکی خفیہ جال بہت دور اِسکا بھیلے ھوئے ھیں ۔ نکیجہ یہ ھوا کہ مس اسکار کو نوران سے ھا دیا گیا اور حکم دیا گیا کہ وہ فوراً امریکہ کے لئے روانہ ھو جائیں ۔ وہاں میکارتھی کی رسی اسکار کی گردی کے اُنتظار میں ھے .

سم کو اس طرح دیانا مجون کو اس طرح سے خدم فرنا اگر آزادی کا میں میں یہ آزادی کا مائزا میں بائی جاتی ہے!

ایک در پوتکر گهتفائین به نهین ههن بلکه به ولا گهالغالهن هين جو نسي طرح طاهر هو نگيهين ۽ 25 مئی کو اسٹیفلی برے نے لقدن سے نملنے والے اخبار انہوز گرانیکل^ا میں لکھا ہے کہ 12000 ودیشی امریکہ سے نالے جا رہے میں اور دس مزار ایصریکتیوں کے بارے سیں سوچا جا رها هے که أنههن أمريكم كا باكرك رهنے ديا جائے یا نہیں جو کہ باہر سے آ کر امریکہ کے ناکرک بن گئے تھے۔ سوال أَلَهُمَّا هِي أَهُم إِن لوكين كي كها خطا هِي جس في وجة سے أنهيں ديھي تكال مل رها هے . أمويكى أستهت قهارٹملم کے سوچلا وبھاک کے سکریڈری ڈاکڈر رابرت جانسون نے اِس دات کا تھیک جواب دیا ہے۔"جو آدمی سرکار کے منصوبوں سے پوری ممدردی نہیں رکھتا آسے ختم گر دیا جائے گا ،'' دھوان رمے که یہ شبد اُس دیمی کے قامیدار شاسک کے هیں جو لوک شاهی کے نام پر غون خرابه کرتا په، تا هـ اور دسافي آزادي کو بهت اهم سمجها في اور أيسي آزادي فرايمت كرنے كے لئے وہ كروزوں جانیں مار سکتا ہے' یہاں تک که آیٹم ہم کا آیہوگ ی

اُن گھٹاؤں کو بوھکر روٹیں گھڑے ھو جان سوابھاوک ھے ، پر اب عمل کا وقعت ھے ، ھمیں جاھٹے کہ امریکہ نے ودوانیں سماجی کام کرنے والوں اور ھو طرح کے لوگوں کی جانی بھائے کی ھم کوشھ کریں، اِس کے لئے ضروری ھے کہ ایک سائکٹھن کھوا کیا جائے جو اسطرح کے سوائیں کو لے کر یہاں کے امریکی دوتاواس پر اگر قالے اور مطلومیں کے سانھ ھمدونس دکھا کو امریکی جلاتا کو نیمتک بل دے جس سے کہ وہ اِس بربرتا کے خات آواز اُٹھا سکے اور طلم کا خات کہ سکے کہ سکے اس بربرتا کے خات

15-6-53

لووده

--- मुजीब दिज्बी

डाकटर लोहिया ने वह दोनों सत आकार्य कुपलानी के अखबार "विजल" में छपवा दिये लेकिन मिस स्किनर का नाम जाहिर नहीं किया गया. पर न जाने कैसे दिल्ली के अमरीकी दूतावास ने लेखक का ठीक पता लगा लिया. यह बात हमारे लिये शर्म की है. इसका मतलब यह है कि हम एक मामूली सा राज् भी छिपा कर नहीं रख सकते और इसका मतलब यह भी है कि अमरीकी खुकिया जाल बहुत दूर तक फैले हुए हैं. नतीजा यह हुआ कि मिस स्किनर को नौकरी से हटा दिया गया और हुकुम दिया गया कि वह कीरन अमरीका के लिये खाना हो जायं. वहां मैकारथी की रस्सी स्किनर की गरदन के इन्तजार में है.

सच को इस तरह द्याना, सच्चों को इस तरह से खतम करना अगर आजादी है तो अमरीका में यह आजादी काफी मात्रा में पाई जाती है!

एक दो फुटकर घटनायें यह नहीं हैं बल्कि यह वह घटनाय हैं जो । कसी तरह जाहिर हो गई हैं. 25 मई की स्टेनली बुर्च ने लन्दन से निकलने वाले अखबार 'त्यूज क्रानिकल' में लिखा है कि 12000 विदेशी अमरीका से निकाले जा रहे हैं और दस इजार ऐसे व्यक्तियों के बारे में सोचा जा रहा है कि उन्हें अमरीका का नागरिक रहने दिया जाय या नहीं जो कि बाहर से आ कर अमरीका के नागरिक बन गए थे सवाल उठता है आखिर इन लोगों की क्या खता है जिसकी वजह से उन्हें देश निकाला मिल रहा है. अमरीकी स्टेट डिपार्टमेन्ट के सूचना विभाग के सेकेटरी डाक्टर राष्ट्र जानसन ने इस बात का ठीक जवाब दिया है- "बी बादमी सरकार के मनसूबों से पूरी इमदरदी नहीं रखता उसे खतम कर दिया जायगा." ध्यान रहे कि यह शुद्ध उस देश के जिम्मेदार शासक के हैं जो लोकशाही के नाम पर खुनखराबा करता फिरता है श्रीर दिमागी आजादी को बहुत बहम ससमता है और ऐसी आजादी प्राप्त करने के लिये वह करोड़ों जानें मार सकता है, यहां तक कि ऐटम बम का उपयोग कर सकता है.

इन घटनाओं को पढ़कर रोएं खड़े हो जाना स्वामाविक है. पर अब अमल का वक्त है. हमें चाहिये कि अमरीका के विद्वानों, समाजी काम करने वालों और हर तरह के खोगों की जान बचाने की हम कोशिश करें. इसके लिये चक्तरी है कि एक संगठन खड़ा किया जाय जो इस तरह के सवालों की लेकर यहां के अमरीकी द्तावास पर असर बाले और मजलमों के साथ हमदरदो दिला कर अमरीकी जनता को नैतिक बल दे जिससे कि वह इस बरबरता के खिलाफ आवाज उठा सके और जुल्म का खतमा कर सके.

জুন '58

15. 6. 53

A THE TA

ال 158

مان لي جائرتو سوال أتهتاها كه پروفهسر لهامهورا بنعها أور دوسرے جاتے پہنچاتے نہتا بھی کہا راج کو اُلگٹے کے دھن میں هيں. دنيا أنهيں كميونست ورودهي تو كم سكتى هـ يو إربير كيهرنست هونے كا شك نهيى كرمكتى. هم أن سب كو جهور دیاتے هیں جو خودکھی کرکے ''الوک شاهی'' کی ویدی پر بلی چوه کئے . یہاں هم اِن واقعات پر روشلی ڈالنا چامتے میں جو حال کے میں .

يروقهسر ليتهمور جهسه ودران پر هر آدمي فخار كري ت ، ہر اِن تک کو نہیں جہورا گیا ، طرح طرح سے پریشان ى كے يہ ثابت كرنے كىكوشھ كى كئى كه يه كمهونست ههم اور اس لئے إن يو وشواس كهات كا الزام لكا كر خام کر دیا جائے ، لیڈیمور پر آب بھی مقدمہ جال رہا هے اور جو الزام اِن پر هے وہ خود اسریکی لوک شاهی کی قلعی کھول کر رکھ دیتا ہے: دوسری لوائی کے زمالے موں پروقیسر لیٹیمور نے کسی دین روسی واجدوت کے ساتھا کھانا كهايا تها . سركاري يكف كا كهذا هي كه جونكه روسي رأجدوت ہے اِن کا روتی کا سمبندھ تھا اِسلیّے یہ ضرور روسی اینجلت ھونگے ، لیکھمور نے صفائی دبی ہے که انہوں نے زوسی راجدوت کے ساتھ اُس سم کھانا کھایا ہے جب روس اور أمريكه ايك "ساته هوكائه ته . ير سركار كا كهذا هـ كه أنهون نے کہانا روس اور امریکہ کے ایکر سے پہلے کہایا ہے ، سهریم کورت کو پہلے اس بات کا فیصلہ کرنا ہے کہ اُنہوںنے کہانا مملے کہایا تھا یا پہنچھے ا

بهارت کی سوشلست پارٹی اور اُسکے نیٹا ڈاکٹر رام مقوهر لوهیا پر کوئیکمهونست هوئے کا الزام نیهن لکا سکتا بلکء لوف امریکہ کے ساتھی مونے کا اِن پر شک کرتے میں، کلکته میں بولتے هوئے ڈائٹر صاحب کو بھی درد بھرے هبنوں میں امریکہ سے ایمل کرنی پڑی کہ وہ سے بولقے ير مس ماركريت اسكدر كو سرأ نه دے . كالمقاليس هـ : فلههائن پر أمريكه قبضه جمالي هولي هي , وهان كي جدتا یے حد فریب ہے اور اُن کی فریعی پو امریکی دولت کے معمل کهوے کو رہے ههن ، مس اسکفو کو آمریکه سے اسكارهب دي كو قليهائن كي راجدهاني مقهد يهوجا كها تها ، وه منهلا کے لیک أسكول مهن پومائی تههن ، سليلا میں رہ کر اُنہوں نے اُس دیش کی دردشا کو اچھی طرح دیکھا اور دیسی لرگوں کے ساتھ آمریکی جو بھوھار کرتے ته اس الله أن كو يهمت دهكا لنا . ةَاكْثُر لوهيا اصليقًا كُنُهُ تَهِ ارر مس اسکتر نے ان سے وہاں ملانات کی تھی، ڈاکٹر صاحب کے مقدستان لرتھے پر مس اسکلر نے دو خط ڈائٹر لیعیا کو لکھے تھےجس میں وہاں کے حالت پر روشقی ڈالی تھی۔

मान ली जाय तो सवाल उठता है कि श्रीफेसर बेटिम्स, मुनचे और दूसरे जाने पहचाने नेता भी क्या राज की बलटने की धुन में हैं दुनिया इन्हें कमयुनिस्ट विरोधी तो कह सकती है पर इन पर कमयुनिस्ट होने का शक नहीं कर सकती. हम उन सब को छोड़ देते हैं जो खदकशी करके "लोकशाही" की बेदी पर बली चढ गए. यहां हम बन बाक्रेबात पर रोशनी हालना चाहते हैं जो हाल

भोकोसर लैटिमूर जैसे विद्वान पर हर बादमी कल करेगा. पर इन तक को नहीं छोड़ा गया. तरह तरह से परेशान करके यह साबित करने की कोशिश की गई कि यह कमयनिस्ट हैं और इसिलिये इन पर विश्वासघात का इलजाम लगा कर खतम कर दिया जाय. लैटिमर पर अब भी मुझदमा चल रहा है और जो इलजाम इन पर है वह खद अमरीकी कोकशाही की क़लई खोल कर रख देता हैं: दुसरी लड़ाई के जमाने में प्रोफ़ेसर लैटिमूर ने किसी विन हसी राजदत के साथ खाना खाया था. सरकारी पश्च का कहना है कि चंकि रूसी राजदत से इनका रोटी का सम्बन्ध था इसलिये यह जरूर रूसी एजेन्ट होंगे. तैटिस्र ने सफाई दी है कि उन्होंने , रूसी राजदत के साथ इस समय साना साया है जब रूस और अमरीका एक साम हो गए थे. पर सरकार का कहना है कि उन्होंने खाना हस और अमरीका के पेके से पहले खाया है. सुपरीम कोर्ट को पहुंचे इस बात का फैसला करना है कि उन्होंने साना पहले साथा था या पीछे!

भारत की सोशलिस्ट पारटी और उसके नेता डाक्टर राममनोहर लोहिया पर कोई कमयुनिस्ट होने का इलजाम नहीं सगा सकता बल्कि लोग अमरीका के साथी होने का इन पर शक करते हैं. कलकत्ते में बोलते हुए डाक्टर साहब को भी दर्द भरे शब्दों में अमरीका से अपील करनी पढ़ी कि वह सच बोखने पर मिस मारपेट स्किनर को सचा म दे. घटना यं है : फिलीपाइन पर अमरीका ऋज्जा जमाए हुए है. वहां की जनता बेहद रारीब है और उनकी रारीबी पर असरीकी दौलत के महल खड़े कर रहे हैं. भिस स्कितर को अमरीका से स्काखरशिप देकर फिलीपाइन की राजधानी सनीला भेजा गया था. वह मनीला के एक स्कूख में पदाती थीं. मनीजा में रहकर उन्होंने उस देश की दर्शा की अच्छी तरह देखा और देखी लोगों के साथ अप्रतिकी जो न्योद्वार करते थे उससे उनको बहुत धकका स्त्या. बाक्टर सोहिया मनीला गए थे। और मिस स्किनर ने वन से वहां बुलाकात की थी. डाक्टर साहब के हिन्द-स्तान सीटने पर मिस स्किनर ने वो खत डाक्टर लोडिया को लिखे थे जिस में वहां के हालात पर रोशनी हाली थी.

میں پونجی واد کی رکھا کا نام ند لیکو لوک شاهی کی رکھا کا نام کھوں لیکے ھیں ؟ اِس سوال پر سوچنے پر پخد چلکا ہے کہ پونجی واد کا تھانچہ اللہ اور اُسکی نیٹکٹا اللی گری ہے کہ مام چلٹا کی عدالت کے سامنے اُس کے پکھی میں کچہ نیٹوں کیا چاسکتا ، سب جانگے ھیں کہ امریکہ پرنجی واد کا مامیورڈاو ہے اور اُسی ویوسٹیا ہے وہ چوہا رھٹا چاھتا ہے۔ پر اُسی میں الفا ساھس بائی نہیں رہ گیا ہے کہ وہ اِس چاس کو صاف ساف کی سکے ۔ کسونزم کی یہ زبردست جانگ کو صاف ساف کی سکے ۔ کسونزم کی یہ زبردست خیش کو صاف ساف کی سکے ۔ کسونزم کی یہ زبردست خیش کیا جاسکتا ۔

کھپے لوگ هماری بات کو نہیں مانیں کے اور کیش کے کے امریکہ لوگ ہاتے کے امریکہ لوگ ایک کے امریکہ لوگ ایک کے امریکہ لوگ ہاتے کے امریکہ دوس عالی ہاتے کے دورودھ اصل میں کمیوروم کا نہیں ہے بلکہ تان کیاھی تملک کے والے کا ہے۔ ہم ایس بات کو نہیں مانگے ، پہر بھی اِس بات کو نہیں مانگے ، پہر بھی اِس بات پر وچار کرنا فلط نہ ہوگا ،

"پاس سمجههند که لئد هم امریکه کی استهتی کولدله به الرکهاهی " کی دکشا کے لئد بغائی گئی هے، قاس ساهب فی الاقیانی کے پانچ کهمید بغائد هها ، پاسچوال کهمها یه هی الروادات اور دماغی آزادی، " یا بات بهت هی اجهی هی اور دل پر اثر کرتی هے، پر امریکی لوک هاهی سمن اس پر مقل کسطرح کها جاتا هے ' یه بات سوچند کی هے، خود عمل گرکے جو آیدی دوسوں کو دیا جاتا هے وتزیادت اثردار هواتا هے و میں دکھ هے که امریکه والوں کے شهدوں اور علی مهی زمین آسان کی دوری هے ،

آج یہ یات جہبی نہیں جے کہ سیکورں نے آمریکہ میں خودگھی کرلی ھے اور ھزاروں جھلوں سیں بقد ھیں، میکآرلی کا نام سلکر تو هم لوگوں کے بدن میں بھی جھبوں جھبوں پودا ھو جاتی ہے ۔ آگر دمائی آزادی سے جے تو ھمیں مصلیب دسی خاص طرح فی آزادی کا مطلب ھے مالی شمیلی نیچک دھارمک وجار رکھنا اور آزادی سے آن تو طاهر کرنا تو ھمیں یہ بات کھتاؤں کے آدھار پر ماندا پوری ھے کہ آوری ہے کہ آمریکہ میں یہ آزادی آج بالکل نہیں ھے ۔ گوری می الکل نہیں ہے گوری می الکل نہیں ہے گوری ملئا جاھی وجار ھے اور آس وجار کے ساملے والیں کو گاروں کے روب لیں آمریکی گاروں کو مانتے ھیں پر عمل میں معاملہ مالکی آنتا ھے ۔

کمھونست پارٹی کے ممدورں کو جھٹوں میں رکھا جاتا ھے' اُنہیں طرح طرح سے ڈلیل کھا جاتا ھے ۔ اِس کا جواب یہ ھوسکتا ھے کہ یہ لوگ طالعت سے رائے اُلٹقا جاھیے مھں' اِس کارن سے اِن کو سؤائیں دی جاتی ھیں' نہیں ٹو کمھونون کو مانقا جرم نہیں ھے ۔ اگر یہ یات

में पूंजीबाद की रक्षा का नाम न तेकर लोकशाही की रक्षा का नाम क्यों लेते हैं ? इस सवाल पर सोचने पर पता चलता है कि पूंजीबाद का ढांचा इतना सड़ा है और उसकी नैतिकता इतनी गिरी है कि आम जनता की अदालत के सामने उसके पन्न में कुछ नहीं कहा जा सकता. सब जानते हैं कि अमरीका पूंजीबाद का अलमबरदार है और उसी व्यवस्था से वह चिपका रहना चाहता है. पर उसमें इतना साहस बाक़ी नहीं रह गया है कि वह इस बात को साफ साफ कह सके. कमयुनिजम की यह जाबरदस्त नैतिक जीत है, इससे इनकार नहीं किया जा सकता.

कुछ जोग इमारी बात को नहीं मानेंगे और कहेंगे कि समरीका लोकशाही का नाम इसलिये लेता है क्योंकि रूस में तानाशाही है. विरोध असल में कमयुनियम का नहीं है बल्कि तानाशाही ढंग के राज का है. हम इस बात को नहीं मानते. फिर भी इस बात पर विचार करना ग़लत न होगा.

बात सममने के लिये हम अमरीका की उस नीति को लें जो "लोकशाही" की रज्ञा के लिये बनाई गई है. इलेस साहब ने शान्ति के पांच सम्बे बनाए हैं. पांचवां सम्बा यह है—"धार्मिक और दिमाग्री आजादी." यह बात बहुत ही अच्छी है और दिज्ञ पर असर करती है. पर अमरीकी जोकशाही में इस पर अमल किस तरह किया जाता है, यह बात सोचने की है. खुद अमल करके जो उपदेश दूसरों को दिया जाता है वह जियादा असरदार होता है. हमें दुख है कि अमरीका वालों के शब्दों और कामों में अमीन आसमान की दूरी है.

आज यह बात छिपी नहीं है कि सैकड़ों ने अमरीका में खुद्कुरी कर ली है और हजारों जे जो में बन्द हैं. मैकारथी का नाम सुन कर तो हम जोगों के बदन में भी फुरफुरी पैदा हा जाती है. अगर दिमाशी आज़ादी से मतलब किसी जास तरह की आज़ादी से है ता हमें कुछ नहीं कहना पर अगर दिमाशी आज़ादी का मतलब है माली, समाजी, नैतिक, 'धार्मिक विचार रखना और आज़ादी से उनको ज़ाहिर करना तो हमें यह बात घटनाओं के आधार पर मानना पढ़ती है कि अमरीका में यह आज़ादी आज बिलकुत नहीं है. कमधुनिषम एक विचार है और उस विचार के मानने वालों को आज़ादी मिलना चाहिये. शायद आदर्श के रूप में अमरीकी शासक इस बात को मानते हों पर अमदा में सामका विखकुत जलटा है.

कमयुनिस्ट पारटी के मेन्बरों को जेलों में रखा जाता है, उन्हें तरह तरह से ज़लीज किया जाता है. इसका जवाब बह हो सकता है कि यह लोग ताक़त से राज उसटना जाहते हैं, इस कारन से इनको सजाएं दी जाती हैं, नहीं के कमयुनिस्म को मानना जुर्म नहीं है. बगर यह बात

لها على

मानता है और जमीदारों से उनकी जमीन का छठा हिस्सा कर के रूप में किसानों को दिलाता है, उसके दान और यह इंग्लें का क्या अर्थ होगा इसे भी सममदार न सममें ऐसा कैसे हो सकला है है लोगों ने यह अर्थ भी कैसे निकास लिया कि जमीदार अपनी जमीन का छटा भाग देकर हमेशा के लिये छूट जायंगे. क्या कर एक ही बार उघाया जाता है. कर तरह तरह के होते हैं. कुछ साल में दो बार क्या का किये जाते हैं, कुछ एक बार, और छुछ कई साल के बाद यह छटे भाग वाला भूमि कर किस तरह का है यह अभी तय ही कहां किया गया. यह तो राजा ही तय करेगा. और विनोधा की राजा है जनता.

जब विनोबा जी भूमि दान के लिये निकले ये तब 'नया दिन्द' में इमने एक नोट लिखा था. उस वक्त इमने यह कहा था कि इमारी निगाइ इस तरक नहीं रहेगी कि विनोबा जी को कब कहां कितनी जमीन मिली है. इमारी निगाइ तो इस तरक रहेगी कि उन्हें इस बात में कहां तक खफलता हुई कि हिंसा से नहीं चहिंसा से भी यह काम हो सकता है. और आज हम यह नोट इस बात को लेकर जिखा रहे हैं कि इमें यह चिंता नहीं कि कब सब जमीन किसानों के हाथ में आती है, इमें तो यह चिन्ता है कि कब दिन्दु-स्तान की सारी जनता यह सममने लगती है कि हिन्दु-स्तान की नहीं आर यह ऐसा काम है जिस पर हर एक को खुदा होना चाहिये.

10-6-53

—भगवानवीन

क्रोकशाहाँ और अमरीका

जिन शब्दों का सब से जियादा दुर उपयोग हुआ है काम से ''लोकशाही'' एक है. तरह तरह के मानी इस शब्द को पहनाए जाने लगे हैं. अमरीका बाले तो इस हर तक गए हैं कि उनकी हर नीति ''लोकशाही'' कही जाने लगी है. आम खयात यह है कि लोकशाही और कमयुनिष्म तो गिरोह हैं. कमयुनिष्म का सरदार रूस है और लोकशाही का अलमसरवार अमरीका है. पर समयने की बात यह है कि लोकशाही के मुकाबले में तानाशाही, बादशाही वरीरा को तो खड़ा किया जा सकता है पर कमयुनिष्म से उसकी कोई होड़ नहीं हो सफरी. कमयुनिष्म एक तरह की माली अयस्था और उस माली व्यवस्था के आधार पर बनने वाली नई तुनिया का नाम है. लोकशाही सिर्फ उस मधीन का नाम है जिसने राजा से राज सत्ता अपने हाथों में तो जी है.

इमयुनिक्स एकं मनकिल है और लोशाही सिर्फ एक रास्ता. मनकिल और रास्ते में टक्कर नामुगाँकन है. लेकिन सवास बढ़ता है कि समरीका वाले कमयुनिक्म के मुकाबले مالکا ہے اور زمینداروں سے آنکی زمین کا جھتا بعصہ کو کے روپ میں کسانوں کو داتا ہے' اُس کے دان اور یکھنے شیندوں کا کیا ارتبا ہوگا اِسے بھی سمجھدار نہ سمجھے ایسا کیسے ہوسکتا ہے۔ کا لوئوں نے یہ اوتبا بھی کیسے فکال لیا کہ زمیندار اینی زمین کا جھتا ہی باز آئیایا جاتا ہے ۔ کو طرح طرح کے ہوتے میں ، کچھ سال میں دوبارہ وصول کئے جاتے ہیں' کچھ ایک بار اور ملح کئی سال کے بعد، یہ چھٹے بھاک والا بھوسی کر کس طرح کا ہے یہ اُبھی طے ھی کہاں کیا گھا ، یہ تو واجہ ھی طرح کا بیہ اُبھی طے ھی کہاں کیا گھا ، یہ تو واجہ ھی طرح کا بیہ اُبھی طے ھی کہاں کیا گھا ، یہ تو واجہ ھی طرح کا بیہ اُبھی طے ھی جھتا ،

جب وقویا جی بهومی دان کے لئے نکلے تھے تب انها هذا میں هم نے ایک نوت لکھا تھا۔ اُس وقت هم نے یہ کہا تھا تھا کہ هماری نگاہ اُس طرف نہیں رهیگی که ونویا جی کو کب کہاں نگلی زمهن ملی ہے ، هماری نگاہ تو اُرس طرف رهیگی که اُنهیں اِس بات میں کہاں تک سهملتا هوئی که هنما سے نہیں اهنسا سے بھی یه کام هوسکتا ہے ، اور آج هم یه نوت اِس بات کو لیکر لکھ رہے هیں که همیں یه جہتا نہیں که کب سب زمین کسانیں کے هاته میں آتی ہے شمیں تو یہ چنتا ہے که کب هندستان کی ساری چنتا یه سمنجھنے لگائی ہے که کب هندستان کی ساری چنتا یه سمنجھنے لگائی ہے که هندستان کی وہ مالک ہے نه که وہ سرکار جسکو اُس نے هندستان کی وہ مالک ہے جس پر هر ایک کو خوش کہوا کہا ہے ، اور یہ ایسا کام ہے جس پر هر ایک کو خوش خونا جاهئے ،

-- بهکوان دین

10.6.53

اوک شاهی اور امریکه

کیورٹوم لیک متول ہے اور لوک شامی صرف لیک وابیعت متول ہے۔ الیکن وابیعت نعین تکر نامیکی ہے ۔ الیکن سوال آٹیعتا ہے کہ امریکت والے کیورٹوم کے امایات

(* 878)

an '53

सुनकर ऐसे ही इतनी जल्दी मर जाता वा जैसे बाजकल कोई पुदाशियम साइनाइट चाट कर मर सकता है. प्रेम में मारने की जितनी जियादा ताक़त होती है उतनी कोच में नहीं पर, कोष जितनी आसानी से सिद्ध होता है उतनी आसानी से प्रेम सिद्ध नहीं होता. ऐसी बात किसने नहीं सुनी कि अमुंक पत्नी अपने पति के मरने की खबर सुनकर एकदम दम तोड़ बेठी या अमुक मां अपने बच्चे की मौत पर अपनी जान से हाथ घो बैठी. चितौड़ के अग्नि कुंड में अगर दस नारियां ढकेली गईं थीं तो सैकड़ों ने उसी कुंड में खुश खुश छुतांग भी मारी थी. पुरानी बातें छोड़िये. जाखों रुपयों का माल दुकानदारों ने खुशी खुशी सन 1921 में ऐसे ही जला दिया था जैसे बुद्ध भगवान ने ऋपना राज छोड़ विया था. फिर विनोबा को यह सोचने का क्यों हक नहीं कि अगर कांगरेस और दूसरी संस्थायें उसके साथ उसके घांदोलन में जुट जायं तो जमीन का सवाल एक विन में इल हो सकता है.

जिसे देखो वह विनोबा को दिगाने की फिकर में लगा हुआ है. हम इसे बुरा नहीं समक्तते. इसके बरौर कोई इस बात का बक्रीन भी कैसे करेगा कि जो काम विनोबा ने उठाया है वह हो सकता है. सोने ने, कब कहां, आग में तमें बना किसी को यक्रीन दिलाया है कि उसकी चमक सदा रहने वाली है?

हम यह मानने के लिये तैयार नहीं कि विनोबा जी यह नहीं जानते कि जिस तरह बह अपने तरीक़े के पूरे विश्वासी हैं वैसे ही कुछ लोग इस बात के विश्वासी: हैं कि यह काम सरकार की मार्कत क़लम के एक इशारे से हो सकता है, या डंड के बल पर कुछ दिनों में हो सकता है, पर वह तो आंखों से देख रहे हैं कि दूसरी तरह के निश्वासी कहीं हैं ही नहीं, फिर क्या वह चुप होकर बैठ जायं. वह मैदान में कूदे हुए हैं. उन्हें कक हासिल है कि वह दूसरों को अपने साथ आने के लिये लक्कारें. दूसरे जब मैदान में ही नहीं हैं तो वह उन्हें कैसे अपने पास आने के लिये कह सकते हैं. बम फेंकने वालों ने गांधी जी का साथ उस वहत तक नहीं दिया था जब वह चंपारन में सत्याग्रह की सोच रह थे, उस वहत दिया था जब सन 1921 में उन्होंने हिन्दुस्तान में उथल पुथल मचा दी थी.

कुछ लोगों को दान और यह शब्दों से चिद है. विनोबा जी ही कब इन शब्दों से चिपटने वाले हैं. जो यह कह रहा है कि सब खमीन का मालिक ईश्वर या फिर वह जो चसकी छाती फोड़कर उसमें आदमी के काम की चीजें पैदा करें या निकाले, वह दान ओर यह शब्दों से चिपका भी हैंसे रह सकता है। शब्दों का अर्थ बदलता रहा है, बद्दाता है, बद्दाता रहेगा. जो विनोबा जनता को राजा

سلكر أيس مي إلقي جلدي مرجانا تها جوس أجعل تحولي پرتاشهم سالي فالنه جالكر مر سكتا هـ ، پريم مهن ماؤل كي بهتلي ويادة طاقت هوتي هي أللي كروده مهن قهيس، يرا كروده جعلى أساني سي سده هوتا هي أللي السائي سے پريم سده نہيں مرتا ۔ ايسي بات کس نے نہمن بیلی کہ امک پعلی آئے پلی کے مرتے کی خبر سلکر أيك هم دم تور بهلمي يا أمك مان أي بحي كي موت ير آہتی جان سے مانہ دھو بیٹھی ، چترز کے اگذی گفت میں المر مس تاریان قعمید کئی تبهن تو سهلکون لے اسی كلي مهن خره خره جهانگ بهي ماري تهي ، پراني ہاتیں جهورئده، واہرں رویاتہ کا مال دوکان داروں نے خوشی خوشی سی 1921 میں ایسے هی جلا دیا تھا جه ہے۔ بدھ بهکوان نے ایکا راج جهور دیا تھا . پهر وتوبا کو یه سوجلے كا كيون حتى نهين كه اكر كانكريس أور دوسرى سلسكهائين أس كے ساتھ أس كے آندولن موں جت جالهن تو زمهن لا سوال ایک دی میں حل هوسکتا ہے ،

جسے دیکھو وہ ونوبا کو قالتے کی فکر میں لکا ہوآ ہے ، هم إیے ہرا نہیں سمجہتے، اِس کے بغیر کوئی اِس بات کا یقینی بھی کیسے کریکا کہ جو کام ونوبا نے اُٹھایا ہے وہ ہو سکھا ہے ، سولے نے' کپ کہاں' آگ میں تیے بنا کسی کو یکھی دلایا ہے کہ اُسکی جسک سدا رہنے والی ہے ؟

هم یه مانیق کے لئے تھار نہیں که ونوبا جی یه نہیں جانی کہ جس طرح وہ اپ طریقے کے پورے وشواسی هیں ویسے هی کیم ویسے هی کھیہ لوگ اِس بات کے وشواسی هیں که یه کام سرائو کی معرفت قلم کے ایک اِشارے سے هوسکتا هے یا سرنیکہ رقے هیں که دوسری طرح کے وشواسی کیوں هیں هی سرنیکہ رقے هیں که دوسری طرح کے وشواسی کیوں هیں هی گودے هوئے هیں ، اُنہیں حتی حاصل هے که وہ دوسروں کو اُنہیں هیں تو وہ اُنہیں کیسے اپنے پاس آلے کے لئے کہ سکتے انہیں هیں تو وہ اُنہیں کیسے اپنے پاس آلے کے لئے کہ سکتے تہیں، یم پھیلکئے والیں نے گاندهی جی کا ساتھ اُس وقت تک نہیں دیا تھا جب وہ جمیاری میں سکیاگرہ کی سرچ وہے آس وقت دیا تھا جب وہ جمیاری میں سکیاگرہ کی سرچ وہے گے اُس وقت دیا تھا جب وہ جمیاری میں سکیاگرہ کی سرچ وہے گے اُس وقت دیا تھا جب وہ جمیاری میں سکیاگرہ کی سرچ وہے گے اُس وقت دیا تھا جمیا وہ جمیاری میں سکیاگرہ کی سرچ وہے گے اُس وقت دیا تھا جمیا وہ جمیاری میں سکیاگرہ کی سرچ وہے گے اُس وقت دیا تھا جمیا وہ جمیاری میں سکیاگرہ کی سرچ وہے گے اُس وقت دیا تھا جمیا وہ جمیاری میں سکیاگرہ کی سرچ وہے گے اُس وقت دیا تھا جمیا وہ جمیاری میں سکیاگرہ کی سرچ وہے گے اُس وقت دیا تھا جمیا وہ جمیاری میں سکیاگرہ کی سرچ وہے گے اُس وقت دیا تھا جمیا میں اُنہیں میں اُنہیں کیا میں آنہیں آنہیں میں اُنہیں میں اُنہیں میں اُنہیں میں اُنہیں کیا میں آنہیں اُنہیں اُنہیں میں سکیاگرہ کی دوسے وہے گے اُنہیں کیا میں آنہیں آنہیں گیا میں آنہیں آنہیں گونہیں میں اُنہیں گونہیں میں آنہیں آنہیں آنہیں گونہیں میں آنہیں آنہ

کچھ لوگیں کو فاق اور یکھے شہدوں سے جود ہے ، ونوبا جی ھی کب اِن شہدوں سے جھٹے والے میں ، جو یہ کو وہا ہے کہ سب زمین کا سالک اِیشور یا بھو وہ جو اسکی جھائی بھور کر اُس میں آدمی گؤ کام کی جھاؤس بیدا کرنے یا نکائے اوا دان اور یکھے شہدوں سے جھائی بھی کہسے وہا سکتا ہے ؟ شہدوں کا ارتب بدلتا وہا ہے بیلتا جھا کو واجہ

The state of the s

उत्तर के ऐतराण ऐसे हैं जिनका कुछ जवांच नहीं बन सकता. क्योंकि इस काम की वह ऐसी बुराइयां हैं जो उससे दूर नहीं की जा सकतों. जिन्हें दूर करने पर वह अलाई ही नहीं रह सकती जिसके जिये यह जान्दोजन उठाया गया है.

हां क्रम ऐसे ऐतराज हैं जिनमें जासानी से सुधार किया जा सकता है, जैसे दान में मिली जमीनों का पूरा पूरा हिसाब न खपना, वा ऐसी जमीनों को भी दान में से सेना जो मनाबे की जब हैं.

मदा ऐसी चीज है जो कभी नापी नहीं जा सकती, मनित 🔻 कायदों पर नहीं चढती. किसी तरह के विज्ञान की पक्क में नहीं आती. वह तो उसी की पक्क में आती है जो इसे लेकर चलता है. ततवार के बिना अंगरेजों से हिन्द्रस्तान झीना जा सकता है यह राजनीति के पंडित की समग्र से परे की चीच है. पर ऐसा काम हो गया, धारी हिन्दुस्तान आजाद हो गया. बिना खन बहाप क्रम्बूनिक्स फैल सकता है, यानी प्रमीनों का जनता में ठीक ठीक कटकारा हो सकता है यह कोई मानस बादी नहीं सोच सकता. कोई ऐसा बादमी में। नहीं सोच सकता जो सच्चे जी से इस भुदान के काम में मही बागा हुआ, पर अगर हमारा अनुमान रावत नहीं है से विनोधा को ऐसा लगना चाहिये कि जल्दी ही सब जमीवार खुशी से अपनी जमीन उन किसानों को दे हासींगे जिनकी मेहनत से वह हरी भरी होती रही है. होती हैं और होती रहेगी. खगर सारे जमींदार अपनी क्सींदारी जापान के राजा के करनों में अर्पन कर सकते हैं तो विनोबा को यह सममने का इक है कि एक न एक दिन सब कमीदार जरूर अपनी जमीन खुशी खुशी किसानों को दे डालेंगे. अगर खड़ाई जीतने के बाद खन बराबे के बिना वर्षिल साहब की जगह पटली ले सकते हैं तो क्या यह सुमकिन नहीं वा कि ज़ार के घराने का सर्वनाश किये विना लेनिन रूस में इस तरह की हकूमत क्रायम कर सकते जैसी आज कायम है. फर्क़ इतना ही है कि जो जिस तरह का विश्वास लेकर अपना काम करने निकतारा है वह उसी दंग से सफल हो सकता है. होता है. इसी का नाम स्व भर्म है.

दुनिया का कोई काम ऐसा नहीं जो हिंसा से ही हो सके और अहिंसा से न हो सके. दूसरे की जान तेने तक का काम अहिंसा से होते हुए पुरानों में हमने पढ़ा है, और दूसरों से अपने कानों सुना है, और अपनी आंखों देखा भी है. पुरानों का कहना है कि एक समझ आ जब आदमी इतना मधा का कि अगर भूख से का अमीद से वह किसी की जान ने जेता ते वह समाज के किसी कई नुदे के मुंह से सिर्फ 'हां' शब्द آوپر کے اطارائی ایسے ھیں جس کا کمچھ جوانیہ نیش بی ساتھا ۔ کیونکہ اِس کام کی وہ ایسی براٹیاں ھیں جو اُس سے دور نہیں کی جاسکتیں ۔ جنبیس دور کرنے پر وہ پہلائی نہیں رہ سکتی جسکے لگے یہ آندولی آٹھایا گیا ھے۔

هاں کچھ آیسے اعترائی هیں جن میں آمانی سے سدهار کیا جاسکتا ہے، جمسے دان میں سلی زمیترں کا پررا پررا حساب نے جمهدا یا آیسی زمیترں کو بھی دان میں لے لیکا جو جمکوے کی جو میں ،

 فردها آیسی چیز هے جو کیهی تایی نهیں جاسکتی³ گلت کے قاعدوں پر نہیں جوعلی . کسی طرح کے وکھان کی پکو میں نبین آتی ، ﴿ وَلَا لَوْ أَسَى كَى يَكُو مَهُنَّ أَتَّى هِـ جو أس لهكر جلتا في تلوار كي بنا أنكريزون سے هندستان جهینا جاسکتا ہے یہ راے نیٹی کے پلڈس کی سنجه سے يرے كى چيز هے . ير ايسا كام هركها على هددستان آزاد هوگها، بقا خون بهائد كمهودوم يههل سكتا هـ، يعلى زمیدس کا جفتا میں تهیک تهیک بتواره هوسکتا هے یه کولی مارکسوادی نبین سوچ سکتا . کولی ایسا آدمی بھی نہیں سویر سکتا جو ستھے جی سے اِس بھودان کے كام مهن نههن لكا هوأ . ير اكر همارا انومان غلط نههن هـ تو ونوبا کو ایسا لکنا جاهگ که جلدهی سب زمهلدار خوشی سے اپنی زمین أن كسانوں كو دے ةالينگے جفكى متعلت سے وہ هري پهري هوائي رهي هے؛ هوائي هے اُور هوائي وهیگی، اگر سارے زمیلدار اہلی زمیلداری جایان کے راجہ کے بھرآبوں مهیں ارپی کرسکتے ههی تو ونوپا کو یه سمجها۔ كا حور هے كه ايك نه أيك دن سب زميندار فرور أيني زمین خوشی خوشی کسانوں کو دے ڈالیفکے ، اگر لوائی جیعلے کے بعد خرن خرابہ کے بقا چرچل صاحب کیجکہ إِتِّلَى لِي سَكِيْمِ هِينَ تُو كَيَّا يَهُ مَمَّى نَهِينَ نَهَا كَهُ زَارٍ كَمْ گھرائے کا سروٹاش کئے۔ بنا ٹھنن روس مھن اِس طرح کی حكومت قالم كرسكته جهسي أج قالم هي . فرق إنفأ هي ھے که جو جس طرح کا وشواس لیکر ایدا کام کرتے نکلعا ھے وہ اُسی تعلق سے سہول هوسکتا ہے' هوتا ہے . اِسی کا نام' صونھرم 🛳 .

ورنها کا کوئی کام ایسا نہیں جو هدسا سے هی هوسکے اور اهدسا سے نه هوسکے ، دوسرے کی جان لیڈے تک کا کام اهدسا سے هو گور دسروں اهدسا سے هوتا هرا اور دسروں سے آنے کا کام سے آنے کا ایک سے اور ایلی آنکھوں دیکھا بھی ہے ، پرادوں کا گیٹا ہے کہ ایک سے تھا جب آدمی آنگا بھا تھا کہ گور بھول سے یا پرمالا سے وہ کسی کی جان لے لیکا تو آنا میلے کے نسی بورہ کرمالا سے وہ کسی کی جان لے لیکا تو آنا میلے کے نسی بورہ کی ملے سے ضرف العال بھات ہوئی ملے سے شرف العال بھات

विनोबा जी ने यह जुनौती जुपचाप सुन सी. कुछ दिनों वर्षा बैठ कर उस चुनौती के बोम से इलके हुए और फिर बट भूवान यज्ञ के लिये वर्धा से निकक पर्के. चुनौती के जनाव में नहीं, धन्दर की प्रेरना पर निकले. जैसे जैसे सफलता मिलती गई प्रेरना बदती गई, बलवती होती गई. मध्य प्रांत लांघते, भोपाल होते हुए. उत्तर प्रदेश के कुछ षितों को पार करते, दिल्ली के रास्ते प्रयाग पहुंचे. वहां से विहार चल दिये, आज भी वही हैं. अब तक लाखों एकड़ जमीन उन्हें दान में मिल चुकी. भूमि दान आन्दोलन दिन दिन जोर पकदता जा रहा है. बहुतों की निगाह उस सरफ जाने लगी है. उसके अन्दर जो बुराइयां हैं वह दिसावाई देने बगी हैं. बुराइयां देख भी वही सकता है को उस काम में बगा हुआ न हो, जो जिस काम में जुटा रहता है उसके सामने मलाई ही मलाई रहती है, नहीं तो वह उसमें लगे ही क्यों. इां, जो बादमी किसी काम में नैंकनियती से दूसरों की भलाई के लिये लगा होता है वह बस काम की बुराइयों को सुन कर विगड़ता तो है ही नहीं, धबराता भी नहीं है. सबके ऐतराजों को बढ़े ध्यान से सनता है, उन पर विचार करता है. ठीक होते हैं तो उन्हें अपनाता 🖁, ना ठीक होते हैं तो उन पर ध्यान नहीं देता. चौर अगर ऐसे होते हैं कि उन पर बहुत जियादा ध्यान रखने से वह भलाई हो ही न सकेंगी तो वह उन बुराइयों को चिपका रहता है और अपने काम में लगा रहता है.

विनोबा का भूदान यह आज इस हालत को पहुंच गया है कि क्या सरकार, क्या कम्यूनिस्ट, क्या वह लोग जो अपने आपको मामूब से जियादा सममतार सममते हैं, क्या वह लोग जिल्हें गांधी वाद से चिढ़ सी हो गई है, क्या वह जो एक तरह से, अपने आपको विनोबा का साथी सममते हैं, सब ही इस दान को शंका की नजर से देखने लगे हैं.

जिनका शुरू में यह कहना था कि विनोबा ने हमारे बीप हुए को काटा है वह अब यह कहते हैं कि सीधे ना सीधे क्रमींदारों से क्रमीन डरा धमका कर ली जा रही है या पेसे क्रोगों की मदद से ली जा रही है जो डराने धमकाने में माहिर हैं. दूसरों का यह कहना है कि जो जमीनें दान में हासिख हो रही हैं उनमें से अस्सी या नव्ये की सदी निक्नमी हैं. जिसके हाथ वह पड़ेंगी वह सिर पीट कर रह जायगा, कभी न उभर सकेगा. कुछ का कहना है कि इस क्रमीनों के दुकड़े दुकड़े हो जायंगे और जिस बात का हिन्दुस्तान में पहले ही से रोना था वह रोना और क्रम का का हिन्दुस्तान में पहले ही से रोना था वह रोना और क्रम कात का हिन्दुस्तान में पहले ही से रोना था वह रोना और क्रम कात का हिन्दुस्तान में सकत करते हैं कि इस धान्योलन के बह बात तो होनी नहीं, जो दूसरे देश कर चुके हैं या क्रम वात तो होनी नहीं, जो दूसरे देश कर चुके हैं या क्रम वात होना कारा किया जाय है

رتوبا جي ٿے يه جاتوتي جيب جاپ سن لي . کچھ علیں وردھا بہالہکر آس بہلوتی کے بوجو سے هلکے هوالہ أور پهر بهت بهردان یکهه کے لئے وردها سے نکل ہوہے۔ چقوتی ع جواب میں نہیں؛ اندر کے پریرنا پر نکلے، جیسے جیسے سيهلها ملهي ككي يريرنا يوهني كأبي بلوتي هوتي ككي . مدههم برانت لانکهتے بهوبال موتے هوئے اور بردیش کے معلموں کو پار کرتے دلی کے راستے ہویاگ یہونچے ، نهاں سے یہار چل دائے' آج بھی وهیں هیں ، اب تک الكيور ايكو زمين أنهيل دان مهل مل چكى، بمومى دان أندولي دن دن زور پكوتا جا رها هـ. بهتوركي نكاة أسطوف جالے لگنی ہے ، اُس کے اندر جو برائماں میں وہ دائمائی دينے لکے هيں ، برائهاں ديكه بهى وهى سكتا هے جو أس کام میں لکا ہوا تہ ہو ۔ جو جس کام میں جگا رہکا ہے اُس کے ساملے پہلائی هی پہلائی رهتی هے' تبھی تو وا أس سهن لكم هي كهون ، هان جو أدمي كسي كام مهن فهکانیکی سے دوسروں کی بھائی کے لگے لکا ہوتا ہے وہ اُس کام کی براکھوں کو سلکر پکوٹا تو ہے ھی تھیں' گھوراتا بھی نہیں ہے، سب کے اعترافوں کو بڑے دھیان سے سلتا ہے' اُن پر وچار کرتا ہے . تھیک ہوتے ہیں تو اُنھیں ایفاتا ہے'' ناتهیک هوتے هیں تو آن پر دههان تهیں دیتا ، اور اگر ایسے هوتے همل که آن پر بہت زیادہ دعمان رکھتے سے وہ بهائيءو هينههن سكهكي تو وه أن برائيون كو چهكا رهما هي أور أهم كام سهن لئا رهنا هي .

ونوبا جی کا بھودان یکھتہ آج اس حالت کو پہرنے گھا ھے کہ کھا سرکارہ کیا کمھونسٹ کیا وہ لوگ جو ابھ گھکو معمول سے زیادہ سمتجہدار سمتجہتے ھیں، کیا وہ لوگ جمھیں کاندھیوان سے چوھ سی ھوگئی ھے، کھا وہ بھو ایک طرح سے آبھ آبکو ونوبا کا ساتھی سمجہتے ھیں، سمب ھی اِس دان کو شاک کی نظر سے دیکھنے لگے ھیں،

جس کا عروم میں یہ کہنا تھا کہ رنوبا نے همارے ہوئے جوئے کو کاتا ہے وہ آپ یہ کہتے هیں کہ سیدھے ناسیدھے ومیلاداووں سے زمین قوا دھمنا کو لی جا دھی ہے ۔ یا ایسے لیگوں کی مدد سے لی جا دھی ہے جو قرائے دھمنانے کے ماھر جیس، دوسوں کا یہ کہنا گہ جو زمینیس دان میں حاصل ھو دھی ھیں اُن میں سے آسیا نوے فیصدی نکمی ھیں، جس کے هاته وہ پریناگی وہ سر پیمت کو وہ جائیکا' کیمی نے آپیر سکیکا، کوچه کا کہنا ہے کہ اِس طرح زمینوں کو تکوے آپیر سکیکا، کوچه کا کہنا ہے کہ اِس طرح زمینوں کو تکوے گیوے ھو جائیلگے اور جس بات کا هلاستان میں پہلے ھیں کہ اِس اندوان سے وہ ووسوے ھیں کہ اِس آندوان سے وہ بات کو ھوتی نہیں' جو دوسوے ھیں کہ اِس آندوان سے وہ بات کی اِس وقت ھندستان میں میس میکھی فریدے ہون کا جائے؟

कर दो ती धर्म तुन्दें बातम कर देगा, धर्म की रहा करो तो धर्म तुन्दारी रहा करेगा." एक दूसरी कहावत है— "जहां धर्म है वहां जीत साजमी है." हमें इस क्के विश्वास के साथ इस युग धर्म को अपनाना होगा.

—सुन्दरतात

भूदान और विनोबा

सन 57 के बाद से हिन्दुस्तानी जनता कुछ ऐसी द्वी कि आजादी की बात मुंह पर लाना हर की बात बन गया. दादा साई नीरोजी ने जब पहले पहल स्वराज की बात कही तो कितनी ही आंखें फटी की फटी रह गई और किसने ही मुंह खुले के खुले रह गए. उसके बाद लोकमान्य तिबक ने जब यह बात कही कि 'स्वराज मेरा जन्म सिद्ध धामकार है' तब भी लोग अवरज में पढ़े. और जब महास्मा गांधी ने यह कहा कि स्वराज हासिल करना धम है तब सममदार लोग अवकचाए पर जनता एकदम उझल पड़ी और मैदान में द्या गई. इझ ही दिनों में स्वराज ले सी लिया.

हैदराबाद रियासत में कहीं सर्वोदय मेला था. उसके क्रिये विनोबा की बर्भा से पैदल बल पढ़े. उस वक्त उन्होंने मह शायद सोचा भी न था कि सके तेलंगाना जाना बहेगा. औन खतम होने के बाद इन्हें कुछ ऐसा मालूम इसा कि बन्हें तेलंगाना जा कर वहां की हातात देखनी ही काहिके, वह वहां गए, वहां के पानीवारों से मिल कर कर्डे देसा पता बगा कि वह इतने बुरे तो नहीं हैं जितने क्रम सोगों ने उन्हें समम रसा है. जल्दी ही उन्होंने बहुत के क्रमींदारों की इस बात पर राजी कर लिया कि वह उन किसानों की अमीन दे डालें जिनके क्रवजे में वह किसी भी सरह पहुंच गई है इसी सिलसिले में वह किसानों से सित्ते. फिसान इस बात पर राजी हो गए कि वह उस वासीन को वामीवारों को तौटा देंगे जिस पर उन्होंने क्रवका कर किया है और जो उनकी जरूरत से जियादा है. इन दोनों वालों ने किसान और जमीदार में मेल करा दिया और भूरान का विजित्तिका चल पढ़ा. उस पर कन्यू-जिस्ह क्षोगों ने यह बात डठाई कि इसमें विनोबा जी की क्या सफलता है यह तो सब इस वजह से हुआ कि हम वहां मेहनत कर चुके में और किसानों को जमीन दिला चुके थे. बामीवारों ने वह समज कर किसानों के पास आसीन क्रोड़ शी कि 'जाता चन देकिये तो आचा सीजिये बांद' हां, अगर किलोबा जी देवराबाद और बर किसी इसरी जनह किसानों को क्योंन विश्ववार्य तब नेशक यह बहा जा सकता है कि दिलांका जी सकतुक कोगों का दिख बर्ध सकते हैं.

کرفو تو فعرم، تمهمن خاتم کردنے کا عطرم کی وکھا کرو تو فعرم تمہاری وکھا کرنے گا۔'' آیک دوسری کہارت ہے، ''تہہاں دھرم ہے وہاں جیت قرمی ہے ''' ھمیں اس پہلے وفواس کے ساتھ اِس یگ دھوم کو ایشانا ھوٹا ۔

-سادرال

بهودان اور ونوبا

سن 157 کے بعد سے هلدستانی جاتا کچھ آیسی دہی کہ آزادی کی بات مقد پر آنا ڈر کی بات بن گھا۔ دادا بھائی آزادی کی بات کھی تو کتنی آزادی کی بات کھی تو کتنی هی آنکیس پھٹی کی پھٹی رہ گئیں اور کتنے هی ملد کھلے کے کھلے رہ گئے۔ اس کے بعد لوک مانید تلک نے جب یہ بات کھی کہ ''سوراج میرا جنم سدھ ادھیکار ہے'' تب بھی لوگ اچرج میں پڑے۔ اور جب مہاتما گندھی نے یہ کہا کہ سوراج حاصل کرنا دھرم ہے تب سمجھدار لوگ الهکتھائے پر جفتا ایک دم آجھل پڑی اور مهدای میں آجکے کہ الهکتھائے۔ پر جفتا ایک دم آجھل پڑی اور مهدای میں آخکی۔ کچھ ھی دنوں میں سرراج لے بھی لیا ۔

حهدرآباد ریاست مهرکههن سروودے مها تها، اس کے لله ونويا جي وردها سے پهدل چال هونے. اُس وقت اُنهوں نے یہ شاید سوچا ہیں تہ تھا کہ مجھے تلکانہ جاتا ہوپکا ۔ مهلا خاتم هونے کے بعد إنهيں کچه ايسا معلوم هوا که أنهين تلكانه جاكر وهان كي حالمت ديكهلي هي جاهكي ولا وهاں گئے ، وهاں کے ومهدداروں سے ملکر أنههو ایسا پته لا که به اِتلے برے تو نہیں میں جانے کچھ لوگوں نے أنهين سنجه ركها هي ، جلدي هي أنهون نے يهمت س ومهقداروں کو اِس بات پر راضی کر لیا که وہ اُن کسانوںکو ومهن دي قالهن جن کے قبقے مهن وہ کسی يعي طرح ھپونچ گئی ہے ، اِسی سلسلے میں وہ کسانوں سے ملے . کساین اِس یات پر رآفی هرککه که وه اُس زمهن کو ومیقداروں کو لوٹا دینکے جس پر اُنہوں نے قبضہ کر لہاتے أور جو أن كي ضرورها سے زيادہ ہے ، إن دونوں باتوں نے قسان اور زمهدار مهن مهل کرا دیا اور بهودان تا سلسته جا ہوا ، اُس پر کمھونسٹ لوگوں نے یہ بات اُٹھائی که إس مهن ونوباجي كي كها مههلتا هي يه تو سب إس مجة مع هوا كه هم وهال مصلحك كو جكم ته أور كساتون کے بمیں دلا جکے تھے ، زمینداری نے یہ سمجھیکر کسانوں کے پانس زمین جهور می که جاتا دهن دیکھئے تو آدها الهنوكي بالبحاء هان ولوبة جي اكر حددرآباد جهرو كر كسي هرسرنی بچکه کسالوں کر وجمعی دلوائے تیں عیشک یہ کیا بعاسكتا له كه وتوبا بهي سے مي لولوں كا دل يمل

TH 53

. 10

in the second

खबरें उड़ाई गई और दुविया भर में फैलाई गई. बाकसोस केवल इतमा है कि बाज की बान्तरराश्ट्री राजनीति उस सभय की बान्तरराश्ट्री नीति से बाधक पवित्र नहीं है.

शाहिर है आजकत की दुनिया में नीचे से ऊपर तक नेकी और अखमनसी में अविश्वास पूरे जोरों पर है. यूं तो दुनिया का इस तरफ अकाव आजकत की मशीनी पिक्सिमी सभ्यता के ग्रुह्त होने के साथ साथ दिखाई देने सगता है लेकिन खास कर पहले महायुद्ध के बाद से दुनिया की त्रकृतवर क्रीमों की धन और राज पाट की बाट ने दुनिया की इस नैतिक गिरावट को एक खौकनाक व्रक्ते तक पहुंचा दिया है. इमारा मुल्क भी जाने अनजाने आज इसी भंवर में फंसा हुआ है. यही आजकत की दुनिया के और हमारे सारे दुखों और मुसीवतों की जड़ है.

मतानसी के अन्दर इस अविश्वास ने ही दुनिया की वही बड़ी सत्ततनतों को मिटा दिया. इसी ने भारत में अंगरेख़ी राज का खातमा किया, रूस में इसी ने जार के तक्त को उत्तटा. इसी ने हिटलर और मुसोतिनी तैसों को नीचा दिखाया. लेकिन अपने धन और हथियारों के बमंड में अन्धी शक्तियां इतिहास से सबक तेने के अयोग्य साबित होती रही हैं.

इमें अगर खुद अपने को बचाना है और दुनिया को बचाने में अपनी शक्ति भर मदद देना है तो हमें पहले व्यपने अन्दर भत्तमनसी और सदाचार के उस कठिन पाठ को फिर से ताजा करना होगा जिसे इसने हाल में इतना अधिक भुता दिया है. हमें दुनिया की उन दूसरी शक्तियों की सममना और एक दूसरे के पास लाना होगा जो इनसानी क्रीम की उस सोई हुई मलमनसी को फिर से जगाने की कोशिश कर रही हैं. अपने देश के अन्दर हमें महारमा गांधी के उपदेशों को नये सिरे से समभाना और ईमानवारी के साथ अमल में लाना होगा. आज भी नये चीन जैसे देश में अकसर रेलवे वुकस्टालों के जपर कोई रखवाली करने बाला नहीं रहता. खरीदार किताबें उठाते 🖥 भीर पास की गुल्लक में क़ीमत डाल कर चल देते हैं. शास को जब बुक स्टाल का मालिक पैसे गिनता है तो कभी कभी नहीं पढ़ती. नेकी की सोई हुई शक्ति भीरे भीरे जाग रही है. यही भाषी दुनिया के जिये आशा की किरन है. ऐसे देशों के साथ हमें मेल बदाना होगा. हमें उन सब कोंके को देशों के साथ भी मिल कर खड़ा होना होगा जो अपनी आजादी के लिये कीशिश कर रहे हैं या जो दुनिया के बेह्नसाफी, गुलामी और काले गोरे और पीले के भेद की मिहाना चाहते हैं. यही इस समय हमारा सब से बड़ा मर्ग है, मही दीन है. यही दुनिया के सारे रोग का इखाज है संस्कृत की एक मशबूर कहावत है-"धर्म को बतम

شهریں[والیکٹیں اور تانیا بھر میں یعیائیلٹیں، افسوس کیول اِنٹا ہے کہ آج کی آلار راشٹری راج نیٹی[سسے کی العر راشٹری راج نیٹی ہے ادمک پرار نیوں ہے ۔

ظاهر ہے آجکل کی دنیا میں نہتے ہے اوپر تک نہکی اور بہلمنسی میں ارشواس پورے زردرل پر ہے - ایال تو دنیا کی سیمیتا اس طرف جھکاو آجکل کی مشیقی پہیمی سیمیتا کے شروع ہوئے کے ساتھ ساتھ دکھائی دیئے لکتا ہے لمکن شامکر پہلے مہایدہ کے بعد سے دنیا کی طاقتور قوموں کی دعمی اور راج بات کی جات نے دنیا کی اس بہتک گراوت کو لیک شونقاک درجے تک پہلچا دیا ہے ، ہمارا ملک کہ لیک شونقاک درجے تک پہلچا دیا ہے ، ہمارا ملک کی جائے انجائے آج اسی بہتور میں پہلسا ہوا ہے ، یہی آجکل کی دنیا کے اور ہمارے سارے دکھوں اور مصیدتوں کی جو ہے ،

پہلمنسی کے اندر اس اوفواس نے هی دنیا کی ہوں ہو۔
ملطفتوں کو مثا دیا۔ اسی نے بہارت میں انگریزی راج
کا خانمہ کیا ورس میں اِسی نے زار کے تضت کو التا۔
اسی نے مثلہ اور مسولیتی جیسوں کو نیجا دکہایا۔ لیکن
ابی دهن اور مثیباروں کے کیمنت میں اندهی شکتیاں
ایپاس سے سبتی لیلئے کے ایوگ ثابت مولی رمی هیں۔

همين الرخود أبي كر يجانا هـ أور دنيا كو يجالي میں اپنی شکتی یور مدد دینا ہے تو همیں پہلے آئے اندر عملسفسی اور سدانهار کے اس تقین ہاتہ کو پھر سے تازہ کرتا بهوا جسے هم لے حال میں القا ادمک بھا دیا ہے . همیں منها کی ان دوسری شکتموں کو سمجمدا اور ایک دوسرے کے پاس اللہ هوگا جو انسانی قوم کی اُس سولی هوئی پهلیاسی کو پهر سے جاتا ہے کی کوشش کر رمی هدی ، آبے میمن کے اندر میں مہالیا گاندھی کے آپدیھھوں کو نگے سرم سے سمجھٹا اور ایمانداری کے ساتھ عمل میں لانا عوال الي بهى نائم جدى جدس ديدسموس انشر ريلوء يك استالون کے اوپر کوئی رکھوائی کرنے والا نہیں رھٹا ، خریدار <u>کتابھی آٹیاتے میں اور پانی کی کلک میں قیمت قال کر</u> نهل دیتے میں عام کو جب یک استال کا مالک پیسے گلگا ہے تو کیوی کسی نہوں ہوتی ، نیکی کی سوٹی ہوٹی ھے۔ دھیرے دھیرے جاک رھی ہے ، یہی بہاری دفیا کے لکے آیا کی نوں ہے ، ایسے دیھوں کے ساتھ منیں میل موساتا مولاً. همیں ان سب جمول بوے دیشوں کے سالم بھی ماکر کھوا مرنا موا جو۔ ایکی آزادی کے لگے کوشعی کو رہے عهل يا جو دنها بد برانصافي فقاسي اور کال گوريد اور پہلے کے بہید کو مگانا جاماتہ عیں ۔ یہی اِس سے همارا سب سے ہوا تھرم ہے۔ لینی دیوں ہے یہی دنیا کے سارے ورک کا طلي هي: سلسجوس كي أيك مهيور كيارته. الدعوم كو خدم

The free was the second

कर्मचारियों की चालों और उनके बढ़े हुए मृष्टाचार ने ऐसे लोगों के लिये ईमानदारी निवाह सकता जगह जगह ना मुमकिन कर दिया है.

इमें दुख और लज्जा के साथ यह मानना पड़ता है कि इमारी शिक्षा संस्थाओं और यूनीवरिसटियों तक में विद्यार्थियों का पास फेब्र या द्विवीकन केवल योगता पर निर्मर नहीं है, कभी कभी तो नतीजे का योगता से कोई सम्बन्ध ही नहीं दिखाई देता.

अब अगर अपने इस छोटे से देश से इटकर हम दिनिया की तरफ निगाइ डासते हैं तो हालत और मी भयंकर दिखाई देती है. दुनिया के बढ़े से बड़े राजनीतिज्ञ कौर अंची से अंची तालीम पाप हुए लोग आज करोड़ों इनसान के बच्चों को केवल उनके रंग के कारन खुद उनकी जन्मभूमि के अन्दर उन मानवी अधिकारों का इक़दार नहीं समकते जो उनके गुल्क में इखारों मील दूर से का कर बसे दुए दूसरे रंग के लोगों को हासिल हैं. और अगर उस देश के लोग अपने देश के अन्दर उन अधिकारों के लिये कोशिश करते हैं तो उनशे इस कोशिश को कवलने के लिये हर स्पाय और हर हथियार जायक समग्रा जाता है। अपने को संस्कृति और सभ्यता का ठेकेबार सनमले बाली दुनिया की कुछ बढ़ी बढ़ी क़ौमों की काबाज करार उठती है तो मजलूमों की हिमायत में नहीं बल्कि जालिम की मदद में. छोटे और कमजोर मुलकों को मासी राजकाजी या फौजी निगाह से अपने नीचे दवा कर रक्तमा, उनकी आजादी की कोशिशों की जुनलना भीर कुचलने वालों को मदद देना, इन मुलकों के हिस्सों पर खबरदस्ती क्रबजा बनाए रखना, उनके घरेलू मगझें में खबरवस्ती दखल देना--यह सब भाज की अन्तरराष्ट्री राजनीति में तारीक के काम सममे जाते हैं. और अगर किसी देश की जनता इस तरह के अन्याय का मुकाबला करना चाहती है तो वहां की निहत्थी रारीव जनता पर एटम बम या इसी तरह का कोई और पिशाची अस्त्र फेंक कर कासों निरदोश मर्द औरत और बच्चों को भून देना या जिल्ला जला देना ताकतवर क्षीम का जायज अधिकार सममा जाता है. इसकी खुले बाम वर्माकयां दी जाती हैं और खुले तैयारियां ठी जाती हैं.

पहले गहा युद्ध के दिनों में दुनिया के तीन बड़े बड़े राश्ट्रों की तरफ से खुले तीर पर वीन अलग अखग महकमें खोले गए वे जिनका काम यह था कि वह दुशमन के बारे में सूटी और डरावनी खबरें गड़ कर दुनिया भर में कैसावें. यहां इन महकमों के कारनामों को बयान करने की वाकरत नहीं है. दुनिया मर को माखन हो चुका है कि वन दिनों पक हुमरे के खिलाक कितनी वेसर पर की बीर मर्वकर

فرسپتاریوں کی جائیں اور اُن کے بوجے هوئے بھوفائاتھار نے ایسے لوگوں کے لگے ایسانداری تھاہ سکتا جاکہ جاکہ ناسمکی کر دیا ہے ۔

همیں دکھ اور لنجا کے ساتھ یہ مانڈا پوتا ہے کہ هماری شکشا سقستھاؤں اور یونیورسٹیوں تک میں وظارتیوں کا یاس قبل یا قیویؤں کیول یوگٹا پر نربیر نہیں ہے ۔ کبی کیمی تو نتیجے کا یوگٹا سے کوئی سمیقدہ هی نہیں دکھائی دیاتا ۔

أب اكر ابي إس جهوته سے ديش سے هڪ كر هم دنها كي طرف نكاه قالتے هير تو حالت أور يهي بهيلكر دكهائي ویعی ہے . دنها کے بوے سے بوے راہ نهتگیه اور اُونچی سے اُونجی تعلیم ہائے ہوئے لوگ آج کروزوں انسان کے بھوں کو کھول ان کے رنگ کے کارن خود اُن کی جلم بھوسی کے اندر ان مانوی ادھیکاروں کا حقدار نہیں سمجھتے جو ان کے ملک میں ہزاروں میل دوریہ آئر بھے ہوئے دوسرے ونگ کے لوگوں کو حاصل میں، اور اگر اس دیاهی کے لوگ ایے دیمی کے الدر أن ادهیکاروں کے لئے کوشفی کرتے هیں تو اُن کی اس کوشش کو کھللے کے لئے ہر اُیائے اور ہو معمدار جالز سمعها جاتا هي افي دو سدسكرتي أور سبهها كا تههکهدار سنجهلے والی دنیا کی کچه بوی بوی قوموں کی أواز اگر أَتُهتي هـ تو مظلوس كي عمايت مهن نههن بلكه طالم كه مدد مهن جهولم أور كمؤور ملكون كو مالي رأجكاجي یا فوجی ناہ سے آیے نہدے دہاکر رکھنا' اُن کی آزادی کی كرهشون كو كجلفا أور كچلف والس كو مدد ديدا أن ملكون کے حصوں پر زبردسعی قبقت بقائے رکھفا اُن کے گہریلو جهگورس میں زبردستی دخل دیدا یہ سب آج کی اندر واشتری واجنیتی میں تعریف کے کام سنجھ جاتے میں . اور اگر کسی دیش کی جلتا اس طرح کے انہائے کا مقابلہ كرنا جاهام في تو وهال كينهاي فريب جلتا ير أيامهم يا اسیطونیکا کوئی اور پشایمی اسلار پهیدک کر لاکهوں توفوش مرد عورده أور بحوي كو بهون ديدًا يا زندة جلا ديدًا طالكور قيم كا جائز ادههكار سمنجها جاتا هي. إس كي كهاير عام دهبکهان دبی جاتی ههن اور کهای تهاریان کی جاتی

پہلے مہایدہ کے دنوں میں دنیا کے تین ہوے ہوے اور رفظوں کی طرف سے کہلے طور پر تین الگ آلگ محکمے کہوئے گئے تیے جی کا کام یہ تیا کہ وہ دشمن کے بارے میں بھاویں۔ بھوٹی اور قولونی شہولیں کوہ کر دنیا بھر میں بھاویں۔ بیعلی این محکمیں کے کارناموں کو بھان کرنے کی ضرورت نہیں ہے دنیا بھر کو معلوم ہوچکا ہے کہ ران بقتوں لیے دوسورے کے شاف کھلی ہے سر بھر کی اور بھیلکر ایکیہ دوسورے کے شاف کھلی ہے سر بھر کی اور بھیلکر

23 m

AMERICAN STREET, STREE

था. खास कर पहाड़ी इलाक़ों में आप नक़द दपवा मेज पर या खुली श्रासमारी में छोड़ कर बले जाइबे कोई पहाड़ी मौकर कभी हाथ न लगाता. उन इलाक़ों में वह बीज अब एक पुरानी कहानी रह गई है.

आज एक आम विश्वास है कि ब्योपार और ईमानदारी दोनों साथ साथ नहीं चल सकते. श्रभी हाल में कानपुर के एक बहुत बड़े मिल मालिक ने अपने एक झब्बीस बंरस के पुराने विश्वस्त और ईमानदार पढ़े लिखे मुलाजिम को केवल इसलिये और यह कह कर नौकरी से अलग कर दिया कि वह मुलाजिम मिल के रिजस्ट्रों में भूटी खानापुरी करने के लिये तैयार न था श्रीर मिल मालिक को शब ऐसे आदमी की जकरत है जो यह सब कर सके.

सामूली खाने पीने की चीजों का तो कहना ही क्या. हमारी गिरावट इस बारे में इस हद को पहुंच गई है कि दवाओं और इनजकशन के अन्दर भी यह विश्वास होना कठिन हो गया है कि शीशी या नजी के अन्दर असल दवा है या कोई और ससती और जहरीक्षी चीज है. इस तरह के काकी मामले पकड़े जा चुके हैं.

व्योपार से हट कर अगर हम राजकाज की तरफ आवें तो हालत और भी अयंकर दिखाई देती है. चुनाव और ईमानदारी दोनों परस्पर विरोधी शब्द हो गए हैं. हाल के एक चुनाव की बाबत तहक़ीक़ात करने वाले सज्जन ने अपनी रिपोर्ट में लिखा था कि इस चुनाव की दो पारटियों में से हर एक ने दूसरी पारटी के उम्मीदवार को गिराने या हराने के लिये कोई नीच से नीच उपाय उठा नहीं रखा यह हालत लगभग एक आम हालत है. मिसालें देने की ज़करत नहीं. देश के बड़े बड़े जिम्मेदार नेता खुले शब्दों में यह कहते हैं कि:— "Politics has nothing to do with morals" यानी राजनीति का नेकी बदी से कोई सम्बन्ध नहीं. इसी का नतीजा है कि दफतरों, कचहरियों और राजकाज के बहुत से महकमों में भृष्टाचार तेजी के साथ बढ़ता चला जा रहा है.

तम सवाल होता है कि भगर भलमनसी या सदाचार के लिये जगह न ब्योपार में है और न राजकाज में तो भलमनसी वेचारी कहां जा कर रहे.

राजकाज आज मानव जीवन के सब पहलुओं पर हावी है और "यथा राजा तथा प्रजा" के सिद्धान्त के अनुसार राजकाज में भृष्टाचार ही जनता के चरित्र की गिराबट का सब से बड़ा और मूल कारन है. रात दिन हमें सैंक्ब्रों मिसालें इस तरह की मिलती हैं कि जनता के जो साथारण आदमी या ज्योपारी सचमुच सचाई और ईमान-हारी के साथ अपना काम चलाना चाहते हैं सरकारी تها . خامکر پہاڑی مائوں میں آب نقد رویعہ میز پر یا کیلی الماری میں چیور کر چانے جایئے کوئی پہاڑی ٹوکر کیمی مائی نم لٹاتا . اُن مائوں میں را چیز آب لیک پرائی کیائی را گئی ہے .

آج ایک عام وهواس هے که بیوبار اور ایمان داوی دونوں ساتھ ساتھ نہیں جول سکتے . آبھی حال میں کان بور کے آیک بہت ہوے مل مالک نے آبے ایک چھبیس برس کے برانے وشووست اور ایمان دار بونے لکھے ماڈرم کو کھول اس لگے اور یہ فیکر نوٹوی ہے الگ کو دیا که را مائی مال کے رجسالاوں میں جھوٹی خانمبروی کونے کے لکے تھار نہ تھا اور مل مالک کو اب ایسے آدسی کی ضرورت ہے جو یہ سب کر سکے ،

معبولی کہائے پیلے کی چھڑوں کا تو کہتا ھی کھا ، ھماری گراوٹ اِس بارے میں اِس حد کو پہلچ گئی ہے که دواوں اِرد التجکشن کے اندر بھی یه وشواس ھونا کالمین ھو گیا ہے که گیا ہے که شیشی یا نلی کے اندر اسل دوا ہے یا خوتی اور سساتی اور زھریلی چھڑ ہے ، اِسطارے کے کائی معاملے کیکڑے ہیا جیکے ھیں ،

بیوبار سے کو اگر هم واجکاج کی طرف آویں تو حالت اور بھی بھینکر دکھائی دیتی ہے ، چھاؤ اور ایسان داری حونوں پرسپر ورودهی هید هو گئے هیں ، حال کے آیک میٹاؤ کی باہمی تصفیقات کرنے والے سجن نے ایک میں لکھا تھا کہ اس چھاؤ کی دو بارٹیوں میں سے اهر ایک نے دوسری بارٹی کے آمیدوار کو گرائے یا هوانے کے لگے کوئی نوجے نہ نہج آبائے آئیا نہیں وکھا، یہ حالت لگابیگ ایک مام حالت ہے ، مثالیں دیئے کی فرورت نہیں دیھی کے بڑے بوے ذعدار بیتا بھئے شبدوں میں یہ کہتے ہیں کہ بڑے ہوے ذعدار بیتا بھئے شبدوں میں یہ کہتے هیں کہ نہیں بدی سے دوئی مسبقدہ نہیں ، اِس کا نہیں بدی سے دوئی سیدی می دوئروں کی بہت سے محکموں میں بھرشناچار نیزی اور واجکاج نے بہت سے محکموں میں بھرشناچار نیزی کے سانہ بومتا چا رہا ہے .

تب سوال هرنا هے قة اگر بهلملسی یا سدانهار کے لگے جگتہ نه بهریار میں هے اور نه راجکاج میں توڑیهلملسی ہے جاری کہاں جا کر رہے ،

راجکاج آج مانو جہون کے سب پہلوؤں پر حاوی ہے اور '' پتھا راجا تھا پرجا '' کے سددھانت کے انوسار راج کاج میں بھوگانھار ھی جنتا کے جونتر کی گرارہ کا سمیا سے بڑا اور سول کارن ہے ۔ راست دن ھمیں سیکووں مقالیں اِس طرح کی ملعی میں کہ جنتا کے جو سادھاری آومی یا بھو باری سے سے سجائی اور ایمانداری کے ساتھ آیفا کم جاتا جاھئے ھیں سرکاوی سرکاوی ساتھ آیفا کم جاتا جاھئے ھیں سرکاوی

* 13 * 1 h

नदी विशेषता साइन्स की तरक्की है लेकिन साइन्स की नई तरिक्कियों ने जहां एक तरफ हमारी जानकारी को बढ़ाया है वहां दूसरी तरफ हमारी जरूरतों और छोटी छोटी खुदरारिक्यों को बढ़ा कर हमारे दिलों को सुखा दिया है इस युग में हमारी उन्नति बड़े दूरजे तक एक अंगी रही है. यानी हमारी अलगनसी या नैतिक उन्नति हमारी दिमारी तरक्की के साथ साथ न चल सकी.

नेकी, इनसानियत वा अलमनसी में वह श्रद्धा जो लोगों को झाज से कुछ पीढ़ी पहले थी तेजी से मिटती गई. नेकी और ईमानदारी के वह सीधे सादे उसूल जो खादसो ने लाखों बरस के तजुरवे से मालूम किये थे और जिन्हें उसने अपनी सुख स्मृद्धि के लिये जरूरी पाया था खाज हमें गैर जरूरी और खपनी तरकक़ी में दकायट मालूम होने लगे हैं.

भलाई और बुराई, ईमानदारी और बेईमानी हर षामाने में रही हैं और जब तक आदमी आदमी है कम या जियादा इमेशा रहेंगी. फिर भी इस बारे में युग युग में फरफ़ होता है आज से पंचास साल पहले के लाहौर की एक घटना हमें याद है. एक जुता बेचने वाला दोपहर को घर गया. दुकान पर अपने भतीजे को छोड़ गया और कह गया कि हर जोड़ी पर उसकी क़ीमत लिखी हुई है. कोई गाइक आबे तो बेच देना, भतीजे ने चचा की रौर हाजरी में एक जोड़ी बेची. दुकानदार बापस बाया तो लड़के ने डेड दपया क्रीमत का उसके हवाले किया. दुकानदार ने देखा तो विके हुए जूते की असली क्रीमत सवा रूपया थी. वह मतीजे पर नाराज हुआ कि उसने चार आने अधिक क्यों क्षिये. दुकानदार ने वह चार आने अलग उठा कर रख दिये. भर्तीजे से स्वरीदार का डुलिया पूछा. कई दिन तक उसकी स्रोज में रहा. च्यास्त्रिर एक दिन जब वह सारीदार वही जुता पहने दुकान के सामने से निकला तो दुकानदार ने इसे बुता कर चवभी वापस की और तसल्ली की सांस ली.

मुमकिन है इस तरह का कोई आदमी आज भी कहीं मिल जाय. लेकिन पचास साल पहले इस तरह के आदमी बहुत थे. आज नहीं के बराबर हैं.

आज से तीस चालीस बरस पहले इलाहाबाद के किसी बाजार में अगर कोई आदमी किसी दुकान पर अपनी इतरी भूल जाता तो दस दुकानदारों में से कम से कम आठ ऐसे निकलते जो तलाश करके भी छतरी इतरी बाले की लौटा देते. आज उसी बाजार में दस में से वो दुकानदार आपको ग्रहाकिस से इस तरह के मिलेंगे.

इस तरह की मिसालें बहुत सी और जगभग हर पेशे और हर धन्दे के लोगों में से दी जा सकती हैं.

इसारे इस देश में बीस तीस साल पहले तक इलाक़े के इसाफ़ें ऐसे थे जिन में कोई आदमी चोरी नहीं करता

نهکی انسانیت یا بهلمنسی مهن وہ شردها جو لوگوں کو آچ سے کچ و پهرهی پہلے تھی تھڑی سے متنی گئی۔ نهکی اور ایمانداری کے وہ سهدھے سادے اصول جو آدمی نے لاکھوں برس کے تجربے سے معلوم کئے، تھے اور جنہوں اس نے ایکی سکم سمردهی کے لئے ضروری پایا تما آج همیں فهر ضروری اور اینی درتی میں رکاوت معلوم ہونے لئے هیں .

پہلائی اور ہوائی' ایسانداری اور نے ایسانی هر زمانے میں رهی هیں اور جب تک آدمی آدمی ہے کم یا زیادہ همیشہ رهیں کی ، پهر بهی اِس بارے میں یک یک میں فرق ھوتا ھے ۔ آیہ سے پھاس سال پہلے کے لاھور کی ایک گھتنا همیں یاد ہے۔ ایک جوتا بهنچتے والا دوبیر کو گھر کیا ، دکان پر ایے بہتیتے کو جہوڑ گیا اور کہ گیا کہ هر جوڑی ہو اسکی قیست لکھی ہوئی ہے ۔ کوئی گاھک آرے تو ہیے دیٹا ، بہتیمے نے چچا کی غیرماضری میں ایک جوزي بهجي . دان دار وايس آيا دو لوك نه ديوه رريبه قهست کا اُس کے حوالے کھا۔ دکاندار نے دیکھا تو بکے ہوئے جوتے کی اصلی قهمت سوا روپه، تهی ، وه بهتهجے یو ناوانی موا که اس نے جار آنے ادھک کیوں لئے ، دکان دار نے وہ جار آنے الک آٹھا کو رکھ دیگے ، بھتھتے سے خریدار کا حلیه پرچها . ککی دن تک اُسکی کهرم میں رہا . آخر ایک دن جب وہ خریدار وہی جونا پہنے دکان کے سامنے سے نکلا تو دکان دار نے اُسے بلاکر چونی واپس کی اور تسلی کی سانس لی ۔

مبکن ہے اِسطرح کا کوئی آدمی آج بھی کھھں مل جائے ۔ لیکن بھاس سال اپہلے اِعطرح کے اُدمی بہت تھے، آج نہیں کے برابر میں ، ،

آج سے تیس جالیس برس پہلے اِلدآباد کے کس بازار میں اگر کوئی آدسی فسی، دکان پر ایڈی جھتری بہول ہوتا تو دس دکان داروں میں سے کم سے کم آٹھ ایسے نکلتے جو تلاش کر کے بھی جھتری چھتری والے کو لوڈا دیتے ، آج اِسیبازار میں دس میں سے دو دکان دار آپ کو مشکل سے اِسطارح کے ملیں گے ،

السطوح کی مثالین بہت سی اور لگ بیگ ہو پیشہ ایر ہر دھلنے کے لولوں میں سے تی جا سکتی ہیں۔

ا میاریے اس دیش میں ییس تیس سال پہلے انک ماتے کے عاتے ایسے تھے جی میں کرتی آدمی جوری تہیں کرتا



भलमनसी में ऋविश्वास

[यह मजमून "नैतिकता में बनास्था" शीर्षक से आल इंडिया रेडियो इलाहाबाद लखनऊ से ब्राडकास्ट किया गया था. आल इंडिया रेडियो की रजामनदी से हम इसे 'नया हिन्द' में दे रहे हैं. हमने इसे दोहराया खीर कहीं कहीं थोड़ा सा बदला और बढ़ाया भी है-सुन्दरतात ो

मानव समाज के पिछले कई इजार बरस के इतिहास को भ्यान से पढ़ने पर यह आम असर दिल पर रह जाता है कि भीरे घीरे कमी सीधे और कभी जरा चक्कर से इस बराबर आगे को बद रहे हैं. कई बार ऐसा भी लगता है कि इम पीछे को इट रहे हैं या नीचे को गिर रहे हैं. पर अधिक भ्यान से देखने पर पता चलता है कि यह ऐसा ही है जैसा एक छोटा सा कीड़ा जो अकसर दीवारों पर चढ़ता हुआ देखा जाता है हर इंच ऊपर चढ़ने के बाद सहारा लेने के लिये अपने शरीर के अगले आधे हिस्से को फिर बाध इंच पीछे ले बाता है. लेकिन फिर बदता हैं और इस तरह धीरे धीरे आगे की बढ़ते हुए दीवार के ऊपर तक पहुंच जाता है. कोई उपमा या मिसाल हर श्रंग में नहीं मिला करती पर इतिहास में इनसानी क़ौम के विकास की खगमग यही गति है.

पूरब के देशों के लिये वर्तमान युग उस समय से शुरू होता है जब पूरब के बीच के जमाने की सभ्यताओं और चाजकल की पच्छिमी सभ्यता में टक्कर शुरू हुई. आज कल की पिकझमी सभ्यता अट्टारवीं सदी ईसवी से यानी भाप की ताक्रत के पता जगने से ग्रुक होती है. इस सभ्यता की उमर अभी दो सौ बरस से कम है. यही जमाना पशिया और योरप के वर्तमान संघर्श का जमाना है. इस जमाने में प्रव और पण्छिम का फ़ासला भी घीरे घीरे कम होता जा रहा है और दुनिया एक होती जा रही है. यह लच्छन अच्छे लच्छन हैं और हमें साफ मानव उन्नति की एक बहुत बड़ी आगें की संजिल की तरफ ले जा रहे हैं.

हर युग की अपनी अच्छाह्यां और अपनी बुराह्यां होंती हैं. इस युग की एक बहुत बड़ी अच्छाई और सब से

بهلیکشی میں اوشواس

[يه مقدون " نهاد کا مهن اناستها " شهر شک سے آل انڈیا ریڈیو العآباد لعملو سے براتاست کیا گیا تھا ، آل انگیا ریکیو کی رضا مندی سے هم اِسے انہا هفدا میں می رہے میں ، هم نے اسے دھرایا اور کیمی کیمی تهوراً سا بدلا اور بوهایا بهی هـ سندر لال]

مانو سماج کے پنچھلے کئی ہؤار برس کے اِتہاس کو همهان سے پوملے پر یہ عام اثر دال پر رہ جاتا ہے که دههرے همهرے کیمی سهدی اور کیمی درا چکر سے هم برابر آئے كو أوه ره هيل كلى بار ايسا بهى لكتا ه كه هم يهجي کو هڪ رهے ههن يا نهج کو کر رهے ههن ، پر ادهک دههان سے دیکھلے پر بتد جاتا هے کد ید ایسا هی ہے جهسا ایک جهونا سا فیوا جو انڈر دیواروں پر جومکا هوا ديكها جاتا هـ هو انبي أويو جوهام كي بعد سهاراً لهام كي نام ايد شرير كے الليہ آدھ حصہ كو يهر آدھ انبع يهجم فر أنا هرا ليكين يهر برهنا هر أور أس طرح دههرے دههرے آئے کو ببھتے مولے دیوار کے اوہر تک پہلیج جاتا ہے . کوئی أيما يا مثال هو أنك مين نبهن علا درتي ، ير إتهاس میں اِنسانی قرم کے واس کی لگ بھگ یہی گای ہے .

ہورب کے دیھوں کے لگے ورثمان یک اُس سمے سے شروع ھولا ھے جب پورپ کی بینے کے زمانے کی سبھیٹاؤں آور آج کل کی اعدمی سمهها مهن کار شروع هوئی ، آج کل کی ہچیمی سببیتا اقباروین مدس میسوس سے یعلی بھان کی طاامت کے پتاء لکانے سے شروع ہوتی ہے ۔ اس سبهها کی عمر ابھی دو سو ہرس سے کم ہے ۔ یہی زمانہ ایشها اور یورپ کے روتمان سلکھرھی کا زمانہ ہے ۔ اِس ومالے میں پورب آرر بحجم کا فاصله بھی دھیرے دھیرے کے هوتا جا رہا ہے آور دنیا ایک هوتی جا رهی ہے ، یہ لنجهن الهم لجهن مين اور هدين ساف ماتو أتعى كي ایک بہت ہوں آئے کی مغزل کی طرف لے جارہے میں . هر يك كي لهني أجهائهان اور أيني برائهان موتي مهن

اس یک کی ایک بہت ہوں اچھائی اور سب سے

गांबी जी पर बहुत सी किताबें निकल चुकी हैं. कुछ में उनके जीवन के एक पहलू पर रोशनी हाली गई है और कुछ में पूरे जीवन का वनन किया गया है. "शान्ति दूत अमर बापू" में गांधी जी के जीवन के लगभग हर पहलू का वर्नन किया गया है पर किसी पहलू पर भी लेखक ने रोशनी नहीं हाली. इस तरह इस किताब की अहमियत नहीं के बराबर रह जाती है.

किताब की छपाई मुन्दर है, कवर भी मन को मोह जेता है, जगह जगह उचित चित्र विये हैं. जो लोग गांधी जी की एक सामूली जानकारी हासिल करना चाहें उनके शिये कार हाम में यह किताब अच्छी है.

--- मुजीब रिजाबी

संत विनोबा भीर भूदान यज्ञ

प्रकाशक—सर्वोदय साहित्य संघ, काशी; सफे ६९, हाम 5 खाने; पहली बार नवस्वर 1952.

गमंत्री स्मारक निभी (बिहार शाखा) के प्रतिनिधि सर्वोद्य साहित्य संघ, काशी जैसी जिम्मेदार संस्था की तरफ से यह स्रोटा सा प्रकाशन देख कर हमें जहां खुशी होती है वहां यह रंज भी होता है कि गैर जिम्मेदारी के साथ यह प्रकाशन किया गया है. किताब में सूची नहीं है, इनवर्टेंड कामा का इस्तेमाल कहीं है, कहीं नहीं है.

इस किताब के बार हिस्से हैं—जीवन चरित्र, भूदान-बक्क, संत बागी और गीत पवं कवितायें. पहले हिस्से में जीवन मांडी के नाम पर विनोबा जी के जीवन की कुछ तारीखों और कुछ दूसरी घटनाओं की तारीखें दे दी गई हैं. फिर बिनोबा जी के ऊपर महात्मा गांधी, महादेव देसाई बाका कालेतकर और एक पत्रकार के लेखों के बाद जीवन प्रसंग के नाम से विनोबाजी के जीवन से हैं घटनाओं के चुटकुले दिये गये हैं.

भूवान यह बाले हिस्सें में कहीं भूदानयह का इतिहास है, बिनोबा जी की स्पीचें हैं और कहीं कुछ संकलन संत बानी में बिनोबा जी के 36 छोटे बढ़े प्रवचन जमा कर दिये गये हैं. आखीर में बिनोबा जी और भूदान यह पर बाठ गीत हैं.

किताब में सन्पादक या उस में सामग्री जमा करने बाले का नाम कहीं नहीं दिया गया. पुस्तक के शुरू में ही प्रकाशक की तरफ से जो जरूरी निवेदन है वह प्रचार साथ सगता है.

हम उम्मीद करते हैं कि दूसरे संस्करन में प्रकाशक हमारे उपर के शब्दों पर नम्रला से विचार कर किलाब की हपयोगी और आकर्षक बनाने की कोशिश करेंगे.

—सुरेश राममाई

گندھی جی پر بہت سی کتابیں نکل جائی ھیں۔ کتھ میں آن کے جیون کے ایک پہلو پر ووشئی ڈالی گئی گئی اور کتھ میں ان کے جیون کا ورنی کیا گیا گیا ہے ۔ "ھائتی دوت امر بایو" میں کادھی جی کے جیون کے لگ بیگ ھر پہلو کا ورنی کیا گیا ہے پر کسی پہلو پر بھی لیکھک نے ورشئی نہیں ڈالی، اِس طرح اِس کتاب کی اھمیت نہیں کے برابر وہ جاتی ہے ۔

کتاب کی چھھائی سندر ہے' کور بھی من کو موہ لوٹا ہے' ہوتا ہوگا ہوگا ہے۔ ہگا ہمکا ہمکا آجات ہائی ہیں۔ جو لوگ گاندھی جی کی ایک معمولی جانکاری حاصل کرنا چاھیں اُن کے لئے۔ کم دام میں یہ کتاب اُچھی ہے ۔

-مجهب رقوی

سنت ونوبا اور بهودان یگیه

يركاشك - سروردلي ساهتيه سلكه كاشي؛ مفحه 88؛

دام یالے آئے؛ پہلی بار نومبر 1952 .

کاندھی اسمارک ندھی بہار (شاکھا) کے پرتی ندھی سروودئے ساھٹھے سلکھا کاشی جیسی ڈمیرار سلستھا کی بطرف سے یہ چھوٹا سا پرکاھن دیکھکر ھمھی جہاں خوشی ھوٹی ہے وھاں یہ رنبج بھی ھوٹا ہے کہ قمر ڈمیراری کے ساتھ یہ پرکاھن کھا گیا ہے ، کتاب میں سوچی نھیں ہے انرزقیق کاما کا استعمال کہیں ہے کہیں نہیں ہے ،

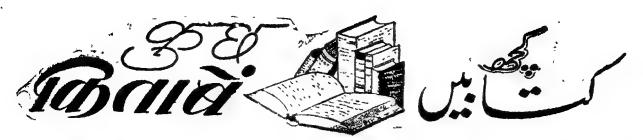
اس کتاب کے چار حصے ھیں۔ جیون چرتر' بھودان یکھیء' سلت بانی اور کیت ایوم کویٹائیں ۔ پہلے حصے میں جیون جیون کی میں جیون جیائی کے نام پر ونوبا جی کے جیون کی کچھ تاریخیں اور کچھ درسری گیٹلاؤں کی تاریخیں دے دی کئی ھیں۔ بھر ونوبا جیکے اوپر مہاتما گاندھی' مہادیو دیسائی' کاکا کالیلکر اور ایک پترکار کے لیکھوں کے بعد جیون پرسلگ کے نام سے ونوبا جی سمے جھون سے جھ

بھودان یکھہ والے حصرمیں کہدں بھودان یکھہ کا انہاس ہے' ونوبا جی کی اسھیچیں ھیں اور کہیں کچھ سلکلی۔ سلت بانی میں ونوباجی کے 36 جھوٹے ہوئے پروچن جمع کر دائے ڈگے ھیں ، آخھر میں ونوباجی اور بھودان یکھہ پر آٹے گیت ھیں ،

کتاب میں سبہادک یا اُس میں سامگری جمع کرتے والے کا نام کہیں نہیں دیا گیار پسٹک کے شروع میں ھی پرکاشک کی طرف سے جو ضروری نویدی ہے وہ پرچار ماتو لگتا ہے ۔

ھم آمید کرتے ھیں که دوسرے سنستوں میں پرافک ھمارے آویر کے شہدوں پر نمرتا سے وجاد کر کتاب کو آپیوکی اُور آکرشک بنانے کی کوشش کوسکے ،

سسريص وأمههاكي



क्रील व फ्रेसल

قول و قیصل کیلے رائے۔۔۔ مولانا ایولکلم آزاد؛ انورادک۔۔۔ سود قاسم علی سامعید اللکار؛ نکاللہ وائے۔۔ مقدی پرچارک یسٹکالیہ، گیاں وابی، بقارس سٹی؛ لکھارت۔۔ مقدی؛ صفحہ 104؛ دام۔۔۔ ایک رویدہ آلہ آنا ،

किखने वाले—मौलाना अनुलक्लाम आजाद; अनुवादक—सैयद क्रासिम अली साहित्यलंकार; निकालने वाले—हिन्दी प्रचारक पुस्तकालय, ज्ञानवापी, बनारस सिटी; लिखावट—हिन्दी; सका 104; दाम—एक दुपया आठ आना.

انگرین و فیصل آسرمانے کو یاد دلائی می جب انگرین یہاں راج کرتے تھے اور دیش بھکت جہاں کی کوتھریاں آباد کرتے تھے گولیاں کہاتے تھے، انگریزوںکی مدالت تھی' اُن کا قانون تھا اُن کا فیصلہ تھا، دیش بھکت ھونا جرم تھا کارن سے سزا دوسرے قانونیں کی لست میں نہیں تھی ، اُس مولانا آزاد پر بہت سے مقدمہ چلے ھھں' اُنھیں میں سے مولانا آزاد پر بہت سے مقدمہ چلے ھھں' اُنھیں میں سے ایک مقدمہ کا پورا ورنن اِس کتاب میں دیا کھا ہے ،

- "क़ौल व फैसल" उस कमाने की याद दिलाती है जब अंगरेज यहां राज करते थे और देश भक्त जेलों की कोठरियां आबाद करते थे, गोलियां खाते थे. अंगरेजों की अव्यालन थी, उनका क़ानून था, उनका फैसला था. देश भक्त होना जुर्म था पर देश भक्ति जुरमों की लिस्ट में नहीं थी. इस कारन से सजा दूसरे कानूनों के अन्तरगत दी जाती थी. मौलाना आजाद पर बहुत से मुक़दमे चले हैं, उन्हीं में से एक मुक़दमे का पूरा वर्नन इस किताब में दिया गथा है.

مولادا کی قلم کا لوها ادب کی دنها مانتی ہے، اُن کی لیکھئی کیمی هدستانیوں کا دل ہا جکی ہے پر وہ سب اُوپو لکھاوت میں ہے، لرگوں کو کموچ ہے که وہ مولانا کی لقابیں پوھیں پر لکھارت ایک مشکل کوڑی کر دیتی ہے۔ سید قاسم ملی نے ''آئول و نیصل'' کا ہندی میں انوراد کرکے ہندی کی ربردست سموا کی ہے اور پہت اوگوں کی بھاس بجھانے کا متدی لکھارت میں انوراد کے بجائے یہ کتاب اگر جوں کی توں ہندی لکھارت میں جھیت اور مشکل اگر جوں کی توں ہندی لکھارت میں جھیت اور مشکل شمندی نے ارتبالہ دئے جاتے تو اجھا ہوتا اِس طرح مولانا آراد کی شمای ایے اصلی روپ میں جاتما تک پہونے مسکل مشکی ،

मीलाना की क़लम का लोहा अदब की दुनिया जानती है. जनकी लेखनी कमी हिन्दुस्तानियों का दिल हिला चुकी है. पर वह सब उरदू लिखावट में है. लोगों को खोज है कि वह मीलाना की किताबें पढ़ें पर लिखावट एक मुशकिल खड़ी कर देती है. सैयद क़ासिम अली ने "क़ौल व फैसल" का हिन्दी में अनुवाद कर के हिन्दी की जबरदस्त सेवा की है और बहुत लोगों की प्यास बुमाने का इन्तजाम किया है. पर अनुवाद के बजाय यह किताब अगर जं कि तं हिन्दी लिखावट में खपती और मुशकिल शब्दों के अथ खिल दिये जाते तो अच्छा होता. इस तरह मीलाना आखाद की रीली अपने असली रूप में जनता तक पहुंच सखती.

---معهب رضوی

शान्ति दूत अमर बापू

شانتی دوت امر باپو

विखने वाले—सैयद् क्रासिम श्राती साहित्यलंकार, निकासने वाले—हिन्दी प्रचारक पुस्तकालय, ज्ञान वापी, वनारस सिटी; विखावट हिन्दी, सम्मा 175; दाम दी दपया.

لكهان والى سهد قاسم ملى ساهاته الذكوا أدكائي والهـ مقدي پرچارك يستكانهه كهان وايي عقارس سالى؛ لكهاوت مقدى صفحه 175 ؛ دِأم دوروهه.

مهن طبعسهی هے ، کوئی نههن جاها که اُس کا گور پریاد هوا اُس کے بال بچے خاتم هوں اُس کا گلعور خاتم هو.

سلطان يو

فانکی کانفرنس کے لگے سبھی اُسلق آئے تھے ، هر وجار کے لوگ آئےتھے...پر ایسا لکھا تھا که راشگری سویم سيوك سلكه والع شائتي أندولن كرباري ميس بهت سهوره ركها ته ... بهمه سے سوال پوچها چاها ته . ايك سجون نے پلکس سفور ال سے پوچھا۔''چھن کمھونسٹ رأج ھاور كمهونست ليهور كو نهيس مانكياور بهارت ليهور وادى ديه هے اس طرح جهن اور هندستان کیدوستی کهسے هو سکتی ه ؟ ؟ بِعَدْت جي نِي مقو بهكوان كِدهوم كِدس لكهن أنهون گفائے ، اُس میں ایشور کا تام نہیں تیا ، پنقت جی نے ہر دھرم کی کتاب سے دھرم کیپری بہاشا سٹائی کر کسیمیں ايشور كا نام نههن تها . سب مهن أيك بات تهي--سادگی، ایمانداری، جفعا کی شهوات و آگر دهرم اِس کا نام ھے، آگر مذھب اسی کو کہتے ھیں تو چھوں سے زیادہ یہ دهرم کهیں نہیں مانا جاتا ہے...آپ آوک دهرم کی الاس سے چیکہ مولہ میں اور چھٹی دھرم کی آتما کو آیٹا رہے هیں !'' پلکت جی نے کہا ،

اِسی طرح کے آور پہمت سے سوال لوگ پوچھتے رہے اور پنقت جی اُن کی نسلی کرنے کیکوشش کرتے رہے ،

ميكا يور

شانتی کمیٹی نے پلقت سلدر لال کو بلایا تھا ، پلقت جی کے پہاشن نے لوگوں کو جہلتھور دیا اور اُن کی سنجھ میں شائتی آندوان کی اصلیت آگئی ،

جل پائی گوري

المآباد اور جل پارتی گوری بهت درد ههی...پهر دهی نعمی کے ایکے کے انہیں لیک کر دیا...رات اور ادس سند کر کے ایک ہوڑھا اِنسان جل پائی گرری پہونچ ھی كها ...وهي جانا بهجانا جهرة...وهي أوأز...اس كلكه س میشه شانتی کی آراز تکلتی هے که لوائی کا مانا هوا ررودھی ہے ، پنکالی جنتا سے هندستانی میں بات کرنا بهت أجت نهين تها .. ير كها كيا جائه . ينقت جي کہنٹوں ہولتے رہے اور ساری بات جنتا کے داوں میں آلوثی چلی گئی . بهاشا بهن تهی بر آشا ایک تهی رشواس ایک بها نشیج ایک نها۔ جلک نهیں هونے پائے کی الهما والى ايهما والول سر تهدل لويل كرا أن كا خون نهدل بهے گا۔ مقدستان کا آیک دانہ مقدستان کا ایک تطریا خون، هندستان کی ایک پهولی کوری بهی سامراج کو مشيرط کرتے میں خرچ نہیں مرکی...هندستان اِس کو سین نیوں کرے گا ا مندستان کی جنتا اِس کی اجازت نهين هم سكعى !! ---پرواسی

में दिलचस्पी है.कोई नहीं चाहताकि उसका घर बरबाद हो, उसके बाल बच्चे खतम हों, उसका कलचर खतम हो.

सुलवानपुर

शान्ति कानफरेन्स के लिये सभी उमंह आए थे. हर बिचार के लोग आप थे...पर ऐसा लगता था कि राश्टीय स्वयं सेवफ संघ वाले शान्ति आन्दोलन के बारे में बहुत से अम रखते थे... बहुत से सवाल वह पृक्षना चाहते थे. एक सज्जन ने पंडित सुन्दरताल से पूछा-"बीन कमयूनिस्ट राज है और कमयुनिस्ट ईश्वर को नहीं मानते और भारत ईरबर वादी देश है. इस तरह चीन और हिन्दुस्तान की वोस्ती कैसे हो सकती है ? "--पंडित जी ने मनु भगवान के कर्म के दस नाम उन्हें गिनाए, उसमें ईश्वर का नाम नहीं था. पंडित जी ने हर धर्म की किताब से धर्म की परिभाशा सुनाई, पर किसी में ईश्वर का नाम नहीं था. सब में पक बात थी-सादगी, ईमानदारी, जनता की सेवा-"भगर धर्म इसका नाम है, अगर मजहब इसी को कहते हैं तो भीन से जियादा यह धर्म कहीं नहीं माना जाता ...आप लोग धर्म की लाश से विपटे हुए हैं और चीनी धर्म की खात्मा को अपना रहे हैं !"-पंडित जी ने कहा.

इसी तरह के और बहुत से सवाल लोग पूछते रहे और पंडित जी उनकी तसल्ली करने को कोशिश करते रहे.

सीतापुर

शानित कमेटी ने पंडित सुन्दरलाल को बुखाया था. पंडित जी के भारान ने जोगों को किमाइ दिया और उनकी सम्म में शान्ति आन्दोलन की असलियत आ गई.

जलपाईगुरी

इलाहाबाद और जलपाईगुरो बहुत दूर हैं...फिर भी ताचा के एके ने उन्हें एक कर दिया ... रात और दिन सफर कर के एक बूदा इनसान जलपाईगुरी पहुंच ही गया...वही जाना पहचाना चेहरा...वही आवाज... इस कंठ से हमेशा शान्ति की आवाज निकलती है, यह क्षकाई का माना हुआ विरोधी है. बंगाली जनता से हिन्द-स्तानी में बात करना बहुत उचित नहीं था...पर क्या किया आय. पंहित जी घंटों बोलते रहे और सारी बात जनता के विसी में उतरती चली गई. भाशा भिन्न थी पर आशा एक थी, विश्वास एक था, निश्चय एक था-जंग नहीं होने पायमी, पशिया वाले पशिया वालों से नहीं सब्में। उनका खुम नहीं बहेगा-हिन्दुस्तान का एक दाना, दिन्दु-स्तान का एक क़तरा खन, हिन्दुस्तान की एक फूटी कौड़ी भी सामराज को मजबूत करने में खर्च नहीं होगी... हिन्दुस्तान इसको सद्दन नहीं करेगा! हिन्दुस्तान की जनता इसकी इजायत नहीं दे सकती !!

--अवासी

यह चीख देखने की दावत दें सकती हूं. बहुत ही अच्छे हरय हैं. जरा आंख वन्द की जिये और थोड़ी देर के लिये यह सोचिये कि आप मेरे देश में हैं...रात मर बम बरसे हैं, रात मर जहाजों ने नीले आसमान के नीचे क्रवाबाजियां खेखी हैं...और इस समय, सुगह के वन्नत धुमां आंखों में मरा है...स्रज किथर से निकल रहा है इसका पता खगाना आसान नहीं. बहुत से प्यार जल गय हैं, बहुत से रिशते मुन चुके हैं...उन सब का धुमां उठ रहा है! बरवादी के इसी देर में कोई अपना वेटा दूंद रहा है, किसी को अपने पति की खोज है, किसी का सहारा चला गया है, किसी का प्यार लुट गया है...एक तरफ बाशों के अंबार खगे हैं...पर बोग इनमें से किस किस को रोएं. यह भी तो पता नहीं कि कीन मर गया है और कीन जिन्दा है. जिल्हों की हालत पर रोया जाय या मुरदों की लाशों पर आंसू बहुर जायं...फैसला मुशकिल है...समस्या कठिन है.

हर शहर, हर गांव का यही हरय है. रोज 700 से ले कर 1000 तक हवाई जहाज बाज को तरह हमारे देश पर मंडाराते रहते हैं...वो साल में... सिर्फ दो साल में हमारी राजधानी पर पन्द्रह लाख बम गिराए जा चुके हैं— एक बादमी पर बार बम! जरा सोिचये, जरा ध्यान दीजिये. एक करोड़ 50 लाख नपाम बम कोरिया की जमीन पर इसी बरसे में बरस चुके हैं... जरा सोिचये एक रात में— 11 जुलाई 1952 को—पियांग यांग पर 6000 बम गिराए गए. 1000 घर बरबाद हो गए, 6000 इनसान मर गए... में कुछ नहीं कहती... बस इतना चाहती हूं कि आप अपने बपने देशों की कल्पना कीजिये.. आप सोिचये कि यह सब आपके देश में हो रहा है, यह सब आपके शहरों में हो रहा है...

हान सीरया कहती गई, जग यह दास्तान सुनता रहा...

एक तरफ से अमरीकी प्रतिनिधि महल उठा—बूदे, जवान,
मर्व, औरत—और उन्होंने सीरया को गले लगा लिया...

एनकी आंखों में आंसू थे...और सीरया की आंखों में

एनकी हमद्दी ने आंसू पैदा कर दिये थे...दिल से जो बात
निकतती है असर रखती है...आज उसका असर हो रहा
है...सीरया ने वियाना में कहा था—इनसानियत को तीन
बातों की करूरत है—एक इस बात की उन्मीद कि शान्ति
सुमकिन है, दूसरी इस बात का विश्वास है कि शान्ति
होगी और तीसरी इस बात का निश्वय कि शान्ति कायम
की आव. आज इनसान को शान्ति की आशा है, आज शान्ति
पर उसे मरोसा है, आज वह पूरा निश्वय कर चुका है!

शान्ति का सन्देश कौन है किसे शान्ति नहीं चाहिये...कौन है जिसे जंग ایک چیز دیکھلے کی دعوت دے سکتی ھیں، یہم عی اچھ در دوھیے ھیں ، فرا آنکو یقد کیجگے اور تجری دیر کے لئے یہ سوچئے کہ آپ میرے دیھی میں ھیں. ، رات بجر بم برت میں رات بجر بمارں نے نیلے آسمان کے نیجے الابازیاں میں بجرا ہے ، اور اِس سے 'صبع کے وقت دھواں آنکھیں میں بچرا ہے...سورچ کدھر سے نکل رہا ہے اِس کا یک کانا آسان نہیں ، بہت سے بغار جل گئے ھیں' بہت سے نکار رہا ہے اِس کا یک رفت دھواں آنہ رہا ہے! بربادی کے اسی ڈھیر میں کوئی اینا بیٹا تھونڈ ڈرھا ہے! یہی کو ایچ پڑی کی کھوچ ہے' کسی کا سہارا جا گیا ہے' کسی کا بہارا جا گیا ہے' کسی کا بہارا جا گیا ہے' کسی کا بہارا جا گیا ہے' نہیں کو ایک طرف کے انبار لگے ھیں نہیں سے کس کس کو روٹیں، یہ بجی تو پڑی نہیں نہیں ہے دور کون زندہ ہے ، زندوں کی حالت نہیں کو روٹیں بی بجی تو پڑی کی دوریا جائے یا مودوں کی قشوں پر آنسو بہائے جائیں… پر رویا جائے یا مودوں کی قشوں پر آنسو بہائے جائیں…

مان سبریا کہتی گئی' جمگ یہ داستان سلتا رھا...
ایک طرف سے امریکی پرتی ندھی مقدل اُتھا۔۔۔بورف میں جولی مرد عررضہ اور اُنھوں نے سبریا کو گلے لگا لیا...
ای نے آنکھوں میں انسو تھ...اور سبریا نے آنکھوں میں انسو پیدا کر دیئے تھ...دل سے جو یات نکلتی ہے آکر رکبتی ہے...اے اس کا اگر ھو رھا ہے...
سبریا نے ریانا میں کیا تھا۔۔۔انسانیت کو تھیں یاتوں کی شوروت ہے ۔ ایک اس بات کی اُمید که شائتی میکی شوروت ہے ۔ ایک اس بات کی اُمید که شائتی میکی آور نہوں اس بات کا دشواس که شائتی میکی آور نہیں اس بات کا دشواس که شائتی ھوئی آور تھیوں اس بات کا دشواس که شائتی ہوئی آور آبے اِنسان کو شائتی کی آبے اُنے دیاتی پر اُسے بھروسه ہے آبے اِنسان کو شائتی کر چکا ہے!

ھالتی کا سلمیش

كون هر جسر شانعي نهين چاهكر...كون هر جميرجلك

14 1 1 1 1 1 1 1

The second of the second of

* ** ***

پر کوئی رضامقد تہمی ایم یمی وہ محیرم ہے بمر یمی وہ فنوشی ہے۔۔۔۔کوریا کے هرهر کی نے کہا هره ریچے نے یونو سے قویاد کی۔۔۔۔هماری قسبت کا فیصله کرنے والو هماری باص یمی سن لو ، سن لو اُ همکو محیرم تمہرائے والو هماری قریاد یمی سن لو ، پر یونو نے کان میں تمل قال لیا اُ اُس کے سارے جارائر شاموهی رہے اُس کی ساری طاقت سارے ادھوکار امریکه کی اُنگلیوں پر ناچتے رہے ...

اور آج کوریا کی کہائی سفلے کے لئے هر هو دیش کے پرتھفدهی اکٹھا تھے۔ یہ لیک سکسیس نہیں بلکہ ویانا ہے۔ یہاں کوریا کو ایڈی بات صفائے کے لئے مانگ نہیں کرنی پہلی بلکہ لوگ اچھک هیں کہ وہ دکھ کی داستان سن سکیں' اور اُسے سن کر کوئی علاج نکال سکیں۔ شدودی نے جذبات اُبھار دیئے' دہی هوئی آگ پھر جل اُٹھی' هان سھوریا کے خون میں جوش بھر گیا۔ وہ نہیں کہ رهی تھی بلکہ کوریا اس کے سائے کھوی ہو کر اس سے کھلوا رهی بلکہ کوریا اس کے سائے کھوی ہو کر اس سے کھلوا رهی بھی، کوریا کی اِس بیٹی نے کہا تھا۔'' مجھے شانت کیس ہوں' میں آئے بھاؤوں کو کیسے دہاؤں۔۔ابھی شانت کیس وہی' ابھی' گولے چل رہے هیں۔۔ابھی مجھے شانتی دیں۔۔ابھی مجھے شانتی کیس۔ رهی ہے' ابھی' گولے چل رہے هیں۔۔ابھی مجھے شانتی دیں۔۔ابھی مجھے شانتی

دنیا کے بوے بوے ودوان بھاشن دے چکے تھے ابوی پوی باتیں هو چکی تهیں...پر وہ سب دماغ کی باتیں تهين سرچ وچار کي باتين تهين...يهان سرف دل يول رها تها... أيك عورت كا دل أينى فرياد سفا رها تها-"هم کوریا سے ویانا آئے میں ، بہت سے دیشوں کو هم نے دیکھا ہے' سلسکرتی اور ڈلا کے بہت سے نمونے ہم نے دیکھے میں ...مهرب ساتههوا شانتی کے اپریسهوں ا میں سیج کہتی هين مهرا وهواس كرو...مجه إن لمونون كو ديكه حيكهكر خوهی هولی تهی شاید هونت مسکراتے بهی تهی۔..پر میں رو هي تهي مهرا دل خون هوا جا رها تها-مهرا ديمن براتا هے' هماري سبهها براني هے' همارے باس بانيم هزار پرس پرانی سلسکرتی کے خوالے تھے... پر اب ولا کہاں...! راکه کا ایک قهیر' بربادی کا ایک کبلیان اور کته نهین' بالكل كجه نبهن ، مين آپ سے كہنا جاهتى هي كه آپ مهری دیش جلگ هماری سنسکرلی دیکهئے...هم آپکی مهمانداری کا سوبهاک پرایت کرنا جاهان هیں...پر مین یه کیسے کیوں...میں آپ کو کس چیز کو حیکیئے كي دهوها هوڻ !... ا

ھال میں مثاثا تھا' کسی کے مند پر ھلسی نہیں تھی۔۔۔لیک لوکی کی آواز نے سب کی آنیا کو جھلتھور کو رکھ دیا تھا ، ھای سوریا کو رھی تھی۔۔۔'' موں آپ کو

पर कोई रक्षामन्द नहीं, फिर भी वह मुजरिम है, फिर भी वह दोशी है—कोरिया के हर हर कन ने कहा हर हर बच्चे ने यूनो से फरयाद की—हमारी फ़िसमत का फैसला करने वालो हमारी बात भी मुन लो, हम को मुजरिम ठहराने वालो हमारी फरयाद भी मुन लो. पर यूनो ने कान में तेल बाल लिया, उसके सारे चाटर खामोश रहे, उसकी सारी ताक़त, सारे खिकार खमरीका की उंगलियों पर नाचते रहे....

श्रीर श्राज कोरिया की कहानी सुनने के खिये हर हर देश के श्रीतिनिधि इकट्ठा थे. यह लेक सकसेस नहीं वियाना है. यहां कोरिया को अपनी बात सुनाने के लिये मांग नहीं करनी पड़ती बल्कि लोग इच्छुक हैं कि वह दुख की श्रास्तान सुन सकें, श्रीर उसे सुन कर कोई इलाज निकाल सकें—हमद्वीं ने जज़शात तथार दिये, दबी हुई आग फिर जख डठी, हान सीरया के खून में जोश मर गया. वह नहीं बोल रही थी बल्कि कोरिया उसके सामने खड़ी हो कर उस से कहलवा रही थी. कोरिया की इस बेटी ने कहा शा—"मुक्ते शान्त होना चाहिये, में जानती हूँ...पर में शान्त कैसे रहूं, में अपने भावों को कैसे दबाऊं...अभी सहाई हो रही है, अभी गोले चल रहे हैं...अभी मुक्ते शान्ति कहां...अभी मैं शान्त कैसे रहूं."

दुनिया के बड़े बड़े विद्वान भारान दे चुके थे, बड़ी बड़ी बातें हो चुकी थीं...पर वह सब दिमारा की बातें थीं. सोच विचार की वार्ते थी...यहां सिर्फ दिल वोल रहा **था...एक औ**रत का दिल अपनी फरयाद सुना रहा था— "हम कोरिया से वियाना आए हैं. बहुत से देशों को हमने देखा है, संस्कृति और कला के बहुत से नमूने हमने देखे ₹...मेरे साथियो, शान्ति के प्रेमियो! मैं सच कहती हूँ, मेरा विश्वास करो...मुमे इन नमूनों को देख देख कर सुशी होती थी, शायद होंट मुसकराते भी थे...पर में रो रही थी, मेरा दिल जून हुआ जा रहा था-नेरा देश पुराना है, हमारी सभ्यता पुरानी है, हमारे पास पांच इकार बरस पुरानी संस्कृति के खकाने थे...पर सब वह कहां ! राख का एक ढेर, बरबादी का एक खिल्यान, और कुछ मही, विलकुल कुछ नहीं. मैं आप से कहना चाहती है कि आप मेरे देश चित्रये, हमारी संस्कृति देखिये... हम आपकी मेहमानदारी का सीमान्य प्राप्तकरना चाहते हैं...पर में वह कैसे कहूं...में आपको किस चीज को देखने की दावत दूं !..."

हाल में समाटा था, किसी के मुंह पर इंसी नहीं थी...पक सक्की की बाबाज ने सबकी बारमा को मिन्मोंड़ कर रख दिया था. हान सीरवा कह रही बी—''में बापका

मैं उस रात नहीं सो पाया...एक सवास मेरे दिमारा में गंजता रहा-मेरे मां बाप कहते हैं कि वह निर्दोश हैं ... त्रापकी सरकार कहती है कि वह जासूस हैं..मैं फैसला कैसे कर सकता हूँ...मान लिया वह जासूस हूँ...पर श्रीटिस भी तो जासूस थे... अगर ओटिस को अत्याचारी, निर्दर्श कमयुनिस्ट इसी जुर्म में छोड़ सकते हैं...तो आप... ती कमयुनिस्ट नहीं हैं, आप तो क्रिसचियन हैं... फिर आप जरूर हमारे मां बाप को रिहा कर सकते हैं...मैं सोचता रहा...श्राप से न जाने कितनी श्रपीलें मैंने की... काश आप मेरे सामने होते. काश आप मेरी हालत देख सकते !...मेरे प्रेसीडेन्ट ! मैंने जानना चाहा कि स्रोटिस कैसे खूट गए...कौन सी तरकीव थी जिसने कमयुनिस्टों का दिल पिघला दिया...श्रीर मुमे यह जानकर ताज्जब हुआ...कमयुनिस्ट भी अपील सुनते हैं... उनके भी दिल होता है, वह भी रहम करना जानते हैं...श्रोटिस की बीवी ने अपील की और ओटिस छूट गए...ओटिस की बीवी ने रहम मांगा और कमयुनिस्टों ने उन्हें रहम दे दिया... मैंने सुना है मेरे बुजुर्ग कि बच्चों की प्रार्थना में बहुत असर होता है, बच्चों पर सब को ही रहम आ जाता है.. में इसी उम्मीद पर आपको लिख रहा हूं...में इसीलिये आप से फरयाद कर रहा हूं. मेरे मां वाप को खोद दीजिये, मुक्ते यतीम न कीजिये मेरे प्रेसीडेन्ट ! पर आप सामोश हैं. आप जवाब भी नहीं देते...क्या मैं यह समक लूं कि रहम, ईसाइयत, इनसाफ, आजादी...सब डामा है! सब दिखावा है, कीरा प्रचार है !!

कोरिया की बेटी

इमदर्द मुशकिता से मिलते हैं...शायद किसमत से मिस्रते हैं पर इमदर्दी मरहम का काम करती है या जखमों को हरा कर देती है, इसका साफ फैसला नहीं किया जा सकता. दुख की मनिषालों में एक स्थान वह भी है जहां दुख की पहचान बाक़ी नहीं रह जाती. पीड़ित यह नहीं जानता कि पीड़ा क्या है ? उस समय अगर कोई तसल्ली की बातें करने स्तरी, उस बक्त अगर कोई अपना दुख सिर्फ सुनने को तैयार हो जाय! आदमी रो पड़ता है. दुल की पहचान हो जाती है, कसक तेज हो जाती है, लाख रोकने पर भी तिबयत नहीं मानती. वियाना कोरिया के प्रतिनिधियों को बहु बाताबरन दे रहा या जिसकी उन्हें इच्छा थी और जिससे मूनो ने उन्हें महरूम कर दिया था, जो उनका अधिकार सार पर जिस से "इनसाफ और आजादी के संतरियों " ने कीरिया की वंचित कर दिया था. उत्तर कोरिया ने हर बार प्रार्थना की और हर बार उसकी मांग को दुष्टरः विया गया. यूनी भी क्या अदालत है ! मुलिश्रम का जी रा भी देखने को कोई वैयार नहीं, उसकी बात सुनने

مين أس وأنت تهين سو يايا. ايك سوال مهريه دماغ مهل كرنتها رها-سمهرية مال باب كهايم هيلكه ولا تردوهل ههن...آپ کی سرکار کیکی ہے که وہ جاسوس ههن...مهن فعصله کوسے کرسکتا هوں...مان لها ولا جاسوس ههر... پر اوٹس بھی تو جاسوس تھ...اکر اوٹس کو اتھاجادی ا ئودئى كيهونست أسى جوم مين چيور سكاي هين...تو أن تو كمهونست ديهن ههن آپ تو كرستهين هين ...هم آبها فرور همارے مال یاپ کو رها کرسکتے هيں... مهن سوچدا رها...آپ ہے نه جائے کعلی اُپھلیں میں آپ كهن الإهل أب مهريه ساملي هوته كاش أب مهرى حالت دیکھ سکتے !...مهرے پروسوقات ! موں نے جانفا جاها که اولس دیسے چھوٹ گئے...کونسی ترکیب تھی جس نے كميونسگون كا دل پكهلا ديا... اور مجهد يه جان كر تعصب ھوا...کمھونست بھی اپیل سلتے ھھن....ان کے بھی دل هونا ہے؛ وہ بھی رحم کرتا جانتے میں...اوٹس کی بھری نے اپیل کی اور آوٹس چھوٹ کئے...ارٹس کی معوی نے وهم مانكا أور كمهونسالون لے أنهون وهم دے ديا...مهن له سفا هر مهر بروک نه بحول کی برارتها میں بہت اثر هوتا هے بحوں ہو سب دو هي رحم آ جاتا هـ...مين اِسي أمهد ہو آپ کو لکھ رھا۔ ھرن...میں اِسی لگ آپ سے قریاد کو وقع هون، مهرے ماں باپ کو چھوڑ، دیجگے مجھ یادیم نه كينيك ...مهرم بريسهة ست إ ... بر آپ خاموش ههرا آپ جواب بھی نہیں دیتے...کیا سیں یہ سدیجہ لوں کہ۔۔۔۔ وهم عيساليت أنصاف أزادى ...سب قرامه ه ! سب دعواوا هے عورا پرچار ہے ا

کوریا کی بیٹی

مدرد مشکل سے ملعے عین شاید قسمت سے ملقے ههن، پر هندردی مرهم کا کام کرتی هے یا۔ زخموں کو هرا كو تبيتي هـ إس كا مات فيصله نهين كها جاسكتا . ھلے کے مغزلوں مہی ایک اِستهان وہ یہی ہے جہاں دکھ کی پہنچان بائی نہیں رہ جاتی ۔ پورت یہ نہیں جاندا که پیوا کیا ہے ؟ اُس سمے اگر کوئی تسلی کی باتیں کرتے نائے اُس وقت اگر کوئی ایٹا داکھ صرف سلقے کو تھار ھو جائر ! أدمى رو يونا هي. دكه كي پهنچان هو جاني هيه كسك تهز هو جاتي هے؛ لاكه روكنے ير بهي طبيعت نبهي مانتی، ویانا کوویا کے پرتیددھیوں کو وہ واناورن دیے وہا تھا جس کی اُنہیں اِچہا نہی اور جس سے یونو نے اُنہیں معصروم کردیا تها جو أن كا ادههكار تها در جسس ع 19نصاف اور آزادس کے ساتریوں" نے کوریا کو ونجے کردیا تھا ، آتر عربها لے هر بار پرارتها کی اور هر بار اس کے مانگ کو لهكرا ديا كها . يرنو يهى كها عدالت هر أ ملزم كا جهيره یهی دیکهلے کو کوئی تیار نہیں اُس کی بات سللے

3 1348 Art 2

सचाई क्या थी, भला मैं क्या समम सकता हुं...मैं इतना समम सकता हैं कि घोटिस ने वही जुर्म किया था जिसका इलकाम मेरे मां बाप की गरवन पर है... फरक है तो बस इतना कि मेरे मां बाप ने सदा अपने को निर्दोश कंडा है. अपने को देश सकत कहा है और ओटिस ने जुर्म को माना है...लेकिन इमें बताया गया है कि सोटिस ने सत्याचार से मजबूर हो कर जुर्म माना है... नहीं तो इलजाम रालत है, चोटिस वे ऋसूर हैं...यह भी बताया गया था कि कमयुनिस्ट इसी तरह लोगों को फांसी दिया करते हैं...पर मुक्ते ताज्जुब हुआ कि "जालिम कमयु-निस्टों" ने घोटिस को छोड़ दिया...श्रोटिस धमरीका भाष...हमारे देश के बढ़े नेता डलेस ने उन्हें बधाई दी. भौटिस साहब इतने धहम थे कि दूर पूरव और एशिया की उसकी हुई समस्याओं के बीच भी डलेस साहब को उनका जयाल रहा ! घोटिस का जलूस निकल रहा था... लींग सबे तमाशा देख रहे थे...मेरे प्रेसीडेन्ट, इम भी गए थें यह देखने कि श्रोटिस की शकल कमयुनिस्टों ने कैसी बना दी है... उनको कैसी कैसी तकलीक पहुंचाई हैं... पर वह खुदा थे, वह तन्तुहस्त थे, वह मोटे ताजे थे...फिर मेरे दिमारां में एक खयाल उठा . क्या कमयुनिस्ट जल्म करके कोगों को ऐसा ही बना देते हैं...शक पैदा हो गया था पर मुक्के इतिमनान चाहिये था...मैं उनकी प्रेस कानफरेन्स में गया...... लोग उनसे सवाल कर रहे थे. दो सी मुंह इर तरक से शब्दों के तीर बरसा रहे थे . श्रोटिस ने इस कर जबाब दिया... आपने सना तो होगा ही...जितनी तकवीफ चाप लोग मुमे इस समय दे रहे हैं इतनी चेकोस्लोबेकिया की पुलिस ने सुके कभी भी नहीं दी...मेरी आंख खुली की खुली रह गई...में अपनी जगह से उठ कर उनके चौर करीय चला गया....फिर एक पत्रकार ने उनसे पूछा -- क्या यह सच है कि आपको स्टेट हिपारटमेन्ट से तनखा मिलती है, क्या यह सच है कि आपने जाससी का इलजाम स्वीकार कर लिया है... श्रोटिस चुप रहे, उन्होंने इसका जवाब नहीं दिया. उन्होंने यह भी कहा कि जेल में उनके साथ बहुत अच्छा सल्क किया गया था, वह बहुत शंच्छी तरह रखे गए थे...उन्होंने यह भी बताया कि जिस तरह पत्रकार अमरीका में खबर की खीज करते हैं उन सरीक्रों से चेकोस्लोवेकिया में जेल की हवा जरूर खानी पदेगी... उन्होंने जासूस न होने की सफाई नहीं दी... पर यह जरूर कहा-धगर आप लोग अमरीका में भी यह पता लगाने जाइये कि यूरेनियम किन किन रास्तों से और किन कि देशों से यहां आता है तो आप जरूर गिरक्तार कर लिये जायंगे...कानफरेन्सं खतम हो गईं. मैंने लोगों को कहते सुना—''उन्होंने जासूसी जरूर की बी...इतजाम को स्वीकार ठीक ही किया को...''

سچائی کیا تھی' بہلا میں کیا سمجھ سکتا ھوں ...مهن أتقا سمنجه سكتا هون كه أوتس في وهي جوم کھا تھا جس کا الزام مھرے ماںیات کی گردن پر ھے...فرق ھے تو پس اتفا که مہرے ماں باپ نے سدا اھے کو نودوھے کہا ہے اپنے کو دیش بھکت کہا ہے اور اوٹس نے جرم کو مادا ہے...لهكن همهن بعايا كيا ہے كه ارتس نے الهاچار سے مجهور هوكر جوم مانا هي...نههن تو الزام غلط هـ؛ أوتس يرقصور هين بيء بهي بتايا كياتها كه كمهونست أسي طوم لوگوں کو پھانسی دیا کرتے ھھی...پر مجھے تعجب هوا که ''ظالم کمهونستگون'' نے اوٹس کو چهور دیا ... اوٹس امریکہ آئے...همارے دیش کے بولے تھا ڈلس نے اُنھوں بدهائي دي، اولس صاحب إنف أهم ته كه دور بورب أور ایشیا کی النجهی هوئی سنسهای کے بہی یہی داس صاحب لو أبي كا خيال رها أ... اوتس كا جلوس نكل رها تها ...لوگ کهوے تماشه دیکھ رہے تھے...مهرے پریسهدنت هم بهی گئے تھ...یہ دیکھٹے کہ اوٹسکی شکل کمھونسٹوں نے کهسی بنا دی هے...أن کو کهسی گهسی تکلهنیں يهلنجائي هير اير ولا خوش نهے ولا تلدرست تهے ولا موتم تازے تھے...بھر مھرے دماغ میں ایک خمال أثما... کها کمهونست ظلم کوکے لوگوں کو ایسا هی بنا دیتے هیں ...هك يهدا هركها تها ير مجه إطمهقان جاها ... مهن أن كي يريس كالفرنس مهن كها...لوگ أن سے سوال کر رہے تھے ۔ دو سو مقه هر طرف سے شودوں کے لور برسا رہے تھے ، اولس نے منس کو جواب دیا...آپ نے سفا تو ھوٹا ھی۔۔۔جتنی تعلیف آپ لوگ مجھے اِس سے دے رہے مهن اللی چیکوساویکها کی پولیس نے منجمہ کیهی یعی نهیں دی...میری آنکه کیاں کی کهای رہ گگی ...مهن آيدي جكه سے اته در أن كے اور قريب چلا كها... همر ایک مترکار نے اُن سے پوچھا--کھا یہ سیم هے که آیکو استهت ديارتملت س تلخواه ملتي هـ كها يه سم هـ كه آپ نے جاسوسیکا الزام سویکار کر لھا ھے...اوٹس جہ رھ' اُنہوں نے اِس کا جواب نہیں دیا۔ اُنہوں نے یہ بھی کیا کہ جهل میں ان کے ساتھ بہت اجها سلوک کھا گیا تھا' وہ بيمت اجوبي طور رکه گئے تھے...أنهوں نے یہ بھی بھایا که جس طرم يعركار امريكه مهن خمر كي كموم كرته ههن أن طریقیں سے چھکوسلوپکیا میں جهل کی هوا ضرور کھانی پوڑے گی... آنھوں نے جاسوس نه هولے کی صفائی نہیں دی ...هر يه ضرور كها---!كر آپ لوگ أمريكه مهي بهي يه يعه لکانے جاگھے کہ پورنیم کن کی راستوں سے اور کن کن دیشوں سے پہل آتا ہے تو آپ فرور گرفتار کرلئے جائیں کے ۔۔۔ کاندرنس ختم هولگی...مهن نے لوگوں کو کہتے سفا--درآنهون، نے جاسوسی ضرور کی تھی ... الزام کو سویکار قبعک ھی گھا " la

प्रवासी की डायरी

** 13 T TA h. "1

मैकाइस ने सिखा है: मेरी मां को छोड़ दो, मेरे वाप को बचा लो. मेरे देश के त्रेसीडेन्ट ! मुक्ते यतीम होने से तुम ही बचा सकते हो, तुम्हीं मुक्ते मां का प्यार दिखा सकते हो. इम भाई बहन मां की गीद के लिये बरसों से तरस रहे हैं. हमें मां की गोद वापस कर दो. अभी तो मां के मधुर गीत पूरे नहीं हुए, अभी तो उसने जी भर हमें व्यार नहीं किया, अभी तो उसकी लोरियां बाक़ी हैं. अभी तो उसके उपदेश बाक़ी हैं...मेरे प्रेसीडेन्ट ! तुम मुफे यह सब दे सकते हो. मैकाइल को ईथिल दे सकते हों, जुलियस से मैकाइल को मिला सकते हो...प्रेसीडेन्ट ! खामोशी...कोई जवाब नहीं...कोई तसल्ली नहीं...कोई दिखासा नहीं...हमें निराश मत करो... अब भी चुप हो...मेरी उमर दस बरस की है...में बच्चा हूं...बिलड्डल वैसा ही बच्चा जैसा तुम्हारा कोई बच्चा होगा...तुम्हारे बेटे का बचा होगा...तुम्हारी बेटी का बचा होगा...प्रेसीडेन्ट ! मैंने ऐसा साहस क्यों किया, आपको लिखने की हिन्मत क्यों की ?....आप जुरूर पूछेंगे...आप यह भी सोचेंगे...सुमे किसी ने सिखा दिया है...मैंने आपको नहीं लिखा बल्कि मुफ्त से यह सब विस्ताया गया है...यह ठीक नहीं है...यह सच नहीं है. यह शब्द मेरे हैं, यह भाव मेरे हैं, यह पुकार मेरी है... भगर इस में असर नहीं है, अगर यह आवाज आप के दिल को नहीं हिला सकती, तो यह मेरी कमी है...मैंन क्यों किसा है, इसका भी कारन सुन लीजिये...रेडियो पर, स्कूल में, सनीमे में, हर जगह मुक्ते एक वात सुनने को मिलती है...कमयुनिस्ट जालिम होते हैं...कमयुनिस्ट बे रहम होते हैं... अत्याचारी होते हैं... खुन बहाना उनका पेशा है...मासुमों को फांसी देने में उन्हें आनन्द आता है...मैं भी वहीं सममता था...भला आप भूट कैसे बोल सकते हैं... अपने बचों को आप अम में कैसे रख सकते हैं! पर एक दिन, एक सुबह...मैंने सुना कि मिस्टर भोटिस को चेकीस्सोवेकिया के कमयुनिस्टों ने होइ विया है...मुके अवंभा हुआ...विश्वास कीजिये मुके यक्रीन नहीं पड़ा. मैंने सब से पूछा, सब से सवाख किया...पर किसी ने ठीक जवाब नहीं दिया.... भोटिस को चेकोस्लो केकिया में पकड़ लिया गया था... इन पर इजलाम था कि वह जासूस हैं...वह चेकोस्लोवेकिया में हमारे देश की तरफ से मुखाबरी करते हैं.. मुक्ते यह भी माल्स हुआ कि क्ष्यूनि अपना अर्थ मान विया है. क्यों मान विया गा,

پرواسی کی تاثری

میکائیل نے لکھا ہے : میری ماں کو چھوڑ دو' ۱۹۵۰ء بان کو بھالو ، مہرے دیش کے پریسهدنت ا مجم باتم هول سر لم هي ينها سكتے هو؛ لم هي منهن مان كا يهار وایس دلا سکتے ہو . ہم بھائی بھن ماں کی کود کے لئے مرسوں سے ترس رہے ھیں، ھیھی ماں کی گود وایس گردو، ابھی تو ماں کے مدھر کھت ہورے نہیں ھوٹے ابھی تو اُس لے بھی بھو کو ہنیں پدار تیہیں کیا' ابھی تو اُس کی فرویاں یافی میں' ابھی تو اُس کے اُیدیش باقی مهن... مہرے پریسیڈنٹ ! ٹم مجے یہ سب دے سکتے ھو ، مهکائیل کو ایکیل دے سکتے ہو' جولیس سے مهکائول کو ملا سكام هور ريسين نعى أن خاموهي كوئي جوأب نهين ...كوكى تسلى نههن...كوكى دلاسا نههن...هدهن ترأهن مت کرو...اپ ہمی نہیں ہو...مهری مدر دس برس کی ھ ميرمين بنجه هن...بالكل ويسا هي بنجه...جهسا المهارأ كولي بعجه هوا ... نمهاري بهتم لا بحته هوا ... نمهاري بهتي لا يعيدُ هولا... يريسيدُ تت ! مون في ايسا ساهس كون كيا آپ کو لائھیے کی هست کورں کی ؟...آپ ضرور پوجهوں گررراپ به بهی سوچین کرررمجم کسی نے سکہا دیا ہے ...میں لے آپ کو نہیں لکھا بلکا منجھ سے یہ سب لکھایا کیا ہے...یه تبیک نہیں ہے...یه میے نہیں ہے ، یه شبد مهرے هيں' يه بهاؤ مهرے هيں' يه يکار ميري هے...اگر اِس میں اُٹر نہیں ہے' اگر یہ آواز آپ کے دل کو نہیں ہاا سکتی تو یه مهری کنی هے...میں نے گهرن لکها هے آس كا يهي كارن سن لهجهال ... ريديو پرا أسكول حيون سقيم مهن عرجكه معهد ايك بات سلند كو ملتى هـ... كمهرنست طالم هوتے ههن...ديهونست يهرهم هوتےههن... الهاجاري هوته هين ... خوي بهانا أن كا يهده ه ... معصومون كو يهائسي ديلم مين أنهين آللد أنا هي..مين يهي يبي سمجها تها...بها آپ جهوف کیسے بول سکتے هیں...انے بھوں کو آپ بھرم میں کیسے رکھ سکتے میں ا پر ایک فن ا ایک صمع ... میں ایسدا که مسلو ارتس کو جدی وسلویکها کے کیپینسٹیں نے جہور دیا ہے...مجھے اجلیہا عوا... بھواس کیموالے معھے یافوں نہیں ہوا ۔ میں نے سب سے پوچھا' سب سے سوال کھا۔۔۔ہر کسی نے تھھک جواب نبھن فیا...اوٹس کو چهکوسلویکها مهی هکو لها گها تها...أن هر إلوام تها که وه جاموس ههن ... ولا جهيکوسلوپکها مهر رهماري هيش كي طرف بيرمطهري كرتے ههن ...معهد يه يهي معلم ھوا کد اُنہیں نے ایٹا جوم مان لیا ہے ۔ کیس مان لیا تھا اُ

पर दूसरे सन ही वह चेत गई कि वह कुंवारी है. खल्ला ने उसके शरीर में कम्पन पैदा कर दिया. वह चाहती बी कि वच्चे को छोड़ कर सब की नजर से वच कर वह बदन चुराती वहां से भाग बाय. पर वच्चे को बिना चुप कराय वह नीचे भी नहीं उतार सकती थी.

सुधा चुप चाप आंस् वहा रही थी... उसका पति नकरें नीची किये चिन्ता में हवा सदा था.

दी मिनट के बाद शकीला जागे बढ़ी. अपने आंचल से मुंह पोंड्रते हुए सुधा को उसने गते से लगा लिया.

"मुक्ते माफ कर दो, बहन. मेरी बेकसी इसी कारम से थी, मैं नहीं चाहती थी कि तुम हमारी हासत जानो." सुषा ने कहा.

अकीका ने उसे भीप लिया और कहा-

'दिम तुम दोनों एक ही नाव के सवार हैं बहन. में तुम से सुन्धारे घर का भूठन मांगने चाई थी...तुम्हारा रख देख कर मेंने चुन्दीर बारे में न जाने कैसे तुरे तुरे खयात बना लिये के...मैंने खोचा था कि हिन्दू मुसलमान से नकरत करते हैं इसिबंबे मुसलमानों को नौकरी नहीं मिलती, मेरे भच्या को नौकरी नहीं मिलती, मेरे भच्या को नौकरी नहीं मिलती...पर मुक्ते पता नहीं था कि हिन्दू भी बेखार रहते हैं. भूके रहते हैं. बहन मुक्ते माफ कर होंगे, मुक्ते आक कर दोगी न बहन..."

होतों ने एक दूसरे को चोरों से भीच लिया, दोनों की बांकों से चांस बरसते रहे.

—मुजीब रिजबी

پر دوسرے جھن ھی وہ جھمت گئی که وہ کلواری ہے ، لجائے اسکے شریر سھی کمین پھدا کر دیا ، وہ جامعی تھی که بچے کو وہ بدن تھی کہ بچے کو رہ بدن جہراتی وہاں سے بھاگ جائے پر بچے کو بدا جہب کرائے وہ نیجے بھی نہیں ادار سکتی تھی ،

سدها چههچاپ آنسو بها رهی تهی...أس کا پاتی نظریس

نیچی کلے چلتا میں قربا کیوا تیا ۔

فو مقت کے بعد شکیلہ آئے ہوھی ، اپھ آنچل سے مقہ پرنچہکے ھرکے سدھا کر اس نے گلے سے لکا لھا . . .

استجهے معاقب کر دو' پہنے۔ مهری بے رخی اِسی کارن سے تھی' میں نہیں چاھلای تھی کہ تم ہماری حالت جانو'' سدھا نے کہا ،

شکیلہ نے آسے بہینے لیا اور کہا۔

"هم تم دونوں ایک هی ناؤ کے سوار هیں یہی میں تم سے تمہارے گھر کا جہوتی مانکٹے آئی تھی۔.تمہارا رخ دیکھکر میں نے تمہارے ہارے میں نہ جانے کیسے برے برے خمال بنا گئے تھے۔..میں نے سوچا تہا کہ هندر مسلمانوں سے نفرت کرتے هیں اِس لیے مسلمانوں کو نوکری نہیں ملتی میرے بھیا کو نوکری نہیں ملتی میرے بھیا کو نوکری نہیں ملتی معرف بھی بھکار رهتے هیں ۔ بہوے رهتے هیں ، بہی معرف کر دو...مجھے معاف کر دو...مجھے معاف کر دو...مجھے معاف کر دو...مجھے

دونوں نے آپک دوسرے کو زوروں سے بھھٹیے لھا کونوں کی آنکھوں سے آنسو برساتے رہے ،

سسمجهب رضوى

"ग्रुमः से मत पृद्धों कि मैं क्या चाहती हूं, अपने साडले से पृद्धों कि वह क्या चाहता है..."

"डसे सममा सकती थीं तुम... फुसला सकती थीं तुम... मार से ही क्या काम चल सकता है.... खोर कोई तरीका नहीं है..."

"तरीक़ा है तो...पर मैं उसे दूध कहां से दूं...न तुम कमा कर रख गए हो और न मैं कहीं से कमा कर ला सकती हूं..."

"सुधा, तुम्हारे ताने बहुत हो चुके... अब मेरा कलेजा इतनी मत करो... आखिर में क्या करूं... तुम्हीं बताओ... एक रास्ता बाक़ी है...में कांसी लगा लूं...मर जाऊं...

शकीला यह बातचीत सुन कर इन दोनों के पास आ गई. बच्चा रोता रहा. मर्च खड़ा सोचता रहा.

स्त्री अपने भाव दवाने की कोशिश करती रही. मर्द ने शकीला को सम्बोधित करके कहा—

- "बहन तुम ही समकाको. तुम ही इनसाफ कर दो! इस में मेरी क्या खता है...मेरी नौकरी खूट गई थी.. भुकों मरने की नौबत आ गई...मरता क्या न करता इन्हें मैंके भिजवा दिया...यक्रीन मानो मुमे कोई खुशी नहीं हुई...पर मजबूरी को क्या करूं...मैं एक मिनट भी निश्चिन्त नहीं बैठा. दरवाजे दरवाजे चक्कर काटे . कहीं नौकरी नहीं मिली.. किसी को मेरी जरूरत नहीं थी.... आखिर एक लकंड़ी की टाल पर पचास रूपए माहवार पर नौकरी कर ली...पचास रुपए में क्या हो सकता था. इन खोगों का किराया कहां से जाता. तीन महीने तक तन पेट काट कर रुपए जुटाता रहा...न जाने क्या सूक्ती थी सुके कि अपने पास रुपया रखने के बजाय मैंने सेठ के पास पूरी रक्रम जमा कर दी...पिछली बेकारी में बरतन वरौरा भी बिक गए थे. सोचा था कि इस रक्तम से महस्थी फिर से जुटा लंगा...पर क्या करूं. इनके भाई कल यहां छोड़ गए... भलामानुस रुका भी नहीं...में दौड़ा दौड़ा सेठ के पास गया... अपना रुपया मांगा-बहन, उसने साक इनकार कर दिया...मुमे भूटा और वेईमान बताने लगा...सारा रुपया मेरा इजम कर गया...नौकरी से उलटा मलग कर दिया... अब मैं क्या करूं...तुम ही बताश्रो बहन मैं क्या करूं... किस से फरवाद करूं...तुम ही सुधा को समका दो ... गुस्सा न करे...बच्चे को न मारे...उस मांसूम की क्या खता है...वह हमारी मुशकिंलों को तो नहीं समक सकता... फिर इस पर नाराज होने से क्या लाभ..."

शकीला ने बच्चे को गोद में उठा लिया. आंचल से उसका मुंद पोंछा और एक बार उसके दिमारा में यह समाल गुंजा कि वह अपना दूध बच्चे को क्यों न पिता दे. " منجه ہے منت پونهو که میں کیا بھامتی هوں' آنے اُڈلے سے پونهو گه وہ کیا جاملا ہے..."

الله الله المحتى لهين تم...يهسلا سكتى لهين تم برامار سے هى ديا كام چل سكتا هـ...أور كوئيطريقه نهين هـ...

السدها کمهاری طعلی بهت هو چکی...آب مهرا کلهجه چهللی مت کرو ، آخر مهن کها کرون...تمهن بگای...ایک راسته باقی ه...مهن بهانسی لکا لون...مر جازن..."

شکیلہ یہ بات چیت سی کر اِن دونوں کے پاس آ گئی۔ بجہ رونا رہا۔ مود کہوا سوچکا رہا۔

اِنگاری آنے بھاؤ دیائے کی کوشش کرتی رعی ، سرد نے شکھانے کو سمبودھت کرکے کیا۔۔۔

والهيئ لم هي سنجهاؤ ، لم هي أنصاف كو دو ! إس مهن مهري كها خطا هي. مهري نوكري چهرك كأي تهي... يهوكون مرلّ كي نويمت أ كُنّي ... موتا كها نه كرتا إنههن مهكم بهعوا ديار يتين مانو سجه كوئي خوشي نههن هوگی...هر متجهوری کو کها کرون...مهن آیک مقت بهی نعصلت نہیں بہتھا ، دروازے دروازے چکر کاتے....کہیں نوكري تههن ملي . . كسىكو مهرى فرورت بههن تهى أخر ایک لکھی کی ثال پر پنچاس روہنے ماہوار پر نوکری کر لی .. بعجاس ووبك مهى كها هو سكتا تها . إن لوكون كا كوايه کہارسے لانا۔ ٹھی مہیئے تک تن پیٹ کات کر روپڈے جٹانا رہاته جانے کیا سوجهی تهی مجھے که آبے پاس روپیه رکھتے کے بتھائے میں نے سہتم کے یاس پوری رقم جمع کر دی... پنچهلی بهکاری میں برتن وفیرہ بھی یک گئے تھے . سوبها تها که اِس رقم سے گرهستی پهر سے جگا لوں کا...پر کھا کروں ۔ اِن کے بھائی کل یہاں چھرو گئے....بھلا مانس رکا بھی نہیں...سیں درزا درزا سیٹھ کے پاس کیا...ایقا رویه، مانکا-بهن اس نے ساب اسکار کر دیا...مجهجهوتا اور به ایمان بتانے لکا...سارا روبعه مهرا هفيم کر گها...اب نوکری سے میں کیا کروں....تم هی بتاؤ بہی میں کیا کروں... لم هی بتاؤ بهی میں کیا دروں...کس سے قریاد کروں...تم هي سدها كو سمجها دون فصة نه كرين بجه كو ته ماريه ...أس مصوم كي كها خطا هي...وا هماري مشكلون كو تو نہیں سمجه سکتا...پهر اس پر نارانی هوتے سے کیا

شکیلہ نے بنچے کو گود میں آٹیا لیا ۔ آنچل سے اس کا مقد پونچیا اور ایک بار اس کے دماغ میں یہ خیال گونجا کہ وہ ایلا دودہ بچپ کو گھیں نہ یا دے ،

थी. वह रौर मालुधिक बाताबरन में एक चन भी नहीं ठहरणा चाहती थी, बहु इस औरत की शकत देखना नहीं चाहती थी ...पर वह जा भी नहीं सकती थी...एक ही दरवाजा था जिस पर कामयाबी की कुछ उम्मीर थी और वह पूरी कोशिश किये बिना बहां से दलना नहीं चाहती थी. मन को शान्ति कर के उसने इधर उधर की बात करनी आरम्भ कर थी.

''आप घर का जुठन मेहतरानिन को दे देती होंगी" उसने सवाद किया.

"दे दिया करते थे..."

11 - L

शकीला निराश हो गई, इस औरत से बिलकुल ना-जम्मीद हो गई. जो ठीक से बात न करे उसके सामने मुंह कोसने से क्या फायदा...शकीला उठ कर चलने लगी. उस औरत ने कुछ नहीं कहा. शकीला भी कुछ नहीं बोली.

शकीला के पैर सी सी मन के हो गए थे. वह चल नहीं सकती थी पर चलने पर मजबूर थी. ऋदम नहीं उठ रहे थे पर उन्हें उठना पड़ता था. हर पंग पर शकीला सीच रही थी-"मां ठीक कहती है...हिन्दू लोग मुसलमानों से हमदर्दी नहीं रखते...जो ठीक से बात करना गवारा नहीं करते बह नौकरी क्या देंगे... भय्या को अब यहां नौकरी नहीं मिख सकती..." उसका मन बाहा कि वहीं बैठ कर फुट फूट कर रोने लगे. पर वह ककी नहीं. उसने आंसू भी नहीं बहाय, यह सोचती रही-"मैंने इसका खाना तो मांगा नहीं था. मैं तो जूठन के बारे में पूछ रही थी...ऐसा जवाब देरडी भी जैसे में इससे भीक मांग रही थी... किसी मुसलमान के घर जाती तो चाहे वह खाना न देता पर वेंसे इसेपन से ज्योहार तो न करता...हिन्दू बहुत बुरे होते हैं...मुसलमानों से वह नफरत करते हैं.. मैं भी हिन्द्रभों से नमरत कहंगी...उनसे पूरी नमरत कहंगी..."

शकीला के विचारों का तार टूट गया. वच्चे की चीख ते बसे चौंका दिया. आगे बढने के बजाय उसने मुद्द कर

एक दो साल का बच्चा कटोरा हाथ में लिये अपनी मां से कुछ मांग रहा है. मां ने उसे एक चपत मार दिया. बच्चा कीख कर रो पड़ा मां ने कोई भ्यान उसकी तरफ नहीं दिया और बदबदाने सगी—'दूध ! दूध !! दूध !!! कहां से लाऊं दूध ! कीन तेरा बाप दूध कमा कर रख गवा **2**...#

बच्चे ने फिर एक चीख मारी और मां ने फिर ताबड तोड तमाचे अजाए. बच्चा प्रमीन पर लोट गया. कटोरा उसके हाथ से बह कर दूर गिर पड़ा...

ं 'क्च्बे को कार डालोगी क्या... आखिर तुम चाइती क्या हो..." वच मर्च ने सामने से बाते हुद बहा.

تهمى . ولا غهرمالوشك وأتاررن مهن أيك جهي الحد أبهد الهيرنا جامعي لهي ولا إس ميرس كي شكل ديكها نهيس چاهائي تهي . . . پر وه جا يهي نهين سكائي تهي . . . ايك هي دروازه تهاجس پر کامیابی کیکچه اُمهد تهی اُور ولا پوری کوشش کیے پیا وہاں سے تلیا نہیں جامعی تھی ، من کو شات كر كرأس تر إدهر ادهر كي يات كرني أرمهه كر في .

" آپ گهر کا جوتهی مهترانی کو دے دیتی هونگی ."

أس نے سوال کیا ۔

ال دے دیا کرتے تھے۔۔۔"

هکیلد تراهی هوکئی، اِس مورت سے بالکل ناأمید هو گئی ، جو ٹھیک سے باس نه کرے اُس کے ساملےمنه کھوللے سے کیا فائدہ... فکیلہ اُٹیکر چلئے لکی، اُس فورس نے کھے نبهن کیا . شکیله بهی نهین بولی ،

هکیلہ کے بیر سو سو میں کے هو گئے تھے، وہ چل نہوں سکتی تھی پر جللے پر مجہور تھی ، قدم نہیں آتہ رہے تھے پر آنہیں آئینا ہوتا تھا ۔ هر یک پر شکیلہ سوچ رهی تهی۔۔" ماں تهیک کهتی ہے...هدو لوگ مسلمانوں سے همدودی نبیس رکھالے...جو تھیک سے بات کرنا گوارا نهمل کرتے وہ نوکری کھا دیں گے...بھھا کو اب یہاں توکری نهین مل سکتی...أس ا من بهاها که رهین بیگیکر پهرگ پہوت کو رولے لکے . ہر وہ رکی نہیں . اس نے آنسو بھی نبھور بہائے ، وہ سوچتی رهی۔۔" مهن نے اِس کا کھانا تو سانتا نہیں تیا میں تو جو ہن کے بارے سوں دوجه رهی تهی...ایسا جواب دے رهی تهی جیسے مهن اُس سے بہوک مانگ رھی تھی...کسی مسلمان کے گهر جاتی تو جاهے وہ کہانا نه دیتا پر ایسہ روکمہ پن سے بهوهار تو نع کرنا...هلدر بهت برے هوتے هوں... مسلباتیں سے وہ تغرت کرتے ھیں...میں بھی ھفدوؤں سے مُفرِت کرونگی...أن سے پوری نفرت کرونگی...''ا

هکیلہ کے وہاروں کا تار ٹوٹ کیا ، بچے کی جدنے لے اس جونكا ديا . ألى يوهل ك يجائه أس ل مو كر ديكها-

ایک دو سال کا بجے کاروا ھاتھ میں لئے آپنی ماں سے کچھ مانک رہا ہے ، ماں نے أسے ایک جہم مار دیا ، ہمت جهم کو رو ہوا ، ماں نے کوئی دعیاں اسکی طرف نهين ديا أور بوبوال لكي-" دوده ! دوده !!! كهان سالوں عودہ ؛ كون تهرا باب دوده كما كر ركه كها هـ..."

ہمے نے پہر ایک جمع ماری اور ماں نے بدر تاہر دور طماج جمال ، بحيد ومين بر لوت گها ، كاورا أس ك ماته سے معرف کر دور کرا ہوا ۔۔۔

22 يعيركومار قالوكي كها... لَجَر تم جاهاي كها هو... ك ایک میں نے ساملے سے آتے ہو لے کہا۔

(242)

पैर किसी ने फिर बांधने शुक्ष कर दिये. उसने इस असमंजस से खुटकारा पाने के लिये दांत पीसे और मुट्टी मीच ली और आगे बढ़ गई. आखिर वह एक घर के दरवाजे पर आ कर दक गई.

1 1 15

महीनों से यह घर बन्द था चाज ही खुला था. शकीला इस घर में चा चुकी थी. वह घर वालों को जानती थी... पर वह खाना मांगने का साहस कर सकेगी इसका यक्नीन उसे नहीं था.

दिल ने कहा-लीट जाची.

दिमारा ने कहा—कर गुजर जो कल करना है उसे भाज ही कर गुजर.

शकीला दरवाओं तक पहुंच गई. उसने कुनड़ी खट-खटाई. पर उसके हाथ कांपने लगे, पैर में कपकपाइट पैदा होने लगी. हाटों पर खुशकी झाने लगी... उसे ऐसा लगा कि वह घंटों से प्यासा है.

ं जल्दी ही दरवाजा खुल गया और एक स्त्री सामने से आ कर साड़ी हो गई उनके मुंह पर हंसी नहीं थो. उनके मुंह से ऐसा लग रहा था कि शकाला का आना उन्हें अच्छा न लगा हो.

शकीला को बहुत बुरा लगा. उसका मन चाहने लगा कि वह कह दे—'में तुम्हार खाने की भूको नहीं हूं, में भीक मांगने नहीं आई हूं...फिर क्यों तुम इस तरह का चेहरा बना रही हो..." पर उसने यह सब नहीं कहा. दो एक सिकन्ड दोनों तरफ से खामोशी रही और फिर शकीला ने पूछा—

"बहन आप बहुत दिनों के बाद दिखाई पड़ी हैं."

"हां, मैके गई थी, चार महीने के बाद कल चाई हूं." दूसरी स्त्री ने क्ले-पन से उत्तर दिया.

शकीला चुप रही, उसने चाहा कि वह भाग जाय पर वह म जाने क्यों वहीं खड़ी रही.

"आओ अन्दर आयो" दूसरी स्त्री ने शकीला को बुकाया.

दोनों अन्दर चली गई.

इधर उपर की गपराप होती रही. कपड़ों की सिलाई पर बातचीत चल पड़ी...मंहगाई की बात चल पड़ी, घंटों बार्ते होती रहीं. और बात ही बात में शकीला ने पूछा— ''बहन आप के यहां जूठा तो बचता होगा.''

"च्या करता था" दूसरी ने इस तरह जवाब दिवा वैसे यह सवास उसे पसन्द न हो. शकीला को जबरदस्त भक्त सथा. गुस्से का तीर दिमाग को बीदता हुणा तलुवे से निकस नया, वह उसी समय वहां से भाग जाना बाहती نہر کسی فیہوبالدہ فی فروع کو دیائے، اُس فے اِس استقصیں سے جہائکوا یائے کے لئے دانت پہنے اُر مائی بہدتے لی اُور آئے ہوڈائٹی ، آخر وہ ایک گیر کے فروازے پر آ کو رک گئے .

سپیلیں سے یہ گہر بلد تھا ، آج هی کھلا تھا ، شکیلہ اِس گہر میں آ جکی تھی۔۔۔ وہ گہر والین کو جاتاتی تھی۔۔۔ پر وہ کھانا مانکلے کا ساهس کر سکے گی اِس کا یاتوں اُسے لیھیں تھا ،

دل نے کہا۔۔لوٹ جاؤ ،

دماغ نے کہا۔۔۔کو گزر ، جو کل کرنا ہے أسے آج هى کو گزر ،

شکیله دررازے تک پیرنے گئی ۔ اُس نے کلقی کہت کہتائی ، پر اُس نے کلقی کہت کہتائی ، پر اُس نے ماتو کا بہا ہے لیے کہا ہے اس کے ماتو کا بہانے لگی ، . اُسے ایسا لگا کہ وہ گہنٹوں سے پھاسی ہے ،

جلد هی دروازہ کہاں گیا اور ایک اِستاری ساملے ہے آکر کہوی هو گئی ، اُن کے سلم پر هلسی تہدی تھی ، اُن کے سلم ہے ایسا نگ رها تھا کہ شکھلہ کا آنا اُنھوں اُجھا ته لگا هو .

شکیلہ کو بہت ہوا لگا ۔ اُس کا من جاھئے لگا کہ ولا کہ قریر۔۔۔''مہن تمہارے کہائے کی بھوکی نہیں ھوں' مہن پھیک' مانگلے نہیں آئی ھوں۔۔۔بھر نہوں تم اِس طرح کا جھولا بقا رھی ھو۔۔۔''ا

ہر۔ اُس نے یہ سب نہیں کہا ، دو ایک مکلک دونوں طرف سے خامرفی رہی اور پھر شکھلتا نے پوچھا---

" بہن آپ بہت دنوں کے بعد دکھاٹی پڑی ہیں ۔"

ان ماں' مہلے گئی تھی' جار مہملے کے بعد کل آئی
 کورس اسٹری نے ررضے ہیں سے اثر دیا ۔

شکھلہ چیپ رہی ۔ اُس نے چاما که وہ بھاگ جائے ۔ پر وہ به جانے کیرں وہوں بوری رہی ۔

أو اندر أو " دوسرى إسترى نے شكيله كو بلايا . دونوں اندر جلى كثيں .

ا إدهر أفهر كى كب هب هرتى رهى ، كهورن كى عائي هر بات جهمت چل هوى...مهلكانى دى بات چل يوى كهفتون ياتهن هوتي رههن ، اور بات هى بات مهن شكيله غهرجها سند? يهن آب كے يهان جوتها تو بنچتا هوءً .''

'' بچا کرتا تھا '' دوسری نے اُس طرح جواب دیا جھجے یہ سوال آیے پسلد نہ ھو ۔ شکیلہ کو زبردسمت دھکا لگا ۔ قصہ کا تھو دساغ کو بہلدتا ھوا تلوے سے ایکل گھا ، وہ اُسی سبے وہاں سے بھاگے جاتا جامتی

اً الله ال भण्या...कितावों में विका है यह दुका कभी खाती नहीं जाती...कहर असर जाती है...?

"नहीं शकीला, नहीं.. नैकरी नहीं मिली .. दुष्पाओं में नौकरी दिलाने की ताक़त नहीं है, शकीला, दुष्पाएं वे खसर हैं. नौकरी समाज के ठेकेदारों के हाथ में है और दिन रात वह दुष्पाएं करते हैं कि उनकां क़बजा जमा रहे.... तुम झाली दुष्पाएं करती हो... खुदा को कुछ नजर नहीं करती हो... वह मंदिर बनवाते हैं, मसजिद खड़ी कराते हैं, दान करते हैं, इज करते हैं, यात्रा करते हैं .. वह खूब देते हैं... तुम सिर्फ लेना चाहती हो.... तुम्हारी दुष्पा क़बूल हो या उनकी दुष्पा क़बूल हो ... तुम ही सोचो वहन .."

"भरवा !"

"ठीक कहता हूँ बहन" सलीम की नजरें अक गई, दो आंस शकीला के क़दमों पर टपक पढ़े

मोती के इन प्यालों में शकीला ने सब कुछ देख सिया. सलीम के मन की वेदना, उसकी भूक, उसकी कमजोरी, उसके दुखी भाव ... उसने न जाने क्यों और किस इरादे से कहा—

"भच्या, तुम भूके होगे, मैं भभी रोटी लाई...मुंह हाथ भो दालो...मैं भभी रोटी लाई..."

ें दोटी कहां से आएगी शकीला..." सलीम ने ने कहा.

"नहीं, तुम मुँह थी डालो...मैं रोटी ला रही हूँ..." कहती हुई वह जोश से भाग कर रसोई घर की तरफ वल दी. जोर के मटके से दरवाजा खोला और अन्दर घुस गई. कहीं रोटी नहीं थी...चूरा भी नहीं था...वह हर बरतन की तलाशी लेती रही, पर सब काशिश विफल रही. वह जानती थी कि घर में रोटी नहीं है...फिर उसके दिमारा में यह नाटक कैसे आ गया...यह नाटक नहीं था शायद उसकी निष्ठा थी...पर रोटी को नहीं मिलना था और वह सहीं मिली. शकीला निराश हो गई. वह आगे वहीं और फिर ठिठक गई. भाई से उसे शमें आ रही थी, रोटा वह मुहैया नहीं कर सकती थी...!

दिन में इसने कई बार कोशिश की थी. वह बार बार ब्रखाफो तक जाती थी और लौट आती थी. घर से तय कर के जाती थी कि भूकों मरने से अच्छा है कि मोहल्ले बालों से मांग जिया जाय पर बाहर मर्यादा पैर पकड़ लेती थी. वह घर के बाहर क़दम इठाती थी पर फिर उसे वापस लौट खाना पड़ता था. पर इस बार वह घर से बाहर निकल गई. उसने चारों तरफ नजर दौड़ाई और खड़ी हो कर यह सब करने लगी कि किस घर में जाय खड़े होते ही जैसे इसके मज़बूता इरादे में कमकोरी खाने खबी, वैसे उसके بهها...کتابس میواکیا هے یه دما کیمی شالیتهیں جاتی ...فرور آثر لاتی هـ..."

and the state of the

النهيس شكيلة على النولي نهيس ملى الدعاول ميس نولي شكيلة تهيس النولي ميس المحل النولي النولي

والهیک کیما هوں یہی'' سلیم کی نظریں جھک گئیں' دو آنسو شکیلہ کے قدموں پر تیک پڑے .

موتی کے اُن پھالوں میں شکیلہ نے سب کچھ دیکھ لیا ۔ سلم کے من کی ویدنا اُس کی یہوک اُس کی کمزوری' اُس کے ذکھوں' اور کمن اُرادیے سے کہا۔۔۔۔ کس اِرادیے سے کہا۔۔۔

والهها، تم بهوک هوکے، مهن ابهی رواتی لائی...مله هاته دهو دالو...مهن ابهی رواتی لائی...،

''روتی کہاں سے آئے کی شکیلہ...'' سلهم نے کہا .

النهیں' تم سلم دھو قالوں۔۔میں روتی لا رھی ھوں۔۔۔' کہتی ھوئی ولا جوھی سے بھاک کو رسرتی کیو کی طرف چھل دی۔ زور کے جھٹکے سے دروازہ کھولا اور اندر کیس گئی۔ کیس روٹی نہیں تھا۔۔۔ولا ھر برتی کی تلاشی لیکی رھی' پر سب دوشھی ویمل رھی۔ ولا جانگی تھی کہ گھر سیس روٹی نہیں ہے۔۔۔یمیر آس کے دماغ سیس یہ ناٹک کیسے آ گیا۔۔۔یم ناٹک نہیں تھا ھاید اُس کی لشٹھا تھی۔۔۔یر روٹی کو نہیں سلما تھا اور ولا نہیں سلی شکیلہ نراش ھوگئی ۔ ولا آئے بوعی اور پھر تہتیک ملی ، بھائی سے اُس ھرم آ رھی تھی' روٹی ولا سیمی کی سے اُس ھرم آ رھی تھی' روٹی ولا سیمی کی سیمی تھی۔۔۔''

میں میں اُس نے کئی یار کوشص کی قبی ، وہ یار یار دوواڑے تک جاتی تھی اور لوت آتی تھی ، گھر سے طے کو کے جہاتی تھی کہ یھوکوں مرنے سے اُچھا ہے کہ مصلے والوں سے مانگ لھا جائے پر باعر مریادا بھر یکو لھتی تھی ، وہ گھر کے باعر قدم اُتھاتی تھی پر بھر اُسے واپس لوت آنا ہوتا تھا ، پر اِس بار وہ گھر سے باعر تکل گئی ، اُس نے جاروں طرف تطور فروائی اور کھوی عو کر یہ طے کرنے لگی کہ کس طرف تطور فروائی اور کھوی عو کر یہ طے کرنے لگی کہ کس کھرے مہنے کی جھسے اُس کے مشتورہ اُرائیے مہنوں کھرونی آنے لگی جھسے اُس کے مشتورہ اُرائیے میں کھرونی آنے لگی جھسے اُس کے

बड़ा झदम बापस हो गया, यह लौट पड़ी...च जाने, क्यों, कैसे, किस तरह फिर उसका ऋद्म बाहर निकल गया.

फिर वह खोट पड़ी.

इस बार उसने मन ही मन एक कैसला कर लिया था और मुख के भाव से ऐसा लगता था कि वह बाहर निकल जायगी, अपनी मंजिल तक पहुँच कर रहेगी...पर उसे फिर कक जाना पड़ा, ठिठक जाना पड़ा...बह कभी लाल हो जाती थी, कभी पीली...कभी दुख उसके चेहरे पर दिखाई पड़ता था और कभी गुस्सा—कुछ देर वह वैसे ही वहीं खड़ी रही...एक चौखट का सहारा छोड़ कर दूसरी चौखट का उसने सहारा जिया.

"आगे मान मर्यादा की लाश है...पीछे भूक की अतनी नोषने को खड़ी है...किधर जाऊं...क्या करूं...मान मयोदा...भूक और मान मर्यादा !"

शकीला फिर खौट पड़ी.

कमरे मे जाकर उसने जाए नमाज़ बिछा दी, क़ुरान निकाला. पढ़ने लगी. उसने सुना था कि क़ुरान में हर सुशिकत का हल है, उसको बताया गया था क़ुरान पढ़ने से शान्ति मिलती है..., वह क़ुरान पढ़ती गई....वह सब कुछ भूल कर क़ुरान पढ़ने की कोशिश करती रही... बांखें कुरान पढ़ती रही... हिमारा कोई दूसरा चित्र खींचता रहा... रारीबी, बेकारी... मां... मां के कपड़े, उसका बुढ़ापा... माई... जवान शकल पर सुरदानी की छाया... हंसी की जगह आंसू .. चंचलता की जगह पैरों में कमजोरी की लड़क हाहर .. बेकारा... घर में कुछ नहीं... खाने को कुछ नहीं .. दो रोज का फाक़ा... भूक... मान... भाई... और वह...

वह चीख उठी, ज़ुरान को ज़ोरों से बन्द कर दिया, चठ खड़ी हुई, बाहर निकल गई.

किसी ने कहा—"दुष्पा करो...शायद भाई को नौकरी मिल जाय . दिल से जो ब्राह निकलता है, ब्रसर रसती है. तुम्हारी दुष्पा शायद क़बूल हो जाय..."

मांचल के नीचे उसके हाथ उठ गए, वह दुचा करती रही, करती चली गई, न जाने कब तक करती चली जाती. एक धावाज ने उसे चौंका दिया. बांख खोली तो देखा सकीम सामने खड़ा है. उसे किसी बात की याद नहीं रह गई बी, जैसे वह सपना सा देख रही भी और अब भी उसका असर बाक़ी था. उसने सलीम के बाजू पकड़ बिये और उताबे पन से कहने लगा—"भय्या आज तो तुन्हें नौकरी भिक्ष गई होगी, मेरा दिल कहता है कि तुन्हें नौकरी शिक्ष नई होगी...मैंने 'दुचाए नूर' पद कर दुआ मांगी थीं

یوها التنه، واپس هوگها وه لوک پوی،،،لغ جالے کهوں کهسے کس طرح یهر اُس کا قدم یاهر نکل گها۔ یهر وہ لوک یوی ،

إس يار أس نے من هي من ايک فيصله كر لها تها أور مكه كے بہاؤ سے ايسا لكنا تها كہ وہ باهر تكل جائےگي أيقى مقول تك پہونچ كر رهے كى...پر أسے پهر رك جانا ہوا تهتيك جانا ہوا...وہ كبهى لال هو جاتى تهي كبهى بهلى...كبهى فكه أس نے چہرے پر فكهائي پونا تها أور كبهى فصه—كچه دير وہ ويسے هي وههن كهوي رهى... ليمي فصه—كچه دير وہ ويسے هي وههن كهوي رهى... ايك چونهت كا أس نے ايك چونهت كا أس نے سيارا نها .

الله مان مریادا کیلاهی ... بهچه بهوک کی بهتلی نوچه کو کهوی ه... کدهر جاور... کها کورس... مان مریادا ... بهوک اور مان مریادا ! "

هکهله پهر لوڪ هڙي .

قبرے میں جاکر اُس نے جائےنماز بچھا دی کوآن نکالا پوھلے لگی اُس نے سفا تھا کہ قرآن میں ھر مشکل کا حل ہے اُس کو بھایا گیا تھا قرآن پوھلے سے شانقی مشقی ہے...وہ قرآن پوھتی گئی..وہ سب کچھ بھول کر قرآن پوھلے کی کوشش کرتی رھی..آبکھیں قرآن پوھتی وھیں..دماغ کوئی دوسرا چھر کھیلچھا رھا..فریدی بھکاری..ماں..ماں کے کھرے اُس کا بوھایا...ہائی... جواں شکل پر مردنی کی چھایا..ھقسی کی جگہ ایسو بھکاری...گھر میں تجھ بھیں..کھانے کو کچھ بھی بھکاری...گھر میں تجھ بھیں..کھانے کو کچھ بھی

وہ جھھے آٹھی آئرآن کو زوروں سے بقت کو فیا' آٹھ کھوں ھولی' یاھر نکل کئی ۔

کسی نے کہا۔۔۔۔''دھا کرو۔۔۔شاید پہاگی کو نوکری مل جاگے۔۔۔دل سے جو آہ تعلقی ہے' اگر رکھٹی ہے۔ تمہاری دھا شایدہ قبول ہو جاگے۔۔۔''

آمعول کے نہجے اُس کے هاتے آتے کئے' وہ دھا کرتی رھی' فرتی جلی گئی' نہ جائے کب تک کرتی جلی جاتی ۔ ایک آواز نے آیے جونکا دیا ۔ آنکہ کمولی تو دیکھا سلیم ساملے کھوا ہے ۔ آیے کسی بات کی یاد نہیں وہ گئی تھی' جیسے وہ سیفا سا دیکھ رھی تھی اور آب بھی اُس کا اگر بھی تھا۔ اُس نے سلیم نے بازر ہاتو لئے اور آباولے ہیں سے کہنے نگی۔۔۔" بیما آج تو تمہمی موتوں مل گئی ھوگی' میوا قال کیکا ہے کہ تمہمی توتیں مل گئی ھوگی' میوا قال کیکا ہے کہ تمہمی توتیں مل گئی

A War Tarana

"नहीं बेटी, कोई बात नहीं...साबन भी खाएगा... तमबाकु भी भाएगी...हमारे भी दिन पल्टेंगे...फिर तेरा व्याह रचाएंगे"--मां ने शकीला के बालों को उलमाते हुए कहा और बिना सके कहती गई-- "सलीम को नौकरी पासर मिल जायगी....बस वह नौकर हुआ नहीं, सब ठीक हो जायगा..."

''नौकरी ...श्रोर वह...उन्हें नौकरी मिल हीनहीं सकती."

"भाई के बारे में ऐसे शक नहीं रखते बेटी."

''ठीक कहती है मां. नौकरी उन्हें मिलती है जो कोशिश करते हैं..."

''क्या स्नामस्ना रास्सा करती है तू, अपना दिल भी जलाती है. सलीम का दिल भी जलाएगी .. बेचारा दिन भर तो खपता रहता है. हर हर दफतर की तो खाक छानता है...पर क्रिस्मत को क्या करे..."

"क्रिसमत ! क्रिसमत !! क्रिसमत !!! नाच न जाने आंगन टेढ़ा" शकीला ने भुंभला कर जवाब दिया.

' क़िसमत नहीं तो और क्या....मेरा बना बी. ए. पास ्हें, क्राबिल है...फिर भी नौकरी नहीं मिलती...किसमत ही का सो सब खेल है.. तू क्या जाने जमाने का रंग ढंग.... कभी बाहर तो निकलती नहीं है...मुसलमानों को आजकल नौकरी नहीं मिलती...सलीम का ही क्या, सभी मुसलमानों का यह हाल है..."

"मां, मैंने कितनी बार तुम से कहा कि हिन्दू मुसलमान की बात मत किया करी...तुम्हारे लाडले को क्या आता है जो नौकरी मिल जाय . नौकरी के लिये काबलियत की प्रस्तरत है. खाली बी. ए. पास कर लेने से काम नहीं चलता....बेटे का धार न जाए धीर मां चली है क्रिसमत की कोसने, हिन्दुआ की जियादती बताने..इस तरह से अपने निकन्मे पन को नहीं छिपाया जा सकता..." शकी ला ने तंग आकर कहा और मां की गोद से उठ कर चल दी.

मां ने एक ठहाका लगाया और बोली-"पागल कहीं क्री "

शकीला एक सम्बा पकड़ कर खड़ी हो गई, अपनी लटों को उंगलियों से उलमाती रही, घीरे धीरे खम्बे से अपने सिर को टकराती रही. फिर न जाने उसे क्या सूमा भीर वह दरवाजे की तरफ चल दी.

क़दम आरो बढ़े पर जगह जगह की हक गए. एक करम दरवाजे के बाहर था और दूसरा दरवाजे के अन्दर, न बाहर वाला अन्दर जा रहा या और न अन्दर बाबा बाहर जा रहा था.

वह खंडी रही और सोचती रही,

تفاكو بهي آلے كى...همارے بهى دن بلتهن كے...بهر تهرأ بهاد رجالهن گے''سمان نے هکيله کے بالوں کو العجهاتے ھوکے کہا اور یقا رکے کہتی گئی۔۔ "سلیم کو نوکری ضرور مل جائے گی...پس وہ نوکو ہوا نہیں' سب ٹییک ہو

التوكوني...اور ولا...أنههن توكون مل هي فههن سكتي. ك ''بہائی کے بارے میں آیسے شک نہیں رکھتے بھٹیء'' اللهيك كهتى هول مال ، توكري أنهيل ملتى في جو كوهش كرتے هيں..."

الاكها خوالامطوالا فصة كرتي هے تو' أيقا دل يهي جالتي هے؛ سلیم کا دل یعی جلائے گی...پهاره دن یعر او الهیکا رهال هـ. هر هر دفاتر كي تو خاك چهاندا هـ ... پر قسمت کو کھا کرے...⁶⁶

السيت إ قسمت !! قسبت !!! ناج نه جالم أنكن تهرها الشكهلم في جهلجها كر جواب ديا .

الاسمت نهين تو اور نها...مهرا بنها يي. اع. ياس هـ ، قابل هـ ... پهر بهي نواري نهين ملتي ... تسبت هي كا تو سب كههل هي ... تو نها جان وسائه كا رنگ دهنگ ... کیهی یاهر تو نکلتی نهیں <u>ه</u> ...مسلمانوں کو آجکلنوکری نهیں ملعی...سلیم 8 هی نها سبهی مسلمانوں کا یہ حال هـ..."

''مان' مهن نے ککٹی ہار تم سے کہا کہ عقدو مسلمان كر يات مت كها كرو .. المهاري الآلي كو كها آتا هي جو نوكري مل جائي نودوي كے لئے قابليت دى فرورت هے ، خالى ہی، اے، پاس کرلیٹے سے کام نہیں جانتا...بہائے کو نہ آئے تع جائے اور ماں چلی ہے قسمت کو کوسلے ا ملدووں کی زیادتی بعانے...اِس طرح سے آئے تکمے بین کو تبھی جوہایا جاسکتا... " شکیله نے تنگ آکر کہا اور سال کی کوہ سے اله کر چل دی .

ماں نے ایک ٹھھاکا لکایا اور بولی۔۔۔''پاکل کھھرکی،'' هکیله ایک کهمها هکو کر کهوی هوگئی ایلی لتین کو أنكلهين سے ألجهاتي رهي' دههرے دههرے كهمدے سے أبي سر کو تحراتی رهی ، پهر نه جانے اُسے کها سوجها اور وہ ھروازے کی طرف چل دی ۔

الدم آلے ہونے پر جاگه کی جاکه رک گئے .

لیک قدم دروازے کے باہر تھا اور دوسرا دروازے کے آندر قد باهر والأ أتخر أ وما تها أورقه الدر والا باهر جا رها تها .

ره کهچی رهی آور سوچکی رهی .

बार सुना, दो बार सुना...मूंमस्बा वठी, बारपाई से वस्रत पदी, पूरी ताकृत से चिल्ला कर उसने कहा—

"क्या है! कहो न, क्या है."
दूसरी सरफ से कोई जवाब नहीं आया"शकीला" फिर किसी ने आवाज दी.

मूंभलाइट से शकीला अमीन पर कूट पड़ी. पैर पटके और ग़स्से से भरी उस तरफ चल दी जिधर से आवाज आ रही थी. उसकी चाल में वेग था, तेजी थी, खून का उबाल था, सारे शरीर में ग़स्सा था. जाते जाते उसने फिस् सुना—

"शकीला !"

शकीला ने कोई जवाब नहीं दिया, तेजी से बराम दे में आ गई और खटोले पर बैठी बुदिया से बोली - "कही न, क्या बात है." पर यह वाक्य कहते समय उसमें गुस्सा नहीं रह गया था, उसमें तनाव नहीं बाक़ी था. वह बुदिया के चेहरे को देख रही थी, उसके कपढ़े पर नजर जमाए थी.

"मां, तुम दुफ्टा बांध लो और अन्दर कमरे में जाकर बैठ जाओ. मैं तुम्हारे कपड़े धो दूं. बहुत गनदे हो गए हैं. एक तो ऐसे ही बहुत साफ रहती हो. दूसरे भरते से और गंदगी फैलाती रहती हो...छी...छी....कुरते पर क्या बेल बूटे बनाए हैं..." शकीला ने बुदिया के हाथ सहलाते हुए कहा.

"बेटी कई दिन से तमबाकू नहीं मिली, मन न्याकृत है."

''तमवाकू !'' शकीला ने उंडी सांस भरते हुए कहा.

मां की आंखों में आंसू भर आए. उसने बेटी के सर को अपनी गोद में रख लिया. शकीला ने बुढ़िया के इरादों का विरोध नहीं किया. उसने उसे अपनी जांगों पर लेटा लिया और थपथपाने लगी.

"पराली, श्रफसोस करती है...इसमें दुखी होने की क्या बात है. यह तो क्रिसमत का खेल है...कभी घी घना .. कभी मुट्टी मर बना." मां घीरे घीरे कहती रही.

शकीला चुप रही, शान्त रही.

मां ने फिर कहा—'तू भी क्या खूब है. मां को तमबाकू तो खिला नहीं सकती...पर सफाई की फिकर है. कुरता धुलबा तो लूं...सुमे भी बुरा लगता है, बहुत गन्दा हो गया है...पर साबुन कहां है...बिना साबुन के कैसे घोडेगी..."

"सामुन !" शकीला ने फिर ऐसी सांस ली जैसे उसके दिस की क्यरदस्त घका लगा हो. يار سفاء دوبار سفا ... جهنجها آتهی، جاریائی سه أجهل پری فاقت سه جها کر اُس نے کیا۔۔۔

"کہا ہے! قہو تھ' کیا ہے ."

دومری طرف سے کوئی جواب نہیں آیا ۔

^{ور}شکھلت^{ا،} پھر کسی نے آواز دسی۔

جهلتههاهت سے شکیله زمین پر کود پڑی ، پهر پاتک اور فعیے سے بهری اس طرف چل دی جدھر سے آواز آ رهی تهی ، اس کی جال میں ویک تها' تیزی تهی' خارن کا آبال تها' سارے شریر میں قصہ تها ، جاتے جاتے اس لے بهر سال۔

" | slate"

شکھلت نے کوئی جواب نہیں دیا' تیزی سے برآمدے میں آگئی اور کھٹولے پر بھٹھی بوھیا سے برلی۔۔۔ 'کہو نہ' کھا یاس ہے،'' پر یہ واکیہ کہتے سے اسمیں قصہ نہیں وہ گھا ٹھا' اُس میں تفاؤ نہیں بائی تھا۔ وہ بوڑھما کے جہرے کو دیکھ رھی تھی' اُس کے کہرے پر نظر جمائے تھی ۔

''مان' نم قوبات باندہ لو اور اندر کمرے مہیںجا کراہیائہ جائی مہیں تمہارے کہرے دھو دوں ، بہت گذرے ہوگئے مہران ایک تو ایسے می بہت صاب رہائی ہور دوسرے بہرتے سے اور' گذرائی پیہائی رہائی ہور...جبی جبی...کرتے پر کہا بہل ہوگئ بقائے میں...'' شکلیہ نے پوڑھیا کے ہاتو سہائے میلے کہا ، '

''اہیٹی کئی دن سے قمہاکو نہیں ملی' من بھاکل ہے۔'' ''تمہاکو !'' شکیلہ نے ٹہلقبی سانس بھرتے ہوئے کیا ۔

مال کی آنکھوں میں آنسو بھر آلے ۔ اُس نے بھٹی کے سر کو ایقی گود میں رکھ لیا ۔ شکیلاء نے بوڑھیا کے آرادوں کا ورودھ نییں کیا ۔ اُس نے آسے آپنی جانگوں پر لیکا لیا آور تیمیانیائے لگی۔

''لیکلی' افسوس کرتی ہے…اِس میں دکیی ہوئے کی کیا بات ہے ، یہ تو قسمت کا کییل ہے…کبھی گھی گہتا ہے، کبھی مٹھی بہر چھا،'' ماںدھیرے دھیرے کہتی رھی، شائت رھی ،

ماں نے ہور کہا۔۔۔۔''تو بھی کھا خوب ہے۔ ماںکو تمباکو تو کھا نہیںسکتی۔۔۔پر صفائی کیہوی فکر ہے۔ کرتا دھلوا تو لیں۔۔۔سجمے بھی برا لکتا ہے'' بہت گندا۔ ھوگیا۔ ہے۔۔۔ ہر صابی کہاں ہے۔۔۔۔بنا صابی کے کیسے دھوٹرکی۔۔۔''

وماہی !'' شکھلہ نے پور ایسی سائس لی جھے۔ آئیں کے مال کو زبردست ممکا لکا موں

दो भूके!

शकीला के बढ़े हुए क़र्म कक गए.

इसने सोचा कि यह अन्दर तौट जाय...पर वह सड़ी रही. इसने सोचा कि आगे वह जाय...पर वह दकी रही.

न वह पीछे था सकी न थागे जा सकी.

प्रकासगढ, पका पोजा से, एक मुद्रा में कूनी वह खड़ी रही, सोमती रही, अपने से खड़ती रही.

बह स्वोई स्वोई सी थी, फिर भी उसमें जागरन था. बिचारों का समन्दर ठाठें मार रहा था और वह उसमें दूबती जा रही थी. फिर भी उसमें कुछ चेतना वाक़ी थी. दिमारा और दिल के हर सवाल का वह जवाब देने की कीशिंश करती थी, हर तरह से समाधान करने का अथब कर रही थीं.

सेकण्डों की जयह मिनटों बीत गए पर कोई फैसला न हो सका. बद सीचती गई और समस्या जटिल से जटिल तर,दोती गई—फिर न जाने क्या बात उसके दिमारा में गूंज गई, ज जाने किसने उसको आदेश दिया—वह लौट पड़ी, मन्दर जाने सगी—रंग बदला हुआ था. आंखों में लाली, गालों पर सुरखी, खलाट की नसें कसी हुई, पूरे बदन में एक सखती, कोमसता की जगह एक तनाव—वह घर के अन्दर पुस रहीथी, उंगिलयों से हवा में चुछ शकलें बनाती गई, होट हिसाती गई, कुछ कहती गई.

तेषी से शकीला एक कमरे में घुसी और धड़ाम से बिस्तर पर गिर गई. उसने तिकये में मुंह गड़ा दिया और मुंह से जोर जोर से सांस लेने लगी. कभी कभी सिसकी मरने की भी कोशिश की, पर बिफल रही. आंसू भी उससे किन गय थे, कैसे रोया जाता है इसकी एक धुंदली सी याद असके दिमारा में बाक़ी थी... पर वह रो नहीं सकती थी. कुछ देर बाद उसने करवट बदला और चित लेट गई... पर कोई कायदा नहीं हुआ... वही विचार, वही बिण्ता... सब कुछ बही. उसने छत पर बांसें गढ़ा दीं—सोचती रही, मुंह से सांस लेती रही, हायों से मुंह पर मालिश करती रही.

"श्रकीशा" एक मदाम स्री व्यावाचा उसके कान में गई. पर उसने उस पर ध्यान नहीं दिया.

"हाकीला" फिर वही आवाज आई.

खसार, सांची, गले की घरघराइट चीर उन्हीं वेसुरी कार्बों के बीच शकीसा, शकीसा की रहा. शकीसा ने एक

و بھوکے!

عکیلد کے بوقے مولے قدم رک کثر .

the second section is a second second

اُس نے سوچا که وہ اندر لوٹ جائے...پر وہ کھوی رھی۔ اُس نے سوچا که آئے ہوہ جائے...پر وہ رکیرھی ۔

نهٔ وه پهچه آ سکی نه آلے جاسکی .

ایک جگاہ' ایک پوز ہے' ایک مدرا میں توہی وہ کھڑی۔ رھی' سوچائی رھی' آئے سے لولی رھی ۔

ولا کھوٹی کھوٹی سی تھی' یہر بھی اُس مھی جاگری تھا، وجاروں کا سمندر تھاتھیں مار رہا تھا اور ولا اُس میں قویعی جا رہی تھی، یہر بھی اُس میں کچھ چھتنا باتی تھی ، دماغ اور دل کے ہر سوال کا ولا جواب دیتے کی کوشش کرتی تھی' ہر طرح سے سدادھاں کرتے کا پریعن کر رہیتھی۔

سكفتوں كى جگه مفتوں بهت گئے ہر كوئى فيصله نه هوسكا، ولا سوچتى گئى اور سبسها جثل سے جقل تر هوتى گئى—پهر نه جانے كها بات أس كے دماغ مهں گونج گئى، ند جانے كس نے أس كو آديھی ديا—ولا لوگ پوئ، أندو جانے لكى—رنگ بدلا هوا تها، آدكهوں مهں لالی، كالوں پر سرخى، لاگ كى نسين كسى هوئى، چور يدن مهن أيك سطعى، كوملةا كى جگه ايك تفاؤ—ولا گهر كے أدار كهس وهى تهى، أدكلهوں سے هوا ميں كچه شكلهى بدائى وهى تهى، أدكلهوں سے هوا ميں كچه شكلهى بدائى

تھڑی سے شکیلہ ایک کسرے میں کہسی اور دھوام سے
بستر پر کر گئی، اُس نے تعید میں مغد کوا دیا اور سقد سے
زور زور سے سانس لیلے لگی۔ کبھی کبھی سسکی بھرتے کی
بھی کوششرکی پر وبھل رھی، آسو بھی اُس سے چھن گئے
تھے، کہسے رویا جاتا ہے اِس کی ایک دھقدھلی سی یاد
اُس کے دماغ میں باقی تھی۔۔۔یر وہ رو نیھنسکتی تھی ،
کچھ دیر بعد اُس نے کروف بدلی اُور چت لیت گئی۔۔۔
پر گرگی قائدہ نہیں ھوا۔۔۔وھی وچار' وھی چقتا۔۔۔سپ
کچھ وھی ، اُس نے چھمت پر آنکھیں کوا دیں۔۔سوچتی
رھی' مند سے سانس لیتی رھی' ھاتھوں سے مند پر مالس

'' فکیلی'' ایک مدھم سی آواز اُس کے کان میں گئی پر اُس نے اُس پر دھیان نہیں دیا۔

الشكيله بهروهي آواز آئي .

کیکیارا کیانسی کلے کیگیر گیراهت اور آنیوں پرسوی تالیں کے بیٹے شکیلہ کی رف ، شکیلہ نے آیک गुरुवों, शिवकों और मनोवैज्ञानिकों के पास दौड़े गौड़े फिरते हैं.

हम अपना दिल और मस्तक क्यों नहीं टटोसते, हम यह क्यों नहीं सोचते कि यह 'नकार धर्म' जो इस बालक में जराइ पा गया है, यह सब का सब हमारी देन है. मार-फ्रेंट-मीड नामी एक मानव शरीर रचना शास्त्री ने एक बार न्युगिनी में रहने वाले एक क़बीले के बारे में लिखा था कि वह अपने बच्चे को कोई काम करने से नहीं रोकते. जब तक कि वह सात बरस का न हो जाय और फिर उसी का यह कहना है कि ऐसे बालक सबके सब दंगई और अनाज्ञाकारी तो होते ही नहीं उत्तटे घर के बड़े प्यारे मेम्बर बन जाते हैं, खूब जिम्मेदारी सममते हैं और मां बाप का करना तो मानते ही हैं. उसका यह भी कहना है कि कोई बह न सममे कि मैं यह कह रहा है कि सब लोग अपने बच्चों को जंगली जानवरों की तरह छोड़ दें मैं तो सिर्फ यही कहता हैं कि लोग बचों की क़द्र करना सीखें क्योंकि इर बच्चा यह जानता है, कि उसकी भलाई के लिये, क्या क्या काम ज़रूरी हैं और इतनी ही अच्छी तरह जानता है जितनी अच्छी तरह हम.

जब बच्चा भूक से रोता है तो वह सच्चे जी से रोता है, बिल्कुल सच्चे जी से, उसमें जुरा भी बहाने बाजी नहीं होती. आम तौर से बच्चों का पेट दो घटे में आजी हो जाता है, उनका पेट सुकड़ने कगता है, और पेंठने लगता है, पक दिन के बच्चे के पेट का भी यही. हाल होता है, बच्चे खूब समभते हैं कि उनकी भलाई किस में है, जीन होपिकन्स हस्पताल में डाक्टर क्लेश हैक्स ने एक परीज्ञन करके देखा. ब्रोटे बच्चों के के पास तरह तरह की चीजों का रस लगाकर कुछ चपटे रख दिए गए और उनको चाटने के लिये बच्चों को आजाद होई दिया गया, वह चाहे जिस को चाटें और चाहे जितना चाटें. एक ने काड-जियर आइल चाटा, मीठे को छुआ तक नहीं, एक ने नमक ही नमक चाटा, वह मुंह भी बनाता रहा और नमक चाटता भी रहा, असल में उसके बदन को जमक की जरूरत थी.

बस बागर आप अपने बच्चे को प्यार करते हैं तो आप इस तरह से दो उत्तर बासियों से एक काम लीजिये, आप अपने बच्चे का आदर कीजिये और उसे समिनिये कि वह भी एक व्यक्ति है, उसकी अपनी जकरते हैं, उसके अपने अधिकार हैं. हो सकता है, इस पर अमल करने से नगरों और शहरों में साफ कमरे देखने को न मिलें पर आपको अञ्चल दर्जे के बच्चे जकर देखने की मिलेंगे और अन्त में अच्छे नागरिक.

----भगवानदीन

قرور کی میں اور ستوریکیانکوں کے پاس دورے دورے دورے بھرتے میں .

هم اينا دل اور مستک کيس نهين تتولتي هم يه کيس نبهن سوچاته که یه نکار دهرم ؛ جو اِس بالک مهن جاته یا لها هے؛ یه سب کا سب هماری دین هے . مار گریت مهد نامی ایک مانو شریر رجانا شاستری کے ایک بار نهوگلی میں رہنے والے ایک قبیلے کے بارے میں لکھا تھا که وہ ابھے بچے کو کوٹی کام کرلے سے نہیں روکتے کے جب تک که ولا سات پرس کا ت ہو جائے' اور پھر آسی کا یہ کہنا ہے کہ ایسے بالک سب کے سب دنگئی اور اناکھاکاوی تو ہوتے ہی نبھر) اُلٹے کھر کے ہونے بھارے معمر بن جاتے میں خوب فسداری سنجهتے هیں اور ماں باپ کا کہلا تو مانعے هی ههن. اُس کا یہ یہی کہفا ہے کہ کوگی یہ سمحے که مهن یه که رها هون که سب لوگ أیه بنجون کو جلکلی جانورون کی طوح بهپور دیں؛ میں تو صرف یہی کہتا ہوں که لوگیب بنچین کی قدر کرنا سهکهین کیونکه هر بنچه یه جانتا هے کا استی بھٹئی کے لئے کہا کہا کام فروری ہوں ارر ائلي هي اڇهي طرم جانتا هے جنڌي اُڇهي طرح هم ،

جب بچه بهوک بر روتا هے تو وہ ستچے جی سے روتا هے آپ بالکل ستچے جی ہے اس مهں قرا بهی بهائے باری تهیں هوتی . هام طور سے بحوں کا بهت دو گهلتے مهں خالی هُو جاتا هے اُن کا بهت سکونے لکتا هے اور ایلقهلا شکتا هے ایک دن کے بحجے کے بهت کا بهی یہی حال هوتا فی بہت دن کے بحجے کے بهت کا بهی یہی حال هوتا فی بہتھ خوب سمجھتے هیں که اُن کی بهائی کس میں میں ایک بریکھن کرکے دیکھا، چهوتے چهوتے بحورکے باس طرح ایک بریکھن کرکے دیکھا، چهوتے چهوتے بحورکے باس طرح طرح کی چهووں کا رس لکا کر کچھ جهوتے رکھ دیگے گئے اور اُن کو جاتے اُن کی بہتی اُن کی بہتی کے کات لور اُن جاتے ہائیں اُر جاھے جاتے ہائیں ، ایک نے سک هی جس کو جاتے وہ مہی بھی بان وہا اور نمک جاتے بھی رہا ہی دیک دی نمک هی نمک جاتے وہ سلی بھی بان وہا اور نمک جاتے بهی بیان وہا اور نمک جاتے بھی رہا اُن میں اُس کے بدن کو نمک کی ضرورت تھی .

پس اگر آپ ایے بنچے کو پھار کرتے ھھیں تو آپ اِس طرح ایک دو اُلٹ باسھوں سے کام لھجنڈے' آپ ایے بنچے کا آدو کھجنڈے اُور اُسے سمنجھنڈے کہ وہ بھی ایک ویکٹی ھے' اُسکی اپنی ضرورتھیں ھھی' اُس کے ایا ادھھکار ھھیں۔ ھوسکتا ھے' اِس پر عمل کرتے سے نگروں اُور شہروں مھی صاف کمرے دیکھلے کو نہ ملھیں پر آپ کو اول درجے کے بنچے ضرور دیکھلے کو ملیلگے اُور انت مھی اچھے ناگرک۔

— بهگوان ديني

राय नहीं, ईसाबेल पैटर्सन की है जिसको उन्होंने न्यूयार्क

के प्रखबार 'हैरलंड ट्रिप्यून' में छापा या.

शेल के डाक्टर आरनीएड जोसेल ने हमें यह बताया है कि मानव प्रानी की काम करने के विषये प्रकृतिने एक पट्टी तैयार कर के दे वी है बस मानव प्रानी की उन्नति ठीक उसी के मुताबिक होती है. जब बांत निकलने लगते हैं, तो ठोड़ी आगे होने खगती है, अबदे मज़बूत होने सगते हैं, पाचन शक्ति बढ़ जाती है. और बच्चा अब सख्त चीज खाने को तैबार ही जाता है. पुट्टों के ज़िहाज़ से नये बच्चे के पुट्टे पत्तने के जिये काफी मज़बूत होते हैं, आप सहारा दीजिये, बह पांच भारो पीछे करेगा ! हमारी बात को अपने बच्चे पर बाजमा कर देख खीजिये, बच्चा अपने बाप तो यों नहीं बक्ष बाता कि उसकी सन्तुलन नहीं बाता. बाप में बाई-सिक्त जलाने की ताइत है, कोई पक्र ले तो जला भी सेंगे, पर सन्तुलन न जानने से चाप एक क़द्म चल कर ही साइकित से गिर पहते हैं. सन्तुलन सीखने पर बच्चा चलने क्षमता है, उसके तन और मस्तक की दूसरी क्रियाओं का भी बही हाल है. उन सब का बहुत नियत है. जब वह बहुत काता है, बच्चे को वह सब व्या जाती है.

 हम चाहते तो यह थे कि इम यहीं क़लम रोक दें पर शतीजा निकासे विना ऐसा कैसे करें. यों समफ लीजिये

ज़क्द की बातों से इमें यह नसीहत मिलती है:

इमारा बच्चा हमें अचरज में डालने वाला होता है, और बढ़ देशा प्रामी होता है जो बहादुर होता है, सकत होता है, और हमारी सहकारी होता है. वह तैयार होकर बाता है और हमारे साथ मिल कर काम करने के लिये कसुक होता है. इस में शक नहीं हम बसका खुशी से स्वागत करते हैं, वसे प्यार करते हैं, पर न जाने क्यों हम अपने प्यार के साथ पुरानी कहाबत जोड़े हुए हैं "बच्चों को पालने में ही पकड़ना चाहिये और उनके साथ ससती से बर्जांब करना चाहिय."

वर्षों के साथ हमारा वर्ताव, बहुत हव तक, नकाशस्मक होता है. हम अपने सुभीते के लिये आज की इस हिरायत को इक दम भुका बैठते हैं को यह कहती है, "बर्षों को आपनी मरज़ी पर ही डोवा जाय" बचा भूका है तो हम कहेंगे, 'नहीं', बचा खुतासा है, हम कहेंगे, 'नहीं', बचा खासा है, हम कहेंगे, 'नहीं', बच खासा है, दम कहेंगे, 'नहीं', बच खाना नहीं चाहता, हम सिकाते हैं, इम वह सिकाना चाहते हैं को यह नहीं साना चाहता. बचा खहामे के लिय तैयार नहीं, इम उसे महलाते हैं. इस बच्चे से बड़े हैं, सज़्बूत हैं, हमारी चलती है, उसकी नहीं. और अपने से इक्शर बहारे खाता है जिसे हम उसे करने से इक्शर बहारे खाता है जिसे हम उसे करने को कहते हैं, सब हम

رآئے نیومن' مهسی بعل ہموسی کی ہے۔ جسکو آنہوں کے غیریارک کے اخمار 'هیرلگ ٹربھون' معن جھایا تھا ۔

the state of the s

یل کے قانکو آرنولڈ جوسیل نے ہمیں یہ بتایا ہے که مانو پرانی کو کام کونے کے لگے پوکوتی نے ایک پالی تھار کوکے فریے دیں ہے پس مانو پرائی کی اُنٹی ٹھیک اُسی کے مطابق مرتی ہے۔ جب دائمہ تکللے لکا میں' کر ٹیروی كر هول لكتي هـ مهور مهدوط هول لكتر هين ياجي هکاتی یوه جاتی هے اور بحد آب سطمت جدو کهانے کو تهاو هو جاتا هے . يقهن كر لعماظ ير نئر بنتے كر يقي جللے کے لئے کافی مشہوط ہوتے ہیں! آپ سہارا میجلے، ولا ياون أكم يهجهم كريكا إ هماري باده كو أهي بحير ور أزاما کو دیکو لیجائے' بچہ آبے آپ تو بین نہوں جل پاتا کہ أس كو سنتولي نهين آتا ، آپ مهن بالسكل جانے كى طاقمت ہے؟ كوكى يكو لے تو چلا يوں ليدكر، يو سقتولين انہ جانئے سے آپ ایک قدم جل کو می سائیکل ہے گو يوتي ههن، سقترلن سهكها، ير يجه جلاء لكتا هي، أس كم تن لور مستک کی دوسری کریاؤں کا بھی یہی حال ہے . أن سب كا وقت تهمعا هي . وهب ولا وقت أتا هي يجه كو وه سب أجالي هـ .

هم جاهتے تو یہ تھے کہ هم یہوں قلم روک دیں پو تجهجه نکلے بقا ایسا کوسے کریں ، یوں سمجھ لمجھے اُوپر کی ہاتوں سے هموں یہ تصبحت ملکی ہے ہ

بھیں کے ساتے جدارا برتاؤ' بہت جد دک' نکواندگ مورا ہے ۔ هم اپے سهبوجے کے لگے آج کی اِس هدایت کو اینی اُرک دم بھلا بوتھی هیںجو یہ کہتی ہے' ''بچوں کو اینی مرفی پر جی جہوڑا جائے۔'' بجتہ بہوٹا ہے' تو هم کہیلی اُنہیں' بجتہ بہوٹا ہے' تو هم کہیلی اُنہیں' بجتہ یہاسا ہے' هم کہیلی اُنہیں' بجتہ یہاسا ہے' وهاں۔' وہ کہانا نہیں جائی ہیں' ہم وہ کہانا جائی ہیں' ہم وہ کہانا جائی ہیں' ہم وہ کہانا جائی ہیں۔ ہم بجتہ نہانے کے لئے بھار نہیں' هم اُس نہلاتے هیں۔ هم بجتے سے بولے مہار نہیں' هم اُس نہلاتے هیں۔ هم بجتے سے بولے هیں' مشہوط هیں' هماری جائی ہے' آسکی نہیں نہیں اُنہی نہیں ہوائی کرنے ہے۔ اُنہی نہیں اُنہی نہیں ہوائی کرنے ہے۔ اُنہی نہیں ہے۔ اُنہی نہیں ہے۔ اُنہی نہیں ہے۔ اُنہی کرنے ہے۔ اُنہی نہیں ہے۔ اُنہی کرنے ہے۔ اُنہی نہیں' کہانا جہار کہانے ہے۔ اُنہی نہیں' کہانا کہانا ہے۔ جبیہ ہم اُس کرنے کو گیک هیں' کہانا کہانا ہے۔ اُنہی نہیں' کہانا کہانا ہے۔ اُنہیں گیں' کہانا کہانا ہے۔ جبیہ ہم اُنہیں اُنہی کرنے ہے۔ اُنہیں کرنے ہے۔ اُنہی نہیں' کرنے ہے۔ اُنہی کی کرنے ہے۔ اُنہی کی کرنے ہے۔ اُنہی کرنے ہے۔ اُنہی کرنے ہے۔ اُنہی کی کرنے کی کرنے کی کرنے ہے۔ اُنہی کی کرنے ک

'ALL

1

दाक्टर सिक्रीना बाम गार्टर जो न्यूयार्क में बास विकान का शाकी है उसका कहना है कि बासक का जीवा रहना एक बड़ा भारी बासकार है.

बचा देह का सखत होता है, इतना ही नहीं, वह फुर्नीना और लेख होता है, और बहुत होशियार होता है. उसे क्या चाहिये, यह वह स्तव सममता है. और जो चाहिये वह कैसे मिलेगा, यह भी खूब जानता है. दुनिया के लागों से व्योद्दार करने के लिये उसके पास दो जुबईस्त भौजार हैं-एक का नाम है, मुस्कान, दूसरे का नाम है, सुवकना. मुस्कान के बक्त वह अपने चहरे के पुट्टों से काम लेता 🗜 बालक दूसरों के चेहरे की मुस्कान पढ़ लेना बहुत जल्दी सीख जाता है. 'मुस्कान' नामी समाजी सिक्के की क़दर उसको सबसे पहले और बहुत जल्दी आ जाती है. इस सिक्के में लेन देन करना वह इतनी जल्दी सीख जाता है जिसे देखकर दांतों तले उगली दबानी पहती है. जरा इसको मोजा पहनाइये और जूता पहना कर जैसे ही आप तस्मे कस कर फारिश होंगे वह चट आपकी मेहनत के दाम चुका देगा, यानी मुस्करा देगा. उधार रखना वह जानता ही नहीं. वह कब ठाली बैठता है. ईश्वर की तरह हर वक्षत रचना के काम में लगा रहता है. अभी बलबला रहा है, अभी दहाइने लगेगा! वह बेमतलव कभी नहीं रोता, उसका रोना उसके दक्तर की घंटी है. इसका मतलक है, अन्मा या बाबा में से कोई या दोनों जल्दी दौड़ कर भाभो, और, खाली हाथ नहीं, साथ में खाना लाभो, सूखे कपने लाको, और यह इशारा तो है ही कि हमेशा उनकी बाबाज पर चस्त बाताक रही.

वचा किस तेजी से मुस्कान श्रीर मुक्कने की ताक़तों का पता लगा लेता है, यही इस बात का सबूत है कि वह सीखने की कितनी योग्यता लंकर पैदा हुआ है. साल भर में एक मामूली बचा कम से कम एक दर्जन नई नई कलाएं इसनी तेजी से सीख लेता है जितनी तेजी किसी आदमी को नसीब नहीं! घुटनों चलना सीख जाता है, खड़ा होना सीख खेता है, बैठना आ जाता है और दो चार क़रम चलना भी आ जाता है. दो बरस का होते होते बोलना सीख लेता है. बाप की पहचान जाता है, मां का पहचान जाता है, साई बहिन, आड़ोसी पड़ासी और दिसयों रिश्तों से जान पहचान कर लेता है. इसके बाद तो जो कुछ वह सीखता है वह उसी सीख की मंगाई होती है जा उसने हो बरस में सीखी होती है. बुनियादी ज्ञान पहले ही से उसमें मीख़द रहता है.

एक बचा साल मर में जितना सीख सेता है बसना समर कोई बढ़ा सीख सकता होता तो वह दुनिया में सबसे बढ़ें ब्रिडिमान के नाम से मशहूर हो गया होता. वह हमारी قاتگو لی اوتا یام کارگر جو تمریارک ممی بالرگمای کا عاستینی هے اس کا کہنا هے که بالک کا جمتا رهنا ایک بوا بماری جمتکار هے ،

يمهه دين لا سطحه هونا هـ ' إنفا هي نيهن وه يهرنية أور تيو عونا هـ" أور يهت هرفيار هونا هـ . أبد كها جاعكم" ية ولا خُرِب منجهلًا هـ أور جو جاهل ولا كهني ملهكا يه بھی شوپ جانعا ہے دنیا کے لوگوں سے بھومار کرنے کے لیّے أس كے هامي دو زيردست أوزار هيں۔ايك كا نام هے مسکلی ' دوسوے کا نام ہے' سبکتا، مسکان کے وقت وہ آئے جہزے کے پالیوں سے کام لیتا ہے ۔ بالک دوسروں کے جوڑے کی مسكان يوه ليقا بيت جلدي سيكه جاتا هي. "مسكان" نامي سماجی سکے کے قدر اُس کو سب سے پہلے اور بہت جلدی أجالي ۾ ، اِس سکے ميں لين دين کرنا وہ اِنلي جادي سُهُمُهِ جَاتًا فِي مُسِمِ ديكهِ كر داندُون لل أنكلي دياني يوتي بهد قوا أسكو موزه إيدائهم أور جولا إيداكر جهسم هي آپ کسے کس کر فارقے ہونگے وہ چنگ آپ کی متعلت کے دام چکا دیکا یعلی مسکرا دیکا ، ادهار ردیلا وہ جانتا هي نهين . وه لب تهالي بهالها هـ ايشور كي طرح هر ولبعد رجلا کے عام میں لغ رمانا ہے۔ ایمی بلیلا رما ہے۔ لَيْسَى بَعَادِنِي لِكِيمًا ! وَدَ بِي مطلب كِيمِي نَهِدِن رولاً أس . الله ورقع الس كے دفتر في كهلكي هے ، إس كا مطلب هے ا اسفی یا بایا میں سے دولی یا دونوں جلدی دور کر آو اور عَالِي عَالَةٍ نَهِينَا سَالَةٍ مِينَ كَيَانَا لَوْا سَوْكُمَ كَيْرَاءَ الْوَا لور یه زهاره تو هر هی که همهشه آن کی آراز پر چست بهالک رهو ،

پنچه کس تهزی سے مسکان اور سبکتے کی طاقتوں کا پنچه لٹا لهتا ہے! یہی اِس بات کا تہرت ہے کہ وہ سبکہتے کی کتنی یوکتا لے کر پہدا ہوا ہے ، سال بہر میں ایک معمولی بچته کم سے کم ایک شرخین نکی نئی کلائیں اِللی تیوی سے سبکہ لیتا ہے جتنی تیوی کسی آدمی کو نصبیب نہیں! گھتلوں چلنا سبکہ جانا ہے؛ کہوا مونا سبکہ لیتا ہے ، یو پرس کا ہوتے ہوتے بولنا سبکہ لیتا ہے ، یاپ کو ہیجاں جاتا ہے؛ ماں کو بہجان جاتا ہے، یاپ کو پیچائی جاتا ہے؛ ماں کو بہجان جاتا ہے، بہائی بین آورسی پورسی اور دسمیں رشتوں سے جان پہنچان کو لیتا ہے۔ ایس کے بعد تو جو کچہ وہ سیکہتا ہے وہ اُسی سبکی ہوئی ہے۔ کی مقدائی ہوتی ہے۔ اِس میں میں سیکھی ہوتی ہے ، پیشائی بین کی مقدائی ہوتی ہے۔ اِس کے بعد تو جو کچہ وہ سیکہتا ہے وہ اُسی سبکی ہوتی

ا لیک بھید سال بھر میں جکلا سیکھ لھکا ہے اُلگا اور کرئی ہوا سھکھ سککا مرکا تو وہ دنیا میں سب سے عوب پُنھی مان کے نام سے مشہور ہوگیا ہوتا ، ید ہماری

Charles districted the

को कभी जुकाय नहीं हो सकता क्योंकि वह काकी सजबूत होता है. इसके बाद भी वह इससे बचा रह सकता है. और बचा रहता पाया गया है. घर भर खांस रहा है, झींक रहा है, क्टवा मस्त है अगर कुछ हो ही गया तो वहों से बहुत कम.

कहरमीर अच्छे भी होते हैं और युरे भी होते हैं. अच्छे कहरमीर बाहरी असर से आदमी को बबाए रखते हैं, बुरे कहरमीर सुस्ती पैदा करते हैं. हमारा अवर में से भरा बच्चा सिर्फ अच्छे जहरमीर ले कर ही पैदा होता है. एक डाक्टर को हारवर्ष युनिवर्सिटी में बाल विकान के सास्त्री माने जाते हैं, वह तो यह बात देख कर एक दम बखुत पड़े थे, पर बोले यही कि यह कोई ठीक ठीक नहीं बता सकता कि प्रकृति ने इस मामले में बच्चे को ही इतना स्वयु फ़िस्मत क्यों बनाया है.

बच्चे की सब से बड़ी योग्यता यह है कि गर्भाशय के होड़ने के दूसरे हन ही वह अपने आपको उन हालतों के माफिक बना लेता है, जिनमें यह इन में पहले कभी नहीं रहा था. गर्भाशय में तो वह महीनों ऐसी चीओं में लिपटा रहता है जिनकी मदद से उसे किसी तरह का धक्का नहीं सम सकता. बहां दुनिया का शोर सुनाई नहीं देता, म सहीं गर्मी पहुंच पाती है. वह तरता यानी रस, जिसमें वह दूबा रहता है, और मां के पेट की दीवार, जिससे वह धिरा रहता है, बहां बहरी दुनिया की हवा तक नहीं पहुंच पाती. मां के पेट में बच्चा जिस जगह रहता है वह इतनी गुदगुरी और सबकदार होती है कि मां अगर गिर पड़े तो बच्चे को घक्का नहीं लगता. यहां तक देखा गया है कि मां के पेट में किसी ने लात मार दी है, पर बच्चे को कुछ तकसीफ नहीं हरे.

चौर, फिर ने बहत-मण्डे साहन हैं कि पैदा हो बैढे! किस सर्वी गर्मी से महकूण कोठरी में बाप बैठे थे, बीर बाब कंभेरी उजाली, ठंडी गर्म दुनिया में बा कूरे! कहीं हवा के मांके हैं कहीं शोर शराबा है और कहीं कुछ! कितनी संबेशर थी मां के पेट की कोठरी जहां ने मांगे बाना मिलता था. यह कैसी दुनिया, जहां खाने की खोज बंपने बाप करनी पढ़े! कितनी बच्छी थी मां के पेट की कोठरी, जहां बचा पानी में उतारता पड़ा रहता था! कितनी बराब है यह बाहर की दुनिया जहां बिस्तर पर लेटना पड़ता! विस्तर वह कितना ही मुलायम क्यों न हों मां के पेट के तरल से तो सकत ही है. मां के पेट की कोठरी में बाहरी जर्म्स नाम को न थे, बाब तो हेर के हैर दम पर हमला बोल देते हैं. मां के पेट में तो उसे हवा की चकरत ही म थी, बाब तो वसे जैसे फेकड़ों को हवा की चातिर गेंद की तरह प्रशासा पश्या है. کو کیپی زکام نہیں ھو سکتا کیونکد وہ کائی مطبوط ھوتا ہے ۔ اور بھا ہے ۔ اور بھا رحمتا ہایا گیا ہے ۔ اور بھا رحمتا ہایا گیا ہے ۔ کور بھر کیانس رھا ہے' جیملک رھا ہے' بھید مست ہے اگر کھی ھو ھی گیا تو ہورں سے بہمت گد ۔

وهر مورے أجهے بهى هوتے هيں اور بوے بهى هوتے هيں. أجهے وهر مورے باهرى اثر سے آدمى كو بحج ألے رئيتے هيں أبرے وهر مورے سستى پيدا كرتے هيں ، همارا اجرجوں سے بهرا بحجه صرف اجمے زعر مورے لے كر هى پيدا هوتا هـ أيك قائلو جو هاروة يوبيورسالى ميں بال وقيان كے شاساتري مائے جاتے هيں وة تو يه بات ديكه كر أيك دم أجهل بوك تهي بو بولے يہى كه يه كركى الهيك الهيك نهيں بتا سكتا كه پركرتى نے إس معاملے ميں بحے كو هى إتفا خوص كه پركرتى نے إس معاملے ميں بحے كو هى إتفا خوص قسمت كيوں باتا هـ

بچے کی سب سے بوی پرکھا ہے ہے کہ گربہاگی کے جوہو کے دوسرے جون ھی وہ اپنے آپ کو اُن حالتوں کے حواقی بنا لیکا ہے، جن میں وہ اُن اپنے کبیہ کبھی نیوں رہا آپا۔ گربہاگی میں لو وہ مہیلوں ایسی چھڑوں میں لیکا رهما ہے ہوں کی مدد سے آپے کسی طرح کا دھکا بہیں لیک سکھا، وہاں دنیا کا شور سلمائی نہیں دیگا، نہ سردی گرمی پیونی ہاتی ہے، وہ تول یعلی وس' جس میں وہ قربا رهما ہے وہ اُن ماں کے بیمی کی دیوار' جس سے وہ کہوا رهما ہے' وہاں یامری دنیا کی ہوا تک نہیں بہونی یاتی ، ماں کے بیمی میں بھی جس جگہ رهما ہے وہ اِنٹی گدگدی اور لچکدار میں بھی جس جگہ رهما ہے وہ اِنٹی گدگدی اور لچکدار میں بھی جس جگہ رهما ہے وہ اِنٹی گدگدی اور لچکدار میں بھی کہ ماں اگر گر بڑے تو بچے کو دھکا نہیں لگھا ۔ مہاں تک دیکھا گیا ہے کہ ماں کے بیمی میں کسی نے لات

اروا پہر ہے واسسبجے صاحب عهداد ہو بهتھا۔
کس سرس کرمی ہے محصارظ کوتھری مهدد آپ بهتھ تھا
اور جب اندههری اجائی تهدتی گرم دنها میں آگردی آ
کہیں عوا کے جہرنکے عمل کیش فرر شرابا ہے اور کیش کھتے اکتفی مؤے دار تھی سان کے بهت کی کوتھری جہاں کھتے کہا ملکا تھا ۔ یہ کیسی دنیا جہاں کہائے کی کوتھری اپنے آپ کرنی ہوے آ نتنی اجھی تھی ماں کے بهت کی کوتھری جہاں بہت یا نتنی اجھی تھی سان کوا وحکا تھا آ کھتے شراب ہے یہ باعر کی دنیا جہاں بستر پر ایک اور کہا تھی مات کے بہت کی ایک ماں کے بہت کی کوتھری میں باعری جورسی نام کو تہ تھا اب تو قدمر کے کوتھر اس پر جامل جورس نام کو تہ تھا اب تو قدمر کے کوتھر اس پر جامل جورس نام کو تہ تھا اب تو قدمر کے ابی ہوا کی شرورت می نہیں دیا جو بہت میں تھ

हों. बारह महीने का बच्चा पानी से नहीं बरता. वह, स्वमाव से जो तैरना भाता है, उसकी भी नहीं भूला होता.

बाजक बहुत सकत जान होता है, दुम उसकी एक टांग बा एक हाथ पकड़ कर उसकी आसानी से उठा सकते हो, ऐसा करने से उसको कोई बोट नहीं आएगी. उसे अपना बोम संभालने में करा दिक्कत नहीं होती. वह एक हाथ से बढ़े को पंकड़ कर लटक सकता है. योरप की लड़ाई के बाद के बक्ष जिल्हें पेट भर खाने को नहीं मिलता था, बह्द भी इंतने ही सकत जान थे. बच्चे में ही यह ताक़त है कि बह्द बसीर साए बहुत दिनों जी सकता है, हां, उसे पानी मिखता रहनां चाहिये.

वैदा होते बक्षत बच्चा जो सबसे बड़ी ताक्रत साथ काता है, वह है, चूसने की ताक्षत. चूसने का काम बह पेट में भी जानता था. चूसने के लिये उसके मुंह की बनावट देखने की चीक है. पहले उसकी ठोड़ी को लीजिये, वह कुछ इस हंग की बनी हुई होती है कि उसकी मदद से उसकी मां की चूची तक पहुंचने में बड़ी आसानी होती है. इंसकी ठोड़ी बड़ी मुलायम होती है, और जरा से इशारे पर पीछे मुझ जाती है.

अब की जिये उसके गाल, दोनों गालों में अन्दर की तरफ दो बटन से लगे रहते हैं, जिनकी शक्त बादाम जैसी होती है, यह बढ़े चरबीले होते हैं, इन से चूसने में बड़ी मदद मिलती है. बच्चे के होटों में क़ुदरता खिचाब भी होता है. बच्चे के ऊपरी होंट को जरा खूदी जिये, वह मट आगे को बढ़ आएगा और चूसने की शक्त अख्तियार कर लेगा.

यह सब हुई बच्चे की बाहरी बनावट और सजावट, इसके अन्दर भी खन, दिल, हारमोन्स और धातुएं काकी ताबाद में रहती हैं. इन सब में मां के दिये हुए अनिगनत कहरमीरे और जोड़ लीजिये और बच्चे की ताक़त का ख्याज कीजिये. पहरमीरे से हमारा मतलब उन जम्स से है जी बच्चा मां से द्वासिल करता है. जर्म्स की यह कीज उसके बब्रे काम जाती है. इसका सेनापति बन कर बच्चा बाहरी कर्म्स का सकावला करता है. इसी क्रीज के बल पर वह बाहे जिस चीज को मंह में डाल लेता है और बीमारी से बचा रहता है, बच्चे के ग्रारु ग्रारु के जीवन में इन जहरमीरों से इतना ही फायदा होता है कि बाहर के जम्से वरुवे पर असर नहीं कर पाते. वह इसकी मदद से जर्म्स का नाश नहीं कर सकता, बाहर से आए हुए जर्म्स उसमें जमा होते रहते हैं, बचने के बड़े हो जाने पर बाहरी टीकों और इवाओं की वजह से जब उसकी कीज कमजीर हो जाती है तो यह विदेशी कौज जो उसके मुल्क में देरा डाले पड़ी भी, सीक्रम पा कर भावा मोल देती है. पर अम बह मालक कहा रहा होता है. दो इक्ते या इस से भी कम के बच्चे

هو ، ہارہ شہیلے کا بجہ ہاتی سے نہیں قرقا ، وہ سراہاؤ سے بھو لہرنا آتا ہے' اس کو بھی تہیں بھولا ہوتا ،

بالک بہت سطعت جان هوتا هے کم اس کی آیک فاتک ہا آیا۔ هاتے هاتے بہت سطعت جان هوتا هے کم اس کی آیک هوا ہے ایک هاتے ہا آیک هاتے ہوا ہیں کو آسانی ہے آتھا سکتے ہوا ایسا کوئے ہے اس کو کوئی چوف نیوں آئی گی ہ آسے فاتھ ہوئی ۔ وہ آیک طالع ہے قائمے کو یکو کر لٹک سکتا ہے ، یورپ کی لوائی کے بعد کے بعجے جادوں یومک بور کھائے کو نہوں ملتا تھا وہ بھی آللہ هی سطعت جان تھے ، بچے موں هی ایک طالعت ہے کہ وہ بابدر کھائے بہمت ددوں جی سکتا ہے طالعت ہے کہ وہ بابدر کھائے بہمت ددوں جی سکتا ہے طالعت ہا ہے۔

پهدا هو آولت بچه جو سبس بوی طاقت ساته لاتاها و ها چهدا هو توسلے کی طاقت. چوسلے کا کام ولا بهدی میں بھی جاندا تھا، چوسلے کا کام ولا بهدی میں بھی جاندا تھا، چوسلے کے لئے اُس کے مله کی بغارت دیکھئے کی جون هے. پہلے اس کی تھووی کولینجئے ولا کنچه اِس تھلگاکی بھی هوئی، هوئی، هوئی، هوئی بهوئی هی، اُسکی توروی باری میں بھی اور فوا سے اِشارے پر بہنچھ مو جاتی ہے، میں بوی اُشارے پر بہنچھ موجاتی ہے، اُسکی توروی باری میانہ هوئی هائی هوئی ہے، اُسکی توروی باری میانہ هوئی ہے، اُسکی توروی باری میانہ هوئی ہوئی ہے، اُسکی توروی باری میانہ هوئی ہے۔

اب لیمجئے آس کے کال درنیں کالیں میں اندو کی طوف دو بھی ہے لگے رمعے میں جن کی شکل بادام میں مورقے ہے ہے۔ بعد موتے میں ان سے جوسلے میں بور بھی مدہ ملکی ہے ، بجے کے مونٹوں میں قدرتی کیمنٹیاو بھی موتا ہے ، بجے کے اوپری مونٹک کو فرا جو میمیٹے و جوسلے کی شکل میمیٹے کے بہت کے اوپری مونٹک کو فرا جو میمیٹے کے کو بود جائے کا اور جوسلے کی شکل ملکی کے لیے کا اور جوسلے کی شکل انتظار کی لے گ

یّهٔ سُبّ عولی بچے کی یاءوی یقاوی اور سجاریا اُسی کے انھر بھی شون کا کارمونس اور دھاتوٹھی کانی تعداد میں رمعی هیں . اِن سب میں ماں کے دیگر هول انگلت زهر سورے اور جوز لیجے اور بھے كى طاقت كا خهال كهجكر ، زهر مورد سر هدارا مطلب أبي جمومس سے بھے جو بحجہ ماں سے حاصل كرتا ہے . جرمس کی یه فوج اُس کے بولد کام آنیں ، اِس کا سیفا ہلی ہی کر بجے بامری جرمس کا مقابلہ کرتا ہے ۔ اِسی فیے کے بل پر وہ جاہے جس چیز کو ملم میں ڈال لیکا ہے اور پیداری سے بحیا وہ تا ہے . بحیے کے شاوع شروع کے جهراي مهن إن زهر مورون سر إندا هي فالده هونا ۾ كه یاهو کے جومس بحقے ہو اثر نہیں کر پاتے ، وہ اُس کی میدہ سے عرمس کا ناھی نہیں کر سکتا کیامر سے آٹے ھیلے جرمس اس میں جمع مرتے رمتے میں' بجے کے ہونے هو جانے پر باهری تهکوں اور هواؤں کی وجه سے جمپ آسکی فرج کمزور ہو جاتی ہے تو یہ ودیھی فوج بھو اُس کے ملک میں ڈیرہ ڈالے ہوی تھی' سولعد یا کر هماوا بول فيتى هـ ، پر آب وه بالک كيّان رُمَا مَوْنَا مِن دُو مَلِي يَا أِسَ سِي بَمِي كُم كَي يَجِي

मिल कर काम करता है और मां की बड़ी मदद करता है. अगर मां को चूने की जरूरत हो तो वह मां की खुराक में से चुना तैयार करने लगता है. प्रकृति ने पेसा इन्तजाम कर रखा है कि पेट में हर चीज पहले बच्चे को मिलतो है, भले ही मांको उस चीज की कमी पड़ जाय. जदां यह है वहां यह बात भी है कि जब मां की खास खास मन्थियों में किसी खास चीज की कमी होती है तो पेट का बच्चा इस सास चीज को अपनी मां को दे देता है. मान लीजिए यर्भवती होने से पहले एक मांकी गलेकी यन्थि में प्रन्थि के मसाले की कमी है, और या किसी खास प्रन्थि में किसी चीज की कमी है तो गर्भवती होने के बाद उसके पेट का मच्या उन कमियों को पूरा कर देगा. कुछ दिनों में मां का रंग निखर जायगा, मां तन्द्रहस्त हो जायगी. पेट के बच्चे में यह खासियत होती है कि वह दो दो के लिये झिन्थयों का मसाला तैयार कर सकता है. गर्भावस्था में मां और कच्चा दोनों मिल कर जोर लगाते हैं.

पैदा होने पर बच्चे नाम का यह अनोखा प्रानी पूरे आदमी से कही अच्छा काम करने वाला दिल ले कर जन्म लेता है. तुःहारा खून दस बीस लाख नम्बर का होता है, बच्चे का स्नन साठ जाल नम्बर का होता है. सत या और ना की की तरह खन के भी नम्बर होते हैं. खन के नम्बर बन शांस टिकलियों से लिये जाते हैं जो खुन में पाई जासी हैं. नक पैदा हुआ बच्चा बड़े आदमी से जल्दी जल्दी सांस लेता है, उसके खन को गदिश तुम सबसे कहीं अच्छी होती है. बस यह समित्रये बच्चा एक धुक धुक करने वाली. 🖛 छन बढ़ने बाली, लाल गरम ताक़त पैदा करने वाली एक अशीन होता है. उसमें हमसे जियादा लोहा मिलेगा. इम से जियादा चूना, इमसे जियादा कासकोरस, इमसे जियादा विटामिन मिलेंगे. श्रीर उसकी भूक तो इतनी कीर की होती है कि उसे देख कर चीते और भेड़िये की अक पानी भरने लगेगी, उसकी हम से तिगुनी प्रोटीन चाहिये. एक बरस में वह वजन में तिगना हो जाता है.

नष पैदा हुए बच्चे को आप पानी में हाल दीजिये, वह गिराइ की तरह तैर कर आगे बढ़ने लगेगा यानी वह अपना सिर पानी के अन्दर हुवो देगा. अपनी कमर ऊंची कर लेगा, पांच पानी में ही रहेंगे, यानी पेट के बल कमान बन जायगा. बुरी बात यही है कि वह मछली की तरह पानी के नीचे तैरता है. तुम उसका मुंह और उसकी नाक पानी के तल से अपर रख कर ही उसका तैरना देख सकते हो. डाक्टर-मिस्ट्रील मेकमा जिसे बच्चों को तैराकर देखने का बहुत शीक था और जो बच्चों पर तरह तरह के परीक्षन किया करता था उसका कहना है कि बच्चों को तैरना सिखाने के दिन बही होते हैं अब बच्चा बारह महीने का

مل کر کام کرتا ہے اور ماں کی ہوی مدد کرتا ہے۔ اگر ماں کو چونے کی ضوروت عو تو وہ ماںکی غوراک میں سے چونا لیار كرتے لفتا هے ، پركرتى نے ایسا إنتظام كو ركها هے كه يمت مهن هو ۱۹۹۶ بیلے بھے کو ملتی ہے، بہلے هی مال کو أس جيو کي کني پر جائے، جہاں يه هے وهان يه بات يوي ھے که جب ماں کی خاص خاص کرتجھیوں میں کسی شامی چهو کی کسی هوتی هے تو پهت کا بچه اُس خاص بهمو قو ایقی مان کو دیر دیکا فی . مان لیجائے گربه والی ھوڑے سے پہلے ایک مال کی گلے کی گرنتھی میں گرنتھی کے مسالے کی کمی ہے' اور یا کسی خاص گرنگھی مھن کنتی چھڑ کی کسی ہے تو گربہ وئی ھونے کے بعد اُس کے پیسٹ کا پچہ اُن کمہوں کو پورا کر دیے گا ، کچہ دنوں میں مان كا ونك فكهر جائے كا مال تقدرست هو جائے كى . پیما کے بحے میں یہ خاصیت ہولی ہے که وہ دو دو کے للي قريتهمون كا مساله لهار كر سكتا هي. كريه أوستها مهن ماں اور ہمچہ مونوں مل کو زور لٹاتے ھیں .

پهدا هوئے پر بھے نام کا یہ آنوکھا پرانی پورے آدمی سے
گھیں اچھا کام کرنے والا دال لے کر جلم لھکا ہے ، شہاراً
گون دس بھس لاکھ نمبر کا هوتا ہے' بھتے کا خون ساتھ
لاکھ نمبر کا هوتا ہے . سرت یا اور چھؤوں کی طرح خون
کے بھی نمبر هوتے هیں ، خون کے نمبر اُن لال تکلموں سے
لائے جاتے میں جو خون میں پائی جاتی هیں ، نیا پیدا
ہوا بھتے ہوے آدمی سے جلدی جلدی سانس لھگا ہے'
اُس کے خون کی گردش تم سب سے کہیں اُچھی هوتی ہے۔
پیس یہ سمتجھئے بھتے ایک دهک دهک کرنے والی' چھن
بھی پوھئے والی' لال گرم طاقت پیدا درنے والی ایک
میس یہ ہوتا ہے ، اُس میں هم سے زیادہ لوها ملھکا' هم سے
زیادہ چھؤنا' هم سے زیادہ لوها ملھکا' هم سے
زیادہ چھؤنا' هم سے زیادہ لوها ملھکا' هم سے
زیادہ چھؤنا' هم سے زیادہ کی بودک تو انتی زور کی هوتی ہے دے
ملینگئے ، اور اُس کی بھوک تو انتی زور کی هوتی ہے دے
ملینگئے ، اور اُس کی بھوک تو انتی زور کی هوتی ہے دے
گی' اُس کو هم سے تکلی پروٹین چاھئے ، ایک برس میں
گو وزن میں تکھا ہو جاتا ہے ،

نگے پیدا مراے بھے کو آپ ہائی میں قال دیھئے' وا گرار کی طرح فہر کو آئے بوطئے لگے گا بعلی وا ایفا سر ہائی کے اندو گاہو دے گا، آپائی کمر اونجی کر لے گا ہاؤں ہائی میں شی رفیق کے ان بیطی ہیں گے، بری شی رفیق کے ان کمان بن جائے گا ، بری بائی کے تفتیح تیران کے ان اس ایس کی طرح ہائی کے تفتیح تیران کے گرار میں کی نائب ہائی کے تل سے اوبو رکھئر نی آس کا تیران دیکھ سکتے ہو۔ قائلر مسالویل سکارا جسے بیسے بچوں کو قورا کو دیکھ لے کا بہت شرق تیا اور جو بجوں کو رفیق کی ان اوبو بجوں کو رفیق کیا کران تھا اُس کا فیقا ہے کہ بجوں کو بر تاہم خاری دی بجوں کو بینان وہی تارہ بجوں کو بینانے کے بھی بیان نمید کی تارہ نمید کیا تیران بیان نمید کیا تاہد بھی بارہ نمید کا

77 58

(340)

'58

बाजक एक चमस्कारी प्राती

The state of the s

परी की सरह एक दोस्त, एक दिन मेरे घर बा टपके, बोले, "मैं साट पर नहीं बैठ्गा, कर्श पर लेट कर अपने है महीने के बच्चे की नक़ल करूंगा. बच्चा पास ही लेटा शा, जैसे ही बच्चे ने अपना बदन तोड़ना मोड़ना गुरू किया वैसे ही उन्होंने उसकी नफ़ल करना ग्रुक कर दी, सारी अपना बदन तोड़ने मोड़ने, जब बच्चे ने हवा में हाथ मारने शरू किये तो उन्होंने भी हाथ हिलाने शरू कर दिये, इसने टारों फेंकनी ग्रह की, इन्होंने भी ग्रह की, उसने आपनी कमर की कमान बनाई, इन्होंने भी, वह सिर एड़ी के बल खड़ा हो गया यह भी खड़े हो गए, वह उठा यह हते, वह गिरा यह गिरे. तीस मिनट में मेरे यह हट्टे कट्टे दास्त थक कर चारों खाने चित्त गिर पड़े. और बालक था, कि खुरा खुरा अपने खेत दिखाए जा रहा था! वह मिनट के बाद मिनट पर ताजा से ताजा तर दिखाई देता था, यकान खड़ी खड़ी उसका तमाशा देख रही थी, ताजगी इससे जिपटी हुई थी, और छन छन में उसके बान्दर दाखिल हो कर उससे एकमेक होने की कोशिश में थी.

जिस मार्के को बात को इम बिल्कुल मूले हुए हैं, इपर की पंक्तियां उसकी भूमिका हैं. तन, मन, मस्तक तीनों के जिहाज से बाजक तुम सबसे कहीं ऊंचे दर्जे का

बादमी है, सबूत जीजिए.

पैदा होने से पहले, मां के पेट में ही, वह राजव का प्रानी है. जिन डाक्टरों ने बारीक बीजारों की मदद से पेट में रहने वाले बक्जे की जांच की है, उनका कहना है, "मां के पेट के अन्दर बक्जा खांसता है, झांकता है, आहें भरता है, कराहता है, अंगूठा चूसता है, और, अगर भां का गुरगुराया जाय, तो बक्जा उस गुरगुरी को महसूस करता है और पेट में हिजता दुलता है." डाक्टरों का यह भी कहना है, "कभी कभी पेट के अन्दर से बक्जे के रोने की आवाज भी सुनी गई है." एक गर्भवती ने तो बहां तक बताया कि बियटर में ठाली पीटते समय उसके बच्चे ने पेट में ताली बनाई. एक मां ने यह शिकायत की कि बह कपड़ा घोने की मशीन को न अपने घर में रख सकती है, न कपड़ा घो सकती है, क्यों कि उसका पेट का बक्जा उसकी 'घर घर' की आवाज से बुरी तरह विगइता है, और पेट में खुदर खुदर करने लगता है.

इससे बड़ कर बात यह है, जिसकी बड़े बड़े हकीमों में साबा है, कि अनजाने ही पेट का बच्चा मां के साथ

بالک ایک چمتکاری پرانی

پري کی طرح ایک دوست' ایک دن مهرے گهر آ تهکے' بهارهٔ الأسهن كهانف ير نبهن بهتهونكا فرهن ير لهمك كر أفي بهم مهيل كريج كي بقل درونا ، بجه يأس هي لهانا تها جهسے هي يحم نے اينا بدن تورنا مرونا شروع كها ویسے ھی اُنہوں نے اس کی بقل کرنا شروع کر دی اُ لگے ایقا بدن تورلے مورنے' جب بحے نے هوا میں هاته مارنے شروع کٹے تو اُنہیں نے بھی ماتھ ملائے شروع کر دیئے' اُس نے قانکیس پھھلکلی شروع کیں انہوں نے بھی شروع کیں ، اُس نے ایکی کمر کی کمان بدائی اِنہوں نے بھی وہ سر ایوی کے بل کہوا ہو گیا یہ بھی کہوے ہوگئے ۔ وہ اُٹھا یہ ألماً با گرا به كري ، تيس مدت مين ميري به ها عالم كار سست تیک کر جاروں خالے جت کر پرے ، اور بالک تها كد شوهي شوهي اله كهيل دكهائم جا رها تها! ولا ملت کے بعد ملت پر تازہ سے تازہ تر دکیائی دیٹا تھا' تهكان كهوى كهوي أش كا تماشه ديكه رهى تهي كاركى أس ہے گھٹی موٹی تھی آرر جھن جھن میں اس کے اندر دائش میں اس کے اندر دائش میں میں میں میں میں تھی۔ بعس سارکے کی بات کو هم بالکل بهولے هوئے هیں؛ اوپر

کی پلکتھاں اس کی بہرمیکا میں، تن' من' مستک تیلیں کے لحاظ سے باکک تم سب سے کہیں اونچے درجے کا آدمی ہے' ٹیوس لیجائے ۔

پیدا هوئے سے پہلے' ماں کے پہت میں هی' وہ فقب کا پرانی ہے ، جی قائدروں نے باریک اوزاروں کی صدد سے پہت میں رهنے والے بجے کی جانبے کی ہے' ان کا کہنا ہے' ''ماں کے پہت کے اندر بجہ کہانستا ہے' چپہلکتا ہے' انگرائی لیکا ہے' آهیں بھرتا ہے' کراها ہے' ادکوتہا ہوستا ہے' آوز' اگر ماں کو ڈدگدایا جائے' تو بجہ اسی گدادی کو محصوس کرتا ہے آور پہت میں هلاتا قاتا ہے۔'' گوالدروں کا یہ بھی کہنا ہے' '' کہمی کمبی بیدے کے اندر سے بھی کے روئے کی آوز بھی سلی گئی ہے۔'' ایک گربه تی ہے تو بہاں نگ بھی میں تالی بھائی ۔ ایک ماں نے آس کے بجھے نے بیت میں تالی بجائی ۔ ایک ماں نے آب بھی کہوا دھونے کی مشھن کو نہ آبے گہر میں آبی بھی کہوا دھونے کی مشھن کو نہ آبے گہر میں کو سکتی ہے' ڈیونکہ اس کا بہت رکھ سکتی ہے' ڈیونکہ اس کا بہت رکھ سکتی ہے' ڈیونکہ اس کا بہت آسکی دیوا دھو سکتی ہے' ڈیونکہ اس کا بہت آسکی دیوا دھو سکتی ہے' ڈیونکہ اس کا بہت آسکی دیوا دھو کرنے لگھا ہے۔'

اِس سے بوعکر بات یہ ہے جسکر ہونے ہونے حکمیوں نے مانا ہے کہ انجالے می یہدی کا بجوء ماں کے ساتھ

से—कि इस अपनी सरकारों को असन वरक्ररार रखने और लड़ाई न करने को सजबूर कर देंगे.

पिकस्तान डेलीगेशन के बारे में एक लक्ष्या. मनकी श्रीफ के पीर उसके नेता हैं. डेलीगेशन में हर विचार और पेरो के लोग आप हुए हैं. यह और औरत दोनों, जिनकी राजनीति अलग अलग है, ख्याल दीगर हैं. हां, भौरतं हो हैं. एक तो कभी के पंजाब सरकार के बजीर श्राष्ट्रम सर सिकन्दर हयात खां की बेटी और 'पाकिस्तान टाइम्स' के नायब सम्पादक मजहर जली खां की बेगम, उंची भौर सुम्दर ताहिरा; दूसरी सर सिकन्दर के भाग्यवान पुत्र, कभी के शिक्षा मंत्री शौकत हयात खां की बेगम, कानकरेन्स की महिलाकों में सबसे सुन्दर, इसमें शक नहीं बहुत ही सुन्दर. मियां इफ्तखावहीन भी आए हुए हैं. नाटे, हलके, सुखतसर से. मियां, मसखरे ऐसे कि सेलोलापड की गेंद की त्या पक मजाक से दूसरे मजाक पर उछलते रहने वाले. पेसे, मो पहाड़ को हिला दें. अभी हाल में इंगलैंड में थे, पर डनकी सरकार ने अमन के लड़ाकों को पासपोर्ट देने से इनकार कर दिया तो घर भागे, वहां आन्दोलन किया, उन्हें पासपोर्ट दिला कर रहे. वह अब यहां हैं.

श्रव देखों बेटी, लाना झायदे से लाना. ना नू न करना जिससे तन्द्रक्त रह सकी. में बिल्कुल तन्द्रक्त हैं, खुक, श्राम नम रही है, युस्त. श्रासमान काले बादलों से बिरा है. हवा सन सन कर रही है. श्रजब नहीं जो रात में मेह बरसे. श्राले दिनों का श्रन्देशा है, कहीं दुर्दिन न हो बाब. बिरा. प्यार और श्राशीबीद.

> तुम्हारा पापा

ईसा का सन्देश

क्षेत्रक—शक्टर जे, सी. कुमारप्पा. बनुवादक—सुरेश रामभाई.

इस किताब में इजरत ईसा के सन्देश की व्याख्या ऐसे बाजबाब इंग से की गई है कि पढ़ने बाला बड़ी आसानी से यह समम जायगा कि ईसाई धर्म की खास तालीम क्या है और इजरत ईसा ने इनसान-इनसान की बराबरी, आई बारे, प्रेम और अहिन्सा पर कितना जोर विया है.

महात्मा गांधी ने इस किताब के बारे में कहा है कि—
"इर बास्तिक से, चादे वह ईसाई हो या किसी चौर कर्म का मानने वाला हो, मेरी सिफारिश है कि इसे पढ़े... "
सुन्दर जिल्द, विदेश काराज, करीब सवा सौ सफे की

सुन्दर जिल्द, वादया काराज, कराव सवा व किसाब का दाम सिर्फ एक वपया

शिवाने का पता-

मैनेबर, 'नवा दिल्द', 145 सुदीगंज, इताहाबाद.

ر پیرستکه هم ایکی سرکاروں کو اس برقرار اوکھٹے اور لوائی ته کرنے کو معجبور کر دیلکے ،

پائستان ڈیلی گیشن کے بارے میں آیک لفظ، ملکی ھریف کے پیر اُس کے ٹیٹا ھیں' ڈیٹی گیشن میں ھر وجار اور پھھے کے لوگ آئے ھوٹرھیں۔ مرد اور مورت دونوں جلعی رأے نیتی الگ الگ هے کمال دیگر هیں۔ مان ک مررتھی در میں ایک تو کبھی کے پنجاب سرکار کے وزیرامظم سر سکلدر حمات خال کی ہمتی اور 'پائستان ڈائسس' کے نائب سبهادک مطهر علی خان کی بدیم اولچی اور سندر طاهره! درسری سر سکندر کے بھاگھہ وال پاتر کھوی کے شکھا منتری شوکت حیات خال کی بھگم ' کانلونس کی مہلاوں میں سب سے سقدرا اِس میں شک نہیں بهت هي سفدر . مهال إفتهار الدين يبي آيُه هولم هيل. زاتر علي مصعصوب موال مسطري ايس كه سيلولانيد کی گھند کی طرح ایک مذات سے درسرے مذاق ہر اُچھلتے رها واله ، آيسه جو پهار كو ها دين ، ايهي حال مين أنعليفك مهن تها يرجب أن كيسركار في اسن كي لواكون كو ياسهورت ديله سے إلكار كرديا تو قهر بهائيه وهاں آندولن كها، أنههن ياسهورت دلا كر رها، ولا أب يبان ههن،

اپ دیکیو بہتی کہانا قاعدے سے دہانا ، نا نو نه کرنا جس سے تقدرست رہ سکو ، میں بائکل تقدرست ہوں شوقی ، شام نم رہی ہے سست ، آسمان کلے بادلوں سے گہرا ہے ، ہوا سن سن کر رہی ہے، عجب نہیں جو رات میں ، ہتے ہرسے ، آئلے دنوں کا اندیشت ہے کہیں دردن نه هو جائے ، وداع، ہمار اور آشهرواد ،

لىهارا پايا

عیسی کا سندیش

لیکهکستانگر چن . سی . کماریها. انورادکسسریش دام بهائی،

اِس کتاب میں حضرت میسی کے سلدیش کی ویاکہیا اُسے الجواب تعلک سے کی گئی ہے کہ پڑھنے والا بری آسانی سے یہ سنجھ جالیکا کہ میسائی دھرم کی خاص تعلیم کیا ہے اور حضرت میسول نے انسان انسان کی برابری' بہائی جارے' پریم آور املسا پر کتنا زور دیا ہے ،

مہاتما الندھی نے اِس کتاب کے بارے میں کہا ہے کہ۔۔ المر آسکت ہے' جانے وہ میسائی ہو یا کسی آور دھرم کا مائٹے والا ہو' مہری سفارہی ہے کہ اِسے پڑھ۔۔۔''

ع مانکے والا علو معرفی ساوس میں سوا سو صفحے کی سفدر بجلد، بوهیا کافلہ قریب سوا سو صفحے کی کتاب کا دام صوف ایک رویقہ -

ملق کا پندسہ معلومورا لنیا علت 145 ملمی کلم العالمال ، "श्रीरस बारिस" को अपनी राह से हटा दिया था, उघर वह लांदू की लकड़ी है जिसने, मरे को जिला दिया था, इघर यह रकाबी है जो जहर डालते ही रंग बदल देती है—यह सारे जादू अब वे असर हो गए हैं. इनमें से कोई जाज उत्तमा पुरञ्जसर न रहा जितना नये चीन के निर्मान का जादू जो आज नासुमिकन को भी सुमक्तिन कर रहा है.

चीजें सस्ती हैं. बांस की बुनावट से खजा थरमस तीन कपर का है, काउन्टेनपेन छै का, सुन्दर घड़ियां 60 की, पावल पांच आने सेर! और अब चीज की बारीकी और स्वालिटी का खयाल जियादा है. सुन्दर और टिकाऊ पीजों की क्रीमत लोग जियादा देने का तैयार हैं. सरीदन की ताहाह बरावर बढ़ती आ रही है, फुटकर वेचने वाले एक दुकानदार से पूछा कि इस साल का रोजगार पिछले साल के मुकाबले कैसा है ? जवाब मिला, रोज 500 कपर की बढ़ती, आज की 26 तारीख को.

फुटकर रोजगार में बाद सी था गई है. श्रीकोगिक पैवाबार की बढ़ती ने मखदूरों की मखदूरी बढ़ा दी है, इस्तेमाली चीजों की क्रीमत घटा दी है. क्रीमतें बदस्त्र क्रायम रखने के बिये चीजों को भट्टियों की आग में डालने की पारुरत नहीं पड़ती. गांव की कसल ने किसानों की आमदनी बदा दी है, और साथ ही गाहकों के लिये मोल बटा दिया है. सानकान और वूकान (भ्रष्टाचार, वर्बादी भीर दफ़तरी सुस्ती के खिलाफ आन्दोलन) क्रीमतों के अध्ययन के अनुकूल, संगठित पैदावार, और सरकारी कारखानों के बेहतर तरीक़ों ने क़ीमतें और कम कर दी हैं. सौदागर निजी क्योपार की आमदनी से भरपूर लाभ उठाता है. सरकारी रोजगार निजी रोजगारों को राह दिखाते हैं और परेल उद्योग धन्दों की आईर और ठेकों द्वारा मदद करते हैं, साथ ही सीवागरों को थोड़े सद पर कर्ज देते हैं जिससे कि वह माल बोक में नक़द दाम पर सीधे कारकानों से सदीद सकें, मास की तेजी से तकसीम से और खरीदार के अपर क्रीसत का हल्का आर उसी का नतीजा है.

विश्वा, श्वाता है धुन मुक्त पर सवार हो गई क्योंकि कैं जर्मकास की खासी चर्चा करने लगा हूं. अब मैं लिखना क्ष्म करंगा जिससे तुम्हें कीमतों की यह नीरस तालिका क्ष्म से रखत मित्रो भीर साथ ही मुक्ते भी वक्षत की कुछ क्ष्मत हो. इसी वक्षत हमारे डेलीगेशन की बैठक है. महत्व की बैठक, कशमीर की समस्या पर विचार करने के लिये. वाकिस्ताम का प्रतिनिधि मंडल का पहुँचा है. हम चाहते हैं कि होनों की तरफ से एक मिला जुला एलान करें जो सावित सक्तेस स्वीकार कर ले. हमने प्रन कर लिया है—

اواروس وارس" کو آپلی والا سے مقا دیا تھا اُرھو ولا جادو کی لکوی ہے جس نے مرے کو جالا دیا تھا اُرھو یہ والی کی لکوی ہے جس نے مرے کو جالا دیاتی ہے۔۔یہ سارے جادو آپ یہ اثر مولکے میں ۔ اُن میں سے کوئی آج اُتفا پر اثر نے وہا جنفا نئے جیس کے ترمان کا جادو جو آج ناسکی کو بھی مسکی کر رہا ہے ۔

چھوڑیں سستی ھیں ، بانس کی بدارت سے سجا کہورس نہوں وریئے کا ھے' فاؤسٹیلیوں چھے کا سدر ڈھوراں 60 کی' جارل بانچ آئے سیر آ اور اب چھڑ کی باریکی اور کوالٹی کا خیال زیادہ ھے ۔ سدر اور ڈکاؤ جھڑوں کی قیممت ٹوک زیادہ دیئے کو تیار ھیں، خویدئے کی طاقت بچھ کئی ھے' خویداروں کی تمداد برابر بوھتی جا رھی ہے۔ پیٹکر بھچھئے والے ایک درکاندار سے بوجھا کہ اس سال کا ورکار بچھلے سال کے مقابلے کیسا ھے آ جواب مقا روز

پُهُ عَمْر روزگار مهن ياوه سي آکگي هے . أوديولک پهداوار کی ہومتی نے مزدوروں کی مردوری ہوما دی ہے' اِستعمالی جهزين كي قيمت كهاما دي هي قهدتهن بدساتور قائم ركها کے لیے چھڑوں کو بہتھوں کی آگ میں ڈالٹے کی ضورت نہیں ہوتی ، کاوں کی قصل نے کسانیں کی آمدی ہوما فليها أور ساته هي كامكون كرلية صول لهمّا ديا هي. سأن ان اور روفان (به شاچار بربادی اور دفتری سستی کے عَدْف أَندولن) قيمتون کے أددهين کے انولول سلک تهمت پیداوارا اور سراری ارجانوں کے بہتر طریقوں نے قیمتیں اور کم کر دی همن ، سوداگر تعمی بیویار کی آمدنی سے پهرپور لايه أثبانا هے . سرکاري روزکار نتجي روزکاروں کو راء هاماتے مهی اور تهریلو ادیوک دهندرن کو داردر اور تههکوردوارا مدد کرتے مهر کسانه هی اسوداگروں کو تهرزے سود ہر قرض دیتے میں جس سے کا وہ مال نہوک میں نقد دام پر سیدھے کارخاس سے خرید سکیں، مال کی تیزی سے تقسیم اور شریدار نے اوپر قیمت کا هلکا بھارا اُسی کا للبجه م.

چەرا ئىگا يەدىن مىچە پر سوار ھوگئى كونىكە مەن ارتە شاستوكى كاھوں، اب مەن كىھا ارتە شاستوكى كاھوں، اب مەن كىھا بقد كونى اجا خوس تالىكا يوسك كونى بەن كونى يەن كونى مەن كىلىك بوچك ھو، اسى ولت ھارى تىلى كىشن كى بىللىك يەر بوچك كى بىللىك يەر مىلاد كى بىللىك ئىلىد كى بىللىك ئىلىد كى بىللىك ئايران ئىلىك ئىلىد ئايران ئىلى مىلالى ئايران ئىلى مىلالى ئىلىدى ئايران ئىلى كىلىدى كىلىدى كەرلىن كى كىلىدى ك

A TO SHELL THE BEST OF THE MINE

को मीड़ और जिवादा हो जाती है. इस्ते के और दिन गाडकों की गिनती करीब 22,000 होती है, इतवार के दिन 44,000 से भी ऊपर. इप्रते में 1,75,000 से उपर गाहक. अवेली दुकान के लिये गाहकों की यह तादाव कुछ कम नहीं फिर दुकानों की वहां कमी नहीं और न उनमें सओ विकने वाले माल की. मैंने भीड़ को बरौर किसी सस्से या परेशानी से आपस में टकराते, धक्के देते और भक्के साते दुकान की सीदियां चढते देखा. जो आगे चीचें सरीद रहे थे वे पीछे वालों की तरफ़ देखकर मुस्करा रहे थे, जैसे कह रहे हों, हम अभी जगह कर देंगे, एक मिन्द और बस हमारी खरीवारी खतम, लोगों में गहरा आई बारा है बगरचे वह शायद ही कभी मिले हों. ऐसे ही मौक़ों पर शायद एक दूसरे को देखा हो पर बात तो कभी नहीं की एक जवान लड्को, जो शायद विद्यार्थिनी थी, शायद सबद्र थी, एक आदमी और औरत के बीच दबी खड़ी थी, आदमी उससे हटे रहने की कोशिश कर रहा था पर मारे भीड़ के अपने को संभाल न पाकर अपने दबाब से इसको बनाने की बराबर कोशिश कर रहा था, जन भर के तिये एस लड़की की आंखें मुक्त पर पड़ीं. मैं जो विदेशी इसका संघर्ध देख रहा हूं. वह गुस्करा पड़ती है जैसे आंखों आंसों से ही कहती है-कोई बात नहीं, कोई परेशानी नहीं, कोई करट नहीं हो रहा है. बात दस्तूर है. फिर भी उसकी लाचारं से कुछ दुखी हो जाता हूं, उसकी तरक मुस्कराने की कोशिश करता हूं. मेरा मुस्कराना वह पूरा देख नहीं पाली क्योंकि भीड़ का दबाव ढीला पड़ गया है और वह मृद्ध दुकान के भीतर चली गई है. मैं उसे और नहीं देख पाता. पर जितना ही मुक्ते उसकी तेजी पर अवरज होता है उतना ही उससे सन्तोश भी. वह तुम लोगों सी नहीं जो ब्रियकली देख कर कांप जाय, भीगुरकी आवाज सुन सहम आय, कोई ख़ुई मुई नहीं जो जरा क्रूने से मुरमा जाय. भीनी नारी वह हैजो तुकान पर हकूमत करती है. बेमकसद मैं इस दुकान से उस दुकान में जा रहा हूँ, तेजी से घुस ज़ाता हूं, तेज़ी से ही बाहर निकल जाता हूं, कुछ लेना नहीं, पर भीड़ का दृश्य देख अधिक जोश में बाता जा रहा है. चीनी बर्तन तरह तरह से चित्रित, रंग विरंगी सुन्दर छोटी लक्ष्मी की कंषियां, कई कई दिखाइनों के महिलाओं के पंखे. आकर्शक इतरियां, रौर मामूली बांस के गिलास, किमसाब जी मलकाओं को ललका दे. सिल्क और साटन, तैयार बने कोट, पाजामे और कोरो, तांबे, शीशे और धातु की बनी चीखें -मंहगी और सस्ती, मंहगी से जियादा सस्ती, अनिगनत बनोस्री वीचें. यहां यह द्वोटा वर्तन रखा है जिसमें, प्रेस में असफल हो जाने के कारन, छोटी रानी ने जहर पिवा था. नहां वह तेना काजर है जिसके वारिये अनिकारी विजेता ने

غو بهفو آور وياده هو جالان هي . `هلانے کے آور درن العکورن کی کتعی قریب 900,22 ماتی ہے الزار کے دن 44,000 سے بهي أريد. هدي مهن 1,75,000 س أوير المك الهدي دران كَ لَيْرٍ الْمَعْيْنِ فِي يَعْ تَعْدَانَ كَتِهِمْ فَمْ نَهِمْنِ. يَهِرْ دُوكَانُونِ فَي وهال كنى نهمل اور نه أن ممل سعيم بكليه واله مال كن. میں نے بھیو کو بغیر کسی فصر یا پریشانی سجے آیس میں المراته ومعم ديعم اور دهم كهاته دوكان كي سهومهان جوهات ديكها . جو أكم جيزين خريد ره ته ره يهجه والون كي طرف ديكم كر مسكراً رها تها جمس كه رها هوں هم ايمي جمعه كر ديلكي ايك مثب اور يس هماري خريداري ختم ، لوكون مين كهرا بهالي جاره ه اكرجه وة شائد هي كيهي مل هون ، ايس هي موقعون پر شائد ایک دوسرے کو دیکھا هو ير بات تو کههي نبهن کي. ايک جوان لوكي، يجو هالد وديارتهائي تهي، شالد مودور تهي، ایک آدسی آور مورت کے بہتے دبی کہوی تھی، آدمی اُس سے مٹے رہئے کی کوشش کو رہا تھا ہو مارے بھود کے ایے کو سنبهال تع هاكو أبه دباؤ س أس كو بحياته كي برابر كوشش كر وها تها، جهن بهر كے ليم أسالوكي كى أنجهوں منجه پر پويس . مهن جو رديشي أس كا سنگهرهي ديكه رها هوں، ولا مسكول پوتى ہے جهسے آنكھوں آنكھوں سے هى كهاي هـ كوئى يات نهين كوئى المهاني نهين كوئى کھٹ نہوں ہو رہا ہے ، بات بدستور ہے، پیر بھی اُس کی الجاري سے كتھ دكھى هو جاتا هرن' أس كي طرف مسكرالے كى كرشعى كرتا هول ، مهرا مسكرانا ولا يورا ديكه نهون يالم كهولكم يهمو كا دياؤ دهمة يو كما هـ أور وة جهت دوكان کے بہیعر چلی گئی ہے ، میں آنے اور نہیں دیکھ یاتا ، ہر جتنا می مجے اس کی تیزی پر اجرج مرتا ہے اتنا می اس سے سلعوش ہوں، ولا تم لوگوں سی تھوں جو جھھکلی دیکھ کر کانپ جالے' جھھلگار کی آواز سن کر سھم جائے' کوئی چھپولی مولی تھھن جو ڈرا چھونے سے مرجھا جائے۔ جهلی ناوی وا هے ہمو طوفان پر حکومت کرتی ہے. پرمقصد مهن اس دوکان سے اس دوکان میں جا رہا ہوں' تھڑی سے گیس جاتا ہوں' ٹیزی سے دی یادر نکل جانا موں' كجه ليقا نبهين ير يههو لا درشيه ديكه ادمك جرهي مهن آنا جا رها هوں، جهلی برتن طرح طرح سے چھرت رنگ برنگى سلدر چيولى لكوى كى كلكيهان كلى كثى قرائلیں کے مہملوں کے ہلکھ' آدرشک جہتریاں' غور معمولی بالیس کے گلس' کمطواب جو مذکوں کو للتھادے' ملک اور سائی' تھار بلے کوف' یاجامے اور چوفی' ناتیہ' میدا اور سائل ساز کے بلی چیزیں۔۔میلکی اور مستی، شیشہ اور دھانت کی بلی چیزیں۔۔میلکی اور مستی، میلکی سے زیادہ مستی ، ان لفت انوکوی چیزیں ، یواں یہ چھوٹا برتی رکیا ہے جسمیں' پریم میں امیول ھو جائے کے کاری' بچھوٹی رائی نے زھر پیا تھا' وماں وہ تھو جلمیں ہے بوسی کے طویعہ الانحیکاری وجیجائے

आसाधारन मात्रा में उसमें परिवर्तन हुआ है. वैसे तो वह नगर हमेशा से सुन्दर रहा पर इधर सिद्यों की जमीन सी ठीस जमी रालीज ने उसे भदा और नापाक बना रखा था. मजदूरों ने ही उम नगर को सिद्यों पहले दूसरों के लिये बनाया था, आज बही उसे फिर से अपने लिये बना रहे हैं. वह ही जो मेहनत को इनाम सममते हैं, सुस्ती से धुना करते हैं. उन्होंने सैकड़ों मील लम्बी नालियां बनाई है, पानी के लाखों नल लगाए हैं, हजारों घरों में बिजली ले भा कर उन्हें जमका दिया है.

पीकिंग की शकल आज बदल गईहै. उसके फैले महत जो कभी सिर्फ साम्राटों के आनन्द लेने की जगह थीं आज माम जनता के लिये खाल दिये गए हैं. उसके पार्की में जीवन इठला रहा है, झांटे बड़े बच्चे दौड़ते, खेलते और नाचते रहते हैं. देखने वालों की आंखें निहाल हो जाती हैं. पार्क आम तौर से हर माह बनते जा रहे हैं. मीलें भी हर सांल. और इन्हें बना कौन रहा है ? मज़दरों के अलावा जाल कीज जिस कीज ने चीन की बाहरी दुशमना और उनके पजेन्टों से आजाद किया है वही उसके नगरों और देहातों को भी आज गलीज और गर्द से सकत कर रही है. पिडले दो बरसों से वह सदियों की गन्दगो से फावड़ा लेकर लड़ती रही है, बैस ही जैसे कुम्हार चाक पर अभिराम कल से बनाता रहा है, जैसे राज करनी से भव्य भवन खड़े करता रहा है. की ज ने बेकार बैठे रहने या मार काट के इन्तजार के लिये रास्ट से तनखा लेना नामंजर कर दिया है. उसके बदले वह नगरों में जाश खरांश से निर्मान करती है, गांवों में कस्त बाती और काटती है.

स्नत बन्द करने के पहले तुम से बाजार का कुछ हाल कहूंगा. स्वरीदारी के बारे में तुम्हारी ख्वासांनता में जानता हूं भगरचे वह लड़कियों की खास कम गोरी है. तुन में नहीं है. इससे गां तुम्हें दुकानों की बाबत जानकारी में कुछ खास दिखचर्सा न हागो, फिर भी पीकिंग के बाजार का कुछ हाल सुनो.

बांगफ़ विंग पीकिंग के बाजार की खास सड़क है. मैंने कान्तोन का बाजार देखा है पर पंकिंग कान्तोन से हर बात में बड़ा है. सड़क पर खासी भीड़ थो, दुकानें भी लोगों से भरी थी. सरकारी दुकान में जोर की बिकी हो रही थी. उनके भीतर और दरवाजे में मद औरत पिले हुए थे. गर्मी काकी थी. सूरन तप रहा था. लोग भीतर घुसने के इन्सज़ार में बाहर क्रतार में खड़े थे. पास के गांव के किसान, रात में काम करने वाले मज़दूर, सैनिक, घर की खीरतें. सरकारी दुकानें दस घन्टे खुलतीं हैं, ग्यारह बजे विन से नी बजे रात तक. इतवार को भी. असल में इतबार

أسائنداري ماتراً مين أسمين يهى ورتي هوا هـ ، ويسه تو ولا نكر هميشه سے سلدر رها يم إدهر صديس كى زمان سي تهوس جسى قليط نے أسے بهذا أور دايات بقا ولها تها ، ودوروں نے هى أس نكر كو صديس يهاء درسران كے لئے بقايا تها آج وهى أ يهو سے الهے لئے بقا رهـ هان ، ولا هى جو مصلت كو إنعام سمجهاتے ههن سسالى سے قهرنا كوتے هيں ، أدبون نے سهكوں ميل لمنى تالهان بقالى هيں يائى كے لاكبوں نے سهكوں ميل لمنى تالهان ميں يجانى نے جائر أدبوں جمكا ديا هـ ،

پیکنگ کی شکل آج بدل کئی ھے ، اُس کے پیملے معل جو کھھی صرف ستراثیں کے آباد لھٹے کی جمھھیں تهمن آج عام جَمْعًا كِللَّهِ المِولَ فَيِنْدُكُمُ هَمِن، أَسْ كَ يَارِئُونَ میں جموں إنها رها هے' جمولے بوے بحے دورتے' كهملتے أور لا مع رهم من من ديكها والول كي أنكهون تهال هو جالی میں ہارک مامدور سے هر ساد بلانے جا رہے میں جههلهن بهي هر سال، اور إيههن بقا كون رها هـ؟ مؤدورون ك ماوه قل قوم ، جس فوج لي چهن دو ياهمي دشسلين لور ان کے ایجلٹس سے آزاد کھا ہے . وهی اس کے سعروں اور دیباتوں نو یہی آج فلیط اور گرد سے سکت کر رھی ہے ۔ پجھلے دو پرسوں سے وہ مدیوں کی گلدگی سے پہاوڑا لے کر لولی رهن ها ویسد هی جهسد نسهار جاک در آبهی رام كلسم بقاتا وها هـ، جهسه وأج كوني سه ١٩٠٤ ١٩٠١ كوره كرتا رها هـ. فوج له بهكار بوشي رهلي يا سار كات ك إشطار کے لئے راشلار سے بغضواہ نهدا ما منظور کردیا هے ، اس کے پدلے وہ بکروں میں جوش خاوش سے قرمان کرتی ہے' اور گاؤں میں فصال ہوتی اور کانتی ہے .

خط بقد کرنے کے پہلے تم سے بارار کا کچھ حال کہونکا، خریداری کے بارے میں تمہاری آداسیلٹا میں جانٹا ھیں، اگرچه وہ لوکیوں دی حص کمؤوری ہے' تم میں نہیں ہے ، اِس سے کو تمہیں دانوں کی بابت جامکاری میں کچھ خاص دلجسپی نہ ہوگی' پھر بھی پیکٹک کے بازار کا فچھ حال سالو ،

وانگ فوجنگ پیکنگ کے بازار کی خاص سرک ہے ،
میں لے کانٹون کا بازار دیکھا ہے پر پیکنگ کانٹون سے هر
پاس میں ہوا ہے ، سرک پر خاصی بھتر تھی، دکانیں بھی
لوگوں سے بھری تھیں ، ساکاری دکانوں میں زور کی ہکری
هو رهی تھی، اُن کے بعدلار اُر دروارے میں مرد عورت ہلے
هوائے تھے، گرمی کافی تھی، سورے تھے رہا تھا، لوگ بھیٹر
گھسلے کے انتظار میں باهر تطار میں کھرے تھے، یاس کے
گوں کے کسان رابط میں باهر تطار میں کھرے تھے، یاس کے
گوں کے کسان رابط میں کام کرنے والے مزدررا سیلنگ کھو
کی عورتیں، سرکاری دونانیں دس گھناہ کھاری میں اُنوار کو بھی، امل میں اُنوار

كو وه ايغا جوزي نهين مانعا. إس مين شك نيين يبعثك أبع سنسار كا سب سے صاف نكر هے، كهيں كافله كا ايك تكوا ليهن أ كور ع لا أيك تلكا فيهن نه مواس يرا ته كلهون مين أنه نمك بالبين ين تشجيرية ماسي هركي بات هي ، مهن نے نہویارک لندن اور یہرس دیکھا ہے میں اُن کے پھیے کا فرق جانتا ھوں ، مہویارک کی سواوں ہو ہے [معها كروا بوا رها هے؛ أس كے فت دانه لايرواهي سے يعهدكي كئي المُمارون کے یعون تکووں اور بلذانوں سے دَعیر وعیے عین ' أن كے قست بن مهر ثانب رائٹر سے لے كر سوے كھلے نك چهسی چهزین پوی سوتی کندهانی رهتی ههن ، پیکنگ كي صفائي إلقى اسادهاري هي كة وهال جاني والول ير أس ك أثر هوكي بدا نهيس رهمًا جام جان والا نما بهي البرواد کھوں تھ ھو ، سلو ایک موے دار قصه ، راج دھانی یہوں ہے کے دوسرے دن ہم یس میں کہوں جا رہے تھ ۔ هم میں یہت سارے سکریت ہی رہے تھے پر پس کے بھیدر أنهوں ايوں درے نهوں سلی، شوشے كي طرح جہاسی صاف سوئوں ہو انہیں سکرٹوں نے ٹکوے پھیڈکھے كى هبت نه يوي. تب مهن له ايلى جيب بير ايك خالى لغافه نکالا اور اُس مهن سکرتوں کے تکرے بهر لگے ، مجھ یاں ہے کہ تھوک دان مهرة لغے کے بہلے منجھے أس بهكت كه قريب تايوه گهنته أيني جهب مهن لئے رهنا يوا .

یه مفائی چین کی قومی بوجفا کا آنگ بن گئی ہے۔ اِس طرح کی صدائی جدی نے سبھی نگروں میں کی گئی هے، بهكذگ مهن مكدن مهن تهماللسي مهن نابكلگ مهن شنكهائي اور كان تون مهن . كاؤن تك مهن إسي طرم کی مقائی کی کوشش جاری ہے۔ مذچوریا کے شہروں مهن مکهی عصیهرا وقهره عشت کو دیام کا آروکه، پوجفا کے عقوہ بھی ایک مقصد ہے، کیٹانو بدء کو برکار کر دیاہے کے لگے چھلیوں نے اُن جانوروں نے حالات ھی ران تہاں دیا ھے جو بہماریاں پھیلاتے میں ، اِسی خمال سے اُنہوں لے مکھھاں مجھور مکریاں چھھکلھاں چوھے اور رواس کے ان سههی کهانوون کو مار دالا ه جو پریرار کا سکه تهاد کو دیجے میں، معصوم بحوں جوانوں اور بوزھوں کو خطریہ میں ڈال دیتے ہیں ۔ یہ تو خور دھان کے جاناہوا متهداووں کے جواب میں استہائی پریندہ ہے یو جو بات جهلے جلتا کا سوبھاؤ بن کو اُن کے جدون سوں یس جائهكى ود في أستهائي صفائي ، گورون سونون كلهون ہازار؟ مجھلی کی دکانوں تک مفائی کی ہوجھا کا آنگ بھی کگی میں ، ناکرک اور خاص او ناڈرکاوں کی مدہ ہے صفائی کی په پوښها کامهاب هو وهې ۾، په صفائي وهان کې جلتا کے آجون کا انگ بن جانے سے وولوں اور موت کے نظر نة ألم والم سادهان لا سيهل مدايله كريدكي .

يكفك له تهن سال دورمدمهن بيمعا فنهه ديكها هـ.

को यह अपना जोड़ी नहीं मानता. इस में शक नहीं पीकिंग माज संसार का सब से साफ नगर है. कहीं काराज का एक दकड़ा नहीं, कुढ़े का एक तिनदा नहीं, न सड़कों पर, न ग लयों में, न फुटपाओं पर, निश्चय यह मानी हुई बात है. मैंने न्यूयाक, लम्दन और पेरिस देखा है, मैं उन के बीच का फर्फ़ जानता हूँ. न्यूयार्फ की सङ्कों पर बेइन्तहा कृषा पढ़ा रहता है, उसके फुटवाथ जापरवाही से फेंके गये असबारों के पतों, दुकड़ों और बडलों से उके रहते हैं. इनके बस्ट बेन में टाईप राईटर से लंकर सड़े केले तक असी चीचें पड़ी सड़ती गंधाती रहती हैं. पीकिंग की सफाई इतनी असाधारन है कि वहां जाने वालों पर उस का असर हुए बिना नहीं रहता चाहे जाने वाला कितना भी कापरवाह क्यों न हो. सुनो एक मजेदार किस्सा राजधानी षहें बने के दूसरे दिन इस बस में कहीं जा रहे थे. का रहे थे. हममें बहुत सारे निगरेट पी रहे थे वर बस के भीतर उन्हें एश्ट्रे नहीं मिली. शीशे की तरह जैसी साक सदकों पर उन्हें सिगरों के दुकड़े फैंकने की हिस्मत न पड़ी. तब मैंने अपनी जेब से एक खाली लिकाका निकाला बीर इसमें सिगरेटों के दुकड़े भर लिये. मुक्ते याद है कि ब्दर्गन में डालने के पहले मुक्ते उस पैकेट को क़रीब डेड भंदा अपनी जेब में लिये रहना पड़ा.

वेह सफ़ाई चीन की फ़ौमी योजना का धंग बन गई है. इस तरह की सफाई चीन के सभी नगरों में की गई है. पीकिंग में, मुकदन में, तिएन्सिन में, नानकिंग में, शंशाई और कानतोन में. गांव तक में इसी तरह की सकाई की कोशिश जारी है. मनच्रिया के शहरों में मक्ली, मच्छड बरौरा नश्ट कर देने का आरोग्य योजना के अलावा भी एक सक्सव है. कीटानु युद्ध की वेकार कर देने के लिये बीनियों ने उन जानवरां के खिलाफ ही रन ठान दिया है को बीमहियां फैलाते हैं. इसी खयाल से उन्होंने महिसायां. मच्छा सकदियां, छिपकलियां, चुहे और रांगों के वन सभी कीटानुकों की मार जाला है जी परिवार का सुख सबाह कर देते हैं. मासूम बच्चों, जवानों और बढ़ों की सतरे में डाल देते हैं यह ता खैर दुशमन के जानलेवा इधियारों के जवाब में अस्थाई प्रवन्ध है, पर जो बात चीनी अमता का स्वभाव बन कर उनके जीवन में बस जायगी है स्थाई सफाई घरों, सहकों, गलियों, बाजार, मळली ों तक सफाई की योजना का अंग बन गई है Lखास कर नागरिकाओं की मदद से सकाई की

वाक के करसे में बहुत कुछ देखा है.

याब हो रही है. यह सफाई पड़ां की जनता

ों का सफल मुकाबला करेगी.

मा बन जाने से रोगों और मीत के नखर

Market State Control of the Control

क्योंकि उसे यह मंजूर न था कि हम बरीर अपने सवाल का जवाब पाए बले लाएं. यह हमें इशारों सकेतों से रोक कर तेजी से अन्दर गया और मट एक आदमी के साथ बीटा. यह तीसरा भी हमारी बात न समम सका पर वह भी हमें जाने न देगा जब तक हमारे सवाल का जवाब न मिल जाय. वह भी अन्दर चला गया और एक आदमी की लिये लौटा. समस्या हल हो गई. यह टूटी फूटी अंगरेजी बोज लेता था. उन्होंने हमें रोक रखने के लिये बार बार माफी मांगी और अंगरेजी जानने वाले ने ठीक ठीक 'शान्ति होटल' की राह बता दी. वह खुद हमारे साथ कता और हमारे बहुत इसरार करने पर लौटा. गजब का इस्रलाक है इन चीनियों का!

शान्ति होटल घनी श्राबादी के बीच उंचे मकानों के पीछे खड़ा है. श्राचरण की इमारत है. राजब की खूबसूरत, हलकी फुलकी, इंट, कंकरीट श्रीर धातु की बनी बिलकुल 'श्राहमें,' पुरुता श्रीर ठोस. बाठ मंजिल उंची, बीस बराबर बराबर चौड़ी खिड़िकयां, श्राज की जरूरतों से लैस. नीचे की मंजिल की बैठक तिबयत के मुताबिक जहां से दिल को हरने बाले मनजर सामने दिखाई पड़ते. उसके पर्दे, उसका रंग श्रीर शक्त, बढ़ी बड़ी मौलिक तसवीरें सभी उसकी ख़बसूरती के सबूत हैं.

हमने कनाडा के प्रतिनिधि मिस्टर और मिसेज गाईनर से मिलना चाहा. उनसे चीनी दीवार के उपर पहले हम मिल चुके थे. उनको सबर कर हम ऊपर गए. पति पद्मी दोनों तपाक से मिले. कमरा बढ़ा सुन्दर था, उसका फरनीचर आकर्षक दीवार पर तान हुआंग के भित्ति चित्र की एक नक्कल टंग रही थी, सरस्वती का मूल चित्र अन्न की नक्कल था. गाडेन परिवार ने हमें बताया कि उनका कमरा ठीक और कमरों का तरह है. फिर वह हमें होटल घुनने ले बले. उपर और नीचे के भोजन करने बाले कमरे, कारीडर और बरामदे, इत और दक्तर सभी खास ढंग से बने थे. शीशे, धातु और चीनी मिट्टी की बनी सभी चीजों पर अमन की फारुता बनी थी चममच, कांटे, ख़ुरी, सुराही, प्लेट, सब पर, नेकपन, बादर. तीलिया तक. श्रीर यह समुची इमारत मह्य 75 रोजा में खड़ी हो गई थी. पीकिंग के मशदूरों ने इसे चीन के आज के मेहमानों, शान्ति सम्मेलन के प्रतिनिधयों के लिये तैयार कर शान्ति सम्मेलन को भेंट कर विया था.

कुछ साल पहले जो कुछ हमने पीकिंग के सम्बन्ध में पड़ा था उससे आज का पीकिंग बिल्कुल दूसरा है. उस का नथा जनम हुआ है, उसने जनम की वेरना सही है और आज संसार के सब से साफ नगर तक قهونته آی یه صفطور نه تها که هم بغیر ای سوال کا جواب بالی جانجانیان، و همیس آشاروس صفیکتین یه ورک کر تهزی یه آنسو گها اور جبت ایک آدسی کے ساته لوانا ، یه تهسرا بهی هماری بادی نه سمتیه سکا بر و بهی همیس جانے نه دی کا جب تک هماری سوال کا جواب نه مل جائے ، و بهی اندر چا کها اور ایک آدمی کو لئے لوانا ، سمسها حل هو گئی ، یه تولی پهوتی انکریوی بول لهتا تها ، آنهون کے ممین ووک وکیلے کے لئے بار بار معافی مانگی اور انگریوی جانئے والے نے تبیک تهیک ' شانگی هوالل ' گی والا یکنا دی ، و کود هماری ساته چلا اور همارے بهت کی والا پر مهانی بهت هوال کا ایک والا په بهت کی والا په اور همارے بهت سوار کولے پر لوانا ، فضب کا اکالی هران جهانه کا ا

شانعی هوتل کهنی آبادی کے بینے اونچے مکانوں کے بہتے کو فیے انہوں کے بہتے کو فی انہوں کی معاوت ہے ۔ فقب دی خوبصورت ملکی پہلکی ایلیٹ الملی الملی پہلکی الملی الملی الملی الملی بھاتے اور تہوس ، آتھ مقول اونچی ایس پراپر پراپر چھوڑی ہوکھاں آ آ کی ضوروتوں سے لیس ، فہنچے کی مقول کی بھاتے ماہیں سے دل کی معارف جہاں سے دل کو هونے والے مقطر سامنے دکھائی پرتے ، اس کے پردے اس کا ونگ اور شکل بوی بی مولک تصویریں سبھی اس کی خوب ہوں ہوں کی خوبصورتی کے ثبوت ہوں ،

ھم نے دفاۃ کے ہوتی ندھی مسٹر اور مسز کارقدر سے ملقا چاہا ۔ اُن سے چھلی دیوار کے اوپر پہلے ہم سل چکے ئے ، اُن کو حمور کر ہم ارپر کئے ، یکی یکلی دونوں تھاک سے ملے۔ کموہ ہواہ سفدر تھا اُس کا فرنھچر آفرشف ، دیوار ہر نان ہرانگ نے بہتے چتر ئی ایک نقل تذک رہے تھی' سرسوئی مول کا جندر اجدی کی مقل تھا ، کرفنر پری وار نے همیں بعایا که أن کا قدرہ تهیک اور کدروں کی طرح کے ۔ پهر وه مدين موثل کيداي لے جاند ، ارور اور بينچ نے بهوجي كرني وألي دهريه كاريقر اور برآمدي جهت أور دفعر سبھی خاص ڈملک ہے الے تھے ، شیشے دمات اور جہلی معی کی بدی سمهی جهزرن پر اس کی فاخته بدی تهی جمعها الله جهوى مراهى المعد سب يرا نيكهنا نهاهر ا تولیه اتک ، اور یه سدوچی مدارت صعیض 75 روز مهن قبوی هو ککی تهی . پهنملک کے مودوروں لے أسے جهی کے آج کے مہمانیں' شانتی سے لی کے پرتی ندھیوں کے لگے تھار کر شاندی سبھتی کو بھھلٹ کر دیا تھا ۔

کچھ سال پہلے جو کچھ ھم نے پیکنگ کے سمبقدہ میں پوھا تھا اس سے آج کا پیکنگ بالکل دوسرا ہے۔ اُس کا تیا جام دی ویدنا اُس نے جام دی ویدنا اُس نے دار آنے ساسار کے سب سے ماک نکر تک

एक शब्द, 'होपिंग' के समक न सका. होपिंग का अर्थ 'शान्ति' में जानता था और मुक्ते लगा, वह पूछ रही है कि क्या में शान्ति सम्मेलन में आया हूँ. मेरे 'हां' कहने पर वह और पास आ गई. कुछ लोग तब तक मुक्ते घेर कर खड़े हो गए थे. सभी मुसकरा रहे थे, कुछ उत्सुक थे. मेरा हाथ पकड़ कर उसने कुछ कहा जिसमें 'होपिंग' लफ्ड बार बार आया. उसका उच्चारन करते समय उसने बहां खड़े नर-नारियों में से हर एक की तरफ इशारा किया जिससे मैंने जाना कि वह कहना चाहती है कि वह और सभी शान्ति के प्रेमी हैं. मैं जानता हूँ वह सभी शान्ति के प्रेमी हैं.

घीर से किसी ने कहा, 'होपिंग वांगसे!' 'शान्ति चिरन्जीबी हो!' जो पास से गुजर रहे थे उन्होंने भी नारा लगाया. मैंने भी उन गंभीर शब्दों को दोहराया. फिर उस महिसा से छुट्टी की, उसके बच्चों से हाथ मिलाया और पास के लागों से बिदा ले कर नये चीन से अभावित जौट पड़ा.

भौर 'बह' कहते हैं कि चीन शान्ति नहीं चाहता, कि चीन की शान्ति की चर्चा लोगों को वेवक्रफ बना कर कात हासिल करने के लिये हैं, कि चीन की कानफरेन्सें कमयुनिस्टी फरेब हैं, कि चीन की जनता द्वारा संगठित शानित के मोर्चे केवल सरकारी जबर्दस्ती हैं. कितना सफेद भूद है यह ! जो ऐसी बेतुकी बातें कहते हैं उनको समभ लेमा चाहिये कि इतना आडम्बर, सरकारी जबद्स्ती का इतना संगठित दिखावा घगर सचमुच दिखावा ही है तब भी वह स्वामाविक ही रहेगा. पुतिस या सरकार दिलों में जांश नहीं भर सकतीं. कम से कम चीनी जनता के शान्ति पसम्ब होने में सुके कोई शक नहीं. मैं यह बात बरौर कोई रंग चढ़ाये तुम्हें बताता हुं - कोई पिता अपनी बेटी की बातें रंग कर नहीं बताता. चीनी सचमुच शान्ति चाहते हैं, कि उनके भीतर उसकी आवाज बाहर की गरजती तोपों से कहीं ऊंची है, कि वह आवाज तोपों की गरज को चुप कर देगी.

पक सांमा डाक्टर कलीम, अमृत और मैं घूमने निकले. वैसे ही, बरीर किसी मकसद के. सड़क चमक रही बी. उसका आकर्षन हमें सींच ले चला. मशहूर 'शान्ति होटल' की सुधि बाई तो इस उधर ही को बस पड़े. राह मालूम न बी और न भाशा थी कि किसी से पूछते. पर इम बलते गय और मोड़ पर बाएं घूम पड़े. एक उंची इमारत के सामने दो बादमी बात कर रहे थे. हमने उनसे 'शान्ति होटल' की राह बांगरेजी में पूछी. वह कुछ समक न सके पर उनमें से एक ने हमकी मीतर बलने को कहा. हम बुसे धन्यवाद दे कर बांगे बढ़े. पर उसने राह रोक ली

آیک شبن ' هبیتگ کے صبحیہ نه سکا ، هبیتگ کا ارتب ' شانتی ' میں جانتا تیا اور مجید لاا ' وہ یوجہ رهی ہے کہ کیا میں شانتی سے لیے میں آیا هیں ، میرے رهی ہے کہ کیا میں شانتی سے لیے میں آیا هیں ، میرے نمان کیلے پر وہ اور یاس آ کئی ، کچیم لوگ تب تک مجید گیور کر لیوے هرکئے تیے ، سبیتی سکرا رہے تیے' کچیم آسک تیے ، میرا هانه یکر کر اس نے کچی کیا جس میں آسک تیے ، میرا هانه یکر کر اس نے کچی کیا جس میں اس اس کے وہاں کورے نواریوں میں سے هر ایک کی طرف اشارہ کیا جس سے میں نے جانا کہ وہ کہنا جانتا هیں وہ سبیتی شانتی کے پریمی هیں ، میں جانتا هیں وہ سبیتی شانتی کے پریمی هیں ، میں جانتا هیں وہ سبیتی شانتی کے پریمی هیں ، میں جانتا هیں وہ سبیتی شانتی کے پریمی هیں ،

وههرے سے کسی نے کہا ' اهرپلک وانکسے! ' ' شانعی چونجیوں هو! ' جو پاس سے کڈر رہے تھے اُنوں نے بھی نعرہ لکایا ، صهن نے بھی اُن گمجهور شبخوں کو دوهرایا ، ههر اُس مهما سے جوہلی لی' اُس کے بچوں سے هاته مالیا اور پاس کے لوگوں سے بدیا لے کو نگے چھن سے پربھارت لوگ ہوا ،

أور ولا كهاتم هين كه چهن شاناتى نهين چامتا كه چهن كى چارون كو بهرقوب بال كو وقت عامل كونے في لائے هي كه چهن كى كانفرنسين كميونستى فريب هيں كه چهن كى كانفرنسين كميونستى فريب هيں كه چهن كى جانا درارا سنگتهت شاناتى مروج نهول سركارى ربردستى هيں . كتا سفيد جهرت هي يه إ جو ايسى به نكى باتهن كهته هيں أن كو سمجه لها چاه أنه أن أدمور سركارى ربردستى كا إتنا سلاكهت دقهاوا الرسم مي دكهاوا هي ها تب يهى ولا سوابهاوك هي رويا كا ، پرلهس يا سركار دلوں ميں جوهن نهيں بهر سكتين ، كم ساكم چهنى جانا هي جانا كے شانتى پسند هونے ميں سجه كوئى شك نهيں ، مين يه يات يقير كوئى ميں سجه كوئى شك نهيں ، مين يه يات يقير كوئى بالهن ربك در نهيں بالنا هيں دوئى يتا ايتى بيتى كو هيں والى يائين ايتى بيتى كو هيں دوني يا اينى بيتى تويوں هيں اونچى هي كو دوني يتا اينى كرے كو چهن دوني سے كہيں اونچى هي كو دوني دوني دوني دوني اور نهيں دوني كرے كو چهن دوني كي دوني

ایک سانجه ڈاکٹر علیم' امرت اور میں کیرملے نکلے ،
ویسے هی' بغیر کسی مقصد کے ، سرک جسک رهی تهی ،
اُس کا آدرشن همیں کیھلے لے چڈ ، مشہور هانتی هرتل
کی سخھ آئی تو هم کھر هی او چل ہونے ، راہ معلیم نه
تھی آور نے بھاٹا تھی کہ کسی سے پوچھتے، پر هم چلتے گئے
اُور موو پر بائیس گھوم ہونے ، ایک ارنچی صارت کے ساملے
کو آدمی بات کو وہے تھے ، هم نے اُن سے ' شانتی هوٹل' ،
کی راہ انگریزی میں پرچھی ، کچھ مسجه نه سکے پر اُن
مین سے لیک نے هم کو بیھٹر چھٹے کو خیا ۔ هم اُس

1 m

पाक हैं. सिनह भर को रिम मिम हुई थी, सूरज इब रहा था. मैं उघर निकल गया था. पार्क लोगों से भरा था. लोग धास पर बैठे जहां तहां बात कर रहे थे. श्रीरते सुन्वी बच्चों को दुलार रहो थीं. तन्दुरुस्त ताजे बच्चे चिड़ियों की तरह चहक रहे थे. मैं भी वहीं साम की नमी श्रीर धोस में खड़ा श्रासमान को देख रहा था। श्रासमान, कई के फैले पोले पर पोले फाड़ता चला जा रहा था.

रात इलके इनके आसमान पर छा चली थी. भीड़ छोटे छाटे दलों में आती और चनी जाती. पकाध आदमी पास आते, समें चुपचाप देखते, इलके से मुस्करा देते, चले जाते. चुपचाप में वह दृश्य देख रहा था और रात तारा तारा गहरी होती जाती थी. चांद, जो केवल आधा खिला था, रूई के बिखरे खेतों पर सरकता जा रहा था. किसी ने मुसे चू लिया. में जमीन को लौटा.

स्पर्श भौतिक नथा. सिर्फ कुछ बच्चे पास खड़े हो मुक्ते देखने लगे थे. बढ़ते हुए सन्नाटे में किसी के करीब मा जाने से वातावरन जैसे जरा बां फिल हो जाता है वैसे डी बोिकत वातावरन की चेतना ने मुक्ते सचेत कर दिया. समाटा नहीं था. क्योंकि इधर उधर भीड़ सभी खासी थी. बच्चे तीन थे, कोई चार और है साल के बीच के. उनकी मां भी पास ही खड़ी चुपवाप देख रही थी. मैंने फट परिस्थिति के मुताबिक्ष घाचरन किया. मुंह से हनकी सीटी बजाई और दो के हाथ थाम लिये. तीसरा लजा कर परे इट गया. यह दोनों भी शरमीले ही थे. पर वह अपनी जगह खड़े रहे. वैसे ही उनकी मांभा पहले की सी ही सदी रही. मेरे पास कुछ चाकलेट और टाफी थीं जिन्हें मैंने उन्हें देना चाहा. पर वह लेने की राजी न हुए और न उन्होंने लिया. बड़े ने पहले तो अपने फ़ाक की जेब में बार बार द्वाथ मारा फिर वह मां के पास वौड़ गया, उसका बदमा स्रोता भौर उसे मेरी तरक खीवने लगा. मां मस्कराती हुई और पास सरक आई. बच्चे ने बदुए की होरी खींच ली थी. उसका मुँह खोल कर कर मुमे दिखाने लगा - उसमें टाफी और मिठाइयां थीं जाना, उन्हें इन चीजों की कभी नहीं एक जो भाग गई थी वह भी पास आ गई और अपनी कुकी मां की छाती में सिर घुसाने सारी.

वह भी बहुए की छोरी कींचने लगी. मां ने उसे टाकी दे कर शान्त किया. मां सुघड़ थी, कोमल, खुरा. कुछ हाफी इसने मेरी तरफ बढ़ाई. मैंने उसकी बात रखने के किये एक ले जी. वह खुशी से लाल हो गई. उसका चेहरा जिल उठा. उसने पूछा—'इन्दुआ ?' 'हां, इंडियन,' और सम यह सांच कर कि शायद इन्दुआ का मतलब हिन्दू से किया मतलब हिन्दू से कहा, 'हिन्दू'. फिर उसने कुछ कहा जो मैं सिवाय

ly Mary least

پاڑک ہے، ملت بھر کو رم جھم ھوٹی تھی' سورے ڈرپ رھا تھا، مھیں اُدھر نکل گیا تھا ، پارک لوگوں سے بھرا تھا ، لوگ گھاس پر بھٹھے جھاں تھاں بات کر رہے تھے۔ ھورتھں سکھی پھچوں کو دائر رھی ٹیھی ، تلدرست تارہ بھے چڑباس کی طرح چھک رہے تھے ، میں بھی وھھں ساندہ کی نمی اُور لوسے میں کھڑا آسان کو دیکھ رھا تھا ، آسان روثی کے پھھلے پولے پر پولے بھارتا جھ جا رھا تھا ،

واس هلکے هلکے آسدان پر چها چلی تهی ، بعدر چهرا چهرا حمور ایک آدھ جهرائے جمور ملس میں آتی اور چلی جاتی ، ایک آدھ آدمی پاس آتے محجمے چہہ چاپ دیکھتے هلکے سےمسکرا دیکھ آجا چلے جاتے ، چہہ چاپ میں وہ درشھہ دیکھ رہا تھا اور راس تارا تارا کہری هوتی جاتی تهی ، چاند' جو کمول آدها کہا تہا دوئی کے بکھرتے کھھتوں پر سرکتا جا رہا ایک میں زمین کو لوتا ،

اسهرهی یهو تک ته تها ، صرف کچه بنچے پاس کهوے هو معوم ديكها لك له ، يوهن هوئ سدائه مين کسی کے قریب آ جائے سے واللورن جهسے درا ہوجهل هو جانا ہے ویسے می بوجول واناوران کی چھتلا ہے ستجھے ستهيمت كرديا . سلقاتا نهيل لها . نيونكم إدمر أدمر بههو ابهی خاصی نهی . بحد نین نه کولی چار اور مو المال كر بدي كر ، أن كي مان يدي ياس هي كوري چے کھاپ دیکھ رھی تھی ، مھن ہے جھٹ پرسٹھٹی کے مطابق آجان کیا . مله سے هلکی سیتی پنجائی اور دو ك ماله لهام لك ، لهسرا لجا كر برے هت كيا ، يه درنوں بھی شرمیلے هیتے پر وہ ایلی جکه کورے رہے ، ریسے هی ان کی ماں بھی پہلے کی سی ھی کھڑی رھی ، مورے پاس کھی جاکلیت اور ثافی تههوں جلههں موں نے اُنههوں دیدًا جاما ، ہر رے لیٹے کو راضی نہ ھوٹے اور تم امورں لے لیا ، ہوے نے پہلے تو اپنے فراک کی جیب میں بار بار ھاتھ مارا پھر وہ ماں کے پاس دور کھا' اُس کا بگوا کھولا اور مهری طرف کهیلچانے لگا ، مان مسکرائی هوئی اور یاس سرک آئی، ہمے نے بالارے کی قارری کھیلی آئی آئی ۔ أس كا مله كهول كو مجه دكهانے لكا ، أس ميں ثاني أور معهاتهان تهدن . جانا أنهون إن جوزون كى كسى نهون ، ایک جو بواک گئی تورود بھی پاس آ کئی اور ایڈی جهکی سال کی جہالی میں سرگیسکالے لگی ،

ولا بھی بھوسے کی توری کھھچلے لگی ، مال نے أسے لائی دیے کو شائمت کھا ، ماں سکور تھی ' کومل' خوش ، کومل نظمی آسے کھے تائمی آسے آسے آسے آسے آسے آسے رکھتے کے لگے ایک لے لی ، ولا خوشی سے قال ہولگی ، آس کا جہرہ کہاں آلیا ، أس نے پوچھا۔' الدوآ ؟ ' ماں' التحقیق' لور تیب یہ سوچ کو که شاید اِندوآ کا مطلب ہدو سے مہینے کہا اہتدو' بھو اُس نے کچھ کہا جو میں سوائے

COM SOLLINGSPARE SERVICE

[डाक्टर सगवत शरन उपाध्याय पशियाई शान्ति सन्मेलन में भाग लेने के लिये अकत्वर 1952 में चीन गए थे. वहां जा कर उन्होंने जो कुछ देखा उसकी जान-कारी सतों के जरिये बरावर अपने साथियों को देते हो. उन्हें में से एक खत हम नीचे दे रहे हैं. आशा है पाठकों को नये चीन के बारे में इससे काफी जानकारी मिलेगी—पडीटर]

वित्रा,
बहुत नाराज होगी. तुम्हें लिखा नहीं, जगरचे जिखता
रहा हूँ. और वह भी छोटी नहीं, खासी जम्बी चिट्टियां.
मचे चीन की बाबत इतना जिखना जो है. उस चीन की
बाबत जिसने जपनी बेड़ियां तोड़ दी हैं. यहां सचमुच एक
नया संसार खड़ा हो गया है. नये जीवन की हिलोरें चारों
तरफ दिखाई देती हैं. जीवन जो गतिमान है, कर्मठ है,
मशाकृत करता है. हंसता है.

चीन के बारे में कुछ विचार तो रखती ही होगी. इस सबके कुछ न कुछ हैं. कुछ पहले खुद मेरे ही उस दिशा में अपने विचार थे. निहायत सुस्ती के, गतिहीन, सपनों से भरे जीवन के. ऐसे जीवन के जो युद्ध पतियों और गांव के जाकिम जमींदारों के लाभ के लिये अम कर कर के पसीने से तरवतर था. जीवन जो ऋधिक कंगाल था, विजक्ष गोंशित था. मादक अजीम से सुका हुआ, अकड़ा सिरं, कुले होंट और इसमें शक नहीं इमारे यह विचार पीठ पर गदूर रखे पसीने में इसे हिन्दुस्तान में घर घर फिरने बाले चीनी सौदागर से बने थे.

पर ऐसे विचार निहायत रालत होंगे. चीन अब वह चीन नहीं, बिलकुत दूसरा चीन है. एक नया आलम उठ सदा हुआ है, नई मानवता जाग गई है. चीन की जमीन बही है, वही उसका आसमान है पर दोनों के बीच की फिन्मगी बिलकुल बदल गई है. पहले से बिलकुल भिन्न है। पहले की ही तरह मौसम के बाद मौसम बदलते हैं, पहले की ही तरह हलवाहा हल चलाता है, किसान पके खेत कादता है पर कसल का अनाज अब गिरता उसकी बखार में है, मालिक की बखार में नहीं. सब बात बदल गई हैं.

पीकिंग भी बदल गया है. महान नगर की मंजिलें वही हैं, पुरानी शालीनां दीवारें, लुभावनी भीलें, पार्क, महल, गद, बुर्जियां भी पहले की तरह ही जादू जगा रही हैं. खास सदकों के पीछे गिलयों में शान्ति विराज रही हैं, खिलयों के कलरव वही हैं, वैसे ही पेड़ों की समसनाहट है, वैसी ही बच्चों की आवाजों, पर पीकिंग फिर भी वह नहीं है. पहले से बिलकुल मुखतलिक है.

श्रमी टइल कर जीटा हूँ. मामूनी बेमक्रसद चक्कर भी इस महान परिवर्तन की श्रमुभव करता है. पीकिंग होडस के पास ही डघर, बार्य, सक्क के पार एक सुक्षा [ةاكلم بهكوبت شان أبادههائے أيشهائى سمهلى مهل بهائك الهنے في لكے اكتربر 1952 ميں چهن گئي تھ، وهاں جا كر أنهوں نے جو كچه ديكها أسكى جانكارى خطوں كے فريعے برابو الها ساتههاں كو ديتے رہے. أنهوں مهل نے أيك خطام تهجے ديے رہے هيں . أشا هے پائهكوں كو نگر جهلى كے بارے إس سے كافي جانكارى مليكى--ايڌيگر]

بهمع باراض هوگی ، تمهیل لکها نهیل اگرچه لکهتا رها هول ، اور وه بهی جهواتی نهیل خاصی لمبی چههال، نشر جهیل کی بابت لیا لکها بدو ها اسجها کی بابت جس نے ایک بهوال دور دی هیل ، یہال سچ مچ ایک نها ساسار دورا هو گها هے ، نکے جهول کی هاوریل چارال طرف دکھائی دیتی هیل ، جهول جو کتی مال هے کرمانه هے محقدت کرنا هے هنستا هے ،

چھن کے ہارہے میں کچھ وچار تو رکھتی ھی ھوگی ،
ھم سب کے کچھ نہ کچھ ھیں ، کچھ پہلے خود مہرے ھی
اُس دشا میں آئے وچار تھے ، نہایت سستی کے ، گتی
ھیں سیلوں سے بھرے جیون کے ، آیسے جیون کے جو یدھ
پتیوں اور گاؤں نے ظالم زمیدداروں کے قبھ کے لئے شرم کر
کر کے پسیلے سے تر بحر تھا ، جیون جو ادھک نظال تھا
پالکل شوشت تھا ، مادک آئیم سے جھکا ھوا اُ آئوا سرا
پیلیے ھونت ، اور اس میں شک بھیں ھمارے یہ وچار
پیلیم پر کھر رائے پسیلے میں توبے ھندستان میں گھر

ور ایسے وجار نہایت فلط هونکے ، نجون اب وہ جون نہیں نہیں ایک نیا عالم اتب کوا ہوا نہیں ہے، ایک نیا عالم اتب کوا هوا ہے نئی مانوتا جاگ گئی ہے ، جون کی زمون وهی ہے، وهی اُس کا آسمان ہے یہ دونوں کے پیچے کی زندگی بالکل بدل گئی ہے ، پہلے کی هی طرح موسم کے بعد موسم بدلتے میں ' پہلے کی هی طرح هلوا ها هل موسم کے بعد موسم بدلتے میں ' پہلے کی هی طرح هلوا ها هل جاتا ہے ' کسان پکے کورٹ کورٹ کا ناچ اب گرتا اُس کی پکھار میں بہیں ۔ گرتا اُس کی پکھار میں بہیں ۔

پیکنگ بھی بدل گیا ہے ، مہان نگر کی منزلیں وھی ھیں' پرانی شانیں دیواریں' لجھاوئی جھھلیں' ھارک محصل' کدھ' برجہاں بھی پہلے کی طرح ھی جادو جیا وھیھیں، خاص سواوں کے پینچھے گلفوں میں شانتی بواج وھی ھیں' ویسے ھی پھووں کی شاواریں' یہ پیکلگ کی سلسلاھت ہے' ویسی ھی بجوں کی آوازیں' یہ پیکلگ پھوریھی وہ نہوں ہے ، پہلے سے بالکل مختلف ہے ،

اُبھی اُنہل کو لوتا ھوں ، معبولی پے مقصد چکو بھی اُنہی مہانی پوری وران کو اتوبھو کرتا ھے ، پھکلک ھوٹل کے پار اُنہا کہا موگ کے پار اُنہا کہا

कोशापरेटिय का सारा काम किमानों को खुर करना चारूरी है. को भापरेटिय खोलने से पहले कुछ बारतों की पूर्त करनी पढ़ती है. इन इरतों में सब से जरूरी इर्त यह है कि हर किमान अपनी मरजी के माफिक को भापरेटिय में झामिल हो और किसी द्वात या हर के कारन सहयोग न दे इस बात को बहुत अहमियत दी जाती है और को आपरेटिय का लाइसम्स देने से पहले अधिकारी इस बात की काफी जांच परताल करते हैं. को आपरेटिय में शामिल होने वाले हर किसान को अधिकार है कि अगर वह बाहे तो तीन साल के बाद अपनी जमीन अलग कर ले और जिस तरह से वाहे उसका इस्तेमाल करे.

खेती बारी के काम आने वाले जानवरों की तादाद हंगरी में बहुत कम हो गई थी बहुत से जानवर तो बिदेशी की जों मार कर खा गई थीं और जब वह हंगरी से भाग रही थीं तो अपने साथ बड़ी तादाद हंका कर भी लेती गई इस कारन से किसानों को बड़ी दिक्कत हो गई थी लेकिन उन्होंने जमीन पा लेने के बाद पशु पालन पर ज्यान दिया और थोड़े अरसे में पशुद्धों की तादाद बढ़ाली. नीचे के टेबिल से उनकी तरक्की का पता चलता है.

| ्र क्रिस्म | 1945 में तादाद | 1949 में तादाद |
|--------------|----------------|----------------|
| गाय बैल | 1,069,000 | 2,306,457 |
| घो के | 329,026 | 750,000 |
| सूत्रर | 1,113,517 | 3,382,000 |
| मेड | 328,467 | 760,800 |

1942 में जितने जानवर हंगरी में थे उन से 1949 में तादाद कम है लेकिन अगर रकतार यही रही तो 1954 तक जानवरों की तादाद में भारी बढ़ीती हो जायगी.

सदियों के बाद हंगरी के किसान का सपना सच हुआ है. वह पैदाबार बढ़ाने की धुन में लगा हुआ है. कल तक को देश गरीब था आज वहां खुशहाली है. हंगरी और ऐसे ही देशों की और मिसालें यह सिद्ध कर देती हैं कि गरीबी तक़दीर के कारन नहीं हैं बल्कि माली व्यवस्था की खराबी के कारन ही कोई गरीब है और कोई अमीर!

کوآوریگهو کا ساراً کام کسائیں کو خود کرنا فروری ہے۔
کوآوریگهو کووئلے سے پہلے کوچه کرطوں کی چورتی کرنی
پوٹی ہے ۔ اِن کوطوں میں سب سے ضروری شرط یہ ہے
کو می کسان ایکی مرضی کے موانی کوآوریگیو میں شا۔ ل
کو بہم ایسی دیاؤ یا ڈر کے کارن سہیوگ له دیے ، اِس بات
کو بہم ایسیمت دی جاتی ہے اور کوآوریگیو کا لائسلس
دیلے سے پہلے ادھهکاری اِس بات کی کافی جانچ پرتال کرتے
میں، کوآوریگیو میں شامل مونے والے عر کسان کو ادھیکار
میں کوآوریگیو میں شامل عونے والے عر کسان کو ادھیکار
میں طرح سے جائے اس کا استعمال کرے .

کہتی ہاری کے کام آئے والے جانوروں کی تعداد ہلگری میں بہت ہے جانور تو ودیشی فوجیں مار کر کیا گئیں تھیں اور جب وہ ہلگ ہے ہے بہاگ رھی تیمن تو اپنے ساتھ ہوی تعداد ہلکا کر بھی لھتی گئیں ۔ اِس کارن سے کسانیں کو بڑی دقت ہوگئی تھی لیکن اُلموں نے ومین یا لینے کے بعد پشویائی پر دھیاں نیا اور تھوڑے عرصہ میں پشوؤں کی تعداد بڑھا لی ۔ نیمجے کے تیمیل سے اُن کی ترقی کا ہتہ جلتا ہے :

| قسم | 1945 مين تعداد | 1949 میںتعداد |
|-----------|----------------|---------------|
| كالحديهمل | 1,069,000 | 2,306,457 |
| گهرزے | 329,026 | 750,000 |
| بسوالر | 1,113,517 | 3,382,000 |
| 3441 | 328,467 | 760,800 |

1942 میں جتنے جانور هنگری میں تھے آن سے 1949 میں تعداد کم ھے لیکن اگر رفتاریہی رهی تو 1949 تک جانوروں کی تعداد میں بھاری بوھولی ھو جائے گی .

صدیوں کے بعد منگری کے کسان کا سہنا سے ہوا ہے ۔ وہ پیداوار بڑھانے کے دھن سیں لکا موا ہے ۔ کل تک جو دیھی فریب تیا آج وہاں خوشصالی ہے۔ هنگری اور آیسہ ھی دیھوں کی اور مثالیں یہ سدھ کو دیتی ھیں کہ فریبی تقدیر کے کارن میدں ہے بلکہ مالی ویوستھا کی خرابی کے کارن ھی کوئی فریب ہے اور کوئی امیر آ होटे छोटे ताल्लुकेदारों की पूरी समीन जब्त नहीं की गई जिनके पास 1400 एकड़ समीन थी उन्हें 140 एकड़ समीन पर क्रबचा रखने की इजाचन दी गई गिरजों के पास भी समीन छोड़ दी गई. कुछ गिरजों के क्रबचे में 300 एकड़ समीन रह गई और कुछ के पास 15 एकड़.

इस बंटवारे से यह बात साफ हो जाती है कि सब कोगों की चरूरतों का ध्यान रखा गया है और किसी के साब जियावती नहीं की गई.

कोञापरेटिव

हंगरोमें तीन प्रथा की खेती हो रही है: (1) किसान और इसका परिवार अपनी ज़मीन पर खेती करता है और किसी दूसरे किसान या परिवार को अपने साथ नहीं मिलाता. (2) बहुत से किसान और उनके परिवार मिल कर खेती करते हैं. यह प्रथा की आपरेटिव प्रथा कहलाती है. (3) राज की तरफ से ऊंचे पैमाने पर खेती की जाती है. राज के पास हंगरी की ज़मीन का कुछ 4°1 की सदी हिस्सा है.

कोब्बारेटिव प्रया का चलन यहां अब वद रहा है के फिन अभी तक हंगरी की जमीन के कुल 3.2 की सदी हिस्से पर ही इस तरह की खेती होती है. इस समय यहां क्राभग 510 को आपरेटिव फार्म खुल चुके हैं. तीन ढंग से किसान को आरेटिव फारम बनाते हैं: (1) को आपरेटिव की एक यह प्रथा होती है कि दो या कई किसान अपने अपने बुताई के साधन एक साथ कर लेते हैं. यह लोग मिल कर हर किसान के खेत की जुनाई करते हैं. हमारे यहां की यह पुरानी प्रथा है, इसे हम 'हुंडा'' की प्रथा कहते हैं. जुताई और बुबाई के अलावा एक दूसरे की खेती से किसी दूसरे का कोई लगाव नहीं रहता. (2) दूसरे क्रिस्म की को आप-रेटिब में सिर्फ बुचाई जुताई तक ही सम्बन्ध नहीं रहता बिक किसान मिल कर मढ़ाई भी करते हैं और जिसके बेत में जी जिल्स भी और जितनी भी पैदा होती है वह इसका मालिक होता है. दूसरे कोग कोई हिस्सा नहीं बटाते. (3) तीसरे क़िस्म की कोष्णपरेटिव वह है जिसमें खेत. बीज, खुराई के साधन और मेहनत सब बोती के जहरी कांगों को एक साथ मिला जिया जाता है. सारे किसान मिल कर काम करते हैं. कोब्बापरेटिव को दे देने के बाद खेता व्यक्तिका नहीं रह जाता बल्कि सब सामेतारों का हो काता है. फसल का बंटवारा हो आधार पर होता है: (1) जिस किसान ने कोश्रापरेटिव में जितने एक ए जमीन दी है इस भाषार पर इसका हिस्सा तय होता है. (2) हर क्यक्ति प्रारम पर जिल्ला काम करता है उस बाबार पर भी रक्षको हिस्सा मिसता है

بھورٹے چھوٹے تطلاعداری کی ہوری ومیں شبط نہیں ا کی گئی، جن کے پاس 1-00 ایکو ومیں تمی انہیں 1:00 ایکو زمین تمی گئی ، گرجیں کے پاس بھی زمین جھوڑ دی گئی ، کچھ گرجیں کے پاس بھی زمین جھوڑ دی گئی ، کچھ کرجیں کے قبضے میں 300 ایکو زمین رہ گئی اور کچھ کے پاس 15 لیکو .

اِس بالرازیر سے یہ پات ماف هو جالی ہے کہ سپ ٹرگوں کی فرورتوں کا دھیان رکھا گھا ہے۔ اور کسی کے ساتھ زیادتی نہیں کی گئی ،

كرأبريتهو

هلکری میں تین پرتہا کی کھیکی هو رهی هـ: (1) کسان اور اس کا پرپوار اپنی زمین پر کھیکی کرتا هـ اور کسی دوسرے کسان یا پرپوار کو ایے ساتھ نہمں اللہ (2) پہت ہے کسان اور اُن کے پرپوار مل کر کھیٹی کرتے هیں، یه پرتها کوآپریٹیو پرتها کہلاتی هـ. (3) راج کی طرف سے اُونیچے پھمائے پر کھیٹی کی جاتی هـ. راج کے پاس هلگری کی زمین کا کل 41 فیصدی حصہ هـ.

كوآيريگهو يرتها كا جان يهان أب بوه رها هے ليكن ابھی تک منگائی کی زمین کے کل 3.2 فیصدی حصے پر هي اِس طرح کي کهياڻي هوڻي هي. اِس سَم يهانلگ بهگ 510 نوآبریتیو فارم فیل چکے هیں. تهن دهلک سے كسابي كوآيا يُلهو قارم بغاتے ههن: (1) كوآيا يُلهو كي أيك یہ پرتہا ھرتی ہے کہ دو یا کئی کسان آبے ابے جوتائی کے سادهن ایک ساته کرلیتے همل . یه لوگ مل کو هر کسان کے کہوت کی جوتائی کرتے ہوں، همارے یہاںکی یہ ہرانی يرتها هي ، إسم مم الموسقان كي يرتها كهانم هيس. جونالي أور ہوائی کے علوہ ایک دوسرے کی کھھٹی سے کسی دوسرے کا كرثي لكاو نههن رهنا، (2) درسري قسم كي كوآوريةهو مهن صرف بوائي جونائي تک هي صبحده فههن رهانا بلكه كسان ملكر مواثى يهى كرته هون أور جس كالهمت میں جو جلس یہی آور جتنی یہی پیدا ہوتی ہے وہ أس كا مالك هوتا هي دوسري لوك كوثي حصه نههن بقاتے. (3) تهمرے قسم کی کوآپریقهو وا هے جس سین کھھسے' پھیم' جوتائی کے سادھن اور صحصفت سب کھھٹی کے ضروري انكون كو ايك ساته ما لها جاتا هي . ساري كسان مل کو کام کرتے میں، کوآپریٹیو کو دے دیلے کے بعد کیمت ويكتى كا نهول رد جاتا بلكه سب ساجهدارول كا هو جاتا هے فصل کا پاگرارہ در آدھار پر ھرتا ھے: (1) جس کسان نے کوآپریگیو میں بعدے ایکو ومین دی ہے اُس آدھاو يرأس كا عصه ملي هزنا هي. (2) هر ويكتى قارم ير علقا الم كرنا هي أس أدهار ير يهي أس كو حصه ملكا هي .

The state of the state of

زمین ویکٹی کے آدھار پر بھی بانٹی گئی ہے اور پہوار کے آدھار پر بھی، جو لوگ کسی عالمے میں ایسے بھے رہے وہ کے آدھار کے آدھار کے آدھار کے آدھار کے آدھار کی کئی تعلقی دوسرے عالمین میں زمین دی گئی اور درشمی کی گئی که ان سب کو آیک ساتھ زمین مل جائے لیکن ھر ایک کا یات الگ رکھا گھا .

نہتے کے تیبل سے بٹوارے کے هر پہلو کیجانکاری سلای ہے:

| | مهن کی تعداد | ثام | تيداد |
|-------|----------------|--|-----------|
| أيكو | 1,300,000 | قارموں پرتوکری کرتے والے | "Section" |
| إيكو | 1,820,000 | الهناهير سوانور | |
| أيكو | 1,170,000 | جن کے پاس ہات تھے | |
| ايكبو | 200,000 | <u>چن</u> فسائو <u>ں د</u> پاس کھھت <i>ت</i> ھ | |
| أيكو | 70, 000 | موتور اور يهوياري | |
| | | کھیست پر کام کرنے والے اور | |
| إيكو | 30,000 | جلکل کے مزدور | |
| ايمو | 4,600,000 | پريواروں له | 642,342 |
| إيكو | 25000 | * | _ |
| ليعو | 600,000 | چو ال اهيس. | |
| ايكو | 70,000 | اساليس فازم | |
| ايكو | 2,060,000 | ومغبالا لتلميري باللم | - |
| | | جلتا کے استعمال کے لیے | in spine |
| ايكو | 550,000 | نومرے پات | 1 4 |

78 لاکو 95 هوار ایکو زمین کا بخوارا کها کها جس میں بر آبادی اور جنگلوں کو جووز کر گھیکی والی ژمهی 88 لائو 70 هوار ایکو تھی ۔ آوپر کے تیمل بر یخت جانگا ہے که کھیکی والی زمین کا ایک تہائی حصه آن 6 لاکو 42 هوار تھی سو بھالیس کسان پریواروں میں بانگا کھا جس کے پلس تھے پلس کیھیٹ بالکل نہیں تھے اور اگر کسی کسی کے پلس تھے بھی تو کھول نام مالار کو ۔ اِس طرح ہر خانشان کو لگ بہتی تو کھول نام مالار کو ۔ اِس طرح ہر خانشان کو لگ

दिगरी पास करके इस कमेटी को हिदायत दी गई थी कि पूरी कमीन छोटे छोटे दुकक़ों में बांट दी जाय जमीन पर पहला इक उनका माना गया या जो लोग बढ़े बढ़े तास्लुकों में नौकर के रूप में खेती करते थे. फिर उनका नम्बर था जिन के पास कोई खेत नहीं था. उसके बाद उन किसानों का इक था जिन के पास थोड़ी बहुत कमीन थी. उसके बाद उन कानदानों को जमीन दी गई थी जिनके पास खेत करूर थे लेकिन खानदान बहुत बड़ा था. हर ऐसे सानदान में सब से बड़े खड़के को कमीन दी गई. शर्त यह थी कि उस काइके का हिस्सा अपनी वपौती कमीन मिला कर 5 होस्स से जियादा न हो.

कमीन व्यक्ति के आभार पर भी बांटी गई है और परिवार के आधार पर भी. जो लोग किसी इलाक़े में ऐसे बच रहे जिन्हें ज़मीन नहीं मिल सकी उन्हें दूसरे इलाक़ों में कमीन दी गई और कोशिश की गई कि इन सब को एक साथ कमीन मिल जाय लेकिन हर एक प्लाट का चलग -रखा गया.

नंश्वे के टेबिल से बंडवारे के हर पहलू की जानकारी मिलती है:

| लावृद् | नाम | प्रमान का ताद्द |
|--------------|-------------------|------------------------------|
| 109,875 कार | रों पर नौकरी करने | ने बाले 1,300,000 एकड़ |
| 261,088 खेति | हर मजदूर | 1,820,000 ঘছৰ |
| 213,930 जिन | के पास प्लाट थे | 1,170,000 एকর |
| 32565 जिन | किसानों के पास | स्रेत थे 200,000 एकड़ |
| | र और ज्योपारी | 70,000 एकद |
| 2420 स्रेत | र काम करने वार | ते और |
| जंग ह | के मणदूर | 3 0, 000 एकड् |
| 642,342 परि | गरों ने | 4,600,000 que |
| वर्ष | | 25,000 एक ड् |
| minut. | ~ | 600 000 |

- वर्ष 25,000 एकड़
- वरागाहें 600,000 एकड़
- स्टेट कार्म 70,000 एकड़
- जंगल जिन पर जनता का

- जनता के इस्तेमाल के जिये

दसरे प्लाट 550,000 एकड्

78 बास 95 हजार एकड़ जमीन का बंदबारा किया स्वा जिसमें से आवादी और जंगलों को होड़ कर केती वाखी जमीन 39 बास 70 हजार एकड़ थी. ऊपर के देविस से बता चलता है कि केती वाली जमीन का एक तिहाई हिस्सा बन 6 साम 42 हजार तीन सी बमालीस किसान परिवारों में बांटा गया जिन के पास केत बिस्सुस नहीं से और अगर किसी किसी के पास से भी तो केवस नाम आब को. इस तरह हर खानदान को सगमम साई सात प्रकार चमीन जिसी.

बार की कीने का गई और बान्दोलन की कीनी खक़त से देश दिया गया. बुद्ध किसानों को देश निकाला मिला और बुद्ध की क्रवर में जमीन मिल्रने की बाशा के साथ सुक्का दिया गया.

लेकिन अप किसान जाग गया था और जमीन हासित करने की उसकी प्यास बढ़ गई थी. इसी कारन हंगरी की हर राजकाजी पारटी ने इस मांग को अपने प्रोप्नाम में ह्यामिल कर लिया था कि जातने थोने वालों को जमीन क्या. बहुत से उथल पुथल हुए लेकिन किसानों का यह संपना सच न हो सका.

माच 1919 में कमयुनिस्ट पार्टी ने हंगरी में सोवियत रिपचलिक बनाई लेकिन साढ़े चार महीने के बाद विदेशी फीजों ने चा कर इसका खातमां कर दिया. इस समय बड़ी बड़ी रिचासतों से जमीन छीनी जरूर गई लेकिन किसानों तक वह म पहुँच सकी. जमीन छीन कर उनमें पंचायती खेती करने की कोशिश की गई. इसका नतीजा यह हुआ कि किसान निराध हो गया और उसका साइस क़ायम न रहा. इस सोवियत रिपचलिक के खातमें में यह भी एक बड़ा कारन था. बाद को हंगरी के इनक़िलाबी नेताकों ने इसे माना और दोबारा ताक़त हाथ में आने पर उन्होंने वह सिंहती किर नहीं होने दी.

उम्मीद की पूर्ति

दूसरी जड़ाई में रूस ने हिटलर की कौजों का अपने देश के बाहर भी पीछा किया. 1944-45 में रूसी कौज ने ह्रंगरी से हिटलर की कौजों और उसके सहयोगियों को स्नाम कर दिया और हंगरी बहां की जनता के सुपूर्व कर दिया. ह्रंगरी में जो सरकार बनी वह सब पारिटयों की सरकार थी और कमयुनिस्ट पारटी उनमें से एक थी. इस सरकार ने 15 मार्च सन 1945 को एक डिगरी पास की जिसके अनुसार बड़ी बड़ी रियासर्ते तोड़ दी गई और कमीन किसानों में बांट दी गई.

ज़मीन सुधार कैसे ?

बदी बदी रियासतों से जमीन झीन लेने के बाद यह सवाल खड़ा हुआ कि जमीन का बंटवारा कौन करे. इसका इस वह निकासा गया कि हर इन्तजामी इसाझे की एक कमेटी बनाई गई और उसके सुपूर्व यह काम कर दिया गया. इस कमेटी के मेम्बर सरकार ने मुकर्रर नहीं किये. बन सब की गिनती को गई जो उस इलाक़े में जमीन पाने के हकदार थे. इन सबको इक आ कि जमीन का बरवारा करने के लिये बुनाव कर के यह एक कमेटी बना से. हर बीस वोट पर एक आदमी कमेटी में बुना जाता था. इस तरह से खुद किसानों ने ही जमीन का बटवारा किया हैं। زار کی فهمهن آگگهن آور آندولی کو فوجی طالعت سے دہا دیا کہا رکچھ کسائوں کو دیشی نکاڈ ماڈ اور کچھ کو قہر مہن زمین مللے کی آھا کے ساتھ ساڈ دیا گیا ۔

لیکن آپ کسان جاگ آیا تھا اور زمھن حاصل کرنے کی اس کی پیاس ہوہ گئی تھی ، اسی کاری عقیبی کی ھر راج کاجی یاوٹی نے اِس مانگ کو اُپھ پررگرام میں ھامل کو لیا تھا که جونئے ہوئے والین کو زمین ملے، بہت سے اُتھل ہتیل ہوئے لیکن کسانین کا یہ سیلا سے نعموسکا،

مارچ 1919 میں کمیونسٹ پارٹی نے مفکری میں سوویٹ ریپبلک بقائی لهکن ساویے جار میدنے کے بعد ودیشی فوجوں نے آ کو اِس کا خانمہ کو دیا ، اِس سے بوی بوی بوی ریاستوں سے زمین جھیفئی فوور گئی لیکن کساس تک وہ نہ پہونچ سکی ، زمین جھیفن کو اُن میں پھچاٹئی کھیٹی کرنے کی کوشش کی گئی ، اُس کا نتیجہ پھوا کہ کسان نواص موگیا اور اُس کا ساھس قائم نہ یہ ہوا کہ اِس سوویمٹ ویھیک کے خاتمے میں یہ بھی ایک رھا ، اِس سوویمٹ ویھیک کے خاتمے میں یہ بھی ایک بوا کارن تھا ، بھی کو ھفگری کے اِنقلابی نهتاؤں نے اسے مانا اور دوبارہ طاقمت ھاتے میں آنے پر اُنہوں نے یہ غلطی پھر اُنہیں ہونے دی ہ

اسهد کی <u>دورتی</u>

نوسری لوائی میں روس نے مثلر کی فوجوں کا آپے دیمی کے باہر بھی پہنچھا کیا ۔ 1944-45 میں روسی فوجوں آور اُس کے سپھوٹھوں کو ختم کر دیا اور مفکوی وہاں کی جفتا کے سپود کر دیا۔ کو ختم کر دیا اور مفکوی وہاں کی جفتا کے سپود کر دیا۔ مفکری میں جو سرکار بغی وہ سب پارٹھوں کی سرکار نہی آور کمیونست ہارتی آبی میں سے آیک تھی ، اِس سرکار نے آور کمیونست ہارتی آبی میں سے آیک تھی ، اِس سرکار نے آئوسار یوی ہوی رہاستھی تور دی گئیں اور زمیوں کسانوں میں ہانت دی گئی ،

ومهى سفعار كيسے ؟

ابری بری بہاستوں سے زمون جھون لینے کے بعد یہ سوال کہوا ہوا کہ زمین کا بقوارہ کون کرہے ، اِس کا حل یہ نعلا کیا کہ ہو انتظامی طالعے کی آیک کمیٹی بنائی گئی اُور اُس کے سہود یہ کام کو دیا گیا ، اِس کمیٹی کے ممبو سوکار نے مقرر فیوں گئے ، اُن سب کی گفتی کی گئی جو اُس مقالے میں زمین بانے کے حتی دار تیں اِن سب کو حتی اُسی مقال کر کے یہ لیک تینا کہ رسیں والے کے دیا کہ اُنے جفاؤ کر کے یہ لیک شیمٹی میں میٹی میں وردی پر ایک آدمی کمیٹی میں نمون میں کر دیا ہوا بہاتا تھا ، اُس طرح یہ خود فسانوں نے می زمین میں اسلامی ا

का क्या सहारा हो सकता था जिनके पास अपना कुछ मी न था. इंगरी में कारखाने नहीं ये जिनमें नौकरी लग सकती, सरकार भीर ताल्लुक़ेवारों को इनकी मुसीवत से कोई वास्ता न या. बढ़े बढ़े जमीदार विदेशों को सस्ता राक्ता बेचते थे और रारीव किसानों की जान तोड़ मेहनत के बलबूते पर मौज करते थे. वे खेन वाले किसान बढ़े बढ़े ताल्लुक़ों पर जा कर काम करते थे. अच्छी से अच्छी किन्दगी इन किसानों के लिये जी थी वह यह थी कि सस्ती मजदूरी पर काम करते रहें और बुरी से बुरी फिन्दगी जो इनके लिये थी वह यह कि इनको बिलकुल ही काम न मिले और यह भूकों मरें. यह ताल्लुक़े इनको बराबर काम मुहैया नहीं कर सकते थे. इसी वजह से हंगरी के किसान राजगार की तलाश में इधर उधर भटकते फिरते थे. 1899 से ले कर 1913 तक 14 साल में बारह कास्त्र किसान अपना वतन झोड़ कर पेट भरने की स्रोज में विदेशों को चले गए. ऐसी हालत में उनके कलचरी स्तर का बनेन ही बेकार है. भोंपड़ों में यह लोग रहते थे. इन मोंपड़ों में न खिड़की होती थी और न फर्श ही होता था इन्ही घरावों में बच्चे, बूढ़े, मद्दे, औरत सब गुजारा करने मजबूर थे. जाहिर बात है जिस देश की यह हाजत हो वहां भिकमंगों की गिनती करना नामुमकिन है.

शासक वर्ग के लोग अपना उल्लू सीधा करने के लिये किसानों को अम में डाले रखते थे. अपना मतलब साधने के लिये उन्होंने हर तरह की नफरत फैलाने का साधन अवनाया था. अधी बतन परस्ती जनता की धुट्टी में मां के दूध की तरह उतार दी गई थी. इन्हें बताया गया था कि इंगरी वाले सब से ऊंची जात के हैं और इंगरी के पदीसा रामानिया और सलावाकिया की जनता से उनकी नफरत करना चाहिये. अपने देश के उन लागों से भी नफरत करने का पाठ आम जनता को पदाया गया था जिनकी इंगरी में कम तादाद थी. इंगरी में यहूदियों के खिलाफ अवरदस्त धुना फैशी हुई थी. रारच हर तरह से यह कोशिश की गई थी कि जनता खामखा के मगड़ों में फंसी रहे चीर अपने हित का न देख पाए!

किसान की मांग

Merchan & March & March & Co. 1

हसाम कोशिशों के बाद भी कभी कभी जनता अपने हित को पहचानती थी और वह अपना हक लेने के किये कोशिश करती थी. सोलहवीं सदी में किसानों ने हगरी में बसावत की थी. शासक वर्ग से इनकी मांग था कि जमीन किसानों का मिले. लेकिन वह इनक्रिसाब कामयाब म हो सका पर किसानों को रास्ता जरूर मालूम हा गया. 1848 में भी हंगरी के किसानों ने इनक्रिलाब का मन्डा सुकाब किया. वह कामयाब भी हो गय लेकिन रूस से كا كها سهارا هو سكتا تها جي كر ياس أيقا كچه بهيء تها. هلكوي مهن كارخال نهين تصحن مين نوكوي لك سكتى، سرکار آور تعلقے داروں کو اِن کی میصبت سے کوئی واسته قه تها. بوے بوے زمیلدار ودیشیں کو سنگا فلہ بہنچکے تھے اور فریب کسانوں کی جان ترو محنت کے بل ہوتے پر مہے کرتے تھے ، یہ کہیت والے لسان ہوے ہوے تعاقبن پر چا در کام کرتے تھے . اچھی سے اچھی رندگی ان کسانوں کے لکے ہو تھی وہ یہ نہی نہ سستی مزدو بی پر کام درتے رهوں اور بری سے یسی وندگی جو اِن کے لئے تھی وہ یہ تھی دہ إن كو بالكل هي كام به ماء اور يه بهوكون مريس ، يه تعلقه ان کو برابر کام مهها نهیں در سکتے تھے ، آسی وجه سے ملکری کے نسان روزار کی تعمل میں ادعر اُدعر پہلاکتے پهرلے تھ ، 1899 ہے لے در 1913 تک 14 ساں میں بارہ الله نسان ايدًا وطن چهرو در يهت بهريد كي كهرج سهن وديفين و چل کلي ايسي هالت مون أن كے نلچري اسعر کا ورتی هی پیکار هے ، جهونهورن مهن په الوگ وهاتے تھے ، اِن جھوسپروں میں به دیودی هوتی تھی اور به فرهی هي هونا لها ، انههن گهروندون مهن بند پروي مرد عروب سب گذاراً كرنے پر سمهبور تھے ، ظاعر بات ھے جس ديس کی ہے جانبی ہو وہاں پھکینگوں کی گفتی کونا سامیکان

القاسك ووك كے لوگ أيقا ألو سهدها كرنے كے لئے كسانوں كو بهرم مهں قالے وكهتے تھے ، أيقا مطلب سادهئے كے لئے أنهرن نے هر طرح في بغرت پهيلانے كا سادهن أيقايا تها ، الدهي وطن پرستی جفتا كيكهتی مهن مان كے دوده كي طرح أناو في كئي تهى ، أبهين يقايا كيا تها كه هلكرى والے سب بير أوبجي جات كے هيں أور هلكرى نے پورسی ورمانها أور ساوانها كي جفتا بير أن فو نغرت نونا جامئے ، أني فو بن بير بهي بغرت درنے كا پائي عام جفتا كو پووعايا كيا تها جن في هفكرى مهن فم تعداد تهى ، كو پووعايا كيا تها جن في هفكرى مهن فم تعداد تهى ، هيئن هر طرح بير يه كوشش في أور أيم هت كو ته خوامطواه كے جهكور ميں بهنسی وهر أور أيم هت كو ته ديكھ بائے !

<u>کسان کی مانگ</u>

تمام کوششوں کے بعد بھی کبھی کبھی جفتا آپے معت کو پہلسوانٹی تھی اور وہ اپنا حتی لیڈر کے لیے کوشس کوئی تھی ، سولیوں صدی میں کسانوں نے هلگری میں یہ وحت نے ان کی مانگ تھی که ومیں کسانوں دو مانے ، لیکن وہ انقلاب کامیاب نہ دو سک ہر کسانوں کو راسته ضرور معلوم هوگیا ، 1848 میں بھی هنگری کے کسانوں نے انقلاب کا جھلڈا بھی هو گئے لیکن روس سے بھی هو گئے لیکن روس سے

हंगरी का भूमि सुधार

(गंगा शरन)

हंगरी पूरबी योरप के उन देशों में से एक है जिन्होंने इमारा ध्यान अपनी तरफ खींचा है. इस देश का कुल रक्रवा 36 हजार मुरब्बा मील है और 92 लाख आबादी में से 45 लाख आदमी खेती बारी पर निर्भर करते हैं. योरप का यह देश पिछड़ा हुआ और रारीव माना जाता था. कॅंग्रचे माल और राल्ल के लिये उद्योग वाले देश हमेशा इस पर दांत चढ़ाए रहते थे. इस पर कभी तुरकों ने राज किया और कभी जरमनों ने, कभी यह आस्ट्रिया के अभीन रहा और कभी किसी और शक्ति शाखी राश्ट्र के सामने सर मुकाता रहा. इसके इतिहास में बहुत उथल पुथल हुए हैं पर कुछ चीजें ऐसी रही हैं जिनमें किसी समय भी, किसी के राज में भी कोई तबदीली नहीं आई-रारीबी. वेकारी और गुलामी. दवा हुआ, गुलाम, रारीबी की लानत में डूवा दुवा यह देश कैसे सर उठा सका. कैसे इसमें नई लहर दौद सकी, कैसे इसका नया जन्म हो सका, यह इमारे लिये जानना जरूरी है, नये हंगरी को जन्म देने में यहां के भूमि सुधार का जबरदस्त हाथ है. इस सुधार. की तकसील सममने से पहले जरूरी है कि हम उन समस्याओं को समफ लें जिनका हल जमीन समार ने किया है

जमीन का ना बराबर बटवारा

कुल किसान आबादी में से सिर्फ 16 लाख किसान ऐसे थे जिन के पास खेत के छोटे छाटे दुक हे थे. बहुत से दुक हे तो आधे एक इसे भी कम थे. हंगरी की खेती वाली अमीन के 48 की सदी हिस्से पर 12000 ताल्लुक़ेदार क़बजा जमाय थे. इस जमीन का भी बहुत बड़ा हिस्सा 304 रियासतों के पास था. तीस लाख किसानों के पास एक इंच भी जमीन नहीं थी. यह लांग "30 लाख मिकमंगे" के नाम से याद किये जाते थे. हंगरी गिरजों की जियादती के लिये मशहूर है. इन गिरजों के पास भी जमीन का बहुत बड़ा हिस्सा था.

किसान की हालत

जब इतना ना बराबर बटवारा होता यह बात जाहिर है कि एक बड़े हिस्से को बेरोजगार रहना पड़ेगा, भूकों मरना पड़ेगा और दरबदर की ठोकर खाना पड़ेगी वह किसान भी अपना पेट नहीं भर सकते थे जिनके पास एकाअ एकड़ जमीन थी. फिर उन किसानों की भूक मिटाने

هنگری کا بهومی سدهار

(کنا کری)

ھلگری پارہی یورپ کے اُن دیھیں میں سے ایک ہے جلهوں نے مساوا دهمیان ایلی طرف کهملنچا ہے، اِس دیش لا على رقبه 36 هزار سريع سيل هي اور 92 لاي آيادي مين سے 45 لاکھ آدمی کھھٹی ہاری پر سبھر کرتے ھھی ، بیروپ کا ية ديش پچهوا هوا أور فريب مانا جانا نها . كچے مال اور فلے کے لئے ادیوک والے دیمی همهم اس پر داست جومائے رمتے تھے ، اِس پر کبھی ترکوں نے راج کھا اور کھھی جرملیں نے' کیھی یہ آسٹریا کے ادھ ن رھا اور نبھی کسی اور شکتی شالی راشتر کے سامنے سر جھکانا رہا ، اِس کے إنهاس مهن بيت أنهل يعهل هوئه ههن يو كنچه جهزين ایسی رهی ههں جن مهن کسی سنے بھی' کسی کے راہے میں بھی کوئی تبدیلی بیش آئی۔۔فریدی' بھانی اور فلامي ، دیا هوا؛ قلم؛ فریدي كي لعلمت مهن دویا هوا. یه ديم كيسم سر أنها سكا كيسم إس مين نثى لهر دور سكى الهجم إس كا نها جدم هو سكا يه همارے لگے جابلا ضروری ہے ، نگر ملکری کو جاتم دیاتے میں یہاں کے بھومی سدهار کا زبردست هاته هے، اِس سدعار کی تفصیل سمتجہلے سے پہلے فروری ہے که هم أن سمسهاؤں كو سمجه لين جن كا حل زمهن سدهار له لها هـ :

ومهی کا تابرایر بگواره

کل کسان آبادی میں سے صرف 16 لاکھ کسان آیسے بہت تھے جن کے پاس کھیت ہے چھوڈے چھوڈے ٹھے۔ بہت سے ٹکوے تو آدھ آیکو سے بھی کم تھے ، ھفکری کی کھیٹی والی زمین کے 48 فیصی حصے پر 12000 تعلقہ دار قبقہ جمائے تھے، اِس زمین کا بھی بہت ہوا حصہ ±30 ریاستوں کے پاس آیک آنے بھی زمین ٹیس ٹیس لائھ کسانوں کے پاس آیک آنے بھی زمین ٹیس ٹیس ڈی ڈرچوں کی زیادتی کے لئے سے یاد کئے جائے تھے ، ھفٹری گرچوں کی زیادتی کے لئے مھیور ھے ، اِن گرچوں کے پاس بھی زمین کا بہت ہوا مھیور ھے ، اِن گرچوں کے پاس بھی زمین کا بہت ہوا

كسان كى حالت

جب اندا ماہراہر بالدارہ ہو تو یہ بات ظاہر ہے کہ ایک ہوئی مرنا ہو ہے کہ اور در بدر کی تہوکر کہانی ہوہ گی ، وہ کسان بھی آور در بدر کی تہوکر کہانی ہوہ گی ، وہ کسان بھی ایفا یہت نہیں بہر سکتے تھے جن کے باس ایک آدھ آیکو زمیوں تھی ، بہر اُن کسانوں کی بہوک مگانے

हिन्दुस्तानी शब्दयात का सातवां असूबः हिन्दुस्तानी में बाहरी बफ़ज़ों की निसबत बन्दी

(डाक्टर जाकर इसन)

हिन्दुस्तानी को सब की बोली बनाने और भारत की सब से जियादा आम और बाल माशा बनाने के लिये हिन्दुस्तानी में अरबी, कारसी, संस्कृत, हिन्दी, अंगरेजी और देसी माशाओं के लफ़जों का ऐसा तनासुब (Proportion) होना बाहिये कि हिन्दुस्तानी का मुकाब देसीयत की तरफ हो. बह हिन्दी नुमा उरदू या उरदू का मज़ा रखने वाली हिन्दी हो जिस में योरपी भाशाओं से विद्याई शब्द और देशी माशाओं से अब्बे अब्बे लक्फ बिला किनक लिये जायं.

उरदू ने पिछली दहाइयों में यह भारी रालती की कि नवे सफजों को सिर्फ अरबी और फारसी से लिया, और संस्कृत या हिन्दी की तरफ ध्यान नहीं दिया. इस वजह से हिन्दी लफजों की गिनती उरदू में बराबर कम होती गई और अरबी फारसी का पल्ला मारी होते होते अरदू मुशकिल, अजनवियाना और डराबनी हो गई. उरदू ने अपने और सर चचामों को छोड़ कर सिर्फ एक चशमे से सेराब होना चाहा इसलिये वह बेगाना हो गई क्योंकि बढ़ती हुई गहराई से उरदू में फारसी पन और अरबी पन का रंग पैवा होता गया. फिर क्या ताउजुब है कि आम तौर पर उरदू को मसलमानों की खबान खबाल किया जाने लगा.

बगर हिन्दी प्रेमी और हिन्दुस्तानी के पन्न पाती उरदू की ग़लती से फायदा उठाना चाहते हैं तो उनके लिये बास कर हिन्दुस्तानी वालों के लिये यह जरूरी है कि वह हिन्दुस्तानी के तीनों सर चशमों से सेराब होते रहें और वह भी इस तरह कि हिन्दुस्तानी की आम फहमी क्रायम रहे और वह विशाई, दफतरी, सरकारी, समाजी, ज्योपारी गर्ज सब प्रकार की जरूरतों की पूरा कर सके जिसके लिये फिर वही बसूल इस्तियार करना पड़ता है कि हिन्दुस्तानी में सब फ़िरम के लक्ष्य हों और वह भी इस खास निम्बत से कि उमकी सही हालत और कैफियत पर बसर न पढ़े.

हिन्दुस्तानी मिलवां भाशा है. बहुत जियादा तादाद में इसके जफ्ज हिन्दी और संस्कृत से आए हैं. पिछ्छमी पशिया की भाशाओं के लफ्जभी काफी तादाद में हैं. योरपी भाशाओं के सैकहों लक्ष्ण हिन्दुस्तानी में था चुके हैं. देसी भाशाओं से हिन्दुस्तानी बहुत से लक्ष्ण ले चुकी और ले सकती है. खगर हम आइन्दा यही कोशिश करें कि नये नये शब्द जियादा तर हिन्दी और संस्कृत से लें. इसके बाद देसी भाशाओं, योरपी भाशाओं और पिछ्ममी एशियाई भाशाओं से तो हिन्दुस्तानों का मिलवां पन बाकी रहेगा.

हिन्दुस्तानी की सब से बड़ी विशेशता में उसका हर दिला प्रेम और आम समम पन हैं. इनको क्रायम रखने के लिये यह ज़करी है कि तमाम सर अशमों के लक्ष्य खास निसंबंद से लिये आयं ताकि हिन्दी या उरद् के बरक्षिताक क्षिन्दुस्तानी बोसल, विदंगम और मधानक न हो जाय.

هندستانی هبدیات کا ساتوان اسول: هندستانی میں باهری لفزون کی نسبت بندی

(ڈانڈر جائر هسن)

آردو نے پچھٹی دیہائیوں میں یہ بہاری فلتی کی کے نگے افزوں کو سرف اربی اور فارسی سے لیا اور سٹسکرت یا مقدی کی ترف دھیاں بہیں دیا. اِس وجه سے هلدی لغورں کی گفتی آردو میں برابو کم هوتی گئی آرد آرای قارسی کا پھ بہاری هوتے هوتے آردو مشکل' اجتبیات اور قراونی هوگئی ، آردو نے آبے اور سرچشموں کو چھوڑ کو سرف ایک چھمہ سے سیراب مولا جاھا اس لئے وہ بہان موقی کیورائی ہے آردو میں فارسی فی اور آردو میں فارسی فی اور آردو کو مسلمانوں کی زبان خیال کیا جائے لگا . اگر قبو ہو آردو کو مسلمانوں کی زبان خیال کیا جائے لگا . اگر شام سے فائدہ آنیانا حاصلہ میں تہ آرد کا گیا ہے۔

کی علملی سے فائدہ آلیانا جامعہ میں تو اُن کے لئے خاص کو ملاستانی وائوں کے لئے یہ زروری ہے کہ هلدستانی وائوں سے لئے یہ زروری ہے کہ هلدستانی وائوں سے تھلوں اور وہ یہی اِس طرح کے ملاستانی کی آم فیمی قایم رہے اور وہ ودیائی مفتوں سرکاری ساجی' بھرباری فرز سب پرکار کی زرورٹوں کو پورا کو سکے جس کے لئے پھر وھی اسول اختمار کرنا پول ہے کہ هلدستانی میں سب قسم کے لغز ھوں اور کہ بھی اس خاص تعیدی ہے کہ اُر نہ پرے۔ کو فیفیدی پر اگر نہ پرے۔

هندستائی مآوآن بهاشا هے . بہت ریادا تیداد میں اس کے لئو هائی اور ساسکرت سے آئے هیں ، پجیسی ایشاوں کے لئو بھی کائی تیداد میں هیں ، پورپی بهاشاوں کے سهکروں لئو هادستانی میں آ بہتے هیں ، دیسی بهاشاوں سے هادستانی بیست سے لئو لے جبکی اور لے سکتی ہے ، اگر هم آئادت یہی کوشش کریں کہ نئے شہد زیادا تر هائدی اور ساسکرت سے نیں اس کے بعد دیسی بهاشاوں 'پروپی بهاشاوں اور پجیسی ایشیائی بہاشاوں سے تو هادستانی کا مارال پی بالی رہے گا ،

هندستانی کی سب سے بڑی وشیشتا میں اس کا هر عل برمم آور آم سنجه بن همں . اِن کو قایم رکھتے کے لگے یه زوروں مے که تمام سر چشموں کے لقر حاس نسیس سے لگے جابی تاله هندی یا آردو کے بر خاف هندستانی یوجهل ک بہنگم آور بیهانک نه هوجانے .

58 m

जिसे चाप गाय सममते ये दुक्टे तक करवा दिये. जाप की इस साथी अक्ति की से कर हमारे किसासकर, उपसभा-पति राषा कुरणनन जी 16 बापैन को अपने महस्र से कई मील चल कर नई दिल्ली के स्टेशन आए और सिर्फ इससिये कि उनकी नई दिल्ली से रेल में बैठ कर रेख की तुमाइश देखने जाना था. यह तुमाइश नह दिल्ली से खाखों ही इंच तो दूर है. सरकार को चाहिये तो यह था कि वह कर्में पालम के इवाई महुडे ले जा कर इवाई जहाज से नुमाइश भेजे पर शायद इसलिये उन्हें रेख की तकलीफ अरदाशत करने के लिये मजबूर किया गया कि तुमाइश रेख की थी. खोग घगर फिलासकर साहब पर उंगिखवां डठावें तो यह धनकी ऐसी ही वेबक्की होगी जैसे कोई उस दृष्टे पर जंगली उठाए जो जनवासे से ससुराल तक भादी पर चढ़ कर जाय. इसमें बसका क्या क्रस्र! समाअ जाने, उसका बाप जाने ! ठीक इसी तरह इसमें किसासफर साहब का क्या क्रस्र, वह तो हिन्दुस्तानी जमहरियत के बानी भारत प्रजा सता राज के दृल्हे न सही शहबाता तो हैं ही. दूख्हें की तबियत खराब होने .पर, कही कही रिवाज है, दृश्हें के भाई से काम ले किया काता है.

बापू, अभी आप इस पर टीका न की जिये यह तो इसके प्रका सत्ता राज नामं। नदी का एक किनारा दिखाया. इसी के मिसता जुसता दूसरा किनारा है संत विनोवा, जो इकारों मीस दूर जायं तो पैदल ही जायं. आपने डांडी माच पैदल किया था तो राऊंड टेबिल में शामिल होने के लिये शिमसा से आप के लिये स्पेशल सूटी थी और ककाई में जहाज उका रहा था!

इस और इसारी सरकार आपके किसी भी रूप को कभी नहीं मुलाते, अपने दंग से सब रूप उसे याद हैं. किस पाठ का कहां उपयोग करना चाहिये यह तो वह अपनी समफ से ही उपयोग करेगी, क्योंकि आप तक न तार का सिलसिला है, न टेलीफोन का, न वायरलैस का, रेडियो तक आप तक पहुँचने में दार मान बैठा है. पर बापू इसारी सब बात आप सुन जेते हैं और जभी आप सुसकदा रहे हैं.

—भगवानदीन

جسراب النے سمجھتے تھے تکوے تک فروا دیکے۔ آپ کے اِس ساتھی بھکھی کو لے کر همارے فلسنر' آپ سبھا یکی رادها كرهند جي 16 ايريل كو ايم مصل سه كأر مهال جلكر نثى دلى كے إسليمين آئے اور مرف إس لكر كه كه أن كو نکی دلی سے زیل میں بیکھیر زیل کی نمالص دیکھیے حالاً لها أ يه تعالس نكى دلى سے الكيس هي إنه دور هـ . سرکار کو جاملے تو یہ تھا کہ وہ اُنھیں ہالم کے هوائی اُنے لے جا کر عوالی جہاز سے تعالص بہیتے پر شالد اِس لیک أنههن ريل كى تكليف برداشت كرل كے لئے مجمور كها گها که نمالم ویل کی تهی ، لوگ اگر فلاسفر صاحب پر أنْعَلِهَانِ أَتَّهَانُهِن تو يَهُ أَن كَي أَيْسَى هَي يَهُوقُوفَي هُوكُي جیسے کوئی اس دولہے ہر انگلی اُٹھائے جو جدوانے سے سسوال تک گهروی هر چوهکر جائے . اِس مهن اُس کا لها قصور ! سمام جالے اس کا باپ جانے ! تبیک اِسی طبح اِس میں فلسفو صاحب کا کہا قصور کو تو مقدستانی جمہوریت کے یعلی بھارت پرجاسکا رائے کے دولها ته سھی شبعوالا تو هين هي، دولهے کي طبعيت خراب هونے پو' کهوں کهوں روایج ہے ولید کے بھائی سے کام لے لھا جاتا ہے .

پاپو' ابھی آپ اِس پر ٹیکا نہ کھجگے۔ یہ تو ہمنے پرچا سٹا واج ناسی ندبی کا ایک کفاوا دکھایا ، اِسی سے ملکا جلتا دوسرا کفاوا ہے سفت ونوبا' جو ہؤاروں سیل دور جائیں تو پیدل ھی جائیں ، آبے دانگی مارچ پیدل کھا تھا تو راونڈٹیبل میں شامل ہونے کے لئے شملہ سے آپ کے لئے شملہ سے آپ کے لئے اسیبھل جھوٹی تھی اور بمبئی میں جہاز رکا رہا تھا ،

ھم اور ھماری سرکار آپ کے کسی بھی روپ کو کبھی نہھں بھٹے' آپ دعلگ سے سب روپ آسے یاد ھھں ۔ کس پالٹھ کا کہاں آپہوگ کرنا چاھئے یہ تو وہ آپنی سمعت سے ھی آبھوگ کرنے گی' کھونکہ آپ شک نہ تار کا سلسلہ ھ' نہ ٹیلیفوں کا' نہ واگرلیس کا' ریقیو تکآپ تک یہونچنے میں ھار مان بھٹھا ھے ۔ یر بایو ھماری سب بات آپ سن لیتے ھیں اور جبھی آپ مسکرا رہے ھیں ،

-پهکوانسی

इन्त जाम भी कर रखा था जिमसे लोगों के पांच पड़ कर बह जल अपित्र न होने पाय. पर वह दो तान गज चौड़ा पुल लाखों आदमियों को कैसे गुजारता इसलिये जगह जगह से लोग उसे पैरों पैरों पार कर रहे थे, इस यह देखकर मन मसांस कर रह जाते थे. हमारे साथियों ने कई बार ऐसे अभक्तों पर फिक्करे भी कसे, कि देखी, यह जमना माई के पित्र जल को अपने पैरों से गंदा कर रहे हैं.

धक्के मुक्के खा कर भीड़ को पार करते हुए हम रेत के मैदान में आप. जमना माई की बहती हुई घार यहां से करलांग भर दूर थी. वहां भी अनिगनत लोग घार के किनारे किनारे दूर तक खड़े दिखाई दिये. हम भी भिक्त से वहां पहुंचे, हमारे साथी बहती हुई घार को देख कर फिसके और वह इसलिये कि जमना जन ने, जन न रह कर, अघ ओटे दूघ की तरह गादा रूप ले लिया था हो सकता है यह जमना माई के अपने भक्तों के लिये उमड़े हुए हेत बानी मोहब्बत की वजह से हो. हम तो यही सममे. और बापू, हम बिना सोचे सममे भिक्त में इचकर जमना माई के जल में चल ही पड़े. थोड़ी दूर चलकर जब जन घुटनो से उपर आया और कुद्सिया घाट जैसी गंध भी नथनों में पड़ंची तो फिर हिम्मत न हुई कि ऐसे निर्मल जल को नापाक करें. बस हम लौट आए और हमारे सब साथियों ने, मुंह से एक शुट़द निकाले बिना, हमारा साथ दिया.

बापू, यह सब तो हुआ, पर स्वराज का इमसे भी बढ़ कर तमाशा देखने को मिला. छोटे बढ़े, मद धौरत, सममत्वार नासमम, सबके सब आजाद पाप, जहां तहां पेशाब कर के, चाहे जहां टट्टी कर के सब के सब पूरी तरह आजाबी का आनन्द ले रहे थे. सबसे बढ़ कर बात जो कुछ सममत्वारों से सुनने को मिलो, बापू, वह यह है, वह कह रहे थे, "यह सब कम्यूनिक्म के लिये फिनायल है और हिल्ली की सरकार ने इसकी छिड़कने के लिये खास तौर से इन्तजाम किया है."

बस बापू, आपकी आंतों वाली फिनायल की बात की विश्ली सरकार ने खूब अच्छी तरह समम लिया है, और यह सुनकर आप को कितनी खुशी हुई होगी कि वह उस जानकारी का कितना अच्छा उपयोग कर रही है...... बापू, दिल्ली सरकार कभी भी ऐसे मौक्रों पर आपको नहीं स्वती!

और सुनिये, आप कांगरेस के प्रेसीडेन्ट रहे तो, बढ़े बढ़े आन्दोलमों के डिक्टेटर रहे तो, हमेशा अपने साथियों की बात ज्यान से सुनते रहे, और वही करते रहे जो आपके साथियों ने बाहा. साथियों की खातिर आप ने भारत के اِنتظام بھی کو وکھا تھا، جسسے لوگوں کے باؤں ہو کر وہ جل اُورٹر نے ہوئے ہائے ، ہو وہ دو تھی کو جوڑا پل گلہیں آدموں کو کھیسے گذارتا ، اِس لگے جگھ جگھ سے لوگ آسے بھووں بھووں بار کر وہ مسوس کو رہ جاتے تھے، ہم یہ دیکھ کو می مسوس کو رہ جاتے تھے، ہمارے ساتھیوں نے کئی بار ایسے اُبھکتوں ہو فقرے بھی کسے' کہ دیکھو' یہ جملا مائی کے پوتر جل کو فقرے بھی کسے' کہ دیکھو' یہ جملا مائی کے پوتر جل کو فیموں سے گلدا کو رہے ہیں ،

دهکے مکے کہا کر پہھو کو پار کرتے ہوئے ہم ریت کے مهدان سہن آئے ، جسلا مائی کی بہتی ہوگی دھار یہاں سے فرائنگ بھر دور تھی ، وہاں بھی انکلت لوگ دھار کے کفارے کفارے کفارے دور تک کھڑے دکھائی دئور، ہم بھی بھکتی سے وہاں پہنی ہوگی دھار کو دیکھ کو جھتچھکے اور وہ اِس لئے کہ جملا جل نے جل نه رہ کر ادھ اُرجے دورہ کی طرح گاڑھا روپ لے لیا تھا، ہوسکتا ہے یہ جسلا مائی کے اپنے بھکتوں نے لئے اُمڑے ہوئے ہیم یعنی مصحب کی وجہ سے ہو ، ہم تو بیہی سمنچھ ، اور بایوا ہم بلنا سوچے سمنچھ بھکتی میں قرب کر جملا مائی کے جل کی وجہ ہمی پڑے، تہوڑی دور چل کو جب جل گھٹٹوں سے اور آیا اور قدسیہ گھات جھسی گددھ بھی تتجلل گھٹٹوں سے اور آیا اور قدسیہ گھات جھسی گددھ بھی تتجلی ممورے بیا اور ہمارے سبالہوں نے ملے گھٹوں ساتھوں نے ملے کورن، بس ہم لوت آئے اور ہمارے سبالہوں نے ملے ساتھوں نے ملے سے ایک شہد نکانے بقا ہور ہمارے سباتھوں نے ملے سے ایک شہد نکانے بقا ہورا ساتھ دیا،

بابوا یمسبنو هواا پر سورای کا راس سیهی بوهکر تماشه هیکه یکی کو ملا ، جهواتی بوت مرد هورت سمجهدار باسبجه سبب نے سب آزاد پائے جہاں تهاں پهشاب کر کے جاتے جہاں تھاں پهشاب کر کے جاتے بهاں تھی کر کے سب نے سب پوری طرح آزادی کا آنفد شہا تھی در کے سب نے بوهکر بات جو کچھ سمجهداروں سائے کو ملی بابوا وہ یہ ہے تا یہ سب کمهونزم کے لگے شائل ہے اور دلی کیسرکار نے اس کو جهوکئے کے لگے خاص طور سے اِنتظام کہا ہے ۔"

ہس باہو' آپ کی انتوں والی فقائل کی ہات کو دلی سرکار نے حوب اجھی طرح سنجھ لھا ھے' اور یہ سن کو آپ کو کھٹی خوشیھوئی ہوئی کہ وا اس جانکاری کا کٹفا اجھا اُمھیا کو وہی ہے۔۔۔۔۔ہاہو' دلی سرکار کبھی بھی ایسے موقعوں پر آپ نو نہیں بھرلتی ا

اور سلکے' آپ کانگریس کے پرسیقیلس رہے تو' ہوے موے اور سلمین کی موسد اندوللوں نے ڈائیٹر رہے تو' ھمھھد انتے ساتھیں کی یات دھیاں ہے جو آپ کے ساتھیں کی خاطر آپ نے بھارت کے ساتھیں کی خاطر آپ نے بھارت کے

ا ما المحيين المحيد المحيد

अगर हम भूलते नहीं हैं तो बापू, आप लहसन प्याज के बहुत शौकीन थे लहुसन तो आप कुच्ची बेनमक पिसवाकर साथा करते थे और इतना खाते थे कि बाप के पसीने से सहस्रन की वृषाने स्तरी थी. जो बहुने आपकी सेवा में ूरहती थीं वह उस गंघ से घबरा उठीं थीं जो धापने तन से किछतती थी. पर, वह सब थीं भक्त, उस गंध को सहन करती थीं. और इस रूयाल से कि कहीं उनकी भक्ती की बड़ा म खग जाय वह अपनी नाक तक बंद न करती थीं. यह तो पता नहीं कि आपने उन भक्तों का ख्याल कर के लहसन बोड़ा या नहीं, पर यह जरूर याद है कि एक बार सहसन की तारीफ़ में आपने यह कहा था कि यह आंतों की किनाइल है, किनाइल ! इस से सैकड़ों बीमारी के जर्म्स दर भागते हैं. बापू, ठीक इसी तरह का एक तमाशा हमें वैशाखी के दिन दिल्ली में जमना के किनारे देखने को मिला हम **बात वर्षों समेत चार बजे उठकर, जमना स्नान की भक्ति** में इबे इए जमना की ओर चल दिये. उस अक्ति में हमें क्स तकलीफ का कोई ध्यान ही न हो पाया जो हमें भीड़ में कतने से हुई. सिक्स जवान तहकों की उन समाज सेकाओं की तरफ जरा भी ध्यान न गया जो वह अपने बाथियों को धका दे कर सामने से भाती जवान लडकियों पर गिरा कर कर रहे थे. हम इन सब ब्रह्मनों को पार करते हुए अपीं त्यों कर कुद्सिया घाट पहुँचे. वहां पहुँचते ही बदच् का एक मोंका आया, हमारे साथियों ने नाकें बंद करना ग्ररू की, हमारा हाथ नाक तक पहुँचे पहुँचे कि हम जमना माई की सामने की सीकियों पर जा पहुँचे. पता लगा यह बद्द जमना माई की है और दुर्गंध नाम से नहीं पुकारी जा सकती क्यों कि वह तो जमना माई के जल से आ रही भी जो इक गया था और जो शायद टखनों टखनों भी न था. जब फिलाइस की बू को बदबू नहीं कहा जाता और जब आप सहसन की बू को बदबू नहीं कहते थे, तब हम उसको कैसे दुगेंध कहते. जमना माई के जल का बदबूदार कहना अपने को अभक्त साबित करना था. बस बापू इमने हिस्सत करके नाक नहीं बंद की, नहीं बंद की ! अपने सावियों की नाक बंद करने के लिये फटकारा कुछ पर असर हुआ कुछ पर नहीं. अमना जी के जैसे पवित्र जल का अपमान करके गंदे जला में तबदील करने की बात भी हम न सोच सके. फिर इसमें पांव हात उसे व्यवित्र करने का पाप तो इस कर ही कैसे सकते थे. दिल्ली सरकार गा विश्वी सरकार की मातक्त विल्ली न्युनिस्पिखटी ने बहुत सीच समस कर वासिशत हेड वासिशत अंचे वक प्रक्ष का

اگر هم پهولايے نهيں هيں تو بايو آپ ليسن پهار کے بهمت شوقهن تهم، لهسن تو آپ کچی پرنمک پسوآ کو کهایا کرتے تھے اور اِنقا کہاتے تھے کہ آپ کے بصیفے سے لوسنی کی ہو آنے لکی لہی۔ جو بہلیں آپ کی سیوا میں رعلی تھھں وہ اُس کلدہ سے کھیرا اُٹھے تھیں جو آپ کے تن سے نعلعی تھی ، پر' وہ سب تیس بھکت' اُس کندہ کو سهن كرتى تهين أور إس خيال، كه كهين أن كي بهكتي كو يقا نه لگ جائے وہ اپنى باك تك يند نه فرتي تهيں. یه تو پعه نهیں که آپ نے ان بهکعوں کا خیال کرکے لهسن چهورا آیا تهیں' پر یه ضروریاه هے که ایک بار لیسن کی تعریف مهی آپ نے بعد دیا تھا کہ یہ آنٹوں کا ففائل ہے فقائل ! اِس سے سهکوں بھماری کے جرمس دور بہالتے میں ، باہو تبیک اِسی طرح کا ایک تماشه ھمیں بیساکھی کے دن دلی میں جملا کے گذارے دیکھلے كوملاً، هم بال بحور سيهت جار بحي أته كرا جملا إسفان كي بهكتي مين دوي هوئے جمعًا كي اور جل دئے. أس يَهُكُمُ مِن هَمِينَ أَسِ الْكَلَيْفِ كَا كُوتُي دَهِيانَ هِي نہ ہو پایا جو ہمیں بھیو میں چلنے سے ہوئی۔ سکو جوان لوكون كي أن سمام سهواؤن كي طرف دورا يهي دههان نه کیا جو وہ آئے ساتھیوں کو دھکا دے کر سامنے سے آئی جوان لوکهوں پر گرا کر رہے تھے۔ هم اِن سب اُنچقوں کو یار نوتے هوئے جیوں تهوں کو قدسه گهات پهوستے ، وعال یہونعوتے هی بدیو کا ایک جهورکا آیا کمارے سانههوں ہے ناكين بقد قربا شروم كين عبارا هاتم ناك تك پيرنجي يهونجه كه هم جمعًا مائي كي ساملي كي سيوهيون ير جا يهرنجي . يتم لكا يه بديو جمعًا مائي كي هـ أور دركنده نام سے نہیں یکاری جاسکتی کیونکہ وہ تو جمعًا مائی کے جل سے آ رهی تھی جو رک کیا تھا اور جو شائد تضنوں تشلون بهی نه تها . جب فنائل کی بو کو بدیو بهین کہا جاتا اور جب آپ لہسن کی ہو کو ہدیو نہیں کیتے تھے کب ہم اُس کو کیسے درگلدہ کیتے ، جملا مائی کے جل کو بدبردار کینا ایے کو ابھکت ثابت کرنا تھا ، بس باہو هم نے هست کرکے ثاک نبین بقد کی' نہیںبقدکی! امے ساتھیں کو ناک بند کرنے کے لئے پہٹکارا ، کچھ پر آثر هوا کچه پر نهیں ، جملا جی کے جهسے پوتر جل کا ایمان کرکے گفدے جل میں تبدیل کرنے کی بات بھی هم نه سیے سکے پہر اُس میں یاوں ڈال اُسے اپوتر کرنے کا ھاپ کو هم کو هي کهسے سکتے تھے ، دلي سرکار يا فلی سرکار کی مالصف دلی مهرنسهلگی نے بیمک سوے سنجه كر بالهب قيرد بالهب أرنج أيك بل كا

A MARINE THE STATE OF THE STATE

को चलौकिक शक्तियों के फेर में नहीं पड़ना चाहिये, वे शक्तियां आदमी को रास्ते से भटका देती हैं. उसे चाहिये कि सब प्राणियों के अन्दर उसी एक ईश्वर को देखने की कोशिश में लगा रहे, यह सब अलौकिक शक्तियां नए नए डंग का चहंकार पैदा करके आदमी को फंसाए रखती हैं, इसलिये चाहिये कि वह सब के अन्दर के भगवान को देखने की कोशिश में लगा रहे, यही अमर जीवन हासिल करने का रास्ता है.

बिना इस परोपकार भाव श्रीर इस त्याग भाव के भी आदमी बड़ी बड़ी शक्तयां हासिल कर सकता है और बाहर की प्रकृति पर क़ाबू पा सकता है. पच्छिम के साइन्स वालों ने ऐसा किया भी है. लेकिन इससे आत्मा की शांति नहीं मिलती. अपने अपने दिलों के खोज करने पर सब को अपने अन्दर अशांति और असतांश ही दिखाई देता है, इस असतांश में भी एक तरह का सुख है, नशा है, तेजी है, टीप टाप है, तड़क भड़क है, गैस विजली और महल हैं, युद्ध के मैदान और लाखों और कराड़ों की तड़प तइप कर मीत है. जिन लोगों की आत्माएं अभी इसी दरजे तक पहुंची है, भौर जो इस बुखार में मुक्तला हैं उन पर इन उपदेशों' का कोई असर नहीं हो सकता. उन्हें उस समय तक उन्हों के रास्ते पर चलने देना चाहिये जब तक कि उनके अन्दर से आवाज न आवे, और कड़वे तजरबे के बाद वह इस अधोमार्ग यानी क्रौसे नज्जल से मुद्द कर उर्ध्व मार्ग यानी क्रौसे उक्तज पर न चलने लगे उद्धर्य मार्ग यानी ऊपर की चढ़ाई में भी बड़े बड़े तजर वे होते हैं, बड़ी बड़ी शक्तियां खुलती हैं. बाहर की प्रकृति यानी सुदरत के ऊपर भी और अपनी श्रात्मा के उत्पर भी वो वो शक्तियां खुनती हैं जो उतार के गस्ते की शक्यों से कही बढ़ कर होती हैं. करक केवल यह होता है कि साइन्स फिर आत्मा की दामी बन कर काम करती है, मनुश्य उन शक्तियों का उपयोग दूसरों के यानी सब के भले के लिये करता है श्रीर पग पग पर यह देखता परखता रहता है कि कहीं अपने मूटे स्वार्थ या खुदी के असर में आकर वह उन शक्तियों का रालत इस्तेमाल तो नहीं कर रहा है. इस मार्ग पर हर श्रादमी अपने तन मन धन और अपनी सारी शक्तियों को सब की असानत सममाता है. यही इन्सानी तरककी यानी मानव इन्मति की बसली राह है. यह इस लोक और परस्रोक कों की भवाई, खुराहाली चौर बढ़ौती की राह है.

کو *الیکٹ شکتھیں* کے یہیر میں نہیں ہونا جاھائے⁾ یه فکتهان آدمی کو راستی سے بہتک دیتی میں . أس بهاملے که سب برانهیں کے اندر أسی ایک ایشور کو دیکھتے عى كوشف مين لكا رهي يه سب الرئك شكتيان مل ملك تعلق المدار بهدا درك آدمي كو بهلسائيركهاي هيل إس للے جاہئے که وہ سب نے اندر نے بهکران کو دیکھلے کی كيفهى مين لكا وفي يهي امر جهون حاصل دين كا واستعهد یقا اِس پروپکار بھاؤ اور اِس تھاک بھاؤ نے بھی آدمی ہوی ہوں هکتهاں حاصل فرستا ہے اور باهر فی پرکرتی یر قابر ماسکتا ہے۔ بعدم نے سائنس والوں نے ایسا کہا بھی ہے ، لیکی اس سے آنما کی شانکی بہیں ملکی ، أنه اله هلیں کی کہوے کرلے ہے۔ سب دو آئے آندر آشانعی اور استعرض می دنیائی دیتا ہے ۔ اس استعرض میں ہمی الکیا طوم کا سکو ہے ' اقعاد ہے' توری ہے' لیپ ٹاپ ہے' ٹوک پہوک ہے، گیس بحلی اور معمل میں یدھ کے مهدان اور قائهوں اور کروروں کی تروب توپ کر سرت ہے، جن فرگوں کی آسائیں ابھی اِسی درجے نک پیونچی هیں اور جو إس بنظار مهن مبتلا مهن أن ير إن 'أبديد،ن' كا کوئی افرنہیں مو ساتا ، اُنہوں اُس سے تک اُنہوں کے واسعی پر چلنے دینا جامئے جب بک که أن نے اندر سے آواو بھ آوے اور دووے نتم ہے نے بعد وہ اِس ادھومارگ یعلی قیس نوول ہے سو در آودھروسارگ یعلی قوس مروج يو نه جلله نكهن . أودهرومارك يعلى أويو كي جوهائي میں بھی ہونے ہونے تجانے ہوتے میں' ہونی ہونی شکتھاں کھلتے میں باہر کی پردرتی بعدی قد رسانے اُوپر بھی اور ایلی آنما نے اُوپر بھی را ود شکتھاں کملتی میں جو الار کے واستے کی شکتیوں سے کہیں ہوھ کو ھوتی ھیں ۔ فرق فهول به هونا هے که سائنس بهر آنما کی داسی برزکر کام کرتی ہے اسلوشید أن شكھيوں كا أيهوگ دوسيوں كے یعلی سب کے بہلے کے نثر درتا ہے اور پک یک یہ یہ ديكهكا يرديكا رهكا ه ده كههراني حدوثه سرأرته يا خودي ك الرامين أدروه أن شكتيون كا فنط إستعمال تو نهين كو وها هي . إس مارك ير عر آدمي الهي تن من دعن اور ایشی سازی شکدیوں دو سب دی امانت سنجهدا ہے . یہی اِقسانی کرقی یعلی مانو اُنٹی کی املی راہ ہے ۔ یہ اس لوک اور پرلوک دونوں کی بھائی خوشصالی اور پوهوتي کي راد ھے ۔

the contract of the contract o

(रिजिस्ट नाट इंदिता), और मन. वचन, और कर्म तीनों को पाक रखा. ईमा ने कहा है कि अमर जीवन हासिल करने के जिए यानी का मल वनने के जिए सब पुराने राह विकास वाले यही उपदेश देते रहे हैं.

मोहम्मद साहब ने भी इस तरह के खितयों के लिये 'कुक' और 'सुक्त' यानी अपरिप्रद और सताश का उपदेश दिया है. एक मशहूर हदीस है :—

अल कुक़ो कखरी.

यानी मुक्ते अपनी फक्रीरी का अभिमान है.

वैदिक धर्म में सन्यासियों के लिए हुकुम है कि वह हपये पैसे या धन को हाथ न लगावें.

इजरत ईसा ने अपने चेलों को हुक्स दिया था कि वे "अपने थेलों में सोना, चांदी, या पीतल न रखें." लिखा है कि 'ईसा के पास कोई चीज या कोई जगह ऐसी नहीं थी जहां सिर धर कर लेट सके"

सेंट पीटर को जब कि भी ने ईसाई धर्म के प्रचार के जिए धन देना चाहा तो उन्होंने यह कह कर लेने से इनकार कर दिया—"तेरा धन तेरे साथ ही नष्ट हो. क्योंकि तू समम्बता है कि ईरवर का वरदान धन से खरीदा जा सकता है.?" (वाइवल).

यह सब रास्ता अपनी खुरी को मिटाने और सबके अन्दर रमें हुए खुरा को पहचानने का रास्ता है.

इस रास्ते में एक बड़ा इर यह है कि बीच में आदमी को आनोखी ताक़तें, करामात और ऋदि मिदि लुमाने जाती हैं और बहुत से लोग उन्हों में फंस कर रह जात हैं. इसके लिये एक सूफी ने लिखा है:—

> द्रां मंजिल बुद्धद करको करामात, वले बायद गुजरतन जां मुकामात द्यार दुनिया व उक्तवा पेश आयद, नजर करदन दरां हरशिज न शायद धार गरदो तू दरे तौहीद कानी ध इक याबी बक्ताये जिन्दगानी

इस रास्ते में करक और करामात यानी ऋदि सिद्धि मिलती हैं, लेकिन आदमी को चाहिये कि उनका झोड़ कर आतो बढ़ जाय. अगर लोक और परलोक दोनों उसके स्वामने आ जावें तब भी उसे चाहिये कि उनकी तरफ आंख उठा कर भी न देखे. अगर तू तौहीद यानी एक हैरबर के अन्दर अपने को मिटा दे तो इक (अल्लाह) के अन्दर हमेशा के लिये अमर हो जाय.

योगसूत्र में. शंकराचार्य के शारीरिक मार्य में, और भागवत तीनों में जगह जगह साफ साफ लिसा है कि बोगी (رؤست نات ایول) اور من بیچن اور کوم تهقوں کو یک روکوم تهقوں کو یک روکوہ دیائے کے ایک رکھوں حاصل کوئے کے لگے یعلی کامل بللے کے لگے سب پوائے والا دامائے والے یہی اُیدیش دیائے وہے میں .

معصد ماحب نے بھی اِس طرح کے کھوجھوں کے لگے ا افقرہ اور اسکت یعلی اپنی کوہ اور سلموہی کا اُپدیش دیا ہے، ایک مشہور حدیث ہے :---

ال فقرر فنغري

يعلى مجه أيلي فقيرى كا أبههمان هي .

ویدک دهرم میں سلیاسیوں کے لئے حکم ہے دم وہ رویٹے پہسے یا دهن دو هاتھ نه اکاریس .

حضرت میسی ہے آپنی چینروں کو حکم دیا تھا کہ وہ ''آپنی تھیلوں میںسوا' چاندی' یا ہیتل نہ رنھیں'' لکھا ہے کہ ''میسی نے پاس کوئی چھڑ یا کوئی حکہ آیسی نبھی تھی جہاں سر دھر در لربت سکھی ''

سیفت پہو کو جب کسی نے عیسائی دھرم کے پرچار کے لئے دھن دیفا چاھا تو اُنہوں نے یہ کہ کو لھٹے سے اِنکار کو دیا۔۔۔''تیرا دھن تھوے ساتھ عی بشت ھو' ٹھونکہ تو سیجہتا ہے کہ ایشور کا وردان دیمن سے خریدا جاسکتا ہے '' (ہائیل)

یه سب راسته اینی خودی کو مشانے اور سب کے اندو رہے ہوئے خدا دو پہچانئے کا راستہ ہے .

اِس راستے میں ہوا قریم ہے کہ بینچ میں آدسی کو انوکھی طاقتیں کوامات اور ردھی سدھی لیمانے جاتی ہیں اور بہت ہے اوک اُسیاں میں پہلس در رہ جاتے ہیں ، اِس کے لگے ایک صوفی نے لکھا ہے :—

دران مغزل بود کسف و گرامات و گرامات و گرامات و مقامات اگر دنها و مقبیل پیش آئد نظر کردس دران هرگز نه شاید اگر گردی تو در توحید فانی به حق یابی بقائے زندگای

إس راست ميں كسف أور كرامات يعلى ردهى سدهى ملتى هيں المكنى هيں المكنى أدمى دو جاهد نه أن كو جهور كر ألم بوه جائے . أكر لوك أور پرلوك دونوں أس كے مامنے آ جاويں تب بهى أبي جاهد كه أن كى طرف آدكه أتها كر بهى نه ديكھى اگر تو توحيد يعلى ايك أيشور كے أندر أبه كو مكا ديے تو حتى (الله) كے أندر اهمه هه كے لئے أمر هو جائے .

ا ہوگ سوٹر میں شلکرآجاریہ کے شاورک بھاشیہ میں ا اور بھاگوساہیں میںجکہ جاکہ صاف صاف لکھاہےکہ ہوگی

دی دیگ جائیں۔ گیل یعلی نیکی ایسی دو که بوی بوی پیوا دی جائے پر بھی آدس بیکی ہے ته هئے ۔ اِچها یا اسقا گیر جھوٹی ہے جھوٹی چھوٹی بھی دہ گئی ہو۔ بدھی اِنلی ساف ہو دہ سب کے اندر دی حقیقت (یعلی ایک ہی آئیا) دکھائی دیائی ہو' سب نے بہلے نے لئے سدا تن من لٹا رہے' مہت کے ساملے بھی مجائی پر ڈٹا رہے' بوی سے بوی تکلیفوں میں بھی شامتی بلی رہے' دھورج دھی بھی ہاتھ سے نہ جائے' سب پر دیا اور پریم رہے اور نشجال میں سے دنیا کے چلتے ہوئے چکو کو دیکھے ،

اس طرح نے نہموں کی فرض یہ ہوتی ہے کہ آدمی باہر سے محک کر آج کی طرف موے اسے دھھوے دھھوے دھھوے الدو کی سوئی ہوئی فہن ، دنیا کا سفر اور یہاں سے کوچ کا واسکہ آسان ہو جاتا ہے المفاق یعلی خودی مگتی ہے اور آدمی دھھرے دھیے اپنے اسلی ووپ کو پہنچان در اسی میںجا ملکا ہے، ہو مذھب کی کہابوں میں اس طرح کے کامل میں اس طرح کے کامل لوئیں کے بیان ملکے میں جنہوں نے دھھوے دھھوے دھھوے اس

پاٹلتھلی نے اپنے ہوگ سولاوں۔ میں ایسے کہوجھوں کے لیے پانے ہم اور پانے نیم کلانے ہیں ، لکہا ہے کہ است

الملسا سعیه اسعے برهمچریایریکراهاه یماه هوچ سنعرهی تهاه سرادههای ایشور پردی دهانانی تهماه

اهدسا یعنی تسیجاندار کو ایدانه پهونجانا سچائی و هوری نه کرنا یعنی قسی طرح بهی دوسوے کا حق نه لیدا برهنجویه یعنی نهک جاندی ایری کره یعنی ایدی فروری نے ادامک مال نه جمع درنا یه یانچ یم هون . ارز هوچ یمنی پائی سنتوهی یعنی قفامت نپ یمنی ایچ ایچ قابرا سوادهها و ایدی اجهی جهزین پوهنا اور ایشور پری ندهان یمنی ایچ آپ کو پوری طرح الله کی مرضی پر جهبر دیگا یه یانچ نهم هین ،

ایشور پری ندهان کا هی تههک تهیک آبوواد 'اِسلام' شهد هی 'مسلم' کے لعظی معلی ههن وہ آدمی جس نے اپنے آپ کو پوری طرح ایشور کی مرضی پر چهور دیا هو ۔

مهسی سے جب کسی نے پوچھا که ''أمر جھوں حاصل کرنے کے لگے میں اور ٹھا کروں'' تو 'نہوں نے جواب دیا۔۔۔ ''اگر تو کامل ہونا چاھاتا ہے تو جو کچھ تھرے پاس ہے سب فریموں دو دے قال ارز پھر مہرے پھنچھ چل ۔'' (بالبن) تبیک یہی اپری کرہ کا مطلب ہے ۔

هلدو دهرم مهن إس راستے کو یوگ اِسلام مهن ملوک اور فهسائی دهرم مهن کمهوندن ودکاتا کها کها هے .

ایسے لوگیں کو حکم ہے که عیب پرائیوں کو ایسےدان دیں ، میسول لے کیا ہے '' ہرائی کا مقابلہ میں کرو ''

दे दिये जायं. शील यानी नेकी ऐसी हो कि बड़ी बड़ी पीड़ा दी जाने पर भी आदमी नेकी से न हटे. इच्छा या कामना किसी छोटी से छोटी चीज की भी न रह गई हो, बुद्धि इसनी साफ हो कि सबके अन्दर की हक़ीक़त (यानी एक ही आत्मा) दिखाई देती हो, सबके भले के लिए सदा तन मन लगा रहे, मौत के सामने भी सचाई पर ढटा रहे, बड़ी से बड़ी तकल कों में भी शान्ति बनी रहे, धीरज कभी भी हाथ से न जाय, सब पर द्या और प्रेम रहे और निश्चल मन से दुनिया के चलते हुए चक्र को देखें.

इस तरह के नियमों की रारण यह होती है कि आदमी बाहर से हट कर अपने अंदर की तरफ मुद्दे. इससे भीरे धीरे अदर की साई हुई ताक़तें जागती हैं. दुनिया का सफर औरयहां से कूच का रास्ता आसान हो जाता है, अहकार यानी खूदी मिटती है, और आदमी धीरे धीरे अपने असली रूप को पहचान कर उसी म जा मिलना है. हर मजहब की किताबों में इस तरह की उंची आत्माओं और इस तरह के कामिल लोगों के बयान मिलते हैं जिन्होंने धीरे धीरे इस रास्ते को तय किया है.

पातंजित ने श्रपने योग सूत्रों में ऐसे खोजियों के तिये पांच यम और पांच नियम गिनाएं हैं. विखा है कि:—

श्राहसा! सत्य स्तेय ब्रह्मचर्यापरिष्रहाः यमः शौच संतोश तपः स्वाध्याय ईश्वरप्रिण धानानि नियमाः

श्रहिंसा यानी किसी जानदार को ईजा न पहुँचाना, सचाई, चोरी न करना यानी किसी तरह भी दूसरे का हक न लेना, श्रह्मचर्य यानी नेक चलनी, श्रपरिमह यानी श्रपनी जरूरत से श्रिथिक माल न जमा करना ये पांच नियम हैं. और शौच यानी पानी, संतोश यानी क्रनाश्चत, तप यानी श्रपने ऊपर कृत्व, स्वाध्याय यानी श्रच्छी चीज़ें पढ़ना और ईश्वर प्रियान यानी श्रपने श्रापका पूरी तरह श्रह्माह की मरजी पर छोड़ देना, ये पांच नियम हैं.

ईरबर प्रियान का ही ठाक ठीक अनुवाद 'इसलाम' शब्द है. 'मुसक्तिम" के लफ़जी मानी हैं वह आदमी जिसने अपने आपको पूरी तरह ईरवर की मरजी पर छाड़ दिया हो.

ईसा से जब किसी ने पूछा कि "अमर जीवन हासिल करने के लिए मैं और क्या करूं" तो उन्होंने जवाब दिया—"अगर तू कामिल होना चाहता है तो जो कुछ तेरे पास है सब राराबों को दे डाल और फिर मेरे पीछे, चल" (बाइबल, ठीक यही अपरिग्रह का मतलब है.

हिन्दू धर्म में इम रास्ते को योग, इसलाम में सल्द्र, और ईसाई धर्म में कम्युनियन विद् गौड कहा गया है.

देसे कोगों को हुकुम है कि सब प्राणियों को अभयदान दें. देखा ने कहा दें "बुराई का मुक्राबला मत करो,"

इसरत मूसा की वस आक्राओं में से पांच यह हैं:— किसी की जान मत लो, भूटी गवाही मत दो, चोरी मत करो, बदचलनी मत करो, चपने पदोसी के माल का लोग मत करो.

A CONTROL OF THE RESERVE OF THE PROPERTY OF TH

इजरत ईसा ने भी इन्हीं बाझाओं को दोहराया और

बढाया है.

इंजील में लिखा है:—लानत है उन पर जो सुबह उठते हैं और दिन में शराब पीते हैं (बाइबल, इसाया).

एक दूसरी जगह इंजील में लिखा है :-

युसीबत किन पर आती है? रंज किन्हें होता है?

कराड़े किन्हें करने पड़ते हैं? बड़बड़ाना किन्हें पड़ता है?
बेहार घाव किन्हें लगते हैं? आखें लाल किनकी होती
हैं? यह बह लाग हैं जो बैठ कर शराबें पीते हैं. इसिलये
तुम शराब की लाली पर मत जाओं और शराब के प्याले
से दिल न लगाओ. आखिर में शराब सांप की तरह
आदमी को इंस लेता है. उसे अपने जहर से मार डालती
है. (Bible Proverbs, 23-29-32).

क़ुरान में जिखा है :--

अल्लाह के बन्दों में से किसी को करता न करो, अल्लाह ने इसे मना किया है. सिवाय इन्साफ के लिये, भूट मत बीलों, जो आदमी या औरत चोरी करे उसके हाथ काट लेने चाहियें, राराव और नशे की चीजें शैतान की चालों में से हैं, जा लाग अपना हाद्रयों पर काबू रखते हैं और बद चलना नहीं करते वहां जीवन में सफल हांते हैं.

यह पांच असूल जिन्हें मनु. बुद्ध, मूसा, ईसा, और माहम्मद सबन जरूरा ठहराया है, मामूली गृहस्थों के लिये हैं. सन्यासियों, भिजुओं, योगियों, सालिकों, और फक्कीरों के लिये जो ऊंची रूहाना जिन्दगी बसर करना चाहते हैं, इससे और कड़े यम और नियम हैं ताकि वह लोगों की और अच्छी तरह सेवा कर सकें. इन्हें हिन्दू इसे में यम, नियम, और इसलाम में जोहद और रियाजत कहा गया है और हर धर्मों में इनके दूसरे नाम हैं. असल में यह अपर के पांच नियमों के ही बढ़े हए रूप हैं.

बौद्ध भिच्चको या श्रमनों के सिये यह पांच बातें भी पारुरी हैं:—

(1) सिवाय नियत समय के और कभी साना नहीं साना, (2) नाच, गाना, बजाना, और नाटक नहीं देखना, (3) फूल माला, इत्र फुलेल, और सजावट की बीजों से बचना, (4) ऊंचे आसन और गहेदार जगहों पर नहीं बैठना, और •(5) सोना, चांदी नहीं बरतना. यह पांच मिला कर दस गील हो जाते हैं. आगे चल कर इनमें और भी अधिक कड़ाई होती जाती है. बौद्ध मन्थों में लिखा है — रान ऐसा दो कि यदि कोई प्रान भी मांगे तो उसे

حضرت موسی کی دس آگهاوں میں سے یانچ یہ ہیں:۔ کسی کی جان مت لوا جھوٹی گواهی مت دو' چوری مت کورا یدچلنی مت کروا اینی پورسی کے مال کا لویہ مت کرو۔

حضرت میسی نے یہی اِنہیں آکیاوں کو دوھرایا اور ہوھایا ھے ،

إنجهل مهن لكها هد :--

لعلت ہے آن ہر جو سیم آتہتے میں اور دن میں شراب ہیتے میں (ہائیل' اِسایا) .

ایک دوسری جکه اِنجیل میں لکھا ہے:-

مصهبت فن پر آتی هے ؟ ربع کلههن هوتا هے ؟ به جهتو علههن پوتا هے ؟ بهتوانا دلههن پوتا هے ؟ بهتوانا دلههن پوتا هے ؟ بهتور گهای دلههن لکتے ههن ؟ آنکههن لال کن کی هوتی ههن ؟ یه ود لوگ ههن جو بهگهنر شرابین پهتے ههن . اس لئے تم شراب کی قلی پر صت جاؤ اور شراب نے بهالے سے دل به نکاؤ ، آخر مهن شراب سانپ کی طرح آدسی دو قس لهتی هے، أبے آنه وهن سے مار قالتی هے، (Proverbs 23-29-32)

قرآن میں لکھا ہے:--

الله کے بذخوں میں سے کسی کو قعل نہ کوو ، اللہ نے اِسے مقع کیا ہے ، سوانے انصاف کے لئے' جھوت مت بولو' جو آدسی یا عورت چوری کرے اُس کے هانه کات لینے چاهئیں' شواب اور نشہ دی چیزیں شیطان کی جالوں میں سے میں جو لوگ ایلی اِندریوں پر قابو رفعتے میں اور ید چللی بچو رہے وہی جھوں میں سیمل ہوتے میں۔

یہ پانچ اصول جنہیں منو' بدھ' موسی میسی' اور معصد سب نے ضروری تھھرایا ہے' معمولی کرھستھوں کے لئے میں ۔ سنیاسیوں' بہکھراؤں' یوگیوں' سالکوں اور فقیروں کے لئے جو اُوسٹوی ووحانی زندگی بسر کرنا جامعہ میں' اِس سے اُور کوے یم اُور نیم میں تاکہ وہ لوگوں کی اُور اُنجی طرح سیوا کر سکیں، اِنجیں مقدو دھرم میں یم' نیم' اور اِسٹام میں زھد اور ویاضت کے گیا ہے ۔ اور ھر دھرموں میں اِن کے عوسرے نام میں ، اصل میں یہ اُوپر کے یانچ میں ، اصل میں یہ اُوپر کے یانچ نیموں نے ھی بوقے ورب میں ،

ہودھ بیکھوؤں یا شرملوں کے لئے یہ پانچ بالیں بھی ضروری ھیں :—

(1) سوائے نہت سے کے اور 'جھی کھانا نہیں کھانا'
(2) ناچ' کانا بجانا اور قائک نہیں دیکھٹا' (3)
پھول مالا' عطر پھلیل' اور سجارے کی چھوں سے بجلا'
(4) اُرسچے آس اور کدے دار جگہوں پر نہیں بھٹھٹا'
اور (5) سونا' چاندی نہیں بوتٹا ، یہ پانچ ما در دس غیل مرجاتے ہیں ، آئے جل کر اِن میں اور بھی ادھک کوائی ہوتی جاتی ہے ، بودہ گرنتھوں میں لکھا ہے :۔۔
خوائی ہوتی جاتی ہے ، بودہ گرنتھوں میں لکھا ہے :۔

e de la company de la company

हिन्दू वर्म में मनु को सब से पहला राह दिखाने वाला माना जाता है. मनु ने जिसे आदमी का सामासिक धम बताया है वह वही है जिसे योगशास्त्र में पांच बम कह कर बबान किया गया है. उसी की बुद्ध ने पंच शीन कहा है. यही पांच असून मूमा की दस आशाओं में हैं इन्हीं की हजरत ईसा ने दोहराया. यही हमें क़रान में मिलते हैं. मनु-स्मृति में लिखा है:—

> श्राहिसा सत्यमस्तेयं शौषं इन्द्रिय निप्रह एतम् मामासिकम् धर्मम्, चातुर्वण्यं क्रेबीन्मनुः

यानी, श्रिहिसा (किसी को ईजा न पहुँचाना), सचाई, चोरी न करना, सफाई और अपनी इन्द्रियां यानी नपस को क़ाबू में रखना. यही थोड़े से शब्दों में मनु के अनुसार मनुष्य मात्र का धम है, चाहे वह किसी भी पेश के हों.

- बुद्ध ने हर आदमी के लिये धर्म के पांच अमूल गिनाए हैं जिन्हें सर एडविन आरनाल्ड ने अपनी मञ्हूर, सुन्दर और अमर किताब "दी लाइट आफ एशिया" में इस तरह अनुवाद कर के बताया है:—

(1) किसी की जान मत लो ताकि ऐसा न हो किसी छोटी से छोटी चीज की उन्नति में भी तुम से इकावट पढ़ जाबे, (2) भूटो गवाही मत दो. भूट मत बंलो, सचाई ही अन्दर की पिवत्रता को जाहिर करती है, किसी की निन्दा न करा, (3) लोगों से लेन देन करो पर लोभ, जबरदस्ती, या छल से किसी की चीज मत लो, (4) शराब और नशे की चीजों से बचो. इन से अकल खराब होती है, जिन लोगों के मन और तन साफ हैं उन्हें सोम-रस की कोई जरूरत नहीं, (5) किसी स्त्रा की तरक बुरी निगाह से न देखों. आत्मा की ऊंचा रखने के यह ही पांच उपाय हैं.

जैन शास्त्रों में लिखा है :--

आदमी के लिए पांच ब्रत यह हैं:— किमी की जान न लेना, भूट न बोलना, जबरदस्ती किसी की चीज न लेना, व्यक्षिचार यानी बदचलनी न करना, श्रीर श्रपनी श्रसली आवश्यकता से अधिक माल अपने पास न रखना.

जैन प्रन्थों में कहीं कहीं इनके साथ शराब, मांस श्रौर सञ्ज का त्याग भी बताया गया है.

बानार्शव में लिखा है :---

किसी को मारना भूट बोलना, चोरी करना, बदवलनी और साम, इन पांचों को छोड़ देना और सबका भला बाहना, बही धर्म का सार है. هفدو عنها ملو كو سب سے بها والا دكهائے والا صابا جاتا ہے ، ملو ئے جسے أدسى كا ساماسك دهوم بكایا ہے والا وهى هے جسے بوگ شاستر مهں بانچ دم كهكو بهان كها ئها هے ، أسى كو بده لے بنچ شمل كها هے ، يبنى يادچ سول موسول كى دس أكهاؤن مهن همن قرآن مهن ملتے أحضون مهسول نے دوموایا ، يہى عمهن قرآن مهن ملتے هيں ، ملو إحدولى مهن لكها هے :--

اهلسا ستهدمستدیم شوچم اندریه سکره آیکم ساماسکم دهرمم چاترورنهه بردین ملو

یعلی اهلسا (کسی کو ایدا نه پهودچانا) سچائی و جوری نه کردا صفائی اور اِندریون یعلی نفس کو قایر مهن رکیلا یهی تهوری سے شہدوں مہن ملو کے ادوسار مفرقہ ماتر کا دھرم ہے چاہے وہ نسی بھی پھشے کے ھوں ۔

بدھ نے ہر آدسی کے لئے دھرم کے پانچ اسول کلائے میں جلیمیں ایڈوییں آربالڈ نے ایڈی مشہور' سددر ارر امر کتاب الدی لائٹ آب ایشیا '' میں اس طرح انبواد کر کیایا ہے :---

پر(1) کسی کی جان مت لو تاکه ایسا نه هو کسی چووٹی ہے چووٹی چھوڑ کی اُسکی میں بھی تم سے رکاوت، ہو جاوے (2) جھوٹی گواھی مت دو، جھوٹ مست پرلو، سیائی هی اسدر کی پولران کو ظاهر درتی هے، کسی کی سیچائی هی اسدر کی پولران کو ظاهر درتی هے، کسی کی نلما لئا کرو، (3) لوگوں سےلھن دین درو پر لوبھ، زبردستی یا جھل سے کسی کی چھڑ ست لو، (4) شراب اور سے لیا چھل کے میں اور تن صاف میں اُبھی سوم رس کی دوئی فروری نیھی، (3) کسی اِستری کی طرف بری باتھ سے فروری نیھی، (3) کسی اِستری کی طرف بری باتھ سے فیکھو، آنما کو اُونیچا رکھئے کے یہ هی پانچ آپائے ھیں.

جهن شاسترون مهن لکها هے:--

آسی کے لگے پانچ ہرت یہ فہل :-- کسی کی جان ته لیقا جہرت نه بولقا وہوستی کسی کی چیو نہ لیفا ویا پہیچار یعلی بد چللی نه کرنا اور ایلی اسلی آوشهمتا سے ادھک مال آھے پاس ته رکھتا .

جهن گرنتهس مهن کیمن کهین اِن کے ساتھ شراب مائیں اور مدھو کا تھاگ بھی بھایا کھا ہے .

گهانارنو میں لکھا ہے:-

کسی کو مازنا جهوی برلقا چوری کرتا بدیلقی اور لهه ای بانچون در جهور دینا اور سب کا بها جانفا یهی معور کا به در سال کا به در جانفا که در معور کا به در جانفا که در معارف کا مار جانفا کا به در خواند کا به در جانفا کا به در خواند کا به

भिवत यानी इरक्र का रास्ता

(डाक्टर भगवानवास)

मिक मार्ग यानी इश्क की राह कोई श्रवा राह नहीं है. आदमी की जिन्दगी में ज्ञान यानी "मारफत" इच्छा यानी छत्राहिश, और काम यानी श्रमल, तीनों साथ साथ खलते हैं. उन्हें एक दूमरे से विश्कुल श्रवण नहीं किया जा सकता. केवल समभने की श्रासानी के लिए हम इन्हें अलग खलग बयान करते हैं. भिक्त का सम्बन्ध श्रादमी की इच्छा, उसके दिल के भावों और जजवों से है भिक्त, प्रेम, यानी इश्क एक तरफ श्रात्मा का उचा उठाता है और दूसरी तरफ दिल की गहराइयों को साफ कर के उनमें उजाता पैदा करता है. इसी से श्रादमी का सदाचार ममता और उभरता है.

कान को बगर इम बादमी का सिर कहें तो प्रेम बाइमी का दिल है, बौर बमल बाइमी के हाथ पैर हैं. इन तीनीं को मिला कर ही पूरा बाइमी बनता है साधारन मानव प्रेम, जिसे इरक़ मजाजी कहन हैं, जीवन में ब्यानन्द पैदा करता है. यह मानव प्रेम भगवद् भक्ति का जिसे बद्यानंद या इरके हक़ीक़ी कहा जाता है केवल एक अक्स है. इसकिए भगवद् भक्ति या इरके इलाही ही सुख का बसली सोत है.

दुनिया भर की साइन्स और इल्म, अगर उसके साथ दिक की अंचाई और गहराई नहीं तो ऐसा ही है जैसा में पानी का रेगिस्तान या वह रूखे नगे पटाड़ जिन पर कोई इरियाली न हो. साइन्स बिना प्रेम के केवल एक मुरद। लाश है, एक सुन्दर शरीर जिसमें रूह या जान नदाग्द. इशान की जब प्रेम के साथ शादी रची जातो है तभी वह दीनों मिल कर एक शरीर बनते हैं. तभी उनसे अव छे **अच्छे कामों के ब**ख्चे पैदा होते हैं. इन दोनों में से हर एक दूसरे के बिना अधूरा है. साइन्स के साथ जब तक प्रेम और परोपकार का मेल न हो तब तक सन्ची बुद्धि पैदा नहीं हो सकती. इनका मेल होने पर ही आदमा म शक्त सलीम जागती है. इस मेल से ही असली मानव धर्म, यानी मजहबे इनसानियत जनम लेता है. इस धर्म को हम अपने अन्दर जगा लें तो दुनिया भर की नेमतें अपने आप हमारे पैरों पर जा गिरे. इसके विना जिन्दगी वेकार और वांमा है.

सब धर्म मणहबों में आदमी के लिए इसलाक या सदाचार के जो नियम बताए गए हैं वह सब इसी लिये एक से हैं क्योंकि वह क्षान और प्रेम के इसी मेल से निकले हैं और इसी पर क्रायम हैं.

بهکتی یعنی عشق کا رأسته (دانتر بهتران داس)

بهکتی مارک یعلی عشق کی راه کوئی الگ راه نهیس هی راه کوئی الگ راه نهیس هی راندگی میس گیان یعلی 32 مروقت 4 اجها یعلی خواهش اور کام یعلی عمل تهلون ساته ساته چلتے هیں ، انهیس ایک درسرے سے بالکل الگ نهیس کیا جا سکتا ، کهول سمجهلے کی آسانی کے لئے هم آبهیں الگ الگ الگ بیان دیے هیں ، بهکتی کا سمبلده آدمی کی آجها اس کے دل کے بهاوی اور حقوق سے هے ، بهکتی ایجها اس کے دل کے بهاوی اور حقوق انتهایا هے اور پریم عملی عملی علی طرف انتهایا هے اور دوسری طرف دل کی گهرائیوں کو صاف در کے ان میس دوسری طرف دل کی گهرائیوں کو صاف در کے ان میس آجهایی بیدا کوری هے ، اسی سے آدمی کا سداچار مقتوبها اور الهرائیوں ه

گهان کو اگر هم آدمی کا سر کهیں تو پریہ آدمی کا دل می اور عمل آدمی کے هاته یهر ههی ۔ اِن تهذوں کو ملا کو هی پررا آدمی بنگا هے ، سادغاری مانو دیم حسے عشق منجاری کہتے ههی سنون مهن الله پیدا دونا هے . یه مادو یہم بهکود بهکتی کا جسے برهما دلد یا عشق حقیقی کہا جاتا هے دهول ایک عکس هے ، اِس لئے بهکود بهکتی یا عشق اِلٰہوں هی سکه داصلی سوت هے .

فنها بهر کی سائنس اور علم' اگر اُس کے ساتھ دال کی اُرنتھائی اور گهرائی به هو تو ایسا هی هے جهسا ہے پانی کا ریکستان بیا وہ روزہ بنگے بھاڑ جن یہ کوئی هریائی نه هو ، سائنس بنا پریم نے کهرل ایک مردہ لاهیء ایک سندر شریر جس میں روح یا جان ندارد ، گیان کی جب بریم کے ساتھ شادی رچی جاتی هے تبهی ولا دوتوں میل کو ایک شریر بنتے میں ، تبهی اُن سے اچھ اُچھ گموں کے بنتے بھدا هوتے میں ، اِن دوتوں میں ہے هر ایک فوسرے کے بنا ادهروا هے ، سائنس کے ساتھ جب تک پریم اور پرویکار کا میل نه هو تب تک سچی بدهی بیدا بهیں اور پرویکار کا میل نه هو تب تک سچی بدهی بیدا بهیں جاتھی ہے ، اِس میل سے هی اصلی مادو دهرم' یعنی جاتھی ہے ، اِس میل سے هی اصلی مادو دهرم' یعنی ملیب انسانیت جنم بھا ہے ، اِس دهرم فو هم آئے اددر جاتھی ہے ، اِس میل سے هی اصلی مادو دهرم' یعنی ملیب انسانیت جنم بھا ہے ، اِس دهرم فو هم آئے اددر جاتھی ہے ، اِس دونها بهر کی تعملیں آئے آپ همارے بهدوں پر جکا لیس تو دنها بهر کی تعملیں آئے آپ همارے بهدوں پر جکا لیس تو دنها بهر کی تعملیں آئے آپ همارے بهدوں پر جکا لیس تو دنها بهر کی تعملیں آئے آپ همارے بهدوں پر جکا لیس تو دنها بهر کی تعملیں آئے آپ همارے بهدوں پر جگا لیس تو دنها بهر کی تعملیں آئے آپ همارے بهدوں پر آئے بیا راد کی تعملی اور یادیجه ہے .

سب دھرم مقعمیں میں آدمی کے لئے اخلاق یا مدانھار کے جو نیم بتائے گئرھیں وہ سب اس لئے ایک سے ھیں کھرنٹائم وہ گیاں اور پریم کے اِسی میل سے بعلے ھیں اور اِسی پر قائم ھیں ۔



نىبر 6

Greg 14

जून, सन '53

नम्बर 6

جون' س<u>ن</u> 53'

ولد 14

जात आदमी, प्रेम धर्म है, हिन्दुस्तानी बोखी, 'नया हिन्द' पहुँचेगा घर घर लिये प्रेम की मोली. جات آدمي' پريم دهرم هے' هندستانی بولی' 'نها هند' پېنچے کا گهر گهر لگے پريم کی جهولی .

कैसा ?

जब दो नहीं हैं तुम इस तो विसाले यार कैसा ? हूँ तुम्क में में समाया तब इन्तजार कैसा ?

जब रूबरू हैं दोनों, जब दूबदू हैं दोनों वादा क़रार कैसा? श्रीर पतवार कैसा?

दिख में चुमन भी फिर क्यों तीरे नज़र नहीं जब जब है नहीं जिगर ही, तो जिगर ये बार कैसा ?

> अब किस जिये नसीहत और क्या रही फ्रजीहत अब राजदार कैसा ? और रामगुसार कैसा ?

सरना तो जिन्दगी है मरना मेरी तरक्की सौ बार क्यों न हो वह, अब एक बार कैसा?

> पिन्दा था मैं तो मुरदा, थी आपकी मुहञ्चत सब यह समाधि कैसी ? और यह मफार कैसा ?

کسا ؟

جب دو نهیں هیں تم هم تو وسال یار کیسا ؟ هوں نتجه میں میں سمایا تب اِنتظار کیسا ؟

جب روبرو هین دوتون جب دوبدو هین دودون وفده قرار کیسا ؟ اور امتیار کیسا ؟

دل میں جنون بھی پیر کورنتور نظر تہیں جب جب ہے نہیں جکر ھی' تو جگر ہے وار کیسا ؟

اب کس لیّے بصفحت اور کھا رھی فضفحت اب راز دار کیسا ؟ اور فمگسار گھسا ؟

مرنا تو زندگی هر مرنا مری ترقی سو باد کیسا ؟

زنده تها میں تو مرده تهی آپ کی معینت اب یه سنادهی کهسی؟ اور یه مزار کیسا؟

ानदीन

--- بهکوان دیری

हिन्दुस्तानी कलचर सासाइटी

هندستاني كلهر سوسائتي

41

माइवारी परचा

ماهواري پرچا

जून 1953 -

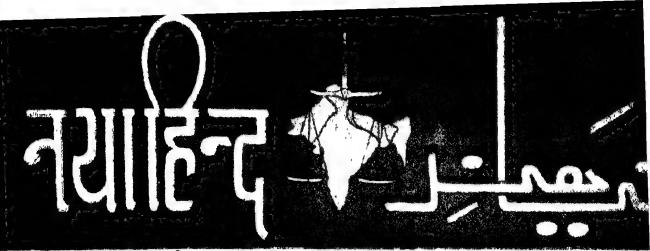
| च्या किससे | सका ८० | مفه | يسلك |
|---|--------------|---|---|
| 1-कैसा १ (कविता) - भगवानदीन | . 313 | ക്രൂട ലി | |
| 2-भक्ति यानी इस्क्र का रास्ता बाक्टर भगवानदा | | ته—دانتر بهکران داس | |
| 3 - बादू से भगवानदीन | . 320 | ••• | |
| 4 - हिन्दुस्तानी शब्दयात का सातवां असून: हिन्दुस्तानी में बाहरी लफ़जों की निस्वत बन्दी | | سائوان اسول : هندستانی کی نسمت بندی— دانگر | ميهي يأهرى اغطون |
| — डाक्टर जाकर इसन | 323 | | والرعسن |
| 5-इंगरी का भूमि सुधार-गंगा शरन . | 324 | _ | سطاگری کا یہوسی مدھار۔ |
| 6-पीकिंग से-डाक्टर भगवत शरन उपाध्याय . | 330 | | مینگلک سے۔قائڈر بیکرن |
| 7-बालक एक चमत्कारी प्रानी-मगवानदीन | 339 | ىـــ پگران دېن | چهالک ایک جمدگاری پراد |
| 8-हो भूके ! (कहानी)—मुजीब रिजवी . | 346 | چهپ رضوی | السُّدُو بهوع ! (کیانی)—مد |
| 9 प्रवासी की डायरोप्रवासी . | 355 | | -پيولمن کي ڏائريپرواء |
| 10 कुछ कितावें | 361 | 400 | المجهد فتقابيس |
| 11-इमारी राय | 3 6 3 | 400 | سُمعاري، رال |
| भतमनसी में अविश्वाससुन्दरतातः, भूदान और विनोबा भगवानदीनः, लोकशाही और अमरीकामुजीव रिज्वीः, गोरका बनाम गोवध बन्दी भगवानदीन | | شاهی اور امریکه-مجهب | فهلمقسی میں اوشواس وفر ہا ، مکوان دین ؛ لوک وفریدا یقام گوی |

क्रीवत-हिन्दुस्तान में है उपया साहा, बादर दस दववा साक्षा, यह परचा देस आने .

> मेकेकर क्या क्रिक्ट

146 Jahren (Bergert)

رہیدہ اسال' باہر مس رویدہ اسال افغاز کیا ہے۔



एडीटर --ताराबंद, भगधानदीन, मुज्यफर इसन, विशम्पर नाथ, सृन्दरमाल المالية دارالمالد، مهکوال دين معامد حسن بشمیم دانم سلدرال नायन एडीटर - सुरेश रामभाई, मुजीब रिअनी مائب ادیار سایم را، بهانی معتیب رضی

🛨 भक्ति यानी इश्क का गम्ता— डाक्टर भगवानदाग

★ पीक्तिम से - डाक्टर भगवन शरक उपाध्याय

★ वालक एक चमत्कारी प्रानी -- भगवानदीन

★ दो भूके ! (कहानी)—मुजीय वि तवी

हमारी राय

- 🛊 भलमनसी में अविश्वास-सुन्दरलाल
 - 🖈 भूदान श्रोग विनोबा--भगवानदीन
 - 🛊 लोकशाही और श्रमरीका मृतीव रिजवी

🍁 - بهمدي يعلي عشق ۶ واسام - قائد بهموان داس

الله المحلك سي الأكتر بهكوت شاع أياده الر

🚖 - بالكت ايك اليماتوافي بوأني دسامكوان دان

🛊 دو دوول الراج الي است عدي سر رضوي

فماري الي

- 🖈 يهلملسو -هن اشياء --سلدوال
 - 🛊 مهوتان اور معودات ومحدان دسم
- 🖈 لوك شاهي اور امرياء منصرب رضمي

हजरत मुहुन्मद और इस्लाम

लेखक-मुन्द्र लाल

ै इस किताब का पहला एडीशन 1941 में निकला था. देश ने उसका स्वागत किया और जल्दी वह खत्म हो गया. दूसरे एडीशन की मांग अर्से से हो रही थी. पर वह अब ही मुमकिन हो सका है.

इम एडं। शन को पंडित सुन्दरताल जी एइतियात के साथ देख गये हैं बहुत बुजुर्गों और साथियों की क़ीमती राय और सुकार्यों से इस में कायदा उठाया गया है. नये एडं। शन की खाम बात यह है कि इस किताब के शुरू में पंडित बिशम्बरनाथ ने दस सफे का एक गम्भीर और ब्रुजिनदार नोट यानी खासुख लिखा है

इस किताब से इम्लाम की असली तालीम और उसके बुनियादी उसूलों की जानकारी हासिल होने के साथ साथ हजरत मुहम्मद की सीधी मच्ची और बेमिसाल जिन्दगी—एक ऐसी /जन्दगी निसने सिदयों से लाखों करोड़ों के जीवन की रीशन किया है—की फलक मिलती है इससे पता चलेगा कि किस तरह हजरत मुहम्मद ने न सिक्ष अद्भ जैन दक्षयानूमी और फिरका परस्त देश की काया पैलट दी बल्कि एक नये धर्म, एक नये राज और एक नई तहलीय की जट्टम विया

हमें यक्कीन हैं कि पहले एडीशन की तरह इसकी भी काफ़ी मांग होगी, और पढ़ने वाल इससे फायदा उठायंगे.

सुन्दर जिल्द, बढ़िया डबल डिमाई काग़ज पर छपी. 160 सकी, कई तसुवीरों और नक्शों के साथ किताब का स्थापिक तीन रुपया.

अभिलने का पता-

, मैनेजर 'नया हिन्द' 145, मुट्टीगंज, इलाहाबाद.

حضوت محمد أور أسلام

لهكهك-سقدر لال

اِس نقاب کا پہلا اہدیشن سن 1941 میں نکلا تھا ۔ دیش نے اُس کا سرائت کیا اور جلدی وہ جتم ہوگیا ، درسرے ایڈیشن کی مانگ مرصہ سے مو رہی تھی ، پر وہ اب ھی ممکن ہوسکا ہے ،

إس ایڈیشن کو بلڈت سددو الل جی احتماط کے سانھ دیکھ گئے معی ، بہت سے بورگوں اور ساتھموں کی قممائی وائے اور سحماوؤں سے اِس میں فائدہ آٹھ یا گیا ہے، نئے ایڈیشن کیخاص بات یہ ہے که اِس نقاب نے شررع میں بلڈت بشمجھر داتھ نے دس صفحے کا ایک گممھمو اور وزددار ہوت یعلی آمکھ لکھا ہے ۔

إس تعلیم اور اس کے بلام کی اصلی تعلیم اور اس کے بلاہادی آصواری کی جامکاری ہونے کے ساتھ ساتھ ساتھ حقد سہ محمد کی سہدھی سچی اور بے مثال زندگی ۔ ۔ ایک ایسی رندگی جس نے صدیری سے الکھر کروروں کے جھرن کو روشن کھا ہے ۔ تی حهلک ملتی ہے ۔ اِس سے یتم چلکھکا کم کس طرح حقدت محمد نے نم صرف مرب جھسے کہ کس طرح حقدت محمد نے نم صرف مرب جھسے کا کانا بلک دی بلکم فالیا ہلک دی بلکم ایک بگے راج اور ایک بگی تهذیب کو جلم دیا ،

همیں یقین ہے که پہلے ایڈیشن کی طرح اس کے بھی کائی مانگ موگی اور پوہٹے والے اِس سے فائدہ اُٹھائیڈگے ،

سلدر جلدا بوقها قبل ف التي كافلة پر جههي (10) مفتحها التي تصويرون اور بقشون كے سابھ بعاب كا دام صرف تهن وربية .

ملنے کا بات ۔۔۔

منهجر ' نها هند ' 145 مثمي لنم الدأباني.

हिन्दुस्तानी कलचर सोसाइटी

هندستاني كلجور سوسائتي

) मकसद

- (1) एक ऐसी हिन्दुस्तानी कलचर का बढ़ाना, फैलाना श्रौर प्रचार रना जिसमें सब हिन्दुस्तानी शामिल हों.
- (2) एकता फैलाने के लिये कतार्वी, अखबारों, रिमालो वरोरा का छापना.
- (3) पढ़ाई घरो, किनाब घरो, सभान्त्रो, कानफरेन्सों, लेक्चरों से सब धर्मी, जातों, बिरादरियो और फिक्कीं में आपस का मेल बढ़ाना

--: ∘ :--

मासाइटी के प्रेमीडेन्ट — मि० त्राब्दुल मजीद स्वाजा, वाइस प्रेमीडेन्ट — डा० भगवानदाम त्र्योग डा० त्राब्दुल हक गवर्गनग बाडी के प्रेमीडेन्ट — डा० भगवानदाम, सेकटरी - पं० मुन्द्रलाल.

गवर्गनंग बाडी के और मेम्बर-

डा० सैयद महमृद, डा० नाराचन्द, मीलवी सैयद सुलेमान नदवी, मि० मजर ह्यली सीख्ना, श्री बी० जी० खेर, प० बिशम्भर नाथ महात्मा भगवानदीन, सेठ पूनम चन्द रांका, क्राजी मोहस्मद ह्यद्दुन राफ्कार ह्याँर श्री ह्यांम प्रकाश पालीवाल.

मेम्बरी के कायदों के लिये लिखिये—

मुन्दरलाल सेक्रेटरी, हिन्दुस्तानी कलचर मोमाइटी 145, मुद्रीगंज, इलाहाबाद

नाट—मोसाइटी के नए कायदे के अनुमार मैम्बरी की फीस सिर्फ एक रुपया कर दी गई है. "नया हिन्द" के जो गाहक मेम्बर बनना चाहे उनको सिर्फ छै रुपया चन्दा देने पर ही मेम्बर बना लिया जायेगा. अलग से मेम्बरी की फीस देने वाले सोमाइटी की निकली हुई कोई किनाब जो एक रुपया दाम की होगी मुक्त ले सकेंग या ज्यादा दाम की किताब लेने पर एक बार एक रुपया कम करा सकेंगे. سقصد

- (1) ایک ایسی هندستانی کلنچه کا بوهانا پههلانا اور پاچار کرنا جس مهن سب هندستانی شامل هن .
- (ال) ایکتا پهیلانے نے ایک فتانوں احداروں رسالوں میدو کا حمالیا
- (۱) پوهائي گهرون القات گهرون سيهاؤن کاندرسون ليکنهاون ہے سب دهومون جانون دوادريون اور فاقون مهن آيس كا مهل بوهانا .

-- : 5: -

سوسائلی نے بدیسهدائلاسسسلام عبدالمجهد حواحه ا وائس بدیسیدائلات داختر بهکوان داس اور داختر عبدالنعق ، تورنلک باشی نے بویسددائلات سا داختر بهگوان داس: سکویتری سا بلذت سلادلال ،

کورندگ دائی نے اور ممتو __

دَاكِتُر سهد منصود' دَاكِتُر تَارا چِلْد' مولوس سهد سلهمان ندوی' مستر مقطر علي سوخته' شوي بي جي قهه، پلکت نشمهو بانه' مهاتما بهکوان دين' سهته يونم چقد رابي قاضي منتمد عبدالقعار اور شوي اوم پرکاش پالهوال

ممبوی نے قاعدوں نے لگے لکھگے ۔

سقدر لاان

بوقسسهائتی نے بئے قاعدے نے ابوسار معدری کی فیس صرف ایک روپوء کردی گئی ہے '' بھا ھقد'' نے شو گاھک مند بقا چاھیں اُن کو صرف چھھ روپھ چقدہ دیتے یہ ھے مند بقا لھا جاٹھگا ۔ الگ سے معدری کی فیس دیتے والے سوسائٹی کی بکٹی ھوئی کوئی کتاب سو ایک روپھ دام کی عورتی معت نے سکھں کے یا ریادہ دام کی کتابھ لیے بات دیار ایک روپھ کے کہ کا سکھٹگے

| 4 | इमारे पृद्धां सिखने | बाकी कुछ और | किर | गर्वे | | الى كىيە اور كتابيل | هارے بہان ملتو |
|---------------------------------------|------------------------------------|-------------------------------------|----------|-------|---|--|----------------------------------|
| नोट:यह किताचें सिर्फ हिन्दी में हैं | | | | | | نوف اسيم تعالين صرف هندي مين هين . | |
| | | लखक | | बाम | | ليكهك | فام كتاب |
| | | श्री द्ययांध्या प्रसाद गोयलीय | , 8 | | 0 | ھرى ايودھيا پرمان گوليلى، | 1. شعر و شاعري |
| , | 2. रोर घो सुजन | 33 | 8 | 0 | 0 | 7 7 | 2. غمر وسطن |
| | 3, गहरे पानी पैठ | ** | 2 | 8 | 0 | ,, | 3. کیرے ہائی پیٹھ |
| | 4. इमारे बाराध्य | श्री वनारसीदास चतुर्वेदी | 3 | 0 | 0 | غاری بنارسی داس چگرویدی | 4. هماريم آرادهيه |
| | 5, संस्मरख | " | 3 | 0 | 0 | > > | کاء سلسمون |
| | 6. दो इजार वर्ष पुरानी कहानियां | श्री जगदीशचन्द्र जैन | 3 | 0 | 0 | هري جکنيس جندر جهن | 6، دو هزار ورش پرانی کهانهان |
| | 7. ज्ञान गंगा | बी नाराययां प्रसाद जैन | 6 | 0 | 0 | هري نارائن پرماد جهن | 7. کیاں کلکا |
| | 8. पथ चिन्ह | भी शान्ति प्रिय दिवेदी | | 0 | | هري شانكي پريهدريدي | 8. پانو چانو |
| | 9. पंच प्रदीप | शान्ति एम. ए. | 2 | 0 | 0 | شانتی ایم آنے | 9 يئے پردیپ |
| | 10. बाकाश के तारे घरती के फूल | भी कन्हैयालाल मिश्र प्रभाकर | 2 | 0 | 0 | هری کلهیالل مهر پریها تر | 10. آگھ کے تارے دمرنی کے پھول |
| | 11. मुक्ति दूत | भी बीरेन्द्र कुमार जैन एम. ए. | 5 | 0 | 0 | شری ویریندر کمار جون ایم ، اے | 11. مکتي درت |
| | 12. मिल्ल यामिनी | भी बच्चन | 4 | 0 | 0 | شری بچن | 12. ملن ياملى |
| | 13, रजत रिम | डाक्टर रामकुमार वर्मा | 2 | 8 | 0 | قانقر رام کمار ورسا | .1 3 رجت رشنی |
| | 14. मेरे बापू | भी तन्मय बुखारिया | 2 | 8 | 0 | شري للم يطاريا | 14. سورے باہو |
| | 15. बिरव संघ की चोर | पंडित सुन्दरलाल भगवानदास केला | 3 | 0 | 0 | پنگت سندرلال بهکران داس کهلا | 15. وشو سلكه كى أور |
| | 16. भारतीय अर्थशास | भी भगवानदास केला | 5 | 0 | 0 | شری بهگوان داس کیلا | · 16. يهارنه، ارته شاستر |
| | 17. भारतीय शांसन | 39 | 3 | 0 | | 99 | 17. بهارتیه شاسن |
| | 18. नागरिक शास्त्र | 23 | 2 | 4 | 0 | 3) | 18, ناگرک ھافتر |
| | 19. साम्राज्य चौर उनका पतन | " | 2 | 8 | 0 | 3.6 | 19. سامراج اور أن كا يعني |
| | 20. भारतीय स्वाधीनता भारतीयन | 17 | 1 | 4 | 0 |) 1 | 20. بهارتهه سرادههلا آفدولی |
| | 21. सर्वावय व्यर्थ व्यवस्था | ,, | ,1 | 8 | 0 | • | 21. سرودے ارتم ورستما |
| | 22. इमारी भादिम जातियां | भी भगवानदास केला | 3 | 8 | 0 | شری بهگوان داس کها | 22. هماری آدم جانیاں |
| | | और भी अखिल विनय | | | | أور هري أكهل ونه | - , |
| , | 23. अर्थशास्त्र शब्दावसी | भी दया शंकर दुवे, | 2 | 0 | 0 | | 23، ارته هاستار شهداولی |
| | • | एम. ए. एत एत. बी. | , | | | ايم آليہ ايل ايل ، يي . | |
| , | 4 | गजाधर प्रसार, जिम् भगवानदास केला | æ, | | | کجادهر پرساد' امهشت' بهکوان داس کها | • |
| | 24. नगरिक शिका | मगवानदास केता भी दवाशंकर दुवे | 1 | 8 | 0 | هری پیگران داس کیلا دیا شدکر دری | 24, نافرک عمما |
| | 25. राष्ट्र मंडल शासन | भी दवाशंकर दुवे | 1 | 8 | 0 | میا هلکر دوی | 25. رافقرمفقل غاسن |
| , , , , , , , , , , , , , , , , , , , | 26. जवामी | महात्मा मगसनदीन | 3 | 0 | 0 | مهاتما بهكوان دينن | .26 جوالو |
| r | 27. भारते की दिन्यत ! | 79 | 1 | 0 | 0 | n | 27 ماوز کی هست |
| | 28. ससीमा सप | В | 0 | 8 | 0 | eh. | 28 مارنا سے |
| | 29. वेरे पाची | 19 | 1 | 0 | 0 | , v | 29. ميرد سالين |
| i t | | * 10 GHT | | | | 2, | mate & ile |

फिरकाबन्दी पर बापू

सम्पादक--श्री श्रीकृशन दास

इम पुस्तक में 1921 से सन 1948 तक गांधी जी ने साम्प्रदायिता के सवाल पर जो कुछ कहा या जिला वह सब भाषको एक जगह मिलेगा.

भारत के आजाद होने पर यह और भी जरूरी हो गया है कि हर भारतवासी सान्प्रदायिकता के नुक्रसानों को समके और इस जहर को अपने अन्दर से साफ करे.

सुन्दर जिल्द. बाच्छा काराया दो सी सके. क्रीसत दो क्पया.

भाषा

लेखक-लाला मदन गोपाल

. हिन्दी उद्घीर हिन्दुस्नानी की तकरार पर एक वे लाग रावं इस किताब में जापको मिलेगी. रास्ट्र भाषा के सवाल में दिलबस्पी रखने वाले हर भाई-बहन को इस किताब के पढ़ने से फायदा होगा—सोचने की राहें स्मेंगी, जानकारी बढ़ेगी और तरह तरह की तंग नजरियां मिटेंगी.

क्ररीय सवा सौ सके की सुन्दर किताय, दाम डेढ़ रुपया

فرقه بندی پر باپو

سهادك سفيي فريكرفن دأس

ا اوس ہسٹک میں سن 1921 سے سن 1948 تک الدھی جی لے سامپردایکٹا کے سوال پر جو تھو کیا یا لکھا یا سب آبکو لیک جانہ ملیا .

بھارت کے آزاد ہونے پر یہ اور یہی شوروں ہو گیا ہے که ہر بھارت واسی سامپردایکٹا کے نقصان کو سمجھ اور اِس زمر کو آئے اندر سے مات کرے ،

سلدر بهلد . أجها كافل در سر صفحے . قهمت دو وربعه ،

لشلها

ليكيك--الله مدن كويال

قريب سولسو مغصم في سقدر كتاب أدام قيوم رزيهه .

700 PAGES, 32 ILLUSTRATION 2 COLOURED MAPS

"CHINA TODAY"

PRICE

S EY PANDIT SUNDARLAL

Rs. 780

A vivid narration of the glorious and wonderful schievements of New China... A picture of China which is both convincing and authentic... the best book that has come out so far on New China in the English language ... the most objective in approach and comprehensive in treatment.

National Hexald, Lucknew.

Highly infomative...throws vivid light on conditions obtaining in that country...a book which deserves to be widely known.

—Leader, Allahabad.

Encyclopaedic...characterized by acute observation of detail as well as by...instinctive greep of the fundamental perspective...To read it is veritably like accompanying the Mission on its thrilling voyage of discovery in New Chins.

—Blits, Bombsy.

A mine of information which gives a picture of China as nothing else dose...the best guide to New China...Those who would like to understand what is happeing in New China can do not better than to study it.

-Bharat Jyoti, Bombay

The wealth of information it gives on China new and old...makes fascinating reading...is comprehensive and informative and must therefore interest all students of public affairs.

—Indian Express, Madras

China Today is an eloquent tribute to his (Pandit Sundarial's) shrewd understanding of men and matter... beings 'n light the mighty endeavour of the Chinese People to rebuild their great nation on firm new foundations for a tomorrow which is theirs.

—Vigil, Deind.

हेसक-पंडित सुन्दरहाल गीता और कुरान

इस किताब में हिन्दू धर्म और इसलाम दोनों के मेल की बातें, गीता का बढ़प्पन. गीता के एक एक अध्याय का निचोड़, क़ुरान का बढ़प्पन, लगभग 15 सास सास मज़म्नों पर ख़रान की क़रीब 500 आयरों का लक्षी तर्जुमा बरीरा दिवा गया है.

जो लोग सब धर्मों की बुनियादी एकता को जानना और सममना चाहें उनके लिये यह किताब अनमोल है.

पौने तीन सौ सके की सुन्दर जिल्द बंधी किताब की क्रीमत सिर्फ ढाई कपया, डाक खर्च खलग

हिन्दू मुसिबम एकता

इस फिताब में बह चार लेक्चर जमा किये गए हैं जो पंडित जी ने फन्सीलियेटरी बोर्ड ग्वालियर की दावत पर ग्वालियर में दिवे थे.

सौ सफे की किताब. क्रीमत सिर्फ बारह आने.

महात्मा गांधी के बिलदान से सबक्र

साम्अवायिकता यानी फिरक्रापरस्ती की बीमारी पर राजकाजी, मजद्दबी और इतिहासी पहलू से विचार और इसका दलाज, जिसने चालिए में देश पिता महात्मा गांधी तक को दमारे बीच में न रहने दिया.

क्रीमत बारह आने.

पंजाब इमें क्या सिखाता है

महासमा गांधी की सलाह से अक्तूबर सन् 1947 में पिछली और पूरवी पंजाब के दौरे के बाद वहां की मयंकर बरवादी और आपसी मार काट के कारन लोगों पर जो जो मुसीबर्ते आई उन का दर्दनाक वर्नन. इस छोटी सी किताब में आजकल की मुसीबर्तों को हल करने के लिए कुछ मुमाब भी पेहा किये गए हैं. कीमत बार आने.

बंगाल और उससे सबक

इस होटी सी किताब में 1949-50 में पूरबी और पश्चिमी बंगाल के फिरकेबाराना मगड़ों पर रोशनी डाली बाई है और ऐसे मगड़ों को इनेशा के लिए सस्म करने की सरकीब भी सुमाई गई है. क्रीमत सिर्फ दो चाने.

मिसने का परा-

रेशिका, 'शवा क्षेत्र' 145, उद्दीगंक, इक्षदाकार,

with the second of the second of the second of the second of the second of

لیکھک۔ بنت سندر لال گیتا اور قرآن

اس کتاب میں هدو دهرم اور اِسلامدونوں کے مهل کی باتھو گیتا کا بوپن گیتا کے ایک ادھیا ے کا نچور قرآن کا بوپن لگ بهگ 15 خاص خاص مضبودوں پر قرآن کی قریب 500 آئٹوں کا لفظی توجمہ وفہود دیا گیا ہے .

جو لوگ سپ دھرموں کی بلیادی ایکتا کو جانلا اور سمجھٹا جامیں اُن کے لائے یہ کتاب اسول ہے ۔

ہوئے تین اسو صفحے کی سفدر جاند بقدھی کتاب کی قسمت صرف ڈھائی رویعہ ٔ ڈاک شرچ الگ ،

هندو مسلم ايكتا

اِس کتاب میں وہ چار لیکنچر جمع کئے کئے ھیں جو پلقت جی نے کلسیلیٹری بورۃ کوالیار کی نعوت پر گوالیار میں دکے تیے ،

سوصفتے کی کتاب ، قیمت صرف یارہ آئے ،

مهاتما کاندھی کے بلیدان سے سبق

سامهردایکتا یعلی فرقه پرستی کی بهداری پر واج کاچی، مذهبی اور اتهاسی پهلو سے وجار اور اُسکا علاج، جس نے آخر میں دیھی پتا مہاندا کاندھی تک کو هدارے بہتے میں نا رهلے دیا ہ

تيست بارة آلے .

پنجاب همیں کیا سکھاتا ھے

مہاتما گاندھی کی صلح سے اکتوبر سن 1947 میں پچھمی اور پوربی پنجاب کے دورے کے بعد وہاں کی بھیلکو پیجامی اور آپسی سار کات کے کارن لوگوں پر جو جو مصیمتیں آئیں ان کا فردناک رونی ، اس چھوٹی سی کتاب میں آجکل کی مصیمتوں کو حل کرنے کے لئے کچھ سجھاؤ بھی پھی کئے گئے میں ، قیمت جہار آئے

بنگال اور اُس سے سبق

اس چھوٹی سی کتاب میں 50–1949 میں پروپی اور بچھمی بلکال کے فراغوارات جھکورں پر روشقی ڈالی گئی ہے اور ایسے جھکورں کو ھمیشید کےلئے ختم کرنے کی قرائمیں بھی صحیمائی لگی ہے ۔ قیمت صرف در آئے ۔

ملل ۲ پلد-

ماهج (نيا ملد) <u>گادا</u> ملي للج الد باد

हैं. जाइचनहाबर के आशन का संबन्ध बैंकिंग कमेटी की इसी सिकारिश से हैं. इस तरह बात साक हो जाती है कि इस सुमाब के पीछे भी अमरीका का स्वार्थ काम कर रहा है. बाहे सुसाह हो या न हो दुनिया की "रचना जौर विकास" के नाम पर एक फन्ड जरूर खांखा जायगा और एक बेंक भी बाल होगा. इसका हम सब को यक्रीन होना चाहिये. इस फन्ड का प्रचार बेहद किया जायगा और यह साबित करने की और अम पैदा करने की कोशिश की जायगी कि रूस दुनिया की "रचना और विकास" नहीं बाहता.

अब शान्ति का नाटक खेलने से काम नहीं चलेगा. हथियार की दौड़ बहुत हो चुकी! लगातार अय और चिन्ता की जिन्दगी बहुत हो चुकी! आदमियों का खून बहुत हो चुका ! अब समय आ गया है कि अमरीका, रूसे, चीन, बरतानिया और फ्रान्स मिल कर एक सुलहनामा करें, अपनी अपनी कौकों घटायं, ऐटम बस पर पायन्दी लगायें. जनरल आइजनहावर रूस से शान्त की क्रीमत मांगने के बजाय अगर इस बात का ऐलान करें कि वह शान्ति की क्या क्रीमत देना चाहते हैं तो दुनिया का भला हो सकता है, असलियत को सामने रख कर क़द्म उठाने की जरूरत है आज दुनिया की सारी जनता यह महसूस करता है कि चीन को यूनो की मेम्बरी मिलने पर दूर पूरव के काफी मगड़े खतम ही सकते हैं. क्या अमरीका इस बात के लिये तैयार है, क्या वह चीन को मानता देगा, क्या वह दुनिया की जनता की बाशाओं की पूरा करेगा. चीन को मानता देना अमरीका के नेक इरादों का सबूत होगा, अमरीका का सम्मान बढ़ाएगा. हमारी अमरीकी जनता से अपील है कि वह अपने शासकों को सक्वी शान्ति की तरफ क़र्म डठाने पर मजबूर करे और उनके भोके में न आए!

15. 5. 33

—मुजीब रिजवी

هیں . آئوں هاور کے بہائی اسمبندہ بینکنگ کی آسی سفارش میں ہے ، اِس طرح بات ساف هو جاتی ہے کہ اِس سفیدار کی بہتھا کے دیا ہے . سمجیار کے بہتھا ہوں امریکہ کا سراراہ کام کو رہا ہے . جاتے ملمے هو یا به هو دنیا کی ''رجنا اور وکاس'' کے نام پر ایک قلق ضرور کیونا جائے کا اور ایک بینک بھی جالو هوگا ، اِس کا هم سب کو یقین هونا چاهئے ، اِس قلق کا پرجار ہے حد کیا جائے کا اور یہ تابت کرنے کی اور بہرم پرجار ہے حد کیا جائے کا اور یہ تابت کرنے کی اور بہرم پیدا کرنے کی کور بہرم پیدا کرنے کی کور بہرم پیدا کرنے کی کور جائے گی دوس دنیا کی '' رچانا اور وکاس '' نہیں چاهگا ،

اب شائلی کا ناتک کیبللے سے کام نہیں جانے گا۔ هعههار کی دور بهت هو چکی ! لیانار بھے اور چلعا کی ودهلی بهت هو چکی ! آدمهوں کا غون بهت هو چکا آ أب سبے آلها ہے کہ آمریکہ' روس' چھن' برطانیہ اور فرانس مل قر آیک منصفات درین، آیدی ایدی فوجین کیدائین ایگم ہم پر پاہلدی لگائیں ، جلول آئون هاور روس سے ھانعی کی قیست مانکلے کے بجائے آثر اِس یات کا اُملان کویں که رود شانعی کي کیا قیمت دیلیا چامتے هیں تو دنها کا بها هو سکتا هے . اصلیت کو سامنے رکھکر قدم الهائد كى ضرورت ه . أج دنها كيسارى جلتا يه معصوس کوئی ہے نہ چھن کو یونو کی سیبي ملقے پر دور پورب کے کانی جهکوی خدم هو سکتے میں ، کیا امریک اِس بات کے لئے تھار ہے' کیا وہ جین کو مانکا دے گا کیا۔ وہ دسیا کی جلعا کی آشاؤں کو ہورا کرے کا ، چھن کو مانعا دیلا امریکه کے نیک اراس کا فہرس ھوگا، امریکه کا سمان ہوھائے تا ، هماری امریکی جلتا ہے ایدل ہے که وہ آئے شاسکوں کو سچی شاندی کی طرف قدم اثبالے پر مجهور کرے اور اُن کے دھونے میں به آئے!

بالمحصي وأسوي

15 . 5 . '53

हियार बनेंगे और जियादा सपलाई होगी. दूमैंन ने सुरका के लिये 76 सी मिलयन डालर रखा था और आइजनहाबर ने उसे घटा कर 58 सी मिलयन डालर कर दिया है. इस बात को मिस्टर टेबर ने साफ कर दिया है कि पिछली रक्तम बेहद बाक़ी है और बिना फीजी कार्मों में कोई कमी करे फीज का बजट 58 सी मिलयन डालर से आसानी से 40 सी मिलयन डालर किया जा सकता है. इससे साफ मालूम हो जाता है कि नई रक्तम लेने के बजाय आइजनहाबर ने पुरानी रक्तम का इस्तेमाल किया है और इस कटौती से उन्होंने शान्ति की तरफ कोई क़दम नहीं उठाया.

दसरे देशों को जो सहायता अमरीका देता है इसका अमरीका के लिये बहुत महत्व है. इसके बिना अमरीका के साथी उसे छोड़ देंगे. दूसरी बात यह भी है कि अमरीका ने अपने साथियों को ऐसा बना दिया है कि बह बिना उस की सहायता के जिल्हा भी नहीं रह सकते. इस तग्ह यह सवाल उठता है कि अमरीका ने सहायता कीश में कमी क्यों की ? हम पहले नता चुके हैं कि वायदा पृति के लिये ऐसा किया गया है और अमरीकी शासक परिस्थित को पूरो तग्ह जानने हैं. अमरीकी सेनेट की बैंकिंग कमेटी ने इस समस्या का एक इल सुकाया है- "व्सरे राष्ट्रों को जो सहायता हम देते रहे हैं उसके बजाब बाब इमें चाहिये कि इम विदेशों में रचनात्मक कार्यों के जिये अपना धन लगाएं. लेकिन हमारे धन की सुविधाएं मिलनी चाहिये." इसी चात को सामने रख कर माली सहायता बन्द करने की चेतावनी योरप के देशों को दी गई है. खेकिन अमरीका वाले जानते हैं कि यह राष्ट्र बिना मदद के नहीं चल सकते. इस कारन से यह देश मजबूर हो कर अमरीकी धन को अपने देश में आने हैंगे और उन्हें शर्मनाक से शर्मनाक शरतें मनजूर करनी पर्वेगी.

इसी कमेटी ने कहा है कि नी महीने में पांच शास पचास हजार डालर का अन्तर राष्ट्री व्योपार होना जरूरी है.....नहीं तो माली व्यवस्था खराब हो जायगी और कमयुनिज्य को बढ़ने का मौका मिलेगा. इस कमेटी ने सिकारिश की है कि अमरीका का अन्तर राष्ट्री ब्योपार बहाने के लिये इन्पोर्ट और एक्सपीर्ट बैंक स्रोले जायं और ऐसे डंग निकार्ल जायं जिससे अमरीका जियादा से विकाश बन विदेशों में लग सके.

असरीकी सीनेंट की वैंकिंग कमेटी ने चौर दिया है कि परिस्थिती सुधारने के सिये यह फरूरी है कि ''रचना और विकास" के किये अन्तरराष्ट्री वैंक सोला जाय. इसने उत्पर शिक्षी वार्त पूरी बात साफ करने के सिये कही هجههار بقهس کے أور زیادہ سهائی هوئی ۔ ترومین نے سرکشا کے لئے 76 سو ملهن قالو رکھا نها أور آلڑی هاور نے أسے گهتا کو گئے سات کو مستر تهیو نے سات کو مستر تهیو نے سات کو دیا ہے ۔ اِس بات کو مستر تهیو نے سات کو دیا ہے کہ پچهلی رقم ہے حد باقی ہے اور بنا فوجی کاموں میں کوئی کسی کرے فوج کا بحصت 58 سو ملهن قالو سے آسانی سے 40 سو ملهن قالو کیا جا سکتا ہے ، اِس سے صاف معلوم ہو جاتا ہے نه نئی رقم لهنے کے بحصال کہا ہے اور اِس کارٹی سے آنھوں نے شانتی کی طرف کوئی قدم بہھوں گھایا ،

A STATE OF THE PROPERTY OF THE

دوسورے دیشوں کو جو سہائٹا امریکہ دیتا ہے اُس کا امریکہ کے لئے بہت مہتو ہے ، اِس کے بنا امریکہ کے ساتھی اسے چھوو دیس کے ، دوسری بات یہ بھی ھے کہ امریکہ نے ایے ساتھیوں کو ایسا بھا دیا ہے که وہ بغا اُس کی سہائتا کے وبدہ بھی بہوں وہ سکتے ، اِسطرح یہ سوال اُٹھتا ہے که اوریکہ نے سہالتا درهی میں کسی دیوں کی ؟ هم پہلے کہ چکے معن که رفدہ پررتی کے لگے آیسا کیا گیا ہے اور اسریکی شاسک پرستانهی کو پوری طرح جاناتے هیں، آمریکی سینیت کی بینکنگ کنیگی نے آس سنسیا کا ایک حل سجهایا هے۔ " دوسرے رأشگروں کو جو سهانگا هم دیکی رہے ھیں اُس کے بج لے آپ ممیں چاھئے که هم وديھوں مهی وجفائمک کاموں کے لئے ایفا دعن لکائیں ، لیکن هماري دمن كو سودهائين ملنى جاعثن .14 أسى بالعا کو ساملے وبھکر مالی سہانگا بلد کرنے کی چیگاؤنی یورپ كے ديشوں كو دى كئى ہے . ليكن أمويكه والے جائے هيں کے یہ راشگر بدا مدد نے نہیں جل سکتے، اِس کارن سے یہ دیش مجهور هو گو امریکی دهن کو آنه دیش مهن آلم دیں کے اوں اُنہیں شرمناک سے شرمناک شرطیں منظور کونی ہوس کی ہ

اسی کمیکی نے کیا ہے کہ نو مہینے میں یانے گئے پہتےاس ہزار قالر کا اندر واشکری بھویار ہونا ضروری ہے۔۔۔۔۔ نہیں تو مالی ویوسکتہا خراب ہو جائے کی اور کمیونزم کو پوملے کا سوتم ملے گا اس کمیکی نے سفارش کی ہے کہ امریکہ کا اندر واشکری بھویار بوھانے کے لئے امہورت اور اکسیورٹ بھٹک کہانے جائیں اور ایسے ڈھٹک نکانے جائیں جس سے امریکہ کا زیادہ سے سے زیادہ دھن ودیھوں میں بھی سکے۔

امریکی مہلیت کی بیلکنگ کمیٹی نے زور دیا ہے کہ پرسٹٹیی سدھار نے کے لیّے یہ ضروری ہے کہ '' رجانا اور رکس'' کے لیّے اندر راشٹری بھنگ کیولا جائے ، ہم نے لوپر لکھی باتھں ہوری بات صاف کرنے کے لیّے کہی

शांग्यिका इस निकार्ष इसमें दो राथ नहीं हो सकतीं कि मिल कर बैठने और नेकनियती से बातचीत करने से कुछ न कुछ इस निकल ही आता है. लेकिन न जाने क्यों अमरीका इस बातचीत से दूर भागता है और जो कोई भी उसे यह नेक सलाह देता है उसकी बुरी नजर से देखता है. भिस्टर चर्चिल ने यह सुमाव रखा है कि पांच बड़ी शक्तियों के दरमियान बातचात शुरू की जाय. इस समाव को ले कर चर्चिल साहब की अप्रगीका में ले दे मची हुई है. अमरीका में काफी इस बात पर ग़ुस्सा जाहिर किया गया है. अमरीका का कहना है कि जब यूनो का चारटर मौजूद है तब पांच बड़ों की बैठक की क्या जरूरत है. यूनो के चारटर की मौजूदगी ठीक है लेकिन यह भी द्वनिया जानती है कि इस चारटर की मौजदगी में ही दुनिया आज इस हालत को पहुँच गई है. इस वजह से जहरो है कि पांच बढ़ों की बात चीत ग्रुक्त की जाय और अमरीका रूस और चीन के साथ श्रञ्जूतों का सा बरताव करना ब्रोड़ दे.

तीसरा भाग

1 1 v P 2

आइजनहाबर की तक़रीर का तीसरा हिस्सा वह है
जिसमें उन्होंने सुमाव रखा है कि दुनिया की ग़रीबी के
खिलाफ लड़ाई छेड़ी जाय. इसके लिये उनका सुमाव है
कि एक फंड खोला जाय जिस में इस नेक काम के लिये
दुनिया की सारी सरकारें रक़म जमा करें. इरादा बहुत नेक
है. लेकिन यह सुमाव नया नहीं है. दो साल पहले हिन्दु-स्तान ने ऐसा सुमाव रखा था और उस समय अमरीका ने
उसे दुकरा दिया था. सवाल उठता है कि क्या आज
अमरीका की नियत बदल गई है। तह में जाने पर बात
साफ हो जाती है. आइजनहावर ने चुनाव के समय
अमरीकी जनता से बहुत से वायदे किये थे उन वायदों
में से एक वायदा यह भी था कि अमरीका में वह इनकम
टैक्स कम करायंगे, क्रीमतें घटायंगे और शासन का सर्च
कम करेंगे.

बाइजनहावर ने इनकम टैक्स में कमी के सवाल को यह कह कर टाल दिया है कि जून 1954 तक ऐसा मुमकिन नहीं है. लेकिन इस साल के वजट में उन्होंने 85 सी मिक्स न हाचर की कटौती की है यह कटौती जियादातर सुरचा पर खरच होने वाली रक्तम में से और विदेशों को मिक्सने वाली सहायता कोश में से की गई है. इसका कारन यह है कि रिपबलिकन पारटी वाले डेमाकेटों को इन्हीं महों को ले कर कजूल सार्च और निकम्मा बताते खाद में. लेकिन सवास उठता है कि इस कटौती से हिययार बन्दी पर कोई असर पदेगा या नहीं ? हथियार बन्दी में कमी होने के बजाय स्कीम यह कि 53-54 में जियादा

هانگی کا عمل نکلیں۔ اِس میں دو رائیں تییں ہوسکتایں کے مل کر بیٹھنے اور نیک نیٹی سے بات چیت درتے سے كوي نه كوي حال نكل هي آتا هي ليكن نه جالي كيون امریکه اِس باس چهت سے دور بهائکا هے اور جو کرئی بھی أس يه نهك صلم. ديما هـ أسكو يري نظر بيد ديكهما . ہے مسلو جوجل کے یہ سجها رکھا ہے که پانچ ہوی معتموں کے دورمیان بات چیمت شروع کی جائے . اِس سنجهاؤ کو لے کر چرچل صاحب کی امریکه میں لے دے معهی هولی هے ، امریکه میں کانی اِس بات یو قصه هاهر کها لها ه . امريکه کا کيفا هے که جب يرتو کا جاراتر موجود ۾ تب پائچ يون کي بهتهک کي کها ضرورت ۾ . پولو کے بھارالو کی موجوگی ٹھیک ھے لیکن یہ بھی دسا جانعی ہے که آس جارٹر کی موجودگی میں هی دنیا آج إس حالت کو پہونے گئی ہے . اِس وجه سے ضروری ہے کہ پائے ہووں کی بات چیت شروع کی جائے اور امویک ووس اور جهیں کے ساتھ اجھولوں کا سا برناؤ کرنا چھور دے .

لهسرا بهاك

آٹوں ماور کی تقریر کا تہسرا حصہ وہ کے جس میں الهوس تے سجهاو رکها هے که دنها کی غریمی کے خلاف لوالی جمعوی جائے . اِس کے لئے اُن کا سجهاو ہے کہ ایک فقق قهولا جائے جس میں اِس نیک کام کے لئے دنیا کی ساوی سرکاریس وقم جمع دریس ، اراده نیک ہے ، لیکن یه مجهاز نها نهیں ہے . دو سال پہلے مقدستان نے ایسا معهار رکها تها آور اُس سیے امریکه لے آنے ٹھکرا دیا تھا ۔ سوال ألها هـ كه كيا أج امريكه كي نهت بدل كثي هـ ؟ ٹهه مهن جانے پر بات صاف هو جائی هے . آئزن هاور نے چفاؤ کے سے امریکی جلگا ہے بہت ہے وقدے کئے تھ . اُن وهدون مهن سے ایک وهذه یه بهی تها که وه آمریکه مهن العم ٹیکس کم کرائیں کے گینجیں گھٹائیں کے آور شاسی کا خبرے کم کویں گے ۔ آلؤن ہاور نے اِنکم ٹھکس میں کسی کے سوال کو یہ کہکر ٹال دیال ہے کہ جون 1954 کک أيسا منعن بهون هے ، لهعن إس سال كے بجت مون أنهون نے 85 سو مهلن قالر كى كاونى كى ھے . يە كالونى وهادمة كو سوكها بر خرب مول وألى رقم مهل بيراور وديشول كو مقفے والیسهانعانوش میں ہے کیگئی ہے ۔ اِسکا کارن یہ ہے که ویهمدیکی پارٹی والے قیماکریٹرسکو اِنهیسمدوس کو لے کر فصول غربها اور نعما بقال آئے تھے۔ سوال اُٹھقا که اِس کٹوتی سے هامهار بغض پر کوئی آثر پرے کا یا بہیں؟ معیمار بدنی مهن قسي هو ليك بعوالي إسكيم يه هاده 53-54 مين إياده

A Contract in second

نے صاف کہا ہرکہ چھیم والے تواثی میں ایکم یم بھی إسلامنال وہیں کے اور اُنہوں نے ایکم همهاروں کے اِستعمال کے لکے فوجوں 'کی گرینگ پر زور دیا ہے ، پچھم والوں نے روس کے علاف جو فوجي كنك كهوا كها هي أس كا نام لهاتو ركها هي . نیکر میں اِس سے چودہ رافقر میں آور اس کا نیکا امریکه هے بعو وقعی ہوتے ہو اوں راشاروں کی موضی کے خلاف بھی نیکو کی فوجیں کو لوائی میں بھیم سکتا هے ، نیکو کی فریے 37 لائم سے بومکر اب 70 لائم مرلکے ہے . نئے نئے متعماروں سے یہ قوم لیس ہے . اِس کے پاس بے حد هوائی اقلے هيں ، يہ بھی بات نوش كرنے كے قابل هے که ایک طرف امریکه صلم کی بات کر رها به اور ديسون طرف نهيلو كا 70 هزار مهلن دالو كا بجت ياس کھا گیا ہے جو بعجہلے سالوں کے مقابلے میں بہت زیادہ ھے ۔ نہاتو والوں کا کہنا ہے کہ وہ لمبے پروکرام کو سامنے رکھ كو إتلى رقم خرج كر رهے هيں . ظاهر باس هے كه أمريكه والون كا شالي يه كهذا كه يه قوجهن روس يو حمله كرني کے لیے نبھی ھیں روسیوں کو تسلی بھیں دے سکتا 🕆

امریکہ والے یہ بھی مانگ کرتے ھیں که روس مقیا اور هند چھی میں جلنے والے آزائی کے آندوللوں کو رکوا دے. ظاہر بات ہے کہ روس کی شکتی سے یہ بات باہر ہے ، نہ اس میں شکتی ھی ہے اور نہ اسے ادھیکار ھی ہے ، یہاں کی لوائیاں تبھی رک سکتی ھیں که جب سامراجی طاقتیں اِن دیشوں کو جہور دیں ،

قلس صاهب كهيم هي كه جب تك كمهونست إن ديهون م خدم تهون مونكم تب تك شاندى نهين موسكدى. سوال أَثْهِمًا هِي كُمْ يَهُ كُمْهُونُسْتُ كُونَ هَيْنَ ؟ كَيَا رُوسَى لُوكَ إِنْ دیشیں میں لوائی جا رہے میں اور امریکه کی بات مان کر وہ یہاں سے چلے جاٹھی، برطانعہ نے ڈسےدار آدمی اِس بات سے صاف إنكار كرتے هيں . أن كا كهذا هے كه كوثى يهى ووسني إن ديشون مهن تهين هـ ، يهم كها چهن والے وهان لوالے چلا رہے میں؟ اِس بات کا بھی لوئی قدرت بہیں ہے . خبد أميده كا كهذا هے كه چيدى سياهى إن ديھوں ميں نيهن ههن . يهر آخر يه كمهونست كون ههن جن سردلس ماسب ملایا اور هدد جهن کو خالی کرانا چاهتے هیں ، اگر یه کمهردست اِنهین دیشون کی سفتان هین تو انهین عدى هے كه وہ أه ديش ميں رهيں أور جيسي جامين سولار بقائهن ، امریکه یا کسی ودیشی راشار کو دخل دیتے کا خولی حتی نہیں ہے . لیکن امریکه اِس انعیکار کو اُیمیا کے دیمیں کے لکے نہیں مانعا إ

گئوں مارر کے بھان میں کیمن بھی اِس بات کا فکر نہیں گیا کے دیتیں پکھیں کے نیٹنا سل بیٹیکر کے

ने साफ कहा है कि पश्छिम वाले तहाई में पेटम बम भी इस्तेमाल करेंगे और उन्होंने पेटमी हथियारों के इस्तेमाल के किये की जों की ट्रेनिंग पर जोर दिया है पच्छिम बालों ने रस के खिलाफ जो भीजी ग्रद खबा किया है उसका नाम नेही रक्षा है, नेटो में इस समय चौवह रास्ट हैं और इसका नेता समरीका है जो वक्षत पढ़ने पर इन गश्टों की मरकी के खिलाफ भी नेटों की फीजों को सबाई में मेन सकता 🕽 नेटो की फ्रीज 37 लाख से बद कर खब 70 लाख हो गई है. नये नये हिंबयारों से यह फीज लैस है. इसके पास । भेहद हवाई अड़े हैं. यह भी बात नोट करने के क्राविस है कि एक तरफ धमरीका सलह की बात कर रहा है और दूसरी तरफ नेटो का सत्तर हजार मिलयन हासर का बजट पास किया गया है जो पिछले सालों के मुकायले में बहुत चिवादा है. नेटो वालों का कहना है कि बह लम्बे श्रोप्राम को सामने रख कर इतनी रक्तम खरच कर रहे हैं. जाहिर बात है कि अमरीका वालों का खाली पह कहना कि यह फीजें रूस पर हमला करने के लिये नहीं हैं रूसियों को तसक्ली नहीं दे सकता !

खमरीका वाले यह भी मांग करते हैं कि रूस मलाया और हिन्द चीन में चलने वाले आजादी के बान्दोतनों को दफवा दें. जाहिर बात है कि रूस की शक्ति से सह बात बाहर है. न उसमें शक्ति ही है और न उसे खिकार ही है. वहां की लड़ाईयां तभी कक सकती हैं कि जब सामराजी ताक़तें इन देशों को छोड़ दें.

इलेस साइव कहते हैं कि जब तक कमय्निस्ट इन देशों से जतम नहीं होंगे तब तक शान्ति नहीं हो सकती. सबाज उठता है कि यह कमयुनिस्ट कौन हैं ? क्या कसी स्तोग इन देशों में लड़ाई चला रहे हैं और अमरीका की कात मान कर वह यहां से चले जायं. बरतानिया के जिन्मेदार चादमी इस बात से साफ इनकार करते हैं. डनका कहना है कि कोई भी रूसी इन देशों में नहीं है. फिर क्या कीन बाले वहां लड़ाई चला रहे हैं ? इस बात का भी कोई सकूत नहीं है. खुद अमरीका का कहना है कि बीमी सिपाही इन देशों में नहीं हैं. फिर बाखिर यह कमयुनिस्ट कौन हैं जिनसे बलेस साहब मलाया और हिन्द चीन को खाली कराना चाहते हैं. अगर यह कमयुनिस्ट इन्हीं देशों की सन्तान हैं तो उन्हें हक है कि वह अपने देश में रहें और जैसी चाहें सरकार बनाएं. अमरीका या किसी विदेशी रास्ट्र को दखला देने का कोई हक नहीं है. केंकिन कमरीका इस कविकार को परित्या के देशों के क्षिये नहीं मामता !

भाइक्रमहाबर के क्यान में कहीं थी इस बात का विकर नहीं चाचा कि दोनों पत्तों के नेतुर जिल बैठ कर के स्टाक का चीक मुकरेर किया गया है. रेडकोर्ड जनरल मैकडार्थर के विचारों के आदमी हैं. इनका निरचय है कि जापान और कारमोसा की की नों का इस्तेमाल लड़ाई में किया जाय, चीन पर पूरी तरह चढ़ाई की जाय और क्से फिर से गुलाम बनाया जाय. एक तरफ सुलह की बात भी हो और दूसरी तरक तड़ाई की तैयारी भी हो वह बात समक में नहीं जाती.

दुनिया जानती है कि पूरवी योरप के देशों में कमय-निस्ट राज कायम है और इन देशों की जनता माली भौर समाजी हैसियत से काफी तरक्की कर रही है. लेकिन अभरीका बाले कहते हैं कि यह राष्ट्र गुलाम हैं. सोचने की बात है कि इन रास्ट्रों में रूस की कोई फीज नहीं है, रूस इन देशों में अपना गवरनर जनशत मुक्रर्रर नहीं करता, यह राश्ट्र रूस के विधान और उसके प्रधान को नहीं मानते. लेकिन (फर भी धमरीका की नजर में यह राष्ट्र रूस के गुलाम हैं. लेकिन अजीव मजाक़ है कि अमरीका को मलाया, हिन्द चीन, जापान, थाई लैंड. बर्य देश केनिया, टियूनेशिया, मराको सभी राश्ट्र बाजाद दिखाई पढ़ते हैं! अमरीका ने शर्त रखी है कि सुलह तभी हो सकती है जब रूस पूरवी बोरप को आजाद करे. यानी रूस पहले यह माने कि यह देश उसके ग्रलाम हैं न रूस यह कात स्वीकार कर सकता है और न यह राश्ट इस अपमान को बरदारत कर सकते हैं. दूसरी तरफ उलेस साहब का कहना है कि 'पूरबी योरप की उस जनता की हम साफ बता देना चाहते हैं जो गुलाम बना ली गई है कि हम उसकी रालामी को तारीख का स्थाई कैसला नहीं मानते.'' लेकिन दुख है कि मत्ताया, हिन्द चीन, अफरीक़ा के करोड़ों इनसानों की रालामी को बलेस साहब तारीका का स्थाई फैसका मानते हैं और कभी भूल कर भी इन देशों की जनता की आजारी का जिकर वह नहीं करते. इस का पतराज यही रहा है कि अमरीका वाले इसे और उसकी विचार धारा के खोगों की चैन से नहीं बैठने देते. यह लोग उन मुल्कों में बगावत फैलाते हैं चौर एक अब का वातावरन तैयार करते रहते हैं. इलेस साहब के बबान से इन पतराचों की असक्रियत का सब्त बिखता है.

मिस्टर वर्षिल ने ठीक कहा है कि पण्डिम वाले इस बात को जोरों से करते हैं कि रूस उन पर हमला कर देगा और इसी मय के कारन वह कौजें बढ़ाते जाते हैं लेकिन कमी यह नहीं सोचते कि रूस को मी उन से डर है। जाइजनहाचर ने इस डर को मिटाने की कोई बात जपने माझन में नहीं कही. डर खतम करने के बजाय रूस को और हराने की बात की गई है. हाख में जनरल रिजवे

163

استان کا جیفیہ مقرو کہا کہا ہے . ویگافورڈ جافول مہان آرتھو کے وجافوں کے آدسی مہیں . اِن کا نصحے ہے که جالیان اور فارسوسا کی فوجوں کا استعمال لوائی مہیں کہا 'جالی' جھن پر پوری طرح جوهائی کی جائے اور اُسے پھر سے غلام بقایا جائے ، ایک طرب صابح کی بات بھی ہو اور فوسوی طرف لوائی کی تھاری بھی ہو یہ یہ بات سمجھ مہیں نہیں آئی .

دنیا جائعی ہے که پوربی پردپ کے دیھوں میں کمهرنست راج قائم ہے اور اِن دیشوں کی جلقا سالی اور سباجی حیثیت سے کافی ٹرقی کر رھی ھے ، لیکن إمريكة والے كها هيں كه ية واشكر قلام هيں ، سمجلے كى ہاں ہے کہ اِن راشتروں میں روس کی کرٹی قوج تیمیں هـ، وس ان ديهون من أيفا كورنز جقول مقرر نهمَن كرتا یہ رافتر روس کے ودھان اور اس کے پردھان کو بہھی ساتھے ۔ لهکی پهر بهی امریکه کی نظر مهن یه راهاتو روس کے قالم ههل لیکن مجهب مزاق ه که امریکه کو سایا ، مقد جهن ، جايان الهائم لهلي مرب ديه كيلها لهويههها مراكوسههي واشكر أواد دامالي موتر مميل امريكة فيشرط ركمي هي كه صلع تبهی هو سکتی هے جب روس پیربی ہورپ کو آزاد کرے ۔ يعلى روس بہلے يه مالے كه يه ديش أس كے قلام هوں . له روس به بالبه سایکار کو سکتا هے اور نه به واشکر اِس ایمان کو برداشت کو سکتے میں ، دوسری طرف ڈلس ماحب کا کہنا ہے کہ " ہورہی ہورپ کی اُس جنتا کو هم صاف بھا دیلا جامعے میں جو فلم بلا کی گئی ہے که امر أس كى قلامي كو تاريم كا أستهائي قيصله تهون مانتي ،'' لهكن دكو هے كه مقيا عدد جهون أفريقه كے كروروں أنسانون كي فلامي كو ذلس ماهب تاريم الأ أستهائي قیصله مانکه هیل اوو کیهی بهول کو بهی آن دیشول کی جمعنا کی آزادی کا ذائر ولا نهیس کرتے، روس کا استراض یہی رها ہے کہ آمریکہ والے أسے اور اس کی وجار دھارا کے لوگوں کو جهن سے نہوں بیٹھٹے دیتے ۔ یہ لوگ اُن ملکوں مهی بشاوت پیمانے میں اور ایک بھے کا واتاورن تھار درتے رهتے هیں ، قاس ماحب کے بھان سے اِن اعتراضوں کی اصلیمت كا ثهيي ملتا هي

مستر چرچل نے تھیک کیا ہے کہ پچھم والے اِس بات کو زوروں سے کہتے میں که روس اُن پر حملہ کر دیے کا اور اُسی بھے کے کارن وہ فوجیں بڑھاتے جاتے میں لیکن کمھی یہ نہیں سوچتے کہ روس کو بہی اُن سے ڈر ہے ۔ آئوں ھاور نے اِس ڈر کو متانے کی کوئی بات ایے بہائیں میں فہیس کہی ۔ ڈر ختم کرنے کے بجائے روس کو اور شوالے کی بات کی گئی ہے ، حال میں جلرل رجوں के कम्यनिस्टों की रक्षा न करेगा.....इमने बस्तानिया, फान्स और इसरी सरकारों से बात की है कि कन्युनिस्ट चींन के विस्ताप्त न्योपारी नाकावन्ती को सखती से अमत में साथा जाय. यह सरकारें अपने उन जहाजों को रोकने के लिये जो करूरी सामान भीर ईंघन चीन ले जाते हैं असबी क़द्म उठा रही हैं. दूसरे देशों के जहाजों को मी रोका जा रहा है कि वह चीनी जहाजों के लिये ईंधन और दूसरे जरूरी सामान न ढोवें....." चीन संबन्धी अमरीका के इस इस में कोई फरक नहीं आया बल्क अमल में तेजी भा गई है. 13 मई को फिनलैंड का एक जहाज इस हजार टन जहाज में इस्तेमाल होने बाला इंघन लेकर जीन जा रहा था. अमरीका ने रास्ते में उसे मारी रक्तम दे कर स्परीय खिया है और अपने फ़ौजी अड्डों को भेज दिया है.

यह बात ब्याज साफ है कि बिना चीन के पूरबी पशिया में सुबह नहीं हो सकती. लेकिन फिर भी अमरीका चीन से सुलह करना नहीं चाहता. इस से साफ नतीजा यह निकलता है कि वह मुलह का नाटक खेलना चाहता है लेकिन सुलह करना नहीं चाहता वह इस बात का दावा सहर करता है कि हर राष्ट्र को अधिकार है कि वह जिस तरह की भी खरकार चाहे अपने देश में क्रायम करे लेकिन वह इस दावे की अमल में नहीं मानता.

आइजनहाबर को ग्रुरू से यह पालिमी रही है कि बोरप में लड़ाई न छेड़ कर एशिया में ख़न खराबा किया जाय और एशिया वालों की आपस में लड़ाया जाय. इस पासिसी को कामयाब बनाने की तरफ जो फ़दम अमरीका ने वठाया है उसका जिकर करते हुए मिस्टर डलेस ने कहा है-"दूर पूरव की समस्याओं को दूसरे सवालों पर तरजीह दी गई है. यह बात साफ कर दी गई है कि अमरीका इस मयानक परिस्थिती को सममता है जिसका सामना पूरव के इमारे मित्रों जापान, कोरिया और कारमोसा से लेकर हिन्द चीन और मलाया तक सभी को करना पड रहा है. यह बात भी साफ कर दी गई है कि इस मुसीवत का मुक्काबला एक लगन, एक विचार और बढ़ते हुए सहयोग से ही किया जा सकता है....." अमल से भी यह बात साबित है कि अमरीका इस तरफ कीज की एक दीवार सादी कर रहा है और इन सब देशों में चलने वाले आजादी के जान्दोखनों को इचलने की लिये हथियार भेज रहा है. बही नहीं. इसने एशिया में लढ़ाई चलाने के लिये अपने ज्याहरूट चीप्र आफ आफ स्टाफ भी बदर्त दिया है. पहले इस स्टाफ में उन जनरैलों का बहुमल वा जो योरपी रन-मीति से पूरी जानकारी रखते थे लेकिन नये स्टाफ में उन हींगों का बहुमत रका गया है को एशियाई रन-नीति के साहर हैं. ज़नरल स्मर में बते की जनह रेडफोड को जनरस

کے کمونسٹاوں کی رکھا ته کرےگا.....هم نے پوطائیہ' فرائس اور دوسری سرکاران سے یات کی ہے که کیپولسٹ چھی کے خلاف بیویاری تاکہ ہندی کو سطعى سر معل مهن لايا جائر. يه سركارين أبي أن جهازون کو روکلے کے لیے جو ضروری سامان اور ایلدعلی جمین لے جاتے میں مبلی قدم اُٹیا رهی میں . درسرے دیھوں کے جہازوں کو بھی روکا جا وہا ہے که وہ چیشی جہازوں کےلگے ايقدهن اور دوسري ضروري سامان نه تعرثهن ... الم سمهلدهی امریکه کے اِس رم میں دولی فرقی تھیں آیا بلكه ممل مهن تهزي أ كأي هي. 13 مثى كو فوليلة كا ایک جہاز دس مزار تن جہاز میں استعمال هونے والا ایندھن لے کو چین جا رہا تھا۔ امریکھ نے واستے میں أبير بهاري رقم دے كو خريد لها اور الله قوجي أقول كو بہیج دیا ھے ،

یت باس آبے سائب ہے که بقا چین کے پوربی ایشیامیں مهن صلع تههن هوسکائی لیکن پور یوی آمریکه چهن ہے صلع نهون كرنا جاهنا، إس بي صاف منهجه يه نكلتاً ه كه ولا ملم كا بالك كهيلنا جاهتا هرليكن صنع كرنا نهين جاهدًا. ولا إمر بات كا دهوول ضرور كرنا هي كه هر راشدر كو ادهیکار مے که وہ جس طرح کی بھی سرار چاھ آبھ دیش میں قائم کرے لیکن وہ اِس دعوے کو عمل میں تبہیں

آئزن ھاور کی شروع سے یہ پالیسی رھی ھے که یہرپ مهر نوائي نه جههو كر أيشها مهن خون خرابه كها جائے اور لیشها والوں کو آپس مهن لوایا جائے . اِس پالهسی فو کامی ب بدنے کی طرف جو قدم امریکه نے اُٹھایا ہے اُسکا نی کرتے میائے مسائر ڈلس نے کہا ہے۔۔''دور ہورپ کی سمسهای کو دوسویے شوالوں پر ترجهم دیگئی هے، یہ یات صاف کر دنی گئی ہے کہ امریکہ اس بھیانک پرستھتی کو سیجھٹا ہے جس کا سامقا پورپ کے همارے مقروں جایان' کوریا اور فارموسا سے لے کر عقد چھن اور مالیا تک سهوی کو کرنا ہو رما ہے ۔ یہ بات بھی صاف کر دبی گئی هے که اِس مصهبت کا مقابله ایک لکن ایک وجاد اور بوعاتم هوئے سههوگ سے هي کها جاسکتا هے.....! عمل سے یہے یہ بات ثابت ہے که آمریکه اِس طرف فوج کی ایک ديوآر کهوى كو رها هے اور إن سب ديشوں مهن چلقے والے آزادی کے آندوللوں کو کھللے کے لگے متیار بھیم رما ہے ، يبي نهين أس نے ايشها ميں لوائی چلانے کے لئے ايفا حالفت جهف أف استاف بهي بدل ديا هي . بهاء اس أستان مهن أن جدريتين لا يهوست تها جو يوريي ران نهتي سے پوری جانکاری ولیتے کے لیکن نالے استاف میں أبي ليكين كا يهومت ركها كها هي جو أيشهائي ران لهتي ك مانو عَيْن. جاول عدر بزنگل کی جاند ریگاورة کو جادل

The state of the state of

· ' ·

त्रेलिंडेंन्ट आइयन हावर दुनिया के दिले पर अपनी नेक नियती का सिक्का जमा लेते और दुनिया में क्रीरन शान्ति क्रायम हो सकती अगर वह असलियत को सामने रक्कर नीचे जिली वार्ते कहते.

- (1) कोरिया में कौरन जंग बन्द की जाय चौर सब विदेशी कीजें देश से बाहर बज़ी जायं. शान्ति का वाताबरन काबम करके दक्खिन चौर उत्तर कोरिया में सुबह कराने की कोशिश की जाय और रूस, चीन, धमरीका चौर इंगलैंड मिख कर एक साथ, एक खगन से इस नेक काम का गार उठायें.
- (2) यूनो में नई चीनी सरकार को उचित स्थान मिले और चांग काई रोक को नचे चीन के खिलाफ मक्ष देना समरीका और यूनो बन्द कर हैं.
- (3) मलाया को पूरी आजादी दी जाय और अंगरेज मजाया को छोड़ दें.
- (4) हिन्द चीत और टियूनेसिया से फ़ानसीसी चपना क्रमचा हटा लें.
- . 5) जापान से अमरीका अपनी फीज़ें हटा ले और वहां 604 फीजी अड्डे खतम कर दिये जायं.
- (6) इथियार बन्दी की दौड़ खतम कर दी जाय और नेटो (N.A.T.O.) के नाम से जो कौजें योरप में बढ़ाई जा रही हैं उन्हें कम किया जाय अमरीका ने जो कौजी अहुड़े रूस के बारों तरफ बनाय हैं उन्हें खतम कर दिया जाय.
- (7) ईरान और मिस्न के जायज अधिकार को माना जाय और स्वेज नजर से अंगरेजी फीजें हट जायं.
- (8) अफरीका में नसबी भेद भाव का खातमा किया जाब.

यही नहीं कि इन बातों का जिकर नहीं किया गया बिल्क इन बातों पर बाद में वह राय जाहिर की गई है जिसके आधार पर सुलह की बात कहते कहते और मी कड़वाहट पैदा होने और शक शुबह बढ़ने की संभावना है. अमरीकी एडीटरों की उसी सभा में 18 अप्रैल को बीकते हुए मिस्टर डलेस ने कहा है—"बीन की नेशन लिस्ट सरकार से इमारे संबन्ध बहुत बेहतर हो गए हैं. आरमोसा में हमारा एक राजदूत है. कारमोसा सरकार को को कौजी सहायता मिलनी चाहिये थी वह इमारे जिम्मे बाकी थी. अब इम बह सहायता तेजी के साथ कारमोसा को दे रहे हैं सातवें जंगी के को जो आदेश दिये गये वे कार्य है सातवें जंगी के को जो आदेश दिये गये वे कार्य है सातवें जंगी के को जो आदेश दिये गये वे कार्य है सातवें जंगी के को जो आदेश दिये गये वे कार्य है सातवें जंगी के को जो आदेश दिये गये वे कार्य है सातवें जंगी के को जो आदेश दिये गये वे कार्य है सातवें जंगी को को जो अदेश है सातवें कार्य है सातवें जंगी के को जो आदेश दिये गये वे कार्य है सातवें जंगी की साथ है सातवें कार्य है सातवें कार्य कार्य है सातवें कार्य है

- (1) کورہا میں فورآ جلک بلد کی جائے اور سپ ودیشی قبحیں دیش ہے باہر جلی جائیں ، شائعی کا ودیشی قبحیں دیشن میں مائے کی وائوروں گائم کرنے دنوں اور آئر کورہا میں مائے کرائے کی کوشش کی جائے اور روس' جین' امریکہ اور ایکلیلڈ مل' کر ایک ساتہ' ایک لگی سے اسی نیک کام کا بہار گلاائدی .
- (2) یوتو میں نکی چیلی سرکار کو آجت استجان منے اور جانگ کئی شیک کو نگے جمن کے خلاف مدد دیانا امریکہ اور یونو باند کردین ،
- (3) مایا کو پوری آزادی سی جائے اور انگریز مایا کو جورز دیں .
- (4) ہند جین اور تورنیشیا ہے فرانسیسی ایفا قبضہ مگالیں،
- (5) جاپان سے امریکہ ایفی فوجیں مثالے اور وہاں 604 فوجی اقبے ختم کردئے جائیں ۔
- ر7) ایران اور مصر نے جائز ادھیکار کو مانا جائے اُور سولز نہر سے انگریزی فوجیس هنگ جائیں ۔
- (8) افريقه مهرنسلي بههد يهاو لا خالمه کها جَالِم.

یهی نهی ته ای یانی کا فار نهیں کها گها بلکہ این بانین پو بعد میں وہ رائے ظاهر کی گئی ہے جس کے آدسار پر ملم کی بات دہتے کہتے اور بھی دوراهدی بهدا هول اور شک شه بوهنے کی سمبهاؤما ہے ، امریکی آیڈیڈروں کی آسی سمبا میں 18 آپریل کو برائے هوئے مسار کلس یہ کیا ہے۔" بھی کی بیشلست سرکار سے همارے سمبلد کلس بہت بہتر میکر میں ، فارموسا میں همارا آیک واجدوت ہی فارموسا سرکار کو جو فرجی مہائکا تعزی کے مائع قارموسا کو دی وہ مہائکا تعزی کے مائع قارموسا کو دی وہ سائی جاگی بھرے کو جو آدیوسا طلح بیانی دیا ہے کو دی انہیں بریسیقنی آلین هارد نے بدل دیا ہے ، فیلی دیا ہے ، فیلی دیا ہے ، فیلی بیت جاگی بیتا کیا تیکی دیا ہے ،

बेता है, शायद जगरीका ने रूस को इस सुलद के सुमाव के रूप में चेलेंज ही दिवा है. अमरीकी अखनारों ने भी इसे "अपील" का नाम न देकर "बेलेंज" का नाम ही दिया है. दिल्ली से निकलने वाले अमरीकी द्तावास के शक्तकार 'अमरीकन रिपोर्टर' ने भी इस "बेलेज" कहा है. मिस्टर हलेस 18 अप्रैल को उसी सभा में बोले हैं जिस ं में आजनहाबर ने यह बयान दिया है उन्होंने भी इस बबाम को ''चेक्नेंज'' कहा है

श्रमरीकी श्रास्त्रवारों की टिप्पनी श्रीर मिस्टर इलेस के क्यानों को ध्यान से पढ़ने पर यह बात साफ हो जाती है कि रूस वालों ने जंग की संभावना को कम करने के बिये जो अमली क़द्म उठाए थे उनका जवाब इस भाशन के रूप में दिया गया है. यह ईमानदारी नहीं प्रोपेगेन्सा है चपील नहीं चेलेंज है!

द्सरा भाग

आइजन हावर के भाशन के दूसरे भाग में शान्ति के बिसे शरतों की एक बन्दी खिस्ट गिनाई गई है. यह शरतें वह हैं: (1) आसद्रिया के संबन्ध में रूस एक नये सममीते पर वसकात करे. (2) वसरी तदाई के जी क्रीदी कहा शाता है अभी तक रूस में हैं उनको छोड़ दिया जाय. (3) कोरिया म बड़ाई बन्द करने के क्रिये मुलह की जाय. बाबाई खतम करके कोरिया के राजकाज के संबंध में बात बीत हो और ऐसा चुनाव किया जाय जिसके आधार पर कोरिया के दोनों भाग एक हो सकें. (4) हिन्द चीन और मलाया पर रूस किसी तरह का इमला न क्षेत्रे के के किम्मेदारी ले. (5) पूरकी बारप के देशों को पूरी आधादी दी आय ताकि यारप का जो रौर क़दरती बंदबारा हुमा है वह सतम हो जाय. (6) जरमनी को काजाद किया जाय और चुनाव करके जरमनी के दोनों सामों की एक सरकार बनाई जाय (7) हिंगयारों और · कौओं की एक तादाद सकरर की जाय और यूनो की देख रेक में सब मुख्कों की कीजों और हथियारों पर कंट्रोब रका जाय.

साफ है कि इन शरतों में अमरीका सब कुछ ले केना चाइता है केकिन देना कुछ नहीं चाहता. यह शरतें यकतरका है सुलह सफाई दोनों तरफ से होती है इनमें क्षा क्या करें सब बताय गया है लेकिन यह कहीं नहीं कहा गया कि अमरीका को क्या करना चाहिये. लेकिन अमरीका ने इच एक तरका शरतों के ऊपर भी एक शर्त कात दी है कि रूस जब तक अपर की शरतों की पूरा न कर हे तब तक आगे वातचीत ही नहीं चताई ना सकती. काहिर बात है कि वह शरतें पूरी करना रूस बादें भी तो क्ष्मकी समित के बाहर है. इसका चिकर हम बाद में दरेंगे.

بُهِنا ۾ . شايد امريانه نے روس کو اِس شامع کے سجهاو کے روب میں جملتم هی دیا هے . امریکی اخباروں نے بھی اس ''الهل'' كا مام نه دے كو ''جهلليم'' كا تام هي ديا هے. دلی سے نکلئے والے امریکی درتاواس کے اخبار "امریکی رپورتر" لے بھی اُسے ''چیللیج'' کہا ہے . مستر قالس 18 اپہیل کو أسى سهها مهن بول هين جس مهن أثرن هاور نے يه يهان ديا هـ . أنهون نے يهي إس بمان كو "چهللي،"

امریکی اخداروں کی تہتی اور مساتر ذاس کے بھانوں کو دھیاں سے پوھٹے پر یہ بات صاف ھو جالی ھے کہ روس والوں نے جلک کی سمجھاونا کو کم کرنے کے لگے جو عملی قدم ؓ اُٹھالے تھے اُن ؓ کا جواب اِس بھاشن کے روپ میں دیا گها هے ، یه ایسانداری نهیں پرویکنگه هے ایهل نههن ا چيلتم ۾!

قوسرا يهاك

آگڑی ہاور کے بھائیں کے دوسرے بھاگ مھی شانگی کے للے شرطوں کی آیک لمبی لسمی گفائی گئی ہے ۔ یہ شرطیق یہ هیں: (1) آساریا کے سنبقدہ میں روس ایک نگے سنجہوتے ہر دستخط کرے (2) دوسری لوائی کے جو قیشی کہا جانا ہے ابھی تک روس میں میں آن کو جمور دیا جالے (3) کوریا میں لوائی بلد کرنے کے لئے سلم کی جائے، لوائی خام کوکے کوریا کے راچ کاچ کے سمھندہ میں بات جیت هو اور ایسا جداو کیا جائے جس کے آدھار پر کوریا کے دونوں بھاک ایک ہوسکیں ۔ (4) مند بھین اور مالیا پر روس کسی طرح کا حسله نه هول دیالہ کی فمرداری لے (5) ہورہی یورپ کے دیشوں کو ہوری آزادی دی جائے تاکه یورپ کا جو غیر قدرتی بالوارد هوا ہے وہ خاتم هو جائے. (6) جرسلی کو آزاد نیا جائے اور چلاو کرکے جرسٹی کے دونوں بھائوں کی ایک سرکار بقائی جائے (7) همهارس أور فوجوس كي أيك تعداد مقرر كي جائه اور يونو كىدىكه ريكه مهل سب ملكول كى فوجول أور هاتهارول ير كلارول وقها جائي .

صافيهاكه إن شرطين مهن أمريكه سبكتهم ليليقا جهاها هے لیکن دیٹا نچہ نہیں جامعا، یہ شرطیں یکمارتہ میں۔ صلم صفائی دونوں طرف سے هوتی ہے۔ اِن میں روس کہا کھا درے سب بتایا لیا ہے لیکن یہ کہیں نہیں کہا گیا که أمريكة كو كيا كرنا جاهكي ليكن أمريكه ني إن يكطرفه شرطین کے ارپر بھی ایک شرط لٹائنی ہے کد روس جب لک اُوپر کی شرطوں کو پیرا نہ کر دے لیے تک آئے بات چهمت جن غيمل جائي جاسكتي . ظاهر باس ۾ كه يه فرطین پرریکرنا روس بوا<u>د</u> بھیتو آسکی مکتی کے ہامر هـ، اِس القادر هم يعد مهن كريس كي .

करने, हर बम बरसाने का मतसब आसीर में यही होता है—उनके हिस्से की चोरी जो भूके हैं और जिन्हें साना नहीं मिसता, जो सरदी में ठिटुर रहे हैं और जिन्हें कपड़ा नहीं नसीब होता.

"यह दुनिया इधियारों पर दौलत ही नहीं जाया कर रही है.

यह दुनिया अपने मजदूरों की मेहनत, अपने विका-निकों की प्रतिमा और अपने वर्षों की आशार्ये भी लड़ाई पर सर्च कर रही है.

"आजकल एक वम फेंकने वाले हवाई जहाण की लागत उतनी है जितनी रक्षम से 30 से जियादा शहरों में पक्के उमदा स्कूल बनाए जा सकते हैं और उन्हें चलाया जा सकता है.

"इस रक्तम से बिजली के दो ऐसे कारखाने चलाए जा सकते हैं जिनमें से हर एक 60 हजार आबादी बाले एक शहर को पूरी बिजली मुहैया कर सकेगा.

"इस रक्रम से दो बड़े और हर सामान से तीस अस्पतात खुल सकते हैं.

''इस रक्रम से 50 मील जम्बी उमदा सङ्क बन सकती है.

"जितनी रक्षम एक जंगी जहाज में खर्च होती है उतनी रक्षम में 5 लाख बुशल गेहूँ हासिल किया जा सकता है.

"जितने दाम में एक डेस्ट्रायर जहाज बनता है उस दाम में इतने मकान बन सकते हैं कि उनमें बाठ हजार से जियादा आदमी रह सकें."

जंग का यह भयानक नक्तशा पेश करने के बाद प्रेसीडेन्ट आइजनहाबर ने दुनिया से अपील की है: "मैं दोबारा कहता हूँ क्या यही जिंदगी का सब से अच्छा रास्ता है जिस पर अब तक यह दुनिया चलती आई है? जिन्दगी का यह कोई रास्ता नहीं है क्या कोई दूसरा रास्ता नहीं है..... जिस पर दुनिया चल सके रे.....यह अवसर दुनिया की सरकारों से मांग करता है कि वह अपने इरादे साक साक और ईमानदारी से बता हैं."

लेकिन अफसोस यह है कि खुद प्रेसीडेन्ट आइजन-दावर ने अपने इरादे साफ साफ नहीं बताए. वह यहां ही कक जाते तो बहुत अच्छा होता. पर उन्होंने अपील के बजाय रूस आर रूस के नेता स्टाजिन की निन्दा शुरू कर ही. "सावियत सामराज अपनी टढ़ता आर अवस्में में डालने वाली हिस्मत से दूसरी खड़ाई में बच गया वह जिन्दा रह गया है ताकि तासरा जंग का खतरा पैदा करे." भाशन का अच्छा खासा हिस्सा इसी तरह की मक्काने वाली बाता से भरा है आर पूरे भाशन पर कालिक पोत देखा है, अपील की जगह चेलेंज की शक्स ले کرنے کو ہم ہوسالے کا مطلب آخیو میں یہی فوتا ہے۔۔ اُن کے حصد کی جوزی جو بھونے میں اور جنیدں کیانا نہیں ملتا جو سوئی میں ٹیگیر رہے میں اور جنیدں نیوا نہیں تصیب ھونا ۔

الهد دنها هالههارون پر دولت می نههن ضالع کر رهی هے.

یه دانیا ایم مودوروں کی محانت ایم وگیانکوں کی پرتمبها اور آیم بچوں کی آشائیں بھی لوائی پر خرج کرتی ہے ۔

" آجکل کے ایک ہم پہیلکلے والے ہوائیجہار کی الکت آٹلی ہے جعلی رقم سے 30 سے ریادہ شہروں میں یکے عمدہ اسکول بدائے جاسکتے ہیں اور انہیں چھیا جاسکتا ہے۔

''الس رقم سے بجیلی کے دو ایسے کارخانے چلائے جاسکتے میں جس میں سے ہر ایک 60 ہزار آبادی والے شیر کو پوری بجلی مہینا درسکے گا ۔

الم بی در ہوں اور ہو سامان نے لیس اسپتال کیل سکتے ہیں ۔ کہل سکتے ہیں ۔

?"إبس وقم بيـ(50 مهل لمهى عمدة سوك بن سكة<u>ى ه</u>ـ،

المتلقى وقم ايك جلكى جهاز مين غرج هوتى هـ أوتى وقم ميس 5 قنه بشل ليهون حاصل نها جاسكتا هـ،

جتنے دام میں آیک قسترائر جہار بنتا ہے اُس دام میں اتفے سکتے میں کنا میں 8 ہزار سے ریادہ آن میں 8 ہزار سے ریادہ آئسی رہ سکیں ''

جلگ کا یہ بھیانک نقشہ پیش کرنے نے بعد پرسیدندی آئرریھاور نے دیا ہے ایمل تی ہے: ''میں دوبارہ کہتا ھیں کیا یہی زندگی کا سب سے اچھا راستہ ہےجس پر ایب تک یہ دیا چلتی آئی ہے ؟ رندگی کا یہ کوئی واستہ بھیں ہے۔۔۔۔۔کہا دوئی دوسرا راستہ نہیں ہے جس پر دییا چل سکے اردی دوسرا دیا کیسرکاروں سے مانگ کوتا ہے کہ وہ ایم آرادے صاب صاب اور ایمانداری سے پتانیں ''

لیکن افسوس یه هے که خود پریسیدست آئزن هاور نے ایم ارادی صاف صاف بہیں بھائے۔ وہ یہاں هی رک جائے فو بہت اجہا جونا مونا ، پر ابہوں نے ابہل نے بجائے ووسی اور دوس نے بھتا استانی کی بندا شروع فردی : اور اچھلیے سی ڈننے والی هست سے برسری نوائی میں بچ جا ، وہ زندہ رہ گیا ہے تادہ نیسری جمک ہ حصورہ بیدا درے'' بہاشی اجھا ہے تادہ نیسری جمک ہ حصورہ بیدا درے'' بہاشی اجھا ہے حاصا حصد اسی طرح کی بھرڈ نے رائی ابران سے بھرا ہے اور پورے جاما حصد اسی طرح کی بھرڈ نے رائی باروں سے بھرا ہے اور پورے جماعی بھرا ہے اور پورے بھائیں پر کالکہ پرت دیا ہے' بھل نے جیلئے نی شکل نے

ब्राइज्नहावर का शान्ति सुकाव

17 अप्रैल 1953 को अमरीका के प्रेसीडेन्ट आइजन-हावर ने अमरीकी पढ़ीटरों के सामने एक भाशन दिया था. इस भाशन की सारी दुनिया में चरचा हुई है और इसे श्रमरीका की श्रागे की पालिसी का आधार माना गया है. इससे पहले कि हम इस माशन पर रोशनी डालें यह जरूरी है कि भाशन की आत्मा को पूरी तरह समक कें. इस भारान के तीन दिस्से हैं : पहला द्विस्सा भावुकता से भरा है, दुनिया की आज की हालत पर चिन्ता प्रकट की गई है यह हिस्सा दिल पर असर करता है और ऐसा लगता है कि प्रेसीडेन्ट आइजनहावर और "सिपाही" आइजन हावर में लगातार लड़ाई होती रही है श्रीर कहीं कहीं सिपाही ने प्रेसी डेन्ट की पछाड़ दिया है. सिपाही जानता है कि लड़ाई क्या बला होती है, उसके नतीजे किसे भोगने होते हैं. सिपाही को किस तरह जानवर बनना पड़ता है. कुछ लोग सोचेंगे कि एक आदमी के दो ह्मप कैसे हो सकते हैं. पर इस बयान को ध्यान से पढ़ने पर यह बात साफ हो जाती है. सिपाही आइजनहावर आज की हालत पर अफसोस जाहिर करता है, लढ़ाई की बरबादी का नक्षशा पेश करता है लेकिन जल्द ही उसे याद पढ जाता है कि वह अमरीका का प्रेसीडेन्ट भी है और वह इन सब बातों की जिन्मेदारी मद से रूस के सर थोप देता है और अपने देश को, खुद को और अमरीका के पुराने शासकों को सब की देवता साबित करने की कीशिश में लग जाता है. बरतानिया के लेबर नेता मिस्टर बेवन ने इस बयान पर बोलते हुए कहा है कि "इस भाशन का रूप ठीक नहीं है. और जहां जहां यह ठीक रूप में है भी इन हिस्सों के असर को खब्त कर दिया गया है." आइजन हाबर ने लड़ाई का जो भयानक दृश्य अपने भारान में श्लीचा है उसे हम नीचे दे रहे हैं:

"जंग से जिस खराब से खराब नतीजे का हर है और जिस अच्छी से अच्छी बात की उम्मीद की जा सकती है बह संखेप में यह है:

सबसे बुरा नतीजा पेटमी लड़ाई हो सकती है. चच्छी से चण्छी बात यह हो सकती है कि ऐसे वातावरन में जिंदगी बीते जिसमें लगातार दर झाया रहे और हर सरफ सनसनी फैली हो, दुनिया के देशों की दौलत और मेहनत का दुरवपयोग और जिस शक्ति की मदद से कसी ढंग, अमरीकी ढंग या और कोई ढंग भी इस दुनिया की खुदाहाली बड़ा सकता है वह सारी शक्ति इस नेक काम में कुकाबट डालने के लिये इस्तेमाल की जाय.

''हर बन्दूक के बनाने, हर बदाई के जहाज को तैयार

آئزنهاور كاشانتي سجهاؤ

17 أيريل 1953 كو أمريكه كي يريسيدنت أثون هاور نے امریکی ایڈیٹروں کے سامنے ایک بھاشوں دیا تھا . اِس بھاشن کی ماری دنیا میں چرچا ہوئی ہے اُرر اِسے أمريك كي أكر كي باليسي كا أدهار مانا كيا هر . إس س پہلے که هم اِس بهاشن پر ووشقی ڈائیں یه ضروری هے که بهاهن کی آنما کو پوری طرح سمجه لهن. اِس بهاهن کے تهن جصے ههن؛ پهلا حصه بهاونكا سے بهرا هے؛ دنها كى آج كى حالت پر چنتا پركت كى كئى ھے . ية عصه دل پر اثر كرتا هے اور ایسا لكنا هے كه پريسيدنت آلؤنهاور اور دمسهاهم 4 آئيون هاور مهن لکانار لوائي هوتي رهي هـ أور کہیں کہیں سیامی نے پریسیڈنٹ کو پچھار دیا ہے سیامی جانتا ہے کہ لوائی کیا بلا ہوئی ہے اُس کے نتیجے کسے بهرگئے مرتے میں' سہامی کو کس طرح جانور بللا پراھے۔ کچھ لوگ سوچھں کے کہ ایک آدسی کے دو روپ کیسہ هوسکتے ههی، ير إس بيان كو دعهان سے پوهنے پر يه بات صاف هو جالي هي سياهي آنون هاور أج کي حالت پر السوس ظاهر کرتا هے؛ لوائی کی پریادی کا تقشه پیش ارتا هے لیکن جلد هی أس یاد پوجانا هے نه وه امریکه کا پریسهدنت بهی هے اور وہ اِن سب باتوں کی قصداری جهت سے روس کے سر تهوپ دیتا ہے اور انے دیش کو خود کو اور امریکہ کے پرانے شاسکوں کو سب کو دیونا ڈایت کرنے کی کوشش میں لگ جاتا ہے، برطانیہ کے لیدر بیٹا مسٹر بھوں نے اِس بھان پر بولٹے عوثہ کہا ھے که ''اِس بھاشن کا روپ ٹھیک نہیں ہے اور جہاں جہاں یہ تھیک روپ میں ہے بھی اُن حصوں نے اثر کو خبط کردیا گیا ہے۔'' آئوں ھاور نے لوائی کا جو بھیانک درشیہ ایے بھاشن میں کہینچا ہے آیے هم نیجے دے رہے هیں:

"جنگ سے جس خراب سے خراب نتیجے کا قر ہے اور جس اچھی سے اچھی بات کی اُمید کی جاسکتی ہے۔ وہ سلکچینے میں یہ ہے۔

سپ سے پرا تعهجه ایالمی لوائی هوسکالی ہے ،

اچھی سے اچھی بات یہ ھوسکتی ہے کہ ایسے واتاورن میں زندگی بھتے جسمیں لکاتار قر چھایا رہے اور هر طرف سفسنی پھیلی ھو' دمیا کے دیشوں کی دولت اور معملت کا درایووگ ھو اور جس شکتی کی مدد سے روسی قھنگ' امریکی قمنگ یا اور کوئی قمنگ بھی اِس دمیا کی خوشجمانی ہوما سکتا ہے وہ ساری شکتی اِس میک نام میں 'روارش قائے کے لئے اِستعمال فی جانے ،

المریدوں کے بقائے' مر فرائی کے جہاز کو تعاد

عیاں شبی آیپل بائی کا وہ سرٹیفکیسی اور کیاں شوی گوروالا لا يه سرتهدعها ! جس طرح انگريزي راج مهن هر الكريز هددستان لا حكم بن سكتا في أسى طرح أج كل هر امريكي هلستان كا وثيشك مالمكار بن سكتا هـ جاهـ اسکی جانکاری کعلی می کم مو. پهر جاهے وہ کسی بھی وفي كا جان ار كهون نه هو ولا هلدستان أكر هو وشي كا الكسيرة مانا جالها . أس كے علوة بات يه يهي هے كه شری ایهل باکی امریکی هوئے کے ناتے روس جهن وقهره کو تو کسی گفتی میں هی نهیں رکھتے هونگے پهر^و څود امريكة كا انتظام كون فلهمت يا اجها هـ؟ تروسن ك شاسن کے شاف جاتا کو کالی شکایت تھی اس کا انداز اسیات سے لکتا ہے کہ امریکہ کے نئے راشڈریٹی کے چنے جانے پر گسی نے اُنہیں "جمارو" بہیلت میں بہیصی تاکه وهافت هاوس میں سے قلدگی ماف کردیں! اگر امریکه کا هاسی اثقا یعت هو اور اُس کے مقابلے هفدستان بارهویس هرجے میں آئے یہ تو ریسا ھی ہے که کسی اِمتحان میں ساله مهن سے چالهس لوکے هي شريک هون اور أن چالهس مهن دس پاس هون جن مهن پهلی توليزن مهن کوئی **پاس ته هوا دوسري مين جار هو**ن اور تيسري مين چه ، اور گھاڑھولی کہے کہ میں قبل بہلے ھوؤں پر نمبروں کے لتحاظ یے کیارہوں پر میں !

فهايي سو باتون کي ايک بات په ه که شري ايپل پالی کی راثر کلفی هی سچی کهوں نه هو اُس کےمقابلہ شرق قرروالا كي رائم كهين زيادة قهماي أور كهري سنجي چالیکی . اس وجه بد آبهن که شری گوروالا کی قابلیت غری ایپل بائی ہے زیادہ ہے؛ اس وجہ سے تہمن که هری گیروآلا کو سرکاری تفتر کا تجربه شری اپدل باکی سے زیادہ ہے^ا اس وجه نے نہیں کہ غاری کوروالا ہقدستانی ہیں۔ اور شرق أيهل باثي أمريكن الله أس وجه سے كه شرى گوروالا پھارت سرکار کے ھی طمقات کئے ھولے آدسی میں آور اکر سرکار کو اُن کی رائے کا اعتبار نہیں ہے تب پھر آسے ایقی کسی قبیاتی یا کنیشن کی رائے پر بہروسه نہیں رئیدا چاهگے، يېي نيهن' ولا أنه يو هي بهروسه نههن كرسكتي ، أور جميه شرى كوروألا كهيس كه سركار سطها صاف إنخطام نهیں جامتی تو یققت جواهر لال نهرو کو سوچنا ہویکا که هو سراتهدکیگوں میں کون زیادہ سچا ہے اور اُن کا یا اُن کی سرکار کا کھا فرض ہے ،

هم إلغا كو كو خعم كريلكر كه اگريلقت جواهر لالشوى گوروالا نے كود قول فول فول كرتے هيں اور أسكى روشتي مهن حكومت كو تعلك پر لانے كى كرشص نهيں كرتے تو الهياس ألهيں إسكر لئر معان نهيں كريا .

23 . 4 . 158

سسريش وأم يهاثى

—सुरेश रामभाई

कहां भी पपिखवाई का वह साटींफिकेट और कहां भी गोरवासा का यह सर्टीफ्रिकेट ! जिस तरह अंगरेजी राज में इर अंगरेज हिन्दुस्तान का हुक्काम बन सकता है इस तरह आजकल हर अमरीकन हिन्दुस्तान का विशेषक सलाहकार बन सकता है चाहे उसकी जानकारी कितनी ही कम हो. फिर, चाहे वह किसी भी विशय का जानकार क्यों न हो वह हिन्दुस्तान आकर हर विशय का एकसपर्ट माना जायेगा. इसके अलावा बात यह भी है कि श्री एपिल-बाई अमरीकी होने के नाते रूस चीन वरौरा को तो िक्सी गिनती में ही नहीं रखते होंगे. फिर. खुद अमरीका का इन्तजाम कौन रानीमत या अच्छा है १ द्रमन के शासन के खिलाफ जनता को कितनी शिकायत थी इसका अन्दाज इस बात से लगता है कि अमरीका के नये राष्ट्रपति के चुने जाने पर किसी ने उन्हें "माड्" भेंट में भेजी ताकि हाइट हाएस।में से गन्दगी साफ करे हैं! बगर बमरीका का शासन इतना पतित हो और उसके मुकाबले हिन्दुस्तान बारहचें दर्जे में आये यह तो वैसा ही है कि किसी इम्तिहान में साठ में से चालीस लड़के ही शरीक हों और उन चालीस में इस पास हो जिनमें पहली डिवीजन में कोई पास न हो. इसरी में चार हों खौर तीसरी में हैं और ग्यारहवां कहे कि मैं फ़ेत भले होऊँ पर नम्बरों के लिहाज से ग्यारहवें पर हैं !

लेकिन सी बातों की एक बात यह है कि श्री एपिलबाई की राय कितनी सबी क्यों न हों उसके मुक़ाबले श्री गोर-बाला की राय कहीं जियादा क़ीमती और खरी समभी जायेगी. इस वजह से नहीं कि श्री गोरवाला की काबलियत श्री एपिलबाई से जियादा है, इस वजह से नहीं कि श्री गोरबाला को सरकारी तन्त्र का तजुर्बा ब्री एपिलबाई से जियादा है, इस बजह से नहीं कि भी गोरवाला हिन्द्स्तानी हैं और श्री एपिलबाई अमरीकन, बल्कि इस वजह से कि भी मोरवाला भारत सरकार के ही तैनात किये हुए आदमी हैं और धगर सरकार को उनकी राय का एतवार नहीं है तक फिर उसे अपनी किसी कमेटी या कमीशन की राय पर अरोसा नहीं रसना चाहिये. यही नहीं, वह अपने पर ही सरोसा नहीं कर सकती. और जब श्री गोरवाला कहें कि सरकार सवा-साफ इन्तजाम नहीं चाहती तो पंडित जवाहर सास नेहरू को सोचना पड़ेगा कि दो सर्टीफिकेटों में कीव षियादा सवा है और उनका या उनकी सरकार का क्या क्रम है.

हम इतना कह कर खत्म करेंगे कि अगर पंडित जवाहरताल भी गोरवाला के कहे को क़बूल नहीं करते हैं और उद्युक्त रोशनी में हकूमत को ढंग पर लाने की कोशिश नहीं करते तो इतिहास उन्हें इसके लिये ग्राफ नहीं करेगा.

23, 4, '53

مئی 53

آیکی رپورٹ میں شری گوروالا نے کئی سجھار رکھ تھے۔ آن میں سے ایک یہ ہے :

and the second of the second o

"اگر سرکار یہ جاھتی ہے کہ اُرنجے مہدیے ہو کام کرنے والی کی نیٹک کشرتی میں جاتا کا وشواس باتا رہے تو اِس بات کا اِلِنتظام ہونا جاھئے کہ کوئی آدمی جانے کتا ہے دار اس کے خاف قبے دار اُس کے خاف قبے دار اور اُس کے خاف قبر کوئی سے کیسی یا معاملہ جائیا جاسکتا ہے تو وہ جانبے فرور کرائی جائے، اِس کے لئے ایک مشیدری ہونی جانبے فرور کرائی نظام کا حصہ ہو نہ کہ جیسا منستروں کے معاملے میں نظام کا حصہ ہو نہ کہ جیسا منستروں کے معاملے میں کوئوں سے اِس جین میں ٹالغا نہیں ہونا جاھئے اور نہ کارنوں سے اِس جین میں ٹالغا نہیں ہونا جاھئے اور نہ کارنوں سے اِس جین میں ٹالغا نہیں ہونا جاھئے اور نہ کارنوں سے اِس جین میں ٹالغا نہیں ہونا جاھئے اور نہ

إس لئر شرى گوروالا كى كميتى نے سجهاؤ وكها تها كه راهتريعى يا بوى عدالت كو سجائى جانئى كے لئے احتيار سونها جائيس پر ايسا نهيس كيا گيا، شرىگوروالا نے أفيليكه ميں كيا هے كه إس مهن كوئى شك نهيس كه منستروں كے خلاف فريدار لوگوں كى طرف سے هونے والى شكايتوں كى جانبے اگر سركار كرنا جاهتى تو أس سمهندهى قانون بقانى بلاؤانے ميں أس جفد مهينوں سے زيادة نهيں لكتے، كيس بُنُوانے ميں أسے چند مهينوں سے زيادة نهيں لكتے، كيس اندر شاسى كى حالت بدل گئى هوتى .

اسی طوح سے' شری گوروالا نے لکھا ہے' سوال ہے مقسلاوں کا رکھسوں کے بہاں جاکو ٹھھرنا و دھوتھں اوافا ۔ پردھان مقتری نے ایک موقعہ پر بھی اِس طوح کی مہمان داری کے خلاف آواؤ نہھں اُتھائی ۔ پر اگر چاہ رھی ھوتی مر تو اِس سلسلیے مھی احکام بطوبی جاری کئے جاسکتے تھے جو نہیں دیئے گئے ۔ شری گوروالا کی رائے ہے اور مصمع رائے ہے کہ ''اگر کسی مقسلو سے پوچھا جائے کہ اُس کے اپنے پاس یا اُس کے آگرتوں کے پاس تھورے ھی موسے میں زیادہ یا اُس کے آگرتوں کے پاس تھورے ھی موسے میں زیادہ دھی دولت کہاں سے جمع ھوگئے تو یہ پوچھا بھجا نہیں تھا۔ اگو آئی پر مقدمہ چھیا جاتا ہے تو یہ دیکھکر ھی چھیا جاتا ہے کہ گفتیائھی۔ پر یہتک نہ ھوا۔ ضرور چاہ کی ھی جاتا ہے کہ گفتیائھی۔ پر یہتک نہ ھوا۔ ضرور چاہ کی ھی

آخر میں شری گرروالا درد کے ساتھ کیتے میں :

''ازیادہ مغو پھی کرنے کی ضرورت نہوں ہے۔ اُبی تہوری سی مثالیں سے صاف پتہ جلتا ہے کہ اِس سوال پر سرکار کا دیے کیا ہے کہ اُس سوال پر سرکار کیا تھا کہ سچے صاف یا اِنساف پسلاد آرتھام کی ضرورت سرکار سمجھتی می نہوں۔ کیا اُس دیکی کی سرکار شراصل پرایمانی نکامتے پر آتاور ہے؟ ھاھر جواب ہے کہ نہیں۔''

अपनी रिपोर्ट में भी गोरवाका ने कई सुमाव रसे थे. कममें से एक वह है :

"आगर सरकार यह चाहती है कि जंचे घोहदे पर काम करने वालों की नैतिक कसौटी में जनता का विश्वास बना रहे तो इस बात का इन्त्रजाम होना चाहिये कि कोई धावमी चाहे कितना ही जंचा क्यों न हो, पर धागर उसके बिजाक फिन्मेदार फरीकों की तरफ से पतगंच उठते हैं और उनसे केस या मामला चलाया जा सकता है तो वह आंच चलर कराई जाये. इसके लिये एक मशीनरी होनी चाहिये जो सरकारी निजाम का हिस्सा हो न कि जैसा मिनिस्टरों के मामले में, किसी राजकाजी पार्टी का. किन्हीं धी राजकाजी या निजी कारनों से इस चीज में टाजना नहीं होना चाहिये और न टलना नजर ही आना चाहिये."

इस्रांतिये श्री गोरवाला की कमेटी ने सुकाव रखा था कि शस्ट्रपति या बड़ी अदालत को सचाई जानने के ब्रिये इस्रांतियार सौंपे जायें पर ऐसा नहीं किया गया. श्री गोर-बाला ने अपने लेख में कहा है कि इसमें कोई शक नहीं कि मिनिस्ट्रों के खिलाफ फिन्मेदार लोगों की तरफ से होने बाली शिकायतों की जांच अगर सरकार करना चाहती तो इस सम्बन्धी कानून बनाने बनवाने में उसे चंद महीनों से चिवादा नहीं सगते. कहीं 1952 में ऐसा हो गया होता तो अवतक सारे देश के अन्दर शासन की हालत बदल गई होती.

इसी तरह से, भी गोरवाला ने लिखा है, सवाल है
मिनिस्ट्रों का रईसों के यहां जा कर ठहरना व दावतें
स्माना प्रशान मनी ने एक मौक्रे पर भी इस तरह की
मेहमानदारी के खिलाफ आवाज नहीं उठाई. पर अगर
बाद रही होती तो इस सिलसिले में अहकाम बख्बी जारी
किये जा सकते थे जो नहीं किये गये. श्री गोरवाला की
हाय है और सही राय है कि ''अगर किसी मिनिस्टर से
पूडा जाये कि उसके अपने पास या उसके आश्रितों के
वास थोड़े ही अरसे में जियादा धन-दौलत कहां से जमा
हो गये तो यह पूजना बेजा नहीं था. अगर उन पर मुक्कदमा
बताया जाता है तो यह देख कर ही चलाया जाता है कि
गुंजायश है. पर यह तक न हुआ जरूर चाह की ही
कमी है."

आखिर में भी गोरवाला दर्व के साव कहते है :

"विवादा मराज-पच्ची करने की जरूरत नहीं है. इन बोड़ी सी मिसाबों से साफ बता चलता है कि इस सकात वर सरकार का क्या क्या है. कुल मिलाकर यह सममना सकत न होगा कि सच्चे साफ या इन्साफ पसंद इन्तजाम की जरूरत सरकार सममती ही नहीं. क्या इस देश की सरकार दर असल वेईमानी निकादने पर उतास है? वाहिर जवान है कि नहीं." सुजािषामों की तादाद के बारे में भी पेपिलवाई कहते हैं. कि "चपरासी या नीचे दर्जे और कम तनखा वाले भावनी" भले जियादा हों लेकिन ऊंचे और जियादा जिम्मेदार सब जगहों पर काम करने वाले मुजािजमों की तादाद जरूरत से जियादा कम है.

मुलाजिमों के ईमान के बारे में श्री ऐपिलबाई कहते हैं कि सरकारी शासन में की इंच ईमानदार और निस्वार्थ कोगों की तादाद किसी भी बड़े निजी कारोबार के मुकाबले कहीं जियादा है.

उसी तरह से उनका कहना है कि मुलाजिमों की होशियारी के खिलाफ वाली शिकायत भी गलत है.

"लाल फीते" के बारे में श्री ऐपिलबाई कहते हैं कि पक इद तक तो यह जरूरी चीज है और इसके विना काम नहीं चल सकता.

साथ ही साथ उनका कहना है कि रुपए पैसे के मामले में यहां बहुत "कंजूसी" बरती जाती है और भूठी बचत पर ध्यान दिया जाता है. उन्होंने यह भी कहा कि सेकेटेरियेट के तरीक्रे बरौरा भी बड़े बाल की खाल निकालने वाले और विचार हीन हैं उनका एक सुमाव यह भी है कि प्रदेशों को "आजादी" देने से देश की एकता को खतरा है और इनकी जांच का निचोड़ यह है, जैसा हमने ऊपर कहा है, मारत का सरकारी शासन दुनिया के बारह या आस पास देशों में है. कोई ताज्जुब नहीं धगर प्रधान मंत्री ने खुशी और शान के साथ कांगरेसी माईओं को यह बिना मांगे सर्टीफिकेट की तफसील सुनाई जिस से क्या उन्हें क्या इनके सुनने बालों को बड़ा सन्तोश हुआ होगा!

इसके मुक्ताबले हमारी निगाह से 15 अप्रैल के ''स्टेट्स मैन" अस्तार में अपा श्री ए. डी. गोर वाला का एक लेख गुजरा जिसका नाम है ''एक जियादा सच्चा साफ इन्तजाम" श्री ए. डी गोर वाला पेन्शन याफता आई. सी. एस. हैं जिनकी भारत सरकार में बड़ी इज्जत है, जो बीसियों सरकारी कमेटियों और कमीशनों के मेन्बर था सदर रह चुके हैं. वह सोलह आने सरकार मक, मिल पुजारी और फीज प्रेमी जीव हैं जिन्हें क्या विकेन्द्रीकरन, क्या प्रामोधोग, क्या अहिंसा किसी में भी—हमारे फाइनेन्स मिनिस्टर श्री देशमुख या इन्डस्ट्री मिनिस्टर श्री कुष्तमाचारी की तरह रत्ती भर विश्वास नहीं है.

अपने इस लेख में भी गोरवाला का कहना है कि तीन सात हुए शासन सुधार के बिये सरकार ने उनकी सदारत में एक कमेटी बनाई थी. उस कमेटी ने अपनी रिवोर्ट दो बरस पहले पेश कर दी थी. मगर 1951 क्या 1952 पूरा निकल गया, 1953 के तीन चार माह चले गए पर सरकार ने उसके मुताबिक एक क़दम भी नहीं उठाया! مقوش کی تعداد کے بارے میں شری ایول بالی کیعے میں شری ایول بالی کیعے میں شری انجیراسی یا نیعچے درجے اور کم تفطواہ والے آدسی'' بہلے زیادہ ہبر لیکن ارنتھے اور زیادہ فصے دار سب جگہوں ہر کام کرلے والے مقاموں کی تعداد ضرورت سے زیادہ کم ہے ،

مقرموں کے ایمان کے بارے میں شری ایپل بائی کہتے ہیں کہ سوارتہ میں فی انبے ایماندار اور نسوارتہ لیکوں کی تعداد کسی بھی بڑے نتجی کاروبار کے مقابلے کیس زیادہ ہے .

اسی طرح ہے آن کا کہنا ہے کہ ملازموں کی ہوشیاری کے خارے کے خارے الی شکایت بھی فلط ہے ۔ ''لال فیلنے'' کے بارے میں شری ایپل بائی دیاتے ملاق کہ ایک حد تک تو یہ شروری جیز ہے اور اس کے بقا کام نہیں جال سکتا ،

ساته هی ساته آن کا کہذا هے که روپئے پهسے کے معاملے میں یہاں نہمی '' کنتجوسی '' برتی جاتی هے اور جهوتی بھیت پر دعهان دیا جاتا هے ، آبوں نے یہ بھی کہا کہ سکویڈریٹ کے طریقے رفھوٹا بھی بڑے بال کی کہال نکالقے والے اور وچار هیں هیں آن کا ایک سجهاؤ یہ بھی هے کة پردیھرں کو '' آزادی '' دیقے سے دیش کی ایکتا کو خطوہ هے ، اور آن کی جاتھ کا نبچوز یہ ہے' جہسا هم نے آربر کہا ہے' بہارت کا سرکاری شاسن دنیا کے بارہ یا آس پاس دیھرں میں ہے ، کوئی تعجب نبھی اگر پردھان مقتری نے دوشی اور شان کے ساتھ کانگریسی بھائیوں کو یہ بنا مانگے سرائینیکی کی تفصیل سقائی جس سے کھا آبھیں مانگے سرائینیکی کی تفصیل سقائی جس سے کھا آبھیں کہا آن کے سقیے والوں کو بہا سقتوهی ہوا ہوگا ا

افي إس ليكم ميں شرى گور والا كا كہذا ہے كہ تين سال هوئے شاس سدھار كے لئے سركار نے أن كى صدارت ميں أيك ئمينئى يدئى لهى۔ أس كمينئى نے اپنى ويورت هو برس يہلے يبھى كر دي تهى ، مكر 1951 كيا 1952 هو برس يہلے يبھى كر دي تهى ، مكر 1951 كيا 1953 كيا كيا كيا أيل أيا أيك قدم يهى تههى أنهايا !

कीय मां होगी जो अपने बेटे का बंद आदर देख कर सुख बी सहर में न दूच जायगी और कीन हिन्दुम्तानी होगा को यह न चाहेगा कि हिन्दुस्तान इसी तरह एक कीय यानी एक रास्ट्रीयता की सहर में हरदम दूवा रहे और दिन दूना रास चौगुना आगे बहता रहे.

--- भगवानदीन

दो सर्टिफ़िकेट

हमारे प्रधान मंत्री पंडित जवादर साल नेहरू की अपने देश बालों से एक खास शिकायत यह है कि जो कोई भी ष्यच्छा या वड़ा काम सरकार करती है, उसकी वह टीका-टिप्पनी करने सगते हैं, लेकिन इसके खिलाफ विदेशी बांग जो यहां आते है वह उस काम को देख कर उसकी क्रम करते और तारीफ करते हैं. और क्योंकि पंडित जबाहर लाल की दलील है, बाहर वाले अपने फन में साप्तर और पहुँचे हए हैं इसलिये उनकी बात को जियादा सही मानना पद्गा. हमारे प्रधान मंत्री शायद यह भूल जाते 🖁 👣 अनकी सरकार को जनता से दूर रहने के कारन चरमा लगा कर चीजें देखना पड़ती हैं और बाहर वाले जो आते हैं वह भी इससे और कहीं जियादा दूर रहने के कारत, वैसा ही या जियादा पावर का चरमा लगा कर देखते हैं. यही वजह है कि फैसा सरकार को दीखता है बैसा ही इन विदेशी माहरों को और दोनों की पटरी का जाबी है. और दोनों ही बसलियत से बहते रहते हैं.

द्वां यह कहने की फरूरत इस बजह से पड़ी कि पिछती 11 बाप्रेस को पालियामेन्ट की कांगरेस पार्टी की एक निजी बैठक में प्रधान मंत्री ने बताया कि एक "प्रसिद्ध अधिकारी हस्ती" ने हिन्दुस्तान के शासन की तारीफ करते हुए उसे दुनिया की "बारह बेहतरीन शासन वाले देशों में" गिना है. हमें मालून हुआ कि यह हस्ती थी श्रीपाल ऐक. देशिसवाई जो अमरीका से जन-शासन के एक विशेशक को जाते हैं. पिछले साल अमरीका को तरफ से भारत में बखने बाली कोर्क इमदाद ने इन ऐपिलवाई साहब की सेवार इसारी सरकार को दो थीं. इन्होंने बार महीने की आज बीक के बाद इस साल फरवरी में अपनी रिपोर्ट पेश की हैं.

इन जमरीकी एकसपर्ट की राज है कि 'भीरे जीरे मैं इस प्रोसले पर पहुंचा हूं कि भारत सरकार की दुनिया की बहुत तम्ब्राही बाफता बाग्ह वा उसके सगमग सरकारों में जगह है." भी ऐपितवाई का कहना है कि शासन के जिलाक जान को चार तरह के इसकाम लगाए जाते हैं— इसमें कहरत से जियादा जादमी काम कर रहे हैं, वह विकास स्वाम है—वह उनमें से कोई भी सही नहीं है! قون سیل جوکی جو آن بیالی کا یه آمو هیکه کو سکه کی لهر حبهر نه کرد بیالی کی اور کون ها دستانی هوا جو یه نه جاید که دستانی هوا به بیالی نه جاید که دستان اسی عابی ایک ویلاری کی ایور مهن جو شم قویا رہے اور دین دونا رات جوالیا آئے بھاتا رہے۔

....هگوأن ديني

ه سرتيفكيت

هماری پردهان مقتری بنگت جواهرال نیرو او ابهدیشی والین سے ایک خاص شکیمت به بے که جو کوئی بهی اجها به به با بوا کام سرکار کرتی ہے اس کی وہ ایکا تبهای کرنے لکتے میں الیکن اس کے خاف ودیشی لوگ جو بهاں آتے هیں باس کام کو دیکھکر آسکی قدر کرتے اور تعریف کرتے هیں اور کیرنک پاقت باهر والے آبه بن میں ماهر اور بہوائی هوئے هیں اس لئے آن کی بات بی زیادہ صحیح مانقا ہوے کا ، همارے پردهان صفوری شاید یہ بهرل جاتے هیں نه آن کی سرکار کو جفانا ہے دور رهنے کے کارن جہشت لگا کر جہزیں دیکھا ہوتی هیں اور باهر والے جو آتے هیں وہ بھی هم ہے اور کیس زیافہ دور رهنے کے کارن جہشت لگا کر جہزیں دیکھتا ہے دور رهنے کے کارن جہشت لگا کر جہنس ہوا زیادہ ہور کا جشت لگا کر دیکھتے هیں ، کارن وہنا هی یا زیادہ ہاور کا جشت لگا کر دیکھتے هیں ، درتوں هی اصادری کو اور دونوں کی ہتری کہا جاتی ہے اور دونوں کی ہتری کہا جاتی ہے اور دونوں کی ہتری کہا جاتی ہے اور

همیں یہ کہنے کی فرورت اِس وجہ سے پڑی کہ پھھلی

إلا اُورپل کو پاولھاسلمی کی کا عربیس پارٹی کی ایک نجی

بیڈیوک میں پودھان مائٹری نے بتایا که ایک '' پوسدہ

ابھیکاری عسلی '' نے ہدستان کے شاسن کی تعریف کرتے

میٹے اُسے دنیا کی '' بارہ بہترین هاسی والے دیشوں میں''

لیا ہے ، همیں معلوم هوا که یہ هستی تهی شوی بال ، آبے۔

ایمل بائی جو امریکہ میں جن هاسن کے آیک وقی شک

ایمل بائی جو امریکہ میں جن هاسن کے آیک وقی شک

میں جائے میں ، بجہلے مال آمریکہ کی طرف سے بہارت میں

میں جائے والے فورة إمداد نے ان ایمل بائی صاحب کی

سیوائیں هماری سرکارکو دی تیس ، اُنہوں نے جار مہمنے کی

جہاں بھی کے بعد اُس سال فروری میں اُیلی بائی دورت بھی

ای امروعی ایکسیوت کی رائے ہے که 30 دهورے دهوری میں آب فیصلے پر پیونتها هوں که بهارت صرار کی دنیا کی بیمت ترقی بافته بارہ یا اس کے لگابیگ سرکاروں میں جکه ہے ، " هوی آبیل بائی کا کہنا ہے کہ شاس کی ختاب آبے جو چار طرح کے اثرام لگائے جاتے هیں۔۔۔ اِس مین ضرورت سے زیادہ آب ی کام کر رہے هیں' یہ یہ ایدان میں شرکی بھی محصیح تبدن کیادہ شم ہے ، وہ اُس میں سے کرئی بھی محصیح تبدن ہے ،

नियामुरीन दिल्ली से सात चाठ मील दूर एक होटी सी कावारो है. यहां पर एक वजी का मक्तवरा है भीर इन्ही के माम से इस भाषारी का नाम पह गया है. एक तरह से यह भारादी नाम के लिये बाबारी है. यहां भारादी से जियादा महत्रदे हैं भीर क्रमें हैं. यह सब हर उस के है. इब सैडड़ों बरस पुराने हैं, कुछ बरसों ही पुराने हैं. रथी के साथ आहे हुई भीड़ इन्हीं क्रजों में हो कर बस जेगह पहुँचना चाहती थी जहां बासिक बती साहच एकनाये जाने की थे. हमने देखा कि मीड़ के दिन्द् लोग एक दूसरे से आगे बदते हुए क्रजों का क्याब रखते थे और उनसे वन कर निकलते थे. पर ग्रुसलमान वैसा नहीं कर रहे थे वह जूतों समेत क्रजों पर पांव इसते हुए उसके जनाजे को अपनी आंखों इक्रन होता हुआ देखना चाहते थे जो हिन्दुस्तान के लिये जीवा और उसी के लिये मरा. इमने अपनी आंखों कई मुसलमानों को देखा कि वह अपने हिन्दू साथियों का हाथ पकड़ कर इसी तरह कहाँ की कुचलते हुये ले जा रहे वे जिस तरह बह खुर कर रहे थे. अब हिन्दू भीड़ भी उस तरफ से वेफिक हो यह भी भीर यह स्याल ही भूत गई कि वह रास्ते रास्ते जा रही है या क्रजों पर होती हुई जा रही है. जिसकी जहां जगह मिली वहीं खबे होकर उसने रथी के दर्शन किये और जनाजे की क्रम में उत्तरते देखा.

दक दो के मुंद से इमने यह बात भी मुनी, इतनी बड़ी इक्जत वो ही नहीं मिलो. यह जब ही मिलता है जब इससे बड़ी इक्डत किसी ने कोड़ी हो. इसी बात को चन्हीं एक दो मे फिर इस तरह सममायां कि बगर जासिफ जली साहब ने युकामी के नाम पर अंगरेजों से दी जाने बाली इएजत को सात से न दुकराया होता तो क्या बान बह इक्जत उन्हें नसीब होती और फिर इसी सिकसिले में एक के मुंद से बह बात भी सुनी कि जो बान इस इक्जत से दूर रह कर देश के दुकों को दूर करने में बपनी जान सड़ायेगा तो कवा वह इससे भी बदकर सम्मान नहीं पायेगा ?

आहिक अभी साहब अपनी मां की बगस में दफना दिये गये. इनकी मां की क्रम फूजों से तर तर कर फूजों का डेर बन गई थी. पुलिस का इन्तजाम डीला दोते ही क्रम में मिट्टी देने की प्यासी भीड़ जो आसिफ असी साहब की क्रम की तरफ सबको तो बद भीड़ बनको मां की क्रम पर चढ़ गई और मिट्टी डासने की प्यास सुमाने सगी. हमारा छगाल है कि इस बहुत आसफ असी साहब की वासिरह यानी शांता की की कह क्रम में ऐसे ही आनम्द से रही होगी सानी यह सब इसी के बच्चे हैं जो इसकी दाती पर सेत

الشعام الديني على مع سات آته مهل دور ايك ، جهرالي تھی آبادی ہے ۔ یہاں پر ایک ولی کا مقبرہ ہے۔ اور ۔ اُنہمیں کے قام سے اِس آبادی کا نام ہو کھا ہے ، ایک طرح سے یہ أبانس نام كے لكے أباض هے . يہاں أباض مے إيانة مقبرہ میں اور قبریں میں ، یہ سب مر صر کے میں ، كنهم سمكورن يرس يرال همن كنهم يرسون مي يرال همي. وتھی کے ساتھ اکی موڈی ہودو انہوں قبوری میں ہو کو أس جكه يهونجلا جاملي لهي جيان أمف على صاحب دفقائے جانے کو تھے ، هم نے دیکھا که بھھو کے عقدو لوگ الهگ دوسرے سے آکہ ہومتے هوکے المورن کو خمال وکہانہ اس أور أن سے بچ كو نكلكے آھے ، ہر مسلمان ويسا ليون كر وَهُ لَهِ ، ولا جولوں سمومت قهروں يو ياؤں وكهتے هولے أس کے جفازے کو اینی آرعین دفن هوتا هوا دیکھفا جامعہ اس جو مندستان کے لئے جما اور اُسی کے لئے سوا، هم نے اُھٹی المعون كأي مسلمانون كو ديكها كه وه أنها هدو سالونون لا ھالو پکو کر اسی طاح لجاراں کو کھلکے ھولے لے جا رہے تھے جس طرح سے وہ حود کر رہے تھے ، اب ملدو بھمو بھی اِس طرف ہے کے نکو ہو گئی تھی اور یہ خھال ہی۔ بھول کانی که ولا واسعی واسعے جا وابی تھ یا فہروں پر ہوئی ہوگی جا رهي هے ، جس کو جہاں جگه ملي وهوں کھوے ھو کر اس نے رقعی کے درشن نگے اور جفارہ کو قبر میں ألون ديكها .

ایک دو کے ملہ سے هم نے یہ بات بھی سلی الیہ بوی علی اللہ بوی عرب بھی نہیں ملی ، یہ جب هی سلکی ہے جب اس سے بوی عرب اس سے بوی اس میں الی عرب نے ایک علامی کے نام پر انگریزوں سے نسی جانے والی عرب کو اس سے نہ ٹرکر ایا هرتا تو کہا آج یہ عرب نصیب هرتی، اور پھر اسی سلسلے میں ایک ملہ سے یہ بات بھی سلی کہ جو آج اس عرب سے دور وہ کو دیش کے دنھوں کو درو کہ میں ایک میں ایک عرب یہ یہی بوعکو کرتے میں ایک جان تو کہا وہ اِس سے بھی پوعکو میمان نہیں بائے گا ،

آمف علی صاحب اپنی مان کی پقل میں دفقا دیگر . اُن کی مان کی قبر پہولوں سے لد لد کو پہولوں کا قعیم بین کئی تھی تھی تھی تھی تھی میں مگی دینے فر پہاسی بینو جو آمف علی صاحب کی قبر کی طرف لیکی تو وہ بہنو اُن کی مان کی قبر پر جود کئی اور سلی قائلے کی بیاس بجہا نے لکی ۔ همارا خیال ہے کہ اُس وقت آمف علی صاحب کی واقع یعلی مالا ہے کہ اُس وقت آمف علی صاحب کی واقع یعلی مالا رہی کی ووج قبر میں ایسے هی آماد لیے وهی هوئی مالو یه بیسہ اُس کی جہاتی ہو کھیل بیسہ اُس کے بیچے هیں جو اُس کی جہاتی ہو کھیل بیشے هیں جو اُس کی جہاتی ہو کھیل

CO. As

हुए से. इनके किरों पर बाली फेंकी वा सकती थी. तिस रखने की जगह न थी. हम तो एस भीड़ में मिल कर देखने की हिग्मत ही न कर सके. हो बच्चों को साथ ले कर उन चौदह बसों में से एक में जा बैठे जो रयी के साथ साथ जाने के लिये वैनात की गई थीं.

बस में बैठे बैठे लोगों की जवानी हम बासिस बसी साहब की जीवनी सुन गये और इस सब ल का जवाब भी लोगों से या गये कि एक राजदूत का सरकार इतना बड़ा सम्मान क्यों कर रही है ! बस में से ही किसी एक ने जवाब दिया कि न बढ़ राजदूत बासिफ बाली का सम्मान है, न यह गवनरे बासफ बाली का सम्मान है, न यह कांगरेसी बासफ बाली का सम्मान है, यह तो वस बाग्रिक परवाने का सम्मान है जो बाजादी की शमा पर हर दम जवाने को वैवाद रहता था.

को भीड़ रथी के दर्शनों के लिये उमड़ पड़ी बी उसमें दिन्दू, मुसलमानों से वियादा और मुसलमान दिन्दुओं से क्यादा थे. यानी हिण्यू मुसलमान की कोई तमीचा ही मही रह गई थी. दिस्ली में ऋरीय ऋरीय सब प्रांत के स्रोग इदते हैं, पर इस मौक्रे पर सब अपनी प्रांतियता भून बैठे थे. जो शरकार की दर बहुत टीका करते रहते ये आज कह भी सरकार की टीका भूल कर रथी के साथ मौजूर कें. धर्म मेद, जाति भेद, सभी भेद न जाने बाज कहां बले गये वे सब मुसलमान जाम तौर से जौर रारीब मुसलमान आस शीर से क्रम पेता महसूस करते मालम हो रहे ने मानों यह उन्हीं का सम्मान हो रहा हो. जब कोई हिन्छ रथी देखने के लिने आगे बहुना पाहता था और वहां काई समलगान होता वा तो वह वह वादव से वसे जगह दे देता था. मुससमान का यह काम यह बताता मासूम होता था कि यह रथी उसके ही किसी क़रीबी रिश्तेवार की है. कई मुसबमान जवान लक्कों को तो इमने कोटे बोटे दिन्दू बच्चों को कंभों पर बिठा कर रथी दिलाते हुए देला. हिन्दू ब्बीरतों में से बहुतों की यह अवाहिश जी की जी में रह गई कि बनके बच्चे ऐसे देश भक्त की न रबी को ख पाए और अ कफन का एक दुकड़ा गले में सहकाने की पा सके.

भीड़ में सब तक, की बहिनें, मातायें और बेटियां थी. सब ही धनका पूरा पूरा क्या स रख रहे के कई बहनें तो अपने बच्चों को गोदी में तिये हुए थीं. फिर भी आस पास के सोग चन्हें कोई दिवकत नहीं होने दे रहे थे.

शब रथी निषामुदीन पहुँची तो वसें खाली हो गई' ग्रीर वसों में बैठे कांग वस तरक दोड़े जहां जहां श्रासिक सभी साहब दमेशा के जाराम के किये किटावे आने कारी के ھولی تھے'۔ لیے کے سووں ہو تھائی پھھلکی جا سکتی تھی ۔ تل وکیٹے کی جگہ تہ تھی ، ہم تو اُس بھھو سوں مل کو دیکھلے کی مسع ھی تہ کو سکے ، فو بھوں کے ساتھ لے کو اُن چھودہ بسوںمیں سے ایک سیں جا بیٹھے جو والیں کے ساتھ ساتھ جائے کے لئے تعدادہ کی گئی تھیں ،

یس مہی پہتھ بھٹھ لوگوں کی زبانی ہم آمف علی مانعب کی جہوئی سے گئے اور اُس سوال کا جواب بھی لوگوں ہے یا گئی ہوتی کا جواب بھی لوگوں ہے یا گئے کہ ایک والے دوجہ کا جواب اُنسان کو وہی ہے ؟ بس میں سے ہی کسی ایک لے جواب دیا کہ نہ یہ والے کا سمان ہے' نہ یہ کاسکریشی آصف علی کا سمان ہے' نہ یہ کاسکریشی آصف علی کا سمان ہے' نہ یہ کاسکریشی آصف علی کا سمان ہے' یہ تو اُس عاشق ہوانے کا سمان ہے جو آرائی معدان ہے جو آرائی

جو بہوہ رتھی کے درشتیں کے لگے اُمو ہوی تھی اُس میں ہلدو مسلمانی ہے زیادہ اور مسلمان ہلدووں ہے زیادہ کھے ، پیغی مقدر مسلمان کی کرکی تموز ھی نہوں رہ کئی لھی ، دلی میں لریب لریب سب برانت کے لوگ رمتے میں آ پر اس موقعے پر سبابلی پرانٹیٹا بہول بیٹھے تھے ، جو سرکار کی هر وقت ٹیکا درتے رفاعہ تھے آج رہا بھی سرکار کی ٹیکا بھول کر رتھی کے ساتھ موجود تھے ، دعوم بہیدا جاتے بہیدا سبہی ہاید نه جانے آپے دہاں چلے کئے تھے ، سب مسلمان عام طور سے اور فریب مسلمان خاص طور سے کچھ ایسا معصوس کرتے معلوم هو رہے تھے. مانو یہ أبهين كا سنمان هو رها هو . جنب كوثى هلدو رلهى ديكهلير کے لگے آئے ہومقا بھامتا تھا اور وهاں کوئی مسلمان -هوتا تھا تو وہ ہوے ادب سے آھے جگه دے دیکا تھا ، مسلمان کا یہ کام یہ بعانا مملوم ہوتا تھا کہ یہ رتھی اُس کے ہی کسی لريبي وفعردار کي هے ، نگي مسلمان جوان لوکين کو تو هم نے جهرالے جهوالے هددو بحوس کو کلدهوں پر بهالها کو رتبى داواتے هولے ديكها . هفتو مبرلوں مهن سے بہتوں كى یہ خوامش جی کی جی مہں وہ گگیکہ اُن کے بچے آیسے دیش بهکنت کی ته رقهی کو چهو پائے اور ته نفن کا ایک الدوا كلي مهي لاكان كو يا سك .

پھیو میں سپ صر کی پہلیں ماناکیں اُور بیکیاں تھیں ۔ سپ ھی آئ کا پورا پیرا خیال واہ رہے تھے ۔ ککی پہلیں تو ایکی پھیوں کو گوئی میں لگے ھوٹے تھیں ۔ پھر بھی آس پانی کے لوگ آئییں دولی دقمت نہیں ھولے ہے رہے تھے ۔

جب وتمی نظام الدین پیرتجی تو یسهن خالی هو کئیں اور یسون میں بیٹی لوگ اس طرف دروے جوان آملی ملی صاحب همهام کے آزام کے لگر لٹائے جائے والے تھ م मेन इस में दूर कर, और असीस के बहले नीचे से नीचे काम करने में शर्म को सगती ही नहीं, दूना उत्साह बढ़ता है, जानन्य भाता है.

यह जानकर हमारे पढ़ने वालों को कितनी लुशी होगी कि जूता गांठते गांठते इन बहि ों के विचार कितने उंचे जाते हैं. न इन्हें यह उपाल होता है कि चण्यल बनाकर हमें कितनी बच्चत होगी, न यह कि इसके कितने दाम उठेंगे. यह तो यह सोचती रहती हैं कि किस तरह इनका देश अपने पैरों पर आप खड़ा होगा और न सिर्फ अपनी जकरतों के क्षिये दूसरे मुल्कों का आर ताकना छोड़ देगा बाल्क जरूरत पहने पर दूसरों का दुख दूर करने के काबिल बन सकेगा.

यह ले अच्छी खासी कता कतास थी. कतापूर्न चपल का जोड़ियाँ तो थी थीं, पर सारे कमरे में चित्रकारी के कतापूर्न नमून भी टगें हुए थे. एक चित्र में गांधी जा की दो टांगें दिखाई गई थीं उनके पांच में चप्पत थे, उनकी चप्पतों के नाचे कहि रिवाज, छुआ छूत, दासता के कांटों को नाकें दूटती हुई दिखाई गई थीं. इसी का नाम है 'सादगा से रहना खोर कची उड़ान लेना.'

पढ़ने बालों को याद रहे कि जो कुछ हमने देखा वह कलाकार हुसैनी साहब की डेढ़ महीन की मेहनत का नताजा था. इन डेढ़ महोनों में चप्पलें कितनी बनी, कितनों ने कितना साखा और कैसा काम सीखा, इस नाप वोल से हमें क्या जेना. हमें तो काम है उस विचारों. की कायापलट से जो कालिज की महिला प्रोफेसरों और पढ़ने बालो बहनों बेटियों में हुई.

—भगवानदीन

राजदूत आतिफ्र असी की रथी

राजदूत आसिक अली साहब की रथी पहुँचने की खबर दिल्जी बालों को रिडयां से जैस ही मिलां बैसे ही दिल्ली शहर के हर मदे औरत, होटे बढ़े, गराब अमीर. सबके दिल में एक हलबता मच गई. हम जिस घर में ठहरे हुए ये उस घर के और पड़ोस के बच्चों की तो यह मी इच्जा हुई कि वह पालम हवाई खड़े पर पहुंच कर उनकी रथी को सम्मान हैं और टाउन हाल मां पहुँचें जरां कि रथी कानता के दशनों के लिये रखी जाने वाली थी. पर उन बच्चों की यह इच्छा पूरी न हो सकी. दूसरे दिन सबेरे तो यह बच्चे किसी तरह रांके न हके और रथी के दर्शनों के लिये उस मां अनके साथ हो लिये. जामा बक्के किस खे बजारी गेट तक होगों के ठठ के ठठ लगे

ھیم رس میں قرب کو اور آسیس کے بدلے تھنچے سے تھنچے کم کرتے میں شام تو لگتی عی تیوں' دونا آتساء ہومتا ہے' آندہ آتا ہے ،

یہ جانکو ہمارے یوہئے والیں کو کھٹی خوشی ہوگی کہ جوتا کانٹھتے کانٹھتے اُن بہنوں کے وجاد کھئے اُونجے جاتے میں ، نہ اِنہیں یہ حیال ہونا ہے کہ جہال بنادر ہمیں کھیں کہ بھیل بنادر ہمیں کھٹی بچھی ہوئی اُنہ کہ نہ اِس کے کھٹے دام اُجھلگے، یہ ٹو یہ سوچھی رمعی میں نہ دس طوح اِن کا دیش اَنہ ہمیوں پر آپ کہوا ہوگا اور نہ صرف اُبھی ضرورتوں کے لیے فوسروں ملکوں کی اور تا لما جہود دیگا بلکہ ضرورت بڑے پر فوسروں کا دانہ دور کرنے کے قابل بن سکیکا ،

یہ چہل کاس ہمیں دوری چہل کاس نہ ملی، یہ تو المهی حاصی دا الس تھی ، کا پورن چھل کی جوزیاں تو لھی میں ، پر سارے کمرے میں چارڈاری کے فا پورن سوئے بھی الفار ہوئے تھے ، ایک چارہ میں گاستھی جی کی دو گاسکیں دلھائی گئی تھھں' اُن کے پاؤں میں چھل تھ' اُن کے چوٹیں کے داستا کے اُس کے خوٹیں داستا کے کا گوں دی نوٹیں گرنتی ہوئی دنھائی کئی تھیں ، اُسی کا کار نے نوٹیں گرنتی ہوئی دنھائی کئی تھیں ، اُسی کا نام ہے 'سادگی ہے رہا اور اونچی اران لیفا'،

پوھٹے والیں کو یاد رہے کہ جو کتھ م نے دیکھا وہ کلار حسیدی ساحت کی قبوہ مہیلے کی متعلمت کا تابعت تھا ، این قبوہ مہیلی میں چھلیں کتلی یلیں تعلیٰ فیڈیں نے نتیا سمکھا اور کیسا کم سمکھا اس نب تہل سے معین کیا نہاں میں جو کانے کی مہیل تو ام ہے اُس وجاروں کی کایا پلمت سے جو کانچ کی مہیل پردایسروں اور پرعلے والی بہنوں اور پرعلے والی بہنوں اور پرعلی مہی ہوئی ،

--بهکراندیق

راجدوت أصف على صاحب كي رتهي

> **املی 268** معرف معرف العادی المام الم

(295)

af '5\$

मीजार और भी थे. इनमें सिर्फ एक ऐसा भीजार था जो भभी हिन्दुस्तान में नहीं बनता, विलायत से बना बनाया भाता है. है वह भी रौर फररी। हर बप्पल में उसकी जरूरत नहीं. यह सिर्फ सुराख करने के काम भाता है. इन पंद्रह भीजारों के दाम कमसे कम पंद्रह रूपये और प्यादा से प्यादा बीस रुपये. एक विलायती भीजार को छोड़ कर बाकी सब भीजारों की मरण्मत विद्यार्थी खुद कर सकता है या किसी जुहार से करवा सकता है. दो जरूरी भीजारों को छोड़ कर बाकी तेरह या सो क्लास के लिये जरूरी हैं या दुकान के लिये, घरेलू काम के लिये नहीं.

दो बहिनों ने हमें यह भी बताया कि जो चप्पलें वह पहने हुए हैं उनकी अपने हाथ की बनी हैं. हम इसी सिलसिले में यह कह बैठे कि चप्पल साजी घरेल काम तब ही बन सकेगा जब कुळ बहनें यह प्रतिक्का करलें कि वह अपने हाथ की बनी हुई ही चप्पलें पहनेंगी हमने इसी सिलसिले में यह भी कह दिया कि हम अभी हिन्दुस्तान के पूर्वी कोने पर बसी हुई मनीपुर रियासत से आये हैं. वहां की हर बहन कपड़ा जुनना जानती है. वहां पूजा के काम में घर के कपड़े के सिवाय दूसरा कपड़ा काम में नहीं जाया जाता. यह सुनकर एक बहन कौरन प्रतिचा कर बैठी कि बह आगे से अपने हाथ की बनी चप्पलें ही पहना करेगी.

बातों बातों में इस एक बहिन के बारे में पृक्ष बैठे कि बह किस ईयर में पढ़ती है. इसके जबाब में हमें सुनने की सिजा:

खाज कल हमारे कालेज के इम्तहान हो रहे हैं. यहां इस्त बक्त विद्यार्थी कोई नहीं है. यहां तो सब कालेज की प्रोफ्रेसर हैं. इनमें जो एक सफेद बाल वाली बहन थीं वह ची कालेज होस्टल की मैद्रन जिनका नाम था ग्रुमकरी बहन. फिर तो पता कता एक थीं खंगजी लेक्चरर श्रीमती मागीरथी फिल्ले, हुमारी सारम्भा टोमस, हिन्दी लेक्चरर कुमारी शिला खंगवाल और श्रीमती स्नेहलता श्रीवास्तव, इतिहास लेक्चरर कुमारी इन्द्रानायर, संस्कृत लेक्चरर कुमारी सीता खंगमी भट्ट, इक्नामिक्स लेक्चरर कुमारी सम्मिलता-कौइ... उन्हीं में दो और थीं विमकाभट्ट और विजय माटिया

इन बहनों को मोची का काम करते देख कर किसी विदेशी के दिल में यह शक कैसे रह सकता है कि हिन्दुस्तान में क्लकात की बीमारी भी है. यह देखकर हम यह पूछने की हिन्मत ही न कर सके कि किस किस वर्ण के विद्यार्थियों ने इस काम को सीखना शुरू किया है.

इमारा विचार अंदर अंदर चल रहा था कि एक बहन इठ खड़ी हुई और बोली — ''इम टूटे फूटे जूते भी गांठ लेती हैं, क्लास में ही नहीं घर पर भी. पड़ोसियों के जूते गाँठने में भी हमें कोई धर्म नहीं मालूम होती." इमने कह दिया, زار اور بھی تھے ان میں صرف ایک ایسا اوزار تھا جو پی طفدستان مھی نہیں بلغا ولائت سے بقا بقایا آتا ہے۔ بھی فقد ضروری ، ھر چیل میں اسکی ضرورت بھی، وہ صرف سرام کرنے کے کام آتا ہے ، اِن یقدرہ اوزاری ، دام کم سے کم یقدرہ اور ایادہ سے ایادہ بھس رویئے، کی ولائھی اوزار کو چھور کر بائی سب ارزاروں کی موست نیارتھی خود فرسکتا ہے ، کسی لوھار سے کروا سکتا ہے ، و شروری اوزاری کو چھور کر بائی تیوہ یا تو کلاس کے شروری ھھی یا دکان کے لئے گھریلو کام نے لئے نبھی ،

ور پہلوں نے همیں یہ بھی بتایا کہ جو چپلیں وہ پلے هوئے هیں اُن کی افح هائو کی بلی هیں ، هم اِسی بلسلے میں یہ کہ بیتھے کہ چھل سازی گوریلو کام تبھی ن سکیکا جب کچھ بہلیں یہ پرتگیا کرلیں کہ وہ اُفج هائو بی یعنی دوگی هی چھلیں پہلیلگی ، هم نے اِسی سلسلے بی یعنی دوگی هی چھلیں پہلیلگی ، هم نے اِسی سلسلے ریسی عوثی ملی اور دیاست سے آئے هیں، وهاں کی هر پسی طوئی ملی اور دیاست سے آئے هیں، وهاں کی هر پس نہوا بنتا جانتی ہے ، وهاں بوجا کے کام میں کور کے پیرے کے سوائے دوسوا کیوا کام میں نہیں لایا جاتا، یہ سن ر ایک بہن فوراً پرتگیا کر بیٹھی کہ وہ آئے سے آئے سانے هائے

یاتوں ہائوں میں ہم ایک یہی کے بارے میں یہ پوچہ یٹھے کہ وہ کس ایگر میں پوھٹی ہے ۔ اِس کے جواب میں سین سللے کو ملا :

آج کل همارے کالمے کے اِستحال هو رہے هیں، یہاں اِس المت ودیاوتھی کوئی نہیں ہے ، یہاں تو سب کلمے کی روفیسر هیں، اُن میں جو ایک سفید یال والی بین تمیں یا تمیں کالم میں جو ایک سفید یال والی بین تمیں یا تمیں کا نام تیا شبہدری ہیں، پھر تو یت چلا ایک تمیں اگریزی لیکچررا شریعی ناگریزی لیکچرو کماری الماری الدرال اور شریمتی سفیمالتا شریواستوا اِنمیاس لیکچرو ماری سمتا لکھمی ماری اندرا نائرا سلسکرت لیکچرو کماری سمتا لکھمی ہمی اُرکامکس لیکچرو کماری سمتا کور.....امہیں میں دو اور تمیں وحلا بہت اور وجے بہاتھا ،

اُن بہارس کو موجی کا کام کرتے دیکھ کر کسی ودیشی کے دفل میں یہ شک کہسے وہ سکتا ہے کہ ملاحتان میں پہرست جہات کی بیماری بھی ہے۔ یہ دیکھکر هم یہ پرجھلے نی هست هی نہ کرسکے کہ کس کس ورن کے ودیارتھیوں نے اُس کام کو سمکھٹا شروع کہا ہے ۔ همارا وجار اندر اندر چل رضا تھا کہ ایک بہن آتھ کہوی هوئی اور بولی —"هم چل رضا تھا کہ ایک بہن آتھ کہوی هوئی اور بولی —"هم بیس شی بھری جوتے بھی گانٹھلے میں بھی جوتے کانٹھلے میں بھی جوتے کانٹھلے میں بھی جوتے کھی تھیں کانٹھلے میں بھی جوتے کھی بھی جوتے کانٹھلے میں بھی جوتے کانٹھلے میں بھی جوتے کانٹھلے میں بھی جوتے کی دیا

मासून होने समा कि इम अपने घर में हैं, और इमारी वहन वेडियां हमें अपना काम काम दिखा रही हैं

बरातों की कई जोड़ियां अलग अलग तकनों पर जड़ी हुई साढ़े इख, क्ररीने से रखा हुई थीं. उनमें से दो एक तो कला का नमूना थीं आटस्टि साहब ने उनको भी बारी बारी के दिसाया

पास दी कार्ड बोर्ड पर लगे हुए विकोने, चौकोने, प्यकाने, कुछ पमदे के दुकदे देखने को मिले. इन सब पर थोड़ी थोड़ी सिलाई की हुई थी. इस नुमायश को हम बिल्ड्डल न समक पाये. कलाकार से पूछना पड़ा, यह क्या थीर किसलिये?

हुसेनी साहब बोले. यह हैं चप्पल की कतरनें. शाप जानते ही हैं, आजकल, चमा कितना गिरां हैं हम चम हे का एक दुकड़ा खराब नहीं जाने देते. यह जो इन दुकड़ों पर सिलाई की हुई है यह हमारे सीखने वालों के पहले दिन का काम है. हम पहले पहल इनको सिलाई ही सिखाते हैं. इन कतरनों को हम चप्पलों को पड़ी में बिठा देते हैं. इन कतरनों का कार्ड बोर्ड पर इसलिये लगा रखा है कि विद्यार्थी को यह ध्यान रहे और उसकी नजर के सामने रहे कि उसने पहजे हिन कैसी पिकाई की थी, और आज वह कैमी करता है.

बातों बातों में यह भी माल्म हुआ कि एक जोड़ी बरात. कटाई से लेकर सिलाई होकर, हर तरह तैयार होने में, कम से कम, ढाई बंटा और ज्यादा से क्यादा तीन घंटा लेनी हैं, हां उसपर कुछ बला का काम किया जाय तो क्यादा बहुत भी लग सकता है. एक बराल में तीन से पांच कपये तक की जागत लगती है. और बाजार में उसके दाम छै से बाठ तक आसाजी से मिल सकते हैं. केवी दुकान में इस तक भी विक सकती है.

हमें 'हाई घंटे' बाली बात पर कुछ शुक हो रहा था. हम सुत्राल करने को ही थे कि एक बहुन ने उठ कर कहा 'एक दिन एक सक्तन कालेज में लेकबर देने आये, उनकी बप्पल का उसी समय नाप तिया गया. उनका लेकबर खत्म हाने के बाद क लेज में तैयार की हुई उनकी चप्पल उनके पांच में पहना दी गई. उनके कालेज पहुंचने, लेकबर खत्म करने में पूरे सीन घंटे का समय लगा.

बातों वालों में बीजारों की बात बल पड़ी. माल्म हुआ, बरस साजी के बीजार तो दो ही हैं. एक रांपी, एक सुतारी. संबी काटती है. सुनारी सीती है. दोनों के दाम बाठ बाने या पक दमया. यह दोनों आसानी से काई भी लुहार बना सकता है. इसकी टूट-फूट बराल बनाने वाला खुर कर लेता है दूट फूट ठोक करने बाले बीजार भी कीमती नहीं, उनके दाम आ इपने बाठ बाने. वे बीजार भी मामूली लुहार का सकता है. इसमें इक मही कि बण्या क्यांस में तेरह

معلوم هولے لگا تھ هم آھے گهر میں هیں؛ اور هماری بھی بیٹھائی هنھی آیٹا کام دکھا رهی هیں ،

چھلیں کی کئی جہویاں انگ انگ تھتاں ہو جوی ھوئی' کھڑے رخ' قریلے ہے رکبی ھوئی تھوں ۔ اُن موں ہے ھو لیک تو بلا کا نموند تھیں ۔ آرٹسٹ صاحب نے اُن دو بھی باری باری ہے دکھایا ۔

هاسهی کارة پورة پر لکرهولرتکونی چوکونی پچکولی کجه جموری کے ٹکڑے دیکھلے کو ملے اُن سب پر تھوڑی تھوڑی سلائی کی هولی تھی ، اِس نمانش کو هم بالکل نه سمجه پائے کلاکو سے پوچھٹا ہوا کے کہا اور کس لئے گ

حسیقی صاحب پرلے' یہ میں چھل کی کترنیں' آپ چھتے می میں اُپ جھتے می میں اُپ کل' جسوا کتنا کراں ہے' مم جسوے کا ایک ٹکوا خراب نہیں جانے دیتے ، یہ جو ان ٹکورں پر سائی کی ہوئی ہے یہ مساوے سیکھلے والوں نے پہلے دس کام ہے مم پہلے پہلے اُن کو سائی می سکھاتے میں ، اِن کتونیں کو مم جھلوں کی ایوی میں بتھا دیتے میں ۔ اِن کتونیں کو کو ور اور آبی ایک رکھا ہے که ودیارتهی کو یہ دمیان رہے اور آسکی نظر کے سامنے رہے کہ اُس نے کو یہ دمیان رہے اور آسکی نظر کے سامنے رہے کہ اُس نے بہتے دی کیسی کرتا ہے ،

باتیں باتیں میں یہ یہی معلوم ہوا کہ ایک جوری چھل کا نگائی سے لیکر سلائی ہوکر ہر طاح تیار ہوئے میں گم سے کم کے گمائی گیلائے اور زیادہ سے زیادہ تین گیلائے لیکی ہے گم سے کم نے آب یک کی بھی میں اس پر کچھ کا کا کم کیا جائے تو زیادہ رقات بھی لگ سکما ہے ، ایک چھل میں تین سے یا جے رویے تک کی قلب لگتی ہے ، اور بازار میں آس کے دام چھ سے آٹھ تک آسائی سے مل سکتی ہیں ، اُسچی دکان میں دس تک اُسائی سے مل سکتی ہیں ، اُسچی دکان میں دس تک

همیں اقمائی گیلتے' والی بات پر کچھ شک هو رها الها. هم سوال کرنے کو هی تھ که ایک بین نے آٹھ کو کہا الیک میں لیکچر دیئے آئے' ان کی الیک هن لیکچر ختم هونے کے چھل کا آسی سعد ناپ لیا گیا۔ ان کا لیکچر ختم هونے کے بعد کلم میں بھلائی آن کے باؤں میں بھلائی آن کے کلم بیونچئے' لیکچر ختم کرنے میں بھلائی کا سید لیا ،

بائس بائس میں اوزاوں کی بات چل ہوی ، معلم عوا چھل سازی کے اوزار تو دو هی هیں ، ایک وابھی ایک ستاری ستاری ستاری دونس کے لیک ووید ، یہ دونس آسانی سے کوئی بھی فودار بقاسکتا ہے ، آسکی توق بھوٹ چھل بنانے والا خود کو بتا ہے ۔ گرف بھوٹ جھل بنانے والا خود کو بتا ہے ۔ گرف بھی دولت آئے آئے ، وہ اوزار بھی قیمتی نہیں اسکتا ہے اور میں شک نہیں کہ جھل کاس میں شہور بھی معدولی لوعاد بھا سکتا ہے اس میں شک نہیں کا جھل کاس میں تھود

सहयोग मिल सकता ना मुमकिन है. जनता सरकार के साथ सहयोग करने के लिये वेचैन है. पर यह सहयं। जनता करी योजनाओं में कर सकती है जो जनता के दिश सगती हों भाजकल की योजनायें न जनता के दिल सगती हैं और न हो सकती हैं.

द्यारों नी जवान हैं जो देश की खारी बढ़ाने के लिये काम करना चाहते हैं. इन नी जवानों की खिरी हुई शक्ति किसी देश के नी जवानों की शक्ति से कम नहीं. पर खाज कल जो कोरा हैं उनका रहन सहन, उनका कल और कनके विचार इन मी जवानों को खपनी तरफ खींचे या उन में उमंग पैदा करने की जगह उन्हें और दूर हटाते हैं.

बहारमा गांघो भारत और भारतवासियों को खब्छी तरह समझते थे. उन्होंने हमारे लिये क्रामयांथी को एक साक और सीधी सड़क तैयार कर दो हैं. पड़ोसी देशों की जीत जागती मिसालें भी हम में साहस और विश्वास पैदा करने के किये काफी होनी चाहियें. चन्छा हो कि जब भी हम में इतनी समझ और इतना बल जा सके कि हम सीधे शक्ते पर बल सर्थें. हमारे लिये दूसरा कोई रास्ता नहीं.

—सुन्दरकाळ

इन्द्रप्रस्य कालिज और चप्पल साजी

कताकार दुसेनी साहब ने जब चपाक क्रास दिखाने की दावत पं• सुन्दर तालजी के साथ साथ मुक्ते भी दी ती वैं क्रम न समक पाया.

हुसेनी साहब इंन्यूप्रस्य कालेज में प्रोफेसर हैं. महीना केंद्र महीना हुआ आप दैरराबाद से इन्द्रप्रस्य कालेज की सङ्क्षियों को चपल बनाने का काम सिखाने आये हुए हैं. हुने दैरत हुई, इंग्यूप्रस्थ कालेज, चप्पत साजी, और क्षाकार!

दूसरे दिन में पंडित जी के साथ साथ काले न पहुँच ही तो गया. क्या देखता हूं. आर्टिस्ट साहव भूप में नंगे सिर हमारी तरक सपके चले आरहे हैं! हमें किसी बजह से पांच सात मिनट की देरी होगई थी. आर्टिस्ट साहच ने हमें साफी मांगने तक का मी का न दिया, तुरत हम दोनों को अपना विश्वसन्वास में ले गये. चप्पन क्लास क्या थी एक हुआन भी जिसमें कुछ लड़ कियाँ एक अभेड़ उस की महिला की मासहतों में खते गांठने का काम कर रहीं थीं.

बोड़ी देर में इस उनके बीच में ये और चार्टिस्ट साइय इसे उनके हाओं से चलासें लेकर दिसा रहे थे. मिनट देड़ मिनट के बाद ही उन बहनों में से कांई कोई चपनी चला सिसाई का काम दिससाने सागी. जब इमारे सिर से बहु बात निका गई कि इस किसी बसास में सहे हैं. देसा بهدوگ مل سکفا قاممان قل جلکا سرکار کے ساتھ ضوورگ کرنے کیلئے ہے جون فر یہ سهدوگ جلکا آدھیں بہجداؤن میں کرسکتی فر جلکا نے دل لکٹی ہوں ، آجکل کی پہچنائیں تہ جلگا کے دل لکٹی ہیں اور ته ہرسکتی ہیں ،

التراوی توجوان میں جو دیش کو آگے ہومائے کیلگے کام کرنا چامتے میں ۔ اِن توجوانوں کی چیبی موٹی شکتی کسی دیش کے توجوانوں کی شکتی سے کم تییں، یہ آجکل جو لرگ میں اُن کا رمن سین' اُن کا رم اور اُن کے وجار اُن توجوانوں کو ایٹی طرف کیدھجے یا اُن میں اُسٹک پیدا تونے نی جگہ اُنہیں اور دور مشتے میں میں اُسٹک پیدا تونے نی جگہ اُنہیں اور دور مشتے میں۔

مہاتما کاندھی بہارس اور بہارس واسیس کو آچھی طاح مستجہتے تھے ، آبوس نے همارے لگے کامیابی کی آیک ساب آور سیدھی سوک تیار کو دبی ہے، پروسی دیشوں کی جہتی جائٹی مثا یں بھی ہم میں ساھس اور وشراس بھڈا کوئے کیلئے کافی ہوتی چاھکیں، اچھا ہو کہ آپ بھی ہم میں اتقی سنجہ اور اندا بل آسکے کہ ہم سیدھے راستے ہو جال سکیں، ہمارے لئے دوسرا کوئی واستے نہیں ،

-- سلدرلال

اندر پرستھ کالمے اور چیل سازی عدر حسینی ماحب نے جب جیل نفس دنیانے کی

دمرت پاکت سادر کل جی کے سالھ سالھ معربے بھی دبی کو مھن کچھ کھ سمجھ پایا ۔

حسیقی صاحب إندر پرسته کالج مهن پروئیسر ههن، مهیقه قبوه مهیله هوا آپ حیدرآباد سے إندر پرسته کالج کی لوکهرن کو چهال الحالے کا کام سکھانے آئے هوئے ههن ، مجھے حهرت هوئی اندر پرسته کالج جهال ساؤی اور کلاو ا

فوسرے فی میں پلکت جی کے ساتھ ساتھ کائیے پہونیے می تو کیا ، کیا دیکھتا ہرں' آرٹسٹ ماحب دعرب میں نلکے سر ھماری طرف لیکے چلے آ رہے ھیں اِ ھمیں کسی وجه سے پانچ سات ملمٹ کی دیری ھرگئی تھی ، آرٹسٹ ماحب نے ھیں معالی مانکلے تک کا موقع نه دیا ترب ھم دولیں کو آبلی چھل نائس میں لے گئے ، چھل کاس کیا تھی ایک دیں میں کچھ لولیاں ایک آدمیو عمر کی مہینا کی مانتھی میں جرتے گائیلے کا کام کو رھی تھیں ،

کھوڑی دیر میں ہم آن کے بھیے میں تھ اور آرٹسٹ صاحب ہیں آن کے دنیا رہے تھے۔ صاحب ہیں آن کے دنیا رہے تھے۔ ملک ڈیوڈ ملک کے بعد ہی آن بہتیں میں سے گوئی لوئی ایلنی چھل ملائے کا کام دنیلانے انہیں۔ آپ ہمارے سر سے بیاد بیاد کارکے کی بید بیاد بیاد کارکے کی بید بیاد بیاد کارکے کی بید بیاد بیاد کارکے کا ہم کسی کلس میں کھورے میں۔ ایسا

i 💃

की सेवा, शिका और संगठन में अपना सारा समय लगाना चाहिये. नांधी जी की सलाह पर अगर उस समय अमल किया जाता तो हमारे देश के शासकों और जनता के बीच को साई बढ़ती जा रही है वह पैदा ही न होती और देश में एक सुक्वी जनता की सरकार क़ायम हो सकती.

इस तरह हमारे अन्दर जो कमी है वह यही है कि इमारे अपने सामने कोई ठीक ठीक आदर्श नहीं हैं और गांधी जी के आदर्शों और उनकी सलाह में हमें विश्वास नहीं इसीलिये हमने उन्हें नहीं माना.

हमारे अधिकतर सरकारी महक्रमों में रारीब जनता का कपया जिस तरह पानी की तरह बहाया जा रहा है इस ही तफ़सील में जाने की यहाँ ज़रूरत नहीं है. पीढियों तक इम यह शिकायत करते रहे कि अंगरेजी हकूमत इस देश के लिये बहुत मंहगी है और रुपया फेंकती है, बाज हमारी इकुमत अंगरेजी हकूनत से कहीं जियादा मंहगी है और इसका खर्च बढता चला जा रहा है. अकेले बिहार के अन्दर हमें बताया गया है कि केवल पुलिस का खर्च जो अंगरेजी राज के जमाने में लगभग 75 लाख रुपया सालाना था, और जिसकी हमें बढ़ी शिकायत रहती थी अब लगभग तीन हरोड़ अस्सी लाख है होना यह चाहिये था कि आजाद भारत में पुलिस और कम होती. दूसरे महकमों में भी इसी तरह की फिजल खरभी और देश की असली हालत पर निगाह न देने का नतीजा यह है कि इस बाहर के मुजकों के साथ विलक्षण ग्रेर अकरी और खतरनाक बाली देनदारियों और राजकाजी बलभनों में फंसते चले जा रहे हैं.

जनसा के लिये जब दो ही रास्ते हैं. पहला राम्ता यह है कि जाजकल के शासकों पर इस बात के लियं काकी इबाब झाला जाय कि वे अपनी तनखाहों और खरचों को कम करें, मामूली शहरियों की तरह मामूली घरों मे रहें, अपने रहन सहन को जहां तक हो सके जनता के रहन सहन के नज़दीक लावें और इस तरह उन लोगों के लिये एक मिसाल क्रायम करें जो इस समय कपर से नीचे तक राज चला रहे हैं. जनता सरकार को मजबूर करे कि वह शासन के सर्च की कम कर और धूस सोरी, अरटावार और वेकारी को सतम करने वा बचन दे.

श्रार यह न हो सके तो दूसरा रास्ता जनता के लिये यह है कि आजकत के शासकों की जगह इस तरह के आदमियों को चुने और बैठावे जो चाहे किसी भी पारटी के हों या न हों, इन सब बातों के करने की प्रतीक्षा करें.

सरकार के साथ सहयोग करने के लिये जनता में सोश पैदा करने का यही एक मात्र तरीहा है. बाज के हाबाह में बबता में जोश पैदा हो सकना सौर सरकार की کی بھوا شکھا اور سلکھٹن میں ایفا سارا سے لگانا چاہئے، گانیھی جی کی سلح پر اگر اس سے مثل کیا جاتا تو ممارے میش کے شاسکوں اور جلتا کے بدیج جو کیائی پومٹی جا رمی ہے وہ پیدا می نہ موتی اور دیش میں ایک سچی جلتا کی سرکار قائم موسکٹی۔

اِس طرح هماری اندو جو کسی ولا یہی ہے کہ هماری ایے سامئے کوئی ٹھیک ٹھیک آدرهی نہیں هیں اور کاندهی ہی کے آدرشوں اور انکی ملاح میں همیں وشواس نہیں ایسی لگے هم نے انہیں نہیں مانا .

همارے ادھکار سرکاری محکموں میں فریپ جدتا کا روپیه جس طرح پانی کی طرح بہایا جا۔ رہا۔ ہے۔ اُسکی تنصيل ميں جانے كى يہاں فرورت نهيں هے ، پهرهدوں لک هم یه شکایت کرتے رہے که اداریزی حکومت اس دیص کے لکے بہت مہلکی ہے اور روہد پہیلکتی ہے ، آج هماری حکومت انگریزی حکومت سے کہوں زیادہ مہلکی ہے۔ اُور أس كا خرج بوءتا چلا جا رما هے . أدياء بيار كے الدر منيس بعاليا ليا قد نه كيول يوليس كا خرج جو أنكريزي رأج في ومالممين لك يهك 75 لاله روبهه سالانه تها اورجسكي همين ہوی شکایت رہتی آہی اب لگ بھگ۔ تھن کررز اُسی لائھ ه. هونا يه جاهيُّ لها كه آزاد بهارت صون يولوس أور كم ھوتی ، دوسرے محکموں میں بھی اسی طرح کی قصول خرجی اور دیم کی اصلی حالت پر نکاه نه دید کا تعیجه یہ ہے کہ هم باهر کے ملکوں کے ساتھ بالکل فهر ضروری أور خطرناك مالى ديلداريس أور واجكاجي ألجهلول مهس پهلستے چلے جا رہے هیں .

جلتا کیلئے آپ دو هی راستے هیں۔ پہلا واسته یه هے که آجکل کے شاشکوں پر اس بات کیلئے کالی دباؤ تالا جائے که ویہ ایلی قلطواهوں اور شرچوں کو کم کریں' معمولی شہریوں کی طرح معمولی گهروں میں رهیں' آنے رهوںسیس کو جہاں تک هو محمولی گهروں میں رهیں' آنے رهوںسیس اور اِس طرح آن لوگوں کیلئے ایک مثال قائم کریں جو اِس سمہ آریز سے نہجے تک رأج چلا رہے هیں ، جلتا اسرار کو مجهور کوے که وہ شاسن کے شرچ کو کم کریے آور شہوری' بھرشگاچار آور بھکاری کو شام کرنے کا بحین فہوس شوری ' بھرشگاچار آور بھکاری کو شام کرنے کا بحین

الورہے نه موسالے تو دوسوا راسته جلتا کھلگے یه ہے که آجائل کے شاسکوں کی جاتھ اِس طوح کے آدمھوں کو چلے اور بھٹھاوے جو جاھے کسی بھی ہارتی کے ھوں یا نہ ھوں اِن سب بالوں کے کولے کی ہوتکھا کویں ،

سرکار کے ساتھ سپیوٹ کرنے کیلئے جلتا میں جوش پیدا کرنے کا یہی ایک ماتر طریقہ ہے ۔ آج کے حالت میں جلتا میں جوش پیدا ہوسکتا اور سرکار کو बसर करते हैं जिस तरह महात्मा गांधी कहते वे तो कुमकिन है इम यह सममते कि गांधी जी की सलाह धमल करने की चीज नहीं थी.

गांधी जी ने यह भी सलाह दी थी कि पारितयामेन्ट भवन जैसी सब शानदार इमारतें जो अंगरेज नई दिल्ली में होड़ गए हैं या तो स्कूलों, कालेजों और विश्व विद्यालयों को दे दी जायं और या उनमें रारीबों के लिये अस्पताल कोस दिये जावं, और स्वराज सरकार की अपना सारा कारोबार इस तरह के सीधे सादे मकानों में करना चाहिये जो मारत जैसे निर्धन देश के जीवन से खपते हुए हों. हमें याद रखना चाहिये कि नये चीन में सब पुराने महल और बड़ी बड़ी इमारतें रारीबों और मजदूरों को दे दी गई हैं जिनमें वह लोग अपने मेले ठेले तमाशे और आमीद प्रमोद करते हैं, और जिन्हें अब वह "वरकर्स कलवरल पैलेसेस" कहते हैं. चोटी के लोगों के सादा और किफायत अरी की जिन्हारी बसर करने से ही नीचे के सरकारी अक्सरों और मैकरों में वह समग पैदा हो सकती है जो वृक्ष औरी और अश्टाचार को रोक सके.

देश के आजाद हो जाने से बाद गांधी जी ने जब देशा कि भूटी शान के खयात में पढ़ कर कांगरेस नेता उनकी सज़ाह नहीं मान रहे हैं तो उन्होंने साहस के साथ और साफ़ शब्दों में सब कांगरेस बालों से कहा कि वे दिल्ली सरकार और प्रान्ती सरकारों के सब आहदों से स्तीफ़े दे दें. सब भारा सभाओं में से बाहर निकल आवें, कांगरेस प्राटन को तोड़ दें और गांब गांब में जा कर जनत की समझ कर इस तरह संगठित कर दें कि शासन चाहे किसी के भी हाथ में रहे कोगों में इसना बल आजाने कि जहां कहीं और जब कमी शासक अपनी शक्ति का दुरउपयोग करें लोग बनका हाथ रोक सकें, जिससे कोई सरकार जनता की इच्छा के विद्यु जलने की हिम्मत न कर सकें.

सहारमा गांधी ने वह पेशीन गोई कर दी थी कि अगर कांगरेस बालों ने उनकी सलाह पर अमल न किया तो इक्स्मल हाथ में आते ही कांगरेस वालों का चलन बिगड़ जावगा और वह लोगों की नज़रों में गिर जावेंगे जिससे जनता और अधिक मुसीवत में फंसेगी जिसकी सारी विश्वेदारी कांगरेस वालों पर होगी. कांगरेसी नेताओं ने क्स समय गांधी जी की बात न सुनी. नतीजा वह हुआ कि गांबी जी की पेशीन गोई सच्ची निकती.

बी घनश्याम सिंह गुप्त ने, जो बिहार की तहक़ीक़ात के लिये मेंजे गए ये अपनी रिपोर्ट में यह भी सत्ताह दी है कि कम से कम बिहार में सब कांगरेस बालों को सरकारी ओह्दों से स्तीफे दे देना चाहिये, यारा समाओं से निकल आना चाहिये और जनता में जाकर तीन सास तक जनता یسو کرتے ھیں جس طرح میاتما کاندھی، کیجے تھے۔ تو منکنی ہے جم یہ سنجھتے کہ گلندھی جی کی صلح صل کرتے کی چھو نہماں تھی ۔

النجی جی نے یہ بھی صلح بھی تھی کہ ہاولهامندی بھوں جھوو کی سب شاندار عبارتیں جو انکویز نگی دلی میں جھوو کئے ھیں یا تو اسکولوں کالجوں اور وشو ودیالھوں کو دیے دیں جانیں آور یا اُن میں قریبوں کے لئے اسپتال کیول دیئے جائیں اُور سوراج سرکار کو ایفا سارا کاروبار اِس طرح کے سھیے سادیے مکانوں میں کونا جاھئے جو بھارت جیسے نردھیں دیش کے جھوں سے کہتے ھوئے ھوں ، ھمیں یاد رکھتا جاھئے کہ نئے جھوں میں سب پرائے محل آور بتوں بھی عمارتیں فریبوں اُور مؤدو وں کو دے دی گئی ھیں جی میں وہ لوگ آبے میلی آبود پرسود کرتے جی میں اور حقیدی اور حقیدی اور کا یوس کیتے ھیں۔ جوئی کے لوگوں کے سادہ اور کفایت شعاری کی زندگی بسو جوئی کے لوگوں کے سادہ اور کفایت شعاری کی زندگی بسو جوئی کے لوگوں کے سادہ اور کفایت شعاری کی زندگی بسو کوئے سے ھی نہتے کے سرکاری افسروں اور نوکووں میں وہ اُمنگ بھدا ھو سکتی ہے جو گھوس خوری اور بھرشتا جار

دیمی کے آزاد ہو جانے کے بعد گاندھی جی نے جب دیکھا کہ جھوتی شان کے خھال میں یو کر کانگریس نیعا ان کی صاح نہیں مان رہے ھیں تو اُنھوں نے ساھس کے ساتے اور صاف شہدوں میں سب کانگریس والوں سے کہا کہ ویہ دلی سوکار اور پرانکی سرکاروں کے سب مہدوں سے استعلیہ دیے دیس سب دھارا سہماؤں میں سے باھر نکل آویں کانگریس سلکھتن کو تور دیں اور گاؤں گاؤں میں جائر جلاا کو سمجھاگر اس طوح سلکھتت کو دیں کہ ھائش جائے کسی کے بھی ھاتھ میں رہے لوگوں میں اتفا بل آ جارے کہ جہاں کیمی اور جب کبھی ھاسک ایلی شکتی کا جارے کہ جہاں کیمی اور جب کبھی ھاسک ایلی شکتی کا دراہیوگ کریں لوگ اُن کا ھاتھ روک سکھی' جس سے کوئی سرکار جانگا کی اُنچا کے وردھ جلاے کی ھست نہ کوسکے ،

مہالما گاختھی نے یہ پہشین گوئی کر دبی تھی که اگر کانگریس والوں نے انکی صلاح پر عمل نه کیا تو حکومت عائم آتے ھی کانگریس والوں کا جاتی بکو جائے گا اور وہ لیکوں کی نظروں میں گر جاویں کے جس سے جاتما اور ادھک مصیبت میں پہلسے کی جس کی ساری قاعداری کانگریسی والوں پر ھوگی ، کانگریسی بھاؤوں نے اُس سے گاندھی جی کر بات نه ساری ، نتیجہ یہ ھوا که کاندھی جی کی پیشھیں گوئی سجی تکلی ،

صری گهشتهام ساکه گهمت نے' جو بهار کی تصفیقات کیلئے بههجی گئے تیے آپٹی رپورٹ میں یہ بھی مباح دی مے کہ کم مے کم بہار میں سب نانکریس وانوں کو سرکاری مهموں ہے استعفے دے دیفا جامئے' دھارا میماؤں سے نکل آنا جامئے اور بولیتا میں جائی لین سال تک جانیا

ایمانداری پر سب کو وشواص تھا اِس لئے آتم متھا کر لی کھرتکہ اُس پر یہ پیعوا دباؤ ڈالا گھا کہ وہ کسی دوسرے آمھدوار کے کانگریس ادھهکاریوں کا ادھک پریم یائر تھا اُرہا تام واپس لے لے ۔ آیے ڈرٹیا گھا ، دکھ میں بہر کو اُس نے ایک خط ہنگت جواهر الل کے نام لکھ کر جس میں اُس نے داھایا ہے کہ عمارا راجکاجی جھوں کتنا کر گھا گر گھا گر گھا ہے آتم متھا کر لی ۔ یہ بھی کہا جاتا ہے کہ اُس سے ملعی جاتا ہی کہ اُس سے ملعی جاتا ہے کہ اُس سے ملان ہوائی ہونا ہے کہ اُس سے ملعی جاتا ہے کہ اُس سے ملانے کی دیا ہونا ہے کہ اُس سے اُس سے اُس سے اُس سے اُس سے کہ اُس سے اُس سے اُس سے اُس سے اُس سے اُس سے کہ اُس سے اُس سے

هماری آچکل کی مصیبترں کے کارن کا اِس سے بھی کچھ پتھ جلتا ہے ، وہ هزاروں آدمی جو ابھی حال تک آؤلائی کے سہاھی تیے آور جو ظاهر ہے آب ایڈی اُن سہواڑی کے لئے انعام جاهتے هیں یا پاکلوں کی طرح ستا حاصل کرتے یا اور هاتم میں ستا بنائے رکھتے کی جی تور کوششوں میں لئے هیارے اُن کہا ہی کارن همارا جوتو پہد کر گیا ہے ، آب همارے لئے مقصد اُکر تھیک ہے تو اُس تک پہنچیلے کے لئے سادھی جاھے کتنے بھی خواب کیوں نه هوں کوئی هرچ بیهی ، سچائی اور ایمانداری هماری باتھ میں فضول کے تھکوسلے هیں جو راج کاجی نیکاؤں در شوبھا بیمی فضول کے تھکوسلے هیں جو راج کاجی نیکاؤں در شوبھا بیمی دیتے ،

هماريم راهالري جيون لا يه يال أيسا نهيل هي جس کا پہلے سے کسی کو انومان نہ ہوا ہو ، مہالما کابدھی شروع سے ہی اپنے صاف مناف دیکھ رہے تھے ، اُس سے بھیلے کے لگے ہی وہ همارے چوٹی کے لوگوں پو بار بار اِس باعد کے لکے زور دے ویے تھے کا سوراج مل جانے کے بعد بھی اُنھیں انے جهون کی سادگی آور تہشها آسی طرح بلائے وکھلی جاهدًے ، أيك يار شرى راجكوبالجارى لے رائے طاهر كى نه المدهى جي تے هر يونے سے يونے هلدستاني سرکاري يد ادھکاری کے لئے جو ادھک سے ادھک ھاسے سو روپے ماھوار کی تقطواہ باندہ دی تھی وہ سکن ہے اُس مہدے کی شان کو بغائر رکھنے کے لگر کافی نہ هو . اُس ہو کاندهی جی نے جواب دیا تھا که ہانچ سو رویدہ کی حد ہلقت جواهر ال جهسين كالله ه جلهين بجهن سرخاص طرح ير رهلي ئی عادت کے لیکن راجا جی کو مقسلر یا گوربر آھوئے۔ کی صورت موں 75 روبوء مهملے سے زیادہ هرکز نہیں لیڈا چاهگر . راجا جي ان دنون 75 رويده ماهوار مين هي رو

گاندھی جی اس یات پر روز فیکے تھے کہ آزادی کے بعد ھمارے مستحروں اور گوردروں کو جہاں تک ھوسکے دیمی کی عام جگٹا کی طرح رھانا آور زندگی یسر کونا جامکے اس معاملے میں اگر ھمیارے معلوم نہ ھوتا کہ کچھ فوسرے دیمی سے بڑے دیمی میں بڑے دیمی میں کرے دیمی میں گرد کیمی کی وندگی میں ٹیمیا کی وندگی

ईमानदारी पर सबको विश्वास था इसलिये जात्म इत्या कर की क्योंकि उस पर यह वेजा दवाव डाला गया कि बह किसी दूसरे उम्मीदबार के लिये जो ऊपर के कांगरेस अधिकारियों का अधिक प्रेम पात्र या अपना नाम वापस ले ले. उसे डराया गया. दुल में भर कर उसने एक उत पंडित जवाहर लाल के नाम लिख कर जिस में उसने दिसाया है कि इमारा राजकाजी जीवन कितना गिर गया है जासम" इत्या कर ली. यह भी कहा जाता है कि इससे मिखती जुलती और भी घटनायें हुई.

इमारी आज कल की मुसीवतों के कारन का इससे भी कुल पता चलता है. वह हजारों आदमी जो अभी हास तक आजादी के सिपाही ये और जो जाहिर है अब अपनी उन सेवाओं के लिये इनाम चाहते हैं या पागलों की तरह सत्ता हासिल करने या अपने हाथ में सत्ता बनाये रखने की जी तोड़ कोशिशों में लगे हुए हैं. इस पागलपन के कारन हमारा चरित्र बेहद गिर गया है. अब हमारे लिये मक्तसद अगर ठीक है तो उस तक पहुँचने के लिये साधन चाहे कितने भी खराब क्यों न हों कोई हरज नहीं. सच्चाई और ईमानदारी हमारी निगाह में कजूल के बकोसले है जो राजकाजी नेताओं को शोमा नहीं देते

हमारे राश्ट्रीय जीवन का यह पतन ऐसा नहीं है जिसका पहले से किसी को अनुमान न हुआ हो. महात्मा गांधी शुरू से ही इसे साफ साफ देख रहे थे. उससे बचने के लिये ही बह हमारे चोटी के लोगों पर बार बार इस बात के लिये फीर दे रहे से कि स्वराज मिल जाने के बाद भी उन्हें अपने जीवन की सादगी और तपस्या उसी तरह बनाए रखनी चाहिये. एक बार श्री राजगोपालाचारी ने राय जाहिर की कि गांधी जी ने हर बड़े से बड़े हिन्दुस्तानी सरकारी पदाधिकारी के लिये जो अधिक से अधिक पांच सौ वपए महाबार की तनसा बांध दी थी वह ग्रमिकन है उस बोहदे की शान की बनाए रखने के लिये काफी न हो. इस पर गोंधी जी ने जबाब दिया था कि पांच सौ रुपए की हर पंडित जबाहर लाल जैसों के लिये है जिन्हें बचपन से खास तरह से रहने की आइत है लेकिन राजा जी की मिनिस्टर या गवरनर होने की सूरत में 75 दपए महीने से कियादा हरगिया नहीं लेना चाहिये. राजा जी वन दिनों 75 रुपए साहवार में ही रह रहे थे.

गांधी जी इस बात पर जोर देते थे कि आजादी के बाद इसारे मिनिस्टरों और गवरनरों को जहां तक हो सके देश की काम जनता की तरह रहना और जिल्लामी बसर करना चाहिये. इस मामले में बगर हमें यह मालूम न होता कि कुछ दूसरे देशों के शासक जो हमारे देश से बढ़े देश हैं कीक क्यी तरह की सादगी और तपस्वा की जिल्लामी

सवास होता है कि यह सब हातत क्यों है. हमारे आज के शासक जिस दरजे तक वह इस हातत को मानते हैं उसका कारन एक तो यह बताते हैं कि स्वराज सरकार को काम करते अभी बहुत थोड़े दिन हुए हैं और दूसरा यह बताते हैं कि सरकार के सामने बड़ी बड़ी कठिनाइयां रही हैं जैसे मुक्का का बंटवारा, देसी रियासतों के मिटने, काशमीर और हैदराबाद के मसले. पाकिस्तान से आने बाले सत्तर लाख शरनारथियों का फिर बसाओ वरीरा बरीरा—उन्हें यह भी शिकायत है कि उन्हें जनता से जो सहयोग मिलना चाहिये था वह नहीं मिला.

हम मानते हैं कि हमारे शासकों की इस बात में कुछ सच्चाई भी है. लेकिन दूसरी तरफ हम वह भी जानते हैं कि राश्ट्रीय जीवन के इन्हीं सब पहलुओं में इमारे कुछ पड़ोसी देश इससे बहुत कम समय के अन्दर राजब की तरक्की कर चुके हैं.

यह भी जाहिर है कि उनके रास्ते में जो कठिनाइयां भी वह इमारी कठिनाइयों से कुछ अधिक ही भी कम नहीं थीं.

अपने राश्ट्रीय जीवन के एक और पहलू की तरफ हम ध्यान देना चाहते हैं. इससे हमें अपनी आजकल की द्वसीवतों का कारन सममने में भी कुछ मदद मिलेगी. हाल की हैदराबाद कांगरेस के क्षिये जब डेलीगेट चुने गए तो जैसा अफसर होता है बहुत से प्रान्तों से चुनाव में नाजायज हरकतों की शिकायतें चार्ड हैं. इस तरह की एक शिकायत बिहार से थी. बिहार में दो कांगरेस पार्टियां एक वृसरे के खिलाफ हैं. इर पारटी ने वियादा से वियादा कांगरेस सेम्बर बनाने की कोशिश की कुल मिला कर बीस साख से ऊपर मेम्बर बने. जब बिहार के चुनाव की शिकायत बर्फिंग कमेटी तक पहुंची तो वर्राकंग कमेटी ने एक पुराने, नेक और ईमानदार कांगरेसी नेता की तहकीकात के लिये भेजा. उन्होंने सगभग एक महीना बिहार में रह कर पूरी पूरी खोज की वह इस नतीजे पर पहुंचे कि जुल जिसने कांगरेस मेन्बर बिहार में बनाए गए हैं उनमें से कम से कम 75 की सदी जाली हैं. उन्होंने अपनी रिपोर्ट में कुछ तकसील से बयान किया है कि यह जाली मेम्बर किस किस तरह से बनाप गम पढ़ कर बड़ा दुख होता है. रिपोर्ट में यह भी लिखा है कि हर पारटी ने दसरी पारटी के उन्मीदवार को बदनाम करने या हराने के लिये कोई नीच से नीच उपाय हठा नहीं रखा. उन्होंने यह भी शिक्षा है कि उन्हें विश्वास है कि इस बारे में दूसरे प्रान्तों की हासत विहार से कुछ बहुत अच्छी नहीं है.

्रमं स्वांने एक दूसरे प्रान्त की मिसाझ दी जिसमें कांतरेस के एक सक्षे काम करने वाले ने जिसकी سوال هوتا ہے کہ یہ سب حالت کھوں ہے ۔ هماویہ آج کے شاسک جس درجہ تک ولا اِس حالت کو مائیے همیں اُس کا کارن ایک تو یہ بھاتے همیں که سوراج سرکاو کو کام کرتے ابھی بھمت تهروے دن هوئے همی اور دوسوا یہ بھاتے همیں کفا سرکار کے ساملے بوری بری کاملائداں رهی همیں جمعیہ ملک کا بھراوہ نیسی ویاستوں کے مائے کشمیر اور حمیدرآباد کے مائلے یادستان سے آلے والے ساو لاکھ شرنارتھمیں کا بھر بساؤ وفیرہ وفیرہ سانمیں بنہ بھی شکیت شہرنا تھیں جمعا سے جو سہیوگ ملفا جاها ہے تھا وہ نیسی ما

هم مانیے هیں که همارے قاسکوں کی اس بات میں کچھ سچائی بھی ہے ۔ لیکن دوسری طرف هم یه بھی جائیے ، یس که راشاری جمون کے اِن هی سب پہاوی میں همارے کچھ پڑوسی دیش اُس سے بہمت کم سمے کے اندر فقیب کی ترقی کر چکے هیں ۔ یه بھی ظاهر هے که اِن کے راسیے میں جو کامنائیاں تھیں وہ هماری کامنائیوں سے کچھ ادھک هی تبھی کم نبھی تبھی دھی۔

ابع واشتریه جهون کے ایک اور پہلو کی طرف هم قاهان دینا جامته میں ، اس سے مدین اپنی آج کل کی مصبحتوں کا کارن سمجیلے میں بھی کچھ مدد ملے گی . حال کی حیدرآباد کانگریس کے لگے جب قبلکیت چلے گئے تو جهسا اکثر هوتا ہے بہمت سے پرانتوں سے چقاؤ میں ناجاگؤ حرکتوں کی شکانیں آئیں ، اِس طرح کی آیک شکایت بهار سے تھی ، بہار میں دو کانگریس ھارتیاں ایک دوسرے کے خلاف میں ، هر بارٹی نے زیادہ سے زیادہ کانگریس سمیر بقائے کی کوشش کی ۔ کل ملا کو بیس لائھ سے اوپر صمیر یئے . جب بہار کے جفاؤ کی شکایت ورکٹک کبھٹی تک پہنچی تو ورکنگ کمیٹی نے ایک پرایے' نیک آرر آیماندار كانگريسي نهما كو تصقيقات كے لگے بهيچا ، أنهوں نے لگ بهگ ایک مههده بهار میں رہ کر پیری پوری کورے کی ، به إس نتهجه بر ببنج كه كل جتنه لانكريس ممبر ببار میں بنائے گئے میں آن میں سے کم سے کم 75 فیصدی جعلَّى هيں ، أنهوں لے اپلی وپورٹ مهن کچه تفصیل سے بھاں کیا ہے کہ یہ جملی سبر کس کس طرح سے بدائے گئے۔ پوهکر ہوا دکھ هوتا ہے، رپورت میں یہ بھی لکھا ہے که هر پاوٹی لے دوسری پارٹی کے اُمیدوار کو بدفام کرنے یا مرائے کے لیے دوئی نہیں سے نہیے آبائے اُٹھا نہمی رکھا . الموں نے یہ بھی لکھا ہے کہ انہیں وقواس ہے که اس ہارے میں درسرے پرانعیں کی حالت بہار سے کتھ بہت اُجهي ٽيهن ۾ .

ھمیں آئیوں نے ایک دوسرے پرانت کی مثال ھی جسیمن کانگریس کے ایک سچے کام کرنے والے نے جس کی फलती कुलती रहीं अब मिटती जा रही हैं. लगभग हर सूचे के अन्दर हमारा हजारों बरस पुराना हाथ के करधों का बह काम जो देव सौ बरस की अंगरेजी पालिसी के हमलों से भी बचा रहा अब आखरी सांस लेता हुआ मालूम होता है. 1947 तक बनारसी रेशम के काम में लगभग पांच हज़ार करघे चलते थे. दिसम्बर 1952 में इन पांच हज़ार में से चार हज़ार बन्द हो चुके थे और हज़ारों होशियार कारीगर और उनके बाल बच्चे जो इस दस्तकारी से फलते थे कई कई दिन के फाक्ने करके दिन काट रहे थे

काफी बरबादी के बाद बाधे दिल से सरकार ने हाल म खादी और करघे के धन्दे को मदद देने के लिये जो कदम उठाए हैं वह किसी आर्थिक योजना का हिस्सा नहीं है बिल्क केवल लोगों के घसन्तोश को कम करने का एक तरीक़ा है. आजकल की हमारी व्यवस्था में उनसे कोई खास लाभ नहीं हो सकता. किसानों की कोधापरेटिव सांसाइटियों कई सूबों में अफसरों के अघ्टाचार और सब अधिकार अपने हाथों में रखने की लालसा की वजह से कि नानों के लिये घरकत की जगह लानत साबित हो चुकी हैं हमें हर है कि बुनकरों की का मापरेटिव सांसाइटियों का भी यही नतीजा होगा.

देश की करोड़ों जनता के जीवन से सम्बन्ध रखने बाले और बहुत से धन्दों की भी यही हालत है. रारीबी और बेकारी बढ़ रही है. हर साल देश के किसी न किसी हिस्से से गिरानी और अकाल की खबरें आती रहती हैं. वृक्षख़ारी और अश्टाचार नीचे से अपर तक इतना अधिक और इतनी शकलों में दिखाई देने लगा है जितना शायद पहले कभी नहीं था. लोगों के हर तरह के कारोबार पर सरकार का कन्ट्रोल दिन दिन इतना बढ़ता जा रहा है कि जनता परेशन और बरबाद हो रही है

तालीम दिन दिन अभिक मंहगी होती चली जा रही है. अधिकतर किताबें जो हमारे स्कूल और कालें में पढ़ाई जाती हैं, इतनी निकम्मां, ग़लत, साम्प्रदायक पहर से भरी हुई और राश्ट्रीयता के सिद्धान्त के खिलाक हैं जितनी पांच साल पहले नहीं थी. यह बात बढ़े दुस की पर सन्व है कि हमारे देश वासियों में से बहुत से अब यह सोचने और कहने लगे हैं कि इस देशी राज से उन के जिये अंगरेची जियादा अच्छा था. देश के चन्द हिस्सों में अभी हाल तक निरंकुश राजे महाराजे राज करते थे. बहां अब लोग यह अनुभव करने लगे हैं कि इस समय की हकूमत से उनके राजा की हकूमत जियादा अच्छी थी उन झांटे झोटे इलाओं में भी जो अभी तक विदेशी ताक़तों के अधीन हैं स्वतंत्र भारत में मिलने के लिये जो उत्साह और उमंग कुछ साल पहले लोगों में थी वह अब साफ चटती हुई दिखाई दे रही है.

پہلتی پہالتی رهیں أب مالتی جا رهی هیں، لگ بہاکی جا رهی هیں، لگ بہاک هو صوبے کے الدر همارا هؤاوں اوس اور پرانا هاتھ کے فرگیوں کا وہ کام جو قروه سو ایرس کی انگریوں ہائیسی کے حسلوں سے بھی بھیا رها آپ آخری سانس لیکا هوا معلوم هوتا هے، سن 1947 تک بالمارسی ربیشم کے کام میں لگ بہاک یاسے هؤار کرگھ چالاتے تھے، فسیبو 1952 میں ان یاسے هؤار سیں سے جار هؤار بالد فسیبو جو کے تھے اور مواروں هیشیار کاریکر اور ان کے بال بھے جو اس دستاکاری سے باناتے تھے لئی کئی دین نے فاقے کو نے فیل انگو اس دستاکاری سے باناتے تھے لئی کئی دین نے فاقے کو نے فیل بات کی ایک بیار اس دستاکاری سے باناتے تھے لئی کئی دین نے فاقے کو نے فیل باتھ کی ایک بات کو نے فیل بات کی باتے تھے لئی کئی دین نے فاقے کو نے

کائی پرہائی کے بعد آدھے دل سے سرکار نے حال میں کہائی اور کرکھے کے دھائے۔ دو صدد دیکے کے لئے جو قدم اٹھائے ھیں وہ کسی آرتیک پوجانا کا حصت نہیں کے لئے بارک طریقہ لیک کیول نوگوں نے اسلموس کو کم کرنے کا ایک طریقہ ہے۔ آج دل کی هماری وپوستیا میں اُن سے کوئی خاص قیب نہیں هوسکتا ، دسانوں کی کوآپرتیو سوسائٹھاں کئی صوبوں میں افسروں نے بھرشانچار اور سب ادھیکار نے هاتیوں میں رکھانے کی قلسا کی وجہ سے کسانوں کے لئر ہرکت کی جاتم لعالمی کا بھی یہی تھیجہ ہوگا کہ بلکروں کی گوآپرتیو سوسائٹیوں کا بھی یہی تجمیص قر ہے

دیمی کی کروورں جاتا کے جیوں سے سدہادہ رکھانے والے اور بہمت سے دھانوں کی بھی یہی جانت ہے ۔ غریمی اور بہکاری بڑھ رھی ہے ۔ ھر سال دیمی کے کسی تم کسی حصبے سے گرانی اور اکال آکی تمہریں آئی رھتی ھیں ۔ گھوس خوری اور بھرشگاچار بیجے سے اوپر تک اتفا ادعک اور انائی شکلوں میں دانیائی دیانے لگا ہے جاتا شاید پہلے دمی نیمی تھا ، لوگوں کے هر طرح کے کاروبار پر سرکار کا کانارول دی وی اتفا بومنا جا رہا ہے کہ جاتا پریشان اور بریاد ھو دھی ہے ۔

تعلیم دن دن آدهک مهلکی هوئی چلی جا رهی هے .

ادهک تو کتابیں جو همارے اسکول اور کالتجوں میں پوهائی جانی هیں [قلی نکبی فلط سامهردائک زهر سے بیجوں هوئی آور راشگریکا کے سدھانت کے خلاف هیں جگلی پانچ سال پہلے بیجن قیمن ، یہ بات ہوے دکھ کی پر سوچلے اور کیلے لگے هیں نہ اس دیشی واج سے آن کے لگے سوچلے اور کیلے لگے هیں نہ اس دیشی واج سے آن کے لگے ایمی حال تک نواعی راج زیادہ اچھا تھا ، دیمن کے چلد حصوں میں الگریؤی واج زیادہ اچھا تھا ، دیمن کے چلد حصوں میں ایمی حال تک نواعی راج میاراچ واج کرتے تھے ، وهاں ایمی حال تک نواعی راج میں کہ اس سے کی حکومت اب یہ لوگ انوبیو کرنے لگے هیں کہ اس سے کی حکومت بید اور کرتے تھا ہی جو ابھی تک ودیشی طاقتوں کے چھوڑے علائی میں بھی جو ابھی تک ودیشی طاقتوں کے ادھیں هیں سوتلگر بھارت میں میں میں طبح واب صاف اور املک نتجہ سال پہلے لوگوں میں تھی وہ اب صاف

سکٹا که آزادی سے جو ساجی' مالی یا دوسرے البه کسی دیعی کو هوتے هیں اُن کو الگ وکھ کو بھی آزادی خود ایک بوی قیمتی چھڑ ہے اور لوگوں کے داوں پر اُس کا ایک خاص اثر هوتا ہے۔ ساتھ هی پچھلے پچاس برس کے اندر جب کبھی هم نے اِس دیعی کی جلتا میں آزادی کا پریم اور اُسکے لئے الربائی کی بھاؤتا پیدا کرنے کی کوشش کی تو هم نے همیشت آنہیں یہ کہ کو جوش دالیا که آزادی سے آنہیں یہ سماجی اور سائی قائدے هونگے .

هم نے لوگوں کو بتایا کہ اتھارویں صدی کے آرمیہ تک هفت تا دنھا کے ادھک سے ادھک خوشصال دیھوں میں سے تھا اور انگریؤی راج کے دو سو برس میں دھیوے دھیں ہو دنیا کا سب سے قریب آورسب سے بادار دیھی بن کیا، هم نے بتایا گا کن کن طریقوں سے آنگریؤوں نے همارے پرانے آدیوگ دھندوں اور هماری تجارت کو آیک ایک کر ختم کردیا؛ همارے لائیس گاؤں کو برباد کردیا اور همارے پرانے تعلیم کے سلسلے کو جس میں هر گاؤں کے اندر ایک اسکول ہوتا تھا جان ہوجہ کر مثلا ڈالا ، هم نے لوگوں کو یہ اسکول ہوتا تھا جان ہوجہ کو مثلا ڈالا ، هم نے لوگوں کو یہ بھی سجھایا کہ جو گھیہ تھوڑی بہت تعلیم همیں انگریؤی راج میں دسی جاتی تھی ولا بدیشی حکومت کھائے دل پرنے اور ایجھت تھار کرنے کھائے دی ہوری ہوتا کو یہ خوددار راہے میں دسی جاتی تھی ولا بدیشی جاتی تھی کوددار پرنے کھائے دیں جاتی تھی کوددار

هم نے لوگوں کو یہ سب چھویں بھائھں اور اُنھیں اُمھد دلائی کہ دیھی کے آزاد ھونے پر یہ سب حالت بدل جائےگی کا ھمارے اُدیوگ جائےگی ھمارا چلی اُونچا ھو جائے گا ھمارے اُدیوگ دھند نے پھر سے پھلنے پھولئے لگھیںگے اور دیھی کے بچوں کی تعلیم پھلے سے کھیں اُچھی اُور سب کے لگر مام اُور سستی ھوگی۔ کا گوری اُنھیں کے کام کرنے والوں نے گاؤں گاؤںجاکر کسانوں سے کہا کہ سوراج ملنے پر کھیتی کیساری زمھیں کے مالک دسان ھونگہ جو جوتے گا وھی زمھی کا مالک ھوگا۔

قدرتی طور پر 15 اگست سن 1947 کو جب ملک کو سوراج ملا تو لوگرں کو بوی بوی آھائیں تعیں ، اُن کا خیال تھا کہ اُن سے جو بوی باتیں کہی گئی ھیں وہ اب پوریھونائی اور دیمن سات سکو' شانٹی' خوشتمالی اور ترقی کی طرف بومعا ھوا دکھائی دے گا ،

لیکن هداری پانچ پرس کی آزادی کا تعمید کیا ہے ؟ اس دیکی میں جو ادمک تر کیمتی پیشہ دیکی ہے جس نے مسیعہ اپنی ضرورت ہے زیادہ آناج پیدا کیا ہے اور جو صدیرں باہر کی دنیاکے خاصے حصے کو کیانے کے لئے ناج دیکا رما ہے آج هر سال الکھوں میں ناج باهر نے دیھرں سے متکانا هماری آرتیک ویوستها کا ایک آرشیک دیھرے ہو آئیوگ دھددھے اور انگی بی گیا ہے۔ همارے وہ آدیوگ دھددھے اور هماری وہ دستکاریاں جو آنگریزی راج تک میں

सकता कि आजादी से जो समाजी, माली या दूसरे लाभ किसी देश को होते हैं उनको अलग रखकर भी आजादी खुद एक बड़ी कीमती चीज है और लोगों के दिलों पर उसका एक खास असर होता है. साथ ही पिछले पचास बरस के अन्दर जब कभी हमने इस देश की जनता में आजादी का प्रेम और उसके लिये क़ुरवानी की भावना पैदा करने की कोशिश की तो हमने हमेशा उन्हें यह कर जोश दिलाया कि आजादी से उन्हें यह समाजी और माली कायदे होंगे.

हमने लोगों को बताया कि अट्टारह वीं सदी के आरम्भ तक हिन्दुस्तान दुनिया के अधिक से अधिक खुशहाल देशों में से था और अंगरेजी राज के दो सौ बरस में बीरे धीरे वह दुनिया का सब से गरीब और सब से नादार देश बन गया. हमने बताया कि किन किन तरीक़ों से अंगरेजों ने हमारे पुराने उद्योग धन्दों और हमारी तिजारत को एक एक कर खतम कर दिया, हमारे लाखों गांवों को बरबाद कर दिया और हमारे पुराने तालीम के सिलसिले को जिस में हर गांव के अन्दर एक स्कूल होता था जान बुम कर मिटा हाला. हमने लोगों को यह भी सुमाया कि जो कुछ थोड़ी बहुत तालीम हमें अंगरेजी राज में दी जाती थी वह बिदेशी हकूमत के लिये कल पुरजे और ऐजन्ट तैयार करने के लिये दी जाती थी, खुददार शहरी पैदा करने के लिये नहीं.

हमने लोगों को यह सब चीजें बताई और उन्हें उन्मीद दिलाई कि देश के आज़ाद होने पर यह सब हालत बदल जायगी, हमारा चलन ऊंचा हो जायगा, हमारे उद्योग अन्दे फिर से फलने फूलने लगेंगे, और देश के बच्चों की तालीम पहले से कहीं अच्छी और सब के लिये आम सस्ती होगी. कांगरेस के काम करने वालों ने गांव गांव जाकर किसानों से कहा कि स्वराज मिलने पर खेती की सारी ज़मीन के मालिक किसान होंगे, जो जोतेगा वही जमीन का मालिक होगा.

क़ुद्रती तौर पर 15 अगस्त 1947 की जब मुक्क को स्वराज मिला तो लोगों को बड़ी बड़ी आशायें थी. उनका ख़याल था कि उनसे जो बड़ी बड़ी बातें कही गई हैं वह अब पूरी होंगी और देश साफ, मुख, शान्ति, ख़ुशहाली और तरक्क़ी की तरफ बढ़ता हुआ दिखा देगा.

लेकिन हमारी पांच बरस की आजादी का नतीजा क्या है ? उस देश में जो अधिकतर खेती पेशा देश है जिसने हमेशा अपनी ज़रूरत से जियादा अनाज पैदा किया है और जो सिद्यों बाहर की दुनिया के खासे हिस्से को खाने के लिये नाज देता रहा है आज हर सात लाखों मन नाज बाहर के देशों से मंगाना हमारी आर्थिक व्यवस्था का आवश्यक अंग बन गया है. हमारे वह उद्योग धनदे और हमारी वह दस्तकारियां जो अंगरेजी राज तक में



इम में क्या कमी है ?

बीसवी सदी के चारम्म में शायद ही कोई भारतवासी यह सोच सकता हो कि यह देश एक खास समय के चन्दर चंगरेजों के नीचे से आजाद हो सकता है.

बंगाल के बंटबारे और उसके बाद जो घटनायें हुईं उनसे बहुत से हिन्दुस्तानियों का ध्यान विदेशी हकूमत की बुराइयों की तरफ जोरों से गया. एक छोटा सा गिरोह देश मक्तों का पैदा हो गया जो विदेशी हकूमत से अपने मुल्क को आजाद करने के लिये अपनी जानों की बाज़ी लगाने को तैयार हो गया. कांगरेस के बढ़े बढ़े नेता उन दिनों नर्म विचारों के थे और लिबरल या माडरेट कहलाते थे. वह समम्मते थे कि भारत के लिये पूरी आजादी हासिल कर सकता ना मुमकिन है और केवन अंगरेजी राज की छत्र आया में रह कर ही यह देश थोड़ी बहुत समाजी, ताजीमी या माली तरककी कर सकता है. पहली बड़ी जंग से देश के अन्दर आजादी की प्यास और भड़की. अंगरेजों ने जनता की उभरती हुई स्थिट की जुचलने के लिये रोलट एक्ट जैसे कानून गढ़े.

ठीक उस समय गांधी जी मैदान में छाए. लोगों में धाखादी की लगन और ख़ुरबानी की भावना तेजी के साथ बढ़ी. इस बार उसे कुचलने के लिये अंगरेज हाकिमों ने पंजाब में जलयान बाला बारा का हत्या कांड कर डाला और सरहद पर चार सौ निहत्थे, पुर अमन और अहिंसा-साक पठानों को गोजी से उड़ा दिया. फिर भी महात्मा गांधी की लगातार रहनुमाई में एक सत्यामह के बाद दूसरा सत्यामह इस तरह मारत की आजादी का वह संगाम बराबर आगे बढ़ता चला गया. यहां तक कि 15 अगस्त सन 1947 को इस देश से अंगरेजी राज का खातमा हो गया.

श्रंगरेखी में एक कहावत है कि वूसरे की हकूमत चाहे कैसी भी क्यों न हो श्रंपनी हकूमत से अच्छी नहीं हो सकती. हम इस कहावत को हर हाल में और हर स्रत में डीक नहीं सममते. लेकिन इससे कोई इनकार नहीं कर

ھم میں کیا کمی ھے ؟

بھسویس صدی کے آرمیہ میں تباید هی کوئی بھارت پاسی یہ سوچ سکتا هو کہ یہ دیوس ایک خاص سم کے اندر انگریؤوں کے نہتے ہے آزاد هوسکتا هے .

بلکال کے بقوارے اور اس کے بعد جو گھتلائیں ہوئیں ان ہے بہت سے ہندستانیوں کا دھیاں بدیشی حکومت کی برائیوں کی طرف روروں سے گیا ، ایک چھوٹا سا گروہ دیشی محکومت سے آپ دیشی بھکتوں کا بیدا ہوگیا جو بدیشی حکومت سے آپ ملک کو آزاد کرئے کے لئے اپنی جانوں کی بازی لگائے کو چھاڑوں کے ان کانکریس کے بڑے بڑے نیکا ان دائوں نرم وچاروں نے نیے اور لیرل یا ماڈریک کہلاتے تھے وے سمجھتے ہوری آزادی حاصل درسکتا ناممکن ورکھوٹی اور کھرل انگریزوں آج کی جھٹو چھایا میںرہ کر ھی یہ دیش نور پہلی ہوی جھٹی ہوں نے اندر آزادی کی بھاس اور پہلی بوی جھٹی ہے دیش نے اندر آزادی کی بھاس اور پہلی ہوی جھٹی جیسے قانون گوھی اسپرت کو بھٹی دیش نے دیش نے اندر آزادی کی بھاس اور پہلی بوی جلگ ہے دیش خیسے قانون گوھی ۔

تهیک أس سے الندهی جی میدان میں آئے ، لوگوں میں آزادی کی لکن اور قربانی کی بھاؤنا تھڑی کے ساتھ پوھی ، اس بار آبے کنچلئے کیلئے انگریز حاکس نے پلاچاب میں جلیان والا باغ کا متھائنٹ کر ڈ لا اور سرحد پر چار سو نہتے والہ اس اور اھلسائسک پتھائوں کو گولی ہے آزادیا ، یہو بھی مہاتما گاندھی کی لگائار وہلمائی میں ایک متھائزہ کے بعد دوسرا ستھائرہ اِس طرح بھارت کی آزادی کا وہ سلکرام برابرآئے بوقتا چا گھا، یہاںتک کہ 15 اکست سی 1347 کو اس دیس ہے ایگریزی والے کا خاتمہ ھوگھا ،

انگریؤی میں ایک کپاوت ہے کہ دوسرے کی حکومت جائے کی حکومت بھا کیسی بھی کیوں نہ ہو اپنی حکومت سے اچھی نہیں ہوسکتے۔ ہم اِسکیاوت کو ہر حال میں اور ہر صورت میں گینگ نہیں سنجیلا۔ لیکن اس سے کرنی اِنکار نہیں کر

भारतीय शासन

लेखक-भगवानदास केला, निकालने वाले-आरतीय प्रंथमाला, दारागंज, प्रयाग, सक्ते 516, दाम तीन इपए बारहवीं बार 1952.

यह वह किताब है जो पहली बार 1915 में छपी बी अब हिन्दी में इस चीज पर किताबें लिखने का सपने में भी किसी को खयाल नहीं हो सकता था. लेकिन चुन के पक्के और लगन के सच्चे केता जी ने अपना लेखक जीवन इस किताब से शुक्त किया.

देश की बदलती हुई हालत के साथ केला जी के विचार भी बदलते गए और इस किलाब में जगह पाले गए. देश के आजाद हो जाने के बाद उन्होंने गहराई से महसूस किया कि अगर भारतीय शासन अब भी वही रहता है जो पहले या तो उससे देश को असली स्वराज नहीं मिल सकता. इसिलिये हमारे नये इन्तजामकारों का कर्ज है कि पुराने डांचे को बदल कर इसे वह शकत दें जो महात्मा गांधी ने बतलाई थी, यानी सर्वोदय राज क्रायम करने में जुट जायं.

वों तो यह किताब 343 सके पर सतम हो जाती है के किन बाद में 68 सके की एक और किताब जुड़ी हुई है—'सर्वोदय राज क्यों और कैसे ?' इस पर हम अपनी राय पहले जाहिर कर चुके हैं. जुल मिला कर यह किताब एक बहुत अच्छी और ठोस चीज बन गई है. अपाई, काराज बरौरा सब चीज मुन्दर होने के अलाव किताब का हाम सिर्फ तीन दपया है. हमें उम्मीद है कि राजनीति, हितहास और अर्थशास के विद्यार्थी, शिक्षक और समाज सेवक सभी इससे पूरा कायदा उठाएंगे —सुरेश रामभाई

सर्वोदय संस्थान

लेखक—महात्मा गांधी और संत विनोबा, प्रकाशक— सर्वोदय संस्थान, पन्ने 56, दाम सात आने, पहली बार धगस्त 1952.

यह किताब सर्वोदय साहित्य संघ की देन है. सूची का कहीं पता नहीं. शुरू के चौदह पनों में सर्वोदय या सर्वोदय समाज के सम्बन्ध में महात्मा गांधी और विनोवा ज़ी के कुछ लेख और स्पीचें जमा कर दी गई हैं. इसके बाद 'सर्वोदय की समीक्षा' नाम से छब्बीस पनों का एक लेख है जिसके लेखक का नाम नहीं दिया गया. बाद के दस पनों में सर्वोदय समाज की और सर्वोदय के लिये काम करने वाली कुछ प्रमुख संस्थाओं की जानकारी दी गई है और आखीर में किताबों की सूची है.

इस 54 पत्नों की बल्कि कहना चाहिके 14 पत्नों की किताब का दास सात भाने हैं जो अरूरत से पियादा है.

इस प्रकाशन संस्था को कामयाब होना है तो इसकी नीति बौर इन्तकाम ने बहुत सुधार की ज़रूरत है.—सुरेश राममाई

بهاريته شاسق

نيكهك __ بمكوان داس كها؛ نكلف واله __ بهاريكه كرنكه مالا داراكفي وويد بارهوس مالا داراكفي وويد بارهوس بار 1952.

یہ وہ کتاب ہے جو پہلی بار 1915 میں جھیں تھی جب ہیں جب مقدی میں اس جیز پر کتابیں لکھتے کا سیتے میں بہی دسی کے بکے بہی کسی کو خیال نہیں ہو سکتا تھا ، لیکن دھن کے بکے اور لگن کے سچے کہا جی لے اپنا لیکھک جیرن اِس کتاب سے شروع کیا ،

دیمی کی بدلای هوئی حالت کے ساتھ کھلا جی کے وجار بھی بدلتے گئے اور اِس کتاب میں جکھ پاتے گئے . دیمی کے آزاد هو جانے کے بعد اُنہوں نے گہرائی سے محسوس کھا کہ اگر بھاریتہ فیاس آب بھی وهی رهتا ہے جو پہلے لھا تو اُس سے دیمی کو اصلی سوراج بھیں مل سکتا ، اِس لئے همارے نئے اِنتظام کاروں کا قرش ہے کہ پرانے قمانتھے کو بدل کر اِسے وہ شکل دیں جو مہاتما کادھی نے بتائی تھی۔ بعلی سروودے واج قائم کونے میں جت جائیں ،

یوں کو یہ کتاب 343 صفحہ پر ختم ہو جاتی ہے لیکن بعد میں 68 صفحہ کی ایک اور کتاب جوی ہوئی ہے۔ * سروودے دانے کھوں اور کیسے ؟ اِس پر ہم ایکی دائے پہلے طاہر کو چکے میں، کل ملا کو یہ کتاب ایک بہمت اچھی اور تھوس چھڑ بن گئے ہے ، جھھائی ' کافڈ وفھرہ سب چھڑ سفدر ہونے کے عارہ اِس کتاب کا دام صرف تھن دوبھہ ہے ، سفدر ہونے کے عارہ اِس کتاب کا دام صرف تھن دوبھہ ہے ، ہمیارتھی ' اُنہاس اور اُرتھ شاستر کے ویارتھی ' شکھکاور سنانے سموک سمھی اِس سے پورا فائدہ ویارتھی دام بوالی سے پورا فائدہ سمیوں میں دام بھائی

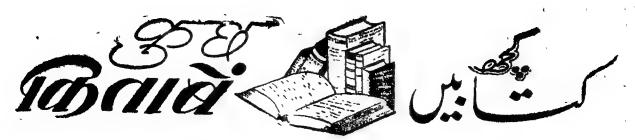
سروں نے سنستھاں

لیکھک۔ مہانما گاندھی اور سلت ونوبا؛ پرکاشک سرودے سلستھاں؛ پلے 56؛ دام سات آلے ، پہلی بار انست 1052۔

یہ کتاب بھی درون ساھٹھہ سلکھ کی دین ہے، سوچی کا کہمں پتھ نہیں، شروع کے جودہ یئوں میں سروون یا سروون یا سروون سام کی خورہ یئیں میں سروون یا کہ کی اور اسهمچیں جمع کرنی گئی ھیں ، اِس کے ایک سیمکھا نام سےجہبیس بنیں کا ایک لیکھ ہے جس کے لیکھک کا نام نہیں کہمی دیا گیا، بعد کے دس پترس میں سروون سام کی اور سروون کے لئے کام کرتے والی کیچہ پرمکھ سنستہاؤں کی جانکوی نی گئی ہے اور اور کی جانکوی نی گئی ہے اور ایک کی میں کتابی کی سوچی ہے ،

اس 54 يترس كى ينكه كيفا جاهل 14 يترس كى كتاب كا فأم سات آلے ہے جاو ضرورت سے زیادہ ہے .

اس برناهی سلستها کو کامهاب هونا هاتو اِس کی نهای اُور اِنعظام مهی بهت سدهار کی ضرورت کی سسریش رام بهائی



निसर्गोपचार आश्रम की ओर से

प्रकाशक—बालकोषा भावे, उरूली कांचन, पूना; सके 122, वाम बारह आनेः पहली बार 1952.

पूना जिले के उरुली कांचन गांव में महात्मा गांधी ने जो प्राकृतिक चिकित्सा केन्द्र 1944 में खोला था वह अपने ढंग की अनोखी संस्था थी. लेकिन पूरवी बंगाल और उत्तर भारत के दूसरे हिस्सों में रहने की वजह से— जिस दौरान में उनका बलिदान भी हो गया—वह इसे कोई होस शकल नहीं है सके थे. गांधी जी के बाद से विनोधा जी के छोटे भाई बालकोबा इसे मेहनत और लगन से बला रहे हैं. यह किताब इस केन्द्र की तरफ से एक प्रकाशन है जिसमें केन्द्र के बारे में जानकारी अच्छी तरह से मिल जाती है. साथ में सेवामाम आअम के पिछले मंत्री माई करनवन्द्र के निजी अनुभव के बल पर लिखे गए भोजन संबन्धी तीन क़ीमती लेख हैं.

तरह तरह के खानों, नहानों और उपवास के बारे में भी अच्छी तरह बतलाया गया है. आखिर का अध्याय गाय पालने के बारे में है. किताब के ग्रुक्त में ही बम्बई के ग्रुक्य मंत्री श्री मोरार जी देसाई की मुसिका है.

जरूकी कांचन का केन्द्र प्राकृतिक चिकित्सा का एक सच्चा और जन हितकारी केन्द्र है. हर मुमकिन तरीक़े से इसकी मदद करना हमारे देश वासियों का फर्ज है.

---सुरेश रामभाई

एक गांव में

तिसने बाले—शिह युन; अनुवादक—आसिफ मिरजा; निकातने वाले—अवामी किताब घर, बशीर मंजिल, शाजीपुर; तिसाबट उरदू; सफे 77; दान एक क्पया.

"एक गांव में" एक चीनी नाविल्ट का उरद् अनुवाद है. इस नाविल्ट का जमाना वह है जब चीन की अवासी कीजें चांग काई शेक से चीन को आजाद कराने की कोशिश कर रही थीं. इस किताब को पढ़ कर जनता के जोश, कीज के अनुशासम और कीजियों के जन प्रेम का पता चलता है. कहानी सीश्री सादी है, जिर भी असरदार है. दिल पर भी असर डालती है और दिमाग पर भी. उरदू जानने वाली जनता की अवामी किताब घर ने यह जबरदस्त खिदमत की है, इसलिये हम उसे सुवारक बाद देते हैं. نسرگو اُپیچار آشرم کی اور سے برنا منحد برنا منحد

پرگاشک-سیانگویا بھاوے: ارولی منتھن ہوں۔ 122: دام بارہ آئے: پہلی بار 1952.

بونا ضلع کے اورای کانچن گاوں میں مہاتما گاندھی نے جو پراکرتک جکسا کیفدر 1944 میں کھولا تھا وہ آئے تھلگ کی انوکھی سلستھا تھی الیکن پورہی بنگال اور آئر بھارت کے دوسرے حصوں میں رھفہ کی وجہ سے سے دوران میں ان کا بلیدان بھی عوقیا وہ اسکوئی تھوس شکل نہیں دیے سکے تھے ، کاندھی جی کے بعد سے ونوبا جی کے چھوٹہ بھائی بالکوبا آسے متحلمت اور لگن سے چلا رہے ھیں، یہ کتاب اِس کیلدر کی طرب سے آیک پرکاشن جے جس میں کیلدر نے بارے میں جاسکاری اجھی طوح سے مل جائی وہ ایک برکاشن سے مل جائی ہے ، ساتھ میں سیواگرام آھرم کے بجھیلے سے مل جائی کرشن چلدر کے بجی انوبھو کے بل پر منتی کیے بھوجن سمیدھی تین قیمتی لنوبھو کے بل پر

طرح طرح کے کھانوں' نہانوں اور آپواس کے بارے مھی بھی اچھی طرح بٹلایا گیا ہے۔ آخیر کا ادھھانے کانے پالٹے کے بارے مھی ہے ۔ کٹاپ کے شروع مھی ھی بمملّی کے مکھ مقتری شامی مراز جی دیسائی کی بھومیکا ہے ،

أرولى كانچن كا كيلدر پراكرتك جكتسا كا ايك سچا أور جنهتكاري كيلدر في هر منكن طريقي سے إس كى مدد كرنا همارے ديف واسيوں كا فرض هے .

--سريشرام يهائي

ایک کاؤں میں

. 1

لكهام واله شهدين؛ الروادك - آصف مررا؛ لكالم واله - فوامى كتاب كور؛ بشهر مقول؛ فازيهور؛ لكهارت أردو؛ صفحه 77؛ دام ايك رويه،

سيبتجهب رضوى

"आजादी" का पैताम दे रहे से और उसी सदक पर

सामने अखबार बेनने वाले चिल्ला रहे थे--पहिये--

अमरीका में कम गिनत लोगों पर अत्याचार बढ़ गया.

अमरीकन यहूरी कांगरेस की रिपीर्ट पढ़िये --नीगरों को

पेड़ से टांग कर मारने के बजाय बम से मारने की घटनायें बढ़ गई हैं, पिंद्रये उनके साथ बहुत जुल्म हो रहा है—डलेस

साहब पोलिश जनता से कह रहे थे-तुम्हारे मनके पर

लिखा है-इमारी आजादी के लिये और तुम्हारी आजादी

के लिये ! नीगरों की आवाज शायद इन तक नहीं पहुँचती

- अनकी बाजावी के लिये भी, उनके विकास के लिये

भी ... दलेस साहब काश पोलों को आजाद कराने के

बजाय बाजादी का प्रसाद घर से बांटना ग्रुक्त करें-नीगरों

को चाजाद कर दें ... उनको वह अधिकार दे दें जो

सफोद चमड़ी बालों को मिले हैं ... उन्हें जिन्दा जलाने

से बचा लें उन्हें बमों का शिकार होने से बचा लें ... उनकी

तिरस्कार से बचा जीं ... उन्हें गुलामी से निजात विजा

दें ... कारा दलेस साहव ऐसा कर सकें !! काश उनमें

"آزادی" کا پهشام دیے رهے تھے اور اُسی سوک پر ساملے اختمار بهنجيل والرجاة رهر تهر سيوعثر -- امريكه ضهن كم كلمت لوكين ير الهارجار بوء گها، أمريكن يهودي كانگايس كي پورت بودت بوهيً -نیک، رر دو یهو سے تانگ کو ساونے کے بحوالے یم سے ساونے فی کی منافیل بود دکی هیں' پوهیے اُن نے ساتھ بہت ظلم هو وما هے ۔ قالس ماحب براش جلتا سے کیا رہے الم ۔۔۔ تمیارے جہلقے ہو لکھا ہے۔ --هماری آرادی نے لئے اور تمهاری آزادی کے لگے! نیکارووں کی آواز شاید اُن تک نیمیں یہونچھے ۔۔ اُن کی آزائی کے لئے بھی' اُن کے وکاس کے لئے بھےقلس ماحب کھی پولوں کو آزاد کرانے کے بجائے آرادی کا پرساد گهر سے بانگذا شروع کریں۔نیگ وڑن کو آزاد کو دیوں دریں اُن کو وہ ادھوکار دے دیوں جو سفید جموی والون دو ملے هيں.....أنهين ونده جلانے سے يحها لين أنههن يمون كا شكار هولم سے يحجا لهن.....أن كو ترسكار سے بحیالهن.....أنههن قلامی سے تجات دلا دیں.....کاهن قلس ماهب ایسا کر سکهن! کهن أن مهن اتفی سدیهاونا یهدا هو سکے !!

--پرواسي

---प्रवासी

ईसा का सन्देश

लेखक-डाक्टर जे. सी. कुमारप्पा.

अनुवादक—सुरेश रामभाई.

इतनी सबभावना पैदा हो सके !!

इस किताब में इफरत ईसा के सन्देश की व्याख्या ऐसे साजवाब ढंग से की गई है कि पढ़ने वाला बड़ी आसानी से यह समम जायगा कि ईसाई धर्म की खास तालीम क्या है और इफरत ईसा ने इनसान-इनसान की बराबरी, भाई चारे, प्रेम और ऋहिन्सा पर कितना कोर दिया है.

महात्मा गांधी ने इस किताब के बारे में कहा है कि—
"हर आस्तिक से, बादे वह ईसाई हो या किसी और धर्म का मानने वाला हो, मेरी सिफारिश है कि इसे पढ़े... "
सुन्दर जिल्द, बढ़िया काराज, क्ररीब सबा सौ सके की

विवाने का पंता-

मैमेजरं, 'नया दिन्द', 145 सुद्दीगंज, इताहाबाद.

عیسی کا سندیش

ليکهک-قائلر جے ، سی ، کمارپها،

انووادك-سريش رام بهائي.

إس كتاب مهن حضرت مهسي كے سلنيش كى وياكهها اليسے الجواب قاملگ سے كي گئى هے كه پوهلے والا بوى أسانى سے يه سنجه جائيكا كه مهسائى دهرم كى خاص تعلهم كيا هے أور حضرت مهسول نے أنسان انسان كى برابرى يهائى جارے پريم أور اهلسا پر كتا زور ديا هے .

مہالما گلتھی نے اِسْ کتاب کے بارے میں کہا ہے کہ۔۔۔ ''ہر آمتک ہے' جانے رہ میسائی ہو یا کسی آور دھرم کا مائٹے والا ہو' میری سفارش ہے کہ اِسے پڑھے۔۔۔''

سقدر جلدا بوهیا کافلاً قریب سوا سو صفحے کی کِتاب کا دام صرف ایک رویت .

سند لا يعد

مهلينهرا أنها هدا 145 مثنى كليخ الدآباد .

भाग जाते......पर क्या करते, मौत और जिंदगी और जिंदगी और जिंदगी और मौत! चन्द सासों का कासला है......फिर भी बहुत बढ़ा कासला है, आदमी कब से इस दूरी को खंतम करने की कोशिश करता आया है......आमी तक वह मौत पर कतह नहीं हांसिस कर पाया है......आमी तक वह मौत पर कतह नहीं हांसिस कर पाया है......पर—

है मौत का बार सकत लेकिन हयात का सर न कुक सकेगा किसी तरह से भी जिंदगी का अजीम घारा न कक सकेगा

बहुत से शब्द हैं जिनका दुनिया दुर उपयोग करती है. "आजादो" उनमें से एक है. अमराका के लिये वह सब आजाद हैं जो उसके पनजे के नीचे हैं मलाया आजाद है, कारमांसा आजाद है, किलीपाइन आजाद है, बीतनाम आजाद है, शाईलैंड आजाद है.....सब वह देश आजाद हैं जो अमरीका की हां में हां मिलते हैं, उसके इशारे पर चलते हैं..... शुलाम अमरीका में कोई शलाम नहीं है..... जा लांग कहते हैं कि नीगरों के साथ दूर ब्योहार किया जाता है.....वह भूट कहते हैं.....वह रूस के एजेन्ट हैं.....बह अमरीका के विरोधी हैं......मिसेज क्रजबेल्ट भी अमरीका की विरोधी हैं.....कमयुनिस्टों की पजेन्द्र हैं-नीगरों समस्या का हाल दुनिया को सुनाती हैं.....इन आज़ाद बन्दों को ग़ुलाम बनाता हैं.....नीगरों राजाम नहीं है ... सामराज लोगों को गुलाम नहीं बनाता... वह आजादी देता है ... दुनिया को आजाद देखना चाहता है ... वह चाइता है कि सारे देशों में ब्योपार बढ़े, उसकी ्र संही बढ़े, उसका क्रबंधा बढ़े ... यही आधादी है! लिंकन की बाजादी कोई और रही होग ... वाशिंगटन ने कांई भौर सपना देखा होगा ... वह और कोई मनजिल होगी शायद यह सब कमयुनिस्ट थे ... रोजन वर्ग के गुरू थे. बेटमर के इसताद थे ... हजारों अमरीकी शानित प्रीमयों की यह सीख दे गए थे! ढलेस साहब इस आजादी की नहीं मानते ... वह उन सब को गुलाम मानते हैं जो उनके ग्रुट में नहीं हैं, उनके विचार धारा के नहीं हैं - रूसी युकाम है, जीनी युकाम हैं, पालैंड वाले युकाम हैं..... अमरीका गुलामी नहीं बरदाश्त कर सकता, "आजादा" उसे प्यारी है,..... "आजादी" का वह अलग बरवार है..... क्लेस साहब बाशिगटन में फरमा रहे थे - अमरीका पालैंड के सोगों के बाजादी के जज़बे की क़दर करता है ... उसे आशा है कि पोलैंड के लोगों की तमझा अलदा पूरी होगी ... क्स रास्ट्र की काजाबी को जो बाजाद रहना बाहता है कुम्म से कायू में नहीं रखा जा सकता ... व्यान्त भीर रास्ट दोनों की "माजादी" अमरीका की पाविसी का आधार है-एक हाल में बतेस खाहब पोर्केंड बालों को

بھاگید جائے.....پر کھا کرتے موت اور زندگی اور زندگی اور موت اور زندگی اور موت اور زندگی اور موت اور ندگی اور موت یوا قاصله نظر آدمی کسید اس دروی کو ختم کرنے کی کوشش کرتا آیاہے.... ابھی تک وہ ناکمیاب رہاابھی تک وہ موت پر فعم نیمی جامل کر یایا ہے.....ہر---

ہے موت کا وار سطحہ لیکن جہات کا سر نہ جھک سکے گا کسی طوح سے بھی۔ وندگی کا عظیم دھارا نہ رک سکے گا

 \times \times \times \times

هیمت سے شید هیں جن کا دنیا در آپھوگ کرتی ہے . 17 آزادی ۱۰ ان مهر سے ایک ہے . امریکه نے لئے وہ سب آواد مهن جو اس نے پنجے کے نبجے میں ، طایا آراد ہے؛ فارموسا آراد هے فلمهائن آزاد هے ويتغلم آزاد هے تهائی لهلک آزاد هـ.... سب به ديش آزاد هدي جو امريكه دي هال مهل مال مائے هيں؛ أس نے اشارے پر چانتے هيںفالم من المريكة مين كوثي فلم مهدي في٠٠٠ لوگ کیعے میں کہ نیکروں کے ساتھ در بیوهار کیا جاتا ہےوة جهوت كهاتم ههروة روس كے ايتهامت ههن ... وہ امریکہ کے ورودھی ھھی....مسؤ روزولت بھی امریکه کی ورودهی هیں....کمهونسٹوں کی ایجانت هیںانگرو سمسها کا حال دنها کو سلانی عهن....ان اراد بلدون کو فلام بدائی هیاں....بهکرو فلام نهیں هیںسامواج لوگون کو فلام نههن بغاتا.....وه آزانسی دیتا ساریے دیھوں میں ہمرہار ہوھے؛ اس کی ملکی بوھے؛ اس كا قبضاء بوهيهي أزادي هي ! للكن كي أزادي كولي اور رهی هوگی.....وآهدگان نے کوئی اور سهدا دیکها هوگاوق أور كولي مقوار هوكي أ شايد يه سب كمهونست تھے....روزن ہوگ کے گر...تھ لهممور کے اُسماد تھے.... ھواروں امریکی شانعی پریمیوں کو یہ سیکھ دیے گئے۔ تھے! قامس صاحب اس آرانسي کو نهيس مانځي....ولا أن سب کو قام سانتے ہیں جو ان کے کت میں بہیں میں اُ کی وجار دھارا نے نہیں میں--روسی فلا م میں' جیلی غلم ههن ، بواهلة واله غلم ههن اسريكم غلامي بههن برداهمت کر سکتا^{ء ۱۱} آزانی " آیے ہماری <u>ہے.....</u>"آرانیی" كا ولا علميردار ه قالس ساحب واشتكالي مهي قوما رہے تھے۔۔۔امریک پولیلڈ کے لوگوں کے آزادی نے ہمانے کی قدر كوتا هـ....أس أها هـ كه يولينك كـ لوكون كي تبدأ جلد پېري هولي.....اس راهگر کي آزاديي کو جو آزاد رهانا جاهما هراً ظلم برقابو مهل تهدي راها جاسكتا....ويكتى لور راهدر دوس کی "آزادی" آمریکه کی ہائیسی کا أممار هـ سايك مال مين دلس ماحب يوليدة والوركو

The deligation is a first of the

116,115

सुना या 🕦 चीन में पामीदारी सतम हो गई है ... किसान खद अपनी जमीन का माजिक वन गया है ... वह यह जानना चाइते ये कि उनकी हालत क्यों नहीं सुघरती, उनकी कमीदारी उन्मूलन और चीनी कमीदारी उन्मूलन में क्या अन्तर है ... पंडित सुन्दरलाल से वह इन सब सवालों का जवाब सुनने इकट्टा हुए थे. पंडित जी ने कहा-"आज की सरकार जनता की सरकार नहीं है, वही मशीनरी, वही कल पुरका जो घंगरेजों के जमाने थे बही जाज भी मौजूद हैं...किसानों, जब तुम तय कर लोगे कि जवाहरलाल के बदले, राजेन्द्र बाबू के बदले दिल्ली की गही पर 45 बरस का किसान या मकदूर बैठे तभी तुम्हारा असली राज होगा. राज बलाने के लिये अंगरेजी पढ़े लिखे बड़े बाबुओं की जरूरत नहीं." किमानों में एक लहर सी दौड़ गई, एक खुशा उनके चेहरों पर सिल उठी ... पर निराज्ञा सी छाने लगी. उनके मन ने कहा-- यह सब सपना है, यह सब भ्रम है ... किसान मजदूर राज कैसे कर सकते हैं -- पर वह पंडित सुन्दरलाल की बार्चे सुनते रहे, चीन का हालत, वहां के किसानों को कुल्त बह सुनते रहे, सममते रहे ... उनकी आशा बंधती रही निराशा खतम होता रही है, पंडित जी ने कहा-"हमारी क्रिसमत चीन की क्रिस्मत, रूसकी क्रिस्मत, बरमा की क्रिस्मत, बीतनाम की क्रिस्मत से बंघी है ... किसानों ! तुन्हें इन मंत्रियों के बदले, जिन्होंने अमरीका के हाथ हिन्दुस्तान के वेच दिया है, किसानों और मचाव्रों को उठाना है. जिन्हें चीन से प्रेम है, रूस से प्रेम है, दुनिया की जनता से प्रेम है ... " किसानों ने ताक्षियां पीठी.....क्षियां चिल्लाई.....सारा मजमा विक्ताया - चीन और भारत की दोस्ती जिन्दा बाद! चीन भौर भारत की की दोस्ती जिल्हा बाद !!

× × ×

कारजे इस दुनिया से बले गए दुनिया ले उनकी आवाज वियना कांगरेस में सुनी थी. उन्होंने कहा था—मुफे दूसरों की आजादी प्यारी है क्यों कि मुफे अपनी आजादी प्यारी है! आज का यह प्रेमी आ गदी नहीं रहा... फांम की एक सन्तान से फ़ांस की गोद खाली हो गई है ... नहीं जिन्दगी से एक होंनहार इसती को मौत ने झींन लिया है! मौत जिन्दगी पर ऐसे वार करती रहती है ... पर जिन्दगी बमर है और जिन्दगी की सारी कोशिशों अमर हैं. कारजे के लगन, कारजे की स्क वृक्त, कारजे का मानव प्रेम नहीं गरा, वह नहीं मर सकता ... इनसानों के दिल में कारजे ने जमह कार्य के मौदान में कारजे के मौदान के बोद्धा के और शान्ति के मौदान में कारजे कायर नहीं के लिया से जियादा तकती के होती हैं ... कारजे कायर नहीं के की इमतहान से हर कर

سقا تها كه جهين مهن إه هفت ارى ختن هولكي هي ... كسان خوذ ايكي ومهن كا مالك برركياهيد ولا يه جانفا چاها ته كه أن كي حالبت كهور نههى سدهوانى أن كى زمهندارى أنمولى أور جهنى ومهلداني أسولن مين كيا انتابه ... يلقت سلدولال س ولا إن سب سوالين كا جواب سقلم انتها هرئم تله ، يندَّسجي لے کھاسٹ" آپ کی سرکار جانگا کی سرکار نہیں ہے ۔ وہی مههدوں وهي کل پرونا جو انگريتوں کے زمانے میں تھرهی آیے بھی موجود ھیں..... کسانوں' جب نم یہ طے کرلو گے لة جواهر الل كے بدلے واجيلدر بابو كے بدلے دانى كى لدى ير 45 يوس كا كسان يا مؤدور بهتم تبهى تمهارا أصلى رأج ھوال راہے جلانے کے اللہ انگریوں پڑھ لکھ بوے باہور کی شرورت نههن. الكسانون مهن أيك لهر سي دور كاني أيك خرهی أن كے چهروں يركهل أتهى ،ير يهر بولشا سي جهالے لکی ، أن كر من لے كها -- ية سب سهدا هے ؛ يه سب بهرم هے.... کسان مؤدور راج کیسے کرسکتے میں۔۔ پر وہ يلقت سندر الل كي بالين سنتم رها جهن كي حالت وهان کے کسانیں کی حالت وہ سنتے رہے' سنجھتے رہے۔۔۔۔۔ أن كي أها بندمتي رهي . . نراشا ختم هوتي رهي هـ. ياقت جي لے کيا۔۔۔''هماري قسمت جهن کي قسمت'، روس کی قسمت برما کی قسمت ویکلام کی قسمت بلدهی ہے....کسانوں! تبہیں اِن مقدریوں کے بدانے جلهر نے امریکه کے هاته هدرستان او بهی دیا هے اکسانوں ارد مودوروں کو اُتھانا ہے ، جلیس جھن سے پریم ہے ، روس سے برہم ہے' دنہا کی جلکا سے پرہم ہے.....'' کسانوں نے تالهان بهتي المعربان جانس سارا مجمع جايا مسهین اور بهارت کی دوستی وسدیاد ! چین اور بهارت کی دوسالي زندهاد !!

× × ×

قارچہ اس دنیا سے جالہ کئے۔ دنیا نے اُن کی آواز ویانا کانگریس میں سلی تھی۔ اُنھوں نے کیا تھا۔ مجھ دوسوں کی آزادی بھاری ہے ! کی آزادی بھاری ہے! آزادی کا آزادی بھاری ہے! آزادی کا یہ پریمی آج تھیں رہا۔۔۔۔۔۔فرانس کی ایک سلالی سے قرانس کی کود خالی ہرگئی ہے۔۔۔۔۔نبیش زندگی سے ایک ہونیار ہستی کو موت نے جھیں لیا ہے! موت زندگی اور ایسےوار کرتی رہتی ہے۔۔۔۔۔بر زندگی اور فرتی کی ساوی کوششیں اور ہیں، قارچہ کی لگی اور فرتی کی سوچ یوجھ فارچہ کا مائر پریم نیوں موا رہ تیوں موا رہ تیوں موا رہ تیوں موا رہ شاتی ہے میدان کے یودھا تھے اور ہاتی کی میدان کے یودھا تھے اور ہاتی کے میدان سے زیادہ تکلیفیں ہوتی میدان سے خو امحصان سے خو کو میدان سے خو کو امحصان سے خو کو

4 1 12 1 1 1

1) 1/4 - 1 (1/4)

अमरीकी क्योद्दार की कथा सुनाने का रहे थे.....पीले थे दुवले थे.....वीमार थे.....उन्होंने सत्यामह कर दिया था ... अमरीकी गारहों के दुर स्योहार से परेशान हो कर आगे बढ़ने से इनकार कर दिया था..... उन्होंने जुल्म का मुक़ाबला किया था ... किसी का पैर कटा था, किसी का हाथ रा:यम था, किसी की छाती पर गोली के निगान बे, कोई पक्षम से कराह रहा था ... शायद अमरीकी तजं जिन्दगी सिखाने के लिये इनके साथ यह ब्योहार किय जा रहा था! ... मैंने एक कोरियाई क़ैदी से आगे बद बर पूछा-तुम्हारी क्या कहानी है, तुम्हें कोजे के दीप की भी कुछ खबर है ? मेरी क्या पूछते हो. जवान से कडने की फरूरत नहीं है, मुमे प्रचार करने की आवश्यकता नहीं है. हमारी शकलें सब कुछ बता रही हैं, हमारी हानतें खर गत्राही दे रही हैं... कोजे !.....मेरे हमदर्द कांजे का तम मतलब नहीं जानते होंगे ... कोजे का मतलब है इवर्ग ! इसने इस सुन्दर दीप का नाम ऋपनी भारा में स्वर्ग रखा था.....यहां के सीन सीनरी, यहां की जलवाय, यहां के पूरे बाताबरन में स्वगं का रूप मानकता था.....पर स्वग और नरक का करक़ हम भून गए हैं.....हम सोचते हैं बढ़िस्वर्ग में ऐसा आनन्द त्राता है तो नरक कितनी भली जगह हांगी, कितनी श्रव्ही तरह वहां हम जाहर रह सकेंगे..... तम यह पूछना चाहते होंगे वहां दिन में कितनी बार गोलियां चलती हैं . . वहां कितनी बार टैंकों से हमें कुचला जाता है.....बड़ी लम्बी कहानी है, हम सुनाएं तो क्या सुनाएं......तुम किसी भले अमरीकी से पूछ लेना ... किसी इनसान से पूछ लेना ... और अगर कोई न बताय तो कांजे दीप की फिजाओं से पूछ लेना, वहां की धरती से पूछ लेना......पर जूलम जियादा ।दनों नहीं फनता, जुल्म की गाड़ी बहुत दिनों नहीं चलती... ..

में उसकी शकल देखता रहा ... वह कहता रहा ...
रोता रहा ... में चीन और कीरिया से आए अमरीकी
कैरियों को देखता रहा ... में अमरीका के भेजे चीनों और
कीरियाई कैरियों को देखता रहा ... में दुर ब्योहार देखता
रहा और सद ब्योहार को अत्याचार बताने वाले मिस्टर
कतार्क की शकल घूरता रहा ... में सब कुछ देखता रहा ...
दुनिया सब कुछ देखती रही ... इनसान सब कुछ सममता
रहा ... में सपना देख रहा था ... पर यह सब हक्रीकत
थी, असलियत यी यथार्थ था !

किसान जागते हैं!

हजार दो हजार नहीं, चालीम हजार किमान हर दर से इकट्टा हुए थे. कोई बूग था, कोई जत्रान था कोई अधेड़ सबका आंखों में एक चमक थी, सबके मांथों पर एक उपदेश जिल्ला था ... सबका एक तरफ ध्यान था उन्होंने चीन के किसान की खुशहाबी के बारे में सुना था.....उन्होंने اسریکی بهوهار کی کلها سلالے آ رہے تص.....بها۔ المرة فابق الهوروروروها الم أنهور بر سالهاكرة كر فايا الها..... أصريكي الرقول كي دو بهرهار سے يابشان هو كر أليه بوملي سے انکار کو دیا تھا أنهرن في ظلم كا مقابله كها تها.....كسى كا يهو ديًّا تها! كسى الماته فانب تها! كسى كو بههاتي يو كولو كي فشان نهي كبدر وخميردوة وها تها شاید امریکی طرز ودئی سکھانے کےلئے اِن کے ساتھ یہ بھوھار کھا جاتارہا تھا ! سہور نے ایک کرریائی قهدی سے الے 'یومکر پوچھا سائمہاری دیا کہائی ہے انمہوں کرچے کے هوري کي پهي کنچه خبر هر؟ سهاي کيا پوچه تر هو. زيان سے کہانے کی فنورس نہیں ہے اسجے پرچار کرنے کی آرشیکٹا ئههن هي هماري فعلين سب كچه بتا رهي هين عماري حالتیں خود کوامی دے رامی میں...، ، کوچے امیدے همدود ! كوچ كا تم مطلب بهين جانكے مولى لوچے كا مطلب في سورك! هم في أسسلدر ديب كا نام ايقى بهاها میں سورگ وکھا تھایہاں کے سون سولا ہی یہاں کی جل وایو یہاں کے پورے واناورن میں سررگ کا روپ جہلکتا تها پر سورگ اور درگ د فرق هم بهول کئے ههن هم سوجها، همن يحو سورك مهن أيسًا أبلك آنا هـ تو نرك تعلق بهلی جکه مولی' تعلی آجهی طرح وهاں هم جاکر ولا سكنهن كيرورون تم يه پرچهال جاهارهوكي وهان دن سهن كُلْلَى قَارِ كُولْيَانَ عِلْكَى هَمِنَ . . . وهان تَلَقِّي يَارِ تُهَلِّمُونَ يے هموں دچلا جاتا ہے.....وی لمبی کہانی ہے ا هم سلائیں تو قيها سفائيس.... ، ثم نسى بهلم أمريكمي سے پوچه ليدا... اسی اِنسان سے پوچھ لیدا اوو اگر دوئی نه بتائے تو کوچے دینہا کی فضاؤں سے پوچھ لیڈاء اوجان کی دھرتی سے پوچه لیلا ... یو ظلم زیاده داون بههان پهلتا طلم کی الري بهمه دس نهيل جلتي

مهن أس كى شكل ديكهة ارها ... ولا كهةا رها ولا كهة رها ورقا وها ... مهن جهدن أور كوريا سے أب امريكى قهديون كو ديكهة ا وها ... مهن أو ريكه كے يهديون كو ديكهة ارها ... مهن در يهوهار ديكهة ارها اور هد يهوهار كو اتهاجار يتا ہے والے مستدر دارك كى شكل گهورانا وها ... مهن سب ديته ديكهة رها ديكهة وها ديكه ديكه وها تها ... يوريه سب حقيقت تهي أصليمت تهي يتارته تها !

فسابي حاكانے ههر 1

سكى كايًا"

बा कर दक गई. इन पर चीनी रेड कास सीसाइटी का मंडा लहलहा रहा था.....यह मनवृश्या से चली थीं..... जलमी विपादियों को ले कर सुलह का पैरााम सुनाने, शान्ति की आस बंधाने. एक तरक सं चीनी और कारियाई भक्तसर आप, दूसरी तरक से अमरीकी अक्रसर..... लिखा पढ़ी हुई ... सब कुछ सय हो गया. क्रैदी लारियों से उतरने लगे. एक जरनलिस्ट ने बद्द कर पूछा-तुम लांग भूको मर गए होंगे ... उसने हंस कर जवाब दिया- हम खन खाते थे, हमें बहुत अच्छा खाना मिलता था-यह बाक्य सब ने एक मदहोशी की हालत में नोट कर लिए ... उनके भाव बता रहे थे। क जैसे उनके विचार रालत निकले हों.....जैसे उनका भ्रम टूटा हो..... स रे क़ैदी जोश में थे, खुश थे ... पीले होने के बजाय लाल थे, दबले होने की बजाय तन्द्रकस्त थे..... एक ने कहा हर तरह का आराम था ... दूसरे ने कहा हमें प्रार्थना की इजाजत थी, हमें बाइबिलें पदने की मिलती थीं ... एक जानिकस्ट से नहीं रहा गया ... उसने पूछ ही लिया-बाइविलें कहां की छपी थीं ... यह सवाल क्यों था, उसके दिमारा में यह प्रश्न क्यों उठा १ पर यह प्रश्न था और इसका जवाब मिला-रूस! जरनिष्टों ने इस बात को भी तेज़ी से नोट कर ली ... जैसे बाइबिल कोई नया हथियार हो. जैसे यह कोई भयानक बम हो जिसको रू सयों ने ईजाद किया हो ... शायद वास्तव में यह जबरदस्त हथियार था ... इस हथियार से लड़ाइयां नहीं जीती जाती, बादमी जीते जाते हैं, उन का मन जीता जाता है, इनकी आरमा जीती जाती है, उनकी सद्भावना जीती जाती है! मैंने देखा कुछ जरनलिस्टों के मुखड़ों पर शक की रेखाएं खिच गइ ... कुछ आपस में काना फूसी करने स्रागे... जन्हीं में से एक ने दूसरे फ़ौदी से पूजा-तुम लोगों को कम्युनिस्ट बनाने की कोशिश की जातो थी या नहीं ? "बिलकुल नहीं." जवाब मिला-शायद अब भी उन्हें यक्तीन नहीं आया ... उन्होंने हर एक से यह सवाल किया ... हर एक की शब्दों के बवन्डर में फांस कर कुछ अपने मतलब की बातें उगलवाने की कोशिश उन लागों ने कीं ... पर निराशा के सिवा कुछ भी हाथ नहीं लगा-चौर इसी समय एक जीप पर मार्फ क्लार्फ की सवारी सामने आ गई. अफसरों ने आगे बढ़ कर सल्लट दिया-जरनित्रहों ने उनके फोटो जिये ... उन से सवाज पूछने शक कर दिये ... क्लार्क साहब ने इंस कर कहा-हमारे काफी सिपाडी कम्युनिस्ट हो गए हैं. हमें होशियार रहना है ... कमयुनिस्टों न अब्बे ब्योहार इसालये इन को ने के साथ किये हैं ताकि इनको राहार बना सकें, ताकि इनमें बरावित फैला सकें ! फिर वही लारियां कर्तीफिर वही लिखा पढ़ी हुई.....यह कोरियाई और चीनी क़ैदी थे.....

آکر رک گئیں۔ اِن پر چیلی ریق کراس سوسالٹی کا جہلڈا لهرا رها تها ... يه مدهوريا يه جالي تهون ... زخسي سهاهيون كول كو صلح كا ينقام سلال شائلي كي أس بلدمالي. ایک طرف ہے چیلئی اور کوریائی افسر اٹے دوسری طرف سے امریکی افسو الکہا پوعی هوائی مثب نجه طبہ هرکیا ، قیدی قریبن سے اُترنے لگے ، ایک جرناست نے برم کر پوچھا۔ تم لوگ بھوکوں مو گئے ھوگے۔۔۔۔۔ اُس نے ھلس كر جواب دياسهم خوب كهاتي تها همين بهت أجها کھایا مقلا تھا۔ یہ واکیہ سب نے ایک مدھوشی کی حالمت میں نہوں کر لئے أن كے بهاؤ بتا رہے تھ نه جيسے أن ك محاد فلط فعليهون.... جهسے أن كا يهرم تولا هو..... سارے المدنی جوش میں تھ' خوش تھے۔۔۔۔۔پیلم ہولے كے بحوالے قل تها دبلے هونے كے بحوالے تغدرست تهـ..... ایک نے کہا ہمیں ہر طرح کا آرام تھا....دوسرے نے کہا همين يرارتها كي أجازت تهي همين يائملين ورهاء كو ملتی تھیںایک جرنلست سے بہیں رہا گیا،.... اس نے پوچھ هیلیا—بائملهن کهان کیچھپی تھھن.... یہ سوال کیوں تھا اُس کے دماغ میں یہ پرشق کیوں اُٹھا؟ پر یہ برشن تھا آور اِس کا جوب سلا۔۔۔روس اِ جرالسقول نے اِس باس کو بھی تیزی سے نابط کر لی۔۔۔۔۔جیسے بائدل کوٹی بھا معہمار هوا جيسے يه کوٹی پھيانک يم هو جس کو روسهوں نے اینجاد کہا ہو....شاید واستو صیل یک وبودست همهاد تها....اس همهاد سے لو نمان مهدن جهتی جانین أ أدمی جبت جائے هیں أن كا من جهنا جاتا هے، ان کی آئیا جہتی جاتی هے، اُن کی سدبہاؤنا جہتے جانے ہے ! میں نے دیکھا کچھ جرناستان کے مکھورں هر شك ني ريكهائهن نهيله كثهنكچه ايس مين کانا پہوسی درنے لگے....انہیں میں سے ایک نے دوسرے قیضی سے پوچھاستم لوگوں کو کیھوٹسٹ بدانے کی فرشف كى جانى تهي يا نهين؟ 3 بالكل نهين. " جواب مد-شاید آپ بھی انہیں یقیق نہیں آیا۔۔۔۔۔اُنہوں کے ہر ایک سے یہ سوال کیا....هر ایک کو شعدوں کے بونڈو میں پہانس کر نجہ آئے مطلب کی باتیں اُگلوائے کی کوشش اُن لیکوں نے کھی۔۔۔۔پر سراشا کے سوا کچھ بھی هاته نهیں لگا۔ اور اِسی سے ایک چیپ یو مارک کارک كى سواري ساملے آكئي، السروں لے أكم بوهكر سلوف ديا-جرناستين في أن كي قوتو دئي أن سر سوال يوچهام شروع کر دیرئے.... کارک صاحب نے ملسکر کہا۔مارے كافي سهاهي كمهولست هوككي ههن اهمهن اهوشيار ارهقا م فيهو سعين نے انهم بهوهار اِس ليَّد اِن لوگوں ك ساته كيُّه عهل تانه إن كو غدار بنا سكين تائه إن مين بقاوطه يهيلا سكنهن أن السابهم وهي الريان الركهن ١٠٠٠٠٠٥٠٠ وهى تجها يوهى موكى . . . يهو يه كوريالى أور جهانى تهدى تصدره ठीक से ध्यारन भी नहीं कर सकता... वर्ष भी नहीं समक सकता ... यह भी नहीं जानता कि यह गांव है या केवल एक पहाड़ी टीला यह कोई खाबादी है या फीजियों का कोई केम्प ... पोन मोन जोन उस स्थान के रूप में मेरे सामने आता है जहां लड़ाई के भूत नहीं आ सकते, यह वह फुम्डल है जिसके चारों तरफ जंग की बद रूहें चीखती हैं, शोर मचाती हैं, डराती हैं ... पर जिसके श्रम्दर शाम्ति की साधना हो रही है, शाम्ति की देवी प्रकट हो इसके लिये को शिशों की जा रही हैं.

मैं पीन मीन जोन जाना चाहता था ... पर यह मुमिकन न था .., मैंने एक करवट बदली, दो करवट बदली ... न जाने कब तक करवटें बदलता रहा, कब तक कोरिया की लड़ाई, जंगी क्रीदियों के तबादले, कीटान कम के सम्बन्ध में संचिता रहा सोचना एक बामारी है आर शायद दुनिया में कहीं भी इस बीमारी का इलाज नहीं ! जितना में सोने की काशिश करता रहा उतनी ही बेचैनी बढ़ती रही ... और न जाने कब मैं कोरिया पहुँच गया ... कहते हैं सपने कभी सच नहीं होते ... सपने सच हों या न हों पर सपनों में सच्ची बातें अवश्य दिखाई पड़ जाती हैं मैं कोरिया में था ... उस गांव में में पहुँच गया जिस का नाम आजाद गांव है ... चारों तरफ लोग आखें फाड फाइ कर देख रहे थे ... कोई केमरा लिये था. कोई काराज पेंसिल दबाए था. कोई दरबीन लगाए कछ देख रहा था ... यह कौन थे ... कौ जी नहीं थे, इनके पास कोई वरदी नहीं थी ... यह अमरीकी भी थे, चीनो भी थे, कोरियाई भी थे, अंगरेज भी थे, फानसीसी भी सभी रंग के लोग थे. सभी देशों से यह लोग आए थे. इन सब का नाम एक था-संशाददाता, खनर देने वाले ... जरनितस्ट ... इन सबका एक ही काम था-सच का पता लगाना, दुनिया की जनता को सच की खबर पहुँचाना, भूट और सच को अलग करना इनका फर्ज था, दुनिया को अन्धेरे से निकाल कर रोशनी के पथ पर चलाना इन का पेशा था...पेशा ! कितना कुरूप शब्द है...कितना भयानक लगता है ... पेशा और जरनितस्ट ! जरनितस्म एक फर्ज, एक किम्मेदारी है, इनसानी समाज के सेवा का एक साधन है पर पेशा ! ... जरनिक्षस्ट भी पेशा करता है...सच को भूट बनाने का पेशा, अन्धेरे को उजाला साबित करने का पेशा, इडीक्रत की अस में तबदील करने का पेशा ! इस गिरोह में कितने जरनिवस्ट वे और कितने जरनिवस्म का का पेशा करते थे यह कहना सुशकिल है !- मैं इसी गिरोह में जा करमिल गया मैं भी देखता रहा ... दूर से लारियों की रार्राहट समाई पद रही थी..... ऐसा लग रहा था जैसे ची दियों की एक क्रतार साने की तलाश में चल पड़ी हो. इस देखते वह और देखते देखते वह सारियां इमारे सामने

قهیک سے اُچھاری بھی نہیں کرسکتا۔....ارتو بھی نہیں سمجھ سکتا۔....یہ بھی نہیں جانتا کہ یہ گاری ہے یا گھیل ایک پہاڑی تھا، یہ کوئی آبادی ہے یا فوجھوں کا کوئی گھیل ایک پہاڑی تھا، یہ کوئی آبادی ہے یا فوجھوں کا کوئی صاملے آتا ہے جہاں لوائی نے بھوت نہیں آسکتے یہ وہ ننقال ہے جس نے جاروں طرب جلگ کی بدروجیں چیشتی ہیں گھور مجاتی ہیں اورانی ہیں۔...یر جس نے اندر گاتی کی سادھنا ہو رہی ہے شانتی کی دیری پرکشت ہواس کے لئے کوششیں نی جا رہی ہیں ،

مهن پوڻ مون جون جانا چاهڻا تها...پر يه معكن نه تها...مهن لے ایک کروگ بدلی کو کروگ بدلی...به جالے كب نك دورتهن بدلعا رها كب تك دورياً دي لوائي ً جلگی لیدیوں کے تبادلے' نیٹانو یم کے سیفدھ میں سوچتا رها، سوچلا ایک بیماری فی اور شاید دنیا مهن کههنایی اِس بهماوی کا ملاج تهیں 1 جکھا میں سونے کی کوششن قرناً رَمَا أَتَفَى مَى آيِ هِيلَى يَوْمَتَى آرَمُ فِيأَرَّرَ فِي هَا يَـ كب مهن كورياً يهوني كها.....دياته ههن سهاله كههى مي نهيل هوتي ... سيلم سي هول يا نه هول پر سيلول مهن سجي بانين ارشه، دنهائي پر جالي هين ، مين اوريا مهن تها...أس كافي مهن مهن يهودي كها جس كا نام آزاد گاوں ہے ... چاروں طرف لوگ آنکھوں بھاڑ بھاڑ کر ديكه رها ته... ، وقى كهدرة لكر تها كوثى كافل يقسل ديائر تها وگیدور بهن لگائے کچه دیکه رها تها...یه کون تعد... فوجے نہیں تھے اُن کے پاس کوئی وردی نہیں تھے... یہ آمریکی بھی تھا چھڈی بھی تھا کوریائی بھی تھا انگریز بھی تھے قرادسیسی بھی سبھی رنگ کے لوگ تھے۔ سبهی دیشوں سے یہ لوگ آئے لیے. اِن سب کا نام ایک نها سسمواددانا خور ديثه والي ... جرناست ... إن سب كا ایک هی کام تها ... می کا یکه لاانا دنیا کی جلعا کو سی كى خمير يهونجانا، جهوك أور سج كو الك كرنا إن كا فرض تھا کو اندھیرے سے نکال کو روشقی کے یکھ پر چالیا إن لا يههم لها يههم ! تتفا دروب شمد هـ كتدا بهدائك لكتا هي.... يهشه أور جرباست ! جربائرم أيك فرين ۾ ايک ڏمدداري هي' انساني سداڄ کي سهوا کا ایک سادهن هے..... پر پیشه اِ.... دربلست بهی پیشه ورتا هـ... .. مع كو جهوت بنائي لا يهشه اندعمور كو أجالا کاپیس کرنے کا پیشہ متبقت کو بھرم میں تبدیل کرنے کا يهده إ إس كوره مهي كتله جوللست ته أور كتله جوللوم كا يبهد دريرته يد كهذا المكل في إسمون اسي دوه مون بهاکر مل گها مهن بهی دیکهگا رها.....دور سے لویون كى قراهت سقائى يو رهى تهى...أيسا نگ رها تها جهس جهتهوں کی ایک قطار کھانے کی ناھی میں جا ، پور سو، هم دیکهتے رہے اور دیکھتے دیکھتے وہ لاریاں عمارے سامنے

प्रवासी की डायरी

इच्छा जितनी दबाई जाती है उतनी ही प्रवत होती जाती है. जितनी वह प्रवत होती जाती है उतनी ही वेचैनी बदती जाती है, मन ब्याकुल होने लगता है, दिमारा डांवा डोल होने लगता है, हर चीज एक नुक़ते पर आ कर केन्द्रित हो जाती है. छोटी मोटी इच्छा हो तो भादमी पूरी भी कर ले.....पर उस इच्छा का क्या किया जाय जिसकी पूर्ति सुशक्तिल ही नहीं नासुमिकन भी हो...इच्छार्ची पर जीत हासिल करने के लिये आवमी अथक कोशिश करता रहा है, तप करता रहा है, घरबार कोड़ता रहा है......पर कितने ऐसे आदमी हैं जो इस लड़ाई को जीत सके हैं, कितनी पेसी इच्छाएं हैं जिन्हें वह सार सके हैं! शायद इच्छाएं कभी मरती नहीं हैं, केवल रूप बदलनी हैं, पूर्ति का ढंग बदल देती हैं, अपना स्तर बदल देती हैं!. ...मेरी इच्छा तो चौर भी घनोखी थी... . सुमे जन्नत नहीं चाहिये थी मुफे कोई महल नहीं चाहिये था...... मुमे अलाउदीन के चिरास की इच्छा नहीं थी. न कुछ पाने की इच्छा थी और न कुछ हासिल करने की..... मेरी इच्छा सरत भी बहुत ही मामूली थी.....शायद इसी कारन बहुत ही मुशकिल भी थीकहां मैं और कहां कोरिया.....पक दां मागने नहीं.....पास पोर्ट.....विसा भन.....नाम.....काम.....एक लम्बी लिस्ट है. इन्हें पार करना बासान नहीं ! पर न जाने क्यां यह इच्छा पैदा हो गई, न जाने क्यों मैं कारिया जाने के लिये बेबैन हो हठा ... दिल की इच्छा थी या दिमारा की तय करना मुशकिल है, शायद दोनों की, शायद पूरी आत्मा की... मैं फोरिया जाना चाहता था ... वहां नहीं जहां गोले बरसते हैं, वहां नहीं टैंक जमीन की छातियां रौंदते हैं, बहां नहीं जहां गोलियां दर आने वाले का स्वागत करती हैं, बढ़ां नहीं जहां जहाज कीटान बम उगलते हैं, वहां नहीं जहां मानव नंगा नाच नाचता है ... में बहां जाना चाहता या जहां गीलों को धमक ता सुनाई पड़ता है पर जहां गोले नहीं गिरते ... जहां आइमी हथियारों से फैसला नहीं करते ... जहां आपस में बात चीत कर के मागड़ों को सातम करने की कोशिश होती है ... जहां इनसान शैतान का लवादा छोड़ कर अपनी शकल में जाहिर होने की कोशिश करता है ... मैं वहां जाना चाहता था नहां आपानी न होते भी आज़ादी की बार्ते सुनाई पक्ती हैं ... पोन मीन जोन! ... मैंने कभी नाम नहीं द्वना था ...

پرواسی کی ڈائری

The state of the state of the

إجها جعلى ديائي جاتي هے أتلى هي يربل هوتي جاتی ہے۔ جاتلی وا پربل هوتی جاتے ہے اُللی هی پے چیلی بوهتى جاتى هـ من بهاكل هون لكتا هـ دماغ د نواتول هرنے لکھا ہے امر جیز ایک نقطے پر آدر کیلدرت مر جاتی هر جهولي مولي إجها هو تو أدمي يوري بهي كرلي ير اُس إِجِها كا كَها كِها جِائدٍ جِسْ في يُرِرتي أُمَعْكُلُ هي نهين ناسكن يهي هو إجهاؤن يرجهت حاصل كرلم کے لگے آدسی انھک کوشص کرتا رما ہے کپ درتا رما ہے گهربار جهورتا رها هے..... بو کتابے ایسے آدسی ههں جو إس لوالي دو جهت سکے هیں' کنٹی ایسی اجهالهن ههن جِنْهِين ولا مار سکے هيں ! هايد (چهانهن/ههي مرتي بهين هين' نيول روپ بدلته هين' پررتي لا ڏهنگ بدل ديتي هين ايفا استر بدل ديتي هين إ.....مهرى إجها تو اور ہوں اُنوکوں تھی۔۔۔۔مجھے جلت نہیں جاملاء ۔ تھی۔ ، ...مجه كوكي محل نههن جاهيً تها...مجه عاؤ الدين کے چرافے کی آچھا نہیں تھی' نہ کچھ پانے کی اجما تھی اور نه قتیم حاصل کرنے کیمهری اجها سرل تهی بهت هر معمولی آنهیشاید اسی اون بهت هی مشکل بهر تهی کیاں میں اور کہاں کوریا ... ایک دو جهگوے نههن . پاسهورت. ویسا ... دهن ... نام ... کام . . ایک لمهی لست هي. إنههن يار كرنا آسان بههن ! ير نه جالي نهرن يه لهما پیدا مبکتی به جانے کیوں میں کرویا جانے نے لگ يرجين هو ألها دل كي إجها تهي يا دماغ كي طه كونا ممكل هـ شايد دونون كي شايد يوري ألما كي میں کیریا جاتا جاماتا تھا ، وہاں نہیں جہاں گولے ہوسکے هين وهال نهيل جهال تهلك زمين كي جهانيال روندية ههن وهال نهيل جهال گولهالهر أله واله كا سوالت كرتي هين؛ وهان تهون جهان جهاز كوهانو هم أكلي هون وهال نهيل جهال ماتو نلك ناج ناجكا هدد. ...مهل وهال جانا چاهدا قها جهان گولون في دهمک دو سفاكي يوني ه يرجهان كرفي نهمن كرتي جهان آدمى هامهارون س فيصله نبهن كرتي.....جهان آيس مهن يات چيت كرك جهکوں کو خعم کرنے کی کرشش ہوتی ہے... جہاں آنسان شیطان کا لہادہ چھوڑ کر آپٹی شکل میس ظاہر ہوئے کی ووقيص كولا هي....مهل وهان جانا جاهلا تها جهال آزامی نه هرتے بہی آزامی کی بانہور سفائی بولی هیں... ون موں جوں اللہ ،،،موں کے لیمی نام نہیں سفا تھا...

इस बात की कोशिश करना चाहिये कि हम अपने पदार्थी का इस्तेमाल करें और घरेल धन्त्रों को प्रोत्साहन दे कर इनसे वह सामान बनायें जिनकी हैं। खरूरत है. हमें अपनी जरूरतों को इन्हीं सामानों से पूरी करना चाहिये जिससे कि इमारे सामानों के लिये बाजार पैदा हो सके. इस सम्बन्ध में शायद इमें बाहरी सामानों पर रोक लगानी पड़े और अपनी जरूरतों को भी कम करना पड़े राश्ट्रों को स्वावलस्वी बनाने का काम मानवना की तरहकी के नेक काम का एक अंग समम कर करना चाहिये. इसलिये दुनियां का भविश्य और जनता का शान्तिमय जीवन उस तेजी पर निर्भर है जिस तेजी से जनता अहिल्सा और सच्चाई के रास्ते पर अमल करती है. शान्ति आन्दोलन भी ऐसी ही कोशिश का एक हिस्सा है. वह एक ऐसी सोस।इटी क्रायम करना पाहता है जिसमें एक आदभी दूसरे आदमी का गला नहीं काटेगा बल्कि जिसमें सब बीग मिल जुल कर इसी, खुशी और शान्ति से रहेंगे और सराहाली का बाताबरन पैदा करेंगे.

إس باسكى كوشص كونا جاهك كه هم الها يدارتهون كا إستعمال کېيس اور گهريلو دهندور کو پر واساهن دي کر ان ي وه ساسان يقالين جن کي همهن فرورت ۾ . هنهن ايٽي فنورتون کو اِنهیں سامانوں سے پوری کونا چاھئے جس سے کا همارے سامانوں کے لئے بازار پھدا ہو سکے ۔ اِس سمیدھ مھی شاید همهن باهری سامانون پر روک لگانی پوی آور آیشی فدورتوں کو یہی کم کرنا ہوے ، راشٹروں کو سراولمعی بقائے کا کام مالوقا کی درقی کے نیک کام کا ایک امک سمجهکر كرتا جاهلي إس لله ديها كا يبرهها أبر جلتا كا شانتي حمرن أس تهزى پر تربهر هـ جس تهزي سے جلتا املسا او، سجائی کے راستم ہر میل کوئی ہے، ھانتی آندولن بھی ایسی هی کوشش کا ایک حصه قد ، وه ایک ایک ایسی سرساًلُكُي قَالُم كرنا چاهنا هے جس مهن أيك أدسى دوسرے أدمى لا كلا نهيل كالها باعم جس مهل سب لوك مل جل كو هدسي أخوشي اور شاعي م وهينگ أور خوص حالي كا والاوران يهدا كريلكم

जंग न होने पाए

दूव न जायं दुख सागर में बच्चों की आशाएं दूट न जायं बनते चूड़े मांगें उजद न जाएं रोएं न अपने भागों को ममता की मारी माएं गली गलो में द्या घरम की लाज न फिर लुट जाए जंग न होने पाए साथी, जंग न हं ने पाए! हम क्यों मानवता से साथी खून की हे ली खेलें भनवानों के लाभ की खातिर हम क्यों विपता मेलें मीत के कांटों से क्यों उलमें हम जीवन की बेलें दे कर अपनी जान खरीहें हम क्यों रोग पराय जंग न होने पाए साथी, जंग न होने पाए!

—मरेश कुमार 'शाद'

جنگ نه هونے بائے

قرب نه جائیں دکھ ساکر میں بچوں کی آشائیں ٹوٹ نه جائیں بجتے چوڑے مانکیں آجو نه جائیں روئیں نه اپنے بھائیں کو ممتا کی ماری مائیں گلی کلی میں دیا دھرم کی راج نه رور لمت جائے جلگ نه ھونے پائے ساتھی' جلگ به ھونے پائے آ

هم کهوں مائوتا سے ساتھی خون کی هولی کههلیں فعلوائوں کے قابه کی خاطر هم کهوں بھا جههلیں موت کے کانگوں سے کھوں العجہوں هم جهون کی بهلیں دے کر ایلی جان خریدیں هم کھوں ووگ ہوائے جلگ نه هولے ہائے !

سنريص كمار فهادا

طرح پریاضی کے طاتبھاروں کا سمیقدہ تا کنول آن سواھاری سے ہوتا ہے جو لوائی کے سونچے پر لوتے ہیں بلکہ اُن سب کا تعلق آنے سب کا ایکا ہمارہ ہم

هانتی آندولن کی سهما یه نهیں هونی چاهئے که صوف موجودہ لوالیوں کی آگ کو شانت کر دیا جائے بلکه اِس آندولن کو اِس بات کی کوشش میں آبے، کو لٹانا چاغئے که سماج کی رچلا آیسی هو جس میں هم شاندی سے زندہ راا سکیل ، نفرت انسانی سماج کے لئے اُچھی چوؤ نہیں ہے ، اگر مانو کو ترانی کرنا ہے تو یه ضروری ہے که سدیهاؤنا اور سمجهداری کا جذبه بیدا هو ،

هم جن باترن کا اُرپر ڈاکو کو جاکے هیں اُن سے ظاهر ہے کہ شادتی کی بہاؤنا پیدا کرنے نے لئے ایک آندولن کی ضورت ہے جو راشگروں کی سمسیاؤں آور جھگوں کو سمجھ آو اُن کا شانگی سے حال قدو تھانے کی کوشش کونے ، جو سامتے ہوی ڈام داریاں میں آنے کے اچھک میں اُن کے کرنا ہے، هم پہلے بتا چکے میں کہ مکھیہ مکھیہ پدارتیوں اور بونے پیمانے پر بلے مال کی تجارت لوائی پیدا درتیوں اور بونے پیمانے پر بلے مال کی تجارت لوائی پیدا درتیوں اس سے یہ تعریجہ تکلتا ہے کہ جہاں تک ممکن ہو اِس طبح کے بھویار میں کئی جائے آور هر راشتر آبے روز اِس سمبندھ میں آنے پھاوں پر کھوا ہو جائے ، طرورتوں کے سمبندھ میں آنے پھاوں پر کھوا ہو جائے ، فی فرورتوں کے سمبند میں سمبنا تا کہ سمبہ آور املسا کا والورن پیدا ہو آور اِن سمبندہ نے اگر شانتی کے لئے ایسا آندولن والورن پیدا ہو آدر اِن سمبند ہائے ، اگر شانتی کے لئے ایسا آندولن نے کھوا ہوا تو یہ سمانے بھانے ، اگر شانتی کے لئے ایسا آندولن

اُس کا یہ بھی مطلب ہے کہ شاتھی آندوان مشھی والے آدیدگیں کے متابلے میں جنھا کے آدیدگیں کا پرچاو کرنے بھونگیہ مشیلی آدیوگ اِس بات کی ضرورت بھدا کرتے میں کی لائیس آدمیں کی زندگی کو کنڈرول کیا جائے۔ شابھی آندولی میں آلے والین کو جاملےکہ وہ ودیشی بھریار میں ہر طرح سے کمی کریں ، ہم کو

तरह बरबादी के हिंगियारों का संबंध न केवल उन निपाहियों से होता है जो लड़ाई के मारचे पर लड़ते हैं बल्क इन सबका ताल्लुक अपने अपने घरों में बैठे कोगों से मा होता है एटम बम, नपाम बम, कीड़ों और बीमारियों के बम से हर हर घर में मांतें हुई है, हर घर बरबाद हुआ है. यह इस कारन से होता है कि लड़ाई में जनता एक तीसरे गिरोह के रूप में शामिल कर की जाती है. इन लड़ाइयों का सब से मवानक पहल यह है कि रास्ट्रों के बीच नकरत की भावना जोरों से फैलाई आती है. अगर इस भावना को हमें रोकना है तो शामित के जमाने में भी हमें जनता को यह सममाना होगा कि लड़ाई जिन्दगी का अंग नहीं है बल्क इनसानियत के रिशते का मयानक कुरूप है.

शानित आन्दोलन की सीमा यह नहीं होनी चाहिये कि सिर्क मौजूदा जड़ाइयों की आग को शान्त कर दिया जाय बल्कि इस आन्दोलन को इस बात की कोशिश में अपने को लगाना चादिये कि समाज की रचना ऐसी हो जिसमें इम शान्ति से जिन्दा रह सकें. नकरत इनसानी समाज के लिये अच्छी चीज नहीं है. अगर मानव को तरक्की करना है तो यह जरूरी है कि सदभावना और समभदारी का जजबा पैदा हो.

हम जिन बातों का ऊपर जिकर कर चुके हैं बनसे काहिर है कि शान्ति की भावना पैदा करने के लिये एक बान्दांशन की जरूरत है जा राख्ट्रों की समस्याओं और मागड़ों को समभने और उनका शान्ति से इल इंडने की कोशिश करे, जो लोग शान्ति आन्दोलन में आने के इच्छक हैं उनके सामने बड़ी जिम्मेदारियां हैं. बनकी लडाई की जड़ की खतम करना है हम पहले बता चुके हैं कि मुख्य मुख्य परार्थी और बड़े पैमाने पर बने माल की तिजारत लड़ाई पैदा करती है. इससे यह नतीजा निकलता है कि जहां तक सुमकिन हो इस तरह के क्यांपार में कमी की जाय और हर रास्ट्र अपने रीज की करातों के सम्बन्ध में अपने पैरों पर खड़ा हो जाय. गांधी जी ने हमें सिखाया था कि सत्य और श्रदिसा का भाताबरन पैदा हो भीर इन सिद्धान्तों के आधार पर एक समाज बनाने का प्रयब किया जाय. अगर शान्ति के लिये पेंसा जान्दोलन न सदा हुआ तो यह सीस वेकार वली जायगी.

इसका यह भी मतलब है कि शान्ति आन्दोलन मशीन बाले उद्योगों के मुझाबले में जनता के उद्योगों का प्रचार करे क्योंकि मशीनी उद्योग इस बात की करूरत पैदा करते हैं कि लाखों आदिमयों को जिन्दगी को कन्द्राल किया जाय. शान्ति आन्दोलन में आने वालों को चाहिये कि वह विदेशी क्योपार में हर तरह से कमी करें. इमको

eet '63 ~

(254)

68

ان کاولیں سے یہ ضروری هو جاتا ہے که اُن باتوں کی كاف كي جائي جن لا يوجاو كرك عام جلمًا مون تقوي ك ہدای ہودا اللے جاتے میں اور جلتا دو اس کے هت کی عالين صاف صاف بعالى جائهن الثال كاليَّه الراللان كُم يازار مهن جو تنبانو خبي هرتي ۾ اُس کي يهداوار هلدستان مهر هول والى و تو يه بهداوار صرف أن كهيتون ہر قبقہ کرتے کے بعد می بومائی جاسکتی ہے۔ جن میں عام جلتا كے استعمال كے لئے فله يودا هوتا ہے لورنكه پہلے سے ھی فارورت سے زیادہ کہدت تمباکو پیدا کرتے کے كام مهن يهلس هولے هين . جو لوگ للدن مهن تسهادو كا بهويار درت مهل أن دو تسهادو يهدا كرني وله مقالیں کی جلعا کے ضروتین اور معین سے دوگی دلنچسیں نههن هے . تعیموء یه مول هے که ایسے عالوں کی جلتا نے لیے کھانے کی کئی ہوتی ہے اور لوگ بھکموں سے صرفہ ههن لهكين للدن كے عام لوگ جو إسى تمبادو كا إستعمال کرتے میں مشکل ہے اس یاس دو معصبوس کرتے میں که اس بهكدري مهن أن كي بهي كچه بيتك ذيرداري هي . اس طرح کے کچے مال پر قبقہ راہتے کے لئے یہ بھی ضروبي هُو سَعَتا هِ نه درسرے ديش پر راجاجي کلترول رکھا جائے ، اِس لئر هي آج کل جو شابقي أندولن چل رها ہے اُس کی سخمت ضرورت ہے ، یہ آندرلن عام جلتا كر بيني شانعي قائم رئيقا جاعفا هي. إس أندولن كو اس پرچار نے خاب آندولن چلانا ہے جس کے فریعہ پرتجی وادی اور سامراجی جفتا کے بیچے نفرت یعماتے ھیں ، اس لئے أن لوگوں كے لئے جو وهو ميں شابتى قائم کرنا جاهاتے هيں يه ضروري هے ته ولا آج لے آمالو راشائری جهاگروں نے پیچھے جو مالی تکومیں میں اُنہیں اچھی طوح سے سمجیس اور ان کے ہارے میں تبیک الهوك جانكاري حامل درين .

اِس کے ملارہ یہ بھی ضروی ہے کہ اُن جھگڑوں کو بھی دور کھا جانے جو عام جفعا ہے ہوچے میں مقاو پھدا کرتے ههرر كرائم دأر أور مالك مكان كربهم ومهددار أور فركههت والے نسانوں نے یہیے جو جیگڑے میں اُن کا تھٹارا عوبا فروري ۾ . سال مين ايس انگر بوهلے بيهن ديلے جامگر جو ایسے حالت پیدا کر دیں جس میں نفرت جو پکولے لکے اور یہ تفریق ہریادی کی طرف لے جائے ۔

يهي ولا كارن ههن جو أنت مهن وهو ويايي لوائي كي طرف لے جاتے هوں ، اس لئے ضروری ہے که اِن کو سر أثهاله سه پېله هي فعل ديا جاله .

هم پیار کو چکے هیں که پنچهلی لوالیاں لونے والے كرومين لف هي سمهت رهتي تههن ليكن أب جلعا لیک نیسرے کروہ کے روپ میں نہوی مونثی ہے۔ اور اِس

इन कारनों से यह जरूरी हो जाता है कि उन बातों की काट की जाय जिनका प्रचार करके बाम जनता में नकरत के भाव पैदा किये जाते हैं और जनता की उसके दित की बातें साक साक बताई ज.यं. मिसाल के लिये बागर सम्दन के बाजार में जो तमवाक़ जरच होती है उसकी पैदाबार हिन्दुस्तान में होने वाली है सो यह पैरावार सिकों उन खेरों पर ऋबजा करने के बाद ही बढ़ाई जा सकती है जिन में आम जनता के इस्नेमाल के लिये राहला वैश होता है क्योंकि पहले से ही जरूरत से ज्यादा स्रेत तम्बाक वैदा करने के काम में पांसे हुए हैं. जो लाग लन्दन में तमधाक का ब्योपार करते हैं उनको तमबाकू पैदा करने बाले इलाक़ों की जनता की पारूरतों और हिनों से कोई दिलचस्पी नहीं है. नतीजा यह होता है कि ऐसे इलाक़ों की जनता के लिये खाने की कमी होती है और लोग मुहमरी से मरते हैं लेकिन लम्बन के बाम लोग जो इसी तमबाक का इस्तेमाल करते हैं मुशकिल से इम बात को महसूस करते हैं कि इस भुकमरी में उनकी भी कुछ नैतिक जिम्मेदारी है. इस तरह के कच्चे माल पर क्रवजा रखने के लिये यह भी जरूरी हो सकता है कि दूसरे देश पर राजकाजी कन्टोल रखा जाय. इस लिये ही श्राजकल जो शान्ति आन्दोलन चल रहा है उसकी सकत जहत है. यह जान्दोलन जाम जनता के बीच शान्ति कायम रखना चाहता है. इस आन्दांलन की उस प्रचार के खिलाफ कान्दोलन चलाना है जिसके जरिये पंतीबादी और सामराजी जनता के बीच नकरत फैलाते हैं. इसलिये उन लोगों के लिये जी विश्व में शान्ति क्रायम करना चाहते हैं बह जरूरी है कि वह आज के अन्तर रास्ट्री मगड़ों के पीक्के जो माली तिकड़में हैं उन्हें अच्छी तरह से सममें और दनके बारे में ठीक ठीक जानकारी हासिल करें.

इसके अलावा यह भी करूरी है कि उन मगड़ों को भी दूर किया जाय जो आम जनता के बीच में मन मुटाव पैदा करते हैं. किराएदार और मालिक मनान के बीच क्रमीबार और वे खेत वाले किसा ों के बीच जो भगवे हैं इतका निपटारा होना जरूरी है. समाज में पेस अन्तर बदने नहीं देने चाहिये जो ऐसी हासत पैदा कर दें जिसमें नकरत जब पक्कने को और यह नकरत बरवादी की तरफ से जाय.

बाही बाह कारन हैं जो अन्त में विश्व क्यापी सदाई की त्रक ले जाते हैं. इस लिये जरूरी है कि इन को सर उठाने से पहले ही इचल दिया जाय.

इस पहले कह चुके हैं कि पिझली सहाहयां सहने बाक्षे गिरोहों तक दी सीमित रहती भी लेकिन अब जनता क्ष तीसने गिरोद के कप में बड़ी हो गई है और इस

वे चीर एक दूसरे के चादमियों को मारते वे चीर जाव दाएँ बरबाद करते थे लेकिन चंकि चब इन सब्राइयों में पूरी जनता शामिल होने लगी है इस लिये यह जरूरत पैरा हो गई है कि दोनों फरीक़ जो लड़ाई छेड़ें उसमें जनता की विलचस्पी को बढ़ाया जाय. इस उद्देश्य को हासिल करने के लिये इतना काफी नहीं था कि लढ़ाई के कारन एक दो करके गिना दिये जायं क्यों कि यह सारे कारन ऐसे होते हैं जिनमें आम जनता की कोई दिलचस्पी नहीं हो सकती आगर बरतानिया हिन्दुस्त न को मही के रूप में चाहता है और जरमन सौदागरों की भी इसी मंदी पर नकर है तो बरता-निया और जरमनी की मंदी संबंधी लढाईमें बरतानिया और जरमनी की जनता अपना खुन नहीं बहाएगी, इसिलये जरमनी और बरतानिया के आम लीगों में एक दसरे से नफरत और शक के भाव उभारे जाएंगे और देश प्रेम के यह नारे दिये जायंगे कि "राजा और देश" के लिये जनता को क्रवीनी करना चाहिये लेकिन असलियत में राजा ब्यौर देश के लिये यह भाव नहीं होने बल्कि करुवे म'ल ब्यौर क्योपार की रक्षा के लिये यह नारे दिये जाते हैं इसी तरहसे जहां जहां मुमकिन होता है बलग बलग नसल के गिरोहों में चुना और सन्देह के भाव उमारे जाते हैं. खाज की लखाइयों को उस जनता के बीच मन मुटाव पैता करके जिल्हा रखा जाता है जिसकी इन फगडों से कोई दिल चस्पी नहीं होती.

बढ़े बढ़े ब्यांगारों का बाहे जो इशर हो लेकिन जनता जाम तरीके से चालीस एक साल की अपनी छोटी सी उम्र शान्ति और भाराम से बसर करना बाहती है. इस कारन से जगर लड़ाई को जसरदार बनाना है तो क्रहरी है कि उन तस्वों को हवा दी जाय जो जनता में जबाई की भावना पैटा करते हैं और इसी वजह से प्रचार के हं अयार को उतनी ही ब्रहमियत दी जाती है जितनी लड़ने वाली फीजों को. यह प्रचार आण्दोलन समाज के हित को नुक्रसान पहुंचाने वाला आन्दोलन है. ऐसे आन्दोलन के विचार में हिंसा है. इसकी धाली जामा पहनाने में हिंसा है और इस से जो नक्षीजे निकलते हैं. उनमें हिंसा है. बहुत भांते भाले इंग से जरमनों को यह सिखाया जाता है कि वह नकरत का गीत गा गा कर अस की इस चवस्या में पहुँच जार्थ आहां हर अंगरेख को मार कह वह यह सममें कि वह पन्य कमा रहे हैं. नफ़रत भड़काने वाला यह प्रचार आन्दो-सन सोगों को बहका कर फौज में भरती कराता है, सबते समय हिम्मत और साहस प्रदान करता है और मारकाट को एक पाक सक्तसई को हासिल करने का साधन के रूप में सहा कर देता है. अगर कोई रोक याम न हो तो वं नीबारी हित कोर सामराज की चक्ररतें मिल कर बाखिर में बाम जनता के बीच नकरत की वह परिस्थित पैदा कर देते हैं जिसमें सहाई बेड़ी जा सके.

تم اور ایک دوسرے کے آدمیوں کو مارتے لئے اور جائدادیں بریاد کرتے تھے لیکن چراعہ اب اِن لوائیوںمیں بروى جلتا شامل هونے لكى في إس ليَّه يه فرورت بهذا هو کئی هے که دونوں فریق جو لوائی جههویں اُس مهن جلتا کی دلتیسهی کو بوهایا جائے اس أددیش کو حاصل کرنے کے لگے اتفا کافی نیبی تھا که لوائی کے کاری ایک دو کرکے گلا دائھے جاتھن کھونکہ یہ سارے کارن ایسے موتے میں چن مهن مام جلاتا کو کوئی دانچسیی انهین هوسکتی ، اگر پرطانیہ مندستان کو مندی کے روپ میں جامتا ہے اور جرمن سوداگروں کی بھی اِسی ملدی ہر لَظر ہے لو پرطانیه آرر جرملی کی ملقی سمهندهی لوائی میں برطانيه اور جرملي كي جلعا أيلا خون نهين بهائد كي . اِس لیے جرمدی اور برطانهہ کے عام لوگوں میں ایک دوسرے سے نفوس اور شک کے بہاؤ آ ہارے جائیوںگہ اور دیش پریم کے یہ نعرے دئے جائیں کے نہ اراجا اور دیس' کے لئے جلعًا كو قربائي كونا جاهيًے. لهكن امليت مهن واجا اور دیش کے لگے یہ بھاؤ نہیں ہوتے بلکہ کھے مال اور بہوبار کی رکھا کے لگے یہ نمرے دئے جاتے میں، آسی طور سے جواں جہاں ممکن ہوتا ہے انگ الگ نسل کے گروعوں مهن کهرفا اور مددیه، نے بھاؤ آبمارے جاتے ھیں آج کی لوالیس کو اُس جلعا کے بھیے من مقاو بھدا درکے زندہ رکھا جاتا ہے جس کی اِن جهگروں سے دوئی دلجسهی نهیں

ہوے ہوے بھوہاروں کا چاھے جو حضر هو ليکن جلتا عام طریقے سے جالیس ایک سال کی ایڈی جھورتی سی مير شادتي اور آرام سے يسر كرنا چاهتى ھے . اِس كارن سے اک لوائم کو اثردار بخانا ہے تو ضروری ہے که اُن تعون کو هوا دی جائے جو جلعا میں لوائی کی بداؤنا پیدا کرتے مهی اور اسی وجه سے پرچار نے همیار کو آنڈی هی اهمها صي جاتي هے جعلي که لوئے والي فوجين کو . يه پرچار أندرلن سمال كي هت كو بقصان يهونچاني والا أبدولن هي . ایسے آردولن کے وجار میں هدسا ہے؛ اس کو عملی جامه بہلانے میں هلسا هے آور اس سے جو نعیمے نعلعے هیں أن مهن هنسا هي . بهت بهولي بهائي قعلگ سے جر-غرن کر یہ سکھایا جاتا ہے کہ وہ نفرت کے گیت گا کو بھرم کی اس اوسعها مهن پهونچ جاڻهن جهان هر انگريز کو مار كر ولا يه سمجهون كه ولا يقهه كما رهي ههي . نقرت يهوكاني والا به پرنجار آندرلی لوگوں کو بھکا کر فویر میں بھرتی کراتا هرا لوتر سمر همت أور ساهس يردان كرتا هي أور ماركات كو اری یاک مقصد کو بعاصل کرنے کا سادھی کے روپ میں كهوا كر ديدًا هي. اكر كوئي روك تهام نه هو تو پرتجي وادبي هت اور سامراج کی فرورتیں ملکر آخیر میں عام بناتا کے پنیجے تفریعا کی وہ پرسکٹھی پیدا کر دیکے میں جس مهن لوائي جمهون جامك .

शान्ति आन्दोलन

•

(डाक्टर जे सी. कुमारप्पा)

मेरे पास बहुत से खत आते रहते हैं जिनमें पूछा जाता है कि शान्ति आन्दोलन का उद्देश्य क्या है और इस बान्दालन को जनता में फैलाने की इस समय क्या आवश्यकता है अब कि हिन्दुस्तान में लड़ाई नहीं हो रही है सरसरीनकर से देखने पर यह श्रान्दोलन पागल की बड़ के समान मासूम पदता है, इस आन्दांलन की आवश्यकता को सममनं के लिये जरूरी है कि दुनिया के माली ढांचे की बुनेयाद की इस समफलें क्यों क दुनिया की माली डावस्था इस बात की जबदस्त जरूरत पैदा करती है कि शान्ति आन्दोलन का स्थापना की जाय.

गुजरे जमानों में बादशाहों और दूसरे नेताओं के हितों क टकराव के कारन लड़ाइयां होती थीं और यह लांग अपनी जर खरीद कीन की सहायता से एक दूसरे से लड़ाई करते थे. श्रपना ताक़त को बदाना, इलाका पर क्षवज्ञा करना, लूटमार और बदला ही जियादातर इन लड़ाइयों के कारन हाते थे. यह लड़ाइयां लड़ने वालों और उनक साथियों तक सीमित रहती थीं. इसवात की द्यावश्यकता नहीं हाती थी कि दोनों तरफ का जनता को जोद्दा देकर एक दूसरे के खिलाफ उभारा जाय.

के[न्द्रत उद्योगों के फैलाव के कारन हिसा की मात्रा बढ गई हैं क्योंकि पंजी बादियों का दित कच्चे माल पर कन्ट्रोत रखने, सस्ते मे बदूर हासिल करन श्रीर श्रपने माल के लिये बाजार पैदा करन में है और इस दित का सुरचा बिना हिंसा के नहीं हो सकतो. इस मक़सर का पूरा करने के लिये लखोखा आदिमियां को राज काजी गुलामी या माली राजामा के फन्दे में जकड़ कर रखना पहता है.

पहुली बड़ी लड़ाई के शुरु होने का बहुत बड़ा कारन दुनिया के बाजार का बंटवारा ही था. बरतानिया, जरमनी और आपान के हित आपस में टकरा रहेथे. दूसरी लड़ाई के कारम्भ का मुख्य कारन यह था कि दुनिया वे पेट्रांल के कुचों पर कीन शाक्त अपना क्रबजा रखे कोरिय में चलने बालो आजकत की जड़ाई का कारन यह है कि उत्तरी कोरिया की तेंगस्टीन खान की देखकर मेगनाज इस्पात के कारखानेदारों के मुंह में पानी भर घाया है.

पेसी सूरत में लड़ाई दोनों फरीकों तक ही सीमित नहीं रह सकती. लड़ाई में दिस्ता लेने बालों के अजा मध्य इन सहाहर्यों के कारन आम जनता भी मुसीवत में फंस ी है. असी तक यह होता रहा है कि दो अरोड़ अ।पस में बड़ते

شانتي أندوان

(ڈائٹر جے ، سی ، کہارہہا)

مهري پاس بہت ہے خط آنے رهائے هيں جن مدن روجها جاتا هے له هادئي أندولن كا أدايهن ديا هے أور إس أمدولي فوجلتا مهن يبيلان أي إس سمة كها أرهبكا ه جيكه مندستان سهي لوگي بيدن هو رهي هـ، ١٠٠٠وي نظر سے دیکھلے ہر یہ آندولن باگل کی ہو کے سمان معلوم پوتا ہے ، إس أندوان كى أوثيهكذا كو سعجملے نے لگر فدوری هے که دسیا کے مالی ده نجے کی یقیاد او هم سمجه لهن كهرنك، دلها كي مالي ويوسكها إس دات كي إبردست أماروت يهدا كرتي هـ كه شانتي أندولن أي استهابنا کی جائے ،

عورے ومانوں میں یادشاہوں اور دوسرے تھا اوں کے هعیں بے تعراق کے کریں توانیاں مولی تھھیں اور یہ لوگ اہلی اور شاید قوم کی سہائٹا سے ایک دوسانے سے لوائی ی تے تھے ، ایلی طاقعت دو انوعانا اطاقین یو قطعہ کا ^{دے} لبطاسار اور بدلا على زياددتر إن لرائمين لے كارن محقد تصر یه لوانهان لویے والس اور ان نے ساتھیں تک سینت رعتی لهیں ، اِس بات کی اوشیکٹا بہیں ہوتی آنہی که دونوں طرب ہے جدم دو جوس دے در ایک دوسرے کے حال أبهاوا جالي .

کیددرب أد ولوں کے پھیلاؤ کے کارن علسا کی مائرا ہوھ لکتے ہے۔ کهوداعه يورنجي واديوں کا هت دھے مال يو فلقرى ونهليه مستم - و اور حاصل فرق أور أبه سال في ليم بازار بهدا درنے میں ہے اور اِس همت دی سردعا بقا عدسا کے بہوں ہوسکتی ۔ اِس مقصد کو پورا کرنے کے لگے لکیونها آدسیوں دو راج دجی قلاسی یا مالی قلاسی کے پہلدے میں جکو کو ردیقا ہوتا ہے ،

پہلی ہوی الوائی کے شروع ہوئے کا بہت ہوا کارن دیہا کے بازار کا بگرارہ می تھا . برطانیہ ، جرملی اور جاپان کے همك أيس مهن ٿها وي تھے ، دوسري لوائي کے آرسيه کا مکھ کارن یہ لھا که دنیا نے پائرول کے فلویں ہر دون شکھی ایدا قبقه والم ، فوریا مهن جلف والی آجدان کی تواکی كا كارن به هے تا أثرى كوريا كى تفكستين ديان دو ديكم كر میکلیر اسواط کے کارہ کے داروں کے دام میں یام بھر

أيسر صرافه مهن أؤالي فارتين فريدن لك عي سهمت المهابي ولا مكتم ، الواثني - وال حصه الهام والول في الهالة الي ال لوگیوں کے گاری عام جلتا بھی مصیعت میں پیلستی هـ . ايهي تك يه هوتا رها هـ كه دو فريق أيس مين لوتي में सफलता न मिले, वह वहीं रहें चौर चफरीका न सीटें. इस तरह वह 19 साल इंगलैंड में रहे.

सन 1945 में फेन्या श्रकरीक्कन यूनियन की स्थापना हुई. सन 1946 में जेम्यो केनेटा वापस आए और इस संघ के सदर चुने गए. इस संघ के खास मक्कसद चार थे:

- (1) जितनी जमीन अंगरेजों ने दबा सी है, वह बापस अकरीक़ियों को मिल जाय.
- (2) जितनी जमीन खाली पड़ी है, उसका विकास करने के लिये अफरीक़ियों की मौक़ा दिया जाय.
 - (3) वहां के शासन में अकरीक़ियों का भी हाथ रहे.
 - (4) जात पात के फरक़ की भावना को मिटाना.

यह संघ कु र वाल् हुचा ही था कि अंगरेजों को इसके बारे में विन्ता हो गई. सन 1951 में नेरोबो में इस संघ की मालहती में एक सभा हुई थी, जिस में 70 या 80 हजार अफरोक़ी इकट्टे हुए थे इस एक ही सभा में लगभग 60 हजार पींड की राशि जमा हुई थी.

अंगरेज श्रकरीकियों के इस संगठन से बहुत घरराए. उन्होंने चार हाकुओं को पकड़ पकड़ कर उन्हें एक नया नाम दिया—'माऊ माऊ''. जो भी अफरीक़न लोगों में काम करता हुआ दिखे, या किसी से किसी तरह की दुशमनी निकालनी हो, उसे पकड़ कर क़ैंद करते, अनेक तरह के अन्याय करते और क ते कि माऊ माऊ के कारकर्ता को हमने पकड़ा है. इस तरह अत्याचार कर के अगरेज़ अफरीकियों के संगठन को दबा देना चाहते हैं.

हमारी मांग का एक गहरा असर यह हुआ कि ब्रिटिश सरकार ने एक कमीशन बनाना तय किया है, जो अफ़री-क्रियों की जमीन की मांग के बारे में जांच परताल कर के अपना फैसना देगा. लेकिन वहां के अंगरेज निवासी इसका बहुत विरोध कर रहे हैं. चर्चिल की सरकार के आने पर अफ़रीक़ियों पर अत्याचार बढ़ गए हैं, और उन पर हिंसक क्रांतिकारी होने का आरांप लगा कर निर्देशों को भी कुचला जा रहा है.

मेरा भारत आने का मकुसद

लगमग तीन चार साल पर ले पूरवी अफरीका के भारती राजदूत श्री, आप्पाः, साहब पंत से मेरी भेंट हुई थी. बन्होंने मुक्ते सलाह दी थी कि हिन्दुस्तान के बारे में जानने के लिये आपकी हिन्दुस्तान खुद जाना चाहिये. मैं खास कर इस मक़सद को ले कर जाया था कि किस तरह महात्मा गांधी ने अदिसा से स्वरांज लिया और उनकी शिचा प्रमालो क्या थी.

میں میپلٹا تم ملے' وہ رهیں وهیں اور افریقہ تم لوٹیں ۔ اس طرح وہ 19 سال انقلیدی میں رہے ۔

سب 1945 میں کیڈیا افریقن یوٹین کی استہاپتا ہوئی، سن 1946 میں جیمیو کےسٹا اوایس آئے اور اس سنگھ کے صور چلے گئے، اِس سنگھ کے خاص سقصد چار تھے:

- (1) جتمی زمین انگریزوں نے دیا لی ہے وہ واپس افریقیوں کو مل جائیہ،
- (2) جتنی زمین کالی ہوی ہے' اُس کا وکس کرنے کے لگے الریقیوں کو موقع دیا جائے ۔
- (3) وهان کے شاسی مهن آفریقهان کا یهی هاته رهے ،
 - (4) جات ہات نے فرق کی بھاؤںا فو سمانا ،

یہ سلکھ کچھ چالو ہوا ہی تھا کہ انگریزوں کو اِس کے بارہے میں چھتا ہوئئی ، سن 1951 میں بھروہی میں اِس سلک کی مانصتی میں ایک سبھا ہوئی تھی ہوں جس میں 70 یا 80 ہزار افریقی افری ہوئے تھے ، اس ایک عی سبھا میں لگ بھگ 60 ہزار ہونگ کی راشی جسع ہوئی تھی ،

انگریؤ افریقهرس کے اِس سفکھٹی سے بہمت گھھرائے ،

اُنھوں نے چور ڈاکروں کو پکو پکو کو اُنھیں ایک نیا نام

دیا۔۔۔'' ماو ماو '' جو بھی افریش لوڈوں میں کم کرنا

ہوا دکھ' یا کسی طرح کی دشمقی نکا قی ہو' اُسے پکو

کو قید کرتے' اُنھک طرح کے انھائے کرتے اور ٹھٹے کہ ماو

ماو کے کارکوتا کو ہم تے پکوا ہے ، اِس طرح اُنھاچار کر کے

انگریز افریقیوں کے سفکٹھی کو دھا دیفا جاعتے میں ،

ھداری مانگ کا ایک گہرا اگر یہ ہوا کہ برائی سرکار نے ایک کیدھیں گی زمین کے ایک کیدائے پرتال کر کے ایفا فیصلہ کی مانگ کے بارے میں جانبے پرتال کر کے ایفا فیصلہ دے گا ، لیکن وعال کے انگریؤ دراسی اِس کا بہمت ورودہ کر رہے ھیں ، چرچل کی سرکار گے آنے پر افریقیوں پر انباجار ہو گئے میں اور ان پر هلسک کرانگیکاری ہونے کا آررب لیا کر نردوشوں کو بھی کچھ جا رہا ہے ،

مها بهاری آنی ۲ ستصد

لگ بھگ تھن جار سال پہلے پوربی افریقہ کے بھارتی راج دوت شری آیا صاحب پلت سے مہری بھھلت ہوئی ۔ تھی ، اُنھوں نے میچھ صلاح دی تھی که هددستان کے بارے مهی جانئے کے لئے آپ کو طدستان کود جانا جامئے ، مہی خاصکر اِس مقصد کو لے کر آیا تھا کہ کس طبح مہاتیا کاندمی نے اُهنسا سے سوراج لیا اور اُن کی شکھا پرتانی کھا تھی ۔

यक तरह का (राजगिरा के समान) अमाज का पतला पेय (बाम्बील के समान) बना कर पिया जाता है.

खेती के काम में मदद करने के लिये कई बार दूसरे लीग बिना बुलाय भी बा जाते हैं.

भाशा

अफ़रीक़ा में सैकड़ों जातियां हैं. उनकी हर एक की भाशा अलग अलग है, वहां लगभग 130 भाजा हैं हैं जियादातर लोग स्वाहिली' भाशा बोलते हैं - स्नास तौर से पढ़े लिखे या एक जगह से दसरी जगह जाने बाले लोग प्राथमिक शालाओं में 'स्वाहिली' भाशा ही पहते हैं. उपर के दरजों में अंगरेजी भाशा पढ़ाई जाय इस पर अंगरेज लोग काफी फार देते हैं. लेकिन अफरीक़ा के लोग इसका विरोध करते हैं. स्वाहिली भाशा अरबी और अफरोक्री भाशा से मिल कर बनी है यह रोमन लिपि में लिखी **जाती** है

ेराजकाजी समस्यायँ

अकरीक़ा सैकड़ों सालों से अंगरेजों का एक उपनिवेश (नी आबादी) रहा है. वहां पहले सब जमीन वहां के लोगों की हो थी. लेकिन अंगरेजों ने वहां आ कर सब जमीन पर कृषजा कर लिया और अफरीकियों की बरी तरह से वहां से भगा दिया. ठंडे स्थानों पर अंगरेओं ने पहले क्रबजा जमाया.

हिन्दस्तान की ही तरह पहले पहल वहां एक क्योपारी कम्पनी आई जिसका नाम "ईस्ट अकरीका इमपीरियल कम्पनी'' था. उस कम्पनी का प्रमुख वही आदमी था. जो इस्ट इंडिया कम्पनी का था, उसी ने हिन्दुस्तानियों को कुलीगीरी करने करने के लिये वहां बुलवाया था. बाद में इन हिन्दस्तानियों ने अपनी उन्नति कर ली और इन्न ब्यापार करने लगे. कुछ सरकारी नौकरी. जब जिटिश पारित्वामेन्ट ने देखा कि यह कम्पनी पूरी तरह से राज को संभाजने में असमर्थ है, तो उसने अफरीक़ा को अपना डपनिवेश ऐनान कर दिया और सारे राज के काम अपने हाथ में ते लिये. उसने जितनी अमीन वहां के अगरेजों ने से ली थी, सब को 999 सालों के लिये उन्हीं के क़बजे में कर दिया.

जैसे जैसे वहां के अफ़रीक़ियों पर अत्याचार बढ़ने करी, और वह जागृत होने लगे, उन्होंने सरकार के पास इस बात की शिकायत करनी ग्रुक् की. किकिय लोगों ने अपने नेता जेम्यो केनेटा को इंगलैंड भेजा कि बह वहां जा कर ब्रिटिश भरकार और जनता से अपील करें कि अंगरेजों ने अकरीक़ियों की जो जमीन दबा ली है, वह उन्हें बापस मिले. इस अपील का भी कोई नतीजा नहीं निकला तव केम्यो केमेंटा से कहा गया कि जब तक उसे अपने मकसद

ایک طرح کا (راج کرا کے سمان) اناج کا عدر آمدہل غ سمای) بلاکر بیا جاتا ہے .

کھیعی کے کام میں مدد کرنے کے لگے کئی بار دوسرے اوگ بنا بائے بھی آ جاتے ھیں۔

بهالها

افريقه مهو سهمون جانهان ههن ، أن كي هر ايك كى ببالغا الك الك في وهان لك بهك 130 بهاشائين هم ، زیاده تر لوک اسراهای بهاشا بولید هده سخاص طور سے رومے لکھ یا ایک جگه سے دوستی حکه جانے والے لوك يواتهمك شالاي مين " سواعلي " يواشا هي الإعلى همی ، اوہر کے درجوں میں انگریزی بھاشا پوھائی جائے إس بر آنگ بو لوگ كافي زور ديته ههن ، لهكن أفريقه ك لوگ إس ا رووده كرتم ههن . سواملي بهاشا مربي اور افريكي بهاها ہے مل کو ہلی ہے . یہ ربصہ لھی میں لکھی جاتي ھے .

راير كاجن سمسهائهن

افریقه سیکون سانون سے انگریزوں کا ایک آپتریش (نوآبادی) وها ھے ، وہاں پہلے سب زمھن وهاں کے لوکوں کی می ٹھی ، لھکئی انگریوں نے وہاں جا کر سب زمهن یا قبقه کو لها أور افریقهوں کو بری طرح وهاں سے بها دیا . تهدی استهانی بر انگریزی نے پہلے قبضه

هقدستان کی هی طرح پهلم پهل وهان ایک بمرهاری كمهلى ألى جس لا تام ⁽⁽أيست الريقة امهوريل كمهلى) تها ، أس كنهلي لا يرمكو وهي أدمي تها؛ جو أيست إنقابا كمهلى كا تها ، أسى نے هادستانهوں كو كلى گهرى کونے کے لگے وہاں بلوایا تھا ، بعد مھی اِن علدستانھوں لے اپلے اُنگی کر لی اور کنچہ بھویار کرنے اگے کنچہ سرکاری نوکری ، جب برتش پارلواسلت نے دیکھا که یہ کمپلی پوری طرح راچ کو سلمهاللے میں اسرته هے؛ تو اُس لے افریقہ کو آیلا آپ نویش املان کر دیا اور سارے راہ کے کام ابھ هاڻه سون لے لکے ، اس نے جاتھی زمین وهان کے انگریوں نے لے لی تھی' سب کو 999 سالوں کے لگے اُنھیں لے قیصے میں کر دیا ۔

جهسے جهسے وهاں کے افریقیوں ہو اتھاجار بوعقے لك اور وہ جاكرت هونے لكے انهوں نے سركار كے ياس اس یامت کی شکایمت کوئی شہرع کی ، ککھو لوگیں نے اپنے ٹیکا جهمهر کراهگا کو انگاهالی بههجا که وه وهال جاکر پراتص سرعو اور جلتا سے ایدل کریس که انگریزوں نے افریقیوں كي جو زمهن ديا لي هـ، ولا أيهمن رايس ملي. اِس ابدل کا بھی کوئی نتیجه نہیں نکا۔ تب متصد جمہور کے نوعا سے کہا گیا که جب تک اپر متصد

सब ज़मीन ईक्वर की है

गांव की सब जमीन पहले पक क़बीले की होती थी.
जिस वह एक बड़े परिवार की हुई, और अब अलग अलग विरादों की है. वहां यह नियम है कि जो जमीन खाली हो, या अगर खेती का मालिक उस पर खेती न करता हो, तो कोई भी आदमी जो खेती करना बाहे. उससे जाकर मांग सकता है, कि यह जमीन मुमें खेती करने के लिये बाहिबे. और वह जमीन उसे देनी पड़ती है. वंडां लांग इस बात में यक्तीन रखते हैं. कि मब जमीन ईश्वर की है. उसके लिये उनहें कोई लगान नहीं देना पड़ता.

बहां ऐसा कोई बादमी नहीं है जिसके पास जमीन न हो. और यही कारन है कि वहां खेतिहर सजदूर नहीं होते. हां, बामी कुछ सालों से भूमि की समस्या कहीं कहीं देखी जाती है, क्योंकि बंगरेजों ने क़रीब क़रीब सारी जमीन पर अपना क़बजा कर लिया है.

पत्नी का स्थान

अफरीका में एक से जियादा पनी रखने की प्रया चालू है. किसान की जितनी पनियां होती हैं, उसी हिसाब से बह अपनी जमीन बांट देता है. पहली पनी घर की संचालिका सममी जाती है. सभी पनियां अलग अलग मकानों में रहती हैं और खाना भी अलग अलग खाती हैं. सभी पनियां अपने पकाप हुए खाने में से थोड़ा थोड़ा अपने पति और बच्चों के लिये एक केन्द्री स्थान (आम तौर से पति के घर) में ले आती हैं. सब लड़के एक साथ और सब लड़कियां भी एक साथ पहली और दूसरी पनियों के घरों के पास रहते हैं. मर्द को किसी चीज़ की ज़रूरत होती है तो बह अपनी बड़ी (पहली) पनी से ही मांगता है.

काम का बंटवारा

जंगल साफ करना पुरुश का काम है. उसके बाद खोदने का काम, निदाई, फसल काटना वरौरा काम पुरुश और बी दोनों करते हैं. बानाज के ढोले बनाना खास तौर से पुरुश का काम है, उसमें अनाज भी वहीं भरते हैं. लेकिन बनाज भरने के बाद उसकी मालिक की बन जाती है. इस तरह हर एक पनी के अपने बनाज के ढोले होते हैं. कुछ खेती पुरुश की भी होती हैं. और उसमें से निकला हुआ बनाज बह बालग रखता है. यह बालग रखा हुआ बनाज सास सास मीक्नों पर काम में बाता है.

रोज़ाना का काम

वहां मुक्त भोजन शाम का भोजन सममा जाता है, शाम की सेव से व्याकर खियां भोजन बनाती हैं. सुबद सेत में जाते समय शाम के भोजन में से बचा हुआ हिस्सा दी काते हैं. इसी तरह शेवहर को बी, श्लाम को क़दीब 4 बजे

سب وسهن ليشور كي هـ

گؤں کی سب زمین بہتے ایک قبیتے کی ہرتی تھی ،
یہ وہ ایک بوسے بری وار کی ہوئی ارز آب الگ الگ
یہبواری کی ہے۔ وماں یہ نیم ہے کہ جو زمین خالی ہو' یا
اگر کھیتی کا مالک اس پر کھیتی تہ کرتا ہو' تُو توئی بھی
آدمی جو کھیتی کرنا جاہے' اُس سے جاکر مانگ سکتا ہے'
کہ یہ زمین محجمے کھیتی کرتے کے لئے جاہئے۔ اُور رہ زمین
اُسے دیلی پوتی ہے۔ وہاں لوگ اِس بات میں بقین رکھتے
ہیں کہ سب زمین اِیشور کی ہے، اُس کے لئے اُنہوں کوئی
طیل بیس دیدا پرتا ۔

وعاں ایسا فوئی آدس نہیں ہے جسکے ہاس وسیوں نہیں نہ ھو ، لور یہی فارن ہے قة وهاں فیملان هر مؤدور نہیں هوتے عال اہمی فلچه سالوں سے بہوسی کی سمسها کہیں کہیں دیکھی جاتی ہے ' دیونکم انگریؤوں نے فریب قریب ساری وسین ہر قبلہ ہے ،

يتنى كا إستبان

أفويقة مهن أيك سے زيادة يتلى ركھتے كي يرتها جائو هے ، كسان كى جتلى يتلىان هرتى ههن أسى حساب سے وہ أيلى رمهن بابت ديتا هے ، بهلى يتلى گهر كى سلنچالكا سدتجهن جاتي هے ، سبهى يتلهان ألگ الگ مكانون مهن رهتى ههن أور دهانا بهن الگ الگ كهائي هين ، سهبى يتلهان أيلى الگ الك كهائي هين ، سهبى يتلهان أيلى يكائم هوئم كهائے مهن سے تهورا تهورا أيلى يتى أور بحبن أور بحبن نے لگے ايك كهدري إستهان (عام طور سے يتى لكوليان بهن لے آئى ههن، سب لوغ ايك ساته اور سب لوكيان بهن ليك هيرن كے گهرون كے كهرون كے ليك ساته اور سب كے گهرن كے ياكس رهتے هيں ، سرد كو دسى جهيز كى ضرورت هوتى هي ياكس رهتے هيں ، سرد كو دسى جهيز كى ضرورت هوتى هي ياكس رهتے هيں ، سرد كو دسى جهيز كى ضرورت هوتى هي وہ ايلى بوى (يهلى) يتلقى سے هي مانكتا هي ،

کام کا بھوار

جمعل ساف کرنا پرس کا کام ہے۔ اُس کے ہمد کھودنے
کا کام کدائی فصل کا تقا وفہرہ کام ہرس اور اِستوی دونوں
کرتے مهں آباج کے ڈھولے بقابا خاصطور سے پرس کا کام ہے اُس میں آباج بھی وہی بھرتے ہیں ، لھکن آباج بھولے کے
بعد اسکی مالک اِستوی بین جاتی ہے، اُس طرح ایک پتفی
کے ایم آباج کے ڈھولے ہوتے ہیں، دچھ دھتمی پرس کی بھی
ہوتی ہے آور اُس میں سے بعد ہو اُناج وہ الک وکھتا ہے ،
یہ الگ وکھا ہوا آباج خاص خاص موقعوں ہو کام میں
آبا ہے ۔

روزانه کا کام

وهاں مکھھے ہموجی شام کا بھوجی سبھھا جاتا ہے۔ شام کو کیھمت سے آکر اِستریاں بھوجی بقائی ھھں۔ صبعے کھیمت میںجاتےسےشام کے بھوجی صهر سے بحیا ھوا حصہ ھی کھاتے ھیں۔ اِس طرح بوبیو کو بھی۔ شام جو قریب جار بھے "तो फिर बच्चे कम पैश करो."

एक गांव वाले ने बहुत नम्रता से प्रार्थना की—'हमारे 10 और 12 साल के लड़कों को भी काम करने की इजाजत ही जाय."

"नहीं, सरकार चाहती है कि बच्चे ताक़तवर और तमदे बचें, तुम लोग उन्हें इतनी जल्दी काम पर लगा कर समके बदने को रोक दोगे."

'लेकिन इस भीर इमारे बच्चे भूकों गर रहे हैं, सरकार.''

"क्न्ब्रें पदाची लिखाची."

इस पर गांव बाला क्या कहना चाहता था या कह रहा था वह बात शोरपुल में सुनाई नहीं पर्नी.

(पनक्ष)

ور تو پهر بحي كم يددا كرو ."

ایک کاوں والے نے بہمت نمرتا سے پرارتھڈا کی۔۔۔''همارے 10 ابر 12 سال کے لوکرں کو بھی کام کرنے کی اجارت دی۔ جائے ،''

'' نہیں' سرکار جاھتی ہے کہ بھے طاقتار اور تکڑے بقیں' نم لوگ اُنہیں اِنٹی جلدی کام پر لکا کر اُن کے بوھئے کو روک دوئے ۔''

الا الريكن هم آور هماري يحيد ١٩٠٠ون مر وقد هدن؟ سراد ."

« إنهين پرهاو لكهاو ، "

ارس پر گان والا کیا کہنا جاملانا تھا یا کیا کہ وہا۔ تھا وہ باس شور فل میں سٹائی نہیں ہڑی ،

(إننس)

प्रबी अफ़रीका का समाज

(राम किशोर, सेबामाम, बरधा)

[पूरबी अफरीका के केनिया प्रदेश के नेता श्री कोर्तिगा भोडिगा के साथ हिन्दुस्ताना तालीमां सच के कार कर्ताओं का चर्चा का निचीड़]

स्थास घंदा

पूरको अफरीका के रहने वालों का खास घंदा खेती बारी है. कुछ लोग जानवर (गाय, भेड़ वरीरा) भी पालते हैं. वहां के हिन्दुस्तानी खास तौर से गोजगार या सरकारी दक्तरों में काम करते हैं. भफरीकियों में एक बात खास यह है कि खेती बारी के जियादातर काम वह सब मिल जुल कर करते हैं जिस किसान को खेती काटनी हो, (या मकान बनाना हो) वह घर घर जा कर निमंत्रन देता है कि आज हसके यहां फलां काम करना है. सब गांव वाले उसके काम में सहयोग देते हैं और उसी के यहां भोजन भी करते हैं.

हैकिन अब बुद्ध दिनों से अंगरेकी असर के कारन की गों में स्वार्थ की मात्रा जियावा बढ़ती जा रही है जो लोग शहरों में रहते हैं और खेती करने के लिये देहातों में जाते हैं, उन्हें देहातो लोग अच्छी नजर से नहीं देखते. वह सोचते हैं कि यह महाशय थांदे दिनों के लिये अपने स्वार्थ के लिये बहां आप हैं. इस तरह ऐसे शदियों को पूरी तरह इसरे की भों की सहायदा नहीं मिल पाता है.

پوربی افریقه کا سماج

(رام کشور^ه سهراگرام[،] وردها) الدیده کیداد درده کیداشد

ز ہو ہی افریقہ کے کہتیا۔ ہردیش کے نیکا شری اوالگا اوقاع نے سابہ ہندستانی تعلیمی سلکھ کے کرکرتاؤں کی جرجا کا نجور]

خاص دهددا

پورسی ابریقہ کے رہانہ والوں کا خاص دہاداً کھھتی ہاری ہے، نصبہ لوگ جابور (گائے بھوڑ رفیدی) بھی پالتے مھیں، ومان کے ہلدستانی خاص طور سے ووزگار یا سرکاری یہ کہ دوہتی باری کے زیادہ تو کام وہ سب مل جل کر کیے ہیں، جسے کسان کو دوہتی کاٹلی ہو (یا مکان کرتے ہیں، جسے کسان کو دوہتی کاٹلی ہو (یا مکان پیان ہو) وہ گھر کور جاکر نملترن دیتا ہے کہ آج اسکے بیان فلان کام کون ہے۔ سب کارن والے اس کے کام مھی میھوگ دیتے میں اور اسی کے بیان بھوجی بھی درتے مھیں،

لیکن آپ نجھ دنوں سے انگریؤی آثر کے کاری لوگوں میں سوارتھ کی ماترا زیادہ بڑھتی جا رھی ہے ، جو لوگ شہردں میں رفتے ھیں آرر کیھتی کرلے نے لیئے دیہانوں میں جائے ھیں' آپیموں یہ تھی لوگ اچھر نظر سے نہیں دیکھتے، وہ سوچتہ ھیں کہ یہ مہشہ تھیڑے دنوں کے لیئے اپنے سوارتھ کے لیئے یہاں آئے ھیں ، آس طاح ایسے شہریوں کو پوری طرح دوسرے لوگوں کی سہائٹا نہیں مل ہاتی ہے ،

यह कहाबत मंशहूर है कि राजस्थान का रहने बाला शीवन में तीन बार स्नाम का ता है—जन्म, शाद और मौत. हुएं चार चार सौ फीट नीचे होते हैं चौर फिर भी यह काई गारन्टी नहीं कि पानी मीठा ही निकलेगा. एक कुएं के बनने में बीस हज़ार रुपया खरण होता है जिसमें से एक तिहाई रुपया तो यह जानने पर ही खरच हो जाता है कि पानी मीठा निकलेगा या नहीं.

बारिश्व का पानी

कवने वालाकों में बारिश का पानी जमा कर लिया जाता है जिसे बादमी और जानकर सभी इस्तेमाल करते हैं. इसने पक गांव का तालाब देखा तो उसमें सुश्किल से से 10 इन के सरब के लायक पानी जसा था. पानी बहुत ही गन्दा था. इसका रंग इसकी बाय या काफी के रंगीन बानी के समान था.

"तुम लाग पानी दूसरे गांवों से क्यों नहीं लाते ?"
"हमारे पास ऊंटों को खिलाने के लिये चारा नहीं है "
कुछ गांवों में एक एक कपये में गायें वेच दी गई हैं.
वह एक कपया लंगा ही पड़ता है क्योंकि ब्राझन लोग गाय
की मुक्त में दान के रूप में नहीं लेते. बहुत से मवेशी मर
कुछे हैं और बाकी मौत के मुंह में हैं. असल में पशुरणा
समित के सामने बड़ा भारी काम है.

बोटे बांटे कर्ज़ों के लिये लोगों को घन वालों के पास अपने बच्चे तक गिरवी रखने पड़े हैं. वह बच्चे उन लोगों के पास उनकी माली हासत सुधरने तक गुलाम रहेंगे.

बीकानेर में काकाल कोई नई बात नहीं है दस साल में सगभग 7 कसकी खराब हो जाती हैं लेकिन वहां के रहने बाकों की मुसोबलों के कान्त के लिये सरकार जो काम कर रही है यह इतने मुस्त हैं कि उससे दम घुटता है. हरी का पाटन नहर जब बाल हो जायगी तो बीकानेर प्राप्त का बहुत सा हिस्सा सेती के क्राबित बन जायगा पर कोई यह नहीं जानता कि यह कब तैयार होगी.

जब इस लोग तारी गांव गये तब मेचरा के तहसीलवार इसारे साथ थे. वहां के लोग अपनी कठिनाइयों की दास्तान सुनाने के लिये इसारे पास जमा हो गये. एक ने कहा— "मदद के लीर पर कास के बदलें में इमें जो पैसा मिलता दे वह हसारे और इसारे कड़ों के लिये पूरा नहीं होता." इसी पर उनकी और तहसीलवार साइव की बहस शुरू हो गई.

त्रह्मीत्रदार ने कहा---"तुम सोग अधिक क्यों नहीं कमाते ?"

उन्होंने जवाब दिवा—"इससे जिवादा हमें मिल ही नहीं सकता क्योंकि सरकार ने दिन भर की मजदूरी की विवादा से जियादा मजदूरी बारह जाना रोज तब की है. یه کپارک مفہور ہے کہ راجستہاں کا رهتے والا جھیں میں تیں یار اُسقان کرتا ہے۔۔۔جقم شادی اور صحن کبئیں چار جار سو غمل نیجے دوتے ہیں اور یہر یہی یہ کوئی گرفتی نہیں کہ پانی مہتبا ھی نکلیکا ، ایک کوئیں نے یقلے میں بیس طوار رویدہ شرچ دوتا ہے جس میں سے ایک تہائی رویدہ تو یہ جانفہ پر ھی شرچ ہو جاتا ہے کہ پاتی میٹھا نکلیکا یا نہیں ،

ياس كا ياني

کتھے تالیوں میں یارض کا پانی جمع در لیا جاتا ہے جسے آدمی آور بہانور سمیسی اِستعمال درنے ہیں ۔ ہم نے ایک گاؤں کا قالب دیکھا تو کا آس -یں صفحل سے دس میں کے خوج کے لالق پانی جما تھا ۔ یانی بہمی عی قادا تھا ۔ اس کا رنگ ہائی ہائی کے دیکھن پانی کے سمان تھا ۔

آرد کے لوگ پائی دوسرے الوں سے کیوں نہیں لائے؟'' د همارے پاس ارتقین کو فیلانے نے لگر جارہ نہیں ہے۔''

کچھ کاووں میں ایک ایک روپے میں کائیں ہونے دی گئی میں ایک ایک روپے میں کائیں ہونے دی گئی میں ، یہ ایک روپہ لیفا هی پوتا ہے کیوں نه پراهدن لوگ کائے کو مقت میں دان کے روپ میں نہیں لیتے ، یہمت سے موبیشی مر چکے هیں اور یائی موت کے مقب میں میں میں ہیں ، اصل میں پھو وکھا سیکی کے ساملے ہوا بہاری کام ہے ،

بھھوٹے بھھوٹے قرضیں کے لگر لوگیں کو دھن والیں کے پاس آبے بچے اک کیوں رکھ ہونے ھیں ، وہ بچے اُن لوگیں کے پاس اُن کی مالی حالت سدھرنے تک فالم رھیڈکے ،

پهکانهر میں آگال کوئی نگی بات ہے ، دس سال میں لگے۔ بہگ سات فصلیں خراب ہو جاتی ہیں لیکن وہاں کے رہنے والیں کی مصیبترں کے انت کے لئے سرکار جو کام کو رہی ہے وہ آتھے سست میں که اُس سے دم گیتنا ہے ، ہوس کا ہاتی نہر جب جاتو ہو جائے گی تو بھکانیر ہرانت کا ہیں جاتے گا ہیں جاتے گا ہر کئے یہ نہیں جاتے گا ہر

جب هم لوگ تاری گان گئے تب میکھرا کے تصصیفداد همارے ساتہ تھے وهاں کے لوگ اپنی کلیفائیوں کی داستان سفانے کے لئے همارے پاس جمع هوگئے ، ایک نے کہا۔۔۔''د مدد کے طور پر کام کے بدلے میں همیں جو پیست ملعا هے وہ همارے اور همارے بجوں کے لئے پورا نہیں هوتا اس پر اُن کی آور تعصیفدار صاحب کی بعضت هروم هو گئے ،

تعصهادار نے کہا۔۔" کم لوگ زیادہ کیوں نہیں کیاتے ۴۶

آنہوں نے جواب دیا۔۔۔'' اِس سے زیادہ عمیں مل نعی نہیں سکتا ، کیوں کہ سرکار نے عن بہر کی مزفرری کیزیافہ سے زیادہ بنارہ آنے روز علی کی سے ،''

जवाय मिला—''वह मूफ से नहीं विक्त जियादा साने से मरी थी.'' शापकी राय में भूक से होने वाली मौत कैसी होती हैं ? 'जवाय मिला—''जब कि शादमी को 15 दिन तक विक्कुल साना न मिले और वह मर जाय ''

"क्या गांव वाले पेकों की झाल, बास और बीज नहीं

सा रहे हैं ?"

"नहीं, वह लोग अपने घरों में उन चीजों की बनी कासी रोटी सिर्फ पत्रकारों और बाहरी आइमियों को विखाने के लिये रखते हैं."

"पर ऐसा वह क्यों करते हैं ?"

"वह ऐसा इसिजिये करते हैं कि सरकार पर व्याव पड़े भौर वह मामसर बीकानेर सड़क का निर्मान शुरू कर दे भौर उन्हें काम मिल जाय."

सदद देने के लिये जो काम शुरू किये गए हैं उनकी हालत बहुत बुरी है. मदं, औरतें और बच्चे पूरे आठ घंटे खुली घूप और जलती रेत पर नंगे पैर काम करते हैं और अपना काम खतम कर के वह मीलों दूर अपने खाने के लिये अनाम खरीदते हैं. वह कोलपात में जागीरतलाब नाम की दुकान से जो कि वहां से हैं मील है अनाज लेते हैं. सरकार ने उनके काम करने की जगह के आस पास अनाम मिलने की कोई ज्यवस्था नहीं की. उन्होंने हम से यह भी शिकायत की कि दुकानदार अनाज में मिट्टी मिलाते हैं और कम तोलते हैं.

• बच्चे धूप में भुत्तस जाते हैं

सरकार ने काम करने वालों के सोने के क्षिये कोई इन्तजाम नहीं किया है. जहां वह काम करते हैं वहां छाया का भी कोई इनतजाम नहीं है जब कि मां बाप काम करते हैं तो उनके दो दो तीन तीन साल के छोटे छोटे बच्चे धूप में इनके चारों तरफ खास पास गरम रेत में बैठे रहते हैं. डाक्टरी मदद तो वहां है ही नहीं. हाकिमों ने मुके बताया कि खकाल कानून के मुताबिक यह खासानियां वहां दी जाती हैं जहां कम से कम 300 खादमी एक जगह काम करते हों.

किसी भी मदद वाले केन्द्र में कम से कम 13 साल का लड़का काम पर लिया जा सकता है. इस क़ानून से रारीबॉ को और भी मुशकित होती है क्योंकि उनकी कमाई

से सारे परिवार का पेट नहीं भरता.

आदमी बिना खाए तो रह सकता है पर बिना पानी नहीं. बीकानेर ही क्या सारे राजस्थान में मीठा पानी अनाज से भी जियादा दिक्कत से मिलता है. पीने का मीठा पानी बहां पतीलों में जिन में 60 गैलन पानी आता है बड़ी दूर से इंटों की पीठ पर लाया जाता है और बै आने से एक इपया पनीले तक बिकता है. بہوائی مقدمہ وہ ہموک سے نہیں بلکہ زیادہ کہاتے سے میں نہیں لکہ زیادہ کہاتے سے میں نہیں ہمی ہمائے رائی موت میں ہمی ہمائے اللہ موت کی موتی ہے ہوئی ہمائے اللہ موتی ہمائے اللہ ہمائے اللہ میں کہائے کہانا نہ میلے اور وہ مو جائے ۔''

وروبا کاوں والے پیورں کی جہال کہاس اور بیمج نہیں کہا رہے میں آئے۔ کہا رہے میں آئے۔

وہ نہیں ، وہ لوگ ایے گھروں میں آن جھڑوں کی ہلی کالی روٹی صوف ہلوگاروں اور ہاھری آدمیوں کو حکھائے کے لکے وہلے ھیں ۔''

و ایسا اِس لکے درتے هیں که سرکار پر دیاؤ پڑے اور وہ مامسر بھکا نہر سوک کا برمان شروع کر دے اور اُنہوں کام مل جائے ،''

مدن دایلے کے لگے جو کام شروع کگے گئے میں آن کی حالت بہت ہری ہے ، مرد مورتیں اور بھے پورے آٹھ گھٹے کہلے دمونی اور بھے پورے آٹھ گھٹے کہلی دمونی اور جلتی ریت پر سلکے پھر کام کرتے میں اور آپا کام حمدم کرکے وہ میلوں دور آپے تھائے نے لگے آتا ہے حریدتے میں وہ کرل یات میں جاگھر تلاب نام کی دکان سے جو وہاں سے جہ میل ہے آتا ہیتے موں ، سرکار نے آت کے کر فرے کی جگہ نے آس یاس اناج ملئے کی کوئی وہوستھا نہیں کی ، انہوں نے ہم سے یہ بھی شکایت کی که دوکامدار اناج میں ملتے میں ماتے میں اور کم تولتے میں ،

بحے دھوپ میں حیاس حاتے میں

سوال نے کام کونے والیں کے سونے کے لگے کوئی اِنعظام نہھی کھا ہے جہاں وہ کام کرتے ھیں وھا چھایا کا بھی کوئی اِنعظام اِنعظام نہھی ھے ، جھکہ ماں باپ کام کرتے ھیں تو اُن کے دو دو تھی تھی سازی سال کے چھوٹے چھوٹے بنچے دھوپ میں اُن کے جاروں طرف اُس پاس کرم ریت میں بھٹھے وھٹے ھیں ۔ ڈاکٹری مدد تو وھاں ہے ھی نہھی ، حاکموں نے محصل بعانے کہ اکال ناموں کے صطارتی یہ آسانیاں وھاں دی جائے ھیں جہال کم سے کم تھن سو آدمی ایک جگہ کام کوتے ھیں ،

کسی بھی صدد والے کیلدر میں کم سے کم 13 سال کا لوکا کام پر لیا جا سکتا ہے ، اِس قانوں سے فرینوں کو اُور بھی مشکل ہوتی ہے کھونکہ اُن کی کمائی سے سارے پرپوار کا پہنے نہیں بہرتا ،

آوسی بنا کہائے تو رہ سکتا ہے ہو بنا پانی نہیں .
بیکٹیر ھی کیا سارے واجستبان میں میٹیا پانی آباج سے
بہی زیادہ دالت سے لئا ہے بہلے کا میٹیا پانیوهاں پائیلوں
میں جن میں 60 کیلن پانی آتا ہے بوی دور سے آہنگوں
کی پہٹر پر الیا جاتا ہے اور جہ آئے سے ایک رویھہ پاٹیلے
کی پہٹر پر الیا جاتا ہے اور جہ آئے سے ایک رویھہ پاٹیلے

सहायता के तौर पर नोकाफ़ी मज़दरी

इस परिवार के पांच आदमी जिनमें पक 13 साल का बालक भी है एक सरकारी बांध पर काम करते हैं. वहां हर आदमी को 60 घनवर्ग फुट जमीन खोदने पर रोजाना बारहू जाना मिलते हैं, औरत को पचास घनवर्ग फुट जमीन खोदने के दस जाने और बालक को चालीस घनवर्ग जमीन के जाठ जाने. वह सुचह सात बजे अपने घर से काम पर जाते हैं और सादे बाठ बजे शाम तक काम करते हैं जहां काम करते हैं वह जगह उनके घर से दो मील दूर है.

बूदे पेरूमल से जमीन नहीं खोदी जाती इसिलये वह काम पर नहीं जाता. वह शाल बनाना जानता है उसे अगर कोई 500 हपए उधार दे दे तो वह 300 हपया कमा सकना है पर सवाल यह है कि उसे 500 हपए उधार कीन दे?

होटे बढ़े सब पिसी लाल मिच के साथ बाजरे की रोटी खाते हैं. वहां न तो कोई साग भाजी होती है और न धी या दूध. जब इस सरकारी बांध का काम बन्द हो जायगा. (क्योंकि उसके लिये सिर्फ दो हजार रुप्य की मंखूरी हुई है) तो उनको यह रोटी भी मिलना मुशकिल हो जायगी.

बह पूछने पर कि ''जब यह काम बन्द हो जायगा तब तम क्या करोगे रे"

क्ट्रॉनि कहा—"हम भगवान से प्रार्थना कर रहे हैं कि बास पास कीई दूसरा काम शुरू हो जाय."

गांव में उसी दिन शाम को एक मंदिर में प्रार्थना की गई. यह प्रार्थना इसिलये थी जिससे कि भगवान प्रसन्न हो कर कथिक काम चाल, करा दें और पानी बरसाएं. यह भी प्रार्थना थी कि भूके मरते मानव को मगवान दूसरे जन्म में सुखी बनावें. पुजारी ने मुके रसगुल्ले का प्रसाद दिया और कहा कि मेरा भाग्य उनके संग रसगुल्ला खाने का है मैंने उनसे पूछा कि आपने अपने गांव के उन रारीय भूके हरिजनों की मदद के वास्ते क्या किया है । पुजारी का जवाब था—"यह लोग हैं ही बड़े बदकिसमत."

बीकानेर का अकाल पैसे का अकात है क्यों कि अगर आपके पास पैसा हो तो आप मंडी से जितना काहें अनाज सरीव सकते हैं. यहां के अफसरों को अब भी बह स्वीकार नहीं है कि बीकानेर में अकात है. वहां के कलक्टर का मत है कि अकाल पड़ने के तमाम समाचार भूद हैं और मुखाविक राजकाजी पार्टियों का प्रांपेगेंडा है.

''नोरंगदेसर में जो एक स्त्री भूक से मर गई उसके बारे में जाय का क्या मत है ?"

، سهالگا کے طور پر تاکافی مودوس

اِس پربوار کے پانچ آدمی جن میں ایک 13 سال کا بالک بھی ہے ایک سرکاری باندھ یہ کام کرتے ھیں ، وہاں ھر آدمی کو آدمی کو آدمی کو روزانه ہو آدمی کو 60 کین ورگ قبت زمین کا کورٹ قبت زمین کو بیتاس گین ورگ قبت کیودنے کے دمس آنے اور بالک کو بیالیس کین ورگ قبت زمین کے آٹھ آنے ، وہ ضبع سات بنتے آئے گیر سے کام پر جاتے ھیں اور ساڑھے آٹھ بنتے شام تک کام کرتے ھیں ، جہاں کام کرتے ھیں وہ جگتے اُن کے گیر سے دو میل دور ہے .

ہوڑھے پھرومل سے زمین نہیں کہوئی جاتی اِس لگر وہ کام پر نہیں جاتا، وہ ھال بنانا جابتا ہے، آسے اگر کوئی 500 روپیم ادھار دے دیے تو وہ 300 روپیم کما سکتا ہے ۔ پر سوال بیم ہے کہ آسے 500 روپیم ادھار کون دیے ؟

چھوٹے ہوے سب یسی لال موچ کے ساتھ ہاجرے کی روٹی کھاتے میں ، وہاں نہ تو کیکی ساک بھاجی ہولی ہے اور نہ کھی یا دودھ، جب اِس سرکاری باندہ کا کام بلد ہو جائھکا (کھونکہ اُس کے لئے صوف دو ہؤار روئے کی مقطوری ہوئی بھی ملقا مشکل مجائهگی ،

یه پوچههٔ پر که ^{او}جب یه کام بقد هو جاگیکا تب تم کها کروگه ^{۱۱۲}

اُنہوں نے کہا۔۔۔۔ واقعم بھکوان سے پرارتھکا کر وہے ھیں۔ کہ آس پاس کوئی دوسرا کام شروع ھو جائے ،''

گاؤں میں اسی دن شام کو ایک مقدر میں پرارتبقا کی گئی ، وہ پرارتبقا اِس لگر تبی جس ہے کہ بہکواں پرسن ہوکر ادھک کام چالو کرا دیں اُرر پانی برسائیں ، یہ پہلے پرارتبقا تبی کہ بہرکے مرتب مانو کو بہگواں دوسرے چقم میں سکھی بقاویں ، بہجاری نے معید رس گلہ کا پرساد دیا اور کیا کہ مہرا بہائیہ اُن کے سلگ رس گلہ کا ہے ، میں نے اُن سے پوچھا کہ آپ نے اُنے گاؤں کے شریب بہرکے شریعتوں کی مدد نے واسطے کہا کیا ہے ؟ پنجاری کا جوابی تہاسہ"یہ لوگ میں جی بدائسمت ،''

یهکا نیر کا اکال پیسے کا آکال ہے کیرنکہ آگرہ آپ کے پاس پیسہ هو تو آپ ملکس سے جاتف چاهیں آناج خورود سکتے هیں، یہاںکے افسروں کو آپ بھی یہ سویکار نہیں ہے کہ بھکا نیر میں اکال ہے ، وہاں کے کلکٹر کا محت ہے کہ اکال ہوئے کے تمام سماجار جھوٹ ہیں اور مطالف رأے کاجی یارائیوں کا پرویکیگذا ہے ،

اللہ اُن اُنہونگ دیسر میں جو ایک اِشعری ہمرک سے س اُنگی اُس کے ہارے اُنہی آپ کا کہا ست بھ⁹⁹

गांव के गांव खाली

जिन को में के अमाज का स्टाक खलम हो गया है वह जिनाबालर अपने घरों से भाग रहे हैं. नौरंगदेसर नाम के के गांव में जहां 30 नाइक (हरिजन) जात के परिवार रहते हैं उनमें से 27 परिवार अनाज और काम की तकाश में गांव होड़ कर जा चुके हैं अपने जूमने के दौराज में हमने तनाम गांवों के घरों को देखा. इनमें एक तस्क से ताले लगे थे. यह अपनी मुक कहानी खुद सुना रहे थे, कमी इन गांवों में भी इनसान और इनसान का प्रेम निवास करता था.

50 साला लदमन अपनी सी और चार भूके बच्चों को लेकर 22 मील पैवल चल कर बीकानेर पहुँचा. रास्ते में वह सब भीक मांगते खाते गए और अन्त में एक सेठ की अमशाला के बाहर उन्होंने शरन ली. इस अमशाला में हर आदमी को एक पाव बाजरा दान की शक्ल में रोजाना मिलता है.

58 साला चन्नो भी (अपने सबसे छोटे तीन बरस के लड़के के साथ) अपने तीन लड़कों को लेकर घर से निकल पड़ा है और यह लोग अब भीक के सहारे जीते हैं और रेत के विद्योंने पर खुले में रहते हैं. इस जगह दिन की गरमी और रात की ठंड से बचाव का कोई साधन नहीं है.

बीकानेर से मामसर गांव रेख से एक घंटे में आइमी पहुंच जाता है. वहां ।वजसी भी है और एक घर भी है, वहां म्युनिसिपल बार्ड भी है, गांव और रेख के स्टेशन के बीच एक मांख का रेगिस्तान है. ऊंट गाड़ियों में उस गांव के रईस लोग स्टेशन आते जाते हैं. मंदिरों के पुजारी महंत लोग वहां खूब ठाट बाट से रहते हैं.

इस गांव के रईस लोगों को अकाल का कोई झान तक महीं है, लेकिन अगर आप इरिजन बस्तियों में जायं तो उनके वरों का अंधेरा और उनके पीठ में धंसे पेट खुद ही अपनी कहानी आपको सुना देंगे आप को पता लगेगा कि इनसान इनसान में कितना फरक है.

पेक्रमंत के परिवार में वह खुन, उसकी और, उसके दो बड़े लड़के, उस दोनों की बहुए और पेक्रमंत का एक छोटा लड़का और लड़की हैं. उनके पास 100 एकड़ जमीन है जिसमें दो 2 साल से कोई कसल नहीं हुई है. उसके पास एक उंद गाड़ी भी थो जो उसने बेच दी है. जियों के पास कोई ग्रहमें अब नहीं. पेक्सिल ने कहा कि "अगर हम को तम डकने को कपड़ा और दो जून भोजन भी मिल जाय तो वस हम बादशाह हैं."

بھوں کے کلوں بھالی

جوں لیگوں کے آناج کا آسگاک خاتم ہوگیا ہے وہ زیادہ اور اس کے گاؤں میں جہاں 30 نائک (ہر جون) جات کے پربوار رہائے میں اُن ہوں کی تاقی میں گاؤں جھور کر جا چکے ہیں۔ آپ کہوملے کے دوران میں ہے گاؤں جھور کر جا چکے ہیں۔ آپ کہوملے کے دوران میں ہم لیا تھا گاؤں کے گیا۔وں کو دیکیا ۔ ان میں ایک طرب سے قالے لیک لیے۔ یہ ایقی موک تہادی خود ساتا رہے ہیں کہی اُن کھی دواس کے گیا۔ اُن میں ایک طرب سے کہی اُن گاؤں میں یہی انسان اور اسان کا پریم دواس کا کہا تھا۔

60 ساله لجيمن ايقي إستري اور چار بموكه بجون كو في كو 22 ميل يهدل جل كر بهكامير يهونجا، واسته مهن ولا سب يههك مانگله كهاته گئه اور سته مهن أيك سيله في دهرم هالا نے باهر أمهون في هان لي ، إس دعوم شاله مهن هر آدامي دو ايك چاو باجوا دان في شكل مهن وروانه ملك هي .

58 سالہ چلو بھی (اپے سب سے چھوٹہ تھن ہرس کے لوئے کے ساتھ) اپھ انھن لودوں کو لے کر گھر سے بکل ہوا ہے لوئے اور بہت کے لوڑے اور بہت کے بچھوٹے پر کہلہ میں وقائد ہمیں۔ اِس جکہ دن کی گرمی لوڑ واس فی گھری۔

پہکٹیوں سے مامسر گاؤں ویل سے لیک کھٹٹے میں آدمی پہونیے جاتا ہے، وہاں بجلی بھی اور یکے گھر بھی میں وہاں ، موسیل بورڈ بھی ہے، گاؤں اور ریاں کے اِسٹیشن کے پینے ایک میل 5 ویکسٹان ہے ، اوسٹ گاؤ،وں میں اُس گاؤں نے رئیس لوگ اِسٹیشن آتے جاتے ہیں ، معدروں کے پیجاری مہلت لوگ وہاں خوب ٹیانگ یانگ سے رہتے میں،

اس گاؤں نے ولیس لوگوں کو آکال کا کوئی گیاں نہیں ہے، لیکن اکر آپ ھ بھی بستیوں میں جائیں تو آن کے گوروںکا اندعیوا اور ان نے پیٹی میں دھنسے پہنٹ خود ھی ایلی نہائی آپ کو سف دینگہ، آپ کو پتد لگیکا که اِنسان ایسان میں کتفا فرق ہے ،

پھرومل کے پوپوار میں وہ خود' اس کی اسلامی' اس کے وہوا میں وہ خود' اس کی اسلام کا ایک، چھوٹا لوہ اور لوگ میں اس کے باس 100 ایکو زمین ہے جس میں دو سال سے ڈرکی فصل دیموں ہوئی تھے ، اس کے پاس ایک، اوس کا وی بھی تھی۔ اسلام ایک، اوس کے پاس کے پاس ایک، اوس کا ایک، دوار ہم یاس کو ٹی قمکلے کو دھوا اور دو جون بھوجی بھی مل جائے تو پس ہم بادشاہ میں او

बीकानेर में भयानक अकाल

(ज्ञानेन्द्र प्रसाद जैन)

''इस तरह कच तक दिन काटोरो १'' मैंने चन्नो से पूजा जो कि बीकानेर में भीक मांग कर दिन काट रहा है.

सवाल को सुनकर सुनहरे भविष्य की कल्पना की मलक उसके चेहरे पर खेल गई. ''मैं अपने घर वापिस तब ही जाऊंगा जब वर्षा हो जाबगी खौर ''मुक्त'' वास 'फिर से उग आएगी.''

बीकानेर की रारीबी और स्थाल का चित्र दिल में उसल पुथल पैदा करता है. 14 लाख की आबादी के इस प्रदेश में दो लाख गांव बाले खतरनाक अकाल के मुख में फंसे हैं.

इन ग़रीबों की आंखों में आप दुख की फिकरों की वह तस्वीर देखेंगे जो जीवन भर आपके दिमाग़ पर झाई रहेगी पर उनके चेहरों को देखकर आपको पता लगेगा कि हिस्मत निसे कहते हैं! वह हिस्मत जिसके सामने सारे दुख तुच्छ मालुम होते हैं.

रेगिस्तान के उस लम्बे चौड़े फैले क्षेत्र में आप मीलों तक जीप मोटर में बैठे चल जायं तो भी उस रेत का खंत नहीं जीप मोटर ही इस रेगिस्तानी प्रदेश में यातायान का एक ही साधन है. मीलों पार हो जाते हैं, पर इनसान तो क्या किसी पशु पन्नी के भी दर्शन नहीं होते और न कहीं छाया में बैठने को पेड़ या पीने को पानी ही दिखाई पड़ता है. इसिलये आप यह बिना सोचे नहीं रह सकते कि आखिर किस खिचाब से इनसान इस हिस्से में आकर कसा था.

बीकानेर में साल में कुल एक फसल होती है और बह् भी बारिश के सहारे. सिंचाई से होने वाली खेती का कहीं नाम निशान नहीं है. खगर बारिश नहीं होती तो इस प्रदेश में अकाल पड़ जाता है. खगर कहीं दो फसलें अच्छी हो गई तो एक खराब फसल मेल ली जाती है पर जब सगातार दो फसलें बिगड़ जाती हैं तभी बहां मुसीबत के पहाड़ टूट पड़ते हैं.

1951 में फसल सराब हो गई थी, 1952 में जो धोड़ी बहुत हुई उसे टिड्डियां साफ कर गई. सन 50 की कसल का जो बचा हुआ स्टाक था वह अब क़रीब क़रीब सतम हो चुका है. 2 माह से वहां के निवासी "तुम्बा" जाम का फहरीला दाना, सेजरी की झाल, मुरुत की घास क्यार या बाजरे के आटे में मिला कर सा रहे हैं जिससे कि यह बचा हुआ अनाज कुछ जियादा दिन तक बल सके.

بیکانیر میں بھیانک اکال

(کهانهددر پرساد جینی)

''اِس طرح کب تک دن کاٹو کے؟'' میں نے چلو سے پہچھا جو گئا ہوکانیر میں بھیک مانگ کر آھے دن کا رما ہے ۔ رما ہے ۔

بهتانیه، کی فریمی اور اکال کا چدر دال میں آنهل یدهل پیدا فرتا ہے ، 14 لادھ کی آبادی کے اِس پردیش میں دو لادھ کاوں والے خطرناک اکال کے مقد میں پہلسے میں ،

اُن فریموں کی اُنکھوں میں آپ دکھ کی فکروں کی وہ تصویر دیکھیں کے جو جنون بھر آپ کے دماغ پر جہائی رہے گئی۔ پر اُن کے جہروں کو دیکھ دو آپ دو یقد لگیگا فہ همت دسے لیتے میں اُ وہ همت جس کے سامنے سارے دی تجہ معلوم ہوتے میں ۔

ویکستان کے اس لمب چہڑے بھیلے جھیٹر میں آپ میلیں تد جیپ موتر میں بیٹھ چار جائیں تو بھی اُس ریت کا انت نہیں، جیپ موتر ھی اِس ریکستانی پردیھی میں یانایات کا ایک ھی سادعن ہے، میلیں پار ھو جاتے میں' پر اِنسان تو کیا نسی پشو پکھی کے بھی درشن نہیں ھوتے اور نہ نہیں جھایا میں بیٹھلے کو پوؤ یا پہلے کو پانی ھی دکیائی پوتا ہے، اس لکے آپ یہ یا سوچے نہیں رہ سکتے کہ آجر پھر نس کیملچاؤ سے اِنسان

پیکانیو میں سال یہو میں کل ایک فصل ہوتی ہے اور وہ یہی یارش کے سہارے ، سینتھائی سے ہونے والی کھیتی کا کیمیں آتام نشان نہیں ہے ، اگر یارش نہیں دو ہرتی تو اِس پردیش میں آکال پو جاتا ہے ، اگر دیمی دو قصلیں ایک خراب فصل جمعل لی جاتی ہے ، پر جب لگاتار در فصلیں یکو خاتی میں تبھی وہاں مصعبت کے بہار توق ہوتے میں ،

 रहती हैं. वह यहां के भोले भाले किसानों पर बड़े बड़े ट्रैक्टर बरोरा ऐसे श्रीखार लाइना चाहते हैं, जो मनुश्य श्रीर जानवर दोनों को बेकार करने वाले हैं. उनका यहां की परिस्थितियों से कोई मेल नहीं खाता. जिनको न वह चला सकता है, न बना सकता है श्रीर न बिगड़ने पर सुधार ही सकता है. इसके श्रलावा श्रार्थिक नजर से भी किसान की पहुंच से बाहर है.

ऐसे श्रीजार शगर हम भारती किसान के जीवन में पहुँचाते हैं या पहुँचने देते हैं तो उस पर श्रार्थिक बोमा तो जादते ही हैं श्रीर बहुत हद तक उसे दूमरों पर निर्भर बना कर उसकी श्राजादी का श्रापहरन भी करते हैं.

इस मसीबत से किसानों का बचाने की जवाबदारी रचनात्मक कारकर्तात्रों पर है. कई लोग हमारे विचारों को न समम कर हम पर इलजाम भी लगाते हैं उन मब दोस्तों को जो भारती किसान की लाखों करोड़ों (मनुश्य भीर जानवर जैसी) जीती जागती मशीनों को छोड़ यंत्रों की भवानक दादों में फंना कर चौपट करना चाहते हैं उन्हें सोचना चाहिये कि हमारी खेती आज छोटे छोटे सैकड़ों हजारों दकड़ों में बटी हुई है जब तक उनका सामहीकरन नहीं होता तब तक खेती में मशीनों का इस्तेमाल नहीं किया जा सकता इसलिये ऐसे लोगों से हमारी अर्थ है कि फिलहाल किसान को कल कांटों की बाहरी रालामी से बचा कर उसके गांवों की जानी पहचानी कारीगरी के जरिये पराने औजारों को ही जियादा कारगर बनाने में हमारा हाथ बटाना चाहिये चं कि मौजूदा हालत में भारती खेती का पुराना तरीका ही हमारे सर्वथा माफिक है उसमें खेती के काम के साथ साथ दूसरी तरह के ऐसे धन्दे भी किसान के हाथ में रहते हैं जो खाली समय में उसे बेकारी से बचाते हैं.

भारती खेती के पुराने श्रीजारों में ही कुछ हेर फेर कर के उन्हें ज़ियाह। काम में जाने श्रीर खुद बनाने की तरफ इमारी सारी कोशिश होनी चाहिये

याद रहे कि इसी किस्म की एक कोशिश अखिल भारत सर्व सेवा संघ के कृशि गो सेवा विभाग की तरफ से की जा रही है जो कारकर्ताओं की जानकारी के लिये पत्र पत्रिकाओं में प्रकाशित किया जा चुका है. साथ ही उन सब साइयों से जो इस दिशा में कोशिश कर रहे हैं, अपील है कि इसारे इस काम में हाथ बटावें.

हमें उम्मीद है कि हर रचनात्मक कारकर्ता इस काम में जियादा से ज़ियादा सहयोग दे कर अपनी ज़िम्मेदारी को निमाने की कोशिश करेगा وهعی هیں ، ولا یہاں کے بھولے بھالے کسانوں پر بڑے الڑے گریکھر وقیرلا آیسے اوزار الفنا چاہے بھیںجو ملھیت اور جانور فوٹیں کو بھکاو کرنے والے ھیں ، اُن کا یہاں کی پرستھکھوں سے کوگی میل نہیں کہاتا ، جن او نه ولا چا سکتا ہے اُس نم بھا سکتا ہے ، اِس کے ملاولا آرتھک نظار سے بھی کسان کی پہرنچ سے باھر ہے ، اِس

ایسے اوزار اگر هم بهارتی کسان کے جھوں مهں بہرنجاتے همی یا پہرسچتے دیاتے میں تو اُس پر آرتیک بہرجیا تو لادتے هی میں اور بہت حد تک اُسے دو ﴿وَلَّ يَوْمُ وَلَّ اِلْهُولُ بَعْيَ كُرْتُمَ هُمُنَ وَ اُلْمِي كَا اِلْهُولُ بَعْيَ كُرْتُمَ هُمُن وَ

ایس مصهیمت نے کسانوں کو بنچانے کی جواب داری وجداتمک کاردرتاوں ہو ہے ، کئی لوگ همار بروجاروں کو ند سمعهمكم هم ير الولم بهي لكاته هوس، أن سب دوستون كو جو بهارتی کسان کو لائهوں کروروں (ملشهه اور جانور جهسی) جهتی جاگتے دھولوں کو چورز یکٹروں کی بوروانک داردوں مهل بهلسا كو چوپت كر ناچاها ههل ، أنهدل سوجها جاهد عماري کهيدي أبي چورتم جورتم سهكرون هواووں تعرون مهن بتی هوئی ہے ، آمب تک اُس کا ساموهی كان نهين هوتا تب تك كهوتني مهي مشيئون لا إستعمال نهيق کها جا سکتا ، اس لئے آیسے لوگوں سے هماری مرض ۔ بھے کہ فی الحمال کسان کو کل کانگیں کی باہوی فلامی سے بھا کر آس کے گاؤں کی جانی پہنچانی کاریگری کے فریعہ ھرائے اوزاووں کو ھی زیادہ کارکر بلانے مھی همارا هاتھ بگاما چاهئے ، چونکه موجوده حالت مهن بهارتی کههای کا هرانا طريقه هي هماري صروتها موانق هي ، اس مهن کھیعے کے کام کے ساتھ ساتھ دوسری طرح کے آیسے دھلدے بھی کسان کے مالے مهل رهائے ههل جو خالی سمے مهل أسے بهکاری سے بحیاتے میں ،

بھارتی کھیٹی کے پرائے اوزاروں سھی ھیکچھ ھھر یعھر کر کے اُنھیں زیادہ کام سھی لانے اور انتود ایڈائے کی طرف ھماری ساری کوشش ھرنی جاھگے ۔

یاد رہے کہ اِسی قسم کی ایک کوشش آنہل بھارت سرو سھوا سلکھ کے کرشی کو سھوا وبھاگ کی طرف سے دی جا رہی ہے جو کارکرتاؤں کی جان کاری کے لگم یکر یعرکوں میں ہرکشت کیا جا چکا ہے ، ساتھ ھی اُن سب بھائیوں سے جو اِس دشا میں کوشش رہے ھیں' ایول ہے کہ ھمارے اِس کام میں ھاتھ بتاویں ،

همین أمهد هے که هر رجاناتمک کارکرتا اِس کام میں رہائت ہے وہائت کی ایمی فاری کو تبیا نے کی کو ایمی فاری کو تبیا نے کی کوفی کریتا ،

खेतीबारी के श्रीजार___ एक समस्या

(चन्द्रमा सिंह वर्मा)

आज जियादा अनाज पैदा करो का जमाना है. यही एक बात सब की जाबान पर है. सभी कहते हैं कि अनाज की समस्या सुलमे बरीर देश आगे नहीं बढ़ेगा, लेकिन जियादा अनाज पैदा करने के साधन धरती और किसान दोनों ही जर जर हो गये हैं उनकी हालत शोचनीय है. जिस तरह धरती कुछ मुट्टी भर लोगों के हाथ में बसी गई है, उसी तरह किसान भी दूसरों का मुहताज हो गया है. वह भूका नंगा रह कर भी अपनी आप दिन की गादी कमाई दूसरों को सौंप देता है या उससे छीन ली जाती है. वह साधन हीन हो गया है. अगर यही हालत रही तो जियादा अनाज पैदा करो की बात तो अलग रही, उल्टे देश तबाह हो जायगा.

इसिलये रचनात्मक संस्थाओं का ध्यान भूमि समस्या के साथ साथ किसान की दूसरी उलकतों को सुलकाने की तरक भी जाना चाहिये जाज किसान के अध्रे जीवन को सम्पूर्न बनाने में ही भारत का सर्वोदय है, ऐसा मान कर चकना चाहिये.

माज भारत की खेती में जहां चन्छे बीज, खाद, सिंचाई बरौरा की जरूरत है वहां घन्छे मौजारों की भी सक्त जरूरत है. जिस तरह हमने चरका वरौरा मामोचोगों के दूसरे पहलुओं को सोच समम कर नई नई तबदी जियां कर के उन्हें जियादा घन्छा बना कर जनता की सेवा की है, उसी तरह खेती बारी के मौजारों में भी कुछ सुधार होना खाजमों है.

पुराने जमाने से चलते आए बौजारों पर आधार रख कर चलने से आज की समस्या इल नहीं हो सकती उनमें कुछ ऐसे बुनियादी सुधारों की ज़रूरत है जो ज़ियादा से ज़ियादा काम दे सकें. लेकिन ऐसे बौजार किसान के बूते से बाइर के न हों जिन्हें वह गांव के बढ़ई लुद्दार की मदद से अपने आस पास की साधन साममा लेकर गांव में ही बना वा सुआर सके. ऐसा करन में एक बढ़ा फायदा यह है कि उसे शहर या किसी बाहरी मेकेनिक का मुंद नहीं ताकना पहेगा. वह अपने केन्न में ही स्वायलंकी बना रहेगा.

ध्यान रहे कि इस दिशा में सरकार की तरफ से कुछ ऐसे लोग भी लगे हैं जिनके दिमारा, मेस, भूशा आशा और रहन-सहन का हंग यहां का नहीं है जो यहां के किसान की हैसियत से नहीं सोक्ते. जिनके विचारों में हस व अमरीका की बड़ी बड़ी स्कीमें वक्कर काटती

کھیتی باری کے اوزار۔ایک سیسیا

(بهندرما سنکه ورما)

آج زیادہ آناج پیدا کرو کا زمانہ ہے ، یہی آیک بات
سب کی زبان پر ہے ، سبھی کہتے ہیں کہ آناج کی سمسیا
سب کی زبان پر ہے ، سبھی کہتے ہیں کہ آناج کی سمسیا
کرنے کے سادھی دھرتی آئے نہیں پرھیکا کیکی زبادہ آتاج بیدا
میں ، اُن کی حالت ہوچئیہ ہے ، جس طرح دھرتی کچھ
مٹھی بہر لوگوں کے ہاتے میں چائی ککی ہے ' اسمطرح نسان
بھی دوسروں کا محصتاج ہو کیا ہے ، وہ بھوکا نقا وہ کر بھی
ایٹی آئے دن کی گاڑھی کمائی دوسروں کو سونپ دیتا ہے
ایٹی آئے دن کی گاڑھی کمائی دوسروں کو سونپ دیتا ہے
ایٹی مائٹ وہی حالت رہی جاتی ہے ، وہ سادھی ہون ہوگھا ہے ،
اگر یہی حالت رہی تباد ہو جائیگا .

اِس لگے رچفاتمک سفستهاوں کا دھهان بهومی سمسها کے ساتھ ساتھ دسان کی دوسری اُلجھفوں کو سلجھانے کی طرف بھی جانا جاھئے ۔ آج کسان کے اُدھورے جہوں کو سمهوری بفانے میں ھی بھارت کا صروودے ھے ایسا مان کو جلفا جاھئے ۔

آج بھارت کی کھھتی مھی جھاں اچھے ھیے' کھاد' سیڈھٹائی رفھود کی فرورت ہے وہاں اُچھ اوزاووں کی ابھی سخصف فرورت ہے۔ جسطوح ہم نے چرخہ وفھود کوام ادارہ کو انھیں کے دوسرے پہلوؤں کو سوچ سمجھ ارنٹی تبدیلھاں کرکے اُنھیں زیادہ اچھا یٹا کر چاتا کی سھوا کی ہے اُسی طرح کھھتی یاری کے اوزاروں مھی یھی کچھ سدھار ہونا اارس ہے برائے زمانے سے چلتے آئے اوزاروں پر آدھار وکھ کو چلقے سے آج کی سمسیا حل نہیں ہوسکتی، اُن میں کچھ ایسے بلھادی سدھاروں کی فرورت ہے جو زیادہ سے زیادہ کام دے سکھی الیکن ایسے اوزار کسان کے بوتے سے باہر کے نہ میں جلھیں وہ سادھی سادھی میں اُنے کو گؤں میں می مدد سے اُنے آس یاس کی سادھی میں ایک بوا قائدہ یہ ہے کہ آسے شہر یا کسی باہری میں میں ایک بوا قائدہ یہ ہے کہ آسے شہر یا کسی باہری میں میکھلگ کا مقع نہیں تانفا پریکا، وہ آبھ جھھٹر میں ہی

دھیاں رہے کہ اِس دھا میں سرکار کی طرف ہے کچھ ایسے لوگ ہبی لگر ھیں جن کے دماغ کیمیس کیمیسا بیاغا اور رھی سہن کا دملک یہاں کا نہیں ہے جو یہاں کے کسان کی حیکیت سے نہیں سوچکے ، بھی کے وجاروں میں روس و امریکھکی ہوی ہوی اِسکیمین جکو کالکی मुक्रायला करेंगे तो श्रष्टिसा से बानी सत्वापह और ससह-बोग से. सत्वापही सिपाही के लिये खादी ही एक बाना है.

इसारे प्रधान मंत्री की बहुत बड़ी कोशिश है कि अमरीका और कस से खलग दुनिया के अम्बर एक 'तींसरा इलाक़ा" बन जाय लेकिन खगर इलाक़े में कोई ताक़त न होगी तो उसकी कौन परवाह करेगा. बिना ताक़त का इलाक़ा वैसा ही है जैसे बिना सियाही के क़लमदान. सवाल यह है कि इस इलाक़ों में कौन सी ताक़त जमा की जा सकती है, यह इलाक़ा क्या जोर दुनिया को दिखा सकता है? अगर वह ताक़ल या जोर दिसा के जिरिये हुआ तो लाजमी तौर पर जियादा बड़ी हिंसा वाली ताक़तों के आगे उसे माथा टेक देना पड़ेगा और वह कहीं का न रहेगा. इस इलाक़ों में बस एक ही जोर कारगर हो सकता है—अहिंसा का, सत्याप्रह का यानी तरक़क़ी पसम्ब अहिंसा-स्मक असहयोग का. पंडित नेहरू से इमारी प्रार्थना है कि खगर वह अपने "इलाक़े" को मजबूत बनाना चाहते हैं तो सत्याप्रही बल से उसे तैस करें.

इस तरह हम देखते हैं कि लादी के बारे में प्रधान मंत्री ने जो चार बातें कहीं वह सब की सब खादी के खिलाफ और मिल या बड़े कारोबार के माफिक रहीं. इससे हर कोई इस नतीजें पर पहुंचे बिना नहीं रह सकता कि सरकार खादी के साथ खिलवाड़ कर रही है और जो कुछ कर रही है वह खादी के जन्म दाता को नाम के वास्ते बढ़ावा देने या दिखावें के लिये. लेकिन इस तरह वह कब तक जनता की खांखों में भूत मोंकती रहेगी?

खादी बोर्ड वालों से

चासिर में इमारा सरकारी खादी बोर्ड के बुजरगों से मी एक निवेदन है हम जानते हैं कि जपर जो कुछ हमने कहा है जनसे वह सहमत होंगे और खावी की गहराई को वह हम से कही जियादा सममते हैं. हमें यक्कीन है कि वह अपने कोई की आगे की नीति सरकार के सामने किन्कुल साफ कर लेंगे और खादी का जो असली मकसद है उसके परा करने में एक क़दम भी पीछे नहीं हटेंगे. साथ ही साथ हमें यह भी कहना है कि बोर्ड की पहली बैठक में इसके प्रधान ने जी स्पीध वी जिसमें -- जैसा कि 2! फरवरी के 'इरिजन' परचों में छपी है-- बन्होंने कहा कि यह बोर्ड सलाह और बीज या दिसंब का काम करेगा, उस तरीक्रे से यह बोर्ड इंक्रमतं की नीति मैं जरा भी जुनियादी तकदीली नहीं करा पायगा और इमें बर है कि खादी के कारज को कायदे के बजाए बक्कसान पहुँचाएगा. इसितये बोर्ड को बहुत एहतियात और दूरन्देशी से पलना पढ़ेगा. हम उसके कारनामां की बंदे बांब व ग्यान के साथ देखा सममा करेंगे.

—सुरेश रामभाई

مقابقه کہیں کے تو اهلسا سے یعلی سٹیاکرہ آور اسپھوگ سے ، سٹھا گرھی سپاھی کے لگے کہادی ھی ایک ہاتا ہے ،

هماوے فردهان مقتری کی بہت ہوی کوشش هے که امریکہ اور روس ہے آلگ دنها کے آمدر ایک ''تیسرا علاقہ'' اسریکہ اور روس ہے آلگ دنها کے آمدر ایک ''تیسرا علاقہ'' آسکی کون پرواہ کرے آ ، بنا طاقت کا علاقہ ویسا 'هی هے جیسے بنا سیاهی کے قلمدان ، سوال یہ ہے که اِس علاقہ میں کون سی طاقت جمع کی جا سکتی ہے' یہ علاقہ کیا وور دنیا کو دکہا سکتا ہے ' آگر وہ طاقت یا زور علاقت یا زور علاقت کے قویعہ ہوا تو لارس طور پر زیادہ ہوی هلسا والی طاقت کے قویعہ ہوا تو لارس طور پر زیادہ ہوی هلسا والی طاقت کے آئے آسے ماتھا آئیک دینا ہوے آ آور وہ کہیں کا فیاری ہا اور وہ کہیں کا ہے ہے کہ آئر وہ سکتا ہے ۔ ایک میلی تو کہیں کا ہے ہے کہ آئر وہ سکتا ہے ۔ ایک میلی تو کہیں کا ہے ہے کہ آئر وہ اس ماتھا کہ یا ہا ہے کہ آئر وہ اس ماتھا کہ یہا ہے کہ آئر وہ اس ماتھا کو مقبوط بنانا چاہتے دیں تو سکتاگرہی ایے ایس کریں ،

اسطرے هم دیکھتے هیں که کھادی کے بارے میں پردهان مقتری کے جو جار باتیں کہیں وہ سب کی سب کھادی کے خلاف اور مل یا برے اروبار کے موافق رهیں، اِس سے هر کوئی اِس تنجیعے پر پہونی بقا نہیں رہ سکتا که سرکار کھادی کے ساتھ کھلوار کر رهی فی آور جو کیتھ کر رهی فی وہ کھادی کے جام داتا دو نام کے واسطے جرهاوا دیائے یا دنھاوے کے لئے۔ کہی اِس طرح وہ کیب تک جفتا کی آبکھوں میں دھول جھونکتی رہے گی .

کھادی ہو 3 والوں سے

آخر میں همارا سر^{کا}ری کهائی ہورۃ کے ہزرگوں سے بھی لیک نو دن ہے ، ہم جانگے ہمن که اربر جو نجه ہم لے کہا ہے اُس بے وہ سیمت ہرنگے اور کہائی کو گیرائی کو وہ هم سے کموں زیادہ سمتھوگے میں ، عموں یقون ہے که وہ اید بورة ای آل فی نهتی سرکار کے سامنے بالل صاف عو لیں کے اور کو دی کا جو اصلی مقصد ہے اُس کے پورا کرتے میں ایک قدم ہیں پینچھے نہیں مثین گے، ساتھ مے ساله مهوريه بهي لهذا هركه بورة كيهلي بهثمك مهور إس کے پردھان کے جو اسپیچ دی جس مس -جیسا کہ 21 فروری کے ' دریجن ' پرچوں میں چیپی ہے۔ اُنہوں نے کہا که په پورد صالح اور کهرچ يا رسوچ کا دم فريم کا اُس طريقي س یه بورة حکومت کی لیکی میں ڈرا ہمی بقیادی تبدیلی نہیں کرا بائے کا آور همیں در ہے که کیادی کے کاربر کو فائدے کے بعوائے تقصان یہونجائے کا ، اِس لئے بورق في بيمت احتماط لور دورانديشي سر جلك يوء كا هم اس کے اورانیوں لو ہو ہے جاؤ و فصیان نے ساتھ دیکھا سمجھا فهيس کي .

---ماريش رأم يهاكي

सरकारी महारा

प्रधान मंत्री का यह कहना कि भगर सादी सरकारी मदद का सहारा लेगी तो वह अपने पैरों पर सहीं नहीं हो सकती, सोलह आने सहीं बात है. लेकिन क्या हम पूछ सकते हैं कि कीन पेसा कारोबार है जो आज अपने पैरों पर सहा हो ? अगर सरकार उन्हें मदद हे सकती है तो और सीधे ना सीधे हाथ बटा सकती है तो खादी को क्यों नहीं ! लिकन खादी का हर प्रेमी क़बूल करेगा कि सरकारी मदद से सादी को सच्ची मदद नहीं पहुँच सकती. हाल ही में एक सरकारी मदद के जरिये खादी का दाम कपये पाछे तीन आने कम हो गया है. हमारा स्थाल है कि आज जो देशी विदेशी ताक़तें या हकूमतें हिन्दु-स्तान की मदद को तैयार हैं उनके बल पर खादी का दाम आधा या चौथाई भी किया जा सकता है. लेकिन उससे खादी जीने व सी नहीं हैं.

सादी अपने पैरां पर तभी खड़ी हो सकती है जब हकूमत अपने पैरों पर खड़ी हो अगर हकूमत खुद बढ़े कारांबार और मिलों का सहारा लेगी ता खादा के । खलाक हवा आप से आप बढ़ेगी और फ़ेलेगी. और हकूमत अपने पैरों पर तभी खड़ी हो सकती है जब वह मरकजी ढंग के हक्तजाम और बड़ी बड़ी मिलों, कारखानों और जंगी हांबयारों पर फीजों वरीरा का इस्तेमाल झांड़ दे, हमेशा के खिये तक कर दे, और सेवा बल या प्रेम बल की धन बल या पशु बल से जंची जगह दे और क़बून करे. हकूमत अपने पैरों पर खड़ी हो खादा भी फीरन खड़ी हो जाबनी.

सादी और फ़ौज

जपनी प्यारी और अनं।खी भाशा में हमारे प्रधान मंत्री खादी की भाजादी का बाना कहा करते थे. पर भाज वह सुद इसे फीज के लिये नामुनासिब बताने हैं उन्होंने यह भी कहा है कि जाजादी के बाद खादी का सियासी पहल खतम हो गया. जा फीज श्रहिंसा के रास्ते से चक्क कर अपनी मिलाल को पर्दची उसके सिपहसालार के ऐसे बचन सन कर कीन हंग नहीं रह जायगा. अगर 14 अगस्त 1947 तक सादी आजादी का बाना था तो आज वह उससे बढ कर बाना है और दिन दिन उसकी आहमियत बहेगी, क्वोंकि मिल का कपड़ा पहने और विसायतों में बने हिंबबार बामे हमारा सिपाही अमरीका, जिटेन या हस के बस के लिये चारे के सिवाय कुछ नहीं. इस कितनी ही कील क्यों न खड़ी कर लेंडम हिंसा से कभी भी मकाबला नहीं कर सकरें। विश्वी ताक्रतों का. यह हमारा सारा फ़ौजी बाहम्बर दिखाने का रहा है जिससे बाहर की कोई ताकत बरता है न घषराती है.

इसने आजादी अहिंसा के रास्ते पर चस कर सी इस आजादी अहिंसा के रास्ते पर दी क्रायम रस सकेंगे दुरमन का بيوكاري سيارا 🕟 🕝

پردمان ملکری کا یہ کیٹا کہ اگر کہائی سرکاری مدد کا سہار لیکی کو وہ اپنے پیروں پر کھڑی نہیں ھو۔ سکتی سراء آ یہ مصبح بات ہے ، لیکن کیا هم پرجه سکتے ھیں کہ کون ایسا کرربار ہے جو آج اپنے پیدوں پر کھڑا ہو ؟ اگر سرکار آنچیں مدد دے سکتی ہے تو اور سیدیے نا سیدیے ماتے بگا سکتی ہے تو کہائی کو کیرں نہیں ! لیکن کہائی ماتے بگا سکتی ہے تو کہائی کو کیرں نہیں ! لیکن کہائی سیتے مدد سیس پیرنچ سکتی ، حال ھی میں ایک سیتی مدد سیس پیرنچ سکتی ، حال ھی میں ایک سرکاری مدد کے قریبے ہائی کا دام وریگے پیمتھے تین آنے کم هو گیا ہے ، همارا حمال ہے دہ آج جو دیشی ودیکی طاقتیں یا حکرمتیں ہندستان کی مدد کو تیار ہیں طاقتیں یا حکرمتیں ہندستان کی مدد کو تیار ہیں ای کے بل پر کہائی کا دام آدعا یا جونہائی بھی نہیں ای کیا جا سکتا ہے الیکن اس سے تھائی جھڑے والی نہیں ہے ۔

کھادی اپنے پیروں پر تبنی کھوں ھو سکتی ھے جب حکومیت بھیبورں پر ٹھویھو، اگر حدومتخود ہوے کاروبار آور ملی کا سہارا تھکی تو ٹھائی کے خلاب ھوا آپ سے آپ بوچے کی اور پھیلے کی ، آور حکومت اپنے پھروں پر تبھی کھوں ھو سکتی ھے جب وہ مردوی ڈھلگ نے انتظام آور بوجی بوی ملیں کارخانیں اور جلگی ھتھھاروں پر فوجوں وہیرہ کا اِستعمال چھوو دے ھمیشہ نے لئے ترک کر دیے آور سفوا بل یا پریم ایل کو دھن بل یا پشو بل سےآورجوں جگہ دے اور قبال کرے ، حکومت آپنے پھروں پر فہوی ھو جائے گی ،

كهادى أود فوج

ایکی بھاری اور انوکھی بھاشا میں ھماریے پردھان مملتری کھائی کو آزائی کا بادا کیا کرتے تھے ، پر آج وہ خود اسے فوج کے لئے ناسلاسپ بھاتے ھیں ، آدوں نے یہ عود کیا ھے که آزائی کے بعد نمائی کا سماسی پہلو خشم ھو گیا ، جو فوج اعلسا کے راحہ سے چل کر آیڈی مغول کو پونچی اس کے سبه سالار کے آیسے وچی سن در فون دنگ تبھی وہ جائے کا ، اگر 14 اگست 1947 تک نمائی دنگ تبھی وہ جائے کا ، اگر 14 اگست 1947 تک نمائی دن آرائی کا بانا آئیا کو آج وہ اس سے دوعکر بانا ھے آور شن اسکی اصبیت بوھے کی ، کھرتکہ مل کا گھڑا پہلے اور شن آسکی اصبیت بوھے کی ، کھرتکہ مل کا گھڑا پہلے اور فائدی رائیجی میں بھے متعمار تمائے سیاھی آمریکہ پرٹین یا ووس کے ہم نے لگر جارے کے سوائے کچھ تبھی، ھم قتقی می فوجھی کیوں نہ کھوی کو ٹیس ھم ھلسا سے کبھی بھی مقاول غوجھی گھری کو ٹیس ھم ھلسا سے کبھی بھی سازا فوجھی آڈسیر دانہ ہی کا وہا ھے جس سے باھر کی کوئی سازا فوجھی آڈسیر دانہ ہی کا وہا ھے جس سے باھر کی کوئی طاقیعی کا رہے میاؤل فوجی آڈسیر دانہ ہی کا وہا ھے جس سے باھر کی کوئی طاقیعی کو بھی جس سے باھر کی کوئی

عم این آونیس اهلسا نے واسکے پر بھل کو لی ، هم ا آواس المفسانے واسکے پر هی قائم وقع سکھلکے ، مقسی کا

كهاديو كر الديولي طالب

ہردمان المقابی کی ہائیں سے آیسا لگتا ہے که صانو ہوے كاروباو مهى نجى اندرونى هاقت هو أور ولا يقا حركارس مهد کے هی سهارہے زندہ هیں . بلقت جواهر ال جوسے قابل الهيآسيكار اور راج نبتا كي مله بين أيسم شهد سيكو ہوا تمجیب اور دله هوتا هے. كربي نيهن جانتا كه بول كاروباو کو سراارس سہاریے کی جاتمی فیرورہ رمانی ہے اُتابی کسی درسی جدو کو نبدن ۔ ہجبلے اندہاس کو جانے دیجگی ، آپے کہا شمل ہے ۔ کیا سرکار دیشے کے لوہے' کوٹلی' پاٹسون' چالی ا کیوں' جیٹے ' پد سیتی رفیرہ نے کارجانیں کو شروع س أخير تك يعلى تح مال بر ل كر يكر مال كي يكرى تک مدد بہیں دیے رهی هے ، پنقت نہرو اگر یه بالیں نههن جانگ تو پهر دوسرا نون جان سکتا هے؟ اور نه يذقت جے کو یہ بتلاے کی ضاو بھا ہے کہ اگر آن کے حبرکار آنے بھی ہوں کاروباو اور جھیائے دھندے دونیں کو مهدان موں کہا جهبر کو بهاگ فسل اختمار کرے انو ہوے کارحالے سہم هي - هن چارن جائي چت کريدگي اور نه پلڏت جي ٿو يه بعظه ني ضرورت هي ته أمريكه الكلهلي أور روس كي علرتے آیے فل حکومت یا سرکار ہونے کاروبار کے هانھ کی دالميملي هوائي ها نه كه ايك خود مطعارا أزاد أور سردوهی، حکومیمه بولے کاروبار اور سرکار میں جہاں دیکھائے دانت کانگے کی ووٹی ہے؛ دونوں کا چولی دامن کا ساتھ ہے، سے پوچیئے کو آبے انتظام حکومت نے معلی ھیں۔۔۔بویے كاروبار دو چلانے والا أيك قانوني أنتظام . ليبي نهين أ حمرممت خود ایک ہوا کاروبار بن بیٹھی ہے جو درسرے ہونے کارہار نے اوپر مشتعمر ہے .

جب حکومت اور بھریار میں اِس طرح کا گلہ بقدھن ھو تو تہاں جگہ ہے دہادی کے ایسی صورت میں کھادی نے پہلے تی امید درب ویسا ھی بیکار ہے جیسے جھریا رائی گئے کی دہائیں میں گلاب نے پھرل کی اُمید کرنا ۔

ولا زمانے لد کئے جب درئی دهندا اینی اندرونی طاقت ساتھ آپ بھل پہرا سکتا ہا وہ رمانے لد کئے جب واج کاج لور اوتھ بھمی انگ انگ دی جا سکتی تھی ، آج واج نہتی اور ارتب بھتی میں بھید ھی بھیں رہ گیا ہے ، اس نئے اندرونی طاقت کا سوال اتھانا دوسروں کی آنکھوں میں دھول جھونکتا ہے ، پھر بھی کھائی میں اینی اندرونی واناووں میں دھول جھونکتا ہے ، پھر بھی کھائی میں اینی خاصیت فدرو ہے جو آند ورودھی واناووں ھوئی یہ بھی انگریش ودیشی پرنتی پتیا کانکریس ودیشی انگریش میں انگریش میں دیا ہے ممالے میں توری قدم آتھا دیمی وکھاسلیکی موتی نے موتی نے موتی نے موتی کے اس کی جوتی دیا ہیں وکھاسلیکی موتی نے موتی

खादी की अन्दरूनी ताकत

प्रधान मंत्री की बातों से ऐसा लगता है कि मानो बढ़े कारोबार में निजी अन्दक्ती ताकृत हो और वह बिना मरकारी मदद के ही सहारे जिल्दा हैं. पंडित जवाहरलाल जैसे क्राविल इतिहास कार भीर राज नेता के मुंह से ऐसे शब्द सुन कर बढ़ा ताज्ज़्य और दुस होता है. कीन नहीं जानता कि बढ़े कारोबार की सरकारी सहारे की जितनी क्षकरत रहती है उतनी किसी दूसरे जीपा को नहीं. पिछले इतिहास को जाने दीजिये. चाज क्या शक्त है. क्या सरकार देश के सोहे, कोवसे, पटसन, चाय, कपड़े, चानी, बनास्पती बरौरा के कारखानों की शुरू से भाखीर तक, यानी कच्चे भावा से लेकर पक्के माल की विक्री तक मद्व नहीं दे रही है. पंडित नेहरू अगर यह बातें नहीं जानते ता । फर दूसरा कीन जान सकता है ? और न पंडित जी को यह बतलाने की जरूरत है कि अगर उनकी सरकार आज भी - बड़े कारोबार और छाटे घन्दे, दोनों को मैदान में खुला होद कर बेलाग शकल इस्तितयार करे, तो बढ़े कारवान सहज ही में बारों साने चित्त गिरेंगे और न पंडित जी की यह बतलाने की जरूरत है कि अमरीका, इंगलैन्ड, और रूस की तरह बाज कस इकुमत या सरकार बढ़े कारीबार के डाथ की कठपुताबी होती है न कि एक सर मुखतार, आफाद और समद्शी. हकुमत, यह कारोधार और सरकार में जहां देखिये दांत कांटे का रोटी है, दोमों का धोली दासन का साथ है. सच पृष्ठिये तो आज इन्तजाम हकूमत के माने हैं-वड़े कारोबार को चलाने वाला एक कानूनी इन्तकाम. बढ़ी नहीं, हकूमत ख़द एक बढ़ा करीबार बन बैठी है जो दूसरे बड़े कारबार के अपर मुनहसर है.

जब हकूमत और ज्योपार में इस तग्ह का गठवन्धन हो तो कहां जगह है खादी की रे ऐसा सूरत में खादी के पनपने की डम्माद करना वैसा ही बेकार है जैसे मारिया और रानीगंज की कानों में गुलाब क फूल का उम्मीद करना.

सह समाने तह गए जब कोई घन्दा अपनी अन्दर्शी ताक्रत सं अपने आप फल फूल सकता था. वह समान तद सबे जब राजकाल आर अवनीति अलग अलग की ला सकती थी. आस राजनीति और अर्थनीति में भेद ही नहीं रह गया है. इस्तिये अन्दर्शी ताक्रत का सवाल हजाना दूसरों की आसों में पूल मोंकना है. फिर भी खादी में अपना सासियत जकर है जो इसने विरोधी वातावरन होने पर भी जिन्दा है. वरना वह कब की खतम हो गई श्रीती. विदेशी अंभरेजा सरकार और स्वदेशी पूंजा पतिया आंजरेस सरकार ने कसे मिटान में कोई क्रदम उठा नहीं स्वया के किन वह मरी नहीं, यह वरकर किस की है ?

किया शीयन के रास्ते पर चल कर जी सकते हैं. इसके खिलाफ छोटे धन्दों के लिये विकेन्द्री करन यानी रौर मरफांजयस और रौर फौजियाना की जरूरत है. बहुत थांड़ी सी पूंजी से ही वह ग्रुरू किये जा सकते हैं और मुक्तामी छोजारों या सामान की मदद से चलाए जा सकते हैं. इनकी एक अपनी कुद्रती शान और जगह होती है फिर, एटम बम बड़े कारांबार को नेस्तनाबूद कर सकता है लेकिन देहाती धन्दे, को नहीं. इस तरह दोनों में जमीन आसमान का फर्क है.

चन सवाल है इन वोनों के मिलान का समम में तो यही बात जाती है कि जब इन वोनों में इतना जिनादा जरफ है तो मिलान की गुंजाइए बहुत बोड़ी है या है ही नहीं, पर हमें न बड़े कारोबार का मोह है और न बोटे चन्दे का हमारे सामने तो बस एक ही बीच है इनसान और उसकी बेहतरी. इसिवये जो मशीन इनसान की रोची जीन कर उसे बेरोजगार इनाए और मुका रक्से वह निकम्मी, जो उसे रोजी से सगाये और उसके कुनवे को पाले वह भली. इसिवये हिन्दुस्तान में उन्हीं बड़े बड़े कारवारों के लिये जगह मिल सकती है जो हमारे आखों कराड़ों को जपाहिज नहीं बना देते. यहां इमें राष्ट्र-पिता के वह जमर शब्द याद जा रहे हैं जो उन्होंने कि समाद रवान्द्र नाथ ठाकुर के एक सावधानी भरे लेख के जवाब में बहे थे:—

"मैंने देसा है कि दुसी मरीकों को कबीर के भजन से स्थाराम नहीं पहुँचाया जा सकता. हमारे में भूकी जनता को कक्ष एक मीठ चाहिये—जानदार खुराक और यह खुराक उन्हें नहीं दी जा सकती, उन्हें खुद कमोनी होगी और कमाने के क्रिये उन्हें अपना खून पसीना चोटी से एड़ी तक बहाना होगा."

पसीना बहाने के जिये काम मिलना चाहिये. पर हमारे वेस में बढ़ी मशीनें इस काम को ही झीने ले रही हैं और इसिसे तबाही बढ़ा रही हैं इससे साफ है कि जब तक देश में वे रोकशारी और रारीबा की आज जैसी हासत है क्षम तक साने, कपदे और मकान से नाता रखने वाले सब काम माम उद्यांगों के किये चलाये जायें. और इपसे सम्बन्ध रखने वाली कोई चीज न मशीन पर बने और म बाहर से लाई जाय. सरकार चाहे तो रेजें रक्के टेली-कोन का इवाई जहाज, द्रबीन के कारखाने रक्के लेकिन कपदे बनास्पती, लेल, चीनी, बरौरा के कारखानों, अनाज पीसने, क्षम कुटने बरौरा की विजली से चलने वाली चिक्यों के किये इस बात हमारे यहां कोई जगह नहीं होनी चाहिये. इसिसी हमारा सानना है कि आज की हमारी हालत में बढ़े उन्हों भीर छोटे घण्डे का मिलान तभी हो सकता है क्षम इनके त्रांरे कार बात दिये जायं.

کھول شوشن کے واستے یہ جال کو جی سکتے ھیں ، اس کے خلاف جھوائے دھندوں کے لگے ولیندوں کو کئے ولیندوں کون یعلقی قدر مرکزیمت اور قهر قوجهات کی قدوت کئے ہے ۔ یہت تھوڑی سی یونجی سے ھی وہ شووع کئے جاسکتے ھیں اور مقامی اور اروں یا سامان کی مدت سے جلائے ہاسکتے ھیں ۔ ان کی ایک اینی قدرتی شان اور جلائے ھوتی ہے ۔ یہو ایگیم ہوتے کاروبار کو بھست بابود دو سکتا ہے لیکن دیہائی دھندے کو نہیں ، اس طوح دونوں میں زمین آسدن کا فرق ہے ،

اب سوال مے اِن دونوں کے ملان کا سمجھ میں تو یہی یاس آتی مے کہ جب اِن دونوں میں اتفا زیاءہ فرق مے تو ملان کی گفتھاتھی بہت تہوری مے یا هے هی نہیں پر ملان کی گفتھاتھی بہت تہوری مے یا هے هی نہیں پر همیں نقا ہونے کاروبار کا موہ مے اور نه چھوٹے دھفدے کا مہارے ساملے تو بس ایک هی چھو ہے۔ سان اور اُس کی بہتری، اِس لیے جو مشین انسان کی دوزی چھھوں کر اُسے پروزگار بفائے اور بھرکا رئے وہ نکمی جو اُسے دوزی سے لیائے اور اس کے کفیہ کو پائے وہ بہلی ، اس لیے هفدستان میں اُنہیں بوے بوے کاروباروں کے لیے جگہ مل سکتی ہے جو همارے قابوں کروزوں کو ایاضی نہیں بقا دیتے ۔ یہاں میس راشار پتا کے وہ امر شید یاد آ رہے هیں جو اُنہوں نے کی جواب میں کہا تھاکر نے ایک ساردھانی بھرے لیکھ

المیں نے دیکیا ہے کہ دکھی سریفیں کو کبھر کے بھیلی سے آرام نبھی بھونچایا جاسکتا، ھمارے میں بھوکی جلانا کو بسی ایک سیت چاھگے ، جان دار خوراک اور یہ خوراک آور ایم خوراک آور یہ خوراک کمانے کے لگے آنبھی دی جاسکتی انبھی خود کمانی ھوکی آور کمانے کے لگے آنبھی ایمانے کے لگے آنبھی ایمانے خوری یسملا چوائی سے ایوی تک بہانا ھوگا۔''

پسیفه بہانے کے لئے کام ملفا جاھئے ، پر ھماوے دیھی میں بری مشھفیں اس کام کو ھی جمیفنے لے رھی ھیں اور اس لئے تباھی بوھا رھی ھیں ، اس سے صاف ہے کہ جب تک دیھی میں بےروزگاری اور فریعی کی آج جھسی حالت ہے تب تک کھائے نہوں اور مکان سے مانا رفیقے والے سب کام گرام آدیوگرں کے قریعہ چھائے جائیں ، اور اس سے سمیفدہ رکھائے والی کوئی جھوڑ نا مشین پر بنے اور نا باھر سے لئی جائے ، سرکار جاھے تو ریلیس رکھے تیلی فون یا ھوائی جہاز دوربھیں کے کارخانے رکھے لیکن کپوے پیاسیتی تھائی وقیرہ کی کارخانے رکھے لیکن کپوے پیاسیتی دھائی وقیرہ کی بحیلی سے جلنے والی جکھوں کے کوئی جگھ بہیں ھبنی جاھئے ، لئے آس وقید ھمارے یہاں کوئی جگھ بہیں ھبنی جاھئے ، اس لئے ھمارا مانفا ہے کہ آج کی ھماری حالت میں بحیل اور جھبوٹے دھقدے کا مان تبھی ھوسکتا ہے بہی آئی کے دائرے الگ آگے دھقدے کا مان تبھی ھوسکتا ہے بہی آئی کے دائرے الگ آگے دھقدے کا مان تبھی ھوسکتا ہے

खादी बोर्ड सरकार श्रीर खादी

1 41

आज हमारे देश में माम उद्योगों की और खास कर सादी और करचा उद्योग की जो दुर्दशा है उसे देख कर और भारत सरकार की माली और उद्योग नीति और हब्दिकी समभ कर हमारे अपर यह असर तेजो से पड़ रहा है कि अपने इस अभागे देश में किसी चीज के लिये जगह हो या न हो सगर प्राप उद्योगों और खाम कर सादी के लिये तो कम से कम कोई जगह नहीं है इस सम्बन्ध में जो कुछ शक थे वह उस स्पीच को पढ़ कर और भी दूर हो गए जा हमारे प्रधान मंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू ने पिछली 2 फरवरी को अखिल भारत खादी और माम उद्योग बार्ड का उद्याटन करते वक्न दी. यह बार्ड अभी हाल ही में बना है, जिस में श्री सतीश बन्द्र दास गुप्ता (सोक्पर), श्री लदमी बाब् (मुजफ्करपुर), विचित्र भाई (यू. पी.), जाजू जी (वधा) आर जेराजी नीजी (बम्बई) जैसे पराने मंजे हुए और चोटा के रचनात्मक कारकर्ता शामिल हैं. हां, नामो गांधी वादी पर्थ शास्त्रो हाक्टर जे सी. कुमारप्या का उसमें न होना जरूर खटकता है

प्रधान मंत्रा ने अपनी स्प च में जा कुछ कहा उसका

नियोद यह है:--

(1) बड़े मशीनदार उद्योगों और धाम उद्योगों में कोई बुनियादी मगड़ा नहीं है और भाज देश में दोनों के मिलान की बड़ी जरूरत है.

(2) सादी के अन्दर "अन्दरूनी ताक़त" होनी चाडिये क्योंकि वह सरकारी मदद के सहारे जिन्दा नहीं

रह सकती.

(3) अगर खादी के लिये इमदाद ली गई तो बह श्चपने पैरों पर सादी नहीं हो सकती.

(4) खादी फीज के लायक नहीं है

हम यहां इन चारों बातां पर जरा तकसील के साथ चर्चा करना चाहते हैं.

मशीनदार उद्योगों श्रीर ग्राम उद्योगों में बुनयादी

भगदा

बढ़ी नम्रता पर गम्भीरता के साथ हमारा निवेदन है कि सशीनदार उचागों या वह कारीवार और प्राम उद्यागों या होटे घन्दों में बुनियादी भगड़ा भले ही न हा पर ब्रेनियादी भेद फारूर हैं. श्रीर वह यह कि वह काराबार के सिथे बढ़े बढ़े मरकची या केन्द्राय इन्तचाम, बड़ो बड़ो पूंजी या पूंजियाना की जरूरत होता है तूपरे लक्ष्यों में बढ़े इसीबार का सहारा नौकर शाही, ताना शाही (निजा या सरकारी) और फोजी शाही होती है और यह

کهایی بورق سرکار اور کهادی

اے همارے ديفن مين گارأديبكون كر أور خاص كو کھادیی اور کاکھا اُداوک کی جو دردشا ہے آیے دیکھ در اور پھارت سُرکار کی اُمالی اور اُدیاگ بیٹی اُور درشٹی کو مستجھکو ھمارے اُرپر یہ اثر اندوی نے پر رہا ہے کہ ابھے اِس ابھائے دیش میں کسی چیر نے لئے جاکہ ہو یا نہ ہو ماکر گولم ادیوگیں اور حاص در نهادی کے لئے تو کم سے کم کوئی جگه نهیں ہے ، إس سبیده میں جو کچو گک ٹی وا أس إسهبه كو يوه كر اور يهى دور هركك جو هماريه پردهان ملتنی بلذت جواهر ال نهاو نے بچیلی 2 فروری كو الهل بهارت تهادي اور كرام أديوك بورة كا أدكهاتي كرته وقت می یه بورڈ ایمی حال می میں بقا ہے؛ جس میں هري ستيم جددر داس گهنا (سرد يور) شري لكشمي پایو (مطفر پور) و چادر بهائی (یو . یی .) خاجو جی (وردها) اور جهرا جي تي جي (يمهلي) جهسم پرانج منعے هوئے اور چوڈی نے رچنانیک کارفرنا شامل میں ، ھاں؛ دامی کاندھی وادبی ارتھ شاہرتری ڈائٹر جے ، سی ، کماریها کا آس مهن به هونا ضرور فیگدها هے .

يردهان مقترى نے اپنى إسهيم مهن جو نچه نها

- (1) ہونے مشہر ہار اُدیوکوں اور کرام اُدیوکوں مہی کولئی بلیاض جهکوا بہوں ہے اور آج دیش میں دونوں کے ملن کی ہوی ضرورت ہے ،
- (2) کہادی کے آبدر ''آندرونی طاقت'' ہونی جاھئے کھوںکت وہ سرکاری مدد نے سہارے زندہ بہوں رہ سکتی ۔
- (3) اگر نمادی کے لگے آمداد لی گئی دو وہ ابھ پهاون پر دووی نهیان هوسکتی ،
 - (4) فهادي فرج نے لائق بههن هے .

هم بہاں ان چا وں باتوں پر ڈوا تفصیل کے ساتھ بهربهه قربا بهاءتم عهران

صه بي الله أدبيوكس أو. كمام أدبيوكم المها في حمالول

ہوتی سمولا اور گمجھھرتا کے ساتھ ھماوا دوہدوں ھے کہ مھوں دار ادیوکوں یا ہوے کاروبار اور گرام ادیوکوں یا جموتے دهلمون مون بلهامي جهگوا بهلي هي به عو پر یکھائسی بھھد ضرور ہے ، اور وہ بید کد ہونے کاروبار نے لكم بويد بويد مونون يا فيلدى انتظام بوي بوي هونجي يا هونجهانه اي فارورت هولي هي الوسرے الفطس صهل الله دروبار كا سياراً بودر شاهي تاباشاهي (معهمي بيا سرکاري) اور موجي شاهي دورتي <u>ه</u>ي اور يه

ھ' لمبنی ندرا کی طرف دھھرے دھھرے پوھ رھی ھے۔ اُس نے صاف بتایا تھاکہ اُسکی دوا کانی نہیں ھے' رھی درا 'دوا' ھ' جسے وہ پہلے سے صابکتی آئی ھے۔۔۔یتا جس کے دوشن،

ولا کہا کرتے تھےکہ فریدی کے کارن ماقائیں 'پرسو ویدنا کے ساتھ ساتھ آھے بحوس کو مار دائتی ھیں ' پالکو جانوروں کی طرح بھی ڈ لگی ھیں' پچے آرزھئے کے کہوے نہ رھئے کے کارن ٹھنگ میں پڑے وو رو کر سکو سکو کر مر جاتے ھیں' وفیرلا وفیرلا وفیرلا ، اگر ایسا ھو' تو اپنا یہ دکھ اِتنا ہوا بہیں ھے' ورکسلی نے سوچا، یہ بحوی بھی تھاگ اور دکھ سپتی اور اس اینا فرض ادا درتی ھے ، شاید ولا سوچتی ھوگی کہ اگر اس کا بوجھ دور ھو جائے تو اسکی ماں بھی اِس دم گھٹنے والی جہار دیواری سے جھٹکوا یا' پتا نے کام میں مدد دیگی اور جہار دیواری سے جھٹکوا یا' پتا نے کام میں مدد دیگی اور اینا دھڑم پورا کریگی ،

وهیں بیٹھ' آگے ہوہ رکبٹی نے ہچی کا گال چرم لیا ، بچی نے دھیرے دھیرے اپلی ملهی السائی آسکھیں کورلیں، رکبٹی نے دھیرے اپلی ملهی السائی آسکھیں کورلیں، رکبٹی کوئی بھاؤ آسکی سے ماف نہیں تیا ، آسکے دونوں مانی مال سے جیسے جانے کے لئے ڈرا اٹھے پر فرزر ھوٹر بچھونے پر ھی ٹیلئے ہوئے رہے اور رھی پرانا سوال—"باہو جی کہال ھیں گائے آخری دم نے سانے آس نے پہلے سے ھوٹرس سے آواز آئی' اللی دھیسی آواز نہ صوب مال ھی جانی پائی ،

--'دکھن بھارت' سے

سهريم چلد

है, लम्बी निद्रा की तरफ धीरे-धीरे बढ़ रही है. उसने साफ बताया था कि उसकी दवा काफी नहीं है. वही दवा 'दवा' है. जिसे वह पहले से मांगती आई है — पिताजी के दुर्शन.

वह कहा करते थे कि रा कि कारन माताएं प्रसव वेदना के साथ साथ अपने वश्वों को मार डालती हैं; पानत् जानवरों की तरह बेच डालती हैं; वश्वे ओहने के कपदे न रहने के कारन ठड में पढ़े रो-रोकर सिकुड़-सिकुड़कर मर जाते हैं वरौरा वरौरा. अगर ऐसा हो, तो अपना ये दुख हतना बड़ा नहीं है ककमनी ने सोचा. यह बश्वी भी त्याग " और दुख सहती है और अपना फर्ज अदा करती है. शायद वह सोचतो होगी कि अगर उसका बोक दूर हो जाय तो उसकी मां भी इस दम घुटनेवाली चहार-दीजारी से खुटकारा पा, पिता के काम में मदद देगी और अपना धर्म पूरा करेगी!

वहीं बैठे, आगे बढ़ रकमनी ने बबी का गाल चूम तिया बबी ने धीरे धीरे अपनी नन्दी अलसाई आलें खोंली। रकमनी को लगा कि उसकी नज़र फोटो पर टिकी हुई है, मगर ऐसा कोई भाव आंखों से साफ नहीं था. उसके दोनों हथ मां से जैसे जिपट जाने के लिये जरा उठे पर कम ग्रांर हो कर बिछीने पर ही डढे पड़े रहे और वही पुराना सवाल—''बायू जी कहां हैं ?'' आखिरी दम के साथ उसके पीले से होठों से आवाज आई, इतनी धीमी आवाज कि सिर्फ मां ही जान पाई.

—'दक्किलन भारत' से

इसने समम रखा है कि साहित्य की रचना के लिये करुपना की सूम चूम चौर तेज क़लम काफी है; पर यही विचार इसारी खदबी गिरावट का कारन है खादर्श का फैलाव बड़ा होने से भाशा अपने आप सरल हो जाती है..... जो साहित्यकार अमीरों का मुंह जोहने वाला है वह रईसी रचना शैनी अपना है, जो जन साधारन का है वह जन साधारन की भाशा में लिखता है... प्रापेगेंडा बदनाम शब्द है, लेकिन आज का विचार पैदा करने वाला, ताक़त देना वाला और स्वस्थ साहित्य प्रोपेगेंडा के सिखा न कुछ हैं, न हो सकता है, न होना चाहिये और इस तरह के प्रोपेगेंडा के लिये साहित्य से असरदार कोई साधन ब्रह्मा के महीं रचा.

--- प्रेमचन्द

जवाब विया, तसल्ती जाहिर की. इसके खलावा वह करते ही क्या ि उनको भी मालूम नहीं था, वह कहां हैं. जो उनसे मिलें थे वह भी ठीक ठीक जवाब नहीं दे पाए आखिर किसी ने लिखा कि सुरक्ति रूप से सफर करने की तैयारी हो जाने पर वह बच्ची के पास आ आएंगे यह जवाब मिकते ही, इकमनी को खरा तसल्ली हुई

बाबूमी से मिले बिना ही, बबी की तबीयत बिगड़े किसने ही दिन गुजर गये. उसका शरीर बरामदे के फर्श से कमरे के बंदर बीमारी वाली खाट में लाया गया. वह बिजकुल बोल न पाती, बांखें मुश्किल से खोलती. जब कमी कोई बबा उसके पास दौड़ आता बीर बुलाना तो भी वह कौरन आंखें न खोजती; बांखें खुलने पर भी होट न हिलते. वह बड़ी देर तक बांखें मूंदे पड़ी रहती. दकमनी चौंक सी जाती, जब वह अपनी बबी की तरफ बरौर पलक मारे देखती. बबी की आंखें जब खुल जातीं बौर होंट हिलने लगते तो वह बौर भी चौंक जाती. क्योंकि उसे माल्म बा कि वह क्या पूछेगी—वही पुराना सवाल, ''बाबूमी नहीं आये ?''

वधी की इस बुरी हालत पर उस घर में और किसीकी न उतनी चिन्ता है, न दुख. इसमें अचरज ही क्या है ? बढ़े परिवार में दो प्रानियों की गिनती हां क्या ? तिसपर उनसे सभी माखुदा हैं. वकमनी के दिन जहां रोते-रोते रेंगते से हैं, वहां दूसरों के दिन मुलाक्षातों और डिनर पारटियों से हसके ही उड़ते जाते हैं ? उन लोगों की जिम्मेदारी तभी पूरी हो गयी, जब डाक्टर और दवा का इन्तजान कर दिया नया ?

बेटी को फरा बुखार सा आया कि नहीं, बाबू जी का मन पबराने लगता और नींद उचट जाती ? मगर आज वह कहां हैं ? उनकी बेटी का शरीर रमशान की तरफ बढ़ रहा है. बह कहीं गंदे मैंने कर्श पर स्रोते होंगे क्या ? बेटी को एकाथ बार देखने की उन्होंने किसनी कोशिश की होगी ? अगर फिर भी यह अच्छा ही हुआ कि वह इन दुश्मों के बीच में नहीं आबे. इसी घर के लोग ही शायद उनको पक्वा देते. इस बची की नन्हीं जान स्मार बुफ गई तो इसले सिफ दो प्रानी ही दुखी होंगे और उस दुख का याव जीवन भर न भरेगा. फिर भी दक्मनी ने शार्यना की कि उनको नुक्रसान न हो, क्योंकि उनकी जान हजारों की अवाई के किये कहते कहती है.

पति की फिकर से अपने मन को अलग कर, ककमनी ने अपनी क्यी की तरफ देखा. कितनी देर से वह उसी तरह आखें मृंदे पढ़ी हुई है शायद वह सोती होगी. नहीं तो... ..

हां, वह भी हो सफता है. डाक्टर के दाव भाव से साफ मात्सम हो रहा था कि वह चेतना जो अभी बुमने वाली جواب دیا تسلی ظاہر کی ، اِس کے عالیہ وہ کرتے علی کھا ؟ اُن کو بھی معلوم نہیں تھا وہ کیاں معیں ، جو اُن سے ملے تھے وہ کیاں معیں دیے ہائے ، ایک کسی نے لکھا کہ سراهت روپ سے سعر کرتے کی تھاری مو جانے پر وہ بنچی کے پاس آ حالفی گے ، یہ جواب ملتے ھی راسلی کو درا تسلی موئی ،

باہو جی سے سلے بلا ہی' بھی کی طہمیت باکوے کا کہتے ہے ورش سے کا فرش کا شرور برآمدے کے فرش سے کرنے فرش سے کرنے کے اندر بھماری والی کھات میں لایا گیا، وہ بالکل بول نہ پالی آئیکھیں مشکل سے کہولتی جب ابھی کوئی بھی اس کے پاس دار آنا اور بلانا تو بھی وہ فررا آفاعھیں نہ کھالتے ، وہ بڑی کہاتے کا آنکھیں مولدے ہوں وہائی اکمیلی جونک سی دیر تک آنکھیں مولدے ہوں وہائی اکمیلی چونک سی جاتی آنکھیں مولدے ہوں وہائی اور ہونک مارے دیکھیا کی ایکھی بھی کی طرف بغیر پلک مارے دیکھیا کی ایکھی جونک مارے دیکھیا کی بھی کی انکھیں جاتی اکھونکہ آسے سعلوم مللے لگاتے تو وہ آور بھی چونک جاتی اکھونکہ آسے سعلوم مللے لگاتے تو وہ آور بھی چونک جاتی اکھونکہ آسے سعلوم مللے لگاتے تو وہ آور بھی چونک جاتی اگر وہائی اس کہا اس کہا کہانو جی

پچی کی اِس بوی حالت پر اُس کهر مهن اور کسی کو نه اُلگی چلکا هے ' نه دکھ ۔ اُس مهن اُچرچ هی کها هے؟ بوج پہروار مهن دو پراتهوں دی کلکی هی کها ؟ تس پر اُن سے سبهی ناخوش ههن ، رکملی کے دنن جهان دوقے ورثے ویائلاتے بیے هیں' وهان دوسروں کے دنن مالالاتوں اور تنز پارٹیوں سے هلکے هو اُرتے جاتے ههن ، اُن لوکوں کی ذمہ داری تههی پرری هرکئی جب قائلار اور دوا کا انتظام کو دیا گھا ،

پیگی کو قوا بخار سا آیا که مهیں گاہو جی کا من کھیرائے انکتا اور نهلت اجت جائی۔ مکر آج وہ نهاں هھی؟ ان کی بهتی کا شریر شمشان کی طرف ہوھ ھے ۔ وہ کھیں گاہیے میئے فرھی ہو سوتے ھونگے کھا؟ بھتی کو ایک آدھ ہاو دیکھلے کی آمیں ہے دخلی کوشھی کی ھوگی؟ مگو بھیر بھی یہ اچھا ھی ھوا کہ وہ ان ششمارں کے بیچے میں نہیں آئے اس کھر کے لوگ عی شائد ان کو پکووا دیتے ۔ اس بچی کی المهی جان اگر بجھ گئی تو اس سے صرف در ہرانی می دکھے ھونگے، اور اس دکھ کا گھاؤ جھیوں بھر نہ در ہرانی می دکھے ھونگے، اور اس دکھ کا گھاؤ جھیوں بھر نہ دورہا، بھی دکھی کی بھائی کے لئے بہمت ہوری ھے ۔

یعی کی فکر ہے آتے می کو آلگ کرا وکیلی نے اپلی بھی ہوتی کو طرح آلکھیں ہوتی کو آسی طرح آلکھیں مودی کو اسی طرح آلکھیں مودی یوں نہوں تو۔۔۔۔۔ مودی ہوئی، نہیں تو۔۔۔۔۔ ہال وہ بھی ہو سکتا ہے ۔ ڈاکٹر کے ہاڑ بھاڑ سے صاف معلوم ہو رہا تھا کہ وہ جویکلا جو آبوی بجویلے والی

the state of the s

धीरे घीरे बच्ची भी बहुत कम सवाल करती, शायद यह समम कर कि उसकी मां ठीक ठीक जवाब नहीं दे पाती. हां, दूसरे कारन भी थे जब वह पूत्रती कि बाबू जी मिट्टी के अन्दर हैं यह उनको बढ़ों ने ही सिखाबा बा. यह सुन कर, इकमनी ने एक दिन बच्चों को सटकारा. तब उसके बड़े आई ने पैरची की कि बच्चे सही कहते हैं, क्योंकि वह अंडरवाइन्ड का तरजुमा अर तो करते हैं. बकमनी की मां सवाल सुनते ही गालियां बरसा देती, "बाबू जी, बाबू जी, हमेशा यही बाबू जी ! इम सब क्या आदमी नहीं, जानवर हैं ? दुनिया की सुधारने का दम भरे फिरता है! उसके लिये अपनी बच्ची को मार बालना है क्या उस पाजी को !" ऐसा शुरू कर के गातियों की किक्या मीकों सम्बी हो जातीं उन सबकी राय थी कि ककमनी उस शैतान से नाता ही तोड़ दे तभी उसकी भकाई होगी. जनकी बचर में उसके पति बाक और क़साई से भी गए गुजरे हैं. उसने अपनी स्त्री और बक्बी को निजी स्वार्थ के लिये छोड़ा था क्या? भाराम और आमोद में वह पले थे. उन्होंने अपनी स्त्री को और बच्ची को प्रानों से बढ़ कर प्यार किया था. उन दोनों से दूर, पुलीस की नकर से वषकर, भूकों रह, यह जीते हैं तो उनका रास्ता कितना जंबा है और उनका मक्सद कितना महान है ? सीचते सोचते उद्यानी का प्रेम और प्यार धीरे धीरे उनकी जाराधना में बदत गया.

आप दिन बच्ची की लेश हंसी विसंकुल बन्द सी हो गई. वह पुराना सावाल भी बहुत कम करती आंगन में उद्यति कृतते दूसरे यज्ञों से दूर, बरामदे के किसी खंबे से पीठ सगाप, नन्हें नन्हें पैर फैलाए. अपने बाबू जी की राह देखती रहती. यह देख, ककमनी का दिल फट सा जाता. अगर बैठी बैठी थक जाती तो वहीं लेट जाती, थकान से आंसे आप मुंद जाती. किसी की आहट सुनी कि नहीं बह फ़ौरन उठ बैठती जब मासूम हो जाला कि बाब जी नहीं हैं, दुबले पतलं नम्हे हाथों से अपनी आंखें मलतीं और वहीं वैसे ही लेट जाती. यह देखते देखते ककमनी को लगा कि वह पागल सी हो जायगी. मां बाप और पड़ोसियों ने जिस बच्ची की बिना फर्श पर बिठाए, पाला पीका था, आज वह अपने पिता जी से अलग हो गई तो मां के कर बाले उसे पोटली की तरह ठोकरें मारते हैं. धार पिता बेटी की देखते...! उनके साथियों में कोई देख नेता...

दक्रमणी ने उन सब को खत लिखा, जिनका पता उसे मास्म था; "उनको एक बार, सिर्फ एक बार, किसी तरह पहुंचा दीजिए. धपने बाबू जी को एक बार देखा, बच्ची चंगी ही जावणी." सभी सतों में बही प्रार्थना थी. सब ने عمورے عمورے بعوی بھی ہوست کم سوال اِکرتی کا شاہد يه سنجهك كه أشكى مال أبهك الهك إجواب الهون ف ياتي . هان دوسوي کارن بهي تھ . جب وه پوچهاي که بایں جس مطے کے اندر میں یہ اُن کو ہورں نے می سکھایا تھا، یہ سن گرا واسلی نے ایک دن بجوں کو پہا عاداً ، تب اُس کے بوے بھالی نے پدوری کی که بچے سہی کہتے ههر ا كهرنكم وه القر كرارنة كا ترجمه بهر تو كرته ههر . رضعی کی ماں سوال سنتے سی کالیاں ہوسا دیعی ال بايو بهي ا بابو بني المدهد يهي بابو جي ا هم سب کھا آدمی نہیں جانور میں ؟ دنیا کو سدمارنے کا دم بھرے پھوٹا ہے ! اُس کے لکے اپلی بحوی کو مار ڈالٹا ہے کها أس هاجي كو إ4 أيسا شروع كر في كالمون كي كويان مهلیں لمبی هو جانیں . أن سب فی رائد نهی که وکملی اس شیطانی سے ناتا ھی تور دے تھھی اُسکی بھاٹی ھوگی۔ ان کی نظر میں اس کے یعی قادر آرر قصالی سے بھی لکے علم عدي ، أس نه ايدى إسعاري أور يجي دو نجي سوارته دلكم جمهوا تها نها؟ أوام اور أسود سهن ولا يادته. المودل ایشی اِسعری دو آور بحقی دو هراس سے مومعر بمار کما تھا۔ ان دونوں سے دور' ہولیس کی نظر سے بچے کرا بھوکو رہا وہ جہتے میں تو اُن کا راسته کنفا ارتبعا ہے آور اُن کا مقصد كتف مهان هے ؟ سوچان سوچانے رئساني كا پريم اور بھار دههريد دهمريد أن في آرادهما مهى بدل كها .

آئے دی بچی کی کہیل دہسی بالکل بلد سی ہو گئی،
وہ ہوانا سوال بھی بہت کم کرتی ، آباکن میں اچھلتے
کودتے دوسرے بچوں سے دورا بوامدے نے کسی نہمیہ سے
پیٹھ لگانے نقیے نقیے بھر پھیلائے اللہ باہو جی کی راہ
دیکھتی رھتی ، یہ دیکھ وکستی کا دل بہت ساجاتا ،
اگر بیٹھی بیٹھی تھک جانی تو وھیں لیست جاتی تھکان
سے آئے بھی آپ مقد جاتیں ، کسی کی آھٹ سلی که
نہیں وہ فورا آٹھ بیٹھتی ، جب معلوم ھو جاتا نہ باہو
ملتی آور وھیں ویسے ھی لیٹ خانی ، یہ دیکھتے دیکھتے
دیکھتے دیکھتے دیکھتے
دیکھتے دیکھتے دیکھتے
کو بھا فرض پر بٹھائے یالا پوسا
رکھتی کو بھا فرض پر بٹھائے یالا پوسا
والے آسے ہوتئی کی طرح ٹیوکویں مارتے ھیں ، اگر پخا
بیٹی کو دیکھتے دیکھی سے الگ ھوکئی تو ماں یہ گھر
والے آسے ہوتئی کی طرح ٹیوکویں مارتے ھیں ، اگر پخا
بیٹی کو دیکھتے دیکھی سے الگ ھوکئی تو ماں یہ گھر
دیکھ ٹیٹی کو دیکھتے دیں ۔ اگل کے ساتھھوں میں کوئی

وقعقی نے آن سب کو خط لکھا' جن کا پتہ آبے معلوم تھا گا ''آن کو ایک بار' صرف ایک بار' کسی طرح پھونتھا دینٹکے ، اپنے بازر جی کو ایک بار فیکھ' بنٹی جلگی ہو جائے گی،،، سیھی خطوں میں وہی پرارتھا، تھی، سب لے

جوسویہ میں پولیس نے گھو کی تلقی لی ، وکسلی کو پھی ہو ہی ہی ہو ہی ہائے، اس لے گھو ہی ہو ہی ہوائے، اس لے ہو ہائی ماں کے گھو ہی دی انہیں ، وہ ایکی ماں کے گھو ہی دی بیٹا انہیں ، وہ ایک ہی ہو ہی ایکی بھائی اور ناتی آ گئیں' تو ماں کو رتبع ہوا یا شوی یہ رکبلی سمجھ نہیں یائی ، ماتا کی آنکھیں' لوگ کا گا' کائی اور کان نٹکا یا' قصہ سے جل گئیں ، اُس لوگ پربوار میں ایسا آپ تک کوئی نہ تھا جس کے شربو پر سونا تیک برباد تو پربوار میں ایسا آپ تک کوئی نہ تھا جس کے شربو پر سونا کی ہی وہ ہی ایک کی ہی ایکی اسلامی کو بھی نہ جھوڑا' جو اُس کی اِسلامی کی اِسلامی ہو بھی نہ جھوڑا' جو اُس کی اِسلامی ہوتی کے بد کے اُلی (مشکل ہوتی) تک اُوا لی کئی ، اُس تنہوں بچی کو بھی آیادہ ہو ہوتی ایادہ ہو ہوتی کیوں جھوڑ کھا ،

دوسرون کو اوهیلذا بهدی نظریا تیکها ترجها ویقگ رکیلی سے لھتے ؛ اُس کا درد أسے مصدوس نههن هوتا ، مكر اُس کے دار کو یہ سوال فہ ور جوٹ دونا کہ "امان" باہو حی کہاں ههور؟ اُسے پتد نہیں بیتی یه سوال کب پوچه بیثهتی. درسرے بنچوں سے مل جب ولا کھیلائی اچھلائی کودائی نو رکیلی کا من هانت هر جانا ، مگر سلتره کی سانس اُسَ کے دل سے نکل' موا میں لین میٹی که نہیں' بچی دووں دووں آتی اُس کے گھٹنوں سے چھٹ حاتی اور وہی سوال پرچه بهگهگی-۱۰ امان بابو حیکهان؟ آدهی رات کو وہ سہلے مہرائے باہو بھی کے والسل کا انوبھو کرتی۔ کبھی ولا مسعالی کھوی اُس کے کالوں پر لالی پیمل جاتی ۔ یہ ديهه والملق کے من مهل تسلق هو جاتم اور أسكى أنكههن دهيرے دههرے صلد جاتين، تبهي بيتي جهت أته بهتهتي، آنكههن ملعي، وهي سوال فوتي ﴿ ﴿ أَمَانَ عَابُو حِي الْبَهِيُّ نہمں آئے ان یہ سوال اس کے دل دو دعلا دیتا اور بجہتے دكم كو أيال كرم أنسرون مهن بها ديمًا ، شروم شروم - هن اسے أن كا يعر ملعة . أس كے بل يرود كيا سكتى قد يعيا "بابو جي ابهي أنهدكي" مكر آئي دن خط بهي تهيك تهيك نه ملعا، بهتی بهی اِس سوال سے اُسکو زیادہ تنگ بهی نع کرتی، مگر اِس سے ریادہ رضائی کو اور کسی چھو نے دکھ دیا، یعهی کا اُنساه اور جوهی اِدهر کم هوئے لگا ۔ وکملی کو خوب معلوم تها که وه کتلی مشکل سے ایک خط اُس کے یاس پهرنجانے. مکر اُس ملهی بچی کو وه کیا کہے ؟ اُس کے باہو جی پر کسی کی کوی نکاہ ہے؛ اِس لیے نہیں آ پاتے او، خط نہیں لکھ باتے اور لک جبب جلتے میں سید سب باتا کو اُس نفید دل کو قوانا اُس نے تھیک نہیں سمحما، وه کها جان که وه کب آلهانگیا؟ وه کسے سے آسکانے مهن اور کمبی بهمن بهی آسکتے میں۔

दूसरे दिस पुलीस ने घर की तलाशी ली. दकमनी को पति से खबर मिली कि वह चपनी मां के घर चनी जाय. उसने चिट्ठी लिख कर. मां के घर से किसी को दुलाया नहीं. यह चकेली अपनी केटी को ले, मां के घर चल दी. बिना इत्तिला के, जब अपनी बेटी और नातिन आ गई, तो मां को रंज हुआ या खुशो यह दकमनी समम नहीं पाई. माता की आंखं, जबकी का गला, कलाई और कान नंगा पा, गुस्से से जल गई. उस परिवार में ऐसा अब तक कोई न था जिसके शरीर पर सोना तिनका बराबर भी स हो. उस आदमी ने अपनी जिन्दगी बर्चाद तो की ही आपनी की को भी न होड़ा, जो उसकी स्त्री के पद के लिये खुद तैयार हो गई थी. उसकी ताला (मंगल-सूत्र) तक उड़ा ली गई. उस नन्दी बरुवी को भी अपाहिज जैसी क्यों छोड़ गया.

दूसरों की अवदेलना भरी नजर या तीखा तिरछा ब्यंग इकमनी सह लेती; उस का दुई उसे महसूस नहीं होता. मगर उसके दिल को यह सवाल जरूर चीट करता कि 'बन्मा, बाबू जी कहां हैं ?" उसे पता नहीं, बेटी यह सवाल कब पूछ बैठती. दूसरे बड़वों से मिल, जब वह खेलती, उद्धलती, कृदती तो दकमनी का मन शान्त हा जाता. मगर सन्तोश की सांस उसके दिल से निकल, हवा में जीन हुई कि नहीं, बच्ची दौड़ा दीड़ी आती, उसके घुटनों से चिपट जाती और वही सवाल पूछ बैठती—' अन्मा, बाबु जी कहां ?" आधी रात की वह सपने में अपने बाबु जी के वास्सम्य का अनुभव करती. कभी वह मुस्कराती. कभी उसके गालों पर लाला फैल जाती. यह देख, रकमनी के मन में तसल्ती हो जाती और उसकी आंखें धीरे धारे मुंद जाती. तभी बेटी मद उठ बैठती, आंखें मलती, वही सवाल करती-- ''अस्मा, बाबू जी अभी नहीं आए ?" यह सवाल उसके दिल की दहला देता और बुमते दुख की उबाल गरम बांसुओं में बहा देता. शुरू शुरू में उसे उनका पत्र मिलता. उसके बल पर यह कः सकती कि बिटिया "बाबू जी अभी आएंगे." मगर आए दिन खत भी ठीक ठीक न मिलता, बेटी भी इस सवाल से उसकी जियादा तंग भी न करती. मगर इससे जियादा दकमनी को और किसी चीज ने दुस दिया. बच्ची का उत्साह और जोश इधर कम होने खगा. दकमनी को खब माल्म था कि वह कितनी सुश्कित से एक खत उसके पोस पहुंचाते. मगर उस नम्ही बच्ची को वह क्या कहे ? उसके बाबू जी पर किसीं की कड़ी निगाह है, इसित्यं नहीं आ पाते और खत नहीं स्वस पाते और लाक छिप चलते हैं-यह सब बता कर बस्र नन्हें दिल को हराना उसने ठीक नहीं समग्रा बह क्या जाने कि वह कव आएगे १ वह किसी समय या सकते हैं और कभी नहीं भी का सकते हैं.

talking may way and a min

A Company of the Comp

में भानन्य के भांसू टपकते थे, भाज उसी को देख-देख, रीते रीते भांस भी सख गए हैं.

सपने जब सब निकले और जीवन नैय्या आनन्त के समन्दर में चलने लगी..... एक दिन, यह सतलब नहीं कि अपानक एक दिन, यह एकदम बदल गए वकमनी ने पति को दोशी न ठहराया. अले ही दूसरों की नजर में वह बेवकुक वा मर्ख ही क्यों न हों. उसने उसके बारे में कोई सवाल तक उनसे न पूछा, न उनको उससे इटाने की को विश्व भी की. इसे लगा, उसके विचार और दृरिटकोन धीरे धीरे उनके चनुकूल हो रहे हैं जिसका वह शक करती थी. वही ह्या. रन्होंने अपनी नौकरी से इस्तीफा दे दिया. अच्छी सासी तनसा से हाय थो बैठे. उसे तसस्जी हुई कि उसके पति ने अपनी तरक्कों के लिये न हाकिमों की खुशामद की. न उन्हें रिश्वत ही दी. उन्होंने यह भी कहा कि इस बात में उसे उनको बधाई ही देनी चाहिये. अपनी जिद और बादर्श के मुताबिक छोटे मीटे काम कर, जो कुछ वह कमाते, बह दे देते. इसिल्बे बह शिकायत भी न रही कि आखिर सब कुछ बरबाद करके माता पिता की शरन में दोनों आ गए, दोनों के घर से जो सात आते थे, उनमें व्यंग और क्रमंकियां भरी रहती बी. भगर फिर भी दक्रमनी दुखी महीं हुई, बह जीवन के प्याले को कभी खाली न होने देती थी. उसे तसक्ली और प्रेम की बूंदों से वह भर देती बी. लेकिन उसका मन, उस समय सूना सा हो गया था जब कि वह घटना घटी. दकमनी को माल्म था कि पति पर सरकार की कड़ी निगाह लगी थी. फिर भी जब उसकी लोहे की मुटी सामने दिखाई पड़ी, वह सक सी रह गई. बाहर से अपने की शांत दिखाने की कोशिश की, मगर वेकार !

ं खोक ! इस रात की घटना कितनी हराबनी और दर्बनाक थी. सांम हुई और सांम रात हुई, तो ककमनी की कगा कि उसके दिमारा और जिल्दगी में भी अंधेरा झा रहा हो. बाबू जो की इन्तजारी में बेटी की नन्ही नन्ही आसें मुंद गई, उक्सनी ने उसे अपनी गोद में बिठा लिया और बोली—"तुम क्यों इस तरह ऊंघती हो. बाबूजी जब आते हैं, सुमको जगाया करती हूँ न श्रसो बिटिया, मेरी गोद में सो जाको." और फिर !

दकमनी की बाद नहीं कि कितनी देर वहीं दीवार से पीठ सगाप, वह बैठी रही. बाबूजी की काहट सुनने की बेटी इन्तजारी कर रही थी. उसने मां से पूछा—''क्यों सम्मा, बाबू जी नहीं आप ?'' वह सबास मानो आंसुओं से गीसा था. कैसे उस सबास का जवाब दे ? उसने बच्ची को अपनी छाती से सगा लिया. वह बीख सी उठी. उसके सामने से हरावने नक्जारों का सम्बाबहा जस्स जैसे विकस रहा हो. میں آتھد کے آنسو ٹیکھے تھے' آج اُسی کو دیکھ دیکھ' روقے روتے آنسو بھی سوکھ کلے ھھں ۔

A LAND THE RESERVE THE PROPERTY OF THE PROPERT

مهلے جب سے نکلے اور جهوں تھا آنات کے سمادر میں چلنے لگی. ایک دن کے مطلب بہیں که اچانک ایک دن و ایک مر دل کلر، رکملی لے باتی کو دوانی نع تهیرایا ا بهلے هے درسروں کی نظر میں ولا بھولوف یا مررکھ ھی کھیں تہ ھرں ، اُس لے اُس کے بارے میں کوئی سوال تک أن س نه يوجها نه أن كو أس سر همان كي کوشش بھی کی . اُس لگا' اُس کے وجاد اور دوھتی کون دھیرے دھیرے اُن کے انوکول ہو رہے میں جس کا وہ شک ورتی تھی . وهی هوا، أنهوں لے ايقى نوكوں سے إستعفول در دیا. اجمعی خاص للطواه سے هاتم دور بهام ، أس تسلی موقی که اُس کے پاتی نے اپنی درقی کے لکے نام حاكمين كي خوهامد كي نه أنهمن وهوت هي هي، أنهون نے یہ بھی کیا کہ اِس بات میں آسے آن کو بدھائی ھی دیلم جاملے ایلی فد اور آدوس کے مطابق جموالہ موالہ کام کرا بھو کچھ وہ کماتے اود دے دیتے، اِس لیے یہ شکایت بھی نے رهی که آخر سب کچھ برباد کرکے ماتا پتا کی شرن مهن دونوں آگئے ، دونوں کے گهر سے جو خط آتے تھا اُن مهر، وینگ آور دهمکهان بهری رهای تهون، مگر بهر بهی رکمقیدکھی لہیں عولی، وہ جمون کے ہمالے کو کبھی خالی نہ مولے دیکی تھی ۔ اُسے تسلی اور پریم کی بوندوں سے وہ بهر دیعی تھی، لیکن اُس کا من اُس سے سونا سا ہوگیا تها بهب که ولا گهاها گهای رضعی کو معلوم تها که های در سرکار کی کوی نکاه لگی تھی، پھر بھی جب اُس کی لوھے کی مگھی ساملے دکھائی ہوں' وہ سن سی رہ گئی' باہر ہے ام کو شانیت دکھائے کی کوشش کی مگر بھار!

اون ! اُس واس کی گهتفا کعنی غوارنی آور دردناک تهی . سانعیه هوئی اور سانعیه راس هوئی' تو رکمنی کو لگا که اُس کے دمانج اور زندگی مهربهی اندههرا چها رها هو بابو چی کی اِلعظاری مهی بهتی کی نفهی آنکههی ملک گئیں اُ رکمنی نے اُس اینی گود مهی بهتها لها اور بولی—
در م کهیں اِس طرح اُونکهعی هو. بابو چی جیب آتے هیں' تمکو جعیا کرتی هیں نہ ؟ سو بقها' مهری گود مهی سو جاور'' اُور بهر ؟

وکیٹی کو یای نہیں کہ کٹنی دیر وہیں دیوار سے پہٹے لیائے' وہ بھٹی وہی ہی یابو جی کی آمنی سلنے کی بھٹی انتظاری کو وہی تھی ، اُس نے سان سے پہچھا۔۔۔'' کورن اُسران' باہو جی نہیں آئے''' وہ سوال سانو آنسواں سے گھا تھا۔ کیسے اُس نے بجی کو آہنی جھاتی سے لگا تھا ۔ وہ جھٹے سی آئیں، اُس کے سامنے سے قراوئے نظاروں کا لبیا ہوا جارس جھسے تکل وہا ہو ۔

i. ...

मा बाप थोड़ी देर बच्चे की तरफ देखते रहे. फिर पिता पालने को पकड़ लेता है और मां बच्चे को अककर उठा, अपनी गांद में ले लेती है अब बच्चे का रोना बंद हो गया. बस, इतना ही और क्या हुआ वक्सनी समम नहीं पाई. दीवार पर जो तीन परछाइयां दिखाई पड़ीं, मिल जुल, धुंचली हो, एक बड़ी परछाई में बदल गई, जिसकी कोई साफ शकत सूरत नहीं थी.

वकमनी की अलसाई आंखें फिर बची पर चा लगीं. उसने भी, उसी तरह, शायद उससे बढ़ कर, तीन आत्माएं एक हो, जीवन की मिठास, मीठे शरबत की तरह, कभी चल लिया था. उसकी खुशी देख, कितने ही दम्पति जलते भुनते थे. ठकमनी ने अपने जीवन संगी को बुद्धिमानी के के साथ चुना था—कितने ही लोगों ने बधाइयां दी थीं? मगर आज ईर्षा की जगह अवहेलना है, बधाई की जगह हमदर्श है!

क्कमनी ने जरा सिर उठाया. उसकी नजर उपर टंगी कोटो पर टिक गई. उस कोटो के लिए एक बार किसी तुमायश में इनाम मिला था कोटो में बचपन की मासूमियत और सरलता जाहिर हो रही थी. रिश्तेशरों की और जान-पहचान के लोगों से उस कोटो की बच्छी मांग थी और उसकी बहुत सी प्रतियां मंगवाई थीं?

काश! उनमें से कोई आज इस बची का देख लेता! कौन यक्तीन करेगा कि वह यही बची है? उस समय उसे अपनी अपनी गोद में लेने के लिये लोग जिद करते थे और आज? आज कूने तक के लिये लोग नफरत करेंगे. उस बेजान फोटो में आत्मचैतन्य का धृंधलापन जाहर होता है और इस जानदार बची में मौत की 'ठंड' है जो रेंगती नजदीक आ रही है.

दक्तमनी की निगाह धारे धारे बची के चेटरे से हट, दूसरे कोटो की तरफ गई वह वहां इसलिए टगी थी कि बची आंख खुलते ही उसे देख ले. उसमें एक तन्दरस्त और हंसमुख जवान है और उसके गले से चिपटी एक बची भी, जो कमरे की तरफ देख, हंसती है, मोटी ताजी और चंचल—पिता और पुत्री. ऐसा लगता था कि दोनों आपसी रिश्ते पर फ़्झ करते हों. बची की आंखें मानों कह रही हों कि कितने अच्छे बाबू जी हैं और पिता का चेहरा कह गहा हो कि ऐसी बच्ची को कीन मिलना नहीं चाहेगा.

इकमनी उस फोटो को वे पलक मारे देखती रही. इस क्योजभरे जगन से ऐसी लाइ दुलादी बच्ची का मां जैसा प्यार पाने के लिए वह अपने मां बाप से जड़ी-मताड़ी थी. इन खोगों की नज़र में योग्य दामाद बनने के लिये उन्होंने कितनी मेइनत की और नौकरी भी हासिल की! किर ?.....इन दिनों जिस फोटो को देख, उसकी आंखों ماں پاپ ٹھوڑی دیر بنچے کی طرف دیکھتے رہے ، پھو پھا پائے کو یکو لیکا ہے آور ماں بنچے کو جھک کو اُٹھا اُ آیڈی گود میں لے اُنھٹی ہے ، اب بنچے کا ،ونا بلاد ہوگھا ، پس اُٹھا می ، آور کیا ہوا رائٹس سنجھ نیشن پائی ، دیوار پر جو تین ہے جہائیاں دنھائی یویں' سل جل اُ دیملنٹی مو ایک بوی پرجھائی میں بدل کئی' جسکی کیٹی صاف شکل صورت نیش نہیں ،

وکمای نے ڈوا سر اُنہایا۔ اُس کی نظر اُوپر تفکی فوتو پر ٹک گئی، اُس فوتو کے لئے ایک بار کسی نمائش مہیں اِنعام ملا تہا، فوتو مہیں بچہاں کی معصوسہت اور سرلھا ظاہر ھو رھی تھی ، وشعہداوں کی اور جان پہچان کے نوگوں نے اُس فوتو دی اچھی مانگ تھی اور اُس کی بہت سی پرتیاں مفکوائی تھیں ؟

گاهی آ ای مهن سے کوئی آج اس بچی کو دیکھ البہتا آکوں یقمی کریکا که یہ وهی بچی هے لا اس سے سے ایفی ایفی گود میں لیلنے کے لئے لوگ ضد کرتے تھے اور آج لا آج چہونے تک کے لئے لوگ قدرت کریفائے ۔ اس بہجان فوتو میں آتا چیفیه نا دھفدایی ظاهر هوتا ہے اور اِس جاندار بچی میں موت کی البلق ہے جو ریفائی یودیک آ وهی ہے

وکیلی کی دگاہ دھورے دھوڑے بنچی کے چھورے سے
ھمگ کوسرے فوڈو کی طوف گئی ، وہ وھاں اس لئے تشکی
ٹھی کہ بچی آدعہ کہلٹے ھی اُسے دیکھ لے اُس میں ایک
تشوست اور هلس مکہ جوان ہے اور اُس نے کلے سے چھٹی
ایک بجیی،بھی جو کدرے کی طوب دیکھ هلستی ہے موثی
تازی اور چلنچل سیتا اور یتری ، ایسا لکتا تھا که دودوں
آیسی وشتے پر قطر کرتے ھوں بجی کی آنکھیں مادو کھ
وھی ھوں که نتلے اچھ یابو جی ھیں اور یتا کا چہوا
کہ وھا ھو کہ ایسی بچی کو دون ملتا مہیں جاھھا ،

رکملی اُس فراو دو پہ پلک مارے دیکھتی رہی، اُس اُوے بھرے جوان سے ایسی لات دلاری بھی دا ماں جیسا پھار پائے کے لئے وہ اُنھ مال باتیا سے بوی جھلوی تھی ، اُن لوئوں کی نظر میں ہوگ داماد پللے نے لئے اُنہیں نے کھلی معطلت کی اُور بودری بھی حاصل کی اِ پھر آگی۔ اُنہیں جیس فوٹو کو دیکھا اُس کی آبکھوں اُنہیں جیس فوٹو کو دیکھا اُس کی آبکھوں

ملى 35٪

Carlo Santa

बढ़ रही है, तो लड़कियों को पदाये बिना काम कैसे चता सकता है?

साबित्री की प्रावाज जब कभी ऊंची हो जाती तो इकमनी का ध्यान उस तरफ जाता बिना खाये, पिये और सोचे उसने भी इसी तरह पढ़ा था. जीवन के वह दिन कितने सुनहरे थे! दिल में सुन्दर सपने थे, आंखों में खशी. कोई माठी कल्पना शायद सावित्री को बीच बीच में रोक लेती होगी नोट बुक के टेस्ट टियूब और बनसन बर्नर के डायग्राम के बीच से किसी नौजवान की पतली मुंछ और वमकीली आंखें उसके दिल में दिखाई पड़ती होंगी. कौन जाने ? शायद इसीलिये पढ्ने की आवाज कभी कभी धीमी हो जाती है. दूसरी लड़कियों की तरह रुकमनी के जीवन में भी ऐसी कई बातें घटी थीं, मगर सावित्री उतनी होशियार नहीं कि वह ऐसे किसी साहसी जवान को अपनी तरफ़ खींच सके जो अपनी प्रेमिका के लिए महासेरू का ऊंची चोटियों पर भी चढ़ने का संकोच न करे. इसमें भी जरा शक है कि अगर सावित्री एक प्रेमी को चुन ले, तो उससे शादी करने के लिए घरवालों को मना सकेगी या नहीं. यह सब रुक्तमनी खूब जानती है.

रहमनी का ध्यान अचानक उसकी दूसरी बहन की तरफ गया. दो चार दिनों में उसकी शादो होनेवाली है. शादो की तैयारियां हो रही हैं यही उस घर के शोर शरा का और इधर डघर चीजें विखरी रूने का कारन है. लेकिन दुखहन का उत्साह मानो दिनों दिन कम होता जा रहा है. वह बाहर वियादा दिखाई भी नहीं पढ़ती. यह बात नहीं कि वह दूरहे को नहीं चाहती थी या प्रहस्थ जीवन से उसे नक्षरत थी. अनुभवी ठकमनी जानती है कि वहन इसके चाबाबा इस समय कुछ कर भी नहीं सकता, शादी के पहले दिल में जो आशंका, बेसमी, इन्तजारी, रंज और खुशी होती है, उनको वह दूर नहीं कर पाती. वह एकान्त चाहती है. नया स्वामी, नया घर, नये मां बार —वैसे तो सब तरह से नई जिन्दगी की डेहरी पर खड़ी है. कल्पना के द्वार से जब वह मांकती है

इक्समी का ज्यान बच्चे के राने से खिच गया. उसने उसी मुद्रा में बैठे बैठे बिना हिले जुले अपनी बेटी के बेहरे से नकर हटा, उस कमरे की तरफ देखा, जहां से बच्चे की आवाज आई थी. वहां से, उस कमरे का कुछ विकाई पदता. मगर वीवार की परछाई से वह समम गई कि बचा पासने में पड़ा छटपटा रहा है. बचा उसके बड़े आई का है. उनकी शादी पार साल हुई थी. बचा सोया हुआ ही सही, मगर किर भी उसे वैसे ही छोड़ वह दोनों कहां चले गये! हां, पासने की भूलती परछाई के पास और दो परछाइयां दीस पड़ी—एक पुठश की और एक सी की.

ہوھ رھی ہے گئو لوکھوں کو پوھائے بتا کام کیسے بھل سکتا ھے ؟

ساوتوی کی آواز جب کیهی اُونچیهو جاتی تو رکسلی كا دههان أس طوف جاتا ، بقا كهائه " يَكُم أور سولُم أس لَّم بھی اِسی طرح پڑھا تھا ۔ جھین کے وہ دن کتف سفورے ته أ دل ميل سلدر سهلم ته، أنكهبل مين خرشي كوثي مهتهی کلیدا شاید ساوتی کو بهیم بیچ مهن روک لهتی ھرکے . نوب بک کے ٹھسٹ ٹھوب اور بن سن بونو کے قائلے گرام کے پھیے سے کسی نوجوان کی پتاری مونجه اور جمکھای آنکھیں اُس کے دل میں دکھائی پوتی ہونگی . کون چانے؟ شاید اِس لیّے پوهیے کی آواز کھھی کھھی دھھمی ھو جاتی ھے ، دوسری لڑکھوں کی طرح رکشی کے جھوں میں بھی ایسی کئی باتین گهتی آهین مگر ساوتری آتنی هوشهار نهدو که ولا ایسے کسی ساهسی جوان کو اینی طرف کهیدی سکے جو ایلی پریمکا کے لئے مہا مهرو کی اُونتھی اُونتھی چوٹیوں پر بھی چوھلے کا سلکوچ نه کرے ، اسمیں بھی ڈرا شک ہے که اگر ساوتری ایک پریمی کو چون لے کو اُس سے شادی کونے کے لیے گهر والوں کو منا سکیگی یا نہیں ، یہ سب رکلمی خوب جانتی ہے .

وكلمى كا هدهان اچانك أسكى دوسرى يهن كى طرف كها . دو بهار دنوس مين أسكى شادى هونے والى هـ . شادى كى تياريان هو رهى هيں . يهى أس كهر كے شرو شرابے كا اور ادهر أدهر چهؤين يكهري رهنے كا كارن هـ ، لهكن دلهن كا أساء مانو دنوں دن كم هوتا جا رها هـ ، وه ياهر وياده دكهائي بهى نهين يوتى ، يه يات نهين كه وا دولهـ كو نهين بهاكي تهي يا كرهست جيون سے أبير نفوه تهى الربيووى ردندى جانگى هـ كه يهن أس كے عقوه إس سمه كوچ آهلك يه مهري الشطاري وئم أور خوشى هوتي هـ كوچ آهلك يه مهري الشطاري وئم أور خوشى هوتي هـ أن كو وه دور نهين كر ياتي ، وه إيكانت جاهاى هـ نها سوامى نها كور نهين در ياتي ، وه إيكانت جاهاى هـ نها يوامى كي قيهري در كوي هـ كارنگان كي دوار سے حرب وه يهائكى كي قيهري در كوي هـ كارنگان كي دوار سے حرب وه يهائكى كي قيهري در كوي هـ كارنگان كي دوار سے حرب وه يهائكى كي قيهري در كوي هـ كارنگان كي دوار سے حرب وه

رکندی کا دھیان بھیے کے رونے سے کہلیج گیا ۔ اُس نے اُسی مدرا میں بھٹی بھٹی یکا ملے قلے اپنی بھٹی کے چہرے سے نظر مٹنا اس کمرے کی طرف دیکھا، جہاں سے بھتے کی آواز آئی تھی ۔ وہاں سے اُس کمرے کا کھت نہیں دکھائی پُوتا، مگر دیوار کی پرچھائیں سے وہ سمتھ گئی که بھتے پالٹے میں پوا جھٹیٹا رہا ہے ، بھت اُس کے بڑے پہائی کا نے ، اُن کی شادی پارسال ہوئی تھی، بھت سویا ہوا ہی سیسی، مگر بھر بھی اُس ویسہ ھی بھور وہ دونوں کہاں جھلے گئے ! ھاں پالٹے کی جھولتی پرچھائیں کے پاس اور دو چھے گئے اُس اور دو پُرھیائیان دیکھ پریسائی برھی کی اور ایک اِستری کی۔ پُرسیائیان دیکھ پریسائی برھی کی اور ایک اِستری کی۔

भम्मा ! वाब्जी कहां हैं ?

(के० सरस्वती अन्मा)

कई घंटे गुजर गए, हकमनी ठंड़े कर्छ पर बैठी है— दोनों पैर संक्षा के नीचे पसारे, सिर हथेली पर रखे. वह अपनी दुलारी मुझी के चेहरे से अपनी आंखें हटा नहीं पा रही! बची पीठ के बल लेटी हुई है. बगल के कमरे से घड़ी के बारह बजने की आवाज सुनाई पड़ी. पर वह बैसे ही बैठी रही. चसे नींव नहीं आ रही है. कैसे आये ि ऐसा लगता था, उस बची के पीले चमड़े के नीचे जो दिल है, उसकी धड़कन जैसे कमजोर होती जा रही हो.

उस बढ़े परिवार के दूसरे लोग कभी कभी उस कमरे में आया जाया करते थे. मगर किसी ने दकमनी से नहीं कहा कि वह ठंडे कर्श पर न बैठे. सबी बात तो यह है कि किसी को उसकी तरक ज्यान देने का अवकाश ही नहीं था. वह अपने अपने कामों में मश्युल थे.

दश्मनी भी अपनी दालत सममती हो, ऐसी बात भी नहीं. उसका मन बची के निश्चल से शरीर के चारों ओर मंडरा रहा है. दूसरों का काम में मश्चल होना और अपनी पुरानी यादगारें दोनों उसके मन को मचला रही हैं. दूसरों में वह अपनी जिन्दगी की ही मनक देख रही थो.

इसकी चौथी बहुन सावित्री पास के कमरे में बैठी पढ़ रही है. उसकी परीक्षा बहुत नकदीक है. इन्टरमिडियेट परीचा कोई मामूली बीज नहीं, यह ककमनी भो जानता है. उसे मालूम है कि कितनी ही बातें मुंह ज्वानी याद करनी पहती हैं और कितनी ही बातें प्रैक्टिकल में करके दिखानी होती हैं ये सभी क्यारी और प्रैक्टिकल में करके विसानी हाती हैं. ये सभा ब्योरी और प्रैक्टकल कालिज की परीचाओं के खिए बस काफी है मगर जीवन की परीचाओं के लिए कोई सास कायदा नहीं रोजी कमाने के लिए बहुत कुछ इसरी बातें सीखनी पड़ती हैं और भीरे भीरे रटी बातें भूल भी जाती हैं. इस बढ़े घराने की लड़कियों को पढ़ाई का प्रमान पत्र दिखा, नौकरी के लिए दर दर मारे मारे फिरने के बिए छोड़ा भी नहीं गया है. फिर क्यों ऐसी पहाई और एसके लिए इतनी मेहनत ? सदकियों के लिए वाहिए, जपनी सहेलियों की देव्या और अध्यापिकाओं का बास्तरम ! इञ्चल का मापदंड बैसे जैसे बद्खता है. वैसे वैसे मां बाप को अपने दांव पेंच भी बदलने पड़ते हैं. अपनी की की परीका योग्यता से पति की समाज में इस्पत बहरी हैं, ऐसे सममने वाले जवामों की संस्था बब

امان ا بابوجی کهان هین ؟

(کے ، سرسوتی اماں)

کئی گہلٹر گار گئے' رکسلی ٹہلگے فرض پر بہٹھی ہے
سدونوں پیر صولے کے بہتھے پسارے' سر ھتھیلی پر وقد ،
وہ اپلی دائری مللی کے چہرے سے اپلی آنکییں ھٹا نہیں
پا وھی ا بچی پیٹھ کے بل لیٹی ھوئی ہے ، بقل کے کدرے
سے گھوی کے بارہ بجلے کی آواز سفائی پوی ، پر وہ رہسے
ھی بھٹھی رھی ، آبے نیفٹ نہیں آ رعی ہے ، کیسے آئے ؟
ایسا لکتا تھا' اس بتھے کے پہلے جموے کے نہتھے جو دل
ہے' اسکی دھوئی جیسے کیور ھوتی جا رھی ھو .

اس ہوئے ہوپوار کے دوسرے لوگ کھھی کبھی اُس کمرے میں آپ جایا کرتے تھے ، مگر کسی لے رئیڈی سے نہیں کھا کہ وہ ٹھلگے نے فرش پر به بھٹھے ، سنچی بات تو یہ ہے که کسی کو اسعی طرف دھھاں دیلے کا اوکاش ھی نہیں تھا ، وہ لیے ناموں میں مشغول تھے ،

ولیلی بھی اپلی حالت سنجھٹی ہو' ایسیبات بھی نہیں ۔ اس کا من بچھی کے بھچل بیشبیر کے جاروں طرف ملقوا رہا ہے ، دوسروں کا کم میں مشغول ہوتا آور اپلی پرانی یافالویں دونوں اس کے من دو منچلا رہی ہیں ، ہوسروں میں وہ اپلیزندگی کی میںجھلک دیکھ رہی تھی،

اسکی چوتھی ہوں سارتری اس کے کسرے میں بھٹھی ہوم وہی ، اسکی پریکشا بہت نودیک ہے ، اندومیڈئیٹ پريگھا فوگي معمولي ڇهڙ نيهن' يه رکيلي پهي جانٽي هي أيه معلوم هے كه كتلى هي بالهن رمله زبادي ياد درلي پوتی میں اور کتابی هیبائیں پریکٹیکل میں کر کے دکیائی هرایی مهن ، یه سبهی تههروی اور پرهنتیکل علیم کی پریمھاؤں کے لئے بس نافیھ ، مگر جھون کی، یعشاؤں کے لئے کوئی خاص فائدہ بہوں ، روزی تمانے کے لیے بہت كتهه درسري يالهن شههكلى هرثى ههن أور دعهرت دههرت رائی بانیں بھول بھی جاتی میں، اِس بولے کہوائے کی لولموں کو پوهائی کا پرمان یکر دکھا موکری نے لگے در در سارے مارے بھالے کے لئے جھوڑا بھی نہیں کیا ہے ، پھو کھیں ایسی پڑھائی آور اُس کے لئر اِندی معلم ؟ نوبیوں لے لیے جامئے ایلی سہیلیوں کی ایرشا اور ادعهایکوں کا وأتسل ! فزت كا ماني ديد جيس جيس بدلتا هـ، ويسرويس مان ياپ دو اي داو بهاي بهي بدلار پوتے هيں . ايلي إسالوي كي پريكها يوكنا سے ياكي كي حماج ميں عوسا يوهتي هـ؛ ايس سنجهل وال جوانون كي سلكهها جب

یستیوں' تسریروں اور پستکرن کے ۔ لاکھوں چترکاروں لے ان کلمت تسریریں بقا ڈالیں ۔ ان میں کتلی سندو میں ؟ کتلی میں جو شیکار سمجھی جا سکتی میں؟ اور ان میں بھی کتلی میں جو کا نام رمتی دنیا تک الم رمیکا؟بقااور نام کی آوزو کروڑوں انسانوں کو مؤاروں پرس سے بینچیوں کر رمی ہے، امی مایا کی خاتر مرنے والوں کی یاد کاریں بقای جاتی میں اور یاد کار کے تور پر می قبریں بنیں' مردنیاں بنیس' ستیرے بنے ۔ ان میں کتنے تاج مصل نکلے ؟ مؤار بو ہوار نہ سہی دس بیس می کے نام گذا دیجہ ئے ۔

دوسریے ہوے شہروں کی ترہ همارے شہر میں بھی ہمچھیے ہمچھی ایسے ہمیں ایسے ہمچھی اللہ سوا لانہ مان بنے مونکے۔ اُس میں ہواروں مکن بگی قزایس کے بنے میں جس کے مالک اپنے مکن کو بہت خوبصورت ممتجھتے میں، ورنہ سے می جدد هی مکان میں جن میں تمورا بہت سلدر پن ہے، ورنہ بقیہ سب مامولی بلکہ ہے تھب میں .

لفورس کی سقدرتا کے بارے میں یہ بھی سوچھا جاھگے کہ جب همیں مؤارس نکے لفو بقائے هوں اور لفورس کے بقائے وقت سب سے زیادا ودیای مہی بن کا لہاؤ وکھا هو تو یہ مسکس هی نہیں که هر لفؤ کوہ نور یا تاج مسل یا اجلاقا نکلے ا جب پولیس اور فوج نے لگے بھرک بقائے جاتے هیں یا مؤدورس اور کاربکروں کے لگے هزارس مکان جاتے هیں تو سب سے زیادا زرورت اور کام کاج بین کا شیال کیا جاتا ہے، ان کی سقدرتا کو کوی نہیں دیکھتا ، شیارس میں خویسورتی پیدا کرتا نہ گئرت سے مسکن هوا تم کسی آنسان ہے، چاهو نہ چاهو سهانگ پن زاهر هوگا ، فر مکان میں رنگا ونگی نہیں بیدا هرسکیگی .

یہی هال لفؤوںکا ہے، چلک اُچھے سلدر لفؤ ہی جایں وہ اُور یات ہے مگر هؤاروں اچھے اُچھے لفؤ بقاتا جو بھاشای اُیتھار سے سلدر بھی هوں فسی ڈبان میں ممکنے نہ هوا ۔ لیڈا ملستانی کے نگے لفڑوں میں خوبی اُور خوبیسورتی کی اُمید کونا اُمید کونے والیں کی بمول ہے۔ همیں خرف یہ دیکھٹا جامئے کہ وہ بھاشائیات اُور ودیا کی زرورت کو پورا کوسکتے میں یا نہیں ۔ اگر نئے المؤ مفید هوں اور ودیای نگھے سے سہی هوں تو کانی ہے ۔

बस्तियों, तसवीरों और पुरुषकों का है. लाओं चित्रकारों ने अमिनेक तसवीरें बना बाली. इन में कितनी सुन्दर हैं ? कितमी हैं जो शहकार सममी जा सकती हैं ? और इनमें भी कितमी हैं जिनका नाम रहती दुनिया तक क्षायम रहेगा ? बक्षायर नाम की खारजू करोड़ों इनसानों को हजारों बरस से बेचैन कर रही है. इसी माया की खारिर मरने वालों की यादगारें बनाई जाती हैं और बादगार के तीर पर ही क्रवरें बनी, मुरतियां बनी, मक्रवरे बने. इनमें कितने ताज महल निकले हिखार वो हजार न सही दस बंध ही के नाम गिना वीजिये.

दूसरे बढ़े शहरों की तरह हमारे शहर में भी पिछले प्रदेश तीस बरस में लाख सवा जाक मकान बने होंगे. इन में इंबारों मकान नई डिजाइन के बने हैं जिनके मालिक व्याने मकान की बहुत खूबसूरत सममते हैं. वरना सचमुच चन्द ही मकान हैं जिन में थोड़ा बहुत सुन्दरपन है. वरना बक्किया सब मामूली बहिक बेडब हैं.

सम्बों की मुन्दरता के बारे में यह भी सोचना चाहिये कि अब हमें हजारों नये लम्नु बनाने हों और सम्बों के बनाते बन्नत सब से वियादा विद्याई सहीपन का लिहाज रखना हो तो यह मुमकिन ही नहीं कि हर लफ्फ कोहेन्द या ताज महत या अजनता निकले ! जब पुलिस और फ्रीज के लिये बैरक बनाए जाते हैं या मजदूरों और कारीगरों के किये हजारों मकान बनाने होते हैं तो सब से जियादा खरूरत और काम काजपन का खयाल किया जाता है. इनकी मुन्दरता को कोई नहीं देखता. हजारों में खूबसूरती पैदा करना न फितरत से मुमकिन हुआ न किसी इनसान से. जाहो न चाहो सपाटपन जाहिर होगा. हर मकान में रंगा रंगी नहीं पैदा हो सकेगी.

यही हाल तफ जों का है. चन्द अच्छे सुन्दर तफ़्ज बन जायं वह और बात है मगर हजारों अच्छे अच्छे लफ़्ज बनाना जो भाशाई ऐतबार से सुन्दर भी हों किसी भी जबान में सुमकिन न हुआ. लिहाजा हिन्दुस्तानी के नये तफ़्जों में खूबी और खूबसूरती की उम्मीद करना, उम्मीद करने वालों की भूल है. हमें सिर्फ यह देखना चाहिये कि वह भाशाइयात और विद्या की ज़रूरत को पूरा कर सकते हैं या नहीं, अगर नये लफ़्ज मुकीद हों और विद्याई नक़रों से सही हो तो काफी है. मेरी भागाई ज्ञब्यावनी बनाने में इस तरह काम हरगिष नहीं चल सकता. अगर हम हिन्दी या उग्दू को विद्याई भागा बनाना चाहते हैं तो हमें बेबम हो कर नया रास्ता इस्त्रियार करना पड़ेगा. शायद आपको वही रास्ता चलना पड़े जो मैंने तलाश किया है. यानी इस्म या केल से कैंक्यती इस्म बनाओ, वह भी इस तरह से कि बनाने और एमफने में आसानी हो इसीलिये मुक्ते यक्तीन है कि क्रिकरा अमूल के मुताबिक नये नये शब्द बनाए जायं तो चन्द दिनों में हम इस तरीक़ से इतने वाकिक और मानूस हो नायंगे कि खुद बीसयों नये नये लक्ष्य बना सकेंगे जैसे:

| बिजली से बिजलियाना | याने | Electrify |
|----------------------|------|-------------------|
| बिजलियावा | " | Electrification |
| कोड से कीडयाना | " | \mathbf{Codify} |
| कोडयावा | " | Codification |
| कोडयाया | " | Codified |
| ईसाई से ईसाइयाना | , | Christianize |
| ईयाइयावा | " | Chrittianization |
| बासानी से बासानियाना | " | Simplify |
| ञा सानियाषा | " | Simplification |

मेरे बाजा मित्रों का यह एतराज़ है कि यह लक्ज खुबस्रत नहीं हैं. यह एतराज ठीक है. फिर भी में अपने भाशाई असूल को ठीक सममता हूं और इतराज करने बाले मित्रों से दी बातें कहता हूँ एक तो यह कि न सिर्फ लक्ष बल्कि भाशा का सुन्दरपन बड़ी इद तक मानून होने पर है. बहुत से नये शब्द जो आज हमें भले नहीं लगते भगर चल पढ़ें तो अच्छे मालूम होने लगेंगे क्योंकि इन शब्दों को सुनते सुनते इम इनका खुद बखुद पसन्द करने लगेंगे. दूसरी बात यह कहनी है कि असली संसार में सुन्दर चीजें कितनी कम हैं. जब परमात्मा और क़ृद्रत ने बहुत सी सुन्दर चीजें पैदा नहीं की तो मुक्त जैसा मामूली इनसान सुन्दर सुन्दर शब्द जियादा तादाद में कहां से ला सकता है शहमारी भाशा के कितने शब्द सचमुच सन्दर हैं ? जब करोड़ों इनसानों ने सैकड़ों बास में गिनती के चन्त खबस्रत लक्ष्य बनाए हैं तो चन्द आदमी एक दो दहाइयों में हजारों सुन्दर लक्ष्ण क्यों कर बना सकेंगे ? हमारे मुल्क और यहां की कलचर जबान को जाने दीजिये दुनिया में और भी तो क़ौमें हैं जो मांत मांत की जबाने बोलती हैं. इन सब की तादाद सैकड़ों बल्कि हजारों की है. सारे संसार में कितनी भाशाएं सुन्दर हैं ? लाखों इनसानों में दो तीन की सरतें अच्छी होती हैं. करोड़ों इनसान हैं जिनकी सूरतें विलकुल मामूली हैं. इनमें कोई सुन्दरता नहीं है. उनके नाक नक्रशे. रंग रूप में कोई कशिश नहीं. खुबम्रुरती तो जाने दीजिये बहुतेरे इनसानों को सूरतें खराब हैं. यही हाल शहरों,

| Till and a decide | | |
|-------------------------|-------|---------------------|
| Electrify | بہائے | بجلی ہے بجلیانا |
| Electrificatio. | | |
| | 31 | يعتبالهاوأ |
| Codify | 79 | کوق سے کو قایال |
| Codification | ., | |
| | 91 | کوټياو/ |
| Codified | | 1124 |
| Ohmatina: | 37 | كوقيايرا |
| Christianize | 49 | حیسائی سے حیسائیارا |
| Christianization | • | |
| | , | عهسالها وا |
| Simplify | 9 9 | أسانو بيے آسانهارا |
| Simplification | " | |
| ompimeation | 4.4 | أسانهاوا |
| | | |

مهرے بار معروں کا یہ ایکراز ہے کہ یہ اغز خوب سورت نههن مهن. يه ليتراز تومک هے ، يور بهي حين اي بهاشا ثهائي أسول كو تهيك سنجهتا هون أور أيتزار كرني وألم مغورں سے دوباتیں کہتا ہوں ۔ ایک تو یہ کہ بہ سرف لغز يلكه بهاها لا سلدرين بوي هد تك مانوس هول يرهـ . پہت سے نگے شہد جو آج آھنوں بہلے نہوں لگتے اگو چال پورس تو اچھ مالوم طولے لعملی کموں که ان شبدوں کو سقاته سائه هم أن كو خد يحد يسلد كرني لكهلكم. دوسري پاس ہے کہتی ہے کہ آسلی سلسار میںسلادر چیزیں کالی کے میں، جب پرمالما أور قدرت نے بہت سیسلدر جدویں پهدا نههی کی تو مجه جهما مامولی انسان سقدر سقدر مهد زیادا تهداد میں کہاں سے لاستقا ہے ؟ هماری بهاشا ك تعلي شيد سے مے سقدر هيں ؟ جب كروروں أنسانوں لے سیکوں برس میں گلکی کے چلد خوب سورت لفؤ پقائد مهل او جدد آدسی ایک دو دهائهون مهل هوارون ساهار لغز کهان کر بنا سکهلک از هماری ملک آور یهان كى كلمهر أور زبان كو جانے ديجگے . دلها ميں أور بعى تو قومهن هين جو بهالت بهالت كي زيانهن بوللاي ههن. ان سب کی لیداد سیکوں بلکه هؤاروں کی ہے۔ سارے سلسار مهن كتدي بهاهاين سندر مهن ؟ لانهون انسانين مهن دو تهن كي شورتهن أچهي هوتي ههن، كورون أنسان ھھن جن کی سرزندن بلکل مامولہ ہدن، اُن میں کوی سفور کی سفور کوی سفور کری ہوت میں کوی کھھن نہیں ، خوبیسروتی تو جائے دیتیگے بھالھر سے انسانوں کی سورتیں خواب ھیں ، یہی مال شہروں'

तो बड़ी फठिनाई होगी. Acidify के लिये खट्टा और
तुर्श दीनों इस्तें मान किये गए थे तो Acidification
और Acidify के लिये हिन्दी उरदू या आम लफ्ज
'खट्टा' क्यों औड़ दिया गया किया अनजुमन तरहकी उरद्
बालों की खट्टें से इतनी तफरत है कि अपने दस्तर खान
पर जगह देना तो कड़ी बात है उसे अपनी बेजान दिताओं
में भी देखना पसन्द नहीं करते ? उरदू का यही अकाव हम
हिन्दुस्तानी प्रेमियों को बहुत खलता है इसीलिये हिन्दी
की तरह उरदू से भी निरास हो कर हम कोशिश कर रहे
हैं कि चाल लफ्जों और चाल जोड़ों से नये नये लफ्ज
काए जायं जो विद्याई एतबार से भी ठीक हों. इसीलिये
हिन्दुस्तानी मैं:—

Acidify के लिये खहाना या खटाईयाना
Acidity "" खहाब या खटाईयाना
Acidification "" खहाइयावा के बराबरिये
समफा सकते हैं.

इसी दंग पर Sulphurate के लिये गधकाना Sulphuration "" गधकान

बन सकते हैं Sulphuration का तरजुमा अनजुमन की लुरात में 'गयक से 'साफ करना' किया गया है. यह तरजुमा नहीं है, सममाना है! एक एक लफ्ज की बनाय चार चार लफ्ज इस्तेम ल करना हो तो हम पान मी लफ्जों से पांच लाख लफ्जों का तरजुमा कर सकते हैं. चुनांचे सचमुच इलाहाबाद के एक मशहूर प्रकाशक ने अपनी हिन्दी डिक्शनरी में Giraffe का तरजुमा चार लफ्जों में यह किया है: "एक प्रकार का ऊंट!" अगर हम उरदू और हिन्दी के इन विद्वानों की पैरवी करना चाहें तो फिर खटा खट सैकड़ों इस्तलाहों का तरजुमा कर सकते हैं और खटा खट सैकड़ों इस्तलाहों का तरजुमा कर सकते हैं और खगर को "एक प्रकार का बन्दर 'Socialism को "एक प्रकार का भाईचारा" कह सकते हैं और खगर चार चार लफ्जों में भी तरजुमा न बन पड़े तो बाबा से उरदू की पैरवी में Fraternize का तरजुमा "भाई चारा पैरा करना" करें और इस हे बाद.

Fraternization का तरजुमा इस्म मफदूम थाला में लिख दं, क्योंकि संचमुच अनजुमन तरक्षकी उरदू की डिक्शनरी में.

Economise का तरजुमा किकायत शाबरी करना, भियानारवी इस्रतिय र करना किया गया है और उसके बाद ही.

Economization का नरजुमा इस्म, मजकूरा बाला मानों में किया गवा है.

تو ہوی کتھنائی موئی ، Acidify کے لئے کیٹا اور برس دونوں استیمال کئے گئے تھے تو Acidification کے لئے هندی اردو کا آم لفو کیٹا کھوں اور Acidity کی لئے هندی اردو کا آم لفو کیٹا کھوں چھوڑ دییا گیا ؟ کیا اسجمن ترقی اردو والوں کو کھٹے سے اتنی نفرت ہے کہ آپ دسترخان پر جگہ دیٹا کو بوی بات ہے، آپ اپنی بینجان کتابوں میں بھی دیکھنا پسفد نہوں کرتے ؟ اردو کا بھی جھکاڑ هم هندستانی پریموں کو بھت کھلتا ہے ۔ آسی لئے هندی کی ترہ اردو سے بھی نواس ہو کو ہم کوشش کر رہے میں کہ چالو لفزوں آور چالو جوڑوں ہے نئے لفؤ بغانے جاپی جو ودیای ایتجہار سے بھی تھیک ھوں ۔ اسی لئے هندستانی میں :

الك كه الله الكون الكون

کے برابرائے سمجھا سکتے ہوں ۔ اسی ڈھلگ پر

Sulphurate ,, ,, Sulphuration

بن سکتے هيں، Sulphuration کا قرجما انجمن کی لغت ميں ''فندهک ہے صاب کرنا'' کيا گيا هے ، يه قرجما نہيں هے' سمجهاوا هے ! ايک ايک لفز کی بجاے چار چار لفز استيمال کرنا هو، تو هم يانسو لفرون سے يانچ لانه لفزون کا ترجما کرسکتے هيں ، چفائتے سے ميے الفآبات کے ايک مشهور پر 'اشک نے ايلی هلدی قائشقری ميں الفآبات کے ايک کا قرجما چار لفزون ميں يہ کھا ھے : ''ايک پرکار کا اوست!'' کا ترجما چار اور هلدی کے اِن ودوانوں کی پوروی کرنا چاهيں اور اگر ها اور مقائش ميکروں استلاهوں کا ترجما فرسکتے هيں اور اگر چار اور دائوں کی بوری کرنا چاهيں کو ''ايک پرکار کا بهای چارہ'' کہ سکتے عيں اور اگر چار چار افزوں ميں بھی ترجما نه بن پرے تو بابا سے اردو کی پهروی مور اِس نے باد پر پرے تو بابا سے اردو کی پهروی میں اور ایس نے باد

الم منهوم بالا میں Fraternization الم منهوم بالا میں لکہ دیں الموں کا میں الموں ترقی اردو کی ڈکھلری میں

ربی اختیار کرنا کیا گیا ہے اور اس کے یاد هی

Economization المراجعة المراجعة المراجعة المعلون

| isation | के सिये | भावा |
|---|--|--------------|
| inter | " | धान्सर |
| counter | 31 | सोब |
| मुक्रदर । कब जाय ताः की क्षमान स स्टे की | के हर सफ्ज का चलहर र चन्च दिनों के इस्तेम | । तरजुमा करन |
| | यत से इसी नमूने के | |
| | पुर या उनके माने सम | |

Indianize हिंदयाना Indianization हिंदयाया Indianism **डिवयत** Gandhize गांघियाना Gandhization गांधियावा Gandhism गांधियत Nationalize क्रीमयाना Nationalization क्षीमयावा क्रीमयत Nationalism मेकानियाना Mechanize मेकानियावा Mechanization मेकानियत Mechanism

इन इस्तलाहों को तरह सैंकड़ों बल्कि इखारों लक्क हैं जिन की चरूरत मांत मांत के इस्मों में होती है. अगर मेरे समाप हुए असूत को मान बिया जाय तो आप चाहे जिस सम्बा का तरजुमा किसी दिशकत के बरौर कर सकेंगे.

धनज्ञमन तराकी चरद् की "फर इंग इस्तताहात इल्मिया" और 'इंगिकश उरद् डिकशनरी' में बाज लक्जों के यह सुराद ने दिये गए हैं:-

Acidify लड़ा करना, लड़ा होना, तुर्श करना, तुर्श होना.

त्रशियत Acidity Acidification त्रशाइयत तिजारती बनाना Commercialization हिरयाना Indianization इस्म मक्रहुम बाला में Economization

विचाई माशा में तिजारती बनाना Commercialize का तरज्ञमा हो सकता है. Commercialization के क्षिये ऐसा सक्या बनाना चाहिये जो उसकी असलियत को जाहिर करे. इसी तरह Indianize का तरजुमा हिंदयाना हो सकता है सगर अनजुमन की विकशनरी में Indianiza tion का तरजुमा हिंदयाना कहा गया है. इस नुराई को अनुजुमन तरक्रकी दरदू वाले महसूस न कर सके कि केस (किया) का तरजुमा इस्म (संज्ञा) से करना विचाई बुक्रते से रासत है. वह ठीक है कि हमारी आशा में चन्द सम्ब केंब् दीते हुए इस्म के तौर पर चास हैं जैसे काना, समर हर फेंस की इस्म के तौर पर इस्तेमाल किया जायगा

| | 151 | کے لگے | isati | ion |
|----|------|-----------------------------|----------|-------|
| | انعر | >> | in | ter |
| | کوڑ | 19 | Coun | ter |
| کی | كرتي | عالم مر لغو كا الأمدة ترجما | ئے جاہیں | ني ئا |
| | 11 | Ma I hat I have | | . , " |

المرت له رهے أور جلك دنون في استيمال أور کی والفہمت سے اسی تمونے کے آور یہی لفؤ بھانے جا مکہن بال كيمالينيسميسي أسكه

| اور سر یا ان ہے ا |
|-------------------|
| ملديانا |
| مقدياوا |
| ه لمديت |
| لاندعيانا |
| كالدههاوا |
| كاندهيث |
| ترميانا |
| قو- هاوا |
| قومهت |
| مهكانهاذا |
| مهكا تهاوا |
| مهکا لیت |
| |

ان استلاموں کی ترہ سیکروں پلکھ ھواروں لقو ھیں چی کی روورت بھانت بھانت کے اِلموں میں ہوتی ہے، اگر مهرے سنجھانے فولہ اسول کو مان لھا جانے کو آپ جاھ جس لفو کا ترجما تسی فاقت کے بغور کر سکھفکیے ۔

التصدن آولي أولو كي " فرعك المطلحات عليهه " اور التعلق اردو 3 منوي 4 مهن باو لغون كيه مواديد دام لُکُم هون د---

کهانا کرنا کهانا هونا ترهی کرنا ترهیهونا، Acidify Acidity Acidification ترشائهمت Commercialization تعهارتي بقانا Indianization منديانا

Economization أسم مقهوم بالأمين وریانی بهاها میں تصارتی بقاتا Commercialize کا لرجما هو مکتا ه ، Commercialization کے لگر أيسة لغز يغاما جاهيم جو اس كي اصليت كو زاهر كري ، اسی تره Indianize لا ترجما ملدیانا هو سکتا هر مگر النصبن کی ڈاشفاری میں Indianization کا کرجما هلدیانا کیا کہا ہے ، اس برای کو انجمی ترقی آردو والے مهموس به کر سکیک قبل (کریا) کا ترجما أسم (سلکها) بے کرنا ردیار انقتے سے فلت ہے ۔ یہ ٹھوک ہے کہ هماری بھاھا میں چند لغز فیل ہوتے ہوئے اسم کے تور پر جانو میں جهسد قهانا مكر مر فهل كو أسرك قور هر استهمال كهاجالها

अनमोल, 'अन' बयानी में अन पहल जोड़ है और गांव से गंवार, लोहे से लुहार, सोने से मुनार में 'अर' और ससुराल, लीनहास, द्वियाल में 'आस' या बनावट, सगावट, फैलावट, हड़ाबट, सजावट, चुलावट में 'अवट' आखिरिये हैं.

हिन्दुस्तानी से हमदरदी रखने वालों को उरद से एक अहम शिकायत यह भी है कि उरदू में इस्तेमाल होने बाले हिन्दी पहल जोड़ों और जासरियों से पूरा फायदा नहीं डठाया जाता और जब से डरद में मुशकिल पसन्दी और घरवियाना और कारसी पदगी का मुकाव पैदा हुआ है, ऐसे क्षप्रचों का रिवाज कम हो रहा है जिनमें हिन्दी-पन है बानी जो केठ हिन्दी हैं या हिन्दी जोड़ों की मदद से बने हैं. एक एक कर के सरदू से वह प्यारे प्यारे क्रमण तर्क कर दिये गए जिल्हें उरदू के शायरों ने भी इस्तेमाल किया था..हिन्दी तश्वीहें जाती रहीं, हिन्दुस्तानी स्रयालात कम होते गए, कारसी पन और अरबी पन का पल्ला आहिस्ता आहिस्ता बढ़ता गया. उरदू में हिन्दी क्रायदों का अमल इसल कम और कारसी अरबी का जियादा होने लगा. हिन्दस्तानी प्रेमियों की अब यह कोशिश है और होनी चाहिये कि इस खोद हुए तफची सरमाए को दोबारा हासित करें और हिन्दुस्तानी के खजाने में हजारों नये नये सिक्के हालें जो जाने पहचाने सांचों से निकलने के कारन आप अपने सरे पन का सबूत हों.

डरदू में हिन्दुस्तानी जुज और हिस्से को बढ़ा कर ही इम पेसी जवान क्रायम रख सकते हैं जो सारी क्रीम की जवान हो या जो भारत के अकसर हिस्सों में बोली और सममी जा सके. इसी जवान को तरक्की देने का एक तरीक्रा यह है कि ऐसे नये नये लक्ष्य बनाए जायं जो हिन्दी में भी चल सकें और हरद में भी.

नये जमाने के नये खयालों, नई फक्ररलों और नई खीजों को जाहिर करने के लिये हमें हजारों नये नये लक्ष्य दरकार हैं. अब बढ़ा अच्छा मौक्रा है कि हम ऐसे लक्ष्य बनाएं जो हिन्दी और उरदू दोनों में चल सकें. इसका एक तरीक्रा यह है कि हिन्दी और उरदू में रिवाज पाए हुए पहल जोड़ों और आखरियों से नये लक्ष्य बनाए जायं जिसकी एक तरकीब यह है कि अंगरेजी और हिन्दुस्तानी पहल जोड़ों और आखरियों के बराबरिये (Equivalents) मुक्तर्र कर लिए जायं और ऐसे सांचे तैयार किये जायं, जिनमें खाहिश के मुताबिक्र और भी नये नवे लक्ष्य जायं, जिनमें खाहिश के मुताबिक्र और भी नये नवे लक्ष्य कराय आ सकें.

इसी अस्व के मुताबिक में यह सुकाब वेश करता है कि:

ism के किये यत ise , मा

هلدستانی سے همدردی رکھلے والیں کو اردو سے آیک اهم شكايمت يم بهي هم كه اردو مين استيمال هوتم وألم هندي پيل جرورن اور آخريين سے پورا فايدا نههن أثهايا جاتا أور جب سے اردو میں مفکل پسندھی اور اربھانہ آور قارسی ودگی کا جهکاؤ پیدا هوا هے؛ ایے لفووں کا واوائے کم هو رها هے جن میں ملدی پن هے یائے جو تهیاہ ملدی هیں یا هندی جوزوں کی مدہ سے بنے هیں ، آیک ایک کر کے اُردو سے وہ یہارے یہارے لفو ترک کو دیگر گیےجامیں اردو کے شاہروں نے بھی استعمال کیا تھا ۔ هندی تشمیمیں جاتی رهیں' هندستانی خهالت کم هوتے کئے' قارسی پن أور أربي ين كا يلا أهستا أهستا بوهتا كها . أردو مهن مندی قایدوں کا امل دخل کم اور فارسی اربیکا زیادا ہوئے للا . هندستانی پریمهون کی آب یه کوشش هے آور هوئی چاهیے که اس کهوئے هوئے لغزی سرمالے کو دوبارا هاسل کریں آور مقدستانی کے خوانے میں عواروں نگے نگے سکے تمالیں جو جانے پہچانے سانجوں سے نکللے کے کارن آپ آھے کہرہے ہیں کا فہرت ھوں ۔

أردو مهى مقدماتنى جو اور هسى كو بوها كر هي هم اسى زبان قايم رفه سكته ههى جو ساري قوم كي زبان هو يا جو پهارت كے ائسر هسوں مهن بولى اور سمتههى جا سكه ، إسى زبان كو توقى ديله كا ايك تربقا يه هے كه أيسى نئے نئے لغو بقالے جايں جو هفدى مهن بهى چل سكهن آور أردو مهن بهى .

نگر زمائے کے نگر خیالوں' نگی زرورتوں اور نگی جیزوں کو زامر گرئے کے لگر عمیں عزاروں نگر نگر لفؤ درکار عیں ۔ اب ہوا اچھا موقا ہے کہ عم ایسر لفؤ بقاییں جو عقدی آور دونو میں چل سکیں ۔ اِس کا ایک طریقا یہ ہے کہ عندی اور آردو میں رواج پالے عرب یہ پہل جروں آور آخریوں انگریؤی آور عقدستانی چیل جوزوں آور آخریوں انگریؤی آور عقدستانی چیل جوزوں آور آخریوں کے برابرے انگریؤی آور عقدستانی چیل جوزوں آور آخریوں کے برابرے تیار کئے جایں آور ایسے ساتھے تیار کئے جایں آور ایسے ساتھے تیار کئے جایں' جی میں خامص نے متابی آور ایسی نگری نئے نفو بقایے جا سکھی ،

آسی اسول کے معابق میں یہ سجباؤ یوش کرتا ھیں کد:

ism ise

242)

16. 被引力。 16. A 19. A

देश से बेहद शेम है. इस नाते उन्हें यह पंसद नहीं कि उनका स्वा बीक कमिशनर स्वा हो. मनीपुरी अगर आसाम से जिल काय तो आसानी से गवनर स्वे व ले बन सकते हैं पर वह यह भी समझते हैं कि आसाम के साथ मिलने से उनका वह हाल हो जायगा जो नमक का आटे में होता है क्योंकि वह कुल तावाद में है लाख से जयादा नहीं. हि खुस्तान जैसी बड़ी सरकार है लाख आदमियों के लिये एक अलग स्वा कैसे बना सकती है? और वह है लाख का स्वा अपने आप को कैसे संभाल सकता है? और वह भी इस वहत जब वह दूसरे मुक्क की सरहद से लगा हो.

आ जिर में इस यह कह कर अपनी बात खतम करते हैं कि पिष्क्रम में अगर कारमीर की कुवरत ने स्वर्ग बना रखा है, तो पूरव में आदमी ने कता की उन्नति कर मनी पुर को स्वर्ग में बदल दिया है.

—भगवानदीन

دیھیسے پہدد پرہم ہے۔ اِس انتے اُنہیں یہ پسقد نہیں کہ اُن کا صوبہ جوف کہ اُن کا صوبہ جوف کہ اُن جوابہ چوف کہ اُن جوابہ ہو اُلہ ہو سکتے ہیں ۔ پر وہ یہ بھی سمجھتے ہیں کہ آسام کے ساتھ سلتے سے اُن کا وہ حال ہو جائے گا جو سک کا آتے میں ہوتا ہے ۔ کھونکہ وہ کل تعداد میں جو گئی سے زیادہ نہیں ۔ ہفدستان جیسی ہوی سرکار جھ لائم آدمیوں کے لئے لیک الگ صوبہ کیسے بقا سکتی ہے ؟ آور وہ جو لانہ کا صوبہ آنے آپ کو کیسے سفیمال سکتی ہے ؟ آور وہ بھی اُس وقت جب وہ دوسرے ملک سرحہ سے گا وہ وہ بھی اُس وقت جب وہ دوسرے ملک نے سرحہ سے لگا ہو ۔

آخر میں هم یہ کیکر ایٹی بات ختم کرتے هیں که پنچوم میں اگر کاشمیر کو قدرت نے سورگ بٹا رکھا ہے تو پورپ میں آدمی نے کا کی آنٹتی کر ملی پور کو سورگ میں بدل دیا ہے .

---بهگواندین

हिन्दुस्तानी शब्दयात का छटा असून: शब्द जोड़ों के तरजुमे

(डाक्टर जाफर इसन)

हिन्दुस्तानी के लिये नई नई इस्तलाहें बनाने का एक असूल हमने यह बचान किया है कि आसान और आम समम लफ़जों के संजोग से नये नये कफ़्ज बनाए जायं. इसी असूल के आधार पर मैंने Prefix का तरजुमा पहल जोड़ और Suffix का आख़रया किया. 'पहल जोड़' का लफ़्ज सुनने से ही पता चलता है कि यह लफ़्ज से पहले आने वाला है इसी तरह आख़रिया बहुत ज़ियादा आसानी से Suffix के माने ज़ाहिर करता है.

हिन्दुस्तानी के लिये नये नये लक्ष्य बनाने का हटा शब्दयाती अस्ता यह होना चाहिये कि हर लक्ष्य का अलह्दा अलह्दा तर्जुमा करने के अलावा जहां तक बन पड़े पहल जोड़ों (Prefixes) और आज़िर्रियों (Suffixes) के बराबर से मुक़रेर कर लिये जायं ताकि नये नये लक्ष्यों के बनाने में सहुलत हो.

हर जवान में लकजी दुकड़े होते हैं जो कभी असल लक्ष्य के ग्रुक में, कभी आखिर में लगाए जाते हैं. ग्रुक में आने वाले लक्ष्यी दुकड़े को पहल जोड़ और आखिर में आने वाले को आखिरिया कहते हैं: जैसे अनजान, अनिमस,

ھندستانی شبدیات کا چھٹا اسول: شبد جوزوں کے ترجمے

(دَائِعُر جافر همن)

هفدستانی کے لئے نئی نئی استاهیں بنانے کا ایک اسول هم نے یہ بھان کھا ہے کہ آسان اور آم سمجھ لفزوں کے سفجوگ سے نئے لفز بنانے جایس اسی اسول کے ادمار پر میں بے Prefix کا ترجمہ پہل جور اور Suffix کا آخریہ کھا ۔ 'پہل جور' کا لفز سنانے سے هی یکم چلتا ہے کہ یہ لفز سے پہلے آنے والا ہے ، اسی تر آخریہ بہست زیادہ آسانی سے Suffix کے مانے زاہر کرتا ہے .

هلدستانی کے لگر بگے لگے لغو بلانے کا چھٹا شہدیاتی اسول یہ هونا جاهگے کہ هو لغو کا الامدا لاهدا توجیا دونے کے الرا جہاں لگ بن ہونے پہل جوزوں (Prefixes) اور آخریس (Suffixes) کے بوابو سے مقور کو لگے جایں تاکہ نگے نگر لغزوں کے بلانے میں سہولت هو ،

مر زبان میں لغوی تکوے موتے میں جو کیمی اسل لغو کے شرو میں' کیمی آخر میں لئانے جاتے میں ۔ شرو میں آنے رالے لغوی ٹکونے کو پیل جوڑ اور آخر میں آنے والے کو آخریہ کہتے میں : جیسے انتجان' انمل'

the state of the s

करकट देखने को भी नहीं मिलेगा. सक्कें भी बहुत साफ रहती हैं. उनका घर बहुत ज्यबस्थित मिलेगा. साफ तो मिलेगा ही.

आसाम भर में कर्षे का बहुत रिवाज है. हर घर में आप को करचा देखने को मिलगा. आसाम की करीब करीब हर औरत बुनना जानती है. फिर चाहे वह अभीर घराने की हो या चाहे गरीब घराने की. ब्राहमन नारी तो शायद ही कोई मिले जो बनना न जीनती हो. हाथ के जुने कपड़ों का रिवाज बहुत पुराना है पूजा में तो मिल के कपड़े काम में ही नहीं जाते. हाथ कते सूत का रिवाज कम होगया है. उसकी बज़ह यहां के लोग यह बताते हैं कि मिल क सूत सस्ते होने की बजह से लोगों ने हाथ का कता सूत काम में जाना कम कर दिया है. फिर भी यहां के लोग हाथ कते सूत का कपड़ा बुनना जानते हैं और बुन सकते हैं. मनीपुरी तो हरेक अपने घर में करथा लगाये हुये है और मनीपुरी हरेक नारी बुनना जानती ही नहीं रोज कपड़ा बुनती है. सैकड़ों घराने ऐसे हैं जिनका कपड़ा बुनना रोज का काम है धौर उसी से पैसा कमाते हैं. मनीपुरी यानी इन्फाल का बाजार अब इस देखने गये तो वहां हमको कपड़े की एक भी दुकान ऐसी नहीं मिली जिसका दुकानदार मदे हो. मालूम हुआ मनीपुरी आरतें बड़ी मजबूत होती हैं और वह ख़ुद दुकान चलाती हैं. कपदा धुनकर और बुकान चलाकर भी वह बहुत सा बक्त घरके काम काज के लिये निकाल लेखी हैं. मनीयुरकी नारियां हिन्दुस्तान की और नारियों से बहुत षियादा आजाद है और औरों से कहीं जियादा शीलवती भी हैं. यह सुनकर तो पदने वालों को अजरज ही होगा कि मनीपुरी नारी इसको अपनी शान के खिलाफ सममती है कि इसका मर्द बाजार में सौदा सरीदने जाय. सनते हैं कि जिस तरह कहीं भारतों का बाजारमें घुमना या सौदा करना शान के खिलाफ समभा जाता है वैसे ही मनीपुर में मर्दो का सौदा सरीदना शान के खिलाफ सममा जाता है और सचमुच हमें कम से कम कपड़े के बाजार में जतने आदमी सौदा करते मिले वह सब ग़ैर मनीपुरी ही बे और जितनी नारियां सौदा करती मिलीं यह सब मनीपुरी थीं.

मनीपुर के मर्च या तो नौकरियां करते हैं या फौजी काम करते हैं. जिन्होंने अंगरेजी तालीम पा ली है वह बाजार में सौदा करने से भी नहीं चूकते. पूछा तो नहीं, पर हो सकता है कि उनके घर की मारियों ने बुनने का काम अगर छोड़ा न होगा तो कम जरूर कर दिया होगा छोड़ वह वों नहीं सकती कि पुजा के काम के लिये हाथ का बुना कपड़ा और वह भी घरकी किसी मारी का बुना कपड़ा बेहद जरूरी है.

यह इस पहले लिख चुके हैं कि मनीपुरियों को अपने

کرکستان شیکھتے کو بھی تہیں ملے گا۔ سوکیں بھی بہت صاف رھتی ھیں ۔ اُن کا گھر بہمت ریوسکھمت ملے گا۔ صاف تو ملے گا ھی۔

آسام بھر مھی کرکھ کا بہتھ روانے ہے ۔ ہر گھر مھن آپ کو کرکھا دیکھلے کو ملے گا ۔ آسام کی قریب قریب ہر مررس بققا جانتي هي بهر جاه ولا أمهر گهراني كي هو يا جاه فريب گهران كي ، براهين ناري تو شائد هي گوئي ملے جو بقفا ته جانتے هو . هانه کےبقے کھووں کا رواج بہمت ہرانا ہے ، پوچا میں تو مل کے کپوے کام میں ھی نییس أتى هاله كلم سرك كا رواج كم هو كها هي . أسكى وجة يهال کے لوگ یہ بعالے میں کہ مل کا سوت سستا ہونے کی وجه سے لوگوں نے ھالو کا کتا سوٹ کام میں لابا کم کر دیا ھے ۔ بھر بھی یہاں کے لوگ ھاتھ کئے سوس کا کھوا بققا جانگے دیس اور بن سکتے هیں ، مقی پوری تو هر ایک انهے گهر مهن کوگها لکائے هوئے هے اور ملی هوری هر ایک تاوی بلقا جانعی هی نههن روز کهوا بلغی هے ، سهکون گهرانی ایسه هیں جن کا کہوا بننا روز کا کام ہے اور اُسی سے پیسہ کماتے هين ، متى يورى يعنى إمههال كا يازار جب هم ديهكت گئے تو وہاں ہمکو کھڑے کی ایک بھی دوکان ایسی نبھی ملی جس کا دوندار مرد هو ، معلیم هوا منی پوری مورتهان يوس مضهوط هوتي هيل أور وه خود دوكان جلالي ههل ، کہوا ہی کر آور درکان چلا کر بھی وہ بہت سا رقت گھر کے کام کانے کے لیے نکال لیتی ہیں ، سلی ہود کی تاریاں ملدستان کی اور نازیس سے بہت زیادہ آزاد میں اور اوروں سے کہمیں زیادہ شہل وتی بھی میں ، یہ سن کر تو پوهنے والیں کو انهرے هی هوگا که سلی پوری تاری اِسکو اینی شان کے خلاف سیجھتی ہے که اُس کا مرد بازار میں سودا خریدنے جائے سلتے میں که جس طرح کیمن مورتوں کا ہازار میں کہوملا یا سودا کرنا شان کے خلاف سنجہا جاتا مے ویسے هی ملنے پور مهن مردوں کا سوداً خویدنا شان کے خلاف سمتجها جاتا هے ، أور سے ميے هميں كم سے كم کہوے کے ہازار میں جاتمے آدمی سودا کرتے ملے وہ سب فیو ملی ہوری هی تھے آور جاتلی ناریاں سودا کرتی ملیں وه سپ ملی پروی لهیں .

ملی ہور کے مرد یا تو نوکریاں کرتے میں یا قوجی کام رہے میں ، جلموں نے انگریزی تعلیم یا لیے وہ بازار میں سردا کرتے سے بھی نہیں جوکتے ہوجہا تو نہیں' ہر ھو سکتا ہے کہ آئی کے گہر کی ناریوں نے بلتے کام اگر چھوڑا نہ ھوگا تو کم ضرور کر دیا ھوگا ، جھوڑ وہ یوں نہیں سکتی کہ ہوجا کے کام کے لگے ماتھ کا بانا گھوا آور وہ بھی گھو کی کسیناری کا بقا کہوا ہے حد ضروری ہے ،

یہ هم پہلے فکه چکے هیں که ستی پوریوں کو آھے

e s State of

The state of the s

वह भी मासूम हुआ कि यह मंडप की होली तीन चार रोज तक इसी तरह चलती रहती है. यह है भी ठीक. आखिर इसने आदमी इस तरह मंडलियों में फाग खेलेंगे तो चार दिन पियादा नहीं हैं. यहां यह ध्यान रहे कि मनीपुरी लोग आपस में रंग नहीं फेंकते उनका फाग जो कुछ होता है वह इसी मंडप के नीचे. हां, इम्फाल में जो रौर मनीपुरी लोग हैं जैसे मारवाड़ी बरौरा वह अपने ढंग से दोली खेलते हैं. पढ़ने वाले इतना और जान लें कि इस मंडप में उनको तरह तरह के रंग के कपने पहने हुए भी लोग मिलेंगे और एक एक रंग के लोग खलग अलग मंडलियों में बैठे मिलेंगे. यानी कुछ एकदम पीले कपड़ों में, कुछ एकदम लाल में, कुछ एकदम हरे रंग में. हरे और काल रंग वालों की बात हम पूछने से रह गए. हां पीले रंग वालों की बात हमने जरूर जान ली थी. उसकी वजह यह थी कि जब हम मंहप में पहुँचे थे तब पीले रंग वाले वहां मौजूद ये, लाल हरे रंग वाले मौजूद न थे. पीले रंग के लोग सरदार लोग होते हैं. हमें बताया गया कि यह राजा के सानदान से हैं. इनका पहनावा अपने ढंग का अलग था. इनकी घोती टखनों तक नीची थी जबकि सफेद मनीपुरियों की घोती घुटनों से कुछ ही नीचे तक थी. पीले मनीपुरियों के अंगरसें घुटनों से भी काफी नीचे थे, टखनों तक कहा जाय तो हरज नहीं, जबकि सफ़ेद मनीपुरियों की मिरफाई आधी जांच से भी ऊपर थी. पीले मनीपुरी सिक्खों की तरह करें साफ़े बांधे हुए थे. जबकि सफ़ेद मनीपुरी मारबाहियों जैसी पगड़ी बांधे हुए थे. लाल और हरे मनीपरियों की पोशाक थी तो एक सी पर पीले और सफेरों से नहीं मिलती थी.

मनीपुरी इतने साफ रहते हैं कि यह कहा जा सकता है कि हिन्दुस्तान में तो क्या दुनिया भर में कोई ऐसा देश नहीं है जो समाजी रूप से इतना साफ रहता हो. मनीपुरी रारीब हो या अमीर—आझन, शात्रिय, वेश्य, शृद्ध, कोई भी हो, साफ कपड़े पहने मिलेगा. अगर कोई गंदे कपड़े पहने हुए मिल जाय तो आप वेसटके कह सकते हैं कि वह मनीपुरी नहीं है. एक बार हमने एक मनीपुरी सज्जन से पूझा-—'क्या आप रोज कपड़े धोते हैं ?'' आसिर इतने साफ आप रहते किस तरह हैं ? वह बोले—''राज तो नहीं दूसरे तीसरे जरूर कपड़े थोए जाते हैं इतने साफ दिसाई देने की एक बजह यह भी है कि हमारे बाहर निकलने के कपड़े आलग होते हैं और घर में पहनने के अलग. घर वाले कपड़े थोय तो रोज जाते हैं पर वह इतने सफेद और वसकदार सहीं होते जितने बाहर वाले कपड़े.''

सनीपुरी कपड़े साक पहनते हैं, यही बात नहीं वह हर तरह सकाई पसन्द हैं. मनीपुरियों के मोहल्लों में कूड़ा

یہ بھی معلوم هوا که یہ ملکب کی هولی تعنی جاد دوز فك إسى طوح جلتي رهتي ۾ . يه هـ بهي ٿهيك . آخو إلله أدسى إس طوح ملكالهون مهن يهاك كهيملك تو بهار دن زیاده نهین هین. یباریه دههان ره که ملی پوری لوگ آپس میں رنگ نہیں پیپلکٹے ۔ اُن کا پیاگ جو فیچه هوتا هم وا اِسی ملکات کے نیسے . هاں امهمال مهن جو فهر مهن پوری لوگ هیں جیسے مارواری وفیرہ وہ آیے تهلک سے هولی کههلتے هیں۔ پوهلے والے إنفا أور جان لهن کے اس منتیب میں ان کو طرح طرح کے رنگ کے کہوے بیش هولے بھی لوگ ملیلکے اور آیک آیک رنگ کے لوگ الگ الگ منذانون مهن بیش ملینگر. یعلی کچه ایک دم يدلي كهرون مين كنچه ايك دم الل مين كنچه ايك دم ھرپے ونگ میں ، ھوے اور لال رنگ والیں کی یاب ھو یوچونے سے وہ گئے ، هاں پہلے وبگ والوں کی بات هم نے مرور جان لی تهی اس کی وجه یه تهی که جب هم مرور جان لی تهی اس کی وجه یه تهی که جب هم ملقب میں پہرنچے تیے تب پهلے رنگ والے وهاں موجود تها ول هري رنگ والي رهان موجود نه ته. بھلے ونگ کے لوک سردار لوگ عرقے عیں، عمیں یہ بعایا کہا کہ یہ راجه نے خاندان سے مهن. اِن کا پہناوا انے تملک کا الگ تھا، اِن کی دھونی تخلوں نک نہجی تھی چىپ دە سفىد مغىيوريون كىدھوتى كهگلۇن سے كىچە ھى كافى بهج تک تهی، پیلے ملی پوریوں نے انگرکھ کھٹلوں سے ابھی نیمے تھ' تھنوں تک کیا جائے تو مرچ بہمں' جب که سلید ملے پوریوں کی سروئی آدسی جانگہ سے یہی اوہر تھی ، پہلے ملی ہوری سکلوں کی طرح ہوے ہوے صافے بالدهر هولي لهم، جب له سفيد مقى يورى ماروأويون جهسى يكوى بانده هوئد تهد. لأل أور هريدملى پوريوںكى يوشاك تھے تو ایک سی پر پیلے اور سفیدوں سے بھی ملتی تھے. ملی ہوری اللہ صاف رعتہ میں که یه فیا جا سکتا هر كا هدد الله مهل تو رقها دنها دور مهل دولي ايسا ديعن لبهن ۾ جو سماجي روپ ۾ اِنڌا صاف رها آهو . ملي ً پوري فريب هو يا امهر ، برأهمن' جهالاري' ويش' هودرا دونی بهی هوا صاف کهرے پهلے سلے کا . اگر توقی کفدے کھوے بہلے مولے سل جائر تو آپ بے کھٹکے کے سکتے میں رہ وہ ملی ہوری نہیں ہے ، ایک بار ہم نے ایک ملی پوری سعون سے پوچھا۔ " کیا آپ روز ایوے دھوتے ھیں ؟ اُ آخر إبلي ماف آپ رهلي دس طرح ههن ؟ وه بوليســـــــ روز لو بہوں دوسرے تیسرے فرور نہرے دھوئے جائے ھیں ، اِنقے ماف دنهائی دیلے کی ایک وجه یه بهی هے که همارے باهو معلقے یا دھونے الگ ہوتے میں اور گھر میں پہلفے کے الگ لهر واله دهوم دهوم تو روز جاتم همين در ولا الله سعهد اور چمکدار بهیں هوتے جعنے باعر والے نورے ."

ملی پوری نوری صاب پہلتے ہوں' یوں بات نہیں، وہ ہر طرح معالی سلد ہیں، ملی پوریوں نے متعلق میں نورا

कुर्ता. एक मिरखई पहने हुए था और पगड़ी बांबे हुए बा. हर एक के हाथ में एक रूमाल था. वह सब के सब इस तरह से आये. ऐसे बैठे और इस तरह से नाचे मानो बह कीत्र के सिपाही हों. नाच के वक्क्स उनके पांव ऐसे ही चलते थे जैसे उन लड़ कियों के जिनका जिक्र पहले किया जा चुका है. कुछ के हाथ में मांमा थीं, दो एक के गले में मृदंग थे. एकाध के हाथ में खंजरी थी. यह कभी बैठ कर गाते थे और कभी खड़े हो कर, फाग का दिन था, उत्तर प्रदेश बाले तो यही सोच रहे होंगे कि किन्हीं गंदे गीतों का सिलसिला चल रहा होगा. पर न ी वहां गंदे गीत नाम को भी नहीं थे उसे फाग का गाना बजाना ही नहीं कहना चाहिये वह तो मक्ती से भरा कीर्तन था. उसमें या तो राघा करन के गीत थे या गौरीशंकर के गीत थे या गौरांग प्रमु के गीत थे. कुछ मनीपुरी बोली में थे, कुछ हिन्दी में थे, कुछ बिहारी में थे. बिहारी में बिद्यापित के गीत थे, हिन्दी में सूर के और बंगला में गौरांग प्रभु के. यह मंहली जब थोड़ी देर कीर्तन कर चुकी तो मंदिर के दो आदमियों ने इनके ऊपर लाल रंग पिचकारी से खिड़क विया. यह रग बाल्टियों में भरा हुआ था. दोनों के पास बड़ी पिचकारियां थीं रंग खिड़कने के बाद मंडली जोश में आ गई और कीर्तन में पूरा रंग आ गया. इस मंडली ने आधे घंटे या इससे कम कीर्तन किया होगा. उसके बाद यह चली गई और दसरी मंडली आ गई. हम न्यारह बजे से चार बजे तक बैठे. आधा आधा घंटे के बाद बराबर मंडलियां जाती रहीं. जाखिर हम ऊव गये. इतनी देर भी हम इस लिये बैठे कि इसको यह मालूम बा कि थोड़ी देर में मनीपुर के राजा आयंगे और वह गोपियों के साथ मार्चेंगे. गोपियां उन पर रंग क्रिक्केंगी और वह शायत गोपियों पर रंग छिड़कोंगे. पर वह चार बजे तक नहीं आए बे. पता लगा कि वह शहर से बाहर थे. इसमें शक नहीं कि सैकड़ों ही मनीपुर की नारियां गोपियों के नाम से मंडप में मौजूद थीं. सब के कपड़े ऐसे ही सफोद थे जैसे सर्दों के. हां उनका पहनाबा दूसरे ढंग का था. गोपियों में हर डमर की नारियां थीं. बहुत छोटी लड़कियां नहीं थीं. हां न्यारह बारह बरस की भी थीं, पर बहुत कम. गोपियों का फाग हम नहीं देख पाए. पर जिन लोगों ने बह फाग देखा था उनके मुंह से उसका हाल जान लिया. मनीपुर की नारियां पर्वा नहीं करतीं. पर जो गोपी बनकर फाग खेलने आई थीं, वह सब की सब चंघट निकाले थीं. दनका जुड़ा कुछ इस तरह. बंधा दुवा था कि उनका सिर द्वपट्टे के साथ ऐसे ही उठा हुआ विसाई देता था जिस तरह हरयाने की जाटनियों का. फाग की गोपियों के सिवा और किसी मनीपुरी नारी का जुड़ा इस तरह वंशा हुआ नहीं देखा गया.

کرته ایک مروثی پیتے هوئے تیا اور یکوی باندھ ھولے تھا ۔ ہو آیک کے ہاتھ میں ایک رومال تھا ، وہ سب کے سب اِس طرح سے آئے' ایسے بھاتھ آور اِس طربر سے ناچے مالو وہ فوج کے سیاھی ھوں ۔ ناپر کے وقعت اُن کے پاوں ایسے می جلتے تھے جیسے اُن لوکیوں کے جانا ذُكر يهلي كها جا جاكا هے. كجه كي هاته ميںجهانجة تههن ا دو ایک کے کلے میں مردنگ تھے . ایک آدھ کے عاتم میں جنجری تھی . یه کیمی بیٹھ کر گاتے تھے اور کیمی کھڑے موکر، بھاگ کا دس تھا ، اُتر پردیکی والے تو یہی سوے رہے مرتکے که کفیوں گفتے گیٹوں کا سلسلہ چل رما مولاً ، پر نبهن وهان گلدید گهمت نام کو بهی نبدن تھے ، أید يهاگ كا كلًّا يتجانا هي نههن كهذا جاهلي . ولا تو يهكتي سے بهرا فیرٹن تھا۔ اُس مہن یا تو رادھا کرشن کے گھمت تھے یا کوری شفکر کے کیس تھے یا گورانگ پریہو کے گیت تھے ، كچه ملى يورى بولى مين له كچه هلدى مين له كجه بہارہ میں تھے بہاری میںودیایتی کے کیت تھے مقدی مهن سور کے اور بدکھ میں گیرانگ پریہو کے ۔ یہ مفقلی جب تھوڑی دیر کھرلی کر جکی تو مقدر کے دو آدمھوں نے ان کے اوپر قال ونگ بچکاری سے جھوک دیا ۔ یہ ونگ بالگهوں میں بھوا ہوا تھا ، دونوں کے پاس ہوی بھکاریاں تھیں ، رنگ چھوللے کے بعد ملڈلی جوش میں آ گئی اور کھرتن میں ہورا رنگ آ گھا۔ اِس مفقالی نے آدھے گھفٹے یا اِس سے کم کهرتن کها هوا . اُس کے بعد یہ جلی گئی اور دوسوس ملکلی آ کلی . هم گهاره بحص سے جهار بحص تک بهتم. أدها أدها كهنتم كي بعد برابر مندلهان أتى رهين. آخر هم ارب کلے ، إنكى دير بھى هم اس ليے بيتے كه ھنکو یہ معلوم تھا کہ تھوڑی دیر میں منی پور کے واجہ آلهدی اور ویا گریموں کے سالم ناجهدی۔ گریمان اُن پر رنگ جموکیملکی اور وہ شائد گویموں پر رنگ جموکیملکے . پر وہ جار بعد لک نہیںآئے تھے۔ بعد لکا که وہ شہر سے باہر تھے۔ اِس مهن فک نهیں که سهکون هی ملی پرر کی تاریان کوبھوں کے نام سے ملکنیا میں موجود تھیں، سب کے کھوے ایسے هی سفید تھے جیسے مردوں کے . هاں اُن کا پہذاوا درسے تعلق کا تھا، گرپھرں میں هر عبر کے ناریاںتمیں، بهمه جهولي لولهان نهيق تهين ، هان گهاره ياره يرس کے بھی تھیں کر پہت کے گوییوں کا پہاگت هم نہیں دیکھ یائے ، ہو جوں لوگوں نے وہ پھاک دیکھا تھا اُس کے سلم سے أرس كا حال بهان لها، حلم عبو كي ناويان يرده نهين كرتهن. ير جو گري يون كر يهاگ نهيلق آلى تهين ولا سب كى سب كهوسكهمك سكالي الههل . أن لا جوروا تحجه أس طرم يقدها هوا تها ده أن كا سر دوياته في ساته أيس هي أثها هوا دانهاكي فیکا لها بیس طرح هریانے کی جاتلیوں کا ، یہاک کی گرهموں کے جوا اور دسی صلی پوری ناری کا جوزا اِس طرح بقتھا ہوا نہیں دیکھا گیا ،

साथ की सहेकियां धन्हें उनकी मदद करती है. कुरन की इस नजर से देखती हैं मानो यह कर रही हों कि यह तुमने क्या कर दिया. श्रीर फिर थोड़ी देर में राधा का बदला ले लेने के लिये वह अपने हाथ का गुलाल जब कुरन की आंखों में फेंकती हैं तब राधा जी को यह अच्छा नहीं लगता भीर वह अपनी सहेलियों को इस तरह रोकती हैं मानो वह यह कह रही हों कि यह तुम क्या करती हो ? यह सब इस तरह का नृत्य होता है कि देखने वाले अपने आपको भूल जाते हैं. छोटे छोटे बच्चे तक रोना भूल जाने हैं. यहां यह भी ध्यान रहे कि यह सब काम नाच के साथ होता है ताल स्वर के डांदर होता है. एक सैकेंड के लिये भी नाधने वालियों का पांव नहीं टिकता. ठीक इसी तरह से जिन ऐसे नाचों ऊपर जिक्र आया है जैसे कृश्नार्जुन और लब कुश की अस्य शिक्षा, यह सब काम भी नाच के जरिणे ही होते हैं. अस शिक्शा में भी न हाथ में कमान होती है न नीर. सब कुछ भावों के जरिये ही दिखाया जाता है.

मनीपुर की हर एक मंडली अपना आरकेस्ट्रा रखती है. जहां हमने यह नाच देखे थे उनका भी सबसे पहला प्रीमाम आरकेस्ट्रा का था. एक बार बीच में भी बाजा बजा कर दिखाया था. नाच की तरह ही बाजे की कला में भी मनीपुरी बहुत तरक्षकी कर गए हैं उरा से इस्काल शहर में कितनी ही नाटक मंडलियां हैं और यह सब टिकट लगा कर काम करती हैं. इसी से आप अन्दाजा लगा सकते हैं कि मनीपुरी कुला के कितने भक्त हैं.

आइये, अब आप को फाग खिलाने ले चलें. मनीपुरी लीग हर अगह फाग नहीं खेलते. उनके फाग खेलने की एक जगह है. वह इस्काल से बाहर एक मंदिर के पास है, उनका फाग मंडप इतना बढ़ा होता है जिस में सोलह- बीस हजार आदमी बैठ सकते हैं. बीच में इतनी जगह खुटी रहती है जिस में पांच सौ आदमी समा सकें. मनीपुरी शिस्त के बढ़े पक्के होते हैं. वह कभी इस तरह नहीं बैठेंगे कि बीच में निकलने के लिये जगह न रहे, हजारों की भीड़ में से भी अगर कोई निकलना चाहे या अन्दर आना चाहे तो आसानी से आ जा सकता है.

हम इस मंडप में ग्यारह बजे पहुँच गए थे. बारह बजे तक मंडप स्वचालच भर गया था. जब हम पहुँचे तब एक मंडली इस बड़ी जगह में जो बीच में छुटी रहती है और जिस में पांच सी आदिमयों के लिये जगह होती है, अपना कीर्तन कर रही थी. इस मंडली की जन संख्या पच्चीस तीस के भीतर रही होगी. इसमें हर उसर के आदिमी थे वो बारह बरस के बच्चे भी थे. सबके सब सफेद कपड़े पहने हुए थे. और ऐसा माल्म होता था कि वह आज ही भुत कर आए हैं. मंडली का हर एक आदमी धोती

ساله کی سبیلیاں آنویں آن کی مدد کرتی میں۔ کرھن کو اِس نظر ہے۔ دیکھٹے مہل ماتو یہ کہ رھی هوں کہ بہ تم نے کہا کر دیا ۔ اور پہر تہروی دبیر میں رادھا کا بدائه لے لیلے کے لگے وہ اپنے جاتم کا کلال جب کرشن کی آنهون میں پہیلکتی هیں تب رادها جی کو یہ آجها نهیں لکتا اور وہ ایقی شهیلیوں کو اِس طرح روکای هیں ماڻو ولا ڀه کها وهي هون که ايه تم کها کرتي هو 🖔 ڀه اسب إس طور كا توتهه هوتا هي كه ديكها والي ألي أل كو يهول جال هين، جهول جهول بحي نک روا بهول جاتے هين . یہاں یہ بھی دھیاں رہے کہ یہ سب کم ناپے کے ساتھ ھوتا ھے، تالسور کے اندر موتا ھے، ایک سیکنڈکے لگے بھی ناچنے والهون کا پاؤں نہیں ٹکٹا، ڈویک اِسی طرح سے جن ایسے ناچوں کا اُوپر قائر آیا ہے جہتے کوشن ارجن آور لو کس کی استر شکھا کے سب کام بھی ناچ کے فریعے ھی ھوتے ھیں۔ أسلار هكرها مهن بهي ته هاته مهن كمان هوتي هے ته تهر. سب کچھ بھاوں کے ڈریعے ھی دکھایا جاتا ہے ۔

ملی اور کی هر ایک منقلی ایفا آوکیسٹرا رکھتی ہے، چھاں هم نے یہ ناچ دیکھے تھے ان کا بھی سب سے پہلا یووگرام آوکیسٹرا کا تھا ، ایک بار بھچ میں بھی باجا بنجا کو دکھایا تھا ، ناچ کی طرح هی باجے کی تلا میں بھی مقیو ہی بہت ترقی کو گئے هیں ، ذرا سے اِمپہال شہر میں کتفی هی ناٹک مقالمان بھی اور یہ سپ ٹکت میں کتا کو کام کرتی هیں ، اِسی سے آپ اندازہ لٹا سکتے هیں که ملی یوری کلا کے کتفے بھکت بھی .

آله، اب آپ کو بھاگ کھانے لے جادی، مقی پوری لوگ مور جگه پھاگ نہوں کو بھائے کی ایک جگه بھاگ کو بھاگ کو بھاگ کو بھاگ کو بھاگ کو بھی ایک جگه ھے، وہ آسپھال سے باہر آیک مقدر کے باس ھے اُس کا بھاگ مقدن آلتا ہوا ہوتا ہے جس میں سولت بھس ہوار آدمی ساستھی، مقی پوری رہائی ھے جس میں بانچ سو آدمی ساستھی، مقی پوری گھسمت کے ہونے یکہ ہوتے ہیں ہوتے ہیں۔ رہ نبھی اُس طرح نبھی بیگھودگے کہ بھی میں نکللے کے لئے جگه نه رھے، ھواروں بھاچو میں سے بھی اگر دوئی نکلفا جاھے یا اندر آنا جاھے تو آسانی سے آجا سکتا ھے،

هم اِس مندَب میں گیارہ بھی پہونے گئے تھ ، پارہ بھی تک مندَب کہتا ہے بہر گیا تھا ، جب هم پہونتے تھ ، ایک مندَب کہتا کہے بہر گیا تھا ، جب هم پہونتے تب ایک مندَلی اُس بڑی جگہ میں جو بھے میں جھٹی رهکی هے اُور جس میں پانے سو آدمیوں کے لئے جگہ ہوتی ہے اُور جس میں کے بہت رهی ہوگی ، اِس میں جو سکتھیا بھیس تیس کے بہت رهی ہوگی ، اِس میں هر معر کے آدمی تھ ، دو بارہ بوس کے بھے بھی تھ ، سب کے سب سفید کہتے پہلے توثی تھا کہ سب سفید کہتے پہلے توثی تھا کہ سب سفید کہتے ہیں۔ کو اُلے میں ماؤلی کا ہر آیک آدمی دھوتی وہ آتے ہی تھا کہ وہ آیک آدمی دھوتی وہ آتے ہی دو آیک آدمی دھوتی

the second of th

लीजियं उनके बंसत रास का हाल सुनिये. उससे भी पहले एक बात और सन लीजिये. बंसत रास में लड़िकयां ही हिस्सा लेती हैं. कुरन भी लड़की ही बनती है. कुरन बनने के लिये एक शर्त जरूरी है, लड़की की उमर ग्यारह बरस से जियादा नहीं होनी चाहिये. कोई तद्की राघा बनकर नहीं नाच सकती जब तक कि वह एक बार कुरन न वन चुकी हो. इसलिये हर घराना इस फिकर में रहता है कि उनकी सब्कियों को ग्यारह बरस से पहले पहले कुरन बनकर नृत्य करने का मौक्रा मिल जाय. वही घराना अपने आपको बहुत भाग्यशाली मानता है जिस घराने की कोई सदकी राधा बनकर नाचने का मौक्रा पा जाय. इन बातों से जाप जंदाजा लगा सकते हैं कि ज़त्य वहां कोरी कला नहीं घर्म का डांग भी है. हमारे पढ़ने वाले यह भी सायाल रखें कि मनीपरियों का नाच देखकर उनके मन में वासना नहीं, जाग सकती, 'उल्टा वैराग जागेगा, विकारी मन पित्र होने लगेगा.

अब नाच देखिये. देखिये घंटी बजी, पर्दा उठा वह देखिये दस ग्यारह बरस के छरन नाचते हुए चले आ रहे हैं. हाथ में बंसी नहीं है. पर दोनों हाथ इसी तरह उठे हैं मानो बंसी है. और वह उनके होटों को खूरही है. नाचते नाचते कुछ मिनट भी नहीं बीतती कि करन जी चल देते हैं. अब देखिये राघा जी अपनी दो सहेलियों के साथ नाचने आ रही हैं. तीनों की तीनों एक रंग की हैं. तीनों के कपड़े बहुत तड़कीले-भड़कीले हैं. विजली की रोशनी में चमाचम चमकते हैं. बीच में राधा हैं इधर उधर उनकी दो सहेलियां हैं. तीनों ऐसे नाचती हैं मानो काठ की प्रतिलयां हों श्रीर किसी ऐसी चौकी पर जड़ी हुई जिसके नीचे स्त्रींग लगी हो. अगर हाथ उठेंगे तो एक साथ, गर्दन हिलेंगी तो एक साथ. यहां तक कि आंखों के इशारे भी एक साथ होंगे और एक ही तरह के होंगे. उनके नाचने में इतनी सुबकी यानी हल्कापन देखा गया कि अगर वह सचमुच बताशों पर नाचतीं तो बताशे न फूटते. यह नाच चल ही रहा था कि करन जी फिर आधमकते हैं और अब विचकारी से रंग फेंकने और गुलाल फेंकने का काम ग्रुह हो जाता है. पाठकों को ध्यान रहे न वहां किसी के हाथ में पिचकारी होती है और न गुलाल. बस हाथ के इशारे ही यह बताते हैं कि पिचकारियां चल रही हैं और गुलाल फेंका जा रहा है. कभी राधा और सखी सहेलियां मिलकर कुशन को बीच में घेर लेती हैं और कभी अलग हो जाती हैं. जब करन जी दायें हाथ से बांये हाथ में से गुलात लेकर राघा भीर उनकी संखियों के मुंह पर फेंकते हैं तो कुछ गुलाल राषा की आंखों में जा पड़ता है और वह अपनी आंखें अपने हाथों से दंकने सुगती हैं और आंखु गिराने बगती है. لهنجئے أن كے بسلمت رامن كا حال سلهے. أس سے يهى يهلے أيك بات أور سن لينجئے. يسلمت رأس ميس لوكهاں هى حصم لهنئى هيں . كرشن بهى لوكى هى بلتى هي . كرشن بهى لوكى هى بلتى هي كرشن يلقے كے لئے أيك شرط ضروري هے اوكى كى عمر كهاولا برس سے زيادہ نبهى هونى چاهئے . كوئى لوكى رادها بن كو نبهن ناچ سكتى جب تك كه ولا أيك بار كرشن نه بن جهنى هو . إس لئے هو گهرانا إس فكر ميس رهنا هاكه أن كى لوكهوں كو گهارلا برس سے پہلے پہلے كرشن بن كو كه أن كى لوكوں كو گهارلا برس سے پہلے پہلے كرشن بن كو بهت نوابه عالى مانتا هے جس گهرانے كى كوئى لوكى رادها بين كو نابهنے كا موقعه با جائے . إن باتوں سے آپ اندازلا لئا سكتے هيں كه نرتهه وهاں كورى كلا نبهن دهرم كا انگ سكتے هيں كه نرتهه وهاں كورى كلا نبهن دهرم كا انگ بهي هي. همارے پوهنے والے يه بهى خيال ركهيں كه متى بهنے والے اللہ بهن واسلا بهن جاك سكتے اللہ ويواك جاكھا، وكارى من بوتر هونے لكھا . سكتے أوراك جاكھا.

اب ناچ دیکھگے، دیکھگے گھنٹی بجی پودہ اُٹھا، وہ دیکھیے دس کھارہ برس کے کرشن ناچتے هوئے جاء أ رهے ههن، هاته مين يدسي نهين هے، پر دونون عاتم أمي طرح اُٹھے میں مالو بلسی ہے، اور وہ اُن کے ھونگوں کو چھو رهي هي ناچٽي باچٽي کچه ملڪ بهي نهين بهنگي نه كرشن جي چل ديتے هيں، اب ديكهنّ رادعا جي اپلي دو سههلهوں کے ساتھ ساچھے آ رهی ههی، تهذوں کی تهذوں ایک رنگ کی میں، تیٹوں کے کیوے بہت تونیلے بھوکھانے هين ، ينهلي في روشلي ۾ين نهما چم نهنگه هين ، يهي مهى رادها هين. إدهر أدهر أن كى در سههامان هون. تهلون ایسے ناچتی هیں مانو کاٹه نی پتلیان عوں اور کسی ایسی چوکی پر جوی هوئی جس کے نہتھے اِسپردگ لكي هو ، اكر هاته أتههلكم تو ايك سابه كردن هليكي تو ایک ساتھ یہاں تک فہ آبکھوں نے اِشارے بھی ایک ساتھ ھونگے اور ایک ھی طرح کے ھونگے ، أن نے فاچھے میں اللى سب كى يعلى هلكاين ديكها لها نه اگر وه سي سي بعاشوں يو ناچتين تو بعاشہ نه پهوتند . يه ناچ چن مي رها نها که کرهن چی پهر آدهمکته هیں اور اب بچکاری سے رنگ بھیفعلے اور کلال پھیفکلیے کا کام شروع هو جاتاھے۔ یاقیکیں کو دھیاں رہے نے وہاں دسی نے هاته میں پچکاری هرتی هے اور به گلال، پس هاتھ نے اشارے کی یہ بٹاتے میں نہ پنچکاریاں جال رهی هیں اور گال پهیڈکا جنا رها هے . کیهم رادها اور سکهی سههامان مل در درهن دو بهي مين گههر لهاي هين اور كهي الگ هو جاني هين. جب کرھن جی دائیں مانہ سے ہائیں خانہ میں سے گال لهکر رادها اور آن کی سکھھوں کے ملہ پر پیھلکائے میں تو فعيه فالل وادها في أنكهون مهن جايونا هاور ولا ايدى أنكههن الها عافهٰن سے قعاملے تکانی هیں اور آنسو کرانےلگای هیں۔

ry ·

पूजा करने के बाद उस कुटी की परिक्रमा करते हैं वानी उसके चारों तरक चूमते हैं. फिर गौरांग प्रभु की मूरती बाहर निकाल कर कुटी में चाग लगा देते हैं. उत्तर प्रदेश की तरह जो या गेहूँ की बालें भूनने का रिवाफ मनीपुरियों में नहीं है. यह कुटी सारा मोहल्ला मिलकर बनाता है. बांस हरे होते हैं, वह फूस के जलते जलते जल नहीं सकते. उन क्ये बांसों की वह बादमी अपने घर ले जाता है जो उसमें खाग खगाता है. इस तरह की होली से मनीपुरी यह बताना चाहते हैं कि किस तरह गोरांग, महाप्रभू ने अपना घर होइकर उसे हमेशा के लिये जला दिया.

मनीपुरियों में हिन्दुओं की तरह चारों वर्न मिसते हैं. वह चपने खाप को अर्जुन के बेटे वह बाहन की औलाद मानते हैं. वह बाहन चित्रागंदा से पैदा था. चित्रागंदा मनीपुर की थी. मनीपुरियों में मनीपुर का प्रेम इतना जियादा वढ़ गया है कि बसे कम करने की जरूरत है. वह दुनिया की कोई बात मनीपुर के बरौर सोच ही नहीं सकते. मनीपुरी पैदायशी कलाकर होर्त हैं. इस बात का पूरा वनन हम खागे करेंगे जब हम उनके रंग खेताने का जिक्र करेंगे. इस बन्नत तो हम यह दिखायेंगे कि वह कितना अच्छा गाना और बजाना जानते हैं और कितना अच्छा नाचकर दिखाते हैं. इसफाल में "कला-अवन" नाम की एक संस्था है. होली के दिन उनके यहां गाने बजाने का प्रोप्राम था. उसे देखने के लिये हमें बुलावा मिल गया था हम सब उसे देखने पहुंचे. वहां इमको 9 तरह के मृत्य दिखाये गये. उनके नाम यह हैं:

1. बंसत रास. 2. लूबक चौत्रम. यानी ताली मृत्य. 3. संजरी मृत्य. 4. चित्रागंदार्जुन. 5. तिस्वां मृत्य यानी सृश्यिः मृत्य. 6. पुंगचोतंब. 7. कुरनार्जुन. 8. नागाओं का आदम जीवन. 9. तब-कुश चस्र शिषा.

इन नृत्यों के नाम सुनकर हमारे पदने वाले जरूर अवरज में पढ़ जायेंगे. चित्रागंदार्जुन, करनार्जुन, त्रक शिचा. यह सब नाच कैसे ? सचमुच यह नाच नहीं हो सकते. हम अपने पाठकों को सममाने की कोशिश जरूर करेंगे, पर उन्हें ठीक ठीक आनंद तो उसी वक्त आ सकता है जब वह उन नाचों को खुद मनीपुर जा कर देखें.

गाने-बजाने और मृत्य की कला मनीपुरियों में इतनी तरज़की कर गई कि वह हर काम नाथ गाकर करते हैं. इस नाथ गाने के सहारे उनमें शिस्त इतनी बढ़ गई है कि उनका इर काम ऐसा मालम होता है मानो कोई मशीन कर रही हो. मनीपुरी हर काम खूबी के साथ करते हैं, उसको कला का कप दे देते हैं. हमने उनकी होली देखों. उनका कान नाम के जिये काग है. पियादातर तो वह कला का ही साम है, उसका वर्नन हम असग से ही करेंगे.

सई '58

نوبجا کرنے کے بعد اُس کالی کی پری کرما کرتے میں بعلی اُلی کے بھاروں طرف گھوساتے میں ۔ یہر گورانگ پربھو کی مورکی باہر نکاکہ کالی میں اگ لکا دیائے میں اُلر پردیش کی طرح جو یا گھھوں کی بالیں بھونئے کا رواج مشی پورلیوں میں نہیں ہے ۔ یہ کالی سارا مصله مل کر بناتا ہے ۔ بائس مرے موتے میں وہ پھوس کے جلتے جلائے جل نہیں سکتے ۔ اُس بیعے بانسوں کو وہ آدمی آئے گور لے جاتا ہے ۔ بورکی یہ مشی بوریء پاتا ہے ۔ اس طرح کی هولی سے مشی پوریء پاتا جاتا ہے ۔ اس طرح کی هولی سے مشی پوریء پاتا جو گھر جھوڑ کر آیے هیں کہ کس طرح گورانگ مہا پربھو

ملی پوریوں میں هنگوں کی طرح جاروں ورن ملکے هیں ۔ یہ ایہ آپ کو اُرجن کے بہتے بہور باهن کی اُولاد مانتے هیں ۔ بہرو باهن چترا کلدا سے پیدا تھا ، چتراگذا ملی پور کی تھی ، منی پوریوں میں ملی پور کا پریم اُنٹا ریادہ بوہ کیا ہے کہ اُسے کم کرنے کی ضرورت ہے ، وا دنیا کی کوگی بات ملی پور کے بغیر سرچ هی نہیں سکتے، ملی پوری پیدالشی کا کار ہوتے ہیں ، اس بات کا پورا ورنن هم آگے کیوں کے جب هم اُن کے رنگ کیملئے کا ذکر کرینگے ، اِس جانتے هیں اور کٹٹا اُچھا گانا آرر بجانا وقت تو هم یہ دکیائیں کے که وا کٹٹا اُچھا گانا آرر بجانا جبانتے هیں اور کٹٹا اُچھا لیے ہوں ۔ اِس بیان کا بہرن '' نام کی ایک سلستھا ہے ، هولی کے دن میں " کا بہرن '' نام کی ایک سلستھا ہے ، هولی کے دن میں باوا مل گیا تھا ، اُسے دیکھئے کے لئے همیں باوا مل گیا تھا ، اسے دیکھئے یہونچے ، اُن کے نام یہ وہاں هم کو 9 طرح کے ترتبہ دکھائے اُئے ، اُن کے نام یہ میں ،

بسلمت راس ، 2، خوبک چولم یعنی قالی نرتهه ، 3 لسیان نرتهه ، 3 لسیان نرتهه ، این شرفته ، 5 لسیان نرتهه ، این سرفتی نرتهه ، 6 ، ینگ چولسپ ، 7 ، کرهن ارجی ، 8 ، نالان ۱ آدم جوری ، 9 ، یوی استر شکها ،

ان برتھوں نے نام سن کر ھبارے ہوقے رائے ضرور اچوج میں ہوجانیں کے نام سن کر ھبارے ہوقے رائے ضرور اچوج میں ہوجانیں کے دھم سب ناچ کیسے آ سچ سے یہ ناچ نہیں ھو سکتے ۔ ھم آبھی انہماں کو سمجھانے کی کوشش ضرور کریں گے ، پر آبھیں تیمیک آبھی تو اُسی وقت آ سکتا ہے جب وا آن ناچوں کو کود مئی پور جا کر دیکھیں ۔

گانے بنجائے اور برتھہ کی کلاملی پوریوں میں اِللی تولی کو گئی ہے کہ وہ ہو کام ساچ گا در کرتے ہیں ۔ اِس ناچ گائے کے سہارے اُن میں ہست اِللی بچھ گئی ہے کہ اُن کا ہو کام ایسا معلوم ہوتا ہے مانو دوئی مشین کر وہی ہو ، ملی پوری ہو کام خوبی کے ساتھ کرتے ہیں' اُس کو کا کا روپ دیے ہوں ہوں کے اُن کی ہولی دیکھی ، اُن کا پھاک نام کے لئے پھاگ ہے ۔ اِس کا فی بھاک ہے ۔ اِس کا وہنے ہم اُلگ ہے ہواک ہے ۔ اِس کا وہنے ہم اُلگ ہے ہواک ہے ۔ اِس کا وہنے ہم اُلگ ہے ہماک ہے ۔ اِس کا وہنے ہم الگ ہے ہماک ہے ۔ اِس کا

A STATE OF THE STA

बीच का, बढ़ी से बढ़ी सबबी और बोटे से बोटा सब्जा, संबंध श्रव, चरेख काओं में इतना होशियार है और इतनी प्रती से काम करते हैं जितना एक ऐसा क्यमा, जिसने किसी मणदूर के वहां जन्म लिया हो. यह सब मिस कर क्या इंगकी कुछ भी काम करने देते थे दिस बरस की सबकी ज़ब हुआरे किये दुध बाती भी और उसमें शक्कर मिसाती भी तम देखते ही बनता था. बसके हाम इस सफाई चौर बंग से बलते ने कि वह नहीं कहा जा सकता ना कि वह कि यह एस बरस की तक्की के हाथ हैं. किसी बच्चे के हाक से कमी कोई चीच किंडते नहीं देखी. विस्तर विद्याना, श्रुष श्रुवाना, बन्नत पर सातुन साकर रख देना, बातुन साकर रक्ष देना. कोई काम ऐसा न वा किसे वर के सब बच्चे सूची के साथ न कर शकते हों. क्वों के मां बाप की बहुत कमें हुकम देने की पाकरत अवती थी. हमारा सवास हैं सां की गैरहाकिरी में भी हमें कोई विकास न होती. यह क्खरी बात है कि बार दिन में हमको कभी ऐसा मौक्रा न मिला-- कि घर की मालकिन नैरहापिर हों.

नृत्य कता के लिये मनीपुर को मराहूर सुना या, देला न का. यह कता विकान के किये ही भी कामाक्याराम जी हमें मनीपुर से गये थे. होजी का मौक्रा भी अच्छा दूंडा गया था. हम 27 की शाम को मनीपुर पहुंच गये. 38 शाम को होजी जलने का तमाशा है जा जाये. आसम राष्ट्रमाशा प्रचार समिति के संचालक, भी राजनीकांत चनवर्ती को साथ लेकर पंडित जी और हम होजी देखने निकल पड़े. कुछ दूर चलने पर देखने को मिली, एक नई डाई हुई कोंपड़ी. पूछने पर मालूस हुया, होजी के लिये वह मोपड़ी बनाई गई है. इसी में आग लगाई जावली. यह सुनकर हमारा अचरज जाग गया. हम पूछ है है, 'का की होजी ?'' पता चलाः

सर्वापुर है तो नागाओं का देश और वहां के रहने बात नागा ही थे, पर धन वहां कतने नागा नहीं रह गये संबीपुरी सब वैरनव हैं. कब से वैरनव हैं, पता नहीं, राजा-हाल के सकत हैं, और हवी सिकसिल में भी गीरांगप्रमु के सबस हैं. कहीं गीरांग प्रमुका जम्म दिन वह होती के

मनीपुरियों की होती उसी बहुत जसती है जिस बहुत और सोगों की. यह पहले कहा जा जुका है कि सक्तियों के हैंद सराजे की जगह मनीपुरी बांसों की एक बीकोर क्यों कैंबार करते हैं जिस पर फूस का स्थाप कहा होता है. क्यों की विचारों पर भी फूस सम्म रहता है. होती जसने से क्यों कर मोहरूसे के साम समेद क्यों करते हुए गाते-क्यों कर होकर कर चुड़ी के प्राप्त काते हैं. कर कुटी है तीका मह की सुरत होती है. करकी वह पूजा करते हैं.

يسية الهرياء المرن مهن إلك ميفيار همن أور إدلى بهراي بن کام قبل هیں جاتا لیک لیسا بچہ جس نے کسی مؤلور کے بیان جالم لیا ہو ۔ یہ سب مل کر کہا مبکو کھوں يهي "كام كَرْطُ فَيْقِي فَصْرَ ؟ فيس يوس الى لُوعَيْ جنب هماري للے دودھ لائی تھی آور اُس میں شکر مالی تھی تب دیکیا۔ ھی بنتا تہا۔ اُس کے عاتم اِس مطالی اور قعلک سے جلکے تھے کا یہ نہیں کیا جا سکتا تھا کہ یہ دس برس کیلوکی کے عالم میں ، کسی تحد کے عالم سے کبھی کرٹی جھڑ عَيْدَتُنْ لَهِمِي دَيْكُمِي . يَسْتُمْ يَصِيلُنَا ۖ هَاتِهِ مُطَلِّنَا ۗ وَلَّبُكُ يُرَ ماہی 3 کر رکہدیگا 'حالی لا کر رکیٹیگا' کولی کام آیسا 😘 تہا جسے گہر کے سب تحد شہبی کے سالو ند کر سکار ھیں ، بھیں کے ماں یاپ کو بہت کم عام فیلے کی ضرورت ہوتی تھی ، ھارا کھال ھے مان کی فدر حاضوں مھنھی منهن کوئی دلت نه موتی . په دوسری بات هم که جار ين مين هنكو كيهي أيسا موقع ته ملا كه گهر كي مالكني فهو حافير هون .

قرتهہ کا کے لئے ملی ہور کو مھپور ساتا تھا دیکھا تھ ملی ہور لے گئے تھے ، ھولی کا ساکھیا رام جی ھمیں ملی ہور لے گئے تھے ، ھولی کا سوتھہ بھی اچھا دھونڈھا گیا تھا ، ،ھم 27 کی شام کو ملی پور بھونچ گئے تھے ، 28 کی شام کو ملی بور بھونچ گئے تھے ، والی تھی ، اچھا شوئی ھولی جلتے کا تداشہ ھیکھا جائے ، اسم راشٹر بھاشا پر جاز سمعتی کے ستجھائک شری وجلی گانت جیکوروتی کو ساتھ لے کر پلائس جی آور ھم ھوئی دیکھلے کو ساتھ لے کر پلائس تھی اور جلتے پر معلوم ھوآ ھیلی کی لیگ جھوٹی جھائی ھوئی جھینھوی، پوچھلے پر معلوم ھوآ ھیلی کے لئے بھ جھوٹھوئی بھائی گئی ہے ، پر معلوم ھوآ ھیلی کے لئے بھ جھوٹھوئی بھائی گئی ہے ، پر معلوم ھوآ ھیلی کائی جھائی گئی ہے ، پر معلوم ھوآ ھیلی کائی ہے ، پر معلوم ھوآ ھیلی کائی ہے ، پر معلوم ھوآ گیا ، ھم پرچھ بھائی گئی جھائی کیسی ھوئی گئی ، بھ سی کر ھمارا انہوں ہیاگی کیا ، ھم پرچھ بھائی ''لید کھسی ھوئی گئی ، بھ جونچھ بھائی 'الید کھسی ھوئی گئی ، بھ جھائی گھا ، ھم پرچھ بھائی ''لید کھسی ھوئی گئی گئی ہے جھائی گیا ، ھم پرچھ بھائی ''لید کھسی ھوئی گئی گئی ہے جھائی گیا ، ھم پرچھ بھائی ''لید کھسی ھوئی گئی گئی ہے جھائی 'الید کھسی ھوئی گئی گئی ہے جھاؤ آ

مئی ہور ہے تو تاکوں کا دیمی آور یہاں کے رہانہ والے ناکا ھی تھے ہور آپ یہاں آئٹے ناکا نہیں رہ گئے ، ملیہوری سب ریھائو میں ، کب سے ریشلو میں' یکٹ نہیں ، وادھا کرھیں کے بیکست میں' آور اِسی سلسلے میں ھیں گورانگ برنیو کے بیکست میں ، آنہیں گورانگ برنیو کا جام دور یہ مولی کے اہام سے مقالے میں ،

المرافق في المرافق في المرافق ا المرافق في المرافق ال संगायें थे. देखने में मंस्की ये उन्होंने एक एक केला हमें पेश किया. इसने मेहमान का धर्म निवाहने के जिये लिया, पर जब दसे खाया तब इस मेहमान का धर्म भून गये. दूसरा केला मांग बैठे. इसी से पाठक धराजा जगा सकते हैं कि यह केली साने में कितने धरुके होते हैं.

क जासाम के शिक्सा मंत्रा से बातें कर ही रहे थे कि पंडित सुन्दराताल जी को आसाम के गवर्नर जी जयराम सुस झैलत राम का बुलावा मिल गया. पंडित जी जब गवर्नर साहब जीर बीक मिनिक्टर से मिल कर लौटे तब पता बला कि जानक पहाड़ियों में कोहीमा जाने के लिवे परमिट की जाकर बड़ती है. वैसा करजिट भी वह बीक मिनिक्टर से लेते आये थे. कोहिमा मर्जीपुर कौर आसाम भावत के बीच की एक पहाड़ी है. 4,900 जीट डंबी हैं. बसी से लगी पक इस हवार कीट डंबी पहाड़ी है जिस पर चढ़ कर जापानियों ने बांगरेजी कीजों पर इमला किया था. इसी कोहीमा से 86 मील दूर मनीपुर की राजधानी, इन्काल है. मनीपुर रियासत में दाखिल होने के लिये या इन्काल जाने के लिये किसी परमिट की जाकरत नहीं होती. इन्काल और कलकत्ते के बीच हवाई जहाज का रास्ता भी है. कलकत्ते से इन्काल तक का हवाई जहाज का शिक्या था 95 कपए है.

मनीपुर चीक कमिश्नर शन्त है. इसकी हद बरमा से मिली हुई है. जासाम का तो यह हाल है क उसकी हद बरमा से बरमा, चीन, नेपाल, भूतान. जौर पाकिस्तान पांचों से मिली हुई है. मनीपुर काश्मीर की तरह मैदान में बसा है. इन्काल नाम की एक नदी भी है जो मनीपुर प्रान्त के बीच में हो कर बहती है. 30-34 मील जलकर यह नहीं पहाड़ की काट कर बरमा में जा दाखिल होती है.

मनीपूर के दौरे में भी कमाख्याराम जी हमारे साथ थे इम्काल में उन्होंने इसकी अपनी बेटी का मेहमान बनाया. जैसे ही हमने उनकी बेटा के मकान में क़दम रखा वैसे ही भी कामाख्याराम जी ने सबसे पहली बात जो हमें क्साई वह यह थी, देखिये, इस घर में कोई नौकर नहीं है. यों तो हमें नौकरों से काम लेने की आदत नहीं. पर यह सुलक्कर इसने कोर भी हर काम के लिये व्यपने मन की वैयार कर विया. पर दूसरे मिनट से ही हमें यह महसूस होने सगा कि इस एक ऐसे घर में हैं जहां एक नहीं, आठ नीकर इसारी सेवा को तैयार हैं. श्री कामाक्याराम जी के क्षामाह इन्जीनियर हैं. हजार रुपये तनस्वाह पाते हैं, पर क्नकी धर्मपत्नी, वामी भी कामास्या रामजी, चीक जज की तककी, सारे भर का काम इतनी अच्छी तरह संभाले हुए की जिसनी अकर्ता तरह एक महाराजिन और दो कहारन की नहीं संभास सकती. इनके चार सहिक्यां भीर दो तकके क्रांस बबी तबकी पहर बरस का है, सबसे होटी नी क्रम की. सबसे वहा सबका आठ का चौर सबसे बांटा

معالی ہیں ہے اور کہا میں معمولی تھے۔ اُنھوں نے ایک ایک ایک ایک تھے اسٹون بیٹھی ہیں ہے۔ اُنھوں نے ایک ایک ایک ت میں بیٹھی بیٹھی کیا ہے کہ مہمان کا دھرم دورال نگی ، میں وہ کیا ماک بیٹھے ، اسی سے پاٹیک اندازہ لگا سکتے ۔ میں دہ یہ چار کیا ہے میں کند اچھ ھوتے عمی ،

هم آسام کے شکھا سلاری سے باتھیں کو ھی رہے تھے کہ پہلابید سلدہ کل جی کو آسام کے کورتر شوی جے وام خانس وداست وام کا بلاوا سل کھا ، پلانت جی جب کورتر شاہمیت آور بھیف ملسقر سے سل کو لوگے تب پتھ بھیا کہ تانا پہاویوں میں کوھیما جانے کے لئے پرمسی کی فیجیوں ہوتی ہے ، ویسا ہوست بھی وہ جیف ملسقو سے فیجیے آئے تھے ، کوھیما صلی پور پرائٹ اور آسام ہراست کے بھیے کی ایک بہاوی ہے 000 اس اورتوں ہو جب سے بر جوہ کر جایاتی دس موار ضمی اورتوں بہاتی جو جس پر جوہ کر جایاتی ہو جس پر جوہ کر جایاتی ہو جس کی وہمیما ہیں کوھیما ہیں میں دخل ہونے نے لئے یا اسهمال جانے کے لئے وہاست میں دخل ہونے نے لئے یا اسهمال جانے کے لئے کسی پرست کی شاورت نہیں ہوتی ، اسهمال آور کلکتے کے لئے بیاج موانی جہاز کا راستہ بھی ہے ، دلکتے سے اسهمال اور کلکتے کے لئے بیاج ہوائی جہاز کا راستہ بھی ہے ، دلکتے سے اسهمال تور کلکتے کے لئے بیاج ہوائی جہاز کا راستہ بھی ہے ، دلکتے سے اسهمال تور کلکتے کے لئے بیاج ہوائی جہاز کا فرایہ دور وردی ہی ۔ دلکتے سے اسهمال تور کلکتے کے لئے بیاج ہوائی جہاز کا فرایہ دور وردی ہی ۔ دلکتے سے اسهمال تور کلکتے کے لئے بیاج ہوائی جہاز کا فرایہ دور وردی ہی

ملی بور جیف کمشدر پراست ہے ، اِسکی حق پرما سے
ملی هوئی ہے ، آسام کا تو یہ حال ہے ته اُسکی حت بوما اِ جهوں بهال بووتان آور پائستان پائچوں سے ملی هوئی ہے ، ملی پوو کاشمهر کی طابع مهدان میں بسا ہے ،
اِمِهِال دام کی ایک بدی ہوں ہے جو ملی پور پراست کے
بہتے شہوں هو تو بہتی ہے ، اِ 5-0) مهل تو یه بدی پہاڑ کی بھی دو بیما میں جا داخل عولی ہے ،

ملم پور کے دورہے میں شری کا مالیہا رأم جی عمارہے ساتھ تھے، او بھال میں اُنہوں نے ممکو ایکی بھائی کا بنیسان بھایا ، جیسے ہے مم نے اُن کی بھالو کے مکان میں قهر ونها ويسر هي قاري كاللهها وأم جا نے سب سے بہلي ياس جو ممهن بالانروه يه تهي فيكها أس كور مهن لولي نے کے تہدر ہے ، یوں تو همیں توکروں سے کام لیڈر کے عادت نہیں اور یہ سور در هم ہے آور بھی هر کام نے لیے اپنے مور کو فعلو فر لها ، ہر دو درے ملت ہے هی هموں یه محصوس هوني لها که هم ايک أيس گهر مين هين جهان ايک نيهن ا الله نباك هماري سهراً دو لهاد هيل ، شري كاما تهها رأم حيى کے عامان انصیدور هیں ، هؤار روبے تقطراد یاتے میں یو الن كي همرم يقفي علي عبري فاسانهما وام جيء بهيف چیر کی لوئی ٔ سار پر گهر کا کم اتلی آجهی طرح سلمهالے هرائر عمى حقلي أجمى طاح أيك مهاراجن أور دو كهارن رپھے البھی سقمهال سکتھی۔ اِن کے جاو لوقهاں اور دو توکے جهور ، سب سے بوی لوکی بلدوہ برس کی ہے سب سے المعدول أن يوس كي. سب من يوا لوكا أليكا أور سب من معدولا

वृसरे दिन हम लोग वशिरठ वाश्य देखने गये. यह वाश्य मोहारी से कुछ मील दूर है. हुदरती न बारे वहां एक से विश्वादा मीजूद हैं. जी वाहता है उन्हें चंटों. हफ्तों, महीनों देखा जाय पर पता लगा, तदुकस्ती के लिहाज से बह जगह इतना खराब है कि वहां तोन दिन रह कर भी शायद ही कोई बुखार से बच सके.

विशरठ आश्रम विशरट जी की एक पुरानी वादगार है बाह्यर जी के नाम से एक मंदिर बना हुआ है उस मंदिर में विशरट जी की एक मूरत है जिसके दर्शन दिन में भी वरीर दीपक नहीं हो सकते मिदर के सामने का दालान भूकंप में दूर गया था उस पर टीन बाल कर मरम्मत कर की गई है उसके नीचे कुछ और मूतियां भी विगजमान कर दी गई हैं. वहां एक पुजारी रहता है जो उस मंदिर की देख रेख करना है और पूजा भी करता है. इस मंदिर या आश्रम से लगी तीन धाराएं बहती हैं. हर एक धारा कुर देद पुट से जियादा चीड़ी नहीं. यों समित्रये कि प्रकृति ने न पश्थर कर कर तीन नानी निकाल दी हैं जो आगे जा कर एक कुंड में मिलती हैं. और नदी का क्य ल लेती हैं.

आसाम वासियों ने प्रकृति से भिक्त दिखा कर उन भाराओं और कुंड के नाम रख दिये हैं. संध्या, लिता, कांता और कुंड को असत कुंड कह कर बोलते हैं. कुंड और धाराएं तीन तरफ ऊंची पहाड़ी से धिरी हैं. एक तरफ इस कम ऊंची पहाड़ी है. उधर से धाने जाने का रास्ता है. इस कुंड पर साक्ष में एक से पियादा बार मेले लगते हैं.

24 फरवरी को हम लोग शिलांग पहुंच गये, रास्ते में हमकी एक मदरासी सरकान मिल गये. सालम हुमा, यह बरसों से आसाम प्रान्त में काम कर रहे हैं, आसामां बोली देसे ही बोल लेते हैं जैसे मानो इनकी अपनी बाली दो. आसाम के शिशा मंत्री के बगले के पास इनका बंगला था. इन्हीं के यहां हम लांगों ने खाना खाया. इनके बाल बच्चों से हम इतनं हिल मिल गये कि हमको यह मालम होने लगा कि हम अपने घर में बैठे हैं. इनके बच्चे कुछ कुछ हिन्दी बाल लेते हैं. बच्चों की मां खुब हिन्दी सममती हैं और बाल लेते हैं. बच्चों की मां खुब हिन्दी सममती हैं और बाला हैं. मदरासी सज्जन अपनी बोली लो जानते ही हैं, बाल के पेंडित हैं ही. पर हिन्दी और बासामी मी बाली अच्छी जानते हैं की अचानक काई बासामी या बात बहेश का रहने वाला इन्हों मदरासी नहीं कह सकता.

विकांग से तीस मील दूर हमारे देश का चिरापूंजी नामी जह करका है जो अपनी बरशा के लिये दुनिया में बर्गा के दिये हैं साल भर में दो सी अस्सी इंच तक बरशा हो आपती हैं. यहां के जी दस इंच लंगे केले साने में बहुत असे आएंग होते हैं. शिक्शा विभाग के विपरी बायरेक्टर अवस्ति हमोददस ने इसारे असे यह केले साझ टीर से

فرسور می هم لوگت وهاهه آهوم هیاهها گاه ، یه آهوم کوهای گاه ، یه آهوم کوهای گاه ، یه آهوم کوهای القاری بیان آهوم کوهای در ایم آهوی کهای ایک سے زیادہ موجود هیں ، جی جامات کا آنهوں کهایان مقارب میهای کا آنهوں کیا آنها خواب کے کہ وہاں تھی فی رہ کو کھی کا در هی کوگی بعدار سے بھی سکے ،

وشفاته آشرم وشفاته جی کی آیک پرائی یادگاو ہے ،
وشفاته جی کے نام ہے ایک مقدر بنا ہوا ہے اُس مقدر
میں وشفاته جی کی ایک مورت ہے جس کے درشن دی
میں بھی یقیر فیھک نہیں ہو سکتے ، مقدر کے ساملے کا
دائن بھرکمپ میں ٹوٹ گیا تھا اُس پر تین ڈال کر مرمعہ
کو لی گئی ہے ، اُس نے نیعچ کچھ اور مورتیاں بھی برا
میمان کو دی کئی ہیں ، وہاں ایک بتجاری رهتا ہے جو
اُس مقدر کی دیکھ ریکھ کرتا ہے ، اِس مقدر یا آشرم سے
اُس مقدر کی دیکھ ریکھ کرتا ہے ، اِس مقدر یا آشرم سے
لگی تین دھارائیں بہتی میں ، ہر لیک دھارا فت تیرہ
قبت ہے زیادہ جوری نہیں ، یوں سمجھئے کہ پرکرتی نے
پتھر کات کو تین نالی نکال دی ہیں جو آئے جا کو ایک

آسام واسهوں نے پرفرتی سے بھتھی دکھا کر اُن دھاراؤں آور کفٹ کے نام رفع دیگے ھھیں ۔ سفدھیا' للھا' کانھا آور کفٹ کو امریت کفٹ کہتر بولھے مھیں ۔ کفٹ آور دھارائیس تھی طرف اُونچی پہاڑی سے گھری ھھیں ۔ ایک طرف کچھ کم اونچی پہاڑی ہے ، ادھر سے آنے جانے کا داستہ ہے ۔ اُس کم اونچی پہاڑی ہے ، ادھر سے آنے جانے کا داستہ ہے ۔ اُس

24 فروری کو هم لوگ شانگ پهونے گئی، واستہ مهاں هم کو ایک مدواسی سعون مل گئے، معلوم هوا به بوسوں سے آسام پوانست مهاں کام کو وہ هها، آسامی بولی ایسہ هی بول لهجے ههاں مالو اوں کی ایلی بولی هو، آسامی بولی ایسہ هی مقتری کے پفالے آسام اور کے پائل ایس کے بیان مم لوگیں نے کہانا کہایا ، اوں کے بال بحوں سے مم انتہ ها مثل گئے کہ همانو به معلوم هوئے لگا کہ هم افح کور مهاں بوالی کے بحق بحق بولی بول لیتہ هما، بیتی کچھ کچھ هلدی بول لیتہ هما، بیتی کی ماں خوب هددی سمجھتی همان اور بولتی بیتی میراسی سمجی ایلی بولی لو جانتے هی هفائ انگریزی کے پلانس همان کور بولتی انگریزی کے پلانس همان کی مان خوب هددی ایلی بولی لو جانتے هی هفائ انگریزی کے پلانس همان کا انگریزی کے پلانس همان کی مان خوب هدا ہمانی بولی لو جانتے هی هفائ انگریزی کے پلانس همان کی مان خوب هدا ہمانی بولی کو جانتے هی هفائ اور آسامی بهان انگریزی کے پلانس همان کی مان خوب هدا ہمان کور ہمانی بولی کور آسامی بها آثر انگریزی کے پلانس همان مدواسی تیمن کور ساکھا ۔ ، ، انگریزی کور بولتی انگریزی کور آسامی بها آثر انگریزی کور بولتی انگریزی کور بولتی مدواسی بها آثر انگریزی کور بولتی انگریزی کور بولتی مدواسی بها آثر بولتی انگریزی کور بولتی دور آسامی بها آثر انگریزی کور بولتی دور آسامی بها آثر بولتی انگریزی کور بولتی دور آسامی بها آثر بولتی انگریزی کور بولتی دور آسامی بها آثر بولتی دور آسامی بولتی دور آسامی بولی بولی دور آسامی بولی دور آسامی بولی دور آسامی بولی بولی دور آسامی بولی ب

नादी की परकर में जुरी एक मुरत मिली. का नारी इस काई बैठी हुई भी मानो जान नुम कर अपना गुरा कंग विका रही हो. इसे देखते ही हमारा मन सिर कटे कर की क्या भूक कर इस नंगी सुरत की तरफ कल पड़ा. बहुत की कता पर भी हम यह न समम पाये, कि आखिर इस तरह की कला से कलाकार क्या पाठ देना चाहता है? ही सकता है, किसी अगह, किसी समय इस तरह की कला की पंकरत रही हो, पर क्या आज भी इस बात की जारूरत है कि का कला का दिखावा ऐसी जगह किया जाय जहां हर तरह की जीर हर उमर के आदमी हर दम बाते जाते हैं?

देवी के मंदिर के द्रवाजे पर जब हम पहुँचे तब शी कामाध्याराम जी हमारे साथ थे. उन्होंने बड़ी भक्ती और श्रद्धा से अपना माथा द्वार की देहरी पर टेका, और, पंक्रित जी और मुमे अन्दर चलने के लिये कहा ग्रुक म पंक्रित सुन्दरलाल जी कुछ ठिठके, अन्दर न चलने के कुछ कारन बताए, पर जल्दी राजी हो गए. हम तीनों मंदिर में वाखिल हुए. हमारे दाई तरफ के चब्तरे पर बकरों के तीन सिर कटे पड़े थे. फिर हमारा मन सोचने लगा और किसी तरह न मान पाया कि वह एक देवी के मंदिर में हैं. पंढित सुन्दरलात जी पैदाइवी निरामिश भोजी नहीं, सन 1921 से निरामिश मोजी हैं. हम पैदाइवी निरामिश भोजी हैं, पर हम देखते के दिल पर इन कटे सिरों के दिलावे का हमसे जियादा असर था. उनका चेहरा उस असर को खाज बताता. मालून होता था.

मंदिर में कुछ ही जागे बदने पर दिन में रात हो गई.

मुमें कम दिखाई देता है, मेरे लिये चलना मुरिकल हो
गया. जागे थे कामाल्याराम जी, उनके पीछे थे पंडित
मुन्दरखाल जी और पंडित जी पकने हुए ये मेरा हाथ, और
में था सब से पीछे. मंदिर में अंधेरे के साथ साथ मीद भी
काफी थी. क्यों स्यों कर हम उस जगह पहुँचे जिसे मंदिर
की वेदी कहा जा सकता है. वहां दीपक जल रहा था, पर
हम कुछ न देख पाप. पंडित जी के मुंह से यह पता चला
कि वहां जसी सरह लिंग की स्थापना थी जिस तरह शिवजी
के हर संदिर में पाई जाती है. वहां कामाल्या देवी की कोई
मूर्त बी या नहीं इसका बता न लग पाया, हमने किसी
से पूछा भी नहीं. वहां से मन भारी लिये हम लीट आप.
बहुत कुछ सोचने पर भी यह तय न कर पाप कि बीसवीं
सर्वी में इस सरह के अंदिर और इस तरह की पूजा कहां
तक पहनी है।

मंदिर से बाहर जाने पर पास ही कुछ कब्तर दाना कुछ निके जनके बारे में पूछने पर यह पता चला कि कुछ कि अनुसर्ग की भी बिल ही जाती है. यह भी मालूस कुछ कि अनुसर्ग देवी पर कहुने भी बिल किने जाते हैं. فیوں کے ملدر کے دروازے پر جب ہم پہونچے تب فری کاماکھارام جی ھارے ساتھ تھے، انہوں نے بوی بھکتی اور کمانی اور پلائس اور فری تبہری پر ٹیکا اور پلائس ہی فور معملے اندر جللے کے لئے کہا ، شروع میں پلائس جلاور کی تبہری بر شیکا اور پلائس جلائل جی کچھ کاری بھائے کے کچھ کاری موقعے کا اور کسی داخل مو کاری موقعے لیا اور کسی طرح مو کاری بھائے کہ وہ ایک دیوں کے کہی سوچھے لیا اور کسی طرح موقعے لیا کہ وہ ایک دیوں کے مدر میں ہیں ، پلائت مائی پارامی بھوجی سے نوامی بھوجی سے نوامی بھوجی بھائے کے دار پر ای کئے سوری کے دکھور کی جم دیا تھے کہ اور کی کہی سوری کے دکھورے کا ہم سے زیادہ اثر تھا، اُن کا چھوہ اس اثر سوری کے دکھورے کی موجی سوری کے دکھورے کی موجی سوری کے دکھورے کی موجی اس اثر سوری کے دکھورے کی موجی اس اثر سوری کے دکھورے کا ہم سے زیادہ اثر تھا، اُن کا چھوہ اُس اثر سوری کے دکھورے کا موسے زیادہ اثر تھا، اُن کا چھوہ اُس اثر سوری کے دکھورے کی دو صاف بھان معلوم ہوتا تھا ،

مقدر میں کچھ ھی آئے پوھٹے پر دن میں رات ھوگئی۔
معید کم دکھائی دیکا ہے' میرے لئے چلقا مشکل ھوگیا۔
آئے تیے کاماکیوارام جی' اُن کے پیچید تیے پقدت سددر لال
جی اُور پقت جی پکوے ھوئے تیے میوا ھاتھ اور میں تیا
سب کے پیچید ہی ملدر میں اندھیرے کے ساتھ ساتھ بیھیو
سب کے پیچید ، ملدر میں اندھیرے کے ساتھ ساتھ بھیو
ملٹو کی ویدنی کہا جاسکتا ہے وھاں دیبک جل وہا تیا
تو ہم تھیے تہ دیکھ پائے، پلکت جی استھاپقا تھی جس طرح
تو ہم تھیے تہ دیکھ پائے، پلکت جی استھاپقا تھی جس طرح
تھیجی کے ھو مندر میں پائی جاتی ہے ، وہاں کاماکیہا
تھیجی کے ھو مندر میں پائی جاتی ہے ، وہاں ساتھ پایا،
شیبھی کی کوئی موردت تھی یا بیس اِس کا پت نہ لگ پایا،
ھم نے کسی سے پوچھا بھی نہیں اِس کا پت نہ لگ پایا،
ھم نے کسی سے پوچھا بھی نہیں ، وہاں سے میں بھاری لگے
ما نے کسی سے پوچھا بھی نہیں ، وہاں سے میں بھاری لگے
ما نے کی بیات کچھ سوچھے پر بھی یہ طے یہ کو ہائے
ما نے بیمت کچھ سوچھے پر بھی یہ طے یہ کو ہائے
ما نے بیمت کوچھ سوچھے پر بھی یہ طے یہ کو ہائے

ر ملدر سے باہر آنے ہو یاس ھی کنچہ کیرور دائد ہکائے مانی آن کے بارے میں ہوچہنے ہو یہ بتد چھ کہ دیری ہو کیوٹووں کی بھی بلی دی جاتی ہے، یہ بھی معلوم ہوا کہ کامائیما عیری ہر کنچھوے بھی بلی دئے جاتے میں .

मनीपुर और कला

27 बरस की उमर से मैं घूमता ही रहा हूँ. हिन्दुस्तान के तीन कोने नहीं, सात कोने घूम चुका हूं. पूरव का आठवां कोना वचा हुआ या उसके देखने की इच्छा थी. पंडित सुन्दरलाल जी को असम राष्ट्र भाशा प्रचार समिति का चुलावा मिला साथ साथ मेरे लिये भी चुलावा का पहुंचा. हम दोनों चल दिये, और भी कामाक्याराम जी के, गोहाटी में, मेहमान हुए. कामाक्याराम जी मनीपुर स्टेट में चीफ कम रहं चुके थे. 22 फरवरी को कामाक्याराम जी हमको कामाक्या देवी का संदिर दिखाने ले गये.

कामाक्या देवी का मंदिर महापुत्र के किनारे पक होटी पहाड़ी पर है. उस पहाड़ी की एक चोटी से महापुत्र का हरय देखते ही बनता है. महापुत्र की सहरों में तीन टापू इतने सुहाने दिखाई देते हैं कि जी चाहता है कि उन्हीं में से किसी एक में कुटी बना कर रहा जाय. दूसरी चोटी पर देवी का मंदिर है. हम जैसे ही देवी के मंदिर के बाहरी हार पर पहुंचे वैसे ही देखते क्या हैं, दो जवान सड़के एक करने की टांगें पकड़े चले चा रहे हैं. जब वह बिल्कुल पास आये तब पता लगा कि वह बकरा बेसिर का था, उसका सिर देवी की मेंट हो चुका था. यह दरय देख कर हमारे मन में जो विचार दीड़ गए उन्हें नीचे लिखा देने में हम हम्झ हरण नहीं सममते.

दुनियां के, करीब क़रीब, सब महापुरुशों की जीवनी इसने शौर से पढ़ी है. किसी जीवनी से इस इस नतीने पर नहीं पहुंचते कि सिर कटे बकरे का जो दृश्य हमने देखा वह किसी की जीवनी से मेल खाता हो. फिर वह जीवनी चाहे महाबीर स्वामी की हो, बुद्ध भगवान की हो, हजरत ईसा की हो, या इजरत मोहण्मद की. सब महापुरुशों ने श्रिष्टिंसा का उपदेश दिया. जहां तक वन सका हिंसा को रीका. अपने देश और समय के अनुसार हर महापुरुश ने हिंसा के कम करने और उसकी क़रता को घटाने में कोई बात न डठा रखी. महाबीर के अनुवायी धर्म को ले कर सिर फ़ुद्रवल कर लेसे हैं. यही हाल बुद्ध के भक्तों का है. हैसा के अनुयायी धर्म को से कर किसने पुरुष हा चुके हैं. क्यका ठिकाना नहीं. मोहम्मद के बनुवायी बापस में विसेंस तरह तक्ते रहे हैं वह किसी से जिया नहीं. आज भी वाकिस्तान में काविषानियों के साथ जो बरताब हो रहा है का पेसा नहीं जी इचरत मोइन्मद के जीवे जी किसी तरह दीव समामा जाता.

क्षा विकारों में बुध कर इस अपने कांपरो पांच से आगे बढ़ी देवी के संदिर के फारक पर पहुँचने से पहुंगे हमें एक

منی پور اور کلا

27 یوس کی عبر سے مہی گھوم جا ھی وہا ھیں۔ ھفدسہاں کے قبیل کوتے نہیں اسات کوتے گھوم چکا ھیں۔ پورٹ کا آنہواں کوتا بچا عوا تھا اس کے دیکھتے کی آرچھا تھی ، پنقت سفدو قل جی کو اسم واشکر بھاشا پرچار سمینٹی کا بالوا مالہ ساتھ ساتھ مھرے لکے بھی بالوا آ یہونچا ، هم دونوں چل دیکھائی میں مہمان مہمان مرک کاماکھیارام جی کے گھائی میں جھف جمع دی۔ کاماکھیارام جی صفی چھف جمع دی۔ کاماکھیارام جی همکو کاماکھیا دی جاتے تھے ، 22 فرورس کو کاماکھیارام جی همکو کاماکھیا دی۔ کاماکھیا کاماکھیا کی گھے ،

کاماکہها دیری کا مددو برھم پاٹر کے کفارے ایک چھوٹی یہائی پر ہے ۔ اس پہاڑی کی ایک جھوٹی سے برھم پاٹر کا درھید دیکہجے ھی بلانا ہے۔ برھم پاٹر کی لہروں میں تین تاہو اتفے سہانے دکھائی دیائے ھیں کہ جی جاماتا ہے کہ انبیس میں سے کسی ایک میں کاتی بفا کو رہا جائے ، دوسری چھوٹی پر دیری کا ملدر ہے ، ھم جیسے ھی دیری کا ملدر کے باھری دوار پر چہونچے ویسے ھی دیکھائے کیا ھیں' در جوان لوکے ایک باکرے کی تانگیں یکڑے جائے آ رہے میں ، جب وہ بالکل پاس آئے تب پاک کا کہ وہ باکرا ہے میں ، جب وہ بالکل پاس آئے تب پاک کا کہ وہ باکرا ہے درھید دیکھ کر ھسارے میں میں جو وجار دور گئے آنہوں درھیدے دیکھ کر ھسارے میں میں جو وجار دور گئے آنہوں نہیجے لکے دیکھ میں ھم کچھ حدی نہیں سمجھائے ہ

علما کے گریب قریب سب سہاہرشوں کی جمولی م نے غور سے پومی ہے ، کسی جھوٹی سے هم اُس تعهدی پر نههو پهونتهای که سر کالیاکری کا جو درشها هم لے دیکها وہ كسى كىجهولىس مهلكهاتا هو. ههر وه جهولىجاه مهايهر سوامي کي هو' پدھ پهکوان هو' حضرت عيسيل کي هو ايا عصرت مصد کی . سب مهاورهین لے اعلسا کا آیدیش دیا، ہمیاں تک ہیں سے علسا کو روکا ابنے دیمی أور سم كے انوسار عبر مہاہرمی نے هفسا کے کم کرنے اور اُس کی کرورالا کو کہتائے میں توکی باہد تد آٹھا رکیں ، سیاریر کے انوبائی دهرم گور فی کر سر پهالول کولیالی هیں ، یہی حال بدھ کے پہتھیں کا بھی ، میسی کے الربیالی دھرم کو لے کر کتابے طالم لَمِهِ بِهِمْ هَينِ أَسِ لا تَهَالُهُ تَهِمْنَ مُصَدِيعًا لَتِهِالِي أَسِ الْمِيالِي أَسِ الْمِيالِي میں جس طرح لول وہ علیں وہ کسی سے جدیا نہدوں۔ آج يهن پاکستان ميں تاميانيوں کے ساتو جو برتاو هو رما ي یہ گیما لینوں ہور جاہرت محسد کے جوائے ہی کسی طورے . Us lower class

चीसी का संस्थित कोई नहीं

जी हाथ वरे यावर है यहां जों बांख उठे वह बखतावर यां धन दौलत का धन्त नहीं हों पात में डाकु लाख मगर

> कष सुद्र भगट से हस्ती की द्कानें खाली होती हैं यां पर्वत पर्वत हीरे हैं यां सागर सागर मोती हैं

कुछ लोग हैं जो इस दौजत पर पर्वे खटकाते किरते हैं हर पर्वत को, हर सागर को नीखाम चढाते फिरते हैं

> कुछ वह भी हैं जो लड़ मिड़ कर यह परदे नोच गिराते हैं इस्ती के उठाईगीरों की हर चाल बलमाए जाते हैं

इन दोनों में रन पड़ता है नित बस्ती बस्ती, नगर नगर हर बस्ते घर के सीने में हर चलती राह के माने पर

> यह कालिक भरते फिरते हैं बह जीत जगाते रहते हैं यह आग जगाते फिरते हैं वह भाग बुमाते रहते हैं

सब सारार शीशे, जाल गोहर इसी बाजी में क्य जाते हैं क्ठो सब जाली हायों को इस रन से बुलावे आते हैं.

--- 'दस्ते-सवा' से

ب هاله بوط باور ها بهان جو آنكه أثم وه يختاور يأن دهن فرلت لا أثبت نهين هور گهای مین ڈاکو لاکھ مگر

کے لیما جہیدی ہے مسکی کی دولانين ڪالي هوڻي هين يال يربعه پريمه ههري ههن یاں ساکر ساکر موٹی ہیں

> كجه لوك ههنجو إسدولتهر يودي لقالة يورته مهن هر پرپمت کو^ک هو ساگر کو بيقر جومال يهرل هين

کچه ولا يهي ههن جو لو يهو کر يه پرده نوي گراتے هيں مسعی کے اُٹھائی گھروں کی مر جال ألجهائه جاتے هين

> ان مونوں میں اللہ اوتا ہے لبين يسخى يسحىء نكر لكر ہر پستے گہر کے میلے میں هر چلایی رأه کے ماتھے پر

یه کالک بهرتے بهرتے هیں رہ جوت جگاتے رہائے میں يم آگ لاي پهرتے هيں وہ آگ بھیاتے رہتے ہیں

> سب سافر هيھے لعل گهر اِس بازي مين بد جاتے هيں أثهر سب شالي هاتين كو الم ان س باريه أنه هين .

याबर् मसदद्गार । बस्रतावर = भाग्यवान ; रन पड्ता है = किक्ट = अप्र का निका मार्थ संपद्म होता है.

तुम मस्त्र मुकासी, में जिनसे विकासत को समाया करते वे

> कारारी, कारत. भूक भीर ग्रम इस सपनों से टकराते रहे में रहम था भी मुख परवराव सर सांच के हांचे क्या करते

या शायद इन जरों में कहीं मोती है तुन्हारी इज्जत का बहु जिससे तुन्हारे इक्ज पे भी समझाद झनों ने रहक किया

> इस मास की धुन में फिरते से ताजिर भी बहुत, रहजन भी कई है चोर नगर, यां मुफलिस की गर जान बची तो चाम गई

यह सागर शिशे, साल-भी-गोहर साखिन हों को जीमत पाते हैं पूंडुकड़े दुकड़े हो तो जकत मुमके हैं, कह क्सकाते हैं

> तुम नाहक शीरो चुन चुन कर दामन में क्षिपाप बैठे हो शीशों का मसीहा कोई नहीं क्या जास क्ष्माप बैठे हो.

बावों के गरीबानों के रफ़् पर दिल की गुफर कब होती है एक बिखया उभेड़ा, पक सिया ब्रंडिया बसर कब होती है

> इस कार गहे इस्ती में जहां यह सत्पार, शीरो ढलते हैं हर से का करल मिल सकता है सब दायन पुर हो सकते हैं

تم مست جوانی مهن جن سے خارت کو سجایا کرتے تھے

ناداری دانترا بورک اور فم اُن مهترس سے تکرائے رہے یہ رحم تھا جرمکھ ہتجراؤ یہ لانچ کے تھانچے کیا کرتے

> یا شاید آن ڈروں میں کہیں موتی ہے تنہاری موس کا وہ جس سے تنہارے، مجوز په بھي شمعاد قموں نے رشک کھا

اسمال کیدھن میں پھرتے لیے ناجر بھر بہت' رھزن بھیکٹی فے چور نکر' یاں مفلس کی گر جان بچی نو آن گئی

> یہ سافر شیشہ' لال و گھر سالم هوں تو قیمت پاتے میں یہن تکوے تکوے هوں تو فقط چھپتے میں' لہو ردواتے میں

تم ناحق شیشے چن چن کو داسن میں چیھائے بیٹھے عو شیشوں کا مسیحا کوئی نہیں گیا آس لگائے بیٹھے عو

یادوں کے گریہانوں کے رفو پر دل کی گذر کپ ھوتی ھے اک بخیم آدھیوا' ایک سیا پوں عمر بسر کپ ھوتی ھے

اس کار گیرهستی میں جیاں یه سافر^ه شهشر قملتے عیں هر شر کا بدل مل سکتا ہے سب دامن پر مومکتے هیں

जिलास - प्कान्तः नादारी-नारीवी, इक्ज - लावारी; बहुवाद - काक्, गोहर - मोली, गरीवान - कुर्ता, कारपृहस्वी - कुलाहा : हाव - बीक; बहुल - बहुल : कुर - सदे ;

خَالُونَا: اَیکا مِنْ اَ تَادَارِی = قریدی اَ عَجَرَدَ لَاجَارِی اَ وَمِنْ اِنْ اَلِمُونِ اَ اَلِمُ اِنْ اللّ وَقَوْنِ اللَّهُ اللَّهِ اللَّهِ مِنْ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ فَيْ إِنْ اللَّهِ اللّ

de de



जिल्**व 14** मई, सन '53

ئىير 5

متى' سن 53'

जात बाएमी, प्रेम धर्म है, हिन्दुस्तानी बोली, 'नया हिन्द' पहुँचेगा घर घर लिये प्रेम की मोली.

جاس آدمی' پریم دهرم هے' هندستانی بولی' 'نها هد ' پيلنج الاکور کور لئے پروم کی جھولی ،

- शीशों का मसीहा कोई नहीं

(क्रेज बहमद 'क्रेक')

मोरी हो कि शीशा, जाम कि दूर जो टूट गया, सो टूट गया क्य बदाकों से जुड़ सकता है जी दृष्ट गया, सी बूट गया

> तुम नाइक दुकड़े चुन चुन कर बामन में छूपाए बैठे हो शीशों का मसीहा कोई नहीं क्या जास लगाए बैठे हो

शायद कि इन्हीं दुकर्दों में कहीं वह सारारे विख है जिसमें कभी सब नाज से उतरा करती थी सहवाय रामे जानां की परी

> फिर दुनिया बालों ने तुम से यह सारार ले कर फोद दिया जो मैं भी बहा दी सिट्टी में मेहमान का शह पर तोड़ दिया

इ रंगीन रेने हैं गायर का होस कवोरी सपनी के

र स्वीती सद स्वैक्ट्रॉ, सहवा - शराव; रामेजाना = का विकास के कर्ना रोक विक्वीरी सपने - मुन्दर

شیشوں کا مسیحا کوئی نهیں

(فيش أحمد فهض)

مولی هو که شهشه[،] جام که در جو رُبُوڪ گهاءُ سو ٽوڪ گها کب افکوں ہے۔ بوہ سکتا ہے جو اتوق کها اسم جهوف کها

تم ناحق ٹکوے جن جن کر داس میں جہیائے بیٹھے ہو شهشون کا مسهمتا کوئی نہیں کیا آس لکا<u>ئے</u> بی**ٹیے** ھو

> شايد که آنهين تکون مهن کهين وة صافر دال ہے جس میں کبھی سد ناز سے انرا کرتی تھی صهدائے کم جانان کی ہری

مهمان کا شههر تور دیا

يه رنگؤن ريزي هين شايد 🦠 اُن شوم بلورین سهاتوں کے

ت آهر 🖚 مواني ؟ صد 🖚 سيكوون؛ صيعاً 🖚 غزاب ؛ غم جاتان 🖦 يريس المراعدة الروايد المراء المروس المالية المالية

"नया हिन्द्"

हिन्दुस्तानी कलचर सासाइटी

का

माहवारी परचा

" ىيا ھند"

هندستانی کلچر سوسائتی

5

ماهواری پرچا

_ मई 1953 तके

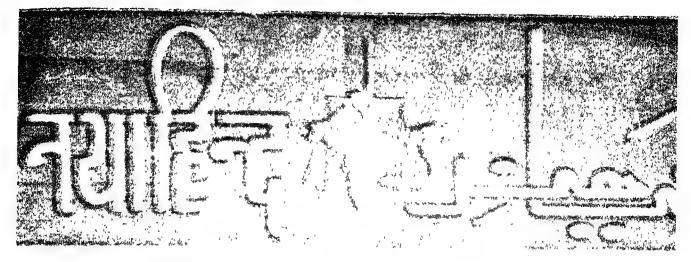
| <u> ≠या िस से</u> | सका ४०० | - A | نیا کس سے |
|--|---------|-----|---|
| 1 - शीशों का मसीहा कोई नहीं (कविता) - फैज | | | ا ــشهشون کا مسهنجا کوئی نههن (کویتا) ــفیش |
| श्रहमद 'फ्रेज' | 227 | ••• | المعدد أ فيض ؛ |
| 2 —मनीपुर श्री ϵ कला - भगवानदीन \ldots | | | 2-منو برر ارو کا-بهکران دین . |
| हिन्दुम्नानी शस्त्रियान का छटा श्रामूलः शब्द | | | [- هلاستاني شدديات كا جهتا اسوال - شدد حوزون |
| जीक्षेत्रितः जुमे । डाक्टर ज'फर हसन | 2 11 | ••• | ے تاہمی <u>ں۔۔۔ق</u> ا ہر سام هسون |
| चे— ऋम्मां! बयू जीकहां हैं?—(कहःनी) के० |) | | ا مان ! بالوهى قهان هـ ١١ ١ (كهابي) غ |
| सरस्वर्ता ऋस्मा | 247 | ••• | سو سود ی امان |
| 5—खादी बार्ड, सरकार चौर खादी सुरेश रामभाई | | *** | ت—نهادی بورة' سرکار اور نهادی سسریهی رام بهائی |
| 6- खेती बारी के श्रीजार—एक समस्याः चन्द्रमा | | | کههتی باری نے اوزاریک سمسهاچاندرما |
| सिंह त्रमी | 260 | | سلكه ورسا |
| 7—वीकानेर में भयानक श्रकाल – ज्ञानेन्द्र प्रस द जैन… | 262 | ••• | - الفكالير مهل لههالك أفل المالهة فر المالة جهل |
| 8—पूरबी श्रकरीका का समाज—राम किशोर | 267 | ••• | پورنی افزیقه 5 حماج -رام دهور |
| 9शान्ति भान्दोलनडाक्टर जे. सी. कुमारप्पा | 271 | ••• | شابتی آبدرلن-دائقر جے ، سی ، کماریها |
| 10जंग न होने पाए(कविता) नरेश कुमार 'शाद' | 275 | ••• | جلگ نه هونے پائے۔۔(دویتا)۔۔۔دویس امار اشادا |
| 11प्रवासी की डायरीप्रवासी | 276 | ••• | ,رواسی کی ڌائریپرواسی |
| 12—कुछ किताबें | 283 | *** | المستحه تعابهن |
| 13-हमारी राय- | 285 | ••• | — هماری واث _ه — |
| हम में क्या कमी है ?—सुन्दरलाल; इन्द्रप्रस्थ | | | هم مهن كها كمي هـ؟ملدر الله إندريوسته |
| कालेन श्रोर चप्पल साजी - भगवानदीन, राजदृत | | | کالم اور چهال سازی ـــ بهگوان دین از راج دوت |
| श्रामिक श्रली को रथो—भगवानदीनः दो | | | آهف علی کی رتهمبهکوان دین؛ دو |
| सर्टिफिकेट – सुरेश रामभाई, आइजनहावर का | | | سرتيفكيد سريص رام به أي: أثون هاور ؟ |
| शान्ति सुभाव—मुनीष रिजवी | | | شاىتى سچهاۇـــمچهپ رضوى . |

कीमत-हिन्दुस्तान में छै रूपया सास्त, बाहर दस रूपवा पाल. एक परचा दस काने.

> मैनेजर 'नया हिन्द' 145, मुट्टीगंज, इलाहाबाद.

معسهندستان مهن چه رویه سال' باهر دس رویهه سال' ایک پرچه دس آنی .

مہلیجر 'نیا ھلد' 145' مٹھی گلج' الدآباد



पर्डाटर—ताराचंद, मणवामदीन, मुज्यप्क्र हसम, विज्ञम्भर नाथ, सुन्दालाल
हिंदी कार्या क्ष्मिक्त कार्या क्ष्मिक्त कार्या क्ष्मिक्त कार्या क्ष्मिक्त कार्या कार्या

- 🛊 मनीपुर भीर कला-भगवानदीन
- स्वादी बोर्ड, सरकार और खादी—सुरेश रामभाई
- ★ बीकानेर में भयानक ऋकाल---झानेन्द्र प्रसाद जैन
- ★ शान्ती बान्दोलन—डाक्टर जे. सी कुमारपा

हमारी राय

- 🖈 इम में क्या कमी है ?--सुन्दरलाल
 - ★ राजदृत श्रामिक श्रली की रथी—भगवानदीन
 - 🛊 दो सर्टिफिकेट -सुरेश रामभाई
 - 🖈 ्याइजनहावर का शान्ति सुकाव सुनीव रिजर्व!

🖈 مدے پور اور کلا۔۔۔بهگران دین

- 🚖 الدافو الدوق شائر أو الوادي بالمايض الم بالدي
- 🛊 پودنيا مول هوانگ آنال-کوايلدر ۽ ساد جوي
 - 🌟 شابتی آندوان- دا قر چے سی. کمار پا

همارين ، أثي

- 🖈 . هم سهل کیا کسی هیا: -- سندر الل
- 🖈 دامدون أصف على كي ، بهو سديكوان دين
 - 🍁 دري در دو دوستگ استکار واردور آراد
- ★ الون ۱۹ و ۱۵ شاندي سندم و سامندييب رضوي

ستى 1953 मई

झंकार

सम्पादक-भी रघुपति सहाय 'किराक़'

पिछले पन्द्रह बरस से आज तक की उरदू की चुनी हुई ' तिवाओं का यह संग्रह पदकर आप को माल्म हागा कि ' उरदू किवता ने किस तरह खयानी दुनियां का छाड़ कर जिन्दानी की सच्चाइयों से अपना नाता जोड़ लिया है. आज की उरदू शायरी गुल व बुलबुल और बस्ल व किराक़ तक ही सीमिन नहीं है. अब आप को उरदू किवता में ' किसानों और मजदूरों के दिलों की धड़कनें सुनाई देंगी. गुलामी, अन्याय और लूट खसोट के खिलाक आप एक ऐसी आवाज सुनेंगे जो आपके दिल की गहराइयों को हुएगी.

"इन कविताओं में अर्र्तराष्ट्रीय तथा राष्ट्रीय दोनों भलके मिलतो है.....सनीव तथा साकार हैं.....बास्तव में हिन्दी संसार में यह प्रयास अनोखा है और उरदू साहित्य के आधुनिक दौर में अद्विताय है..."

28-2-'52 —रोजाना 'लोकवाणी' जयपुर

"जहां तक भाव का सम्बन्ध है कविताण उच्चरतर की हैं."

6 3.'52 — 'बिशाल भारत' कलकत्ता

"मंकार में प्रकाशित 72 उरदू की कविताएं आज ही के युग की समस्याओं से खोत प्रीत हैं."

17-2-'52 — नव भारत टाइम्स' दिल्ती.

"हिन्दी के पाठक स्नेह और चाव से इस संग्रह ा मानन्द लेंगे और उनसे प्रेरणा ग्रहण करेंगे, यह निश्चित है " 13-1-'52 — 'त्रमृत पत्रिका' इलाहाबाद

"हम उन की (किवताओं की) शक्ति, ताजागी और सूत्र के क़ायल हैं वह एक नए युग का सन्देश देती हैं...भाषा अधिकतर भरत और बामहावरा है. कहीं कहीं तो टेड हिन्दा है."

8-5-152 — 'जीवन साहित्य' दिल्ली

"भंकार की रचनाओं में युग की पुकार है और भाषा बिलकुल बाल चाल के निकट है"—'नया समान' कलकत्ता

नागरी लिखाबट में ऐसा भरपूर उरदू कविता तंपह बाज तक नहीं निकला. सुन्दर जिल्द, बदि बा काराज. उन्दा. खपाई दाम सिर्फ तीन कपया. दस किताबों को एम उथ खरोदारी पर पचास फीसदी कमीशन.

मिलने का पता-

मैनेजर 'नया हिन्द' 145, बुट्टीगंज, इलाहाबाद.

جهنكار

سمهادگ-غری رگهریعی سیالی افراق ا

پچھانے پائدرہ برس سے آج تک کی اُردو کی چائی هوئی کوبیداؤں کا یہ سنکرہ پوهکر آپکو معلوم هرگا که اُردز کوبیدا نے کس طرح خیالی دنیا کو جھوڑ کر زندگی کی سجائیوں سے اپنا آنا جوڑ لھا ھے، آج کی اُردر شاموی کل و بلیل اُرر وصل و فراق تک هی سیست نہیں ھے، اُپ آپ کو اُردر کوبیدا میں کسانوں اور مردوروں کے دلوں اُپ آپ کو اُردر کوبیدا میں کسانوں اور مردوروں کے دلوں کی دیدیکی ۔ فامی' اُنھائے اور لوت کیسرت کے خلاف آپ ایک ایسی آوار سنھنگے جو آپ کے کیسرت کے گیائی دیدیکی ۔

'' اِن کویتاؤں میں انترزاشٹری نتیا راشٹری درنوں جھلکیں ملکی ہیں۔۔۔ درنوں جھلکیں ملکی ہیں۔۔۔ درنوں جھلکی ملکی میں انوکیا ہے آرر واسٹو میں انوکیا ہے آرد میں ادرنے ہے۔۔۔''

23-2-752 جه پور

ت جهال دف بهاؤ کا سمهُقده هے کویٹائیس أنها استر کی هیں .''

6-3-52 في المارت المعتم المارت المعتم المعت

'' جھڈکار میں پرکشت 73 اُردو کی کویٹائیں آج می کے یک دی سمسیارں سے اُرت پروت میں ۔''

52°-2-17 - أبو بهارت ثائمس داي

'' هلدی کے ہائیک اسلیم اور چاؤ سے اِس سلکرہ کا آملد لیملکے اور اُن سے ہویلا گرهن دریں<u>کے' ی</u>م مشجبتھے۔'' 25'-1–13 سے' مرت ہٹریکا' الدآباد

'' هم أن كي (كويتناؤن كي) شكتى' تازكي اور سودر كي قابل هون . وه أيك بكي يگ تا سدينهن دينتي ههن... بهاشا ادمكانو سول اور ايامحاوره هي . كههن كهين دو تهيئه هدي هي ''

8-5-'52 — جهرن سامتيه، دلي

'' (جہلکار کی) رچلاؤں میں یک دی یکار ہے اور بہاشا ہالکل ہول چال کے نکت ہے ''۔ بہا صاح' دلکت اور ناگری لکھاوٹ میں ایسا بہریہور اُردو کریٹا کا سلگرہ آج نگ نیمی نکلا ۔ سلدر جلد ، بوھیا کفٹ ، مندہ چھپائی دام صرف تین رویعہ ، دس کتابوں کی ایک ساتھ حریداری پر بچاس فیصدی کمیشن ،

مللے کا بعد۔۔۔

سليجر ' نيا هلد ' 145' متهى كلم الدآباد .

المراج المراب أسن احراك

हिन्दुस्तानी कलचर सोसाइटी

هندستاني كليجر سوسائثي

मकसद

- (1) एक ऐसी हिन्दुस्तानी कलचर का बढ़ाना, फैलाना और प्रचार करना जिसमें सब हिन्दुम्तानी शामिल हों.
- (2) एकना फैलाने के लिये किनाबों, श्रखवारों, रिसालों बरौरा का छापना.
- (3) पढ़ाई घरों, किताब घरों, सभाश्रों, कानफरेन्सो, लेक्चरों से सब धर्मों, जातो, बिरादरियों श्रोर फिक़ों में श्रापस का मेल बढ़ाना

-: ::--

सोसाइटी के प्रेसीडेन्ट—िम० श्रद्युल मजीद रूपाजा, बाइस प्रेसीडेन्ट—डा० भगवानदास श्रोर डा० श्रद्युल इंद्रुक गवरनिंग बाडी के प्रेसीडेन्ट डा० भगवानदास; संकेटरी प० सुन्दरलाल.

गवरनिंग बाडी के और मेम्बर--

डा० सैयद महमृद, डा० ताराचन्द, मीलवी सैयद सुलेमान नदवी, मि० मंजर झली सोख्ता, श्री बी० जी० वेर, पं० विशम्भर नाथ, महात्मा भगवानदीन, सेठ पृतम चन्द रांका, कार्जी मोहम्मद अब्दुल राक्कार श्रीर श्री स्रोम प्रकाश पालीवाल.

मेम्बरी के कायदों के लिये लिखिये --

सुन्दर्ताल

सेक्रेटरी, हिन्दुस्तानी कलचर मोमाइटी 145, मुद्रीगंज, इलाहाबाव

नोट- मोसाइटी के नए क़ायदे के श्रनुसार मेम्बरी भी फीस मिर्फ एक रुपया कर दी गई है. "नया हिन्द" के जो गाहक मेम्बर बनना चाहे उनको मिर्फ छै रुपया पन्दा देने पर ही मेम्बर बना लिया जायेगा. श्रलग से मेम्बरी की फीस देने वाले सोमाइटी की निकली हुई कोई किनाब जो एक रुपया दाम की होगी मुक्त ले सकेंगे या प्याहा दाम की किताबें लेने पर एक बार एक रुपया कम करा सकेंगे.

متصد

- (1) ایک ایسی هندستانی کلنچر کا بوهانا پههلاتا اور پرچار کانا حس مین سب هندستانی شامل هین .
 - (2) ابكتا يهولانے نے اگر كتابين ' أحماروں' رسالیں وفق کا جهابلا
- (١) پوهائي گهاون انقاب گهرون سيهاؤن کانفرنسون الهکتوبرون نے سب دهامون نجانون برآدريون إور فرقون مهن آيس لا مهل ناهانا ،

- 4 5 4

سوسالٹی نے پارسیڈائٹ ساسٹ عندالمجید حواحہ ا والس پارسدڈائٹ بھکوان داس اور دائٹر عندالعق ، کورلنگ بائس نے پریسودائٹ — دائٹر بھکوان داس: سکویٹنی — پلڈٹ سلدرالل ،

کھونگگ داڈی نے اور معمر نے

داکتر سهد محصودا داکت تارا چلدا مهلوی سهد سلهمان ندوی مستر ملتر علی سمخته شبی نی ندی کههرا پلذت نشمنه باته مهانما بهگوان دینی سیتم پویم چلد راید قاضی محصد عیدالغیار اور شبی اور دیکش پالهوال

ممعني ۾ قاعدين ۾ لئے اعبئي س

سلد، لأل

سكاناتي الفلدساني فلنتير سوسائلي. [1] اصلهي كلميم العاداد

بات سسسوسائلی دیگے قاعدے دے انوسار محدی کی فیس صرف ایک روپیہ دادی گئی ہے " بھا ھند" دے خوس صرف ایک روپیہ دادی گئی ہے " بھا ھند" دے گفک محد بلغا جانھیں اُن کہ صرف چھہ روبیہ جندی کی دیلے یہ ھی محد بلغا لھا جانھیا الگ سے محدی کی فیس دیلے والے سرسائلی کی نکلی ھوٹی کوئی کتاب دو الک روپیم دام ای ھوٹی محب نے سکھر کے یا ریادہ دام کے کا سکھنگے

| 54 4 | Anna de la | सामें सिर्फ दिल्दी में हैं | | 4 | , 2 1 | بملتني بيور هير | |
|------------|-----------------------------------|---|-----|-----|-------|--|---------------------------------|
| , 2, | नाम किताब | elana. | | बाग | | ليغيف | الم فعان |
| ٠ ، | शेर की शायरी | • | · 8 | 0 | 0 | ھوی آیودھیا پرسان گوگھلی | لنعز و شاعري |
| 2. | सेर भी सुसम | 97 | 8 | 0 | 0 | 99 | لنعوا واستقبل |
| | गहरे पानी पैठ | 2) | 2 | 8 | 0 | . 95 | نهوے ہائی بھائم |
| | इसारे चाराज्य | श्री पनारसीवास चतुर्वेदी | 3 | 0 | 0 | شری بغارس <i>ی داس</i> جگرویجی | ساريم آرادههم |
| 5. | पेस्मरक | 11 | 3 | 0 | 0 | 33 | سلسمون |
| 6. | है। इपार वर्ष पुरानी क्यानियां | भी जगदीशयम् जैन | 3 | 0 | 0 | دري جاديس چندير . جون | دو هزار ورض پراني کهانهاڻ'' |
| 7. | साल गंगा | भी नारायण प्रसाद जैन | 6 | 0 | 0 | غري ناراكن برساد جهن | لهابي كلكا |
| | क्य चिन्ह | भी शान्ति प्रिय दिवेदी | 2 | 0 | 0 | شرى شانتى پريەدرىدى | بنه چنه |
| | वेष प्रहीय | शान्ति यम. प. | 2 | 0 | 0 | شانتی ایم اله | يلج پرديب |
| 10 |). बाकाश के तारे घरती के कुत | | 2 | 0 | 0 | هرمی کلههاال مهر هربها در | |
| | ।, मुक्ति दूत | क्षी बीरेन्द्र कुमार जैस एम. ए. | 5 | 0 | 0 | شری ویریلدر کمآر جهن ایم . أے | |
| 12 | अलग यामिनी | श्री बच्चन | 4 | 0 | 0 | شرى بىھن | مئن يامنى |
| | . रजत ररिय | डाक्टर रामकुमार वर्गा | 2 | 8 | 0 | ةائلر رام كمار ورسا | رجت رشني |
| | . मेरे बापू | भी तन्भय बुखारिया | 2 | 8 | 0 | شرى تلب بطاريا | سهوعه يايو |
| | ं. विरव संघ की चोर | पंडित सुन्दरलाल भगवानदास केला | 3 | 0 | 0 | پنگت سندرلال بهگران داس کهلا | وفتو سلكه كى أور |
| 16 | े, भारतीय अर्थशास | भी भगवानवास केला | 5 | 0 | 0 | غرى بهكران داس كيلا | يهارتهه أرته شاسكر |
| 17 | . अरतीय शासन | 20 | 3 | 0 | 0 | 19 | بهارتيه شاسن |
| 18 | े. नागरिक शास्त्र | 9) | `2 | 4 | 0 | 31 | فاقرك هاهتر |
| |), साम्राज्य धीर उनका पतन | " | 2 | 8 | 0 | 29 | سامواج اور آن کا پیچن |
| 9 (|), भारतीय स्वाधीनता अन्दोतन | 95 | 1 | 4 | 0 | 39 | بهارتهه سرادههئتا آنمولن |
| 21 | . सर्वीवय कर्ष व्यवस्था | 11 | 1 | 8 | 0 | 31 | صرودے أرثه ورستها |
| 22 | 2. इमारी चादिम जातियां | भी भगवानदास केला भीर भी भरताल विनय | 3 | 8 | 0 | شری بهکوآن داس کیا اور شری اکهل رئے | هماري آدم جاتهان |
| 23 | 3. अर्धशास्त्र शन्यापती | भी क्या शंकर दुवे, एम. ए. एक एक. वी. | 2 | 0 | 0 | هري ديا هفتر دوي ايم ، ايه ايل ايل ، بي . | ارته هاسعر هيدارني |
| | | गजाबर प्रसार, जन्मि मगबानदास केला | ₩, | | | عم احد این این این این داد. لجادهر پرسادهٔ امهمدی بهکوان داس کها | |
| 24 | 4. मानरिक शिका | भगवानवास केला भगवानवास केला भी प्वारांकर दुवे | 1 | 8 | 0 | ھری پیکران داس کی د دیا ھنکر دریے | القرك عمد |
| 7. 91 | . शाहर मंदल शासन | भी व्याशंकर दुवे | .1 | 8 | 0 | احيا شلكر دوي | . راغارمندل هاسي |
| £ | 6. अ व ानी | ग्रहास्मा सगवानदीन | 3 | 0 | _ | مهاتما يهكوان دبين | جوانو |
| | . मारने की दिकास ! | | 1 | | 0. | * | Marie & John |
| Carlo | अधीय सप | | 0 | 8 | 0 | # # 1 } | عليانا من |
| 1 | | 19 | Ĭ | 0 | 0 | " | |

क्षिकारनी स बार

सम्पादक-श्री शीहरन दास

इस पुस्तक में 1921 से सन 1948 तक गांधी जी ने साम्प्रदायिता के सवाल पर जो कुछ कहा या लिखा वह सब आपको एक जगह मिलेगा.

भारत के आजाद होने पर यह और भी जरूरी हो गया है कि हर भारतवासी साम्प्रदायिकता के नुक्रसानों को सममे और इस जहर को अपने अन्यर से साफ करे.

सुन्दर जिल्द. अध्या काराज. दो सी सके. क्रीमत दो रुपया.

भाषा

लेखक-लाला मदन गोपाल

हिन्दी उद् और हिन्दुस्नानी की तकरार पर एक वे लाग राय इस किताब में आपको मिलेगी. राष्ट्र आषा के सवाल में दिलचस्पी रखने वाले हर आई-बहन को इस किताब के पढ़ने से फायदा होगा—सोचने की राहें स्मेंगी, जानकारी बढ़ेगी और तरह तरह की तंग नजरियां मिटेंगी.

क़रीब सवा सौ सफे की सुन्दर किलाब, वाम डेढ़ कपया

فرقه بندی پر بایر

سهاوك سفرى غزيكرفق دأس

اوں ہستک میں سی 1921 سے سی 1948 تک اللہ دی ایکی نے سامہردایکٹا کے سوال ہو جو کچھ کیا یا لکھا وہ سب آبکو لیک جکہ ملیکا ۔

یہارت کے آزاد هونے ہر یہ اور یہی ضروری هو گیا ہے که هر پہارت واسی سامپردایکتا کے نقصان کو سمجھ اور ایس زهر کو اندر سے سان کرے ،

سلدر جلد . أجها كافل ، دو سو صفحے . الهمت

لعلها

ليكهك—لاله مدن كوپال

مقدی اردو اور مقدستانی کی تکرار پر ایک پے لاگ رائے ہے اور مقدستانی کی تکرار پر ایک پے لاگ رائے ہے اور رائے ہی درائے ہیں کتاب کے پرمنے ملحی درائے میں ملحسیلی درائے ہیں اور ملح کی رائے سوجھیں کی جانکاری ہوئے گی اور طرح طرح کی تکگ نظریاں مثین گی ،

قریب سولسو صفحه دی سفدر کتاب دام تیوه رریه .

700 PAGES.
32 ILLUSTRATION
2 COLOURED MAPS

"CHINA TODAY"

PRICE

APS BY PANDIT SUNDRLL

Rs. 780

A vivid narration of the glorious and wonderful achievements of New China. A picture of China which is both convincing and authentic...the best book that has come out so far on New China in the Highsh language ...the most objective in approach and comprehensive in treatment.

—National Herald, Lucknow.

Highly infomative...throws vivid light on conditions obtaining in that country...a book which deserves to be widely known.

-Leader, Aliahabad.

Encyclopaedic. characterized by acute observation of detail as well as by...instinctive grasp of the fundamental perspective. To read it is veritably like accompanying the Mission on its thrilling voyage of discovery in New China.

—Bitz, Bombay.

A mine of information which gives a picture of China as nothing else dose...the best guide to New China...These who would like to understand what is happening in New China can do not better than to study it.

—Bharat Jyoti, Bombay

The wealth of information it gives on China new and old...makes fascinating reading...is comprehensive and informative and must therefore interest all students of public affairs.

—Indian Express, Madma

China Today is an eloquent tribute to his (Pandit Sundarlal's) shrewd understanding of men and matter... brings to light the mighty endeavour of the Chinese People to rebuild their great nation on firm new foundations for a tomorrow which is theirs.

हिन्दुस्तानी कलचर सोसाइटी की कितावें

प्रवास रेक्ट से विधावा दाम की कितावें स्वरीवरें बोकों को और बुकसेलरों को सास रिकायत दी आयेगी. पूरी जानकारी के लिए लिसिये.

डाक या रेल खर्च हर हालत में गाहक के जिस्मे होगा.

भारत का विधान

पूरा हिन्दी अनुवाद

जो 26 जनवरी सम 1950 से सारे भारत में लायू हुआ. 'भारत में श्रंगरेजी राज' के लेखक पंडित सुन्य्रताल दारा मूक्त शंगरेजी से शतुवादित.

हर भारतवासी का कर्ज है कि जिस विधान के अधीन स्वाधीन भारत का शासन इस समय चल रहा है उसे अच्छी तरह समके. भारत के हर घर में इस पुस्तक का रहना जरूरी है.

बासान बामहाबरा भाशा. रायल अठपेजी बढ़ा साइज. समस्या चार सौ पने. रूपड़े की सुन्दर जिल्ह. क्रीमत केवल साड़े सात वपर.

ईसा का सन्देश

केसफ—डाक्टर जे. सी. कुमारप्पा. अनुवादक—सुरेश राममाई.

इस किताब में इपारंत ईसा के सन्देश की व्याख्या देसे आजवाब देग से की गई है कि पढ़ने वाला बड़ी आसानी से गई समम जायेगा कि ईसाई धर्म की सास तालीय क्या है और इपारंत ईसा ने इन्सान-इन्सान की बराबरी, शाई बारे. प्रेम चौर चहिन्सा पर कितना प्रोर दिया है.

भदास्मा गांधी ने इस फिलाब के बारे में कहा है कि— "इर बास्तिक से, बादे वह ईसाई हो या किसी और बाद का मानने वाला हो, मेरी सिफारिश है कि इसे पढ़े..." अन्तर किया, बढ़िया कामक, क़रीब सवा सी सके की

هندستانی کلپیر سوسائٹی • کی نتابیں

ہمھاش روہائے سے زیادہ دام کی کتابھی شریدنے والیں کو اور بکسیلروں کو خاص رماثت دی جائیگی ۔ پوری جائٹاری کے لیے لکھیئے ۔

ةأكد يا ريل خرج هر حالت مهن العك كه ذمي هوا .

بهارت کا ودهان

پورا هندی انوواد

جو 26 جغوری سن 1950 سے سارے بھارت میں لاکو ہوا . 'بھارت میں انگریزی راج' کے لیکھک پفقت سفدلال دوارا میل انگریزی سے انبوادت .

ھر بھارت واسی کا فرض ھے کہ جس ودھان کے ادھیں سوادھین بھارت کا شاسن اِس سے چل رھا ھے آیے آبھی طرح سمتھے ، بھارت کے عو گھر میں اُس پستک کا رھانا شرووی ھے ،

آسان بامصاوره بهاشا، وایل آته پهچی بوا سائو ، لک بهک جار سو پفلی ، کپوی کی سفدر جاده ، قیمت کهول ساوی سات رویگ ،

میسی کا سندیش

لهمهک-قانگر چے . سی . کماریها. انبولک-سویش رام بهائی،

اِس کتاب میں حضرت میسی کے سائنیش کی ویاکھیا ایسے الجواب تحفیک سے کی گلی ہے کہ پوھٹے والا ہوی آسانی ہیے یہ سمتھ جالیکا کہ میسائی دھرم کی خاص تملیم کیا ہے اور حضرت میسی نے انسان انسان کی برابری' بہائی جارے' پرام آور اعتسا پر کنگا زور دیا ہے .

مہانیا کاندھی نے اِس کتاب کے بارے میں کہا ہے کیسہ اور عمرم اور عمرم استدک ہے، بہانے وہ میسائی مر یا کسی آور عمرم کا ساتھے والا مرا میری سفارس ہے کہ اِسے بوھے...،''

مبلدو جات بوهها کافق قریب سوا سو صفحے کی کافی کا بالہ میراب ایک روزہ،

سلي کا پندند

المناسبة التي الماء 145 على المن الماء الماءاد

THE RESERVE WHEN THE PARTY AND ADDRESS OF THE PARTY ADDRESS OF THE PARTY

मंत्राचा, बीरानाम, बरमा, दिल्व चीन के संबन्ध में क्या रखा लिया जायगा. क्या कोरिया की सहाई कर करके अमरीका सादा की। सामान मलाया, क्रिक्ट चीन भीर बितनाम में लाकर लढ़ाई जारी रखेगा र अगरिर शिषम के सिवाफ इन देशों की जनता वठ सड़ी हुई है और उसे अंगरेजों और फानसीसियों को बाहर निकाले बिना चैन नहीं है, उनकी लढ़ाई जारी रहेगी, किसी क्रीमत भी वह ससह नहीं कर सकते. ऐसी सरत में क्या कमरीका कपने बोस्तों का साथ कोब देगा विद कभी नहीं हो सकता क्यों कि अमरीका वाले बार बार कह चुके हैं कि इस की इस ज्यार मीति से उनके ग्रुट में फुट पड़ने का बर है और उन्होंने इस निश्चय का पलान किया है कि वह ऐसा हरगिज न होंने हंगे क्यों कि यह बात जबरदस्त खतरा पैदा कर देगी. कोरिया में चीन को इसिखये जाना पड़ा कि अमरीकी फीज उसकी सरहद तक पहुंच गई थीं. इन देशों की भी सीमाएं बीन से मिलती हैं. क्या बीन अपनी सीमाओं की रक्षा नहीं करेगा र जाहिर बात है अमरीका पर पेतबार करके उसे बह अपने सर तक नहीं पहुंचने दे सकता

यू पन लाई ने कहा है कि बीमार और जखमी खिपाहियों को अपने अपने मिरांह में मेज देने के बाद जो क्रिया बियाहियों को अपने अपने मिरांह में मेज देने के बाद जो क्रिया बय रहें उन्हें एक तटस्थ रास्ट्र के सुपूर्व करिया जाय और फिर उनकी मरफी मासूम करके ताबादला कर क्या जाय. सवास यह है कि कीन सा तटस्थ रास्ट्र है जिसके सुपूर्व यह नेक काम किया जाय. यूनो तबाई में खुद एक करीक़ है. बसे तटस्थ माना नहीं जा सकता. ऐसे भा यह काम उसके सुपुद करने का मतलब है कि अमरीका को जज मुकरेर कर दिया जाय चीन वाले भारत के सुपुद यह काम करने को सेवार हो आयंगे लेकिन क्या अमरीका के गुट के देश

इस बात को स्वीकार करेंगे
सारी बातों का साफ साफ समक लेने के बाद इम इस
नतीं पर पहुंचते हैं कि कोरिया की सदाई में कमी मले
बाजाब, शायद सदाई बन्द भी हो जाय लेकिन दूर पूर्व
में शान्ति आयम होना उस समय तक असम्भव है जब तक
बा तो अमरीकी शुट वाले अचनी पूरी नीति न बदलें और
इस हैश को स्वराज हेने के सिद्धान्त को अमल में न मानें
बीर मा क्य का शान्ति चक इतना बलवान हा जाय कि वह
सदाई के देवता को जब से ही सतम कर है. कि मां शान्ति
बी कार्य है हो दारस बंधती है और जनता में विश्वास
बाता है कि में का जोता से शायस में बातनीत करके बड़े बड़े
स्वराई के देवता की जीता से शायस में बातनीत करके बड़े बड़े

مروع کی محمد سے جونے ہو حملہ کریں کے کو شاکی انسے اگر را سانے کی ز

أطالياً ويدى قام برماء علد جين كي سيقده مين كيا اللها جائے کا ، کہا گوریا کی لواکی بلد کر نے امریکه سارا معالي سامان مايا علد جدن اور ويمت نام صهن الدر الله ماری رکع الا ؟ امهبیلزم کے خلاب إن دیشوں کی ينه الله كهوى هوكى هد اور أبد الكريزون اور فرانسهسون ي ياهر لكالي بدا جهن نهين ه . أن كي لوائي جاري ره عي السي ليست يهي ولا سلم فيون كر سكام ، أيسي عمورها ميل لها أمريكه أي دوستون كا سأته جهور دعاً، يه عهمى نهض هو سععا عهونك أمريكم والد بار يار كم جكرهون کھ روس کی اِس اُدار تھائی ہے اُن کے کت میں پھوٹ چونے هرگو ته هولے دیں کے نهونکه یه بات زیردست خطرہ پیدا کو دے کی، دوریا میں جموں دو اس لیےجالا ہوا ته امریکی فيجهن إحكى سرحد تك يهبنج كثى تهين ، إن ديهين كي بهي سيمالين جين بد ملتي هين ، كيا جين ايتي سیماوں کی رفشا نہیں کرے گا ؟ ظاهر بات ہے امریکہ پر المتهار در لے أسره اله سر تك بهيں لهونچلے دےسكتا ،

چو این قلی نے کہا ہے کہ بیمار اور زخمی سیاھیوں کو لیے اپنے کردہ میں بھیجے دیائے نے بعد جو قبدی بھے دھیں ابیک تقسقہ راسٹر کے سیرد در دیا جائے ، سوال یہ اپن کی مرضی معلوم کر کے تبادات در لیا جائے ، سوال یہ کے قوسیا نقسقہ راشٹر ہے جس نے سیرد یہ نیک کام ماما نہیں جا سکتا ، آیسے بھی یہ کام اُس کے سیرد کرئے ماما نہیں جا سکتا ، آیسے بھی یہ کام اُس کے سیرد کرئے کا ملطب ہے کہ آمریکہ کو جیج مقرد در دیا جائے ، جھیں والے بہارت کے سیرد یہ کم کرئے در تھار ہو جائیں گے، لیکن والے بہارت کے سیرد یہ کام کرئے در تھار ہو جائیں گے، لیکن والے بہارت کے سیرد کرد ویہا کہ ایکن کے دیھی اُس بات کو سردی دریں گے۔

ساری باتیں کو صاف صاف سمجھ لھنے کے بعد ہم اُس نعیجے پر پہوسچنے میں کہ کوریا کی لوالی میں کسی بیلے اُ جائے ' شاید یہ لوائی بند بھی ہو جائے لھکی دور پورپ میں شائتی قائم ہونا اُس سے تک اسمھو ہے جب تک میں اُن اُل ہوں کہ والے اُل ہوں نہیں نہ مانیں در سوران دیلے کے سمانت کو عمل میں نہ مانیں اور یا ووس کا شائتی جبکر اُنفا بلوان ہو جائے که وہ لوائی کے دیرتا کو جو سے ہی ختم کر دیے بھر بھی شائتی کی باتیں سے می دعاوس بقدہ تی ہے اور جانتا میں وہواس بوعن ہوں ہوں ہوں کے لیے بیر بھی ہوں ہوں ہوں کے بیرت جیس میں بات جیست کر کے بیرے ہوں ساتے جیست کر کے بیرے مسائے میں ہوں ساتے ہیں مسائے میں اُن ساتھ ہوں یا گیا ہے ایک میان ساتھا۔ ہو

سمجهب رضوى

7-4-'53

नामका पैदा पर मिया है कि कोई साम्रत भी समाह केमने की विस्मार नहीं करेकी दुनिया के किसी किसी कीने में संबंधि होगी कहर पर दुनिया की तहाई की शकत उसे हम न सेने वैरि वह विश्वास कोरी वार्त नहीं है वरिक इसके पीछे अवरक्त तर्क हैं। हस बालों का बदना है कि हमें इन से लक्ष्में की जरूरत नहीं है. इनका माली डांचा खुद इतना कुल कुला है कि वह इन्हें ने हुवेगा, हथियार बन्ही का सामा बाना जी यह बुन रहे हैं वह खुद इनकी ही जान लेकर छोड़ेगा. पंजीबादी उपवस्था जासारी सांसे ने रही 🕏 इन देशों की जनता सुद इस व्यवस्था की घानिष्यां उद्धा देंगी. उनका यह भी कहना है कि अब दुनिया के सामने कमयुनियम के सिवाय कोई दूसरा रास्ता नहीं है. भाज की परिस्थिति में यह नहीं कहा सकता कि वह विश्वास ख़बाई रोकने में कहां तक कामयाब होगा क्योंकि ताली बोनों इब्रेलियों से बजती हैं. बड़ा मुशकित हाता है कि कोई सवाई हेइने पर उतार हो और दूसरा उसे ऐसा न करने दे. इस सम्बन्ध में रूत की कामयानी दुनिया की जनता को इसकी बढ़ाई के सामने फ़का देगी!

अ पन लाई का सुभाव

मू पन लाई के सुमान का जिकर इम जपर कर आप
है सवाल उठता है कि किस आशार पर कारिया की लड़ाई
कल्द हो सकती है. समस्या यह नहीं है कि कोरिया की
कड़ाई कल्द हो जाय इस में शक नहीं कि ऐसा होना जरूरी
है. लेकिन समस्या यह है कि वरतानिया, फांस और
अमरीका दूर पूरव में कैसी नीति अपनाने जा रहे हैं.
कोरिया में सुलह का मतलब है कि हर मगड़े पर सममीता
किया जाय. सबसे पहले अमरीका को यह करना पड़ेगा कि
वह क्तर कोरिया और चीन को बूनो में जाइण स्थान
हासिस करने है. अमरीका वाले इससे बहुत बकराते हैं.
करलाजिया के एक संवाददाता ने लिखा है कि अमरीका के
खोस सोचते हैं कि—"अगर वियांग काई शेक को इमने
आज होड़ विया तो ऐसा मालूस होगा कि इस सदा ग्रतती
काल होड़ हैं. लोग हमारे आरे में क्या सोचनेंग अमरीका को
इस बहुम को होड़ना होगा.

विद्यांग काई रोक भीर सिंगसनरी क्या शान्ति होने होंगे ! जगर यूनी में नया जीन काता है तो जियांग काई रोड़ की सरकार खतम हो जाती है क्योंकि जीन की एक ही सरकार हो सकती है. कारमोसा जी सरकार को मानता क्रिता कापरे के जिलाफ है क्योंकि सब क्षोग मानते हैं कि कारमोसा जीन का है जौर जीन को मिस्रा जाहिये. क्रिता के जिसे यह जकरी भी है. क्या जांग काई रोक अपनी अक्षा है जो पर जकरी भी है. क्या जांग काई रोक अपनी अक्षा है जो स्वीकार करेंगे ! जगर यह स्वीकार नहीं क्षा है तो क्या क्या कि जनका साथ काई होगा और काई कीई सहस्त्रक नहीं हैगा. जीर जगर साथ होगा और काई

چوں ہوں ہے۔ اقباع کے اس فیق میں توال میکی میں یہ بنیا کی توالز کی مثل آپ مر نہ لیک دین کی۔ نام والمراس المروي المالين نيتين سون بلكه اس كر يدهم ويوالمساهد الركب هي . روس والول ا كهذا هي أكه هميال إلى س لول ألى ضرورها فهون هـ أن كا مالي وعانتها عليه القا يهسهيسا هـ كه وه أنهين لي قري كا ي عتمهار بقدى كا تانا عِالنا الجوافية بني رفي اهمال ولا إن كي اللي جان لي كر جهوزت کار پولجے وادمی ویوسکہا۔ آخری سانسہیں لے رہے ہے ۔ اُن ديكمين في جدته خود اس ويوسلها كي دهجهان أوا دري گی، اُن کا بھ بھی کہلا ہے کہ اب دلیا کے ساملے کبھولوم غے سوائے کوئی دوسرا راساته نہیں ہے ، آیے کی پرساتھی مهن په نهين کيا جاسکتا نه په وشواس لوائي روکان مين ديان لك المهاب هولا ديونكه تالي دونون هايهليون سے بعوتمی ہے ، ایوا مشعل موتا ہے که دونی دوائی جههونے هر أتارو هو اور دوسرا أبير ايسا به كرنے دائے ۽ اس سمعلده میں روس کی کامیابی دانیا۔ کی جففا کو آس کی ہوائی کے ساملے جھکا دے کی !

چو این لائی کا سجهاؤ

نہو این لائی کے ستیہ ؤ کا قائر ہم اوپر کر آئے ہیں ۔ سوال ٹیعا ہے کہ کس ادمار ہو کوریا نی توانی ہدہ موستعی ھے ، سیسیا یہ نہیں ہے نہ دویا نی لوائی بعد هو جائے ، إس مهن شک تهين ده أيسا هونا فروري هي. ليكن سمسها یه هے که بوطانیهه ٔ فوانس اور امریکه خور پورتیه مهن کهسی بهتی ایتان جا وہ هیں ، دوریا ، بین صلح لا مطلب ہے لدھر جہکوے پر سمجھولد لیا جائے . سب سے پیلے امریکہ کو یہ کونا پونے کا نه وہ اتر کوریا اور جمعی هو يونو مهن جالو استهان حامل كرن دير ، - أمريكه والى اس سے بہمت کھمرائے میں ، بوطانیت نے ایک بیمواد داتا نے نکہا ہے دی امریکہ نے توک سوچاتے ہیں دی۔۔۔۔ اگر جهابگ علی غیک دو هم لے آپ جهور دیا دو ایسا، معلوم هولا که هم سوار غلطی پر رهے هيں . لوگ عمارے بارہ مين لها سوچهن گينا امريك كو إس وهم كو چهورنا هوا. بهدایگ اینی شهک اور سنکس وی اها شامتی هونی مين کري الو بوتو مون تها جهن آتا بر تو جهانگ کاي هوكناء عي شوكار خطام مو جالي ۾ فيولكه رهدي كي ليك عي سوكو بو سكان في ، غلوموسا في سوكو كو هادها يبلية فينبيه لك خلاب في فيونكم سب لوك سابق طهال قد عاربينية بهون و في او بهوي في سلفا جاهل . ملع لم لك was the of the last that لي لو لو الموند ال المال وور الم أو أو أو المال

की बाद ही नहीं सोच सकते. यह बोची वार्त नहीं हैं बहिन बह खुव इक होश बड़ा देने वाले कारनामों को देख चुके हैं. उनकी पूरा विश्वास है कि इस हर तरह से शास्ति पाहता है. यही बात रूस के नेताओं के बयान से भी जाहिर होशी है. फिर यह सोचना कि मालनकोफ़ ने अपनी कम कोरी हकने के लिये यह क़दम उठाया है बिलकुल गलत 🕽 सेकिन इस तरह सोचने वाले सवाल पूछते हैं कि यह क़दम स्तालिन के मरने के बाद ही क्यों उठाए गए ? जिन कोगों ने स्तालिन के लेख और बयान पढ़े हैं उन्हें मालूम है कि मालनकोफ ने इस सम्बन्ध में कोई नई नीति नहीं व्ययनाई. भिक्रे स्तालिन की नीति को अमली जामा पहना दिया है. इस सम्बन्ध में हमें कुछ बातों की स्ववहें भी अधूरी मिली हैं: स्तालिन की जिन्दगी में ही चरचिल ने मालांटोफ को लिखा था कि वह अपना असर डाल कर बरतानिया के सिवीलियन क्रैदियों को कोरिया में रिहाई विनवा वें.

मालोटोफ ने हामी भर ली थी और कोशिश शुरू कर दी थी. संजोग है कि उस कोशिश का नतीजा स्तालिन के मीत के बाद निकल सका. यह खबर 'न्यूयाक टाइम्स ने दी है. स्तालिन का बार बार दुइराया मक्कूला सब को याद है—दोनों माली व्यवस्थाएं एक साथ रह सकती हैं. इस तर साक पता चलता है कि रूस की नीति में काई कक्के नहीं आया बल्कि सिर्फ अमल में तेजी आ गई है और इसका स्तालिन की मीत से कोई सम्बन्ध नहीं है. यह सोचना कि स्त कमजोर है यह भी रालत है. जितना रूसियों को अपने अपर विश्वास है उतना अमरीकियों को होता तो वह डर की बातें न करते. लेबर पारटी के नेता मिस्टर बेवन ने ठीक कहा,है कि रूस के यह उदार भाव कमजोरी के प्रतीक नहीं हैं बल्कि उसकी ताक़त का पता देते हैं.

क्या शान्ति कायम होगी ?

इस बात पर सोचते समय हमें इन बातों का ध्यान रखना चाहिये: (1) कोरिया की लड़ाई से अमरीका की कम्पनियों को बेहद मुनाका हो रहा है (2) लड़ाई बम्द होते ही क्योपार में मही आना खरूरी है और इस बात को महसूस करके अमरीका बाले कांप उठते हैं. (3) सरकार ने नोट छाप छाप कर बाजार भर दिया है. इसिलय इसित आसमान पर चढ़ गई हैं, इस हाजत का मुक़ाबला करना आसान नहीं है. (4) अमरीका में वे रोखगारों की ताकृद रोज बढ़ रही है जियादा दिनों लोग भूके नहीं रखें जा सकते. अमरीकी अखवारों से यह भी पता चलता है कि उनके किये लड़ाई से ज़ियादा खतरन क हथियार वाणित है, पेसी सूरत में शानित क्रायम होने की सम्भावना कर्मा है, जेकिन कसी दल का कहना है कि हम इतने मज़बूत

مالوالوف نے حامی بھری لی تھی اور کوشش شارع کردس کھی ۔ ۔ ملحوف ہے کہ اس کوشش کا بھیجہ استالن کے موجد کے بعد بکل سکا، یہ خبر نہویارک تائمس نے دی ہے۔ استالی کا باز باز دھرایا - قولہ سب کو یاد ہے ۔۔۔دوبوں مالی رپوستھائیں ایک ساتھ رہ سکتی میں ، اِس طرح مائی رپیس آیا بلکہ سرف عمل میں تیزی آ گئی ہے اور فیل نہیں آیا بلکہ سرف عمل میں تیزی آ گئی ہے اور اِس کا استالن کی موت سے کوئی سمیقدہ نہیں ہے ، یہ سوچھا کہ روس کمزور ہے یہ بھی فلط ہے ۔ جتنا روسیوں کو شہوں کو بیانیں بہ درتے ، لیمز پارٹی کے بہتا مسٹو بیوں نے تیمک پانیں بہ درتے ، لیمز پارٹی کے بہتا مسٹو بیوں نے تیمک کہا ہے کہ روس کے یہ ادار بھاؤ کمزوری کے پریتک نہیں کہا ہے کہ روس کی طاقت کا پتہ دیتے ھیں ،

كها شائعي قائم هوگي ؟

إس بات پر سوچکے سے همیں إن باتوں کا دههان وکهذا چاهئے : (1) کوریا کی توائی ہے امریکہ کی کمپذیوں کو پیھد منافع هو رها ہے (2) لوائی بلاد هوتے هی بهویار مهن منی آنا فروری ہے اور اس بات کو متحسوس ترک أمریکه والے کامپ الہتے هیں. (3) سرکار نے بوت چهاپ چهاپ تو بر بازار بهر دیاہے، اس لئے قیمتیں آسمان پر چوه گئی هیں اس خالت کا مقابلہ کرنا اسان بهر ہے. (4) امریکہ میں پورگاروں کی تعداد روز بوه رهی ہے. زیادہ در اوگ بهرکانهیں وکھے جا سکتے ، امریکی اخباروں ہے یہ بھی پتھ چلتا وکھے جا سکتے ، امریکی اخباروں ہے یہ بھی پتھ چلتا ہے که آن کے لئے لوائی سے زیادہ سے خطرناک، هتههار شاتی ہے ، ایسی صورت مهن هانتی تام هونے کی سمهاونا شہوں ہے ، لیکن دوسی دل کا کہنا ہے کہ هم آنتے مضبوط شہی اور هم نے دنیا کی جاتا میں لوائی کے خات اتفا

153 Just .

कि सन '52 का इस का कुछ असती मुनाका 15 करोड़ 17 सास डालर है. सन '51 में यह मुनाका 13 करोड़ 81 साम डालर था.

बियु पान्ट वानिमोरस नामी कम्पनी को 'मौत का सौद्यागर'' कहा जाता है. यह हर साल अपना मुनाफा बढ़ा यही है. इस कम्पनी ने सन '52 में 25 करोड़ 41 लाख बालर मुनाफा कमाया. यह मुनाफा सन '51 से 34 लाख बालर जियादा है.

मोटर और इवाई जहा व बनाने वाली कम्पनियों को भी काफी नफा हो रहा है. क्रेसलर आटोमोबायल कार्परेशन ने सन '52 में 7 करोड़ 86 लाख डालर मुनाफ का प्लान किया है, सन '51 में इस कम्पनी का मुनाफा 7 करोड़ 19 लाख डालर था.

वेल्स आफ विक लैन्ड आटोमोबायल कम्पनी का सुनाफा सन '51 के मुक़ाबले सन '52 में 50 की सदी बढ़ गया. यह कम्पनी कौजी लां े रैयार करती है.

डोगल्स एयर काफ्ट कारपोरेशन ने सन '51 में 1 करोड़ 8 लाख डालर मुनाफा कमाया. सन '50 में इस कम्पनी ने कुल 69 लाख डालर मुनाफे का पलान किया था. सन '52 में इस कम्पनी ने 87 फी सदी जंगी सामान तैयार किया है.

अमरोकन देलीकोन और देलीझाक कम्पनी में मोखगान और राक कीलर दोनों की पूंजी लगी है. सन '52 में इस कम्पनी ने 35 करोड़ 85 लाख डालर मुनाका का एलानकिया जबकि सन 1951 में इसका मुनाका 32 करोड़ डालर था और सन 50 में 28 करोड़ 66 लाख डालर का नका हुआ था.

ह्रस की उदार नीति क्यों ?

रूस इस तेजी से सुलह के लिये आगे बढ़ा है कि सबके मुंह पर यह सबाल चढ़ गया है-आसिर यह क्यों ? कहा राजकाजियों का कहना है कि रूस ने अपनी नीति बद्ह्री नहीं है बल्कि थोड़े अरसे के लिये रास्ता बदल दिया है, इन लोगों का कहना है कि मालनकोफ की सरकार अपनी जड़ें म चब्त करने की फिकर में है इसलिये राश्ट्री और अंतर राष्ट्री मामलों में उदारता दिसा रही है. दूसरी बात बह यह भी कहते हैं कि अमरीकी सुरक्ता व्यवस्था से इसी सहस गए हैं और वह फिसी तरह उसे ढीखा करना चाहते हैं. बामरीका वालों का कहना यह है कि हमारी मण्डमूती ने रूस को मजबूर कर दिया है कि वह ऐसी नीति कापसाय अमरीकी अफसरों को यह भी महसूस हो रहा है कि कोरिया और चीन बालों के हार के खसरे को टलाने के लिये रूस ने यह सब किया है. इस तरह कमयुनिस्ट की अपनी ताकत फिर समेट सकेंगी और अपन्नी तरह सबस्योत.

जी भारती रूस गए हैं उन्होंने साफ साफ कहा है कि बाह्य बाते रचनारमक कामों में इतने मगन है कि वह सबाई عه جن 12 % أس كا كل أسفى مقافع 15 كرور 17 الله كالر هي « سي 15 مهي يه مقافع 13 كرور 81 الله قالر لها ..

قیو یائمک وانیمورس نامیکمهلی کو ''موک کا سوداگر'' کہا جاتا ہے ، یہ هر سال اپنا مناقع بوها وهی ہے . اِس کمهلی نے سن 52' میں 23 کرور 41 لاکھ ڈائر مقافع کمایا، یہ مفاقع سن 51' سے 34 لاکھ ڈائر زیادہ ہے .

مولار اور هوائی جهاز بقانے والی کمہتھوں کو یعی کالی نفع هو رہا ھے ۔ کرسلر آٹو صوبائل کارپوریشن نے سن 152 میں 7 کروڑ 86 لاکھ ڈالر مقافع کا اعلان کیا ھے ۔ سن 154 میں اِس کمہلی کا مفاقع 7 کروڑ 19 لاکھ ڈالر تھا ۔

ویلسآف وزلهاند آثو موبائل کیهای کا مقافع سن 51' کے مقابلے سن 52' میں 50 فیصدی ہوہ گیا، یا کیہائی فوجی لاریاں تیار کرتی ہے .

قرگلس ایرکرافت کارپرریشن نے سن 51' میں 1 کرور 8 لایہ قالر مفاقع کمایا ، سن 50 میں اِس کمیٹی نے کل 69 لایہ قالر مفاقع کا اعلان کیا تھا ، سن 52' میں اِس کمیٹی نے 87 می صدی جنگی سامان تیار دیا ہے ،

امریکن ٹیلی فون اور ٹیلی گراف کمپلی میں موزگان اور راک فیلر دربوں کی پونجی لگی ہے ۔ سن 52' میں اِس کمپلی نے 35 کروڑ 85 لائھ ڈالر مفاقع کا اعلان کیا ہے۔ جب که سن 1951 میں اِس کا مقافع 32 کروڑ ڈالر تھا اور سن 50' میں 28 کروڑ 66 لاکھ ڈالر کا نقع ہوا تیا ۔

روس کی ادار نبعی کیوں ؟

جو بھارتی روس کئے میں انہوں نے سات ساف کیا ہےکہ ویوںو آئی ریوانالیک کامورسی انٹے مکنی میں کہ وہ تواتی

م الا ورس کے یہ بات کہ امریکہ لوائی اس لگے جھورنا خاها هے کهونکد إسی طویقہ سے وہ ایکی مالی ویوساتها عی گرتی دیوار کو تهام سکتا ہے . آج بہمت صاف دنھا کے المالانقي جمعة لكي في المريكة مين صلع كي بالعا جهمت جلعے هي هل جل جي کئي هـ ، برطانيه كے ايك خونلسمی نے لکھا ہے که امریکہ کے اخباروں میں شانتی کے سميقده مين دو تيليان هوئي هين أن سرصاف يته جلعا ہے کہ آمریکم کے تجم ہوے ہوے کاربجی کاریا کے لوائم کا سوائت کرتے میں کہودکہ اِس لوائی نے مدی کے بھرت سے جدِءُ کارا دالیا ہے اور بھویار کو اونجیا آٹیائے رکھا ه ، جولائي 49 مهر ايو ايس نهوز اينگ ورائ ويورك (يه اخدار امریکه کے شامکوں سے کئی (مودیک ہے) نے لکھا کیسے اور مربانک اور بریان کو دیلے والی جوظ مولی اگر کریملن یکهارای گهدگی نوانی بغد کر دیے ، کانگریس کو اس بات پڑ راضی کرنے میں کافی دائت هوگی که وا لكاناد يلدره هوار ملدي قالر هتههار بلدى ير شرج كرن كي لهابس دے دے اللہ اس سے ماف یک جلاا فے کہ امریکہ کو اِس بات سے کافی ڈار ہے که کہوں روس یکھارگی۔ شائعی كى طرف نه جهك جالي ، ايك سال يها أربه شاها سبهندهی امریکی مدر کی کونسل کے بچھرمیوں نے کہا تھا سالا کیمونوم کے بھروکاروں نے اگر ہمیں لوائی کے خطرے مهن نه جهرنگ دیا هرتا تو همهن جلد هیشانتی سے بهدا هول والى مفكلات كاسامنا كرنا يونا ،" كوريا كي لوائي مهو امریکه کی دگی کمهنیوں نے زیردسمط فائدہ اُتھایا ہے اس کا ثبرت أن كے حالانه حساب سے ملعا هے . إن حب کمهنیوں کو جانگی سامان بقائے کا سرکاری ٹھھکھ ملا تھا :

جذرال موٹرس کمیلی نے اعلان کیا ہے کہ تمام ٹیکسوں کی ادائگی کے بعد سن 52' میں آپ اصلی مقافع 55 کرور 8' و ڈار ہوا ہے ، سن 51' میں اس کمپنی نے 50 کرور 8 ٹاہ ڈائر ہوا ہے ، سن 51' میں اس کمپنی نے 50 کرو 8 ٹاہ ڈائر مقافع کمایا تھا ، یہاں ' بقرنس ویک' نامی امریکی اخبار نے آندارے کو بھی ہمیں دھیاں میں رکھ لیفا چاہئے ، اُس کا کہنا ہے کہ کوریا کی لوائی نے آرمهم سے اور آپ تک جارل موٹرس کو 5 ارب 49 کرور ڈائر کے جفکی سامان بفانے کے ٹیمیر ملے ہیں ،

موزائن جلول الهکارک کدیلی کا ایالی هاههاووں کے بقائے میں زبردست عالم ہے۔ اِس کدیلی نے باتایا ہے

बाहर के कार्य इससे इसने कार्य तक की होसिस किया है बाह सक किन कार्यका. हमें नेटों का कास हर मैदान में कारी रक्षण चाहिये इसी पर हमारी सुरका और दुनिया की हान्ति निमंद है." इस तरह साफ दिखाई पड़ जाता है कि इस के क्दार सार्वों के जवाब में अमरीका वालों की तरक से कोई अश्वासन नहीं दिया गया.

स्तत की यह बात कि धमरीका लड़ाई इसलिये छेड़ना वाहता है क्योंकि इसी सरीक्षे से वह अपने माली व्यवस्था की गिरती दीवार की थाम सकता है जान बहत साफ दुनिया के सामने प्रमानने तारी है. असरीका में सलह की बार और चलते ही इलचल मच गई है. बरतानिया के एक अमरिकस्ट ने लिखा है कि अमरीका के अखबारों में **हाकित के सम्बन्ध में** जो टिप्पनियां हुई हैं उनसे साफ पता क्साता है कि अमरीका के कुछ बढ़े बढ़े पंजीपति कोरिया की सदाई का स्थागत करते हैं क्योंकि इस लड़ाई ने मही के भूत से क्रुटकारा दिलाया है और क्योपार को ऊंचा **एडाएँ रसा है. जुलाई सन '49 में 'यू एस न्यूज एन्ड वर्ल्ड** रिपोर्ट' (यह अखनार अमरीका के शास को से काफी मजदीक है) ने लिखा था कि-"कितनी भयानक और बरबाद कर देने वाली चोट होगी अगर क्रेमलन एक बारगी ठंडी लड़ाई बन्द कर दे. कांगरेस को इस बात पर राजी करने में काफी दिशकत होगी कि वह लगातार पंद्रह हजार मिलियन डालर डिथियार बंदी पर साचे करने की इजाजत दे हे." इससे साफ पता चलता है कि अमरीका को इस बात से काकी बर है कि कहीं रूस एकवारगी शान्ति की तरफ न क्रक जाय. एक साल पहले अर्थशास संबन्धी अमरीकी सदर की कौंसिल के चेयरमैन ने कहा था-"कमयुनिएम के पैरोकारों ने अगर हमें लड़ाई के खतरे में न मोंक दिया होता तो हमें अल्द ही शान्ति से पैदा होने वाली मुश्किलात का सामना करना पड़ता." कोरिया की लड़ाई में अमरीका की कई कम्पनियों ने जबरदस्त कायदा उठाया है. इसका सब्त कमके सालामा हिसाब से मिलता है. इन सब कम्पनियों की संदर्भी सहमान बनाने का सरकारी ठीका मिला थाः

क्षार सोटर्स कम्पनी ने एलान किया है कि तमाम देखीं की सवाचगी के बाद सन '52 में उसे स्थली मुनाफा कि स्टीड़ 87 साल डालर हुआ है. सन '51 में इस स्थली ने 50 करोड़ 62 लाल डालर मुनाफा कमाया था. सही 'विश्वनेस बीक' नामी समरीकी स्थलवार के सन्दाय की भी हमें स्थान में रख लेना चाहिये. इसका कहना है कि कीरिया की लड़ाई के सारम्म से और सब तक जनरल सोक्ष्य की 5 सुरुष 49 करोड़ डालर के जंगी सामान बनाने

क्षांस्थान अन्देश ध्रोट्रिक कम्पनी का घटनी हथियारों कार्य के सम्बद्धान हाथ है. इस कम्पनी ने बताया है

حدل السوال التا النامة و ووتى التلاه الأ استهاد الور الماسية الواد المهان كا اسر عمل المقاعلة جاهل ناهور و اس تاري روس نو وولقا جهارا فوش ہے اور اُس کے لگے ضروری ہے که آزاد ملک ایک سالم عو خانهن . هاههار بوهائر جالهن أوجهن بوهائي جائهن أوز روس في أيسي جانكي تاكه بالشي كي جائد كه ولا هو يرزيد له نکل بیکرسایس آدهار پر امریکه کے گست کے دیشوں مهن متههار بومال کی دور مو رهی ۾ . بنانه جانه هوالی اقب يقالي ها رهي هين ، روس كو جارون طرف بيد لهدر ل كالك فہجے میصفامے هو رہے هيں . روس کا يکش ہے که---امہکہ اور اس کے گت والے دیکی ہمیں چھی سے بعالمات نہیں دیتے ، چونکہ هم أن كے سامراجى مقصوبوں كے واسالہ میں دووا کے روپ میں میں اس لئے وہ عمیں مثا دیدا جامعے میں ، اس کے لگر وہ ممارے جاروں طرف فوجوں لا بمال يجها رفي هين . كمهرنسمك ديشون مهن ودرولا بهیلاتے میں آور جاسوسوں کا جال بچھاتے۔ میں ، آمریکہ لا مالي قمانتهم القا همسهوسا هوگها هے که اُسکو قائم راهف کے لئے لوائی کا واتاوران هوالا ضروری ه ، اُسی کاران یه نیک جانک جانکه لوائی کی تهاریان کروا رہے شهن اور ایتے سامانی کی کھیت سوائٹا کے نام پر درتے ہیں ،

جهان تک امریکه کو یه شک هے که روس والے امریکی تهذیب آور آسکی مالی ویوستها کو مثا کر اینی طرح کی سركار أمريكى جلقا يراقدنا جاهتم ههن أسكي صفائي أيك ہار تبہیں مواووں یار روس کے کی ہے ، بار ہار روس کی طرف سے کہا گیا ہے کہ امریکہ آور روس دونوں کے لگے اِس دنیا میں کافی جگاہ ہے ، سالی ویوسائھا کے دونوں قعلک بنا ایک دوسرے سے تکو لئے آبے اپنے ماقیں میں ہمول بھل سکھے ھیں ، مالفکوف نے بھی اِس بات کی صفائی دیتے میں کوئی کسر باقی تبین رکھی ، لیکن آمریکہ والوں کی طوف سے یہ یات تھیں کہی گئی کہ وہ روس کو مثانا نهمن جاهتے ، دبیزبان ہے وہ یہ ضرور کہتے همن که هم جو غويمي ديواويين کهوي کو رهاهين اُس ساروس کو کوگي خطرة تهين هي. آج جب ررس شائعي كي لئر يه هد ألي بره رها هے قب بھی امریکه والے یہ اشواس نہمی دالتے که روس کے بھاروں طرف جو فرجی جال کسا کیا ہے وہ خام کر دیا ہمائے گا ہر اِس کے خلاف کلس صلحب کا کہنا ہے کہ أِس بجال كو ليو مضهوط عها جائه؟ أثرن هاور كا كهذاها كه انهارا جانتان کا متعاری، بحیم کو شانتی قائم رکیف کالی أيفا أيها أيو يوهانا جاهك كهراكه المزرر رابع هانتيكي ركها نيون كوسافي مسافر ليتن ع بمراج بيان موركها في-العبيور أوسانتها والمتعالم المالي عدى ورهم أن سالهدي ور

हैं क्रम्युनिकंग एक सानत है. स्वी वस सामत की क्रमरीका और दूसरे आजाद देशों के सर भी मंदना चाहते हैं. इस कारण सम को रोकना हमारा कर्ज है और उसके सिने बाहती है कि आजाद मुल्क एक साथ हो जार्थ. इथिकार बहाद जार्थ जीजें बढ़ाई जार्थ और सस की ऐसी जंगी आकावन्दी की जाब कि वह पर पुरजे न निकास सके— इसी आजार पर क्रमरीका के मुद्र के देशों में इथिवार बहात की दीव हो रही है. जगह जगह इवाई अड़े बनाप जा रहे हैं. रूस की चारों तरक से घरने के सिने की जीजी सरहानाने हो रहे हैं.

हुस का पक्श है कि—अमरीका और उसके गुट बाले हेख हमें कैन से बैठने नहीं देते. चूंकि हम उनके सामराजी जनसूनों के रास्ते में रोड़ा के रूप में हैं इसिलये वह हमें सिटा देना चाहते हैं. इसके लिये वह हमारे चारों तरफ कीओं का जाता विद्या रहे हैं. कमयुनिस्ट देशों में विद्रोह फैसाते हैं और जासुसों का जाल विद्याते हैं. अमरीका का माजी डांचा इतना फुसफुसा हो गया है कि उसको क्रायम रखने के लिये लढ़ाई का बाताबरन होना जरूरी है. इसी कारन वह कांग जगह जगह कड़ाई की तैयारियां करवा रहे हैं और अपने सामान की खपत सहायता के नाम पर करते हैं.

र आहांतक अपनरीका को यह शक है कि रूस वाले अमरीकी तहजीब और उसकी माली व्यवस्था को मिटा कर अपनी तरह की सरकार अमरीकी जनता पर लादना चाहते हैं उसकी सफाई एक बार नहीं हजारों बार रूस ने की है. बार बार रूस की तरफ़ से कहा गया है कि अमरीका भीर रूस दोनों के लिये इस दुनिया में काफी जगह है. भाषाी व्यवस्था के दोनों डंग विना एक दूसरे से टक्कर े सिथे चपने चपने इलाकों में फूल फल सकते हैं. मालनकोफ में भी इस बात की सफाई देने में कोई कसर बाकी नहीं रखी सेकिन अमरीका वासों की तरफ से यह बात नहीं कही गई कि वह रूस को मिटाना नहीं चाहते. वकी चचान से वह यह फ़रूर कहते हैं कि हम जो फीजी दीवारें सदी अब रहे हैं उससे क्स को कोई स्वतरा नहीं है. बाज जब ्या शान्ति के सिये वेहद आगे वह रहा है तब भी अगरीका ं बाले सब बारवासन नहीं दिलाते कि रूस के बारों तरफ जो श्लीकी जास कसा गया है वह खतम कर दिवा जायगा. इसके शिकाफ डलेस साइव का कहना है कि इस जाब की े और मंत्रवृत किया जायगा. भाइतान हावर का कहना है कि 'नेही' शान्ति का दिशयार है. पिकाम को शान्ति ं काक्स रक्षाने के विश्वे कपना एका और बढाना चाहिये क्योंकि क्रमकोर राज शान्ति की रका वर्शी कर सकते. शिवदर हुदेश में भी अपने बचान में क्या है- 'हमें वेसा बीक न बाते देना पादिये जियसे हम बच्चे सावियों से

The world by the state of the s

العالمين كي يخلي امروعه بير يه أميد كران تفرقه وه يهي كران المحالي عمرائي كي الموادي المحالية كي الموادي المحالية كي المحالية كي المحالية المحالية

روس کے اِس رمے کے سمعقدھ میں امریکہ کے سرکاری معلق المعلم على المعلى الله الله المعلم المع هے که روسن أدارتا دکها رما ہے بلکہ اجلبها اِس باس کا هے کھ اِس مهدان مهن وہ اتنا آئے بود کها هے ، امریکه کے راهٹریعی آلوں مارر نے ایک پریس کاندرنس میں کیا— الکیمیلست دنما کی طرف سے شانعی کے لئے جو سجماؤ آٹے مہں آئیمیں هم سچا مان کر جلمن کے اور اُس سے تك سنوا ماتهن لم جب لك كولى كورا لجريه هو." لیکن امریکه کے اسلیت قیارتملت کے سیکریگری مسکر کلس لے 4 اپریل کو واضعکتن میں کیا ہے که سد^{و و}کمهو**نسٹ**وں کی طرف سے جو یہ سدیھاونا عقبائی جا رهی هے اِس سے کوئی بنهادی فرق بعدا نجین سیٹا کیپنکہ پنچھنی دیشوں کو روس کی طرف سے جو خطود هے وہ بقا رہے گا ، پھر بھی جھکوا ختم کرنے کے لئے کیهونسٹاس سے مہل کی تچه گفتوالش پیدا کی جاسکتی ھے۔''' آتھوں نے یہ ہوہے'ہا کہ۔۔''ہمھںچاھگےکہ ہم آھے پروگرام کو عاومی رکھوں اُور یورٹ میں 'بیاٹو' کو مضبوط یا۔اٹیوں' الیں ماہر لور قالس کے بھانوں مھی زمھری آسمان کا فرق ہے الهكي نه جالم كيس مسائر ذلس كا كهذا كه أن كا يهان اُلؤسِهاور کے بھان سے الگ نہیں ہے، موسکتا ہے کہ نہیں عونوں کی ایک ہو لیکن آفزان هاور نے زیادہ مقاملدس کی ھو اور یہ رعے لیا عو اور مسٹر ڈلس نے طالحت کے نھے مهن دل کی بات اگل دی هو ، للدن مین استار ایکن لے کیا ہے کا۔۔۔"برطانیہ آدھے راستے جل کر شانعی کے ھر رم کا سوائت کرے کا۔ آج ہم شانتی قائم ہونے کی تظانيال ديكو ره مهل ، ليكن ساته هي ساته هنهل ايلي کوشھوں میں قعمل نه قالقی جاهگہ اور ایقی سرفشا کے لگر: مشهوط هونا جاهگے ، أ فرانس كى طوف سے ايهى كنچه غهون کیا گھا ۔

فانها لے روس اور امریکہ کے رم مہیں جو فرق ہے آسے فرور فیکھ لیا مولا ، اِس بات پر ورشلی ڈاللے سے پہلے هم ورص اور امریکہ کے جوہگڑے کو سمجھ لہیں : امریکہ کا پکھی یہ ہے که ووسی سامراجی هیں اور یہ دنها کو قلم بقائے کے لگے قسم کہائے بیٹھے هیں ، معہورے کو قلم بقائے کے لگے قسم کہائے بیٹھے هیں ، معہورے کو قلم بقائے کے لگے قسم کہائے بیٹھے هیں کو قل کو جائے کہائی حصے کو قل کو جائے

कारों के बद्दी कारीका के यह राजीद करते के कि वह की कोई न कोई क़हम उठाएगा और चीन और कोरिका को बूनों में जाने की दावत देगा. मास्रोतोफ के इस बात को शर्त के रूप में पेश नहीं किया लेकिन दवी जवान इशारा ज़कर किया है. पर हमें दुख है कि अमरीका और उसके मुट बालों की तरफ से अभी तक कोई पेसी उदारता नहीं पिकाई गई जिससे पता चल सके कि उनकी नियस भी पुक्क करने की और शान्ति को स्थाई बनाने की है.

इस के इस वस के संबंध में अमरीका के सरकारी इसकों का कहना है कि उन्हें इस बात से तावजब नहीं है कि रूस स्वारता विस्ता रहा है बहिक अचन्या इस बात का है कि इस मैदान में वह इतना आगे वद गया है. अमरीका के राष्ट्रपति आइजनहावर ने एक प्रेस कानफरेन्स में कहा-"कमयुनिस्ट दुनिया की तरफ से शान्ति के लिये जो सुमान बाए हैं उन्हें हम सबा मान कर वर्तिंगे और उस समय तक संचा मानेंगे जब तक कोई कड़वा तजरबा न हो " लेकिन अमरीका के स्टेट दिपारटमेन्ट के सिकेटरी मिस्टर इलेस ने 4 अप्रैल की वाशिगटन में कहा है कि- कम्य-निस्टों की तरफ से जो यह सदुभावना दिखाई जा रही है इससे कोई बुनियादी फरक़ पैदा नहीं होता क्योंकि पच्छिमी देशों को रूस की तरफ से जो खतरा है वह बना रहेगा. किर भी भगड़ा खतम करने के लिये कम्युनिस्टों से मेल की कह गुनजायश पैदा की जा सकती है." उन्होंने यह भी कहा कि - "हमें चाहिये कि हम अपने प्रोमाम को जारी रखें और योरप में 'नेटां" को मजबूत बनाएं." बाइजन हावर और डलेस के बयानों में जमीन आसमान का फरफ़ है लेकिन न जाने क्यों मिस्टर हलेस का कहना है कि उनका वयान आइज नहावर के बयान से अलग नहीं है. हो सकता है कि नीयत दोनों की एक हो लेकिन आह्फनहावर ने कियादा अक्रलमन्दी की हो और यह उस लिया हो और सिस्टर उसेस ने ताकृत के नशे में दिल की बात उगत दी हो. सम्बन में मिस्टर इंडेन ने कहा है कि-"बरतानिया आधे रास्ते वलकर शान्ति के हर क्ख का स्वागत करेगा. आज इस शान्ति कायम होने की निशानियां देख रहे हैं. लेकिन साथ ही साथ हमें अपनी कोशिशों में डीन न बासनी चाहिये और अपनी सुरचा के लिये मजबूत होना चाहिये." फ्रांस की तरफ से अभी कुछ नहीं कहा गया.

दुनिया ने इस और अमरीका के बस में जो करक है उसे जहर देख लिया होगा इस बात पर रोशनी डाल ने से पहले इम इस और अमरीका के मतादे को समझ तें: अमरीका का पक्श यह है कि इसी सामराजी हैं और यह दुनिया को गुलाम बनाने के लिये क्रसम साथ बैठे हैं. बीरे असे कह दुनिया के एक तिहाई हिस्से को बाब कर चुके

The state of the s

होने की सल्यायना किर पैदा हो गई, क्यू ने कहा है कि
को हैंदी अपनी मरबी से अपने अपने बतन जाना काहते
हों कई कौरन रिद्धा कर दिवा जाय. इसी आधार पर बीमार
और क्यामी सिपाहियों के तबादले की तैयारियां हो रही
है. बाक्री कैदियों के बारे में चू पन काई ने कहा है कि वह
एक तटस्य देश के सुपूर्व कर दिये जायं ताकि उनकी
मरबी माल्म करके उन्हें उनके देश भेज दिया जाय. इस
सुकाय की दोस्त दुशमन सब ने सराहना की है. कमयुनिस्ट
दुनिया ने यह सुमाद रख कर जो उदारता दिखाई है
इसका दुनिया की जनता पर बहुत ही अच्छा असर
पदा है.

- (2) बरिक्तन में ट्रैफिक को लेकर कगड़े खड़े रहा करते बे. इस्स ने ट्रैफिक के संबंध में पश्चिम बरिक्रन वालों को काकी सुविधाएं दे दी हैं.
- (3) क्स ने क्चर कोरिया वालों से सिकारिश की कि बह जमरीका, बरलानिया और क्रांस के सिबीलियन क्रैरियों की जोड़ दे. पेसे क्रैरी कूट भी गए हैं.
- (4) रूसी कमान्ड ने बरतानिया के एक जहाज को जरमंगी में गिरा दिया या क्योंकि वह रूसी हलके में चला कामा था. रूस ने इस दुर्घटना पर दुल प्रकट किया और बरतानिया को जिला कि फ्रांस, बरतानिया, चगरीका और रूस काराचीत करके जहाजों की उड़ान के संबन्ध में इड़ क्यार नियम बना लें. बरतानिया ने । यह सुमाब मान किया है.
- (5) इस ने बमरीका के इस जरनितस्टों को बिसा दिवा ताकि वह रूस घूम सकें और चीचें सुद अपनी बांसों से देख सकें.
- (6) स्वीडन के मंत्री को रूस ने यूनो के जनरख सेकेटरी के रूप में स्वीकार कर लिया.

हुनिया की जनता और खास कर भारत की जनता में तीर से इस बात को नोट किया है कि इस और हसी इस के दूसरे देश तो कोरिया की जबाई बन्द करने और उन्हीं लड़ाई को खतम करने के जिये एक के बाद दूसरा इस्म जुड़ाते जाते हैं लेकिन अमरीका और उसके गुट के देश आसीख़ हैं, संकोच करने हैं. इस ने सद आवना दिकाने के लिये कोई दात नहीं रसी. इस बीच उसने यह भी नहीं कहा कि अमरीका बाले फ़बां बात मान खें तो सुलह हो सकती है जनकी नीति बह नहीं है कि वह सुमाब रसें और उन असा को कुमरे मानें बल्कि वह एक रास्ता निकाल लेते हैं जीद बस पर चल पढ़ते हैं. रास्ता इतना सीघा और आवार होता है कि दूसरों को मजबूर हो कर बस तरफ बादक होता है कि दूसरों को मजबूर हो कर बस तरफ

- (2) برلی مهرگریفک کو لے کو جھکونے کھونےوہا کرتے تھے ۔ روس لے گریفک نے سمبقدہ میں پھھم برلی والوں کو کافی سودھائیں دیے دئی میں ۔
- (3)روس نے آتو کوریا والوں سے سفارش کی که ولا امریکه وطالبه اور فرانس کے سویلین قبدیوں کو جھوڑ دے۔ ایسے قبدی جہوت بھی گئے ھیں .
- (4) روسی کمانڈ نے برطانعہ کے ایک جہاز کو جرسلی مھی گرا دیا تھا کھونکہ وہ روسی حلتے میں چھ آیا تھا۔ روس نے اِس درگھٹٹا پر دکھ پرامت کیا اُور برطانعہ کو لکھا کہ فرانسی پرطانعہ اور روس بات جیست کر کے جہازوں کی اُوان کے سمیلدھ میں کچھ اُدار نیم بھالیں ۔ برطانعہ نے یہ سجھاؤ مان لیا ہے ۔
- (5) روس نے امریکھ کے دسہجرناسٹاوں کو ریسا دیا تاکہ وہ روس گھوم سکھی اور چھڑیں خود ایڈی آنکھوں سے دیکھ سکھیں ،
- (6) سویقن کے مقادری کو روس نے یونو کے جفرل سامریگاری کے روپ میں سویکو کر لیا ۔

 के भी इस कार्यका में सामीवार देवान करने की बरमा भीग करेगा. इंग्लैम्ड के क्कीर सिस्टर एडिन ने एक सुमाव रका है कि एक कमीशन मुक्टर कर दिया जाय जो इस मासतो की जांच परताल करे. लेकिन पशिवाई मुल्कों को कमीशनों का पूरा तजुरवा है. वही मुजरिम, वही जज का हामा वीवारा नहीं दुहराया जा सकता यूनो की जांच का समय है, इस बन्नत आं आईश का समय है. ग्रगर बरमा को इनसाफ नहीं मिलता, भगर एशिया की मुतहहा आवाज यूनो में दुकरा दी जाती है, धगर धमरीका को धगरेसर महार नहीं दिया जाता और धगरेसर का मुनासिव सजा नहीं दी जाती तो यूनो धपनी मौत बुलायेगी, उस पर से रही सही बद्धा भी उठ जायगी.

6. 4. 158

--- मुजीब रिज्ञबी

्जग शान्ति की समस्याएं

मुद्दों के बाद दुनिया को यह उम्मीद बंधी है कि बान्तर राष्ट्री मनाड़े शान्तिमय तरीक़े से तय हो सकते हैं. इस उम्मीद बंधाने का सेहरा रूस के सर है. रूस और चीन ने ऐसी उदारता दिखकाई है कि दुनिया भोंचक्की हो गई है. साम कर बमरीकी गुट के देशों की जनता को और कियादा ब्यक्मा हुआ है. सालों के रूस विरोधी प्रचार ने उनके सामने रूस को जंगबाज के रूप में पेश किया था. लेकिन बाज जनता की दिखाई पढ़ रहा है कि वह "जंग-बाज?" मुलह और शान्ति के जिये तो बागे बढ़ रहा है लेकिन अपने को निर्दोश बताने वाले संकोच कर रहे हैं.

रूस ने दो एक भगकों के सम्बन्ध में ही उदारता नहीं दिखाई बल्कि पूरी 'ठंडी लड़ाई' का रुख ही पलट दिया है और अन्तर राष्ट्री हर भगके को बातचीत कर के वह साम कर देना वाहता है.

(1) कोरिया की सुलह के रास्तों में जंगी कैदियों की दिहाई का मसला एक रोड़ा बन गया था. रूस जिनेवा अनवेनहान के आधार पर जंगी कैदियों की रिहाई वाहता का और अमरीका वालों का कहना था कि कैदियों को बिना हमकी मरखी माजूस किये जबरदस्ती चीन और कोरिया वापस नहीं मेजा जा सकता. रूस का कहना था कि पहले सबाई बन्द हो जाय और तब कैदियों का सवाल हस किया जाब क्योंकि यही जन्तर राष्ट्री रिवाज है. पर अमरीका का कहना था कि पहले कैदियों के सवाल पर सममीता हो साथ तब सबाई बन्द की जाय. इसी आधार पर कोरिया बोबाई सुकह की आज इसी आधार पर कोरिया बोबाई हो हो, लेकिन चीन के बड़े बजीह ने एक बीच का का हा कि साई लेकिन चीन के बड़े बजीह ने एक बीच का का हा हो हो हो हो हो हो हो हो है करन

الهاسو الهاسون مهن ساجهی دار اعلان درخ فی بوما مادات المان درخ فی بوما مادات المان درخ فی بوما مادات المان الکلیفات کے وزیر مسلو ایکن نے ایک محجوا کو دکیا ہے ایک محجوا کو دکیا ہے ایک محجول کی دارک درخ کی جانبے اورال درخ بهتی الها کی محجول کی درامت دوبارہ نہیں الجوران المان کی درامت دوبارہ نہیں عجران جانبے کا سب ہے اس وقت محبول جانبے کا سب ہے اس وقت المان کی سب ہے اور المان کی متحدد آواز یونو میں تیکرا دی جاتی ہے اگر امریک کو اگریسو کو ایکن دیا جاتا اور اگریسو کو امریک کی میدانی سب موا تیمی دی جاتی تو یونو ایکی موس بالکرگی اس ہو سے دھی سبی شودھا بھی الله جائےگی ،

--معهد رقبوي

6-4-53

جگ شانتی کی سسیائیں

مدوں کے بعد دنیا کو یہ آمید بلدھی ہے کہ انگر واقعری جہکوے شائلای سے طریقے سے طے ھوسکتے ھیں ،

ارس آمید بلدھانے کا سپرا روس کے سر ہے، روس اور چھوں کے ایسی آدارتا دنیائی ہے کہ دنیا بھونچکی ھوگئی ہے ۔

تے ایسی آدارتا دنیائی ہے کہ دنیا بھونچکی ھوگئی ہے ۔

تے سے کو آمریکی گمٹ کے دیشوں کی جلتا کو آور زیادہ الهمیها ھوا ہے ، سالوں کے دوس ورودھی پرچار نے آن نے ساملےروس کو جلگ باز کے روپ میں پیش کیا تھا، لیکن سلماور کے لکے تو آئے ہوء رہا ہے کہ وہ "جلگ باز" صلم اور ہیانتی کے لئے تو آئے ہوء رہا ہے لیکن آئے کو سردوس بھانے والے سلموں کر رہے ھیں ،

روس لے دو ایک جهکروں کے سمبلدھ میں ھی آدارتا نہیں دنیائی بلکہ پوری 'قبلقی لوائی' کا رم ھی ہلت میا ہے اور انترزاشتری ھر جهکرے کو بات چیت کرنے وہ شتم کردینا جامعا ہے ۔

(1) کوریا کی صلع نے راستے میں جاگی قیدیوں کی رھاکی کا مسکلہ ایک روزا بن کیا تیا ، روس جیفرا کی رھاکی کا مسکلہ ایک روزا بن کیا تیا ، روس جیفرا قلونیس کے آدھاو پر جاگی قیدیوں کی رھائی چاملا تیا اور امریکہ والوں 5 کیفا تیا دہ قیدیوں کو بقا ان نی مملوم کئے وبردستی جیدن آور کوریا رأیس نیشن بیمانے اور تب قیدیوں کا موال حال کیا جائے کوائی یقد ھو جائے اور تب قیدیوں کا سوال حال کیا جائے کیونکہ یہی گیدوائی ہو سمجھولت ھو جائے تب لوائی یقد کی جائے ۔ کے سوال پر سمجھولت ھو جائے تب لوائی یقد کی جائے ۔ کے سوال پر ممجھولت ھو جائے تب لوائی یقد کی جائے ۔ کے سوال پر دوریا سمجلدھی صلح نی بادی جیمت بھنگ اور دمیا نہ اس مولکی ، لیکن جیمن نوائی کے بوجہ وزور غرابی بیم

इस तरह से बदाया गया है कि बुद्ध सोनों के दिनारों ने मरम पैदा हो गया है. बेकिन बरमा की सरकार ने जो बसान विवे हैं उनसे यह बात साफ हो जाती है कि वह माओ-त्से-तुंग के सिपाही नहीं बल्कि चांग काई रोक के ही भारमी हैं. बरमी कीज ने कीमिनतांग वालों की एक दुकड़ी को मारा था। इस लड़ाई में तीन अमरीकन भी मरे हैं जो इन फ्रीजों को ट्रैनिंग देते थे. अमरीकी सरकार शायद यह कह देती कि हर योरपी गीरा होता है, इसक्तिये इन गीरों को अमरीकी नहीं कहा जा सकता. लेकिन इन लोगों की जैबीं से जो डायरियां मिली हैं उनसे इस बात का पक्का सबूत मिलता है कि वह अमरीकन थे. डायरियों में उनका पता, उनके रिश्तेदारों का पता और उनके खानदान वालों की तस्वीरें भी मिली हैं. दूसरे काराओं से भी साफ पता अलवा है कि इन फ़ीजों का फारमूसा से पनका नाता है और इन्हें धाईलेंड की तरफ से इथियार बरौरा की सप्ताई होती है. अपने हाल के दीरे का जिकर करते हुए पंडित नेहरू ने एक बात यह बताई है कि-'करन' (यह क़बायली लोग है और बरमा सरकार से इथियार ले कर लड़ रहे हैं) विद्रोह में बहुत से मिशनरी भी शामिल हैं. क्योंकि यह लोग ईसाई हैं." बखबारों में खबर आ चुकी है कि करन और कांमिनतांग के सिपाही मिल जुल कर बरमा सरकार के खिलाफ लड़े हैं. बगर इस मेल को भी अमरीका और मिशनरियों से जोड़ दिया जाय तो कोई राजती न होनी और यह बात साफ हो जावगी कि कोमिनतांग बाले 'करन' बालों से क्यों मिल सके.

बरमा ने यूनो के जनरल संक्रेटरी को केवित भेज विया है कि वह इस मसले को जनरत असेम्बली के सामने पेश कर हैं. खुल्लम खुल्ला बात करने के लिये बरमा सरकार ने अपना वामन भी कुड़ा किया है. पाइंट फोर एड की मदद बरमा को भी अमरीका से मिसती है. यह फोर 'एड' 'आपसी सुरचा क़ानून' के आधीन मिसती है. अमरीका का मंडा को इने से पहले यह जरूरी मा कि बरमा इस क़ानून से खुटकारा पा ले. वहां खुशी » की बात है कि उसने अमरीका को तकनीकी सहयोग सममीते को रव करने की नोटिस दे दी है और अमरीकी ्विषेशम वहां से अपना कोरिया बिस्तर बांघ रहे हैं. दूसरे यशियाई मुल्कों को इस से सबक्र लेना चाहिये क्योंकि जिस ्रा सतरे का आभास बरमा ने आज कर तिया है उसे उन्हें कल करना ही पड़ेगा. अक्रजमंद वह है जो पहर ला कर पाहर के असर का पता नहीं सगासा बरिक दूसरे की हासत क्ष कर चीनमा हो जाता है.

बूती के सामने यह ससता वही विकार सबी कर क्या: अमा पूनो में यह हिन्मत है कि इस कारायों के जाबार पर जो बरमा खरकार वेश करेगी वह समरीका की

اس طرب سے اوال کیا ہے کہ کیے کیلیں لے مذکور میں بعيد يعدد كوليا بي . العالى يوما عي سركار ل بعر بداي على همان أن من مه مان مال هو جالي ير كه يه ماولسرددك ع سَوَاهِی نہیں جیں بلکہ جانگ کائی غیک کے جی أدسى اهين ، يرسى قوي له كوسلعانك والين كي ايك تعوى كو ماوا تها، إس لوائي مهن تين امويكي يهي موء هیں جو اور فوجوں کو ڈریللگ دیکے تھے ، امریکی سرکار هاید ایه که دیتی که هر پوریی گروا هوتا هے اس لئے ان كررون كو أمريكي تبهن كها جاسكتا . لهكن إن لوكن كي جددوں سے جو قائریاں ملی ھیں اُن سے اِس بات کا یکا ثبيت ملعاً ه كه وه أمريكن ته . ذائريس مين أن كا يعه أن كے رشعے داروں كا يعد اور أن كے خاندان واليس كى تصبیریں بھی ملی میں ، دوسرے کافشوں سے بھی ساف یعد جلعا ہے کہ اُن فوجوں کا فارسوسا سے یکا باتد ہے اور الهیں تھائی لیات کی طرف سے ہجھیار وفیرہ کی سیلائی ھوتے ہے . ایے حال کے دورے کا ذکر کرتے ھوئے پلکس مہرو نے ایک بات یہ بھائی ہے کہ۔"درن' (یہ تبائلی نوگ مهن أور يرسا سراار سے هالهار لے کر لو رہے هيں) ودووہ میں بہت ہے مشاری بہری شامل میں کیونکہ یہ لوگ عيساني هين " اهداون مين خير آچکي هے که كون اور فوملتانگ کے سہامی مل جال در ہرما سرکار کے حلاف لوے عیں ، اگر اِس میل دو بھی امریکہ آور مشتریوں سے جور دیا جائے تو دولی فلطی نه هرگی اور یه بات صاف هم جائے کی که کومقتالگ والے 'دون' والوں سے کھوں مل

برمائے یونو کے جلول سکویالری کو کیمل بھیے دیا ہے که وہ اِس مسللے کو جلول اسمبلی کے ساملے پہور دردیں، کہلم کہلا بات درنے نے لگے برما سرکار نے اپنا داسی بهي جبواً لها هـ ، پالٽت فير ايڌ کي مدد يرما در بهي أمريكة بير ملعى هي . يه فور 'أيكَ' أيسى سرفها قانون' کے آدھیوں ملتی ہے، امریکہ کا بھلقا بھوڑ نے سے یہ ضروری تها كه يرما إس قامين سے جهاكارا بالے، يوى خيفى كى. بات ہے که اُس نے امریکہ کو الکینیکی سہیوگ سنجھیتے۔ کو رد کرنے کی لوائس بدیے دیں ہے۔ اور امریکی وشیعک وهان من ایکا بوریا بسخر بانده رہے میں، دو سرے ایمیائے ملكون كو إس مد سهق لهذا بهاهي كيونكد جس خطري كا أَنْهَاسَ عَرِمَا فِي أَنِ كُو لَهَا هِمَ أَنِهِ كُل كُونَا هِي يون لا مقل ملك ولا في جو زهر كها كو زهر كي الر كا يعد نهمن القالبا بلكه دوسه كي حالت ديكه كر جوكها هو

ما کی مامی به مسله بچی دلعین خوی در ما می است. ما کی میل شدن به مسید کا که آن محکون غ المعاوية عبر الموال يعالى كرد كى وه المريكة كي

پر مقابل کی فرہیں سیاری کیک کے کام آگیں غیر دنی هو که وه ایم کو کنهونسگوں کے عقاف لوٹے کے افتار کر لیس ، لیکن سوال یہ آٹھاتا بھ کہ کواسی پرمعتمی آج بدل کئی ہے جس سے برما لے " کومند تک کے فوجوں کے سوال کو اتقا بھھالک بنا دیا ہے اور دنیا کے راج نیت میں ایک نئی گوٹ پہنسا دی هـ ، إنهين جانكارون كا كينا هـ كه يه سب برطانهه أور امریکه کی آیسی هرو کا بعیجه بی ایشیا مهن هر هر چکه هاؤارون او قیضه کرنے ای برطابهم اور امریکم دور لکا رہے ههين . پرطانهم ان بازاوون کا پراتا سوداگر هـ اور امريکه جب آئے بوھتا ہے تب أسے برطانهم سے ثكر لهائے پولی ہے ، دونوں دیمی کمهونسٹٹوں کے ورودھ میں تو ایک میں لمکن ایک دوسرے کا یہی ورودھ وہ هو سطح پر درتے هیں ، برسا کو پرطانیہ نے مست دلائی ہے اور اُسے امریکہ کے خلاف ایک زیردست مهره بدا دیا هے کیوں که اگر برما نے کہام كها امريكي كرتوتون كا بهدق بهود كها تو امريكه كا اثر ايههائيملكون يرحقم ساهو جائية أورهر جكه أمريكهون يو اوهوآس يهدل جائد گا،

ہرما نے سیکورٹی کونسل کے سامنے ایکا مقدمہ پیھی کرلے کے بنجائے جلول اسمبلی کے ساملے یہ مقدمہ رکھا هـ. يه بات يري مهدو دي هـ. كتيه لوكون كا كهما هـ كه سهمورثی کونسل کے ساملے برمالے اِس لئے مقدمہ بہیں رقها فهونكم أس كشمهر كا حال معلوم تها أور أس جامكاري تهي كم سهكورثي كونسل مهن فيصله كنهه تههن هو بال كا لهكين دير بهت لگ جائے كى ، دوسرى وجة يه بھی ہے کہ پرما کے همدرد صلکوں کی سهکوریائی کونسل میں کمی ہے ، کتھہ جانکاروں کا کہذا ہے کہ چونکہ امریکہ اور بھانگ کائی شہاک دونوں کے خلاف ہرما کی شکایات ھے اِس کارن یہ درنوں دیس پوری کوشش کویں کے که یہ معامله ايصلقا ير به آئي. 'ويلو' كا استعمال بهي هوا ، اليسي حالمعا مهن برطانها أور أوانس كي يوزيشن أنازك هو جائے کی برطابیع وهاں امریکہ کے خلاف کچھ کے تبھی سعتا م اور امريعه كي درنونونكو ظاهر كرائه بدا أس جهون بھی نہیں ہے۔ ایسی حالت میں یہ تبیک ہے کہ جغرل استهلى مهن يه سوال يهش كها جائم .

امریکہ والے یہی معدولی کہلاری نہیں میں ۔ آنہوں نے مر طرح سے پرچار کیا ہے کہ چین کے یہ سیامی جانگ کائی شیک کے آدمی نہیں میں بلکہ چیلی ریڈ آر می کے سیامی میں جو یہیس بدل کر آئے میں اور پرما کے کمینسٹوں کی مدد کرتے میں، اختیاروں میں اِس خمو کو

कीमिनलंग की कीम तुम्बारी कुमक के काम बार्यगी बीर बरमा सरकार ने उन जीजों को पूरी क्ष्ट दे दी हो कि वह अपने को कमयुनिस्टों के किलाफ सबने के लिये अच्छी तरह तैयार कर लें. लेकिन संशाल वर उठता है कि कीन सी परिस्थिति बाज बद्धा गई है जिससे बरमा ने कोमिन तांग के की जों के सवाल को इतना भयानक बना दिया है और दुनिया के राजनीत में एक नई गीट फंसा वी है, इन्हीं जानकारों का कहना है कि यह सब बरतानिया और असरीका की आपसी होड़ का नतीजा है एशिया में हर हर जगह बाबारों पर क्रवजा करने की बरतानिया और अभरीका दौड़ लगा रहे हैं. बरतानिया इन बाजारों का पुराना सीदागर है और अमरीका जब आगे बढ़ता है तब उसे बरतानिया से टक्कर लेनी पढ़ती है. दोनों देश कम्य-निस्टों के विरोध में तो एक हैं लेकिन एक दूसरे का भी विरोध वह हर सतह पर करते हैं. बरमा को बरतानिया ने हिम्मत दिलाई है और उसे अमरीका के खिलाफ एक पाबरदस्त मोहरा बना दिया है, क्योंकि धगर बरमा ने खुल्लम खुरुता अमरीकी करतूर्तों का भंडा फोड़ किया तो अमरीका का असर पशियाई मुल्कों पर खतम सा हो जायगा और हर मगह अमरीकियों पर अविश्वास फैल जायगा.

बरमा ने सिक्योरिटी कौन्सिल के सामने अपना मुक़दमा पेश करने के बजाए जनरल असेम्बली के सामने यह मुक्कदमा रखा है. यह बात बड़ी महत्व की है. कुछ लोगों का कहना है कि सिक्योरिटी कौन्सिल के सामने बरमा न इस किये मुक्रदमा नहीं रखा क्योंकि उसे कश्मीर का हाल मासुम था और उसे जानकारी थी कि सिक्योरिटी कीन्सिल में फैसला कुछ नहीं हो पाएगा लेकिन देर बहुत लग जायगी. इसरी बजह यह भी है कि बरमा के हमदर्व मुल्कों की सिक्योरिटी कीन्सित में कमी है. कुछ जानकारों का कहना है कि चंकि अमरीका और चांग काई शेक दोनों के शिलाफ बरमा की शिकायत है इस कारन यह वीनों देश पूरी कोशिश करेंगे कि यह मामला एजन्डा पर न आए बीहो का इस्तेमाल भी होगा. ऐसी हालत में बरतानिया और ऋांस की पोष्पीशन नाषक हो जायगी. बरतानिया वहां अमरीका के खिलाफ कुछ कह नहीं सकता है और समरीका की करत्तों को काहिर कराए विना उसे बैन भी नहीं है, ऐसी डालत में यह ठीक है कि जनरल असेम्बली में वह सवास पेश किया जाए.

क्रमरीका वाले भी मामूली खिखाड़ी नहीं हैं उन्होंने इद तरह से प्रचार किया है कि चीन के यह सिपाही चांग काई खेक के बादमी नहीं हैं बल्क चीनी रेड बारमी के विकासी हैं जो जेस बदल कर बाद हैं और बरमा के असे यह भी उसकी फौज की एक दुकड़ी हो. इस सम्बन्ध में बरमी सरकार का कहना है कि वह अपने अन्त्रक्ती मगड़ों में फंस गई और इघर से उसे भ्यान हटाना पड़ा. यह बात भी भ्यान में रखनी चाहिये कि नयें चीन की सरकार ने बरमा सरकार से प्रार्थना की कि वह चीन के साथ सहयोग करे और दोनों मिल कर कोमिनतांग की फीजों से खुटकारा पा लें. लेकिन बरमा की सरकार ने यह प्रार्थना स्वीकार नहीं की और यह कह कर टला दिया कि वह अन्तर राश्टी ममेले में पड़ना नहीं, चाहती.

बरमी सरकार की यह दलील नहीं जंचती कि वह अन्त्र्ती गड़बड़ की वजह से कोमिनलांग की फीजों पर श्यान नहीं दे सकी और गहराई में जाने से शक होने लगता है कि अन्त्रनी गड़बड़ी के अलावा काई दूसरी चीज थी जिसने सरकार को कामयाब क़दम उठाने से रोका. सोचने की बात है कि अन्दरूनी स्नतरे का पहले मुकाबला किया जाता है कि बाहरी खतरे का बह भी बाहरी खतरा मामूली नहीं, कुछ हथियार बन्द सिपाही इधर उधर मंह मारते, ब्रह खसीट करते नहीं फिरते बल्कि बाक्तायदा छावनी बनती है, हवाई श्रञ्जा तैयार होता है, बाहरी मुल्कों से उन कीजों का सम्बन्ध बदता है, नये नये हथियार मुल्क के अन्दर आते हैं, फीज की परेड होती है, नये नये रंगहर भरती करके लाए जाते हैं श्रीर फीज की तादाद रोज बदती जाती है, बरमा की सरकार बाहरी हमलावर और भेड़िये का मुकायला करने के बजाय अपने घर की बिल्लियों की मारने के लिये सारी ताक़त लगा देती है. मान, लिया घर का हर्मन बहुत खतरनाक है, वह राज उलट देगा और मीजूदा सरकार को खतम कर देगा. लेकिन बाहरी दुशमन तो वह खलरा है जो सरकार को ही खतम नहीं करेगा बल्कि साहे देश की ही खतम कर देगा. सरकार ने जो क्ख इस सम्बन्ध में इस्रतियार किया उससे दो बार्त साफ होती है: (1) मीजूदा सरकार को देश के मुकाबले में अपना जियादा खयाल है, अपनी ईंट न गिरने देने की उसे वियावा जिल्ला है. (2) बाहर का बाहे जिलना बढ़ा ही स्ततरा क्यों न हो वह अपने देश के कमगुनिस्टों के गुकाबले में बसे कम खतरा सममती है. उसका एक मात्र जस्य कमयुनिस्ट विरोध है.

यह बात साफ है कि बरमा पर बरतानिया का काफी असर रहा है और एंग्लो अमरीकी ब्लाफ बांग काई रोक की पीठ पर हाथ रखे हुए हैं. कुछ जानकारों का कहना है कि बरतानिया और अमरीका वालों ने बरमी सरकार की राय ही कि वह कमयूनिस्टों को मिटाने में सारी ताइक सवा है क्योंकि उन्हें हर है कहीं बरमा भी कमयुनिस्ट न हो साथ. हो सकता है कि उन्होंने यह भी कहा हो कि

ہرمی سوکار کی یہ دلیل تہیں جھھی کہ وہ آنشرونی گوہو کی وجه سے کوملقانگ کی فوجوں پر دھیاں نہیں دے سکی آور کہوائی میں جانے سے شک ہونے لکتا ہے که اندرولے گوہوں کے علاوہ کوئی دوسری چیز تھی جس لے سرکار کو کامہاب قدم اُٹھائے سے روکا ، سوچئے کی بات ہے که اندووني خطره کا پہلے مقابلت کیا جاتا ہے که باهريخطرے كا ولا يهي ياهري خطرلا معبولي تهون ، كنهم هكههار الله سهاهي أدهر أدهر مقه مارته و لوت كهسوت كرته لههل بمرته يلكه بالخاصة جهاوني ينتدي هي هوائي ألمَّا قيار هوتا هي ا باهرى ملكوں سے أن قوجوں لا سمبلده بوهنا هے' نگے نگے متهار ملک کے اندر آتے میں فوج کی ہویک ہوتی ہے نگے نئد رنگروت بهولی کرکے لائے جاتے عمل اور فوج کی تعداد روز بوهتی جاتی هے . برما کی سرکار یاهری حمله آور اور بهبائے کا مقابلہ کرتے کے بحوالے أبھے گھو کی بلھوں دو سارتے کے ليُساري طاقت لكا ديكي هي . مأن لها گهر كا دشين بيت خطراناک ہے' وہ راہے اُلت دے کا اور موجودہ سرکار کو خاتم کر در ہے کا م لیکن ہاتھری دشمن تو وہ خطرہ ہے جو سرکار کو ھی شکام نہیں کوے کا بلکہ سارے دیش کو ھی شام كر ديم كا . سركار لي جو رم اس سبيقده مين اختيار كيا اُس سے دو باتیں صاف ہوتی میں : (1) موجودہ سرکار كو ديمي كر مقابلي ميس أيفا زياده خيال هـ' أيفي أيفت نه کرنے دیلے کی أسے زیادہ جنتا ہے . (2) باہر کا جاہے جعفا ہوا هی خطارہ کیوں نه هو وہ آھے دیھی کے کمھونسگوں كے مقابلے ميں أس كم خطرة سمجهتى يد . أسكا أيك ماتر لعمل كيهونشك وررده هـ .

یه یاس صاف ہے کہ ہرما پر برطانیہ کا کائی اگر رما ہے اور الکیٹر امریکی بلاک جانگ کائی شبک کی یہائہ پر مالیہ رکھیں ہے۔ کچھ جانکاروں کا کہنا ہے کہ برطانیہ اور امریکہ والین کے یوسی سرکار کو دائے نہی کہ وہ کمھونسٹوں کو مقالے میں سازی طاقت المجانک انہیں تو ہے کہوں اور المجانک کی انہیں تو ہے کہوں اور المجانک کی انہیں تو ہے کہوں اور کہوں کہوں کہ انہیں نے یہ یہی کہا ہو کہ

क्रमर के बाकसाय है यह बात साफ़ हो बाती है कि बारवाणिया मासूस नहीं है बल्कि समम्बेते को दुकराने की सारी बिन्मेदारी बरतानिया पर है और वह हर हवकंडे से दक्षिवाई देशों पर अवका जमाय रखना बाहता है.

5, 4, 153

-मुजीब रिखबी

चुनो और बरमा

कोई मी मुल्क विदेशी फ़ौजों को अपनी जमीन पर वरदारत नहीं कर सकता. बरमा ने देर जरूर कर दी पर इस विश्वय में जो क्रदम उसने उठाया है वह सराहनीय है. जब इस इस ममस्या पर सोचते हैं तो रह रह कर यह सवास उठता है कि सन '49 से ले कर अब तक बरमा इस विशय में सामोश क्यों रहा ? चांग काई शेक सन '49 में चीन छोड़ कर भागे थे और चीन के बनान नामी सबे में उस समय लड़ने वाली उनकी क्रीज की एक टकडी हार कर बरमा में घुस आई भी इसकी गिनती दो एक इजार थी. इस दुकड़ी ने बरमा की कौज को जपने हथियार सौंप दिये और उन सिपाहियों को एक खास इलाक़े में महसर-सा कर दिया गया. बरमा के विदेश मंत्री के केबिल से पता चलता है कि सन 250 के शहर में 1,700 सिपाही चौर बरमा में घुस चाए. इनसे भी बरमी फ़ौन ने मांग की कि वह हथियार रख दें या मुल्क छोड़ कर चले जायं. इस दुकड़ी ने बरमी फ्रीज की मांग की परवाह नहीं की और अपना हेड क्वारटर मजबूत करने में लगी रही. बरमी फीफ को अपनी मांग मनवाने के लिये हथियार उठाना पका. सब 750 के बीच में कोमिनतांग की फ्रीजें बरमी भौज के सकाबले की ताब न ला कर पश्चिम की तरफ बढ गर्ड और उन्होंने बरमा और थाईलैंड की सरहद पर पर मांगिष्विट में अपना हेड क्वार्टर बना लिया. तब से इन फ़ीजों में दिन पर दिन बढ़ीती होती गई. यनान और चीन के दूसरे सरहदी सूचों में कोमिनतांगी ऐजन्ट गए और सुर सुर सिपाड़ी भरती कर के लाए. मांगजिट में उन्होंने ह्याहै सहाप्त का बाहा भी बना लिया जहां बराबर जहाज अस्ति के और नय नय इधियार और दूसरे जरूरी सामान इस प्रौजों को सहैया करते थे. विदेश मंत्री के बयान से और जहां तक हमारी जानकारी है बरमा सरकार के दूसरे ्र**म्यानों से यह पता नहीं** चलता कि मांगजिट में पहुँच अपने पर **बरमी फीज ने क्या दल** लिया ? क्या जहाई होती रही और "बरमी प्रीक इन्हें बाहर निकासने में नाकाम अध्या क्षिम इस फीओं को संगठित होने दिया गया और अवकार सीव रही है वियाचा छान बीन करने से पता कार्य है कि सरकार ने कोमिनतांग की फीओं को मनमानी कारी के किया और पेसा क्या इसतिवार किया

البور کے والعام ہے یہ بات سائٹ ھو جانی ہے کہ برطائیہ معمنوم نہیں کے باتھ سنجھوتے کو تھکرائے کی ساری فعے اور واحد عرصائے کی اور واحد هم همکنگی سے ایصائی دیشوں کو انہم جمائے رکھنا جامعا ہے ۔

مجهب رضوى

5-4-'03

يونو اور برما

كواتي بهي ملك بديسي فوجون كو أيتي زمهن يو پوداهت لههن کو سکتا , برما لے دیو فرور کر دنی پر اِس وهيمهن جو تدمأس في ألهايا هي ولا سواهلي هي جب هم إس سمسها بر سبجال هيس تو ره ره كو يه سوال أثبتا هي عمر 149 سے لے کر آپ تک برما اِس وقعے میں خاموش كيين رها ؟ جانگ كائي شيك سن 49 مهن چهن جهور کو بھائے تھے اور چھور کے پہلان تامی صوبے مھی اُس سمیر لونے والی اُن کی فوج کی ایک تکروی هار کو بوما سهن الهس آلم الهي إسكى كلام دو ايك مؤار تهي، إس تكوي نے باسا کی قوبے کو اپنے معمیار سوئٹ دیگے اور اُن سہاھموں کو ایک خاص علقے موں معصور ساکر دیا گھا ، برما کے وایش مقتری کے کیبل سے بتہ جلتا ہے کہ سن 50' کے شروم مهن 1700 سهاهي اور يرما مهن گهس آله ، أن سے بھی برمی فوج نے مالک کی که وہ عجههار رکھ دیں یا ماک چھوڑ کر چلے جاگھی ، اس ٹکوی نے ابرسی فوج کی مرانک کے یہ وا نبھن کے اور ایقا بھی وارثر صفیهوط کرنے مدن لکو رهی۔ برسی قبیم کو ایٹی سانگ سقوائے کے لیے هتهماو الهاما بول سن 50 کے بہم میں کومقتانگ کی فوجهن برمی فوجی کے مقابلے کی ثاب نه لا کو پچھم کی طرف بود کاٹھن آور اُنھوں نے برما اُور تھائی لھلات کی سرحد ہر مانگوں میں ایفا ہیڈکوارٹر بھا لیا ، تب ہے اِن فوجوں مهن دو پر دن بوهوتی هوتی گئی، يغان اور چهن کے دوسرے سرحد، صوبوں میں کوملقانگی ایجلت کئے أور لَيْهِ نَيْدَ سَهَاهِي بِهِ، تي كُو لَحُ لِأَتِّي مَانَكُ رَفَّ مِينَ أَنْهُونِ لِمَ موالي جهار ٢ أذا يوي يما لها جهان براير جهاز أنوتي ته أور نکے نکے معھیار اور دوسرے ضروری سامان اِن فوجوں کو مہما درتے تھے ، ودیش مفتری کے بھان سے اور جہاں تک هماری جانکاری ہے برما سرکار کے دوسرے بھائوں سے یہ یک نهیں جلتا که مانگارے میں یہونے جالے پر پرمی قوب نے کھا رہے لھا؟ کھا لوائی ہوتی رهی اور برسی قویم اِنههی ہاہر نکاللے میں نا کام رہے ؟ کیا اِن فوجوں کو سفکالہت هولے دیا کیا اور سرکار صوری رهی ؟ زیادہ جهاری بھری کرتے سے پته چلتا ہے که سرکار نے کوسلتانگ کے فوجوں کو من مانی کرنے نے لگے جہور دیا۔ اور آیسا رہے المعیار کہا

مة فيل في فيوان فيدن كا متناثلاء سلوم بنانى يهجالى الكروزون في جوسال الكروزون في جوسال من أمان والكروزون في جوسال سن أمن جالا عبد ألمان فيا كه أنهون في مبدالله كو يما دور وادى كو يما أن كا فيضه هو كها . بمد مهن به يمن أمان هوا كه مبدالله سلهم في ملطان مسقط كي يهكلي كي قسم فها لي هي .

اِسَ طَرِحَ يَرَطَانَهَا دَهَهُرِي دَهَوَرِي سَعَمِهُولِ يُو تَوْرِ كُرُ آئے يوها: رها ،

- ر 1) 20 مارچ یا اُس کے لگ بھگ پرطانیہ نے بوریمی کے باہر ایک چوکی بیٹھا دی تاکہ پوریمی میں سیاٹی نہ آ سکے ۔
- (2) سمودی عرب کی طرف سے پوریسی کے امهر نے پچاس بورے جاول بھمجھے تھے آسے اس جوکی نے 22 مارچ ¹۔ کو ضبط کر لیا ہ
- دهنک ہے 24 (3) مارپ کو 150 ہورے کیچور دهنک ہے بہروسی آ رہے تھے ، اُنہوں بہی برطانیہ والوں نے قیشے میں کر لیا ،
- (4) نبی سے بوریسی کے جیے کے لگے فرنینہور آ رہا تھا آسے بھی ضبط کر لیا گیا ۔
- (5) 19 مارچ سے برطانیہ نے داہی اور بوریمی کے بیچ ڈرافک پر روک لٹا دی ، اِس علانے میں علیمار یقد مردر سے کارول کیا جانے لٹا ٹاکہ بوریمی کے امہر تک کوئی سامان نہ پہرنچ سٹے ، ایک جرچ سے پوری تاکہ یقدی کر دی گئی ، اِس تاکہ بقوری سے جوری تراہ میں ہے ۔

बद्द कर्ने की चक्ररत नहीं कि चबतुरता ससीम काने पहचाने धंगरेकी एकेस्ट हैं. इससे के बाद अंगरेकों ने मह से पस सगह इसला कर दिया और ऐसान किया कि बन्होंने चब्रुएका को भगा दिया है और बादीगोर पर उनका क्रक्या हो गया. बाद में यह भी ऐसान हुआ कि चब्रुस्सा ससीम ने सुसरान मसक़त की भक्ति की क़सम जाली है.

इस तरह बरतानिया धीरे धीरे सममौते को तोड़ कर

इसी समगीते की घारा 2 A में लिखा है कि जगरेजों के जो ककावट लगा रखी है कि हवाई जहाज ब्रंमी पर नीजी छवान न मरें वा माल इवर से उधर न जाय वह सब रद कर दी जायगी और अवाम के जाने जाने पर कोई रोक आम नहीं होगी. सजदी खरब वाले भी कोई ऐसा काम नहीं करेंगे जिस से इस्तजाल पैदा हो. घारा 3 D में यह भी खिखा है कि ब्रंमी में शेखदम और अमन से वह सब सामान जा सकता है जिसका सम्बन्ध लड़ाई से नहीं है. लेकिन इस समगीते की स्याही भी नहीं सूखी और नीजे लिखी चढ़ागर्य होती रहीं।

(1) 2 आर्च या उसके लगभग बरतानिया ने बूरेमी के बाहर एक चौकी बैठा दी ताकि बूरेमी में सपलाई न बा सके.

(2) सकरी अरब की तरफ से बूरेमी के अमीर ने पंचास बोरे पावल भेजे थे उसे इस चौकों ने 22 मार्च को बक्त कर लिया।

(3) 24 मार्च को 350 बोरे खजूर धनक से बेरूमी भा रहे थे उन्हें भी बरतानिया वाखों ने क्रबज़े में कर जिला.

(4) नवी से बूरेमी के जज के लिये फरनीचर आ

रहा का उसे भी जब्त कर लिया गया.

(5) 19 मार्च से बरता निया ने दाबी और बूरेमी के बीच द्राफ्रिक पर रोक खगा दी. इस इलाक़े में इवियार बन्ध मोहर से पेट्रोल किया जाने लगा ताकि बूरेमी के अमीर क्षक कोई सामान न पहुँच सके. एक तरह से पूरी नाका बन्दी कर दी गई. इस नाका बन्दी से जनता में बाह बाह मची है.

कांगरेक अपनी पुरानी वालों को वहां किर आक्षमा रहे हैं. पहले कुत्ते को बदनाम करो और किर उसे मार दो. 26 मार्च की अंगरेजों ने बूरेमी के बाजारों में जाकर उपहर्च जीत दी, लोगों को ढराया अमकाया उसकाया और वह सक इसक्षिये किया ठाकि वहां क्लाबा हो जाय. वलवा वक्षमें का बहाना करके अंगरेक कील वहां पूरी ताकत से बहुक जासवी और फिर शान्ति काक्स करने के बहाने इसका के लिये प्रथान वाल देगी.

والمالية أيد باب مال الهوري له كسرى سرحه كهال المالم الله يد إس لكر يد جاك جاكون كر جو بي لكر هر. برطالها 🚉 🚂 ملکیں کا ملحقات ۾ ليکن اُس کے مطابق سرحت المجهد بعد نهي والداء سلطان مسقط أور شعيدم الكريون الله المالية عين أن در حالت أيسى هي هـ جهس هماری واجائ کی تھی ۔ سعودی عرب والوں کا کہنا ہے که الهريسي أن كا هـ أور أنههن نے قبضہ مهن هـ أور سن 514 میں سلطان مسلط کے ادھیکاروں نے رفعا کا پہانہ کونے العربيون نے فارس کی فہاری کی طرف سے همارے ملاقے پر شنته در دیا لور هماری زمین پر قبضه در لها . انگریزون کا کیتا ہے کہ سعودس مرب والوں نے سلطان مسلط کے علاقہ پر لبفت کر لیا ہے اور منہیں اُس کی تعلقت کرنا شروری ھے ، اِن دونوں دھوں میں سے کونسا سے ہے ہم ضاف طویکے نے نہیں کہ سکتے۔ لیکن یہ بات صافیے کہ ہوویسی۔ کے مقانے کو لے ہر جھکوا ہروع ہوا۔ اور 28 افتوبر سن 52 كو پرطانهه اور سعودي عرب مهن سمجهوته هوا . إس سمجهوته کی دهارا 🛦 🖰 میں۔ اِس بات کا یقدهان ہے که ھونیں ہارٹھاں ایلی ایلی جگہ سے آکہ نہ پوھیں اور کسی طرم بهی ایلی فرجی طالت نه بوهائیں . سیلائی وغهرا کے سالم کچھ سہاھی آسکتے میں اور ٹھکے سیامیوں کو تیوٹی پر سے مثانے کے لئر سئے سہاھی اُن کے بدلے میں أسمع هين إس يات كي بهي إس سنجهوت مهن جهوت دیگئی تھی، لیکن جسدن سے یہ سنجھوته هوا انگریؤوں نے اسے توریا شروع نہا اور سعونی عرب نے هر دفعہ اراها دیا۔ ليكني أس كا جوآب يه سلا كه اور دوسري دفعه سمجهوته ٹور دیا گھا۔ اصلیت پر روشنی ڈاللے نے لیے بہتے لکھی گهالفاؤن کی جانکاری ضروری ہے :

- (1) 11 تومیر کو ہوریمی میں۔ برطانیم کے پولیٹکل اقسر دو کاروں آور دس سیاھیوں کے ساتھ آئے ۔
- (2) مسقط سے 40 هتههار بلد آدمی لے کر ایک موثر اور ایک موثر اور ایک موثر اثنی .
- (د) 19 نومھر کو ہوتھی پولیٹل افسر 30 سیاھھوں کے ساتھ ہوریسی آئے ،
- (4) 25 فروری سن 53' کو پولیٹکل افسر جار جیوں میں 26 سیاھی بھر در آئے ، دوسری موٹروں میں بہت سے مقدری آئے جی میں کولیاں بھری تھیں ،
- (5) 9 مارچ کو تین متهیار لادنے والی موتویں آئیں۔ ان میں 20 سے زیافہ متھیار بلاد سیامی ساتھ آئے ۔
- رة) 19 مارچ كو معهدب قوامد كهدة كيا . واهى كور يو انكريور له مبدالله سليم سر حسله كرا تها .

किया का बाद की है कि फिल्की सरदार बड़ी सरवा होती है इसलिए एक जराह मारते की कह वस मां है. वरतानिका से इन हुन्की का प्रवादनाता है वेक्सि क्सके मुखानिक सरहर का कुछ पता नहीं चर्चता. पुरातान मसकत चीह रोखद्य जंगरेचों की करपुतली हैं. बनकी हालत देसी ही है जैसे इसारे राजाओं की थी. उड़दी घरव बालों का कहना है कि क्रेमी उनका है और उन्हों के क्रमचे में है और सन '51 में सुबतान मसकृत के कथिकारों के रका का बहाना करके वांगरेजों ने फारस की लाड़ी की तरफ से इमारे इसाके पर इमका कर दिया और इमारी जमीन पर क्रमचा कर क्रिया. चंगरेचों का कहना है कि सकती भरव बालों ने सुबनान संसक्त के इलाक्ने पर क्रवचा कर विषा है और इमें उसकी दिफाकत करना करूरी है. इन दोनों दानों में से कौनसा सच है हम साफ तरीक्रे से नहीं कह सकते. लेकिन यह बात साफ है कि बूरेमी के इलाक़े को ले कर मानदा शुरू हुआ और 26 अक्तूबर सन '52 को बरतानिया और सडदी अरब में समग्रीता हुआ, इस समगीते की भारा 3 🛦 में इस बात का बंधान है कि होनों पारहिंचां अपनी अपनी जगह से आगे न वहें और किसी तरह भी अपनी फीजी ताक्रत न बढ़ायें. सपलाई वरौरा के साथ बुझ सिपाही या सकते हैं और वके सिपाहियों को डियुटी पर से इटाने के लिये नये सिपाही उनके बदले में मा सकते हैं, इस बात की भी इस सममीते में क्ट दी गई भी, लेकिन जिस दिन से यह समग्रीता हवा अंगरेजों ने बसे शोदना ग्राह्म किया और सकदी घरव ने हर दका उराष्ट्रमा विका लेकिन उसका अवाच यह मिला कि चौर वृक्षरी वृक्ष सममीता तो इ दिया गया. श्रसस्थित पर रोशनी बाबने के बिबे नीचे लिखी घटनाओं की जानकारी चरूरी **2** :

- (1) 11 नवम्बर को बूरेमी में बरलानिया के पोलीटिक्स बक्तसर हो कारों और दस सिपाइयों के साथ आहे.
- ्रे(2) महाफूत से 40 इवियार क्यू आवसी ने कर यह सोहर क्रेमी आहे.
- (3) 19 नवस्थर को जिटिश पोलीटिकस अफसर 80 किसाहिकों के साथ बुरेगी चाप.
- (4) 25 फरवरी सन 158 को पोबीटिकत सकसर बाद बीजों में 16 सिपादी भर कर आप. दूसरी मोटरों में बाद की संदुक आप जिन में गोक्षियां भरी थीं.
- (के) 9 सार्च को तीन हिम्मार कारने वासी मोटरें कार्य क्यू के 20 से जियादा इधियार वंद विवादी साथ
- (0) 19 सार्च को काजीब हासा केवा गया. बादीगोर इस बाबोकों है अब्दुक्ता सकीम से इसका करा दिया.

स्ताविन की ग्रुवाझात की चरचा करते हुए कहा कि जान में दिनोट पढ़ रहा था तभी खबर मिली कि मार्शेस स्ताविन चक्क बसे. शुके इस इन्टरवियू को पढ़ कर अचरज हुचा. अर्थेस स्ताविन बहुत देर तक हिन्दुत्तान के भाशाई स्वाया पर बातचीत करते रहे और इमारे राजदृत ने अपनी जानकारों के ग्रुवाबिक तन्हें जवाब विया.

स्ताकिन की मीत पर यह बात साम हो गई कि सल आग्नि बाहता है क्योंकि इसका काधार रचना है तोंड़ कोड़

-11.

(4) पिडझ्मी सामराजी यह कहते नहीं अकते थे कि क्लांकिन सबसे बड़े सामराजी हैं. "रेड इमपीरियक्तिकम" दुनिया की हृद्य लेना चाइता है. इस खतरे से दुनिया की बचाने के लिये बमरीका ने दूसरे सामराजी देशों की चानुवाई करना स्वीकार किया है और वह हर मुमकिन तरीक़े से इस बाह को रोक कर रहेगा. लेकिन स्तालिन की मौत पर पता बक्ता कि स्तालिन की जिन्दगी और रूस की ताक़त में ही प्रिया के देश और दूसरे चुचले हुए भाग अपनी सलामंती सममते थे. इसी कारन स्तालिन की मौत पर इन देशों में दुस की एक लहर का गई और लोग अपने मेर भाव मूल कर स्तालिन का शोक मनाने पक प्लेटकार्म पर जमा हो गय. अंदर का मांवा कभी न कभी फूट कर ही रहता है.

81, 3, 53,

—मुजीव रिजवी

बरतानिया का सऊदी अरव पर इमला

2 बाप्रैस को संदल से सावर बाई है कि सन '51 और 26 अक्तूबर सन 252 में सडदी भरव और बरतानिया में जो राजीनामा हुआ था वह रद कर दिया गया है. इसकी कला यह बलाई गई है कि संजदी अदब बालों ने क्य समगौतों को एक दिन भी नहीं माना और वरतानिया की इस बंधन में बांध कर वह नाजायण कायदा वठा रहे है. राष्ट्र वह बात हमारे देश बालों को सुनाना चाहता है जिससे संगरेष और समरीका वाजों की मासमिक्त पाडिर होती हो. अफसोस यह है कि हमारे अखनार किना जांक किसे बाबार्यंव इन खबरों को झापते जाते हैं. भारत वासियों की यह अपर पढ़ कर पता चता होगा कि बरतानिया बाते बड़े नेक हैं केकिन सबर की भी एक इस होती है. र्शन का कर आखिर बन्हें यह समग्रीता वोदना पड़ा. े केंकिन बाह्ममा जुन धीर है, असमिनत जुन चौर है. जो कीर है कही कोतवास को बांट बता रहा है. इससे करते कि इस बाबा मामसे पर पोसनी बार्स नह नकरी है कि का की सारी को समन्त के

बार्य की सावी, मसाइत, रोकवम और सडती करन की बीसाबी कर पुरेशी नाम का एक नवाविस्तान दे और المخطف على مطالب على بهريها فرق جول كها كاسبياب مهر بهورطا وره رها تهالي خدم ملي كه بارشل استالي بهل يسد ، منهم إس التارويو كو وره كر ابهرم هوا ، مارشل استالي بهمت عبر تك احتسالي كم بهالتالي سوال ير بات جهمت كرتے رهے اور همازے راوادرسا نے ایابی جانكاری كے مطابق أنهيں جواب ديا ،

استالی کی مرت پر یہ یات ماف ھوگگی که روس شافعی جامعا ہے کیرنکہ اُس کا آدھار رچھا ہے تور پھور

اي ه

(4) پچھپی جامراہی یہ کہتے نہیں تھکتے نے کہ استالی سب سے بوے سامراہی ھیں ۔ ''ریڈ امہویلوم'' دنیا کو ھوپ لیفا جاملا ہے ، اِس خطرے سے منہا کو پچالے کے لئے امریکہ نے دوسرے سامراجی دیشوں کی اگوائی کرنا سریکار کیا ہے اور وہ ھر ممکن طریقے سے اِس پارھ کو ووٹ کو رہے گا ۔ لیکن استالی کی موت پر یک چھا کہ اُستالی کی وندگی اُور روس کی طاقت میں ھی ایشا کے دیشراور دوسرے تجلے عوالہ بھاگ اپنی سلامتی سیس دکھ کی دیشوں میں دکھ کی اُسی کاری استالی کی موت پر اُن دیشوں میں دکھ کی ایک لیم چھا گئی اور لوگ آھے بیمد بہاؤ بیول کر استالی کا بھاگے آیک بیموں کو ھی دھتا ہے ۔

سنجهب رضوى

31-3-53

برطانية كاسعودى عرب ير حمله

2 ايريل کو للنس سے خبر آئی هے که سن 51 اور 26 التوبر سن 62٪ مين سعودي مرب اور يرطانهه مهي جو راضي نامه هوا تها ولا ود كر ديا كها هي . إس كي وجه يه یتائی مُکی ہے که سعودی عرب والوں نے اُن سعیموریں کو لیک فان بھی نہیں سانا اور پرطابیہ دو اس بقدھی میں بانته كر وه ناجالة قائنه ألها رها هين، رائقر وه بات هناريم ديهي والين فو سفانا جاهدا ۾ جس سے انكويز اور امريك والون کی استمار میست طاهر هوئی هو ، افسوس یه پی که هماوي الشيئاو إللا جانب كئي اندهادهك إن خبرول لو جهايته جاتے جھوں۔ بھارت واسھوں کو یہ شھر ہوھ کو ہتم جا هوا که پوهاندی والد بود تیک میں لیکن میر کی یعی ایک حدد بعود فی دانگ آگر آخر آنهیں یه سمجهوری لرونا يوار لهاي والمه العقه أوز هـ المثينات عنه أور هـ . جو جور هے وہی کیلوال کو قائمیں بعا رہا ہے ، اِس سے بہلے که هم اصل ميقامل يو روهيلي قاليس يه شروري ها ته هم جوريد جيكون كو سنجود ليون :

فارس کی کھائی 'ستانا' فیطام اور سیاس مرب کی معملان کو پیریش ایا کا لیک فطلستان کے اپر पारदेशनी चौर खौक का राज कावम कर रका है. इस विदोधी इन्हीं देशों के प्रचार के साधनों से दुनिया ने स्ताबिन की मीत पर यह भी सुना कि अपने नेता के आखरी वर्धन करने के जिये सोलाइ आदमियों की चौड़ी लाइन क्यी हुई है धीर इसी चौड़ाई से यह लाइन दस मील तक चली गई है. आज का आहुमी खौक और अद्धा में फाई कर सकता है. संगीनों के बल बूते पर इस जोश से इनसानी मीड़ इकट्ठा नहीं की जा सकती, दुनिया इतना समम सकती है!

(3) स्तालिन की हमेशा लड़ाई का पुजारी ठहराया जाता था. पण्छिमी प्रचारक यह कहते नहीं थकते थे कि स्तालन और रूस लड़ाई चाहते हैं और हम शान्ति प्रेमी हैं. पर स्तालन की मौत पर दुनिया ने यह जाना कि स्तालिन लड़ाई नहीं चाहते थे बल्कि वह शान्ति के सम्मे थे. इंगलैन्ड की जनता चनकी मौत पर बहुत दुखी हुई. अखबारों का कहना है कि आम जनता इस बात से चिन्ता में पड़ गई थी कि आब शान्ति कायम रह सकेगी या नहीं क्योंकि वह महसूस करती थी कि "जब तक स्तालिन जिन्दा हैं शान्ति जिन्दा है."

स्ताखिन का हर देश में शोक मनाया गया. अखबारों में जो खबर आई है उससे पता चलता है कि ज़ियादातर जोगों ने स्तालिन के बारे में दो ही बातें कही हैं: (1,) वह शान्ति प्रेमी थे. उनके रहते लड़ाई की सम्भावना नहीं थी और (2) वह रूस की रचना में लगे थे और उन्होंने रूस को अपनी रचना शक्ति की बदौलत एक महान देश बना दिया है. इसी सम्बन्ध में रूस की खुशहाली और उसके कारनामों पर भी काफी रोशनी प्रवी है.

दुनिया को पहली बार यह पता चला कि स्तालिन और पिछामी सरकारों के सोचने में क्या फर्क था. डाक्टर राधा कुरनन ने दुनिया को बताया कि जब जब वह स्तालिन से मिले हैं उन्होंने यह कभी नहीं कहा—आप भारत सरकार पर चोर डालिये कि वह हमारे गुष्ट में हो जाय. हमेशा वह रचना की बातें करते वे और उन्हें हर देश के बारे में सकसीली जानकारी होती थी. डाक्टर राधा कुरनन ने यह भी बताया कि स्तालिन ने एक मुलाकात में उनसे कहा था—में बूदा हो चुका है किसी दिन भी मर सकता हूं. मेरी क्यादिश है कि अपने देश को शान्ति से फलता फूलक केंद्र कर आई!

पंक्रित के कहा कि स्ताजिन इमेशा शान्ति की तरफ ही के से, उन्होंने इस में मारती राजवृत और

لور خوف کا واج قائم کو وکھا ہے ، ووس وووفھی المحالی کی المحالی کی جوہور کے ساتھنوں سےدنیا نے استالی کی جوہوں کے ایم نیکا کے آخری درشن کرنے کے بھی سیاء آدمیوں کی جوروں لائن لگی ہوئی ہے اور اِس جیوائی سے یہ لائن دس مہل تک جائی گئی ہے ، آج کا آدمی خوف اور شردھا میں فرق کو سکتا ہے ، سلکھنوں کے بال بوتے ہو اِس جوہی سے انسانی بھیو اُداما نہیں کی جا سکتی دنیا اُنظا سمجہ سکتی ہے !

استالی کا هر دیمی میں شوک مقایا گیا، اُخباروں میں جو خبر آئی ہے اُس سے پتد چلتا ہے کہ زیادہ تر لیگوں نے استالی کے بارے میں در هی بانیں گہی هیں:

(1) وہ شانعی پریمی تھے، اُن نے رهتے توائی کی سببیاونا نہیں تھی اور (لا) وہ روس کے رجلا میں لگہ تھے اور اُنہوں نے روس کو ایلی رجلا شکتی کی بدولت ایک مہاں نے بیسیلنا دیا ہے، اسی سبلدہ میں روس کی خوشتمالی اور اُس کے کارناموں پر بھی کائی روشتی ہڑی ہے ،

فانها کو پہلی باریہ پتہ چا کہ استالی اور پتھمی سرکاووں کے سوچھے میں کیا فرق تھا ۔ قائلر رادھا فرشان نے دیا کو پہلی اکہ جب جب وہ استالی سے مان ھیں ایموں نے بھارے کہ وہ میارے کہ میں میں میں میں میں ایموں کے همارے کہ میں میں میں میں موجائے ، همیشہ وہ رچا کی باتیں کرتے ہیے اور اُنہیں هر دیش کے بارے میں تفصیلی جانکاری هوتی تھی قائلر راد ، نرشلنی نے یہ بھی بتایا کہ استالی نے ایک مقالت میں اُن سے کہا تھا۔۔۔میں بورها هوچکا هیں کسی دی بھی موس کے بارک میں بورها هوچکا هیں کسی دی بھی مو سکتا هیں ، مهری خوهش ہے کہ اُن بید بھی بورکا چھوڑ کر جاوں !

پلیک لیرو نے کہا کہ استالی همیشہ شانتی کی طرف هی بینیکٹے تھے ، اُنہوں نے روس میں بھارتی وانیشوت اوو की अन्तर्राष्ट्रीय कल्पना में सब इनसान शामिल थे. सब तसकों के आदमी रूसी लोकशाही में बराबर के हक़दार वे और आज वह सब अपने उस नेता को जो जारिजवा में पैदा हुआ था, प्रेम और अस्ति से याद करते हैं और उसके वठ जाने पर शोक मना रहे हैं.

स्तालीन जैसा बढ़ा शाहमी कभी कभी ही पैदा होता है इस आशा करते हैं कि स्तालीन के योग्य उत्तराधिकारियों की अपने नेता की पालिसियों और शोमाम को जारी रखने में जिस सहयोग की ज़करत है वह दुनिया से उन्हें मिलेगा. इमारी मगवान से प्रार्थना है कि दुखित मानव समाज के लिये स्तालीन के दिल में जो प्रेम या वह हमारे दिलों में भी हो, अपने मक्तसद तक पहुंचने के लिये उसमें जी एकामता थी वह इस में भी हो, उसकी निस्स्वार्थ जगन और सारे मानव समाज के लिये उसकी सी अनन्त उदारता इस सब में पैवा हो. इनसानी क़ौम का वह इतना बड़ा सेवक था कि भगवान करे उसकी मिसाल को सामने रख कर इस सब चपने जीवन को चधिक सफल बना सकें.

20, 3, 53,

जे० सी० क्रमारप्पा

सुन्दरताल

स्तालीन की मौत के बाद

कहते हैं कि मरने वाला हमेशा सच बोलता है. लेकिन स्तातिन की मौत पर जो बातें जाहिर हुई हैं उन्होंने सावित कर दिया है कि कुछ सरने वाले ऐसे भी हैं जो दूसरों को भी सच जोतने पर मजबूर कर देते हैं. स्ताखिन की मीत पर नीचे जिसी वातों पर रोशनी पड़ी :

(1) देश देश में प्रचार किया गया था कि रूस में किसी घर्म का आदर नहीं होता. मस्निदों में ताले लगा दिये गय हैं, गिरजे बन्द पड़े हैं. मजहब का नाम लेने बाले की मीत की संजा दी जाती है. इसी भाभार पर रूस में जगह जगह बराबत की खबरें भी पण्डिम वाले दुनिया को सुनाते के लेकिन जैसे ही स्ताबिन बीमार पढ़े रूस के कीने कोने से सबर चाई कि मरिजरों में दुखावें मांगी गई, गिरजों में सर्विसे हुई, यहदियों ने इबाइत की. लेकिन व्यान रहे कि कस का यह प्रचार नहीं था क्योंकि पण्डिमी देशों के रेडियो बार बार इसी अधरज भरी बात का पलान सब करते रहते थे. पहले पहले सुनने बालों को काफी उलमन सी हुई थीं, क्लाकी समाप्त में नहीं का रहा था कि वह रेडियो पहले को बात करते थे वह सब है या यह बात सब है जो वह क्ष कह रहे हैं. शायद वह सक बोलने पर मजबूर हो मध्ये !

(2) परिकारी अवारक यह भी करते ने कि इस काता के ज़ित का राज कावते हैं और स्ताबिक में बता में كي إليَّة وأشكري كلهمًا مهن سب السان شامل ته، سب نسلوں کے آدمی روسی لوک شاھی میں یوایو کے حالدار تم أور آبے وہ سب الے اس نبعا کو جو جارجیا میں پیدا ھوا تھا[،] یہار اور بھکتی ہے یاد کرتے میں اور اس کے اتو جائے پر فیک مقا رہے ھیں ۔

إستاليني جيسا بوا أدمى كبهى كبهي هي يهذا هونا ھے ، ھم آشا کرتے میں که اِستالیس کے بوگ آلزادهاریوں کو اپنے تھتا کی پالیسوں اور پروڈرام کو جاری رکھتے میں جس سههوگ کی ضرورت ہے ولا دنیا سے انہیں ملے کا ۔ هماری بهکوان سے پرارتها هے که دکهت مانو سمانے کے لکے استالھوں کے دل میں جو پریم تھا وہ همارے دلوں مہی بھی ہوا ابھ مقصد تک پہرنچنے کے لئے اس میں جو ايكاونا تهى ولا هم مهن يهي هوا أسكى نسواوته لكن أور سارے مانو سمانے کے لیے اُسکی سی اندے اداری مم سب میں پیدا ہو ، اِنسانی قبم کا وہ القا ہوا سیوک قها که بهکوان کرے اسکی مقال کو عامقے رکھکو هم سب آھ جهرن کو اُدھک سپہل بنا سکیں ۔

هر . سي. كماريها -سلدر ال

20-3-'53

اِستالین کی موت کے بعد

كهائم هين كه مرقم وألا هميشه سبع بولادا عمر ، ليكن استالن کی سوس پر جو باتھی ظاہر ہوئی میں اُنہوں لے ثابمت کر دیا ہے که کچه مرنے والے ایسے بھی مهی جو دوسروں کو بھی سے بوللے پر مجبور کو دیتے بھیں ، اِستالی کی موس پر تیمه لکهی باترن پر روشلی پری :

(1) ديش ديش مين پرچار کيا گيا تھا که روس میں کسی تعرم کا آدر تہیں ہوتا ، مستعدوں میں تالے لا دیکے گلے میں کرمے بند ہوے میں . مذهب کا نام لهاء والے کو موت کی سوا دبی جاتی ہے ، اسی ادھار پر ير روس مهل جالة جاله بغاوت كي خدين بدي يحهم والد دنها كو سقالة تهد ليكن جيسه هي أستالن بهمار وويد روس کے کوئے کوئے سے شہر آئی که مسجموں میں دھائیں مانکی گئیں' گرچوں میں سررسیں ہولیں' یہودیوں نے عبادت کی ، لیکنی دهیان رہے که روس کا په پرچار نبهن نها کمرنکه پیچیمسی صیدی کے ربیتهم بار باز اِسی اجرے بدار بان کا آمائی شود کرتے وہائے تھے ، پہلے پہلے سفلے والين كو كافي التجهون سي باوالي الهيي . أن كي سنجه مين نهوں اُ رها تها که پند ورکور پہلے جو بات کہا۔ تھ وہ سے ه يا يه ياس سيق في جو وه إب كو رفيه هون. شايد وه سي البلرير مجين هو لك الم

(2) وجوس فرجارك به يعي كهال لف كه هم جالكا And I the whole with the property of

है वह जीवत के जानून हैं, सोवियत इस की बार्थिक न्यारमा साम दूसरी तरह की ही अगक रही है.

बह सब है कि यह सब हिसा से किया गया. पर हिंदा न करने की कसम किसने सा रखी है ? अभी तक गाँची की काषाज केवल नकार खाने में तृती की बायाज है. इस लोंगों को जिसके हाथ अभी तक अपने भाइयों के सून से साम हैं हिंसा अहिसा की बात करते शरमाना वाहिंगे! जब तक हमारी अपनी बांख में लड्डा है तब तक हम अपने माई की आंख का तिस प्रकड़ भी कैसे सकते हैं!

स्तालीन एक जबरदस्त और बहादुर आदमी थे अपने देशवासियों के दिलों से उन्होंने हर निकाल कर बाहर कर विशा. अपने दशमनों के दिलों में उन्होंने उनकी बदकारियों के बदले खदा का हर भर दिया. दनिया भर की कीजी ताकत की उन्होंने आगे बढ़ कर रोक दिया. जंग के सिलाफ वह एक मजबूत दीवार थे. उनका नाम अमन की जमानत था. जो लोग भी उनके असर में आए उन सब को उन्होंने संगठित करके रचनात्मक क़ौमी कामों में बना दिया. यह सब रचनारमक क़ौमी काम करते वाले अपने नेक काम की जारी रखने के क्रिये अमन क्रायम रखना चाहते थे और चाहते हैं. बाहर से हमलों का ब्रुक्शनका करने के लिये सरकार तेजी से अपने बचाव की क्यारियो जरूर करती रही, पर रूसी जनता के दिलों में किसी द्रशमन का डर नहीं था. स्तालीन वसरों को तलवार क्या कर नहीं हराते थे. वह तथियत से शान्त और सम्भीर के जनकी हदता ने कई बार खाते हुए जंग और मार्कों की रोक दिया. यह ठीक है कि जिस तरह का अमन क्ष चाहते में उसकी बुनियाद अपनी आत्मा को जीतने ब्बीर बाह्म संबम पर नहीं थी, फिर भी उनके चाहे हुए श्रमन ने इतने दिनों तक संसार का बहुत बढ़ा उपकार किया. भदकते हुए शोखों को बुमा कर उन्हें कुछ कुछ मुलगती हुई भूषक्ष बना देना बहुत बढ़ी बात है.

देश की रचना करने में वह चमत्कारी स्म बूम के आदमी के जिस साधमों से प्ले थोड़े से आदमी पेश अश्रदत में हुने रहते थे उन्हीं साधनों को बदल कर उन्होंने बनके सारिने सारी जनता तक तालीम और कलचर पहुंचा दी. गाना, बेंबामा, कला, द्वामा, नाच. सेल आज कस में हर आदमी के हुना के साधन हैं. अच्छा खाना मिलना और जन्मका स्थान स्थानीन ने हर बादमी का जन्म सिख अधिकार क्या दिया है.

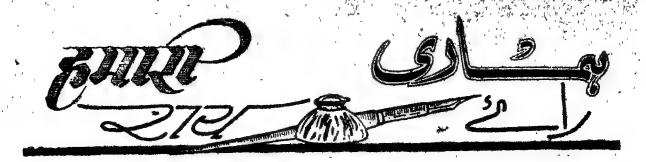
साम बानव समाज जिस तरह एक है इसे देसकर प्रकृत हैं कातें, गोरे अमीर सरीव और अलग अक्षा को समावों से दुलिया के तोग कह दूसरे के इस्ता को हैं। बारे, न अकादों में बंद जाते हैं. स्तातीन وہ جنگل کے کانون ھیں' سریمت روس کی آرانیک ویوستھا صاف دوسری طرح کی ھی جنگ رھی ہے ،

یہ سے ہے کہ یہ سب هلسا سے کیا گیا۔ پو هلسا تہ کوئے کی قسم کس نے کیا رکھی ہے؟ ایمی تک تادهی جی کی آواز شے ، هم لوگون کی آواز شے ، هم لوگون کے جون کے هاتم ایمی تک آئے بہائموں کے خون سے لال هیں فلسا اهلسا کی بات کرتے شرمانا جاهائے ، جب تک هماری آیتم آنتم ، یون تک هماری آیتم آنتم ، یون تک هماری آیتم کا تل یکو یمی کیسے سکتے همی ا

إستالهن ایک زبردست ارز بهادر آدمی ته ، ای دیش واسهیں کے دلوں سے انہوں نے در نکال کر یامر کو دیا ۔ الے دھمٹوں کےدانوں میں اُنہوں نے اُن کی یدکاریوں کے بدلے خدا كا قار يهر ديا . دنها يهر كي قوجي طاقت كو أنهون له أك بوهکر روک دیا ، جلگ کے خلاب وہ ایک مضموط دیوار تهد ، ان کا نام امنی کی ضمامت تھا ، جو لوگ بھی اُن كالار مهن أثران سباد أنهن فيسلكلهم كو كرجدالدك قوسی کاموں میں لکا دیا ، یہ سب وچھالدک قوسی کام کونے والے اپنے نبیک کام کو جاری رکھنے کے لئے اس قائم وكهذا بهاهتم تهم أور بهاهتم هيس، باهو سے عماوں كا مقابله درنے کے لئے سرکار تیزی سے آئے۔ بنچاؤ کی تھاریاں ضرور کرتی رھی' پر روسی جانعا کے دلوں میں کسیدشمن لا قار نههن نها . إستالهن دوسرون كو تلوار گهما كر نههن قرالَةَ لَهِ ، ولا طبيعت سِي شانت أور كمههير تع ، أن كي دروها نے کئی بار آتے مولے جلگ اور جهکورں کو دوک دیا ، یه تهیک یے که جس طرح کا اس وہ جامتے تھے أسكى بنهاد ايلى أنما كو جيئنه أور أتم سقهم ير نهدى تھی اُ بہر بھی اُن کے چاہے مولے اس نے اِتنے دانوں تک سلسار کا بیست ہوا اُیکار کہا ۔ یہوکٹے هوٹے شعلوں کو بحها كر أنههن كنهم كنهم سلكاتي هوئي يهويل بدا ديدا يهت ہوں ہاس ہے ،

دیش کی رچدا کرنے میں وا چستکاری سوجہ ہوجہ کے آدمی تھے ۔ جن سادھلوں سے پہلے تہوڑے سے آدمی عیش مشرب میں قربے رہتے تھے آبھیں سادھلوں کو بدل کو آبھوں نے اُن کے قویمے ساری جلتا تک تعلیم اور کلچر پہونچا دی ۔ گنا بجانا کا قرامت ناچ کھیل آج دوس میں ہر آدمی کے سکم کے سادھن ھیں ، لچھا کہانا ملئا اور تلدرست رہنا اِستانین نے ہر آدمی کا جلم سدھ ادھکار بھا دیا ہے ۔

بیارا مانو سمانے کس طرح ایک بھے آیے فیکھکو آنھونے ہوتا ہے۔ کالے گورنے امیان فرویت اور الگ الگند ہاتھوم میں میں دوسرے کے عنصمی فیمین میں جائے ہوں ۔ آسٹالیوں ہو جائے ہوں ۔ آسٹالیوں



स्साक्षीन

استالين

जब कभी किसी देश के लोगों पर बहुत अधिक जुल्म होते हैं तो एक समय बाता है जब उस देश को उन ज़ल्मों से झटकारा विलाने, लोगों को अपर उठाने और देश की फिर से रचना करने के लिये उनमें कोई आदमी पैदा होता है. फिरकौन के जुल्म के नीचे इसराईल क़ौम जिस समय पिस रही थी उस समय हजरत मूसा उनमें पैदा हुए जिल्होंने फ़िरफीन से कहा कि 'मेरी क़ीम के लोगों को छोड़ दो.' फिरफीन ने जब नहीं माना तो मिस्न में वह महामारियां फैसी जिल से अन्त में मजबूर हो कर वहां के हाकिमों ने श्रद्धते टेक दिये. रोम में जब अत्याचार हद को पहुँच गया तो इपारत ईसा पैदा हुए. उन्होंने अध्यास्म और सदाचार के बह असूल दुनिया के सामने रखे जिन से रोमी साम्राज की जक्सवाती हुई इसारत आखिर सतम हो गई. अंगरेजी साम्राज शाही ने हिन्दुस्तान की कुचल कर उसका भेजा निकाल लिया था. उस समय गान्थी जी ने आ कर कुचले इय लोगों में फिर से बाहा और जान पैदा की. लोग फिर से अपना सिर अंचा कर के खबे हो गए, यहां तक कि अपनी क्ररवानियों से उन्होंने विदेशियों को अलग कर दिया. स्तालीन ने जार के समय की सामन्त शाही को अनम कर के वर्षे हुए और नावार लोगों के लिये एक नई सभ्यता को जन्म विचा.

स्तालीन का खास काम यह वा कि उसने उस दुनिया को जो रईसों और बन्ने लोगों के पैरों तले बेचास पड़ी हुई बी, साझाजवादियों में जिसका खून चूस कर केवल हाड़ बास का दक हचर बना दिया था, जोर बनी बन्ने कीजों के माजिकों ने जिसके सिये उच्मीए की कोई किरन बाकी नहीं रही। थी, उस ना उच्मीदी में हुवी हुई दुनिया को उसने जीवन की एक नई राह दिखा दी. उसने सबके सामने बदने की नय नय झाबसर सोसा दिये. जहां संभेरा वा वहां उसने दोसनी पैटा कर दी. स्कों को उसने सामा दिया. मंगों को बसके कपड़े दिये. संविधत कस तैसे समाजी हांचे से बाहर का मानव समाज जिस कामूनों पर चकाया जा सह جب فیمی کسی دیش کے لوگوں پر پہنما آدھک ظلم ھوتے میں تو ایک سیے آتا ہے جب اُس دیعن کو آ_تی ظلموں سے جھی کاوا دلائے اوگوں کو لوہو اُٹھائے اور ادیش کی یہر سے رچفا درنے کے لئے اُن میں دوئی آدمی پیدا ھوتا ہے. فرصون کے ظلم کے فیتھے اِسرائیل قوم جس سے يس رهي تهي اس سب حضرت موسي أن مهن پيدا هوئه جقہوں کے قرمون سے کہا کہ امہوی قوم کے لوگوں کو جھوڑ دو، عرصون في جب نههي مانا تو مصر مهي ولا مهاماريان یہھلھی جن سے انت میں مجمور ہوکر وہاں کے حاکموں نے کہالے گھک دائے۔ روم میں جب انہاچار حد کو پہونے لها تو حضرت مهسیل بهدأ عوليه . أنهون نے ادعیانم اور سداجار کے وہ اصوال دنیا کے سامیاں رکھے جن سے روسی سامرانے کی لوكهواتي هوكي فمارت أخر خالم هولكي ، أنكريزي سامراج شاهی نے مقدمتان کو کچل کر اُس کا بهمچا نکال دیا تہا ، اس سمے اقدھی جی نے آدر کچانے ھوٹے لوگوں میں يهر سے آشا اور جان بهدا كى . لوك پهر سے أيغا سر أونجا كرك كهور هوككم، يهان تك كه أيلني قربانهون سے أنهون في ودیشهر کو الگ دردیا استالهن نے زار کے سمے کی ساملت شامی دو خدم دوکے دایے هوئے اور قادار لوگوں کے لگے ایک نگی سبهیگا کو جلم دیا .

اسعانین کا خاص کام یہ کیا کہ اُس نے اُس دنیا کو بور رئیسوں اور ہونے نوٹیں کے بیروں تلے ہے اُس ہوں مولی کہی ساموان واقعیوں نے جس کا خیری جوس کر فیدل هاو جام کا بیک قصور بنا نیا تھا کور بوی ہوں فوجوں نے سالکوں کے جس کے بیر آبید کی کوئی فرزی باقی فیمن رئیں تیں اُس ناامیدی سموں قوبی هوئی فنیا دو اُس نے موری کی جموں کی اُس نے سب کے سامتے بموں کی اُن کی اُن کی دار دائیا تیں، اُس نے سب کے سامتے بموں کی اُن کی اُن کی اُن کی دار دائیا تیں، اُس نے سب کے سامتے بموں کی بیر کی اُن کی بیر کی اُن کی اُن کی اُن کی بیر کی اُن کی بیر کی اُن کی بیر کی بیر کی اُن کی بیر کی اُن کی بیر کی بیر کی اُن کی بیر کی اُن کی بیر کی اُن کی بیر کی اُن کی بیر کی بیر کی کی بیر کی بیر کی بیر کی کی بیر کی کی بیر کی کی بیر کی بیر

वधाई के पात्र हैं. बाज की हर समस्या और हर मुशक्ति का हमला नीजवानों पर होता है. वेकारी फैलती है तो वह पीसे जाते हैं, सड़ाई होती है तो उनका बिलदान दिया जाता है दुनिया को और देश को बदलने की भी उन पर ही जिल्लोहारी है. बूदे और बच्चों के वही रखवाले और सहारे हैं ऐसी हालत में उन्हें पंक जगह जमा हो कर देश और विदेश के सवालों पर पक राय होना चाहिये और इनसाफ के लिये हर तरह की कुरवानी कर देना चाहिये.

हमें खुशी है कि विहार राज में नौजवानों का संगठन मखबूत हो रहा है और आज सारे नौजवान "जनवादी नौजवान संघ" के मंद्रे के नीचे जमा हो रहें हैं. दूसरे राजों

में भी इस संगटन की सकत जुरूरत है.

'नीजबाल" में बच्छे लेख और कविताएं भी हैं. नीजवानों के बम्सर रारही संगठन की सबरें भी फ्राफीमात्रा में इस पत्रिका में मिलती हैं इस पत्रिका की जिन्दा रखना हर नीजवान का कर्ज है और इस बाशा करते हैं कि नीजवान बपने फर्ज से मुंह न मोईंगे.

--मुजीव रिजवी

सलोना सच

जिसने वाले—महात्मा भगवानदीन; निकालने वाले— भारत जैन महा मंडल, वरधा; जिस्तावट हिन्दी; सके 42, वाम दस बाने.

बच्चों को बहलाने, पढाने और ग्रील बनाने में महात्मा भगवानदीन जी का बहुत कम लोग मुक्कावला कर सकते हैं. इसका कारन वचों के मनोविज्ञान की जानकारी है. वचों के साहित्य की हमारे देश में जबरदस्त कमी है. बड़ी ख़ुशी की बात है कि महात्मा जी ने इस तरफ ध्यान दिया है. "सलीना सच" में सच की समस्याओं को कहानी के रूप में समग्राया गया है. जो बात इंसी इंसी में इस किताब से बच्चे समम सेते हैं उसकी जानकारी हमारे पढ़े लिसे में अपटों की भी नहीं होती. सब क्या है. सब की कितनी क्रिसमें हैं. सच का पालन कैसे किया जा सकता है. इन सब सवासों का जवाब शाफ़ ढंग से इस किलाब में मिलता है भौर हर बात बच्चों के मनोविद्यान का पुट देकर सममाई यह है. वर्षों के लिये ही- प्रायदेशस्य वह किताब नहीं है यक्ति वर्षों के बुदों के दिमारा के जाले इससे साफ हो जार्थरों और सच को ले कर जो शक उनके मन में उठा करते हैं वह दूर हो जायंगे और मन को शान्ति मिलेगी.

- ख़रकार की चाहिये कि 'सलीना सच' को वर्षों के कोरस में शामिल कर दे. इसके पढ़ाने से एक नई चेतना उनमें आगेगी, ऐसा पूरा विश्वास है.

—गुजीब रिपावी

المعالى في الو هيل ، أن كل هو جمسها أود هو معكل فا المعالى في الموالي بودائي ها قو وا بعد المعالى ها قو وا بعد المعالى ها أن كا بلهدان ديا جاتا ها ، عنها كو أور ديش كو بدلته كل يهى أن يو هى ذما دارى ها يورف أور يجول كو وهى ركهواله أور سهارات ههال أيسى حالمت مهال أنههال أيك جاله جمع هو كو ديش أور وديش كا مواني يو أيكرائه هونا جاله جمع هو كو ديش أور وديش كا مواني يو أيكرائه هونا جاله يم أور أنساف كم المياني ديفا جاله هو كو المعالى المياني ديفا جاله هو كو كو كو كي المياني ديفا جاله يو المحالة المياني ديفا جاله يو المعالى المياني ديفا جاله يو المياني ديفا يو ا

ھمیں خوفی کے بہار رانے میں توجوانوں کا سٹکٹین سفیوط نو رہا ہے اور آنے سارے توجوان ''جن وادی توجوان سٹکھ '' کے جہلگے کے تیجے جمع ہو رہے ہیں ، دوسرے وانوں میں یہی اس سٹکٹین کی سطحت ضرورت ہے ،

انوجوان آمیں اجھے لیکھ اور کویعائیں بھی ھیں۔ نہنکیاں کے انتر راشاری سفاعاتی کی خدویں بھی کافی مادرا میں اِس یدیک میں ملتی ھیں اِس یادوکا کو زندا وکیفا ھوارجوان کا فرض ہے اور ھم آھا کرتے ھیں کہ نوجوان اُنے قرض سے ملہ نہ موریں گے .

---مجهب رضوي

سلونا سپم

المهدر والرسمهادما بهكوان دين؛ الكالليم والرسههارت جهدي مها مدخل؛ وردها؛ لكهاوت هددي؛ صدحه 42 دام دس آل .

بحول کو بہلائے' بوھائے اور شهل بلائے مهن مهاتما بهگواندین چی کا بهمت کم لوگ مقابله کرسکتے هیں . اِس کا کارن بھوں نے مقو وگھان کی جانکاری ہے . بحوں کے سامتھ کی همارے دیفل میل زبردست کمی ھے ، بڑی خرشی کی بات ہے کہ مہاتما جی نے اِس طرف دھیاں دیا ہے۔ ''سلونا سیے'' میں سیے کی سمسھاؤں کو کہانی کے روني ميں سمجهايا کيا ۾ ۽ جو يات هئسي هئسي ميں إس كتاب بير بحج محمه ليتر ها أس كي جانكاري همارے پونے لکھے کریتوویگیں کو یہی بہیں هوتی، سے کھا جے سے کی کٹٹی قسمیں میں سے کا بالن کیسے کیا جاسكتا هے ان سب سوالین كا جواب صاف قعلك سے اِس کتاب میں ملکا ہے اور اہر بات بجوں کے ملو وگھاں كالمن ور در سمع والركائي هي يعوس كي ليم هي فالما سلد یہ کثاب نہیں ہے بلکہ بجوں کے بوزھوں کے دماغ کے بهمت سے جالے اِس سے صاف هو جائيں كے اور سم تو لے اور بھو شک اُن کے من میں اُٹھا کرتے ھیں ولا دُنور ھو جائیں کے اور من کو شانتی ملے گی ، سرکار کو جاہئے که "مارنا سے" کو بچوں کے کورس

میں ہور سی موسیسی سے ہی۔ سرکار کو جاملے که ''ساونا سے'' کو بجوں کے کورس میں شامل کردے ۔ اِس کے پومانے سے آیک ناکی جمعالاً اُن میں جائے کی' ایسا پورا رشواہی ہے ،

سسمتهيب رضوي

1425



उदय पथ

لهكذ والرسافهل ؛ تكافيروالرسيههاس بهلههلك هاوس بمدكى 4؛ لكوارك ملدى؛ منحه 64؛ دام ايك رويه،

किसने बाले - 'शील'। निकालने बाले - पीपुलस प्यतीशिंग हाउस, बस्बई 4, लिखावट दिन्दी, सफा 64;

राम एक रुपेया.

'शीख' का नाम हिन्दी प्रेमी जनता के लिये नया नहीं है, 'ब्रुय प्य' से पहले वह 'बंगहाई' और 'एक प्रा' मेंट कर चुके हैं. शील की कविता में रस है, गंभीरता है और साथ ही साथ एक पैराम है. यह कविता करने की नियत से नहीं किसते बल्कि कलम इसलिये उठाते हैं कि विखडी जनता की चेतना को उत्तर उठा सकें. "नया चादमी मांग रहा है जीने का कथिकार" उस कविता की पहली जाइन है जिसे जब भी जनता में पढ़ा गया है लोग भूव उठते हैं. सिनेमा के गानो की तरह हर लाइन जवान पर चढ़ गई है बौर लोग सड़कों पर गुनगुनाते रहे हैं इसका रहस्य यह है कि यह कविता आम भाशा में लिखी गई है और आम जनता के मांबों की इसमें घरवा है.

इस संप्रह की कुछ कित्रताएं इलाहाबाब में लिखी गई है, इस कानपुर में और कुछ बम्बई में. कहते हैं बम्बई जा कर फलाकार सर जाता है और कला का स्थोपार करने बाली संस्थाओं का मजदूर बन जाता है. लेकिन शील के बारे में वह सब नहीं है. बन्बई में लिखी कविताएं बाक़ी कविसीकों से जियाना बन्ही हैं-भाशा का निसार है. कियारों की सकाई है और उनमें दिल मोह लेने वाला असर वैंदा ही गया है. शील से इम आशा करते हैं कि 'नया आदमी'र्व 'कावमी'का गीत, 'वत्रत की आवाज' जैसी कवितापं और भी जनता को मेंट करेंगे.

. — ग्रजीय रिजवी

नोजवान ः

🤨 प्रहीटर-फुरन चन्द्र चौधरी, रामावतार शास्त्री तेज बारायन मा इपिलमुनी तिकारी। पता-सजानकी रोड. षटना 4: विकाबट दिल्दी, सफा 32, राम चार चाना की कापी.

"नीजवान" वास की एक बढ़ी मांग को पूरा करता है, विहार राज के कासाही जीवनान जपनी कीशिश के किने

? هیل ۴ کا نام هفدی پریمی جفعا کے لئے نیا نہیں ھے ، ا اُدے ہتم ' سے پہلے وہ ' انکوائی ا لور ایک یک بهیلت کر چکے میں ، شیل کی کویعا میں رس ہے' كمبههوتا في أور ساله هي ساله ايك يبقام في ، ولا توبكا كرني كي" نهمت سے نهيون لكهاتي بلكه قلم أس لأن أشهاتي مهن که بعجهوی جلتا کی جیتفا دو اوپر الها سکین ، 11 نها أدمي مانگ رها هے جيلے كا ادميكار 14 أس كورها کی پہلی لائن ہے ہے۔ جب بھی جلتا میں ہوما کیا ہے لوگ جھوم آتے میں ، سلیما گاس کی طرح مو لائن رہاں پر چوء کئی ہے اور لوگ سواس پر کلکھاتے رہے میں۔ إس كا رهسهه يه هـ كه يه كويتا عام بهاشا مهن لكهى كثى ھے اور عام جلتا کے بہاؤں کی اِس میں چرچا ھے ،

إس سنگره كي كچه تويغائيس العآباد مهن لعهي گئي هیں' کنچہ کانہور میں اور کنچہ ہمیگی۔ میں ، کہتے هیں بمبلِّي جا تو لا كار مو جاتا هے أور قا كا يهويار فولے والى سلستهاوں کا مودور ہی جاتا ہے ، لیکن شیل کے بارے میں یہ سے نہیں ہے ۔ ہمیکی میں لکھی دریتائیں بالے کریڈوں سے زیادہ اچھی میں-بہاشا کا بکہار ہے۔ رجاروں کی صدائی ہے اور أن ميں دل سود ليلے والا الر بيدا مو كيا هي . شهل سے هم أشا قرتے ههن قه 'نيا أدمى' أ أدامي كا كهدف أ أ وقدها كي أوأز أ جهسي كويقائهن أور ہی جنتا کو پھیٹسے کریں گے ،

نوجوان

ايديالرسكرشن جلدر جودهري؛ ولم أوتاو شاساتري؛ نهم نرائى جها كهل ملى توارى؛ يعه-خواسوى ررة يثله 14 نعهازها تبلدي ؛ منسه 32 ؛ دام جار أنه في كاين، الا توجولي الرواس كي أيك يوي مانك كو يورا كولا ہ . دہار والے کے السائلی توباؤان اہلی کوشش کے لکے

सम बूट जाती हैं. इस वास्ते फिर एक दफा वह दरकर की जून से निकल कर जानवर की जून में भाता है. और धगर इस जून में अपनी मरणी से अब्हे अब्हे बाम करसा जाए तो फिर दो चार जन्मों के बाद बादमी की जन में मा जाता है. और इस जून में भी चच्छे ही बाच्छे काम करे तो फिर रक्ता रमता चादिमयों से भी अच्छी चौर जपर की जून में कला जाता है. यहां इस दुनिया में तो आविभयों से ऊपर वाली जून है नहीं मगर और जो दुनियाएं और चांद इमारे सूरज के या और सुरजों के बहस से मीखर हैं उनमें उन्मीद है कि बादिमयों से भी उपर वाली कई अच्छी जूनें होंगी. इस वास्ते आदमी के बदन को कोड़ कर इन दूसरी दुनियाओं में से किसी में जा कर किसी न किसी नए पैदा होने वाले बदन में आत्मा वली जाती है. और जब इसी तरह रोज बरोज जिवादा अच्छे ही अच्छे काम करते करते आहमा ऐसे बदन, मन और दिल से जा कर मिलती है कि उसमें बिल्कुल कोई पाप नहीं तो फिर सब दुख दूर हो जाते हैं. अपने पिछले सब जन्मों का हाल मालूम हो जाता है. पिछले जन्मों में जिस जिस से पाला पड़ा था कोई किसी जन्म में मां थी. कोई किसी जन्म में बहन, कोई भाई सब मालूम हो जाते हैं. और उसी वक्त मुक्ति हो जाती है. यानी बहत बार का पैदा होना क्रोर भरना क्रोर क्रात्मा का क्राना जाना बन्द हो जाता है. भगवान को अच्छी तरह पहचान लेते हैं और हमेशा उसी के साथ रह कर उसकी महिमा का हाल मालूम करते रहते हैं. उस बक्षत भगवान की मरखी के मुताबिक सब बलते हैं और दुख, दुदं, तकलीफ, रंज, फिक बिल्कुल 📆 किसी क़िस्म का नहीं होता. न आपस में किसी तरह की लड़ाई मगड़ा बरौरा होता है. बस इससे तुम्हें मालूम हुआ होगा कि अच्छे ही अच्छे काम करना और बुरे बुरे कामों को छोड़ना फैसा जरूरी है. जो आदमी बुरे काम करते हैं उनके रंज और तकलीफ़ें रोज बढते जाते हैं और जो अच्छे काम करते हैं और अपने मन को अकल के बस में रखते हैं उनका रंज, फिक रोज बरोज कम होता जाता है. बासल में रंज, फ्रिक और उदास रहने से बिल्कुल कुछ भी फायदा नहीं है. इस वास्ते आदमी की चाहिये कि इमेशा इंसमुख रहे, किसी बात पर भी मुंह न बनाय, न नाक भी चढ़ाए. को आदमी अपने चेहरे को हमेशा खरा भीर इंसता हुआ रखने की कोशिश करते हैं और अपने दिल को भी आमलाह खराव नहीं होने देते, उनका मन कभी क्यांस या रंजीदा नहीं होने पाता. अब किसी की पुस्ला, देश या बदासी होती है तो पहले बेहरा बिगइता है. इसिल्बें बागर कोई अपने बेहरे की म बिगड़ने दे तो दिस भी सहाय न होगा.

يسي بهووف جاتي هين . إس وأسطر يهر أيك دامه ولا دوشت کی جوں سے نکل کر جانور کی جوں میں آ جاتا نے ، اور اگر آس جون میں ایلی مرضی ہے اجم ابھے کام کرنا جائے لو پھر دو چار جلسوں نے بعد أدسی كى جون مهن آ جاتا ۾ ، اور اس جرن عن بهي اجم هي اجمه کام کیرے تو "رفعہ رفعہ آدسیس سے بھی اچھی اور آرہو کی جون مين جه جاتا ۾ . يبان اِس دنها مين تو آدمون س أرور والى جون ه نهين مكر اور جو دنيائين أور جاند هماری سوری کے یا ارز سورجوں کے بہمت سے موجود هدر آن موں امید ہے که ادموں سے بھی اوبر والی تکی اجمی چونیں مونعی ، اس واسطے آدمی کے بدن کو جھوڑ کو این درسرق دنهاون موق به کسی مهل جاکر کسی نه کسی نگه بهدا جَرِيْ وَأَلَمْ يَعْنِينَ مِينَ أَتِمَا جِلْي جَالَى هَ ، أور جب إسى طرح ويز بروز وياده أجم هي أجم كام كرته كرته أتما أيسم پدی می اور دل سے جا کر سلعی ہے کہ اس میں بالکل كولي يأب نهيل هو دو پهر سب دكه دور هو جاتے هيں ، اله يجهل سب جلمون كا حال معلوم هو جاتا ها ، يجهل چھیوں میں جس جس سے پالا ہوا تھا؟ دوئی کسی جھم مهن مان تهی دولی کسی جام مهن بین کولی بهائی بسب معلوم هو جاتے هيں . اور آسي وقت مكاني هو جاتی ہے ، یعلی بہت بار کا بیدا عوباً اور مرتا اور آتما کا أما جانا بلد حوجاتا هـ ، بهكران كو اجهى طرح يهجان لیعے میں اور منهشہ اُسی کے ساتھ راہ کر اُس کی مہما كا حال معلوم كرتي وعلى هين . أس وقعه بكهوان كي مرضى ك مطابع سب جلعه هيس اور دانها دردا تكليف رنج عام بالعل كيهم لسي السم كا بهين هوتا , به آيس مين كسي ملوم کی لوالی جهکوا وفیرہ موتا ہے ، یس اس سے تعیوں معلوم هوا هوا كه أجم هي أجمه كام كونا أور دريه يريه كاسون لو بهبورنا کیسا ضروری ف ، جو آدمی بریہ کام کرتے میں الى كے ونعے اور تعليميں روز بوعالے جاتے عيں اور جو اجم کام کرکے میں اور ایے من کو عقل کے بس میں رکھتے میں أس كا رئيم الكو روز يروز دم هوتا جانا هي . اصل مهن رنيم عير أور أداس وملم بير بالكل كتهم يمي فائدة نهمون هـ . ليى واسط أدمى كو جاهار كه هديهه علس مكه رهـ" کسی بات ہر بھی ملہ نه بغائے انه ناک بھوں جوعائے ، نهو آيسي آي نهيرے کو هندهه خرص اور ملستا هوا رکهان ئے کیمھے کرتے میں اور آھے دل کو یہی خوامطوالا خواب نههن هولديكم أن كا من كبهى أداس يا رنجهده نههن هوتے ہاتا ، بھب کسی کو قصعهٔ رتبع یا أداسی هوتی ہے تو هیلی بهیرد بعودا هے . أس لئے اثر دولی أبيا بهیرے كو ته ياون من دو دل يون خواب نه هولا ,

168 (Land

बच्चों की दुनिया

ببجوركي نيا

سبهگوان دين

सलीना सच

सब सोबना, सब बोलना, सब कर्म है अपना सच राम है, रहमान है, सच धम है अपना. चुभती न हो, खुवती न हो, फूलों की कसी हो जी बात कही जाय वह मिस्री की बली हो. कांडे न मन्द्रं, फुल मन्द्रं बात जो बोस्रो कोको नहीं, कोलो तो इसाने को मुंह कोलो. सगती न कही कर कभी दब कर न कही तुम सच साक कही जाप मुसीबत तो सही तुम. सन्य बात कही खुलं के कही जी की तागी ही कक्षी न हो सही न हो वह रस की पगी हो.

---भगवानदीन

سلونا سيم

سے سوچا' ضے بولنا' سے کرم ہے ایفا سے وام هـ وهمان هـ سے دهرم هرايقا . چېهای نه هو' کهبایی نه هو' پهولون کیکلی هو جو يات کهي جائے وہ مصري کي ڏلي هو۔ كانكي نه جهويس؛ يهول جهويس بابعا جو بولو کھولو تھھں؛ کھولو تو هفسائے کو مقھ کھولو ، لگاتی نه کهو ارو کبهی دب کو نه کهو تم سے صاف کہو آپ مصهبت تو سہو تم، سے بات کہو کیل کے کہو جی کی لکی ہو کوری نه هو کهالی انه هو ولا رس کی پکی هو.

ملعاس 13-7-06

کل کی جلی میں لکھا تھا کہ جب کرئی بدور مرتا ھے دو آتیا اُس بدن کو جہور در کسی ایسے نگے بھدا ہولے والے بدس مہن آ جاتی ہے که جس کا من اور دل بھی تُقريباً أسى طرح لا هو جس طرح كا يمجه جهوراً . إسطرح أنما لے بهدا هونے کوالت آجائے کے آور مرنے کرقت نکل جاتے او سفستورب مهن (آوالس) كهام هين ، نهونكه أواكس كي معلم بھی آیا جانا ہے ۔ آپ سلوا جب کوئی آدمی کلی چلهوں مهی برابر برے هی برے کام کردا چلا جائے يہاں لک نه مرنے کے وقعی بالکل جانہوں کی سی آس کی مادتیں میں' تو پہر آگلے جشمیں وہ جانور کی جون میں چا جاتا ہے ، أور أكر جانور كى جون ميں جا در بھى يوب ھی برے کام کرتا رہے تو پھر آخھر کو درخمت کی جون میں چھ عالما ہے ، مگر یہاں آ کر اُس میں کوئی کام کرلے کی طاقت اور مثل نہیں رہی ۔ بالکل قبضی کی طرح ہو جاتا ہے ، اس واسطے جب بہت دن اِس طرح قیدہ میں ہوے ہوں مو جاتے میں تو پیر آس کی خواب عادتیں

अस्तान 13, 7, 06

कत की चिट्टी में किसा था कि जब कोई बदन मरसा है सी आस्मा उस परनं को खोड़ कर किसी ऐसे नए पैदा होने वाले बदन में आ जाती है कि जिस का मन और दिल भी तक्ररीयन उसी तरह का हो जिस सरह का पीछी कोबा. इस तरह आत्मा के पैदा डांने के बक्स था जाने और मरने के बक्त निकल जाने को संस्कृत में 'आबागमन' बहुते हैं क्योंकि जाबागमन के माने भी जाना जाना है. जब सुनी जब कोई जादमी कई जन्जों में बराबर बुरे हो बुरे काम करता चला जाए वहां तक कि शरने के बहुत बिलकुल जानवरों की सी उनकी आदति होंं. तो फिर भगले जन्म में वह जानवर की जून में चला जाता है. और बगर जानवर की जून में जा कर भी बुरे ही हुरे काम करता रहे तो फिर आखिर को व्यक्त की जून में पता जाता है. मगर यहां वा कर उसमें कोई काम क्षेट्रेंस की ताइ त कीर अक्रल नहीं रहती. विल्कुल केंद्री की संरह ही काशा है. इस वास्ते जब बहुत दिन इस तरह हैद में पढ़े पढ़े हो जाते हैं तो फिर इसकी साराव आवते

My , i

शिकार बाजी ने रहे जायगा तो यह हमारा खून चूसेगा. इससे पहले कि वह फिर अपने दौठ निकाले. हम चसे रोक देना चाहिये, जड़ को सतम कर देना चाहिये.

मलाया के शहीयों की पुकार यही है, बाजावी की लगकार यही है, सारे पशिया की करयार यही है-हिन्दुस्ता-नियो! एक बाबाज हो कर बंगरेज को रोक वें कि वह हमारी जमीन पर मलाया के खुन के झीटें न विखराए!!

रोशनी

साम्प्रदायिक वातावरन हमें निराश कर देता है. हम ठंडी सांसे भरने लगते हैं. हमें विश्वास नहीं होता कि हिन्दस्तान ।पार कभी साम्प्रदायिक मेल मिलाप का आदर्श बन सकेगा. हमारी निसहां हट जाती है, मेल की ताक़नों में विश्वास यह जाता है तिरचनापनी का एक मंदिर हमें रोशनी देता है. हमें पैशाम देता है. आग नहीं, कल नहीं, शंगरेकों के राज से बहुत पहले-सात सी साल पढले-हजरत क्रियला आलम धारशाह नतहर बली रहमतल्ला अलय तिर्चनापली आए थे. वह फक़ीर थे, मानव प्रेमा थे. इनसान थे-जन्हें हर दन हर शकत में, हर व्यक्ति में खरा दिखाई पड़ता था, वह हर धर्म के पुतारी थे फिर भी किसी धमें का उनसे सम्बन्ध नहीं था. तिरचनापती के हिन्द राजे राजा की उनकी बानी भा गई बह उनका भक्त हो गया. तलवार के आगे जो सर नहीं कुके ये उन्हें प्रेम ने राम कर लिया था. शाह साहब के मरने पर राजा ने खपने खान-दानी मंदिर में उनकी दरगाह बना दी-वह दरगाह आज भी बाक्री है. बाज भी उनकी पूजा होती है - हिन्दू मुसलमान लड़ते रहते हैं-पर उनकी भाक्त दोनों करते हैं. दोनों उस मंदिर में जाते हैं-हिन्दू द्रगाह पर फूल चढ़ाते हैं, मुसलमान 'शिव लिगम'' पर चिरारा जलाते हैं. किमी में साहस नहीं है कि वह क्रज उखाड़ दे और किसी में दिम्मत नहीं है कि वह लिंग वहां से हटा दे!

भाज भी हम हट धर्म नहीं हैं, भाज भी हम उदार हैं, भाज भी हम कभी कभी इनसान बन जाते हैं—सब भूल कर सारे फिरक़ों पर परवा डाल कर हम एक साथ खंद हो जाते हैं—मंदरास के एक पुराने मंदिर में—शहर के दो सबसे बड़े मंदिरों में से एक मंदिर में एक सभा हो रहा थी. किसो हिन्दू देवता का जन्म दिन नहीं था, काई हिन्दू खोदर नहीं था—हिन्दू मंदिर में हजरत मुहम्भद का जन्म दिन मनाया आ रहा था, उनके जीवन पर भाशन हो रहे थे मंदिर के कम्पाउन्ह में ही मुसलमान, ईसाई, महमन, हरिजन, क्रांगरेसी और कम्युनिस्ट जमा नहीं थे—सब मुरती के बीस बैठे थे. सब मुरती को सू रहे थे—रौतान गग रहा था, आडम्बरी धर्म सतम हो रहा था—असली धर्म, प्रेस सर्थ कम्पा ले रहा था—वातावरन में तानियों की गंज हाई थी.

المنافع بالتي نهيس ولا جائي لا تو ولا هماوا خون جومد كا، أس صد يها على الله على الل

مقایا کے عمیدوں کی یکار یہی ہے گزادی کی للکار یہی ہے سارے آیدی اللہ کی فریاد یہی ہے۔ سمندستانیوں 1 ایک آوا و هوکر انگایو دو روک دو کہ وہ مماری زمین پر مالیا کے طورن کے عجمیدالہ دا۔

بنفذر

ساسهرد لک واورن مدین تراهی کر دیتا ہے۔ مم قبلقی سائسهن بهانے لکتے میں ، حدیل وشرئس انہیں۔ ہوتا۔ کہ هقدستان پهر کبهی سامهرد لک میل مادی ۱ آدرهی ین سکے کا مداری برشا مٹ جائی ہے میل کی طافعوں مهن وهواس بوء جاتا هے ، ترجلنا پلی الیک مقدر منین روشدى ديتا هـ ، هنين پيقام ديتا هـ ، آج نهين كل نہمں انگریزوں کے واج سے بہت پہلے۔۔سات سو سال يهلي عضرت قلهد عالم بادشاة بطهر ولي رحمتمالله عليه الوجلة على أنه له . ولا اللهر تعا صادو فريسي لها السال تيرسدآبيهن هر دم هر شخص مين[،] هر و*يکاني مي*ن شدأ ی اللہ ہوتا تہا اولا ہر دھرم کے بحواری تھے یہر ہیں۔ کسی دھرم کا اُن سے مسملدہ نہیں تہا، ترجلا پار کے هلدو راجے والهم كو أن كي ياني بها كدُن ولا أن كا بهكت هو كها للواد كر أكر جو سر نهيس جهاد تص أنهيس يريم لد وأم كو لها تها . ھاہ ساھب کے سولے ہر راجہ لے آبے خاندائی ملدر میں الله كي شركاد بدا دي-وه دركاه أج بهي باقي هـ ، أج بهي لي في يوجا هوئي هر--علدو مسلمان لوتر رمثه ههر--ہر الی سے پہلاتی دونوں کرتے عمل دونوں اس مغدو صین میں جاتے میں۔۔۔علدو دولاہ پر پوول جوماتے میں' حسلمان أد شهو النكم أله إن جوائع جاتے هوں ، كسى مون سُلَقِسَ نَهِينَ فِي كَمَا وَهُ قَدِرَ أَلَهَا وَأَنْ مِنْ أَوْدُ قَسَى مَهِنَ هَمْتُ لهمي ير فه وا للك ومان ير همَّا درر أ

آج بھی عم ھی دھرم بہیں ھیں' آج بھی ھم آدار
ھھں' اج بھی مم بھھی دھوی انسان بن جاتے ھیں۔۔

سب بھول کر سارے فرقوں پر پردہ ڈال در هم ایک سانه

گھرے ھر جاتے عیں۔۔مدراس کے ایک پرانے ملدر میں۔

گھر کے دو سب سے بوے ملدروں مھی سے ایک ملدر میں

ایک سبھا ھو رعی تھی ، کسی ملدر دیوتا کا جلم دیں

نہیں تھا' نوٹی ھلدو نفوهار مہیں تھا۔۔ملدر مقدر میں

معلوں معصد کا جلم دی ملایا جا رہا تھا' ان کے جیوں

پر بھائی مو رہے تی ، ملدر کے دیاونگ میں ھی مسلمان'

میسائی' برطین' عربیتی' کانکریسی اور کمورنست جسم

میسائی' برطین' عربیتی' کانکریسی اور کمورنست جسم

تھیں تھے۔۔۔سب مورتی کے یاس بھٹی تھے ، سب سورتی

کو جہو رہے تی۔۔۔سب مورتی کے یاس بھٹی تھے ، سب سورتی

میریا تھا۔۔۔آئی دھرم' پریم دھرم جلم آنے رہا تھا۔۔۔والوں

आइज़नहावर को रोको

चीन पर इसला करने की पूरी तैयारी हो गई थी. चियांग काई शेक का पट्टा ढीला कर दिया गया था. आइजन हावर इस तमझा में थे कि पशिया वालों की पशिया बालों से लड़ाने का उनका खाव सच्चा हो. इधर अखबारों में बाइजन हावर के मनसूचे के सम्बन्ध में खबरें इपीं और डघर एक गुस्से की लहर दौड़ गई. जगह जगह लोगों ने सभाएं की —सब एक जगह आए, सबकी एक आवाज थी-पशिया वाले पशिया वालों से नहीं लड़ेंगे, वह अपने भाइयों का खून बहता हुआ नहीं देखेंगे. वह यह बरदारत नहीं करेंगे कि उम्मीद का तारा फिर दूव जाय, चीन को फिर भन लग जाय. हर विचार, हर पारटी के लोग एक जगह जमा हुए और उन्होंने बुलन्द आवाज से आइजन हाबर को चेतावनी दी-तुम अपने क़दम रोक दो, अपनी चालें बन्द करो. हिन्दुस्तान अब जाग रहा है, हिन्दुस्तानी जनता की आंखों में अब धूल नहीं मोंका जा सकता. वह जानती है कौन उसका दोस्त है और कौन उसका दुरमन !

मलाया की प्रकार

मलाया में हिन्दुस्तानियों को गोलियां मार दी जायं, क्ष्में कांसी दे दी जाय... और हम चुप रहें.. यह शरम की बात है.. मलाया के चीनियों को तबाह बरबाद कर दिया जाय... और हम सामोश रहें.. दूव मरने की जगह है... मलाई जनता को पीसा जाय.. और हम मुंद ताकते रहें, लक्ष्मा की बात है. अब जनता जियादा दिनों खामोश नहीं रह सकती, अब जियादा दिनों हमें तमाशाई नहीं बनना है. मसाया जल रहा है... यह हमें पुकार रहा है, उसे हमारी सहायता की जकरत है...

हिन्दुस्तानियो छठो, एक भावाज बन जाभी, एक ताक़त बन जाभी — अंगरेजों को मजबूर कर दो — भारत सरकार को भजबूर कर दो ! साफ कह दो — हिन्दुस्तान की ख़बीन पर गोरखे भरती नहीं होंगे, हिन्दुस्तान मलाया बालों के खून के छीटें अपने दामन पर नहीं देख सकता... हिन्दुस्तान यह बरदारत नहीं कर सकता कि अंगरेजों की फीजें हमारी जमीन पर कैम्प डाले पड़ी रहें .. अंगरेज अंगरेज हैं .. जब वह आया या तब भी वह अंगरेज बा और आज भी वह वही अंगरेज हैं. आजमाप हुए को आजमाना भूल हैं, जहालत हैं, नासममी हैं. इस वक़त, अभी, इस समय अगरेजों नौकर गोरखें सिपाहियों से हिन्दुस्तान की जमीन साफ होनी चाहिये. इस तरह के सारे सममाते रक्ष होने चाहियें, जला दियें जाने चाहियें — देर, भूल चूक अंगरेज को बुलाना है, उसे अपने सर पर सदा विठाय रक्षना है. बह पढ़ोसियों का खून चूकंगा, और जब कोई

They also be come

چھوں اور حملہ کرتے کی ہوری تھاری مولکی تھی۔ جهاتك الله شبك لا يده دمية كرديا لها تها . أنا رهايه إس تمنا مهن تعد له الهها وأنون كو البقها والرن سے لوائے كا أبي كا خواب سجا هو . ادهر اخدارس مدن آثان هاور كے منصریے کے سمدندہ موں خبریں جمہوں اور ادھر ایک قصے کی لہر فاور کائی، جاکہ چاکہ لواوں نے سبھاڈیوں کھی، سب ایک جاکه آنی سب کی ایک آواز تهی-ایشها ولی ایشیا والوں سے نہیں لویں ہے وہ اپنے بھائیوں کا حون بہتا ھوا۔ نہیں۔ دیکھیں گے ، وہ یہ پرداشت نہیں کریں گے کہ أميد كا مارا همر درب جائر جين ير يمر كمن لك جائر . هر وچارا هر بارٹی نے لوک ایک جکہ جمع هرٹے اور اُنہوں نے بلغت آواز سے آئون عاور تو چیقاوس دی۔ تم اپ قدم روك دوا الهذي جالهن بلد درو . عندستان آب جاگ رها هے؛ هددستانی جنتا کی آنکهوں میں آپ دعول بہیں جهور كا جاسكتا. ولا جاستى هي كون أس كا دوست هي أور كون أس لا دشس أ

ماليا کي پکاو

مقیا میں هلدستانیوں کو گولیاں مار دبی جائیں' آنیس پھانسی دیے دبی جائے۔۔۔اور مم جہپ وهیں۔۔ یہ شرم کی بات ہے۔۔۔مقیا کے چینیوں کو تباہ برباد کر دیا جائے۔۔۔اور هم شاموس رهیں۔۔۔قوب مرئے کی چکہ ہے۔۔۔مقتی جنتا کو پیسا جائے۔۔۔اور هم سنہ تانیے وهیں۔۔۔لجا کیباتھ۔ اب جلتا زیادہ دس شاموس نہیں وہ سکتی' اب ریادہ دس عمیں تعاشاری نہیں بلقا ہے،۔۔وہ همیں پخر وہا ہے' اسے عماری سیانتا کی ضوورت ہے۔۔۔وہ همیں پخر وہا ہے' اسے عماری

 कोंग इसका करतें हैं..... अमरीकी प्रतिनिधि दुनिया की राष्ट्रों की उपदेश देते रहे और गोलियां चलती रही, टैंक वेषक इनसानी शरीर को खबलते रहे:

| 11844 | The state of A can | 14. |
|-----------------------------|--------------------|-----------------|
| अवत्वर को | | युद्ध बन्दी |
| 13 | कोजे द्वीप में | 11 जलमी हुए |
| 14 | कोजे द्वीप में | 15 जसमी हुए |
| 23 | पूसान में | 9 जलमी हुए |
| 26 | कोजे द्वीप में | 76 मारे गप |
| 27 | यांग च्यान में | 5 जसमी हुए |
| 28, 29, 30 कोजे और मेजू में | | 180 मारे गए |
| नवस्थर को | | युद्ध बन्दी |
| 6 | पोगाम में | 21 जखमी हुए |
| 11 | मेजू में | 1 मारा गया |
| 16 | कोजे में | 1 मारा गया |
| 25 | कोजे में | 32 जस्त्रमी हुए |
| विसम्बर को | | युद्ध बन्दी |
| 6 | कोजे में | 11 जखमी हुए |
| 7 | कोजे में | 1 मारा गया |
| 7 | कोजे में | 1 जसमी हुआ |
| 10 | कोजे में | 1 मारा गया |
| 10 | कोजे में | 10 जस्त्रमी हुए |
| 13 | वोगाम मैं | 87 मारे गए |
| 13 | पोगाम में | 120 जलमी द्वप |

शायद बन्दूकों चौर टैंकों से धमरीका वालों ने इन कैदियों को यह खुशखबरी सुनाई है कि घब वह अपने देशों को बापस नहीं जायंगे घौर इन कैदियों को—खुशी से मौत धा गई है !!

जग शान्ति कमेटी की बैठक

दुनिया करा सी गई है. एक तरफ उसे आशा बंधती है कि कहाई बन्द हो जायगा, सारे मसले हल हो जायगे, दुनिया से सहाई का बातावरन स्ततम हो जायगा—दूसरी तरफ उसे विश्वास नहीं होता उसे यक्षीन नती आता ... सहाई कैसे बन्द होगी. क्यों कर बन्द होगी... सामराज जब तक क्रायम हैं, अभीर रारोब जब तक मौजूर हैं, एक मुल्क पर दूसरा मुल्क जब तक क्रव्या किये हैं, तब तक शान्ति कैसे हो सकती है शिल कैसे साफ हो सकते हैं, प्यार कैसे बढ़ सकता है. अजीब उलमन है, अजीव समस्या है, कुछ समक्ष में नहीं आता क्या हो, क्या किया जाय, आता आदम आदमी आशा और निराशा में लटका हुआ है.

ऐसे समय बूडापेस्ट में जग शान्ति कमेटी की बैठक हो रही है, जनता की कांखें 10 अप्रैल से बृड पेस्ट से आने वाली खबरों के लिये बेचैन रहेंगी! تولی حمله کرتیمیں،،،امریکی پرتیندهی دنیا کی داشگروں اور آرد گراہاں جاندی رهیں' تیلک یا جینیک انسانی غریر کو کچاندے رہے :

| | -, - v , /*/- | (2,100) my |
|----------------------|------------------|------------------|
| يده بئدى | | الاهوير كو |
| 11 زخس مولے | کوچے دویت مهن | 13 |
| 15 زخسى ھرايہ | كرجه دويمها مهان | 14 |
| وخسى هوائم | پوسان مهن 9 | 23 |
| 76 ماريكي | کوچے تویپ مهال | 26 |
| 5 زخمی هوایم | يانگ چوان مهن | 27 |
| 180 مارے کئے | كوجهاور مهجو مهى | 30 29 2 8 |
| يدء بلدي | | قومهم کو |
| 21 زخمی هو <u>اد</u> | پوکام مھن | 6 |
| 1 سارا کیا | مهجو مهن | 11 |
| 1 مارا کها | كوجه مهن | 16 |
| 32 زخمي هوٽے | کوچے مہن | : 5 |
| يده بلدي | | دسمهر کو |
| 11 زخمی دوئے | کوچے میں | 6 |
| 1 مارا کها | کوچے سهن | 7 |
| 1زځمي هوا | کوچے میں | 7 |
| 1 ماراً گها | کوچے میں | 10 |
| 10 زخسی ھوگے | کوچے میں | 10 |
| 87 مارے گئے | پوکلم سهن | 13 |
| 120 زخىيھول | پوائم سین | 13 |
| | - 1 // | ~ |

شاید بندوقوں اور ٹینکوں سے امریکہ والوں نے اِن قیدیوں کو یہ خوش خیری سنائی ہے کہ اب وہ ایھ دیھوں کو رایس نہیں جائیں کے اور ان قیدیوں کو خوشی سے موس آ گئی ہے !!

جگ ھائٹی کمیٹی کی بیٹیک

ونها چکرا سی کئی ہے . ایک طرب آئے آشا بقدعتی ہے کہ لوائی بقد ہوجائے گی' سارے مسئلے حل ہو جائیں گے' دریا سے لوائی کا راتاورن ختم ہو جائے گا—درسری طرف آئے۔ دریا ہوگئی نہیں ہوگا۔ . آئے یقین نہیں آئا۔ . . . لوائی کھیے بقد ہوگی' کیونکر بقد ہوگی سامراج جبتک گائم میں' امیر قریب جب تک موجود میں' ایک ملک ہو درسوا ملک جب تک قبضہ کئے ہے' تب تک شانتی ہو سکتی ہے' دل کیسے صاف ہو سکتے میں' بھار کیسے بوہ سکتے میں' بھار کیسے بوہ سکتے میں' بھار کیسے بوہ سکتے میں نہیں آتا کیا ہو' کیا کیا جائے ۔ میں نہیں آتا کیا ہو' کیا کیا جائے ۔ ملم آسی آتا کیا ہو' کیا کیا جائے ۔

 विश्वे. प्रेम के आवार पर जो काम होता है जसमें खीज नहीं होती, गुस्सा नहीं होता. जापानी नुमाइन्दों को विदा करते हुए जीनी नुमाइन्दे श्री तियात्र छिंग छी ने कहा— "जापानी भाई यहां कानून के पूरी तरह पावन्द रहे हैं और लोक सरकार की देख रेख में शान्ति से जीवन विता रहे थे. मैं आशा करता हूँ कि जापान भी यह शान्ति और मुख का जीवन विता सकेंगे इस विना पर कि यह चीन में रहते थे और काम करते थे. जापानी सरकार इनके साथ न तो किसी तरह का भेद भाव बरतेगी और न इन्हें कोई तकतीफ पहुँ जापागी."

जन्होंने यह भी कहा—"आज जापान में दीसयों हजार जीती रह रहे हैं. उनमें बहुत से अपने बतन वापस आना जाहते हैं. मेरी आप जोगों से प्रार्थना है कि आप उनकी सहायता की जिये ताकि वह आसानी से अपने देश आ सकें. उनके वापस लौटने में जो भी खरण होगा जीन की

तरफ से पाई पाई चुका दिया जायगा."

कितना अपनापन है इस भाशन में, कितना मानव श्रेम है! जापानियों की आखों में इसी कारन पहलानमन्दी के आंसू भर आप. उन्हें लढ़ाई के भयानक सीन अवश्य याद का गए होंगे. शायद तभी भावुक हो कर एक जापानी ने बहीं संच से पलान किया—"युद्ध के दिनों में जिन चीनी क्रैहियों की जापान में मौत हुई है उनके फूल चीन बापस आयं, इसकी हम भरसक कोशिश करेंगे."

जहां इनसाफ होता है वहां पारिटयां किसी को दवाने के बजाय पक दूसरे को कृतक करने में होड़ लगाती हैं. भीनी और जापानी जनता की ही यह जीत नहीं है, इसका अंध उन्हीं देशों को नहीं है. इस बात का सेहरा जग शान्ति आन्दोलन को है जिसने यह बाताबरन पैदा कर दिया है, जिसमें यह चमत्कार हो रहे हैं. आज जनता को विश्वास हो चला है कि हर बात, हर समस्या शान्ति मय तरीक़े से मिल जुल कर हल हो सकती है और अब्बी तरह हल हो सकती है।

सरा सोटा

यूनो की जनरल असेम्बली में खमरीका के प्रतिनिधि कह रहे थे—''कोरिया और जीन के क़ैरी कमयुनिस्टों के गुलाम बनना नहीं जाहते. वह ''आजाद'' रहना जाहते हैं. उनका कहना है कि खगर उन्हें बिना उनकी मरजी के वापस नेजा गया तो वह आत्म हत्या कर लेंगे. हम उन क़ैदियों के साथ जियादती नहीं कर सकते.....''

धीर दूसरी तरफ जंगी कैंदियों के कैम्पों में धमरीकी गोली चला रहे थे, टैंक से उन्हें कुचल रहे थे. कभी यह शिकायत भी कि यह कैंदी कम्युनिस्ट गाने गान हैं और कभी इस बात का बहाना था कि इमारे अफसरों पर यह دیگی، پریم کے آخجاو پر جو کام هوتا ہے آس میں کہتے نہیں ہوتا، جایاتی تسائلدیں کو بدا کرتے ہیڈے جھٹی جھٹی فصد نہیں ہوتا، جایاتی تسائلدیں کو بدا کیا سوار جایاتی بھائی بھائی بھائی یہاں قانون کے غوری طرح چاہلد وہے میں آبور کی دیکھ ویکھ میں شانتی سے جھون بتا وہے تھے، میں آشا کرنا ہوں کہ جایاتی میں بھی بھائتی آور سکم کا جھون بتا سکمن گے اِس بنا پر کہ یہ جھبی میں رہتے تھے اور کا مرتے تھے، جایاتی سرکار اُن کے ساتھ تک تو کسی طرح کا بھیدہ بھاؤ برتے گی اُور ته اُنھیں ساتھ تک تو کسی طرح کا بھید بھاؤ برتے گی اُور ته اُنھیں کئی تکلیف پیونجائے گی ۔''

أبهرس لے يه بهى كها --- ''أني جايان ميں بهسهرس هؤار جيلى وقا رہے هيں ، أن ميں بهمت سے ابغ وطن واپس أنا جامقے هيں ، ميرى آپ لوگوں سے پوارتها هے ده آپ أن كى سہالگا كينجگر تانه وہ آسانى سے ابغ ديش آسكيس ، أن كے واپس لوگلہ ميں جو بهى خرج هوگا جين كي طوف سے پائى پائى چكا ديا جائے گا ،''

جہاں انصاف ہوتا ہے وہاں ہارتہاں کسی کو دیائے کے بچائے ایک دوسرے کو کرنگ کرتے مہں ہور لگائی ہیں ۔ چیلی اور جاپائی جلتا کی ہی یہ جیت بہیں ہے' اِس کا شریہ اُنہیں دیشوں کو نہیں ہے ، اِس بات کا سہوا جگ شانگی آندولی کو ہے جس نے یہ واتاورن ہیدا کر دیا ہے' جس میں یہ جمتگاہو وہے ہیں، آج جمگا دو وشواس ہو جا ہے کہ ہر بات' ہر سمسہا شافتی مے طریقی می جل جل کو حل ہو سکتی ہے اُ

كهرا فهوتا

یوٹو کی جلول اسمہلی میں امریکہ کے پرتیلدہی کے رو تھیدہ کے دور تھیں۔ روے تھیں۔ کی تھیں کے قیدی کمیونسٹوں کے فلام بلکا نہیں جھامتے ہیں۔ اور تھیا بھامتے ہیں۔ ان کا کہنا ہے کہ اگر انہیں بنا آن دی مرضی کے واپس بہنجا گیا تو رب آنم ہتیا درلیں گے ہم ان قیدیوں کے ساتھ زیادتی نہیں کو مکتے ۔۔۔۔۔۔''

اور دوسری طرف جلکی قیدیوں کے کیمھوں مھں امریکی گولی چلا رہے تھے، امریکی گولی چلا رہے تھے، کیفی کمھونسمٹ کانے کاتے مھی کی یہ قیدی کمھونسمٹ کانے کاتے مھی کو کیمی آرس پہلچا کا بھائہ تھا کہ ھمارے آفسووں ہر یہ

नहीं. सिमेटरी चंतरेकों की है और सिमेटरी के सारे मौकर अंगरेकों के हैं, हन्दन के सेवक हैं, रानी एलजिवेश के तावेंदार हैं. दुशमनों के यह खुले फिल्म्य कालमिस्ट कब तक हमारे सीनों पर मूंग दलते रहेंगे! यह खतरा कब तक हमारे सिर पर सवार रहेगा. आखिर यह कब तक!

काश आग के दिन्दुस्तान में यह शायर जिन्दा होता, अपनी आंख से यह देख लेता कि उसका शेर सलत है, उसके भाष रालत हैं. यहां शहीदों की चिताओं पर मेले नहीं होते, शहीद करने वालों की सम्मान भिलता है, उनकी समाधि बनाई जाती है यह शस्से में, पूरा यंक्रीन है, अपनी इन लाइनों की हर प्रति को आग में जला देता—

"शहीवों की मजारों पर जुटेंगे हर बरस मेले बतन पे मरने वालों का यही बाक़ी निशां होगा."

शान्ति आन्दोलन का चमरकार

15 करवरी को पीकिंग के एक सुन्दर हाल में दो प्रतिनिधि मंडल मिल रहे थे. शायद उस दिन दुनिया के दसरे हा नौ में भी प्रतिनिधि मिले हों ! पर इन प्रतिनिधियों की रूप रेखा निराली थी, दूसरे प्रतिनिधि मंडलों से बिसकुल बलग, यह सरकार के नुमाइन्दे नहीं थे, यह जनता की आवाज थे. इन्हें कूटनीति नहीं आती थी, यह तो फेवल प्रेम भाव के उपासक थे चरचिल आइजनहावर भी मिले हैं, ईडन और डलेम भी मिले हैं, यूनो में रोज ही प्रतिनिधि मंडल मिलते रहते हैं-दूमरे प्रतिनिधि मंडल शायद समस्याएं पैदा किया करते हैं, केनड़ों को हवा दिया करते हैंपर यह प्रतिनिधि शान्ति से बैठ मागड़े का कैसला कर रहे थे. यहां बात इस बात से ग्रुक नहीं हुई कि कीन किसका दुशमन है, किसने किसके साथ जियादती की. यह गुजरी हुई बात थी और गुजरी हुई बातों पर स्नराव करने के लिये इनके पास समय नहीं था. इनके पास समस्या थी, सुलह की इच्छा थी, प्रेम का आधार था, निश्वास था धीर सामने खुबस्रत मविष्य नाच रहा था.

बहुत से जापानी चीन में रहते हैं. इन लोगों को वापस जाने की समस्या पर ग़ौर करने के लिये जापान रेड कास सोसाइटी, जापान शान्ति कमेटी और चीन जापान मैत्री संघ के सुमाइन्द्रे चीन आप थे. चीन रेड कास सोसाइटी, चीन शान्ति कमेटी और चीन जापान मैत्री संघ के प्रतिनिधियों ने जनका स्वागत किया. जापान रेडकास संसाइटी के भी शिमा जो ने कहा—"हमारी बातचीत की सफलता यह बात साबित करती है कि शान्ति, दोस्ती और सक्त्रे मानव प्रेम के आधार पर हर तरह की कठिनाई पर हानू पाया जा सकता है"

बात्यात सफत हो गई, मामले तय हो गए. 5 मार्च को एक सम्बद्धीतें घर होनों प्रतिनिधियों ने दशकत कर آئیس ، سنبھری انہریوں کی ہے اور سمیھری کے ساوے ٹوکو آئیس ، سنبھری کے میں القدن کے سیوک میں وائی الواجع کے آئیسری کے بعد کہانے قفته کالمست کب تک فعارے سیٹوں پر مونگ دلتے رمیں کے یہ خطرہ کب تک شمارے سیٹوں پر موار رہے گا ۔ آخر یہ کب تک !

''فیہهدوں کی مزاروں پر جانیں کے هر پرس مہلے وطن ہے مرنے والوں کا یہی ہاتی نشان هوگا ۔'' فائعی آندولن کا جمعکار

15 فروری کو پیکنگ کے ایک سلدر ھال میں دو پرتهندهی ملقل مل رهے تھے. شاید اس دن دنیا کے دوسرے هالوں میں بھی پرتیندھی ملے ھوں آ پر اِن پرتیندھیوں کی روپ ریکھا درائی تھی' دوسرے پرتی تدھی منگذین سے بالكل الك يم سركار كر نمائلدي تهورته يه جنعا دي أواز تهى آنهيسكوت نياتى نهان آتى تهى، يد تو كمول يريم مماؤ کے آپسک تھے ، چرچل آئوں ھاور بھی سلے ھھں' ایکن اور لالس بهى ملهها يونو مهال أور هي پالهندهي منتل ملك رهته هیں سدوسرے پرتیند می منقل شاید سنسیالیں پهدا کها کرتے هيں؛ جهکروں کو هوا دیا کرتے هيں.....پر یه پرتھندھی شائتی ہے بہتم جہکوے کا فیصلہ کو رہے تھے ، يهان بات إس بات سے شروع تهوں هوئی که کون کس کا فقمن ہے' کس نے کس کے ساتھ زیادتیکی۔ یہ گزری هوئی ہات ہی اور گؤری ہوئی ہاتوں ہو خراب کوئے کے لئے اِن کے پاس سیربہوں تھا ، اُن کیاس سنسیا تھی صلع کی المها تهى يريم لا أدعار تها وشواس تها ارر ساملي خوبصورت بهوشية تاج رها تها .

بہت سے جاپانی چہن میں رہتے ہیں۔ اِن لرگوں کو واپس جانے کی سمسیا پر فور کرنے کے لگے جاپان ریڈکولس سوسائٹی' جاپان شانٹی کمیڈی اور چھن جاپان میڈری سلکھ کے نمائٹدی کمیڈی اور چھن ریڈکولس سوسائٹی کمیڈری سلکھ کے پرتیلدھیوں نے اُن کا سوائٹ کیا ۔ جاپان ریڈکولس سوسائٹی کے شری شما زو نے کہا۔"تماری پات سوسائٹی کے شری شما زو نے کہا۔"تماری پات کی جیس کی سپانٹا ہے بات کابت کرتی ہے کہ شانگی' دوستی اور سبی مانو پریم نے آدھار پر ھر طرح کی کٹھٹائی پر قابو پایا جاسکتا ہے"۔

پر البار کا بات سیدل درکئی' معاملے طرعو گئے۔ 5 ماریے کو لیک سمجھرتے ہر درنوں پرلی نجھیوں نے حصافظ کر

प्रवासी की डायरी

इमकास की समीन पर क़रम रखते ही बीती बार्वे ताका हो जाती हैं. संबर्श की, घान्दोलन की, त्याग की तस्वीरों का एक बाइट तांता बंध जाता है. कभी मनुख्य सिहर बढता है, जिस्म में कंपन पैदा होता है और कभी वतसाह जनम होता है, डारस बंधती है, कानों में "करो या मरो" का मारा गंज उठता है. और इन्हीं चित्रों के बीच चूमते भूमते एक जगह विचार आकर इक जाते हैं. बांखें देवती है—अन्हें जिन्होंने देश से बहुत दर आजादी का मेंडा सहरावा था, जिन्होंने गुलामी की मक्खन रोटी से बाजादी की बाख को बेइतर समन्त्र था. जिन्होंने दिल्ली पहुँचने की शपव सी थी, जिन्होंने मात्र भूमि पर अपना अधिकार जमाने के विषेतन मन धन की काफी लगा दी थी. वह बीर विरुक्ती नहीं पहुंचे पर इमफास करूर आए थे. देश को बहु आजाद नहीं देख सके पर आजादी के पीधे को वह अपने खुन से जरूर सींच गए. इसफाल में उस समय किसनी खुशियां मनाई गई होंगी, कैसा सुहाना समां वंधा द्वीमा जब बाबाद हिन्द फीज के सिपाहियों ने "श्राजाद **हिल्द[ा] का मंद्रा पहली बार लहराया होगा—पर यह सब** बार्वे हैं, भुसाई हुई बार्ते !

इसफाल में डनकी यादगार होनी चाहिये थी, हमारे देश अक्तों की समाधि होनी चाहिये थीपर यहां सामसा उसटा है, यहां उसटी गंगा बहती है, जो धंगरेकों के साथी थे, जिल्होंने देश भक्तों पर गोली चलाई थी उनका आदर है, आन है, उनकी समाधि है. और देश अक्तों को ! याद के किसी कोने में मरोड़ कर डास दिया

इसफाल की सिमेटरी को देख कर एक बारगी मन केशिया हो जाता है, दिसारा चकराने सगता है. यकायक सवास कठता है— यहां राज किसका है— भारत वालों का या अंगरेजों का. अंगरेज के नमकसारों की समाधि पर इक्षाचों कपए खरच होते हैं, भारत सरकार कुत सरच का इस की सदी सुद खदा करती है...... पर जाजाद हिन्द के विचाहियों ने कीन सी खता की है कि उनकी समाधि सही है, उनके कारनामों की बाद की ग्रास्ट्रत गहीं है. शायद आह अंगरेज के बार्सी से और विश्वों को सन्मान देणा

्रेंच हमारा, यन हमारा, आदमी हमारे पर सिमेटरी इ.स.च्या पर हमारा कोई अधिकार नहीं, कोई बंडक

پرواسی کی تاثری

إمههال كي زمين ير قدم ركهات هي بهاتي يادين تازة هو جالي هين . سلكهره كي أنشولن كي تهاك كي تصویروں کا ایک اثری تانعا بندہ جاتا ہے ۔ کبھی ملھیہ سير أتبتا هے، حصم ميں کمپن بهذا هوتا هے آور کيمي أتساه أتهن هوتا هـ، "قعارس بقنعتى هـ، كانب سهن "كرو يا سرو" كا نعره كونج الهما هـ. أور انههى جعرو ك بهی گهرمتے کهرمتے ایک جگه وجار آکر رک جاتے میں ، آنکھیں کمرنکھتی ھیں۔۔۔اُنھیں جنہوں نے دیش سے بہمت دور آزادی کا جھلڈا لہرایا تھا" جلیوں نے قلامی کی مکھوں روالی سے آزادی کی گھاس کو بھالار سمجھا تھا۔ جنهوں نے دلی پہولچنے کی شبتہ لی تھی علموں نے مالر بهرمي ير ايقا ادههكار جمال ك لله تن سن دهي كي بازي لادی تهی . ولا ویر دلی نهیس پهونتی در امهمال فرور آئے گیے ، دیھی کو وہ آزاد نہیں دیکھ سکے پر آزادی کے يبده كو ولا أنه خون سے ضرور سلم كئے. امهمال مهن أس سَم كَعَلَى خُوشِهِأَنِ مَقَائِي كُنِّي هَوَنَكِي الهِسَا سَهِانَا سمان بقدها هوگا جب آزاد هقد قوم کے سهاهیوں لے "أوأد هند" كا جهدة إلهالي بار ليرأيا هركا--ير يه سب يانيو هير ' بهلائي هوڻي بائيس !

امپہال میں اُن کی یادگار ھونی جاھئے تھی' ھمارے دیش پہکتوں کی سمادھی ھونی جاھئے تھی۔....ہر یہاں معاملہ اُلگا ہے۔ جو اُنگریؤوں کے معاملہ اُلگا ہے۔ جو اُنگریؤوں کے ساتھی تھے' جقهوں نے دیش بہکتوں پو گولی جلائی تھی اُن کا آدر ھے' مان ھ' اُن کی سمادھی ھے، اُور دیش بہکتوں کو اِ یاد کے کسی کونے مھی مرور کر ڈال دیا بہکتوں کو اِ یاد کے کسی کونے مھی مرور کر ڈال دیا

امههال کی سمهاری کو دیکه کر آیک بارگی سی بوجهل مر جازا هے دماغ چکرانے لکتا هے. پیکیک سوال آنها ہے۔ بہاں رأے کسی هے۔۔۔ بہاں رأے کسی هے۔۔۔ بہارت سرکار کل عصادهی پر هزاروں روبهه خرج هو تحص بہارت سرکار کل خرب کا دس قی صبی خود آدا کرتے ہے.۔۔ پر آزاد هفد کے سیاهیوں نے کونسی خطا کی ہے کہ اُن کی سادهی تہیں ہے کہ اُن کی سادهی تہیدی ہو گارور ہائی ہے کہ اُن کی سادهی تہیدی ہو گارور ہائی ہے کہ اُن کی شرورت بھی کی اللہ کی شرورت بھی ہے۔ کہ اُن کی سادهی تہیدی ہو گاروری کی بائی تھے اُرو بائیوں کو سمان دیا ا

ا دیمی مبارای عملی عبارای آدمی اهداری ورسمهاری کا پریده این جبارا کوئی العموع تیون کوئی انعمی

और अधर पिका पेत की राज में अधारांत्र में सरवामह के तिये जगह नहीं है तो क्या दराधह के विये जगह है, उनकी तो जनसा का दीसका नदाना चाहिये कि वह सत्याग्रह, सच्ये सत्यापद, ये लिये हमेशा दिल जान से तैयार रहे.

कावापको के सरवापह के सम्बन्ध में हमारा विचार है कि उन्होंने यह ऋस्स मजबर हो कर लाबारी की हासल में रठाया. इनका वह फ़द्म सरकार की सापरवाही का नतीजा जियावा है न कि उनकी अपनी वेजैनी का फिर सवाल वह है कि वनके आगे दूसरा रास्ता था ही क्या ? विका पढ़ी. चिट्टी प्रार्थना तो वह काफी कर चुके और कोई रास्ता न देसकर चन्होंने अनदान ग्रुरू किया या यह अगला क़रम चठाया. सन्होंने यह बदा घटका किया कि वंजाव के बाज्यापकों की तरह उत्तर प्रदेश वालों ने मुकन्मल हरताल नहीं की और अपने काम पर बढे रहे. इससे उनके नेक इरावों का पता चलता है.

सरकार का फर्ज

कपर की तकसील से हर कोई महसूस करेगा कि अध्यापकों ने जो मांगें रखी हैं वह इनसानियत, ईमान और इतसाफ की मांगे हैं और उनके मनवाने के जो क़दम उठाया गया वह सरकार की व्यवस्थार कर देने के लिये. सरकार का फर्ज है कि इनसाम्ब की इन मांगों पर इनसाफ से सोचे. इनसाफ से फैसका दे घीर उन पर इनसाफ से चल और दसरों को बखवाए. इस यह मानने से इनकार करते हैं कि सरकार के पास पैसा नहीं है. रामपुर बनारस या नैनीताल में सरकार कालिज चलाकर हजारों रुपया स्वाहा कर सकती है, जब वह कड़की यूनिवसिटी या फाखतू के कारखाने खोल कर लाखों रुपया वर्षाद करसकती है. श्रीर जब पंडिस पंस के शब्दों में 'बड़े बड़े पर अन्दर से स्रोखले" विभाग जैसे पिलानिंग, पंचायत और सहयोग क्रौरा की मन चली बोजनाच्यों में करोड़ों रुपया फंक सकती है-तो वेहात के स्कूलों में पढ़ाने वाले अध्यापकों के लिये तनला देने का इन्तजाम नहीं कर सकती ? कर सकती है-दिल की जरूरत है, दिल चाहिये.

आखीर में हमारी अरज है कि सरकार को चाहिये कि तालीम या शिका को स्वाबलस्वी बनाए और देहाती इस्तकारी के अरिवे तालीम दी जाय. इसके जिये सरकार को अपनी उद्योग नीति, अर्थ नीति, बरेख, नीति वरौरा को बद्दा कर स्थावसम्बन और विकेश्व करन के रास्ते पर बाना द्वीगां. और देसा करने में उस नाम के लोक कल्यान कारी थाः वैवासेकर राज की जगह सक्वे यानव हितकारी या सर्वोद्धक आवर्षी की सामने रखना परेगा. इसे विश्वास है कि अमेर क्या तरफ सरकार चलने की हिम्मत दिवाप ती रवा मन्त्रकृष्ट और रचा जनसा सभी उपका साथ रेंगे.

-- प्रदेश रामसार्थ

أور الو يلقس يلت كي وألى مين يرجا تفعر سين المعلمة كود ك تكر بعده تهدن هر توقها دوا أكره كر للد جاله هر . أن كو لو جلكا كا حرماء بوهانا جاهك كه وا سالهااره سع ستهاكره كي للرهمهد دل جان برتهار رم. المعاليكين كے سعيا كرد كے سبيده مين همارا وجار ھے کہ اُنہوں نے یہ قدم مجمور دو کر لاچاری کی عالمت مهن ألهايا . أن لا يه قدم سركار كي لايرواهي كا تعهجه پیادہ ہے تہ کہ اُن کی ایلی ہے جہلی کا ، پور سوال یہ ہے کہ اُن کے آلے دوسوا واسته تها ہی کها ؟ لکها ہوھی' بهلهی پرارتهدا تو وه کافی در بهکی آور کوئی راسته به دیکه کو اُٹھوں نے اُس شن شروع کیا یا یہ اگا قدم اُٹھایا ۔ اُنھوں لے نید ہوا ابھیا کیا کہ پلجاب کے ادھیایکوں کی طرح أثر پردیش والیں نے مکمل ہرتال نہیں کی اور ایے کام پر آ قائے رهے ، اس سے اُن نے نیک اِرادوں کا بعد جاتا ہے ۔

بموکار کا قوض

أرير كى تفصيل سے هر كوئي محسيس كويكا كه ادمهایکوں لے جو مانکیں رئھی هیں وہ اِنسانیسی ایسان اور انسان کی مانکیں میں آور ان کے مدوائے کے لگے جو اللهم ألهايا كها ولا سركار كو خهردار كر دبيلے كے لئے . سركار كا فوق ہے که اِنصاف دی اِن مانکون پر اِنصاب سے سوچے؛ إنصاف نے فیصلہ دے اور اُن پر اِنصاف نے چلے اور دوسروں کو بھلوائے ، هم يه مانكے سے إنكار كرتے هيس كه سوكار كےياس پهسه نههن هي ، رام پورا بغارس يا نيغي تال مهري سركار كالمِم حِلا فر هزارون رويهه سراها فر سكالى هـ جب ولا رزنی ہونہورسٹی یا فالٹو کے کارضائے کھول کر لانھوں روپهه برباد در مکتی هے اور جب پلکت پلت کے شہدوں میں " ہونے ہونے پر اندر سے فہوکیانے " ریہاگ جیسے بالناكب بلتهايت أور سهيرك وفيرد كراسي جاريوجداون سهی کروزوں رویهه پهونک سکتی ہے۔۔۔تو دیہات کے اِسکولوں میں پوھانے والے أدھیاپكس كے لكے تقطواہ دیائے كا أنتظام نہیں کر سکتی ؟ کر سکتی ہے۔۔دل کی ضرورت ہے کا جاهئر .

أشهر مهل فساري فرقل هركه سركار كو جاهيم كه تعليم یا شکشا کو سواولمنی بغائے اور دیہاتی دستکاری نے ڈوریمے تعلیم دی جائے ، اِسَ کے لئے سرکار کو اہلی اُدیوک بہتی اوته نهتی گهریاتو نهتی وفهره کو بدل کر سواولیمون اور وکیلدوی کرن کے وأسائے ہو النا هوکا ، اور ایسا کولے میں أس نام نے لوک فلیان کاری یا ویل فیٹو وایے کی جنگه سعهے مالو هلکاری یا سروودے آدرهی کو ساملے رکھٹا ہونے 🕷 ، همیں وشراض 📠 که اگر اِس طرف سرکار الملقے کی همت دفیائے تو نها ادهیایک اور کیا جلتا شبھی اُس کا سالہ دیں گی ۔

سريهس رأم يهالي

के किस बाय तो सही बनाते बसे शाय. उन्हें क्या जुनर कि कुस क्षया बोर्ड के पास किसना है किसना नहीं जोर बोर्ड के मंत्री जी मजबूर ये चुनाव में कांगरेस को जिसाने पर. इस सरह चुनाव काल का समयांका आजकत हमारे अञ्चापकों को मुससना पर रहा है.

कहम सही या गलत

सब सवाल वह है कि सम्मापकों ने जो वह सन्धन किया या सम्मापक मंडल के फैसले के अनुसार सब जो संस्वापह बल रहा है वह सही है या रालत. प्रदेश के मुख्य मंत्री ने इसे बेजा व्याय कहा है और नये शिक्षा मंत्री ने राष्ट्रियला की दुहाई देते हुए कहा है कि वह तो पेसा काम कमी नहीं करते और ज़रूर रालत ठहराते. शिक्षा मंत्री ने सा भी धमकी दी कि सगर सम्मापक काम पर नहीं आते तो इसी तनसा पर नये आवमी मरती कर किये जायंगे. उपर हमें वह भी पता चला है—कहां तक सही है हम नहीं कह सकते—कि सरकार ने जिला मजिस्ट्रेटों को लिखा है कि जी पटवारी स्तीका दे विये हैं उनकी जगह सम्मापकों को पटवारी बना दो !!

उत्तर प्रदेश के शिक्षा मंत्री ने जिस रौर-जिम्मेदारी का इक्षहार अध्यापकों के मामले में किया है उससे बहुतों को श्रवा है कि मुख्य मंत्री की यह पसंद कहां तक ठीक या कारगर थी. पर हमारा तो सिर्फ यह कहना है कि शिसा मंत्री को रास्ट्रिपता की दुहाई देना अच्छा नहीं लगता. रास्ट्रपिता का नाम लेने के पहले हमारे मिनिस्ट्रों को बंदरिया बारा की कोठियों, कोई या स्टूडी बेकर की विसायती मोटरों और कानपुर के रईसों के भाराम वरों में बैठकें देना कोक्षमा होगा. शिका मंत्री केवल शिका मंत्री की कुर्सी पर बैठाचे जाने से बापू के नाम पर किसी को फटकारने के अधिकारी नहीं वन जाते. हम इस सम्बन्ध में जिवादा न कह कर शिक्षा मंत्री से प्रार्थना करेंगे कि वह राख्टिपिता रासेन्य बाब का 17 जनवरी 1953 को गांधियन सेमीनार में नहें दिल्ली में दिया हुआ भारान ध्याना से पहें और मनन करें. उसमें राष्ट्रपति ने कहा है कि भारत सरकार ने मोंबी जी के, क्या जार्थिक क्या राजकाजी किसी कार्य कम की नहीं कपनाया और इसलिये वह (राजेन्द्र वावू) वावू का मास क्षेत्रे सायक जपने की नहीं समसते. वहां राष्ट्रपति की नम और सरुपा वानी और कहां उत्तर प्रतेश के शिका मंदी भी यह अकड़ और भौंस !

उत्तर प्रदेश के मुक्य मंत्री सकतार कहा करते हैं कि अभारत में सरगाम के लिये जगह नहीं हैं. ताक्तुव है कि अंदिल कर जैसे समुमानी और मुक्त मेला ऐसी बात कहते हैं अमेरिक, समाना से हमारा कहाता है कि समय सरगाम, अस्तिक समान सरग पर कारत है तो हमेशा हर कहीं समान समाह है करना हमाना हैवान हुए बिना नहीं अब सकता. کے بال آگر او ہر وفاق ہارگا۔ آنیس ایا شیر کو کل روزوہ بیرہ کے پاس کاٹیا ہے فعلا کیوں اور بیرہ کے مقعری ہی مجاور کی جاناہ میں کانگریس کو جاتاہے پر ا

اس طرنع جھاؤ کالکا خمھاڑہ آج کل ہمارے ادھھایکوں کو پھاٹھا، ہو رہا ہے ۔

ودم محصيم يا الط

اب سوال یہ ہے کہ ادھیاپکوں نے جو یہ ان شن کیا ادھیاپک سلقل کے فیصلے کے انوسار اب جو سہائوہ چل رہا چل رہا چلو مستعم ہے یا فلط، پردیش کے سکھی سلقی نے راشتر کے ایس بیجا دیاؤ کہا ہے اور نئے شکشا سنتوی نے راشتر نہیں کرتے اور فرور فلط ٹہرائے، شکشا سنتری نے یہ بھی شعسکی دی کہ اگر ادھیابک کام پر نہیں آئے تو اِسی تنظواہ پر نئے آدسی بھائی کر لئے جائیٹکے، ادعر ہمی یہ بھی پاتھ جائے ہے۔ اور نہیں کہ سوکار نے ضلع سجسٹریٹوں کو لکھا ہے سکتے جو پالواوی استعمال دیائے ہیں اُن کی جائے ادھیاپکوں کو بالوی بنا دو اِا

آثر پردیش کے شکشا ملتری نے جس فیر ڈیرداری کا اِظهار ادههایکوں کے معاملے میں کہا ہے آس سے بہتوں کو شبه هے که معهده مقتری کی به پسده کهاں تک تهیک یا کارگر تھی، پر همارا تو صرف یه کهنا ہے که شکھامنتری كو واشكر يمّا كي دهائي دينا أجها نهم لكما ، واشكر يمّا کے نام لیقے کے پہلے همارے مدسلاروں کو بددریا باغ کی كرتههين فورة يا استرة پيكر كي ولايعي موترون اور كانهور کے رئیسوں کے آوام گھروں سمیں بھٹھکمیں دینا جھہورنا عولا ، شکشا مفتری کیول شکشا مقتری کی کرسی پر پیتهائے جائے سے باہو کے نام ہر کسی کو پھٹکارنے کے ادھمکاری نہیں بن جأتے ، هم اس سمعده مهن زیاده نه کهکر شکها مفتری سے پرارتھٹا کرینگے که وہ راشتر پتا راجھندر باہو کا 17 جلوری 1953 کو کائٹھیں سیمقار میں فکی دلیمیں دیا هوا بهاهی دههای سے پوهیس أور صفق كريس . أس مهن راشتر ہتی نے کہا ہے که بھارت سرکار نے گندھی جے کے ا کها اُرتهک کها راید کاجی شی کاریه درم کو نهیں آیفایا اور اِس لگي وه (راجهقدر بابو) بايو كا نام لها، لائق ايد او تہوں سنجھتے ، فہاں راشقر یکی کی بد نمر اور سجی ہائی اور کہاں اُور پڑییس کے شکشا مقتری کی یہ آگو اور دھونس 🖖

اد پردیمی کے مکھنے سلطری اکثر کیا کرتے میں کا برجا للکے بین سلماکو کے لگر جاکھ نہیں ہے ۔ تعجیب ہے کہ پہلی ہے ۔ تعجیب الزنیوی آور بورگ نبتا آیسی بات دیتے ہیں کیونکھا نہیں ہیں۔ اور بورگ نبتا آیسی بات دیتے ہیں کیونکھا نہیں کیونکھا ہے کہ اور میں کیونکھا ہے کہ اور میں کیونکھا ہے کہ دیونکھا ہے کہ دیو

ने माथ का महसूत एक उपना मांगा. वेचारे अध्यापक के पास क्ष्मा कहाँ या, गाय रोक ली गईं. फिर कहीं से हाय पैर जोड़ कर एक उपया उचार ले कर आया, तब गाय मिली और उसके बाव वह शहर की हद छोड़ कर नजरीक के गांव में जा कर रहने लगा!

इस तरह हम देखते हैं कि अध्यापकों की तमाम मांगें ठीक हैं. यह मांगें केवल इनसाफ चाहती हैं और किसी भी इन्साफ पसन्द हकूमत या सरकार को उन पर एतराज नहीं होना चाहिये. बल्कि उन्हें खुशी होनी चाहिये कि अध्यापक वर्ग जगा हुआ है और अपनी जिम्मेदारी महसूस करता है.

यह मसीबत क्यों ?

हर एक को खयाल पैदा होगा कि जब जिला-बोर्ड अध्यापकों को तनला नहीं दे सकते थे तो क्यों अध्यापक रखे गए. क्यों स्कूल बढाए गए.क्या जिला-बोर्डों के सभापति या मंत्री को अपने बजट बरौरा का कोई अन्दाज नहीं था ? इस सम्बन्ध में हमें जो जानकारी अवध के एक जिले से मिली है वह यह है: नवस्वर-दिसम्बर 1951 में चुनाव का बोल बाला था और कांगरेस उन्हें जीतने के लिये परी ताक्रत जुटा रही थी. जियादातर जिला बोर्डों के सभापति कांगरेसी थे, बल्कि सरकार के नामजूद थे. यही नहीं, उनमें से फुछ तो खुद भी ऋसेम्बली कौन्सिल या पार्लियामेन्ट की मेम्बरी के लिये उम्मीद्वार थे. इसलिये जरूरत पड़ी गांव घूम कर स्पीच दे कर वोट पकड़ने बालों की. लिहाजा यह हुआ कि जो कोई भी अच्छा बोलने वाला मिला—श्रीर श्रगर वह मिडिल पास हथा—तो उससे कह दिया कि चुनाव में काम करो, अध्यापक बना देंगे इस तरह चकसर जिला बोहीं की सारी मशीनरी कांगरेस की तरफ से चुनाव में पेर दी गई. नतीजा यह हशा कि नवस्बर-विसम्बर जनवरी-फरवरी (1951-1952) अकसर स्कूलों में कई कई दिन क्या हफ्तों तक पढ़ाने वाले मास्टर का पता ही न होता. चुनाव की शर्मी में न हकूमत की, न कांगरेस को, न जिला बोड के अफसरों को कुछ ध्यान ही रहा कि स्कूलों की क्या गत होने जा रही है.

यह जो नये नये चुनाव एजेन्ट रखे गये इनकी तनसा चुनाव के दौरान की, यानी नवम्बर, दिसम्बर, जनवरी की तो दे ही गई. पर उसके बाद जब कांगरेस अकसरियत से असेम्बली पालियामेन्ट में जा गई—जो मस्ती आई उसमें कहां खिला बोर्ड और कहां बेचारा अध्यापक! हमें यह भी मालम हुआ कि बोर्ड का पूरा बजट सर्च बोर्ड का मंत्री करता है, सैकिन मास्टरों की तनला के बिल बिस्टी इन्स्पेक्टर आक स्कूल नाम के पदाधिकारी किया करते हैं उनके पास जब नवस्वार-विश्लेकर 1951 जनवरी 1952 में अध्यापकों

المنظر کا منعصول ایک رویده مانکا، بیمهاری ادههایک کے الحقیال کے الحقیال کا منعصول ایک رویده مانکا، بیمهاری ایم کیوں سے مانکا بھر کہوں ایک رویدہ ادھار لیکر آیا، تب کائر ملی اور آس کے بعد وہ شہر کی حد جہور کر نزدیک کے گاوں میں جائر وہاں لگا !

رس طرح هم دیکهتے هیں که ادهیایکوں کی تمام مائکھی تهیک هیں . یه مانکیں کیول اِنصاف چاهای هیں اور کسی یهی اِنصاف پسند جکوست یا سرکار کو اُن پر اعکرانی نہیں هونا چاهائے. بلکه اُنهیں خوشی هونی چاهائے که ادهیایک ورگ جا هوا ہے اور اپنی ذسیداری معتسوس کرتا ہے .

يه مصهبت کيون؟

هر ایک کو خهال پیدا هوگا که جب ضلع بورد ادهها پکون کو تنظواہ نہیں دے سکتے تھ تو قیرن ادھیایک رکھ كلي كهرس إسعول بوهائد لكد ، كيا ضلم بوردون كے سبهايتي یا مقدری کو ایم بجت وقوره کا کوئی آنداز نهون تها؟ اِس معبقدہ میں میں جو جادکاری اودھ کے ایک ضلع سےملی م ولا يم من أنومهر دسمير 1951 سين جداء كا يول بالا تها الله کانگریس انهها جهانے کے لگے پوری طاقت جاتا رهی تهی، ویادی تر ضلع بوردوں نے سمیارتی کانگریسی تھے سرکار کے تامود تھے ، یہی بہیں' ان میں سے کچہ تو خود بھی اسیمبلی کوٹسل یا پارلیاملت کی سمبری کے لگے اُمیدوار تھے۔ اُس لکے ضرورت ہوی گاؤں گاؤں کہوم کر اسپینے دے کر روت يعوني والون كي . لهذا يه هوا ته جو كولي يعي أجها يوللي ولا معساور اکر وہ مدال پاس مواستو اس سے کہ دیا که قهقاو میں کام کرو' ادھهایک بقادینگی ، اِس طرح انگر شلعبورتیں کی سازی مشیدری کانگریس کی طرف ہے چهاو میں پیر دی گئی نقیجہ یه هوا که مومیر دسمیر جفوري فروري (52-1951) انثر إسكولون مهن دئي کگی دن نیا مدعول تف پوهانے والے ماستاروں کا یکم هی ته هوناً . نهداؤ في كرمي مهن نه نجام متعانوا نه كالكروس فوا لا فيلم يورة ني افسرون دو دنهم دهمان هي رها كه إسكولون کے کہا گیں مولے جارعی ہے ،

یہ جو نکر نکے جہاؤ ایجامی رکھ گئے ان کی تقطواہ جہاؤ کے دوران کی' یعلی نومبر' دسمبر' جہوری کی تو وہے دی کئے ان کی الموری کی دوران کی' یعلی نومبر' دسمبر' جہوری کی تو اسے دی گئی۔ پر اُسکر بعد—جب کانگریس اکٹریمت ہیں اُنگی—جو مستی آئی اُس میں کہاں ضامہررہ اور کہاں بھجارا ادھیایک! همیں یہ کون ہے' لیکن ماسٹروں کی تفخواد کے بل ڈیٹی انسیمکٹرآئی اسکول نام کے یداد ممکاری کیا کرتے میں۔ اُن کے پاس اِسکول نام کے یداد ممکاری کیا کرتے میں۔ اُن کے پاس جب نومبر دسمبر 1951 یا جدوری 2551 میں اُن کے پاس

सास कर तासीम के मिनिस्टर ने जो क्या इक्तयार किया (क्रिस की चर्चा इस आगे करेंगे) उससे पता चल गया कि संरकार को अध्यापकों के दित का रसी भर भी खयास मही है, मजबूर हो कर अध्यापकों ने बढ़े पैमाने पर सत्यामह ग्रुव किया, वह 12-15-20 के जत्ये बना कर आते हैं और गिरफतार कर सिये जाते हैं. यही आज चल रहा है.

श्रध्यापकों की मांगें

क्रपर दिये इतिहास से साफ हो जाता है कि हमारे बाध्यापकों की मांगें केवल तीन हैं:

- (1) 1949 की सूची के अनुसार उनकी तनला व संदगाई भन्ने दिये जायं.
- (2) जो उनकी पिछली तनसा बाक़ी है वह सब चुका दी जायं.
- (3) आगे हर महीने की तनआं महीना सतम होने पर सगासार मिलती रहा करे.

इनमें से पहली मांग वही है जो चार वरस पहले सुद प्रदेश सरकार ने तय की थी. लोफल-वाडीज-पे कमेटी के समुद्धार फिला वोर्ड के हर कर्मचारी को तनसा मिल रही है सिवाय अध्यापक के! इसिलये अध्यापकों का यह कहना कि हमें भी उसी कमेटी के फैसले के मुताबिक तनसा मिले किसी तरह राजत नहीं कहा जा सकता. अगर इस सम्बन्ध में सरकार यह कहें कि जिला बोर्डों का यह "निजी" मासेला है और हम दसल नहीं देंगे तो यह वैसा ही हुआ जैसे कोई पिता कह दे कि बच्चे के पालन सर्च की पूरी बिन्नमेदारी मां की है क्योंकि वह उसी के पेट से जनमा है!

इसरी तीसरी मांगों से पता चलता है कि इमारे जिला बोबी की डालत "बोबा चना बाजे धना" जैसे हो रही है. प्रदेश सरकार के कोकल सेल्फ गवरमेन्ट विभाग की 1951-5% की जो रिपोर्ट निकली है उसमें जिला बोडों के काम की तारीक की गई है और सास कर इस बात पर कि स्कूलों की ताबाद 26, 671 से 27, 951 हो गई और जिला बोडों ते 2, 266 निजी या प्राइवेट स्कूलों को भी महत वी! कहां यह तारीफ और कहां अध्यापकों के बाल क्यों का आधा पेट मुके रहना ! हमें माल्म हुआ है कि प्रतापगह किले में बाल ही में मार्च 1952 से अक्तूबर 1962 तक की सतका दी गई पर फरकरी भी नहीं. वहां गरम कफवाड है कि करवरी की तनला गील कर दी जावगी! रायबरेली विको में भी मार्च से चक्तूबर का एक पैसा भी नहीं दिया राबा बहा के एक अध्यापक का क्रिस्सा हमें माद्यम है. इसके पास सामे पीने की कुछ न रहा तो इसने धापती सहराम से पन गाय संगाई. जिले की इस पर चुंगी बालों نظائی کر تملیم کے مقسال نے جو رخ اشتیار کیا (جس آئی جوجه م آئے لوہدگی) اُس سے باتھ چل قیا کہ سرکارا کو انتظام کی جب بھی شیال نہیں ہے ، مجھور موکر ادھیاہکوں نے بوے بیمائے پر ستیائزہ شروع کیا ، وہ 20–15–12 کے جاتم بقائر آئے میں اور کرفتار کرنے جاتے میں اور کرفتار کیا ہے ۔

ادههایکس کی ماتکیس

اوپر دلے ہوئے اِتہاس سے صاف ہو جاتا ہے کہ سارے ادمیایکس کی مانکیں کیول تین ہیں :

- ر I) 1949 کی سوچی کے انوسار اُن کی تلخواہ و مہلکائی بہتے دئے جائیں ۔
- (2) جو أن كى يتهلى تلطواد باقي هـ ولا سب چكادى جائـ .
- (3) آئے هر مهيئے کی تلطواۃ مهيئه ختم هوئے پر ايجار ملتی وها کرے ،

ان مہیں سے پہلی مانگ وھی ہے جو چار برس پہلے خود پردیش سرکار نے طے کی تھی ۔ لوکل باقیق پے کمیٹی کے انوسار ضلع بورة کے ھر کرمتجاری کو تفضواہ مل رھی ہے سوائے ادھیایک کے ! اس لگے ادھیایکوں کا یہ کہفا کہ ھمیں بھی اُسی کمیٹی کے فیصلے کے مطابق تفضواہ ملے کسی طرح فلط بہیں کہا جاسکتا ، اگر اِس سملدھ میں سرکار یہ کہنے کہ فلع بورقرں کا یہ وانجی "معاملہ ہے اور هم دخل نہیں دیلگے تو یہ ویسا ھی ھوا جیسے کوئی پتا کہ دے کہ بنچے کے بالن خوج کی پوری قمرداری ماں کی ہے کیونکہ وہ اُسی کے بہت سے جاما ہے!

دوسری تهسری مانگیں سے پتد چلتا ہے که همارے فلم بورة رن حالت الهولها جلا باج كهقاء جهسي هو رمی ہے، پردیوس سرکار کے لودل سلیف گورنمانت وبھاگ كر 1951-52 كى جو رپورت تكلي اس مهن ضلع بورقون کے کام کی تعریف کی ککی ہے۔ آور خاص کر آسن بات پر كه إعمالين كي تعداد 26, 671 <u>سے 26, 27</u> موكلي اور فلم ببرقس لے 266 2 نص یا پرانویت اسکولوں کو بھی مدد سی ! کہاں یہ تعریف اور کہاں ادھھاپکوں کے بال يجين كا أدها ههمت بهوك رهنا ! هنهن معليم هوا ه كه پرتاب کود ضلع میں حال عی میں مارچ 1952 سے انتوبر 1952 تک کی تلظواہ سی گئی پر فروری کینیوں۔ وهاں کرم افیاد ہے کہ فرووی کی تقطولہ کول کردی جائیگی ا وأثيريلي فنلع مهن يهي ماري س أكتربر كا أيكت يهستيمي نبوس ديا لها الماس فر ليك إبدهايك كا قصه هدوس معلوم ه . أس غا يأس كونك ويقداو عياد له وها دو أس فر إدان مسرال مير ليك الإستالي الملع كي حديد و جلكي والون

बुक्क बुसरे मदेवा में क्या सुरत है, हम भीचे देते हैं :

| पश्चिमी बेपाल | 35-4-2-75-5-2-80 |
|---------------|---------------------|
| अभ्य प्रदेश | 30-1-40-2-60 |
| मुख्य भारत | 40-5-70 |
| देवराषाव | 65-3-95-4-115 |
| वेपस् | 50-3-80-4-100 |
| विल्ली | 55-3-85-4-125-5-130 |

कहीं कहीं जैसे दिल्ली और मध्य प्रदेश में अध्यापकों को पांच और पंदरह ठपए के बीच हर माह मकान भत्ता भी दिया जाता है.

जब गेहूं दस सेर का था और घी सबा सेर का तब चत्तर प्रदेश के अध्यापक के लिये 25 हपए भी कम नहीं थे. फिर अध्यापक का गांव व समाज में आदर था. इसलिये जास मौकों पर दिखना के तौर पर भी विद्यार्थी घर से कुछ ले आता था. लेकिन जब अनाज घट कर सात पाव का रह गया और वी या तो ग्रायब या दाई तीन छटांक पर आ गया तब दिखना मिलना उधर से बन्द हुई और घर का सर्च पूरा पड़ना इधर से बन्द हुआ. इस तंगी से परेशान हो कर हमारे अध्यापकों ने 1949 में हरताल की.

यह हरताल जिसमें प्रदेश के सभी, चालीस हजार के लगमग, अञ्चापक शरीक थे, बहुत सफल हुई और सरकार ने यह तय किया कि लोकल बाडीज पे कमेटी (Local Bodies' Pay Committee) के सुकाव के अनुसार अध्यापकों को वेतन व मंहगाई बगैरा दी जाय. पर यह कैसला काराज़ पर ही रह गया और जब ज़िला बोडों के चार्ज में स्कूल आए तो उनमें से ज़ियादातर इसे मानने से कतराए. जिन्होंने माना भी उनमें से कुछ कभी वेतन देते थे और कभी नहीं. मतलब यह कि खब मनमानी चलती थी और अध्यापकों के दुस्त का कोई ठिकाना नहीं रहा. इसिकये उन्होंने अपनी मुसीबतें सरकार के आगे पेश की लेकिन कोई मुनवाई नहीं हुई. बार बार मांग पेश की गाई पर सरकार की तरफ से हां हु हो कर रह जाती और बाल टक जाती. इसिकये इस बार अध्यापकों ने ज़ियादा समक बूक कर और ठोस क़दम उठाया.

वह अपने अपने स्कूलों में बराबर पदाते हैं लेकिन गिने चुने प्रतिनिधियों ने सारे अध्यापकों की तरफ से कुरवानी के लिये रजामन्त्री जाहिर की और आगरन अन्तरान तीन तीन की टोलियों में शुरू किया. अनशन करने वाले दी तीन रोज बाद अस्पताल भेजे जाने सगे, उनके अन्तर क्षांस्वस्ती खुराक पहुंचाई जाने लगी और फिर सरकार ने हैं जाद किया कि जिस जगह वह अनशन कर रहे वे क्यां अनाही है. इसकिये गिरफतारियां शुरू हो गई. साथ ही साथ अस्पर्यक्षी व कीन्सिस में सरकारी हाकियों, ليهية الوسري يردوهون مين ألها خورها هـ " هم معدديه مني هني

| 35-4-2-75-5-280 | بهرسي بدعال |
|---------------------|--------------------|
| 30-1-40-2-60 | المعمية برديش |
| 40-5-70 | معهد بهارت |
| 65-3-95-4-115 | حيدرآباد |
| 50-3-80-4-100 | 2****** |
| 55-3-85-4-125-5-130 | فالمي |

کیمس کیمس جمسے دلی اور مدھیم پردیش میں اور مدھیم پردیش میں اصطاعات کو یاتھے اور یلدرہ رویکے کے بھیج ھر ماہ مکان بیعد یمن حیا جاتا ہے .

جب گھپوں ہس سور کا تھا اور گھی سواسیو کا تہا اور بھی سواسیو کا تہا آتر ہردیھی کے ادمهایک کے لگے 26 روپئے بھی کم نہوں تھے. پہر ادههایک کا گاؤں و سماج میں آدر تھا ، اِس لگر کامی مہتموں پر دکھنا کے طور پر بھی ودیارتھی گھر سے گھچھ لے آتا تھا، لیکن جب اناج گھت کر سات ہاؤ کا وہ گھا اور کھی یا تو فائب یا تھ ٹی تھن چھٹانک پر آ گھا ہی داشنا مللا اُدھر سے بقد ھوئی اور گھر کا خرج پورا پونا اِدھر سے بند ھوا ، اس تفکی پریشان ھوکر ھمارے ادھیایکوں نے 1949 میں ھرتال کی ،

یہ هرتال جس مهی پردیعی کے سبھی' چالیس هزار کے لئے پہگ' ادھهاپک شریک تھ' بہت سبھل هوئی اور سرکار نے یہ طہ کیا تہ لوکل باقیز پے کسیٹی Irocal کے سجھاؤ کے انوسار Bodies' Pay Committee) کے سجھاؤ کے انوسار ادھهاپکوں کو ویٹن و مہلکائی وفیرہ دبی جائے، پر یہ فیصلہ اسکول آئے تو اُن میں سے زیادہ تر ایے مائلے سے کھرائے میں جھھوں نے مائا بھی اُن میں سے کتچہ کبھی ویٹن دیگے جھلاوں کے مائا بھی اُن میں سے کتچہ کبھی ویٹن دیگے تھی اور ادھهاپکوں کے دکھ کا کوئی انھکانہ نیمیں رھا، اس نے ابلی مصبحہ میں سرکار کے آئے پیھی کی لئے انہوں نے ابلی مصبحہ میں هوئی، بار یا مائک بھی کی گئی پر سرکار کی طرف سے هاں هیں هو کو رہ جائی اور بات بیمی کی گئی پر سرکار کی طرف سے هاں هیں هو کو رہ جائی اور بات بیمی کی گئی پر سرکار کی طرف سے هاں هیں هو کو رہ جائی اور بات بیمی کی گئی پر سرکار کی طرف سے هاں هیں هو کو رہ جائی اور بات بیمی کی اُنے اِس لگے اِس بار ادعهاپکوں نے زیادہ سمجھ کی بیمی کی اُنے آئی اُنے اُن آئیا یا ۔

ولا أنه أنه إسكولوس مهر برابر پرهاتے ههر لهكي گلے جهلے هوئي ندههوں نے سارے ادههايكوں كى طرف سے قربائى كے لئے وضاملدى طاهر كى اور آمرن أن شن تهن تهن كى لئيے وضاملدى شاور كى اور آمرن أن شن تهن دور بعد لسيعال بهيته جانے لئے أن كے آندر زبردستى شوراك پهونجائى جانے لئى أور ههر سركار نے أيجاد تيا كا جس جكاء يه أن شن كررہے تها وهاں مقاهى هے جكاء يه ان شن كررہے تها وهاں مقاهى هے اس لئے گرفتارياں شروع هوكئيس مساته هى ساته سى ساته الها الها الها الها يا كونسل مين حيكاوى حاليمون حاليمون حيكاوى حاليمون حاليمون حيكاوى حاليمون حيكاوى حاليمون حيكاوى حاليمون

इमारे जिला बोर्डों के अध्यापकों का सवास

शसर प्रदेश की राजधानी लखनक की कौन्सिक डाउस के सामने बाजकल रोज गिरकतारियां हुन्ना करती हैं क्योंकि का लोग वहां के पास एक ऐसी जगह वस आते हैं जहां मनाही है. यह बुसने बाले सोग इमारे सूचे के 52 फिला बोर्डों के सारहत चलने वाले स्कूलों में पढ़ने वाले अध्यापक हैं और वह जगह महकमे तामीरात की बताई जाती है. साबी यह है कि यह अध्यापक आई उस जगह पर जब शुरू शक्त में, फरवरी के बाखरी इक्ते में बाए तब तो कोई धतराज नहीं किया. लेकिन दस बारह रोज बाद जसनऊ के बाकियों की पता चला कि यह जगह हर खास-याम के क्षिये सुक्षी नहीं है, अन्यापकों के इस आन्दोलन को आज एक महीने से ऊपर ही गया और लखनऊ की ताजी खबर है कि कक्ष 24 सार्च को 13 खम्यापक गिरफ़तार किये गए. जिसके बाद कल गिरफतारियों की तादाद 8 मार्च से ले इर- उत्तर प्रदेश अध्यापक मंडल ने सत्याप्रह करने का सम किया—अब तक 367 हो जाती है. इन में से 104 अध्यापकों के खिलाफ चार्ज शीट अदालत में फाइन कर विया गया है और 89 के ऊपर मुक़रमा चलने वाला है.

बध्यापकों के इस बान्दोलन की ग्रुक्त बात 23 करवरी को तीन मास्टरों के बनशन से ग्रुक्त हुई और 8 मार्च को बाक्तायदा सत्यायद ग्रुक्त हुआ, जब अध्यापकों के जत्ये के करवे कीन्सिल हाउस के सामने आ कर जमा होने लगे. यह देखने के पहले कि अध्यापकों की मांगें क्या हैं और वह कहां तक ठीक हैं. हम पहले अध्यापकों के सवाल के बिकास पर सरसरी निगाह डाखेंगे.

पिक्ला इतिहास

इसारे देश के प्रदेशों में उत्तर प्रदेश की सब से बड़ी आबादी है जो साढ़े हैं करोड़ के लगभग है. इसलिये लड़के लड़कियों और उनके स्कूलों की तादाद भी हमारे इस प्रदेश में सब से खियादा है और उनको पड़ाने वाले अध्या-पड़ों की थी. इन स्कूलों का प्रबन्ध और शिका का पूरा किस्मा सूबे की सरकार का था. मगर पहली नवस्वर 1950 की देहातों के स्कूलों का इन्स्त्यसाम जिला बोडों के सुपूर्व कर दिया गया, इश्लंकि उनके उत्तर निगाह, सुआयना,

अपने से हमारे चान्यापकों को जो तनला दी आती है वह 25 सपने के झक हो कर 45 तक चलती है, इसके खिलाक

ھمارے ضلع بورتوں کے ادھیابکوں کا سوال

أتو يوديهي كي وأجدهاني لكهلؤ كي كونسل هاؤس كے ساسلے آیے کل روز کرفتاریاں ہوا کرتی ہیں کھونکہ کچھ لوگ وہاں کے پاس ایک ایسی جکہ گیس آتے میںجہاں ملاهر ہے ۔ یہ کیسٹے والے لوک ہمارے صوبے کے 52 فلم بورقوں کے ماتصت جلاء والے اسکولوں میں یوعائے والم ادههایک هیں اور وہ جاکه محاسه العمورات کی بعالی جاتي هي . خوبي يه هي كه يه ادههايك بهالي أس جاكه پر جب غروع عروع میں کورری کے آخری منتے میں آلے تب تو کوئی اعتراض نهین کیا، لیکن هس باره روز بعد لعبلو کے حاصر کو بتہ جلا که یہ جگه هر خاص مام کے لئے کہلی نہیں ہے، ادھیاپکوں کے اس آندولی کو آبایک مهيئے سے اُوپر هولها اُور لکه اُلؤ کی تازی خور ہے کہ کل 24 مارے کو 13 ادعهایک گرفتار کئے کئے جس کے بعد کل كرفتاريب كي تعداد 8 ماري سے لهكر--أثر پرديش أدههايك ملقل نے سعیالوہ کرنے کا طے کھا۔۔اب تک 367 هو جاتی ھے ، اِن میں سے 104 اُدھھایکس کے خلاف جارہ شیت مدالت مهی قائل کردیا گیا ہے اور 89 کے اوپو مقدمہ جللے والا ہے ۔

ادھھاپکیں کے اِس آئدولی کی ھوومات 32 فوروی دو تین ماسگووں کے آئیشن سے ھاوع ھوٹی اوو 8 ماوچ کو بالعدد سکھائوہ شووع ھوآ جب ادھھاپکیں کے جاتم کے جاتم کے ماسٹے آئو جمع مولے لگے، یہ دیکھلے کے پہلے کہ ادھیاپکوں کی ماسگوں کیا ھوں اور وہ کہاں تک تھھک ھیں' ھم پہلے ادھیاپکوں کے انھیاس پر سومری نااہ ڈلیھگے ،

يجهلا إلهاس

مداری دیمی کے پردیشوں مہیں آدر پردیمی کی سب سے بوی آیادی ہے جو ساوھ جو کرور نے لگ بیگ ہے ، اس لیے لوکے لوکیوں اور اُس نے استولوں کی تعداد بھی مدارے اس پردیمی میں سب سے زیادہ ہے آور اُن کو بومانے والے اجمهایکوں کی بھی، اِن استولوں کا پربندہ اور مکما کا پیوا فات میچ کی سرکار کا تھا ۔ سکر پہلی نیمبر میرد کردیا کہا بیوائی کے استولوں کا افتادام ضلع بورقوں کے سرد کردیا کہا بیوائی کے اُریم نیادہ میران کی بیوائی بومائی ایمان میران فیمبر اوران کے استولوں کا انتظام ضلع بورقوں کے سرد کردیا کہا تھا کی استولوں کا انتظام ضلع بورقوں کے سرد کردیا کہا تھا کی بیوائی بھائی۔

مرم نے اساق العقبال کی جو کلطراہ عی جاتی ہے۔ و 25 وولے نے کیسیمٹر کا کیا جاتی ہے۔ اِس کے خطب विया तेषित वाब सब लोगों में देश मक्ति की भावना इतनी भर गई है कि वाब वाधिक कंट्रील की जुदरत नहीं रह गई.

- (8) सरकार बजार पर हर बन्नत भ्यान रखती है. जहां भी किसी चीज की कमी हुई सरकार खुद माल खरीद कर बस जगह पहुंचा देती है. इससे माब एक सा बन। रहता है.
- (9) बीच के दलाओं, सट्टा बाजों का सरकार ने बिलकुल खातमा कर दिया है. चीन में यह ज्योपार नहीं हो सकता.
- (10) सरकार ने जनता की माली हालत दुकस्त कर दी है. किसानों को अपनी अपनी जमीन मिल गई है. वह ज़ियादा पैदा करते हैं. उनके माल की बिकरी का भी अच्छा प्रबन्ध है. चूंकि उनकी जेब में पैसा होता है इस्रिलये वह जियादा से ज़ियादा सामान खरीदते हैं. चूंकि ज़ियादा बिकरी होती है इसिलये कारखाने ज़ियादा पैदा करते हैं. अब बीनी दुकानदारों के पास हर समय और हर मौसम में गाहकों की भीव जारी रहती है.
- (11) देश भक्ति की भावना ने पूंजीपति और मज़दूर दोनों की एक राय बना दिया है. हर मजदूर सममता है कि वह देश के लिये काम करता है और बिना किसी हिचक के उसकी उसका जायज़ हिस्सा मिल जाता है हर काम मालिक और मज़दूर के सहयोग से होता है. कारलाने की पैदावार की पिलानिंग करने और उसके हित की देख रेख करने के लिये एक कमेटी होती है. इस कमेटी में पांच मज़दूर यूनियन के तुमाइन्दे होते हैं और पांच कारलाने दार के इस कमेटी की दो हफ्ते के बाद मीटिंग होती है. एक दमा सदारत मज़दूर करता है तो दूसरी दमा कारलाने दार कमेटी के सारे कैसले सब के हित को ध्यान में रखकर किये जाते है और हमेशा एक राय से होते हैं. अगर कभी यह कमेटी फैसला न कर सके तो मज़दूर खदाबतों को वह मामला सुपूर्व कर दिया जाता है.

मुनाफे की गारन्टी और सरकारी सहयोग के कारन पंजी पतियों में ईमानदारी और देश मिनत की भावना पैदा हो गई है. मज़दूर और माजिक दोनों को अपना अपना जायज़ इक मिल जाता है. बैंक का सूद कम हो गया है. इस कारन लोग उद्योगों में अपनी पूंजी लगाते हैं. स्वदेशी की भावना इतनी तेज़ हो गई है कि चीनी विदेशी माल के इस्तेमाल की नीची नज़र से देखने हैं. यही कारन है कि वह स्वावतास्थी हो गय हैं और दिन दूनी रात चौगुनी तराक़ी कर रहे हैं.

---गुजीब रिजवी

مِيَّا لَيْمُنَى لِيهِ سَبِ لَكُونِ مِهِن يَهِمَّى يَمُكُمَّى يَمَاوَنَا اللَّمَّى يَهُرُ كُلُى هِمَ كَدَ لَكِ المِكَ كَفَالِّرُولَ كَيْفُرُورِتْ نَهِمُن وَا كُلُّي،

الله (8) سرکار پاؤار پر هر وقت دههان رکیعی هـ . حَوْنِیَاں بهی کسی جهیز کی کسی هوئیسرکار خود مال خوید کر آس جاکه پیونجها دیعی هـ . اس سے بهاؤ ایک سا بقا وفتا هـ .

(9) پہنے کے دلائی ستم بازی کا سرکار نے بالکل خاتمہ کر دیا ہے ، چین میں یہ بیریار ٹیمیں ہو سکتا .

(10) سراار لے جاتا کی مالی حالت دوست کر دی ہے ۔ کسانوں کو ایلی ایلی زمین ال گئی ہے ، وہ وہ دی ہدا کرتے ہیں ۔ ان کے مال کی یکوی کا بھی اجھا یہ یہدھ ہے ۔ چونکہ ان کے جہب میں پیسہ ہوتا ہے اس لگے وہ زیادہ سے زیافہ سامان خریدتے ہیں ۔ چونکہ زیادہ یمدا کرتے ہیں ۔ یکوی ہوتا ہے اس لگے کارخانے زیافہ یمدا کرتے ہیں ۔ اب چیلی دکانداروں کے پاس ہو سے اور ہو موسم میں کامکوں کی بھی دی دھی ہے۔

مقائم کی گارنگی اور سرکاری سیهوگ کے کارن پوئنجی پھیوں میں ایدانداری اور دیش بھکتی کی بھاونا بھدا مو کئی ہے ، مردور اور مالک دونوں کو ایقا ایقا جاگز حتی مل جاتا ہے ، پھلک کا سود کم هوگها ہے ، اِس کارن لوگ اُدیوکوں میں ایلی پوئنجی لکاتے ہیں ، سودیشی کی بھاونا اِللی تیز ہو گئی ہے کہ چھتی ردیشی مال کے استعمال کو تیجی نظر سے دیکھتے ہیں، یہی کارن ہے کہ وہ سوارلمجی ہو گئے میں اور دن دونی وابعہ چونگی ترقی کر رہے ہیں.

سمجهب رقبوي

श्रद श्रद में सरकार ने एक बढ़ी रक्षम सरकारी क्षाणा में अक्षय कर ही थी. जहां किसी कारवाने के माल की क्रिकरी से कोई कारणन हार्ड सरकार ने बाजार भाव वस मास को सरीव किया. कभी कभी तो बकार भाव से भी व्यक्ति दाम सरकार देती थी.

(ii) सरकार ने पीपुल्स बैंक से बड़े बड़े करना रेकर भी कारजानों की बड़ी मदद की. कीमिन तांग के जमाने में रोजाना सुर कई कई फीसदी होता या और दर इर बंडे बदब जाता था. नई सरकार के आने पर सन '49 में सद का दर 66.5 की सदी महीना था. सन् 1950 के शक्त में यह दर घट कर 23.5 की सदी हो गया. जून सन 1950 में कुल 3 फीसदी महीना ही सूद रह गया. अब बचीरा धन्यों संबन्धी क़रचों का दर 1:05 और 1:65 फी खबी के बीच में रह गया है.

(iii) सरकार ने एक अच्छी टैक्स पाखिसी अपनाई भीर क्यान बसोट तरीक़े को छोड़ दिया. इस पालिसी मे सकत सवास रखा गया. टैक्स के दर आम तरीक़े से पंजी पति देशों के सुकावले में कम हैं. न्योपार के सुकावले क्वोगों पर कम टैक्स है. जहरी सामानों पर ग़ैर जहरी सामान के मुकाबले में कम टैक्स है. 5 भी सदी से लेकर 80 की सबी तक टैक्स लगाया जाता है. सास सास बीजों कीर क्योगों पर टैक्स में कट भी भी जाती है.

मशीन बनाने वाले कारलानों और कीयला लोहा वैदा करने वाले कारजानों को 10 से 40 फी सदी तक इट मिलती है. वह सामान जिनसे जतना का मनोरंजन होता है इसनी ही खब पाते हैं. घरेल घन्यों के साथ टैपस बरीरा में जास रिकायत की जाती है.

(6) चीन के ब्योपारी रिदायल देने और वेईमानी करने में महाहर थे. सरकार ने "सान फान" बान्दोलन बलाया. केंद्रेसाली के सारे इयकन्डों की तसवीरें बनवाई और उनकी जराह जराह प्रवृशीनी की. इस तरह जनता यह समझ गई कि किस किस तरह बेईमानी से उसको सदा जाता है और वह होशियार हो गई. इस संबन्ध में बहुत से ब्योपारी पकड़े गय, लेकिन कल एक फी सदी पर मुक्रवमा चलाया गया. सरकार का मक्रसर उनको सजा देना नहीं या बल्कि उन्हें स्थारमा था.

(7) चीन के सारे वघीगों का आधार मुनाफा नहीकर झारधी हैं. आर्मी की युनाके का साथन नहीं बनायां गया बारिक हर काम आदमी की बेहतरी के जिये किया जाता है. केल काराज के सामानों को कोई महत्व नहीं दिया जाता. महरत की बीजें वैदा करने का हर एक को ब्यान रहता है. बरबार में पासे इस संबन्ध में पूरी देश रेश की और केलबाद से विकालिंग में कारकाने दारों की समाह असन्य

الگُ الرَّاسِ تهم ، عميان کسي الرحالة كه مال كي يكري مهن گوٹی آونھن ھوٹی سرکار نے بازار بھاؤ اُس مال کو غرید لیا . کیمی کیمی تو بازار بهاؤ سے بھی ادھک دام سرکار دیکی تھی۔ ۔

(ii) سرکار نے پھھلس بھٹک سے بوے بوے قرض دےکر بھی کارخانوں کی ہوی مدہ کی ۔ کوملتانگ کے زمالے میں روزانه سود کئی ککی فیصدی هوتا فها اور در هر کہنگے بدل جاتا تھا ۔ نکی سرکار کے آنے پر سن 49' میں سود کا در 66.5 فی صدی مهیشه تها. سن 1950 کے شورم مهر يَه در كهمك كر 28.5 في صدى هوكها. جون سن 1950 میں کل 3 فیصنی مہیقہ هی سود وہ کیا ۔ اب آدیوک دمندون سنهندهی قرضون کا در 1.05 اور 1.65 فیصنی کے بھچے میں رہ گیا ہے ،

(iii) سرکار نے ایک اجھی ٹھکس پالھسی ایفائی اور کنن کیسرت طریقے کو جھوڑ دیا، اِس پالیسی میںسب کا خهال رکها گها ، تهکس کے در عام طریقے سے پرسجی یعی دیھوں کے مقابلے میں کر ھیں ، بدوبار کے مقابلے میں اُديوگوں۔ ڀر کم ٿيکس هے ، ضروري سامانوں پر فهر ضروري سامانیں کے مقابلے میں کم ٹیکس ہے، 5 فیصدی سے لے کو 30 في مدى تك تهكس لكايا جاتا هـ . خاص خاص جيزين أور أديركون پر تيكسمين جهوت بهي دي جاتي ۾،

مشهن يقالي والي كارخانون أور كوثله لوها يهدأ كرني رالے کارخانیں کو 10 سے 40 فیصدی تک چھوٹ ملتی ہے۔ وہ سامان جن سے جفتا کا مقورنجین هوتا ہے أتقى هى جهوت یاتے عیل ، گهریلو دهندوں کے ساتھ ٹیکس وفیرہ میں خاص رمائت کی جاتی ہے ،

- (6) جیس کے بھریاری رشوت دیشہ اور بے ایسانی کرنے میں مھیور تھے . سرکار نے السان فان" آندولن جالیا۔ ہے ایسانے کے سارے ماتھ کفکوں کی تصویریں ب*قوائی*ں اور ان کی جگہ جگہ پردوشنی کی ۔ اس طرح جلتا یہ سنجہ کئی که کس کس طرح بے ایمانی سے اُسکو لوٹا جاتا ہے ارر ره هرفهار هو گائی، اِس سمیلده مهن بهمت سے بهریاری بعري كلى الهعين قل أيك في مدى ير مقدمه جانيا كيا. سركار كا مقصد أنكبو سؤا هيفا نهيس تها يلغه ألههس سدهارنا تها .
- (٦) بههی کے سارے أهيوكوں كا أفتحار مقافع ند هو کر آدمی ہے ۔ آدمی کو مقافع کا سادھی نہیں بقایا گیا بلکه هر کام آدمی کی بہتری کے لکے گیا جاتا ہے . میص آرام کے سامانیوں کو کوئی مہتو تبھی دیا جاتا ، ضرورت کی جهزیں بیدا ارنے کا هر ایک کو دههای رهتا هے . سرکار نے اہلے اس سمیشوہ میں پوری طیکو ریکو کی اور عدارار کی بانکای میں کارخانے فاروں کو صلے معیود

पुषरेनके के बार के बोनस और बावरेक्टरों के बेतन पर 60 की सदी खर्च हो. 15 की सदी से कम किसी स्रत में हाईजीन और सकाई पर न खर्च किया जाव. 15 की सदी और कससे जियादा मखदूरों की बेहतरी और उनकी इनाम बरीदा की मद में दिया जाय.

मजबूरों को वसी रेट के मुताबिक बेतन मिलता है जो सरकार ने मुक्करर कर दिया है. इसमें किसी स्रत गड़बड़ नहीं हो सकती.

चीन के एक मजदूर की तनका कम से कम सी क्या है. यह तनका रास्ते के भाव के आधार पर तय की जाती है. जिसनी मंहगाई बहती है उतनी तनका भी वह जाती है. इस तरह मजदूर की कभी दिक्कत का सामना नहीं करना पढ़ता.

मंजदूरों को तीन कार साना मिलता है. साने की लागत का आधा हिस्सा कारजाने को अदा करना पड़ता है.

कारकाने की तरफ से मजदूरों को रहने के जिये मुक्त मकान मिजते हैं. मजदूरों कौर उनके खानदान वालों का इलाज सुक्त होता है. इस इसाज में टानिक बरौरा भी शामिल हैं. इनजकशन भी सुक्त लगाए जाते हैं. डाक्टर की सिकारिश पर कमज़ोर मजदूर को शांक्त पहुँचाने बाला खाना भी बिना दाम दिया जाता है. खारान करने के लिये कैम्प होते हैं. इनमें मजदूरों को हर तरह की सुविधाएं दी जाती हैं. हर साज तनखा समेत उन्हें एक महीने की खुट्टी मिलती है जिसमें वह इन कैम्पों में जा कर भाराम कर सकते हैं.

मजदूरों को अपने बच्चों की तालीम के जिये कुछ नहीं देना पड़ता. उनको भी ताजीम दी जाती है. कारजाने में उन की शिक्षा का पूरा प्रवच्च होता है.

सारे कारकानों में दिक्ष बहलाव का प्रबन्ध होता है. मजदूर केंसते कूदते, नाचते गाते और दूसरे मनोरंजन का आनम्द सेते हैं.

हर कारखाने के सबसे अच्छे मजदूर को ''लेबर हीरो" की उपाधि दी जाती है और उसका राष्ट्र मर में वह भादर किया जाता है जो किसी जमाने में रायबहादुरों भीर खानबहादुरों का हमारे देश में हुआ करता था.

- (5) बीनी सरकार उधोगों को पूरी सहायता देती है. जिस कारकाने के हिस को बचाने के लिये जितनी रचा की जल्दत होती है सरकार उसकी अतनी ही देख रेख करती है. सीचे विक्षी सहायता सरकार कारकानों को हेती है.
- (i) सरकार करवा मास सपताई करती है, विकरी के सामन अकासी है और समाने की गारकी करती है.

المنظمة المنظ

مودوروں کو آسی ریت کے مطابق ریکن ملکا ہے جو سرکار کے مقرر در دیا ہے ، اِس میں کسی صورت گوہو تیہیں ہوسکتی ، چھن کے ایک مودور کی تقطواہ کم سے کم 100 روبھتے ہے ، یہ تنظواہ علیہ نے بہاؤ نے آدھار پر طے کی جاتی ہے ، جکتی میکنار پرمتی ہے آلئی می تقطواہ بھی بڑھ جاتی ہے ، اِس طوح مؤدور کو کیمی دفت کا سامنا تیہی کوتا ہوتا،

مودوروں کو تین وابت نہانا ملکا ہے۔ نہائے ٹیالکت کا آٹیھا حصہ کارخانے تو ادا کرنا ہوتا ہے ،

کارخانے کی طرف سے مزدوروں کو رہلے کے لگے ملت فتین ملیے عیں۔ مؤدوروں اور اُن کے حاندان و لوں کا علیے مقمت عولا ہے۔ اِسعالی میں ثابت وقورہ یہی شامل عیں۔ التحکشن بھی مقت نگائے جاتے عیں ۔ ڈانٹر کی سفارش پر شورر مزدور کو شکتی پیونتھانے والا کیانا بھی بقا دام دیا جاتا ہے ۔

آوام کرنے کے نگیے کیسپ ہوتے میں ، اُن میں مؤدوروں کو ہر طرح کی سوودھائیں نئی جاتی میں ، ہر سال تقطوالا سنیت اُنہیں ایک مہمانے کی چیٹی ملعی ہے جس نہیں ولا اُن نیمیوں میں جادر آوام کرسکتے میں ۔

مودوروں کو آبھ بھورں کی تعلیم کے لئے کھی نیمیں دیا ہوتا۔ آن کو بھی تعلیم دی جاتی ہے ۔ کارخانے میں آب کی معمد کا ہورا پربلدہ ہوتا ہے ۔

سارے کارکانوں میں دل بہلاؤ کا پربندھ ھوتا ہے ، مؤدور فھیلاتے ٹودتے' ناچنے گاتے اور دوسرے مدورنجس کا آنلد لیتے میں .

ھڑ کارشائے کے سب سے اُچھے مردور کو 'الهیر مهرو'' کو اُھادھی دی جاتی ہے اور اُس کا راشائر بہر میں رہ آدر کھا جاتا ہے جو کسی زمائے میں رائے بہادروں اور خان بہادروں کا ممارے دیھی میں ھوا کرتا تھا ،

- (5) چیقی سرکار اُمیرگوں کو پوری سیالگا دیگی ہے۔ جس کارحالے نے ہمک دو بجالے نے لگر جملی رکھا کی ضرورت ہوتی ہے سرکار اُس کی انکی ہی دیکھ ریکھ کوٹی ہے۔ مہنچے لکھی سیالگا سرکار کارحابوں کو میگی ہے :
- (i) سرکار کنویا مال سیائی کرتی ہے؛ یکری کے سامعی جگائی ہے کور مقامع کی گرفٹی کرتی ہے۔

283

(2) बीन में "पूर्णता" और जुबस्रती को बाद का बुर्जी विया गया और पहरत का लिहाज पहले रक्ता गया:

ख्वाजा बहमद अन्य स को एक इनजीनियर अपनी कर्नाई जीप दिस्ता रहा था उसने कहा जीप तो बन गई पर भौडी सी है. ख्वाजा अहमद अन्यास ने उत्तर दिया—नहीं ठीक है. उस चीनी ने इस कर फडा—इम जानते हैं कि यह खुबस्रत नहीं है. पर यह चलती है, काम निकाल देती है और हमें फखर है कि इसे चीन ने खुद बनाया है. दो थार साल में हम इसे खुबस्रत भी बना लेंगे. यह स्वदेशी मावना उनको आगे बहाती है.

(3) चीनी सरकार की अपने ऊपर और जमता पर विश्वास है. उन्हें बक़ीन है कि वह सब कुछ बिना अमरीका की मदद के बना सकते हैं. जहां चाह होती है बढ़ां राह निकल आती है. उनके पास "हाथ" हैं और वह हाथ का पूरा इस्तेमाल करके जादू जगाते चले जा रहे हैं.

(4) जीन में इजारेदारी नहीं जल सकती. वहां पूंची और मजदूरी दोनों के हित का रक्शा की जाती है.

अगर उद्योग पति मजदूरी की दर, सफ़ाई, रक्षा और मखदूर संबन्धी कानुनों की पावन्दी करते हैं तो उन्हें भारी से भारी फायदा डठाने का चीन में इक हासिख है. इर तरह की सुविधा दी जाता है कि कारखाने कायदा कमार्थे, उरपाइन बढ़ायें और देश को माला माल करें. जब तक पूंजी पति क्योपार में वेईमानी नहीं करते और सरकारी पासिसी और क्रामृत का क्लंघन नहीं करते तब तक उनका जुनाका सुरश्वित है, उसे कोई आंच नहीं आ सकती. चीन में इस से के कर तीस की सदी तक मुनाका कमाया जा सकता है. क्रान्ट कोई प्लीपति ईमानदार ढंग से लागत कम कर ले और सारे फ़ार्नुनों की पावन्दी करते हुए और गाहकों के हित का भ्यान रखते हुए इससे भी । जयादा फायदा कमा से तो भी इस मुनाफ़े पर कोई रोक नहीं है. मुनाफ़े की वह दर पंजीपति देशों से भी फियादा है—हमें पूरा यक्तीन है कि हिण्दुस्तान का पंजीपति भी कांगरेस सरकार के सुक्कावते में चीन की कमयुनिस्ट सरकार का स्वागत करेगा. क्षरकार न केवला कच्चा माल सपलाई करती है, पूंती क्यार देती है और वूसरी सहायता करती है बल्क मुनाके की गारल्टी भा करती है. सरकार की एक ही शर्त है कि चीच चडडी होनी चाहिये.

सुनाके के बंटवारे पर रोक जरूर है: (1) पिक्रती बटीती पूरा करने चौद टैक्स खदा करने के बाद जो मुनाफा क्षेत्र बसका 10 की सदी रिजब करूर में बाल दिया जाव. (2) सुनाके का 8 की सदी से जियादा माग हिस्सेदारों की काविया जाय. (3) इस सदावनी के बाद जो रक्षम की काविया जाय. (3) इस सदावनी के बाद जो रक्षम (19) جُمَان حين " يُورَكنا " أبو غرمسيتى في يعد كا غوجه ديا كيا أور فيروت كا لتماط يبلي رقبا غيا :

خواجد الصداعهاس كو ايك المجلور اينى بدالى جوب دولها وما تها أس له المجوب تواني كلى يو بهونكي سى و خواجه أحدد هجاس في أو دياستهون تهيك هي أو همهو جهاني في هذا يه خوبصورت نهدن هي أو همهو نام الكال ديتى هي أو همهو نام هكال ديتى هي أو همهو نام هكال ديتى هي أو همهو نام هم أبد خوب بدايا هي ، دو جار سال مين قطو ها كه أبد خوب بدا لهن كي ، يه سولايهى بهاؤنا أن كو أكر يوماتى هي ،

(8) چھٹی سرکار کو آپ اوپر اور جفتنا پر وشواس ہے۔ اُنہمیں یقین ہے کہ وہ سب کچھ بنا اسریکہ کی مدد کے بنا سکتے ہیں ۔ جہاں جاء ہوتی ہے وہاں راء نمل آتی ہے ، اُن کے یاس ''ھاتھ'' ہیں اور وہ ھاتھ کا پورا استعمال کر کے جادو جکاتے جلے جا وہے ہیں ۔

(4) چھوں میں اجازہ داری تیمی چل سمعی ۔ یہاں پرنجی اور مزدوری دولیں کے ست کی رکھا کی جاتی ہے :

اگر آدیوگ پتی مزدرری کی در' صفائی' رکشا اور مزدور سمیقدهی قامونوں کی پایفشی کرتے هیں تو انهیں۔ یہاری سے بھاری قائدہ آتھانے کا جون میں حق عاصل ہے . هو طرم کی سودھا دہی جاتی ہے که کارخانے قائدہ سالھر ا انهادين بوهالهن أور ديش دو مالا مال درس . جب تک پونجی ہاتی بھوہار میں ہے ایمانی بہیں درتے اور سرکار کی پالهسی أور قانون کا الفکون نهیس درتے قب لاب ادکا منافع سوكشمك هـ أبير كوني انبي نهين أسكتي . چين میں دس ہے لے کر ٹیس فی صدی تک سفاقم کیایا جا سكتا هي ، أثر كوني يوبنجي يعي ايماندار قامدك سے لاكت کم کر لے اور سارے قانونوں فی پیعدی درتے هونے اور المعین کے محت کا دمهان رکھتے هونے اُس سے بھی ریانہ قابدہ شالے تو بھی اُس معاقع ہو دوئی روک مهمی هے ، مغافع فی ہے در پرنجی پاکی دیشوں سے بھی زیافہ ہے۔۔ همیں پورا یتیں ہے که مقدستان کا پونجی چنی بھی کانٹریس سرفار غ مقايلے ميوں چھون كى گمهوسست سركار كا سوائمت دريكا . سوكار فعا كَيْبِولِ فَعِينًا سَالَ سَيَالَيْنَ دُولِي هِمَا يُوسَعِي المعاوِ فيتى هـ أور غوسون سهائكا فونى هـ ينكه مقافع في لأركلي بعى كرتي هي رسوفار في ليك في شرط هـ ته جهور الجمي ھوتى چاھگے ۔

W LJ

वह पैदाबार की सागत में जोड़ दिया जायता और की जें महंगी हो जायंगी. जो रक्षम मजदूर को मिली भी वह इस तरह हमारे पास किर बाजायगी. मजदूर को तो बहुत नुक्रसान नहीं होगा लेकिन किसान का तो जेब ही कट जायगा.

इससे पहले कि इम चीन की कामयान नीति पर रोशनी डालें यह जरूरी है कि सन '49 से पहले की परिस्थिति को समम लें. कोमिनतांग के राज में चीनी उद्योग जन्दे छिज भिज पड़े थे. घरेल लड़ाई और बड़ी जंग ने उनकी कमर और भी तोड़ दी थी. 1947 में शंघाई के 5418 कारखानों में से जुल 582 किसी स्रत काम कर रहे थे. जिस वज़्त मीजूदा सरकार ने इकूमत की बाग डोर संमाली तो दिन सिन के 70 की सदी, किंग ताओं के 50 की सदी, केन्टन के 30 की सदी कारखाने बन्द पड़े थे. देश में इर चीज की कमी थी और बंदलों नोट से दियासाई का एक दाना मिलने में भी दिक्कत होती थी.

सरकार ने बाग डोर संमालते ही यह पालिसी तय की: "उन सारे कारखानों को जो कि देश के माली डांचे को मजबूत करते हैं और जनता के रहन सहन के स्तर को अंचा उठाने में मददगार हैं सरकार प्रोत्साहन देगी कि वह पूरी ताक़त से पैदाबार बढ़ाने में लग जायं और उनकी हर तरह से मदद करेगी." इसके बाद सरकार ने निजी कारखानों पर शंकुश रखने के लिचे एक देगुलेशन पास किया. इस देगुलेशन में प्रोत्साहन दिया गया था कि लोग निजी कारखानों में पूंजी लगाएं, उनको जायज मुनाके की गारन्टो की गई थी और मुनाके के बंटवारे का दर तय किया गया था.

चीन में चाज दो तरह का क्योपार है: एक सरकार के क्रबज़े में है और दूसरा प्राइवेट हाथों में. पर इन दोनों में टक्कर नहीं होती बल्क दोनों सहयोग करते हैं. कोयला, विजली चौर स्टील के कारखाने सरकार के हाथों में हैं. इनमें कोई निजी पूंजी नहीं लगी. दूसरे उद्योगों में निजी पूंजी लगी है चौर सरकार उसकी सहायता करती है. आज निजी कारखानेदार खुदा हैं चौर हमेशा से जियादा चौर ईमानदारी से कायदा कमा रहे हैं.

इस परिवर्तन को समम्मने के लिये जरूरी है कि हम पीनी सरकार की नीति की समम्म लें:

(1) नई बीनी सरकार ने सामराजियों की खट से अपने को बचा लिया और उनकी माली ग्रह्मामी के जुए को उतार फेंका. सामराजियों ने उसकी हराया धमकाया और नाकावण्डी भी की. पर इन सब कारवाइयों से बीन को और रीसला हुआ कि वह अपने पैरों पर खड़ा हो जाय. अमरीबा ने जिलने आख मुने बीनियों ने उतना ही उत्पादन और बहाआ?

وَهَ يِهِهَا أُواْهِ كَىٰ لِكُمْكَ مَهِنَ جَوْرٌ فَيَا جَالَيْكُا أَوْرَ جَهَوْيِنَ مَهَاكُى هَمِهَالُونَ كَي. جَوَ رَقَمَ مَوْدُورَ كَوَ مَلَى بَهِي وَهُ إِسْ طَارِحِهَا إِنِهِ يَاسَيُ يَهُورٍ أَجَالِهِ كَي . مؤدورَ كَوْ تَوْ يَهِتَ بَنْصَانَ نَهِهِنَ هُوكًا لَهُمُنِ كَسَالُورُ كَا تَوْ جَهِبٍ هَى كَنْكَ جَالُهُ كَا .

اِس سے پہلے کہ هم جهون کی کامیاب بھتی پر ورشئی گانیں سے فہروری ہے کہ سن 49 سے پہلے کی پرستھتی کو سمجھ لیس ، خوملیتانگ کے راہ میں جیلی اُدھوگ عملات جھن بھی پڑے تھ ، گوریلو لوائی اور بچی جنگ نے آبی کی ضر اور بھی تور دی تھی، 1947 میں شاکھائی کے آبی کی ضر اور بھی تور دی تھی، 5418 کسی صورت کام کر رہے تھے ، جیس ولت موجودہ سرکار نے حکومت کی باک قور سفیمائی تو تھی سین کے 70 فیصدی کارخانے بلد پڑے قیمیشی صدی نینڈن نے 30 فیصدی کارخانے بلد پڑے تھے ، دیھی میں هر جھیز کی کئی تھی اور بلقانوں توت تھے ، دیھی میں هر جھیز کی کئی تھی اور بلقانوں توت سے دیا سائی کا ایک دات مللےمیں بھی وقت ہوئی تھی،

سولار نے باک قور سلبھالتے ھی یہ پالیسی طے کی :

اور سارے کارضاس دو جو که دیش کے سالی تھاسچے کو مقبوط درتے ھیں اور جلتا کے رھن سپن کے استر کو کو مقبوط درتے ھیں اور جلتا کے رھن سپن کے استر کی ولا پوری طاقت کے بیداوار بوعانے میں لگ جائیں اور اُن ھو طرح ہے صدد کرے گی .'' اِس نے بعد سرکار نے سچی کو خاتیں پر انکھی دیائی کی ایک دیکونیشن پاس کیا، کو خاتی سا کہ لوگ نمچی کی ایک دیکونیشن پاس کیا، ایک دیکونیشن پاس کیا، ایک دیکونیشن پاس کیا، کو خاتی سافع کی کو خاتی سافع کی گونگانی کی گئی تھی اور سافع کے بتوارے کا در طے کیا گیا تھا .

بهیتی میں آج دو طرح کا بھوبار ہے: ایک سرکار کے قبضہ میں ہے اور دوسوا پراکھویت ھاتھوں میں ، پر اُن مونیں میں گر اُن کونیں میں گر نہیں ھوئی بلکہ دونوں سپھوگ کرتے ھیں، کرائے کا بھائے سرکار کے ھاتھوں میں گرائے اور اسٹیل نے کارشائے سرکار کے ھاتھوں میں موسوے آھیوگوں میں نجی پونجی تونجی تیوں لگی ، دوسوے آھیوگوں میں نجی پونجی کار کے اور سرکار اُس کی سپائٹا کرتی ہے، آج نجی کارشائے دار خوش ھیں اور ھیھے سے بہادہ اور ایمانداری سے قائدہ کما رہے ہے ،

اِس پرورتی کو سنجھلے کے لگے ضروری ہے کہ ہم چھلی سرکار کی تھائی کو سنجھ لھی :

(1) نکی چھٹی سرائر نے ساسراجھوں کی لوٹ سے اپنے کو پیچا لیا اور ان کی مالی قلامی کے جوئے کو آفار پھھٹکا ، ساسراجھوں نے آس کو قرایا دھمکیا اور باکہ بلقبی بھی کی ، پر اِن سب کاروائھوں سے چھوں کو اور حدومات ھوا کہ پھروں ہو کھڑا دو جائے، اسریکہ نے جاتمے جاتے جاتے جاتے ہا۔ بھھٹوں نے آئٹا ھی اِتھادی اور بوھایا ،

महीं देती. इक कारखानेवारों ने सरकारी मशीन पर क्रमचा जमा लिया है और सरकारी सहायता बनकी इजाया-दारी हो गई है. इस इजारेदार गुट से जो उद्योग पति अलग हैं वह वे साहारा हैं और मीत और जिंदगी के बीच सांस ले रहे हैं.

- (5) सरकार केवल इजारादार प्जीपतियों के हित का समाल रखती है और मजदूरों और झोटे झोटे कारखाने-दारों के हित को दुकरा देती है.
- (6) टैक्स पालिसी बहुत ही नाजायज है. सरकार मनमाने ढंग से उद्योगों पर टैक्स लगाती है. इजारेदार पुंजीपति टैक्स में घुटाला कर जाते हैं और इकार तक नहीं लेते. दूसरे उद्योग पति चूसे जाते हैं. उनका दिल रखने के सिये सरकार उन्हें बूट दे देती है कि वह मनमाने ढंग से मजदूर का शोशन करें और भाम जनता को लुटें.
- (7) आज की परिस्थिति में क्योपार में "ईमानवारी" का मतलब है जबरदस्त घाटा. बिना रिखत के एक तिनका भी नहीं दुलाया जा सकता.
- (8) इमारे उद्योगों का आधार है "मुनाका". आदमी केवल मुनाके का साधन है. इस कारन रोजनरी की प्राहरतों का ख्रयाल किये बिना वह चीजें हमारे देश में बनती हैं जिन पर विचादा मुनाका होता है. इस तरह बाम जनता के काम जाने वाले सामान पर जाराम तलबी के सामान को तरजीह दी जाती है. अगर कपड़े से जियादा मनाका सिपस्टिक में होता है तो हमारे उद्योग पति क्षिपस्टिक बताने लगेंगे.
- (9) सट्टा बाषी दाम चदाती रहती है. सरकार इस पर कोई रोक नहीं लगा पाती.
- (10) बीच के दलाल का युनाका बढ़ा जा रहा है और इस बदौती का भार जनता के कन्भों पर पड़ता है.
- (11) जनता की माली हासत खराब है. उसके पास माल सरीवने के लिये पैसे ही नहीं हैं तो माल विके कहां. इसारी सरकार न तो अपने उद्योगी सामानों के लिये देशी मारकेट में खुशहाली पैदा कर सकी और न बाहरी गुरुकों में उनके लिये कोई बाजारव ह पाई.
- (12) मज़दूरों के हित का विककुल स्वयास नहीं रखा जाता. सरकार ने लेकर इन्त्योरेन्स क्रानून बनाए हैं. पर इससे मजदूरों को कोई लाभ नहीं हुआ. कानपुर के एक कांतरेज उद्योग पति ने अपने एक तेका में जिला थाः सरकार हम से पाहती है कि हम मजदूरों को जिनादा मुजबूरी हैं, वन्हें बासानियां हैं, वन्हें तेयर इन्स्वीरेन्स की सविषाएं दें, इसमें इमारा कोई शुक्रसान नहीं है. इस अपने कायदे में से तो कीवी कम नहीं करेंगे. रहा यह अर्थ को

نهیں دیکی، گچه کارگالے فاروں نے سرکاری معین پر قبضه جما لها هم أور سركاري سهالتا أن كي لجاربداري مرككي هي . اِس اجارے دار کت سے جو اُدیوک پائی الگ میں وہ یے سہارا ھیں اور موس اور زندگی کے بھیے سانس لے رفے ھیں۔

- (5) سرکار کھول اجارہ دار پونجے پاتھوں کے همت کا خهال رکهای هے اور مودوروں اور جهوتے جهوتے کارخاته داروں کے مت کو ٹھکرا دیتی ہے ۔
- (6) تيكس كي بالهسي بيمت تاجائز هي سركار من مائے ڈھنگ سے اُدیوکس پر ٹیکس لکاتی ہے . اجارےدار پرنجی یعی تهکس میں گھٹالا کر جاتے میں اور ڈکار نک نبهن لهني. دوسرے أديوك يتى جوسے جاتے هيں . أن كا دل رکھنے کے لئے سرفار أنهيں جهوت دے ديتى هے که وہ من مانے قعلک سے مزدور کا شوشن کریس اور عام جلعا
- (7) آج کی پرستعمی میں بھریار میں "ایمانداری" کا مطلب ہے وبودست گھاٹا، بنا رشوت کے ایک تلکا بھی بهين قاليا جاسكتا .
- (8) همارے أديوگان كا أدهار هے "مقافع"، أدم كهول " مقافع 😘 کا سادھی 🚛 , اِس کارن روزمرہ کی ضوررتوں کا خیال کئے بھا وہ چیزیں ممارے دیمی میں بلتی میں جن پر زیادہ مقافع ہوتا ہے ، اس طرب عام جلتا نے کام آنے والے سامان پر آزام طلعی کے سامان کو ترجیم دی جاتی ہے ، اگر دیوے سے زیادہ مقافع لی استک میں هوتا ھے تو مدارے اُدیوک یتی لب اسٹک بنانے لکیں کی
- (9) سکه بازی دآم جوهانی رهتی هے ، سرکار اُس ہر کوئی روک نہیں لکا پاتی ،
- (10) بہتے کے دلال کا مذالع بوھا جا رہا ہے اور اس بوهوتی کا بهار جلتا کے کلدعوں پر ہوتا ہے .
- (11) جنتا کی مالی حالت خراب ہے ۔ اس کے پاس مال خویدنے کے لئے پہسے هی نہیں هیں تو مال بکے کہاں ۔ هماری سرکار نے تو اپنے اُدبیرگی ساسانوں کے لکے نیشی مارکت مهل خوهصالی پهدا کر سکی اور نه باهری ملکس میں آن کے لئے کوئی بازار ڈھونڈھ باکی ،
- (12) مؤدوروں کے جب کا بالکل خیال نہین رکھا جانا ، سرائر نے انهبرانههورنس قانون بدائے هیں ، پر اِس م مردوروں کو کوئی لایہ نہیں ہوا ، کانہور کے ایک انکرینز أنبوك يعى في أفي أيك إيامه مين لكها تها : سركار هم ہے چاہتی ہے کہ هم مزدوروں کو زیادہ مزدوروں دیں انههں أسانهان دين المهين ليموانهمورنس كي سيدهالمن دين . اس ميں هياوا فيكي تعصابي تهين عد . هم ابھ قائديد میں سے تو عبوبی کم نہمن کرمن کے ، رما یہ خوبے سو

- (2) बामरानी देशों की बाबिक ग्रतामी से बाजाद होने का मतलब है कि उनसे दुशमनी मोल ली जाय. इस दुशमनी का विचार करके वह मरकार कांप उठती है. बढे वर्षे विम्मेदार सरकारी लोगों का कहना है कि वह इस वक्रत इस परिस्थिति में नहीं हैं कि सामराजी बट से ब्रुटकारा पा सर्कें. वह फौरन ईरान की मिसाल सामने रख देते हैं. उनका कदना है कि इस बरें का छता नहीं क्षेत्रना चाहते. धीरे धीरे हम क्षुटकारा पा लेंगे. लेकिन इटकारा हासिल करने के वजाय वह और जियादा से जियादा रिश्रायतें बाहरी पूंजी को देते जाते हैं और ऐसी शरमनाक शरतों पर करफें लेते जाते हैं जो किसी देश की भी सोमा नहीं देतीं. यह ही वह विचार है जिसके आधार पर इमारी सरकार विदेशां ज्योपार करती है.
- (2) "जरूरत" का लिहाचा बाद में रखा जाता है क्रीर "खुबसुरत।" का पहले. जो चीपों भी हम बनाएं वह सुबसुरत हों, "परफ्रेक्ट" हों और धमरीका से टक्कर लेती हों. पर इस स्तुर को पेवा करने के लिये मशीनों की जरूरत है. यह मशीने अमरीका ही दे सकता है. इस लाजन में हम उसके पीछे जूमते रहते हैं और उसे सहा करने की कोशिश करते रहते हैं. पर अमरीका वाले पिचल के नहीं देते. ऐसे वह बेवक़्क भी नहीं हैं. वह जानते हैं कि चीन के बाद हिन्दुस्तान ही उनकी सबसे बड़ी मंडी है. अगर हिन्दुस्तान में सामान पैदा होने लगा तो अमरीकी माल संब जायगा.
- (3) इमारी सरकार को अपनी जनता और उसकी बुद्धि पर विश्वास नहीं है. वह यह ग्रुमान ही नहीं कर सकती कि "हिन्दुस्तानी" भी इस याग हैं कि अगर उन्हें साधन दिये जायं तो जरूरत को पूरा करने के लिये लगभग वह हर सामान बना सकते हैं. यह बात हमारे नेताओं की समझ से परे है कि मशीन का ठोंक पीट के किसी आदमी ने ही बनाया या और फिर उस हाथ की मशोन से आज की सारी मशीनें जनमी हैं. जो आदमी सदियों पहले अजीन बना सकता था आज वह ही आदमी फिर मसीन बना सकता है. जाहिर बात है कि इस तरह की चीचों "पराहेक्ट" नहीं होंगी, खुबस्रत नहीं होंगी लेकिन इसारी करूरत अवश्य पूरा कर वेंगी. कोशिश करके इस अन्दें खुबस्रत भी बना लेंगे और हो सकता है कि इस दीव में इस औरों से आगे निकल जायं पर इमारी सरकार के लिये अमरीका की मर्शानें आखरी हैं चौर उनसे चारो तरक्की की गुंजाइश नहीं है.
- (4) इबादी संस्कार उद्योगों का चूनता करूर है पर उनमें का का की काशिशनहीं करती कच्चा माल कोरा कैसे कारकार्यों की मिले, सरकार इस बात की महत्त्व

- (1) سامرآیمی فیفیل کی آرایک غامی سے آزاد هوئے المعالمية في كه أن سر دهماي مول لي جائر. إس دهماي المنظار كرك يه سركاو كالب أتهدى هي . بوء بوء فسعدا. سياقها البالين كا كهذا ها له ولا أس وقبت إس يرسعهعي ميون ليهن هيون كه سامراجي لرك س چهالكارا ا ياسكين . وه قوراً ایران کی مثال ساملہ رکه دیتہ هیر، أن كا كها ي كد هم برين كا جهده نههن جهدونا جاملي دمها عدهها ع هم جهد الله المرك لله المان جهد المامل درن ك يتعالى ولا أور زياده سے زیادہ ومالکیں ہامیں پرنسی کو ہمکے جاتے ههن اور ایسی شرمقاک شرطون پر قرض لهای جاتے ههن چو کسی دیش کو بھی شربها تہیں دیکھیں ، ایک ھی۔ ولا وبھار کے جس کے آدھار پر مباری سرکار ردیشی بھوپار گرتی ہے ،
- (2) "فرورس" كا لحاظ بعد مهن ركباً جاتا في أور الشويصورتي، كا يهلم ، جو جهزين يهي هم يفائهن ولا خوبصورت هرن ''پرفکت '' هون اور امریکه سے تکو لیکی ھوں۔ پر اس استر کو پہدا کرنے کے لئے مشیقوں کی ضرورت ھی یہ مقبلیں امریکہ ھی دے سکتا ہے، اس لالے میں هم اُس کے پینچم گھوستے رهتے هیں اور أسے خوش کرتے کی کوشش کرتے رہتے میں ، پر امریکہ والے بگال ہے نيهن ديي ، ايسم ولا يهولاوف يهي نهون هون ، ولا جانات میں کے چون کے بعد عقدستان ھی اُن کی سب سے ہوی ملكي هي . ألو هددستان مهن سامان بهدا هول لا نو امویکی مال سو جالے گا .
- (3) هماري سرکار کو اپلی جلتا اور اُس کی بدهی پر وهواس نههن هے , ولا يه گمان هي نهين درسکتي که «هندستانی» بهی اِس بوگ هین که اگر آمهین سادهن علے جاٹھوں تو ضرروت کو پوری کرنے کے لئے لیگ بھگ وہ هر شامان بدا سکتے هيں ، يه بات همارے نهتاؤں كى سمعهم سے پرے ہے که مشهن کو تهرنگ پیٹ کے کسی آدمی ئے ھی بدایا تھا اور پھر اُس ھاتو کی مشھوں سے آیے کی ساري مهيلين جلمي هين، جو آدمي مديون پهليمهين يها سكتا لها أم وهي أدمي يهر مشين بنا سكتا هي. ظاهر باس هے که اِس طرح کی جهوریں "پرفکمی" نهیں ھوں کی شویصورت نہیں ھوںکی نیکن ھماری ضوورت الهيه ۾وا کودين کي، کوشھ کرنے هم آنهين خوبصورت يهي بقالین کے اور عوسکتا ہے کہ اِس دور میں ہم اوروں سے آلے نکل جائیں، پر هماری سرکار کے لئے امریکه کی معیمیں أشرى هين لور أن سے آئے ترقی کی گفجائش بہیں ہے ۔
- (4) هماری سرکار اُدیرگوں کو چوسٹی ضرور ہے پر اُن مهن خبن ڈانٹے کی کرشف نیوں فرای ، کبھا مال ید و کھیں کارشانوں کو ملی سرکار اِس یاس کو میکو

نئے چین میں کارشانے

آمریکۂ کے آیک لیکیک تے جیس پر آیک کتاب لکھی تھی اور اُس کا نام رکھا تھا وجہالیس کرور کلمگ او اُسل کے لله "جهن أيك ملك نهم لها بلكه أيك ملكى تهي ، چهان أدمينين تم بلكه "كاهك" تم. جهوسيددهي کتاب کا اِس سے آبھیا تام ولا سبچ بھی تھیں سکتا تھا ۔ اِس میں کیٹی اجرے بھی تہمں ہے، چین سے میے طی سن 49 تک آمریکه، برط نبه اور جایان کی مقدی تهی. چهن کی کسی درکان پر چلے جائے' آپ کو درکان بهرمیون شاید هی کوئی چین کی بدی چیز مل سکی ، ید سامان قيولى سے جهوت يال بدراهوں سے اندر الے جاتے تھے . آخیر کے دانوں میں تو ایک امریکی کو هی کسام انسپعالو جفرل مقرر فردیا کیا تھا، لھکن سی 49 کے بعد یہ ملقی خاتم هوگائی . اس کی زبردست کهیم ه اور امریکه کی دل مهن ولا ولا كو تيس أتبعى هـ. يهي نهين كه جين في أمريكة أور دوسريه سامراجي ديشون كي لوت س اله كو يجا لیا بلکہ اس نے حود سب سامان بقانا شروع دردیا۔ دوکانیں سامانوں سے لئی ہیں' دن بھر کھکوں کی بھیج لكى رهعى هـ. لهكن أيكَ زبردست قرق هـ. أب أن دو تاس میں سارہ جھزیں چھن کی بلتی ھوتی ھیں ،

چھن أور هندستان كى آرائى مهى يہى انتر هـ. هندستان كى ياس چھن سے زيادہ كل كارخانے تعے يهر يهى آج هندستان كے يازار امريكى سامانوں سے يقے يوے هيں حوسرى طرف چھن خود هر چهنز بقالے سكا هـ أور جو چهنز وہ بهيں بقا أس كا يا أستعمال هى نهيں كرتا اور اگر ضوورت كے مطابق كرتا بهى هـ تو أبير ايلى آرائى بهي در بهيں مطابق كرتا بهي هـ تو أبير ايلى آرائى بهي در بهيں هـ حاصل كرتا، چهن ميں آمريكى مال كى كهيت فهيں هـ أور هندستان ميں آمريكى مال كو القا پرولساهن مل أور هندستان ميں آمريكى مال كو القا پرولساهن مل أور هندستان كي بها رها هـ. أور إن يائين كو سامنے ونه كر كمهينرتا بير يه سوچلى كى ضورت هـ كه چهن والى كيرس سوالمين كى طرف تيز أور أجران يائين كو سامنے ونه كر كمهينرتا بير يه سوچلى كى ضورت قيز أور خيكه بير يهندي والى كيرس سوالمين كى طرف تيز أور جيكه بير يهنوي والى كيرس سوالمين كى طرف تيز أور جيكه بير يهنوي والى كيرس سوالمين كى طرف تيز أور جيكه بير يهنوي والى كيرس سوالمين كى طرف تيز أور جيكه بير يهنوي والى كيرس سوالمين كى طرف تيز أور جيكه بير يهنوي والى كيرس سوالمين كى طرف تيز أور جيكه بير يهنوي والى كيرس الهني

هدنستانی اور چین کے اِس قاق کو سیمیدلی کے لئے فروری کے کہ هم دو کی سرکاروں کی بعثی کو اُچی طرح سمجہ لیں کینکہ سرکوی فرنٹی بیر هی ادروک دهندے اور احتیار پرمائی کے دو بھائے جین ، پیارت سرکار کی لیکی یک کے ڈ

नये चीन में कारखाने

बसरीका के एक लेखक ने कीन पर एक किताब जिसी की सीर उसका नाम रहा था "वासीस करोड़ गाहक." क्या के किये चीन एक मुल्क नहीं या बल्क एक मंडी थी. **दीनी बादमी नहीं से बहिक 'गाइक' थे. चीन संबंधी** किताब का इससे अच्छा नाम वह सोच भी नहीं सकता था. इसमें कोई अचरज भी नहीं है, चीन सबमुख ही सन 49 सक अमरीका, बरतानिया और जापान की मंडी थी. **चीन की किसी दुकान पर चले जाइये, आपको दुकान सर** में बाबद ही कोई बीन की बनी बीज मिल सके. यह जामान डियुटी से जूट पाय बन्दरगाहों से अन्दर साय जाते थे. आखीर के दिनों में तो एक खमरीकी को ही कसटम इन्सपेक्टर जनरल मुक्तरेर कर दिया गया था. क्षेत्रिल सन '49 के बाद यह मंडी सतम हो गई. इसकी जबरदस्त जीज है भीर अमरीका के दिल में रह रह कर डीस डठती है. यही नहीं कि चीन ने अमरीका और दूसरे सामराजी देशों की खूट से अपने को बचा लिया बलिक इसने जुद सर सामान बनाना ग्रुक कर दिया. दुकाने कामानों से लदी हैं, दिन भर गाहकों की भीड़ लगी रहती है, क्षेत्रिम एक जनरदस्त फरक है. अब इन दुकानों में सारी भीजें भीन की बनी होती हैं.

बीन और हिन्दुस्तान की आजादी में यही अन्तर है.
हिन्दुस्तान के पास बीन से ज़ियादा कत कारजाने थे
फिर भी आज हिन्दुस्तान के बाजार अमरीका सामानों से
परे वहे हैं. दूसरी तरक बीन खुद हर जीज बनाने लगा है
और को बीज बह नहीं बना पाता उसका या इस्तेमाल ही
नहीं करता और अगर शकरंत के मुताबिक करता भी है तो
इसे अपनी आजादी बेज कर नहीं हासिल करता भी है तो
इसे अपनी आजादी बेज कर नहीं हासिल करता भीन
में बाहरी माख की खपत नहीं है और हिन्दुस्तान में
अमरीकी माख को इतना प्रीत्साहन मिल रहा है कि वह
इसारे क्योगों को भा इजम किये जा रहा है, आज इन
हातों को सामने रक्षकर गम्भीरता से वह सोजने की ज़रूत
है कि बीन बाले क्यों स्वासम्बन की तरक तेज और सफल
क्रिया उठाने में कामयाब हैं और इम क्यों अपनी जगह से
पिन्ने हुई जा रहे हैं!

हिन्दुस्तान और पीन के इस फरक को सममाने के लिये पाइटी है कि हम होनों सरकारों की नीति को सक्ती पाइट सममा ते क्योंकि सरकारी नोती से ही उद्योग पाई और क्योंपार बढ़ते था सतम हो जाते हैं मारत

मान्ती परने के किसानों को चौर जियादा सहारा मिला.
मान्ती परने के किसानों को चौर जियादा सहारा मिला.
मान्ती चौर प्रीच किसानों के चनाजकी क्रीमत जियादा
रखी गई. इसके मुकाचले में बढ़े कारतकारों चौर रिवासती
कारमों के चनाज की क्रीमत कम रखी गई. इस तरह
मान्ती चौर प्रीच किसानों को उनकी कम पैदावार
का जियादा पैसा मिलने तथा चौर इस तरह उनकी
हालत चौर चज्छी हो गई. दूसरी तरफ बढ़े किसानों की
दीलत में कभी जाने लगी. इस तरह वच्या खिचकर गांव
के मान्ती किसानों में पहुँचने लगा. उनको खेतीबारी
का सामान भी दिया गया.

एक क्रानून के जरिये मालगुजारी कम कर दी गई. मजदूरों ने भी किसानों की बड़ी सहाबता की. उन्होंने कसल कटते समय उनका हाथ बटाने के लिये वालनिटयर भेजे जो उनके साथ मिल जुल कर काम करते थे. उसका असर यह हुआ कि किसानों की सुक्त बुक्त भी बढ़ गई.

उधर दो साक्षा योजना के पूरे हो जाने के कारन किसानों के जीवन पर भी बढ़ा अच्छा असर पढ़ा. मुल्क की सनकारी पैदाबार बहुत बढ़ गई. अब ऐसे सामान बनने सो जो खेती बारी के नये तरीक़ों में सहायता दे सकते थे. किसानों ने मिल जुल कर भी खेती बारी के भौजार कारीक्ने ग्रुक कर दिये. सरकार ने भी किसानों की बड़ी मदद की भौर सहकारी खेतीबारी के केन्द्रों को खूब बढ़ावा दिया. इसका नतीजा यह हुआ कि कुछ दिनों में छोटे छोटे कारम बड़े बड़े कारमों में बदल गए. یمب کو آفاج کا غیر طے کو خیا گیا ۔ اِس طارح معمولی فروجی کے کا اور زیادہ سیارا ملا ، معمولی اُرو فریسیا فراجی کی آفاج رکھی گئی ، اس طرح معمولی اور فریب کسانوں کو اُن کی گئی کم یہداوار کا زیادہ پہست مللے لیا اور اُس طرح اُن کی معاول مواج کی دوسری طرف ہونے کی کسانوں گئی دولت میں کمی آلے لیکی ، اُس طرح روہیہ کہتے کو گانی کے معمولی کسانوں میں پہشتھلے لیا ، اِن کو کہتا گانی کے معمولی کسانوں میں پہشتھلے لیا ، اِن کو کہتا گیا ، اُن کو کہتا ہے گانی کا سامان بھی دیا گیا ،

ایک قانون کے ذویعہ مالکذاری کم کر می گئی ، موتوروں نے بھی کسانوں کی بوی سیانگا کی ، آلھوں نے فصل کھی ۔ فصل کھی اسے ان کا ماتھ بٹانے کے لئے والفائیو پھھجے بچو ان کے ساتھ ملجل کر کام کرتے تھے، اس کا اثر یہ ھوا کہ عسانیں کی سوجھ بوجھ بھی بچھ گئی .

افھر دو سالہ یوجلا کے پورے ھو جانے کے کارن کسانیں کے جھیوں پو بھی ہوا اجھا اثر پوآ ، ملک کی صفحتی پھداوار پہت ہوھکئی ، اب ایسے سامان بلنے لگے جو کھھتی باری کے لیے طریقی مصل جلکر بھی کھٹتی باری کے اوزار خریدئے شروع کر دیئے ، سرکار نے بھی کسائیں کی بوی صدد کی اور سیکاری کھھتی سرکار نے بھی کسائیں کی بوی صدد کی اور سیکاری کھھتی باری کے کھادروں کو خوب بوھارا دیا ، اس کا تعجج یہ ہوا کہ کچھ دنوں مھی جھوٹے جھوٹے فارم بوے بوے قارموں مھی بدل کئے

पर यह प्यारा देश हमारा, लूट शोशन का मारा, सून जूसने वाली जोंकें, अभी यहां करती पी बारा शासन उनका, राशन उनका, कानूनों पर आसन उनका, गोली, गोलों, वन्तूकों पर रक्ता है सिंहासन उनका गांब, गली, शहरों, नगरों, को जकवें हैं बटमार नथा आदमी मांग रहा है जीने का अधिकार —'शील'

پر یہ پہارا دیش هدارا' لوظ شوسی کا مارا' شوریچوسلہوالی' جونکیس' ابھیہاں کرتیں پو بارا شاسی اُن کا' راشن اُن کا' قابونوں پر آسن اُن کا' گولی' گولوں' یقدولوں پر رکھا ہے سفکھاسی اُن کا آؤں' گلی' شہروں' نگروں کو جکوتے ہیں بعد مار نیا آہمی مانگ رہا ہے جیلے کا ادھیکار نیا آہمی مانگ رہا ہے جیلے کا ادھیکار

نها المعبول دوين في كسالس أبو مودوز ورقب لا يهديوسلبوالها في إلهانو كے اِس تصدور هم دو يواكسوں بالبت ساعرهوں ا يها 1943 يو 1947 تك الإمالة؛ جب يديسو جالهبداري کی زمین شیط کو لی کگی اور چهکوسلوالیا کے کہمت مودورون آور غربتها كسانون مهن بانت دبي گائي ، ادرسرا زمالت فرورم 1948 کے بعد سے شروع هوتا ہے جس کے أنوسار سامقت کال کی یعهی کهنچی جاکهرداری برمهرا کو بالکل عُدر کو دیا گھا ، انقلب کے پہلے زمانے میں سب سے پہلا سرال تو یه آنها که کههت مودورون یا ایسے کاشتکاروں کو بھے زمھن دو جائے جن کے پاس آیٹی زمھن تبھی مھن اور عاوسروں کے بہاں موقوری کرتے ہر سجھور ھیں ، آس کے أنوسار جوملون كي ومهلهن يهي فيهط كي كُلُهن ية جومن جو عقار کے زمائے میں چھکوسلورائیا آ کر زموں کے مالک برُ، بهاه هي ساله هي ساله أيس لوگون کي زمههمنهي چھھٹی گئیں چٹھوں تے دیس کے ساتھ قداری کی تھی ، یہ کام ہوی تھڑی سے عدل میں لیا گیا ، پہر بعد مهن يوي ومهن معمولی كسانون أور كههت مودوری مهن بانت دی گئی ، اس طرم بدیسی جهاپ ختم کر دی گئی.

اس طرح چهکوسلوراکها کی گرانعی کا ههالا دور خعم مرا اور کههتی سدهار کا دور هروع هوا .

فروری 1948 میں سرکار نے آیے کھیعی سدھار پر ایک نظر اور قالی ، اس کے انوسار ہونے ہوئے جاگهرداروں ارر کرچا کهروں کی ہوئی ہوئی ریاسترں کا آنت کر دیا گھا اور اس کے ساتھ ھی اِسهدوں کو پالنائی ہر۔ دیائے کا طریقہ بهی ختم هولها . اور آب معلوم هوا که جو تجربه روس میں کہا گیا تھا ولا چیکوسلوواکھا کی حالت کے انوسار کی تھا ، اس لگے ہوچھا کے انوسار کسانوں کو زمین ہو سل کئی۔ تھیں' لیکن وہ پہدارار کو نہ ہوہا سکچے تھے ۔ اس کا کارن یہ تھا کہ نگے کھیٹی سدھار کے انوسار زمین بیس چەرلى جھولے لكروں ميں بلت كلى تھى أور أن كھيتوں مين مهينين لا استعمال نهين هو سعدا تها اس وروستها مهں چھوٹے پیمانے پر کھھٹی بازی سے کسانوں کی حالت ته سدهر سکتی تهی . یهی کارن تو تها جو نکی سراار نے سیکاوں کیہائی کو یوهاوا دیا۔ تانه هر عاقب سیس مل جل کر کام عو سکے ، ہر گاؤں میں سیکاری کیھائی کے أنوسار كلم بهالو هوگها . أس يزوكرام مهن كسان أيدى مرقبي . بير شامل هو سنتي تهي .

ہوں کسانوں کے آدھیکار ضرور کم کر دیگر گئے ، اُس کا تعیجہ ہوا اُنھنا موا ، کھیلاں ہاری سمی خرب آنفانی مولی ارر دیمن آنقانی کی طرفت پڑھنے گا ،

سيكاري كيوني كا والوا دياس مين بويد بويد رياستان الرامين جو يون جاليزة أون بد لكي سراد له جويد فيون

था मामूली परजे के किसानों और सपादर को था. चेकोस्सीवाकिया के इतिहास के इस हिस्से को इस दो भाग में बांट सकते हैं: पहला, 1945 से 1947 तक का जमाना, जब बिदेसी जागीरवारों की जमीन क्रम कर सी गई और चेकोस्सोवाकिया के खेत सम्बद्धों और रारीय किसानों में बांट दी गईं. इसरा वामाना फरवरी 1948 के बाद से ग्राह्म होता है जिसके महसार सामन्त काल की बची खची जागीरवारी परम्परा की बिल्कुल खतम कर दिया गया. इन्क्रलाब के पहले जमाने मैं सब से पहला सवाल तो यह बठा कि खेत अजदूरों या ऐसे कारतकारों को भी जमीन दी जाय जिन के पास अपनी क्सीने नहीं हैं और इसरों के यहां मज़द्री करने पर मजबूर हैं. इसके अनुसार जरमनों की जमीनें भी जब्त की गईं. यह जरमन हिटलर के जमाने में चेकोस्लोवाकिया आकर क्रमीन के मालिक बन बैठे थे. साथ ही साथ ऐसे लोगों की क्रमीमें भी छीनी गई जिन्होंने देस के साथ राहारी की भी, यह काम बड़ी तेजी से बामल में लाया गया फिर बाद में यही जमीनें मामूली फिसानों और खेत मजदूरों में बांट बी गई. इस तरह विदेसी जाप सतम कर वी गई.

इस तरह चेकोस्ली शिक्षया की क्रान्ति का पहला दौर स्थलम हुआ और खेती सुधार का दौर शुरू हुआ।

करबरी 1948 में सरकार ने अपने सेती सुधार पर एक नकर और डाली. इसके अनुसार वड़े बड़े जागीरदारों और गिरजायरों की बढ़ी रिवासतों का अन्त कर दिवा गया. और इसके साथ ही जमीनों को बटाई पर देने का तरीका भी सतम हो गया. और अब मालूम हवा कि जो तजरूवा रूस में किया गया था वह चेकोस्लोवाकिया की हालत के अनुसार ही बा. इस नई योजना के अनुसार किसानों को जमीनें हो जिल गई थीं, लेकिन वह पैदाबार को न बढ़ा सकते थे. इसका कारन यह या कि नए खेती सुधार के अनुसार सबीम बहुत होटे छोटे ट्रफर्डों में बंट गई थी और इन खेतों में मधीनों का इस्तेमाल नहीं हो सकता था. इस व्यवस्था में होटे पैमाने पर सेतीवारी से किसानों की हालत न सुधर सकती थी. यही कारन तो था जो नई सरकार ने सहकारी कोसी की बढावा दिया ताकि हर इसाफ़े में मिल जल कर काम हो सके. हर गांव में सहकारी खेती के अनुसार काम बाद्ध हो गवा. इस प्रोधाम में बिसान अपनी मरणी से ग्रामिश हो सकते थे. बदे किसानों के अधिकार पासर कम कर विधे गय. इसका नतीजा बढ़ा खण्छा हजा. खेती बारी में बाब क्षेत्रित हुई और देस समित की लरफ बढ़ने लगा.

सहकारी केती के असावा देस में बढ़े वड़े रियासती सार्य की हैं जो बढ़े जागीरदारों से नई सरकार ने क्षीने हैं.

तो वह व्यक्ति वामीन वन्स कर ही आवगी. इस क्रानून के अनुसार एक करोड़ एकड़ जमीन जब्स करती गई जो 200 जमीदारों के क्रबचों में थी. मगर इसका बहुत बोदा हिस्सा किसानों की मिला. इसकी इस तरह तक़सीम किया गया कि सगमग एक तिहाई जमीन पुराने मालिकों से कम दरजे के जमीदारों में बांटी गई, जो सब के सब जरमन या हंगेरियन थे. पन्द्रह फी सदी जमीन जो बड़े बड़े जागीरवारों से हीनी गई थी वह बजाय इसके कि सबकी सब खेत मुखदूरों और रारीव किसानों में बांट दी जाती उसकी दो हजार दुवनों Residuary Estates में बांट दिया राया. हर दुकड़ा 250 एकड़ का था. इस तरह जब यह जमीन दुकड़ों में बंट गई तो इस में से है की सदी जमीन सह बाजों के हाथ बेच दी गई, जिसके पास रूपया था वह ही जमीन सरीव सकता था. इसके बाद जो जमीन बची वह बहुत खराब थी. उसको है लाख तीस हजार गरीब खेत मजादूरों में बांट दिया गया. इस तरह हर घराने के हिस्से में मुशकिल से दाई एकड़ जमीन आई. यही हाल जंगलों का भी हुआ. वेखारे रारीय किसान इमसे भी कोई नाभ न उठा सके. सरकार ने चौथाई जंगल तो अपने अधिकार में ले लिये और बाक़ी तीन चौथाई दो हजार बड़े बबे जमीकारों में बांट दिये.

इस तरह इस देखते हैं कि शुरू शुरू के सुधार बिल्कुल इसफल हुए. किसानों की दालत अब्ब्ही न हो सकी. लगभग पांच लाखा किसान ऐसे थे जो अपने घर बार की जहरतों को पूरा नहीं कर सकते थे.

मगर जरमन फासिस्त अधिकार के खतम होने पर 1945 में जो नई सरकार बनी उसने खेती बारी के बारे में यह सिद्धान्त बनाया कि जो ख़ुद बोप जोते उसको ही जमीन सिलनी चाहिये. इस असूल के अनुसार जमीन फिर से बाटी मई और यह तब किया गया कि हर घराने की वस्त को सामने रख कर 25 और 33 एकड़ के अन्तर अभीम मिझनी चाहिये. इस तरह दो लाख किसानों को जमीन मिली और वह संतोष से रहने लगे. जिन लोगों की जमीन कब्स की गई उनको कोई मावका नहीं दिया गया. इसके साथ ही किसानों को बड़ी मुद्दत वाले करजे दिये गए. कारतकारों की सहकारी संस्थाएं बनाई गई जो इस झरफों के अवा करने के विषय में शरते बनाचंगी. इस तरह चेकोस्लोबाकिया के जन मान्दोलन ने एक नई मंजिल का तरफ करम बढ़ाया. देसी पंजीप्रतियों और विदेसी सामराजियों की साजिश के किलाफ एक नवा मोरवा बनने बगा और यह मोरवा

الديو المعك ومهى فيعط كالي الله الدي اس قالون ك الوسار الله المرور ومين ضبط قرابي على جر 200 ومهددارس ك النفي مهل لهي . مكو أس لا بهت تهورا جمع كسانون الوامظ المن كو اس طوح تقسيم كها كيا كه لك يمك ايك عیائی ومیں پرائے سالکرں سے کم درھے کے وسیدداروں میں بالكي گليء جو سب ك سب جرس يا ههلكرين ته . يُلفوه في صدبي وسهي جو يور يوب جاگهردارون س جههاني گلی ٹیس پرہ بنجائی اس کے کہ سب کی سب کہومی منظيوري أور فريب كسانون مين بانت دى جاتى أس ور مزار Residuary Estates میں باسی دیا عياً . هر تكوا 250 ايكو كا تها . اس طرح جب يه زمون گھوں میں بلبک ککی کو اس میں سے چھ فیصدی اجھی پمھی ساعبازیں د مانہور بینے دبی کئی ، جس کے پاس وراهم لها ولا هي زمهن خريد سكتا لها، اس لح بعد جو زمهن پېچى ولا بېنت خراب نېي . اس كو چه لاكه تيس هزار فهب کهمت مودورون میں بانت دیا گیا ، اس طرح هر گورائے کے حصے میں مشکل سے ڈھائی ایکڑ زمین آئی۔ يهى حال جلكلوں كا يهى هوا ، يجارے فريب كسان اس ید بھی کولی ابد نه اتها سکے. سرکار نے چوتھائی جلکل دو أهي ادههكار مين له لئه اور ياقي تين جورتهائي دو هؤار بوے بورے رمهداروں میں بانت دیے .

اِسِ طرح هم دیکھتے هیں که شروع شروع کے سدھار پاٹکل اسپول هرائے، کسانوں کی حالت اچھی نه هوسکی، لگے پهگ پانچ لائم کسان ایسے تھے جو آبام گھرہار کی غیرورٹیں کو پورا نہیں کرسکتے تھے ،

مگر جوس فاسست ادهیکار کے ختم هونے پر 1945 میں جو نگی سرکار بنتی اس نے کھیکی باوی کے بارے میں یہ سدهاست بنایا کہ جو خود بوئے جوتے اس کو هی ملنی جاهئے ، اس اصول کے ادرسار زمین پھر سے بانگی گئیں اور یہ طبے کہا گیا کہ هر گھرانے کی فرورت کو سامنے وگھ کر 25 اور 33 ایکو کے اندر زمین ملنی چاهئے ، اس کے طرح دو لاکھ کسانیں کو زمین ملنی اور وہ استعراض سے رهنے لگے ، جن لوگوں کی زمین ضبط کی گئی اُس کے ساتھ هی مناوی کو کوئی معاوف نہیں دیا گیا ، اس کے ساتھ هی کسانی کو کوئی معاوف نہیں دیا گیا ، اس کے ساتھ هی جہناری سلستھائیں بنائی گئیں جو ان قرضوں کو ادا کوئے کوئے میں شرطین بنائیں گی ، اس طوح جوکوئی طرف جوکوئی اندوائی نے ایک نئی مقول کی طرف جوکوئی سازی پرنتھی پرنتھی پرنتھی پرنتھی ہیں سامراجیوں کی قدم پوہایا ، دیسی پرنتھی پرنتھی پرنتھی پرنتھی سامراجیوں کی مروجہ قدم پوہایا ، دیسی پرنتھی پرنتھی پرنتھی پرنتھی ہیں شروجہ اندریدی سامراجیوں

नये चेकोस्कोवाकिया में खेती बारी की तरक़ी

(अतहर परवेज)

चेकोस्सोवाकिया के इतिहास के पहले हिस्से में सेती बारो की प्रथा कुछ इस तरह थी कि जमीन सारे क़बीले की मिली जुली मिलंफियत थी. सब किसान मिल जुल कर सेती बारी करते थे. इसी तरह सेती बारी के औजार भी **ड**टुब्ब (क्रबीले) की मिलकियत हुआ करते थे. लेकिन नवीं और दसवीं सदी में जब रियासती प्रथा क़ायम हुई ती क्रमीन और मवेशी, कुटुम्ब की जगह ज्यक्ति के हाथों में पहुंच गय. इस युग में खास बात यह थी कि बढ़े बढ़े कारमों पर धनी जमीदारों के गुलाम काम करते थे. लेकिन यह हालत भी जियादा दिन तक कायम न रही. गुलामी का जैसे ही अन्त हुआ सेती बारी का रूप भी बवल गया. अब क्रमीवारी प्रधा था गई. बड़े बड़े कारमों का इन्तजाम बड़े बढ़े क्सीवारों के हाथ में जूं का तूं रहा सगर अब गुलाम स्रातम हो गए और उनकी जगह किसानों ने ले ली. यह किसान बोटे मोटे खेतों पर खेती बारी करने लगे. 1848 में बेगार का जन्त हो यया. मगर किसानों के हाथ से जो श्रमीन निकल गई थी वह उनको बापस न मिली. योरप में पंजीबाद ने जैसे ही जोर पकड़ना ग्रुरू किया तो उसके असरे से चेकोस्सोवाकिया भी नवच सका और खेती की प्रवा में पंजीबादी तरीक़ा भी शामिल हो गया पिछले सौ देइ सी साम में जब कि पुंजीबाद अपनी जहें मज बत कर रहा था, रारीच किसान जेमीन की कमी के कारन परेशान भे. पर इस बीच में जमींदार, बैंक के मालिक और सड़े बार्को बरौरा का फोर बढ़ने लगा. उन्होंने अपनी जमीनों की बदौलत खुब दौलत समेटी और जमीन का मोल और उसका लगान भी बढ़ा दिया. बेचारे किसान, जिनके पास अपना कुछ भी नहीं या, मनबूर हो कर इन पंजीवादियों की शर्त के अनुसार काम करते थे. अगर ऐसा ने करते ती किर क्या करते. शहर में इनके लिये कोई काम भी तो न बा. यह दावत चेकोस्लोबाकियां में सन 1918 तक रही. इस साल वहां पहली लोकशाही क्रायम हुई. इस समय मुल्क की एक तिहाई घरती पर देसी पूंजीपतियों और विदेसी पृक्षीपतियों का अधिकार था.

सन 1918 में जब चेकोस्लोबाकिया में पहली लोक-सादी आवम हुई सो चमीन को जब्द करने का भी क़ान्न बनावा तथा. जिस के चनुसार यह तय हुआ कि बनार किसी अविक के वास पीने चार सी एकड़ से अधिक जमीन होगी

نٹے چیکوسلوواکیا۔ میں کھیتی باری کی ترقی

(اطهر پرويز)

جیکوسلوواکھا کے انہاس کے پہلے حصہ میں کھیگی پاری کی پرتها کچه اس طرح تهی که زمهن سارے قبهلے کی ملی جلی ملکهت تھی ۔ سب کسان مل جل کو کھیتی ہاری کرتے تھے، اِسی طرح کھیتی ہاری کے اوزار بھی كليه (قبيل) كي ملكيت هوا كريّ تعد ، ليكن نويل اور دسویس صدی سهی جب ریاستی پرتها قائم هبلی تو زمین اور مویشی کلیب کی جگه ویکٹی کے هاتین میں پېونچ گئے۔ اس یک میں خاص بات یہ تھی که بڑے بوے قارموں پر دعلی زمیلداروں کے علم کام کرتے تھے ۔ لیکن یه حالت بهی زیاده دن کک قائم نه رهی . قلامی کا جهميد هي انت هوا کههاي باري کا رزب کا يهي بدل گها. اب ومهلداوی پرتها آ کئی . بوت بوت قارموں کا اِنتظام ہرے ہوے زمھنداروں کے عاتب میں جوں کا توں رھا مگر اب فلم خاتم هوگئے اور ان کی جاکہ کسانوں لے لے لی ، یہ کسان جهوتے موتے کهیگوں ہو کهیکی باری کونےلگے. 1848 میں بیکار کا انت ہوگیا ۔ مگر کسانوں کے ماتہ سے جو زمین نکل کئی تھی وہ اُن کو واپس نه ملی .

يورپ سيس پونجي واد نے جهسے هي زرر پکونا غروم کیا تو اُس کے اگر سے چیکوسلوواکیا۔ یعی نه بچے سکا اور کهیٹی کی پرتہا میں پونجیوادی طویقہ بھی شامل هوکها، پنجهل سو قایره سو سال صهن جب که پوننجی واد اپنی جویں مهبوط کر رها تها فریب کسان زمهن کی کئی کے کارن پریشان تھے ۔ پر اس بھے میں زمیندارا بینک کے مالک اور سٹمیازیں وفیرہ کا زور بوہلے لکا ۔ انہوں نے اپلی زمیلوں کی ہدولت خوب دولت سمیتی ارر رمینی کا مول اور اس کا لگان یعی بوها دیا ، بهنهاری كسان جن كم ياس أيقا كنجه يهى نهض تها مجهور هوكر ابي پونجي وأديون كي شرط كم انوسار كام كرتم ته . الرایسا نه کرتے تو پهر کها کرتے ، شهر مهن أن كے ليَّے كوئي كام يهيي تو ته تها ، يه حالته چهكو سلوراكها مهن سی 1918 تک رهی. اس سال وهان پهلی کرک شاهی قائم عرقی _ہ ایس سے ملک کی ایک تہائی دھرتی پر فيسى پرنسي يعيون أور بديسي پرنسي پعيون آدهيكار تها. سي 1918 مين جب جهيد ساووائيا مين يهاي لرک شامی قاتم هوئی تو زمین کو ضبط درنے کا بھی قالیوں بلایا کہا ، بیس کے انزمار یہ علی هیا که الر کسی ریکگی ك ياس يول جار جو ايكوا بير النعك ومين هولي

who 458

178 5

والمال ال

पर खूब बना समी हुई थीं. दूसरा नवा और विमक्त हुआ था. पर पैना वह भी न था. हमने जब उनके बारे में पूछा तो भता समा वह इस बात की निधानी है कि उनके सानवान में से कभी कोई नागा दुशमन के दो सिर काट कर साया था. कोई नागा दरवाजे पर बरहे सगा कर नहीं रस सकता जिसके सानवान का कोई आदमी दुशमन के सिर काट कर न साया हो. जितने सर कटा कर साए गए हैं उतने बरहे निशाम के तौर पर दरवाजे पर सगो रह सकते हैं.

श्रीरत का सिर काट कर लाना मर्द के सिर से खियादा जान की बास सममा जाता है. पढ़ने वाले यह न सममें कि इस नामर्दी के काम को वे मतलब ही शान दी गई है. कोई नागा कभी श्रकेली भौरत पर हाथ नहीं उठाएगा भौर न लालिस श्रीरतों के मुंड पर इमला करेगा. आम तौर से नागा बोरतें बिल्लोची औरतों की तरह मजबूत तो बहुत होती हैं पर लड़ाई में शामिल नहीं होतीं. लड़ाई के माफ़े पर वह सब एक जगह इकट्टी हो जाता हैं. श्रीर मर्द जान पर खेल कर उनकी हिफाजत करते हैं. अब श्रगर कोई नागा उन भादमियों के मुंड को चीर कर दुशमन की किसी श्रीरत का सर काट लाए तो श्रीरत का वह सिर मर्द के सिर से खियादा शानदार सममा जाता है.

धीरे धीरे ऐसी बातें अमल में बहुत कम रह गई हैं पर उनकी शान क़ायम है.

--- भगवानदीन

پُو گُوُّي وَلَكِ لَكُى هُولِي يَهِي ، دوسرا نها جسُدُنا هوا نها ، پُو پهنگاو بهی تُه نها ، هم بے جسب اُن کے بارے مهن بوجها ته اُن کے بارے مهن بوجها ته اُن کے بارے مهن بوجها ته اُن کے خانداُن مهن سے دبهی کوئی ناکا دشمن کے دو سر لات کر لیا تها ، گوئی ناکا دروازے پر برچھ لگادر بههن رکھ سکتا جس کے خانداُن کا کوئی آدسی دشمن کے سر لات کر نه لیا هو جنتی سو کانی در تاکید هیں اُنٹے برچھ نشان کے طور پر دروازے سر کانی در سکتے هیں ،

هورت کا سر کاے کو قابا مود کے سو سے زیادہ شان کی یاس سیجھیں کہ اُس نامونی کے کام کو بے مطابب ھی شان دی گئی ھے ، ڈوئی نامونی کے کام کو بے مطابب ھی شان دی گئی ھے ، ڈوئی مورٹیں کے بھیلتی پر حملہ کریکا ، عام طور سے با عورتیا پر عملہ کریکا ، عام طور سے با عورتیا پیلوچی عورتی کی طرح مقبوط تو بہت ھوتی ھیں پر لوائی نے موقعہ پر ولا لوائی میں شامل نہیں ھوتیں ، لوائی نے موقعہ پر ولا میں ایک جگہ اکلی ھو جاتی ھیں اور مرد جان پر کھیل کر اُن کی حفاظت کرتے میں ، اب اگر کوئی باکا کہیں اور مرد جان پر اُن کی حفاظت کرتے میں ، اب اگر کوئی باکا اُن آدمیوں کے جہلت کو چھر کر دھمی کی کسی مورت کا وہ سر مرد نے سر سے زیادہ شاندار مسجہا جانا ھے ،

دھھورے دھھوے ایسی ہاتھن قبل میں بہت دم وہ گئی ھیں پر اُن کی شان قائم ہے ،

— بهگوان دین

भयंकरतम भूट यह नहीं जिसे बोला जाता है बल्कि वह जिस पर जिया जाता है.

किसी ने अरस्तू से पूझा, 'आदमी भूट बोलकर क्या पाता है ?" 'यह कि जब वह सच बोलता है उसका कमी विश्वास नहीं किया जाता.' उसने जवाब दिया.

— चहात

नुजविकों के सिवाय और कोई सूट नहीं बोलते.

---सरफी

भूटे से देव और मनुष्य दोनों घुना करते हैं. भूटा मकसर बुक्षदिल होता है, क्योंकि वह सचाई को तसलीम करने की हिक्कत नहीं कर पता.

-सर बालटर रेले

پھیلکرتم جھوٹ وہ نہیں جسے ہولا جاتا <u>ہے</u> بلکھ وہ جس پر جیا جاتا ہے ۔

--کلاک

کسی نے ارسطو سے پوچھا' ' آدمی جھوٹ ہول کو کھا پاتا ہے ؟' 'یه که جنب وہ سے بولتا ہے اُس کا کھھی وشواس نھیں کھا جاتا ،' اِس نے جواب دیا ،

--- العان

ہودانوں کے سوائے اور دوئی جھوٹ نہیں ہولتے ۔

سەمىۋ

جھوٹلے سے دیو اور منتشیہ دونوں کیرنا کرتے تھیں ۔ جھوٹا انگر یودل ہوتا ہے' کیونکہ ولا سنچائی کو تسلیم فرنے کی هست نہیں کر پاتا ۔

سسسر والكر ويلي

للكران أيال

नागा क्रवीलों का सारा क्षेत्र दिल्ली सरकार के मालहर है. याँ इसका सीधा संबन्ध आसाम के गवर्नर से है पर आसाम के मंत्रि मंडल से नहीं. यह सरकार की खुश क्रिसमती ही समिमये कि आजकल जो ही. सी. प. ही. सी. और हाई स्कूल के हेंड मास्टर की हिमा में हैं वह इतने योग्य और वेलीस हैं जितने और जगइ बहुत कम देखने को मिले. जो ही. सी. आजकल को हिमा में हैं, पता लगा, वह ल शाई पहादियों में भी रह चुके हैं. और उन्होंने जिले से तहसील तक मीलों लम्बी एक सड़क वहीं. के लोगों की मदद से बनवाई थी, जिसे गांव वालों ने खुद बनाया था, जिस में सरकार का एक पैसा भा खर्च नहीं हुआ था. जैसे ही. सी. सरकार को को हिमा में मिले हुए हैं वैसा एक भी बीफ मिनिस्टर अगर किसी रियासत को मिल जाय को क्या चीन जैसी लहर वे पैसे हमारे देश में पैदा नहीं हो सकती ?

पंदित सुन्दरलाल जी मिशन के पादरी से मिले. वह एक धमरीकी सज्जन हैं. वह दिल खोज कर मिले. वह साफ साक बोलने वाले थे. बोले:

"देखिये, जब यहां अंगरेजों का राज न था तब से हम यहां काम कर रहे हैं. और जो काम हमने किया है वह आपके सामने है. अंगरेजी राज में भी हम काम करते रहे. सन '47 से हिन्दुस्तान आजाद हुआ, और जब से हम आजाद हिन्दुस्तान में काम कर रहे हैं. हमारी राजकाजी मालों से कोई संबन्ध नहीं. हम अपने धर्म का प्रचार करते हैं. नागा जड़के लड़कियों को तालीम देते हैं. यह ठीक है कि नागा चर्च का संबन्ध अमरीका चर्च से है, पर अमरीका चर्च नागा चर्च पर शासन नहीं करता. उसकी सलाह देता है. नागा चर्च पर शासन नहीं करता. उसकी सलाह देता है. नागा चर्च पर शासन नहीं करता. उसकी सलाह देता है. नागा चर्च पर शासन नहीं करता. उसकी सलाह देता है. हसमें नागा ईसाइयों के सिवा और कोई शामिक नहीं."

कोहिमा में एक बार सिमेटरी यानी पिछले जंग में सरने वालां का क़बरिस्तान भी है. बैमा ही एक क़बरिस्तान इसकाल में भी है. यह सब क़बरिस्तान ब्रिटिश कामन्बेल्थ के सासहत हैं. इसका बड़ा दफ्तर इंगलैन्ड में है. इन क़बरिस्तानों पर जो खर्च होता है उसका दस की सदी या कुछ कम जियादे हिन्दुस्तानी सरकार देती है पर हिन्द सहकार का खर्च में कोई दखल नहीं: इसमें जो लोग काम

कीहिमा के अंगामी नागा अब सिर-शिकारी नहीं रह गए किर भी उसका अभिमान आकर मानते हैं. कोहिमा गांव के मुखिया के यहां जब हम गए तो उसके दरवाजे के दाम तरक दी बरझे तागे हुए थे. एक काकी पुराना का जिस

پفتن سفدر لال جی مشن کے یادری سے ملے ، وہ ایک امریکن سجن هیں ، وہ دل کیول کر ملے ، بوے صاف صاف بولقہ والے تھے ، بولے :

والدیکھ جب یہاں انگریؤوں کا راج نہ تھا تب سے هم یہاں کام کر رہے هیں۔ اور جو کام هم نے لها هے وہ آب کے ساملے هے ، انگریؤی راج مهن بھی هم کام کرتے رہے ، سی 47 سے هندستان آزاد هوا' اور جب سے هم آزاد هندستان میں کام کر رہے میں ، همارا راج کاجی معاملوں سے کوئی سمیندھ نہیں ، هم ای دھرم کا پرچار کرتے هیں ، ناکا لوئے اوکیوں کو تعلیم دیتے هیں ، یہ تبیت ہے کہ ناکا ہوج کا سمیندھ امریکہ چرچ سے ہے' پر امریکہ چرج ناکا چرچ پر شاسی نہیں کرتا ، اُس کو صلح دیتا ہے ، ناکا چرچ پر شاسی نہیں کرتا ، اُس کو صلح دیتا ہے ، ناکا چرچ پر شامل خورج کی صلح مانے یا نہ مانے ، ناکا چرچ کی صلح مانے یا دیا ، ناکا چرچ کا ایک سیانے ، ناکا چرچ کی صلح مانے یا دیا ، ناکا چرچ کا ایک سیانے ، ناکا چرچ کا ایک سیانے ، ناکا چرچ کا ایک سیانے ، ناکا چرچ کی شلاستانے ، ناکا چرچ کی سیانے ، ناکا چرچ کا ایک سیانے ، ناکا چرچ کی شلال کی سیانے ، ناکا چرچ کا ایک سیانے ، ناکا چرچ کی شلال کیا ۔

کوههما مهن ایک وار سمهتری یعلی نیچهله جلگ مهن مرنے والوں کا قبوستان بھی ہے ، ویسا ھی ایک قبوستان اِمههال میں بھی ہے ، یہ سب قبوستان ہوتھ کامن ویلتھ کے مانتصبت ھھی ، اس کا بوا دفتر انکلهلک مهن ہے ، اِن قبوستانی پر بھو خرچ ھوٹا ہے اُس کا دس فیصلی یا کیچه کم زیاداد علاستانی سرکار دیتی ہے ہر علد سرکار کا خرج مهن کیلی دخل نہیں، اُس مهن جو لرگ کام کرتے مهن کیلی دخل نہیں، اُس مهن جو

کیمینا کے انکامی آباہ ایٹ سو شکاری نہوں وہ گلید ہور یمی آئیں کا لیفی مائی طرور مالکے طیں ۔ فوطیما گارٹ کے مکھیا کے پہلی ایکٹ عز انگیا کو اس کے دوواؤید کے جائیں طرف دو پریونیا فکے طوائد کیا ۔ ایک کافی پرانڈ کہا جائیں रहा थां. इसमें में किसी ने ए. डी. सी. पूर्नेन्यू सेन को खाबर दी कि नागा के एक गांव ने कूसरे गांव पर चढ़ाई कर दी. बह कीरन उठ कर वहां से चल दिये. दूसरे दिन जो हाल उन्होंने सुनाया, वह यह था :

एक गांव ने दूसरे गांव पर चढ़ाई तो नहीं की थी, चढ़ाई की तैयारी कर रहा था. पुलिस की मंदद से उसकों रोक दिया गया. चढ़ाई की वजह यह थी कि गांव के एक आदमी को दूसरे गांव वालों ने मार डाला था. खून का बदला लेना फ़ररी था. पुलिस ने मारने वाले को पकड़ लिया. पकड़ने में कोई खास दिक़्क़त नहीं हुई न मारने वाले का पता लगाने में देर लगी. इस सब में पुलिस की मुस्तेदी भर तो अपनी थी. बाक़ी सब काम तो गांव वालों का था और खुद मारने वाले का. न गांव वालों ने क़ातिल को बताने में झानाकानी की और न क़ातित ने अपने को पकड़ाने में हुई अड़ वन डाली. उसने सच सच बात ऐसे बता दी मानो कुछ हुआ ही न हो.

वह बोला, मरने बाले ने युक्त को कुछ मजदूरी ठर्रा कर सामान लाने के लिये राजी किया. मैं राजी हो गया. कुछ दूर चल कर मैंने अपनी मजदूरी मांगी. वह बोला, घर चल कर हूँगा. मैंने कहा, मैं यहीं लंगा. मैंने यह भी कहा, तीन बार कहने पर अगर तुम मुक्ते मेरी मजदूरी नहीं दोगे तो मैं तुन्हारा सिर काट लूंगा. मैंने तीन बार मजदूरी मांगी. उसने नहीं दी. मैंने दाव से उसका सिर काट लिया. और देखिये साहब, मैं अपनी बात का पूरा पनका रहा. मैंने सिर्फ उसका सिर काटा है और कहीं दाव नहीं मारा.

अब कि हिये, ऐसे सच बोलने वालों के लिये वकील वैरिस्टर की क्या फ़रत. हमें पूर्नेन्द सेन साहब से यह भी पता चला कि सरकार की तरफ से को हिमा गांव की एक पंचायत बनी हुई है, एक पंचायत घर भी बना हुआ है, पंचायत घर देखने की बात हम पहले कह चुके. को हिमा गांव की पंचायत को बहुत इरूयतार हासिल हैं. वह फीजदारी दीशानी सभी तरह के मुक़दमें सुनती है, कभी कभी पंचायत कृतल तक के मुक़दमों का फैसला कर लेती है. पर वही, जो गांव वाले सीधे उस पंचायत तक ले जाते हैं. पंचायत जो सजा देती है उसमें सरकारी अवालत कोई दसल नहीं देती गांव वाले भी उसे सुन्धी से मान लेते हैं. और पंचायत की सजा को बरदाशत करने में बह मुख मानते हैं, दुख नहीं. वह यह हरगिज नहीं सरमक्ते कि उनके साथ अन्याय हुआ है.

हां, हुआ मामले सरकारी कचहरी में भी आते हैं पर नागा बहां भी सच ही बोलते हैं. और कचहरी के इनसाफ को भी सद माथे ऐसे ही चढ़ाते हैं जैसे पंचायत के रनसाफ की. وجا اُ تھا۔ اِنظے موں کسی نے اے، ڈی، سی، پورٹیشدوسوں اور شہو دیں تھا۔ گان پر جوهالی کو فوسرے گان پر جوهالی کو فوس نے جو دی جو فوس نے سلایا کہ یہ تھا :

ایک کاوں نے درسرے کاوں پر جوهائی تو نهیں کی تھی، چوهائی کی تھاری کو رہا تھا ۔ پولیس کی صدف سے کس کو روک دیا گیا ، جوهائی کی وجه یہ تھی کہ گاؤں کے ایک آدمی کو دوسرے کاوں والوں نے مار قالا تھا خون کا پہلے اوری تھا ، پولیس نے مار قالا تھا خون کیا ہیا ۔ پہلو نے میں کوئی خاص دات ، نہیں ہوئی ، سہ مارنے والے کا پاتھ لکانے میں دیر لکی ، اس سب میں موئی ، سہ پولیس کی مستعدی بھر تو اپنی تھی باقی سب کام تو پولیس کی مستعدی بھر تو اپنی تھی باقی سب کام تو گاؤں والوں نے گھوانے میں مانو کچھ اوری قائی ، اُس نے سبے سبے بات ایسے بھا دی مانو کچھ ہوا ھی تھ عو .

وہ ہولا مرغ والے نے منجه کو کنچه مزدرری تهہرا کر سامان لائے کے لئے راضی کیا ، میں راضی ہوگیا ، کنچه دور چل کر میں لے ایلی مزدرری سائکی ، ولا ہولا گهر خور چل کر میں نے ایلی مزدرری سائکی ، ولا ہولا گهر چل کر میں ایلی مودرری سائکی ، ولا ہولا کہا تھی کہا تھی دو گے تو میں تمہارا سر کات لونگا ، میں نے تھی ہار میں کا سو کات لونگا ، میں نے داؤ سامی کا سو کات لیا ، اور دیکھئے صاحب میں ایلی ہات کی اور کھی مارا ، میں نے صرف اس کا سر کاتا ہے اور کھی داؤ نہیں سارا ،

اب کہئے' ایسے سے بوللہ والوں کے لئہ وکھل بیوسٹر کی گھا فرووت، همیں پرونیڈدو سین ساھاب سے یہ بھی پت بھی کہ سوار کی طرف سے کوهیما گاؤں کی ایک پنچایت بھی موٹی ہے' ایک پنچایت گھر دیکھنے کی بات هم پہلے کہ جکہ ، کوهیما گاؤں کی ایک پنچایت پنچایت بھی دو فوجداری دیوانی بھی سبھی طرح کے مقدم سلای ہے' کبھی کھی بھی پنچایت اختیار حاصل هیں، وہ فوجداری دیوانی سبھی طرح کے مقدموں کا فیصلہ کرلیتی ہے ، پر وهی' جو گاؤں والے سیدھ اس پنچایت تک لے جاتے هیں، پنچایت کوروائی دیکل جو سوا دیتی ہے اس میں سرکاری عدالت کوئی دیکل نہیں میں دیتے ہیں۔ بہت کوئی دیکل نہیں دیتے ہیں۔ بہت کی سوا کو برداشت کرئے میں وہ سکے مانعے میں اور دیتے ہیں۔ میں وہ سکے مانعے میں انتاز انہائے ہوا ہے۔

ھاں' کیچہ معاملے سرائری کیچہری میں بھی آتے ھیں ، پر نالا وہاں بھی سے ھی بولتے ھیں ، اُور کیچہری کے انصاف کو بھی سر مانیے ایسے ھی ہوھاتے طین جیسے پلیچایت کے انصاف کو ،

पारूरी है नहीं सो नागा लोग बुरा मानते हैं. इसकी वह बात प. डी. सी. साहब पूर्नेन्द्र सेन ने समना दी थी. चावस की इस शराब को तैयार करने के लिये कचौरी जितनी बड़ी सफ़ोद सफ़ोद रोटियां बाजार में बिकती हैं. यह रोटियां देखने में खांड के बने हुए गिवोंड़े जैसी होती हैं. हां, कहीं कहीं उसमें काले निशान होते हैं. यह काले निशान उस बेस के पूरों के होते हैं जिनकी सदद से बह रोटी तैयार की जाती है. उस बेल का नाम नागा बोली में 'होम' है. याद रहे 'स' और 'ह' आपस में बदल जाते हैं. आसाम वाले षासामुको बसम लिखते हैं पर बोलते हैं उसे 'बहम'. इसिंखिये यह होस बेल वही सीम बेल है जिसकी वेदिक समय के बार्य लोग इस्तेमाल करते थे. हम दो चार दिन अगर और उहरते तो उस होम या सोम बेल का नमृना जहर साथ ताते, पर वैसा न कर सके. अब भी कोई बाहे ती वहां से वह बेल मंगा सकता है और उसका मिलान उस सीम बेल के बयान से कर सकता है जो वेदों की रिचाओं में मौजद है.

इसारी अपनी यह राय है कि नागों का जीवन बहुत कुछ, बेद के समय के आयों से मिलता है. हां, नागाओं की शकल सूरत आयों से नहीं, मंगोलियों से जियादा भिक्तती है शिका सूत्र में से शिक्षा उनके पास है, सूत्र वानी अनेड नहीं. पर शिक्षा सूत्र दोनों का बेदों में कहीं जिकर बहीं मिलता. सूत्र यानी जनेड तो आज भी न सन्यासी पहनते हैं और न औरतें.

इमारे पिलाजी सन 87 में इनजीनियर की हैसियत से नागा पहादियों में काम कर चुके थे. वह हमें बताया करते थे कि नागा लोग न भूट बोलते हैं, न चोरी करते हैं, म क्यार लेते देते हैं. अगर किसी की चीज गिर जाय तो सात रोज तक बड़ीं पड़ी रहेगी. सात रोज के बाद गांव के मुक्किया के पास जायगी. उसके बारे में डोंडी पीटी आपगी, जिसकी हो उसको मिल जायगी, 50-60 बरस पहले की इतनी ऊंबी सचाई तो सब नागा लोगों में अब नहीं रह गई पर आज भी ससम दिलाने पर कोई नागा अट नहीं बोल सकता. इस बारे में सरकारी अफसरों को कोई शिकायत नहीं. अगर चीनी सरकार ने अपने यहां से अकीलों को सातम कर दिया है तो हिन्दुस्तान के नागों ने भूट न बोलने की कसम ला कर बचीलों को वेकार बना बिया है. ए. डी. सी. पूर्नेन्द् सेन तो इस मामले में नागों की तारीक करते कभी अधाते ही न थे. कभी कभी तो सह इतने गद गव हो जाते ने कि उसका चेहरा देखने के लायक होता था.

दो मार्च 1953 का जिकर है: पंडित सुन्दर लाल जी का शाम के बक्त की दिया की साहित्य सभा में भागन हो

غروري هي البيض إلو تأيا لوگ يوا سالتي هيس ، هم كو يه يانياً آيم . تين . سي . ماهب پروزنيلدورمون تي سنجها دی تھی، بھلول کی اس شراب دو تھار کرنے کے لئے کھوری جعفی بوی سنید سنید روتیان بازار مین بععی هین ، یہ بیٹیاں دیکھنے میں کہانڈ کے پنے ہوئے کلتوریے جیسی هوتی هیں ، ماں' کیس کیس اُس میں کالے تھاں حرثے مهدی ہے کالے نشان اُس بھل کے بعبہ کے موتے میں جی کی مدد سے وہ روانی تھار کی جاتی ہے ۔ اُس بعل کا سام نامًا يولى مهن الهوم اله ، ياد ره اس الود أيه أيس مهن بدل جاتے هيں . أسام والے أسام كو اسم لكهتے هين پر بولعي هين أير 'اهم' ، إس لگ يه عوم اهل وهي سوم بھل بھے جس کو ریدک سے کے آریہ لوگ اِستعمال ي تر ته . هم دو جار دن اكر اور تههرته تو أس هوم يا سوم يهل كا تمونه ضرور ساته لاتي . يو ويسا نه دو سكيم ، أب يهي كولى جاه دو وهان سے ولا يهل ملكا سكتا هے اور أس كا مقان اُس سوم بھل کے بھان سے کر سکتا ہے جو ویدوں کی رجائ میں موجود ہے .

ھماری آپنی یہ رائے ہے کہ نائرں کا جھون بیت کچھ ویدا کے سیے کے آریوں سے ملتا ہے ، ھاں' نائوں کی شکل مورس آریوں سے نہیں' ملکولیوں سے زیادہ ملتی ہے ، شکھا سوتر میں سے شکھا اُن کے پاس ہے' سوتر یعنی جٹھو نہیں ، پر شکھا سوتر دونوں کا ویدوں میں کہمں فکر بہمی ملکا ، سوتر یعنی جلیو تو آج بھی نہ سلیاسی پہلتے ھیں اُور نہ مورتیں ،

ممارے بھا جی سن 87 میں انجیلیر کی حیثیت سے ناکا پہاویوں میں کام کو چکے تھے . وہ عمین بتایا کرتے تھے کد نیاکا لوگ ند جھوٹ بولکے ھیں' ند چوروں کرتے ھیں به أدهار لهتے ديتے هيں . اگر نسي کي جهوز کر جاتے تو ساتھ روز تک وهيس پوس رهے کی ، سات روز کے يعد ااوں کے معہدا کے پاس جائے کی ، اس کے بارے میں ڈونڈی پیٹی جائے گی ، جس کی ہو اُس کو مل جائے گی ۔ 60-50 پرس پہلے کی اتلی ارتچی سجائی تو سب ناکا لرکوں میں اب نیمں رہ کئی پر آج بھی قسم دانے پر كولى نباغ جهوت نههن بول سكتا ، أس ياري مهن سركاري افسروں رکو کوٹی شکھیت نہیں ، اگر چیڈی سرکار نے آبی یہاں سے وکیلوں کو شعم کو دیا ہے تو مقدستان کے ناگوؤں نے جمودی پولٹے کی قسم کر وکھلوں کو بیکار بقا دیا ہے . اے . تھی. سی . پوریکفدوسون تو اِس معاملے موں ناکوں كى تعريف كرتے كيمي الهاتے مى ند تھے . كيمى كيمى أو و، اللم كِن كد هو جاتم لم كه أن كا جهرة ديكها ك الق

बहेत '53' .

ليعل 600

बार्गे की दो जात आपस में चावी दिवाद नहीं करती. आज तौर से एक जात दूसरी जात की दवाने की कोशिश में रहती है. यो जात जात में दुशमनी बनी रहती है. खून का बदला कभी चुक ही नहीं पाता. आप दिन बात वात पर क्षकाई खिड़ जाती है और दिस्यों को जान से हाथ धोना पहला है.

श्चव तक मार्गों के पास आग के इथियार न थे. ताव, बरजी, भाजे ही थे. अब सरकार की तरफ से मामूली बन्दकों का लाइसन्स भी मिल गया है.

नागों की, सब लड़कियां दुनना जानती हैं और बहत अच्छा कपड़ा बुनती हैं. कातने का रिवाज बिल्कुल नहीं सूत सब मिल का इस्तेमाल होता है. कोहिमा है तो ठंडा-4900 किट अंचा-पर हमने किसी औरत मर्द के पास ऊनी कपडे नहीं देखें. हां, जो सरकारी नौकर हैं उन सब को घारी वाल के ऊनी लाख़ कम्बल मिले हुए हैं जिसको वह इस तरह पहने रहते हैं जिस तरह बौद्ध साधु अपनी चादर बोइते हैं. मागा मर्व बाम तौर से एक कपड़ा कमर से इस तरह लपेटे रहते हैं जिस तरह महात्मा गांधी लपेटे रहते थे. बह कपड़ा कुछ डेढ़ कुट से जियादा चौड़ा नहीं होता. उस कपड़े पर कुछ धारियां बनी रहती हैं जो इस बात का मिशान हैं कि पहनने वाले को नागा समाज से कितना आदर प्राप्त है. एक दूसरा कपड़ा वह ओढ़े रहते हैं उसकी चौकाई भी गज सबा गज से जियादा नहीं होती. हमने जुला पहने किसी नागा को न देखा. हां, जो नागा ईसाई हो गए हैं बनमें और हम सब में श्रांदावे पहनावे के लिहाज से कोई फर्क नहीं. नागा ईसाई लड़िकयां ऐसे ही कपड़ पहनती हैं जैसे हिन्दुस्तान के और ईसाई. आम तौर से नागा लोग रंग के मोरे होते हैं ईसाई नागा लड़कियां या तो चीनी लक्कियां मालूम पड़ेंगी या यारपी.

नागा मर्द हिन्दुओं की तरह मांटी चोटी रखाते हैं. साना पान के भामले में वह चीनियों से बिल्कुल मिलते हैं. लगमग सब तरह के जानवरों का गांशत खाल हैं. गाय पालते हैं पर शाय का दूध नहीं पीते. और न उसको दूध क लिये पालते हैं. वह तो उनकी बकरी है. जिन नागों ने इंसाई धर्म स्वीकार कर जिया है वह कुत्ते बिल्ली का मांस छाड़ देते हैं. नागा घरों में मनों सूखा मांस जटका रहता है पर उसमें मूनहीं साती.

जावह से नागा लोग एक पीने की चीज तैयार करते हैं जिसका वह 'काजी' कह कर पुकारते हैं. वह एक तरह की शराब हैं. उसे पूजा के वजत खूब पीते पिलाते हैं. मेहमानों की पैदा करते हैं. हमें भी एक एक गिलास पेश किया गया हा. इसने पिया तो नहीं, पर होंटों के पास तक बहर से आहा. इसने पिया तो नहीं, पर होंटों के पास तक المرابع المرا

اب تک تاوں کے یاس آگ کے هعیمار تم تھے ۔ داؤہ ہو ہمیں ایک مدرف سے معمولی معمولی ایک مدرف سے معمولی ایک مدرف سے معمولی

پائدولوں کا لائسلس بھی مل کھا ھے۔

أ أباكين كي سب لوكيان بغلا جائلي هين أور يهت المها كهوا بلتى ههن . كاتله كا روايم بالكل نهين ، سوت حب مل ٢ إستعمال هونا هي كوهيما هي تو تهلدًا -- 900 4 قبی آونتھا۔۔۔ پر ھم نے کسی مورت مرد کے پاس اُونیکھڑے المهالي فايكله . هان جو سركاري توكر ههن أن سب کو دھاری وال کے اُونی قال کمول ملے ھوٹے میں جس کو ولا أس طرب يهلم وهلم هين جس طرب يوده سادهو أيلي جهادر أورمعي هيل ، نام سرد هام طور سے ايك كهوا كمر سے إس طرم لهيائي وهالم هين جس طرم مهاتما كاندهي لَيُهَا وها مع مع إليها فت تيوه فت سے زيادہ جورا مهدل ھیٹا ، اُس کیوے پر کنچہ دھاریاں ایٹی رھٹی ھیں جو اِس بات کا نشان میں کہ پہنلے والے کو ناکا سمام سے کندا آدر برابت هي . آيک دوسرا کهڙا ولا اوڙه رهات هه ، اس کی چوزائی بھی کر سوا کر سے زیادہ نہیں عوتی ۔ هم نے جوتًا يهل كس ناكا كو ته ديكها . هان جو ناكا ميسائي هوکیّهههان مهل اور هم سب مهل ارتفاوےپهارےکالحاظ يم كوئي قبق نههن ، ناكا عيسائي لوكهان أيسم هي كهوم پہلتے میں جہسے علدستان کے اور عیسائی۔ عام طور سے ناکا رنگ کے گورے هوتے هيں ، مهسائی ناکا لوکھاں يا دو بهیلی لو^بهان معلوم پویلگی یا یورپی .

نالا مرد هلدوں کی طرح مولی چوڑی رکھاتے هیں ،

کھان پان کے معاملے میں وہ چھلاوں سے بالکل ملکے ھھی ، لگ بھگ سب طرح کے جانوروں کا گوشت کھاتے ھیں ، گائے پائٹے ھیں پر گائے کا دودہ نہیں پھتے ، اور نه اُس کو دودھ کے لئے پائٹے ھیں ، وہ تو اُن کی بحوی ہے ، بون ناگوں نے میسائی دھرم سوٹیکار کر لیا ھے وہ کتے ہلی کا مانس چھور دیتے ھیں ، ناگا گھروں میں مدوں سوٹیا مانس ٹککا رہتا ھے پر اُس میں ہو نہیں آتی ،

جاول سے ناکا لوگ آیک پیلے کی جدو تیار کرتے ہیں ۔ جس دو وہ ' آجی ' کہکر پکارتے ہیں ، وہ ایک طرح کی شراب ہے ، آیے پوجا کے وقاعت خوب پیلے پلاتے ہیں ، مہمانیں کو پیش کرتے ہیں ، همیں بھی ایک ایک گلس ، پیش کیا گیا کہ ایک گلس کیا گیا ہوا ، هم نے بنا تو تبین پر هونگوں کے پاس پیک ضرور لے جانا ہوا ، فہرنکہ آیصا کرنا سہمان کے گئے گئے

स्यूका पहले अमरीकी मिशनरियों के हाथ में था. अब कही े है. जब सरकार के हाथ में है. जब उसमें किसी खास धर्म की सक्तीम नहीं दी जाती. पर सुना यह गया कि हाई स्कूख के निकने हम नागा विद्यार्थी प्रेज्यूट हो जाने पर बाब तीर से इसाई धर्म स्वीकार कर लेते हैं. ग्रमकिन है यह बात भाष कम हो गई हो. इसकी वजह गई हो सकती है कि सालीम पाने पर धर्म की अक जागती है, नागों का अपना प्राना धर्म बलग है जो केवल कुछ सीधे सादे रिवाजों बौर नियमों का समूह है. आगे की तालीम का कोहिमा में इन्स्याम नहीं, आगे की तालीम पाने के लिये नागा विद्यार्थी कलकत्ता चले जाते हैं. कलकत्ते का मिशन कालिज डनका हर तरह का सुभीता कर देता है और उनके धर्म की भूक भी मिटा देता है, हाई स्कूल में लड़के सदकी साथ साथ पहते हैं.

बह भी पता चला कि नागा लोग उन बादमियों को की ईसाई धर्म स्वीकार कर लेते हैं उस नजर से नहीं देखते जिस नपर से उनको जो ईसाई धर्म स्वीकार नहीं करते. फिर भी मोटे तौर पर ईसाई नागा और ग़ैर ईसाई नागा दोनों खासे. मिल जल कर रहते हैं. रौर ईसाई मागा जोगों की जड़कियां ईसाई नागों से शाबी 寒 लेती हैं और शादी होने पर अकसर ईसाई धर्म भी स्वीकार कर लेती हैं. ईसाई लडकियों ने गैर ईसाई नागों से हानी की हो ऐसी कोई भिसाल नहीं मिली. इसकी वजह यह भी हो सकती है कि रौर ईसाई नागा पढ़े लिखे नहीं हैं.

अंगाभी एक बोली भी है. अंगामी जात के नागा उसी बोली को बोलते हैं. उस बोली में थोड़ा बहुत साहित्य भी 👢 पर वह सबका सब रोमन लिपि में है. उस बोली की कोई बीप्ट नागरी लिपि में लिखी हुई नहीं मिलती. बंगाली किपि में इधर उधर से अंगामी बोली के दो बार शब्द भले ही सिस जावें. अंगामी जात के क़रीब क़रीब सब नागा श्वासासी बोली समभ लेते हैं. आसामी भाशा बोदी बहत बोज भी लेते हैं. हाई स्कूल के सब नागा विद्यार्थी जितनी अवकी अंगरेजी सममते हैं और जितनी अंगरेजी बोल सकते हैं बतनी न कासामी सममते हैं और न बोल सकते हैं. कोक्रिया के ब्रास पास के रहने वाले नागा दस बीस हिल्दी के शब्द समम लेते हैं और पोल लेते हैं.

कीहिमा में सरकार के पास कुछ दुशाशिये रहते हैं. जिल्हें बोल चाल में डी. बी. कहा जाता है. यह आसाभी चौर अंगामी जानते हैं. काम चलाक हिन्दी समम लेते हैं. इस्र बीस हिन्दी शब्द बोल भी लेते हैं. बोबी बहुत बंगरेजी भी जासते हैं.

पहने वाले इतना और बाद रखें कि नागों की हर जात भी बोली जलग जलग है.

اللكول الهول المريش مقاريس كے عالم ميں تها۔ اب تيهين هي اي سراد کي هاڻه مهن هي اي اُس میں علیبی بقاص دھرم کی تعلیم کیوں دی جاتی ، پر سالاً به گها که هالی آسکول بی تکلے دولے نام ودیارتهی كيميية المح ماني ير عام طور بد مهسائي دهرم سولهكار ي ليعير ههن مدعن ۾ يه يات اب كم هولكي هو، أسكي ہوء ہے هو سکائی ہے که تعلقم بالے پر دهرم کی بھوک جائعي هي ناكون كا إينا پرانا دهرم الگ هي ، جو كمول كتيه سيده سادي رواجين اور نهمين كاسموه هي . آگ كي تعلهم كا كوههما مهن كوكى الشظام تهيين، أكد كى تعلهم ها لم كِ لِيُّهِ ثِنَامٌ وَفِيَارِتُهِي كَلَكْتُمْ جِلْمَ أَلَّمْ هَمِنْ . كَلَكْتُمْ كَا مَشَنْ الم ان کا هو طرح کا سههها کو دیا ها اور اُن کے دهرم کی بھرک بھی مقا دیتا ہے ۔ ھائی اسکول میں لوکے لوكم ساته ساته يوهكم هين .

یم بھے پتہ چا کہ ناکا لوگ أن آدموں کو جو عوسائی دهرم سوٹیکار کو لیکیمیں اُس نظر سے تھوں دیکھی جس نظر ہے اُن کو جو عیسائی،دھرم سوئیکار تیہیں کرتے ، پہر بھی مولم طوو ير عهسائي نالالور فهرميسالي دونين خاصرمل جل كر رهيم ههور. غير عيسائي ناكا لوكون كي لوكيان عيسائي ناكون سے شادی کر لیعی میں اور شادی هوئے ہر اکثر میسائی دهرم بھی سوٹھکار کر لھٹی مھن ، فیسائی لوکھیں نے قدر میسائی نائوں سے شائی کی ہو آیسی کوئی مثال نہیں ملي ، أسكى وجه يه يهي هو سككي هي كه غهر عيسائي تاكا پوھے لکھے تبھی مھی ،

المامي ايك بولي بهي ہے . الكامي جات كے تاكا أسي يواي کو يوآگي ههن ۽ اُس يولي مين تهروا بيت ساهتهه بھی ہے ، پر ولا سب کا سب وومن لپی میں ہے ، اُس ہوئی کی کوٹی چھوٹ ناگری لیی میں لکھی عوثی نیمیں ملتی ، بنگالی لهی مهن إدهر أدهر بے انگامی بولی کے در بھار شود ہولے می مل جاریں ، انکامی جاس کے قریعیہ الهب سب نالا أساس بولي سمجه لهات هون . أسامي بہاشا نہوری بہت بول بھی لیعے میں ، مالی اِستول کے سب نالا وديارتهي جعلى أجهى أنكريزي سمجهيم عين اور جعلى انكريزى يول سكعه هيس اللي نه أساسي سمجها میں اور نه پول سکتے میں . کوعیما کے آس پاس کرھا۔ والے ناکا میں یوس مقدی کے غید سمجھ لیکے میں اور بول لهالم عهون .

کومینا میں سرکار کے پلس کچھ دیمافکے رہانے میں ۔ جليون يول جول مون ٿي . بي. کها جاتا ۾. يه آسامي أو الكامي بمالكم مين . كام بملو هلدي سنجو ليكر هين. فعن ييس هکدي گيد پرل بهي لهکه ههن ، تهوڙي پهمت أنكريزي يمي نوائلت هدي -

يوهيد وألى إلها أور ياد وكهمور ألم تاكين كي هو جالت نی بولی الگ الکت ہے۔ मासास के बीक निर्मालय मेंची साहक ने कोहिना के ही. ली? की भी कार मेंच की बी, पर जब इस कोहिमा पहुँचे तो की. की. की कोहिमा में न वे और न उनकी सकर मिनी की. पेडिल सुन्दरकाल जी और में भीके मसमंजस में पढ़े, पर सुरूप ही एक सक्जन था पहुँचे. और उन्होंने कुछ इस तरह बात करना सुरू की मानो वह हमें जानते हों. जब वह हमारा सब इन्तजाम करने लगे तब दास बाबू ने बताया कि बाप यहां के ह. ही. सी. हैं और घाप का नाम है पूनेन्द्र सेन. फिर क्या हमारा पक मिनट भी सराब गया? बीर ससमंजस का क्या कोई हमाना सा निशान भी हमारे मन पर रह पाया?

इस को दूसरे दिन सुषह इमफोल जाना था इसिलये दो बजे दिन से रात के नो बजे तक जितना हो सका उतना देख बाजा. प ही. सी. साइब ने इतनीफुरती दिखाई जिसका बन्दाचा नहीं हो सकता इस थोड़े समय में. जीप की मदद से, इम कोहिमा नाम का बढ़ा नागा गांव देख आप, नागों का पंचायत यर देख लिया, बमरीकी मिशन हाउस देख किया और बहुत से लोगों से बहरी वार्ते कर जी. रात को ठीक बहुत सरकिट हाउस पहुँच गए.

यह ठीक है कोहिमा से न हमारा जी भरा और न विसाने नाकों का. आसिर यह तय हुआ कि हम इमफास से जौटते हुएं कोहिमा फिर ठहरें और यहां सब जोगों से और कोहिना हाई स्कूल के विचार्थियों से नातचीत करें.

इस थोड़ी देर में इमने क्या सुना, क्या देखा, क्या जाना और क्या इमारे मन पर असर रहा वह इम नीचे लिखते हैं. वापसी पर कोहिमा देखने की सब बातें भी इसमें शामिल रहेंगी.

नागा लोग नंगे नहीं रहते. हमने जो सुन रसा था वह बात बिल्कुल रासत तो नहीं पर कुछ रासत जरूर निकली, दूर सरहद पर, सुना गया है, अब भी ऐसी नागा जात हैं जो बिल्कुस नंगी रहती हैं, आदमी के सिर का शिकार करती हैं और उसका उत्सव मनाती हैं.

नागों में भी कई जातियां हैं. को हिमा के नागा जियादातर अंगामी जात के हैं. इनमें से एक तिहाई या बाधे पढ़ लिखा गए हैं, कुछ का लिज की ता जीम पाए हुए हैं, सरकारी जीकरियों में हैं, कुछ ब्योपार करते हैं. इनमें कुछ ऐसे भी हैं जो रहते तो का हिमा में हैं पर तनसा विदेश से वाले हैं. बिवेश से तनसा पाने वाले या तो वह हैं जो वार कि जैस्ट्री से संबन्ध रखते हैं या जा अमरीकी मिशन से संबन्ध रखते हैं.

यं तो कोशिया में हाई स्कूल तक ही पढ़ाई होती है जीर विवासियों में आने से जियादा नागा विकास ही हैं. फिर जी नागों में जासी सादाद मेजुमटों की है. यह हाई استام کے بھی شعب المنظم ما عدب نے اوجهدا کے تھی ۔

المنظم کے بھی شعب المنظم دی تھی ، ہو جدب امر کوجهدا

المنظم تو تھی اسمی دومهدا مدن نہ تھ اور دہ ان کو شہر المبلی تھی ہفتے استعدر الل جی اور میں تھوڑے اسماحتیس ایک سجن آ پہرنجے ، اور اسیوں نے المبلی عدر اس ایک سجن آ پہرنجے ، اور اسیوں نے المبلی ، حدر المبلی بابو المبلی ، حدر المبلی المب

هم کو دوسرے دن صبنع اِسههال جانا تیا ۔ اِس لگے فو پھو دن سے رات کے نو بچھے تک جھفا هو سکا اُلفا دیکھ اُلگا۔ اے ۔ تی ۔ سی، صاحب نے اُللی پهرتی دکھائی جس کا اُلفازہ نہمں هو سکتا ، اِس تهورے سمے مهن جهنیا کی میٹھ سے مم کوهیما نام کا ہوا ناگا گاؤں دیکھ آئے ' ساگرں کا پہنچاہمی نہر دیکھ لھا اُور پہنچا سے لہگوں سے ضروری ہاتھی کر نہی ، وات کو تھیک وقعید ۔ درکت هاؤس پہنچ گئے ،

یہ ٹھیک ہے کوھیما سے نہ ہمارا جی بھرا اور نہ دکھاتے والوں کا ، آخر یہ طیہ ہوا۔ کوھیما پہرا اور کوھیما ہوئے کوھیما پھر ٹھیریں اور دیھیا ہائی احکول کے وقیارتھوں سے بات چھت کریں ،

اِس تهوری دیر میں هم نے کیا سفا' کیا۔ دیکھا' کیا جاتا اور کیا همارے من پر اثر رها وہ هم نینچے لکھتے ہیں۔ وایسی پر کوهما دیکھانے کی سب باتیں۔ بھی اِس میس شامل رهیلگی ،

ناگا لوگ بلکے نہیں رہتے ، ہم لے حو سن رکھا تھا وہ پاس پالکن غلط کو نہیں پر دیچہ غلط ضرور نکلی ، دور سرحد پر' ببنا گیا ہے' آپ بھی ایسی ناکا جات ہیں جو پالکن بلکی رہتی ہیں' آدمی نے سر کا شکار دوئی ہیں اور اس کا آئسو ساتی ہیں ،

باکوں میں بھی کئی جانیاں میں ، کوهیما کے ناکا زیادت تر آنکامی جات نے میں ، ان میں سے آیک تہائی یا آدھے پڑھ لکو گئے میں ، کچو کالیے نی تعلیم پائے موثے میں ، آیں مرکزی تونویوں میں میں دھیہ بھویار کرتے میں ، آیں میں نتچہ ایسے بھی میں جو رمتے تو فودھما میں میں پر تلفیواد ودیش سے پاتے میں ، ودیش سے تنظواد پاتے والے یا تو وہ میں جو وار سمیتری سے سمیندہ وقیتے میں یا جو آمریکی میں سے سمیندہ وقیتے میں ،

یوں تو کوهیما میں هائی اِسکول تک هی پوهائی هوتی هے اور وفیارتیموں میں اعیا سازی دیارتی ہی میں۔ پھر بھی تافوں میں حاصی بعدالہ کو پچوٹیگیروی ہے۔ یہ عالی मा, पर इस तरह की वारदात बरस में एक दी बार होती हैं क्योंकि गोहाटी के क्लिकुल जासपास हायियों के रहने काबक बने जंगल नहीं हैं हां, जिस जंगल में होकर सुवह के नास इसारी गाड़ी गुजर रही थी वह इतना घना वा कि इसमें द्वाथी रह सकते ये पर उसमें सचमुच कहीं तिखरखने की जगह न थी. हमें तो यह सममना मुरिक्त हो गया कि ऐसे बने जंगल में हाथी कैसे समाता होगा और हाथी के मुंद कैसे एक जगह से वूसरी जगह जाते होंगे, पर श्री कासाख्या राम जी ने एक क्या में हमारी तसल्ली कर दी. वह यह कि आवमी की जांच जितने मंटे पेड़ हाथी के लिये बास से वियादा मूल्य नहीं रखते और इस दलदत बाले जंगल में तो यह पेड़ हाथी की उलटी मदद करते हैं. अपने आप जंगली केलों के पेड़ों से तो जंगल ऐसा भरा मालूम होता था मानो किसी ने खेती कर रखी हो. और यह केलों के पेड़ इाथियों के लिये ऐसा ही चारा है जैसे चास गाय मेक्टों के लिये. इन जंगलों को पार करती हुई इमारी गाढी दीशापुर पहुच गई दीमापुर का दूसरा नाम मनीपुर रोड है.

गादी लेट होने से जहां प्राकृतिक टरय देखने का आनम्द मिला, वहां एक दिलकत मी सामने आई. वह यह कि कोहिमा जाने वाली वस खूट चुकी थी. लेकिन आसाम की खातिरदारी ने हमें एक मिनट भी दिलकत महसूस न होने दी. वास वाबू नामी एक सज्जन मिल गए. उन्होंने हमें ऐसे ही अपनाया मानो हम उनके सगे रिश्तेदार हों. उनके दामाद दीमापुर में पुलिस में नौकुर थे. वस वह खमती वेटी के घर ले गए और एक मिनट में उसके इतनी जाम पहचान करा दी कि हम उसे वेटी सममने लगे और वह हमें बाप. और फिर क्या किसी तरह की दिलकत वाक़ी रह गई!

यह जिसाना हम भूल गए कि सोहन सिंह नामी एक सिंख सरवार हमें गावी में ही मिल गए थे. और वह भी हम से इतना दिल लोककर मिले कि हमेशा के लिये माई क्य बैठे. इन सरवार जी और दास बाबू की मदद से इसारी वस निकल जाने की दिलकत भी इल हो गई एक हम की बगली सीट पर मुक्ते और पंडित जी को जगह मिल गई कीर सरवार जी ने हमारी सारी तकलीक अपने सिर खोद की, वह खुद हम सक्के साथ द्रक में सवार हो गए.

कोहिमा में

इस कोडिमा ठीक बक्त से पहुँच गए. सरकिट हाउस जम्म मिल गई.

पहले वाले इतना और जान में कि कोहिमा जाने के जिसे इस दिनों से, भरकारी परमिट की वरूरत होने सभी है, पहले लहीं होती जी, यह परसिट इने उस कहत ही मिल समा का सब हम मोहाटी से सिलांग गय के.

تها . او الله عليم كي وليداف ورس مون اليك مو مار هي مرتى هے كيونادہ كيمائي كے بالكل أس بلس مانهميں كے رهال اللق البلد بالكل نيين هين . هان اليس جدعل میں ہوکر صفح کے والت هماری کاری کار رهی لیے وہ اللا كهذا تها كه أس مهن مانهي راه سكتے تم يو أس مهن سے مے لوس تل رکیلے کر جکه نه تھی ، هنیں تو یه سنجهدا مشكل هراها له ايس لها جلكل مين هاتهي کیسے سمالا مولا اور هالهی کے جونگ کیسے لیک جاتم ہے درسوی جکه جاتے هونگے . پر شری کاماکهها رام جی نے ایک چهن مهن هماری تسلی کردی . ولا یه که آدمی کی جالکه جعلی مولل یهو هانوی نے لکے کهاس سے زیادہ مولید نبهن رکیتم اور اس دل دل والے جدیل میں تو وہ پیو هاتهی کی اُلگی مدد کرتے هیں ، اپنے آپ جاگای کیلیں کے پھووں سے لو جفکل ایسا بھوا معلیم ھوتا تھا مانو کسی نے کھھاٹی کر رکھی ہو ، اور یہ کھٹوں کے پھو ھاٹھھوں کے لگر ایسا ھی جارا کھیں جہسر گہاس گئے بھھنسوں کے لئے ، ان جلگلوں کو ہار کرلی ہوئی سیاری کاری دیمایور پېړنچ گلی . ديماپرز کا دوسرا نام مقر پور روق ۾ .

گڑی لیمٹ ہوتے ہے جہاں پراکرتک دوشیہ دیکھلے کا آمند ماہ وہاں ایک دقت بھی سامنے آئی ۔ وہ یہ ک کوھیما جائے والی بس چھوٹ چکی تھی ۔ لیکن آسام کی خاطرداری نے ہمیں ایک مقت بھی دقت معصوس نے مونے دی ۔ داس بابو نامی لیک سجن مل گئے ، آنہوں نے ہمیں آیسہ ھی آبانیا مانو ھم اُن کے سکے رشتےدار موں ، اُن کے داماد دیماپور میں پولیس میں نوکو تھے ، بس وہ آبنی بھٹی کے گہر لے گئے اور ایک مقت میں اُس سے آتئی جان پہچان کرادی کہ ھم آسے بھٹی سنجھلے سے آرڈ پھر کھا کسی طرح کی دقت بائی رہ گئی اور پھر کھا کسی طرح کی دقت

یه لکھفا هم بهبل گئے که سوهن سلکھ نامی ایک سکھ سردار هیمی فہری مهی هی مل گئے تھے۔ اور وہ بھی هم سے انقا دال کھول کو ملے که همیشہ کے لئے بھائی بی بھٹھے۔ ان سردار جی اور داس بابو کی مدد سے هماری بس نکل جائے کی دامت بھی حل ہوگئی۔ ایک ٹرک کی اکثی سبت پر مجھے آور بھٹس جی کو جاتھ مل گئی اور سردار جی نے هماری سابی تکلیف انھ سر آوره ای وہ خود هم سب کے ساتھ گزاف میں سوار ہوگئے۔

كوهيدا مهن

هركوههما لهوك وانحاب بهولي لكر. سوكت هاوسمهن جكد عل ككي و

الإسلام الآلا أن جان لهن كه كرموسا جان كي لكر الاستان الاستان

नागा जीवन की एक मज़क

श्रसम राष्ट्रभाषा प्रचार समिति के समावतेन (कनकोकेशन) के सिलसिले में पंडित सुन्दरलाल जी के साथ साथ मुके भी गोहाटी जाने का बुलावा मिला था, सामावर्तन खतम होते ही राष्ट्र भाषा प्रचार समिति के संचालक, श्री रजनी कान्त चकवर्ती ने हम म शिलांग, को हिमा और इमफाल देखने की इच्छा जगादी. और वह वृद् ही हमको उन जगहों को देखने के विये ले गए. इससे बढ़कर उन्होंने एक बात और, की, वह यह कि उन्होंने हमारे साथ जाने के लिये श्री कामाख्या राम जी को तैयार कर दिया गोहाटी में हम कामच्या राम जी के यहां हो ठहरे हुए थे. कासाख्या राम जी इमफाल में मनीपुर रियासतके चीफ जज रह चुके थे. उनके साथ होने से हमने एक हफ़्ते के दौरे में इतनी जानकारी हासिल कर ली जो अकेले व्यकर महीनों में हासिल नहीं कर सकते थे. मनीपुर, नागा कबीले और बासाम की जानकारी के लिहाज से कामाख्या राम जी को अगर इनसाइक्लोपीडिया यानी विश्व कीष कहा जाय तो बेजा न होगा. अगर यह सज्जन हमारे साथ न होते तो हम नीचे जो कुछ 'लिख रहे हैं वह इतने विस्तार के साथ न तिख सकते.

रेख का सफर

गोहाटी का असली नाम है, गोहा हाटी. जिसका हिन्दी तरजुमा होगा—सुपारी मंडी. आज तो नहीं, हां कभी आसाम सुपारियों के क्षिये बेहद मशहूर था. कियों ने आसाम की तारीफ करते हुए बड़ी शान के साथ लिखा है, जब पान की बेलें सुपारी के पेड़ पर चड़ी हुई दिखाई देती हैं तब आदमी में शक्तार जाग उठता है और आसाम झोड़ने को जी नहीं चाहता. गोहाटी का दूसरा नाम 'कामरुप' है और 'कामरूप' का जाबू देश के कोने कोने में मशहूर है. आज कामरुप अलग जिला भी है. कामरुप का एक नाम प्राग ज्योतिष पुर भी है.

हां, तो जब इस दीमापुर होते हुए कोहिमा जाने के लिये तैयार हुए तब यह जानकर कि इसे रात की बाठ बजे की गाड़ी से गोहाटी छोड़ना होगा, हमारे दिस में एक हलका सा दुख महसूस हुआ; और बह इसिलये कि इम रातको सड़क के दाएं बाएं के दृश्य न देख सकेंगे और न जंगली जानवरों की आवाज सुन सकेंगे. होनहार की बात, रास्ते में किसी वजह से गाड़ी लेट हो गई, और सुबह के दो दाई घंटे उन बने जंगलों में बीते जिनको देखने की हमारी बड़ी रूखा बी.

यों तो इसारे मीहाटी पहुँचने के एक दिन पहले ही एक वहे दोलों बाक्स हाथी गोहाटी में शिकार किया जा चुका

ناکا جیوں کی ایک جھلک

السر وأشكر بهاها برجار سمهتم كے سماورتن (كقووكههن) کے سلسلے میں پلکت سلدر ال جی کے ساتھ ساتھ مجھ يهي گوهاڻي جانے کا بلاوا ملا تھا . سداروتن ختم هوتے هي وأفظر بهافا يرجاو سميتى فسنجالك فري رجاء كالمت جگرورتی نے هم میں شانگ' دوهیما اور اِمهمال دیکھئے کی آبهها جکا دی . اور وه خود هی همکو آن جگهول کو عیکیٹے کے لگر لے گئے . اِس سے بوھ کر اُنہوں نے ایک بات اور کی وہ یہ که اُنہوں نے عمارے ساتھ جانے کے لگے شوی لاماقیها رام جبی کو تیار کر دیا ، گرماتی میں هم الماههها وام جي كے يهاں هي تههوے هولے تھے، كاماكهها وأم جیں اِمهمال مهن ملی بور ریاست کے چھف جیم رہ چکے تھے ، اُن کے ساتھ مولے سے هم نے ایک هفاتے کے دورہے مهن اللی جان اوی حاصل کرلی جو اکھلے گیوم کو مھھلوں مهن حاسل قبين كرسكاتے تھے ، سلى پورا ناڭ قبيلے أور آسام کی جان کاری کے لحفاظ سے کاماکھیا رام جی کو اگر ایس سائر ناوی قیا بعلی وادر کوش کیا جالے تو بہجا نه هوا . الر يه سنجن همارے سانه نه هوتے تو هم نهنچے بھو کجھ لکھ رہے مهن وہ أللے وسال کے سالھ ته لکھ سکاتے،

گوهائی کا آسلی نام ہے' گرهاهائی ۔ جس کا هلدی قوجمه هوا۔ سهاری مقتی ، آج تو نہیں' هاں' کہیں آسام سیاویوں کے لئے بہدہ مشہور تھا ، کویوں نے آسام کی تعویف کرتے هوئے ہوی شان کے ساتھ لکھا ہے' جب یان کی بھلیں مہاری کے بھو پر جودی هوئی دکھائی هیں تب آدسی میں شردکار جاگ آٹیتا ہے اور آسام هیوی کو جی نہیں ہواگا ، کوهائی کا دوسرا نام 'کام روپ' کا جادو دیش کے کوئے کو میں مشہور ہے ، ہوروپ کا ایک نام ہواگ جیوری بور بھی ہے ، کام روپ کا ایک نام ہواگ جیوری بور بھی ہے ، کام روپ کا ایک نام ہواگ

ماں کو جب هم دیمایور هوتے هوئے کوهیما جانے کے لئے کھار هوئے کب یہ جان کو که همیں وات کی آٹھ بھی کی گوی ہے کوهائی جہ وان کو کہ همیں وات کی آٹھ بھی کی هائی ما دکھ مصموس هوا ؛ اور وہ اِس لئے که هم وات کو سوک کے دائیں بائیں نے درشیه نه دیکھ سکیلگے اور نه جلگلی دائیوں کی آواز سن سکیلگے، هوئیاد کی بات واسلام میں بھی وجہ سے گاری لیمت هوگئی اور صبح کے دو تھائی کہتے ان کہلے جاگلوں میں بیلام جن کو دیکھلے کی هماری ہوں وہ دیکھلے کی هماری ہوں اور ایکھلے کی

یوں تو مدارے کوهائی پہونتھائے کے ایک دان پہلے ھی ایک ہوے داندوں والا ھاتھی کوھائی میں شاہر کیا جا جاتا दिन में बच्चों के जिये धूप घर खुले हुए हैं. उनके किये दिन में नास्ता बरीरा का भी प्रयन्थ है. माएं सुबह के समय काम पर जाते बक्ष्त उनको ला कर दे जाती हैं. दिन में जरूरत पड़ने पर जैसे दूध पिलाने के निये मां को बुला दिया जाता है. शाम को माएं बच्चों को घर ले जाती हैं. जरा बड़ी उमर के बच्चे किंडर गार्टन स्कूलों में पढ़ाए जाते हैं. जहां उनको सिखाया पिलाया और इस तरह से सिखाया जाता है कि जिससे वह धागे की तालीम के क़ाबिल बन सकें.

स्कूल जाने वाले लड़कों के लिये 'पायनियर महल' बने हुए हैं. यह इमारतें पहले जार के कुछ दौलतमन्द साथियों और अफ़सरों के क़बज़े में थी. अब इन शानदार इमारतों को बचों के लिये नरसरी स्कूलों में बदल दिया गया है. यह नरसरी स्कूल बहुत ही सोच समम के साथ क़ायम किये गए हैं. बचों के लिये लायज़ेरी, रीडिंग कम, अमली ट्रेनिंग बरौरा का खास प्रबन्ध है. यह ध्यान इसलिये रखा जाता है कि आगे जा कर बच्चे ही देश के भाग्य विधाता बनेंगे, वही देश की क़िसमत का फ़ैसला करेंगे. बचों की देख रेख खास जानकारों की मातहती में की जाती है. इस देख का सब खर्चा सरकार देती है. ज़रूरत पड़ने पर बड़े से बड़े जानकारों से सेवाएं बचों के लिये ली जाती हैं.

सेहत और भलाई

इन तमाम कोशिशों के अलावा तमाम जनता के हित के लिये स्वास्य सुधार का प्रवन्ध है. डाक्टरों में ऋस्सी भी सदी भीरतें हैं, जो मर्द या भौरतें डाक्टरी का पेशा करते हैं वह निजी प्रैक्टिस नहीं करते. जनता की सेवा ही उनका मक्रसद है. वह कोई तिजारत या पैसा पैदा करना नहीं चाहते. सुके बढ़ा अचरज एक बात पर हुआ वह यह कि अस्पतालों में स्पेशल मेंटर्निटी बार्ड नहीं थे. पूछने पर पता पता कि वह जरुवाओं को बड़े अरुपतालों में नहीं रखते. बहिक सब मार्थों के लिये थोड़े फासलों पर जवालाने की तमाम सुविधाएं है. यह सुविधाएं काम करने बालों के घरों से बहुत क़रीब हैं. अगर कोई चीड़फाड़ का केस हो जाता है तो उसको बबे अस्पतालों में भेज दिया जाता है. इन सब बालों से इस को पता चलता है कि सोवियत सरकार कितना श्राधिक जनता के हित का ध्यान रखती है और उनकी समाम जरूरतों को पूरा करती है. वहां की जनता नियम **भीर एक शिस्त के भनुसार रहती हैं, पर इसे कोई 'हिंसा"** महीं कह सकता. हमारे देश में अहिंसा भी अजीव रूप ले लेती है. हम आजादी से जहां चाहे थुक देते हैं, जो जहां दिल में आप गंदगी कर देते हैं. यह बात हम रेल. सडक. बंद के बारों तरफ सब जगह करते रहते हैं. यह बात रूस में नहीं होती. इसलिये मेरी समक्त में नहीं आता कि कोई किसी दुसरे गुल्क के अच्छे शहरी जीवन की तारीफ करने पर क्यों नाराण हो.

فس میں بھوں کے لگے فیفرٹ گور گھلے ھوٹے ھیں۔ میں اس کے لگے دی میں ناشکہ وقیوہ کا بھی پربٹدھ ہے۔ مائیں میم کے سے ام پر جاتے وقت اُن کو لا کر دی جاتی ھیں ۔ دی میں ضرورت پوتے پر جیسے دودھ بلالے کے ماں کو بلا دیا جاتا ہے ۔ شام کو مائیں بھوں کو گھر لیے جاتی ھیں۔ درا ہوی عمر کے بنچے کفقر گرتن اِسکوں میں پرھائے جاتے ھیں، جہاں اُن کو کھلیا اور اس طرح سکھایا جاتا ہے کہ جس سے رہ آئے کی تعلیم کے تابل بی سکھی ،

اسکول جانے والے الوکوں کے لئے و پائےتھر صحال کا بلے هوئے معنی ہے مارتیں پہلے قار کے کنچھ دولت مقد ساتھھوں اور افسروں کے قبضے میں تھیں ، آپ ان شاندار ممارتوں کو بچوں کے لئے نرسری اسکولوں میں بدل دیا گیا ہے ، یہ نوسری اسکول بہت هی سوچ سمتھ کے ساتھ قائم کئے گئے ہیں ، بچوں کے لئے قائمریوی ویقائی روم مملی تریقگی وغیرہ کا خاص پربلدھ ہے ، یہ دھیاں اس لئے وکہا جاتا ہے کہ آئے جا کر بنچے هی دیش کے بھاگھہ ودھاتا بلیگے وهی دیش کی قسمت کا فیصلہ کریقگہ ودھاتا بلیگے وہی دیش کی قسمت کا فیصلہ کریقگہ بھوں کی جاتی ہیں دیکھ ویکھ خاص جان کاروں کی ماتندگی میں بہوں کی جاتے ہی جاتے ہی جاتے ہی جاتے ہی جاتے ہیں دیکھ ویکھ کریدگی ہیں کی جاتے ہی باتھ ہیں دیکھ کریدگی ہیں کے باتھ ہیں کے باتھ کی جاتے ہی جاتے ہی دیگی میں کروں کی ماتندگی میں بہوروں کی جاتے ہی جاتے ہی جاتے ہی جاتے ہی جاتے ہی جاتے ہی جاتے ہیں کروں سے سفوائیں بھیں کے لئے لی جاتی ہیں ،

محصت أور بهلائى

اِن تمام کوششوں کے مقاوہ تمام جفعا کے هت کے لگے سواسعه سدهار کا پربلده هے ، داکتروں مهن 80 فیصدی مررتین هیں ، جو سرد یا عورتهی ةاکاری کا پیشم کرتے هیں۔ وہ انتهی پریکاٹس نہیں کرتے ، جانا کی سیوا هی ان کا مقصد ہے ، وہ کوئی تجارت یا پیسہ پیدا کرتا نہیں جاهیر. مجمه بوا اجری ایکبات پر هوا ود یه که اسبعالون میں اِسهیشل میرنگی وارہ تبھی تھے ، پوچھٹے پر پاتہ جا که ولا وجاول کو بوت استثالوں میں میں نہیں رکیا ۔ بلعد سب ماؤں کے لگے ٹھوڑے قاصلوں پر زچھ خاند کی تمام سيدهاڻهن ههن، يه سودهاڻين کام کرتے والين کےگهرون سے پہنے قریب میں ، اگر کوئی جمور پہار کا کیس مو جاتا ھے تو اس کو ہونے اسپتالیں میں بھیج دیا جاتا ھے، إن سب باتين سر هم كو يقد جلقا هي كة سوريت سركار کتلا ادھک جنٹا کے مت کا دھیاں رکھتی ہے اور اُن کی تمام ضروتیں کو پیورا کرتی ہے ، وہاں کی جفعا دیم اور مست کے انوساار رمعی ہے ، ہر اسے کوئی '' هلسا '' نہیں کہ سکتا ، هسارے دیش ہیں اهلسا بھی مجھیب روب کے سکتا ، هسارے دیش ہیں اهلسا بھی مجھیب روب کے لیعی ہے ۔ هم آزادس سے جہاں جائے تھوٹ دیتے هیں ، یہ بات هم ریل سوف کہتے رکھیں جاتا ہم ریل سوف کہتے رحمے ہیں۔ یہ بات ووس میں نہوں ہوتی ،اس لکے میری سنجے میں نہیں ادا کہ کوئی کش نیسرے ملک کے اچھ شہری جدرن کی گمریف فرنے پر کھوں ناراض مو

सबरीकी दिशा हमें अधिक परान्त हैं। इस सोच समस कर कैसना करना चादिये. इसे यह न चाहिये कि इपर इसर के मुटे प्रचार को सच मान ते और इसमें अपने आप को मॉक दें.

सामा पीना

आज के रूस में खाने पीने की चीज़ों की जरा भी कमी नहीं है. हर आदमी की न सिर्फ खाने की चीज़ें ही बल्फ बढ़िया से बढ़िया चीज़ें खाने की मिलती हैं. मौसम के अनुसार सब की कपड़े लग्ने भी मिल जाते हैं. जहां तक बरों का सबाल है जसका हल भी तेज़ी से किया जा रहा है.

तालीम

तालीम में बड़ी लेखी से प्रगति हो रही है. रात दिन इस बात की कोशिश की जा रही है कि सब काम करने वालों की काबलियत बढ़े. शाम की कलचरी जगहों और दूसरी जगहों पर उन लोगों की तालीम दी जाती है जो तालीम हासिल करके उन्नति करना चाहते हैं. मद और औरत सब अपनी अपनी पसन्द का काम चुन लेते हैं. फिर इस काम में उनको ट्रेनिंग दी जाती है. कलचरी मुक़ामों पर अच्छे अच्छे मास्टर पदाने के लिये रखे जाते हैं. बड़े बड़े महलों और हवेलियों को अब मखद्रों के कलचरी महल बना दिया गया है. मास्को और लेनिनमाद जैसे बड़े बड़े शहरों में हुखारों आदमी शाम के समय रालीम और ट्रेनिंग पाते हैं.

इस अमली द्रेनिंग के अलावा लोगों को कला संबन्धी बातों की भी जानकारी कराई जाती है. गाना, बजाना, चित्रकारी, द्रामा और इस तरह की दूसरी कलाओं की तानीम दी जाती है. सिखाने वाले खुद बहुत बच्छी जानकारी रखते हैं. अपने काम में महारत रखते हैं. इनका काम बहुत ऊंचे पैमाने का होता है. इनसान तो इनसान, सोवियत में जानबर्गे तक की भलाई का हर तरह का खयाल रखा

जाता है.

बच्चें बहुत बुट्यन से दी बच्चों की काफी देख रेख की जाती है. जब मां काम में लगी रहती है उस समय बच्चों का हर तरह ज्यान रक्षा जाता है. इस बात पर कोई सवाल कर सकता है कि क्या यह जायज है कि मां एक छोटे बच्चे को छोड़ कर काम पर बजी जाय? लेकिन जिस तरी है से वह इस बात को करते चौर निभाते हैं उस में कोई दोश नहीं निकाला जा सकता. सकाई का कास ज्यान रक्षा जाता है, वर्षों को साम है साम कपने पहनाप जाते हैं. बच्चों को सिसाई औ सरसे पहलियात से रखती हैं. बाहर के लोग जब इन समही पर जाते हैं तो उन्हें अपने सब कपनों के के अपर के लोगे पहन लेने पहते हैं.

اسيعان خفينا هيون انعک يسلد ۾ ؟ هنهن سيو سيون از لهمناه کرنا جاهئے، هنهن په نه جاهئے که اِدهر آهيون کے جهوئے پرچار کو سے مان لهن اور اُس مهن آه آهيو کو جهونک دين ،

لهيانا پينا

آج کروس میں کھانے پہتے کی چھڑوں کی ڈوا بھی کدی نہیں ہی تہیں ہی تہیں ہی اومی کو نہ صوف کھانے کی چھڑوں ہی جونوں ہی باکت پوھیا سے بچھیا چھڑوں کھانے کو ملتی ھیں ، موسم کے الوسار سب کو کہوے لئے بھی مل جاتے میں د جہاں تکہ کھروں کا سوال ہے اس کا حل بھی تیڑی سے کھا جا رفا ہے ،

لعليم

العلیم میں پری توزی سے پرگتی هو رهی ہے ، رات دان ایس بات کی کوشش کی جا رهی ہے کا سب کام کرلے والیں کی قابلیت بریے ، شام کو کلتچری جگہراں اور دوسری جگہراں ہو ان لوگوں کو تعلیم دی جاتی ہے جو تعلیم میں جاتی ہے جو تعلیم سب اپنی اپنی اپنی بسند کا کام جون لیکنے هیں ، مرد اور ایس کام میں اُن کو ڈرینلگ دی جاتی ہے، کلتچری مقاموں پر اچھے اچھے ماسلار پرهائے کے لیکے رکھے جاتے میں ، برے پر اچھے اچھے ماسلار پرهائے کے لیکے رکھے جاتے میں ، برے پر اچھے اچھے ماسلار اور حوبلیوں کو اب مؤدوروں کے کلتچری متصل پی ایک فیا ہے ، ماسلاو اور لیان گراد جوسے برے برے بیا دیا گیا ہے ، ماسلاو اور لیان گراد جوسے برے برے بیاتے میں ، اور ترینلگ

آس معلی تربیلنگ کے ملاوہ لوگوں کو کلا سهندھی پائیں کی بھی جان کاری کرائی جاتی ہے ، گانا پیچانا چترکاری قرامہ اور اس طرح کی دوسری کلاوں کی تعلیم میں جاتی ہے ، سکھانے والے خود بہت اچھی جان کاری وکیچے ہیں ، اپنے کام میں مہارت رکھتے میں ، ان کا کام پہمت اُونچے پیمانے کا ہوتا ہے ، اِنسان تو اِنسان سووایت میں جانوروں تک کی پہلائی کا ہر طرح کا خیال رکھا جاتا ہے ،

4

بہت چھٹین سے ھی بحوں کی کائی دیکھ دیکھ کی جاتی ہے ، جب ماں کام میں لکی دھٹی ہے اُس سے بحوں کا ھر طرح دھیاں رکھا جاتا ہے ، اس بات پر گوئی موال کر سکتا ہے کہ کیا یہ جائز ہے که ماں لیک جھوٹ بحوث ہو اس بات کو کرتے اور نبھاتے میں اُسمیں کوئی دومی نبھیں نبلا جاسکتا ، صفائی کا خاص دھیاں رکھا جاتا ہے ، بحوں کو صاف سے صاف کہوے پیٹائے جاتے ھیں ، بحوں کو صاف سے ماف کہوے پیٹائے جاتے ھیں ، بحوں کو سکھائی جرائے ھیں ، بحوں کو جب اُن جکہوں پر جاتے ھیں ، بحوں کو جب اُن جکہوں پر جاتے ھیں ، بحوں کو جب اُن جکہوں پر جاتے ھیں تو اُنہیں آبے سب تھوؤں جب اُن جکہوں پر جاتے ھیں تو اُنہیں آبے سب تھوؤں

जिस मुल्क में भी इन्फ़लाव होता है और जहां का माली हां का किसी नई योजना के आधार पर सदा किया जाता है का किसा का होना कुर्रती है. रूस का इन्फ़लाव इसी सरह की एक मिसाल है. उस इन्फ़लाव ने रूप के सारे समाजी हांचे को सिरे से बदल डाला. इसिलये वहां मार साह का होना कुर्रती था. उन्होंने पहिंसा का कभी दावा भी नहीं किया. उनके सामने कोई और दूसरा रास्ता ही नहीं था. उनके पास महात्मा गांधी जैसा राह दिखाने वासा न था. उनको जो रोशनी दिखलाई पढ़ी उसमें उन्होंने जो सहाया बह उचित ही उठाया.

इसमें दिसा हुई है यह बात अधिकतर अमरीकी इसकों से ही सुनने में आती है. अमरीकी इस मामले में इसीयों से किसी तरह कम नहीं हैं. अगर इम इस समय दिसा के सवाल पर गौर करें तो पता बलेगा कि अमरीका के रहने बाले संसार में हिंसा में सब से आगे बढ़े हुए हैं. ओरिया की लड़ाई एक जीती जागती मिसास हमारे सामने है. जहां तक इसारे अपने देश का सवाल है. हमें इस मैदान में एक बहुत अच्छा नेता मिल गया. हमें खुद तो अपने प्यारे मेता गांथी जी के अस्तों की रोशनी में ही बलना बाहिये. उनके अस्तों में विश्वास रक्षना चाहिये. हमारी

में अपने निजी अनुभव के बल पर कह सकता हूँ कि आज सोवियत में हिंसा नहीं के बराबर है. इस मामले में आज से 30 साल पहले रूस में क्या हुआ। उस पर गौर करना बेमानी है. आज का रूस 30 साल पहले का रूस नहीं है. नई पीढ़ी के लोगों ने उसमें बढ़ी बढ़ी तबरीलियां कर ही है. अभय की गति के अनुसार रूस ने अपने आप को बदला है, अपने साधनों और तरीक़ों में अदल बदल की है. 30 बरस पहले के रूस की अब आलंग्यना करना इस के साथ जियादती करना होगा. आज के रूस की आंखोयना 30 साल पुराने रूस के आधार पर करना ऐसा ही है जैसा आज के ईसाई धर्म को आलोयना हजार बरस पहले के ईसाई धर्म को आलोयना हजार बरस पहले के ईसाई धर्म के आधार पर करना.

आजवन में देखता हूँ कि आप एक तरफ रूस की करणी हिंसा पर हांतों ततो उंगतों वे लेते हैं और दूसरी स्टब्स हमारे रचनासम्ब कारकर्ता एक दूसरे से होड़ ले रहे और अमरीका की चलाई हुई कम्युनिटी योजनाओं में सहयोग है रहे हैं. अमरीका की हिंसा के परिचे चलते किसी इनसान किन्दा जलती हुई मशालें बना दिये जाते किसी इनसान किन्दा जलती हुई मशालें बना दिये जाते हैं. अमरीका के मणाम बम अच्छो, नले और तन्दुक्तत महारी की कीर क्यां के मणाम बम अच्छो, नले और तन्दुक्त महारी की कीर बीमारी के कीर मिंद आते हैं. क्या यह

المنافقة المنافقة على التالية هولا في أور جهال المائل المنافقة على المنافقة على المنافقة الم

روس میں هنساً هوئی ہے یہ بات ادهکاتر آمریکی حلقوں سے هی سلنے میں آئی ہے ۔ امریکی اِس معاملے میں ورسیوں سے میں ورسیوں سے کسی طرح کم تہیں هیں، اگر هم اِس سیے هنسا کے سوال پر فور درس تو پتہ جائتی مثال عمارے میں ، دوریا تی لوانی ایک، جیتی جائتی مثال همارے سامنے ہے، جہاں تک، همارے آبے دیس کا سوال بے همیں اس میداری میں ایک بہت اچھا بیتا مل کیا ، همیں غود تو اِسے پہارے نبیتا الدهی جی نے امولوں کی ورشلی میں هی چلفا جاهئے ، اُن نے امولوں میں وشواس وکینا میں هی چاہئے ، اُن نے امولوں میں وشواس وکینا جاهئے ، اُن نے امولوں میں وشواس وکینا

میں آپے نعبی انوبووا کے بل پر کے سکتا ھوں کہ آپے سوریہ میں ھلسا نہیں کے برابر ہے ۔ اِس معاملے میں آپے ہے 05 سال پہلے روس میں کیا ھوا اُس پو فور کونا یہ معلی ہے ۔ آپ کا روس 05 سال پہلے کا روس نہیں ہے ۔ نکی بیوھی کے لوگوں نے اُس میں بوی بوی تبدیلیاں کو ندی ھیں ، سعے کی گئی کے انوسار روس لے لیے آپ کو بدی ہیں ادال بدال کی ہے ۔ بدلا ہے اُلے مادیلیوں میں ادال بدال کی ہے ۔ والا پر اُلے بات آلوجا کرما روس نے ساتھ زیادتی کوئا ھوگا ۔ اُس کے روس کی آلوجا کرما روس نے ساتھ زیادتی کوئا ھوگا ۔ اُس کے اوسال پرائے روس کے آدھار پر قرنا ایسا ھی ہے جیسا آپے کے عیسائی دعوم کے دھوم کی آلوجا میار پرس پہلے نے عیسائی دعوم کے دھور کے ویکا ۔

آج کل میں فیکھٹا ہیں کہ آپ ایک طرف روس کی فرقی هندا پر داعیں کئے آنکٹی دے لیک دوسرے سے دوسری طرف منبارے وچھائٹ کارکرتا ایک دوسرے سے فرز ان رہے میں شہیرک کی وہ عیس امریکہ کی مقسا برجماؤی میں شہیرک کی رہے تھی داری سشملین کے دوسے رہائے ہیں۔ آبسان وفاد جلکی ہرکی سشملین بنا دیتر جائے ہیں۔ آبریکہ ڈیٹیاری آبھی ایمار اور تلدرست مردس میردی کی تجربی کی میرد کی فیلٹ سے دیا۔

रूस का राज जनता के भले का राज है

(डाक्टर जे. सी. कुमारप्पा)

गांधी आश्रम, मेरठ के लोगों ने डाक्टर जे सी. कुमा-रत्पा से कुछ सवाल किये थे. नीचे हम उनके सवाल और डाक्टर जे. सी. कुमारप्पा के जवाब का खुलासा दे रहे हैं.

सवास

"आप हमेशा उस चीज की बुराई विखाते रहते हैं जो गांधी जी के विचारों से नहीं मिलती. पर रूस में हिंसा से और बड़ी बड़ी कल मशीनों से काम लिया जाता है फिर भी आप रूस की तारीक करते नहीं थकते रे" यह क्या बात है.

जवाब

यह बात बिल्कुल सही है कि जिस चीज में गांधी जी की निगाह नहीं अपनाई जाती उसकी मैं निन्दा करता हूँ. फिर भी अगर रूस की किसी बातों की मैं सराहना करता हूं तो उसके कई साफ कारन हैं.

मकसद

मैं दो बातों से हर सरकार की जांच करता हूँ: एक यह कि उस सरकार से जनता के कश्टों का हल होता है या नहीं और दूसरे यह कि उससे जनता कैसे तरक्षकी करती है.

हस की सोवियत सरकार ने अपना पूरा ध्यान मजदूरों की मलाई की तरक लगा दिया है. रूस में हर नरफ लोग काम में जागे हुए हैं. उनकी देखभाल सरकार करती है. सबके साने पीने का स्तयाल, कपड़े लत्ते और मकान वरीरा का ध्यान सरकार को रहता है. यहां तक कि जरूरत की मामृती चीज़ें भी सरकार मुहैया करती है. सब काम करने वालों के भले पर सरकार जो अनुक ध्यान रखती है वह सराहना के क्राविल है. यह बात सरमायादार मुल्कों में देखने में नहीं आती. जहां तक हमरे देश का संबन्ध है इस कह सकते हैं कि यहां जनता के दुखों पर किल्कुल ध्यान मही दिया जाता. इन ही तमाम बातों की देख सुन कर मैं सोवियत रूस की सराहना करता हूँ. मेरे लिये इसके बालावा कोई चारा ही नहीं है. इस रूस के उपायों या साधनों में जो चाहे दोच निकालें पर जिस मंजिल या मकलद की तरफ वह बढ़ रहे हैं वह तारीक के क्राविल है. शैतान के अन्दर भी अगर कोई भलाई हो तो उस भलाई को हमें स्थीकार करना चाहिये. मेरे कहने का मतलब यह इरिगक नहीं है कि मैं रूस की इर चीक पसन्द करता है या अनके सब असलों को मानता है.

روس کا راج جنتا کے بھلے کا راج ھے

(ڈاکٹر ہے ، می ، کماریہا)

گاندھی آھرم' مہرتہ کے لوگوں نے ڈاکٹر جے ، سی ، کیاریہا سے کچھ سوال کئے تھے ، نہجے ھم اُن کے سوال اُور ڈاکٹر جے ، سی ، کماریہا کے جواب کا خلاصہ دے رہے مہن ،

1-m

¹⁷آپ میہمہ اُس جہو کی برائی دکھاتے رہتے میں جو گفتھی جی جو گفتھی جی کے وچاروں سے نہیں ملتی ، پر روس میں مقب میسا سے اور بڑی بڑی کل مشیقوں سے کام لیا جاتا ہے پیر بھی آپ روس کی تعریف کرتے نہیں تبکتے ؟'' یہ کہا یات ہے .

جواب

یہ یات ہالکل ضعیم ہے کہ جس چیز میں ٹاندھی جی کی تھا کہ تھیں ایڈائی جاتی اُس کی میں تلداً کرتا موں ، پور یمی اُلوروس کی کسی یاتیں کی میں سراھلا کرتا ہوں تو اُس کے کئی صاف کارن ہیں ،

مقصد

مهن دو باتوں سے هر سرکار کی جانبے کرتا هوں: أیک یہ کہ اُس سرکار سے جلتا کے کشتوں کا حل هوتا هے یا نههن اور دوسرے یہ که اُس سے جملتا کیسے ترقی کرلی ہے، روس کی سوویت سرکار نے اینا پورا دھیان مزدوروں کی پھٹائی کی طرف لکا دیا ھے ، روس مھری ھر طرف لوك كلم مهن لكم هولم هين . أن كي ديكة بهال سركار کوتے ہے . سب کے کہانے پہنے کا خیال ، کورے لئے اور مکان پههره کا دهیان سرکار کو رها هے ، یہاں تک که ضرورت کی معمولی چھڑیں بھی سرکار میھا کرتی ہے ، سب کام کرتے والين کے بہلے پر سرکار جو اچوک دھیان رکھتی ہے وہ سراهدا کے قابل ہے یہ بات سرمایددار ملکوںمیں دیکھٹے میں نہیں آئی ، جہاں تک مباریہ دیش کا سبادہ ہے ھے کے سکتے ھیں که یہاں جاتا کے دکھوں پر بالکل دمهان نیهن دیا جاتا . ان هی تمام باتون کو دیکه سی کر مهر سوويت روس كي سراهدا كرنا هول . مهري لكي إس کے علاوہ کوئی جارا ھی نبھی ہے ۔ ھم روس کے آپایوں کا سادهدون مهل جو جاه دوهن تكلهن يرجس متول يا مقصد کی طرف وہ ہوہ رہے میں وہ تعریف کے قابل ہے۔ شیطان کے اندر یعی اگر کوئی آبیائی هو تو اُس پہلائی کو همها سرتهكار كرنا الجاهث المهراء كهال لا مطلب يه هركز نههن هے که سین روس کی هو جهور پساند کرفا هون یا آن کے سب اصولین کو مالکا ھوں ۔

Unwithering अन मुस्साव
Unwritten अन लिखा
Vegetarian तरकारया
Zeno hour सिक्त पड़ी

इस अस्ल का फायदापन अच्छी तरह समयने के क्रिये यह जरूरी है कि हम अपनी पेश की हुई इस्तलाहों का अकावता हिन्दी और उद्केश का लक्ष्मों से करें.

हमने Fossil का तरजुमा पथराव किया है जिसका हिन्दी बराबर या (Equivalent) उत्सांत और जीवास्म दिया गया है. यह शब्द भले ही हिन्दी में चलें मगर कृद आस तौर पर नहीं चल पायेंगे और उनका मत्यस्व समस्मा हमेशा किन होगा. इसके बरज्यक्स कम पढ़े किले लोग भी पथराव के माने खुद बखुद सम्म जायेंगे क्योंकि बदाव, चढ़ाव, लदाव की तरह और उन्हीं के क्रयास पर यह शब्द भी बनाया गया.

एक और मिसाल लीजिये. Import और Export की हिन्दी में आयात और निर्यात कहते हैं. उर्दू में दरआमद और बरआमद कर बामद तो बड़ी परेशानी पैदा करता है. दरआमद के माने सही होते हैं: अन्दर आया या अन्दर आई हुई चीजें. मगर बरआमद ठीक नहीं. इसके माने बाहर आया या बाहर आई हुई चीजों के होते हैं हालांकि हमारा मतलब बाहर गई हुई चीजों को होते हैं हालांकि हमारा मतलब बाहर गई हुई चीजों जाहिर करना होता है. अगर दरआमद के उलटा बररफत कहते तो भी बेहतर होता. निर्यात के मुश्कलपन और दरआमद करआमद के उलमाब से बचने के लिये मैंने उनके बराबर आयात और जायात बनाय हैं. आयात से आने बाली चीजों मुराद हैं. यह हिन्दी का मुस्तनद् शब्द है. आयात के मुकाबले में जायात से जाने बाली चीजों क्रयास करना बहुत आसान है.

लाको, लुटाको, मिटाको बहुत आम लम्ब हैं जिनके माने हर शुक्त जानता है कि लाने वाला, लुटाने वाला, सिटने बाखा होते हैं. विकास मकान से मुराद क्रिकने बाखा सकान है. इसी बजन या तरकीय पर बहुत से लक्ष्य का सकते हैं: जैसे Oscilleting Fan के लिये पुनाब पंजा बाने यूनने वाला पंजा.

ا اِس اُسِول کا قائدہ پن اُبھی ترہ سنچھکے کے لگے یہ وروی ہے کہ ہم ایکی پیش کی جوٹی لبکاھیں کا مقابلا مقدی آور اُوہو کے باز لفزین سے کریس ،

هم نے Fossil کا ترجما پھیراؤ کھا ہے جس کا هندی برابر یا (Equivalent) انکھانت (क्सांस) آور جھواشم برابر یا (क्सांस) دیا گھا ہے ۔ یہ شبد بھلے ھی هندی میں چلیں مگر وہ آم تور پر نہیں چل پالٹکے آور ان کا معلب سمجھا ممھھ کاتوں ہوگا اس کے براکس کم ہوھ لکھے لوگ بھی پاتھراؤ کے مانے خد بطد سمجھ جائھنٹے کھونکہ براؤ چوھاؤ لداؤ کی ترہ اور انہیں کے تھاسی پر یہ شہد بھی بنایا گھا ،

ایک آور مسال لهجگه ، Import اور مسال لهجگه ، آور نویات کهته ههی . آورو مهی در آمد اور برآمد آور بریات کهته ههی . آورو مهی درآمد آور برآمد آور بریشانی پهدا کرتا هے ، در آمد کیمانے سهی هوتے ههی : اندر آیا یا آندر آئی هوئی چهزین مکر بر آمد تابهک نههی . اس نے سانے باهر آیا یا باهر آئی هوئی چهزوں کے هوتے ههی . هائنکه همارا متلب باهر کئی هوئی چهزوں کے هوتے ههی . هائنکه همارا متلب باهر کئی هوئی چهزوں کے هوتے ههی . اگر در آمد کے آنگا بروامت کهتے تو بهی بهتر هوتا ، نریات کے مشکلهن آور نورآمد پر آمد کے آلتجهاؤ سینچانے کے لئے مهی نے آن کی برابر دو آمد پر آمد کے آلتجهاؤ سینچانے کے لئے مهی نے آن کی برابر میں جایات په مقدی کا مستخد شبد هے . آیات کے مقابلے میں جایات سے جہزین قیاس کونا بہت اسان هے .

کھاؤ' لگاؤ' مگاؤ بہمت آم لفؤ ھھں جن کے مالے ھو شخص جاتھا ہے کہ کھائے والا القالم والا مگفے والا ھوتے میں ، یکو مکن سے مراد یکئے والا مکنی ہے ۔ اسی وزن یا ترکیب سلفؤ بیرسکتے میں جیمیہ Oscilletting Fan کے لئے کیمئو یقتی یائے گھوملے والا یقتی ،

अभेग '58

ابريل 88

164)

| Neutralization |
|-----------------|
| New Rich |
| Oasin |
| Obstructionist |
| Ocean |
| Oceanica |
| Octagon |
| Octagonal |
| Optimism |
| Oscillating Fan |
| Panmovements |
| Parricide |
| Pathology |
| Peace-feelers |
| Peninsula |
| Physiology |
| Priem |
| Psychology |
| Quadrangle |
| Quadrangular |
| Quadruplicate |
| Quadruplication |
| Radiate |
| Radiation |
| Ranarium |
| Reflect |
| Reversal |
| Reverse |
| Script |
| Semicircle |
| Semicircular |
| Soluble |
| Insoluble |
| Stratification |
| Stratify |
| |
| Treacherous |
| Triangle |
| Triplicate |
| Triplication |
| Unapproachable |
| Unbearable |

| The state of the s | |
|--|---|
| वेजानियपावा | |
| नी वसीरया-नी वसीरवे | , |
| राजिस्तान | |
| क्डावट बाज | |
| महा सञ्चल्द | |
| समन्दरतान | |
| चठ कोलिया | |
| घठ कोमी | |
| द्वस पसन्दी | |
| पुमाब पंता | |
| क्लाड़ाव तक्रीकें | |
| नाप इत्या | |
| रोग विचा | |
| शान्ति सोजी | |
| टापू नुमा | |
| तन विद्या | |
| पुषका, पुषक्रया, मन विद्या | |
| नग जिल्ला चार कोनिया | |
| वार कोनी | |
| चौगनाना | |
| चौगन।वा | |
| करनाना | |
| करनाव | |
| मेंक्क वर | |
| जकसाना | |
| पिष्ठसाया | |
| पि ल् काना | |
| बिकावर | |
| अध वेरा | |
| व्यथ घेर, व्यथ घेरी | |
| पुत्र सकनी | |
| व्यम्युक्त सकनी | |
| परतवावा | |
| परतवाना | |
| यातोनी-पातिया | |
| तिको निया | |
| तिगनाना | |
| सिवनाया | |
| भपस्या | |
| चनमेलनी, चसहनी | |
| धनपद्भी नी | |
| शव द्वारती | |

| - ' ' | The Residence of the Park |
|---------------------------|---------------------------------------|
| Herina | 1. 2 |
| بريا - تو امهراء | له أم |
| والكسفرات | , , , , , , , , , , , , , , , , , , , |
| رگوت باز | |
| مها سمانو | |
| سبلدوسال | |
| اله كويلا | |
| | |
| اله کونی | |
| سکو پسائی | |
| المحلو ولمحا | 17 |
| جهاز تصریکس | کل |
| پاپ هايا د د د | |
| روك ونيها | |
| هانعی کیوڈی | |
| ٽاپو نما | |
| لن وديا | |
| State State | |
| تن رسیا | |
| الهار عونها | |
| چارکونی | |
| U.S. | |
| أوللأوي | |
| كرنانا | |
| فرناو | |
| مهلقك لهر | |
| كسلاه | |
| Jagos | |
| Ultery | |
| لكهاوت | • |
| انھ گھورا | |
| ئههر' ادھ گھھر <i>ي</i> | auf . |
| گهل سکلی | |
| ان گهل سکلی | |
| پرتهاو | |
| پرتهال | |
| گهاترنی-گهاتها | |
| تكولها | |
| طلل | |
| ,uc | |
| أياس | |
| چېيللئ ^ا اسيلر | أن |
| أن يالنال | |
| أل مكرتى | |
| أن سيدن | |
| Λ | 40 4 . |
| / 10. | |

| Neutralization New Rick |
|----------------------------|
| New Rici |
| Onat |
| Obstructionis |
| Ocean |
| Oceanics |
| Octagon |
| Octagonal |
| Optimism |
| Oscillating Fan |
| Panmovements |
| Parricide |
| Pathology |
| Peace-feelers |
| Peninsula |
| Physiology |
| Prism |
| Psychology |
| Quadrangle |
| Quadrangular |
| Quadruplicate |
| Quadruplication |
| Radiate |
| Radiation |
| Ranarium |
| Reflect |
| Reversal |
| Reverse |
| Script |
| Semicircle |
| Semicircular |
| Soluble |
| Insoluble |
| Stratification |
| Stratify |
| Treacherous |
| Triangle |
| Triplicate |
| Triplication |
| Unapproachable |
| Unbearable |
| Unbelievable |
| Undeniable |
| Unwatered |

Unbelievable Undeniable

| OK. | 100 | 132 | 1.54 | ØΥ | PΨ |
|-------|-----|-----|-------|----|----|
| W. | 351 | 7 | 91. Z | | 23 |
| 1 4 3 | | | 38. | | w |
| | | | | | 3 |

| Commencials | * | 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 | Compressib |
|----------------------------|--------------------------------------|--|-----------------|
| Compressible Continent | देगदार महादेख, महाक्षण | منافس مناملک | Centine |
| Cosmopolitanism | नदोस्त्रकतः नददेसिकतः | Wegangling | Comopolitanis |
| Componition | वस्त्राची - | gus | Crematic |
| Current Account | शांत् सारा | جالو گهاتا | Current Accoun |
| Deprivable | महरूम सक्नी | ە ھەررم سكالى | Deprivah |
| Diarehy (du'raj ge e | • | du' raj (du' raj | |
| Dipsomaniac | श्राम जन्मिया, शराष | شراب جلونها، غراب | Dipsomani |
| Dibeomaniac | जन्नी | . جنگونی | • |
| Discriminate | फर् का ना | أركانا | Discrimina |
| Discrimination | क्रि र का व | ولاية | Discrimination |
| | | بأعديا | Elast |
| Elastic | ल पक् यार विजविद्यामा | يجلهاوا | Electrification |
| Electrification | विज्ञासम्बद्धाः विज्ञासम्बद्धाः | يجليانا | Electri |
| Eletrify | • • • • • | نسل مدهاریات | Eugeni |
| Eugenics Export and Import | नसल सुधारयात जायात चीर चावात | جایات اور آیات | Export and Impo |
| | जायात जार जायात महियारी, महतीकारी | مجهداری مجهلیکاری | Fisher |
| Fishery | माज्ञपारा, मजलाकारा ठठोजनी | تهگهوللي | Fli |
| Flirt | | پهول چوهاوا | Floral tribu |
| Floral tribute | पूल बढ़ावा | URCA | For |
| Forge | गुक्साना | وأبهد | Fos |
| Fossil | पबराव | Ulyang | Fossila |
| Fossilate | प्रधराना | المحماوا | Fossilation |
| Fossilation | पथरयाचा | پهرايا هرا | Fossiliz |
| Possilized | वसराया हुआ | یکوان ودیا | Gastrolo |
| Gastrology | पक्षान विद्या | مابحر | Gastronon |
| Gastronomy | पृक्ष्यान | اده دلی - اده دلا | Half heart |
| Half hearted | अधिरिबी-अधिरिला | اده دانی | Half heartedne |
| Half heartedness | अधि वतापन | اده کړا | Hemisphe |
| Hemisphere | अथ गोला | ج <i>ن</i> کہنیا | _ |
| Hexagon | बैकोनिया | | Hexag |
| Hexagonal | बैकोमी | جے کوئی سماجاریا | Hexagon |
| Informant | समापारया | | Informa |
| Invertebrate | नेरीक्या | Language 1 | Invertebra |
| Irredeemable debt | शन्न पुकार कर्ष | أن چكو قرض | Irredeemable de |
| | हर्ष जो चुकाचा न जा सके) | رش جو چکها نه جاسکه) | |
| Isthmus | वामीन जोव | 3)4 worj | Isthm |
| Kakistocracy | .युन्तेराज | فلند راج | Kakistoera |
| Labor force | भणातूर इस | مزديو دال | Labor for |
| Misrepresentation | वक्स क्यामी | يدل يهالي | Misrepresentati |
| Multiplication | परव | فيوب | Multiplicati |
| Multiply | पर्या ना | titus. | Multip |
| Mutual | भागती | آیسی آورمایی | Mutu |
| Negligence | वपस्यानी | - Ignary | Nogligen |
| Neolithic Age | नवा पर्यार शुरा | The same of the sa | Neolithic A |

ने मुके बताया था कि बाजकत डाकू जाली लिकाका के ज कर डाका डालते हैं.

लीला : कल बताया था. (खूब जोर से इंसती है) पुरुश : हैं! इंसती क्यों है. इसमें इंसने की क्या बात है.

बीला: (उसी तरह हंसुते हंसते) पिषाजी, कल पहली बार्जेल थी. (हंसी.....)

स्री: धत्त तेरे की. यूं ही सारे घर को घिस्सा दिया.

—भगवानदीन

کے سیسے بھایا تھا کہ آج کل ڈاکو شالی لغافہ بہتھے کو قائد گائد تغیر ۔

لَيْلَا : كُلُّ بَكَايَا لَهَا . (حَرِب زَورَ سِرَ هَلَسَى هِـ) يُركَنَ : هَمِنَ ! هَلَسَتَى كَبَرَنَ هِـ . أَسِ مَهِنَ هَلَسَلِّمَ فِي قَهَا بَاسَ هِـ .

لها: (أسىطرح هنستے هنستے) پتاہى، كل پہلى أبريل تهى . (هنسى.....)

آسِقری ؛ دھت تہرہے کی ، یوں ھی سارے گھر کو سا دیا ،

--بهکراندین

हिन्दुस्तानी शब्दयात का पांचवा असूलः आसान सप्तश्नों से नये शब्द

(डाक्टर जाफर इसन)

हिन्दुस्तानी के लिये नये नये शब्द बनाने का यह असूल भी होना चाहिये कि जहां तक बन पढ़े चाल, लक्ष्जों से नये तक्ष बनाए जायं, मसलन:

Agnostic **अनजानिया** Agnosticism अनजानपन Alternative बदलाव Amphibian, Amphibians जलथलया, जलथलिये Anesthesiology वेहोशियात Appeasement फिसलाव Agwarium समन्दरम उत्तरिस्तान, ग्रमालिस्तान Archtic Region Assets & Liabilities लेन दारियां और देन वारियां; हासिख वारियां

Bimetalism दुषातियत
Biology जीवन विद्या
Black marketeer काला बाजारिया
Black out अन्धयारना, अन्धयार
Burial दफनाव
Cardiology वस विद्या

Cognizibility पहुंचानें Colorblind रतींघा Color blindness रतींघापन

Compressibility

هندستانی شبدیات کا پانچواں اسول: آسان لفزوں سے نئے شبد

(دانگر جانر هسن)

مقدستانی کے لگے نگے نگے شبد بقانے کا یہ اسول بھی موڑا بھامئے کہ جہاں تک بن پوے چالو لفزوں سے نگے لفؤ بقائے جائیں ، مسلن :

إنجانها Agnostic انجابين Agnosticism بدله Alternative Amphibian, Amphibians جل تهلها جلتهلك یے هوشیات Anesthesiology يهسلاؤ Appeasement سملدرم Λ qwarium أترسعان شمالستان Archiie Region ليبي داريان اور دين داريان؛ Assets & Liabilities داریاں اور

بارداریاں دودهالهمت Bimetalism Biology جهوري ودييا كالا يبازاريا Black marketeer أندهيارنا الدههار Black out Burial 5**W**S Cardiology دل وديا Cognizibility پهچانین Color blind وتوندها Color blindness رتولدهايي Comet جوستارا رميةارا

د ليول 3 :

Compressibility

ديرداري

जोत तारा, रोब तारा

डेनडारी

पुरुष: बच्छा! (कुछ इक कर) बेटा, बाज हमारे धर में डाका पड़ने वाला है.

लीका : डाका ! कैसा डाका !

स्रो : यही कि डाक बाएंगे और डाका डालेंगे हमारे घर में.

लीला : डाक्र श्राएंगे ! डाका डालेंगे ! हमारे घर में ! डाक् क्या पागल हो गए हैं!

पुरुश: नहीं बेटा, यह मजाक़ नहीं है. बिल्कुल सभी बात है. उन्होंने इमें पहले से खबर भी दे दी है कि वह आज रात को हमारे हां डाका डालेंगे.

लीला : खबर दे दी है कैसे. कीन खबर लाया था.

पुरुश: यह साली लिफाफा.

लीला : खाली लिकाका ! कैसा खाली लिकाका !

स्त्री: बिल्कुल खाली.

पुरुश: देखो बेटा" यह है वह लिफाफा, किशोर ने मुके विया है.

लीला : देखं परा यह लिफाफा. यह तो कल आपकी मेख पर रखा था.

पुरुषः मेरी मेज पर !

लीला : इां, हां.

पुरुश: अरी यह तो आज की डाक से आया है.

लीला: आज की डाक ले आया है! तो किशोर जरूर मेरे लिकाफो की जगह इसी को कल डाल आया होगा. में बदी हैरान थी. किशोर कहता था मैं लिफाफा डाल आया भीर मेरा लिफाफा वहीं मेज पर ही पड़ा था.

पुरुश: (हैरानी में) यह तुम क्या कह रही हो ! लीला : यह देखिये न, इस पर यहीं की मोहर भी है

पुरुश : तो यह खाली क्यों है ! लीला : यह मैं क्या जानं.

ियोड़ा विराम (बक्रका) ।

पुरुश: भी हो, अब याद भाया. (जीर से हंसता है **भीर** हंसता रहता है)

लीला: अरे, आप हंस क्यों रहे हैं! और इस खाली लिकाको से हाका पड़ने की बात आप कैसे सीच बैठे.

पुरुश : बेटा, हंसा हो यों था कि यह लिफाफा बाक़ई में मेरा ही था. कोई दो बरस पहले का है, तब से मैंने इसे व्यपनी एक किताब में बुक मार्क बना का कर रखा हुआ था, फल मैं वह किताब पढ़ रहा था और वह उसमें से निकत कर मेचा पर गिर गवा होगा इतने दिनों में वह चिपक कर फिर क्षम्य भी हो गया होगा, और किशोर ने रासती है तुम्बारा विकासा चठाने की बजाए यह विकामा उठा कर काक में बाल विकार बाके की बात यह है कि कल मेरे दोस्त

يُرَفِي ۽ الهها! (کنچه رک کر) بيگا اُ آي همارے گهڙ مين قائد يرني والا في .

العلا : قاله ! كيسا قاله !

إسترى: يهى قا داكو آئين كم اور دائه دالهن كم همارى کهر میں ،

لها: قَالُو آلُينِ كُم ! قَالَم قَالَينِ لَم ! همارے كَهِر مهن ! ة اكو كها ياكل هوكك همل !

يرهى : نهين بهتا يه مذاق نهين هـ . بالكل سعون باس مے . أنهوں لے همهن پہلے سے خدر بھی دے دی ہے كه ولا أير رات كو هماري هال دَّأَكَدُ دَالْهِلْكِي .

لهلا : خبر دے دی هے کہسے ، کون خبر لیا تها .

يرهر: يه خالي لغافه .

لهلا: خالى لغافه إ كهسا خالى لفاقه إ

إسترى: بالكل خالى .

پرس : دیکهو بیتا کید هے وہ لنافد . کشور نے منص

لهلا: ديكهون ذرأ يه لغافه ، يه تو كل آپ كي موز پر ركها تها .

يرهي : مهرف مهر پر !

ليلا : مان مان .

يرش: اري عد تو أب كي ذاك سے أيا هـ .

لية : أي كي ذاك س آيا هـ ! تو كنمور ضرور مهريد لذائر كى جمَّة إسى كو كل قال آيا هومًا ، مهن بوي حدان تهي . فهور كيعًا تها مين لناقه دَّال أيا أور مهرا لناقه رههن مهڙ پر هي پوا تها ،

. پرش : (ههرانی مهن) په تم کها که رهی هو ، لهلا : 'یه دیکهئے نه' اِس پر یہوں کی موہر بھی ہے۔

پرش : تو یه خالی کهوں ہے ،

لها : يه مهن كيا جانون .

[تهورا ورام (وقفه)]

يرهى: أو هو اب ياد أيا . (زور س هنستا هـ أور ه لجم السلم

لية : أربي أب ملس كيون رق هين ! أور إس خالي لنائے سے ڈاکھ پولے کی بات آپ کیسے سرچ بھٹھے ۔

يرهى : ييكا علسا تو يون تها كد لفاقد والعي مين مہرا می تھا ، کوئی دو برس پہلے کا ہے کب سے میں لے اے اپنی ایک کتاب میں یک مارک بنا کر رکھا ہوا تھا ۔ کل مہیں وہ کھایہ ہوء رہا تھا آور وہ اُس مہیں سے نکل کر میز پر کر گیا هولا ، اتقے دنیں میں وہ جیک کر يهر بلد بهي هزئها هوالا آور كشور لم فاعلى سے تمهاراً لناله أنهائي في ينجال يه لغاقه أثبا كر 3اك مين قال ديا ، قائم كي باصر يه هي كم كل مهري دوست

सी : हो इम दी क्यों वहां रहें. वसो घर में तासा समाभो और सब रही देवर जी के वहां.

पुष्पा: बात तो कुछ जंबती है. बीर फिर जो कुछ माल मतास हो वह भी ले बलो. (कुछ सोच कर) मगर सुना है वह डाकू बड़े वैसे होते हैं. इस वका कुछ न मिला तो वह फिर बाएंगे. और धगर हम कहीं बले भी जायं तो उनकी नजरों में यह और भी इस बात का सबूत होगा कि हमारे पास माल है, और फिर तो वह जहां भी हम होंगे वहीं हम पर धावा बोलेंगे.

सी : तो फिर इम यहीं ठहर जायं.

पुरुष: कुछ समम में नहीं आता कि क्या करें. यह तीला को भी आज ही कालिज में जाना था. न जाने किस बक्त क्वा हो जाय. अगर उसके आने से पहिले ही डाकुओं ने.....

(दरबाषो पर दस्सक)

पुरुश: (वषराहट से उछल कर) बरे, कौन बाया. लीला की मां कहीं खिप जाको जाको जल्दी करो हाए भगवान!

स्ती: अरे इतना डरने से क्या होगा. ठहरो जरा देखने तो वो कौन आया है.

(दरबाषो पर फिर दस्तक. दूर से लड़की की आवाज) लीला: अस्मी! अस्मी! दरवाजा खोलो.

स्तीः लो, यह तो लीका है. आप वैसे ही डर रहे थे. अच्छा में दरवाजा स्रोलं.

पुरुष: तो मुक्ते क्या पता था, डाकू कोई वक्त बता कर थोड़े ही बाते हैं.

(प्रवेश करके)

लीला: पिताजी, पिताजी, अस्मी कह रही हैं आपकी तबिबत ठीक नहीं हैं. क्या हुआ आपको.

पुरुश: कुछ नहीं केटा, यों ही जरा थकान हो रही है. लीजा: थकान बकान कुछ नहीं पिताजी. आपने अभी तक खाना नहीं भी नहीं खाया. उसी की कमजोरी होगी. आइए चित्रचे खाना खाएं. अम्मी, मुक्ते तो बड़ी भूक लग रही है. अच्छा है बादूगर का तमाशा ही जल्दी जतम हो गया. मुक्ते तो कोई खास अच्छा भी नहीं लगा और आंतें वैसे ही स्कने सगी. डिठिये न पिताजी, आइये चित्रचे.

पुरुश: **अच्छा बेटा प**लता हूँ. मगर आज भूक क्लिक नहीं सगी.

लीखा : बाह, रोज तो आपको इतनी भूक सगती है कि

की: मेरा सवास है लीला की सारी बात बता देनी गरिये. कही हो गई है, कालिज में पढ़ती है. हो सकता है मेरे ककी बात सुना है, ا المنافق : دو هم هي کيون يهان دهين - جادو گهو سين الله لااو اور سب رهو هيور جي که يهان -

پھی ۽ پاس تو کھھ جلجگی ھے ، آور پهر جو گھھ مال مقال ھو وہ بھی لے چلو ، (کھھ سوچ کر) مکر سلا ھے یہ ڈاکو بوے ویسے هرتے ھیں ، اِس دفعہ کچھ نہ ملا تو وہ پهر آٹھلگے ، اور اگر هم کہمں چلے بھی چائمیں تو اُن کی نظروں میں یہ اور بھی اِس بات کا ٹھوت ھوگا کہ ھمارے پاس مال ھے' اور پھر تو وہ جہاں بھی هم ھونگے وھھی هم پر دھاوا بولیں گے ،

إسلاري : تو پهر هم ييهن تهير جائين .

رساری ، کوہ سمجھ میں نہیں آتا کہ کیا کویں ، یہ پرمی : کوہ سمجھ میں جانا تھا ، نہ جائے کس وقت نہلا کو یہی آج میکالیے میں جانا تھا ، نہ جائے کس وقت کہا مو جائے ، اگر اُس کے آئے سے پہلے می ڈاکوؤں نے

(دروازے پر دعتک)

پرهى : (كهمراهت سے اچهل كر) ارك كون آيا . لها كي مال كهيں جهم جائ ، جائ جلدىكرو ، هائے بهكوان الله كي مال كهيں جهم جائ ، جائ جلدىكرو ، هائے بهكوان السعرى ؛ اربے إتفا دَرِنَى سے كها هوگا، تهمرو دَرا دهكهائے تو دو كون آيا هے ،

(دروازہ پر پھر دستک ، دور سے لوکی کی آواز)

لهلا: امي ! امي ! دروازه كهولو .

اِستری : لوا یه تو لهلا هے ، آپ ریسے هی در رهے تھے ، انهها میں دروازہ کهولوں ،

پرهی: تو مجے کیا پته تھا' قاکو کوئی وقت بتا کو تههورے هی آتے هیں ،

(پرویش کر کے)

لیلا: پھا جی' پھا جی' اسی کہ رھی ھیں آپ کی طیعیت ٹھیک نہیں ہے ، کیا ہوا آپ کو ،

پرهی ؛ کمچه نهیں بهتا یوں هی درا ته کئی هو وهی هه،
له از ته کئی وکان کمچه نهیں پاتا جی ، آپ نے آبهی
لک کهانا بهی نهیں کهایا ، آسی کی کنووری هوئی ، آیگے
جائے کهانا کهائیں ، آسی محجه تو یوی بهوک لگ وهی
هے ، آجها هے جادوگر کا تماشا جلدی هی خاتم هوگها ،
محجه تو کوئی خاص اچها بهی نهیں لگا اور آنتیں ویسی
هی سوکها یا کهن ، آته نے نا باتا جی آبی جاگ ،

يرهن : أجها بيتا جلتا هون . مكر أج بهوك بالكل

نبھن لھی ، لیق ؛ واء' روز تو آپ کو اُنٹی بھوک لگائی ہے که آتے ھی شور منچا دیائے میں ، آج کہا موگھا ،

سي سور المعال ما لها لها كو سارى بات بعا ديلي المائد ، بوى مولائى ها كالم مين يومعى ها ، هو سكتا ها كرنى الموبى يات سجها دي ،

पुरुष : यही तो मेरी समम में भी नहीं बाता. वितना सीचता हूँ घवराहट बढ़ती जाती है क्योंकि विशम्भर बहुता मां कि यह मामला विल्कुल सच है. वह सोग इसी तरह से बाका डालते हैं. मुक्ते तो पक्का बड़ीन है कि बाज हमारे हां डाका पदेगा.

श्री: मगर क्यों पढ़ेगा. यहां से बाकुकों को क्या विकेंगा.

पुरुश: मिलेगा या नहीं यह मैं नहीं जानता. मगर जाजी तिजाके की बात भूटी नहीं हो सकती. (और घषरा कर) जीका की मां, जरा मेरी नज्ज तो देखना. मेरा तो जी बहुत घषरा रहा है.

की: और तो श्राप धवराते क्यों हैं. धवराने से क्या काम क्लोगा. लीजिये यहां पत्नंग पर लेट जाइये. हां बस. करा किस को शान्त कीजिये. मैं ठंडा पानी लाती हैं.

(दरवाका खुलने का शब्द)

पुत्रशः हे भगवान, अब क्या होगा.

(दरवाका बन्द होने का शब्द)

क्योः लीजिये, पानी पी लीजिये. तिषयत संभल जापगी.

(पानी पी कर कुछ इतमीनान से)

पुतराः जीला की मां, अन्य देखो**ं जो मैं कहूं वही** करना होगा.

श्री : क्या करना होगा-

पुरुश: पहले तो किशोर और विमल को यहां से कौरन रवाना कर दो, इन दोनों को आज यहां नहीं सोना चाहिये. बाज यह अपने चाचा के घर सो रहेंगे.

की: अच्छी बात है. अभी खाना खिला कर और कपड़े दक्काबा कर भेजे देती हैं.

पुरुष: और हां लीला से यह बात बिल्कुल नहीं कहनी है. मेरा तो खयाल है कि उसे भी किशोर और विमल के साथ ही भेज देना चाहिये.

स्ती: मगर वह तो वड़ी हो गई है. पूछेगी कि क्या सात है. उसे तो कुछ न कुछ बताना ही होगा.

पुरुष: अरे कुछ न कुछ बात सोच लेना उससे कहने के लिये. मगर उसे यहां एक पल भी नहीं रखना है. और हां, जो कुछ जेवर गहना है, उसे कौरन ही कहीं छुपा देना चाहिके. मेरे खयाल में तो हम गोदाम के कर्श का क्यर करा कर उसे वहां गांव हैं. शायव डाकुओं की नजर कुछ आय.

बी: और सगर नहीं चूकी तो. बाकू ऐसी वातें बड़ी

अक्टी ताफ जेते हैं.

पुष्पः चरे, नहीं पूछी तो ले जायंगे. बाबा खैर मनाना अगर इसे सुन्दें जिल्हा की बावें بُرُهِي ۽ يون تو مياري سنجه مين بهي نهض آتا . جندا سوچنا هن کينراهڪ يوهني جاتي ۾ کيزاعه يشبهو کينا تها که يه معامله بالکل سے ۾ ، وہ لوگ اسي طرح سے قائد قالتے هيں . مجھے تو يکا يقهن ۾ که آج همارے هان قائد پورکا .

إستاري: مكر كهول بزيكا . يهال س ة اكوال كو كيا

پرھ ۽ مليکا يا نهيں يہ ميں نهيں جانعا ، مکر خالی لفاقے کو يات جهوائی نهيں هوسکگی، (اور گهورا کر) نهڙ کی مال قوا مهری نهش تو دیکھفا ، مهوا تو جی بہت گهورا رہا ہے ،

استوی : ارب تو آپ کهبراتے کیوں میں ، گھبرائے سے کیا کام چانھ ، ماں کیا کام چانھ ، البحث یہاں پلنگ پر لیست جانہ ، ماں بس ، فوا چست کو هانت کهجائے ، میں ٹھلڈا پانی لانی میں .

(دررازه کهلتے کا شهد)

يره : ه بهكوان . أب كيا هوكا .

(دروازه بدد هونه کا شبد)

اِستري ۽ لينجگر' ڀائي پي لينجگر ۽ طيمهت سلبول جاڻيکي ۽

(پائی ہی کر کتھ إطمیقان سے)

پرهن ۽ لَيلا کي مان' آپ ديکهو جو مين کيون وهي کرنا هواا ا

استرى : كها كرنا هولا .

پرھی : پہلے تو کشور اور ہمل کو یہاں سے فوراً روانہ کر دو ، اِن دونوں کو آج یہاں نہیں سونا جاہئے ، آج یہ ایے جاجا کے کہر سو رہیں گے ،

استری : اجهی بات هے ، آبهی کیاناتھا کر اور کھڑے دلا ک بمبعد دیتے ہیں ،

بدارا کر بہیمی دیکی هرں ، پرهی : اور هاں لیلا سے یہ بات بالکل نہمں کہلی ہے، میرا تو کھال ہے کہ آسے بھی کشور اور بدل کے ساتھ هی بہیم دیٹا جاھائے ،

آستوں: مگر وہ تو پڑی هو کئی هے، پوچههای که کیا بات ها أید تو کنچه نه کنچه بتانا هی هوا :

پرهی : ارے کچھ ناء کچھ بات سوچ لیفا اُس سے کہنے۔
کے لئے ، سکو آسے یہاں ایک پل بھی نہوں رکھا ہے ، اور
مان جو کچھ زیور کہنا ہے' اُسے فرزا می کہوں جھیا دیفا
جامئے ، میرے خیال میں تو هم گردام کے فرهی کا
پتور اُٹیا کو آسے وہاں گاو دیں ، شاکد قانووں کی نظر
جبک جائے ،

استربيء اور اگر نهون جورگي تو ، قائو اليسي باتون بري جلمين قار لوچي هون ،

یرمی د اور آئیس جوکی تو لے جاکھی کے ، بابا خور مناتا اور طبیق قبیمی رابط چھیور جاگھی ، किशोर : (कुड़ अकरण से) पिताजी, इस में तो किट्टी मास्तम नहीं होती.

पुरुषः : (घषरा कर) क्या कहा. क्या कहते हो किशोर. चिट्ठी मालूम नहीं होती. लिकाका खाली है.

किशोर : हां पिताजी, बिल्कुल खाली.

पुसरा : (धवराइट बद् गई) लाओ मुमे दिखाओ.

(काराज फड़फड़ाने का शब्द)

लिफ़ाका वाफ़ई खाली है. राज़ब हो गया.

स्ती: (कुछ अवस्थे से) क्यों क्या हो गया ?

पुरुष: कुछ नहीं यों ही. तुम करुचों को खाना खिलाओ, फिर मेरे पास आना.

की: क्या बात है. आप एक दम घवरा क्यों उठे.

पुरुश: (बहुत दुखी और अनमना) कुछ नहीं लीला की मां, यं ही कुछ तबियत खराब हो रही है. इस वक़्त में खाना नहीं ख़ाऊंगा.

स्ती: यह एक दम आपको क्या हो गया. अभी तो आप खाने को तैयार थे. आखिर में भी तो जानूं कि यह माजरा क्या है. केटा किशोर तुम अभी जाओ. अभी थोड़ी देर में खाना लग जायगा तो बुला लूंगी.

(किवाड़ का बन्द करना)

हां, तो बताओं क्या बात है.

पुरुश: (बिल्कुल इताश) क्या बताऊं, लीला की मां. तुम ने भी तो अपनी आंखों से देखा है कि लिफाफा खाली था. उसमें कुछ नहीं था.

स्त्री: तो क्या हुआ. भेजने वाला उसमें चिट्टी रखना भूल गया होगा. और यूं ही लिकाका बन्द कर के डाक में डाल दिया होगा. ऐसी ग्रलतियां अकसर हो जाती हैं.

पुरुश: नहीं लीला की मां, यह बात नहीं हैं. यह खाली लिकाफा बने मानी रखता है. विशम्भर कल ही बता रहा था कि कुछ दिन हुए, उसने अखबार में पढ़ा था कि डाकुओं ने डाका डालने का एक अजीव तरीक़ा निकाला है. वह किसी पैसे बाले के हां खाली चिट्टी भेज देते हैं और उसी दिन उसके हां डाका पड़ जाता है. अब तक ऐसी तीन बारदातें हो चुकी हैं.

स्री: सगर हमारे घर में कोई क्यों हाका डालेगा हम कैसे पैसे बालों में शुमार होने लगे अरे यहां तो यह हाल है कि महीने के दो दिन बीते हैं और तनखा खतम. अंवर मी होंने तो सी दो सी से खियादा के न निकर्लेगे. हमारे घर में डाका डालने की किसी को कैसे स्म सकती है. کھوڑ : (کوچھ آنونے ہیں) پھاچی' اس میں تو نوفین معلوم تیمن ہوتی ،

ٔ الله پرش ؛ (اگهیراً کو) کیا کیا۔ کیا کہتے ہو کشور، جاتمی ممالیز تمیں ہوتی ۔ تنافہ خالی ہے ،

كهيو: هان يتا جي الكل خالي ،

پرهن : (کیبراهت بوه کئی) لاو مجهد داهای .

(کفد پهريهوانے کا شبد)

لذائه والعي شالي هي. فضب هوگها ،

إسترى: (كچه اچىدى س) كورن كيا هركها ؟

پرهن : کنچه نهین یون هی ، تم بنجون کو کهانا کهلاؤ^ا پیر مهریه پاس آنا ،

اِستَّرَى ؛ کها یات هے . آپ ایک دم گهبرا کهوں اُٹھ ، پرھی : (بہت دکھی اور انسان) کچھ نہیں لھلا کی ماں اُ یوں ھی کچھ طبعیت خراب ھو رھی ھے ، اُس وقت میں کھانا نہیں کھاؤنکا ،

اِستری : یہ ایک دم آپ کو کھا ھوگھا، ابھی تو آپ کھائے کو تھار تھے ، آخر میں بھی تو جانوں کہ یہ ماجرا کھا ھے ، بیٹا کھور تم ابھی جاؤ ، ابھی تھوڑی دیر میں کھانا لگ جائھا تو بلا لونگی ،

(کوار کا بلد کرنا)

هاں؛ تو بھاؤ کیا بات ہے ۔

پرهى : (بالكل هقاهى) كها بقاؤں' لهلا كي ماں' تم نے بھى تو اپلى آنكھوں سے ديكھا ھے كه لقاله خالى تها ۔ اُس مهن كچه نيهن تها ،

ی هی: نہیں لیا کی ماں کے بات نہیں ہے ، یہ خالی لفاقہ ہونے معلی رکھا ہے ، بشمنہر کل هی باتا رها لہا کہ کچھ دن هرئے اُس نے اخبار میں پڑھا تھا کہ گاووں نے ڈاکھ ڈللے کا ایک عجیب طریقہ نکال ہے ۔ وہ کسی بیسے والے کے هاں خالی چاتھی بیمیم دیاتے هیں اور آسی دن اُس کے هاں ڈاکھ پو جاتا ہے ، آب تک ایسی تیں وارداتیں هو چاتی هیں ،

استبی: مگر همارے گهر میں کوئی کیوں ڈاکہ ڈالیکا ۔
هم کیسے پیسے والی میں شمار هولے لگے ۔ ارے یہاں تو
یه حال ہے که مہیلے کے در دن بیتے هیں اور تلطواہ
حکم زیور بھی هونگے تو سو در سو سے زیادہ کے نه تکلیفگے۔
همارے کهر میں ڈائه ڈالئے کی کسی کو کیسے سوجھ
سکتی ہے ۔

खाजी जिक्काफा

यह रेडियाई ड्रामा 31 जुलाई, 1952 को इलाहाबाए रेक्षियों स्टेशन से प्रसारित हो चुका है)

| | गत्र |
|--------------|--------|
| পুৰহা | 40 बरस |
| स्त्री | 35 ., |
| कीखा | 16 " |
| किशोर | 10 " |

(वरबाजे पर वस्तक वो बार)

पुक्श : घरे भई दरवाचा खोलो.

स्त्री: (दूर से) अभी आई (द्रवाका खुलने का शुक्द) आज बढ़ी देर हो गई ?

पुक्श: हां जरा, काम हो गया था. क्यों लीला

स्त्री : बह तो कालिज गई है.

पुरुष : कालिज ? रात में कालिज कैसा ?

की : कहती भी अमरीका का कोई जादूगर आया है,

तसारो विसापगा.

पुस्ताः कव तक लौटने को कह गई है ?

की : यही न्यारह बारह तक आने को कह गई है.

पुरुश: (कुछ रुक कर) अच्छा ! तब साने के लिये उस का इल्लजार करना तो फिज्ल है. किशोर और विमल कहां है.

क्यी : वह सो यही हैं. तो खाना लगाऊं.

षुक्श : हां हां लगाओ, मैं खरा कपड़े बतार लं. (पिता को बाया सुन भाग कर बान कर)

किशोर : पिता जी, पिता जी. पुत्रशः क्यों ! क्या है किशोर !

किशोर । पिता जी, आपकी एक चिट्टी आई है !

पुत्रमः (अषम्भे से) मेरी चिट्टी. किशोर : हां पिता जी, आपकी.

पुढ्या : अई मेरी चिट्टी कहां से था सकती है. मैंने किसी को कोई सत नहीं सिसा. मेरे दोस्त भी कोई ऐसे महीं हैं जो समे चिद्रियां किसते हों. फिर यह चिट्री कैसी !

श्री : अरे, ती आप खोल कर देख क्यों नहीं लेते कि किस की चिड़ी है.

पुष्णः हो, लागा तो चिट्टी किशोरः

विश्वीर : तीजिये पिता जी, यह है विट्टी. साइप में

(क्रियाका पादने का शब्द फिर कुब देर उद्दोताने का शब्द जैसे लिकाको में चिट्ठी स्रोक खा को और यह जिल न रही की)

वर्ष विकासी जी, विट्टी अली निकासी.

خالي لفافه

﴿ أَيَّهُ رَبِّكُمِاكُمِ قَراسَهُ 31 جَوَالَى 1952 كُورُ الدَّبَّانُ ريقير المليفن مع يرسارت مويكا ي)

| اوس | 40 | | | پرش |
|-----|----|----------|------------|-------|
| | 35 | | · | إسترى |
| | 16 | | | لهلا |
| | 10 | | | كهور |
| 77 | | دسعک ۽ د | بواد بر فد | ر د |

يرش ؛ أرب بهثى دروازه كهولو .

إسلامي : (دور سے) أبهى ألى (دروازة قهلقے كا شهد) آج ہوں دیر ھوللی ؟

پرهی : هان ا قوا کام هوگیا اتها . کیون لیگا کهان هے ؟

إسعرى ؛ وه تو كالبح كأني هـ .

پره : کالم ؟ رات میں کالم کیسا ؟

إسترى : كهتى لهى أمريكة كا كوثى جانبوكو أيا هرا تماشر دكهاكها

يرهن ؛ كب تك لوثني كو كه ككي هـ ؟

اِستری : یہی گهاره باره تک آنے کو کھ گئی ہے ،

يرش: (کچه رک کر) اچها ! نب کهآنے کے لئے أس كا انتظار كرنا تو قضول هـ، كشور اور يمل كيان همن .

إ سترى : ولا تو يهين هين . تو كهانا نتاي ،

پرهى : هال هال كاؤ مهل ذرا كهو الار لول . (یما دو آیا سی بهاگ کر آن کر)

کشور : پُکانچی' پِکا چی . پرض : کهوں ! کها هے کشور ! کشور : پکا چی' آپ کی ایک چگھی آئی ہے . پرش : (اُچمیس سے) مہری چٹھی ۔

کشور : هاں پٹا جی ' آپ کی ،

پرش : بهکی مهری جالهی کیاں سے آ ساتھی ہے ۔ میں کے کسی کو کوئی خط نہیں لکھا ۔ مهرے دوست بھی کوئی آیسے تہیں میں جو مصے چاٹھیاں لعملے هون ، **پهر چانچي کیس**ی ،

إستارى : أرعه لو أب كهول كو ديكه كهين نههن ليغم له کس کی چکھی تا .

پرهن د هان اتبا تو جهالي کمور .

كفير : لهنهائي يُعا جي الله على ، الله مين

(لِمَالُهُ عِمَالِي لَا عُمَد يَهِم كَتِهِم في تُكُولِكِ لَا عُمِد جدس لغال مهان جالدي الموج وها هو اور وه ب مل دهي هو ي

المراكلي في والعربطين لكا

बाजार बाज़ने वह की वैद्यारी हैं. वह इसक बानी प्रेस से अक्टो है, चीर मेम हो काल है.?

बिग्य धर्म में जिन तीन गुर्शों की सत. जानक और चित नाम दिया नया है उन्हीं को इसलाम में वजुर, शहर चौर 'इल्म कहा गया है. सत. धानन्य चौर चित तीनों वैतन्य में जा मिलते हैं. इसलाम में वैतन्य को नूर कहा गया है वही 'परम ज्योति' या 'नूर क्राहिर' भी है, इसी नूर से सारा जहान रौशन है. चीनी ताको धर्म में इन तीनों का नाम शिंग, चीह और ची है. वही ब्रह्मा, शिव और विष्णा है. यही जल मालिक, चल रक्काक चौर जल अवीम हैं. इसी तरह बहुदी, ईसाई, बीद और पारसी घर्मों में भी इनके चलग चलग नाम हैं. इनके चलावा हिन्दू धर्म में विष्णु के हजार नाम हैं. क्ररान में भल्लाह के सी बढ़े नाम गिनाए गए हैं. इसी तरह और अमों में.

नामों से हट कर जिन रूपों में वह वे नाम और वे रूप अपने की जाहिए करता है वह भी अनन्त और वे ग्रुमार हैं. ऊपर कहा जा चुका है कि पहुँची हुई रुद्दें भी अवतारों, मसीहों और रसूजों के रूप में सब प्राणियों के भले के लिये जन्म लेली रहती हैं.

महाभारत में कुछन ने कहा है :--

दास्यम् ऐश्वर्य वादेन शातीनाम् तु करोगि-घडम यानी— सब का ईरवर होते हुए भी मैं सब प्रानियों के लिये दास यानी गुलाम का काम करता हैं.

यही बात सफी ने इन शब्दों में कही हैं:---"कसे मर्दे तमाम अस्त अज तमामी

कुनव, वा कवा जगी कारे ग़ुलामी" यानी-जी मर्दे कामिल है वह अपने कामिल होने ही की वजह से सब का मालिक होते हुए सब की ग़ुलामी यानी जिल्मत करता है.

मोहम्मद साह्य की एक ह्दीस है :— "सम्बद्धत क्रीम जादिम हुम"

वाली - जो क्रीम का लीहर है वही क़ीम का सब से बढ़ा साविस है. सुफी ने कहा है :-

> ''क्यां कि खिदमत कदंड मखद्म ग्रुद मां कि जुपरा दीवक महरूमें शुर्"

यानी-जिस किसी ने जिस्मत यानी सेवा की वह मलदूस यानी मालिक बन गया. और जिसने केवल अपनी तरफ देखा वह अलग उठा कर फेंक दिया गया.

इंजीस में लिखा है :-"तुन में जी सब से बड़ा है वही सुम्हारा सेवक होगा."

सीच समझ कर सब से अच्छा सेवड वही वन सकता है जो सक से विवादा आवाद हो, और यह वही हो सकता है जिसमें भूदी सरह इस बात को देख किया, जान विया और संस्कृतिका हो कि एक ही बारमा हम सब के अन्दर काम कर होते हैं। बहा सब मजहबाँ के अन्दर विन्युगी का काकारी कामान है। बारी देशवर कारवाद को वाना दे

الدور أي زب لو بيادياتي عين ود عمل يعلى يولم احين فيالي هين اور پريم هي جلت ه. "

' هَقَدُو نَعْمُ مِهُن يُونَ لَهِن كُلُونَ كُو سَعَا ٱلْقُدُ أُورُ خِينِينَ تَامَ هَمَا كُمَّا فِي أَنْهِمِن دُو إِسَالُم مَمِن وجُودًا عُمَودِهُ إلا أعلم كها كيا هي سبع أنك اور جب تبليل جيتليه يَيْنِينَ هِا مَلِيْدِ هِينِ . إسلام مين جيتليه لو نور لها گها ين وهي ايرم جهيلي يا انور قاهرا بهي هـ . أسى قور س سارا جهان روفين هي . جيدي تاز دهرم ميس إن تيدين وفقو هين ، يهي ألبالك الرزاق أور العلهم هين ، أرسى طرس يهودني مهساكي يوده أور يارسي دهرمون مهن يهي آن کے الگ الگ نام ميں . ان کے علاوہ علمو يعوم سهى وشلو كه هزار نام ههن ، قرآن سهن الله كه سُو ہونے نام گفالے گئے میں ، اِسی طرح اور دھرموں میں ،

نگامیں سے هڪ کو چي روپوں سهن ولا پہانام آور په رہیں آتے کو ظاهر ترتا ہے وہ یہی املت اور پے شمار ھیں ، اوپر نیآ جا چکا ھے کہ پیونچی ہوئی روحین بھی ^{اوتا}رو*ن*' مستعصوں اور رسولیں کے روپ میں سب پرانیوں کے بھلے کے لیے جلم لیکی رہائی ہیں .

مہا بہارت میں درشن نے دیا ہے :---داسهم ایشوریه وادین گیانی نام تو گرو مهم یملے۔۔۔۔۔۔ کا ایشور ہوتے ہوئے بھی میں سب پرائیوں کے لگے داس یعلی غلام کا کام کرتا ھوں ۔

يهي يات صولي ۾ اِن شيدون مين کهي ۾ :---¹'کیے مرد تبام است از تمامی کند یا خواجکی کار فلامی''

يعلي--جو مرد کامل هے وہ اينے کامل هونے هي کي وجاء سے سب ۲ مالک ہوتے ہوئے سب کی قامی ہملی خدمت کرتا ہے ۔

مصد ماحب نی ایک حدیث هے:--''مهدالترم خادم هم''

يعلى--جو قوم كا ليُكْر هـ وهي هـ قوم كا سب س يوا ڪائم ھي .

سوائی لے کہا ہے:--"آل که خدمت کرد او متعدوم شد آل که خد را دید او معصوم هد"

یملی۔ جس کسی نے خدمت یعلی سیوا کی ولا مطعدوم یعلی مالک بن کہا ۔ اور جس نے فیول ایلی طرف دیکھا وہ الک اتھا کر پھیلک دیا کھا ،

إنجيل مين لکها ۾ :---

''لم میں جو سب سے ہوا ہے رہی تمہارا سیوک ہوگا۔'' سرچ سمتچه کر سب سے اچہا سیرک رهی ہوں سکھا ھے جم سب سے زیادہ آزاد مو' اور یہ رھی ھوسکھا ھے جس نے پروں طرح إس بات كو ديكھ ليا' جان لها أور سنجو لها مو قه ایک هی آتنا هم سب کے اندو الم کو رھی ہے ، یہی سب مشہوں کے اندو زندگی کا آھوں مبالست هـ . يهي أيشور ألله كو يانا هـ . सुकी प्रमुख है :---

'जी दुनिया से बेहोश नहीं है वह इस होश के राष की नहीं जान सकता. सिवाय वे जवान काम के और काई जवान की बात नहीं सुन सकता. जो जाग रहा है वह क्यांतिकत में खाब की हाजत में है, उसका जागना उसके कोने से बदतर है, और जो इस दुनिया की तरक से सीया हुआ है वही असल में जागता है. उसकी गफतात ही ऐन होसियारी है."

यक और सूकी ने कहा है:---"कयां पेसा कि इर शै में निहां है.

निहां ऐसा कि हर शै में अयां है" यानी—वह असल हज़ीक़त इस क़दर खुली है कि इर चीच के अन्दर डिपी हुई है, और इसनी डिपी हुई है कि इर चीच के अन्दर से असक रही है.

हर सोजी के दिल में बार बार सवालों और हाकों का पैशा होना सुद्यती और जाचमी है, चाहे वह किसी भी वर्म का मानने बाला क्यों न हो. यह सवाल और शक सम्बे क्या, विक्र, ध्यान और मनन से ही हल हो सकते हैं.

एक पुरामी चीनी कहाबत है :--

"वित में उम्मीर लिये सकर करना मंत्रिल पर पहुँच बाने से कही धण्डा है."

रोख सावी ने 'मामुक्तीमां' में कहा है :---

"जो जहान में हमेशा हर जगह जाहिर हो रहा है, वह मेरी आंखों में नहीं समाता! जिसकी कहीं कोई जगह नहीं है, मैं हैगन हैं कि ,वह हर वक्त हर जगह मीजून है! अन्वर और वाहर आगे और पीछे, दाएं और वाएं, नीचे और अपर! वह तुई के क्षिवास में नहीं समाता, चंकि वह अपनी वकताई के जिये मशहूर है. रात को एक कहने वाले में ददे भरे दिल से और प्रेम में भर कर गुम से कहा,— रे आदमी! दिल की आखों से किसी को भी सिवाय दोस्त के और इस मत देख, यह जान ले कि जो कुछ तू देखता है सब कसी प्रीतम का जहर है!"

इस सवात का जवाब भी कि जो परिपूर्ण है उसमें इच्छा क्यों और कैसे पैदा हुई भीर 'बहर', 'बहर' से 'खालिक', 'बहर' कैसे बन गया अपने अन्तर में सोचने से ही मित सकता है. उपनिषयों में इसे इहारों में बवान किया गया है. 'बीहन्सद साहब की एक इसीस है :—

भी नक्से मुतमहत्वा! यानी ऐ वह क्यू जिसे कास्ताह मैं इसमिनान दासिल हो गया है! कपने रच की तरफ मुद्द, बह तुमसे खुश और तृ उससे खुश, फिर चल्लाह के इन क्या में बा कर मिला कमत में शक्तिल हो! को हमें प्रव के सम्बूर मीखुर उस चारकाह को नहीं देखती वह एक इससे से सबसी कारकाह को नहीं देखती वह एक -1 3 44 34

المنظور فالها سے بنہوں کہوں ہے وہ اس عوص کے واز کو نہیں جان سکتا ، سوائے ہے قبان کان کے اور کوئی وہاں کی بات نہوں سن سکتا ، جو جاگ رھا ہے وہ اسلمت میں خواب کی حالت میں ہے' اس کا جالدا اُس کے سولے سے بدار ہے' اور جو اس دنیا کی طرف سے سولے ہے وہی اصل میں جالتا ہے ، اُس کی قفلت ھی میں ھوقیاری ہے ،

ایک اور صوفی نے کہا ہے است

العیاں ایسا که هر شے میں تہاں۔ ہے۔ انہاں ایسا که هر شے میں میاں ہے!!

یملی —وہ اصل حقبقت اِس قدر کہلی ہے کہ ہر چیر کے اندر چھپی موئی ہے اور اِتلی چھپی ہوئی ہے کہ ہر چھو کے اندر سے جمک رہی ہے ،

هر کھوچی کے دل میں بار بار سوالین اور شکیل کا پہدا جونا قدرتی اور قرمی ہے' بچاھے ولا کسی بھی دھرم کا مائلے والا کھوں تھ ھو ، یہ سوال اور شک لیمے ڈکڑ' ڈکڑ' دھیاں اور سفن سے ھی حل ھوسکتے ھیں ،

ایک پرانی چهلی کهارت هے :--

''فل میں اُمید لگے سفر کرنا مقول پر پیرنے جائے۔ سے کہیں اچھا ہے ''

شيم سعدى نے اماملهمان ميں کيا ہے اس

"جو جہان میں هیمشه هو جگه ظاهر هو رها هے، وا مهری آنکیوں میں نیس سمانا ! جس کی کیس کوئی جگه نیس هے اندو اور باهر آئے آور پینچے دائیں اور باهر آئے آور پینچے دائیں اور بائیں نیس اندین نیس اور اور ! وا دوئی نے لیاس میں نیس سمانا چونکه وا ایلی یکٹائی کے لئے مشہور ہے ، رات کو ایک کہنے والے نے دود بہرے دل سے آور باہم میں بود کر مجمود سے کہا ادمی ! من کی آنکیوں سے کسی کو مجمود سے کیا اور قبید محت دیکہ یہ جان نے که جو کیچی سوائے شوست کے آور قبید محت دیکہ یہ جان نے که جو کچو جو کچھ تو شیکھا ہے سب آسی بریام کا ظاہور ہے !"

اِس سُوال کا جوائب' ہمی که جو یہی ہوری ھے اُس میں اچھا کھیں اور کھنے بیدا مولی اور 'آجد' 'ابرھم' سے 'خالق' 'ابرھیا'' کھسے بنے گھا' آھے آنگر میں سوچھے سے عی مل سکتا ہے ، اُلفشدس میں اِسے آشارون میں بھان کیا گیا ہے ، منجست مناطب کی ایک عدیدی ہے ہے۔۔۔

''لے تقس مطمعلی ا یعلی لے رہ روے جسے اللہ میں اطمیقائی جامل ہیکھا ہے ! اپ رب کی طرف مو' رہ توجہ ہے تعلیما ہے! اپنے رہ توجہ ہے تعلیما ہے! اپنے بعد اللہ کے اپنے بعدی میں مذکل مو ! جو پوجھیں میں مذکل مو ! جو پوجھیں میں مذکل مو ! جو پوجھیں میں کے انداز میں باتھ کی تینیما اپنے ایک موسودے میں اللہ کی انداز میں اللہ کی تعلیما اپنے اللہ کو تینیما توجہیں انک موسودے درسودے میں اللہ کی جاتھی جاتھی اللہ کو تینیما توجہیں انک موسودے درسودے میں اللہ دو جون انک موسودے کے

'जीवन सकत' या 'इनशाने कामिल' होने के किये बुराई से भवाई की तरफ और ना समभी से सनी समम की तरफ जाना है. तभी वह अपने खोए हुए वहिक भूले हुए अमरत्व यानी अवदी जिल्लगी को फिर से हासिल कर सकता है.

सब मजहब हमें यही बताते हैं कि यह जगत 'असत' यानी 'बदम' हैं, मायाहै, लीला है, क्रीड़ा है, सपना है, नश्वर है, फसाना है, फितना है, आल है, खयाल है और बातिल यानी भूट है. दुनिया की ठांस ठोंस चीचें देख कर कम समम आदमी के लिये इस बात को समफना गुशकिल हो जाता है. पर यह सब ठोस समनी जाने वाली चीजें पल पल पर बदल रही हैं. जो बदलता है उसका बजूद जाहिर है आरजी ही हो सकता है. नित्य और टिकाऊ कवल वही श्रात्मा है जो दुनिया के इस बन्लते रहने को देखता और सममता है.

इस बारे में मोहन्मद साहब की कुछ हदीसें नीचे दी जाती हैं:--

''जो इन सब चीजों की असलियत है बही टिकने वाली चीज है, ओर बाक़ी यह सब आलम फाना यानी नाशमान है

'यह सारी दुनिया महज एक स्रयात है—यह उसका खयाल है जो ख़ुद ही अकेला हक्राकर है."

''दुनिया में जितने सांग हैं वह सब एक सपना देख रहे हैं, जब वह मरेंगे तब इस सपने से जागेंगे."

'सिवाय अल्लाह के बाक़ो सब चार्जे बातिल यानी भूट हैं.

क़रान की एक आयत है :---

''सिवाय उस अल्लाह के दीदार के बाक़ी सब चीजें नाश होने वाली हैं.'

इस भूट, इस माया घोर इस धोके को जो चीज क़ायम रखे हुए है वह है तृश्ना, बासना, काम संकल्प श्रीर व्यविद्याः इन ही चार्ने को हिसं, हवस, ब्रारण और खयाल कहते हैं.

सूको कहता है:-

''यह सब एक जाल है, भारजू यानी इच्छा इस जाल के अन्दर का दाना है. इसांलये जितेनी जल्दी तुम से हो सके तू आरण्यानी हिर्स के इस जाल से ।नकल जा."

महाभारत में लिखा है:--

'बह सारा जगत रूयाल का बना दुखा है. जो इस सचाई को नहीं समऋता उसके कामां का ठाक ठीक नतीजा पेवा नहीं हो सकता."

गीता में विसा है :--

"सम्प्राणियों के लिये जो रात है अपने को बस में रखने बाले भावमी के । ताबे वही जागने की चीच है. और निस चीक की तरफ से और सब प्राणी जाने हुए हैं. देखने बार्खे जुनी के लिये वह साने का रात है."

ا جَيْبُونِ مِنْعُمِدِهِ ؟ يا " السأن كابل " هونے كے لكے برالي ہے پہلائی تی طرف اور نا سمتھیں سے سچے سمجھ کے طرف بمالنا کے۔ تھھی وہ آبے ٹھوٹے ھوتے بلکہ بھونے ھوٹے آسولو يَعْلَيْ أَيْضِي وَنفِقَى دُو يَهُو سِي عَامِل دُو مَكَمًا هِي .

سب مذهب همين يهي يتات هين نه يه جگت أسَالُهُ يَعِلَى * عَدْم " هِرْ مَانِا هِي لَهِ هِرُ وَرِوا هِ مَهِمًا مِنْ تَهُورُ هِمْ فَسَانِهُ هِمْ فَعَلْهُ هِمْ جَعَلِ هِمْ خُعِالَ هِمْ أُور وَيُأْطِئُلُ يَعِلَى جَهِوكَ فِي دَنهَا فِي تَهُوسَ تُهُوسَ جَهَوْسِ فيكفكو فم سمعه أدسى للد إس بالتاو سعهدا مشكل نغو جاتا ہے ، ہر یہ سب تہوس سمجھی جانی والی جهزیں عل عل عر بدل رهی هیں ، جو بدالتا هے آس کا وجود ظاهر هے عارضی می هو سکتا هے ، نتیه اور تکاؤ دورل وهی أنها هر جو دنها کے اس بدلاتے وعلی دو دیکھنا اور . A Ligger

اس بارے میں محمد ماحب کی تجه عدیثیں نهني دي جاني عين ١٠٠٠

ا جو إن سب چهزوں كى اصليت هے وهي تكلے والي جهز هـ' اور باقي يه سب عالم فاني يعلى ناهل مان هـ ا يه ساري دنها معنف ايک حهال هـ -- يه اس کا شهال ها جو حود على أنية حقيقت ها "

و دنیا میں جدنے لوگ میں وہ سب ایک میلا دیکھ رہے ھیں' جب وہ مریلگہ تب اِس سہاء سے **جاگی**ں لیے ،''

و سوائد الله کے یاقی سب جهنویں باطل یعلی چهونگ عهن ۱۴۰

قرآن کی ایک آیمت ہے: --

وہ سوائے اس المه نے دیدار کے باقی سب جھڑیں غاهي هون والي مين ،''

اس جهوت اس مایا أور اِس دهونے دو جو چیو قالم ونهر هوب في ولا في ترقيقا" وأسفا" كام سفعلمي، أور أوفايا . اين من جهارون كو حارض موس أرزو اور حهال فهيمهمين، صوفی کہتا ہے ا---

وليه سب ايک جمل هـ آرزو يملي إجها إس جمل کے اندر کا دانہ ہے ، اس لئے جملی جلدی تجه سے مو سعے تو آورو پیدنی حاص کے اس جعل سے نکل جا ،'' مهابهارك مهن لكها هے :---

واله سارا مك حيال كا بقا هوا هي جو إس سطائی کو بہیں سمعتها اس کے کاموں کا ٹھیک ٹھیک تلهجه يهدا بهين هرسكها ء٠٠٠

گیٹا میں نکیہ ہے ہست

''سب ہرانیوں نے لئے جو رات ہے ابھ تو لمس مهن ونها والد اداسي في لكن وهي جافقر دي چميز هـ اليو بهدس جهاؤ في طوف بد اور يرامي سائل عوقر هيال هيكهاي وَالْمِي مِعْنَى فِي دِينِ وَا صَوِيْدِ مِي وَرَبُّ عِنْ أَنَّ फोबर में लिखा है :--

"अल्लाह 'अन-सोफ' बानी धननत है वह सब पाणियों और सब गुएों से ऊपर है. जब यह बीजें हह जाती हैं तो न कोई ग्रेश रह जाता है न कोई रूप. उसे केबल 'यह भी नहीं 'यह भी नहीं' कह कर ही बयान किया जा सकता है. इस यह नहीं बता सकते कि जल्लाह क्या है हम केबल यह बता सकते हैं कि वह क्या नहीं है. दुनिया उसी से निकली है. इसके लिये उस अनन्त में कुछ गुए या मिकतें भी आ गई'. गुए। या सिफर्ते कोई अनन्त नहीं हो सकती. उनका असल बजुद कुछ नहीं. इसी से दुनिया में अंधेरा श्रीर बुराई पैदा हुए. यह वह परदे हैं जो सचाई को ढके रखते हैं. दुनिया में जो कुछ बुराई है वह धोका यानी माया है, फरेब है, पर कुछ नहीं. आइमी का फर्ज है कि उस अनन्त के साथ फिर से मिलने की कोशिश करे अनन्त को छोड़ कर आदमी का महदद यानी असत्य जीजों की तरफ जाना ही बुराई है. असलियत की खोज में चलकर ही आदमी असलियत तक पहुंच सकता है. वही उसका घर है, वही उसकी असल है."

ऊपर जो इवरानी भाषा का शब्द 'अन-सोफ' आया है बह शायद अरबी 'ऐनसूक' (सीन के साथ , या ऐन साका । स्वाद के साथ) पढ़ा जाय तो उसके मानी वही होंगे जो संस्कृत में "ग्रुद्ध चैतन्य ' के हैं.

मिस्र में एक कहाबत मशहर है जिसका मतलब है :--"मैं तुम से साफ कहता हूँ कि तुम्हारे दिमारा में जो कुछ भः स्त्रयाल बा सकता है बल्लाह वह नहीं है."

दुनिया के प्रेमी राह दिखाने वाले हमें यही बताते रहे हैं कि बुराई का अपना कोई वजुद नहीं. दुनिया के दुख क्व सब सपने की तरह आने जाने हैं. थीरे धीरे खोजी बारमा को पता चलता है कि जिस तरह बुराई और दुख कोई बीज नहीं उसी तरह दुनिया की भलाई और सुख भो की इ बीज नहीं. यहां की भलाई केवल यहां की बुराई के मुकाबले में वज्य रखती है. ऐसे ही यहां के सुख केवल यहां के दखों के मुकाबले में अपना वजद रखते हैं. संसार की इस लीला में खोजी का फर्ज मलाई की तरफ रहना है. पर चान्त में उस अनन्त से मिलने का सुल कुछ और ही है. बह इन सब सुख दुखों से ऊपर है. वहां न बुराई रहती है धौर न मलाई. जल्दी या देर में सब को उसी रास्ते पर पलना है. वही परमानन्द है.

ं , इंजील में लिखा है :--

''वह अकेला है. उसका कोई वृसरा नहीं, उसके न कोई बक्षा है न साई."

अलाई भलाई है. बुराई बुराई है. समफ समम है. ना समामी नासमामी है. पर वह सब एक ही नाटक के खेल हैं पर बाह्मा की फिर से खुश का बेटा' बनवे के लिये.

وهر مين لکها ۾ دند

اللقة الله سوقب الهدي اللمها على ولا سبب يوأليون اور سب کارن ہے اوپر ہے ، جب یہ چیزین هے جاتی هيس تو نه فولي قبل ولا سالنا هي قه فولي ، وب يا أسر كيول ا يه بهي نهون الله على نهون الها كو كر هي بيان كها جا سكتا هي هم يه نبهن بتا حكت كه الله نها هي هم كهول یہ بتا سکتے میں نہ وہ کیا نہیں ہے ، دنیا اُسی سے تعليه ، إس غ لئه أس انلسه مين نجه في يا سنتين بهي أكلهن . كن يا صفعين كولى أنده نهين هوسكتين. اُن کا اصل وہود کنچھ نبھیں ۔ اِسی سے دنھا میں اندھیرا آور برائی پیدا هوئے . یه وه پردے هیں جو سچائی کو تهکے رئوتے هوں ، دنیا مهن جو کچه پرائی ہے وہ دهوکه يعلي مايا هے' فريب هے' پر فجه نهيں ، آدمي كا فوض ہے کہ اُس اللت کے ساتھ بھر سے ملائے کی کوشش کرے ۔ اللت دو چهور در آدمی کا مصدود یعلی آمتیه چهزوں کی مارف جادا هی برانی هے ، اصلیح کی کھوچ مھں جال كرهي أدمي أسليت تك يهوني سكتا هي، وهي أس كا گهر هے' وهي آس کي اصل هے ،"

اوير جو ايراني بهاشا كا شهد 7 أن سوف كي آيا هي ولا شاید عربی ' عین سوف ' یا ' عین صاف ' پوها جائے تو اُس کے معلی وہی ہونگے جو سلسکوت میں 😗 ہدہ جيئليه ال في هين .

مصرمهن ایک کیاوت مشہور ہےجسکا مطلب ہے:-ال میں تم سے صاف دہتا میں نہ تبہارے دماغ میں جو کچه بهی خهال آ سکتا هے الله وه نهیں هے .''آ

دنیا کے پریسی راہ دکھایے والے عمیں یہی بعاتے رهیں ھیں کہ پرائی کا ایٹا کوئی وجود نہیں ۔ دنیا کے دلہ دود سب سپلے کیطرح آنے جانے ہیں۔ دھورے دھورے کھوجی آنیا کو پتھ بھلتا ہے کہ جس طوح براثی اور دکھ کوئی چیرو نہیں اُسی طرح دانها کی پھلائی اور سکھ بھی کوئی جهو بهين ، يهان كي يهالي كيول يهان كي برائي ك مقابلے میں وجود ربھی ہے ، ایسے هی یہاں کے سکھ کیول یہاں کے دکھوں کے مقابلے میں ایفا وجود رکھتے هين ۽ سفسار کي اِس ليلا مين کيوچي کا فرقن پينائي كي طرف رهدا هي . ير انت مهن أس انكت بير ملق كا سکه کیچه اور هی هے . وہ ان سب سکه دکهوں سے اوپر هـ. ومان ته پرالي وهاي هے لور ته يولائي ، جلدي، دير مين سب کو آسی واسکے پر جلفا ہے ۔ وہی پرمانقد ہے ۔

إنتهيل مهن لكها هر:--

19 ود اکھا ہے ، اُس کا کوئی دوسرا نہیں ، اُس کے نه دیکی پنچه پر نه بهائی .

بهائي پهاڻيءَ آيواڻي ۽ اٺي ۾ ، سنجو سنجو ۾ . سيجهل الله بسيعهور ، يو يه بسي ايكيه هي بالكيه ال ديدل عيد إو إنها بو يور ب دعدا لا بولاا يدفر ك لكي

जो सब के अन्दर एक ही आस्ता को देखें वही दुनिया का सम्बा खादिम हो सकता है

(डाक्टर भगवानदास)

ईरबर करसाह के नवादीक पहुंचने के भी बहुत से दरके हैं. योग और वेदान्त में इन दरजी को खालोक्य, सामीप्य, सारुष्य, सायुष्य, आवेश, बलावतार, अंशावतार और वृशीवतार, कहा गया है तसब्बुफ़ में इन्हें बब्द, जजना, वस्त, झरवे 'करायच कृरवे नवाफिल, बुरूण, हुल्ल और मजहरे अतम्म नामों से पुकारा गया है. यही कमाल यानी पूर्णता की सीदियां हैं. स्ड की इस चढ़ाई को संस्कृत में 'आरोह' और अरबी में 'उरूज' कहते हैं. इसके तीन खास दरजे हैं. पहला दरजा 'द्वैत' यानी 'ईजादिया' है. दूसरा 'बिशिष्टा हैत' यानी 'ग्रह दिया' है. तीसरा 'बहैत' यानी 'वजुदिया' है. पहला सबसे कम समम बाले लोगों के लिये है. दूसरा विद्वानों भौर साइन्सदानों के लिये. तीसरा आरिफों यानी झानियों के क्षिये. हिन्दू फिलासफी में इन्हें आरम्भवाद, परिखामवाद और विवर्तवाद भी कहा गया है. सूफी इन तीनों हासतों को 'हमा अज उस्त', 'हमा-बाऊस्त' और 'इमाऊस्त' कइ कर भी जाहिर करते हैं.

यही बात इंजील में दूसरी तरह लिखी है:-''सब बीजें बसी से निकसी हैं, उसी से हैं, उसी
में हैं."

यह सीनों बातें एक दूसरे के खिलाफ नहीं हैं. बजाय एक दूसरे को काटने को यह एक दूसरे को पूरा करती हैं. कामिल होकर ही इनसान महसूस करता है कि सच्ची सिदमते खल्क बानी दुनिया की सेवा, सचा इक्क यानी श्रेम, और सची मारफन यानी कान तीनों एक हैं.

तब समस्त में जाता है कि वह जाते सासिफात, वह निरंजनिक्शियों, वह सायब उस सबूब बानी परम अञ्चवत केवस 'नेति नेति' (यह भी नहीं, यह भी नहीं) कह कर यानी केवस 'सम्बीह' से ही बयान किया जा सकता है. उसकी कोई तराजीह नहीं, उसकी कोई मिसास नहीं. नाम रूप का कहां कोई काम नहीं.

बीह भीर शैन भर्म दोनों इस बात पर चोर देते हैं कि उस व्यवस्थ हमीकित की कोई शब्द बवान नहीं कर सकते. उसे 'यह जी नहीं' 'यह भी नहीं' कर कर ही बताया जा सकते हैं कहते हमीकों ने भी यहां बहा है. यहदी किताब

جو سب کے اندر ایک هی آنیا کو دیکھے وهی دنیا کا سبھا خادم هو سکتا هے

(قائلر بهگوان دالس)

ایشور اللہ کے نودیک بہونچلے کے بھی بہمت سے دوجے ههيں ۽ يوگ اور ويدائيس مهن اِن دوجون کو سالوکهها سامهيهما سارويهما سايوجهما أريض كاولارا انشاولار أور هورناوتار کیا گها هے ، تصوف میں اِنهیں و عدا جذبه ومل الوب فراتش قرب توائل بروز حلول أور مظهراتم ناسوں سے پکارا کیا ہے ، یہیکمال یعلی پورنگا کیسهوههاں ھیں ، روے کی اس چوھائی کو سلسکرت مھی ^و آروے ^ا اور عربی میں ' عروج ' کہتے میں ، اس کے تبن خاص درجه میں ، پیلا درجه ' دریت ' یملی ' ایجادیا ' د . درسرا أ وهشكا درلت على الهوديا عن تهسرا الدريت يعلى أوجوديا أهر بها سب بدكم سنجه وألد لوكون کے لگے ہے ، دوسرا ودوانیں اور ساکٹسدانیں کے لگے ، تھسرا مارقین بیمقی گھائیوں کے لگے ، مقدو قلسقی میں [تھیں آرميه وارا آيرينام وادا أور رورت وأد يهي كها كها هي . صوفىإن فهدر حالغون كو أهمه أز أوسعه أهمه بالوسعة ارد ' همه ارست ' کیکر یمی ظاهر کرتے هیں .

یہی یات انجیل میں درسری طرح لکھیھے:---'' سب چھویں آسی سے تکلی ھیں' اُسی سے عیں' اُسی میں ھیں ۔''

یه تهنوں باتیں ایک دوسرے کے خلاف نہیں میں ، بعوالے ایک دوسرے کو پورا کرتے میں ، کو نہیں دوسرے کو پورا کرتے میں ، کامل مو کو می انسان متعسوس کرتا ہے که سچی خدمت خلق یمنی دنیا کی سهوا' سچا مشی یعنی پریم' اور سچی معرفت یعنی گیان تینوں ایک همی ،

تب صمعهم میں آتا ہے کا وہ قات المفاسا، وہ تولیجی الروفیه میں آتا ہے کا وہ قات المفاسا، وہ تولیجی الروفیه وہ اللہ الفیوب یعلی پرم اربیات کیول المبتی کیول المبتی ہے اللہ بیان کیا ہے المبتی ہے۔ اس کی کوئی تشمیم المبتی ہے۔ اس کی کوئی تشمیم المبتی اللہ اللہ اللہ کی کوئی متال نہیں ، اس کی کوئی متال نہیں ، اس کی کوئی متال نہیں ،

بوده اور چین دهرم دونوں اِس باس پر زور دیکے هیں که اُس امل حالیفات کو کوئی شعد بھان نیھں کو سکتے۔ اُس ' یہ بھی نیمن' ' یہ بھی نیمن ' کیکر ھی بٹایا جا ساتاھے، یبودی گھانیوںئے بھی یہی کہا ھے، یبودی کتاب परोशों इस्त नंगे पांच गुंजसक काल भी सर के कहा उसने निहायत इक्त से बांसों को नम कर के

कि मगवन तुम तो हो विरला के इस मेहमान काने में तुन्हें क्या, बीतती क्या है ग्ररीकों पर कमाने में तुन्हें तो भोग दीनों बक्त मिल जाता है वे सटके

तुन्हें तो भोग दीनों बन्नत मिल जाता है वे सटके तुन्हें क्या, भूक के मारे कहां किस किस तरह वहके

यहां तुम को तो दौतत गोद में भूका मुजाती है पता उनका भी है कुछ जिनसे नींद आंखें पुराती है

> यहां तुमको तो सुसा की सेज है मसामल का विस्तर है कुछ उनकी भी है सुध गूदद भी जिनको ना मेश्रस्यर है

सुना है बाज हिन्दुस्तान का है जरन बाजाएं। रची है हिन्द के इशरत कदे में हर तरफ शादी यह बाजादी मगर दुखियों की बाजादी नहीं हरगिज बमीरों की है, मजदूरों की यह शादी नहीं हरगिज

यक्रीनन इस बसी दिन जरन आजादी मनार्येगे कि जिस दिन केंद्र 'बिरला' से तुन्हें भगवन छुदायेंगे پریشائی عالی تنظی پاوں للمجلک بال یہی سرکے کہا اُس نے تہایت عجو سے الکھوں کو نم کرکے

که بهکین تم کو هو برلا کے آئی مہمان خاتے میں تنہیں کما^و بیعکی کیا ہے فریموں پر زمانے میں

تبہوں تو یہوگ دونوں وقت مل جاتا ہے ہے کیلاکے تبہوں کو ایمان کے مارے کیاں کس کس طرح بہاکے

یہاں تم کو تو دولت کود میں جہولا جیلاتی ہے یک اُن کا یمی کچه جن برنیڈڈ آنکیمں جوالی ہے

> یہاں ٹم کو تو سکھ کی سھیے ہے۔ منصل کا بستار ہے کنچھ اُن کی بھی ہے سندہ گردار بھی جن کو قا مهسر ہے

سفا ہے آج مقدستان کا ہے جھن آزادی رچی ہے مقد کے عشرت کدے میں مر طرف شادنی

> یہ آزادی مکر دکھیوں کی آزادی نہیں ھرگز امہروں کی ہے مودوروں کی یہ شادی نہیں ھرگز

یتیداً هم اُسی دن جشن آرادی مدائینیے که جس می تید ^ابرا^ا سے نبیس بهکرن جهرائیدی

खिडल = शरमिन्दा, ऐशोलर = रंगरिक्षयां, परिस्तर = पुजारी, इमारत = अमीरी, जिकारत = दर्शन, गुंजलक = क्रमोहे हुए, इक्क = नम्रता, नामीवस्सर = म मिलना, इनरत क्या = ग्रुक का घर,

شجل - گزمنده میش و طرب - ونگولیان پرستار - پجاری آمارهای آمیری زیارهای فرشی کنجلک --آنجی هزار مهوستان نامهسرسانه ملنا عشرت کند سند کا گهری जिल्द 14

धप्रैल, सन '53

नम्बर् 4 4

اپريل، سن 53'

طد 14

जात आदमी, प्रेम धर्म है, हिन्दुस्तानी बोली, 'मया हिन्द' पहुँचेगा घर घर लिये प्रेम की मोली. جات آدمي' پريم دهرم هے' هندستانی بولی' 'نها هند' پېنچے کا کهر کهر لگے پريم کی جهولی .

बिरला मंदिर

'नाजुक' इलाहाबादी

नई दिल्ली में विरता का जो आलीशान मंदिर है
वह जमत ही नहीं है बिल्क जमत से भी बढ़कर है
खिज्ल है आसमां पर इन्द्र की अमरावती इससे
अगर चाहें तो शोभा मांग लें कमला पती इससे
यहां ऐसोतरब का शोर है दौलत की मस्ती है
जिधर देखों उधर आकाश से मस्ती बरस्ती है
यहां कस्यान है निर्वान है मुक्ति है मंगल है

अगरचे है यह जीता जागता जादू इमारत का मगर आखिर तो मंदिर है जरिया है इवादत का

यहां हर देवता का इक नया मेहमान खाना है यहां के ठाट सब शाही हैं शाही कारखाना है

पुजारी तक यहां वा चैन की बंसी बजाता है कि जो भगवान से पहले ही मोहन भोग पाता है यहां भक्तों को दर्शन प्रेम से भगवान देते हैं

यहां भक्तों को दर्शन प्रेम से भगवान देते हैं हैं हमासक की अबल भक्ति वह अपनी दान देते हैं

जियारत को हफारों: आदमी मंदिर में आते हैं यहां आते ही सब दुनिया के दुख सुख भूल जाते हैं

> श्रामानक एक दिन रंजी मशक्कत का धकाहारा कही की था गया मंदिर में एक मजदूर वेचारा

برلا مندر

(البازك الهياسي)

نئی دلی میں برلا کا جو عالی شان ملدر ہے۔ ولا جامت هینیوں شے بلکہ جلت سے ہوں ہوعکر ہے۔

ختجل ہے آسمان پر اِندر کی امراوتی اِس سے اگر چاھیں تو شوبھا مانگ لیس کے لائی اِس سے

بہاں عیش و طرب کا شور ہے دولت کی مستی ہے۔ جدھر دیکھو آدھر آگاہی ہے مستی پرستی ہے

یہاں بس لکشمی هی کے پرستاروں کا دنگل ہے یہاں کلہان ہے دروان ہے مکال ہے اگرچے که یہ جہتا جائتا جادر اِمارت کا مگر آخر تو مدرر ہے ذریعہ ہے عبادت کا مگر آخر تو مدرر ہے ذریعہ ہے عبادت کا

يهان بعر فيوتا كا إك بها مهمان خانه 🙇

یہاں کے تہاہ سپ شاهی ههں شاهی کارخانہ هے

پنجازی لک یہاں کا چدن کی بلسی بنجاتا ہے کہ جو بیکوان سے پہلے ھی موھن بہوگ پاٹا ہے

یہاں ہوکتوں کو درشن پریم سے بھگوان دیتے ھیں اُیٹسک کو اچل بھکتی وہ اُیٹی دان دیتے ھیں زیارت کو ھزاروں آدسی ملدر میں آتے ھیں

زیارت کو ہزاری ادسی ملدر میں آتے میں ۔ یہاں آتے میسپ دنیا کے دکو سکھ یمول جاتے میں

الهانک ایک دن رنبج و مفتقت کا تهکا هارا کیش سے آلها مقدر میں اک مزدور بهتهارا "नया हिन्द्"

हिन्दुस्तानी कलचर सासाइटी

.... ...

هندستأنى كلچر سوسائتى

5

माहवारी परचा

ماهواری پرچا

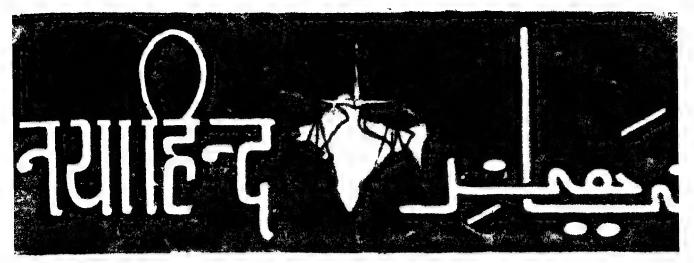
अप्रेन 1953 ।

| क्या | ा ध्मस | 41.401 432 | س سے | , 1 , |
|------|--|------------------|---|------------------|
| 1. | बिरला मन्दिर (कविता)'नाजुक' इलाहाबाद | 149 | َ بَوَلَا مِلْدُو (كَوِيمًا)—أَدَارُكُ الْعَايَادَى ﴿ ﴿ ﴿ | .1 |
| 2. | जो सब के अन्दर एक ही आत्मा को देखे वही | दुनिया | جو۔ سب کے اندر۔ ایک هی آتما کو دیکھے وهی دنها | 2 |
| | का सच्चा खादिम हो सकना है-डाक्टर भगवान | ा रास 151 | كا سنجا خادم هوسكمًا هي—قائمُر بهكوان دأس | |
| 3. | खाली 'लकाका (रेडियाई ड्रामा)भगवानदीन | 156 | حالي لعانه (ريڌياڻي ڌرامه)—بيگران دين | .3 |
| 4. | हिन्दुस्तानी शब्दियात का पांचवां ऋसून : श्रास लक्ष्वां से नष शब्द—डाक्टर जाफर हसन | | ھلادستانی شمدیات کا یابج <i>یوان اسول :</i> آسان العرو <i>ن سے نگے</i> شمد—داکر جالر هسن | .4 |
| 5. | रूम का राज जनता के भले का राज हैडाक्त | टर जे. | روس کا راج جلما کے بہلے کا راج ہے۔قائمر ہے . | 5 |
| | सी. कुमारप्पा | 165 | سی . کمارپیا | |
| 6, | नागा जीवन की एक भलक—भगवानदीन | 169 | د کا جھون کی ایک جھلک۔۔۔ بھکوان دین | 6 |
| 7. | नए चेकोस्लोवाकिया में खेती बारी की तरक्की | | بئے چھکا ملہوائیا مہیں کہلتی ہاری کی ترقی۔ اطہر | .7 |
| | चतहर परवेज | 178 | ··· | |
| 8. | नए चीन में कारखाने~-मुजीब रिजवी | 182 | لله چهن مهن کارهانے مجهب رضوی | 8 |
| 9. | हमारे जिला बोर्डों के श्रध्यापकों का सवाल— सुरेश रामभाई | 190 | ممارے ضلم ہورڈوں نے ادمہ یکوں کا سوال ۔۔ سویھی | |
| 10. | सुरेश रामभाई प्रवासी की डायरी | 196 | ہ ہا ۔ پرواسی کی قائر ہے۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔ | .10 |
| 11. | बच्चों की दुनिया | | | .11 |
| 12. | कुछ किताबें | 201 | _ | 12 |
| 13. | हमारी राय | 206 | هماري والي | 13 |
| | स्तालीनजे. सी. कुमारप्पा, सुन्दर लाल; | | اسة لدين سنجيد سي. كماريها السلمان اللي السال | |
| | स्तालीन की मीत के बाद—मुर्जाश रिज | • | کے مونت کے بعدمیدھی وضوی ؛ بوطانیع کا | |
| | बरतानिया का सकती व्यवस्य पर हमना-सुव | | سفودی فرف هر حمله دجومت رضوی ؛ فرما | |
| | रिजवी; बरमा भीर यूनो – मुजीब रिज जग शान्ति की समस्याएं –– मुजीब रिजवी; | भा; | اور يواو معجها رضوي دگ شافقى كى | |
| | जान सामित का समस्यादधुमान विद्यावा; | | سمسه لهرمنجها وهوي ، | |

हीमत-हिन्दुस्तान में झै रुपया साल, बाहर दस रुपया साल, एक परचा दस माने

मैनेजर 'सवा हिन्द' 145, मुट्टीगंत्र, इलाहाबाद, المسعسملدستان مهن چه رویهه سال ٔ باهر دس روههه سعال ٔ ایک پرچه دس آنے .

مهنوهر 'نها هند' 1<u>4</u>5' مثهی گلج' الهآباه .



एडीटर-ताराचंद, भगवानदीन, मुज्यक्त इसन, बिशम्भर नाथ, सुन्दरलाल اديةر--ابارا جند بهكوان دين مطعر حسى بشبهر ناته استدر لال नायब एडीटर-सुरेश रामभाई, मुजीब रिज्वी تائب ادیگر- سریص رام بهائی منعهب رضوی

- स्स का राज जनता के भले कि राज है--डाक्टर ते بي سور المرحد بي سور المركز مي سور المركز सी. कुमारप्पा
 - ★ नागा जीवन की एक मलक—अगवानदीन
 - ★ नए चीन में कारखाने मुजीब रिजावी
 - 🛨 हमारे जिला बोडों के श्रध्यापकों का सवाल-- -- 🛨 🖈 स्रश रामभाई

हमारी राय---

- स्तालीन-जे. मी. कुमारप्पा, सुन्दरलाल
 - 🛨 बरतानिया का सऊदी श्रास्य पर हमला-सूजीब रिजवी
 - 🖈 बरमा श्रीर यूनी— मुजीब रिजवी
 - 🖈 जग शान्ति की समस्याण---मृजीब रिजवी

- فداريها
 - ★ ۱۶۱ جهون که ایک جهلگ-بهگوان دین
 - الله جهان مهن المتاليات معهب رضوي
- سايض وأم بهائي

- أستالهن- حير سن دماريها عددو لال
- 🖈 بريالهم كا سعود ، عرب ير حمله لسمندهب رضوي
- 🖈 درما ارو يونو سسمندها وضوي
- ★ سک شاندو دی سمسهائهن

1953

算点

झंकार

श्री रघपनि महाय 'फिराक़'

किंदिक विरस से आज तक की उरदू की चुनी हुई किंदिकी का यह सम्रह पढ़कर आप को मालम हागा कि उरदू बिदाा ने किस तरह ख़यानी दुनिया को छोड़ कर जिन्दगी भी सच्चाइयों से अपना नाता जोड़ लिया है आज की उरदू शायरी गुन व बुनबुन और बस्न व फिराफ़ तक ही सीमित नहीं है. अब आप को उरदू किवता में किसानों और मजदूरों के दिनों की धड़कने सुनाई देंगी. गुनामी, अन्याय औं लूट ख़सोट के ख़िनाफ आप एक ऐसी आवाज सुनेगे जो आपके दिन की गहराइयों को छुएगी.

'इन कि। ताओं में अन्तराष्ट्रीय तथा राष्ट्रीय ीनों भनकं मिनता है......स तो व तथा साकार हैं......बास्तव में हिन्द। संसार में यह प्रयास असोखा है और उरदृ साहित्य के आधुनिक दौर में अदिताय है..."

23--- '52 — गोजाना 'लांकवाणी' जगपुर

"जहां तक भाव का सम्बन्ध है कविनाएं उच्चरतर की हैं"

6.3.152 — 'विशाल भारत' कलकत्ता

' भंकार में प्रकाशित 72 उरदू की कविताएं आज ही के युग की समस्याओं से श्रीन प्रीत हैं "

17-2-152 — नव भारत टाइम्स' दिल्ली

"हिन्दी के पाठक स्नेह श्रीर चाव से इस संग्रं का श्रानन्द लेंगे श्रीर उनसे प्रेरणा बहुण करेगे. यह निश्चित है."

13-1-132 — 'श्रमन पत्रिका' इलहाबा:

'हम उन की (किवताओं की) शक्ति, तालगों और सूत्र के कायल हैं वह एक नए युग का सन्देश देती हैं...भाषा अधिकतर मरन श्रीर बामहावरा है. कहीं कहीं ती ठेउ हिन्द है''

8-5-152 — 'जीवन साहित्य' दिलती

"फकार की रचनाओं में युग की पुकार है और भाषा विलकुल बील चाल के निकट है" — 'नया समान' कलकत्ता नागरी लिखावट में ऐसा भरपूर उरदू कविता संम्रह आज तक नहीं निकला. सुन्दर जिल्द बढ़िया काराज, उस्दा छपाई दाम सिर्फ तीन रूपया. दस किताबों का एस साथ स्वरीवारी पर पचास कीसदी कमीशन.

मिलने का पता -

मैनेजर 'नया हिन्द' 145, मुद्दीगज, इलाहाबाद.

جهتكار

سمهادک-شري رگهوپندي سهائي ' مراق'

پچھلے پلکوہ برس سے آج تک کی اُردو کی چلی هوائی کوپیاؤں کا یہ سلکرہ بوهکر آپکو معلوم هرگا تھ اُردر کوپیاؤں کا یہ سلکرہ بوهکر آپکو معلوم هرگا تھ اُردر کوپیائیں سے اپنا ناتا جوڑ لھا ھے آج کی اُردو شاهری کل و بلیل اُرر وصل و قراق تک هی سهمت نہیں ھے . اب آپ کو اُردو کوپیا میں کسانوں اور مردوروں کے دانوں کی خلاف آپ ایک ایسی آوار سلیملگے جو آپ کے دانوں کو چھوٹیگی

23-2-152 سرورآنه البوک والي چے يور

* جهان تک بهاؤ کا سنهنده هے کویتائین آچ استر
 کی هیں .**

'' جھلکار میں پرکاشت 79 اُردو کی دویقائیں آج عی کے یگ ہی سمسیاؤں سے اُرت یارت میں ۔''

'' هذدی کے پائیک اسلام اور چاؤ سے اِس سلکہ کا آباد لهلکے اور اُن سے بویدا گرهن دیںگے' یہ مشدیت ہے'' لے 13-1-13 لمان المانیات الم

52' - 3-5 سجهري سامتهه دلي

" (جھلکار کی) رچلاؤں میں یک نی یکار ہے اور بھائی بالکل پول چال کے نکت ہے۔"۔ بھا حماج' المقد

ناگری انکهاوت میں ایسا بهریهور آردو کویتا کا سلگرہ آج لک نمیں بکلا ، سلدر جلد ، بوهیا کفیل عدد چهیائی دام صرف تین رویها ، دس دعابوں کی ایت سانه حریدا می ہر بجاس فیصدی کمیشن ،

ملغے کا ہت۔۔۔

مِلْهِ مِهِ أَنَّهَا هَلَدُ أَ 145 مِنْهِي كُلْمِ الدَّآبِادِ .

हिन्दुस्तानी कलचर सोसाइटी

هندستاني كليجر سوسائتي

मक्सद

- (1) एक ऐसी हिन्दुस्तानी कलचर का बढ़ाना, फैलाना श्रीर प्रचार करना जिसमें सब हिन्दुस्तानी शामिल हों,
- (2) एकता फैलाने के लिये किताबों, अखबारों, रिसालों वरौरा का छापना.
- (3) पढ़ाई घरों, किनाब घरों, सभाश्चों, कानफरेन्मों, लेक्चरों से सब धर्मों, जातों, विराद्दियों और फिक़ों में श्रापस का मेल बढ़ाना

-: 0:--

सीसाइटी के प्रेसीडेन्ट—मि० श्रद्युल मजीद स्वाजा; वाइस प्रेसीडेन्ट—डा० भगवानदास श्रीर डा० श्रद्युल हक्त. गवरनिंग बाडी के प्रेसीडेन्ट—डा० भगवानदास, संकेटरी - पं० मृन्द्रलाल.

गवर्गनंग बाडी के ऋौर मेम्बर-

डा० मैयद महमृद, डा० ताराचन्द, मौलवी सैयद मुलमान नदबी, मि० मंजर श्रली सांख्ता, श्री बी० जी० वर, पं० विशम्भर नाथ, महात्मा भगवानदीन, सेठ पूनम चन्द रांका, काजी मोहम्मद श्रव्दुन गाम्कार श्रीर श्री श्रोम प्रकाश पालीवाल.

मेम्बरी के क़ायदों के लियं लिखियं—

सुन्दरलाल सेक्रेटरी, हिन्दुस्तानी कलचर सोसाइटी 145, सुट्रीगंज, इलाहाबाद

नंट—सोसाइटी के नए क़ायदे के अनुसार मेम्बरी की फीस सिर्फ एक रुपया कर दी गई है. "नया हिन्द्" के जो गाहक मेम्बर बनना चाह उनको सिर्फ छै रुपया चन्त्रा देने पर ही मेम्बर बना निया जायेगा. अलग से मेम्बरी की फीस देने वाल सोसाइटी की निकली हुई कोई किताब जो एक रुपया दाम की होगी मुफ्त ले सकेंगे या त्यादा दाम की किताब लेने पर एक बार एक रुपया कम रूरा सकेंगे.

متصد

- (1) ایک ایسی هندستانی کنچر کا بوهانا بههانا اور پرچار کرنا جس مهی سب هندستانی شامل هون .
- (2) ایکتا پہیلانے کے لئے کتابوں' اخباروں' رسالوں وفیرہ کا جہابنا .
- (3) ہوھائي گھروں' کتاب گھروں' سبھاؤں' کانفرنسوں' لھکتھروں سے سب دھرموں' جاتوں' پرآدریوں اور فرقوں میں آپس کا مہل ہوھانا ،

--:0:---

گورنفگ باقی کے اور منہرے

قائلار سهد متصود' قائلار تارا چاند' مولوی سهد سلهمان ندوی' مسلار مقطر علی سوخته' شری بی، چی . کههر' پندت دشمهر ناته' مهاتما بهکوان دین' سیله یونم چفد رانکا قاضی متصد عبدالغفار اور شری اوم هرکاهی پالهوال

مسبری کے قامدوں کے لئے لکھئے ۔

سقدر لأل سكريڭرى' هقدستانى كلنچر سوسائڭى' 147: مقهى كقم' -العاداد .

سوسسسوسائٹی کے نئے قاعدے کے اسسار مسبوی کی فیس صرف ایک روپیہ کردنی گئی ہے۔ ''بیا ہفد'' کے بہتر کاهک مسبو بقا چاہیں اُن کو صرف چھہ روپیہ چقدہ دیلے پر علی مسبو بقا لها جائیکا ۔ الگ سے مسبوی کی فیس دیلے والے سرسائٹی کی تکلی ہوئی کوئی کتاب حو ایک روپیہ دام کی ہوئی منت لے سکیس کے یا زیادہ دام کی کتابیں لیلے پر ایک بار ایک وربعہ کم کرا سکیلگے ۔

| SHIT YELL IN MA | वाली कुछ चौर | 14 | | | لي تعجه اور تنابيل | ال و على عليه |
|---------------------------------------|--|------|-----|---|--|------------------------------------|
| I, | ।वं सिर्फ दिन्दी में हैं | | , | | | نوف : يه كتابين صرف |
| नाम किताब | लेखक | | वाम | ī | ، ، ليکهٽ | نام تعاب |
| सेर को शायरी | भी अयोध्याः प्रसाद गोयलीय | 8 | 0 | 0 | شری ایودهها پرساد گوگهلی | همر وأشامري |
| थे. क्षेर भी सुसान | " | 8 | 0 | 0 | , _ ,, | همر و سجون |
| 3. महरे पानी पैठ | n | 2 | 8 | 0 | ,, | گهریم هاتی پیکه |
| 4. इमारे बाराध्य | श्री बनारसीदास - | 3 | 0 | 0 | شری بنارسی دایس 🦈 | مناري أرأدميه |
| | चतुर्वेद ी | | | | چ ت رویگیی | |
| 5. संस्मर ण | 37 | . 3 | 0 | 0 | ** | سلسمرن |
| .6. तो इप्तार वर्ष पुरानी कहानियां | श्री जगदीशचन्द्र जैन | 3 | 0 | 0 | غري جگديش جلدر حدن | دو هزار ورفن پرانی کهانهان |
| 7. ज्ञान गंगा | श्री नारायमा प्रसाद जैन | 6 | 0 | 0 | هيري تاراكن پرساد جهن | المان كلام |
| 8. पथ चिन्ह | श्री शान्ति प्रिय दिवेदी | 2 | 0 | 0 | | بنه بدر |
| 9. पंच प्रवीप | शान्ति एम. ए. | 2 | 0 | 0 | شانعی ایم . آے | پئے ہردیہ |
| 10. आकाश के तारे घरती के फूल | श्री कहै यालाल मिश्र प्रभाकर | 2 | 0 | 0 | هری کلهیالل مهر هربهانو | 1. آکاهی کے تاریم دمرنی نے پھول |
| 11. मुक्ति दूत | श्री बीरेन्द्र कुमार ं व जैन एम ए. | 5 | 0 | 0 | شرمی ویویقدر کمار جین ایم ، آے | [. معاقي درت |
| 12. मिलन यामिनी | श्री बच्चन | 4 | 0 | 0 | شری بچن | [. ملن ينامقي |
| 13. रजत रहिम | हाक्टर रामकुमार वर्मा | 2 | 8 | 0 | قائلو وام كمار ووسا | [. رجت رشنی |
| 14 मेरे बापू | श्री तन्मय बुखारिया | 2 | 8 | 0 | شرى تلب بشاريا | |
| 15. विस्व संघ की चोर | पंडित सुन्दरलाल भगवानवास केला | 3 | 0 | 0 | پلڈٹ سلدر لال' بھگران داس کیلا | |
| | श्री भगवानदास केलाः | 5 | 0 | 0 | شری بهکوان داس کیلا | 6. يهارتها ارته شاستر |
| ं 17, भारतीय शासन | 23 V~ | 3 | Q | 0 | " | 1. بهارته شاسی |
| ु 18. नागरिक शास्त्र 🗼 : | 3 9 € € | 2 | | O | 59 | [. ناگرک هاشتر |
| 19. साम्राज्य और उनका पतन | *9 | 2 | 8 | 0 | 28 | 1, شامراج اور اُن کا یعن |
| 20. भारतीय स्वाधीनता अन्दोलन | 23 | 1 | 4 | 0 | 91 | 2. يهارتهم سرادهها ال |
| 21. सर्वावय वार्थ व्यवस्था | | 1 | 8 | 0 | | آندولن |
| 22. इसारी आदिम जातियां | ः। श्री भगवानकाम केला | | | | 9.5 la le. A | 2. سرودے ارتب ورستها |
| | और श्री चिसल विनय | • | • | | غربي پيڪوان داس کها | 2. هماري ادم جانهان |
| 23. अर्थशास्त्र शब्दावली | भी दया शंकर दुवे, | 2 | 0 | 0 | أور شرى اكهل وغي | |
| Do datito a ditto | एम ए. एल एल. बी. | _ | Ť | | الداري ديه معدر صوبي | 2. ارته شاسعر شهداولی |
| | गजाधर प्रसाद, श्रम्ब | ष्ट, | | | اہم ، لے، ایل ایل ، ہی ، گجادھر پرماد' امہشت' | |
| 04 | भगवानदास केला | 1 | ٥ | ٨ | بهکوان داس کهلا | |
| , \$4. नागरिक शिका | भगवानवास केला भी व्याशंकर दुवे | -1 | | | هری پیکوان داس کیلا دیا شنکر دری | * N. 41 |
| 25. रास्ट्र मंडल शासन | भी द्याशंकर दुवे | 7 | 8 | | دیا شلکر سریے | 2. واهلو ملكل شاسن |
| 26. जापाणी | मद्रात्मा मगबानदीन | | 0, | | مهناتما بهكران دبين | 2. جوائبو |
| कृ7, भारते की दिश्यत ! | às | 1 | 0 | - | . 38 | 2. مارنے کی هست |
| . क्रि. सबीना सब | 23 C | | 8 . | | 7 73 | 2 صاولا سپر |
| go. मेरे स्पूर्ण िक्ट | 12 m | 1 | 0 | V | 91 | 21. میرے سالھی سلنے کا ہمد |
| ा नजन | को पता- | | | | | ملنہ کا باتہ۔۔۔ |

पितकाबन्दी पर बापू

सम्पादक-श्री श्रीकृरन दास

इम पुस्तक में 1921 से सन 1948 तक गांघी जी ने साम्प्रदायिता के सवाल पर जो कुछ कहा या जिला वह सब जापको एक जगह मिलेगा.

भारत के आजाद होने पर यह और भी जरूरी हो गया है कि हर भारतवासी साम्प्रदायिकता के नुक्रसानों को समभे श्रीर इस जहर को अपने अन्दर से साफ करे.

सुन्दर जिल्द, अच्छा काराज, दो सौ सके, क्रीमत दो क्पया.

भाषा

लेखक-लाला मदन गोपाल

हिन्दी उर्दू और हिन्दुस्नानी की तकरार पर एक वे लाग राय इस किताब में आपको मिलेगी. राश्ट्र भाषा के सवाल में दिलचस्पी रखने वाले हर भाई-बहन को इस किताब के पढ़ने से फायदा होगा—सोचने की राहें सूफेंगी, जानकारी बढेगी और तरह तरह की लंग नफरियां मिटेंगी.

क़रीब संबा सौ सफ़े की सुन्दर किताब, दाम डेंद्र रुपया

فوقه بلای پر باپو

سيهاهك سفري غريكرغن دأس

البن ہستک میں سن 1921 سے سن 1948 تک گلندھی جی لے سامپردایکٹا کے سوال پر جو کچھ کیا یا لکھا وہ سب آیکو ایک جگہ ملیکا .

یہارت کے آزاد ہولے پر یہ اور بھی ضروری ہو گیا ہے کہ ہر یہارت واسی سامہردایکتا کے تقصان کو سنجھ اور اِس بھر کو اُنہ سے صاف کرہے .

لشلها

لهكهك—الله مدن كويال

هفدی آردو آور هفدستانی کی تکرآر پر ایک ہے لاگ رائے آس کتاب میں آپ کو ملے کی ۔ راشتر بہاشا کے سوال میں دلنچسپی رکھنے رائے ہر بھائی بہن کو آس کتاب کے پوہنے سے فائدہ ہوگا۔۔۔سوچنے کی رامیں سوجہن کی' جانکاری بڑھے کی اور طوح طوح کی تکگ نظریاں مائیں گی ،

قريب سواسو صفحه في سقدر كتاب؛ دام ديوه رريه، .

700 PAGES, 32 ILLUSTRATION 2 COLOURED MAPS

"CHINA TODY"

PRICE

BY PANDIT SUNDRLL

Rs. 780

A vivid narration of the glorious and wonderful achievements of New China... A picture of China which is both convincing and authentic... the best book that has come out so far on New China in the English language ... the most objective in approach and comprehensive in treatment.

—National Herald, Lucknow.

Highly infomative...throws vivid light on conditions obtaining in that country...a book which deserves to be widely known.

-Leader, Allahabad.

Encyclopaedic...characterized by acute observation of detail as well as by...instinctive grasp of the fundamental perspective...To read it is veritably like accompanying the Mission on its thrilling voyage of discovery in New China.

—Blitz, Bombay.

A mine of information which gives a picture of China as nothing else dose,..the best guide to New China...Those who would like to understand what is happening in New China can do not better than to study it.

-Bharat Jyoti, Bombay

The wealth of information it gives on China new and old...makes fascinating reading...is comprehensive and informative and must therefore interest all students of public affairs.

—Indian Express, Madras

China Today is an elequent tribute to his (Pandit Sundarlal's) shrewd understanding of men and matter... brings to light the mighty endeavour of the Chinese People to rebuild their great nation on firm new foundations for a tomorrow which is theirs.

—Vigil, Defhi.

महात्मा गाँधी क क्लयत

लेखक-श्री मंजर चली सोक्ता

अपन देहान्त से कुछ घन्टे पहले महात्मा गांधी ने कांगरेस को लोक सेवा संघ में चवल देने के लिए अपनी तजबीय लिखी थी. यह देश के नाम उनकी कांखिरी वसीयत है और इसकी व्याख्या गांधी जी के परम मक भी मंजर अली सोकता ने की है जो गांधीबाद को सममने और अपनाने वाले देश के इने गिने लोगों में से एक हैं.

गांधीबाद को सममाने के लिए इसका पढ़ना बहुत जरूरी है. 225 सके की सुन्दर जिल्द बँधी किताब की क्रीमत िक दो रुपर.

अहिंसात्मक इन्क्रलाच का रास्ता

लेखक—श्री मंद्रार चली सीक्ता इस छोटी सी किताब को पढ़ कर आपको पता चलेगा कि महात्मा गांधी क्या चाहते थे और किस तरह उनके रास्ते पर चल कर चहिंसात्मक ढंग से देश में इन्क्रलाब लावा जा सकता है.

पैतीस पन्ने की किताब, दाम सिर्फ बार बाने.

आज के शहीद

लेखक—श्री रतन लाल बंसल उन बहादुरों की कहानियां जिन्होंने बिदेशी हाकिमों की फैलाई फूट की आग में इनसानियंत को मस्म होते देख एक इन की भी देर न की और उसे बुमाने की कोशिश में अपनी जान कुरवान कर दी. दाम सिर्फ डाई क्पया.

मुस्लिमं देश भक्त

सम्पादक-श्री रतन लाल बंसल

उन मुसलमान देश भक्तों के जीवन का दाल जिन्होंने बावनी जान इयेली पर रसकर हिन्दुस्तान और विदेशों में रहते हुए भारत माला को गुलामी की जंजीरों से आजाद करने का कोशिश की. किताब बड़े दिलबस्य वंग से लिखी शह हैं. हीशत सिर्फ एक रुपया बारह आने.

مهاتما کاندهی کی وصیت

لهكهك سفري ملطر على سيخاله أ

ابی دیہانت سے کچھ گھٹائے پہلے مہاتما الندھی نے الکریس کو لوگ سیوا سلکھ میں بدل دیتے کے لئے اپنی تجویز لکھی تھی۔ یہ دیش کے نام الکی آخری ومہت ہے اور سکی دیک میں ویاکھیا الحدمی جی کے پرم بھکت شری مقطر علی سوخانہ نے کی ہے جو الندگی واد کو سمجھلے اور اپذائے والے دیش کے اِنے کئے لوگوں میں سے ایک جھی ،

باندهی واد کو سمجھلے کے لئے اِسکا پوهلا بہت ضوروی ہے ۔ 225 صفحے کی سفدر جلد یندهی کتاب کی قیست مرت دو روپیئے ۔

اهنساتیک إنقلاب یا راسته

لهکهگ--شری منظر علی سوخته

اِس چھوٹی سی کتاب کو پومکر آپ کو یعد چلے کا کہ مہانیا گاندھی کیا جاھتے تھے اور کسطرح اُن کے راسعے پر چل کو اھٹسائمک ڈھٹگ سے دیھی میں انقلاب لایا جا سکتا ہے .

پینتیس ہے کی کتاب دام سرف جار آنے .

آج کے شہیں

لهكهك-شوي وتن ال يقسل

اِن بہادروں کی کہانیاں جنہوں نے ودیشی حاکس کی بہمائی ہموت کی، آگ میں اِنسانیمت کو بہسم ہوتے دیکھ ایک چھن کی بھی دیر نہ کی اور اُسے بجہانے کی دیکھ میں اینی جان تربان کر دی۔ دام صرف تھائی روہھ،

مسلم ديش يهكس

سبهادگ-هری رتن لال بلسل

विवाने का परा— जैनेकर 'कार दिल्क' 145, स्टॉलेंस, स्वासायाद سلا پر

गांध बाबा

लेखक—क्रुदिसया जैदी दो शब्द—जबाहरलाल नेहरू

यह अनमोल किताब जल्म से बिलदान तक की गांधी जी की पूरी और सच्ची जीवनी भी है और कहानी भी. हमारे देश में यह पुराना रिवाज रहा है कि माएं अपने बचों को महापुरुशों के जीवन चरित कहानी के रूप में सुनाती हैं. इस तरह की कहानियां आम तौर पर वीर राजाओं और उनके युद्धों की कहानियां होती हैं. बेगम क़ुद्दिया जैदी ने, जो महात्मा गांधी की परम भक्त हैं, अपनी इस किताब में गांधीजी की जीवनी और उनका सत्य, अहिंसा, प्रेम और त्याग का उपदेश बच्चों को पेसी प्यारी, सीधी सादी बोली में और ऐसे ढंग से सुनाया है कि बच्चों के दिल में उतरता चला जाता है. हिन्दी में गांधीजी के ऊपर बच्चों के लिये इससे बहुकर किताब नहीं है. इसमें कहानी का रस भी है और बच्चों को ऊंचा उठाने वाले उपदेश भी. पंडित, जवाहरताल नेहरू ने अपने 'दो शब्द' में

लिखा है—

"उन्होंने (क़ुद्सिया जैदी ने) यह छोटी सी
किताब सच्चे दिल से लिखी है. वह इसे सिर्फ एक
किताब नहीं समभतीं. उनके लिये गांधीजी की
कहानी एक बहुत ही महत्त्व की औं प्यारी चीज

है...मुक्ते खुदा है कि यह किताब लिखी गई है."
मोटे काराज पर, मोटे टाइप में, बहुत सी रंगीन तसवीरें,
श्राट पेपर पर सुन्दर रंगीन कवर श्रीर दक्ती की मजबूत
जिल्ल-वाम केवल दो ठपए.

विनोबा का सन्देश

लेखक—सुरेश रामभाई एक शब्द—मद्दारमा भगवानदीन

विनोबाजी के भू-दान-यज्ञ से आज सारा देश वाकिक है. इस झोटी सीं किताब में आपको मिलेगा कि यह भू-दान-यक्ष कब और कैसे ग्रुक हुआ और इसका मक्सद क्या है

पहला यहीशन हाथों हाथ निकल गया. यह दूसरा पडीशन है. सफ़े 25, त्म केवल दो आने.

मिलने का पता-

मेजनेर, 'नया हिन्द'

كاندهى بابا

لهگهگسدانسهه زیدی در شهدسجواهر ال نهرو

پہ انمول کااپ جاتم سے بلیدان تک کی اندھی جی عی پوری اور سچی جیونی بھی ہے اور کہانی بھی، ھمارے فیھی مھی یہ پرانا رواج رھا ہے کہ مائیں آئے بچوں کو سہاہوشوں کے جدوں جوت کہانی کے روپ میں سفاتی ھیں، اس طوح کی کہانہاں عام طور پر راجاؤں اور ان نے پدھوں کی کہانہاں عوتی ھیں، بھام قدست زیدی نے چو مہائما الدھی کی پرم بھکت ھیں، ایلی اس کااپ میں اندھی جی کی جھونی اور ان کا سکته اهنسا پریم اور تھاک کا ایدیش بچوں کو ایسی پہاری سیدھی سادی بولی میں اور ایسے ڈھلگ سے سفایا ہے کہ بچوں کے دل میں آثرتا جاتا ہے ، ھلدی میں گادھی جی میں کادھی جی میں کابی اس بھی ہے اور بچوں کو آربچا انہائے والے میں کہانی کا رس بھی ہے اور بچوں کو آربچا انہائے والے میں کہانی کا رس بھی ہے اور بچوں کو آربچا انہائے والے

سندس جواهر لال تهرو نے آئے 'دو شید' میں لکھا ہے۔۔
'' آنہوں نے (قدسیہ زیدی نے) یہ چھوٹی سی
کتاب ستچے دل سے لکھی ہے ، وہ آسے صوب ایک
کتاب نہیں سمجھٹیں ، ان کے لئے گادھی جی
کی کہانی ایک بہت ھی مہتو کی آور ہماری چھز
ہےمجھے خوشی ہے تہ کتاب لکھی گئی ہے ...

موٹے کافق ہو' موٹے ٹائپ میں' بہت سی رنگین تصویریں' آرے پیپر ہر سلدر رنگین کور اور دفتی کی مفیوط جلد۔۔۔دام کوول دو رویقہ ،

> ونوپا کا سندیش لیکھک-سریش رامیمالی ایک شید-مهاتما بهکوان دین

ونوبا جي کے بهودان يکهه سے آج سارا ديش واقف هر. اِس جهوائي سی کتاب ميں آپکو ملهکا که يه بهوفان يکهه کب اور ديسے شروع هوا اور اِس کا مقصد کيا هے .

پہلا ایڈیشن ھاتیاں ھانہ نکل کیا ۔ یہ دوسرا ایڈیشن ہے ۔ صنعیے 25 دام کیول دو آہے ۔

ملئے ا پاء۔۔۔

مهنيجر' 'نيا هند' 145 معي فني' الدآباد.

हेसक-पंडित सुन्दरहाल गीता और कुरान

इस किताब में हिन्दू धर्म और इसलाम दोनों के मेल की बति, गीता का बक्ष्यन, गीता के एक एक अध्याय को निवोद, कुरान का बक्ष्यन, लगभग 15 स्नास सास मजमूनों पर कुरान की स्नरीब 500 आयतों का लम्प्री सर्जुमा बरीरा दिया गया है.

जो लोग सब धर्मों की धुनियादी एकता को जानना और समयना चाहें उनके लिये यह किताब अनमोल है.

पौने तीन सौ सफ़े की सुन्दर जिल्द बंधी किताब की क्रीमत सिर्फ ढाई रुपया, डाक सर्च अलग.

हिन्दू मुसिकम एकता

इस किताब में बह बार लेकबर जमा किये गए हैं जो पंडित जी ने कन्सीलियेटरी बोर्ड ग्वालियर की दावत पर ग्वालियर में दिये थे.

सी सफे की किताब. क्रीमत सिर्फ बारह बाने.

महारमा गांधी के बिलदान से सबक

साम्ब्रहाविकता यानी फिरक्रापरंस्ती की बीमारी पर हाजकाजी, मजहबी और इतिहासी पहलू से विचार और हसका हुलाज, फिसने आखिर में देश पिता महात्मा गांधी सक को हमादे बीच में न रहने दिया.

क्रीमत बारह आने.

पंजाब इमें क्या सिखाता है

अहात्मा गांधी की सलाह से अक्तूबर सन् 1947 में पिछानी और पूरवी पंजाब के दौरे के बाद वहां की मयंकर करवादी और आपसी मार काट के कारन लीगों पर जो जो असीवर्ते आई उन का वृद्नाक वर्नन. इस बोटी सी किताब में आजकल की मुसीवरों को इल करने के लिए कुछ मुमाब भी पेश किये गए हैं. क्रीमंत बार आने.

वंगाल और उससे सबक

इस छोटी सी फिलाब में 1949-30 में पूर्वी और विकासी बंगाल के फिरानेबाराना भगवों पर रोशनी डाली गई है और ऐसे मगवों को इमेशा के लिए सत्म करने की सरकीब भी सुमाई गई है. जीमत सिर्फ वी आने.

शिसने का परत-

Mint, 'en fire' 140, white, someway.

ليكهك__پئتات سندر الل كيتا اور قرآن

اس کتاب میں هفدو دهرم اور اِسلامونوں کے میلی کی باتیں؛ گیتا کا بوہی، گیتا نے ایک ایک ایک ادھیانے کا نتجور قرآن کا بوہی، لگ بھگ 15 خاص خاص مقسودوں پر قرآن کی قریب 500 آئٹوں کا لنظی ترجمہ وقیرہ دیا گیا ہے ،

جو لوگ سب دھرموں کی بقهامی لیکھا کو جانقا اور سبجھنا جامیں اُن کے لکے آیا کتاب اسول ہے ۔

پولے تین سو صفحے کی سفدر جات بقدھی کتاب کی قیمت صرف تھائی روپھا ڈاک گرے الگ .

هندو مسلم ايكتا

اِس کتاب میں وہ بھار لیکنچر جمع کئے کئے میں جو پلڈت جی نے کلسفانیٹری یورڈ گوالفار کی دعوت پر گوانیار میں دیئے تھے ،

سو صفحے کی کاتاب ، قیمت صرف یارہ آلے ،

مهاتما کاندهی کے بلیدان سے سبق

سامہردایکتا یعلی فرتہ ہوستی کی بیماری ہو راج کامی' مذہبی اور اتہاسی پہلو سے وجار اور اسکا عقیع' جسے نے آخر میں دیش پٹا مہاتما گاندھی تک کو همارے بیچے میں نہ رہنے دیا ہ

تيست بارة ألي .

بنجاب همیں کیا سکھاتا ھے

مہاتما کاندھی کی صفح سے انتوبر میں 1947 میں پہھلکو پہھیمی اور پوربیپلجاپ کے دورے کے بعد وهاں کی بھیلکو بریاضی اور آپسی مار کاف کے نارن لوگوں پر جو جو مصیبتیں آئیں اُن کا فودناک ورنی ۔ اس جھوٹی سی کتاب میں آجکل کی مصیبتیں کو حل کرنے کے لئے کتاب میں آجکل کی مصیبتیں کو حل کرنے کے لئے کتیب سجھاؤ بھی پھی کئے گئے ہیں ، قیمت چار آئے ،

بنگال اور اُس سے سبق

ایس جهوائی سی کتاب میں 50–1949 میں ہورای اور پچھسی بلکال نے فراعوارات جهکورں پر روشائی ڈائی کئی ہے اور ایسے جهاکورں دو منهدیاء کے لئے خام کرنے کی ترفیب بھی سجھائی گئی ہے۔ انیست صوب در آنے ،

معيني الما يعلن 145 على قلي العلياد

⁻ He K

हिन्दुस्तानी कळचर सोसाइटी की कितावें

पचास वपए से जियादा दाम की किताबें जरीदने बाकों को और बुकसेलरों को जास रिचायत दी जायेगी. पूरी जानकारी के लिए लिखिये.

बाक या रेल खर्च हर हालत में गाहक के जिम्मे होगा.

भारत का विधान

पूरा हिन्दी अबुबाद

जो 26 जनवरी सन 1950 से सारे भारत में लागू हुआ. 'भारत में अंगरेजी राज' के लेखक पंडित सुन्दरलाल द्वारा मूल अंगरेजी से अनुवादित.

हर भारतवासी का फर्ज है कि जिस विधान के बाधीन स्वाधीन भारत का शासन इस समय चल रहा है उसे बच्छी तरह सममें. भारत के हर घर में इस पुस्तक का रहना करूरी है.

भासान बामहाबरा भाशाः रायल भठपेजी बड़ा साह्य. लगभग चार सौ पन्ने. कपड़े की सुन्दर जिल्द. क्रीमत केवल साढ़े सात रूपए.

ईसा का सन्देश

लेखक—डाक्टर जे. सी. कुमारणा. अतुवादक—सुरेश राममाई.

इस किताब में हजरत ईसा के सन्देश की व्याख्या ऐसे लाजबाब डंग से की गई है कि पढ़ने वाला बड़ी आसानी से यह समम जायेगा कि ईसाई धर्म की खास तालीम क्या है और इजरत ईसा ने इन्सान-इन्सान की बराबरी, माई खारे, प्रेम और अहिन्सा पर कितना जोर दिया है.

महारमा गांधी ने इस किलाब के बारे में कहा है कि— "हर आस्त्रिक से, चाहे वह ईसाई हो या किसी और धम का मामने वाला हो, मेरी सिफारिश है कि इसे पढ़े... " सुकार जिल्हा, बढ़िया कामज, क़रीब सवा सौ सके की

कियान का जाम सिर्फ एक क्पया.

मेको का का-क्रिका स्थान किन्द्र । 45 दुर्दरांचा स्टाबाबार.

هندستانی کلچهر سو سائتی کی کتابیں

ھچاس روپئے سے زیادہ دام کی کتابیں خریدئے والوں کو آور پکسیلروں کو خاص رعائت دی جائیگی ، ہوری جائیگی ، ہوری جائیگری کے لئے لکھٹے ۔

الله يا زيل خرب هر حالت مين المك كي ذي هوا .

بهارت کا ودهان

هبرا هددى الرواد

جو 26 جنوری سن 1950 سے سارے بھارت میں لاکو ہوا ۔ 'بھارت میں انگریزی راج' کے لیکھک پنڈت سندلال دوارا صول انگریزی سے انووادت ۔

ھر بہارت واسی کا فرض ھے کہ جسی ودھاں کے ادھھن سوادھین بہارت کا شاسن اِس سے چل رھا ھے آیے اچھی طرح سنتھے ، بہارت کے ھو گھر مھن اُس یسٹک کا رھانا ضروری گے ،

آسان بامتعاوره بهاشا. رایل الله پهنجی برا سائز . لگ بهگ جار سو پنتے . کپرے کی سندر جادد ، تیست کهول سازهے سات رویئے .

عيسي كا سنديش

لهکهکات دانگر چی، سی، کمارهها، البورادک سسریش وام بهائی،

اِس کتاب میں عضرت میسی کے سندیش کی ویاکھیا ایسے لاجواب قاملک سے کی گئی ہے کہ پوھلے والا ہوی آسانی سے یہ سمجھ جائیکا کہ میسائی شعرم کی خاص تعایم کیا ہے اور حضرت میسی نے انسان انسان کی ہراہوں بہائی جارے کرم آور اهلسا پر کتاتا زور دیا ہے ،

مہاتما گاندھی نے اِس کتاب کے ہارے میں کہا ہے کد۔۔ والم آور دھرم والم اُور دھرم کا مائنے والا ھو' میری سفارھی ہے که اِسے پوھے...''

سندر جلد، بوهیا کافذ، قریب سوا سو صفحیه کی کتاب کا دام صرف ایک رویه، .

alle, d'alle

مهلهجورا انها عدن 145 سلبي كليج التأليان

चिरारा बुक्त गया।

स्वालिक विदास थे पर रोशमी नहीं थे. वह एक बुग में पर समय नहीं थे. वह. एक टावर थे पर ऊंचाई नहीं थे. वद्यां पुक्र पेड़ हो पर साया नहीं थे. वह एक महान इनसान बै पर इनसानियत नहीं थे. भीत ने दुनिया से स्टालिन कीन लिया है, उसने किरारा बुका दिया है, उसने युग का मन्त कर दिया है, उसने टावर गिरा दिया है, उसने पेड काट दिया है, उसने इनसाम को मुरवा कर दिया है. पर रोशनी क्रायम है, समय का बहाब जारी है, ऊंबाई अब भी इनसानियत को अपनी तरफ बुला रही है, साया अब भी बाक्री है. इनसानियत अमर है, अजर है. चिरारा बुक्त जाने पर बस समय तक चकाचींघ होता है जब तक दूसरा चिराया रोशन नहीं हो जाता. युग की तरहक़ी में रोड़ा ष्यदक्त जाता है जब तक कोई दूसरा युग निर्माता पैदा नहीं होता. टावर गिर जाने पर उस बक्त तक ऊंबाई का अन्दाका लगाने में दिककत होती है जब तक कोई दूसरा टावर म खंदा हो जाय, पेड़ के गिर जाने से उस समय तक सुना सुना लगता है जब तक वहां किसी और चीज का निरमान न हो जाय! इनसानियत की प्रगंति हक जाती है जब तक कोई इसरा इनसान उस प्रगति का अलगबरदार बन कर सामने न का जाय. इसी कारन दुनिया की दुख था, कह स्टालिन की मौत को सोच कर एक कमी सी महसूस बरने लगती थी. इनसान इस समय तक हरता है, उसका सीचना भी पाप सममता है, जब तक वह घटना ने हो जाय, आज जब वह घटना हो गई है तो सब इसका मुकाबला करने के लिये तैयार हो गए हैं. दर की जगह हिम्मत ने ले जी है. ऐसे हर को भगा कर हिम्मत पैदा कर देना सरने वाले की चारमा का करिशमा है. आग हम सोषियत रूस की हालत पर जब गौर करते हैं तो मालूम होता है कि रूसियों की जांखों में आंस अलब्रुका रहे हैं सैंकिन उनके दिल में एकता की, काम करने की, शान्ति क्रायम कुरने की भाषाना तेज हो रही है. यह स्टालिन की मोसा का करिशमा है. स्टालिन की जिल्ल्गी जिल्ली शानदार भी धनकी सीत के बाद की घटनाओं से पता बलता है कि जनकी मौत भी उतनी ही शानदार है !

क्टोजिन की एक इच्छा थी कि दुनिया में शानित क्रीयम हो जाय, तकाई का जाम निहान वक मिट जाय. जब भी वह फिसी बिदेशी राजनैतिक से मिलने में तो यह नहीं हते के कि हमारे साथ हो जाओ. उनकी यही इच्छा होती थी - आधी इस तुस मिल कर दुनिया में शान्ति क्रांसक करने की कोशिश करें. स्टालिन की कोई यादगार अगर सबी की जा सकती है तो वह 'जग शान्ति' हैं. रूस भी जनसा और उन सब लोगों का जो स्टालिन को प्यार करते हैं यह क्लेंच्य है कि बह शान्ति क्रायस करने के लिये क्षपना सार्व कीर ज़मा हैं, स्टामिन का जो स्वाब जिन्हान में पूरा न हो सेवा, क्से मील के बाद पूरा ही होना चाहिये!! اغ بعد كيا ا

السقالي بهراغ ته پر پرهندي نهين ته . ولا ايک يک اله يو سمر نهيل له . ولا أيك ثاور الد ير أونجالي فهون ته. ولا أيك يهو تهيو سايد نهيرته. ولا أيك مهان أنسان تھے ہو اسانیمت نہیں تھے۔ موس نے دنیا سے استالی جبھوں لیا ہے' آس لے جواغ بجها دیا ہے' اُس لے یک کا است کو دیا ہے' اس نے تاور کوا دیا ہے' اس لے پدو کاف دیا ہے' أس لے أنسان كو مودة كر دیا ہے ، ہر روشتى اقائم ھا سے کا پہاؤ جاری ھا اُرتھائی آپ بھی اِنسانیمت کو ایلی طرف یا رهی هے؛ سایہ آپ یہی بالی هے . انسانیت أمر هـ أجر هـ ، جراغ بجه جال ير أس سم تك جكا جو هد هونا هي جب تك دوسرا جراع روشن فهدن هوجانا. یک کی ترقی میں روزا آلک جاتا ہے جب تک کوئی دوسرا یگ نرماتا پهدا نههی هونا، تاور گر جانے پر اُس وقت تک أوليجاثي كا الدأرة لكالي مهن دقيعا هوتي هي جب تك كوثي درسوا تار ته کهوا هو جائے ، يهو كے كو جانے ہے أس سے تک سولا سولا لگھا ہے جب تک وہاں کسی اور چھڑ کا نرسان نه هو جائے ، انسانیت کی پرگھیوک جائی جب تک گوئی دوسرا انسان اُس پرکھیکا ملسمودار بی کر سامدے مه آ جائي. إسى كارين دنها كو دكوداً نها وه استثالي كي سوت کو سویے کر ایک کمی سی محسوس کرنے لکھی تھی. اِنسان اُس سے تک قرنا ہے' اُس کا سوچلا بھی پاپ سنجھتا ہے' جب تک وہ کھٹھا تہ ہو جائے ۔ آج جب وہ کھٹھا۔ ہوگئی ہے تو سب اُس کا مقابلت کوئے کے لگے تھار ھوگئے ھوں قر کی جُکه هست نے لے لی ہے ، آیسے قر کو بھکا کو هيمت يهدأ كر ديال مرل واله كي ألما كا كرشمة هي . أج هم سوويت ورس کي جالت پر جاپ غور کرتے هيں ٿو مملوم هوتا ہے کہ روسهوں کی آلکھوں میں آنسو چھاچھا رهے هيں ليکن أن كے دل ميں ايكتا في كام كرنے كي شانعى كالم كرنے كى بهاولا ليز هو رهى ہے . يه أسكالن كى آلما كا كرهمة بير . إسكالي في زندكي جعلى شاندار تبي ان کی سوت کے بعد کی گھٹلاؤں سے بعد بملتا ہے که أن كى سوس بهي أندي هي شاندار هـ !

إسترافي في أيك أجها تهي كه دنها مهن شانعي فاثم هو نمائراً الوالي كا فلم لهان لك من جالي . خلب يهي وا اسى ودنهاي وأن العكب ند ملك لها لو يه تهين فواته اله که جماری ساته هو نوانی آن کی یهی اجها هوتی تهی -أو هم قير مؤل يكورهانها مهي شالكي قائم كون كي كيشش كريس. إسالالي كون غيلي عادياً الارعفون كي جا سكتى هـ دو وه 'جنَّب قالعُيْ في ، ووس كي جانبًا أور أن سب لولوں كا جو أستَنَالُونَ كُوْ يُهِمَاوِ كُوْلِي هُونِي هِمُ كُولَاتِ هِي كَهُ وَهُ هَالْتُعَي قَالُمُ كُولِيَ كم لكر البلا سارا يور اعا ديس . استاني لا جو خواب زندكي مون پيورا نه جو سنة أبير موبعد كر بعد يورا هي هونا جاهلي !! March Land Chick

यूनी इस कुछर तक सारी दुनिया की बेलीस और बेह्नाग पंचायत नहीं सममी जा सकती जब तक बढ पटम बस चौर हाईड्रोजन क्यों को प्रमेशन के हथियार क़रार नहीं वे देती.

यह समर हर भारमी के मुंह पर है कि एटम बम बिक्रानियों से प्रवरदस्ती बनवाब जा रहे हैं. विक्रानियों के साथ जबरवस्ती करना एक गुल्क पर चढ़ाई करने से वियादा प्रमेशन है. प्रमेशन से बना हथियार एप्रेशन का ही काम कर सकता है. विज्ञानी लोग धर्मात्माओं की ताह जान पर खेल जाने वाले होते हैं. सरकारें उन पर बासानी से क़ाबू नहीं पा सकती वह ऐसा जुल्म से भरा काम करने के लिये कैसे तैयार हो गए, इस बारे में एक साबर हर एक की जवान पर है. वह यह कि उन्होंने एटम बम बनाने बाली सरकारों से यह क्रसम ले ली है कि वह एडम बसों को न यूरीप के किसी मुल्क पर गिराएंगे न अबरीका के किसी मुल्क पर और न आस्ट्रेलिया के. बस अब बच रहे एशिया, अकरीका ! अब तक दो बम जापान पर गिर चुके जो एशिया का मुल्क है. कोरिया पर बम गिराय जाने की धमकी दी जा रही है, कोरिया भी परिश्वाई मान्क है, चीन पर एटम बम गिराने की तजबीकों सोची जा रही हैं वह भी एशियाई मुल्क है.

पश्चिम और अफरीका ही इस के निशाने क्यों बनाए गए, इसकी बजह यह है कि जो विज्ञानी इस काम में जगे हुए हैं वह वा तो योरोपी है या अमरीकी.

पटम क्य प्रमेशन का हथियार तो है ही पर यह एप्रेशन से भी सवाया हो जाता है जब इसके जीम में आ कर कोई मुस्क चक्रवर्ती होने की सोच बैठता है. यानी सब मुल्कों के साविक बन बैठने की बात सोचता है और इस नावे कारबसेथ यहा की तरह डालरसेथ यहा करने की तैयाती करने जगसा है.

एटम बम के इतने एकों को जान कर भी अगर यूनी इसे मधेशन का द्वायकार नहीं कहती तो यूनी यूनी कहलाने के होग्य नहीं. भागार खोमहाही के वस्तों पर यूनो बनी होती तो दुसरी खड़ाई में जिस तरह गैस मरी की मरी रह गई थी कैसे ही तीसरी लड़ाई के लिये एटम बम और हाईडीजन कम बेजान हो कर निकम्मे हो गय होते.

21. 2. 158

--- भगवानवीस

یں ہوں اس وقیعا تک ساری دنیا کی ہے الوس ارد ہے اک پھواپندو ابدو سنجوں جا سکتی جب تک وہ ایکم ہم اور ھاکیقیور میں ہمیں کو افریشن کے معمیاو قرار تعول در معلی

په ښمو هو آدمي کې مالو پر چې که ايالم يم دگهاتيون سے زبردستی بنیائے جا رہے میں ، ولیانیس کے ساتھ زبردستی كرنا أيك ملك ير جوهائي كرني بير زياده أكريشن ه. . اليهشين س ينا هِيْهِهار الربيشين كا هي كام كر سكتا هي. چھیلنی لوگ دھوساتماؤں کی طرح جاتی پر کھیل جانے والے، جیتے میں ، جوکاریوں اُن پر آسائی سے تاہو نیمن یا سکتمن ولا أرميا ظلم سي يهوا كلم كول ك لكر كمت تهار هو كلي ایس پاوے میں ایک غیر ہر ایک کی زبان ہر ہے ۔ رہ یہ که اُنہوں نے ایکے ہم بقانے والی سرکاورں سے یه قسم لے لی ہے کہ وہ ایکم ہموں کو نہ یہوپ کے کسی ملک ہر گراٹیں گے نے امریکھ کے کسی ملک ہو اور نہ اسٹریلھا کے ، بس آپ يے رہے ايشها، افريقه إ اب تک دو يم جايان ير كر چكم جو المِمْية كا ملك هـ . كوريا ور يم كوائم أجالے كى دهنكى دى جها رهی هدا کوریا بهی ایشهالی سلک در جهدی در ایگم بم غُولَدُ کی تصویریں سوھی جا رهی هیں رہ یعی ایشهائی ملک ه

ایمها اور ادریته میاس کے نشائے کهوریتائے کئے، اِس کی وجه یه هد که جو وگهانی اِس کام مهن لید هوئد هیں وہ يا تو يوريي هين يا أمريكي.

لیکم یم اگریشی کا مقیمار تو هم هی بر یه اگریشان سے بھی سوایا ہو جاتا ہے جب اس کے زمم میں آ کر کوئی ملک چکرروتی هولم کی سرچ پیٹیٹا ہے ، یعلی سب ملکیں کے مالک ہی بیٹھٹے کی بات سوچھا ہے اور اِس ناتے افرمیدہ یکیہ کی طرح ڈالر میدہ یکیہ کرلے کی تهاری کرنے لکھا ہے ۔

لیاتم ہم کے انٹیے عیبوں کو جان کو بھی اگر ہونو اِس البيشن لا هتيمار نهيس فيلتى تو بوتو يوتو كيلاني كي دوك نيين اگر لوک عادي کے أمولوں پر يوتو بقي هوالي تو هوساري لواکي مهن جس طارح گهني عوري کي عيدي را کئی تھی ریسے ھی ٹھوی لواگی کے لیے قیام یم آرد هاليقروجين يم يه جان هو كر نكيم هو كل هول .

-بهگوان ديون

21-2-53

excis.

10 The State of the State of S

(147)

घर में शान्ति बनाय रखने के लिये टेकों से शायद ही बंगी काम तेता हो, हां दूसरे मुल्कों पर चदाई करने में वह सब से बागे होती हैं.

पंडुडिययां वानी सबमैरीन भी पचीस की सबी खगर हिंसोपकरन हैं तो पचास की सदी रक्षोपकरन भी हैं. क्योंकि चढाई के बक्त यह समुन्दर में पहरा देने के काम खाती हैं, पर डड़म किले बहुत कम रक्षोपकरन और बहुत जियादा हिंसोपकरन हैं. टेंकों की तरह से यह डड़न किले भी वेसे हो सकते हैं जिन पर यूनो कुछ पाकन्दी लगाए.

खमीन और समुन्दरी पुरंगें भी बराबर की हिंसोपकरन और रक्षोपकरन हैं. दूसरे और हथियार भी इस कसौटी पर कस कर देखे जा सकते हैं.

रहे सब से अयानक हथियार एटम बम और इसी का दावा गुरू हाइड्रोजन बम जिसके बारे में कुछ का कहना है। बन गया बुछ का कहना है बना नहीं है, बनने की तैयारी में है और बुझ का कहना है कि अभी यह कोरी कल्पना है. यह दोनों हथियार सोकहों आना हिंसोपकरन हैं. यह बका के काम में आ ही नहीं सकते. इन से तो हमला ही किया जा सकता है. यह हर तरह हर मानों में एमेशन के हथियार हैं.

अमरीका के पास पटम बम है, अगर कोई मुल्क पंजुष्टियों में बैठ कर या अतिरयों से डड़ कर चोरी चोरी ज्यूयार्क या वाशिंगटन पर हमला बील दे तब अमरीका कभी भी अपने बचाब में न्यूयार्क या वाशिंगटन पर पटम बम या शाहोजन बम गिराने की बेवक्रकी नहीं करेगा. इन बोनों भयानक श्रियारों में यह बहुत बड़ी कमी है. जिस तरह शेर की झाती बेहद कमज़ीर होती है वैसे ही इन दोनों भशानक बमों का दिल बेहद कमज़ोर है. यह दोनों बम अपने देश को सब सब बरवाद होते देसते रहेंगे और सबसे सब गहेंगे.

तान्यन, पेरिस, कोटावा, मास्की अपने पास एटम ब्यू रखते हुए अपनी बरवादी से नहीं बच सकते. इन्हें इनकी बरवादी से बचायगी सब से जियादा इनकी तलवारें, बनसे क्षम इनकी तोपें और बन्दूकों और वेकार रहेंगे टेंक, इक्स क्रिले और सब से जियादा वेकार रहेगा एटम बम.

प्टम बम हर तरह हर मानों में प्रमेशन का हथियार है जो शुरूक इसके नाम पर दूसरे मुल्क को घमकी दे वह एम्नेसर, वह मुल्क कम एमेसर नहीं जो किसी मुल्क की इससे मुल्क पर पटम बम की घमकी सुन कर चुप रह जाय और प्रमुक्त पर पटम बम की घमकी सुन कर चुप रह जाय प्रमेश होने के इलजाम से नहीं बच सकती चगर यह इस मुल्क को न घमकाप जिसने किसी दूसरे मुल्क पर प्रदेश कम गिराने की घमकी दी हो. گہر میں شانتی بگائے ولیلے کے لگے کیلئیں سے شاید ھی۔ کیمی کام لیٹا ہوا ہاں دوسرے ملکوں پر چوعائی کرتے میں یہ سب سے آئے خوتی میں .

پشقیهان یعلی سب مهرین بهی پخاس فیصدی اگر هنسوایکرن ههی تو پخواس فیصدی رکشو آپکرن بهی ههی ، کهونکه چوهاگی کے وقعت یه سمندر مهی پهره دینے کے کام آتی هیں پر آزن کلے بہمت کم رکشو آپکرن اور بہت زیادہ هنسو آپکرن هیں . گینکوں کی طرح سے یہ آزن کلے بهی ایسے هو سکتے هیں جن پر یو ، نو ، کچه پابندی لیائے .

زمهای آور سماهای سرنگهای بهی برابر کی هلسوآیکران آور رکشو آیکران ههای دوشرے اور معهمار بهی اس کسوتی پر کس کر دیکھے جا سکتے ههاں ،

رہے سب سے بہؤانک ھتھیار ایتم ہم اور اِسی کا دادا گرو ھائیقروجن ہم جس کے بارے میں کچھ کا کہنا ہے: ہن گیا کچھ کا کہنا ہے: ہن گیا کچھ کا کہنا ہے: ہن گیا کچھ کا کہنا ہے بیا اور کچھ کا کہنا ہے کہ ایمی یہ کوری کلینا ہے . یہ دونوں ھتھیار سولیوں آفہ ھنسوایکرن ھیں ، یہ بچاؤ کے کام میں آ ھی نہیں سکتے ، اِن سے تو حملہ بمی کیا جا سکتا ہے ، یہ ھو طرح ھو معلوں میں آگریشن کے جا سکتا ہے ، یہ ھو طرح ھو معلوں میں آگریشن کے جا سکتا ہے ، یہ ھو طرح ھو معلوں میں آگریشن کے علیہ ہیں۔

امریکہ کے پاس آیگم ہم ہے' آگر کوئی ملک پنتہیوں میں بیٹھکر یا چھٹریوں سے آو کر چوری چوری نیویارک یا واشلگائی پر حملہ بول دے تب امریکہ کیمی بیچاؤ میں نیویارک یا واشلگائی پر ایگم ہم یا ھائیقروچی ہم گرانے کی بیوٹوئی نیمی کرے گا ، اِن درنوں بیمانک ھتھیاروں میں یہ بہت بڑی کمی ہے ، جس طرح شیر کی چہائی یہ حد کمؤر ھوٹی ہے ویسے اِن دونو بیمانک ہموں کا دل یہ حد کمؤر ھوٹی ہے دونوں ہم آبے دیش کو کھڑے کوں برباد ھوتے دیکھائے وھیلگے اور سمیے کھڑے رھیلگی۔

لقدن پھرس اوتاوا ماسکو آپ یاس آپٹم ہم وفہتے ھوئے ایقی بریادی ہے ہویادی این کی بریادی سکتے ۔ اِنھیں اِن کی بریادی سے بچائے کی سب سے زیادہ اِن کی تلواریں اُن سے کم اِن کی توبیس اُور یقدوتیں اَور یفکار رحمی گے تملک اُزن کے کہ اور سب سے زیادہ یفکار رحمی ہے۔

ایٹم یم هر طرح هر معلی میں اگریشن کا هکیهار هے، جو ملک اس کے نام پر دوسرے ملک کو دهمکی دے وہ اگریسر، رہ ملک کم اگریسر نہیں جر کسی ملک کی دوسرے ملک پر ایٹم یم کی دعمکی سن کر چیہ رہ جائے آور اس کے شاف آواز نہ اٹہائے! یو، نو، سلستیا یہی اگریسر هوئے کے الوام سے نہیں بھے سکتی اگر یہ اس ملک کو نہ دعمکی دی تو سے کسی دوسرے ملک پر ایٹم ہم گرائے کی دعمکی دی تو تو

me '58

(138)

·53 _.L

केरियां समेंगी हो आज तक शामिक नहीं हैं. एक तरह के बारी दुलिया की एक तिहाई बाबादी की यह बूनो नाम बारी पंचायत क्रमी तक नुमाइन्दगी वानी प्रतिनिधित्व नहीं करती और कुल दुनिय की पंचायत बनी हुई है.

यह नाम घारी पंचायत लीग की तरह एक दिन अपना दम तो तोदेगी, क्या अच्छा हो अगर दम तोदने से पहले, यह एक आवाज जोर की उठा दे कि जो हथियार किसी तरह रहोपकरन नहीं हैं यानी रहा के काम नहीं आते वह कोरे हिंसोपकरन हैं यानी दूसरे मुल्कों पर जेंकने के काम जा सकते हैं. वह सब हथियार प्रमेशन करने वाले माने जार्य और जिन जिन के पास हथियार है वह सब बामेसर करार दे दिये जार्थ.

रक्षोपकरन और हिंसोपकरन से हमारा क्या मतलब है, उसको हम साफ कर देना चाहते हैं.

धादमी ने जिन हथियारों को धपनी जान बचाने के खिए, तैयार किया वह सब हथियार रक्षोपकरन हैं. यह दूसरी बात है कि रक्षोपकरन से भी हिंसोपकरन का काम लिया जाता है. यह बात सब की समम्म में का जाय, इसलिये हम इसको यूं साफ किये देते हैं कि चाक़ू एक उपकरन है, चाक़ुं से जब कलम बनाया जाय तब वह कानोप करन कहलाएगा. झानोपकरन माने झान का चौजार उसी चाक़ू से जब जाड़ा चीरने के लिए नश्तर का काम लिया जाय, तब वह रक्षोप करन कहलाएगा यानी बचाव का चौजार. उसी चाक़ू से जब किसी की गर्दन मारी जाय तब वह हिंसोपकरन कहलाएगा यानी जान लेने वाला चौजार.

इमारी क्रपर की कसौटी पर जब इमने सारे हिंग्यारों को कसा तब खकेला एटम यम ही ऐसा हिंग्यार निकला जो हर तरह हर माने में हिंसोपकरन है.

तक्षणार, कुरी, भाले इसका करने में काम भा सकते हैं भीर इस नाते हिंसोपकरन कहे जा सकते हैं, पर उनसे अपना बचाव भी किया जाता है, इस नाते रस्रोपकरन हैं. असता में यह हथियार जब बने थे, तब जान बचाने की नियत से बने से.

आग के इकियार जैसे बन्दूक और तोप यह इसले के काम में आ सकते हैं और आते हैं, पर इनसे जियादातर काम बचाव का ही लिया जाता है. एक मुल्क अपने उपर दूसरे मुल्क की चढ़ाई के समय अपने किलों पर जो तोप चढ़ाता है वह बचाव के लिए होती हैं. हमले के लिए नहीं. इसलिये तोप बन्दूक भी कभी रंकी फकरन होते हैं. सचमुच इनकी ईजाद भी आदमी ने जंगली जानवरों से बचने के लिये की.

दें वेशक बहुत कम रचीपकरन चौर बहुत जियाना विसोपकरण है जेलकार बन्दुक की तरह कोई मुल्क अपने تھے۔ گوریا جوملی تو آج نک جامل انہوں اطاق ، ایک طرح بر ساری دنیا کی ایک تہائی آبامی کی یہ برتو نام دھاری ہلتھایت ابھی تک نمالقدگی یعلی پرتی نهدهاتو نہیں کرتی اور کل دنیا کی ہلتھایت یقی فرکی ہے .

پید نام دھاری ہنچاہت لیگ کی طرح ایک دس افقا دم تو توریہ کی کیا ھی اچھی ھو اگر دم تورائے سے پہلے یہ ایک آواز زور کی اتها دے کہ جو عقیمار کسی مقرح وکھوایکوں نہیں میں یمنی رکشا کے کام نہیں آتے وہ گوریے هنسوایکوں میں یمنی دوسرے ملکوں پر پہینگیلے کے کام آسکتے میں ، وہ سب عقیمار اگریشن قرال والے سالے جاگوں اور جی جوں کے پاس هنہیار کے وہ سب اگریسر قرار دے دانے جائیں ،

ا وکھوایکوں اور علسوایکوں سے همارا کیا مطلب ہے؛ اُس کو هم صاف کر دیٹا جاهتے هیں ،

آدسی نے جن همهاروں کو ایکی جان بحوانے کے لئے تھار کھا وہ سب همهار وکشواپکران ههں . یه دوسوی بات کے کہ وکشواپکران ههں . یه دوسوی بات کے کہ وکشواپکران کا کام لھا جاتا ہے . یہ بات سب کی سمجھ مهیں آجائے اِس لئے هم اِس کو یہی صاف دئے دیئے ههیں که چائو ایک آپکران هے چائو سے جاب قام بلایا جائے تب وہ کھان آپکران کھائے گا گھاں آپکران معلی کھان کا اوزار ، اُسی چائو سے پھروا چھرنے کے لئے نشعر کا کام لھا جائے تب وہ وکشواپکران کھائے گا مہاری چائے تب وہ معلی جان لھنے مہاری چائے تب وہ معلی جان لھنے مہاری چائے تب وہ معلی جان لھنے مہاری جائے تب وہ معلی جان لھنے مہاری جائے تب

هماری آرپر کیکسرلی پر جب هم نے سارے هکههاروں کو کسا تب انبلا ایکم ہم هی ایسا هکههار نکلا جو هر طرح ایک معلے میں هنسوآپکرن هے .

تلوار' چھوی' بھ لےحملہ کرنے مھی کام آسکتے ھھی اور اُس ٹاتے ھنسوایکری کھی جاسکتے ھیں' پر اُن سے اُپقا پیچاؤ بھی کیا جاتا ہے' اِس ٹاتے رکھوایکری ھھی ۔ اصل میں یہ ھتھیار جب بنے تھے' تب جان بیچانے کی نومت سے بنے تھے ۔

آک کے هتههار جهنے بلدوق اور توپ یه هیلے کے نام میں آ سکتے هیں اور آتے هیں' پر اِن سے زیادہ تو کام بحیاء کام بحیاء کا جیاء کا جاتا ہے ۔ ایک ملک اُم اُرور دوسوے ملک کی جودئی کے حیے آئے قلموں پر جو توہیں جوهاتا ہے وہ بحیاء کے لئے نیوں، اِس لئے توپ بلدوق بھی کیمی قیمی رکشوایکون هوتے هیں ، سے میے بلدوق بھی کیمی آدمی نے جانوروں سے بحیاء کے لئے کی ۔

الینک بیشک بیمت کم رکشوآیکرن اور بیمت زیادہ منسوآیکرن ہے ، للوار بلنوق کی طرح کوئی ملک اپنے

यह अने होते रहेंगे, सून अराना होता खेना, कर बहियां मचती रहेंगी जब तक साम्राजी नाक़तें अपना कर्म वहां जमाप हैं. ईरानी जनता को चाहिये कि शाह और सुसहिक्स के नान्हे को छोन कर वह इन साम्राजियों को पक्षे और इन्हें देश निकाला देने में पूरी ताज़त लगा दे. इसी में उसका भला है और इसी तरह ईरान में शान्ति कावम हो सकती है!

— मुजीब रिजवी

سمحهيب رضوي

ايتميم أور يونو

لیگ کی طرح ہوتو بھی سسک سسک کر اپنا جھوں بنا رھی ہے ۔ لیک الکریزوں کے جاتھ کی کٹھھٹلی ہی کر خوسری آوائی کا کارن جوئی میٹو امویکھوں کے جاتھ کا کھلونا ہی کر دنیا کی توسری لوائی بلاکر رہے گی ۔

کیسری لوائی کے بہتے اُس وقت ہو دیلے گئے تھے' جب جرملی کئی طاقتوں میں بالٹا کیا' کوریا کے در ٹائوے کئے گئے اور کئے گئے گئے اور گئے گئے اور فارموھا کو چھوں سے الگ کوکے اُس کے چھاروں طرف امریکھ نے چھاری گھوڑا ڈالا ،

یونو کے دیکھٹے دیکھٹے یہ بھیے چھن کے گھریلو لوائی کے روپ میں قلے پھوڑ لے کو ٹیار ہے اور جلدی ہی ایسے ھی کلے جوملی میں پھوٹ تکلئے والے ہیں .

یرنو هونی تو اِس لگر جاهگر که وه دنها کی قوجی طاقتوں کا سعتول بقائر وقص پر جانے اُنجائے وہ اِس سعتول کو جائمات اور شاتتی کی سفستها بون بهتایتی هر سفستها بون بهتایتی هر سفستها بون بهتایتی هر سفستها بون بهتایتی هر ایسا کویں هو جاتا هر آ اِس کی وجه اُس کے سوائے کها هوسکتی هر که لهگ اور یونو جهسی کل دنها پریه هوئے ههں اُور جون کا پلوا دنها کی لوائی میں بهاری پریه هوئے ههں اُور جون کا پلوا دنها کی لوائی میں بهاری بریه هوئا وها هر بر کل دنها کی پلوائی میں بهاری اُس وقت تک کامهاب نهیں هوسکتی جب نک وہ یا تو اُس وقت تک کامهاب نهیں هوسکتی جب نک وہ یا تو لیک کردنها پر بابکل نهاست و نابود نه کردیں' جو کسی بهی کو دنها پر بابکل نهاست و نابود نه کردیں' جو کسی بهی طرح وگھو آپکریں بعقی دیکھیار نهیں هیں .

یونو لوگ ہاتھی قطاک کی بدائی حولی ہنچاہت نہیں کے گہوائٹٹھ آئیں کو طفا کے سب ملکوں کے قطاعتوں نے اکامی حیار کیمی آئی کو فیلی ضائور بانا کر نہیں دیا۔ جونی جیمی ہوا جاتھ آئی میں شامل نہیں ، بلانے وقت جوملی تعلقی کروا جیمی شامر جیمی ملک یعی شامل نہیں

एटम बम और यूनो

तीन की तरह यूनों भी सिसक सिसक कर अपना जीवन बिता रही है. लीग अंगरेजों के हाथ की कठपुतली बन कर तूसरी सकाई का कारन हुई, यूनो अमरीकियों के हाथ का किसीना बन कर दुनिया की तीसरी लढ़ाई बुकाकर रहेगी.

तीसरी लड़ाई के बीज उस बक्त को दिए गए थे, जब जर्मनी कई ताक़तों में बांटा गया, कोरिया के दो टुकड़े किये गए, जापान में अमरीकी इवाई कड़े बनाए गए और फारमीसा को चीन से अलग कर के उसके चारों तरक अमरीका ने जहाजी घेरा डाला.

बूनो के देखते देखते यह बीज जीन की परेल लड़ाई के रूप में किले कोड़ने को तैयार है और जल्दी ही वेसे ही किलो जर्मनी में फूट निकलने वाले हैं.

यूनी होनी तो इसिलये चाहिये कि वह दुनिया की कीजी ताक्षतों का संतोल बनाए रक्से पर जाने अनजाने वह इस संतोल को जल्दी ही बिगाइ देती है और शाल्ति की संस्था होने की जगह लड़ाई की संस्था बन बैठती है. ऐसा क्यों हो जाता है ! इसकी बजह इसके सिवाय क्या है! सकती है कि लीग और यूनो जैसी कुल दुनिया पंचायत जन्म लेती हैं उन ताक्षतों के हाथ से जो लड़ाई प्रिव होते हैं और जिनका पलड़ा दुनिया की लड़ाई में भारी होता रहा है. कुल दुनिया की पंचायत शान्ति रखने में उस काल तक कामवाब नहीं हो सकती जब तक वह या तो लोकशाही हंग से न बनाई गई हो या उन हथियारों को दुनिया से बिक्कुल नेस्त नाकूद न कर हैं, जो किसी भी तरह रखीपकरन यानी रक्षा के हथियार नहीं हैं.

बूनी लोक शाही ढंग की बनाई हुई पंचायत नहीं है. क्योंकि उसको दुनिया के सब मुल्कों के नुमाइन्कों ने इकट्टे होक्स कभी उसकी कीई दस्तूर बना कर नहीं दिया. चीन वैक्षा क्या मुस्क उसमें शामिल नहीं. बनते वक्स जर्मनी, कावान, केरिया जैसे मामकर कोटे गुरूक भी शामिल नहीं से. को यह बास दुरी सगी और सन्होंने प्रसान कर दिवा कि बहु हैरान स्तोद कर बजे जायंगे.

इस एक्सन के बाद तेहरान में एक तहसका मच गया. डाक्टर मुसिहक का घर घर तिया गया, हर सहक पर प्रवर्शन होने लगे. एक तरफ शाह के इमदर्व होते ये और दूसरी तरफ डाक्टर मुसिहक ने फौरन ही हालत पर काबू पा किया और चीफ आफ स्टाफ को और 17 फौजी अफसरों को गिरफ्तार कर किया. इन लोगों पर चार्ज यह है कि छन्होंने भीड़ को दबाने के बजाय उसे और शह दी. शाह से इमदर्वे रखने वाले पुलिस के अफसरों को भी अलग कर दिया है. तेहरान की हालत अब भी नाजुक है और जगह जगह शाह के इमदर्वे और मुसिहक के हमदर्वे में टकराव हो रहा है.

शाह ने देश झोड़ने का फैसला अब वापस ले लिया है. शाह ने यह क़द्म इसिलये उठाया था कि उन्हें अपने असर का अन्दाजा हो जाय. इन मगड़ों से पता चल गया कि मौक्रा पड़ने पर कुछ लोग शाह का साथ दे सकते हैं और उनकी हालत शाह फ़ारूक़ की सीन होगी डाक्टर मुसहिक ने भी इस बात को शायद समक लिया है और वह शह की जनता के हाथों ही शिकस्त देना चाहते हैं. इस समय सरकार उनके हाथ में है, और इन कुछ दिनों में उन्होंने फ्रीज श्रीर पुलिस पर भी क़बजा जमा जिया है, जनता उनके साथ है ही. वह चाहें तो जनरल नजीब की त्रह शाह के महल को घेर सकते हैं. इस समय डाक्टर ससिहक का विरोध जरूर होगा लेकिन रिपोर्टों से पता चलता है कि अगर वह ऐसा करें तो जीत उनकी ही होगी. लेकिन उन्होंने जनरल नजीब का रास्ता नहीं ऋपनाया. उन्होंने मजलिस से कहा है कि वह उन्हें पूरे पूरे अधिकार दे नहीं तो वह जनता की राय इस सवाल पर मार्गेगे. श्रगर जनता ने डाक्टर मुसहिक का साथ दिया तो इसका मतलब यह होगा कि शाह के सहयोगी ढीले पड़ जायंगे श्रीर उनके मनसूबों को धक्का लगेगा और फिर शाह को सचमुच ही देश छोड़ना पड़ेगा. ऐसी कामयाबी डाक्टर मुसिंहक के लिये पशियाई देशों की जनता में सदभावना पैदा करेगी और अगर उनको नाकामयाबी भी हुई तो भी उनकी इपचात लोगों की नचरों में बढ़ेगी.

सामराजवाद अब इस नतीजे पर पहुँचा है कि शाह और डाक्टर सुसिइक दोनों का असर ईरान पर है और दोनों की लड़ाई में सामराज का फायदा नहीं है. इन्होंने साफ देख लिया है कि इस समय शाह और डाक्टर मुसिइक का मेल उनके दित में है. अमरीका के राजदूत मिस्टर देन्डरसन ने डाक्टर मुसिइक से घंटों बातें की हैं और कोशिश आदी है कि शाह और डाक्टर मुसिइक मिल जायं. کو یہ یوپی لگی اور آنہوں نے املان کر دیا کہ وہ ایوان جمور کر جانے جانیتھ ۔

إس اعلان كے بعد طہران ميں ايك تهلك سے كيا .
قانگر مصدى كا كهر كهيو لها كها هر سوك ير يردرشن هولے
لكے . ايك طوف شاه كے همدرد هوئے تھے أور دوسرى طوف
قانگر مصندى نے قرراً هو جالت ير قابو بالها أور جهف
آف استاف كو أور 17 قوجى أفسروں كو گرفتار كو لها ،
إن لوكوں ير جارج يه هے كه إنهوں نے بهفر كو ديائے كے
بحجائے أسے اور شه دى . شاة سے همدردوں لهنے والے بوليس
كے افسروں كو بهى الگ كر ديا هے . "طهران كى حالت اب
يهى نازك هے اور جكه جكه شاه كے همدردوں أور مصدق
كے همدردوں مهن تكراؤ هو رها هے .

شاه نے دیش جہورنے کا فیصلہ آب رایس نے لیا ہے . ھاد نے یہ قدم اس لئے اُٹھایا تھا کہ اُنھیں ابے اثر کا اندازہ ہو جائے ، اِن جهکوس سے بعد چل گیا کہ سوقع ہوئے پر کنچھ لوگ شاہ کا ساتھ دے سکتے میں اور اُن کی حالت شاء فارق کی سی نه هولی . داندر مصدق نے بھی اس باس دو شاید سمجه لها ه اور وه شاه دو جملتا کے هاتهرن هي شكرست ديدًا جاهي هين اس سب سركار أن كے هاتم مهن هے اور ان فجه دنوں ميں أنهوں نے فرب اور پولیس پر بھی قبضہ جما لیا ہے کا جاتا اُن کے ساتھ ہے ھی، وہ جامیں تو جارل نجیب کی طرح شاہ کے محل کو گههر سکتے ههن ، أس سم ةانگر مصدق كا وروده ضرور مولا لیکن رپورٹوں سے بعد جلتا ہے کہ اگر وہ آیسا کریں تو جهت اُن کی هی هرای ، لهاین اُنهوں نے جارل نجهب کا وأسائم نہيں ايانيا ، أنهوں نے مجانس سے کیا ہے کم وہ اُنہیں پورے پورے اُدھیکار دے نہیں تو رہ جلتا کی رائے اس سوال پر مانکیس کے الرجندا نے ڈانڈر مصدی کا ساتھ دیا تو اِس کا مطلب یہ ہوگا کہ شاہ کے سیموگی تھیلے ہو جائیں گے اور اُن کے منصوبوں کو دھکا نگے کا اور پهر شاه دو سيم ميم هي ديش جههرونا پويم کا . ايسي نامهابی ڈائٹر مصدق کے لئے ایشیائی دیشوں کی جلتا میں سدیھاؤنا پیدا کرے کی اور اگر ان کو ٹا عامیاہی بھی هوئى تو يهي أن كي موت لولين كي نظرون مين يوهاكي .

ساءراج واد اید اس نتهجے پر پہونچا ہے کہ شاہ اور قائد مصدق دونوں کی لوائی میں سامواج کا فائدہ نہیں ہے۔ انہوں نے صاف دیکھ لیا میں سامواج کا فائدہ نہیں ہے۔ انہوں نے صاف دیکھ لیا ہے کہ اِس سے شاہ اور ڈاکٹر مصدق کا میل اُن کے همد میں ہے ، امریکہ کے واج دوے مسٹر هلکرسن نے قائد مصدق سے گھنٹوں بانیں کی هیں اور کوشش خاتی میں ہے کہ شاہ اور ڈانٹر مصدق مل جائیں ۔

बाद से बद्दी उन्हें बचा सकते हैं. तेल के शर्दी करन के कैसले को रह न करके कुछ देसा बीच का रास्ता निकालने में कोई इरज नहीं है कि बरतानिया फिर ईरानी तेल के कारखाने चलाने लगे और ईरान की माली दालत दुवस्त हो. अमरीका से कीजी समगीता करने में बीर डालर की महद होने में कायरा ही फायदा है.

डाक्टर मुसदिक का कहना है: यब सवाल सममौते का नहीं है बल्कि समय का है. समय ही खुद फैसला कर देगा. जो देश सम से काम लेगा वह जीतेगा. इस बबे फायदे के लिये इन्तजार करना पढ़ेगा. इस इन्तजार में क्रुरवानी भी देनी पढ़ेगी. इसिलये जरूरी है कि हम सर्च कम करें, जियादा से जियादा सरकार को दें ताकि काम चलता रहे. कुछ बरसे के बाद सब ठीक हो जायगा और तेल का सारा फायदा हम की मिलेगा.

शाह ने कीशिश की कि उनकी चले और मुसिहक रास्ते से इट जायं. उन्होंने मजिलस को आदेश दिया कि वह क्रवामुस्सलतनत को बढ़ा बजीर चुने. क्रवामुस्सलतनत हो रोज भी राज न कर पाप. जनता उमद पढ़ी और उसने मजिलस को अपना कैसला वापस लेने के लिये मजबूर कर दिया. क्रवामुस्सलतनत कहीं नजर बन्द कर दिये गए और डाक्टर मुसिहक ने मांग की कि उन्हें रीर मामूली ताक़तें मजिलस दे दे. मजिलस को देना पड़ा. शाह की हार हुई सो हुई. उनके अधिकारों पर भी असर पड़ा. जीज तक हाक्टर मुसिहक ने सपने कवाने में कर ली और बहुत से अफसरों को दिटायर कर दिया.

इस घटना से अमरीकी पालिसी में तबदीली आई.
अमरीका का कहना था: शाह की मुसिहक के सामने कोई
हक्षीक्रत नहीं है. — शाह और मुसिहक के टकराव में शाह
के साथ देने से कमयुनिष्म मणवृत होगा और मुसिहक
का साथ देने में असरदार कन्युनिस्ट विरोधी हथियार
लगेगा. बरतानिया वालों की राय दूसरी थी—मुसिहक
जिद्द में ईरान की माली हालत बिगाइते जायंगे और
आसीर में कन्युनिषम आ जावगा. नतीजा यह हुआ कि
अमरीकी डाक्टर मुसिहक पर जियादा कोरे डालने और
बरतानिया कालों ने शाह पर असर डालने की कोशिश की.

देश की माली हालत बिगड़ रही है. इसे ठीक रखने के लिये डाक्टर मुसिश्क ने एक बड़ी हर तक खर्च घटा दिया. बड़े बफसरों की तनखाई भी कम कर दी गई. डाक्टर मुख़िश्क ने शाह की जायदाव पर भी इनकम टैक्स लगवा दिखा कौर जो रक्कम शाह को वान के मद में हर महीने मिलती थी उसे बन्द करा दिया. ईरान मुसीबत में था और शाह था कर्तक्य था कि पूरी कुरवानी कर के वह डाक्टर सुश्लीहक के इस नेक काम में उनका साथ देते. लेकिन शाह یاوہ سے نہیں آئینیں بنچا سکتے میں، تیل کے رآھائی کوی کے قیمیلے کو رہ نے گرکے کچھ آیسا بھی ا رآستہ تعلی میں کرئی بحرج نبیدی ہے کہ برطانیہ بھر آبرائی تیل کے ارخالے بھانے لکے اور ایران کی مالی حالت درست مور آمریکہ سے فوجی سمجھوتہ کرتے میںآور قائر کی صدد لیلے میں فائدہ می خاتہ ہے۔

قائلار مصدق کا کہنا ہے : آپ سوال سستھورتے کا نہیں ہے بلکہ سمے کا ہے ، سے ھی خود فیصلہ کر دے گا ، جو دیش صدر سے کام لے کا وہ جہتے گا ، اِس بڑے قائدے کے لئے التحقار کرنا پڑے گا اِس انتظار میں قربانی بھی دیلی :وے گی ، اس لئے ضروری ہے کہ ھم خرچ کم کریں' زیادہ سے زیادہ سوکار کو دیس تائہ کام جلتا رہے ، کچھ عرصے کے بعد سب تھوک ھو جائے گا اور ٹیل کا سارا قائدہ ھم کو ملے گا .

ھالا نے کوشعی کی که اُن کی چلے اور مصدق راسی سے مت جانوں ، آبوں نے مجلس کو آدیش دیا که ولا توام السلطنت دو روز بھی راہ نه کو پائے ، جبتا اُمو پوی اور اُس نے مجلس کو اُپنا فیصله راہس لیلے کے لیے مجبور کو دیا ، قوام السطنت کیمی نظر بند کر دیئے گئے اور قائلر مصدق نے مانگ کی که آنہیں غیر معمولی طاقتیں مجلس نے مانگ کی کہ آدو قائلر مصدق دے دیے ، مد لس کو دینا پوا ، شالا کی هار هوئی سو هوئی ، اُن کے ادھیکاروں پر بھی اثر ہوا ، قوج تک قائلر مصدق نے ایے قبضہ میں کو لی اور بہت سے افسروں کو رہنا رہ بہت سے افسروں کو رہنا رہ بہت سے افسروں کو رہنا ،

إس كهتفا سے أمريكى باليسى ميں تبديلى آئى . امريكى كا كہفا تيا : شاد كى مصدق كے ساملے كوئى حقيقت نہيں ہے۔ شاہ اور مصدق كے تكواؤ ميں شاہ كے سات ديئے كے كميونوم مضبوط هوگا اور مصدق كا ساله ديئے ميں اثردار كميونسمك ورودهى هنههار هاته لكے كا ، يرطانيه والى كى وائے دوسرى تهي—مصدق شد ميں ايران كى مالى حالت بكارتے جائيں گے اور آخهر ميں كميونوم أجائے كا ، نتيجه يه هوا كه امريكى قائلار مصدق يو وياده خورى تورى تورى تورى تارى نے شاہ پر أثر قالقے كى تورى تارى كى دائى اور برطانيه واليں نے شاہ پر أثر قالقے كى د

دیمی کی مالی حالت بکو رهی هے ، أب تهیک رکھلے

اللہ قائلہ مصفی نے ایک بری حد تک خرچ کہتا دیا ،

اللہ قائلہ کی تفطواهیں بھی کم کر می گئیں ، قائلہ
مصدی نے شاہ کی جائداد پر بھی اِنکم ٹیکس لکوا دیا اور
جو رقم شاہ دان کے مت میں مر مہینے ملتی تھی
اللہ کوا دیا ، ایران مصبحت میں تھا اور شاہ
کا کرتے تھا کہ بوری فرہائی کو کے وہ قائلہ مصفی
کے اس تھیک انظم جنھیں آیے کا ساتھ دیتے ، لھکی شاہ

شاء اور داکار مصدق کا مت بههد چه مهدام اجاء ھروم ہوا تھا ، اُس کے کارن دو ھی ھوسکتے مھن ؛ ایک' مصاحبوں نے شاہ کے کان بھرے ھونکے که مصدق شاھی شاندان کو مثالے کی کوشش کر رہے میں اور اُن کیسازش عجم کرنے کے لئے اُنھیں بڑے وزیر کے پد سے متا دیا جائے . اس یاس کا کہرا اثر بھی شاھی خاندان کے لوگوں پر دکھائی ہوتا ہے ، اس مرصے میں شاہ کے کئی رشتے کے بھائی اور میلیں ملک جمور کر جلی لکی هیں اور ردیشیں مهن رهلے لکی هيں . لهكن ڈاکٹر مصدق كى كسى بات سے یہ بعد نہیں جاتا کہ وہ شاہ کو خدم کرکے ایران کو ربهاک بدارا جاهتے هيں ، کانی اخباروں اور اثردار لوگوں لا خيال هـ كه ود هاد كي بهكت هين ، يريه بات يهي دھیاں میں رکیشی جاملے که موجودہ شاہ کے بتا نے ڈاکٹر مصدق کو نظر بلد کها تها اور داللر مصدق آخهر سم تک آن کا ورودھ کرتے وہے تھے . بہرحال ایران کے اندر کھا صورت هو لیکن باهر کی دنها کو مصدق کی طرف سے عاد کے لئے کسی خطرے کا آبھاس نبھی ہوتا ،

دوسرے ودیشی ایجائیوں نے شاہ کے کان بہرے ہونگہ سادی میں کی مالی حالت بگو رہی ہے ساراً دیش فریمی کا شکار ہے مالی وہوستہا جمین بمین بڑی ہے ، ایسی حالت مہیں کمھولزم طاقت یکوتا ہے ، کمھولزم کو روکا ہے تو فوراً ایران کی مالی حالت درست ہو جانبی جاہئے ، اس مالی حالت کو سدھار نے کہ و آیائے مهیں : برطانیہ کا کہنا ہے کہ فد اور هت کو جموز کر سمجموته کرلها جائے اور کینا ہے اور ایران میں تیل کے کارخانے چانے کی اجازت مل کو تیار ہے ، امریکہ کا کہنا ہے که وہ ذالر سے ایران کی مدد کر تیار ہے ، امریکہ کا کہنا ہے که وہ ذالر سے ایران کی مدد کر تیار ہے ، وشوبیلک سے بھی قرض ہلوا سکتا ہے ، کو دیا سکتا ہے ، کو دیا سکتا ہے ، اس طرح ایران ایابی مالی حالت درست کرکے کمھوتوم کو دیا سکتا ہے ، اس طرح ایران ایابی مالی حالت درست کرکے کمھوتوم کو دیا سکتا ہے ، وردیا تیار ہے ، اور بات بھی چائی گئی ہے لیکن ایمی بھی جائی گئی ہے لیکن ایمی بھی جائی گئی ہے لیکن ایمی نے کہنی کی محدود نے کہنی کہنی دیا ہے ،

شاہ کو صاف دکھائی ہو۔ وہا جے : بوطانیہ اور آسریکہ کی دوسعی میں ہی بہلا ہے -اور کمیونوم کی

विक करी करता है और देश की देहन गर्ही रस सकता है ? घटनायें देशी सामने का रही है कि जिसे इस हरतानी सामराज का दुशमन सममते हैं वह अमरीकी सामराज का मित्र यन जाता है और जो अमरीकी सामराज के खिलाक प्रहर दगलता है वह बरतानिया का साथ देता है एक के चंगुता से बंबने के लिये यह मुल्क दूसरे सामराज का सहारा केते हैं. लेकिन नतीजे में और बुरी तरह से चंगुल में फंस जाते हैं.

शाह भीर डाक्टर मुसिक्त का मतभेव है महीने पहले शुरू हुआ था. उसके कारन दो ही हो सकते हैं: एक. मुसाहियों ने बाह के कान भरे होंगे कि मुसहिक शाही खानदान को मिद्राने की कोशिश कर रहे हैं और उनकी साजिश खलम करने के लिये उन्हें बढ़े बजीर के पद से हटा दिया जाय. इस बात का गहरा असर भी शाही सानदान के लोगों पर दिखाई पड़ता है. इस बारसे में शाह के कई रिश्ते के आई और वहने गुलक छोड़ कर चली गई हैं और विदेशों में रहने लगी हैं. लेकिन डाक्टर मुसहिक की किसी बात से यह पता नहीं बखता कि वह शाह को स्नतम करके ईरान को रिपब्लिक बनाना चाहते हैं. काफी अखबारों और असरदार लोगों का खयाल है कि वह शाह के मक्त हैं, पर बह बात भी ध्यान में रखनी चाहिये कि मौजूदा शाह के पिता ने डाक्टर मुसहिक को नजर बन्द किया था और डाक्टर मुसहिक आखिर समय तक उनका विरोध करते रहे थे. बहर हात हैरान के अन्दर क्या सुरत हो लेकिन बाहर की हानिया और असहिक की तरफ से शाह के लिये किसी सतरे का काभास नहीं होता.

इसरे, विदेशी एजेन्टों ने शाह के कान भरे होंगे-देश की माली हालत बिगड़ रही हैं. सारा देश गरीबी का शिकार है. माली व्यवस्था क्रिज भिन्न पड़ी है. ऐसी हालत में कन्युनिषम ताक्रत पकदता है. कन्युनिषम को रोकना है तो फौरन ईरान की माली हालत दुवस्त हो जानी चाहिये. इस माली हालत को सुधारने के दो उपाय हैं: बरतानिया का कहना है कि जिल् और इट को बोद कर सममीता कर लिया जाय भीर उसे फिर ईरान में तेल के कारलाने चलाने की इजायस मिल जाय. इस बार वह नके का एक बड़ा हिस्सा तक देरान को देने की तैयार है. अमरीका का कहना है कि बड़ डाकर से ईरान की मदद करने को तैयार है, विश्व वैक से भी कथा विलया सकता है. इस तरह ईरान अपनी सासी हुखात दुवहत करके कन्युनियम को द्वा सकेगा. डाक्टर मुखारिक को बेर बार कर बाशिगटन ले भी जागा गया है और बात भी बखाई गई है लेकिन अभी तक कोई समग्रीता मही ही पाया है.

शाह की साम विकार पड़ रहा है : बरतानिया और असरीका की शेरती से ही सवा है और कम्युनिकम की



تاکتر مصدی اور شاه

डाक्टर मुसहिक भीर शाह

जहां तेल के कुएं होते हैं, जहां सामराजवाद के पैर जमे होते हैं, जहां शाह और उनके मुझाहिब होते हैं वहां साजिहीं हमा ही करती हैं. ईरान की बदक्किसमती है कि बह तीनों की तीनों वहां मीजूद हैं. डाक्टर हुसैन फातमी ने कहा कि इन दुर्घटनाओं के पीछे विदेशियों का हाथ है. बाक्टर मुसदिक ने भी शाह पर इलायाम लगाया है कि वह बिना उनकी जानकारी के विदेशी प्रतिनिधियों से साल गांठ किया करते हैं; उनका यह भी कहना है कि शाह के मुसाहिब क्रगतार साषिशें कर रहे हैं. जहां तक मुसाहियों की साषिश का सवाल है वह बिरासतन चली जाती है और इसके कलाचा और कोई चारा नहीं है कि ऐसी प्रथा को ही खतम कर दिया जाय. गाह के मुसाहियों की एक पालिसी होती है, वह अपना असर डालने की पूरी कोशिश करते हैं और शाह जो विधानी अधिकार जनता को सौंपते हैं और उस विधान के बाधार पर जो सरकार बनती है उसकी दूसरी पालिसी होती है. नतीजा यह होता है कि दोनों में लगातार टक्कर होती रहती है, मुसाहिय जनता के प्रतिनिधियों के खिलाक शाह के कान भरते रहते हैं.

वूसरी जंग के बाद से बीच पूरव में बहुत से सियासी
कतल हो जुके हैं और हर कतल या गड़बड़ी के पीछे विदेशी
हाथ दिलाई पड़ता है. इन इलाक़ों को अमरीकी सामराज-बाद बरलानिया की जायदाद सममता था लेकिन हाल की
सूरत ने डसकी दिलबस्पी का कल इधर भी मोड़ दिया
है. एक के बजाय दो सामराजी ताक़तें साफिशें करने पर
बतर बाई हैं. यह ताक़तें अपने अपने हमदर्द पैदा करती
है, देश होहियों को जब्भ देती हैं और अपने रास्ते के
बंकड़ों को साफ करने को कोशिश करती हैं. मुशकिल यह
होती है कि कोई बरलानिया के रास्ते में रोड़ा बन जाल
है और कोई अमरीका के. नतीजा यह होता है कि
बोनों लाक़तें ऐसे लोगों को हटाने की कोशिश करती हैं.
आम आवादी के लिये यह सममता सुरिकत हो जाता है कि
बोन साम आवादी के लिये यह सममता सुरिकत हो जाता है कि جہاں ٹیل کے کوئیں ہوتے میں جہاں سامراہواد کے بھر جسے هوتے هیں' جہاں هاہ اور اُن کے مصاحب هوتے هين وهان سازههن هوا هي كرتي ههن. ايران كي بدلستكي هے که یه تیدوں کی تیدوں وہاں موجود هیں، ڈاکٹر حسمی فاطمی نے کہا ہے کہ اِن درگھالفاؤں کے پہنچے ودیشہوں کا هانه هے . دَاکِتُو مصدیق لے بھی شاہ پر الزام لکایا ہے که وہ بنا أن كى جانكارى كے وديشى پرتهدهدهوں سے ساز كاناته کیا کرتے هیں؛ أن كا يه يهي كها هے كه شاه كے مصاحب لكاتار سازشين كو ره هين . جهان تك مصاحبون كي سازهی کا سوال ہے وہ ورالعاً جملی آئی ہے اور اِس کے مقود اور کوئی جاوہ نہیں ہے که ایسی پرتھا کو هی ختم کردیا جالے ، شاہ کے مصاحبون کی ایک پالیسی ہوتی ہے وہ اینا آلار ڈالنے کی ہوری کوشش کرتے ھیں اور شاہ جو ودمانی ادههکار جفعاً کو سونجعے ههر اور اُس ودمارے کے آدهار پر جو سرکار پکھی ہے اُس کی فوسری پاٹھسے ہوتی ہے ۔ تترجع په هوتا ۾ که دونون مهن لکانار ٽکر هوتي رهتي هـ' مصاحب جناتا کے پرتیندھیوں کے خاف شاہ کے کان بھرتے رهتے هیں ،

Sec Sec

140

A 3

यह यह आप हैं जो यूनो की कानूनी मशीन सोगों में

कहा जाता है कि शान्ति कांगरेस कन्युनिस्टों का ड्रामा है. नीचे लिखा टेबिल बात साफ कर देता है:

| नाम | तादाद नुमाइन्दा | नाम | तादाद नुमाइन्दा |
|--------------|-----------------|-------------|-----------------|
| भ्रास्ट्रिया | 102 | रूस | 52 |
| फ़ांस | 174 | भारत | 30 |
| बरतानिया | 15 6 | वमरीका | 27 |
| जरमनी | 119 | चीन | 6 0 |
| इटली | 192 | युगोस्साविय | ग 12 |

रूस के कुल 52 नुमाइन्दें शान्ति कांगरेस में हिस्सा ले रहे थे जब कि रौर कम्युनिस्ट मुलकों के नुमाइन्दों का जबरदस्त बहुमत था. चीन और भारत के नुमाइन्दों ने इस कांगरेस पर जबरदस्त असर डाला. भारत के एक नुमाइन्दे का कहना है कि शान्ति कांगरेस पर अगर किसी का असर था तो वह चीन और भारत के नुमाइन्दों का था.

डाक्टर किचल के बोलने के बाद देर तक तालियां बजती रहीं. तालियों की गंज में लोगों ने देखा कि एक तरफ़ से कुछ कोरियाई लड़िक्यां उठीं और दूसरे कोने से कुछ मलाया की लड़कियां आगे बढ़ी. दोनों गिरोहों ने डाक्टर किचल को बीच में ले लिया और लाल रंग के एक बड़े रेशमी थान को उनके गले में लपेट कर कोनों को दोनों तरफ फैला दिया. जीश में आ कर उन लड़िकयों ने इझ कहना आरम्भ किया. बहुत से लोगों को गुमान हुआ कि यह लड़कियां कहीं डाक्टर किचल का गला न घोट दें. बाद में पता चला कि इस कपढ़े पर पंडित नेहरू के नाम एक भपील लिखी है. वह लड़िकयां डाक्टर किचलू से अपील कर रही थीं: पंडित नेहरू आपके दोस्त हैं. अाप उन तक पहुँच सकते हैं. हमारी आवाज उन तक शायद नहीं पहुँच पाएगी. आप इमारी यह अपील उन तक पहुंचा दीजिये, आप इमारी आवाज वन जाइये. उन से आप जा कर कहियेगा कि एशिया की बेटियां आपकी सहायता चाहती हैं. हम मलाया की ही बेटियां नहीं हैं, इम कोदिया ही की सन्तान नहीं हैं, हम भारत की भी सन्तान हैं. पंदित नेहरू से जा कर आप हमारा सन्देश दोहराइयेगा और पशिया की इक्कत की दुहाई दे कर उनके सामने हमारी प्रार्थना रख दीजियेगा. उनसे कहियेगा कि वह शान्ति के अभाइत अन कर आगे आएं. आज उनसे वही बढ़ी आहार्थ हैं. वह विश्व शान्ति के नेता वन कर आगे आएं, हमें लड़ाई की आग से बचाने में सहायता रें..... उन तक अप इमारी यह प्रार्थना पहुंचा दीजियेगा.

काश पंडित नेहरू वहां मौजूद होते ! काश डाक्टर किषण वह पूरा कातावरन विधाना से दिल्ली का सकते !! —मवासी ية ولا يهاؤ هين جو يوتو كي قانوتي مشين لوگون مين فيهن يمنأ كر سُلكي !

کہا جاتا ہے کہ ھانکی کانکریس کیونسٹوں کا قرامہ ہے .
ہے ، نیجے لکہا ٹیبل بات مان کر دیتا ہے :

| تعداد نمائلت | نام | تعداد نباللده | نام |
|--------------|-----------|---------------|---------|
| 52 | دوس | 102 | آسطريا |
| 30 | پهارت | 174 | فرانس |
| 27 | أمريكة | 156 | يرطانهم |
| 60 | جدی | 119 | جورسلي |
| 12 | يوكوسلويا | 192 | اللي |

روس کے کل 52 نمائندے شانعی کانگریس میں عصف اے رہے تی جب غیو کمپونسٹ ملکوں کے نمائندوں کا زبردست بھوست تھا ، چھن اور بھارت کے نمائندوں نے اس کانگریس پر بہت زبردست اثر قالا ، بھارت کے ایک نمائندے کا کرنا ہے کہ شانعی کانگریس پر اگر کسی کا آثر تھا تو رہ چھن اور بھارت کے نمائندوں کا تھا ،

ڈانگر کچلو کے بولئے کے بعد دیر تک تالیاں بجاتی رهیں ، تالیوں کی گرتیم میں لوگوں نے دیکھا کہ ایک طرف سے کچھ کوریائی لوکیاں اُٹھیں اور درسرے کولے سے کچھ مالیا کی لوکیاں آگے ہوھیں ، دونوں گروھوں نے قاکار کتھلو کو بیتے میں لے لیا اور لال رنگ کے ایک بڑے ریشنی تھاں کو اُن کے کلے مھی لیہت کر کونوں کو دوزوں طرف پیھا دیا ، جرهی میں آ کر أن لوکھوں نے کچه کینا آرمهم کها . بهمت سے لوگیں کو گمان هوا که یه لوکیاں كههن قائلًار كچلو كا لَهُ تَمَ كُونَت دين . يمد مهن يتَّهُ چلا کہ اس کہوے پر ہلکت نیرو کے نام ایک ایمل لکھی ھے، وہ لوکھاں ڈادٹر کچلو سے اپہل کر رھی تھیں : پلڈت نہرہ آپ کے دوست ھیں . آپ اُن تک پہونیم سکتے میں . هماري آواز أن تک هايد نههن بهوني ياله كي . آپ هماری یه اپیل أن تك پهرنجا دیجئه ا آپ هماری آواز ہن جانہے ، اُن سے آپ جا کر کہے کا 25 ایشیا کی بہتیاں آپ کی سیالکا جامتی هیں ، هم مالیا کی رهی بیٹیاں تهمل مهن مم كوريا مىكى سلعان تهمي همن مم يهارت کے بہے سلتان میں ، پلقت نہرو سے جا در آپ همارا سلدیش دمرایکے کا اور ایشیا کی مزت کی دمائی دے کر ان کے سامنے هماری پرارتهدا رکھ دیموئے کا . اُن سے کہے گا ہ رہ شانعی کے ادردوت بن کر آئے آئیں ، آج اُن سے همون بول بول أشائهن هين ، ولا وهو شائعي کے تهتا ہیں کر آئے آئیں' میں تراثی کی آگ سے پنچانے میں سمائدا دير أن تك آب هماري يه يرارتهنا يهونجها ديونے ٢.

کامی پانگت نیرو ومان موجود مرتے! کامی قاعدر کمچلو وہ پورا والاورن ویاتا ہے دلی لا سمعہ 11

---هرواسی

यही सावना थी जिसने 85 देशों के 1636 प्रतिनिधियों को एक जगह जमा कर दिया था. वह एक दूसरे का विरोध करते थे, अलग अलग ज्यवस्थाओं को मानने वाले थे, पर लक्षई का विरोध करने के लिये सब एक राय थे: सब की एक भावना थी.

यूनो और वियाना शान्ति कांगरेस में काफी फरफ़ था.
यूनो में सरकार के नुमाइन्दे वैठते हैं और वियाना में जनता के आदमी शान्ति फ़ायम करने के रास्ते की खोज कर रहे थे. यूनो में फैसले लादे जाते हैं लेकिन शान्ति कांगरेस का जो फैसला था यह सब की मान्य था. यूनो में सुलह के बजाय मनाइ और बढ़ा दिया जाता है. यहां मनाइ का हर पहल सुलह का कल इक्तियार कर लेता था. पुरानी दुरमनियां लोग भूल जाने थे, मस्त हो उठते थे. शान्ति और सुलह के गीतों से हाल गंज उठता था:

कांस और जरमनी की इतिहासी दुश्मनी चली आ रही है. खरा से इस्तेबाल पर भी दोनों तरफ की जनता आपस में लड़ सकती है, क्योंकि नफरत ने घर कर लिया है और बह एक दूसरे को मिटाने के लिये तैयार रहते हैं. फ्रांस के एक बड़े बिद्वान शान्ति प्रेमी ने अपने भाशन में जरमन और फांस के नवयुवकों से अपील की कि वह आपसी नकरत को भूल जायं, एक हो जायं, मानव हित के लिये छोटे मोटे फरकों को स्रतम कर दें. बोलने वाला अभी बैठ भी न पाया था कि तालियां बजने लगीं. लोग सहे हो गए. तालियां बजती रहीं. इन्हीं वालियों की गंज में गानों की आवाज सुनाई दी. एक तरक फ्रांसीसी लक्के सक्षियां ये और दूसरी तरफ जरमन नी नवान. दोनों गा रहे थे, एक दूसरे से अपील कर रहे थे, पन कर रहे थे -- वह नहीं लड़ेंगे, वह एक दूसरे का खून नहीं बहाएंगे, बह मिल कर, एक हो कर विश्व शान्ति की रक्षा करेंगे. अपनी रक्षाकरेंगे, अपने देशों की रक्षा करेंगे, अपने साहित्य और कला की रचा करेंगे, उन सब की रचा करेंगे जी बनके पास जो उनके पास धरोहर है !

मलाया की एक लड़की बोलने के लिये खड़ी हुई. उसने किसी को गाली नहीं दी, किसी को बुरा भला नहीं कहा, केवल घटनाएं दुइराती रही. ब्रिटिश और मलाया के नुमाइन्हें दूर दूर बैठे हुए थे. लेकिन मलाया की लड़की ने जैसे ही तक़रीर खतम की लोगों ने देखा कि इंगलैंड के एक पादरी ने उस लड़की को गोद में उठा जिया है. वह नाच रहा है. सारा झाल खड़ा हो गया. एक गंभीर बाताबरन झा गया. पादरी ने जब उस लड़की को गोद से अक्षा किया तो ऐसा सीन या जैसे बाप बेटी को बिदा है रहा हो - होनों की बार्स झलड़का उठी बी. दोनों की बार्स इंगलाई का मृत कर मेम का असूत बरसा रही थीं.

یهی به افغانسی بخس 65 میسون کے 1636 پردیفت دینوں کو ایک جو ایک جو ایک دورد کا ورودہ کرتے تھے الگ الگ الگ ویوستھاؤں کو مائلے والے تھے پرداوائی کا ورودہ کوئے کے لئے سنب ایک والے تھے صب کی ایک بھاؤتا تھے میں کی ایک بھاؤتا تھے ۔

یونو اور ویافا شانتی کانگریس میں کافی قبق تھا ،
یونو میں سرکار کے نماللدے بیتھتے ھیں اور ریانا میں
جلتا کے آدمی شانتی قائم کرتے کے راستے کی کھوے کو
رفے تھے ، یونو میں فیصلے لادے جاتے ھیں لیکن شانتی
کانگریس کا جو فیصلہ تھا وہ سب کو مانیہ تھا ، یونو
میں صلح کے بجائے جیگوا اور بوھا دیا جاتا ھے ، یہاں
جیگڑے کا ھر پہلو صلح کا رخے آخیتار کرلیتا تھا ، پرانی
دشملیاں لوگ بھول جاتے تھے مست ھو اُٹھتے تھے ۔
شانتی ارد صلح کے گیتوں سے ھال گونیم اُٹھتا تھا :

فرا س ارز جرمنی کی انہاسی دشینی چلی آرھی ھے ، قرا سے اشتمال یہ بھی درنوں طرف کی جلتا آپس، میں لو سکتی ہے کیونکہ نفرت نے گھر کر لھا ہے اور ولا آیک دوسرے کو متانے کے لگے تھار رہتے مہی ، فرانس کے ایک ہوے ودوان شانتی پریمی نے ابعے بھاشن میں جرسن اور فرانس کے نویوکوں سے اپھل کی وہ آیسی نفرت کو بهول جائیں ایک هو جائهن اسانوهت کے لگے جهوائے مردّ فرقوں کو خام کر دیس ، بولئے والا ابھی بھالم بھی بہ بایا تھا کہ تالیاں بحینے لگیں ، لوگ کھوے ھوگئے ا تاليان بجائي وهين ، إنهين تاليون كي كونيم مهي كانون كى آواز سقائىدى ، أيك طرف فرأنسهسى لُوع لوكهان تهـ اور دوسري طرف جرمن نوجوان، دونون لا ره ته اليک دوسرے سے ایدل کر رہ تھے پرن کر رہے تھے ۔ولا نہیں لویس کے وہ ایک دوسومے کا خون نہیں بہائیں گے ، وہ مِل کو ایک مر کر وشوشانتی کی رکشا کریں گے' ایٹی رکشا کریں گے' انے دیشوں کی رکشا کریں گے انے ساھنیہ اور کا کی رکشا کریں کے اُن سب کی رکشا کریں کے جو اُن کے پاس

مالیا کی ایک لوکی بولئے کے لئے کھوی ہوئی ۔ اُس نے کسی کو برا بھا نہیں کیا ۔ کیول کھٹائیوں دھرائی وہوں ، نرٹض اور مالیا کے نمائلدے دور دور بیاتے ہوئے تھے ۔ لیکن مالیا کی لوکی نے جوسے می تاثریر شمم کی لوگوں نے دیکھا که انگلیلئے کے ایک یادری نے اُس لوکی کو گود میں آٹھا لیا ہے ' وہ ناچ وہا ہے ، سازا هال کھوا ہو گیا ، ایک گمجھور والاوری جھا گھا۔ یادری نے بیب اُس لوکی کو گود سے الگ کیا تو ایسا یادری نے بیب اُس لوکی کو گود سے الگ کیا تو ایسا میس تھا جھو حواییں کی آنکھیں جھا جھو کھی تو ایسا کی آنکھیں جھال جھا آٹھی تھیں' دوئوں کی آنکھیں نے بھول کو پریم کا اسریک بیصا روشی تھیں۔

Way I

करता था. इस कोशिश में कई रोज गुजर गए. यूं ही सरसरी घरेल इलाज भी होता रहा मगर रागी की हातत बेहतर न हो सकी. लगभग एक महीने तक यह और इनके दोस्त एड़ी चोटी का जोर लगाते रहे मगर नाकाम रहे और 600 हालर भी खर्च हो गए. आखिर एक दिन जब मरीजा आधी बेहोश थी उसने उसे मुबह ही मुबह अमरीका के सदर की रहने की जगह हाइट हाउस के सामने ले जाकर सक्क पर हाल दिया और खुद भाग आया. मरीजा को सममा दिया था कि नाम जाहिर न करे. यही एक तरकीय थी अस्पताल में दाखिल होने की. तरकीय कारगर हुई. पुलिस को मरीजा का चार्ज लेना पढ़ा. अस्पताल में दाखला तो मिल गया मगर बेचारी पांच दिन बाद मर गई.

यह अमरीका है. दुनिया भर का सबसे अच्छा, सबसे ताक़तबर, सबसे बड़ा मुल्क ! इसे रूफ़ वेल्ट डेमोक़सी का आसंनत कहा करते थे !! अमरीका जो माली ''मदद" दूसरे मुल्कों की कर रहा है उसका अन्याफा भी करना मुश्किल है. हर रोज अरबों डालर की मालियत के हथियार और दूसरे किस्म के जंगी सामान बाहर जाते हैं और हर उस मुल्क को जाते हैं जो कम्युनिस्ट नहीं है. इस बात को छोड़ कर इस पर गौर की जिये क हथियार के बनाने और रिसर्च करने पर यहां कितनी रक्षम जर्च हो रही है. एक साल जो हथियार बनते हैं वह दूसरे साल पुराने हो जाते हैं....." (रिसाला 'अदब' कराची के सालाना नम्बर से)

फिल्म का कमनटेटर कहा रह था: अमरीका में कीई ग्रारीब नहीं है, कोई दुखी नहीं है, सबके पास कार है, सबके पास ऊंचे ऊंचे मकान हैं. कोई बीमार वहां नहीं पड़ता. वहां घर बैठे इलाज हो जाता है.

में इस सोच में पड़ गया इस फिलम की बात मानू या अपने उस पाकिस्तानी दोस्त की जो अमरीका का प्रशंसक भी है और सहायक भी !!

वियाना कांगरेस

श्रास्ट्रिया के स्वस्तुरत शहर वियाना में शान्ति कांगरेस हुई थी. यह कांगरेस दुनिया के इतिहास में एक नया गुग गुरू करती है. आज तक इतने श्रालग श्रालग विचारों के लोग एक साथ कभी एक नुक़ते पर एक राय नहीं हुए थे. सातरे ने ठीक ही कहा था—"मैं कम्युनिस्टों का विरोध करता हूँ, श्रव भी कसंगा, जिंदगी भर करता रहूँगा. मेरा विरोध श्रपनी जगह पर है. पर में शान्ति का विरोध नहीं कर सकता. तीतरी लड़ाई में कम्युनिस्ट भी खतम हो जायेंगे और मैं भी और मेरी विचार धारा के दूसरे लोग भी. मैं कम्युनिस्टों का विरोध कसंगा पर तीसरी लड़ाई का भी विरोध कसंगा."

گرتا تھا اس او او او اور کرد کرد اور کرد کرد اور کرد اور می سرسوی کیا بیلو معی مون وا ماکر ووکی کی سالت پینو بید مون ایک ایک مهیلے تک یہ اور اس کے فوسمت ایوں جوٹی کا زور لٹاتے رہے مگر تاکام رہے اور 600) قالو بھی خرج ھوگئے ۔ آخیر ایک دن جب مریقہ آدھی یعیوش تھی اس نے آپ سیم ھی صبح امریکہ کے صدر کی وہلے کی جگہ وہائت ھاؤس کے سامتے لیے بھاکو سوک پر قال دیا اور خود یہاک آیا ۔ سریقہ کو سمتھا دیا تھا کہ نام ظاهر نہ کرتے ، یہی ایک توقیب سمتھا دیا تھا کہ نام ظاهر نہ کرتے ، یہی ایک توقیب تھی اسپتال میں داخل ہونے کی ، توکیب کاوٹر ھوٹی ، پولیس کو مریقہ کا جارج لیلا ہوا ۔ اسپتال میں داخلہ پولیس کو مریقہ کا جارج لیلا ہوا ۔ اسپتال میں داخلہ پولیس کو مریقہ کا جارج لیلا ہوا ۔ اسپتال میں داخلہ پولیس کو مریقہ کا جارج لیلا ہوا ۔ اسپتال میں داخلہ ہوئی ،

په امریکه هے دریا بهر کا سبیداچها سبید طاقدورا سبید بوا ملک ایے روزویلت قیمو قریسی کا آرسفل کیا کرتے ایریکه جو مالی تامددا دوسرے ملکوں کی کر رہا هے ایر کا اسازہ بھی کرتا مشکل هے ، هر روز آریوں قالر کی مالیمت کے همیار اور دوسرے قسم کے جملگی سامان یاهر جاتے هیں اور هر اس ملک کو جاتے هیں جو کمیونست نہیں هے ، اس بات کو چهور کر اِس پر فور کیمیک ده همیار نے بنانے اور ریسرے کرتے پر یہاں کمنی وقم خرچ هو رهی هے ، ایک سال جو همیار بنتے هیں وہ دوسرے سال پرانے هو جاتے هیں ... (رساله ادب

قلم کا کمدالها کو رہا تھا : امریکہ میں کوئی فریب نہیں ہے' کوئی دکھی نہیں ہے' سب کے پاس کار ہے' سب کے پاس اُرنچے اُونچے مکان ہیں ، کوئی بیمار وہاں نہیں پوتا ، وہاں گھر بیالے علاج ہو جاتا ہے .

مهن اِس سوچ میں پر که گھا اِس قلم کی بات مانوں یا آھے اُس عالستانی فوست کی جو امریکہ کا ھرشقسک بھی ہے اور سہایک بھی !!

ويالبا كانكريس

آساریا کے خوبصورت شہر ویانا میں شائعی کانگریس موں ایک نیا یک شہر قبلی تھی ، یه کانگریس دنیا کے انہاس میں ایک نیا یک شروع کرتی ہے ، آج تک اتلہ الگ الگ وچادوں کے لوگ آیک ساتھ کبھی ایک نقطہ پر ایک والے نہیں مولے تھے ، ساتر نے تھیک ھی کہا تیاسہ "میں کمیونساتوں کا ورودھ کرتا ہوں ایب بھی کرونا زندگی بھر کرتا رہونا ، میرا ورودھ ایلی جاتھ پر ہے ، پر میں شائعی کرودھ نہیں کرسکتا ، تیسری لوائی میں کمیونست کا ورودھ نہیں کرسکتا ، تیسری لوائی میں کمیونست بھی خما ہو جائیں کے اور میں بھی ارد میری وچاد ہمیا کے دوسرے لوگ بھی ، میں کمیونساتوں کا ورودھ خورتا ہی تیسری لوائی کا بھی ورودھ کرونا ہا۔

سارچ 53'

सत किसा था. वह कम्युनिस्ट नहीं थे, क्योंकि वह क्रसस सा सा कर कम्युनिस्टों को गाली देने के लिये मशहूर रहे हैं. मेरी नक्षरें एक पैरामाफ पर बा कर रक गईं:

"विद्वले महीने में एक हफ्ते के लिये न्य्यार्क गया था. वहां की ऊंची ऊंची इमारतों में मेरे लिये कोई खिचाव न था. पर मेरा ध्यान ज कलिन (Brookleyn) की रारीची पर पारूर गया. इस इलाक़े में हच्छी नहीं बल्कि सफोद अमरीकनों का रारीब तबक़ा रहता है. कराची में रहते हुए मुक्ते यह गुमान था कि गोरे अमरीकन तो सब वौलतमन्द्र होंगे. यहां आ कर पता चला कि रारीच हर जगह होते हैं. लेकिन ब कलिन के वासियों की रारीबी तो सक्त भयानक फ़िस्म की है. अगर खदानाखास्ता बीमारी आ जाय तो घर के बरतन तक बिक जाते हैं. अस्पताल में पहले तो दाखला बड़ी मुश्किल से मिलता है और अगर मिल भी जाय तो मरीज को कोई इतिमनान नसीब नहीं होता, जिसमानी मर्फ से तो मुमकिन है तन्द्रहस्त हो जाय मगर अस्पताल से निकलते वक्तत बिलों के बोभ तले उब कर मर जाना बक्तीनी है, यह लक्काजी नहीं बल्कि असलियत है. कुछ हफ्ते गुजरे कि एक गोरे अमरीकन का बच्चा बीमार हुआ. डाक्टर घर पर न मिला. बाप अस्पताल ले गथा. वहां किसी ने ध्यान न दिया. कह दिया गया कि एस्त्रीन खिलाओ. बेचारा निराश हो कर घर आया. **बटवा कुम्छला सा गया था. मां ने घवरा कर क़रीब की** एक नर्सको बुलाया. नर्सने देख कर कहा कि बच्चे को आकसीजन नहीं मिल रहा है. फ़ौरन अस्पताल ले जाको. मां बाप फिर अस्पताल पहुँचे. वहां पहला सा सत्क होने लगा. जब यह दोनों बड़ गए तो एक नर्स से कच्चे की मां का हाथ पकड़ा और एक कम्पाउन्हर की अला कर दोनों को बाहर निकलवा दिया. बच्चे की मां ने आपे से बाहर हो कर चिल्लाना शुरू कर दिया. जिसे सनकर कई लोग इकट्टा हो गए. दोनों को छोड़ दिया गया. जब कोगों ने बात सुनी तो सब ने लानत मलामत और फटकार की. अब अस्पताल वालों ने मजबूर हो कर बच्चे को आकसीजन देना शुरू किया. मगर बहुत देर हो चुकी थी. बरुषे का रंग नीला पढ़ चुका था. आकसीजन उसे न बचा सका वह वहीं मर गया. इस बक्चे के मां बाप कहते हैं कि अगर इस और इमारे जैसे दूसरे अगरीकन कन्य-निस्ट हो जायं तो हमें कीन इताजाम दे सकता है.

एक और इसी क्रिस्म का बेरहमी का वाक्रया खुव मेरे अमरीकन दोस्तों में से एक को पेश आया. योरप से उनकी दूर की एक रिश्तेदार औरत आई हुई थी. वह बीमार हो गई. घर पर इलाज कराना बेहद मुश्किल था. उन्होंने याहा कि अस्पताल में दाखिल करा दें. कहीं जगह न मिली एक अस्पताल से दूसरे में जाते बे और कोई वाखिल न غط تکها تها ۔ وہ قبهونست نهیں تھے' کیونکہ وہ قسم کیا کہا کر تمیونسٹلوں کو کالی دیلے کے لیے مشہور رہے ہیں ۔ معرف نظرین ایک پیراگراف پر آکر رک گئیں :

"پچھیلے مہینے میں ایک هندے در لئے نیویارک گھا تها ، وهان كي أونجي أونجي عدارتون مين مهري لله کرئی فهنچای نه تها . یر مهرا دههان بروکسالهن (Brookleyn) کی فرینی پر ضرور گیا . اِس ماقے میں حبشى تهين بلكه سنهد أمريكذون كا فريب طبقه رهقا هے ، کولچی میں رهاتہ هولے معجم یه کمان تها که کورے امريكون تو سب دولت مقد هول كي . يهال آفر ياله چا کہ غریب ہو جگہ ہوتے ہیں، لیکن بروک لین کے واسیوں کی فریجی تو سطعت بهیانگ قسم کی هے . اکر خدا بخواسته بهداری أجائه تو گهر کے برتن تک یک جاتے ھیں ، اسپتال میں پہلے تو داخلہ ہوی مشکل سے ملتا ھے اور اگر مل بھی جائے تو مریض کو کوئی اطبیقان تصهب تههن هولاء جسماني مرض سے لو منكني ہے تندرست هو جائے مگو استقال سے نکلتے وقت بلوں کے بوجه للد دب كر مر جانا يقيلي هي. يه لغاظي نههن بلکه اصلیت هے . کنچه مفاتے گزرے که ایک گوریے امریکن كا يجيم بهمار هوا . قائلار كهرير نه سلا . ياب اسبعال لم کہا ۔ بھاں کسی نے دھیاں ته دیا ۔ کہ دیا گھا که اسھرین كهلام بيجارا نراه ، هودر كهر آيا ، يجه كمهلا سا كها تها . مان نے کھھڑا کو قریب کے ایک نوس کو بلایا نوس نے دیکھکو كها كه يجي كو أكسونجن نهيل مل رها هي . فوراً اسهمال لے جاوے ماں باپ پھر اسپتال پہونتے ، وهاں پہلا سا سلوک هولے لگا ۔ جب یہ دونوں آر گئے تو ایک نوس لے بجه کی ماں کا هاتھ پکوا أور ایک شیاؤنڈر کو بلاکر دونوں کو بامر تکلوا دیا ، بحے کی ماں نے آپے سے بامر هوکر جالنا شروم دردیا جسم سن کو کلی لوگ افتها هولله ، دونون کو چھور دیا گھا ۔ جب لوگوں لے ہات ملی تو سب لے لملت مقمت اور پهلکار کی . اب اسهقال والوں نے مجبور هولر بنج كو أنسينجن دينا شروع لها . مكر بهت دير هو چکي تهي . بنچ کا رنگ نيا پر چکا تها. آکسيجن أسے نه بچا سکا . ولا وهيں مركها ، أص بحے كے مال ياك کہتے میں کہ آار هم اور همارے جیسے دوسرے امریکن كمهونست هو جائين تو همهن كون الزام دے سكتا ہے .

ایک اور اس قسم کا پیرحمی کا واقعہ خود مہرے امریکن دوستوں مہں ہے ایک کو پہش آیا ، یورب سے ان کی دور کی ایک رشتےدار عورت آئی هوڈی تھی ، وہ بیدار هوگئی، گهر پر علاج کرانا چحد مشکل تھا ، آنھوں نے جاها که اسپتال میں داخل کوادیں کیمن جاتم نہ ملی، ایک اسپتال سے دوسرے میں جاتم تھے اور کوئی داخل نه

1 m 1 m

"हमारे बायके मालिक" तहारीक लाए हैं. मैं चौंक कर उनके स्वागत के लिये उठी.

"तुम से मैं नाराज हुं" ईस् मसीह ने कहा.

"मुक्ते समर हो जाने दो मुक्ते अपने क़दमों में जगह दे दो" मैंने प्रार्थना की.

उन्होंने कहा—"नहीं, तुम यहां मौज उड़ाती हो, अकरात से पइनती हो, अच्छे खाने उड़ाती हो और कुछ लोग भूके हैं, नंगे हैं, बीमार हैं....."

"मैं उन आइयों की सेवा करूंगी, अपना सब कुछ क़ुरवान कर दूँगी."

"तो जाम्नी" उन्होंने आदेश दिया.

"कहाँ"

"हिन्दुस्तान !" वहां के लोग भूके हैं, नंगे हैं. उन्हें जिसमानी शिजा दो और आदिनक भोजन भी....."

"पर हिन्दुस्तान एक बड़ा मुल्क है."

"ठीक है. तुम हिन्दुस्तान जाश्रोः वहां यू. पी. के सूबे में एक छोटा सा शहर 'रायबरेती'' है. वहां तुम्हें जा कर प्रचार करना चाहिये. हमारा सन्देश उन लोगों तक पहुंचाना चाहिये.'

उसी नीजवान ने कहा—"यह श्रीरत हमें वेवक्रूफ सममती है. ऐसे पाखन्ड से अब हम श्रसर नहीं ले सकते. इसे कहानी भी गढ़नी नहीं श्राती."

मैंने कहा-"कहानी क्यों रालत है....."

"हजरत ईसा नही गए, जुराराफिया के मास्टर हाँ गए....."

"कहानी सरुवी है पर नायक का नाम रालत है...... ईसू मसीह की जगह अगर म्टेट डिपार्टमेन्ट के सिक्रेटरी का नाम रख दिया जाय तो........?" मैंने कहा.

"तब कहानी ठीक है, बिल्कुल सही है "

फिलम की दूसरी रील ने जल्द ही इमारा ध्यान अपनी तरफ लीच लिया. अमरीका में लोगों के रहने सहने का क्यान इस में था. इस में शक नहीं कि वह दुनिया अच्छी थी पर न जाने मुमे क्यों भाभास हुआ कि यह सपने की दुनिया है. मैंने कहा यह तसवीर सही है, और हिन्दुस्तान को अमरीका बना देना चाहिये, हिन्दुस्तान में सुख सम्पन्न होना चाहिये, हिन्दुस्तान की असमान पर उठा देना चाहिये. में अमरीकी फिस्म के हिन्दुस्तान की कल्पना करने लगा. पर उस नौजवान को न जाने क्या सूफी, न जाने क्यों उसने सुके चौंका दिया, मेरा ख्वाब हवा कर दिया. में यथार्थ की दुनिया में लीटा तो देखा सामने वही किलम चल रही है और मेरी आंखों के सामने उरदू का एक रिमाला है. मैंने उसे हटाना चाहा. पर उस नौजवान न ज़िद की. पाकिस्तान के एक सज्जन ने समरीका से यह

اُنٹھاونے آپ کے مالک 4 تھریف لائے میں ۔ میں جونک کو اُن کے سوائٹ کے لائے آٹھی ۔

" مجيد امر هو جانے دو' مجدد ايد تدموں ميں جگه ديد دو " ميں نے يرارتها كى .

انهوں نے کہا۔۔۔" نہیں' تم یہاں موج آوائی هو' افراط سے پہفتی هو' اچھ کھانے آزائی هو اور کنچھ لوگ بھوکے هیں' نفکے ههن' بیمار ههن....."

37 میں اُن بھائیوں کی سیوا کرونگی' ایٹا سب قربان کر دوں گی ۔''

" تو جاؤ " أنهس نے آدیش دیا .

دد کهان ۴۰

''مندستان آ'' وهاں کے لوگ یہوکے هیں' تنکیے هیں۔ اُنہیں جسمانی فڈا اور آئیک یہوجن بھی۔۔۔۔''

ورور مندستان ایک بوا سلک هے ."

"تهیک هے ، تم هندستان جاؤ ، وهان یو ، پی کے صوبے میں ایک جہوٹا سا شہر "رائد بریلی" هے ، وهان تمیس جائر پرچار کرنا جامئے ، همارا سندیش آن لوگوں تک پہرنچانا جامئے ،"

اُسی نوجوان نے کہا۔۔۔''یہ مورت ھمھر، بھوٹوف سنچہعی ھے ، ایسے پاکھلڈ سے آپ ھم اثر نہیں لے سکتے ، آسے کہانی بھی گوھلی نہیں آتی ۔''

میں لے فہا۔۔''لہائی کھوں فلط ہے 4

"جفرت مهسمانه هولكه جغرافهه كي ماستر هولكه..."

''کہانی سچی ہے پر تایک کا نام فلط <u>ہے …</u>میسو مسهم کی جگاء اکر اسٹیت قیہارتبانٹ کے سکریٹری کا تام رکھ دیا جائے تو....۔؟'' میں نے کہا ،

''انب کہانی ٹھیک ھے' پالکل صعیم ھے ۔''

فلم کی دوسری ریل لے جاد هی همارا دههای ایلی طرف کههای لها، اسریکه مهرلوگوں کے رهانے سہلے کے بهاں اس میں تها، اسمیں شک نهیں کاولا دیها اچهی قعلگ کا کھی رہ دیا اسمیں شک نهیں کاولا دیها اچهی قعلگ کا کھی رہ دیا یہ سیلے کی میں لے کہا یہ تصویر محصوم ہے اور هددستان کو اسریکه بنا دینا آسمان پر اُتها دینا چاهئے، میں اُسریکی قسم کے آسمان پر اُتها دینا چاهئے، میں اُسریکی قسم کے هندستان کی کلینا کرنے لگا، پر اُس نوجران کو نه جائے کہوں اُس نے صحیم چونکا دیا میرا کواب ہوا کر دیا میں یتمارته کی دنیا میں لوٹا کو دیکھا ساسلے رهی مام چل رهی ہے اور میوی آدکیوں کے سامنے ساسلے رهی مام چل رهی ہے اور میوی آدکیوں کے سامنے آونو کا ایک رسانہ ہے میں نے اُسے هنانا چاها ، پر اُس نیچوان نے امریکہ سے یہ اُس

प्रवासी की डायरी

उसका नाम पता मैं नहीं जानता, जानने की जरूरत भी नहीं है. इतना परिचय काफी है कि वह एक अमरीकन थी, एक औरत थी और कहने को एक मिशनरी थी. मैं रायबरेली की एक सड़क पर चलते चलते एक भीड़ की तरफ न जाते क्यों मुद्द गया. शामियाना लगा हुआ था और एक अमरीकी महिला 'ग्रुद्ध हिन्दी' में कुछ कह रही थीं. मेरे पहुंचने पर उन्होंने बात खतम कर के रेशम की लिख्डियां और मिठाइयां बांटने का काम शुरू कर दिया. बफ्बे मिठाई पर टूट पड़े और औरतों ने रेशम की लच्छियों के लिये हाथ फैलाए. हर एक को कुछ न कुछ देकर वह महिला मुस्करा देती थीं. उस मुस्कराहट को बहुत से माने पहनाए जा सकते हैं. पर मेरे लिये तो वह मुस्कराहट तिरस्कार भरी थी, उससे बढ़वहम टपकता था, घमन्ड काहिर होता था. यह काम खतम करके उन्होंने ऐलान किया कि एक फिलम का प्रवर्शन किया जायगा. थोड़ी देर में फ़िलम परदे पर था गई. लेकिन मेरा अवरज सीमा की लांच गया. किलम का इज़रज ईसू के जीवन से सम्बन्ध न था, उनकी सीख से इसका ताल्लुक नहीं था. ईसाई धर्म के किसी पहलू से इसका नाता नहीं था. इसमें अमरीका के इस्काईक्रेपर विखाई पड़ रहे थे, धमरीकी माली व्यवस्था की गुनगान की गई थी. दिखाई पढ़ रहा था कि अमरीका में सब बसीर हैं, सब खुश हैं, मब मौज कर रहे हैं.

"अमरीका में सब सुखी हैं" एक नौजवान ने मेरे

बराता से कहा.

"यह सब प्रचार है" दूसरे ने जवाब दिया.

एक नौजवान किलम के नज्जारों को सच मान रहा था. और दूसरा उसे धोका. उनकी बहस गरम हो चली थी, और मुझे उसमें मजा आने लगा था. पर अन्धेरा खतम हो गया, किल्म गायब हो गई, सब खतम हो गया. मेरा ध्यान उन महिला की तरक किर गया. वह कह रही थीं:

"आपने देखा अमरीका कितना वीलतमन्त देश है. अमरीका आपकी सहायता करना चाहता है. अमरीका हिन्दुस्तान को अमरीका बनाना चाहता है......हम अपना देश, अपना मुख चैन छोड़ कर आपकी सेवा करने आए हैं.....आप पूछेंगे कि हमने अमरीका का मुख चैन क्यों छोड़ विशा और भारत में क्यों आ गए. में अपना पूरा किस्सा आपको मुना देना चाहती हूं. एक दिन मैं एक सुवस्तत होटल में सो रही थी. रात को मैंने देखा कि

پرواسی کی تاثری

أس يًا نام بِثه مهن نههن جانعًا ' جانفي کي ضرورت بھی تھیں ہے ، انقا پریجے کافی ہے که وہ ایک امریکن تهی ایک مورد تهی اور کهنی کو ایک مشقری تهی مهن رائے بریلی کی ایک سوک پر چلتے چلتے ایک ببھو کی طرف نه جآنے کھوں مو گیا ، شامیانہ لکا ہوا تھا اور ایک ادریکی مهلا ا شده هندی ا مهن کچه که رهی تهین . مهرے پہونجنے پر اُنہیں نے بات شام کو کے ریشم کی لجههان أور متهائهان بالثلم كاركام شروم كو دبيا وبحج ماتهائی ہر توت ہوے اور مورتوں نے رہشم کی لجھھوں کے لگے هاته پهياڻي ، هر ايک کو کچه که کچه دے کر وه مها مسکرا دیتی تھیں ۔ اُس مسکراھٹ کو بہت سے معلی پہلائے جا سكته ههل ، ير ميور ليه تو ولا مسكراهت ترسكار بهری تھی' اُس سے ہووہم ٹیکٹا تھا۔کھملک طاهر ہوتا تھا ۔ یہ کام ختم کر کے اُنھوں نے اُملان کھا که ایک فلم کا پردرشن کیا جائے گا ، تھوری دیر میں قلم پردے پر آ گئی . لیکن مهرا أجرب سهما كو لانكه كها ، قلم كا حضرت ميسو كے جهون سے سمبلدہ نہ تھا' اُن کی سیکھ سے اِس کا تعلق نہیں تھا، میسائی دھرم کے کسی پہلو سے اِس کا ناتا نبین تها ، اِس میں امریکہ کے اسکائی کرپیر دکھائی ہو رہے تھا امریکی مالی ویوستہا کی کن کان کی گئی تھی : دکهائی یو رها تها که امریکه مهی سب امهر ههی سب خوهن هين اسپ مولم کر رهے هيں .

" امریکه مهن سب سکهی هین " ایک نوجوان نے

مهرے بغل سے کہا ۔

" يه سب پرچار هے " دوسرے لے جواب دیا .

ایک نوجوان قلم نے نظاروں کو سے مان رہا تھا اور دوسرا آسے دھوگا ۔ ان کی ہندت گرم ھو چلی تھی اور مجھے اُس میں موا آنے لگا تھا ۔ پر اندھھرا حُتم ھوگیا اُن فلم فائب ھو گئی سب ختم ھو گیا ، مهرا دھیاں اُن مہلا کی طرف پھر گیا ۔ وہ کہ رھی تھیں :

الريكة أب لے ديكها أمريكة كتنا دولت مند ديش هے . أمريكة أب كى سبائنا كونا جاهنا هے . أمريكة مندستان كو أمريكة بنانا جاهنا هےهم أبنا ديش أبنا مكه جهين جهين جهين كون جهين أب يوجهيں كے كه هم لے أمريكة كا سكه جهين كون جهين ديا أور يهارت ميں كيون أ كئے ، ميں اپنا يورا قصة آب كو سنا دينا جاهني هون ليك دين ميں ايك خوبصورت كو سنا دينا جاهني هون ليك دي ميں ايك خوبصورت عون مين هي ديكة كه حوثل ميں سو اوجي تني ، رات كو ميں ديكها كه

लड़ाई के मैदान में लाना चाहते थे और उन्हें अच्छे सत्या-ग्रही बनाना चाहते थे. जैनेन्द्र जी ने भी इस जरूरत को महसूस किया और अपने साहित्य के माध्यम से इस विचार का प्रचार किया. इसी बात को ठीक बताया और नैतिक सममा.

'सुखदा' के पात्र पाठक को श्रपनी तरफ आकर्शित नहीं करते बल्कि जैनेन्द्र जी की शैली पाठक को बांधे रखती है और श्रागे पढ़ने के लिये मजबूर करती है.— सुजीब रिज़बी

विवर्त

लिखने वाले — जैनेन्द्र कुमार; निकालने वालं — पूर्वीदय प्रकाशन, दिल्ली; लिखावट हिन्दी; सका 230; दाम चार रूपए चार आने.

'सुखवा' के बाद जैनेन्द्र जी ने 'विवर्त' का उपहार पाठकों को मेंट किया है. सुखदा श्रीर विवर्त में कथावस्तु का बहुत बड़ा फर्क नहीं है. उसी गांधी जी के पहले के क्रान्तकारी युग का वर्नन इस नाविल में भी है. लेखक ने श्रपने लह्य को बार बार दोहराया है—ऐसे क्रान्तिकारियों को ज़ुद श्रपने को पुलिस के हवाले कर देना चाहिये, यही नैतिकता भी है, यही बेहतर भी है. नाविल के खास पात्र जितेन्द्र ने इस बात को स्वीकार भी किया और श्रमल में लाया इसके बदले लेखक ने श्रपनी, नाविल के नायिका की, नायिका के पित की, यहां तक पुलिस के सुप्रिनटेनडेन्ट तक की हमदियां जितेन्द्र को प्रदान कर दीं. यही नाविल का लद्य था और यहीं उसका श्रन्त हो गया.

सदा की तरह इस नाविल के पात्र भी आम नहीं बल्कि ख़ास ''टाइप'' हैं. और ऐसे ''टाइप'' हैं कि यह सोचना पड़ता है कि ऐसे व्यक्ति दुनिया के परदे पर मिल भी सकते हैं या नहीं ?

'सुखवा' और 'विवर्त' दोनों में एक छोटे से कुटुम्ब का चित्रन है. दोनों की नायिकाएं अपने पतियों पर पूरा कन्ट्रोल रखती हैं. दोनों पति बहुत शील हैं, बर्दाश्त करते हैं, पनी के हर सुख में अपना सुख सममते हैं, सब कुछ क़ुरबान करने को तैयार हैं. यहां तक कि उन में जिनसी जलन भी नहीं है और अपनी पनियों को दूसरों से श्रेम करने की भी इजाजत देने को तैयार विखाई पड़ते हैं.

दोनों नाबिलों के पात्रों में से किसी के साथ हमद्दीं कायम नहीं रहती और नाबिल खतम करने के बाद दिमारा पर कोई असर भी बाक़ी नहीं रहता है. "प्रतियों" पर जरूर रहम आता है!

जैनेन्द्र जी की शैली बहुत असरदार है और अगर नए विचारों को इस शैली का सहारा दिया जा सके तो असर-दार साहित्य को जन्म दिया जा सकेगा !— मुजीब रिजवी لوالی کے مهدای میں لانا جاها تی اور آنهیں اجھ سکھا گرہی باتانا جاها ہے۔ جیلیدرجی نے بھی اِس ضرورت کو معسوس کیا اور ایے ساھا تھ کے مادھیم سے اس وجار کا پرجار کیا ، اسی بات کو الهیک باتایا اور بھاک سنجھا ،

السکهدا کے پائر پاٹھک کو ایڈی طرف آئرشت نہیں کو ہے کہ کہ کو ہائدھ رکھائی ہے اور آئے پوھلے کے لئے مجدور کرتی ہے۔

-- مجهب رقوی

وورت

الکھنے والے جینی درکمان بکائنے والے برورودے پرکشن دائے الکھاوت ہدی ؛ صفحہ ان ان دام جار رویقہ چار آئے۔

دسکھداا کے بعد جینی در جی یے 'وردت' کا اُپہار وستو کا بہت ہوا فرق نہیں ہے ۔ اُسی گادھی جی کتھا وستو کا بہت ہوا فرق نہیں ہے ۔ اُسی گادھی جی کے کرانٹکاری یگ کا ورائن اِس ناول میں بھی ہے ، لیکھک نے اپنے لکھی کو بار بار دعرایا ہے ۔ایسے کرانٹکاریوں کر خود اپنے کو پولیس کے حوالے کر دینا چاہئے' یہی نیک کا جہنی دے اول کر دینا چاہئے' یہی کی خوس بات کو سویکار بھی کہا اور عمل میں لایا۔ جہنیندر نے اِس بات کو سویکار بھی کہا اور عمل میں لایا۔ بھی کی ایمان کے خاص باتر پھی کی ایمان کے نائکا کی' بائکا کے ہمدردیاں جھیندر کو پردان کردیں ، یہی ناول کا لکش ہما اور یہیں اُس کا انت ہوئیا ،

سدا کی طرح اِس ناول کے باتر بھی مام نھیں بلکہ خاص ''تائب'' ھیں اور ایسے ''تائب'' ھیں کہ یہ سوچنا ہوتا ہے کہ ایسے ویکھی دنھا کے بردے پر مل بھی سکتے ھیں یا نہیں ؟

السکهدا اور اورت دونوں میں ایک چھوٹے سے کٹسب کا چترن ہے، دونوں کی نائکائیں آئے پتیوں پر پورا کفٹرول وکھتی ھیں، دونوں پتی بہت شیل ھیں، پرداشت کرتے ھیں، پتنی کے ھر سکھ میں ایفا سکی سحجیتے ھیں، سب کچھ فربان کرنے کو تیار ھیں ، یہاں تک کتان میں جلسی جلن بھی نہیں ہے اور ایفی پتفیوں کو دوسروں سے پریم کرنے کی بھی اجازت دیاء کو تیار دکھائی بیتے ھیں ،

دونوں ناولوں کے پاتروں میں سے کسی کے ساتھ ہمدودی قائم نہیں رہتی اور ناول عتم کرتے کے بعد دماغ پر کوئی اثر بھی باقی نہیں رہتا ہے ، ''پتیوں' پر ضرور رحم آتا ہے ا

جهلهندر جي کي شيلی بهت اثردار ه اور اکر نگر رهارون کو اِس شهلی کا سهاوا دنیا جاسکيد تو اثردار ساعته کو جلم دیا جاسک کا سمجهیب رضوی



सुखदा

سكهدا

तिखने वाले—जैनेन्द्र कुमार; निकातने वाले—पूर्वोदय प्रकाशन, दिल्ली, तिखावट हिन्दी; सका 210; दाम चार कपया.

हिन्दी साहित्य को जैनेन्द्र ने जो देन दी है वह बे मिसाल है. आलोचकों का कड़ना है कि जैनेन्द्र के रूप में हिन्दी साहित्य को एक 'शरत चन्द्र' मिल गये हैं.

जैनेन्द्र का साहित्य पढ़ने की जितनी प्यास बढ़ी उतना ही उनका क़जम अपने कर्नञ्य से भागने लगा. दस साल तक तो वह खुप से ही रहे. इस लामोशी के बाद जब 'सुखदा' का एक भाग 'धर्मयुग' ने पाठकों को दिया तो साहित्यक जेत्र में एक हल चल मच गई. 'धर्म युग' अभी पूरा नाविल छाप भी न पाया था कि चार चार भाशाओं में इसके अनुवाद की मांग आने लगी.

जो लोग जैनेन्द्र जी को करीब से जानते हैं उनका कहना है कि उनकी कहानियों और नाविलों का आधार कोई न कोई सबी घटना होती है 'सुखदा' का भी आधार सबा है और जैनेन्द्र जी की रोचक, गम्भीर दिल को खूने वाली रौली और उनके अपने दर्शन ने इस घटना में जान हाल दी है. 'सुखदा' की नायिका एक "टाइप" है और यह टाइप भाग्य से ही देखने की मिलता है!

'सुखदा' में उस समय का बर्नन है जब गांधी जी राज-काजी मैदान में नहीं आये थे और देश भक्त छोटी छोटी दुकड़ियां बनाते थे, कुछ तोड़ फोड़ करते थे. भागे भागे फिरते थे. इन दुकड़ियों का जनता से सम्पर्क नहीं होता था और लुके छिपे ही सारा काम होता था. इन दुकड़ियों के मेम्बर भी एक 'टाइप' होते थे—शक्की, कट्टर, बेलाग यह सब मिल कर किसी एक की पूजा करने लगते थे और जब पूजा से ऊब जाते थे तो आपस में लड़ पड़ते थे, दल भंग हो जाता था. कुछ इन्हीं में से सी. आई. डी. बन जाते थे और कुछ रालत शक पर एक दूसरे की जान तक ले लेते थे. इस युग का और पेसे आदमियों की एक मलक इस नाविल में मिहती है.

किसी जमाने में इस बात की जरूरत गांधी जी ने महसूस की थी कि पुराने "इन्क्रलाबी दल" के लोगों के दिल की मोहा जाये और उन्होंने ऐसे लोगों से अपील की थी कि बह अपने को खुद पुलिस के हवाले कर हैं, इस तरह गांधी जी ऐसे बेलाग लोगों की खुटलम खुला لكهام واله --جهاميندر كمار؛ نكالم واله--بوروولا بهركاشي؟ دلي؛ لكهارت هندي؛ صفحه 210؛ قام چار روهه ..

مندی سامته، کو جهنهندر نے جو دین دی ہے وہ پہ مثال ہے ، آلوچکرں کا کہنا ہے که جهنهندر کے روپ میں مندی سامته، کو ایک ' شرت چندر ' مل گئے میں .

جیٹیلدر کا ساھکھتے پوھٹے کی جگٹی پھاس ہوھی اتفا می آن کا قلم آئے کوتب سے بھاگئے لگا ، دس سال تک تو وہ چپ سے ھی رہے ، اِس خاموشی کے بعد جب سکھدا' کا ایک بھاگ ' دھرم یگ ' نے پھاٹکوں کو دیا تو ساھتیک چھیتر میں ایک ھلجل سچ گئی ، 'دھرمیگ' ابھی پورا باول چھاپ بھی نہ پایا تھا کہ چار چار بھاشاؤں میں اس کے انواد کی مانگ آئے لگی ،

چو لوگ جهنهادر جی کو قریب سے جانگے مهن آن کا آبنا ہے کہ آن کی کہانیوں اور ناولوں کا آدھار کوئی سے دوئی سچی گہنا ہوتی ہے ، ' سکھدا ' کا بھی آدھار سچا ہے اور جینهندر جی کی روچک' گمجھیز' دل کو چھونے والی شیلی اور آن کے ایے درشن نے آسے کھٹنا سیس جان ڈال دی ہے ، 'سکھدا' کی نائکا ایک '' ٹائپ '' ہے اور یہ تائی بھاگ سے ھی دیکھنے کو ملتا ہے !

اسکهدا اسکهدا اسل سب کا ورنس هے جب کندهی جی راج کاجی سهدان سها نهیس آیا تھا اور دیش بهکت چهرائی چهرائی چهرائی تکویاں بغاتے تھا کتچه نور پهور کرتے تھا بهائے بهائے بهائے بهائے بهائے بهائے بهائے بهائے اور لکے چهرائی تعربان کام هوتا تها ، اِن تکویوں کے سمبر بهی ایک اتاب اور کار چهرا کرتے تھے۔ شکی کترا بالک کی پوجا کرنے لکتے تھا اور جب بوجا سے ارب جاتے تھا تو آپس سهال لو پرتے تھا دل بوجا سے ارب جاتے تھا تو آپس سهال لو پرتے تھا دل بینک بوجا کرنے لگتے تھا اور جب بہلک هو جاتا تها کچه اِنهیں مهاسے سی، آئی، تی بن جاتے تھا اور کچه فلط شک پر ایک دوسرے کی جان تک لے لینے تھا اور کی جان تک اور ایسے آنمهوں کی ایک چهاک کے لینے تھا رائی مهال میں سائی میں سائی ہو ایک دوسرے کی جان تک

کسی زمانے میں اس بات کی خرورت گاندھی جی نے متصوب کی تھی کہ پرائے '' انتقابی دل '' نے لوگوں ﷺ دل کو موھا جائے اور آنہوں نے ایجیہ لوگوں سے آبدل کی تعین کہ رہ آبی کہ رہ آبی کو رہ کی ہوں ، آس طرح گاندھی جی ایسے بے لاگ لوگوں کو کہام کہا

रफ्ता रहता कई जन्मी के बाद सब कुछ बहुत ही अकछ।

हो जाता है. मगर जो आदमी बुरे काम करते हैं. अच्छे

कामों को छोड़ते हैं और भगवान के हुक्मों के बरखिलाफ काम करते कि अनका मन, दिल और बदन सराब होते

जाते हैं. और महन के बक्त भी खराब होते हैं इसलिये

उनको दूसरे जन्म में खराब मन, साराब दिल और, खराब

बदन मिलता है. इसी तरह जो आदमी ऐसे काम करता है कि उनसे मन और दिल अच्छा होता जाय मगर ऐसे कोई

काम नहीं करता कि जिनसे बदन भी श्रच्छा होता जाए तो

उसको अगले जन्म में मन और दिल तो अच्छा मिलता है

मगर बदन खराब मिलता है. श्रीर जो आदमो इस जन्म

में ऐसे काम करता है कि जिनसे बदन तो श्रच्छा होता जाय और मन और दिल खराब होता जाय तो फिर श्रमले

जन्म में उसको बदन तो अच्छा मिलता है मगर मन आंर

दिन सराब मिलता है रारज यह कि जैसे जैसे काम कोई

श्रादमी एक जन्म में करता है उन्हीं के मुताबिक़ बदन, मन

श्रीर दिल से उसकी शाल्मा दूसरे जन्म में भिल जाती है. मगर

यह जरूरी नहीं कि अगर एक दफा बुरा बदन या मन या दिल मिल जाय तो हमेशा बुरा ही चना जाय. नहीं बल्कि आत्मा

में भगवान ने बड़ी ताक़त रक्सी है, आत्मा की कोशिश से

हम बुरे से बुरे बदन को भी अच्छा कर सकते हैं. मगर

इतना जरूर करना चाहिये कि हर एक काम और बात में ठीक भगवान की मरजी और भगवान के बनाए हए कायदे

कानूनों के मताबिक चलें.

وتعقر والله كثي جلموس في يعد سب كتهم يهت هي إجها هو جالا ہے . مگر جو آدمی برے کام کرتے میں اچھ کاموں کو جهورتے الهی أور بهگوان کے حکسوں کے برخالف کام کرتے هين أن كا من دل أور بدن خراب هرت جات هين - أور مونے کے وقت بھی خراب ھوتے ھیں . اس لیے اُن کو درسوے جلم میں خراب من خواب مل اور خواب یدن ملتا ہے . اِس طرح جو آدسی ایسے کام کرتا ہے که اُن سے من اور دل اجها موتا جائد مكر ايسم كوثى كم نهوس كرتا كد جس سے بدن بھى اچها ھوتا جائے تو اُس كو اللے جدم مهن من أور دل تو أجها سلتا هي مكر بدن خراب التأ ه ، اور جو آدامي إس جلم مهي ايس كم كرتا ه كه جن سے بدن تو اچها هونا جائے اور من اور دل خراب هونا جائے تو پور اللہ جلم موں أس كو بدن تو اچها ملتا ہے مكر من اور دل خراب ملعا هي. فرض يه كه جهسم جهشم کام کوئی آدسی ایک جلم میں کرتا ہے اُنہیں کے مطابق یدن اور دل سے اس کی آنما دوسرے جلم مھری مل جاتی ہے ۔ مکر یہ ضروری نہیں که اگر ایک دفتم برا بدن يا من يا دل ملجائه تو همهشه برأ هي چلا جائه ، نهيس بلکیم آنما میں بھکوان نے بوی طاقت رکھی ہے . آنما کی کوشعل ہے ہم ہرے سے برے یدن کو بھی اُچھا کرسکتے ههين ، مكر إنفا فرور كريا بهاعكم كه هر ايك كام أور باك مهن تهیک بهکوان کی مرضی اور بهکوان کے بقائے هوئے قامدے قانونوں کے مطابق جانہوں ،

नदी का सफ़र

(हामिद् उल्ला अकसर)

निदया ! धीरे धीरे चलना

निया मेरी द्वा न जाय
जंगल में से हो के निकलना

हाओं का अप्पर सा छाय
होड़ी रह रह के मचलना

हर के मारे जी घबराए
इतनी दूर अभी है चलना
कोई दूंदे भी तो न पाए
('आजकल' से)

ذلای کا سفو (حامد الله انسر)

ندیا ا دههرے دههرے جلانا

نها مهری قرب نه جائے

جلگل مهن ہے هو کے نکانا

جهازی کا چههر سا چهائے

چهرزو را را کے محیلانا

قر کے مارے جی گهمرائے

اللی دور آبھی ہے چلانا

گوئی قامونقائے بھی تو نه پائے

('آجکل' ہے)

वर्षों की दुनिया

بچوں کی دنیا

मुस्तान

12, 7, 06,

ملتان

12.7.06

रावे

رادهے'

कल की चिट्टी में इलैक्ट्रोनों का दाल लिखा था. संस्कृत में इत्तीकट्टीन को 'परमान्' कहते हैं. इन्हीं परमानुकों से बिलकर सारा जगत और उसमें जिननी चीकें हैं सब बनी हैं, और परभान सब के सब भगवान की शक्ति के बने इए हैं. इस बास्ते सारा जगत भी भगवान की शक्ति से बना बुखा है, आदमी का सारा बदन भी परमानुवाँ से क्ना हुआ है. मनर परमानुकों में वैतन्यता नहीं होती:कानी जिस तरह हर एक आदमी को मालूम होता है कि मैं है इस तरह परमानुषों को कुछ माल्म नहीं होता. इससे माब्स हुआ कि आदमी में परमानुओं के सिवाए कुछ और भी है जिससे उसे मालूम होता है 'मैं हैं' इस इड को जिससे भावमी की मालूम होता है कि 'मैं हूँ' भारमा कहते 🖥 हर एक बादमी, जानवर और दरकत में बाहमा होती है. सगर ज्यों ज्यों कोई अच्छे अच्छे काम करता जाता है ध्यों स्थों उसकी बारमा बढ़ती जाती है कौर उमकी काम करने की ताक्रत और अक्रल भी जियांचा होती जाती है. सगर क्यों क्यों कोई बुरे कुरे काम करता जाता है त्यों त्यों इसकी बारमा घटती जाती है और काम करने की ताहत और अक्रत भी कम होती जाती हैं. चास्मा कभी नहीं मरती व्हिन्द हमेशा जिल्हा रहती है. मगर जावमी का बदन वहते पैक्षा होता है, फिर रफ्ला रफ्ता बढ़ता और ताक़तवर होता जाता है. और फिर जवान हो जाता है. फिर घटना और कमकोर होना श्रुक होता है. फिर बुददा हो जाता है और शासिकार भर जाता है.

शव बदन सर जाता है तब आत्मा उसमें से निकल कर दूसरे बदन में चली जाती है. और फिर पहली तरह से बदन बदना ग्रुक्त होता है. जो बादमी अच्छो अच्छो कास बरता है. हुरे कामों से बजता है और हमेगा मरावान की सहस्री के शुताबिक सब चुक करता है, उसका मन, दिल बीद बदन भी जच्छो होते जाते हैं और मरने के बहत तक सम्बद्ध सूत्रे हैं. इस बास्ते अगले जन्म में भी बच्छा बदन, बावाह सूत्रे कीर अच्छा दिस्न मिसता है. और इस तरह

کل کی بہائی میں الیکارونین کا تمال لکہا تھا ، سلسكرت مهن الكالرون كو الهرمانوا كهاتم ههن ، أنههن پرمانووں سے مل کر سارا جگت اور آسمیں جندی جدویں ھیں سب بنی ھیں ، اور پرمانو سب کے سب بھکوان کی شکائی کے بلے ہوئے ہیں ۔ اُس واسطے ساوا جاکمت بھی بھگوان کی شکتی سے بنا ہوا ہے۔ آدمی کا سارا بدن ہی پرمانووں سے پھا ہوا ہے ، مکر پرمانووں میں جیعقیدا نهين هولي يعلي رجس طوح هو ايک آدمي کو معلوم مونا هے که منین هوں أس طربے "پرمالوؤن كو كتيه معلوم نہیں ہوتا ۔ اِس سے معلوم ہوا کہ آدسی میں پرمانووں کے سرائے کنچہ اور یمی ہے جس سے آیے معلوم ہوتا ہے که امين هورا اس کچه کو جسس آدمي کو معلوم هوتا ۾ که 'مهن هون' آتما کهای هین. هر ایک آدمی' جانور اور درخت میں آئما ہوتی ہے ، مکر جہوں جہرں کوئی اچھ آچھ كام كرنًا جاتا هـ تهين تهين أس كي أنما يوعلني جالي ھے اور آس کی کام کرلے کے طاقعت اور عقل بھی زیادہ ہوتی جاتی ہے ، مگر جہرں جہرں کوئی ہوے بوے کام کرتا جاتا ہے تدبن تدون أس كي أتما كهشعي جاتي هـ أور كام كرف كي طالت اور علل بھی کم هولی جالی ہے، آسا فیھی نہیں مرتى بلكه همههه زنده رهتي هي ، مكر آدسي كا يدي إجله بيداً مونا بيراً يهر رفعه وقعه بوهما أور طاقعور هونا جانا في ارر يبر جوان هو جاتا هي . پيم گهڏها أور كمؤور هوتا شروع مرنا هي يهر بدّها هو جانا هي أور آخركار مو جانا هي ،

तागरिकों के दाथ में रहने थाहिये. मुनाकों पर दैक्स सरो हुए हैं. मुनाके और पूंत्री की रक्तम देश के बाहर नहीं जा पाती. विदेशी कम्पनी अपनी मर्जी के माफिक मजदूरों और कर्मचारियों को बरखास्त नहीं कर सकती बरौरा.

अमरीकी पूँजीपति चाहते हैं कि यह समाम बन्धन स्रतम हो जार्चे, तमाम इस तरह के क्रायदे क़ानून रह हो जायं, ताकि फिर वह कड़े पैमाने पर अपनी पूंजी बहां सगा सकें खीर अपनी थैलियां भर सकें.

विदेशी विभाग की उसी कितान में लिखा है:

''तकनीकी सहयोग का काय कम खुद इस सवाल पर मुक़ामी सरकारों का उस बदलवाने में सहायक सिद्ध हो सकता है.''

यह भूठी उन्मीय नहीं है, इसका सबूत यह है कि भारत के साथ तकनीकी सममौता होने के लगभग साथ साथ भारत सरकार स्टैन्डर्ड आयल और कैलटैक्स कम्पनियों की वह तमाम सुविधाएं देना क़बूल कर लिया जो अमरीकी पूंजीपति चाहते हैं. मिसाल के लिये ये कम्पनियां तेल साफ करने के जो कारखाने यहां खोलेंगी, उनके सिर्फ 25 फीसदी हिस्से हिन्दुस्तानियों के हाथ में रहेगे 30 साल तक राश्ट्रीकरन नहीं होगा, उसके बाद भी होगा तो पूरा सुआवाषा दिया आयगा; सुनाके और पूंजी की रक्षमें बिना राक टोक के अमरीका मेजी जा सकेंगी, सरकार का उद्योग नियत्रन क़ानून नये का खानों पर लागू नहीं होगा, वरौरा.

संक्षेप में अमरोकी मदद के तीन साफ आधिक मक्सद हैं:

- (1) भारत के कच्चे माल और खनिज पदार्थों के साधनों को हथियाना:
- (2) भारत में अपनी पूंजी लगा कर मोटे मुनाके कमाना:
- (3) पूंजी लगाने के रास्ते में जितनी आर्थिक या राजकाजी कठिनाइयां हैं, उन्हें इस मदद के पारिये दूर करना.

इस मदद को लेना भारत की आर्थिक व्यवस्था को अमरीकी सरमाया दारों को सौंप देना है. इस मदद को क्रवृत करना भारत को स्ट्रेन में अमरीकी धन्ना सेठों की मदद करना है.

सवाल है कि इसारी सरकार क्यों यह ना समझी का क़दम उठा रही हैं। जीर कीन लोग हैं जो इसारे देश को समरीकिया के हाथ देन पर तुले हुए हैं। इस सवाल पर हम स्वराले संस्क में टांशनी बातोंगे. قائرگوں کے بھاتھ میں رہلے جامکہ مقافعی پر گیکس لکے قباتی میں ، مقافعہ اور پونیجی کی وقع فیشی کے یاہر تیہیں چاہیاتی۔ ودیشی شہدی ایڈی مرضی کے موافق مودوروں اور کومجاریوں کو برخاست نہیں کو سکاتی دفیون

امریکی پرتجی پائی جاماتے میں کہ یہ تمام بقدادن کا میکی پرتجی تمام اِس طرح کے قامدے قانون رد مو جائیں تاکہ پور وہ بوے بیمائے اور اُیڈی پونجی یہاں گا سکیں اور ایٹی تعلمان بور سکیں ،

وبيشي وبهاك كي أسى كتاب مين لكها هد .

ا تعلیکی سپیوگ کا کاریه کرم خود اس سوال پر مقامی سرکاروں کا رم بداوانے میں سپاٹک سدھ ھو سکتا ھے۔''

پھ جھوٹی آمید نہیں ہے اس کا ٹبوت یہ ہے کہ بھارت کے ساتھ تکلیکی سمتدھوتہ ہونے کے لگ بھگ ساتھ ساتھ بھارت سرکار اسٹیلڈرڈ آئل اور داشھنس کمیٹیوں کو وہ تمام سودھائیں دیٹا قبول کو لیا جو امریکی پونجی پاتی جاھئے میں امثال کے لئے یہ کمیلیاں تیل صاف کرنے کے جو کرخانے یہاں کیولیٹکی اُن نے صرف 25فیصدی حصے ملدستانہوں کے مانھ میں رھیلکہ 30 سال تک راشٹری فرن نہیں ہوگا اس نے بعد بھی ہوگا تو پورا معاوفہ دیا جائے گا ملائع اور پونجی کی وقیدن پیا روک گوک کے امریکہ بھیجی جا مکیلگی سرکار کا آمیوگ نیشوگ نویوگ نیشوگ نویوگ نویو

نقصد میں :

(1) بھارت کے احجے مال اور کھتھ پدارتھوں کے سادھتوں کو هتمیانا ؛

- (2) بهارت میں آیشی پوتنجی انا کر سول سفائع ا کمانا ا
- (3) پرنجی المانے کے راستے میں جندی آرتیک یا راچ کاجی کالیاں میں آنہیں اس مدد نے دریعہ دور کرنا ،

اِس مده کو لینا بهارت کی آرتیک ویوستها کو امویکی سرمایه دارون کو سرنب دینا هے اس مدد کو تجول کرنا بهارت کو لینا سیتھوں کی مدد کرنا هے ہ

سوال کے که هماری سرکار کھرن یہ ناسمتھھی کا قدیم آٹھا رہی کے آئی کی اس کے اس کے اس کے ماتے بدیجے دیائی کے اس سوال کے ماتے بدیجے دیائی کے ماتے بدیجے دیائی کے اس سوال کے دائی میں ورفقی قالیس کے .

पूंजी सम्याने की सर्वत करूरत है. इनमें बहुत बढ़ी पूंछी की करूरत होती है. चीर बहुत से देशों में इन शुष्याचों के न होने के कारन बहां प्राइवेट पूंजी के जाने में बहुत बड़ी कठिनाई पैदा हो गई है क्योंकि जब तक यह शुविधाएं न हों, तब तक इन देशों के जाने पहचाने जार्थिक साधनों को भा कैयाका नहीं जा सकता." (सका 53)

इसके चलाबा पिछड़े हुए देशों के चलग चलग वंग के साधनों की जांच करना, गिनती कराना, आंकड़े इक्ट्रा करना भी जरूरी होता है, क्योंकि यह सब जानकारी इक्ट्रा करने के बाद ही अमरीको पूंजीपति तय कर सकते हैं कि

किस धन्दे में कितना पूंजी लगाई जाय.

श्रंब जरा इस तरफ ज्यान वीजिये कि श्रामरीका से या उसकी देख रेख में चलने वाली पर श्रन्तर राष्ट्री कहलाने वाली संस्थाओं से हमें जो मदद मिला है, वह किन कामों में लग रही है [वह ठीक इन्हीं कामों में लग रही है जिनकी श्रमराकी पूंजी का जरूरत है और जिनका ऊपर जिक्क किया। गया है]

विश्व बेंक से कर्जे भिने हैं तो बिजली की कर्ने खड़ी-करने के लिये, कुन सिंचाई का प्रश्म्य करने के लिये, रेल के इंजिन कराइने के लिये और कांस्र के जंगल हटा कर परती जमीन तोड़ने के बास्ते ट्रैक्टर करोइने के लिये.

तकनीकी सहयांग सममाते के जारिये अमरोकी सरकार से मदद मिलो है तो बिजली के कुएं लगाने के खिये, सिवाई का दूसरा अवन्ध करने के खिये, साद खरीदने के लिये और इमारे तरइ तरइ के साधनों की गिजली कराने के लिये.

अमरीकी मदद का मक़सद भारत में सिर्फ ऐसी परिस्थितियां वैयार करना है जिन में यहां बढ़े पैमाने पर शह्वेद अमरीकी पूंजी आ सके.

अमरीकी विदेशी विभाग के जिस प्रकाशन का जिक

इसने इपर किया है उसमें साफ साफ लिखा है:

".... तकनीकी सहयोग का कार्य कम सुद् उन मुश्किलों में से कुछ को दूर कर देगा जो विदेशों में शाइवेट पूजी सगाने के रास्ते में आहे आही हैं." (सका 71)

आइबेट पूंजी के रास्ते में दूसरी वहां मुस्किस राजकाजी है. खास कर दूसरी वहां सदाई के बाद से पिछड़े हुए देशों में रास्त्री चेतना बहुत वह गई है. वहां के लोग अबके आविक स्तापनों पर अपना नियंत्रन रखना चहते हैं. इन देशों की पूंजीबादी सरकारों तक ने तरह तरह के वेके आवि आनून बना रसे हैं जिन से अमरीकी पूंजी को सुंख कर जुनाका खहने की खूट नहीं रहती. कहीं विदेशों पूंजी को इसेशा राष्ट्रीकरन का हर सगा रहता है. कहीं नियस है कि हर एक कम्पनी के 51 श्रीसदी हिस्से देशी پرتھی الگلفے کی شیطیت فیروردد کے اپنے مہوں بہمت بری مہوں بہمت بری ہوتی بہمت بری ہوتی بہمت بری ہوتی ہمت میں آن سوردھاؤں کے نہ ھونے کے لاوں وعلی پرانویجہ پرتجی کے آنے مہی بہمت بوی کلیفائی بیدا ھرگئی ہے کیرنکہ جب کک یہ سرودھائیں نہ ھوں کب نک اِن دیدرں کے جانے بہتا ہے آرتیک سادھلوں کو بھی بہمقایا نہیں جاسکتا ہے (مفصہ 55)

The state of the s

اِس کے ماولا ہمپہورے ہوئے دیشوں کے الگ الگ تھنگ کے سادھلوں کی جانبے دونا کفتی کرانا آسکونے اکٹھا کرنا بھی ضووری ہوتا ہے کیونکہ یہ سب جاریکاری اِنٹھا کرنے کے ہمد ھی امریکی ہونجی پتی طے ٹوسکتے میں کہ کس دھندے میں کتفی ہونجی لگائی جائے ۔

آپ ذرا اِس طرف دههان دینجگی که امریکه سے یا اِس کی دیکھ میں جہلنے والی ہو انترواشقای کہلانے والی ہو انترواشقای کہلانے والی سلستہاؤں سے همیں جو مدد ملی ہے وہ کن کامیں میں لگ رهی ہے ۔ [وہ تبیک اِنہمی کاموں میں لگ وہی ہے جن کی امریکی پونجی کو فرورت ہے اور جن کا اُوبر فار کیا گیا ہے ۔

وہو بھنگ سے قرضے ملے میں تو بجلی کی کلیں کپڑی کرنے کے لگے' دھتے ، ہندجانی کا پربلدھ کرنے کے لگے' ریال کے اِنجن خریدنے کے لگے اور کاسس نے جماعل ماتا کو پرتی زمین توڑنے کے واسطے ڈریکٹر حریدنے کے لئے ،

تکلیکی سہیوگ سمجھوٹے کے ذبیعے اسریکی سرکار سے مدد ملی ہے تو ہجلیکے دولیں لگانے کے لگے' سہلچائی کا دوسرا پربلدھ کرتے کے لگے' کھاد خریدنے کےلگے اور ھمارے طرح طرح کے سادھلوں کی گفتی کرائے کے لگے ۔

امریکی مدد کا مقصد بهارت میں صرف ایسی پرستهتیاں تیار کرنا ہے جن میں یہاں ہونے ہیمالے پر پرائریٹ امریکی پرنجی آ سکے ،

امریکی ودیشی وبھاگ کے جس پرکاشن کا ذکر ہم لے اوپر کیا ہے اُس میں صاف صاف لکھا ہے ۔

27 نکفیکی سپیوک کا کاریه کرم خود أن مشکلوں میں سے کچھ کو دور کر دے کا جو ودیشرں میں برائریت پرنجی لگانے کے راحتے میں آڑے آئی ہیں ۔" (مفت 71)

ہرائیبہ ہونجی کے واستے میں دوسری ہوی مشکل راے کاچی ہے ، خاص کر دوسری ہوی اوائی کے بعد سے بچہورے ہوئے دیشری جیتھا بہت ہوہ گئی ہے ۔ وہاں کے لوگ آرتیک سادھلیں پر اپنا تیلترن رکھا جاتے ہیں ، اور دیشرں کی پرنجی وادی شرکاروں تک نے طرح بارج کے ایسے قامدے قانون بلنا رائے میں جس سے امریکی پرنجی کو تیل در منادع ترتیدی جیوٹ بہس رمتی کیپور ودیشر پرنجی کو جیدہ دیشت رامتی کیپور ودیشر پرنجی کو جیدہ در ایک دیش کے دیکھر ودیشر پرنجی کو جیدہ در ایک دیشت رامتی کیپور ودیشر پرنجی کو جیدہ کے دیگر کی اور کیا دیشت دیشی در کیپور تیرہ جو ایک دیشت دیشی

पिक्ष हुए देशों में अभरीकी माइवेद पूंजी नेकने पर इतना कोंट जिना जगह नहीं है. पिक्ष हुए देशों में कथा माल सस्ता मिलता है, अजदूरों को तनला कम देनी पड़ती है और इसलिये मुनाके माटे होते हैं. मिसाल के लिये, अमरीका की जन्द बड़ी सम्पन्थों को लीजिये और देखिये कि उन्हें अमरीका के अन्दर लगी हुई पूंजी से कितना मुनाका होता है और विदेशों में लगी हुई पूंजी से कितना.

1948 में धनाफ़े की दर

| कम्पनी का नाम | देश में लगी पूंजी पर मुनाफें की | विदेश में लगी पूंजी पर मुनाके |
|----------------|------------------------------------|----------------------------------|
| स्टैरडई भागल | दर (की सदी) 11 | े की <i>दर</i> 33 |
| जनरल मोटसं | 25 | 80 |
| अनाकोएडा कौपर | 5 | 13 |
| कायर स्टोन,रबर | 7 | 26 |

स्वयं भारत में लगी हुई अमरीकी पूंजी पर 1948 में लगभग 40 कीसदी मुनाका हुआ। था. यानी पिछड़े हुए देशों में पूंजी लगाना अमरीका या यारप में पूंजी लगाने से कहीं आधक मुनाका देता है. पर ऐसा करने में अमराकी पूंजी की कई बड़ी मुश्किलों का सामना करना पड़ता है.

े पर मुश्किल यह है कि पिछड़े हुए देशों में बिजली का, रेलों सक्कों का, बन्दरगाहों आंद इवाई अड़ा का, नहरां, सिंचाई और सफाई का प्रबंध इसना खराब है कि वहां बड़े पैमाने पर अमरीकी पूंजी लगा कर मुनाफा कमाना ना मुमकिन है.

प्राइवेट पूँजी के लिये ज़मीन तैयार की जा रही है अमरीकी विदेशी विभाग के प्रकाशन ''चौथा बातः आर्थिक नजर से पिछाड़े हुए देशों के विकास का सहयागी कार्य कम'' में कहा गया है :

"याताबात की खराबियों से..... आर्थिक ठहराव पैदा होता है और अन्तर राष्ट्री क्योपार की चाल कम हा जाती है...... उनकी वजह से खनिज पदार्थों और लकड़ी को देशी खरींदारों तक और विदेशों को ले जाने में नामुमांकन हो जाता है...... उनकी वजह से कल कारखानों के बने माल का बाखार सीमित हो जाता है और कल-कारखानों के लिये प्रस्ती कच्चे माल को पाना महगा पढ़ जाता है." (सफा 28)

"सिचाई की क्यवस्था...... आद रोकने का प्रबंध, नावों श्रीर जहां के जाने जाने की सुविधाए वरौरा आर्थिक विकास के जिन्ने बहुत ज़करी हैं." (सका 27)

"विकास की कलों, रेलों और सक्कों डाक तार, बन्दर-गाहों के विकास कोंट सिकाई सकाई बरीटा की व्यवस्थाओं में المنافعة ال

| کی ۵۰ | مقائع | مهن | 1948 |
|-------|-------|-----|------|
| | | | |

| ودیش میں لگی پرنچی پر مدافع | دیش مهن لکی پرنجی پر مقافع | ۔۔۔ کمھلی کا تام |
|--------------------------------|-------------------------------|---------------------|
| _ | | ديمهمي ۵ مام |
| کي هر | کی در (فیصدی) | |
| 33 | 11 | إستهقرة أثل |
| 80 | 25 | جدول مودس |
| 13 | 5 | اناکونڈا کوپر |
| 26 | 7 | |
| 20 | 4 | قائر إسلون ربر |

سوٹم بھارت میں لکی ہوئی آمریکیپونجی پر 1948 میں لگ بھگ 40 فیصدی مقافع ہوا تھا ، یعنی پچھوڑے ہوئے الارب امریکہ یا یورپ میں پرنجی لگائے سے نہیں ادھک مقافع دیگا ہے ، پر ایسا ذرنے میں امریکی پرنجی کو دگی بڑی مشکلوں کا ساما کرنا ہوتا ہے ،

پر مشکل یہ ہے کہ ہنچہوں موئے دیشوں میں بنجلی کا رینوں سوئوں کا بندرگاھوں اور ھوائی اذوں کا مہروں' سیلنجائی اور صفائی کا پربلدھ اِللّا خواب ہے کہ وہاں پونے پیمانے پر امریکی پونجی لگا کر مقافع کمانا نامسکوں

پرائویمت پونجی کے لیُمازمون تھار کی جا رقی ہے امریکی ودیشی ویوگ کے پردشن ''جونعی بات : آرنیک نظر سے پنھوڑے ہوئے دیشوں کے وکاس کا سیموکی کاریدکرم'' میں تیا کیا ہے :

'نیانایات فی خرابیوں سے.....آرتیک ٹیپراؤ پیدا موٹا ہے اور انعرواشٹری بیوپار دی جال دم هو جالی ہےان کی وجه سے کہنچ پدارتیوں اور نکری کو دیشی خریداروں لک اور ودیشوں تو لے جانے میں ناممکس مو جانا ہے.....ان کی وجه سے دل کارشانوں کے بنے مال کا پاؤار سیمت هو جاتا ہے اور دل کارشانوں کے لئے ضووری کیے مال کو چیے مال کو چیانا مہلکا ہو جاتا ہے۔'' (صفحت 28)

"سهلتهائی کی ویومتها.....یازه ووکنے کا پریندها ناوی اور جهازن کے آنے جانے کی سوردهائیس وفیرہ آربیک واس کے لئے بہت فروری هیں." (سفتیہ 27) اینجلی دیایں ویلین اور سونین ڈاکتارا یکدرگفوں وکس اور سونین ڈاکتارا یکدرگفوں وکس اور سیدیائی صفائی وفیرہ نی ویوستهاؤں میں

जरूरतों की यूरा करने के लिये जरूरी है कि "पिक्रके हुक देशों को ऐसी तकनीकी और आधिक अदद दी जाय जिससे वह केती, शिक्षा, तन्तुवस्ती और आतायात के बुनियावी केंग्रों में जरूरी तरक्की कर समें." (सका 8)

भापसी सुरक्षा कानून की दका 514 में साक-साक निका है कि

'इस क्रानून के दायरे में आने वाले इलाकों में, ऐसे कच्चे भाजों की पैदाबार बदाने के लिये, जिनकी अमरीका में कमी है, 550 लाख डालर सर्च करने का अधिकार सरकार को दिया जाता है."

भारत को इसी यद में वह मदद मिली है जिससे नेहरू सरकार ग्राम-सुधार का काम चला रही है.

भारत से अमरीका की क्या चाहिये

अंगरीका की प्रतिनिधि सभा के धिरेशी नीति सम्बन्धी

चप समिति ने अपनी एक रिपोट में बताया है :

"आरत में पेसे कितने ही कच्चे माल पाये जाते हैं जिन्हें समरीका में कीजी नकर से महस्वपूर्न सममा जाता है. ऐसी कित चीकों के समरीका में भंडार इकट्ठा किये जा रहे हैं; इन में से नीचे जिली चीकों हिन्दुस्तान में काफी मात्रा में पाई जाती हैं: वेरिल, रेंडी के बाज, कोमाइट, गोले का तेल, कायनाइट, मैंगनीका, अवरक, मोनेकाइट, 'अफीम' काली मिर्च, रवड़, रूटाइज, लाख, खिंदगा, और जिरकीन. जूट, चमड़ा (वकरों और बखड़ों की खालें) और सीसम का तेल भी, जो अमरीका में इकट्ठा तो नहीं किये जाते पर जिनकी बहां काफी कमी है, हिन्दुस्तान में पाए जाते हैं......इन सभी चीकों की अमरीका को आज ससत करता है."

इस तरह साफ हो जाता है कि भारत में अमरीका की विसंपन्ती का पहला आर्थिक कारन हमारे कच्चे माल और कीजी महत्त्व के खनिज पदार्थों के उत्पादन पर क्रम्बा करना है.

प्राह्वेट प्ंजी लगा कर छुनाफ़ा कमाने का मकुसद दूसरा कारन हमारे देश में पूंजी लगा कर जियादा से जियादा सुनाका कमाना है. इस मकुसद का उनके पहले मकुसद से यानी हमारे कच्चे माल को हथियाने के मकुसद से गहरा सम्बन्ध है.

असरीकी शासकों की पक्की राय है कि सिर्फ सरकारी तौर पर मेजी गई आर्थिक या तकनीकी मंदद से काम नहीं बहेगा. पाली अमीशन ने कहा है कि "इतिहास में यह काम (क्षणे मालों का उत्पादन बढ़ाना और उस पर क्रव्या करना) संदा आर्थेट पूंजी ने किया है और जब मी पिछड़े हुए देशों में क्षणे माल का उत्पादन बढ़ाने की खास विम्मेदारी आर्थेट असरीकी पूंजी को संभावनी चाहिये." فرورلین کو ہیوا کولے کے فکر ضروبی ہے گا '' ہجھوے مراز کی معدد میں جائے میں اور کی معدد میں جائے اس میں اور یاتایات کے اسلامی جہندتروں میں فروری ترقی کر سکھی ۔'' (منحت 8)

آپسی سرکھا قانوں کی دفعہ 514 میں ماف ماب لکھا ہے کہ اگرے میں آنے والے ماب لکھا ہے کہ اگرے میں آنے والے مانوں میں ایس الیس کی پیداوار بوعانے کے لئے، جن کی امریکہ میں کسی ہے، 550 لائم ڈالر کرنے کرتے کا ادھیکار سرکار کو دیا جاتا ہے ۔''

پھارت کو اسی مٹ میں وہ مدد ملی ہے جس ہے۔ بہرو سوکاو گرام سدعار–کا کام چھ رھی ہے ، پھارت ہے امریکھ کو کیا جاھائے

امریکہ کی پرتی ندھی سبھا کی ودیھی تیعی سبطدھی آپ سبھی نے ایلی ایک رپورٹ میں بدایا ہے :

اِس طرح صاف ہو جاتا ہے کہ پہارت میں آمریکہ کی دانچسپی کا پہلا آرتیک کارن ہمارے کچے مال اور ترجی مہتو کے کہلیج ہدارتین کے آتیادن پر قبضہ کرتا ہے۔

پرائویت یونجی لکا کو مقافع کیاتے کا مقصد

دوسراً کاری عمارے دیمی میں پونجی لکا در زیادہ ہے زیادہ مقافع کمانا ہے ۔ اِس مقصد کا اُن کے پہلے سے مقصد یعلی عمارے کچے مال کو عقہمائے کے مقصد سے گہرا سیلند ہے ۔

पाली क्रमीयान ने पहले जांच की कि असरीकी कल-कारखानों की बाजकल किलने और कीन से करने माल की जरूरत है, इसमें से कीन सा चीर कितना माल खुद अमरीका में पैश हो जाता है और कितना बाहर से मंगाना पड़ता है. इसके बाद पाली कभीशन ने हिसाब लगाया कि श्रगले पंचीस साल में अमरीका को कितने कच्चे माल की जहरत होगी और वह कहां से आयेगा.

कच्चे माल की समस्या

पाली कमीशन जिस नतीजे पर पहुंचा वह थोड़े में यह है: अमरीका के लिये कच्चे माल की समस्या बहुत गम्भीर शकल धारन करती जा रही है. 1900 में अमरीका जितना कबा माल सर्व करता था, उससे 15 की सदी से जियारा वह खुद् पैदा कर लता था. 7950 तक वह अपनी पैदाबार से मा नी की सदा जियादा खर्च करने लगा और 1975 तक वह पैराबार से 20 की सबी जियादा खर्च करन लगेगा.

इसक अलावा, कमोशन ने कहा, अगले पर्वास साल में किसी भी बक्रत बड़ी लड़ाई छिड़ सकती है. उसके लिये अमरीका को कच्चे मालों का बहुत बड़ा भंडार जमा करके रखना पड़ेगा. वह भंडार इतना बड़ा होना चाहिये कि दुश्मन के हवाई जहाज बम फेंक कर उसके एक भाग को न्द्र कर दें तो भी वह कम न पड़े.

इस तरह कच्चे माल की समस्या ने सतरनाक रूप पा लिया है और कमीशन की राय में अगर उसे हल न किया गया तो अमरीका की हिकाजत सतरे में पढ़ जायगी.

कमीशन जिस्ता है: "असली सवाल यह है कि क्या उन पिछ दे हुए देशों में जहां जरूरा करुचे माल सबसे सस्ते मिलते हैं, हम फ़रूरी पूंजो, मशीनें, और तकनीक और ज्यबस्था से सम्बन्ध रखने बाले एक्सपट भेज सकेंगे ताकि वहां इमारी पारूरत के मुताबिक कवा माल तैयार हो सके."

पिछड़े हुए देशों का महत्त्र

जाहिर है, यह पिछड़े हुए देश, एशिया, अफ़ीका और दिक्लनी अमरीका के ग़ुलाम या अध्युलाम देश हैं. जब श्रापसी सुरक्षा क्रानून (जिसके मातहत भारत को तकनीकी मदद मिली है) अमरीकी पालिमेन्ट के सामने पेश था, तब पार्लीमेन्ट के मेन्बरों को दूसरे देशों की मदद करने की जरूरत सममाने के लिये अमकीरी सरकार ने एक किताब निकाली थी, उसमें इन पिछड़े हुए देशों के बारे में

'संसार के जियादातर कृदरती साधन रन्हीं देशों में पाये जाते हैं. द्वनिया का सारा रक्ड, सारा जूट, दो तिहाई तेल, और किया शतर टिन, मैंगनीच, कुनैन और दूसरे फीजी महस्य के कच्चे आल इन्हीं देशों में मिलते हैं " (सफा 7-8)

भागे मसका इसी किताब में साफ साफ जिला है कि जपर लिखीं बालों का ब्यान में रखते हुए अनरीका की कीजी

ہائی کبیشن نے پہلے جاتے کیکه امریکیکل کارشانیں کو آے کل کٹلے اور کون سے کھے مال کی ضرورت ھے اس سهل سے گوں سا لور کھلا مال خود امریکه مهل پهدا هو جاتا ہے اور کتفا باہر سے ملکانا ہوتا ہے ۔ اس کے بعد پالی قمیشن نے حساب لٹایا که اگلے بچیس سال میں آمریک كو كغليكتهم مال كي ضرورت هوكي أور وه كهان سے آلم گا.

عجے مال کی سدسیا

يالى كىهشن جس لهاتني ير پهونتها ولا الهوزے مهل

المريكة كے لكے كنچے مال كى سمسها يهمت كمجهدر شکل دھان کرتی جا رھی ہے . 1900 میں امریکہ جلتا کھا مال خوچ کرتا تھا' اُس سے 15 فیصدی سے زیادہ وہ خود بهدا كر ليما تها . 1950 تك ولا ايلى بعداوار س بھی نو فیصدی زیادہ خرچ کرنے لگا اور 1975 تک رہ پیدلوار سے 20 نیصدی زیادہ حرج کرنے لکے گا .

إِسْ كَ مَقُودٌ كَمِيشَنْ لِهِ كَهَا أَلَكُمْ يَجِيسَ سَالَ مَهِنَ عسی بھی وقت ہوی لوائی چھو سکھی <u>ہے ، اُس کے</u> لیے اسریکه کو کچے مالوں کا ایک،بہت ہوا بہندار جمع کر کے رکینا ہوے گا ، وہ بیلڈار اللا ہوا ھونا چاھئے که دشس کے ھواٹی جہاز ہم پھیلک کر اُس کے لیک بھاگ کو نشٹ کر

دیں تو بھی وا کم نه پوے ،

اِس طرح کھے مال کی سنسہا نے خطرناک روپ يا لها هي اور كميشن كي وائد مهن اكر أسد حال به لها كها تو امریعه کی حفاظت خطرے میں یو جائے کی ، کمیشن لكهتا هي : " املى سوال يه هي كه كها أن يجهوم هوكي دیشوں جہاں فروری نجے مال سب سے سستے ملتے میں هم فروری پونجی، مشهلهن؛ اور تعلیک اور ویوستها ہے سنهلده ركهليروالياليكسهرت يههم سكهلكي تاكه وهان هماوي فرورس کے مطابق کچا مال تھار هو سکے ."

پیچهورے هوئے ديوهوں کا مهتو

ظاهر هے، یه پنچهوے هوئے دیش، ایشها، افریقه اور دکھنی امریکہ کے قام یا ادھ قالم دیش میں ، جب آیسی سرکشا قانوں (جس کے ماتصت بہارت کو تکلیکی مدد ملی ہے) امریکی یارلیاملت کے ساملے پہش تھا' تب پاولهامند<u> ک</u>ممهرور کو دوسرددیشون کی ددد کرنے کی قدرورت سمجهالے کے لئے امریکی سرکار کے ایک نقاب نکالی تھی ، اُس میں اِن بجیور موالے دیشوں کے بارے میں لکھا تھا : 17 سنسار کے زیادہ تر قدرتی سادھی اِنھیں دیھوں میں پائے جاتے هیں۔ دنیا کا سارا رہوا سارا جونگا در تهائى تهل اور زيادة تو تن مهكليز كونهن أور دوسري فوجى مهتو كے تعيم مال إنهين فيشوں ميں ملتے هيں ."

الله حل كر اسى كتاب مهن صاف صاف لكها ه كه أوير لتهى باترس كو دههان مهس وكهارهوائه أور أمويكه كى فرجى रही है. ''श्रगर यह प्रकृति जारी रही तो भारत में कम्बु-निस्टों की ताझत बढ़ जायगी और एशिया में एक बहुत इतरनाक हालत पैदा हो जायगी," (20 मार्च 1952)

इसके क्षिये मिस्टर एचेसन ने अमरीकी कांग्रेस पर

सनके शब्द यह थे।

"हिन्दुस्तान मं मौजूद इमारे सभी सलाहकारों की राय है कि अगर बड़े बजीर नेहरू के नेतृत्व में स्थापित नई सरकार अगले। पांच साल में काफी आर्थिक विकास करके नहीं दिखाती तो अगले चुनाव में जनवादी ताक़तें ख़तरे में पड़ जायेंगी और या तो अति उपवादी या कम्युनिस्ट उपर आं जायेंगी."

नतीजा यह हुआ कि जुनाव पूरी तरह खतम भी नहीं हुए से कि 5 जनवरी 1952 को भारत और अमरीका कें बीच तकनीकी सहयोग सममीता हो गया और अमरीकी मवद और कजों की मड़ी भारत में लग गई. "अमृत बाजार पत्रिका" के नई दिल्ली में संवाददाता डाक्टर कुष्नलाल श्रीधरानी के शब्दों में :

"चुनाव की पटलानियों से खुद हारे हुए उम्मीदवारों को इतनी बोखनाहट नहीं हुई जितनी अमरीकी दर्शकों को हुई. तभी से नित नये अमरीकी मिशन यहां आने लगे और रोज नई मदद के बादे होने लगे.....' ("पत्रिका" 20 अप्रैल 1952)

अमरीकी मदद का राजकाजी रहस्य थोड़े में, जहां तक अमर।का के राजकाजी मकसदों का सवाल है, चन्द वार्ते बिल्कुल साफ हो जाती हैं:

(1) जब से अमरीका ने दुनिया पर अपना क्रवजा जमाने और समाजवादी रूस से खड़ने की ठानी, तब से उसकी नवारों में भारत महस्वपूर्न बन गया.

(2) चीन के आजाद हो जाने पर भारत का महस्त्र और भी बद् गया, एशिया में अब अमरीका को अपना

सहा। यही एक देश दिखाई देता है.

(3) पिछले आम चुनाव ने अमरीकियों को बदहवास कर दिया. इन्होंने समफ लिया कि अगर उन्होंने फ़ौरन हिन्दुस्तान को अपनी मुट्टी में नहीं किया तो चीन की तरह वह भी उनके हाथ से (नकल जायगा.

अमरीकी मदद का राजकाजी रहस्य, थोड़े में, यही है.

अब बार्थिक कारनी पर भी विचार कर किया जाय.

जून 1951 में दूमन ने कच्चे माल सम्बन्धी नीति के बारे में जांच करने के लिये विलियम पाली नामक एक बढ़े पूंजीपित की सदारत में एक कमीशम कायम किया था. पाली कमीशन की चार जिल्लों की भारी-भरकम रिपोर्ट अभी हाल में छपी है. उससे भारत के जार्थिक साधनों में अमरीका की दिलायस्पी का कारन कियान साफ हो जाता है.

رهی فی از اگر یقا پاروائی خاوی رهی تو بهارها مهان کیونستایل کی طاقعت بوه جائے کی لور آیشها مهان آیگ بیدی شعطرناک معالت پیدا هو جائے کی آا (20 مارچ 1952) اس کے گئے مسئر آیجے سی نے آمریکی کانگریس پر زور دیا کہ وہ فوراً بهارت کو مند بههچا منظور کرے . آن کے شعد یه تھا :

هندستان میں موجود اهمارے سبھی صفح کاروں ، کی رائے ہے که اگر ہونے وزیر نہرو کے نیکرتو میں اِسکیایت نگی سرکار اگلے ہائے سال میں کفی آرتیک وکاس کر کے نیمس دکیاتی تو اگلے جداؤ میں جن وائی طاقتیں شطرے میں پو جائیگی اور یا تو آئی اگر واقی یا نیموست اوپر آجائیں تی نیموں نعیمت نیمون که طوع شختم بھی نیموں طوع شختم بھی نیموں نکلیکی سپیوگ سمت ہوتی ہوارت اور امریکی مدن اور امریکی داری میں سوادداتا قائدر کرشن لال شری دعرانی کے شہدوں میں :

'' چناؤ کی پتھیوں سے خود ھارے ھوئے اُمھدواروں کو اُتھی ہو'کھا کو اُتھی ہو'کھا کو اُتھی ہو'کھا کو اُتھی ہوئی۔ بتھی سے تبت مئے امریکی مشن یہاں آنے لگے اور روز نائی مدد کے رمدے ھونے لگے۔۔۔۔۔''' ('' پائریکا '' ('' پائریکا '

امویکی مدد کا رایج کاچی رهسه

نہورے میں' جہاں تک امریکہ نے راج کاچی مقصدوں لا سوال ہے' جلد بانیں بالکل صاف ہو جاتی ہیں ا

(آ) جب سے امریکھ نے دنیا پر ایٹا قبضہ جمالے اور سماج وادی روس سے لولے کی تہائی' تب سے اُس کی نظروں میں بھاوت میٹو یورن بن کیا ۔

(2) چھیں کے آزاد ہو جانے پر بہارت کا میعو اور بہیوء کیا؛ ایشیا میں آپ امریکہ کو ایٹا سہارا یہی ایک دیش دنیائی دیتا ہے!

(3) پھھلے عام جلاو نے امریکھوں کو بدھواس کر دیا ۔ انھوں نے فوراً مددستان کو ایٹی مٹین میں نہیں کیا او جھی کی طرح وہ بھی ان کے ماتھ سے تعل جائے گا ۔

امریکی مدد کا راج گاچی وهشهه تهورے مهن بهیده، آپ آرتیک کارنین هر بهی وجار کر لها جائد ه

جون 1951 میں گروس نے کتھے مال سمبلدھی نیتی کے بارے سیس جانبے کرنے کے لگے رابم پالی ماسک ایک ہونے پہاری میں ایک نمیشن قائم کیا تھا ، پالی کمیشن کی صدارت میں ایک نمیشن قائم رہوت ایمن نمال میں جمیدی ہے ، اس نے بمارت کے آریک سا دھائیں جیں امریکہ کی والجسمی کا کاری والکل صاف جو روائا ہے ،

कामनारेश में रहते का मनर

विसम्बंद 1949 में नई दिल्ली में एक भारत-बासरीका सन्मेलन हुमा जिसमें घनस्यामदास विक्ला और कई बने भारती पंत्रीपतियों ने भी भाग विया, इस सम्मेलन में धमरीका के विदेश नीति संघ (फारेन पालिसी एसोसियेशन) की मेम्बर बीरा मिचलैस डीन ने अमरीका के नये हुन्दि-कीश की इन शब्दों में समभाया :

'पक बार चीन से निराश हो जाने के बाव अगरीका भारत की और बढ़ती हुई दिलचस्पी के साथ देखने लगा है....भारत असुरीका के लिये आर्थिक नजर से भी महत्त्व-पूर्न है क्योंकि वह लाख, जूट, अवरक, मैंगनीज और पेसी बहुत सी जीज़ें पैदा करता है जो की जी नज़र से बहुत जरूरी हैं: उधर, भारत बिजली पैदा करने और कल-कारखाने खोलने की एक भारी योजना तैयार कर रहा है जिसके लिये उसे अमरीका से तकनीकी और आर्थिक मदद लेनी पहेगी. कछ अमरीकाबासियों को पहले हर था कि भारत अमरीका श्रीर सोवियत संघ के बीच तटस्थता का हल अपनायेगा. पर जब 1949 में भारत ने ब्रिटिश कामनवेल्थ में रहने का तय किया. जिसके साथ अमरीका का 1945 से ही परा राजकाजी, आर्थिक और फौजी सहयोग चल रहा है, तो यह हर किसी क़दर दर हो गया."("लड़ाई से पहले अमरीकी विदेशी नीति की मुख्य "प्रवृत्तियां" नामक साइकलोस्टाइल लेख जो नई दिल्ली के सम्मेलन में पदा गया.)

जब नेहरू सरकार ने कोरिया में शान्ति क़ायम करने की कोशिश की और पंडित नेहरू ने स्टालिन और एचेसन को खत जिसे चौर जब भारत सरकार ने जापानी संधि के अमरीकी मसविदे पर दस्तलत करने से इनकार कर दिया तो अमरीकी अफसर और अमरीकी पत्रकार बहुत किगड़े चौर बन्होंने भारत सरकार और नेहरू को खब बुरा भला

कहना शुरू कर दिया.

जनाय के बाद की बीखलाहट

पर पिद्धले आम चुनाव में भारत के चुछ इलाक़ों में कम्यमिस्टों की जीतों ने अमरीकाषालों को फिर से भारत

का ग्रम जिल्लक बना विया.

दिसम्बर् 1951 में केवल ट्रावनकोर कीचीन के चुनाव के नसीजे ही प्रकाशित हुए थे कि राजवूरा चेस्टर बाउल्स रोदे-रीदे अमरीका पहुँके और वहां कौरन भारत की मदद बदाने के लिये अमरीकी अधिकारियों से सिफारिश की.

16 करवरी 1952 की अमरीका के सहायक विदेश

मंत्री मिस्टर औष ने कहा :

ं शादतीय चुनाय, जिलमें कम्युनिस्टी ने ताकृत पकड़ी, वतवारे हैं कि आरंद सरकार की जल्दी ही वार्थिक विकास के काम में साम जाना चाहिये..... अमरीकी सरकार इस श्रीप्रास से सन्दर् करेगी।"

विवेश मंत्री किस्टर प्रवेसन ने कहा कि भारती चुनाव से पासिए हैं कि इस देश में एक राखत प्रवृत्ति कोर पसर A K AM DON OF A MA

المسهر 1949 ميل لکي دلي ميل ليک بهارساسويکه بشهلن هوا جس مين فيلههام داس برلا أور ' ککي اول بهارتی پرنجی پاتیس لے بھی بھاک لیا ، اِس سیلی بنهي امزيكم كے وديش لهكى سلكه (فارن بالهسى أيسوسى ایھی کیمید ویرا سچلیس دین دامریکه کے نگے درفاعی

كوي كو إن شهدون كو سمجهايا :

"ایک بار چین نے ترامی موجانے کے بعد امریک بھارت فی اور یوهعی هولی دلتهسهی کے ساتھ فیکھٹے لکا ہے..... بھارس اسریکھ کے لگے آرتوک نظر سے بھی مہدو ہوران کے کهرنکته ود الکها جودها، ایرک میکلیز آور آور آیسی بیست سی چھڑیں پیدا کرتا ہے جو فوجی تطر سے بیت فروری هیں . أدهرا بهارت بتعلى بهدا قرنے اور نائد كل كارشائے کھرلقے کے ایک ہوی بہاری یوجدا تیار کر رہا ھے جس کے لئے أس أمريكم سے تكليكى أور آرتيك مدد ليلى بوء كى. کیچه امریکه راسهوں کو پہلے قراتها که بهارت آمریکه اور سوريث سلكه كے بيتے تقسعهما كا رغ أيفالے كا ، ير جب 1949 مين بهارت ليبرتش كامن ويلقهمين رهدي طرنها جس کے ساتھ امریکه کا 1945 سے می پررا رأج کاچی' آرتیک اور فوجی سیموک چل رها هے؛ تو یه قر کسی قدر دور هوگها") ('' لوائی کے پہلے امریکی ردیشی نباتی کی مكههم يرورتهان" نامك ساليكلو أستائل لهكه جو نكى دلی کے سیولن میں پوھا گیا .)

نہب تہرو سرکاو نے کوریا مہن شابعی قائم کرتے کی کوشھی کی اور پلکت نہرو نے اسٹالن اور ایتے سن کو خط لکھر آور جب بھارت سرکار نے جاپائی سندھی کے امریکی مسوقه بر دستعشط کرلے سے إنكار كر دينا تو أمريكي أفسر اور امریکی یعرکار بہت بکوے اور اُنہوں نے بہارت سرکار اور نهرو کو خبرب برا بها کها شروع کر دیا .

چفاؤ کے بعد کی پوکھاھٹ

ہر پنچھانے مام جفاؤ میں بہارت کے کنچھ علاوں میں کیهرنساتوں کی جیتوں نے امریکہ والوں کو پھر سے پھارت . Les the Little and &

دسعیمبر 1951 میں کھول ٹرانکور کوچین کے جاناؤ ع نعیسے می پوکاشت موثر تھے کا راجدرت جهسار بازلس دورے دورے امریکہ پہولنچے اور وہاں فوراً بھارت کی مرد ہومانے کے لیے امریکی ادھیکاریوں سے سفارش کی ،

16 فروری 1952 کو امریکہ کے سہالک ودیش ملقبی

مسکر تہارپ نے کہا:

' پہارتی چھاو' جن میں کمیونسٹیں نے طاقیت پکوی' بٹلاتے ھیں کہ بہارت سرکار کو جاندی ھی آرتیک وکس کے کام میں لگ جانا چاہئے....امریکی سرگار ایس پروگرام میں صدد کرے کی '''

وبیش ملغوی مسلم ایجے میں نے عها که بھارتی چھاو سے ظاہر ہے کہ اُس دیش میں ایک فاقط پروزائی۔ وور ایکو

'प्रिक्ते राज्यस्थित्वा पूर्व संस्था वह स्ती है औ सम्बन्ध है कि प्रशिधा में कामरीका की करते विवेदी व ति क चुनी भारत है ? (ज्यू बीजे हाइन्स, ? 31 अगस्त 1949 25 सितस्यर 1949 को कोबरतीक न्यूच प्रोक्सी

के बांगायाचा मैलकीम हीका ने लिखाः

"बामरीकी विवेशी मीति के विकास का वराका सेव भारत होगा बिटेन के विवेशी संबी वेबिन और अमरीका के क्रिश बंदी क्षेत्रन की दाल की बातबीत में बद तक किया शका.....

"मारत की वहां एक रेका चपूर्व जवसर समग्र जाता है जिससे लाभ बढ़ा कर धमरीका पशिया में धपनी डार की जीत में बदल सकता है." ("देली कम्पास" 26 सितस्बर 1949)

अक्तूकर के ग्रस में दूर पूरक की समस्काओं पर-

क्षकरीको एक्सपट कोकेन सैटीमूर ने किकाः

'बीनी कम्युनिस्टों ने सारे चीन की एक नवी सरकार

बना कर अपना कान ग्रुस कर दिवा है......

ैंड्स बटमा का मुख्याबरम करते के लिये बागरीका ने भी अवनी कारबाई शुरू कर दी है.....बड़े चीरों से कोशिय ग्रह होने त्रावी है कि भारत-पाकिस्तान नहीं-अवारीका की भिरम जीति का एक सास कंत कर जाय: यह की किया की की बच्ची बजीर पंडित. जबाहर साम नेहरू की समरीका वाक के समय, या वसके बाद ग्रह होगी." ("सन्दे कम्यास" न्यू यीर्क, 9 व्यक्त्वर 1949)

"नेहरू की अमरीका पस्ती का नेता बनाओ"

20 अन्त्यर की सेनेटर जीन कास्टर क्रोस (को कामका राजपति काइचनहाबर के विदेश मंत्री हैं)

ने एक महत्त्वपूर्व मासून विना : न्यह होने कर कि कही बीन में कम्युनियम के किलाक क्षसरीको की कीविहारी का प्रवास मतक्षक म समावा जाव (बेबेंटर क्लेस ने) सुमान दिवा कि दूर पूरव में कायु-निस्टों के बदाब को रोकने की कवाई का नेतृत्व इस क्षेत्र के बन जीवों को करना चाहिये जिनके दित इस समाहे में श्रीष पर तने हुए हैं.

मिलार कीस में इस सवाई का नेपूर्व करने के क्षित आहे के बड़ी बड़ीर बेरित जनादरतान नेपूर का गाम क्षा कार नेतृत जामका न्यूयार्क बाद इर है."

('en alui ettat' 21 weeper 1949)

्र वस्तुवर को सम्बद्धर पमरीकी प्रक्रकार गाउँव

to be frequently the formation of the state of the state

अधिकाती देखों के बाबते अब पविता में जितने के हैं को है। जाने समये बड़ा पड़ा पनने की साम्रय का है दिल्ली का राजन बचार है, उसके चरा बोबल. cities with water the sea light of it state and the state of the state of attended 5.

میں کا ایکیا میں آمیناء کی منہوں اولیانی انعانی کی للحن المرابع في " (الموارك اللس " 31 السند 1949) 25 سلسير 1946 كر اور سيز نايز إيجاسي ع سيراندانا

ملكم جوس لا لاما ه المروكي والمنظن ليمكن كر وكاس كا أكلا جمعكر عمارات دولا ، برالمبني كل والدهي مشكري يمون أور أميونك كي وديكي ملعين البخوسي الي بعال في يان جيبت مين يه ط

النهارية كويهان إيكب أيسا يورو أيسو سنجها جانا ه جس سے قبیر آگیا کر امریک ایشیا میں ایکی ہار کو معمد مين بدل مكتا ه. " ("فيلي كنواس" 26 ستمبر 1949) آکائوبر کے شروع میں عور پورٹیا کی مسمعاؤں پر امریکی الكسهرية أوري الوكي مور له لكما :

ا چیلای کمپونسٹوں نے صاربے جمعنی کی ایک لگی سركار يشافر أيشا كلم شروع كرديا هرمده والأ

الرس كهندا المقابلة فرل في ليد أمريكه له بهى أيلى كاروائي المروع فرضي المناسات الوعد ووون عم كوشف شووع هونے والی هے که بهارسسهاکستان نههورسدامریکه کی وقد نهتي لا أيف شاص الكبايين جائد . به كوشص با الآو رور وزیر پذکس جواهر قل نهرو کی امریک یاتوا نے سب ياً أَسْنَ كُمْ يَعِدُ هُرُوعِ هُولَى، أَنْ (السَّلَقَالِي كَيَهَاسِ"ا أَمُولِياوك" 9 اکتربر 1949)

الهويك أمريكي يسكيل كا نهجا بقاوا

20 اندريو كو سقيالو جان فاسالو قليس (جو أي كل رابریشی اِکون هایر کروهیش ملتری هیں) نے ایک مهتو يوري يهاهي ديا ۽

الها سور كر كه الهون جهي مين كميونوم ك خاف الريكة في كيفتين كاغلط مطايب له لكها جالد (سلهار تِلْمِسِي فِي إِرْسِيهِمِهُمُ عِنِهَا كُهُ عِنْ يُورِبُ مَهِنَ كَمَهُولُسَكُونَ فِي يوماي ينو يوكف كي لوالي كا تبهاولو أس يتمديو في أي لركين كو كيانة چاهاد يون كر هيت إس لواكي مين واون ير لک هوال هيال .

المسائل اللهس في إس الوالي لا نهادات كرية كر لار بمارس كه يون وزير بالقحد جواهو الل مهرو لا الم جعهماما . يلقس نيون أجمل نويدارف أل هول هون ." (النوساوف

1949 July 21 1

وی اهید او مهید آدیکی همک ما کومت والی د " نمایده ایک کام می میک د " نمایده ایک میک د است آب ایک میں معل A Market Service of the Service of t اس کے واقع کیلوا سکھوڑ لوعا اورک اور کچھ والحول with the season with the season with

बंबरीकी रक्षा विभाग ने अपने श्रीजियों की गारत के बारे में जानकारी कराने के क्षिये एक किलाब खाती है जिसका मार्क है: ' भारत-पूर्व की सीसरी शक्ति ?' इस किताब में बारत का महत्त्व इन शब्दों में समग्राचा गया है:

"दिण्युष्टसान का महत्त्व केवल इसी बात में नहीं है कि पाकिस्टान को मिला कर उसका रक्तवा योरप के बराबर हो जाता है और उसकी आबादी बहुत बढ़ी है. उसका महत्त्व इस बात में भी है कि अन्तरराष्ट्रीय मामलों में भारत जो कल अपनाता है, उसका दूसरे पशियाई राख्ट्रों के कल पर बड़ा महत्त्वा सार पड़ता है "

1945 में जान विमारीकी पालिमेन्ट में बामरीका ब्याने वाले हिन्दुस्तामिकों के बारे में एक बिल पर बहुस हो रही थी, तब उसके एक मेन्बर नोचा मेसन ने कहा था:

'आपनी क्रीम के हितों की ध्यान में रखते हुए और यह सममते हुए कि अमरीका और रूस के बीच रस्सा-क्रशी अब ग्रुरू होने बालो है, मैं कहता हूँ, कि हम लोगों को इस बिल का समर्थन करना चाहिये.'

मतज्ञव यह है कि लड़ाई खतम होने के बाद से ही क्यारीकी शासक संवियत रूस से लड़ने के लिये भारत की मदद लेने की कोशिश कर रहे हैं.

चीन की क्रान्ति के बाद महरत और बढ़ गया पहले पशिया में उन्हें दो देशों की सरकारों पर भरोसा थाः चीन बीर जापान. चीन की वियांग काई शेक की सरकार उनकी मदद के सहारे खड़ीं थी. जापान उनकी मुद्धों में था, पर 1949 के बाते बाते चियांग काई शेक का बोरिया बिस्तर बंध गया और उसके साथ साथ पशिया में अमरीकी नीति एक गम्भीर संकट में फंस गई,

वियांग काई रोफ के कारमांसा भागने के पहले जनव्ही 1949 में महाहूर अमरीकी पत्रकार वालटर जिपमैन ने किसा थाः

"आक, जाहिर है, राष्ट्रवादी चीन, हातैन्ड और मांस में बह ताक़र नहीं रह गई है कि वह एशिया में वह भूमिका पूरी कर सकें। जिसकी हम उनसे चाश। करते थे. ती अब हमारे मददगार मुख्दां से खारीने र पशिया में अमरीकी नीति तथ करने के तिथे हमें पहले इस बुनियादी समस्य। को इस करना होगा....."

"मेरी राव में, बहुत उचित होगा अगर चीन और इन्होंनेशिया में अपनी पूरी नीति तब करने के लिये हम" नेहरू से बात चीत शुरू करें." ("न्यूयीक हैरल्ड ट्रिब्यून, 10 जनकरी 1949")

इसके कुछ हमते बाद ही पंडित नेहरू को अगरीका तगरीम काने की कावत दी गई. उन्होंने जाना था सनूत कर क्रिया

30 बार्स्स 1949 को मुनाइटेर प्रेस बाक अमेरिका-ने समाजार केल المرابعي والما ويهاك في الوجهون كو يهارت كا المرابع مهن جان الربي قرائع في الله اليك كتاب جهابي هـ المس الا الله في الانهارت سيورب كى تهسري هكالعي؟؟ إس نظام الله في يهارت كا مهدو إلى همدون مهن سمجهايا

آلے والے هلدستانهوں کے بارے میں ایک بل پر بحث هو آمریکه آلے والے هلدستانهوں کے بارے میں ایک بل پر بحث هو رهی تهی تهی تمین آلی ایک صدر توآمیسی لے تیا تھا تا اللہ تعین تعین اللہ تعین اللہ

مطلب یہ ہے که توانی خاتم هولے کے بعد سے هی اسریکی شامک سوریت روس سے لوٹے کے لائے بھارتھ کی مدد لیٹے کی کوشش دو رہے میں ،

چھوں دی دوالقی کے بعد مہتد اور ہوھ گھا

پہلے ایشیا میں انہیں دو دیشوں کی سرکاروں پر پہورسہ تھا : چین اور جایان، چدن کی جوانگ کائی قبک کی سرکار اُن کی مدد کے سیارے کہوں تھی ، جایان اُن کی تبایی میں تھا ، پر 1949 کے آئے آئے چھانگ کائی قبک کا پوریا یسٹو بلدہ کھا اور اُس کے ساتھ ساتھ ایشیا میں امریکی ایک کمیبیور سلکمی میں پہلس گئی، چھوری جھوری میں مشہور امریکی پائر کار والٹرلپ میں نے لکھا تھا :

الب طامر ہے واشترواسے جھن کالهات اور قرانس میں یہ طالبت نہیں رہ گئی ہے کہ وہ ایشیا میں وہ پھورت کورسے پہروت کرسے آشا کرتے تھے۔ تو ایس مارے مددار کہاں سے آلیا کیا ایشیا میں امریکی تیکی طے کرتے کے لئے همیں پہلے اِس پنہائی سمسیا کورٹ کے لئے همیں پہلے اِس پنہائی سمسیا کورٹ کے لئے همیں پہلے اِس پنہائی سمسیا

ایس کے کچھ ملکے بعد می ہنڈس نہرو کو امریکہ کھریف کے کی دموت میں نگی ، انہوں لے جانا بھی کھول دران 100 کست 1949 کو یونائیڈڈ پریس آف امریکہ نے سندانیڈ نیمونا کا

هارها جي اروي ان

And the second of the second o

विवास का में इससे देखा था कि नारत में आने बाली हर एक अमरीकी मदद और हर एक अमरीकी का के साथ तरह तरह की राजकाजी और आर्थिक करें लगी हुई हैं जिससे न केवल हमारे देख का क्योगीकरन दकता है और उसकी आर्थिक व्यवस्था पर बोट पहुंचती है, बस्कि उसकी राजकाजी आचारी भी सतरे में पह जाती है,

इस बार इम देखेंगे कि जगरीका जसल में किन किन सक्तसदों को सामने रक्त कर इमारे देश पर चढ़ता जा रहा है और वह क्यों भारत की 'सहायशा' करने को सकायक इतना उत्सुक हो उठा है.

(1)

जात्गरी का देश

यह बात् सब जानते हैं कि. चन्य बरस पहले अगरीका की भारत के मामलों में कोई खास दिलवस्पी नहीं भी

दाक्टर भारतन कुमारप्पा ने लिखा है:

"क्षिण्डुकों (क्षमरीका वाले सभी दिन्दुस्तानियों को क्षास तीर से दिन्दू कहते हैं) के वास्ते अमरीका ने तटस्थता का सा क्षा कपना रसा था। उसका विचार था कि क्षिण्डुक्तान किटेन की सम्पत्ति है जिसमें किसी दूसरे को बोकने का क्षिकार नहीं है और इसिलेंने उसके मामलों के क्षिणे के बोकाग वर्शक का कस अपनाना ही ठीक है. क्षामरीका को भारत में इस दिलक्षणी थी तो केवल जादूगरों कीर योगियों के देश के रूप में, जहां साधू कन्दराओं में दक्षी हैं, नांखून बढ़ाते हैं, कीलों के विद्योंने पर सोते हैं और लोगों के हाथ देखते हैं." ("क्षमरीका में मेरा क्षिकार्यी जीवन", सका 6)

दूसरे महायुद्ध के जमाने में जब अमरीका की तालों की कीज हिन्दुस्तान में डतरी और इमारा देश चीन, वर्मा करीरा में ताइने वालो अमरीकी कीज की सप्ताई का केन्द्र बन च्या, तब अमरीका वालों का मारत की तरफ जियादा व्यान सिंचा मगर इमारी आका जिटिश सरकार ने अमरीका वालों को भारत की आर्थिक व्यवस्था में अधिक धुसने की इजायत नहीं दी. हां, भारत अमरीका

क्योपार में सासी बढ़ौती हो गई.

इसरे महायुद्ध के बाद

सदाई जतम होने के बाद भी यह बढ़ोती जारी रही. और जैसे जैसे सारी दुनिया पर प्रमुख जमाने की जमरीकी बोजनॉर्प पक्की होती गर्थी, वैसे वैसे जमरीका की नजरों के सार्थ का सहक्व बहुता गया.

7 विस्तर्थर 1947 को भारत में समरीकी राजदूत हैनरों मेंडी में सदा: "भारत को तुनिया की सदाई में अपने सोक रचका दूसारे सिथे मारी महत्त्व रखता है." (أور يرعلى سلعل)

پیچیانی آفکید میری هم فی هیکیا آنها که یمارت مهی آفی
رائی هم ایک امریکی مده آور جو فیکند آمریکی قرقی کی
سانو طبع طبع کی راج کاجی اور آرتهک هراهی قرقین ککی
مرکی هیی جی بیر نه کهول هماری هیچی کا آمیوکی کری
رکتا هی آور آس کی آرتهک ویرسکها هر جوت هیدوچتی ها
بلکه آس کی واج کاجی آزاهی بهی خطری مهی هو جاتی هی
اس یار هم دیکههای که آمریکه آمل میدی کی کی
مقصدون کو سامای رکه کر هماری بهیش هر جوهگا آ رها ها
اور وه کهون بهارت کی تسهاگتا کرف کو یکایک آنشک

(1)

جادرگیں کا دیش

یہ بات سب جانتے میں کہ بھلاد برس پہلے'آمریکہ کو بھارت کے معاملوں میں کوئی خاص دلتھسی ٹییں تبی ، ڈانٹر بھارتن کناریہا نے لکھا ہے :

الهندور (امریک والے سببی هندستانهیں کو عامطوسے هندو کہتے هیں) کے واسطہ امریک نے تقیستا کا رہے ایفا رکھا تھا، اُس کا وجهار تھا کہ هندستان برتین کی سببتی اور بھے جس میں کسی دوسرے کو بولنے کا ادھیکار نہیں کے اور اُس لئے اُس کے معاملیں کے لئے بےلاک درشک کا رہے ایفانا هی تبیعک ہے، امریکہ کو بہارت میں کچھ دانچسپی تھی تو کیول جادواوں اور یوگیوں کے دیش کے روپ میں جہاں سادھو کندواوں میں رہتے ھیں اور لوگیں کے عالم میں کیلوئی کے بچھوٹے پر سوتے میں اور لوگیں کے عالم دیکھٹے ھیں اور لوگیں کے عالم دیکھٹے ھیں۔

دوسرے مہایدھ کے زمانے میں بیب امریکہ کی لاکھوں
کی قویے ششمکان میں آدری اور شمارا دیش جیوں یرما
رفیرہ میں لونے والی امریکی قویے کی سیفٹی کا فیلندر
ین گیا تب امریکہ والوں کا بہارت کی طرف زیادہ دھیاں
کیلنچا ، مگر شماری آٹا برڈش سرکار نے آمریکہ والوں
کر بہارت کی آرتیک ویوسکہا میں اعتبات گیسلے کی
اجارت تہیں دی قال بہارت آمریکہ بیوبار میں خامی
برھولی ھوگئی ،

درسرے مہلیدھ کے بعد

لواکی گلام هوئے کے ہمد بھی یہ بوموٹی جاری رهی ، اور جمعے جمسے سازی خلیا پر پربھتو جمائے کی امریکی برجناٹھن یکی هزتی گئیں' ورسے پیسے امریکہ کی تھورں میں بھارت کا میتو بوھٹا گیا ،

7 جسمور 1947 کو بھارت میں امریکی راجدوت هملری کورکش کے کہا : 7 ایھارت کو دنھا کی اوائی شمن آپ سالہ رکھا کے نگری اگل بھاری میکو رکھا ہے ۔14 हम विकेश में का गार. पीकिंग सुनेत्रस्थित में बाब कर वह नहीं महत्त्व हुना, वर का समझ है.

हम क्षेत्र यहां Lecturer in Hindi नियुक्त हुए हैं. पानेक भी Assistant Lecture हैं. पिन का मो साहब मोबीकर हैं तील कोर चीनी टीचर भी Assistant Lecturer हैं. हिस्सी विभाग में कुल बाठ टीचर हैं.

वहाँ के भीनी विद्यार्थियों ने मेरे घर से आए हुए पत्र पढ़ लिये. मेरे घर के पत्रों में हुमें भाई जी? लिखा था. तब से सब सोग यहां हुमें भाई जी कहने लगे हैं. एक दिन मेंने वर्जे में छहा कि में विदेशी हैं तो सब लक्कों ने फिला कर कहा कि आप विदेशी नहीं हैं हमारे माई जी हैं. मुमे बहुत अच्छा लगा। यहां हर विद्यार्थी को दो घंटे समाज सेवा करनी पत्रती है.

यहां University में सामूहिक जीवन पर जोर विया जाता है. Individualism (इयक्तियाद) को यहां कोई स्थान नहीं है मोजन घर में तीन इजार ज़क्के एक साथ खाते हैं, एक साथ रहते हैं, एक साथ कसरत करते हैं, एक समय सो कर बढते हैं और एक ही समय सोने जाते हैं. China Reconstructs के एडीटर और चीन के मशहूर अर्थशाको Dr. Chen Hen Seng धभी मिले. यह कहते में कि उन्हें 'China To Day' रिट्यू करने के लिये दी गई है और उनका जिखा रिट्यू 'People's China' में क्रवेगा. पंदित जी के बारे में पूछते थे. मुक्तसं कहा कि एक काराज पर पंदित जी के Achievements जिखा दो जिससे कि Review में उसे इस्तेमाल कर सकें. मैंने मंजूर कर जिया. जिखा रहा है यह पंदित जी के प्रशंसक हैं.

इस सोग यहां बहुत : बच्छी तरह हैं अपना काम सूच मन तमा कर करते हैं. इस और किन किन वार्तों का ज्यान रक्स जस्द तिसी. पंडित जी को मेरा प्रनाम कहें.

> आपका आक्राकारी पुरसोतम.

الموطوعي حون أطل و المكتك وردورسكي مون أو حك به فهون معسوس هوا إقار ما تعدا في .

المحمد مراك المحمد المحمد المحمد المحمد مولد المحمد المحم

هم لوگ یہاں بہت آبھیں طرح بھیں ۔ آیڈا کام غوب میں لائا کر کرتے بھیں۔ ہم اور کن کن باتوں کا دعمان رکیمیں میرو رائکھیں ۔ غلاور رائکھیں ۔ غلاور رائکھیں ۔

آپ کا آگھاکاری پرھبوتم

पूछा, जावांचि कहा कि वहां यह ही दियांग है. की साहत की उसीहरण जब पहरत होता है नेप की द्वार सीत कर वापने आम समया निकास साती है. कोशिया करने पर भी मही कर सकत हैं. बागे की हार में नहीं रहा सकत हैं. बागे की कीशिया करने पर भी कीशिया करने पर भी कीशिया करने पर भी कीशिया करने पर भी कीशिया करने हैं. बागे कीशिया करने के सब कमरों में एक ही ताली सगती हैं. बाजीब. बात हैं! हाह में तो सुमे वड़ी उसमत हुई. बाव कीशियां कीशियां करने पड़ रही हैं.

यहां त्रा कर जीनी माशा पदना अभी ग्रुरू नहीं किया. दिन्दी से दी जुरसत नहीं, अगर जीनी माशा श्रुरू कर हूँ तो हिन्दी पदाने के काम में अभी वकावट होगी इसलिये

कुछ समय के जिये मुल्तबी कर दिया है.

अगर आप मई में आने वाले डेलीगेशन के मेन्बर हो कर आयं तो कड़ी सुविधाएं रहेंगी. यहां आ कर मालूम हुआ कि जीनी भाशा सीख कर ही, जीन आना जाहिये. अंगरेजी और पिछ्लमी सभ्यता की बुराइयों को जब मूल से उख़ाड़ कर फिंहा जा रहा है. वैसे अंगरेजी पढ़ाने के लिये यहां एक विभाग है जहां पर दुभाशिये बरौरा तैयार किये जाते हैं. मगर शहर में और कहीं अंगरेजी का नाम निक्कान नहीं है.

ायहां के हिस्ती पढ़ने बाले विधार्थी क्यरेजी नहीं जानते -

इसक्रिके सुमासे सब हिन्दी में बातें करते हैं.

इसाहा स्वागत करते हुए चीनी विद्यार्थी हुमें 'जब हिल्व' कहते हैं. जवाब में हमने उनसे 'यय चीन' कहना ग्रुक किया है. 'जम चीन' धुन कर दीवाने हो जाते हैं, खूब उझज़ते हैं और खुदा होते हैं! इस में और विद्यार्थियों में होड़ तगी रहती है, हेसें पहले कीन 'जय' कहता है वह हमें दूर से देखते ही 'जय हिन्द' 'जय हिन्द' खूब जोरों से विद्यार्थी कहते हैं. इस मी 'जय चीन' से जवाब देते हैं. इस विद्यार्थी कहते हैं — 'जय हिन्द' चीन, हस्स' बहुत मजा खाता है.

यहां हिन्दुस्तान की तरह अंगरेज़ी अलाबार नहीं हैं. एक ब्रोटा सा चार सके का Daily News Release निकलता है. उसमें नहीं के बराबर सबरें रहती हैं. चीनी

भाशा में बालवत्ता बने बने बालवार निकलते हैं.

कल हमें Indian Embassy में बुलाया गया है क्वोंकि 26 जनवरी है. वहां सब टाई बाज हैं. हिन्दुस्तान के बजाय इंगलिस्तान की Embassy मालूस होती है, हिन्दी कोई नहीं बोलता राजदूत साहब जुद हिन्दी नहीं जानते. इसके बालावा बाकी सब जंगरेजी में ही बात बीत करते हैं. और बही बाज बीकत!

इस 26 जनकरी को Indian Embassy गए वहां का बाताबरम 'अंगरेजियत' का या. 'हाई' का राज था कालोकि जीली जिल्ह्या बाई वहीं कालते हुने काल कैचे پرهها الهين فراق اله جيان به المراق هي قرار الهراك د اله المراك د اله المراق المراك د اله المراق المراك د اله المراك المراك الهراك المراك المرك المراك المراك المراك المراك المراك المراك المراك المراك المر

بهبال آور بههشی بهاها پُرهایا آبهی هورط آمهدی کها. هلسی بیر هی فرصف لهیان، اگر بهنیلی بهاها هروم کر دون در شهدیی بهامال ک کار میدی آبهی رکارت مارکی آس لگر

كنهم بيس ع لل ملتوى أو ديا هـ .

الورآپ میں میں آنے والے قابلی کیشن کے معدو هوکو آنیں کو بوی سوردهائیں رهینگی، یہاں آکر معلوم هوا که چینی کی بینائی آکر معلوم هوا که پیچیمی معهدت کی برائیوں نو جو مول سے آنهاو کر پیشلکا جا وها ہے، ویسے ایکویوی بومانے کے لئے یہاں ایک وبھاگ ہے جہاں ہو دبہاتھیے وفورہ تھار کئے جاتے میں ۔ میکر شہر میں اور کیم انگریزی کا نام نشان نہیں ہے ،

یہاں کے هلتای پوهلے والے ودیارتھی آنگریؤی نہوں جانعے اِس لگے سجھے سے سب هلدی موں بالوں

کرتے ھیں،

مباوا سوائت کرتے ہوئے چھٹی ودیارتھی میں اپنے میں کہ اس سے اچھ چھٹی کہنا شروع کیا ہے۔ اچھ چھٹی اس کر دیوانے ہو چھٹی کہنا شروع کیا ہے ۔ اچھ چھٹی سن کر دیوانے ہو جاتے میں نمرب اجھلتے ہیں اور خوش ہوتے میں اور میں اور خوش ہوتے میں اور کیا کہنا ہے ۔ وہ ہمیں دور سے دیکھٹے ہی اچے ہٹنا اپنے ملب نموب نوروں سے جھٹی ہیں اور ہم بھی اچھ ہٹنا سے جواب میتے ہیں، دچھ ودیارہوں کہتے ہیں۔ اچھ ہٹنا ہے ۔

بہاں مندستان کی طرح انگریزی اخبار نہیں میں،
Daily News Release کا جار منصل کا کی جیرتا ہے جار منصل کا برابر خبریں رمتی میں انہاں نیاتے میں انہتا ہوں اخبار نکلتے میں ،

 हरीय 220 बन्ध के बनायर होगी. हमें वसोहया रक्षना पढ़ा है और इस सिर्फ सरकारी बरीरा काते हैं इसलिये जोर बीनी मोकेसरों के मुकायले खोड़ी जियादा है. यहां के टीयरों की पूरा समय विद्यार्थियों के लिये देना पढ़ता है और तमाम समय बीजना बनाने और समाकों में लर्च करना पढ़ता है. सब लोग इस काम को आसानी से नहीं कर सकते.

हमारे वहां से विश्वविक्यात 'समर पैलेस' उतनी ही दर है जितनी दर आपके यहां से राम बारा स्टेशन, अभी सर्दी बहुत है जान अम होगी तब वहां घूसने जायंगे, यहां बरफ पर एके दिन सक्के लड़कियां खब करते हैं. नया साल बड़ी घूम धाम से मनाया गया. सब लड़के लड़कियां हम लोगों को पकद ले गए और नाश्ता कराया. गाना गाया. नाच हुआ। दावत की बेतकल्लुकी हमेशा याद रहेगी प्लंटें वरौरा नहीं थीं. सारा सामान बिला टेबिल क्लाब की मेज के ऊपर सबके सामने थोड़ा थोड़ा उल्टा विया गया. धीर जब हम चलने लगे तो हमारी जेवों में फबरदस्ती भर दिया गया होली का सा वालाबरन था. विद्यार्थियों ने हमें मान पत्र भी दिया. एक दिन हमारे कोट का बटन टूट गया ती सारी लड़कियां सुई डोरा लिये हुए हमारे कमरे में घुस पड़ी और इमारा सारा सामान ठीक कर दिया और बटन टांक दिये. हिन्दी के विद्यार्थी जो 50 के क़रीव हैं स्तव हिन्दी बालते हैं और उद्धलते कृदते बिलकुल बच्चों की तरह हैं. हम जब बोर्ड पर लिखते हैं तो डस्टर से साफ नहीं करने देते. खुद बार बार साफ करते हैं, कहते हैं जापको जुकाम हो जायगा. लड़कों की Hindi Writing इतनी अच्छी है कि शायद आपको विश्वास नहीं होगा. विशार्थियों की मामर पूछने की बड़ी भारत है.

यहां की गालियां भारत की गालियों से बिलकुल मिलती जुलती हैं. हमें ताज्जुय हुआ यहां गाली में हमारे यहां की तरह 'साला' कहा जाता है जिसके मानी होते हैं शीवी का भाई, पूक्कने पर मालूम हुआ कि मां, बहन वरौरा की भी वैसी ही गालियां हैं. चीनी आम तौर से बड़े शान्ति प्रय हैं, कभी एक दसरे से मगहते नहीं देखा. माछो-त्से-तुंग की इतनी जियादा इज्जत करते हैं कि उन्हें खुदा सममते हैं क्योंकि सन्होंने सरीकों का 'राज' क्रायम किया. रोटी, कपड़ा, मौकरी के बारे में किसी को चिन्ता करने की चरूरत नहीं, बहरों तरफ़ा जोश ही जोश उमदा पढ़ रहा है. हर एक के आन्दर काम करने का इतना जोश कैसे आया ? इतनी सावगी कैसे ! ईसानदारी की बात तो क्या कहना ! मैंने एक पोक्रसर से का कर पूछा कि वेशन के नोटों का बंडल कहां दिफाषात से रक्क सो सुमी बेहद अवरण हुआ कि उसने अवसी परेने की मेच की दार में सारे के सारे नोट रस को के कील कोचा नहीं रकता था. मैंने जैन सहब से

قریب 210 روزگر کیوایونگوئی تقییل وسولها و کهایوا پر اور اهم سوف الروز اهم الور اهم الوف الروز ا

همآرید یہاں سے وشو وکھیات اسبریعلیسا اُللی هی عبور الله جاتلي دور آپ کے بہاں سے راماغ استبشن، آہمی سرهي بهست ۾ ، جب کم هوکي تب وهان کهوماي جالهلکي، بہاں برف ہو اسکیٹلگ لوکے لوکھاں خوب کرتے میں ، - لها سال يوي دعوم دهام سے مقایا گھا ، سب لوکے لولهاں هم الوقون كو يكو لے كئے اور ناشقه كرايا؛ كانا كايا؛ ناچ هوا ، عمرت كى يرتكلني هنيهه ياد ره كى ، پليتين وادرا ٹھھی تھھی ، سارا سامان بلا تھھل کاتھ کی میز کے أوپر سب کے ساملے قبورا نہورا اُنگا دیا کہا ، اور جب هم چلاہ لکے تو هماری جهدوں میں زیردستی بهر دیا گیا ، هولی کا سا واناووں تھا ، ودیارتھیوں لے همیں مان چتر بھیدیا ، ایک دن هماری کوت کا باتن آرت گها تو ساری لواهان سوٹے قورا لگے ہوئے ہمارے کمرے میں گوس ہویں اور هماراً ساوا سامان تههک کر دیا اور باتن تانک دیئے . ملدی کے ودیارتهی جو 50 کے قریب هیں خوب هذدی بوليم هين أور أجهلتم كوديم بالكل بجون كي طرح هين . هم جب پورة يو لکهتے ههن تو انستر سے صاف نهين کرلے دیتے ، خود بار بار صاف کرتے ہیں' کہتے ہیں آپ کو زکام ہوجائے کا ، لوکوں کی Hindi Writing اِنلی اچھی ھے که شاید آپ کو وشواس نہیں ہوگا، ودیارتھیوں کو گرامو پوچهلے کی ہوی مادت ہے .

یہاں کی کالیاں بہارت کی کالیوں سے بالکل ملعی جلعي ههن ، همهن تعجب هوأ يهان كالي مهن هماري یہاں کی طرح 'سال' کہا جاتا ہے جس کے معلی ہوتے ههن بهوی کا بَهَائی ، بوچهد، پر معدوم هوا که مان بیری وقهرہ کی بھی ویسی ھی گالھاں ھھی ، چھھٹی فام طور سے ہوے شانعی ہریہ هدں . کههی ایک دوسوے سے جهاکوتے فههن ديكها . ماؤنسے تلك كي إنكي زياده عوت كرتے ههن که آنہیں خدا سنجہتے ہیں کیونکہ آنہوں نے افریبوں کا رأیہ اللہ کھا ، روائی کھوا نوکری کے ہارہے میں کسی کو چلتا کرنے کی فرورت نہیں ، جاروں طرف جوس می جوهی آموا ہو رہا ہے ، ہر ایک کے اندر کام کرنے کا اتفا جوش کیسے آیا؟ إثلی مادئی کیسے؟ ایمانداری کی بات قو کھا کہنا ! میں نے آیک پرونیسر سے جاکر پوچھا که ویتن کے نوٹوں کا بلڈل کیاں حفاظت سے رکھوں تو مندور يحد اجرج هوا كه أس نے ايني يوهنے كى مھڑ کی قرار میں ساریے کے سارے نوٹ رکھ جھوڑے تھے أور هنهشه رهين ركيكا تها ، مهن في جهي صلحب أي

है बनीरा सवाक्षी का जवान देते देते हम यक गए फिर यहां इस University में शाबद दुनिया के हर मुल्ड के स्रोग हैं. कोरियाई विभाग के North Korea के कीरियन श्रीफोसर जब भिलते हैं तो इतनी जोर से हाथ मिलाते हैं ं कि हाथ में दर्व होने लगता है. इन्होनेशिया, बरमा, वियतनाम, मलावा, मंगोलिया, जापान, जैकीस्काविया, रुमानिया बरीरा कहां तक गिनाएं. सब से इमेशा पाता पढ़ा करता है. एक मास्को का नीजवान बढ़ा विखयस्य है. बसे अंगरेशी नहीं आती. फिर भी वह हम से आ कर अंगरेजी में बोलता है. कहता है, रूस बलो, भारत, बीन भौर रूस पक हैं--भारत, चीन खोर रूस को कोई नहीं हरा सकता बरौरा बरौरा. हमें दूर से देखते ही लोग पहचान नेते हैं और 'इम्यू रेन, इम्यू रेन' कह कर चिरूलाने लगते हैं. होटे होटे बच्चे हमारे कमरे में घुस चाते हैं और न माल्म क्या क्या कीनी में पूछते रहते हैं. इसफाक़ से एक दिन विन को मी साहब वैठे थे. उनसे मालूम हुआ कि लढ़के पूछ रहे हैं कि 'तुम्हारा नेता कीन है श तुम्हारा बिल्ला कहां है ? तुम्हारां गाना क्या है ? तुम्हारा नारा क्या है ? इतने क्षीटे क्षीटे बच्चों के यह सवाल सुन कर मैं चक्कर में आ गया होटे बच्चे बड़े घच्छे लगते हैं और जिस किसी को पुषकारो वह आपके साथ चल देता है. इससे हमें पढ़ने में बड़ा Disturbance हुआ, अब इमने बच्चों को पुचकारना छोड़ दिया है.

wi China India Friendship Association ने एक दिन हम लोगों को खास तौर से दाबत दी. बाबत में हम और वर्मा और डाक्टर जैन भोर पक्रेश वस. इस दिन पीकिंग के बढ़े बढ़े दिगाओं के दर्शन हुए. सब लोग इस से तीन चार घंटे चात करते रहे. दावत भी फोर की हुई. China Reconstructs' के प्रशेष्टर Chen Han-Seng तो 'China To-day' की इतनी तारीक कर रहे भे कि पूछी मत. उत्पर के कवर का सारा मजमून जावानी याद किये हुए थे. Dr. Ting Ling और Hung Heen बरीरा पंडित सुन्दर लास जी के बारे में पुझ रहे थे.

बाक्टर जैन वहां से इसी मार्च में भारत के लिये बापस इवाना हो रहे हैं. बस्बई में वनका बढ़ा भारी परिवार है. बनके जाने के बाद हम और वर्मा पीकिंग में बकेले रह कार्यने यहां धौर कोई भारतीय नहीं. Embasay है सींग सरकारी धावसी हैं. रीर सरकारी भीर कोई नहीं. बीरुमल (सिन्धी मरचेन्ट) भी हैं.

्रह्म लोगों को एस लास महासी इचार भीनी बालर तनकाह, मिलेनी. इस से तनकाह, बरौरा के बारे में पूछा तवा इसमें कहा कि जो वहां कीनी भोकेसरों को मिलती है कराने से हम भी शुकारा प्रसावनी. भारतीय क्वर में बह

و اللهرة النواليون لا مواليد البلاية الله عم اللك الله المرابعة اس يوندووسكي منهن هالدهاها كا هو ملك كا لوك هدن . كوريالى بالك ك North Korea كورين براكان بريالي بالكان بريالي الماكان بالكان بريالي الماكان بالكان بريالي بالكان ب ملتے حین کو اِنلی روز سے عالم ملاتے عین که هاله میں درد هول الكتا هي الكولهها برما ويمعالم مايا مفكرلها عايان جيكوسالويا ومانها وهورة كيال تك كنائيل . سب ير هميهه يالا يوا كرنا هر . أيك ماسكو كا نهجوالي يوا دلجسمي هي. أبير انكريزي نيدي ألى ، يهر بهي رة هم سے آکر انگریؤی میں بولغا ہے،کہائے ، روس بملوراً بهارسا چهی اور روس ایک هیں--بهارسا چهن اور روس کو کوئے تھیں ہوا سکتا وقیرہ وقیرہ، همیں دور سے دیکھتے هي لوگ پهنچان لهنے ههن اور 'اِندو رين' اِندر رين' که ک جانے لکاتے عیں، جہوائے جہوائے بھے عدارے کسرے میں کیس آتے میں اور نه معلوم کیا کیا چیڈی میں پوچیکے رمعے هيں . اتداق سے ايک دن چي كومو صاحب بوهم تھے ۔ اُن سے معلوم هوا که لوکے پوچه رہے هيں که تمهاراً بهذا كون هد؟ تمهاراً بد كهاسهد؟ تمهارا كانا كها هد؟ لمهارا رمرہ کیا ہے ؟ إنفے جهورتے جهورتے بجوں كے يه سوال سن كو میں چکر میں آ کیا ، چہرٹہ بنے بڑے اُچھ اگتے عیں ارر جس کسی کو پنچکارو وہ آپ کے ساتھ چل دیاتا ہے ۔ اس سے همدی پوملے موں ہوا Disturbance هوا . اب مر نے بحوں کو بحکارا جھوڑ دیا ہے۔

يهار China-India Friendship Association نے ایک دن هم لوگوں کو خاص طور سے دھوت دی . دعوت میں هم اور ورسا اور قاکٹر جدوں اور چکریش یس ، اُس دن پیکنگ کے ہوتے ہوتے دکھوں کے درشوں ہوئے ، سب لوگ هم بنے تھن چار کھلٹے بات کرتے رہے ، دھوت بھی زرر کی هولی ، China Reconstructs' کے ایکیٹر Chen-Han Seng به 'China Today' کی اِنٹی تمریف کر رہے تھے که پوچھو ست ، اُوپر کے کور کا ساراً مفدون زبالی یاد کلے مولے تھے. Dr. Ting Ling اور Hung Hsen رفهرة بلقب سندر الل جي لے بارے سون

دانتر چین مہاں سر اسی مارچ میں بمارت کے لئے وايس ووائم هو رها ههي ۽ پيجيكي مهن أن كا يوا مواوي بربرار عد مان كر عدد هم أور ورما يمكنك مور Embassy , بهار او کول به اول به اول به المار در والعرب الم آ کے لوگ سرکاری آدامی طهیں، فيدر سرکاری اور اُولی نيدن، ويرومل (سيلوهي مرجيليت) يهي ههدي

هم فرُكُونِ إِلَوْ يُعِنْسُ فِلْهُمْ الْكَهَاسِي تَعْوَارَ عِهِيهِي قَالَمِ فَعَصْراً وَ ملوكى والعلم المنظورة والبياة كم فارب احمل فراوما كيا. مر في كي الله وي البيان المحالي الروليسوري أو ملكان الد الله مر علي الله المحالية الله المالة المالة المعال المعال

Sometimes of the second second

रिसार क्षेत्रों की की बहुपत नहीं हो सकत, मानही सुन कर हाकाल होगां कि वहां सात्र कत तीय नाय नहीं पीते. सिक सरम पानी पीते हैं. क्योंकि बाब दूसरे मुल्कों को Export की नामगी जिससे देख की पैसा मिलेगा. Peking University & waift HSIN.HUA University & sat 5,800 sat Engineering at रहे हैं. सामने जनता University है जहां किमान मजदर्भी के इजारी सकके पढ़ते हैं. एक Minorities (कम गिनत सोगों 🖟 🐃 कालेज भी अलग है. यह पूरा इलाका ही विद्यार्थी मुख 🕏 हरील बीस इन्हार विद्यार्थी सास पास के इलाकों में प्रस्ता होते. सब के कोट पर अपनी अपनी University का विल्ला लगा है. विना िल्ला कहीं का जा नहीं सकते. मेरे भी Peking University का चीनी में जिला विश्वा बगा हुया है, एक दिन गुलती से विल्ला जगाना भक्त गया तो बड़ी चस्तिया हुई. श्वियार की शाम की हमेशा विधार्थियों के लिये यहां ही शिक्षापद सिनेमा होता है. शहर: से University को आखरी वस सादे सात बजे शाम को खबती है, उसके बाद शहर से कोई बस नहीं आती. इसकिये जो भी अगर शहर जाए तो शाम तक लौट श्राए. शहर की तक्क अक्क से दूर गांधों के बीच में इतने. विद्यार्थी द्वेनिंग पा रहे हैं यह देख कर बड़ी खुली होती है. जब मैं कभी किसी तकके या टीचर से उसके हित की बात हेडता है तो इमेशा एक ही अवाय मिलता है--'हमें अपने हित की बात नहीं सोचना चाहिये, देश के हित में जी जान से लगना चाहिये। 'हम अफेले अमरीकियों को कोरिया से भगा देंगे' बरौरा लड़कों के मुंह से सुन कर बहुत अच्छा लगता है. हर विद्यार्थी को मालूम है कि उसे क्या बनना है. यहां परीक्श में फेल-पास नहीं होता. परीक्षा होती है और लड़के क्षान मेहलतं फरते हैं जब हम यहां आए तो कई दिन तक चिन की भी साहब यहां की प्रनाली हुमें समफाते रहे-विद्यार्थी एक मीर्चे पर और टीचर दूसरे मीर्चे पर, ऐसा नहीं होना काहिये. अध्यापक सहायक के रूप में होना चाहिये, थोंजना के हिसाब से पहाना चाहिये, योजना बना कर विशासियों से बाद-ब्रियार करना चाहिये. विद्यार्थी हम से सीखें और इस किशार्थियों से सीखें, हर शनीचर विचार्थी हमारी आखी क्या करेंगे. उससे इस अपने में सुधार करें क्रीरा वर्षि हुई सम्बद्ध गई, और चन इस उन पर असल होता हक्त देख रहे हैं। अहरत के बाब्यायक जी तज़रनेकार हैं भीर टीकरी कर भूके हैं उनका बड़ा काम करना नासुमिकन है विशासी क्रांस करी ताहाद में घुस चाते हैं चीर भारत है को है जिस कर प्रमुखे बहते हैं. बालित (Peace) के कि के अपन के ब्रोग 'शान्ति' के लिये म्या ६६ को है जिल्हा की है विशासी क्या म्य १६ के को के के के के कारत क्या सामती

وينون كا حدوسوون الو كولي الوماي لهمي هيمكناك أليه على سكى كو تعصب الوا كه يهال أج كل لوف بالله تهاد المنافي والمرابات بيلاء هون كورنكه جالها فوسريد ای جالیکی جس سے فیض کو ایست Peking University کے باس می HSIN HUA University عبال 5,800 لوك Univer يو رو مين سامني جنعا Engineering والمناع م جهال کسان سودوروں کے دواروں لوکے ہو معے میں ، ایک Minorities (کم کیاست لوگیں) کا کالیم بهمی انگ به ، یه پورا عاله هی ودیارتهی سے ه . قریب پھس جوار ودیارتھی اُس پاس کے علاقیں میں ضرور ہونگے، سب کے دون پر ایدی ایدی University کا با لگا ہے . بنا بة كيس أ جا نهين سكتم . ميري بهي Peking لا يعالى مين الكها ية لا هوا هـ . ايك على فلطى سے بلا لكانا بهول كها تو يوي أسودها هوئي . شدى واد كى شام كو هميشة وديارتهيون كم الله، يهان هي عمد ا يرد سليما هونا هي هير س University و آخری بس ساتھ سان بنچے شام کو چھوٹٹی ہے ، اُس کے بعد شہر ہے کوئی بس نبون آئی ، اِس لگہ جو بھی اگر شہر جائے تو قام تک لوت آئے ، شہر کی توک بھوک سے دور اال کے بینے میں اللہ ودیارتھی تریکنگ یا رہے ہیں ي ديكه كر يوي خوشي هوتي هي . جب مين كهي كسي لمرکے یا ٹہمچور سے اُس کے همت کی بات جمهورتا هوں تو هنيشد اليك هي جواب ملكا بهيد اهنين الدهاعة كي ہاں نہیں سوچلا چاھگے' دیس کے ست میں جی جان ر اس لکا انهامکی اهم اکهای آمریکهوںکو کوریا سے دیکا دیلگی ولهراء لوكس كي منه سي سن كر. بهت أجها لكا هي ، هو وديارتهي كو سعلهم هر كه أسر كها بلقا هر . ايوان البريكشا مهن فهل باس نهين هوتا ، پايكشا هوتي هي أور لوك ھرنا جاءگے ہوجلا کے حساب سے پوھانا جاعگے ہوجلا بهداد ودیارتهموں سے واق وواله کونا جاهائے ودیارتهی هم سے سيكونس أور هم وفيارتهيون بد رسيكهمن هو هدمجو ودیارتھی هذاری آلوجھا کریں گے ، اس سے هم آبھ سهن سدمار دریں وقدوہ بالیں همیں سمجھائی گلھیں ۔ اور آب هم أن ير عمل عودًا هوا ديكه وهر ههن، بهارت ي الحهايك جو تطورية كار هيال أور تيجوري كريكم عين أي كا يهال كام كرنا فاسمكين هي . وديارتهي كههي كههي يوي تعداد مين عُیس آئے میں اور بھارت نے بارے میں دی بھر پورھمتے رهدر عمون ، خالدی (Peace) کے تارین قاف عبون علم ہے. ہ بھارت کے لرگ افغانات ا کے لک کہا کو بوقے بھھورا توقيف اها ا فره رهن هين أوهارتهي قية كر رها بقين کرویا کے بارے امدی بھارتھرز چاہا گھا، سونیعی

सरकती हैं. अवस्थित भी पहल हैं. एक ही सी प्रोहाक सर हमेशा ताले रहते हैं और कृष्णों की तरह सहत स्वयान है वह महानती और बन्तर सीधे हैं. इनकी सिमाई देख कर शाहत की माब याद था जाती है. प्रोपोसर तो समिति क्ष्य है बक हैं में एक साहब की बहत दिनों से प्रीकेंसर असमाता था, पिछले हमते मालूम हजा कि वह चंटा बजाने करका चपरासी है. यहां यह वहां दिसारत है कि किसी की हैिसबुत मही पता चलती, कभी कभी बढ़ा धोका ही जाता हैं औद ग्रार्थिन्या होना पड़ता है. इमारा सकड़ी का क्या बहुस जब भारत से यहां विश्वविद्यालय में वहुँचा तो उसे Oriental Languages Department के प्रधान हाक्टर भी, जो दस साल जरमनी में संस्कृत परे हैं और कृत बदल देलीगेशन में भारत भी गए थे, एक चपरासी श्री मदद से खुर उठाये वले या रहे थे. डाक्टर वी इसारे काल के कमरें में रहते हैं और विल्कुल गऊ हैं. रोज सबेरे क्षान्हें कमारे में माद लगाते देखता हूं, अपना सारा काम क्ष बहुते हैं क्योंक यहां नीकर रखने का रिवाज नहीं है, किनी दिवार्टसेन्द्र के प्रधान भी चिन की सी के कपने बहुत पुराने हैं, यह संस्कृत के विद्यान हैं. ऋगवेद बरौरा पढ़े हैं, कर्जी द्विन्दी ठीक बीज नहीं पाते. इनके कपके बहुत सादे 🗜 सम्र इतने हैं कि इनसे बात करना कठिन है. बहुत कुमत करते हैं, 'नया दिन्य' इमेशा पढ़ते हैं उससे पाठ किकाक कर तक्कों को पढ़ाते हैं. हमें यहां यह देख कर क्दा तात्रकृष हुआ कि 4th Year के लड़के पाठ में कापका लिखा हुया 'बीमारी बम' बाला लेख सबक्र की संबद्ध पढ़ बहे थे. यह लेख उनके पाठ (Text) में शामिल था. पंक्ति सुन्दरताल जी का 'चीन का अलविदा' 1st और 2nd Year बालों के पाठ में था. 'नया हिन्द' में जो प्रक की रामांतयां रह जाती हैं उससे इन्हें बड़ी हैरानीं होती है. प्रश्नम क्र्या हुआ शब्द घंटों कोश में बंबा करते हैं. जब नहीं शिक्षका हो हमारे जाने से पहले जैन साहब के वहां पृद्धने कारी के महा लेकों को किस कर साइक्लोस्टाइल करवा केते हैं विद्यार्थियों के लिये. जब मैं आया तो हिन्दी विभाग के अधान विज की मी 'नवासी जी' की रौली की वड़ी बारीक बर रहे थे. जब उन्होंने सुमासे पूछा तो सुमे ध्याम मही सामा आम बन्दोंने 'नया बिन्द' ताकर दिसाया तब की कर्ने सुनीय साहर का द्वतिया बतावा. बहुत खुरा हप. आबा विल्यं' में को चीन से सम्बन्धित लेख अपते हैं इन सम्बद्धा सहा वहत इस्तेमान होता है. और फिसी मासिक का शाफादिक की ये लीग नहीं पहले—'जन गुग' की क्षा 'क्या क्षित्र' में चीन के क्रवर विधारा से विशास' के किया से बींद करणा. और वर्ध प्रम जानिया and the state of the french ton the stine of my

للتريين والمران التي ويتجاهون أبك هرسي وواليم سب المناولة الله وعلم هو أبو المجازي طرنيسل سولها لا مدران بال معضاي الروايس مهدي مدران أرز كر سدمال دريميكور بيتاري كي كالي يادر أ جالن هي ، وروايس لو سيعهد سراير سهرک دهن ، مهن ايکب صاحب کو يوبث دانون س تررقهنس سيجهجكا كها وجهول هدكي معلوم هوأكه ولاكهلاكم بنجاني والا جهراسي ۾ . يهان په يوي دفت ۾ که کسي كى العنائيات الهيان الإله الهائلي أرائمهي كيبي بوارداهونه هو بوغادا هـ اور بغرسانه عوليا يونا هـ همارا الكوبي لا يوا يكس جبت المعارف سے يہاں وهووديالها صوب عهوانجها تو أس المعاني & Oriental Languages Department دَاكِتُر بِهِي أَبِيهِ هِسِ سَالَ جِرِمَالِي مِهِنِ سَلْسَكُرِتُ يُوهِم هين أبور فلعيرل قيلي فيهن مين بهارك بهي عُلُم إنها ایک چهرلسی کی مدد سے خود اُقهایہ چاہے آ رہے تھے ، قائلہ جی رهمارے یقل کے عمرے میں رهتے هیں اور بالکل کُرُو هھی۔ ووز سوپرے آنھھی کمرے میں جھاڑو لکاتے دیکھٹا میں، آیٹا سارا کام خود درتے هیں کیبانکہ یہاں بوار رکھانہ کا روایہ نبھی ہے ، هلدیں ڈیپارٹملٹ کے پردھاں شری جوں کوموکے کھڑے بہمت پرائے ہیں. یہ سلسکریت کے ودوان میں ، رک وید وفیرہ پرھے میں ، پر ابھی هندی ٹھیک ببل نہیں بھاتے ، اِربرہ کے کہوے بہمت سادے میں ، نمر اُتلے میں که اُن کے پات درنا کیوں ہے ، بہت مصلت کرتے ہیں ۔ ' تھا۔ مبتد '، مدوشہ پرماتے ہوں ، اُس سے پاٹھ نکل کو لوکوں کو پوهاتے هيں ۔ هنهن يہاں به ديکهائر ہوا العصاب هوا که 4th Year کے لوکے پاٹھ مھی آپ کا لکھا ہوا المناري يم أوألا ليكو سيق كي طريع يوه وها . تها يا يه لیکھ اُس کے باتھ (Text) میں شال تھا ۔ عدسا سندر قل جي کا.' جيري تو الوادع ا 1st اور 2nd Year رقموں کے پاٹیو سہوں ٹھا ، ' ابھا ہدت ' سہوں بیو پورف ش فاعلمان ولا بجائي همونأس سر إنهمين يوي حمراني هوتي شه فلط بچونها هواً عهد كهنگس كوش ميون قعرتكما كرتے هيں ، جب تهدوز ماييا تو هساره أله بد دياء بجدي صاحب ع يهان يبتهونان نواكر تفي ، يبان لهكهون كو ألكوكو سائكلو إسالنائل البورا الهالم جهول وداياواههول كي الله ، جب مهل أيا، تو هفتنی ویهاگ کے پردھان بھی کومو ' پرواسی بھی ' کی شيلي كرن بوي المريَّف كر رهمُ تها ، بيمتِ أنوري. في منعود س يونها الله منها عميان الهين أيا ، رجب ألهان له الها علما الإكرانيالها الهار الها في ألمهي معياس A DATE OF THE PARTY OF THE PART

और श्वास्थान भी संस्थी नहीं. पान यहां नहीं होता चीनी देसी बुलाइकी की विशाल दुकाने बड़ी दिलावस्य हैं, हमें उम्मीर है कि हमें कीर चांचें भी यहां मिल जायंगी. वहां चीमी हैसी हजाज ही बहुत खलता है. शुक्ररकन्द, मंगपली बौद रिक्ष का क्ना सामान वहां हर दस क़दम पर गिन्ता है. जिसे देखो उपनी हुई शकरकृष्य स्थाता जला जा रहा है. चार आने में इतनी जियादा मिल जाती है कि घर लाना मुश्किल हो जाता है. इस लोग द्कान पर खाते हैं चौर फिर जैय में भर कर घर से बाते हैं. फर्लों में सेव बहुत लोक प्रिय 👢 इसके अलावा अंगूर, नाशपाती, संतरा, असरोड और कुछ नये चीनी फलों के देर जगह जगह सरो मिसते होने बीचों चीनी लोग अपने हाने में इस्तेमाक करें हैं यह बेहद सस्ती हैं. यहां चीनियों के कांगन भेटा में आने का 20 रुपये महीना पड़ता है जिसमें सबह का नास्ता भी शामिल है और हर यक्त खाने के साथ गोश्त मिलता है. गोश्त यहां बहुत जियादा सस्ता है. सिर्फ तरकारी वरीरा काना रईसा सममा जाता है. क़रीब क़रीब सभी क्रोग गोश्त खाते हैं. सदी बहुत जियादा है बिना गोश्त साथे चीनी रह नहीं सकते. तरकारी भी गांश्त में मिला कर खाते हैं.

अभी बहां टेम्परेचर 10° के आस पास है. विकट सर्वी है. जब इवा जोरों से चलतो है तो खुदा याद जा जाता है. इमारा कमरा भाप से गरम रहता है इसिएये कमरे के अन्दर बढ़ा आराम रहता है, पर बाहर निकलते हो आकट आती है. फरवरों के अन्त तक सर्दी रहेगी: फिर बसन्त आवगा. यहां के रुद्दें के कपड़े पहन कर हम भाज लगते हैं. जांदने के लिये दो माटे लिहाक, बिछाने के लिये दो माटे लहाने के लिये दो माटे गई और पहनने के लिये सब रुद्दें के मांटे मोटे कपड़े. जूते से लेकर टापा तक रुद्दें ही रुद्दें. पीने के लिये इमेशा गरम पानी धरमस में रक्खा रहता है. यहां गरम पानी धराबर पीते रहना बहुत जरूरी है. नहाने का आम तीर से रिवाल नहीं है. पाकान में पाना नहीं इस्तेमाल किया काता. आम तीर से पाकानों में दरवाजे भी नहीं होते. हमारे यहां तो हमी हैं फिर भी चीना लोग दरवाजा कम्म नहीं करते.

विश्वविद्यालय शहर से क़रीब 10 मील दूर है. जास पास गांव हैं, विश्वविद्यालय के अन्दर के प्राकृतिक दरय कमाल के हैं. बने भारी इलाक़े में बसा हुआ है. छः इजार विद्यार्थी यहां रहते और पढ़ते हैं. रहने, साने, पाने, कार्ने का खर्च सरकार देती है. कपड़ा भी सरकार से किस्ता है यहां की सादगी के बारे में अगर जिल्लं तो आपको बार्किन नहीं जायगा. ऐसा मासून होता है कि पालक के हैं. बेहान का नाम निशान नहीं, होते हाले रहे हैं कार्क विद्यार्थी और जावक्यां अजीद सी

لوراواتهم بهي مهلكي لوين . يان يهان لهين هوداً عهلاً فهناني درالهان كي وهال دوكالهان يوني الاحتسبية الاهارا هيين أمهد ۾ که هندن اور جدوين بهي يهان مل جاڻين گی یہاں جیلی دیسی علی ھی بینعا جلاتا ہے۔ فكر قلدا مُونك يهلى أور تل كا يلا سامان يهال هر دس الذنر يو ملتا هي جس ديكهر أيلي عراني هكر الله قهالنا خِلا جا رها هي ، جار آي مهن إنكي زيادة سل جالي ه که کهر لانا معکل هو جانا هے هم لوگ دوکان پر عَمَالَةِ هُمِن أور يهر جهب مين بهر كر كهر أل أقد همن ، يَهْلُونِ مَهِنَ سَهِبِ يَهِمُعُنَا لُوكَ يَرِيَّهُ فِي أَسَ كُمُ عَلَّوْهُ الكور ناههاتي سنعرا اخررت أبر نجه نئه جهاى بهاس 🛣 قعیر جاکه چاکه لکے ملکے میں ، جو جوزیں جیلی لؤگ او کوالے میں استعمال کرتے میں وہ یے حد حستی هُونِ ، يَهِانِ جِهِلُونِ كَمَ كَامِنِ مُوسِ مَهِنِ كَهَا لَمُ \$ 20 رؤيه مهيقه بوتا هي جسمين صبعها ناشته بهيشامل ه أور هو وقت كهاني فيساته فوشت ملتاً هي، فوشت يهان بهت الله المسكا هي صرف لركاري وقهره كهاتا ركهسي سمجها جانا ہے ، قریب قریب سمھی فرگ گوشت کیاتے ہیں ، سردی بیمت زیادہ ہے ۔ بقا گرشت کہائے چیڈی رہ تہیں سكتى ، تركاري يهى كوشت مهن ملا قر كهاتے ههن ،

ابھی یہاں قدہرہ ہور 10° کے آس پاس ہو، بھتی سودی ہے، جب ہوا زوروں سے جلتی ہے تو خدا یاد آ جاتا ہے، ہمارا قدرہ بہاپ سے گرم وہتا ہے اس لئے کشرے کے الدر ہوا آرام وہتا ہے، پر باہر تکلتے ہی آفت آتی ہے، فرووی کے است تک سردی وہے گی، پہر بلست آتی ہے، فرووی کے است تک سردی وہے گی، پہر بلست آور بیال کے درئی کے دبوت بین کر مم بھالو لگتے مہاں آور پیللے کے لئے دو مولے گئے شدے آور پیللے کے لئے دو مولے گئے سے آور پیللے کے لئے سب ووئی کے مولے مولے کہتے ، جوتے سے لیکر الوبی تک روئی ہی ورئی، پیلے کے لئے همیشه گرم یانی لیکر الوبی تک روئی ہی وہیا وہنا ہے، یہاں گرم یانی براثر پیٹے وہنا بہت ضروبی ہے، نہائے کا عام طور سے وواج براثر پیٹے دھارے دواج سے نہیں ہے، باخانی مہیں میں دواج کے علم طور سے دواج عام طور سے راج کے علم طور سے دواج عام طور سے برائی مہیں نہیں ہوتے، ہمارے نہیں تو لگے میں بہر بھی جیلی لوگ درواؤہ بقت نہیں کرتے،

जाको किस रहा है. परीका 10 करकरी को काल है। जाकारी. फिर विश्वविद्यालय 8 मार्च के खुलेगा. इम खुट्टियों में इमें जगले के महीने का पूरा कोर्स तैयार करना है. इकर एकर के पाठ झांड कर रीहर बनानी है जीर हर दिन की भूरी बोजना का खाका बनाना है. इसलिये खुट्टियों में मी इस शायर कहरत से जियादा काम में लगे रहें. इस शीशों के काम से यहां के अधिकारी ब;त खुछ हो गय हैं. यही हमारा हरेरय भी है. इम से जितनी अर सेना हो सबसी है बसमें तिनक भी कसर नहीं करेंगे. जिस से हमारी भी बदनामी न हो और देश का नाम भी ऊंचा रहे. मिवस्व में इस कपना काम तन मन धन से करेंगे. आशा है आप हमेशा हमें हरसाहित कर से रहेंगे.

फिलहाल हमारे खाने का चलग प्रवन्ध हो गया है. हमने एक रसोइया रख किया है जो हमारे लिये शाकाहारी भोजन तैथार करता है. तरकारी बरौग तो यहां सब मिल कारी है, गरम मसाना होड कर बाक्री और मसाने भी मिल, जाते हैं. हां, मसालों के लिये जरा दौड़ भूप करना पक्ती है क्योंकि मसालों का बीनी नाम बही मालूम है. भाजकल हमारी तरकारी में इल्ही, राई, काली मिप, नमक, साम मिर्च वरौरा पढ़ता है इमें खाने में कोई दिशक्तत नहीं मास्म होती. हम रोज जावक, दाल, रोटी, गोभी, जात् की तरकारी, पातक, व्यदरक, गाजर मूली, प्याजः लहसून, क्षकरक्रन्य, धनिया पत्ती, ककड़ी, घरवी, चुक्रन्यर, पत्ता गोभी भीर कुछ नई चीनी तरकारियां भी इस्तेमाल करते हैं काने के साथ द्थ और मक्खन भी रहता है जोग कहते हैं कि सरवी में यहां तरकारी कम होती है क्यों कि इंग देखते हैं कि खेतों पर बरक पड़ी हुई है. फिर भी ऊपर किसी तरकारियां और चीचें वाजारों में भरी पड़ी हैं. मार्च में बसंत का मौसम आयगा तब टिमाटर, करेला और दुसरी तरकारियां बहुत सी मिलेंगी. हमारा रसोड्या साना क्रमान-में उस्ताद है इसलियं तरह तरह से बीजें बनाता है. इक उससे बाक नहीं सकते, इशारे से सब काम हो जाता है. शल मंग और मसूर वहां बहुत मिलती है. सेव सस्ता है, रसीह्या रोज सेव की पकौड़ियां बना काता है, आजकत हम सीय रोज परूरत से जियादा का जाते हैं. साने में अभी अभी भी दोशा है पर कोई अंदाजा नहीं सग सका. रसोहया वहां कोई कलम से नहीं रकता, रसोहया को हम सीम-अभी 50 दस्या वेतन देते हैं. हमें एक दिन बढ़ा अपस्य हुआ अब इमने चीमी देशी दवाइयों की दकान पर सींक, सींग, इसायपी, सुपारी देखी, खुशी का ठिकाना न रहा. सीड वहां कीनी सरकारी में पहली है इसकिये बेहद सस्ती है. हमने करीय है जाने की सौंफ की जो इसनी विचाया विकार कि इस से तीन महीने में भी खतम नहीं होगी. **अपारी वडी कार्य देश प्रयोग में तमाम भी । मता वर्ष, सीम** آپائو کائو وہا جین، پریکھا آگ کیون کو نظام جو جائیکی یہ رکھوں میں میں گیا۔ گا اور جو بھائی میں میں گیا۔ گا اور کا بھر آھو آھو میں گیا۔ کا بھرا کو ایکن کیا ہے ، آسمر آھو آھو ہوری بھرائی جھائیت جھائیت کو ریکو بلائی ہے آور عو میں کی برری بھرائی خوادری میں بھی اورادہ کام میں لائے رھیں ، عم لوگرں کے ما گان کو بھرا آجیمی بھی میں میں کام سے بہاں کے آدھیکوی بھرس خوص حوائے ھیں ، یہی میارا آجیمی بھی ہی ہے ۔ هم سے جعلی بھر سیوا ھو سکتی ہی اس میں تنک بھی سر نہیں کریلگے ، جس سے عماوی بھی بھی بھی اس میں تنک بھی اس میں کریلگے ، جس سے موافق میں بھی ایک کم اس میں دور سے کریلگے ، آھا ہے آپ میں میں عماوی آسامت کاتے وہیلگی ، آھا ہے آپ میں بھی ایک کم اس میں کاتے وہیلگی ، آھا ہے آپ

في إلىمال همارے فهائے لا إنگ پريقده هوگها هے . هم نے ایک وسولها رُاہ لها هے جو هدارے لئے شاکاهاوی بهوجوں لهار کرتا هے . ترکاری وفهره نو يہاں سب مل جاتی ہے . كيم مسالم جهور كر يالي اور مسالم يهي مل جالم هين . هارُ اسسالیں کے لگے ڈرا دور دھوپ کرتا ہوئی ہے۔ کھونکٹ مسالین کا چیلی نام نہیں معلوم ہے ، آج کل هماری ترکاری میں هلدی اُ راکی کائی مربے اُ تمک اللّ مربع وقورہ پُرِتا ہے ، همهی کهانے میں کوئی دقت نہیں معلوم هوئی، هم روز چاول دال وہائی گریمی آنو کی ترکاری الکا ادرك المرا مرلى يهار لهسي هكر قلد دمليا يعي ككوي اروي بهلادر يدا كريهي ارد كچه نكى جيلى ترکاریاں بھی استعمال کرتے ھیں ، کھانے کے ساتھ دودھ اور مکین بھی رہا ہے ، لوگ کیا۔ ھیں که سردی میں يهان تركاري كم هولي هي كيونكه هم ديكهتاء ههن كه كههتاون پر برف ہوں هولی هے ، يور بھی اوپر لکھی توكاریاں اور چهزين پازارن مهن بهري پوي ههن ، مارچ مهن ايسلمت كا موسم أثب الأ تب المالراً كرية أور دوسوى توكاريان يهت سي ملين كي ، همارا رسولها كهانا بقائد مهن أستاد هـ إس لئے طرح طرح سے جہزیں بنانا ھے ، هم أس سے بول نبين سكتي، إهاري سے سب كام هو جاتا هے . دال مونگ اور مسور یہاں یہمت ملکی ہے ، سیب مسکا ہے ، وسولها روز سبب کی یکوویاں بنا اللا ہے ، آج کل هم لوگ شبورت سے بیادہ کہا جاتے میں ، کہاتے میں ابھی خرجہ بھی عراا ھے پر کوئی آندازہ نہیں لگ سکا ، رسولیا یہاں کوئی الک ہے نہیں ولیکا ، رسولیا کو هم لوگ ایمی پنجاس رویعة ريتي ديعي هين . هنين ليك دن برا أجرج هرا عب هم نے جھیٹی احیسی حراثمیں کی دکان ہر سونف لونگ إلهى سهاري ديميي . خوص كا تبكنه وها . سونف يهال جيلي فاللي مين يولي ته أبن لكر يه حد سندي هر ه م نے قروب جو آئے کی سرتان کی جو اُٹلی زیادہ علی له هم سر لها جهد مون بال خام بهان موكى وساوي کلی تعالی ایک ورای میں تمام سی مل کلی . اواک

125 141

चीन से एक खत

[श्री पुरुषोत्तम प्रसाद और श्री भान चन्द्र वर्मा 'नया हिन्द' परिवार के ही हैं. पुरुषोत्तम जी सितम्बर- अक्तूबर 1951 में पंडित सुन्दरलान जी के साथ डेलीगेशन के सेकेटरी हो कर चोन गए थे- उन्हें चीन भा गया. वह 9 दिसम्बर 1952 को हवाई जहाज से उदकर फिर पीकिंग पहुंच गए. श्री भानचन्द्र वर्मा और पुरुषोत्तम जी पीकिंग विश्व विद्यालय में हिन्दों के लेक- चरार नियुक्त हुए हैं. इनका खत हम खुशी से पाठकों के सामने पेश करते हैं. इस खत में चीनी जीवन की काको जानकारी मिलती है. हमें आशा है कि समय समय पर हम पाठकों को चीनी जीवन की ऐसा मांकि गं बराबर मेंट करते रहेंगे—एडीटर]

पूज्य महात्मा जी,

एक पत्र मैंने आपको जल्दी में लिखा था. आशा हैं मिल गया होगा. आपका कुपा पत्र भी मिल गया बड़ी तसल्ली हुई. पर मैं जल्दी जवाब नहीं दे सका आशा है माफ करेगे, पहला पत्र जब मैंने आपको लिखा था तब पढ़ाना शुरू नहीं किया था. 29 दिसम्बर से पढ़ाना शुरू किया. क़रीब एक महीना होने आया. ग्रुरू ग्रुरू में 3rd Year और 4th Year के विद्यार्थी मेरे पास आते थे श्रीर तरह तरह के प्रामंद के सवाल पूछते थे. मैंने कभा भी हिन्दी प्राप्तर की कोई किताब नहीं पढ़ा थी, इसिलये पढ़ाई शुरू करने के पहले मैं नरवस हा गया | क 3rd Year भोर 4th Year के विद्यार्थीया का कैसे पढ़ाऊता. इमें 3rd Year और 4th Year की ही (जम्मेदारा दी गई है. इसी नरवस होने की हालत में आपको पहला खत लिखा था. साथ ही साथ खानें का भी प्रवन्ध नहीं हुआ था इसिलिये भी कुछ चिन्ता थी. लेकिन 29 दिसम्बर को क्लास में जाते ही सारी घवराहट खतम हो गई, मैं खुब मेहनत से पढ़ाने लगा. विद्यार्थी बहुत खुश हो गए. मुके भी तैयारी में काफी समय लगाना पड़ा. इस तरह 10 या 15 दिन बाद में ठीक हो गया. वर्ग जी भी खुब मेहनत करते हैं और विद्यार्थी उनसे भी बहुत खुश हैं. लेकिन इस लोगी को और किसी काम के लियं जरा भो समय नहीं मिलता है. पहली फरवरी से परीचा है. अगला हफ्ता पराचा को तैयारी के लिये रक्का गया है. इसालयं काई नया पाठ वैयार नहीं करना है, अब समय मिला ता सबसे पहले

چیں سے ایک خط

[هبی پرشرتم پرساد اور هری بهان جالدر ورسا آنها هاد ' پریوار نے هی ههی ، پرشوتم چی سالمبرہ الاقوار مهی پاکس سالدر الل جی کے سالم الاقوار کو سالمبر کار جی کے سالمبر کی کہا، وہ 9 دسمبر 1952 دو هوائی جهاز سے او کو پهور بها گیا، وہ 9 دسمبر 1952 دو هوائی جهاز سے او کو پشوام پهناگلگ پهونج گئے ، هری بهان جالدر ورسا اور پرشوام هوئے هيں ، ان کا ضط هم خوشی سے پائیموں کے ساسلے مهری مرتبے هیں ، ان کا ضط هم خوشی سے پائیموں کے ساسلے مهامکوری سالمبی قرتبے هیں ، اس خط میں جہانی جیون کی کافی جامکوری ساتمی ہے ، همیں آشا هے که سیے صبے پر هم پائیموں کو جہاں برا و جہانی جمون کی ایسی جہانکیاں برا و پہیلی جمون کی ایسی جہانکیاں برا و

پوجهه مهالما چی'

ایت بعر میں نے آپ کو جلدی میں لکھا تھا ، آشا چے من کیا هوا ، آپ کا دریا ینو بھی مل کیا ۔ یوینسلی هوني، ير مين جلدي جواب نه ديسك أشا في معات عربدكم ، پهلا يمر جب موں نے أب دو لنها تها تب بوهانا شروع نههن کها تها . لاک دستمر سے پوهانا شروع نها، قریب اور 3rd Year اور شروع شروع مهن 3rd Year اور 4th Year کے ودیارتھ مھورے ہاس آئے تھہ اور طرح طرح کے گواس کے سوال ہوچھتے تھے ، مہن لے کبھی بھی ہلادی گرامو ہی کرئی نقاب بہوں پوھی تھی' اس لئے پوھائی شروع دری کے پہلے میں بروس مولیا نه 3rd Year اور 4th Year کے ودیارنہوں کو نہسے یوهاؤں کا ، همهاں 3rd Year اور 4th year في هي ذاري دي كثي ھے ، اِسی داوس ہونے کی حالت مہن آپ کو پہلا خط لكها تها ، سانه هي ساله كهاي كا يهي ايريقده الهين اهوأ فها ۽ ايس بليے يهي نڇه چفقا نهي ۽ ليکن 29 دسمهر کو کھیں میں جاتے ہی ساری گھیرامت کنم ہوکئی' میں غیب مصلت سے پوها ہے لکا، ودیارتھی بہمت خوش ہوگئے۔ معجمے ہوں تیاری میں کافی سے لکانا ہوا ، اس طرح 10 يا نا دن بعد مهر تهيف هوگها ، ورما چي يهي خوب مصلت درتے میں ور ونیارتی ان سے بھی بہت خرص ھیں ، بھکوں ھم لودوں دو اور دسی ہم نے کے لیکے فرا بھی سے بہوں منتا ہے۔ پہلی دروری سے پریکشا ہے۔ اگا مقتد پریمها کی تهاری نے لیے ربھا کیا ہے ۔ اس لکے دولی بیا عاقم تهاو انهوال فرنا هے ، أب سے ما تو سب ہے عہلے

मुके फिलासकर कह कर चिदाया करते थे.....लेकिन वह संबं सपना था, कुंबर.....वह सब सपना था.....मैं फिलासकर बनना चाहता था और मौत मुके यहां वसीत कार्र.....'

"मौत क्यों बाथ गेट...... तुम खुद यहां आ गए, कीरिया फतह करने, अमरीका की एशिया में घुस कर रक्षा करने....."

"नहीं कुंबर, मैं मजबूर था.....मेरी तरह सारे अमरीकी नौजवान मजबूर हैं... .मैं फिलासफर बनना बाहता था...... मुफे लड़ाई से क्या मतलब ! लेकिन सरकार के हुक्म के अनुसार मुफे यहां आना पड़ा मरना पड़ा...... मेरी बहन रो रही थी...... मेरी बहन रो रही थी...... मेरी मां रो रही थी...... पर इन आहों में, इन आंसुओं में वह ताकृत नहीं थी जो मुके मौत के मुंह में जाने से रोक सकती......'

"लेकिन ताक्रत पैदा हो रही है, दोस्त...... अब कोई मां आसानी से अपनी गोद उजद ने नहीं देगी... अब कोई बहुव अपने भाई को मरते नहीं देखेगी.......ताक्रत पैदा हो रही है, बद रही है, सजबूत हो रही है....."

"शिक्सकी ताक्रत, कुंबरकौन सी ताक्रत ..." "शान्ति की ताक्रत वाथगेट, शान्ति की ताक्रत....."

"कम्युनिस्ट! शूट !!" एक जीव जन्नाटे से चा कर सामने ककी चौर उस में से चावाज चाई.

तक तक वड़ और कुंबर मर गया ! पर शाम्ति जिल्दा है !--अमर है !!

—मुजीब रिजावी

पुलाम और आजाद में यही फरफ़ है कि गुलाम मरने के लिये जीता है, मगर आजाद जीने के लिये मरता है, पुलाम की जिल्दगी मौत के बराबर है मगर आजाद की मौत भी जिल्दगी है.

---भज्ञात

×

×

क्रानून आदिमयों को कभी आवाद नहीं बनाएगर, आदिमयों को ही क्रानून की आजाद बनाना होगा.

- थोरो

معهد فلأعدر كهادر جوهايا قريّد لهدر أيكني وَد سنّها سهلا لها كاروردود سب سهلا نهار سهل فلاستر بقتا جاها تها اور مرت معهد يهال كهسهت لأني؟؟

قسوس کھوں ہاتھ گھمگا۔۔۔تم خود یہاں آگئے' کوریا نعمے کرتے' اسریکہ کی آیشیا سیس گھس کو رکھا کرتے۔۔۔''

البهين فقوراً مين محوور تها...مهرى طرح ساري امريكى نوجوان محجور هين...من فلاسفر بلبنا جاهكا تها...مجهد لوائى سے فيا مطلب أ ليكن سكار كے حكم كے اسوار محجه يهان آنا ہوا...مرنا ہوا...مهري مان نے گهر جهورا تها.. مهرى بهن دو دهى تهي...مهري مان دو دهى تهي...بر إن آهون مهن أن السرون مهن ولا طالب يهين تهي جو محجه موت كے مقه مهن جانے سے دولى سكتى....»

الهكان طاقت پيدا هو رهي هـ دوست...اب كولى مال آساني سے آپني كولى اجوبے بهيں ديكى...أب كولى بين آنها كولى بين آنها يہائي دو سرتے بهيں ديكھے كى...طاقت پيدا هو رهى هـ،.."

در کس دی طاقحت کلور... دودسی طاقت..."

وقیانتی دی طاقت باته گیت شابتی دی طاقت. . "

داکمهونست ا شوت آ. " ایک جیپ زباتے سے آکر سامتی رکی اور اُس میں سے آواز آئی .

الوالو لو ،

أور كقور سر كها إ

ير شانتي زندة هـ ا -- امر هـ !!

--متهیب رفاوی

فقم اور آزاد میں یہی فرق ہے کہ فقم مرتے کے لئے۔ جیتا ہے مکر آزاد جینے کے لئے مرنا ہے کا فقم کی زندگی مرت کے برابر ہے مگر آزاد کی موت بھی زندگی ہے۔

--الهات

+ × × × × × × × × الألب الله المدن الألب الألب

قانوں آدمیوں کو کیھی۔آزاد تھیں پتائے کا آدمیوں او ھی قانوں کو آزاد بغانا مولا ۔

---Tpg:---

"इंग्लान इन्डाब एक हैं, गोरे काले का करक सामराज का एक जात है."

"इर गोरा सामराजी है."

"न्हीं, हर गोरा इन्सान है, 'बन्द सिक्कों के लिये क्से अपनी इन्सानियत वेचनी पड़तो है. उसे वह करना पड़ता है जो मालिक उससे कराना बाहते हैं."

कुंबर धीरे धीरे उस आदमी के पास पहुँच गया. मुंद्र एक किताब से डका हुआ था. खून की पपितृयां जम गई भी, माल्म होता था बहुत देर ने जरुमी पड़ा है.

कुंबर ने किताब मुंह से हटाया. उसके पन्ने खून में लतपथ थे किताब का नाम वह पता नहीं लगा सका लेकिन एक सफो पर खून के झीटों के पीछे उसको धपना नाम लिखा माल्म हुआ. ताज्जुब से उसने लाग्न को मिक्सोड़ा.

''(गधो, अभी मत लाखो मुक्ते..... अभी मैं जिन्दा इ.... अभी मैं बीत यादों का आनन्द ने रहा इ..... खा लेना..... लेकिन थोड़ी देर की मोहलत दे दो....."

''गिध नहीं हैं भाई, मैं हूँ.....एक आदमी.....आंखें कोको.....'

एक खामोशी छाई रही.

कुंबर दीड़ कर जीप से पानी लाया और उस बादमी का मंद्र शुलाया.

"मुक्ते पानी पितादो, मेरे अनजाने दोस्त....."

पानी पी कर जलामी ने चांस खोल दीं. फिर उसने चांसा बन्द कर ली.

"तुम कीन हो ?"

"में डाक्टर कुंवर हूँ.....भारती एम्यूलेंस के साथ कोरिया के मोरचे पर आया हूँ.....

"कुंबर" ! जाखमी ने ताज्जुन से कहा और एक खुशी इसके मुंह पर खिल गई.

'में बाथ गेट हैं, कुंबर..."

"बाय गेट !"

भौर कुंबर ने **दाथ फैला कर बाध**गेट का सर जांगीं पर रखा लिया.

"कुंबर, मैं तुन्हारा तोहफा हमेशा साथ रखता हूँ. याद है न..... अब मैं जमरीका वापस जा रहा था तो तुम ने मुक्ते एक तोहफा दिया था..."

"वाष् है बाथ गेट, खूच वाष् है......पर अगर मैं यह जानका कि तुम कड़ाई के मैदान में मिसोगे तो मैं तुम्हें गीता जाकी मेंड न करता.....मैंने तुम्हें कुड़ और मेंट किया होता..."

"अन् शुकरी वार्स बाद करने से क्या कायदा..... क्या क्या सकने बे.....में किलासकर बनना बाहता था... में लेखक कन्नत बाहता था.....भाद है न.....तुन लोग ''انسان السان ایک هیں' گورے کالے قرق مامراج کا ایک جال ہے''

الهركورا سامراهي هي الا

کلور دھیرے دھیرے آس آدسی کے یاس بہونی گیا ، مُنْہِ آیک کتاب سے قعکا ہوا تھا ، خون کی بھویاں جم گئی تھیں ۔ معلوم عولا تھا بہت دیر سے زخمی ہوا ہے ،

گلور کے کتاب ملے سے مقایا ۔ اُس کے پلے خُون میں الیکن لیکن لیکن الیکن کی بہت تھے ۔ کتاب کا نام وہ پتھ نہیں لٹا سکا ، لیکن آیک صفتے پر خون کے چبیلٹوں کے پہچے اُس کو ایقا نام لکہا معلوم موا، تعجب سے اُس لے قص کو جہلجہوڑا۔ ''اہی میں وندیا ''الیک میں میں وندیا ۔''اہی میں اُندیا ۔''اہی میں وندیا ۔''اہی میں اُندیا ۔''اہی میں وندیا ۔''اہی میں وندیا ۔''اہی میں وندیا ۔''اہی میں میں وندیا ۔''اہی اُنٹر اُنٹر

ھوں...ابھی میں بیٹی یادوں کا آبند لے رہا ھوں... کھالیقا...لیکن تہروی دیر کی مہلت دے دو...⁸⁾

"گدھ نہیں ھیں بھائی' میں ھوں…لیک آدمی۔۔۔ آنکھیں کھولو…؛

ایک خاموشی جهائی رهی .

کفور دور کو جهب سے پائی الیا اور اُس آدمی کا ملہ اہلیا ،

"مجهے یانی پلا دو' مہرے انجائے دوست...''

ہائی ہی کر زخمی نے آنکہ کورل دی ، پور اُس نے آنکہ بلد کرنی ،

وانم کون هو ؟٠٠

ومیں ڈائٹر ندور ہوں۔۔۔بہارتی ایمبولٹس کے ساتھ کوریا کے مورچے پر آیا ہوں۔۔۔''

''نلورا''' زخمی نے تعتب سے کہا اور ایک خوشی اس کے ملہ پر کہل کگی ۔

"مهن باته گيڪ هون' کفور..."

"بائم كهمك أ"

اور کنور نے هاتھ پهيلا کر باتھ گيمڪ کا سر جانگوں پو رکھ لھا .

النائور' میں تبہارا تصفه همهشه ساتھ رکھتا هوں ، یادا هے نه ... جب میں آمریکه راپس جا رها تھا تو تم آلے مجھ ایک تصفه دیا تھا...''

''یاں ہے باتہ گیمت' خرب یاد ہے...'' پر اگر مہیں یہ جاندا کہ تم لوائی کے سہدان میں ملوقے تو میں تمہیس گیتانجای بھیلمت نہ کرتا...میں نے تمہیں کچھ آور بھیلمت کیا مرتا...''

''آپ گزری بانیں یاد کرنے سے کیا قائدہ۔۔۔کیا کیا سیئے تھے۔۔۔۔۔۔میں قلسفر بقفا جاعثا تھا۔۔۔۔۔میوں لیکیک بندا جاعثا تھا۔۔۔۔۔تم لوگ

जीक , जज़ादे से निकत गई और दूरी की गोद के

साबाक ग्रुम हो गई.

कुंबर ने भी रास्ता बदल दिया. यह जब सियूल में बाल था के अन्येरा छाया था, मीत के समाटे ने हर तरफ हैरा डाल रखा था. लेकिन...... अब...... अगदक हो रही थी. होली जल रही थी, गोलियां चल रही थीं, गोवाम जलाए जा रहे थे, सामान जंका जा रहा था. अमरीकी सिपाही भाग रहे थे, आग लगा रहे थे, लूट रहे थे. जायों का अन्यार लगता जा रहा था खोर बदमस्त देव की तरह दूक उनको रौदते छागे बद रहे थे.

कोरिया की सहायता हो रही थी! उसकी ज्यान वजाई जा रही थी!! उसको जिल्हा रखा जा रहा था!!!

उत्तरी कोरिया के जंगी क्रेंबियों की टोसी ध्रमरीकी सिपाहियों के घेरे में ले जाई जा रही थी. उन्होंने सर नीचे कर रखे थे, मुंह पर कपड़े डाल लिये थे.

कुंबर ने ताउजुब से इस सीन को देखा: एक कोरियाई स्त्री नंगी खड़ी कर दी गई थी और जंगी कैदियों को हुक्म था कि उसकी सस्दृ करें. कोरियाई सिपादियों ने आंसें कुछ कर सी थीं.

"मेरे बहातुर सिपाहियो, मृत सर नीचा करो. को है प्रस्ता नहीं है जार जाज तुम्हारी बहन नंगी खड़ी है. क्रमम खाजो मेरे इस नग्न का कि तुम हिम्मत नहीं हारोगे, अत्यचार के सामने घुटना नहीं मोड़ोगे....."

तह तह, गोतियां चती, बीर उस बौरत की बायाक सर्वा के लिये बन्द कर दी गई.....पर इनसानियत की

व्यावांक बन्द नहीं हो सकती !!

कुंतर ऐसे हंगामे देखता हुआ न जाने कहां निकल नया—शहर से दूर, बहुत दूर—जीप थी, वह था, जीप में एक मुरदा लाश और बस! रास्ताही उसका साथी था और वह ही उसका हमदम.

जीम में जोर की अ क लगी और 'चिर' के एक तम्बे शोर के साथ जीप इक गई. सामने एक साश पड़ी हुई थी.

कंबर उतर कर उसके पास जाने लगा:

भेषह किसी गोरे की लाश है, अच्छा हुआ मर गया.....गोरा !!! और उसके मुंह पर नकरत की एक रेखा मजक पड़ी.

ं ''तुम 'इन्सान हो'' किसी ने जैसे अन्दर से उसे किसोका

"लेकिन यह सोग इन्सान नहीं हैं.....यह सिर्फ गोरे

"सिपादी की क्या खता हो सकती है...... यह तो मखल्म है...... वह तो सामराज की वेदी का केवख एक विकास है....."

ं है सो यह गोरा."

محمید واقع سے ادال کئی۔ آور عیربی کی کرد میں آراز کر مرکئی ۔

کورہا کی سیانٹا ہو رہی تھی! اُس کی آن ہنچائی جا رہی تھی !! اُس کو زندہ رکھا جا رہا تھا !!!

آئری کوریا کے جلگی قیدیوں کی ٹولی آمریکی سیاھیوں کے کھورے میں لے جائی جا رافی ڈال لگے تھے۔ اُنھوں نے سر نہجے کو رکھ تھے' ملی پر کھوے ڈال لگے تھے۔

کفور نے تعتوب سے اِس سین کو دیکھا ؛ ایک کورہائی اسٹاری نفکی کھوی کردی گئی تھی اور جفکی قیدیوں کو حکم تھا کہ اُس کو سلوت کریں ، کوریائی سیاھھوں نے آنکھھن بقد کرلھن تھوں ،

''مهرے پہادر سیاهیو' مت سرنیچا کرو ، کوئی پرواہ نہیں ہے آئر آج تمہاری یہن نظمی دوتی ہے ، قسم کیاو میوں اس نگل کا کہ تم همت نہیں ہارو کے' اتہاجار کے سامیے گھٹٹا نہیں مورو کے۔۔۔۔۔۔''

تو تو گولیاں چلیں' اور اُس مورت کی آواز سدا کے لئے یک در دری گئی۔۔۔۔۔پر انسانیت کی آواز بند نہیں مرسکتی !!

کلور ایسے هلاام دیکھٹا هوا نه جائے کہاںتکار گھا— شہر سے دورہ یہت دورسہیمپ تھی وہ تھا، جیمپ مھی ایک مردہ تھی اور یس ! واستہ ھی اِس کا ساتھی تھا اور رہ ھی اُس کا هندم ،

جہب میں زور کی برک لگی۔ اور اللہر' کے ایک لبیے شور کے ساتھ بچینی رک گئی ۔ سامتے ایک اٹش پڑی ہوئی تہی ، کفیر آلر کر اس کے پاس جالے لگا :

''پید کسی گیرنے کی قص ہے' اچھا ہوا مر کیا ... کرا آ¹⁰ اور اس کے حقم پر نقرت کی ایک ریکھا جھلک ہدر ۔

اللم أنسان هوا؛ كسىل جهس اندر س أبير جهلعهورا. الهكي يعالوك السان تهمن همن...يه صرف أورير ساعة

اسیامی کی کیا خطا هیشتی هیدوه تو مطاوم هیدوه تو مطاوم هیدو تو بیامیانی کی ویدی کا تعیل لیک یابدان هیدو ا

(108

मार्च '58

163

बाक्टर ने कुंबर के मुंद भर लेख निमाह दाली और एक बाहरीकी मुस्कराहट उसके मुंद पर खिल पड़ी.

दोनों चुप खड़े रहें — कुंतर के मुंह पर तारजुद था और डाक्टर के मुंह पर कटीली मुस्कराहट.

"डाक्टर जल्दी करो...उसे बचालो...." कुंवर ने खामोशी तोड़ी.

''मर भी जाने दो, एक 'गुक' के मर जाने से क्या किगड़ जायगा'' डाक्टर ने इस तरह जवाब दिया जैसे कह रहा हो कि कुत्ते मरा ही करते हैं, उस पर परेशान होने की क्या जरूरत है.

"डाक्टर ?"

चौर कुंबर के विमारा में जमरीकी सिपाही के बाक्य फिर गूंज डठे—''शायद तुम यह सोचते हो कि तुम भी इनसान हो...तुम काले हो और हम गारे..गोरे इसलिये हैं कि कालों पर राज करं...''

"डाक्टर, तुम डाक्टर हो. तुम्हें ऐसा नहीं सोचना चाहिये ...तुम ईसाई भो हो डाक्टर...तुम आदर्मा भी हो डाक्टर..."

'मैं श्वरपताल का नियम नहीं तोड़ सकता. यहां गुहों का दाख़ला नहीं हो सकता यह योरिपयनों के इलान के लिये हैं ..''

"मैं जलमी हो जाऊं तो मेरा भी नहीं हो सकता."

'तुम्हारा भी नहीं हो सकता" डाक्टर ने अपनी टाई ठीक करते हुए कहा.

कुंबर कुछ बोल न सका, उसका गला रुंध गया. उसने िर्फ ढाक्टर पर अपनी आंखें गड़ा दी.

कालों की महायता के दावे, आजादी, गुलामी, गुक, नेटिब, वह लाग, अमरीको सिपाही की मार, कारियाई दृदे की कराह और किर डाक्टर आल्टर की हसी—सन ने उसे आवेश (दया—"भाग जाओ यहां से, निकल जाओ यहां से. यहां इनसान नहीं रहते."

सामने डाक्टर खड़ा उसी तरह हंस रहा था.

कृंतर ने गुस्से में फाट र बन्द किया और ऋपनी जीप स्टार्ट करके हिन्दुस्तानी पम्बुलेन्स के हेडक्वार्टर की सरफ चल पड़ा, बाज उसे रोशनी मिली थी, सबक मिला था. वह इस पैरान्स की सब को सुना देना चाहता था.

الالالو نے کھورکے ملے ہو تیو ناہ خاتی اور ایک وہوٹائی میشادادی اس کے ملے پر کہل ہوں ،

دونیں جب کہوے رہے۔۔کلور کے ملے پر تعصب تھا اُپر ڈاکٹر کے ملے پر کٹھلی مسکراست ،

القائد جلدي كرو... أبي يتهالو... " كفور ليخامر في توزى

المر بھی جائے در' ایک 'لک' کے مر جائے سے کھا بکڑ نھ'ئے گا'' ڈاکٹر نے اِس طرح جراب دیا جیسے کو رہا ہو کہ گٹےمرا ہےکرتے میں' اُسپر پریشان ہوئے کیکھا ضرورت ہے، انڈانٹر ؟''

''قائِگر'' تم قائقر هو' تمهون ایسا نهین سوچفا چاهگی ……تم مهسائی یهی هو دانقر……تم آدسی یهی هو قائقر……'''

الاسهوں استقال کا تھم تہیں تور سکتا' یہاں گکوں کا دائمہ موسکتا۔ یہ یوریفقوں کے علاج کے لگم ہے ...'' المهن رخمی ہو جاؤں تو صورا یوں تہیں ہوسکتا۔''

''لمہارا بھی نہیں موسکتا'' ڈائٹر نے ایڈی ٹائی ٹھیک کرتے مولے کیا .

ساملي 3ادام كهوا أسى طرح هلس رها تها .

م کلور نے قصے میں پہاٹک بقد کیا آور ایڈی جوہب آسٹارٹ کرکے هندستانی ایمبولٹس کے میڈاٹوارٹر کی طرف چل ہوا ، آج آسے روشنی ملی تھی سبتی ماہ تھا، وہ اِس پیقام کو سب کو مفا دیفا جاہتا تھا ۔

سامقے سے ایک جہب زنائے سے آئی ، اُس مہی سے ایک جائی پوی۔ نکل چلوا سیول ایک جائی پوی۔ نکل چلوا سیول گھر گیا ہے ، چیتی والفائموں نے چاروں طرف سے گھرا گال دیا ہے ، امریکن بھاک چکے ھیں.....ھرا طرف آگ لگھی ہے.....ہواگ آگ لگادی ہے.....بہاگ آچلو.... شطرہ ہے....نکل چلو.....

''मूल, नेटिय, कुली" धमरीकन बद्बदाया. ''हम तुन्हारे सहायक हैं'' कुंदर ने उत्तर दिया. ''तुम और सहायक !...तुमकी हमने डातर से खरीदा है."

"चुप रहो"

"तुम इह जायो"

'तुम अब हाथ नहीं उठा सकते."

"इस कुत्ते का मैं खून पी जाऊंगा" अमरीकन ने कहा. "क्यों, आखिर क्यों ?"

"कसीना हमारी बराबरी करता है...हम और यह... यह अपना अधिकार जताता है...हम से खबान तकाता है "

"तुम भी इनसान हो, यह भी इनसान है.. तुम इनकी रचा करने बाए हो..."

"और शायवं तुम यह सोचते हो कि तुम भी इनसान हो.. तुम काले हो और हम गोरे....गोरे इसलिये हैं कि कालों पर राज करें....बराबरी का वावा..."

कुंबर ने बूदे कोरियाई को कन्धे पर लादा और अपनी जीय की तरफ चल दिया.

गोरे ने सुकका ताना जरूर पर बार नहीं किया वह केवल बड़बड़ाता रहा—"नेटिव, गुक, काला, कुली...."

जीप बस्पताल की तरफ बढ़ी जा रही थी और बूढ़ा कराह रहा था. कुंबर उसकी भाषा नहीं समम सकता था लेकिन बेदना उसके दिल पर तकीर डालती जाती थी. हर कराह के साथ वह बेचैन हो जाता और स्पीड तेज कर देता—रह रह कर गोरे के बाक्य उसके दिमारा में गूंज रहे थे—

"शायद तुम यह सोचते हो कि तुम भी इनसान हो ... तुम काले हो और इम गोरे...गोरे इसलिये हैं कि कालों पर राज करें..."

उसने अमरीको अस्पताल के सामने जीप रोक दी. अन्धेरा झाया हुआ था. वह दीवा दीवा अन्दर गया. अजीव परेशाची झाई थी. उसने नरसों से डाक्टरों का पता पूझा. किसी ने दंग से उत्तर न दिया. वह मझाया हुआ डाक्टर सास्टर के कमरे में युस पढ़ा.

हाक्टर आल्डर वहां टहल रहे थे. कुंबर ने हांपते हांपते कहा:

भयक कोरियाई, जुदा बहुत खलमी हो गया है..... हाक्टर उसे जल्दी बचाको.....चलो, डाक्टर.....उसे जल्दी बचाको.....वह मर जायगा डाक्टर.....उसे गोली नहीं स्वती डाक्टर, एक सिपाही ने बूट की ठोकर मारी है.....केबारा बदा दुली है डाक्टर.....वह मर जायगा وَالْفِوْلُ فَا لُمِكُوا اللَّهِ السَّالِ السَّالِي فِو الوالِيا .

22 هم تبهارے سہایک هیں، کلور نے آثر دیا ،

والم أور سهایك، [..... ثم كو هم نے تأثیر سے خویدا هے، الم

"تم هت جاؤ"

"تم لي هانه نهين أنها سكتي ."

ا اِس کتے کا میں شون ہی جاونکا'' امریکی نے کہا ، ''لهرن' آشر کهرن؟''

''کیھٹم ھماری ہراہری کرتا ہے۔۔۔۔۔ہم اور یہ۔۔۔۔۔'' یہ ایٹا ادھیکار جمانا ہے۔۔۔۔۔ہم سے زبان لواتا ہے۔۔۔۔۔''' ''تم بھی انسان ہو' یہ بھی انسان ہے۔۔۔۔۔تم اِن کی رکشا کرنے آئے ہو۔۔۔۔''

''اور شاید تم یه سوچگے هو که تم یهی آنسان هو..... تم کالے مو اور هم گورے.....گورے آس لکے همی که کالوں پر راج کریں....ہوآپری کا دموی"

کٹور نے بہڑھے کوریائی کو کندھے پر لادا اور ایکی جیمیہ کی طرف چل دیا ۔

گورے نے مکہ تانا ضرور پر وار نہوں کھا ، وہ کھول ہو ۔ بواتا رھا۔۔۔'''

جیمی اسپتال کی طرف بوهی جا رهی تهی اور بورها کراد رها تها ، گذور اُس کی بهاشا بهیں سمجه سکتا تها لیکن ویدنا اُس کے دل پر لکیر ڈالٹی جاتی تهی ، هر کرالا نے ساتھ ولا پہچھن هو جاتا اُور اُسپیڈ تیز کر دیجا۔۔۔ رد رد کر گورے کے واقیہ اُس کے ذمائع میں گونیج رہے تھے۔۔۔۔

أس نے امریکی اسپتال کے ساملے جیس روک دی ہ ادھیرا جھایا ہوا تھا ، ولا دورا اندر کیا ، عصیب پریھائی جھائی تھی ، اُس نے ترسوں سے ڈائٹروں کا یکد پرچھا ، کسی نے قطنگ سے اُتر نہ دیا ، وہ جھایا ہوا فائٹر آنٹر کے کیزے میں گیس ہوا ،

قائدر آنظر ومان تهل رها تها كدور كا مانيع مانهادكها:

"यह उत्तरी कोरिया है या वक्खिनी' कोरिया ?" किसी ने जैसे उससे पूछा.

न यह उत्तरी कोरिया है, न दक्किनी कोरिया. यह अलग अलग नहीं हैं. कोरिया की लाश के दी दुकदे हैं.....दो दुकदें !

उस लाश पर उसने दो आंसू बहाए. भारी मन से जीप में आ कर बैठ गया. नक्ष्शा और कमपास निकाल कर अपने लिये एक रास्ता तय किया और एक धचके के साथ आगे बढ़ गया,

नाले. सन्दर्भ, खेत, मैदान, सब को पार करता वह श्रागे बढ़ता जा रहा था.

इसे एक ही ध्यान था कि उसे स्यूत जाना है. स्यूत भी आ गया !

अभी चांदनी नहीं निकली थी. अभी अन्धेरे ने अपना मूह नहीं छिपाया था स्यूल अन्धकारमय था. कहीं रोशनी नहीं थी. कहीं उनाला नहीं था.

कुंबर जीप उड़ाता जाता था. यूनी के भेस में अमरीकी सिपाइी उसे टोकते थे और वह पास देता तेजी से आगे बढ़ता जाता था. एक चौराहे पर उसने सुनाः

'गुक''

फिर मारने की आवाज आई—साथ में एक यातना भरी फरियाद भी.

कंवर इक गया-फिर चलने लगा.

फिर सार-बुट की ठोकर-फिर वही कराह.

वह उतर कर इस दश्य के क़रीब चला गया.

"गुक, बद्भारा" अमरीकी सिपाही ने कहा, और एक ठोकर जमाई.

बूढ़े कोरियाई ने खुन उगल दिया.

गोरे ने ताबड़ तोड़ मुक्के जमाए.

बुढ़ा हर बार सिर्फ इतना कहता--"बाबा, मैं कहां जाऊं, मेरा घर जल गया, मेरा स्नानदान तितर बितर हो गया. मेरी जायवाद लुट गई. मैं अपनी जमीन पर चल भी नहीं सकता. अपने देश पर भुंमे इतना भी अधिकार नहीं... में अपनी सक्कों पर क़दम भी नहीं रख सकता..."

कुंबर के होंट हिले और उसने दर्द से दोहराया-"मैं अपनी जमीन पर चल भी नहीं सकता, अपने देश पर मुफे इतना भी अधिकार नहीं...मैं अपनी पामीन पर पल भी नहीं सकता...''

गोरे ने पूढ़े को फिर एक मुक्का मारा... उसने फिर

खन दगता दिया.

कंबर में जैसे किजली की करन्ट दौक गई. वह किना किसी जीवा का व्यान किये वहां पहुँच गवा. उसने गोरे के उठते क्रम शाय शोक विजे.

وَ بِهِ الرِّي كَورِيا هِمْ يَا هُكَهِلَى كَبِرِيا أَكُنَّ كُسَى لِمُ جَهِسَمُ لس سے پوچھا ۔

لتم يم الله كربها هم أنه دكهان كوبيا . يم الك الك لهنين هيں ، كوريا كى لامل كے أدو الكوي هيں،...،دو

أسور الهن ير اس نے دو آنسو بھالہ ، بھاری من سے جهب مهن آ و بیگه گیا ، نقفه اور نمهاس مکال کر آیے اکے ایک راسته طے کھا اور آیک دهمچکے کے ساتھ آگے بوط

الله خلدک کهیت میدان سب کو یار کرتا وا إلى بومتا جا رما لها .

لے ایک هی دمیان تها که أسے سهول جانا ہے . سهول بهي آگها ا

ابهر جاندنی نبین تکلی تهی؛ ابهی احدده عالم إيدًا منه نهين جههايا تها ، سهول الدهكار ص تها ، كهون روهاي لهين لهي كبين أجالا نهين لها ،

گذور جهوب أواتا جاتا تها ، يو تو كم بهدهن سون امریکی سوامی آیے ترنکتے تھے اور وہ پاس دیتا تھڑی سے الع بومعا جانا تها . ایک جوراه پر اس نے سنا :

يهر مارنے کی آواز آئی۔۔ساتھ میں ایک یاتقا بھری فرياد بهي .

كدور رك كيا--يهر جلقه لكا .

يهر مارسيوت کي تهوکرسه پهر وهي کراه ه

مَا أَدْرُ كُرْ إِسْ دَرَهُمَا كُمْ قَرْيَاتٍ جَالًا مُا

ور کی، بدسماهی ، اسریکی سهاهی نے کہا، اور ایک

ٿهوکر جماڻي . ہوڑھے کوریائی نے خون اگل دیا ،

گورے نے تاہو تور مکے جمائے .

پروها هر بار صرف انتا کیعا-و بابا مهی کیاں بهاور" مهرا گهر حل گها" مهرا خاندان تعربعر هوگها . ميري جائداد الت لئي ، مهن أيلي زمهن ير چل يهي نههن سمعا ، أبه ديس بر مجه أتنا بهي أدهيكار نههنسهی ایلی سوکوں پر قدم یمینهمی رکھ سکھا..... علیر کے موسی علے اور اُس نے درد سے دھرایا۔۔۔ اسهوں

ایشی وصون پر بهل یهی تهیں سکتا اُ اُنے دیش پر معهد النا يهي ادهيكار تيهو مهن أيلي زمهن ير جال بهي نهوں سکعا....ا

گورے نے ہوڑھ کو پھر ایک ماتھ مارا.....أس لے پھر

کلور میں جیسے بتھلی کی کرنٹ دور گلی ۔ وہ بقا كسور جهز كا دهيان كك وهال بهرنج كها . أس في كوري ير الله هاله روك لكي . "कार्या, कार्य ! कार्य को तो वें तंग....."

मन की कोमलता मुंनज़ाहट के समय भी उससे जलग न थी.

इसने जोर से सिगरेट के दुकड़े को जमीन पर फेंका और पैर पटक कर इस चीज की तरफ चल पड़ा—

तह, तह, तह, तह

गोलियां की बोछारं होने लगी. कहां से और किथर से इसका पता नहीं लग सकता था. कुंबर का लक्ष्य ग्रायब हो गया, वह खुद ही गुम सा हो गया. किस तरह बह जीप के नीचे लेटा था, इस विबरन को बताना उसके बस की बात नहीं थी. वह जीप के नाचे दम साथे पढ़ा था.

कुछ देर के लिये समाटा. फिर गोलियों की बौछार. जहाज की चरघराहट.

किर समादा.

फिर बर्मों का धमाका

इस बार लम्बा सम्राटा झाचा रहा, कुंबर के दम में इस आया. मलेरिया का जाड़ा उत्तर गया था, पर डर भभी बाक्री था. बह अपनी जगह से नहीं डिगा. पन्दरह मिनट भौर बीत गप.

दिमारा ने कहा—"वह लौट जाय."
मन ने कहा—"नहीं, प्रस्तमी को ले कर जायगा."
इनसान जीत गया.

कुंदर ने फिर लाइटर जलाया और तेजी से उस तरक बढ़ गया.

फिर गोली चली.

सह वहीं लेट गया. लाइटर बुम गया, रोशनी स्नतम हो गई, अन्धेरा छा गया.

फिर समाटा छा गया, देर तक गोली नहीं चलो.

षद् धिसलने लगा, धिसलता गया, धिसलते धिसलते शक सा गया फिर उसने लाइटर जलाया. उसने देखा:

बिताकुल उसी के सामने एक गण के फासले पर एक औरत पड़ी है. एक बच्चा उसकी छाती से चिमटा हुआ है शायद मां ने भरते समय बच्चे को प्यार किया था, अपनी गांद में भींच लिया था. वह उसके बिलकुल क़रीब चला गया. लाश दो जगह से पिशुल्ला हो गई थी. जीप के पहियों ने इनसान पर चलने का सीमान्य प्राप्त किया था!

वह मन ही मन गिइगिइने लगा, समा चाहने लगा. उसने अपने की दोषी समम लिया. उसका स्वयाल था कि उसकी जीप ने ही यह अत्याचार किया है.

साम्य के वह भीर क़रीब हो गया, लाइटर भीर क़रीब के गया. عرقي فرقي ! فوقي س تو مين تفكته

من کی کو ملکا جھٹھھلاھت کے سے بھی اُس سے انگ تھ تھی ، اس نے زوو سے سکریت کے آکو ہے کو ومھن پر پھھلکا اور پھر پٹک کر اُس چھڑ کی طرف جل ہوا۔۔۔ تو' تو' تو' تو

گولهوں کی بوجہار ہوئے لکی کہاں سے اور کدھد سے اسکا یکھ نہیں لگ سکتا تھا ۔ کفور کا لکھی فائب ہو گیا وہ خود ہی کیا کو خود ہی کم سا ہو گیا ، کس طرح وہ جیپ کے نہتے لیگا تھا اِس ورون کو یتانا اُسکے یس کی بات نہیں تھی ، وہ جیپ کے نہتے کم ساتھ ہوا تھا ۔

کنچه دير کے لئے سفاڻا .

پهر گوليون کې بوجهار ۽

جهاز کی گهر گهراهمی.

يهر سفاتا .

يهريمون كا دهماكا ،

اِس بار لمبا سناتا چبایا رما کفور کے دم میں دم آیا ، ملهریا کا جاوا اُتر کہا تھا ؛ وہ اُلھی جاتم سے نہیں ڈگا ، وہ الهلی جاتم سے نہیں ڈگا ، پندرہ منت اُور بہت گئے ،

دماغ نے کہا۔۔'' وہ لوٹ جائے .''

من نے کہا۔۔۔'' بہوں' زخمی کو لے کر جائے کا ،'' انسان جہت گہا ،

کلور نے پھر لائٹر جالیا اور ٹیڑی سے اس طرف ہوھ گیا۔ پھر گولی جالی ،

ولا وهين ليت لها . الثار يجه لها ووهلى خام هو لكي أندهيرا جها لها .

پهر سفاقا نهها گها عبر تک گرلی قههن چلی.

ولا کیسلئے لگا کیسلتا کیا کہ لئے کیسلٹے تیک سا کیا....یہر اس نے لائٹر جلیا ،

اس نے دیکھا :

بالکل اُسی کے ساملے ایک گو کے فاصلے پر ایک مورت پوس ھے ، ایک بحجہ اُسکی جھاتی سے جمثا ھوا ھے ، شاید ماں نے مرتے سے بحجے کو بھاو کیا تھا ایلی کود میں بھیلنج لیا تھا ، وہ اس نے بالکل قریب جھ گیا، لامی دو جاتم سے پدھلی ھو گئی تھی ، جدی کے پیھوں نے اسان پر جلفے کا سوبھائیہ پرایت کھا تھا !

ولا میں هی من کو گوآنے لگا' جھما چاهئے لگا ۔ اُس لے آئے کو دوھی سمجھ لھا ۔ اُسکا خمال تھا که اُسکی جمیب لے هی به اِلهاجاو کها هے ۔

قبن کے وہ اور قریب ہو گیا^ء لائٹر اور قریب لے گیا ۔

अन्येरा, और आगे कुछ भी नहीं. उजालाजहां तक श्रांख जाय.....नये सवाल, नई समस्याएं, नई विन्ताएं— अन्धेरा जहां परदा हाले था, डजाले ने उसे नंगा कर दिया--

कुंबर ने अपने को एक जंगल में पाया. यहां अब जंगल नहीं था केवल जंगल की निशानियां बाक़ी थीं. पेड़ नहीं थे बल्कि कुछ ऐसे देव खड़े थे, जिनका मुंह मुलस दिया गया हो, जिनका शरीर भंज दिया गया हो। यह पेड़ नहीं थे, चिता की लुकाठियां थे ! कोरिया की लाश जल रही थी श्रीर कुछ इनसान द्वाथ ताप रहे थे. बमों को कहां फुरसत कि इन पेड़ों की दुहाई सुन सकें. जहाजों के कहां हैं कान जो इनका रोना उन तक पहुँच सके, गोलियां केवल मारना जानती हैं, मार की पीका क्या होती है, इसका उन्हें ज्ञान नहीं होता - कितनी लाशें चोस्ती होंगी, कितना चीत्कार इस जंगल में हुआ होगा !

कुंबर के होंट कांपे, आंखों में आंसू आ गए, पैरों में भुरभुरी जा गई. निराश हो उसने रोशनी खतम कर दी, श्रन्धेरा युला लिया.

रोशनी का इलाज अन्धेरा नहीं हो सकता श अन्धेरे की तरक बढ़ना बुजिदिली है, कायरता है. उजाला है कोई चीज, श्रीर मानवता के लिये वह बहुत ही जरूरी है. उजाले से से डर कर अन्धेरे की शरन में जाना इनसान की हार है. इनसान का जीत उजाले के रास्ते की साफ करना है, उसे समतल करना है.

कुंबर ने जीप स्टीट कर दी. वह सी एक क़दम आगे बढ़ भी गया. फिर न जाने क्यों वह इक गया. उसने जीप से बाहर त्रा कर सर सहलाया. थकान ने उस पर घेरा हाला. उसने जंमाही ली. न जाने क्यों उसका मन सिगरेट पीने के लिये मचल पड़ा. मुंह में दबी सिगरेट का उसने लाइटर की ली पर रख दिया. लाइटर की ली ने बढ़ कर सिगरंट का मुंह फुलस दिया या सिगरेट ने खुए ली पर अपने का निछाबर कर दिया, यह कहना जरा मुशकिल है.

सिगरेट जल गई, कुंबर ने जम्बा करा लिया. लाइटर बुमाने की कुंबर को सुध आई.

सर उठाते ही. क्लंबर ने मद्भम रोशनी में थोड़ी दूर पर कोई चीज पड़ी देखी. वह उसे देखने के लिये आगे बढ़ा.

वह पीछे लौट आया-जैसे किसी ने रोक दिया हो. वह रका रहा, सिगरेट पीता रहा, सोचता रहा.

"कोई पासमी बादमी न पड़ा हो" उसके मन ने कहा. "होगा, लड़ाई का मैदान है. वम बरसा ही करते हैं, भारमी मरा ही करते हैं....मैं क्या कर सकता हूँ" दिमारा ने जवाब दिया

''কড়িয়

الخموران اور آلم کچه یمی تهیں ، آجالجیاں تک أنعه جالي أنكي سيسيالين نكى جلتالين -اندهموا جهال يرده قال تها أجال لے أسر نقط كو

كنور نے اپنے كوايك جلكل ميں پايا، يہاں أب جلكل لههن تها کیون جلکل کی نشانیان بالی تبین ، پیو أبهن لها بلكه كجه أيسرديو لهور تما جن كا مله جهلس ديا كُها هو عبي كا شرير بهونيم ديا كها هو . يه هدي نهدى تھے چھا کی لوکاٹھیاں تھے آ گوریا کی لاش جل رھی تھی أور الجه أنسان هاله تاب رهے تھے بموں کو کہاں فرصت کا ان پہووں کی فجائی سن سکھن ، جہازوں کے کہاں ھیں کان جو اِن کا روقا أن تک يهوني سک کولهان کهول ماريا جانتی میں' مار کی پیوا کیا موتی ہے' اِس کا اُنہیں كيان نهيل هوتا--تتني الشير جيشين هين كي، كتنا بهمكار إس جلكل مهن هوا هوكا [

کلور کے هونت کابھ، آسکھوں میں آنسو آلکے، پھروں میں جہر جہری آ کئی ، نراش ہو اُس نے روشائی خالم کر دی؛ الحمیرا بلا لیا .

روشلی کا ملاے الدھیرا بہیں مو سکتا ؟ اندھیرے کی طرف يوملًا بودلي هي كايرتا هي ، أجالًا هي كوئي جهو اور ماقوتا کے لئے وا بہت ھی فروری ہے ، اُجالے سے قار کو اندھمرے کے شرن میں جانا آِنسان کی مار ہے ۔ انسان کی جومی اُجالے کے راستے کو صاف کرتا ہے ۔ اُسے سمعل

کفور نے جیب استارت کر دی، وہ سو ایک قدم آگےہوہ بھی گھا ، پھر ته جانے کھوں رہ وٹ گیا ، اُس نے جیب سے ہامر آ کر سر سہایا ، تھکان نے اُس پر کھیرا ڈالا ، اُس نے جمواهی لی. به جانے کہوں اُسکا من سکویت پہلے کے لئے معیل ہوا ۔ مقم میں دہی سکریت دو اس نے انگر کے لو پر رکھ دیا ۔ لائٹر کی لو نے بڑھکر سکریٹ کا مقم جھلس دیا یا سکریت نے خود لو پر اپنے کو نچہاور کر دیا' یہ کہفا ڈوا

سكريت جل كثي كلور له لمها كف لها .

لائلار بعجهانے کی داور کو سدھ آئی ۔

سر اُٹھاتے ھی عدر نے مدھم روشنی میں تھوری دور پر کوار چیز پوی دیکھی وہ اُسے دیکھلے کے لگ آئے ہوھا۔ ولا يهنهم لوف آيا--جهسے کسي لے ووک ديا هو .

وه ره رما سکریت پیتا رما سوچتا رما .

17 دوئی وخمی آدمی نه ہوا ہو 4 اس کے میں لے کہا ۔ 27 مولاً لوائي كا ميدان هي بم يوسا هي كرتے هين آدمي مرا هي درن هين....مهن کيا کو سکتا هون " هماغ نے جواب دیا ۔ '' فوض ''

هَهُو أَن كَا تَهَاللَا مَهَكُلُ هَي تُهِيْنِ تَأْمَنَكُنِ هُوَّا هِي آ كَيُولُ أَسَى أَنَّا أَمْ هِي سَبِي كَيْ جَيْتَ هِي أَ.

ولا إيك سهلا سا ديكها للا :

الم هو طرف لوائي کي تهاريان هو رهي هون ۽ وأتاورن میں بہی لوائی کی گونم ہے ، ایکم یم کی دھنکی سقائی دیتی ہے.....هائک رو دن ہم کی تداری کی خهر دانیا کو بهیجنی جانی ه ...جیسے ایک پاکل پن ساری دنیا ير جهايا هوا هي....ايک طرف لوائي کي شکتيان سلكتهم هو رهى هين أور..... دوسرى طرف شانتي كي شكتهان ايني بكهري كويان أكتها كو رهي ههنلواثي کے رائجیس یکایک ٹوٹ پرتے ھیں. ۔ . . ایک ٹومل الت کو نوب قالته هين مسل ڏالتے هيں' زمين خون سے رنگ جاتی ہے....الوالی کے بھوت آئے ہومتے میں...شانتی كى أوب لئر بهارت مانا آئر آني هـ....اس كى للكار سلائی دیدی هے۔۔لوائی بند کرو! پر لوائی بند نہیں هوتياور تيز هو جاني هي.... كدور ايك أسهتال مهن ذائتر هے ، يهان زخمهون لا علام هوتا هے-كسي پارٹی کسی دیش یا کسی گروپ نے زخمہ وں کا علام لہیں، يهان در هي بانهن هوتي ههن-زخم اور علاج.... ليكن ہموں نے اِس استعال کو بھی نه چھوڑا....ولا آپریشوں كر وها تها اور يم يهمك كها ... أيك ساته أسے بند جانے كتلى چيھيں سنائی پويں ."

ولا سہم کیا' رونگئے کھڑے ھو گئے اور جھبپ رک گئی ۔ واتاووں میں ایک کوٹواھٹ کونجی اور یموں کی ہارش ھولے لکی ، کاور جھیپ کے نیجے لیمٹ گیا ، کب تک یم پرسٹے رھے' کب تک ولا لیٹنا وھا' اس کا انومان نہیں ٹیا جا سکتا ، سیے کی گئی وک می گئی تھی، آسے کیول انفا یاد تھا۔۔ہم اور یم سے بچلے کی درشش ا

کلاور نے میں ھی میں کہا۔۔'' اب نکل چلفا چاھگے ۔'' کسی نے جھسے روکا۔۔'' لواٹی کا مہدان ھے' خالہ جی کا کہر نہیں ۔''

ولا پهر دیک کو لیت گیا .

بهاوس طرف اندههرا جهایا تها، هاته کو هاته ستجهائی نه دیگا تها، کلور جهب سے باهر نکل آیا پر اسکی سنجه میں نه آنا تها که کیا کرے' کدهر جائے ، راستے نے جهسے اس کا ساتھ جهور دیا تها ، اس نے جاها که هیڈ لائٹ جلا دیے ، پر سوئی تک هاته جاتے جاتے ولا سهم گها' اُسے رک جانا پوا، پهر اُس نے همت کی ... پهر ولا وپهل رها ... اُس نے پهر ساهس کی پکھری سهتا کو انتها کها ...

الله على للني الدهيرا خدم هو لها إ

The same of the same of the same

جهوري مين يجلي بار وه معسوس كر. رها تها كه أجاد كتف كتفا بههايك هوتا هرساندههرا.....كول

फिर उनका एंबाना सुरिशत ही नहीं नासुमकिन होता है! केवल इसी का नाम ही सच की जीत है!

वह एक सपना सा देखने लगाः

"हर तरफ लड़ाई की तैयारियां हो रही हैं. बातावरन में मी लड़ाई की गूंज है. एटम बम की धमकी सुनाई देती है.... ...हाइड्रोजन बम की तैयारी की स्तबर दुनिया को मेजी जाती है...जैसे एक पागलवन सारी दुनिया पर झाया हुआ है... एक तरक लड़ाई की शक्तियां संगठित हो रही हैं और... द्सरी तरफ शान्ति की शक्तियां अपनी बिखरी कड़ियां इकट्रा कर रही हैं.....लड़ाई के राज्ञस यकायक टूट पड़ते हैं..... एक कीमल गात की नोच डालते हैं, मसल डालते हैं, पामीन खुन से रंग जाती है..... जड़ाई के भूत आगे बढ़ते हैं.....शान्ति की फौज लिये भारत माता आगे आती है..... उसकी ललकार सुनाई देती है-लड़ाई बन्द करो ! पर लड़ाई बन्द नहीं होती..... और तेज हो जाती है..... कुंबर एक अस्पताल में डाक्टर है. यहां पास्तमियों का इलाज होना है-किसी पारटी, किसी देश या किसी मुप के जस्त्रमियों का इलाज नहीं. यहां दो ही बातें होती हैं-जलम और इलाज......लेकिन बर्मों ने इस अस्पाल को भी न ह्योदा.....वह आपरेशन कर रहा था और बम फट गया... एक साथ उसे न जाने कितनी चीखें सुनाई पड़ी....... "

बह सहम गया रोंगटे खड़े हो गए और जीप रुक गई. बातावरन में एक गड़गड़ाहट गूंजी और बमों की बारिश होने लगी. कुंबर जीप के नीचे लेट गया. कब तक बम बरसते रहे, कब तक वह लेटा रहा, इसका अनुमान नहीं किया जा सकता. समय की गति रुक सी गई थी. उसे केवल इतना याद था—बम और बम से बचने की कोशिश!

कंबर ने मन ही मन में कहा—''ब्रब निकल चलना चाडिये.''

किसी ने जैसे रोका---''लड़ाई का मेदान है, खाला जी का घर नहीं"

वह फिर दुवक कर लेट गया.

चारों तरक अन्धेरा छाया था. हाथ को हाथ सुमाई न देता था. कुंबर जीप से बाहर निकल आया पर उसकी समम में न आता था कि क्या करे, किघर जाय. रास्ते ने जैसे उसका साथ छोड़ दिया था. उसने चाहा कि हेडलाइट जला दे. पर सुइच तक हाथ जाते जाते वह सहम गया, उसे कक जाना पड़ा. फिर उसने हिम्मत की... फिर वह बिफल रहा उसने फिर साहस की बिखरी सेना को इक्ट्रा किया.....

लाइट जल गई, अन्धेरा खलम हो गया!

13

जीवन में पहली बार वह महसूस कर रहा था कि बजाता कितना भवानक होता है—अन्धेरा...केवल

और वह भर गया.....?

रास्ता उसका नहीं था, अब वह खुद रास्ते का ही गया था !

स्टीयरिंग पर हाथ जरूर थे पर जीप न जाने किस के इशारे पर अपना रास्ता बनाती चली जा रही थी. मौत के रास्ते पर वह जा रहा है था जिन्दगी की तरफ क़दम उठ रहे हैं, इसका झान उसे नहीं था. अन्धेरा था, डर था, भय था.....रास्ता खतरनाक था.....उसके बिमाग में लेकिन एक ही रुयाल था—उसका फर्ज — जिम्मयों को अस्पताल तक पहुंचाना।

कुंबर अपने ख्यालों में द्वा था और जीप अन्धेरे के पहें को फाइती किसी अनजाने मुक़ाम की तरफ चली जा रही थी. कभी कभी स्पीड कम हो जाती थी. उसे आगे नाले या खाई का आमास होता था. लेकिन भरम के सिवाय उनका कोई वजूद न होता. वह घोका थे..... सारे डरों की तरह वह भी भरम थे, धोका थे. कुंबर स्पीड फिर तेज कर देता था.

कव और किस नियम के अनुसार जीप खेतों पर चलने लगी. इन्हें खेत कहा भी जा सकता है । यहां हरियाली होनी चाहिये थी, यही तो मौसम है. पर यहां हरियाली नहीं थी, सिर्फ बन्ठल खड़े थे और कभी यहां हरियाली होने का समृत दे रहे थे. खेतों की छातियां टेन्कों से कुचल दी गई थीं. घरती ग़ल्ला क्यों कर उगती, इस पर खून की पपिड़ियां जम गई थीं— उत्तरी कोरिया का खून, दिखनी कोरिया का खून, अमरीकी खून, अंगरेजी खून, सफेद खून, काला खून, पीला खून सब पक साथ मिल कर धरती पर जम गए थे. जो. खून उवाल पर न मिल सके थे, वह धरती पर गिर कर ऐसे मिल गए कि कोई भी उन्हें अब अलग अलग नहीं कर सकता!

जीप चली जा रही थी और कुंवर सोच रहा था:

"यह लड़ाई क्यों हो रही है, इसका क्या आधार है ?......आ किर वह क्यों यहां है...... ज़लामियों की सेवा करने के लिये! लेकिन एक तरफा यह सेवा भाव क्यों ? उत्तरी कोरिया बाले क्या नहीं मरते ? फिर उनके ज़लमी उठाने के लिये वह क्यों नहीं मेजा जाता"

अमरीकन जीप ने एक कोर का इचका दिया और कुंदर के दिमाग से इन सवालों का ध्यान निकल सा गया! मानव इदय में उठते हुंद यह सवाल दवाद जा सकते हैं, उनका समाधान नहीं किया जा सकता. वह हिस्मत की गरमी या कर जागते हैं और इस तेजी से जागते हैं कि

اور وه مر کیا......؟

واسته أسكا نهيل تها؛ إن ولا خود واستم كا هو كها تها!

استیرنگ پر هاته ضرور تهے پر جهب نه جائے کس کے اشاریے پر اپنا راسته بناتی جنی جا رهی تهی ، موس کے راستے پر وہ جا رها هے یا زندگی کی طرف قدم آته رهے هیں اسکا گهاں آبے نهیں تها ، اندهیرا تها تر تها بصحها تهاراسته خطرناک تهاأس کے دماغ مهالهکان آیک هی خهال تها اساس کا فرض زخمیوں کو اسپتال تک پہنچانا ا

کلور اپے خیالوں میں ذریا تھا اور جیپ اندھورے کے ہودے کو پہارتی کسی انتجائے مقام کی طرف چالی جا وہی تھی۔ کیعی کیعی کیعی اسپیک کم ہو جالی تھی۔ آسے آئے تالے یا کہائی کا آبھاس ہوتا تھا ، لیکن بہرم کے سوائے اُن کا کوئی وجود نہ ہوتا وہ دھوکا تھے ، . . . سارے ذروں کی طرح وہ بھی بہرم تھے' دھوکا تھے ، کلور اسپیک بہر تیز کر دیتا تھا ،

کب اور کس نهم کے انوسار جہپ کھھتوں پر چلنے اگرے۔ اِنھیں گھیمت کہا بھی جا سکتا ہے؟ یہاں ہریالی ہوئی چاہئے تھی، پہی تو موسم ہے ، پر یہاں ہریالی نہمیں تھی، صرف فلٹیل کھڑے تھے اور کبھی یہاں ہریالی ہونے کا ثبوت دے رہے تھے ، کھیتیں کی چھاتھاں تھلکی سے کچل دی لئی تھیں، دھرتی فلہ کھوں کر اُنڈی اُس پر خبون کی بھڑیاں جم گئوں تھیں۔ آتری کوریا کا خون دکھتی کوریا کا خون امریکی خون انگریزی خون سفید دکھتی کوریا کا خون سب ایک ساتھ مل کر دھرتی پر جم گئے تھے، جو خون اُبال پر نہ ملسکہ تھے، وہ دھرتی پر جم گئے تھے، جو خون اُبال پر نہ ملسکہ تھے، وہ دھرتی پر کر کر ایسے مل گئے کہ کوانے بھی اُنھیں آب الگ الگ

جورب چلی جا رهی تهی اور کفرر سرچ رها تها:
'' یه لوائی کهرن هو رهی هه' اِسکا کها آدهاو هه؟
……آخر ولا کهرن بهان هے……زخمهون کی سهوا کرنے
کے لئے ! لیکن ایک طرفه یه سهوا بهاؤ کهون؟ آتری کوریا
والے کها نهون صرتے ؟ پهر أن کے زخمی آتهائے کے لئے وہ
کهرن نهیں بههجا جاتا۔۔۔۔۔"

امریکن جہب نے ایک زور کا هنچکا دیا اور کلور کے دماغ سے اِن سوالوں کا دهیان نکل سا کیا ا مانو هردی میں اُتِہتے هوئے یہ سوال دہائے جا سکتے هیں اُن کا سمادهان نہیں کیا جا سکتا ، وہ همت کی گرمی یا کو جاگتے هیں که

هے؛ له جالا جاسکتا هے عماری بدهی پرکرتی کی سیما نہیں لانگھ سکتی ، بدھی یعلی کیاں هماری آلما کا سوبهاؤ ہے . گهان بدھی کے سوا کھچھ نبهن . گهان بدهی هی هم کو کرتب سکهانی هی ، کرلب یالی کا سمینده پرلوک سے نہیں اس لوک سے ہے۔ ھنیں پرلوک واسیوں سے ته دوسائی کرنے کی قدورت ھے اور نه أن كے لكم معصلت ، كريدانك كا يه كهدل اجها ياته ديها هي أوه كلكا جي نهات والت ايلي كاول كي طرف مله كرك ياني أله جلم لكي جب يه كرت دير هوكلي تب لوگ يونچه بيالم ' گروجي' يه آپ کها کر رهے ههس؟ گروجي بولے ' ابنے کاوں کے کھیٹوں کو پانی دے وہا موں۔ لوگ ہولے' مهارأي يه كهس موسكتا هـ ؟ كروجي بوله كهي نهين مرسکھا؟ جب تم یہاں سے سررے کو یانی دے سکتے ہو اور شرادھ کے ڈریعے پرلوک واسیس کو کھانا یہوئنچا سکتے ھو تو مہرا یانی مہرے گاؤں کے کہھترں تک کہوں لھ پہوں بچے گا؟ یہ کہکر کروجی نے صاب بھا دیا کہ پرلوک واسهوں کے پرتی نه همآرا کوئی د تب ہے، نه هم ان کی کوئی سہوا کرسکتے ہیں ۔ یہ اِسی لوک کے لوگوں سے پرپیم درئ محصمت كرنے دوستى كا يرتاؤ كرنے أن كى خاطر مصلت کرکے هم ابنے سارے کرتب بالن کرسکانے هيں ، اگر همهن سبے می ایشور یا پرلوک کے لگے کسی کرتب پالی ئی ضرورت ہے تو وہ اِس لوگ نے کرتب پاللے میں سمایا مرا ھے ، ایشور یا پرلوک کے لئے الگ کوئی کرتب نہیں رہ جاتا ، همیں سلاوس کے ساتھ کام میں لگر رهانے کے موا كنچه لههن سهكهقا .

چستکار هماری کمر ترو دیکے هیں ، همیں ساهسی بن کر چستکاروں کی امر تروزنی هوئی، چستکار هم سے هماری سمجھ آور هماری ورسلانا ان چستکاروں کا کاریہ کارن بھاؤ جان کر ایلی سمجھ اور ایلی برسلانا ان چستکاروں جیشن لیس گے، اور یہر آپے آپ همارے میں بھائی کے لئے کیل جائیس گے اور همارا مستک سحجائی کو ایڈائے لگے کا ، لور یہی هوئی یہوری آزادی اور هماری یہ آزادی هی ملشن سماج کو سکھی پلائے کی آزاد کرے گی اور هم اسی آزاد مماج کی مدین ایلی گئی مدین کے سمجھ لیس گے اور سکھی جو ایشور کے نام سے بکارا جاتا ہے، اس کے دوشوں کرائوں کے اور بیھی هوتا سجھا اور مہان جماکار ،

है, नजाना जा सकता है. इमारी बुद्धि प्रकृति की सीना नहीं लांघ सकती. बुद्धि यानी ज्ञान हमारी चात्मा का स्वमाव है. ज्ञान बुद्धि के सिवा कुछ नहीं. ज्ञान बुद्धि ही हम को कर्तव्य सिखाती है. कर्तव्य पालन का सम्बन्ध परलोक से नहीं, इस लोक से है, हमें परलोकवासियों से न दोस्ती करने की जरूरत है और न उनके किये मेहनत. गुढ नानक का यह खेल अच्छा पाठ देता है, वह गंगाजी नहाते बक्त अपने गांव की तरक मुंह करके पानी उलीचने लगे. जब यह करते देर हो गई तब लोग पूछ बैठे, गुरुजी, यह आप क्या कर रहे हैं ? गुरुजी बोले, अपने गांव के खेतों को पानी दे रहा हूँ. लोग बोले, महाराज यह कैसे हो सकता है ? गुक्जी बोले, क्यों नहीं हो सकता ? जब तुम यहां से सूरज को पानी दे सकते हो और श्राद्ध के जरिये परलोकवासियों को खाना पहुंचा सकते हो तो मेरा पानी मेरे गांव के खेतीं तक क्यों नहीं पहुंचेगा ? यह कह कर गुरुजी ने साफ बता दिया कि परलोकवासियों के प्रति न हमारा कोई कर्तव्य है, न हम उनकी कोई सेवा कर सकते हैं. यह इसी लोक के लोगों से प्रेम करके, मोहब्बत करके, दोस्ती का वर्ताव करके, उनकी खातिर मेहनत करके इस अपने सारे कर्तव्य पालन कर सकते हैं. अगर हमें सचमुन ईश्वर या परजोक के लिये किसी कर्तव्य पालन की जरूरत है तो वह इस लोक के कर्तव्य पालने में समाया हुआ है. ईरबर या परलोक के लिये अलग कोई कर्तव्य नहीं रह जाता. हमें संतोष के साथ काम में लगे रहने के सिवा कुछ नहीं सीखना.

वमत्कार हमारी कमर तोड़ देते हैं. हमें साहसी बनकर वमत्कारों की कमर तोड़ नी होगी. वमत्कार हम से हमारी समक्त और हमारी असकता छीन लेते हैं. हम वमत्कारों का कार्यकारन भाव जानकर अपनी समक्त और अपनी असकता उन वमत्कारों से छीन लेंगे. और फिर अपने आप हमारे मन भलाई के लिये खुल जायंगे और हमारा मस्तक सवाई को अपनाने लगेगा. और यही होगी पूरी आखारी और हमारी यह आजारी ही मनुष्य स्माल को समाल की मदद पाकर सत्य की असलियत को समक लेंगे समाल की मदद पाकर सत्य की असलियत को समक लेंगे और सत्य जो ईश्वर के नाम से पुकारा जाता है, उसके दर्शन कर लेंगे और यही होगा सवा और महान कभी यह नहीं कहते कि वह कोई समत्कार करना जानते हैं और उनके लिये वैसा कहना वाजिब है, पर हम मामूली श्रत्लाह के बन्दे यह कैसे माम लें कि पहुँचे हुए कक्षीर समत्कारी नहीं होते. अगर ऐसा न होता तो ताज बन्द बादशाह नंगे, उधाड़े कक्षीरों के पांच छूने न जाया करते. हुजूर, कोई करिशमा दिखाइये!

गुह जी बोले, मैं करिश्मे या चमत्कार में विश्वास नहीं करता और न मैं कोई चमस्कार करता हूँ और न मैं जानता हूँ. मैं बापको यह सलाह देता हूँ कि बाप चमत्कारों में विश्वास करना छोड़ दें.

गुह जी के इस उपदेश से बजीर साहब के अन्दर करिश्मा देखने की इच्छा और जियादा भड़की. वह हठ करने लगे. हुजूर, कोई एक तो दिखाइये। आखिर गुरु जी को सूक गई और उन्होंने अपनी जेब से एक अशरफी निकाल कर दिखाई. कहा, एक करिश्मा यानी चमत्कार यह है, इससे सैकड़ों काम हो सकते हैं.

बजीर साहब बीले, हुजूर का फरमाना बजा है. बेशक यह करिश्मा है और इस करिश्में से बादशाह लोग बड़े बड़े काम निकालते हैं. पर फक़ीरों के पास तो यह करिश्मा नहीं होता. हुजूर, कोई करिश्मा दिखाइये! अगर आप करामाती न होते तो लाखों आदमी इस तरह आपके पीछे न हो जाते. बड़ी इनायत होगी, कोई करिश्मा दिखाइये!

गुरुजी ने थोड़ा बिगड़कर अपने न्यान से तलबार सीवी और उसे नंगा करके दिलाया और बोले, दूसरा करिश्मा यह है!

जबाब में बबीर साहब बोले, बेशक, यह बढ़ा करिश्मा है, पर हुजूर यह चीज भी फकीरों के पास नहीं होती. कोई करिश्मा दिखाइये!

गुरुजी ने उन्हें लाख सममाया पर किसी तरह उनका विश्वास करिश्में पर से न हट सका. यह है पढ़े लिखों का हाल. बचपन में जो चीज गहरी घर कर जाती है वह आसानी से नहीं निकल पाती. यही वजह है कि दुनिया के वह से बड़े सुधारक, बड़े से बड़े विज्ञानी बेहद जोर लगाकर भी दुनिया की यह क सिखा पाप कि जब भी कोई अनोखी चीज देखी तब उसके कारन पर सोचो. अगर ठीक ठीक न जान सको तो उस काम का रालत कारन तो न मान बैठो. जनता के मन का यह अज्ञान और कार्यकारन सोचे बिना किसी घटना को अटपटांग तरीके से मान लेने की आदत उम वक्त तक न क्ट्रेगी जब तक बचों के संस्कार न बरले जायंगे. और स्कूल और कालेज उन आदिमयों के हाथ से न इति लिये जायंगे जो देववादी धर्म के विश्वासी हैं. देव वा है स्वर म जाना गया, न जाना जाता

گھھی یہ 'نہیں ٹھٹے کہ ولا کوئی جملکار کونا جائے ہیں اللہ اور اس کے لئے ویسا کہفا واجب ہے' پر ہم معمولی اللہ کے یقدیے یہ کیسے ماں لیں کہ پہونتھے ہوئے فقیر جملکاری نہیں ہوتے ۔ اگر ایسا نہ ہوتا تو تاہے یقد یادشاہ نفکے' الهارے فقیروں کے پاؤں جھوتے نہ جایا کرتے ، حضور' کوئی کرشمہ دکھایا۔ !

گرو ، چی پولے' میں کرفت یا چنگکار میں وفواس نہیں کرتا اور نه میں کوئی چنگکار کرتا هوں اور نه میں جانگا هوں ، میں آپ کو یہ صلاح دیگا هوں که آپ جنگکاروں میں وفواس کرنا چھوڑ دیں ،

گرو چی کے اس اُپدیش سے وزیر صاحب کے اندر کرشمہ دیکھیٹے کی اِچھا اور زیادہ بھوکی ۔ راہ ہت کرتے لگے۔ حضورا کوئی ایک تو دکھایٹے! آخر گرر جی کو سوجھ گئی اور اُنھوں نے اُپٹی جہب سے ایک اشرقی نکال کر دکھائی، کہا' ایک کرشمہ یمنی چمتکار یہ ہے' اس سے سمکورں کام ہو سکتے ہیں .

وزیر صاحب بولے حضور کا قرمانا ہجا ہے ، بیشک یہ فرشمہ ہے اور اس کرشمے سے بادھاہ لوگ ہوے ہوے کام نکالتے میں ، پر فقیروں کے باس تو یہ کرشمہ نہیں ہوتا ، حضور کوئی کرشمہ دکھایئے ! اگر آپ کراماتی نہ ہوتے تو لائیوں آدمی اِس طرح آپ کے پیچھے نہ ہو جاتے ، بوی عفایت ہوگی کوئی کرشمہ دکھایئے !

گرو بھی نے تہوڑا بگو کر آپے مینان سے تلوار کییڈیوی اور آسے نشکا کر کے دکھایا اور بولیا درسرا کرشمہ یہ تھے۔

جواب میں وزیر صاحب ہولے' بیشک یہ ہوا کرشمہ ہے' پر حضور یہ جھڑ بھی فقیروں کے پاس تھیں ہوتی ، کرٹی کرشمہ فاکھایئے !

گرو جی نے اُنھیں لاکھ سمجھایا پر کسی طرح اُن کا وشواس کرشمے پہ سے نہ ہات سکا ، یہ ہے بوئے لکھوں کا حال ، ہجھین میں جو چوڑ گھوری گھو کو جاتی ہے وہ اُساسی سے نہیں نکل پاتی ، یہی وجہ ہے کہ دنیا کے بوے سے بوے سدھارک' بوے سے بوے وگھانی بےحد زور لگا کر بھی دنیا کو یہ نہ سکھا پائے کہ جہب بھی کوئی اُنوکھی چھوڑ دیکھو تب اُس کے کارن پر سوچو ، اگر تبھیک تبھیک نہ جان کہ تو اُس کام کا فلط کارن تو نہ مان بھتھو، جلتا کے من کا یہ اُلھان اور کارنہ کارن سوچے بنا کسی کھتنا کو اُوٹ پتانگ کے من طریقے سے مان لیلے کی عادت اُس وقت تک نہ چھوڑ گھی۔ کو اوٹ پتانگ کے نہ بدوں کے سنسکار نہ بدلے جائیں گے . اور اسکول اور کالیج تک بدوں کے ماتھ سے نہ جھیوں لئے جاگھی گھو ہو وادی قدو وادی دھوم کے وشواسی ہیں ۔ فیو یا ایشور نہ جانا گھا کا نہ جھانے جاتا ہو اُلیج

कि रैल किन किन कारनों से बला करती है और यह कि रेल के बलने के काम में उसके बालक का मुक्का मारना किसी तरह का कारन नहीं हो सकता

हमारे पढ़ने वाले आगर हमारी बात ठीक ठीक समम गए हों तो वह आसानी से ख़ुद और मिसालें सोच कर मिकाल सकते हैं, हम इतनी ही मिसालों पर सन्तोश करते हैं और अन्त में यही कहना चाहते हैं कि वह अपने बच्चों के बारे में इस बात का खयाल रखें कि उनके दिमाश इस तरह मैले न होने पाएं कि वह चमत्कारों में बिश्वास करके काम का ठीक ठीक कारन खोजना छोड़ बैठें.

चमत्कार में और मामूली घटना में कोई अन्तर नहीं होता. चमस्कारी के लिये चमत्कार वैसे ही मामूली घटना है, जैसे बाषीगरी के खेल बाषीगर के लिये रेडिच्चो के यंत्र जो दिन भर घर घर में गाने रहने हैं किसी ऐसे गांव में जहां धाव तक रेडियो न पहुंचा हो चमत्कार की चीज सममे आयंगे. हो सकता है कोई रेडियो के यंत्र को अचानक देख कर डर जाय और यह सममे कि इसके अन्दर भूत प्रेत बैंडे गाना गारहे हैं. भूत प्रेतों के बारे में अक्सर जो कहानियां कही जाती हैं उनमें यही बताया जाता है कि उनके घंघरुओं की छमझम की आवाज सुनाः देतो है और गाना सुनाई देता है. पर वह दिखाई नहीं देते. दूसरी बात डमके बारे में यह बताई जाती है कि वह छोटी से छोटी जगह में ह्या सकते हैं. जिझों को शीशों में उतारने की बात किसने नहीं सुनी शर्शा में उतारना अब आम मुहावश बन गया है जो रेडिको शहर वालों के लिये मामूली चीज है वही गांव ालों के लिये चमत्कारी चीज हो सकता है

चमस्कार मामूली घटनायें हैं, फिर भी चमस्कार पदे लिखों में इतने गहरे घर कर गए हैं कि वह अपने दिल से निकाल कर नहीं फेंक सकते जब कोई हिन्दू अपने धर्म के चमत्कार फेंक कर मुसलगान हो जाता है तब वह मुसलमान धर्म के जमत्कार अपना लेत है यही हाल किसी ससलमान का आर्य समाजी हो कर हो जाता है आदमी सर्वज्ञ नहीं है, बहुत अंशों में अजानकार है इसलिये चम-स्कारों में विश्वास करने में उसे आनन्द आता है. एक बार का जिकर है, सिक्जों के दूसरे ग्रुव गोविन्द सिंह जो हिम्दुओं में बढ़े 'समस्कारी मशहूर हो गए बे और जिनको सैकड़ी मुसलमान जमत्कारी मानते थे एक बार दिल्ली के बच्चीर के मेहमान हुए, बचीर ने बड़ी श्रद्धा के साथ डनसे पूछा मैंने सुना है, आप बढ़े बड़े करिश्मे यानी चम-स्काद कर सकते हैं, काई करिश्मा दिखाउथे. गुरु जी बाले आप बादशाह के बजीर हो कर करिश्मों में विख्वास करते 🖁 भला करिश्मे भी कोई चीच होते हैं ? मैं न चमत्कार कांदरमा जालता हूं और न कर सकता हूँ. बजीर साहब केते. कम पहुंचे हुए कामीयों का बड़ी बाल होता है. वह که ریل کن کن کارنوں سے چلا گرٹی فلے آور یہ گه ریل کے چلئے کے کام میں اُس کے بالک کا مکه مارنا کسی طبح کا کارن ٹیوں ہوسکتا ۔

همارے پوهنے والے اگر هماری بات تھیک تھیک سمجھ کر نکال کئے هوں کو وہ آسانی سے خود اور - گلیس سوچ کر نکال سکتے هیں کو وہ آسانی سے خود اور - گلیس سوچ کر نکال اور انت میں یہی کہنا چاهتے هیں که وہ اللہ بحوں کے بارے میں اِس بات کا خیال وکیمن که اُن کے دمائے اِس طرح مہلے نه هونے پائیس که وہ چمتکاوی میں وشواس کرنے کام کا تہیک تھیک کارن کھوجلا جھوج بیگھیں ،

المنتاكار مهن أور معدولي كهاتا مهن كولي أناثر تههن هوتا مهمتکار جمتکا می کے لگے ویسی هی معمولی گهالما ھے، جہسے بازر گبی کے کوول دازی گر دلئے ریڈرو کے یدتر ہے۔ دن بھر گور گو، میں کاتے رعجے میں' کسی آیسے گاؤں مون جهان آپ تک ویکیو به پهواها هو چمتکا، کی چیز سمجھے جائیں گے ، ھوسکتا ہے کوئی ریڈیو کے یلڈر کو اجانگ دیکهکر قر جائے اور یہ سنجے کہ اِس کے الدر بمرت بریت بیٹے گنا کا رہے عمل ، بمرت پریٹوں کے پارے میں انڈ جو کہانیاں کہی جاتی میں اُن مور يهي بعايا جاتا هے كه ان كے كيلكبروں كى جوم جوم كى أراز سفائی دیعی هے اور کاما سفائی دیعا هے پر وہ دکھائی نہیں دیتے ، دوسری بات أن بے بارے میں یه بعائی جاتی ھے که ولا چھوٹی سے چھوٹ جگله مهن أ سكتے ههن ، جلون او شهشان مهر الارنے كى بات كس نے بہوں سلى؟ شهشے مهي أتارب أب مام محاورة بن كيا هي ، جو ريكيو شهر والون کے لگے معمولی چھڑ ہے وہی گاؤں والوں کے لگے چمگکاری چهر هو سکتا هے .

چىتكار معبولى ئېڭقائين ھين ، پهر بھي چىتكار پومے لکھوں میں اللہ گہرے گھر کر گئے تھیں که وہ آنے دل سے دکال کر نہیں پہلک سکتے ، جب کوئی ہقدو انے دھرم کے جماکار پھینگ کر مسلمان ہو جاتا ہے لب وہ مسلمان دهرم کے چمعکار اپنا لیتا ہے ، یہی حال نسی مسلمان کا آريء سماجي هو قر هو جاتا ۾ ، آدامي سررگهه نهون هـ' بهت انهر مهل اجادكار في إس لله جمد كارول مهل هواس كرن مين أبير أنقد أنا هي ، ايك يار كا ذكر هـ معون ك دوسرے گرو کیوند سٹگاہ جو هلدوں مهن بڑے جمتکاری مشهور هو گئے تھ اور جن کو سهکروں مسلمان چمتکاری مانتے تے ایک بار دلی کے وزیر کے مہمان ہوئے ، وزیر نے بڑی شردما کے ساتھ ان سے پوچھا میں نے سفا ھے' آپ ہوے بوے درھیے یعلی چیدکار در سکتے ھیں، دوئی درشت دنیایئے ، گرو جی بولے آپ بادشہ نے وزیر هو کر کرهموں میں وھولس کرتے ھیں' بھٹا درھسے بھی کوئے چھڑ ھوتے میں ؟ میں نه جملاکار فرشمه جانگا هوں اور نه فرسکا هوں وزایر ماهب بولي سب بهونفق هولے فقيرون كا يهى خال موتاف، و

'रेल के इंतजाम में कोई ऐसी गड़बड़ी हो गई है कि गाड़ी श्रमी जल्दी न चलेगी, श्राप बोले जाइये. गांधी जी सुभीते से बोलते रहे और जब वह बोलकर गाड़ी में जा बैठे, रेल का इंतजाम ठीक हो गया. श्रीर गाड़ी चल दो. गाड़ी के गोन्दिया से बूटने से पहले पहले गोन्दिया से नागपुर तक श्रीर इधर गोन्दिया से रायपुर तक यह खबर फैल गई कि गांधीजी बड़े चमत्कारी हैं उनके चमत्कार से गाड़ी कर गई और उनके उस चमत्कार को बात का कभी कि नी समभदार श्रादमी ने खंडन नहीं किया, उल्टा मंडन किया, क्योंकि उस बक्त हिन्दुस्तान के सारे समभदारों का स्वार्थ इस बात में था कि गाधी जी को अवतारी, चमत्कारी श्रीर महाचमत्कारी साबित किया जाय. हम गोंदिया स्टेशनपर मौजूद थे. यह सब कार्रवाही स्टेशन के श्रादमियों ने जान यूफ कर की थी, वह सब गांधी जी का व्याख्यान जी भर कर सुनना चाहते थे और यह भी चाहते थे कि वह गाड़ी रांकने के इलजाम से बचे रहे. पदने वालों को यह याद रहे कि म्टेशन को रिपार्ट में गाड़ी कुकने की वजह यह नहीं बताई गई कि गांधी जी के चमत्कार से गाड़ी रुक गई. क्योकि रेलवे अकसर इतने बेवक्रफ़ न थे कि वह इस तरह के कांसे में आ जाते, उनको तो बुद्धि में जंचने वाली ऐसी ही कुछ वजह बताई गई थी जैसे सगनल का खराब हो जाना, या इजन का फोरबाल्य यानी अगली नली बिगड़ जाना यह होते हैं चमत्कार और यह है चमत्कारों का उपयोग.

चमत्कारों की सचाई हर यच्चे को उमकी जनम घुट्टी में पिलाई जाती है. जब कोई तीन चार साल का बच्चा स्टेशन पर रेलगाड़ी के देर तक खड़े रहने से **उब उठे तब वह रे**लगाड़ी में मुक्का मार मार कर चल चल कहना ग्रुक्त कर देता है और अगर कही उसके पहले दूसरे तीसरे मुक्के पर गाड़ी चल पड़े तो चट उसके मृंह से निकल जायगा, "मेर हुक्म से गाड़ी चल दी" उधर उसकी मां के मृंह से निकल जायगा, "मेरा लाल बड़ा चमत्कारी है." बच्चे को जितना इस बात में विश्वास है कि उसके हक्म से गाड़ी चली, उतना ही उसकी मां को उसके अमत्कारी होने में विश्वास होता है. वह अपने बालक को यों ही चमत्कारी नहीं कह बैठती, उसको सचमुच उसका बालक चमत्कारी जंचने लगता है, उसके मन में वैसी गुदगुदी पैदा होने लगती है. वह वैसा सोचने की हर तरः श्राधिकारी है. श्रगर कंस जैसे पापी की बहन देवकी करन जैसे चमत्कारी को जन्म दे सकती है तो वह क्यों नहीं वैसे ही चमत्कारी का जन्म दे सकती. श्रीर क्यों गाड़ी उसके षालक के चमत्कार से नहीं चल सकती. उस मां का पीढ़ियों की धार्मिक वालीम उमके सिर पर आ सवार हाती है और फिर बह यह सोचने का तनिक भी कष्ट नहीं उठाती

¹³ ریل کے انتظام میں کوئی آیسی کو ہوں ، ہو کئی ہے که کاری ابھی جلدی نه چلے کی آپ بولے چالهے . ا کا دھی جی سبهیتے سے بولتے رہے اور جب وہ بول کر گاڑی میں جا بیڈھ' ریل کا انتظام تھیک ھو گھا' اور کاری جال دی ، کاری کے گرندیا سے جہاتھے سے یہلے یہلے گوردیا سے نائیور تک اور ادھر کوندیا سے رائے یور تک يہ حمر بهول کئی که کاندھی جی بڑے چندکاری ھیں' اور ان نے چمعکار سے گڑی رک لکی اور ان کے اس چمگکار کی بات کا کیهے دسی سمجهدار آدمی نے کہلڈن نيهن كها ألتا مذكن أها الهولكم أس وقت هلدسدان کے ساوے سنجهداروں کا سوارته اس بات میں تھا کہ كانده مها چم كو ارتاري چمتكاري اور مهاچمتكاري دايت فها جائه ، هم گوندیا استیشن بر سوجود نع یه سب کاروائی اسٹیشن کے آدمیوں نے سان ہوسہ کر دی تھی وا سب كالدعم جو كا وياكهمان حي نهر كر سنقا چاعتے ته اور یہ بھی چاہتے تھے کہ وہ کاری روکلے کے الزام سے بحجے رهین ، پوهنے والوں کو یہ یاد وقع کد استیشن رپورت میں کری رکٹے کی وجہ یہ نہیں نٹائی گئی دہ کاندھی جی کے جمعکار سے کاڑی رک گئی ، کیونکه ریلوے افسر اتلے بےوقرف به تھے دم وہ اِس طاح نے جہانسے میں آ جاتے اُ ان كو تو بدهى مهن جندياء والَّى أيسى هي نبيه وحه بتائي كلي تهي جيسه سكفل كا حراب عو جانا يا أندن كا فرر بالب يعلى اللي بلي بكر جانا . يه هوتے ههن چمتكار اور یه هے جمعکاروں کا اُپھوگ .

چمتکاران کی سنچانی هر بنچے کو اُس کی حقم کهاتی مهن ياللي جائي هے جب دوئي تهن چار سال کا يعهد اسٹیھن پر ریل گڑی نے دیر تک نہرے رملے سے اوب اٹھ تمه ریل اوی مهی مکه سار مار در چل چل دیدا شروع کر دیکا ہے اور اگر کیھی اس نے پہلے دوسرے تیسوے مکے يو گاتھ جل ہونے تو جت اُس نے سلم سے مكل جائے گا' المهري حكم سے كارى چل دى. " أدعر اس دى مال نے مله بي نكل جائد كا "سورا لال بوا چندكاري هے " بحج کو بچیلا اِس بات میں وشواس هے نه اُس کے حکم سے کاری چلی' الله هی اس دی مال کو اس کے چماکاری هولے میں وضواس هونا هے ، ولا الله عالک كو يوں هي جمعکاری نہوں کو بیٹھی اس کو سیم میم اس کا بالک بهدتکاری جنجلے لکتا ہے' اُس کے من میں ریسی گد گدی پهدا هونے لکاتي هے' وہ ریسا سوچنے کی هو طوح ادهيكاري هي اكر كلس جيسے پاپي كي بهن ديوثي کردین جهسے جمالکاری کو جلم دے سکتی ہے تو وہ کیوں بیهی ویسے هی جمهکاری کو جام دے سکتی اور ثهوں اوی اس کے بانک بے چمتکار سے تبھیں چل سکتی اس مان فی پہوھیوں کی دھاوسک تعلیم اُس کےسر پر آ سوار **ھُوتی کے اور پور وہ یہ سوچلے کا اِتلک بھی کشت نہیں اُٹھائی**

मृतिं ज़मीन पकड़ गई

नगर का नाम तो याद नहीं रहा. उस नगर के मंदिर में एक मूर्ति जमीन पकड़ गई. किमी नरह उठाए न उठी. उस नगर के लिये यह बात जमत्कार बन गई. विज्ञान के लिय यह बात जिल्हा सामूली है. दो जीजों के बीज में जब बिलकुल हवा न रहे तब बहुत मजबूती से जिपक जाती है और आमने सामने से दो हाथी भो जोर लगाकर उन्हें अलग करना जाहें तो नहीं कर सकते. हां, पहल् की तरफ से दिया हुआ मामूली धक्का उन दो जीजों को अलग कर देगा. यही हाल उस अजल मूर्ति का हुआ. जैसे ही एक तरफ से धक्का दिया गया हवा अन्दर पहुंच गई और मूर्ति के अजलपन का जमत्कार खक्षम हो गया. पर उस मूर्ति के मामले में एक और नया तमाशा हुआ. मूर्ति का जमत्कार हटा तो वह मूर्ति हटानेवाले से जा जिपका. यानी अब मूर्ति हटानेवाला जमत्कारी बन बैठा. यह है अन्ध बिश्वास की तानीम का फल.

मुर्गी का अन्डा

एक जगह और ऐसा ही चमत्कार देखने को मिला. बह चमत्कार यह या कि एक आदमी बड़े अहिंसक मशहूर थे. इसिलये उनको यह रिद्धि हासिल हो गई थी कि वह अगर मुर्ती के अन्डे को अपने हाथ से ऊंचा उछालकर मकान के पीछे के मैदान में फेंक दें तो न अन्डा फूटेगा और न उसके अन्डर रहने वाले प्राणी को कोई चांट लगेगी. वह इस करामात की वजह से पुजने लगे पर जब हमने इसकी अच्छी तरह जांच की तो पता चला कि मुर्ती के हर ताजे अन्ड में यह खासियत रहती है कि उसे कितना भी ऊंचा घास उमे मैदान पर फेंका जाय तो वह हमेशा अपनी नोक के बल जमीन पर गिरेगा, पर न कभी दृटेगा, न अन्दर कोई चाट खाएगा. यह विज्ञान की सीधी-सादो बात है. इसे मूरख फेंके तब भी वही नतीजा होगा, हिंसावादी फेंके तब भी वही नतीजा होगा, बस इसका सचाई जब तक अधेरे में है तभी तक यह चमत्कार. नहीं तो मामूली घटना.

गांघीजी और चमस्कार

सन् 1921 की बात है. श्रसहयोग श्रान्दोलन खोरों पर था. अंगरेजी सरकार का श्रासन हिल गया था. गांधीनी सारे देश में चमत्कारी पुरुष के नाम से मशहूर हो खुके थे. वह डाकगाड़ी से कलकत्ता जा रहे थे. मध्यप्रदेश के गोन्दिया स्टेशन पर डाकगाड़ी शायद श्राध घंटा ठहरती थी. इसलिए गोन्दिया वालों ने स्टेशन के प्लेटफार्म पर एक सभा का बन्दोबस्त कर लिया. गाड़ी पहुँचने पर सभा श्रुह होगई. गांधीजी बोलने लगे. जब गाड़ी चलने में हो एक मिनिट बाकी रह गए तब गांधी जी ने गाड़ी में जा बैठने की बात सांची. होगों ने फौरन श्रवाण उठाई.

مورلى زمهن يكو كلى

نگو کا دام تو یاد بہیں رہا ۔ اُس نگر کے مقدر میں ایک مورتی زمین پکو گئی ۔ کسی طرح اُنہائے نہ اُنہی ، اُس نگر نے لگے یہ بات چمتکار بن گئی ۔ وگھان کے لگے یہ بات چمتکار بن گئی ۔ وگھان کے لگے میں جب بالکل موا دہ رہے تب بہت مضبوطی میں جب بالکل ہوا دہ رہے تب بہت مضبوطی سے چھک جاتی ہیں اُرر اُمنے سامنے سے دو ہاتھی ماتھی بھی زور لگا در انہیں الگ کرنا چادھی تو بہوں کو سکتے ۔ ہاں پہلو کی طرف سے دیا ہوا معمولی دعکا اُن دو چھورں کو الگ در دیکا ۔ یہی حال اُس اچل مورتی کا ہوا ۔ چھورں کو الگ در دیکا ۔ یہی حال اُس اچل مورتی کا ہوا ۔ ور مورتی کے اچلین کا چمتکار ختم ہوگیا ، یہ اُس جمتکار ہتا ہو وہ مورتی کا چمتکار ہتا ہو وہ مورتی کا جمورتی ہوتی ایک اور نیا تعاشہ عوا ۔ مورتی کا جمتکار ہتا ہو وہ مورتی ہیں بیتھا ، یہ جاچھکا ۔ یعنی اپ مورتی ہیا ہورتی ہیا ہوا ۔ مورتی کا عبدی ای حدید کی تعلق کی ان عبدی ایک ہوا ۔ مورتی ہی تعلق کی تعلق کی تعلق کی یہاں ،

مرفى كا الدّا

ایک جگه آور ایسا هر چمتکار دیکهای کو ملا ، ولا چمتکار یہ نها که ایک ادمی ہوے اهلسک مشہور تھے۔ اس لئے ان کو یہ ردھی حاصل ھو کدی تھی کہ وہ اگر مرقعی کے اُنڈے کو اپنے ھانھ سر اُردیچا اُچھال کر مکان کے میدان میں پهیدک دیں تو سے الدا پهرتے کا آور سے آس کے اندر رہدے والے پرانی کو دوئی چوٹ لکے گی ، وہ اس كرامات كى وجه سے پنجلے لكے پر حب هم لے إس كى اچھی طرح جانچ کی تو پته چلا نه سرعی کے هر تازے الدِّے میں یہ خاصیت رهتی هے نه أسے نتشا بھی أرنجا گهاس گی مهدان پر پهیلکا جائے تو وہ همهشه ایلی نوک کے بل زاموں پر گرے گا، پر نہ کبھی ٹوٹے گا نم اندر کوئی جورت دهائے کا . يه ودهان كى سيدهى سانسى بات هـ ، إيـ مورکه پهیلکی تب بهی وهی نتیجه هوگا، هلساوادی پھیلکے تب بھی وھی بتیجہ ھوگا ، بس اِس کی سچالی جب تک اندمیرے میں مے تبھی تک یہ چمتکار کیوں تو معمولي گهتدا .

كالدهى هي أور جمعكار

سن 1501 کی بات ہے ، اسہورگ آندولن زوروں پر
تھا ، اسکریؤی سرکار کا آسن هل گھا تھا ، گندھی جی سارے
دیھی میں چمتکاری پرش نے نام سے مشہور ہو چکے تھے ،
ولا قاک گاری سے کلکتہ جا رہے تھے ، مدھیہ پردیھی کے
گوندیا اسٹیشن پر قاک گاری شاید آدھ گھنٹہ تھہرتی
تھی ، اِس لئے گوندیا والوں نے اسٹیشن کے پلیت فارم پر
ایک سہھا کا بلدوہست کر لیا ، گاری پہونچنے پر سبھا
ش وع ھرکئی، گاندھی جی پولئے لگے ، حب گاری چلامیں دو
ایک ملت باتی رہ گئے تب گاندھی جی کے گاری میں
جا بیٹھینے کی بات سوچی ، لوگوں نے فوراً آواز اُتھائی اُ

असिलयत तक पहुंचने का स्वभाव ममुख्य समाज का नष्ट सा हो गया है. चौर हमारी कच्ची उन्न के बच्चे पढ़ाई-लिखाई से भाग कर देवी-देवताओं को मनाने में लग गए है. वह समम बैठे कि उनकी सिद्ध कर लेने से जरा देर में पढ़ना-लिखना चा जायगा वह इतने बड़े विद्वान बन जायगे कि कोई उनका मुकाबला न कर सकेगा.

मूर्ति अघर कैसे

एक बार इसने सुना कि एक मिन्दर में ऐसी मूर्ति है जो अधर है, और वह इस बास्ते अधर है कि उसे देवता थामें हुए हैं. इस चमत्कारों में विश्वास नहीं करते, इमन दलील करना ग्रुक्त की:

- 1. जब उस मूर्ति को देवता थामे हैं तो इसमें चमत्कार क्या हुआ ? अगर मूर्ति अपने आप अधर होती तब कोई चमत्कार हां सकता था.
- 2. अगर मूर्ति अपने आप निराधार है, तब भी कोई चमत्कारी बात नहीं. क्योंकि सारे मह निराधार घूम रहे हैं और बन्दूक से फेंका हुई गाली और हाथ से फेंका हुआ ठीकरा, बहुत देर न सहो, थोड़ी देर निराधार रहते ही हैं. फिर निराधार रहते ही
- 3. विज्ञानियों का कहना है कि चुम्बक की मदद से ऐसा सम्भव है कि काई चीज हवा में अधर थामी जा सके. यह विज्ञान की एक सचाई है, इसे कोई भी कर सकता है. यह चमत्कार नहीं कहा जा सकता.

पर इस यह मानते हैं कि वह मूर्ति जिसकी तुम बात कह रहे हो न देवताओं के हाथ में थमी है, न महों की तरह निराधार है, और न चुम्बक पत्थर से निराधार बनाई गई है. हम अगर आंख से देख पायें तो हम उसके निराधार हाने की सारी पाल खोल दें.

होनहार की बात हम अपनी बड़ी बहन समेत बहुत दिनों बाद उसी जगह जा पहुंचे जहां अधर मूर्ति वाला मंदिर था. हमने एक कपया पुजारी को देकर उस मूर्ति की खुद आंच की वह अधर न पाई गई. उसमें चुम्बक की काई कारीगरी न थी. वह मूर्ति पीठ के पीछे दो ढाई इंच लम्बे और इतने ही चौड़े आसन पर टिकी हुई थी. इसलिए कपड़े का दुकड़ा पलोथी के दांचें बांचें घुटनों के नीचे होकर साक निकल जाता था. अगर कोई आमने सामने ढांरे निकालने की कारिश करना ता अधर रहने के सारे चमरकार की पोल खुल गई हाती. चमस्कार में विश्वास करने वाले इस तरह की बात साचन भी क्यों खगे ? املهمت تک پہولچھ کا سیماو ملشیا سنام کا نشت سا ھو گیا ھے۔ اور عداری کچی عدم کے بچھ ،وھائی لکھائی سے بھاگ کو دیوی دیوائی نو مدائے میں گ کلیے ھیں۔ ولا سنجھ بیاتھ دہ اُن کو سدھ کو لیلے ہے ڈرا دیو میں پوسلا لکھلا آ جائے گا ولا اتلے ہوے ودران بی جائیس کے کہ دوئی اُن کا مقابلہ نہ کر سکے گا۔

مہورتے ادھر کیسے

لیک بار هم نے سفا که آیک مقدر میں آیسی صورتی ہے جو ادھر ہے کہ آسے دیوتا ہے جو ادھر ہے کہ آسے دیوتا تھائے مرئے میں مقول میں مقول میں دھواس مہدل کرتے ، هم چمتدوں میں مقولس مہدل کرتے ، هم نے اِس طوح دلیل کرنا ہے۔وع کی :

- جب أس مدول فو ديولا تهام هين تو إس مين جمعكار ديا هوا ؟ اكر مورثي الله أب ادهر هولي تب كولي جمعكار موسكما تها .
- 2 اگر مورتی آئے آپ برادھار ہے ۔ تب بھی کو می چمتکاری بات آبھی ، کھوںکه سارے گرہ نرادھار گھوم رہے
 ھیں اور بلدوق سے بھیلکی ھوئی گولی اور ھاتھ سے پبھلکا
 ھوا تھیکرا ، بہت دیر به سہی تبوری دیر نوادھار ومتے می
 ھیں ، پھر نرادھار رھنے میں چمتکاریوں دیا ہے ؟
- 8. وگھانھوں کا کہذا ہے کہ چممگ کی صدد سے آیسا سنجھو ہے کہ کوئی چھڑ عوا صمن ادشر تھاسی جاسکے ۔ یہ وگھان کی ایک سنچ کی ہے' اسے کوئی یہی فرسکما' ہے ۔ یہ چمکنار نہیں کہا جاسکتا ۔

یر هم ہے سائٹے میں که وہ سورتی جس کی تم یانت کہ رہے مو نه دیوتاؤں نے هاته سیں تیسی ہے' نه گوموں کی طرح برادهار ہے' اور نه چمیاب یکمر سے برادهار یفائی گئی ہے ، هم اگر آنام سے دیکہ پالین تو هم اس کے برادهار مونے کی ساری پول فیول دیں ،

هوبهار دی بات ، هم أیقی بوی بهن سمیت بهمت فلس بعد أس سگه جا بهونتچ جهان ادهر مورتی والا مقدر نها ، هم نے ایک رویهم پنجاری دو دے کہ اُس مورتی دی غود جانچ کی ، وہ ادهر نه بائی گئی ، اس میں چہیک کی دوئی تاریگری نه نهی ، ولا مورتی پیٹھ کے بهنچی دو قعائی انچ لمید اور اللہ هی چوڑے آس پر تکی عوثی آبی بائیں اس میں بائیں ایک کھوے کا تکوا بلوتھی نے دائھی بائیں اُمگری کے بهنچے هوگر صاف بکل جانا بھا ، اگر دائی آبی املے ساملے تو نے بکا قد کی دوشھی درنا دو ادھر دائی آملے ساملے تو نے بکا قد کی دوشھی درنا دو ادھر وہلے کے ساوے جمعکار کی بول دھل گئی ھوتی ، چمتکار میں وشواس کونے والے اِس طاح دی رابت سوچھے بھی میں وشواس کونے والے اِس طاح دی رابت سوچھے بھی

पर अपने धम का रंग नहीं चढ़ा सकता. चमत्कार धमें के महल की बुनियाद बन बैठा है. कौन नहीं जानता कि बुनियाद के हिलने से इमारत हिल जाश करती है. इम वास्ते कोई धर्म बाला यह नहीं चाहता कि चमत्कारों के खिलाफ कोई सावाज उठाई जाय.

चमस्कार ऐसी चीज हैं जो सब धर्मों में समान रूप से पाप जाते हैं और जो जितना पुराना धर्म है, उतना ही जियादा वह जमत्कारों से भरा मिलेगा.

चमत्कारों का गढ़ना

चमत्कार बड़ी आसानी से गढ़े जा सकते हैं. उनके गढ़ने में कल्पना शक्ति पर जियादा जोर नहीं ढालना पड़ता. भाग गरम है, उसे ठंडा बताकर चमत्कारों की एक इमारत सादी हो सकती है. आग के बारे में एक चमत्कार की बात सारी दुनिया में फैली हुई है जो आदमी दहकते कोयले पर नरे पांव निकल जाता है चमत्कारी मान लिया जाता है. उस चमत्कार को जब जियादा बदाकर कहा जाता है तब बह गैरफ़दरती हो जाता है और सत्य से बहुत दूर पड़ जाता है. आग पर चलने वाले चमत्कारी के बारे में यह कहा जाता है कि इसकी काई देवता सिद्ध है और वह देवता इसके पांव नहीं जलने देता. यह बात बिलकुन भूट है, पर लाखों पढ़े में पढ़े यह सुनते हैं. भौर अचरज में पड़ जाते हैं चपनी इस समम को कि श्राग बिना दवा डाले जलाना नहीं छोड़ सकती, एकदम दिमारा से निकाल फेंकते हैं. चमत्कारो, जःदूगर और बाजीगर तीनों शब्दों कः एक ही मतलब है. साधु की बाजीगरी चमत्कार नाम से पुकारो तो है और बाजीगर का दिखाया हुआ चमत्कार बाजोगरी नाम पात। है. वही चमत्कार चुपके से किसी को दुख पहुँचाने के काम में लाया जाय तो जादगरी नाम ले बैठता है.

जैसे वहकती आग पर जलना जमत्कार है वैसे ही शादमी का पानी पर पांव पांच कलना कमत्कार नाम पाता है. वानी पर पांच पांच चलने की बात बहुत साधुओं के बारे में कही जाती है.

इवा में उड़ने की बात भी कुछ कमं रिवाज में नहीं है. इस बारे में लोगों का कहना है कि कितने ही साधु हवा में वह सकते हैं. धर्म-प्रन्थों में जहां रिद्धि-सिद्धियों का विकर है वहां हवा में उदने की बात भी कही गई है. मतलब यह है कि चमरकार और करामातों की कोई गिनती नहीं.

चमस्कारी से तुक्रमान

i Mehiner K

चमत्क रों में विश्वास करने से मनुष्य समाज को बहुत नुक्रसान हुए, पर सब से बड़ा नुक्रसान यह हुआ कि चमरकारों की क्यों का त्यों सत्य मान लेने से सब की یر آیے دھرم کا رنگ لیھی جودھا سکتا ، جستکار دھرم کے مصل کی بلهاد بن بیٹها ہے ، کون نهیں جانتا که بنیاں کے هلنے سے عمارت هل جایا کرتی هے ، اُس وأسطے کرئی دھرم والا یہ بہیں چاعات که چمانکاروں کے خالف عوثی أوار أتهائی جائے .

جستکار ایسی چیز هیں جو سب دهرموں مهں سدان روب سے پائے جاتے هیں اور جو جاتا یرانا دھرم ہے ' اتنا هی زیاده وه چستکاروں سے بهرا ملے گا .

چمدکاروں کا گوها

چمتکار ہوی آسانی سے گوھے جاسکتے ھیں ، اُن کے كوهلي ميس الميلة شكتى ير ريادة زور دينون أألقا يوتا . آگ کرم ہے، أب تهلقاً بنا كر جدة كاروں كى ايك عمارك الهور موسكتي هي أك كي باري مهن أيك جمعة ال في بات ساری دنیا میں پہیلی موثی ہے ، جو آدمی دھکتے کرلے یہ سکے یاوں فکل جاتا ہے چمتکاری مان لھا جانا هي أس جمعكار دو جب زياده بوعا در فها جانا هي تب وہ غیر قدرتی مو جانا ہے اور سکید سے بہت دور ہو جانا ھے، آگ یہ جلنہ والے جماکاری کے بارے سیس یہ کہا جاتا ہے نه اِس دُو دُوئي ديبوتا سدھ ھے اور وہ ديوتا اِس كے ر ون مهمن جلئے دیگا، یہ بات بالکل جموت ہے' پر لادون پوھے نے پوھے یہ سنتے ہیں اور اجرج میں پو جاتے ہیں ، الني إس سنجه كو نه أك بنا درا أن يا المهن جمور سكتى ايكانم دساغ سے نكال يههلكتے هيں، چمتكاري جادرگر اور بازیکر تهدوں شددوں کا ایب هی مطلب ہے ۔ سادھو کی باریگری چستخار نام سے پکاری جاتی کے اور بازیگر كا دنهايا هوا چمتكار باريگريام بانا هي. وهي چمتكار چهك سے کسی کو دکھ پہونچانے کے کام میں لایا جانے تو جادوگری نام لے بیٹھٹا ہے۔

جهسم دهکتی آگ بو چلفا چمتاکار هے ریسم هی أدمی کا باسی پر پاؤں ہاؤں چلفا جستکار نام پاتا ہے۔ پانی پر پاؤں پاؤں چلقے کی بات بہت سادھوؤں کے عارے میں کہی جات**ی ہے ،**

هوا ميس أرني كي باك بهي كنده كم رواج مهن نهين هر . إسهاري مينهي لوكون كا كهذا هے كه كتلے هي سادهو هوا میں او سعتے میں دھرم گرنتیوں میں جیاں ردھی سدهیوں کا فاکر ہے وہاں ہوا میں اُرنے کی بات یعی کھی گئی هر مطلب یه که جمتکار اور کراماتون کی کوئی گفتی دیش،

چمتکارس سے مقصان

چنتکارں میں وشواس کرتے سے متشیہ سماج کو بهت نقصان هوئے پر سب سے ہوا نقصان یه هوا که چمتکاروں دو چھوں کا تیوں سٹیہ مان لہانے سے سے کی

चमस्कार और धर्म

धमें मंथ हैं कि चमत्कारों से भरे पड़े हैं और धर्म का अन्धभक्षालु कितना ही विद्वान क्यों न हो साधु सन्तों और महापुरुषों के चमत्कारों पर विश्वास करता है. उसे चमत्कारों के विश्वास करने में आनन्द आता है. विज्ञान की इस बीसवीं सदी में हिन्दुस्तान की सरकार के मिनिस्टर जब एक बच्चे से इलाज कराने के लिये उड़ीसा के एक छोटे गांव अंगुल दौड़ सकते हैं, तब आप अंदाजा लगा सकते हैं कि धर्म चमत्कारों की तालीम दे कर आदमी के विश्वास को कितना निषंत बना सकता है और क्या क्या कर सकता है.

चमत्कार की तालीम

आजकल हमारे बच्चों को चमत्कार की तालीम उस दिन से मिलने लगती हैं जिस दिन वह पालने में लेटते हैं. यह इस वास्ते जरूरी हैं कि कोई आदमी धर्म के पैराम्बरों पर ईमान ही नहीं ला सकता, जब तक उसे यह साबित कर के न दिखा दिया जाय कि वह आदमी नहीं ईरवर के भेजे हुए देवता या फरिश्ते थे और चमत्कारी थे. छोटे पन से किसी दिमारा में इस तरह की बातें भर दी जायं तब यह बड़ी बात नहीं कि बड़े हो कर वह बालक चमत्कारों में ऐसे ही विश्वास करने लगें, जैसे दुनिया की और बातों में.

साधु लोग चमत्कारी होते हैं. यह बात आजकल हर एक अपद में जगह किये हुए है और औरतों की तो कुछ न पूछिये. वह तो चमत्कारों में इतना जियादा विश्वास रखती हैं जिसका कुछ ठिकाना नहीं. उनके इस विश्वास का यह नतीजा हुआ है कि हमारे बालक भिकमंगों से ऐसे डरने लगे हैं जैसे अंगरेजी राज में पुलिस से डरते थे, और ऐसा ही हाल हमारी मां बहनों का है.

कोई साधु यांनी भिकमंगा अगर जरा चालाक है, तो किसी ऐसे घर से, जिस घर में कोई मर्द न हो, औरतों से जमत्कार की बात कह कर जेवर उतरवा कर ले जा सकता है. हम यह बात अंदाजे से नहीं कह रहे हैं. हमारी बहन से एक भिकारी जाली हाथों से बाजरा गिराने का चमत्कार दिखा कर कुछ पैसे, कपड़े, पूरियां पा गया था. उस वक्ष्य हमारी बहन का तीन बरस का बच्चा बीमार था हम बड़ी मुश्किल से अपनी बहन के चमत्कार सम्बन्धी अन्धविश्वास को तोड़ पाप थे. चमत्कारों का जब सिलसिला चल पड़ता है तब वह खतम नहीं होता. कहीं चमत्कारों की बात छिड़ जाय तो फिर शायद ही कोई ऐसा हो जो अपना चमत्कार न सुनांए. चमत्कार के वायु मन्डल में पले बालक सुश्किल से सत्य की खोज में लग सकते हैं.

चाज का कोई धर्म चमत्कारों से खाली नहीं. इतना ही स्थों, कोई धर्म चमत्कार बताप बिना किसी दूसरे धर्मवाले

جمعکار أور دهرم

ورائع هیں که جمگاروں سے بھرے ہوئے هیں اور دھوں کہ اندھ شردھالو کعنا ھی ودوان کھوں نہ مو سادھو سفتوں اور مہاہرشوں کے جمگاروں پر وشواس کرتا ہے ، اس جمگاروں کی وشواس کرتے میں آلفد آتا ہے ، وگھان کی اس بھسریں صدی میں ھندستان کی سرکار کے منسٹر جب ایک بچے سے ملاج کرانے کے لگے آریسہ کے ایک جھوٹے کونے دھرم جمگر در سکتے میں تب آپ اندازہ لگا سکتے میں کہ دھرم جمئیاروں کی تعلیم دے کو آدمی کے وشواس کو کھا نربل بنا سکتا ہے اور کہا کہا کو سکتا ہے ،

جملكار كى تعليم

آج کل همارہ بچوں کو چمتکار کی تعلیم اُس دن یہ مللے لگتی ہے جس دن وہ پاللہ میں لیٹتے ہیں۔
پر ایمان ہی نہیں اُ سکتا' جب تک اُسے یہ ثابت کر پیٹیوں ہے کہ کوئی آدمی دھرم کے پیٹیوں کے اُنہ دکھا دیا جائے کہ وہ آدمی نہیں ایشور کے بھمتھ ہوئے دیوتا یا قرشتے تھے اُور چمتکاری تھے ۔ چھوٹے ہیں سے کسی دماغ میں اس طرح کی باتھی بھر دی جائیں کسی دماغ میں اس طرح کی باتھی بھر دی جائیں تب یہ بوی بات نہیں کہ بوے ہو کر وہ بالک چمتکاری میں ایسے ہی وشواس کرنے لکیں' جیسے دنیا کی اُور میں میں ،

سادهو لوگ جمعکاری هوتے هیں که بات آج کل هو آپک اپوه میں جگه کئے هوئے هے اور عورتوں کی تو کچھ نه پوچھیئے ۔ ولا تو جمعکاروں میں اتفا زیادہ وشواس وکھی هیں جس کا کچھ ٹهکانا نہیں ، ان کے اِس وشواس کا یہ نعیجه هوا هے که همارے بالک بهکملگوں سے آیسے قرنے لگے هیں جہسے انگریزی واج میں پولیس قرتے سے تھے اور ایسا هی حال هماری ماں بہتوں کا هے .

کوئی سادھو یعلی بهکسلانا اگر فرا چالاک هے تو کسی ایسے گهر سے جس گهر مهن کوئی مرد ند هو مورتوں سے چملاکار کی بات کهکر زیور آثروا کر لے جا سکتا هے . هم بهکاری خالی هاتهوں سے باجرہ گرائے کا چملاکار دکھا کو بهکاری خالی هاتهوں سے باجرہ گرائے کا چملاکار دکھا کو بهن کا تین برس کا بچہ بهمار تھا ، هم بچی مشکل سے بهن کا تین برس کا بچہ بهمار تھا ، هم بچی مشکل سے آنے بهن کے چملاکاروں کا جب سلسلہ چال برتا هے تب وہ خلام نہیں هوتا ، کہیں جملاکاروں کی بات چھی جائے تو پھر نہیں هوتا ، کہیں جملاکاروں کی بات چھی جائے تو پھر شاید هی کوئی ایسا هو جو ایفا چملاکار نه سقائے ، چملکار میں یانے بالک مشکل سے سلھہ کی کھوچ میں باگ سکتے هیں ۔

ہر ۔ آپے کا کوئی دعوم بھنگکاروں سے خالی نہیں ۔ آلٹا ھی فھرن' فوئی دھرم بھنگکار پکائے بقا کسی فوسرے دعوم والے

ंसत्य श्रीर चमत्कार

· चमत्कार और अजानकारी

अमत्कार अपने आम में कुछ नहीं होते, उनका मोल मामूली घटना जितना होता है. एक का चमत्कार दूसरे के लिये मामूली घटना से नीचे दरजे की बात हो सकती है जिसके लिये जो चमत्कार है वह उतना ही उसका अजानकार है. अजानकारी और चमत्कार एक सिक्के के दो पहलू हैं. किसी चीज को देख जब एक आदंभी को अचरज होता है, तब वह उसे चमत्कार नाम दे देता है. जो जितना अजानकार और मूरख है, उतना ही चमत्कार दुनिया में उसके लिये है. दूध पीता बालक अगर बील सकता होता तो आए दिन सैकड़ों चमरकारों का हाल सुनीता, क्योंकि वह दुनिया की सभी बातों से अजानकार होता है.

चमत्कार और अचरज

चूल्हें में पड़कर जब रोटी फूलती है तब, बच्चे ही नहीं, बदे बदे फड़क उठते हैं. और अगर वह यह कहें कि यह असंग का चमत्कार है तो क्या भूठ कहते हैं ? गहराई से सीचा जाय तो वह सत्य के तनिक भी पास नहीं. जाग में भगरें कुलाने की ताकत होती यानी आग कुनाने का चमस्कार शिक्ता सकती होती तो वह लांहे के पतरे की रोटी भी फ़ला. देती ? पर वह ऐशा नहीं करता इसलिये जी यह सममता है कि रोटी फूलना खाग का चमत्कार है, अपनी खजान-कारी का सबूत देता है. अचरज को सब ने अजानकाी का पुत्र माना है अचरज के विना काई घटना अमत्कार माम नहीं पा सकती. अब रही अवरज की पहुँच, वह बच्चों तक सीमित नहीं, उसकी सीमा बहुत बड़ी है. उस में बड़े बड़े विद्वान समा सकते हैं. ऋगर ऐसा न होता तो बड़े बड़े विद्वान वाजीगरों का तमाशा देखने न आते. कभी कभी मामूली बातें भी बड़े बड़े विद्वानों और विद्वानियों के लिये चमत्कार सावित हो सकती हैं. मिसाल के लिये अमरीका में जब हिन्दुस्तान से कोई जलेबी बनाने बाला पहुँच गया तों वहां के लागों की यह चमत्कार ही मालूम हुआ कि बाहे की इतनी बारीक थैली में किस तरह रस भर कर एक पहिंचे जैसी चीज बना दी जाती है. वह बनाने वाले से जलेबी की मशीन दिखाने के लिये कहने लगे. जब उन्हें मासून हुया कि उसकी कोई मशीन नहीं होती और वह हाय से बन जाती है तब उनके अवरज का ठिकाना न रहा. सब उन्होंने अपनी आंखों जलेबी बनते देख लिया तब वनके मुंह से निकल गया, एकदम चमत्कार, यह है आपका चमकार!

ستية أور چيتكار

جمعكار أور اجانكاري

جمتكار أبي أب مين كجه نهين هوتي أبي لا مول معدولی گھٹلا جملا ھوتا ھے . ایک کا جمد کار دوسرے کے لگے ممبول کھٹنا ہے تہجے درجےکی بات عوسکاتی ہے، جس کےلئے جو جستكار هـ وه أنفا هي اس كا اجاسكار هـ ، اجاسكاري اور جمعکار ایک سکے کے دو پہلو ھیں ، کسی بھیز کو ديكه هب ايك أدسى فو الهرج هولا هي لب وه أس جمدكار نام دے دیتا ہے ، جو جنتا اجاسکار اور مورکہ ہے اللا می جمعكار دنيا مين أس كو لئره هي درده بيعا بالك الو بول سکتا هوتا تو آئے دن سیکووں چستکاروں کا حال سدتا کهولکه وه دنها کی سبهی باتوں سے اجانکار هیا هے .

چمعکار اور اچرج

چولف میں ہو کر جب روثی پیولٹی ہے۔ تب ا بھے هي نهين' بڙے بڑے پهڙک آڻهاتے هيں ، اور اگر ولا يه لَهِينَ لَهُ يَهُ أَلُ كَا جِسْتُكَارِ هِي تُو لَيَا جَهُوكَ كَهِنْمَ هَهِنِ ؟ گهرانی سے سوچا جائے تو وہ سکھہ کے تلک بھی پاس نهیں ، اگ میں اکر پہلانے کی طاقت عولی یعلی آگ پہلاے کا بچمدکار دنیا سکتی ہوتی تو وہ لوہے کے پارے کی روتی یهی پهلا دیدی کا پر وه ایسا نهین درتی . اس نئی جو يه سمجهما ه كه ووتى پهولها أك ة چبتكار هـ اپدى اجانکاری کا گہرت دیعا ہے ، اچرج کو سب نے اجانکاری کا يتر مانا هي ، اجرج كي بنا فوثى كَهِتْنا جِمتكار نام نهيل يا سكتى ، أب رهى آچرج في پهونيجا ولا يجون لك سيست نهين أس كيسيما بهت بوهد أسمين بوء بوء ودران سما سکتے هيں ، اگر اُيسا ، ع هوتا اور يوس يوس ودوان باریکروں کا لماشه دیکھلے نه آتے . کھھی کھھی معدولی ہاتھیں بھی ہوے ہوے ودوانوں اور وکھامھوں کے لگے جستکار ثابت هو سکتی هیں ، مثال نے لئے امویکه میں جب هندستان سے کوئی جلهبی بنانے والا پہونی کہا تو وهاں کے لوگوں کو یہ بھمدکار عی معلوم هوا که اُٹے کی اتلی باریک تهیلی نهن کس طرح رس بهر کو ایک پہٹے جیسی چیز بنا نبی جانی ہے ۔ وہ بنانے والے سے جلیمی کی مشین دکھالے کے لگے کہلے لگے ، جنب اُنھیں معلوم هوا نه اُس کی کوئی مغین نہیں هوتي اُور وہ هاتھ سے بن جاني هے تب أن كے اچرے كا ثهكانا نه رها ، جب أبهرر نے أباني أنكبون جلهمي بذير ديكه لها تب أن كے ساء سے نعل لها ايكسا هم جمعكور إله هي آب كا جمعكور ا की जिल्ली टांगें, जगली टांगों, से लम्बी होती हैं. समके बुद्ध !

अच्छे अच्छे 'लफ्जों का तरजुमा करना इस बजह से भी ठीक नहीं क्योंकि तरजुमें में असल की बात नहीं आती. मि नाल के तौर पर सबोताज को लीजिये जिसको "तसरीव आलात" कहा गया. किसीने 'Coup detat' को सियासी मण्डा कहा. किसी ने बुरजुआई का मुराद अशराकिया दंव निकाला.

हैदराकार में इंबाम समम लक्ष्यों के बारे में भी दो (एक दूसरे के उलटे) रजहान पाए जाते हैं. एक तरफ शंगरेजी लक्ष्मों का इतना सायाल किया जाता है कि उनकी परी पूरी नक़ल करवाने की कोशिश की जाती है और लन्दन जैसे मशहर नाम या सितम्बर जैसे आम कारज का सही तलक्ष्मज करवाने के लिये लन्धन और सेप्टेम्बर लिखा जाता है. दूसरी तरफ इन लफ्कों का भी तरज्ञमा किया जाता है जो बहुत आम हो चुके हैं चुनांचे हैरराबार में राशन को राति कहते हैं. यहां 1944 में "कुल हिन्द उर्द कांगरेस" हुई थी. इसके एक इजलास के सभापति अलीगढ युनीवसिटी के प्रोक्षेसर रशीव अहमद साहब थे. उन्होंने हैदरावाद की बहुत तारीक की. साथ ही हरते डरते यह भी कहा कि यहां के लोगों को परदेमी लक्न्जों के तरजुमे करने का बहुब शीक़ है. हालांकि उद्दें में इसकी जियादा जरूरत नहीं क्योंकि नद् खुद एक मिलवां भाशा है और इसमें हजारों श्रंगरेजी लक्ष्य खप सकते हैं. इस सिलांसिले ने उन्होंने रातिन का जिकर किया और कहा कि राशन का लक्ष्य सारे हिन्दुस्तान में चल पढ़ा है, चालू लक्ष्यों की छोड़ना जबान की तरक्क़ी नहीं है. दूसरे रीज इसी उद् कांगरेस के भरे जलसे में इसन निजामी देहलवी ने राशन का लक्ष्य इस्तेमाल किया, कुछ कर्क और कहा "में रातिक नहीं कहुंगा, रातिब कुत्तों के लिये होता है." मगर शाबाश है हैदराबाद पर जो न दुशमन से कुछ सीखता है न दोस्त से, जो न कपटी मोतारण को परवा करता है न हमदर्व नक्ष्माद (पारखी) की.

यहरहाल अगर हम अपनी जवान को फैनाना और परवान यहाना चाहते हैं तो हमारे लिये अटल है कि बहुत से पौदों, दरकतों, बेलों और जानवरों के नाम या तो जूं के तूं अपनी जवान में ले लें या जरूरत हो तो उसको हिन्द्रया लें याने हिन्दुस्तानी सांचे में ढाल कर अपना लें उसी तरह तमाम नई नई चीजों, तहरीकों और इदारों के नाम जो आसानी से अपनाए जा सकते हैं असल शकत में या थोड़ी बहुत तबदीकों के साथ ले लें गोया हिदन्या लिये जायं इसी को हिन्द्यावा अहते हैं और यही हमारी माशा को तरहाड़ी देने का बड़ा खुहम, जरिया है.

کی ا بچہلی ۔ تاکیں آئلی تانکوں سے لندی مرتی میں ۔ سنچیے یدمر آ

اچھے اچھے لفزوں کا ترجما کرنا اس وجہ سے بھی
ٹھیگ فیمن کھیں کہ ترجمے میں اسل کی بات نہیں
آتی، مسال کے تور پر سیرتاؤ کو لھجگہ جس کو ''تخریب
آتی، مسال کے تور پر سیرتاؤ کو لھجگہ جس کو ''تخریب
آتی، مسال کے تور پر مسل نے پر ژوائی کا مراد اشرائیہ تھونقہ
نگاؤ،

هدرآباد مهن آم سمجه لفزون کے باری مهن بهی قو (ایک دوسرے کے اللے) رجهان پالے جاتے همن ایک ترف انگریمی لفزیل کا اتفا شهال کها جاتا هے که ان کی ھوری ہوری نقل فررائے کی کوشش کی جاتی کے اور لقدن جهده معهور نام يا سعمه حمسه أم لغز كا صحوم بلغز قروالے کے لگے للقن اور سیٹمیر لکھا جاتا تھ ، دوسوی قرف ان لنزول کا بھی ترجما نیا جاتا ہے جو بہمک آم ہو علم هين . جنانچه هيدرآباد مهن راشن کو رالب کهام هين ۽ يهان 1944 مين - ادل هند اردو کاڪريس-' هوڻي تھے ۔ اس کے ایک اجلس کے سبھایٹی مارکڈھ یونی ورسٹی کے پرولیسر رشید اهدی صاهب تیں، آبوس بے ههدرآباد و برمع داریف کی ، سابھ ھی قرتے قرتے یہ بھی کہا نه یہاں کے لوگوں دو پردیسی لغزوں نے تربھی دریے 5 بہت فيق ۾ هالائھ اردو مين اس فيزياده زررت نهين ليونکه المُرافي عد ايك ملوال بهاشا هي أور اس مهن هؤادون انگریزی لفز نہیں سنجے ہیں ، اس ساسلے میں انہاں نے رائب کا ڈیر بھا اور کہا راشن کا لفؤ سارے ھقدستان میں نهل ہوا۔ ہے ؛ جمالو لغورں کو جھورتا زیان کی ترقی تہیں۔ تھے ، فارسرے روز اسی اُردو کانگریس کے بھارے جانسے میں هسن نوامی دهلوی نے رافن کا لغز استهمال دیا دیوہ رکے اور کیا ''مهن راتب بهیں فہونگا' راتب نادر کے لگے ھوٹا ہے ، ا مگر ھاياھے ہے ھيدرآياد پر جو نه دهبي ہے کنچھ سیکیٹا ہے نہ دوست ہے' جو ته دیائی معارز کی هروالا کرتا هے؛ تم ممدرد، بقاد، (پارکھی) کی ۔

پہرھال اگر ھم آپئی زبان کو پھیلانا اور پروان جوعادا جاھئے ھیں تو ھمارے لگے اٹل ھے کہ بہت سے پودوں دوشتوں اور جانوروں کے نام یا تو جوں کے توں آپئی زبان میں اور جانوروں کے نام یا تو جوں کے توں یائے ھددستادی سانچے میں ڈھال کر آپذا لیں ۔ اُسی تو تمام نگی نگی جھیزوں تہریکوں اور اداروں کے نام جو آسانی نے اپنا نے جاسکتے ھیں اسل شکل میں یا تھوڑی بہت تبدیلی کے ساتھ لے لیں گویا عقدیا لگے جائیں ۔ اُسی کو هندیاوا کہتے اور یہی ھماوی بہتھا کو ترقی بھیلی کا بوا اھم زریہا ھے ۔

है, मेरी एक न चली. बोट मिनती से यह लक्ष्य मण्यूर कर् लिया गया. दिक्शनरी इत्य गई. मगर उससे जवान और अद्व को जो कायदा होना चाहिये था वह नहीं हुचा. आप खुद ही सोच लीजिये कि नारमल की बजाय मेयार का अपन्य हिन्दी में चल सकना तो जलग रहा उर्दू में भी कभी चल सकेगा?

डदू के पाक्रवाणों ने कलचर के बजाय सक्राफत इस्तेमाल करना ग्रुक तो किया मगर यह लक्ष्य चव तक भाम नहीं हुचा. सिक्योरिटी (Security) का तरजुमा सियानत किया गया और इसको भी चाल, करने की थोड़ी बहुत कोशिश की गई. हैदराबाद का एक खखबार खब भी सिक्योरिटी कौंसिल (Security Council) को सियानती कौंसिल जिखता है. काश सियानत की तरह कौंसिल के लिये भी कोई खाम समक लक्ष्य इंड लिया जाय ताकि हिन्दुस्तान में बद् बौर भी जियादा तेजी से फैल सके!

षिराका सब से उंचे जानवर का नाम है जो सिर्फ अफरीका के महा देस में पाया जाता है. जिस तरह केंगरू या जामा नामी जानवरों के नाम का बदलना पागलपन होता क्सी तरह जिराका का तरजुमा करना नादानी होती. इसीलिये तमाम योरपी भाशाश्चां ने इस लक्ष्य को अपना किया और अपनी अपनी भाशाई कितरत के मुताबिक उसे किसी कदर बदल दिया. अंगरेजों ने Giraffe कहा तो जरमनों ने गिराकल. मगर हिन्दी बालों ने एक दिक्शनरी में जो इलाहाबाद में छपी है इसका तरजुमा तीन तरह किया है:

- (1) अकरीका का चौपाया जिसकी अग्रती टांगें पिकसी टांगों से सम्भी होती हैं.
 - (2) एक प्रकार का डंट.
 - (3) चित्रोष्ट.

ग्रस्क हिन्दी लुरात (डिक्शनरी) लिसको वालों ने नाक रख ली मगर कि राम को Giraffe या हिन्दी सांचे में डाल कर जिराका न लिसा. जगर हिन्दी कोश बनाने झाले को किराफे से कपट थी क्योंकि यह अरबी आशा का शब्द है तो दुराकर्णक की तरह चित्रोष्ट्र से भी अच्छा सम्ब बना लेता. मगर यह तो कोई तुक की बात न हुई कि हम किराफे की बजाय एक प्रकार का डंट कहें. इस तरह को इस हर चिद्रिया, हर जानबर, हर पेड़ का "तरजुमा" कर सकते हैं और इंगलिस्तान के एक मशहूर पेड़ को जिसे कोड (Oak) कहते हैं "एक प्रकार का पीपल" कहें और केंगक के बारे में लिखें: "आक्ट्रोलया का चौपाया किराफी पिछारी सांगें खासानी होती हैं." अरु कम आसानी से जिराफो और केंगक में करफ कर सकते हैं. एक आसानी से जिराफो और केंगक में करफ कर सकते हैं. एक डी अगसी सांगें पिछारी हांगों से कीर इसरे

ھے ، مھری آیک تھ جلی ، ووٹا گلائی ہے یہ لغو مانگرو کو لیا گھا ، قائشتری جھی گلی مکر اس سے وہاں آیو ادب کو جو فایدا مرنا جاملے تھا وہ نہیں ہوا ، آپ کد ھی سوچ نیمبلے که دارمل کی بحیاے معمار کا لفو مقدی میں جال شکفا تو الگ رما آردو میں بھی کبھی جال سکے کا ؟

a graph of the graph of the state of

AND SALES

أردو كے پائهازوں نے كلمور كے يجائے ثقافت استهمال كونا غور تو كها مكو يه لغز اب تك أم نهيں هوا ، سيكورائي (Security) كا قرجما صهائت كها گها اور اس كو يهي جائو كرنے كى تهوري يهت كوشش كى كئى ، ههدرآباد كا أيك اشمار آب بهى سيكورائى كونسل ههدرآباد كا أيك اشمار أب بهى سيكورائى كونسل كه لئے بهى كونسل لكهكا هـ ، كم صهائتى كونسل لكهكا هـ ، كم صهائت كى تو كان هند مكان ميں أردو أور يهى زيادا تهوى هـ يهيل سكه !

زراقه سب سے ارتھے جانور کا نام ہے جو سرف افریقا کے مہادیس میں پایا جاتا ہے ، جس نرہ کیلکرو یا قام نامی جانوروں کے نام کا بدناتا پاگلیوں ہوتا اسی ترہ زراف کا ترجما کرنا نادائی ہوتی ، اس لگے تمام یورپی بیاشای نقرت کے مقابق اُسے کسی قدر بدل دیا ، آنگریؤوں نے نقرت کے مقابق اُسے کسی قدر بدل دیا ، آنگریؤوں نے نقرت کے مقابق اُسے کسی قدر بدل دیا ، آنگریؤوں نے نقرت کے مقابق اُسے کسی جو اُلدانیہ میں جوہیں ہے اُس کا ترجما تیں ترہ کیا ہے :

- (1) افریقا کا بھرپایا جس کی اُللی ٹانکوں پچھلی ٹانکوں سے لیمی موتی میں .
 - (2) ایک پرکار کا اونسی .
 - (3) چتررفار

T 15 4 5 10 - 11 - 11

فرز هفض لفت (قائشلابی) لکھفے والوں نے ناک وکہ لی مگر زرافے کو (Giraff) یا هفدی سانتھے میں تمال کر جیرافیہ نہ لکھا۔ اگر هفض کوش بقانے والے کو زرافے سے کہیں تھی کھرٹک والے کو زرافے کی ترہ چھروشٹر (Teals) سربھی اچھا لفز بقا لیکا مگر یہ تو کرئی تک کی بات نہ ہوئی کہ ہم زرافے کی بھیا ہے لیک برکار کا ارتب کی بیات نہ ہوئی کہ ہم زرافے کی بھیا ہے لیک برکار کا ارتب کیوں ، لیس ترہ نو ہم ہو جویا' ہر جانور' ہو بیٹر کی جسے ارک (Oak) کہتے میں ''ایک برکار کا بیٹر کی جسے ارک (Oak) کہتے میں ''ایک برکار کا بیرایا جیس کی پچھٹی تابکیں اگلی تانگری سے تسمی ہوئی میں'' ایپ ہم آ سانی سے زرافے اور کفکرو میں فرق کوسکتے میں ، ایک ہوئی کوسکتے میں ، ایک بیٹر کو میں فرق کوسکتے میں ، ایک برکار کا میں ، ایپ ہم آ سانی سے زرافے اور کفکرو میں فرق کوسکتے میں ، ایک بیرایے کی ایک بیرایے اور کفکرو میں فرق کوسکتے میں ، ایک کی ایک تربیبے ارد دوسرسے میں ، ایک کی ایک تابکیں بھیلی تابکریہے اور دوسرسے میں ، ایک کی ایک تابکریہے اور دوسرسے میں ، ایک کی ایک تابکریہے اور دوسرسے میں ، ایک کی ایک تابکری بھیلی تابکری ہیں اور دوسرسے میں ، ایک کی ایک تابکری بھیلی تابکری بیا اور دوسرسے میں ، ایک کی ایک تابکری بھیلی تابکری بیا اور دوسرسے میں ، ایک کی ایک تابکری بیا ایک کوسکتے کی ایک تابکری بیا ایک کوسکتے کی ایک تابکری بیا اور دوسرسے میں ، ایک کی ایک تابکری بیا اور دوسرسے میں ، ایک کی ایک تابکری بیا ایک کوسکتے کی ایک تابکری بیا اور دوسرسے میں ، ایک کی ایک کی ایک تابکری بیا کی ایک کی ایک کی ایک کر ایک کی ایک کی ایک کی ایک کربیا کی ایک کی ایک کر ایک کی ایک کر ایک کر

المنها الله الله المخالفين في ترتهدى بير الراهب على هدير ، أور فلتعبون كي الرا سب بير بوي فلتى أبهرن لم والتي كي هي جو اب هدي والرن كي آم فلتى هو كئى هي بالى كويل معكل كم فهم أور بوجهل ترجيد ، أس قائلتي مهن المليليون جيس لفز كا ترجيا دوراكروك مهن المليليون جيس لفز كا ايك أور ترجيا مهن في كهن دهوني أنهيهك يلتر بوها تها ، أسى تره بالولولون في أستهاى ومال كي لئر مهم منتجل وستر مالا بنايا هي ، هاهكار ترجيا تو بس بها مناور دحول لوه يتهكار الله باللهي وتهكا لمن يته نرديشك من سرجك المردحول لوه يتهكار الله بوا لفز مرف سكفل كي لتركوها كيا كه سكفل كي تره جهراً نهين المنازي إلى المنازي إلى المنازي المنازي المنازي إلى المنازي إلى المنازي إلى المنازي المنازي المنازي إلى المنازي المنازي إلى المنازي إلى المنازي المنازي

بھاھای ترقی کے لئے بہترین اسول مقرر کرنے والے بھارس کے ودھان میں ایک سے زیادہ بار ''اچبرس'' جیسے لیے کو جھیوج کو ''اسپرشیتا،، کا لفز استعمال کیا گیا ھے ، ودھائی اسرلوں کا اُلگا عمل دیکیٹا ھو تو ودھان کا هذدی ترجما پوھٹے جس میں تھیک اُنہیں اسرلوں کو تھکرایا گیا' جن پر ودھان نے سب سے زیادا زور دیا ھے ؟ اُس ودھان کے شروع کے لفز سفٹے اور فیسٹا کیجیئے کہ آپ کیا سنجھ سکتے ھیں اور تدبر اور سیاست کے اس کیا۔ سنجھ سکتے ھیں اور تدبر اور سیاست کے اس کھیے۔

'' هم بہارت کے لوگ' بہارت کو ایک سیپررن پربہتو سمہن لوک تفترآئیک گن راجهہ بفایے کے لئے تقیا اس کے سمست قالروں کو ساماجگ' آرتیک اور واچ نیتک نیائے' وچار، ایمی ویکٹ' وشواس' دھرم اور آیاسفا کی سوتفترتا اُ پرتشقیا اور اوسر کی سمتا پرایت کرائے کے لئے' تقیا اُس کے سمست فالروں میں ویکٹی کی گریما اور راشٹر کی ایکٹا سونشچمتاکرئے والی بغدھرتا ہومائے کے لئے' دروہ سلکلی سونشچمتاکرئے والی بغدھرتا ہومائے کے لئے' دروہ سلکلی ھو کر اس سمودھان کو آنگی کرت' ادھ نیمیت اور آتم اریت گرتے ھیں ۔''

تهرمامیگر کو کچه آردو کے مہریان مقیاس الجورارت کی علی نارمل کا ترجما انجمن ترقی آردو نے معیار کیا ہے۔ میں غدد اس کمیگی میں موجود تیا جس نے فارمل جیسے کروروں کی زبان پر چوعے ہونے لفؤ کا ترجما معیار کیا رمیں نے بہت مطالفت کی تی۔ ساف ساف کیا تیا کہ اس قسم کے ہے جان لفؤوں کا بنانا هماری ہوی بہاری بہول ہے ۔ ''جس نک جانس تب تک آس'' نہیں تو ہے مکر بلکل مردا اور ہے جان بیدا ہوئے نائے بحوں کے بلیا ہوری بودھلے کی آس وکھانے بھوں کے بلیا مکو پرستی آور بردان جودھلے کی آس وکھانے مصرب ناک سکھ پرستی اور جاملات کھی اس وکھانے کی آس وکھانے حسرت ناک سکھ پرستی اور جاملات کھی اعتقادی محسرت ناک سکھ پرستی اور جاملات کھی اعتقادی الیا تھا۔

में बुनिका भर की इतस्लाहें केंतरतीयी से तरवीय की हैं. बीर ग्रालियों के जाताया सब से बड़ी ग़लती उन्होंने वहीं की है जो अब हिन्दी बालों की आम ग़लती हो गई है याने कि इयल, मुशकिल, कम फहम और विमिल तरजुमे. इम डिक्शनरी में टेलीफोन जैसे लक्ष्य का तरजुमा, दूराकर्णक किया गया है. इसी लक्ष्य का एक और तरजुमा मेंने कहीं ध्वनीअचेपक यन्त्र पढ़ा था. इसी तरह यार लोगों ने स्टेशन के लिये आपरथस्थान, कमाल के लिये मुख मंजल बस्त्र माला बनाया है. शाहकार तरजुमा तो बस यह हुआ है अग्न रथगमनागमन पथ निर्देशकमय सुचक ताम्रधवल लोह पाटिका इतना बड़ा लक्ष्य सिर्फ सिगनल के लिये गढ़ा गया है ! लक्ष्य बनाने वालों से कीन कहे और कहे तो कीन सुनता है कि सिगनल का हिन्दी बराबर यह सिगनल की तरह छोटा नहीं बल्क खुद रेल है वह भी माल गाड़ी!

भाशाई तरक्क़ी के लिये बेहतरीन असूल मुकर्र करने वाले भारत के विधान में एक से जियादा बार "ऋछूत" जैसे लक्ष्य को छोड़ कर "अस्पर्बयता" का लक्ष्य इस्तेमाल किया गया है. विधानी असूलों का उलटा अमल देखना हो तो विधान का हिन्दी तरजुमा पिढ़िये जिस में ठीक उन्हीं असूलों को ठुकराया गया, जिनपर विधान ने सब से जियादा जोर दिया है इस विधान के शुरु के लक्ष्य सुनिये और फैसला की जिये कि आप क्या समम सकते हैं और तदब्बुर और सियासत के इस ज़कीरे से कितना आपके पल्ले पड़ता है:

'हम भारत के लोग, भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व सम्पन्न लोकतंत्रात्मक गण्राष्ट्र बनाने के लिये तथा उस के समस्त नागरिकों को सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक न्याय, विचार अभिव्यक्त, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की सम्ता प्राप्त कराने के के लिये, तथा उसके समस्त नागरिकों में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता सुनिश्चित करने वाली बन्धुता बढ़ार्ने के लिये, 'द्रव् संकल्प होकर इस संविधान को अङ्गीकृत, अवनियमित और आस्मापित करते हैं.'

धर्मामीटर को कुछ उद् के मेहरबान मिक्नयास उलहरारत कहते हैं. नारमल का तरजुमा अन्जुमन तरक्की उद् ने मेबार किया है. मैं खुद इस कमेटी में मौजूद था जिसने नारमल जैसे करोड़ों की जबान पर चढ़े हुए लक्ष्ण का तरजुमा मेयार किया. मैंने बहुत मुखालफत की थी. साफ साफ कहा था कि इन किस्म के बेजान लक्ष्णों का बनाना हमारी बड़ी भारी भूल है. "जब तक सांस तब तक आस" सही तो है मगर बिलकुल मुखा और बेजान पैदा होने बाले बच्चों के पनपने और परवान चढ़ने की बास रखना इसरत नाक सुका परस्ती और जाहिलाना खुरा ऐतकादी

| Fetish | कैटिया | نياتم | Fetish |
|--------------------|----------------------------|----------------------|-------------------|
| Gang | र्वीवा | ئينگ | Gang |
| Gesture | जेस्बर : | » The same | Gesture |
| Griaffe | जिराक - विराका | جراف - زران <i>ه</i> | Griaffe |
| Hygiene | हाइ जीन | هالجهن | • Hygiene |
| Kangaroo | हें गरू | كهنكرو | Kangaroo |
| Kilogram | किलोगाम | كهالو الرأم | Kilogram |
| Kilometre | किलो मीटर | کهلو مهالو | Kilometre |
| Kindergarten | किन्दर गार्टन | كغدراأرثن | Kindergarten |
| Lynching to Lynch | लिनचिंग-लिनचाव | المهلك - للنهاو | Lynching to Lynch |
| Mood | मृद | موق | Mood |
| Orbit | चार बिट | آربت | Orbit |
| Oxide | इकसिव | إكسهد | Oxide |
| Oxidization | अक सिद्याबा | إكسهشياوا | Oxidization |
| Oxidize | या कसीदना | إنسهدنا | Oxidize |
| Party | पार्टी | پارٿ ي · | Party |
| Pattern | पैटर्न | يهترن | Pattern |
| Pillary | पिलरी | پلارى | Pillary |
| Program | प्रोमाम | پروگرام ' | Program |
| Polyanna | पोलिञ्चाना | پولی انا | Polyanna |
| Proletarian | प्रोलेतेरि ञ न | پرولیہ تے رہی اُن | Proletarian |
| Proletariat | त्रोलेता [:] रेया | پورلے تاریا | Proletariat |
| Sabotage | सेबोताज | سهوتاج | Sabotage |
| Sail Reptile | सेलयासेलावर | سيليا سيلاور | Sail Reptile |
| Stegosaurus | स्तेगावर | أسائهاور | Stegosaurus |
| Surplus | सरपत्तस | شريلس | Surplus |
| Taboo | टाबू-ताबू | گابو/تابو | Taboo |
| Tact | टैक्ट | تيكت | Tact |
| Techniquie | टैकनिक | ٹمنیک | Techniquie |
| Tort | टार्ट | تار <u>ت</u> | Tort |
| Tyranosaurus | तिर नाबर | ترناور | Tyranosaurus |
| Zone | षीन | ذرب | Zone |
| مر مدای کر مداست م | A 2000 | fast lasts c | |

इस तरीक्रे के बरिसलाक जब उद् के पाकवाण और सुद्धीगर हर परदेसी शब्द का तरजुमा करना चाहते हैं, बाहे वह कितना ही चल पड़ा और मशहूर हो चुका हो और बाहे वह शब्द संसार की तमाम बड़ी बड़ी जावानों में भी बोला जाता हो तो पेसे भौड़े, भयानक और बोमल लेक्स बनते हैं, जिनका बसना सुद उद् या हिन्दी में माशुंगिकन या इन्तहाई कठिन होता है.

्यान्तर क्रीमी और संसारी बहमियत रखने वाले शब्दों के अन्द नमूनों पर शीर कीजिये जी उर्दू के पाकवाओं

और दिल्ही के ग्रुद्धीगरों ने किये हैं.

सुंस सम्पत्तराव मंडारी ने चार वड़ी और मोटी जिसहों

اِس طریقے کے برشاف جب اُردر کے پاکباؤ اُور شدھیگر مر پردیسی شید کا ترجما کرنا جاملے ھیں' جاھے وا کتنا ھی چل ہوا اور مشہور ھو چکا ھو اور چاھے وا شبت سلسار کی تمام ہوی ہوی ہوی زبانوں میں بھی ہولا جاتا ھو تو ایسے بھونڈے' بھیانک اُور بوجھل لنز بنتے ھیں' جن کا چلنا شد اُردو یا ھندی میں نامسکی یا التہائی کئیں ھیا ھے۔

انترانومی اور منساری اسیمت رکھتے والے شبدوں کے جلد نمونوں پر فور کھجاتے جو آردو کے پاکھاڑوں آور ہقدی کے قدمی گروں نے کانے ہیں ،

سَكِمَ سَمِمَتُ وَالَّهُ مِمْدُوْارِي لَهُ جِمَادٍ عِرِي أُورِ مرتَّى جَلَّدُونِ

गार्च '53

(88)

753 m

हिन्दुस्तानी शब्दियात का चौथा असूब: हिन्दयावा

(डाक्टर जाफर इमन)

राजकाजी, साइन्सी धौर खदबी बोलवाल में इमें जिन लक्कों की खरूरत पहती है धौर जिनका तरजुमा सरल हिन्दी था खासान खदू में मुमिकन नहीं उनको हिन्द्याना और हिन्द्याकर हिन्दुस्तानी के शब्द सागर में दाखिल कर लेना चाहिये. नये खमाने की बहुत सी चीजों के नाम अन्तर क्रोमी हो गए हैं और जहां जहां पिछक्रमी जानों फैल चुकी हैं या फैलती जा रही हैं या उनका गहरा खसर पड़ा है उन चीजों के नाम जूं के तूं दूसरी भाशाओं में ले लिये गए हैं.

जिस तरह रेडियो, टेलीकोन, राशन, कल पर, वाइस-राय, धर्मामीटर, पालिसेन्ट, पालिसी, अलकहल, अल्जैबरा, कैके, जा, केमरा, गार्ड, सिनेमा, फिलम, थेटर, ड्रामा, प्लाट, बार, बेंच, बियर, व्हिसकी, कीमिया, चाकलेट, सिगार, सिगरेट, कलब, सरकस, काकटेल, काकी, चेक, कालर, कालज, कथेटी. कम्पनी, यूनिवर्सिटी, वाइस चान्स-लर, इन्सपेक्टर, डाइरेक्टर, बम. अरारोट, पेंसिल, पासपोर्ट पम्प बरौरा हिन्दुस्तानी में वाखिल हो गए हैं और न सिर्क हिन्दी था उद्दे में बल्कि हिन्दुस्तान की दूसरी भाशाओं में भी इस्तेमाल किये जाते हैं. इसी तरह हमें और भी बहुतेरे लक्ष्य हिन्द्या कर ले लेना चाहिये.

"हिन्द्यावा" से मुराद हिन्दी सांचे में ढालना है. जिम तरह हर जवान में तैर जवानों के लक्ष्य अपनी शकल सूरत बदल कर अपनाप जाते हैं और चन्द ही लक्ष्य अपनी असल शकल सूरत बाक़ी रख सकते हैं इसी तरह हिन्दुस्तानी में जितने लक्ष्य दूसरी माशाओं से लिये जा चुके हैं या किये जायंगे, उनमें से जियादातर लक्ष्य हिन्द-याप जायंगे. हर जवान की फितरत के मुताबिक दूसरी जवान से आप हुए अकसर लक्ष्यों की लिखावट और बोल चाल में तबदीली होती है. इस अमल को हिन्दुस्तानी की हर तक हिन्दयावा कहते हैं.

इस अमल के मुताबिक हम और भी लक्क दूसरी

| Bank | वेंक |
|-------------|--------------------------|
| Bourgeois | बुरख् या |
| Brotasaurus | बु रोता वर |
| Charter | बारटर |
| Dinosour | हिनावर |
| Fashion | দীঘূৰ |

هندستانی شبدیات کا چوتها اسول: هندیاوا

(قائدر جافر هسن)

راج کاچی؛ سائنسی اور ادبی ہول جال میں همیں جس فقری کی زوورت ہوتی ہے اور جن کا قرجما سول هندی یا آسان آردو میں ممکن نہیں ان کو هندیانا اور هندیا کو هندسگانی کے شبدساگر میں داخل کر لینا جائے۔ کہ زمانے کی بہت سی جازوں کے نام انگر قومی ہوگئے میں اور جہاں جہاں بچھمی زبانیں بعمل جکی هیں یا پہھلتی جا وہی هیں یا ان کا گہرا اثر ہوا ہے ان جھووں کے نام جون کے توں دوسری بھاشاؤں میں لے لئے گئے ہیں۔

جس ترة ریکیو، تیلهفون، واهن کلجر، وائسرانی تهرما مهتر، بارلهملت بالهسی الکهل الجهرا کهنی جاه کهمرا الرق سفیما فلم تههتر، تراما یانه باز بلج بهر بهر هستی کیمیا جائلیت ساز سخریت کلب سرکس کی تهل کافی چک آلو کلم کلم کیمیا وایس جانستر اسپکتر فاترکتر بم آراوت بلسل پاسهورت یمپ وفهره هندستانی مهن داهل هو گی هسل با بسوف هندی یا آودو مهن بلک هندستان کی دوسری بهاهای مهن بهی استهمال کل جاتے هیں، دوسری بهاهای مهن اور بهی بهتهری لفز هندیا کر لے لها اسی ترة همین اور بهی بهتهری لفز هندیا کر لے لها

ال هلدیارا الله مراد هندی سانچے میں قعاللا ہے ، جس تو تو هر زبان میں فیر زبانس کے لفز ایلی شکل صورت بدل کر ایفائے جاتے هیں اور چند هی لفز اپنی اسل شکل باقی رکھ سکتے هیں اِسی ترہ هندستانی میں چینے لفز دوسری بہاشاؤں سے لئے جا چکے هیں یا لکے جا ٹیکے ان میں زبادہ تر لفز هندیا ہے جائینگئے ، هو زبان کی فترت کے مطابق درسری زبان سے آنے هو ہے انسر لفزوں کی لکھارت اور بول چال میں تبدیلی هوتی ہے ۔ لفرس صل کو هقدستانی کی حد تک هندیارا دیتے هیں ، اس صل کو هقدستانی کی حد تک هندیارا دیتے هیں ،

سے لے سکتے میں جیسے :

| بينك | Bank |
|----------------------|-------------|
| Tatet | Bourgeois |
| امرو ^ل وو | Brotosaurus |
| چارثر چارثر | Charter |
| n ba | Dinosour |
| فيشور | Fashion |

है. तसी हट्टे कट्टे, नम्न और अच्छी हैसियत वाले सीन हैं. उन्हें किसी से नफरत नहीं है. वह मगदाल मी नहीं हैं. वह शान्ति प्रेमी है. शान्ति के लिये वह कोई दिखावा नहीं करते. शान्ति को वह रचना की जड़ सममते हैं. यही उनका पहला असल है.

इम अपने मुक्क में भी शान्ति बनाए रख सकते हैं. लेकिन यह काम तभी हो सकता है जब इम इस बड़े काम में जी जान स जुट जाये. जहां तक ख़ुदरती परिस्थितियां, समाभी रीख रिवाज और कलचरी सवालों का सम्बन्ध है हिन्दुस्तान और रूस में काफी फरक है. इमारे काम करने के तौर तरीक़े भी दूसरे हैं. लेकिन जहां तक शान्ति का संवास है इस सब की मंजित एक ही है.

इमारे मुल्क में भकाल, बीमारी और कूत झात है. इसके खिलाफ हम को लड़ना है. क़ुद्रत हम से कुछ नाराज सी माख्य पहती है. समाज और राजकाज ने हम को तारीक पहन्न दिखाए हैं. अब सवाल उठता है कि हम किस तरह इन सब को दूर करें, इसके लिये इस को ऋदरत पर ऋष् पाना होगा हम को वैसा ही करना होगा जैसा सोवियत ने क्रमीन को हरा भरा बनाने, क्रमीन में सिंचाई करने, किसानों को तालीम देने बरौरा के लिये किया है. यह सब काम इमें अपने निजी फायदे के लिये नहीं बल्कि सारे देश के हित के लिये करने होंगे. मिसाल के लिये जमीन को बेकार के कामों में इस्तेमाल नहीं किया जायगा, जोतने बाले के अन्दर इत्साह पैदा करना होगा, हम उसके भले का ही बेतेंगे. जीतने-बोने वाला समाज का एक फरूरी अंग है, बड़ी समाज में एक आईर ला सकता है. उसके सहयोग के बिना हमारे नेताओं के काम यं ही धरे रह जायंगे.

मुस्तकिल शान्ति कायम करने के लिये जरूरी है कि इस अपना तन, मन, धन खेती बारी और गांव के जीवन स्तर को ऊंचा करने के काम में लगा दें. हमें इस बात की जी जान से कोशिश करना चाहिये कि इस कम से कम सोवियत की तरह बनाज और जिन्दगी की जहरवात की दूसरी चीचें अपने मुल्क में ही पैदा कर हैं. इसरे देशों से ऐसी चीजें जो इमारे मुल्क में आती 🖥 जम पर रोक लगार्य. महात्मा गांधी शान्ति के अवतार वे और दनकी भी यही राय थी. सोवियत वाले इसी असल को अपने सरीक्रे से अपने देस में अपना रहे हैं. विदेशी लोग हमारी जिवादा मदद नहीं कर सकते. अपने हित को ठीक ब्रीक सर्वमः कर और अपने में विश्वास रख कर ही हम अपनी अधिक पर पहुंचेंगे. अगर हर देश के लोग इस पाकिसी पर समत करेंगे तो जबाई का नाम निशान मिट काबता और सभी देश शान्ति के साथ रह सकेंगे. शान्ति विश्वाचार !

هـ روسی فقی فقی قبر اور اجهی حهقیمت والے لوگساهیں۔ آنهیں کسی سے تفرسا تہمی هـ ولا جهکوالو بهی تهمی همی، ولا فاتعی پریسی همی ، شانعی کے لئے ولا کوئی دکھاوا تهمی کرتے۔ شانعی کو ولا وجفا کی جو سنجهتے همی ، عهی آن کا بها اصول هـ ،

هم آنے ملک میں بھی شانعی بدائے رکو سکتے ھیں،
لیکی یہ کام تبھی ھرسکتا ہے جب هم اِس بولے کام
میں جی جان سے جست جانیں ، جہاں تک قدرتی
پرستبھیاں سماجی ویستارواج اور کلنچاری حوالوں کا
سمبلدھ ہے ھلدستان اور روس میں کائی فرق ہے ،
سمبلدھ ہے ملدستان اور روس میں کائی فرق ہے ،
سماری کام کرنے کے طور طریقے بھی دوسارے ھیں ،
لیکن جہاں تک گاندی کا سوال ہے هم سب کی مفول
لیکن جہاں تک گاندی کا سوال ہے هم سب کی مفول

هماوی ملک میں اکال' بیماری اور چھوت چھات ہے۔

اس کے گذف ہم تو لونا ہے، قدرت ہم سے کتھ نارانس معلیم ہوتی ہے ، سماج اور راج کاج نے ہم کو تاریک پہلو دکھائے ہیں، اب سوال اُٹھکا ہے کہ ہمکسط ج آن سب کو دور کریں، اس کے لئے ہم کو قدرت پر قابو پانا ہوگا۔ ہم کو ویسا ہی کرنا ہوگا جیسا سریت نے زمین کو ہرا بھرا بھرا پہلے' ومین میں سینچائی کرنے' کسانیں کو تعلیم دیئے رفیرہ کے لئے کہا ہے ، یہ سب کام ہمیں آئے نجی فائد ہے نے لئے نہیں بلکہ سارے دیش کے ہمت کے لئے کرنے ہونگے ، مگال نے لئے زمین کو بیکار کے کاموں میں بیدا کرنے ہونگ ہم اس کے بہلے کا ہی چیکیں گے اندر آنساد بیدا کرنا ہوگا' ہم اس کے بہلے کا ہی چیکیں گے ، جوتلے بوئے والے کے اندر آنساد بین آرڈر قسانے کا ایک شروری آنگ ہے' وہ ھی سماج میں نیکار کے کام یوں ھی دھرے رہ جائیں گے ، کی بیداؤں کے کہا ہوں میں نیکار کے کام یوں ھی دھرے رہ جائیں گے ،

مستقل شانتی قائم کونے کے لئے ضروری ہے کہ هم اپنیا تن من دهن کوہتی ہاری اور گاؤں کے جدون استر کو ارتبا کونے کو کم میں لگا دیں ، همیں اِس بات کی جی جان ہے کوشش کرنا جاہئے کہ هم کم سے کم سویت کی طرح اناج اور زندگی کی فروریات کی دوسری جھڑیں آئے ملک میں هی پیدا کرلیں ، دوسرے دیشوں ہے آیسی جھڑیں جو همارے ملک میں آئی هیں آن پر روک لگائیں، مہاتما گاندهی شانتی کے آوتار تھ اور اُن کی بھی مہاتما گاندهی شانتی کے آوتار تھ اور اُن کی بھی ایہ دیس میں آپنا رہے میں، ودیشی لوگ هماری زیادہ اور ایے میں وشواهی کہ دیش هم آپنی مقرل پر بہرنجیس اور ایے میں وشواهی کہ دیش هم آپنی مقرل پر بہرنجیس تو لیے میں ودیشی پر عمل کریں گے ، اگر ہر دیشی پر عمل کریں گے ، اگر ہر دیشی یہ عمل کریں گے ، اگر ہر دیشی کے تام دھاری محت کو تبیک اور حجمی دیش کو لیاتی زنید یاد

and the second s

जीर उनकी योगता के मुताबिक्न मिलती है. कहीं कहीं पर एक अच्छे मजदूर की मजदूरी एक प्रोक्तेसर से भी जियादा है, ऐसा हमार देखने में बाया.

लोगों में उत्साह पैदा करने के लिये बहुत सी तहरीकें चलाई जाती हैं. एक मचदूर जो अच्छा काम करता है उसको केवल जियादा मचदूरी ही नहीं दी जाती बल्कि उसके कामों की सराहना अखबारों में छापकर की जाती है, उसको बढ़े बढ़े इनामों से सुशोभित किया जाता है. इस तरह दूसरे लोग उससे सबक हासिल करने हैं. जब पैदाबार में तरक़्की होती है, मजदूर की माली और समाजी हालत सुधरती है, तब उसको इस बात का ध्यान कराया जाता है कि वह मुक़ामी समाज का ही नहीं बल्क देश का एक छंग है.

मज़दूरों में जागृति है. उनको यक्षीन है कि वह सिर्फ बैल गाय नहीं हैं बल्कि अपने देश को संवारने और बनाने वालों में से एक हैं. वह अपने देश का भला बुरा स्नव चेतते हैं.

पैदाबार बदाते समय इस बात का खास ध्यान रखा जाता है कि मजदूर के काम के घन्टों और रहन सहन में कोई फरक न पड़े. उनको अपना विकास करने के लिये तमाम आसानियां दी जाती हैं. थेटर, जिनको पहले 'ऊंचे दरजे के लोग' ही देख सकते थे अब सब क्रिस्म के लोगों के लिये खोल दिये गए हैं वह उसमें आर्टिस्ट और दशक दोनों हैसियतों से शामिल हो सकते हैं. उनके जीवन को नाच, गानों और कला के जरिये अच्छा बनाया जाता है. इन चीजों को जनता का कलचरी स्तर उंचा करने के काम में लाया जाता है.

मज़दूरों के लिये सैनिटोरियम और आरामगाह जगह जगह पर बने हुए है. वहां पर मज़दूर अपनी तन्दुकस्ती बेहतर बना सकते हैं.

जनता नियमों को मानती और अनुशासन का पालन करती है. उसे धार्मिक आजादी है.

सब लोगों के रहन सहन का अच्छा इन्तजाम हो इसके लिये एक खास प्रोप्राम बनाया गया है. वहां की इमारतें सिर्फ मामूली ईटों की डी बनी हुई नहीं हैं बल्कि उन पर सुन्दर सुन्दर फला के नमूने भी बने हुए हैं. जनता की भलाई के लिये जो काम भी किये गए हैं वह सिर्फ जिसमानी ताकृत के द्वारा ही नहीं किये गए.

एक महान देश, जो इस तरह अपने मुल्क के फिर बनाव में लगा है, इनसानी समाज को कलचरी देन दे रहा है, उसके लिये यह कहना ग़लत और वे बुनियाद होगा कि वह जंग चाहता है. जंग उसके तमाम बड़े कामों में, जिनको वह करने जा रहा है एक बड़ी श्रद्धचन होगी. उसको अपनी कामयावियों पर बड़ा फल, है और उन को पूरा करने के जिये वह अपनी जानकी बाजी लगाने के लिये भी तैयार اور آن کی بولگا کے مطابق ملعی ہے، کہیں کیس پر آیک اچھے مودور کی مودوری ایک پروفیاس سے بھی زیادہ ہے' ایسا ہُمارے دیکھنے میں آیا ۔

نواور میں انساہ پہذا کرتے کے لئے بہت سی تحدیکیں بہتی ہوائی جاتی ہیں ۔ ایک مؤدور جو اجہا کام کرتا ہے اُس کو کیرل زیادہ مؤدوری ہی تجہاروں میں جہاپ کر کی جاتی ہے کی سراہا اخباروں میں جہاپ کر کی جاتی ہے اُس کو بوے بوے انعاموں سے سوشوبہت کیا جاتا ہے ۔ اُس طرح دوسرے لوگ اُس سے سبتی حاصل کرتے ہیں ۔ اُس طرح دوسرے لوگ اُس سے سبتی حاصل کرتے ہیں ۔ اُس خوار میں ترقی ہرتی ہے ' مؤدور کی مالی اُور جب ہی کو اِس بات کا دھیاں سماجی حالیت سدھرتی ہے تب اُس کو اِس بات کا دھیاں کرایا جاتا ہے کہ وہ مقامی سماج کا ہی نہیں بلکہ دیش

مؤدوروں میں جائرتی ہے ، اُن کو یقین ہے کہ وا صرف بیل کلے بہیں ہیں بلکہ آپے دیش کو سلوارے ، اور بقائے والوں میںسے ایک ہیں ، وہ آپے دیش کا بہلا برا شوب جیلتے ہیں ،

پیداوار بوهاتے سے اِس بات کا خاص دعهان رکها جاتا ہے کہ مؤدور کے کام کے گھلگوں اور رهن سهن مهل کوئی فرق نه ہونے ، اُن کو اُیٹا وکاس کرنے کے لئے تمام آسانیاں دی جاتی هیں ، تهیئر جن کو پہلے ' اُوئیچے درجے کے لوگ' هی دیکه سکتے تیے ایس سب قسم کے لوگن کے لئے کھول دئے گئے هیں ، وہ اُس میں آرٹسٹ اور درشک درنوں حیثیتوں سے شامل هوتے هیں ، اُن کے جهون کو ناچ کانوں اور کا کے فریمے اُنچا میں ، اُن کے جهون کو ناچ کانوں اور کا کے فریمے اُنچا میں ایا جاتا ہے ، اِن چیزوں کو جفتا کا کلنچوں استر اُنچا فرنے کے کام میں لایا جاتا ہے .

مردوروں کے لئے سینی توریم اور آرامکاہ جکہ جکہ پر پئے ہوئے میں ، وہاں پر مردور اپنی تندرستی بہتر بنا سکتے میں ،

جاجا نهموں کو مائٹی اور انوشاس کا پالن کرتی ہے . آس دھارمک آزادی ہے .

سب لوگوں کے رهن سهن کا أجها أنتظام هو إس کے لئے ایک خاص پروگرام بنایا گھا ھے، وهاں کی مدارتیں صرف معمولی اینتوں کی هی بلی هرئی نچھی هیں بلکھ أن پر سلدر سندر کا کے نمونے بھی بند هوئے هیں ، جلانا کی بہلائی کے لیے جو کام بھی کئے گئے هیں ولا صرف جسمانی طالت کے دوارا هی نهھی کئے گئے ،

ایک مہان دیش جو اِس طرح آئے ملک کے یہر بقاؤ میں لکا ہے' انسانی سماج کو کلجوبی دین دے رہا ہے' اُس کے لئے یہ کہنا علط اور پہنیاد ہوگا کہ وہ جلگ جامتاہے، جلگ اُس کے تمام ہوے کاس میں' جن کو وہ کرتے جارہا ہے' ایک بھی اوجوں ہوگی، اُس کو اپنی کامھابھوں پر ہوا فقور ہے اور اُس کے پورا کرتے کائے وہ آینی جان کی بازی لگاتے کائے بھی تھار

ضروری چیزوں کے آتھائیں کو بوھائے مھیلگے ھھی اور سریست روس میں ہر شخص کو آیک معبولی آرام کی زندگی ہسر کرنے کا پرزایقہن دلا دیا گھا ہے ، لوگوں کی ضرورتوں لرر زیادہ انام پیدا کرتے کی اهمیت کو رهاں خوب صبحه لها گیا هے ، پرکرانی کی بہت سی چیزوں پر بہی قابوں یا

دلدلی ومین کو کہیٹی باری کے قابل بنا لیا ہے۔ ھواروں لیکو رمھن جس کے آندر ایک دانا ان کا بھی پھدا نهدل کیا جا سکتا تھا' وهال آپ هرے بهرے کهون دانوں سلحت لهلها وهرهيس كيونكه وهان سيقحاليكا أجها يربقده كوديا كياهي وهان له باغ يهولون أور يهلون سالد عهوتمهين. جو زمین جونائی کے قابل ہے اس کو آپسی سہبوگ والی کیہتی کے لئے جہور دیا گیا ہے ، وہاں کے کسان بہت خرهی هیں کهونکه وہ جانتے هیں که اُن کی مصلت كا يمل أن كو ملے كا . أن كو كسى قسم كا در نهيں رها . کسان زیادہ سے زیادہ بیدا کرنے کی فکر میں رہتے ہیں . الركون مهن تعليم كا يوجاد كرني أور سائدس كي معلومات بومانے کے لیے وهاں ریدیو اور کلچوری سفستهارں کا يقدوبسمت هے ، إس طرح لوگوں كو الهے گهر بھاتھ بھاتھ تمام معلومات حاصل هو جالي عين . ' جلتا كي آواز ' میں زور ہے ، وهاں کے لوگ جیجان سے اُنےملک کی توقی مين هاڻه پٽاتے هين ،

آج کے روس میں ایک بات اہم ہے وہ یہ که وهاں پر جو کام بهی شروع کها جانا هے وہ ایک ڈھنگ اور سرچ وچار کے بعد کیا جاتا ہے . لوگ کام سے پہلے اُس پر بحث کرتے هيں ، جو ب سب پهلووں پر فور هو چکھا هے تب اُس يوجِهَا كُو مِعلِ مِهِن لايا جالا هے .

ضرورت کی تمام چیزیں پیدا کرنے کے بعد پیدا کرتے والے کو اس بات کا یک یتین رمتا ہے کہ اس کا یکالو تبیک تعنگ سے کیا جائے گا، یہ سب کام سرکار اپنی دیکه ریکه میس کرتی هے ، اِس طرح کا ادل بدل ملک کی اندرونی کرنیسی هر کافی افر قالیا هے ، رویل ایک طریح کا کوین هولا نے . اِس کو سود پر دیاہ کا رواج نہیں ہے" نہ کولی اسے جمع کر سکتا نے اور نہ اس کو ایلی تجوري مهن ركه سكتا هي . إس طرح ايك بوا فائدة هوتا ھے اور وہ یہ که لوگ میشد روبل دے کر روزانہ کی جهویس لیئے کے لئے انسک رہم میں دکانیں روز مرہ کے آستعمال کے جھتوں سے بہری هوئی هيں ، کہانے والی جھتوں کی رهاں کافی افراط ہے ، اِس کے علوہ شیق کی جھڑیاں اہی ومان کافی مالرا میں پائی جاتی ھیں ،

کلم کو آبھتے قملگ ہر چلانے کے لگے وہاں کے مزدوروں کو آچھی مودوری دی جاتی ہے، یہ مزدوری آن کی مصاحف

जरूरी चीजों के उत्पादन को बढ़ाने में लगे हैं और सोवियत रूस में हर शुद्धस को एक मामूनी आराम की जिन्दगी बसर करने का पूरा यक्तीन दिला दिया गया है. लोगों की पासरतों और जियावा धानाज पैदा करन की शहमियत को वहां खुष समम लिया गया है, प्रकृति की बहुत सी चीकों पर भी काबू पा लिया गया है.

ं वलवली जमीन को खेती बारी के क़ाबिल बना लिया है. हजारों एक इजमीन जिसके अन्तर एक वाना अझ का भी पैदा नहीं किया जा सकता था, वहां अब हरे भरे खेत बानों से लदे सहलहा रहे हैं क्योंकि वहां सिचाई का श्राच्छा प्रयम्भ कर दिया गया है. वहां के बारा फूलों और फतों से तदे हुए हैं. जो जमीन जुताई के क़ाबिल है उसकी आपसी सहयोग बाली खेती के लिये छोड़ दिया गया है. वहां के किसान बहुत खुश हैं क्योंकि वह जानते हैं कि उनकी मेहनत का फल उनको मिलेगा. उनको किसी क्रिस्म का ढर नहीं रहता. किसान जियादा से जियादा पैदा करने की फिकर में रहते हैं. लोगों में तालीम का प्रचार करने और साइन्स की मालूमात बढाने के लिये वहां **रेडियो और कलचरी संस्थाओं का बन्दोबस्त है. इस तरह** कोगों को अपने घर बैठे बैठे तमाम मालुमात हासिल ह्रों जाती हैं. 'जनता की आवाज' में जोर है. वहां के लोग भी जान से अपने मुल्क की तरक्क़ी में हाथ बटाते हैं.

आज के रूस में एक बात ऋहम है. वह यह कि बहां पर जो काम भी शुरू किया जाता है वह एक ढंग और सोच विचार के बाद किया जाता है. लोग काम से पहले इस पर बहस करते हैं. जब सब पहलुओं पर ग़ीर हो चुकता है तब उस योजना को अमल में लाया जातां है.

जरूरत की तमाम चीजों पैदा करने के बाद, पैदा करने वाले को इस बात का पक्का यक्रीन रहता है किं देसकां बदलाव ठीक दंग से किया जायगा. यह सब काम सरकार अपनी देख रेख में करती है. इस तरह का अदल बदल मुल्क की अन्यक्रनी करेन्सी पर काफी असर डालता है. रूबल एक तरह का कूपन होता है. इसकी सुद पर पैने का रिवाज नहीं है, न कोई इसे जमा कर सकता है' और न इसको अपनी तिजीरी में रख सकता हैं. इस तरह एक बढ़ा कायवा होता है और वह यह है कि सोग इमेशा रूबल दे कर रोजाना की चीजें लेने के लिये एस्युक रहते हैं. दुकानें रोजमर्रा के इस्तेमाल के चीजों से . भरी हुई हैं. साने बाली बीजों की वहां काकी इफरात है. इसके कलावा शीक की चीचें भी वहां काफी मात्रा में पाई

📑 काम की बच्छे, हंग पर चलाने के लिये वहां के मजतूरों की अपनी मजदूरी दी जाती है. यह मजदूरी इनकी मेहनत

जाली हैं.

(34)

जग शान्ति और रूस

(डाक्टर जे. सी. चुमारप्पा)

शान्ति की कई किसमें होती हैं. उनके फरक को साफ साफ समम लेना हम सब के लिये जरूरी है. सब से पहले 'क्रिक्स्तान की शान्ति' का नम्बर खाता है. 'क्रबरिस्तान की शान्ति' उस शान्ति को कहते हैं जब एक मुल्क दूसरे मुल्क पर चड़ाई कर देता है और उसको मुर्ता और बेजान बना कर छोड़ देता है इसके बाद अशलामुखी की शान्ति का नम्बर खाता है. हम एक रास्ट्र को जीतने के बाद और फीजी ताक्रत से गुलाम बनाने के बाद वहां शान्ति कायम कर देते हैं लेकिन हारे हुए रास्ट्र में नफरत की भावना पैदा होती है और वह हमेशा खुली बगावत की ताक में रहता है तीसरी तरह की वह शान्ति है जिसे हम खारजी सुलह का नाम देते हैं. इसमें शान्ति कायम रहती है क्योंकि दोनों फरीकों को खपनी ताक्रत का पूरा खन्दाजा नहीं होता और वह खपने को मजबूत करने के लिये मोहलत चाहते हैं.

उपर लिखी हालतों को असली शान्ति के नाम से नहीं पुकारा जा सकता. असली शान्ति बाहरी और दिखावटी बीजों से हासिल नहीं की जा सकती. इसके लिये जरूरी है कि हम अपने अन्दर की आवाज को सुनें. उसकी पहचानें और अमल में लाने की कोशिश करें. असली शान्ति के लिये यह भी जरूरी है कि जनता को इस बात का यक्तीन हो कि उसकी जिन्दगी की तमाम आवश्यकताओं की पूरा किया जायगा. यह काम तभी किया जा सकता है जब जनता भी इस काम में हाथ बटाए. इस तरह यह साफ हो जाता है कि दुनिया के हर देश को इस बात की कोशिश करनी चाहिये कि इनसानी जरूरत की तमाम चीजें सहयोग से पैदा कर सी जायं.

इस तरह की शांग्ति की राह पर ही सोवियत रूस अपना क्रदम बढ़ा रहा है. सोवियत रूस में वूसरे मुलकों से तिजारत सरकार के माध्यम से की जाती है. इसके अलावा वहां इस बात की कोशिश हो रही है कि हर स्त्री, पुरुष. बक्के को जीवन की तमाम करूरी सहू जियतें पहुंचाई जावं. साथ ही लोगों की कलचरी मांगों को भी पूरा किया जा रहा है. खगर दुनिया के तमाम देश इस तरह ईसानदारी, मेहनत और समन से काम करें तो विश्व भर में मुस्लक्किल शांग्त कायम हो सकती है.

गांधी जी ने इस को बताया या कि एक भूके आदमी को मगदान रोटी की शकल में दर्शन देते हैं. इसी असूल को मान कर क्षेत्रियद बाबी अनाज और किन्द्रगी की दूसरी

جگ شانتی اور روس

(ڈائٹر ہے . سی ، کماریہا)

شائلی کی کئی قسمیں هوتی هیں ، أن کے قرق کو صاف سعت است سعت لیا هم سب کے لئے ضروری ہے . صب ہے لئے فروری ہے . صب ہے لئے فروری ہے . قبرستان کی شائلی کا نمیر آتا ہے . ' قبرستان کی شائلی کو کہتے هیں جب ایک ملک فوسرے ملک پر جوهائی کو دیتا ہے اور اس کو مونہ اور ہے جان بلا کر جهور دیتا ہے . اِس کے بعد جوالا مکھی کی شائلی کا نمیر آتا ہے ، هم ایک راشتر کو جهائے کے بعد اور شوی طاقت سے فام بنائے کے بعد رهاں شائلی قائم کو فهیدا هوئی ها اور وہ همیشہ کیلی بنارت کی بھاؤنا ہوئی ہے اور وہ همیشہ کیلی بنارت کی تاک میں رهانا کا نام دیتے هیں ، اِس میں شائلی قائم وهائی ہے کیونکہ فونوں فویقوں کو ایٹی طاقت کا پورا اندازہ نہیں هوتا اور وہ اُنے کے لئے مہلت جاہتے هیں ،

أوپر لكهى حالتين كو أصلى شانتى كے نام سے نههن هكورًا جا سكتا ، أصلى شانتى باهرى أور دكهارتى چهؤوں سے حاصل نههن كي جا سكتى ، أس كے لئے ضرورى هے كه هم أنه اندركى أواز كو سفهن أس كو پهچانهن أور عمل مهن لانے كى كوشش كرين ، أصلى شانتى كے لئے يه يهى فرورى هے كه جُنتا تو أس بات كا يقين هو كه أس كى زندگى كى تمام آوشهكتاؤں كو پورا كها جائے گا ، يه كام تبهى كها جا سكتا هے جب جلتا بهى إس يه كام مهن هاته بگائے ، إس طرح يه صاف هو جاتا هے كه نام مهن هرورت كى تمام چهؤين سههوگ سے بهدا كر لى انسانى شوروت كى تمام چهؤين سههوگ سے بهدا كر لى حالهن .

اِس طرح کی شائتی کی راہ پر هی سویت روس ایفا تدم ہوما رها ہے ، سوریت روس میں دوسرے ملکوں سے تجارت سرکار کے مادھیم سے کی جاتی ہے ، اِس کے ماوی وہاں اِس یات کی کوشش هو رهی ہے که هر اِستری پرهی بعجے کو جمون کی تمام فروری سپولهای پیرنتہائی جائیں ، ساتھ هی لرگوں کی کلنچری مانگوں کی بیانہ ہی اور دنیا کے تمام دیش اِس طرح ایمانداری منعقت اور لگن سے کام کریں تو وشواہو میں مستقل شائتی قائم هو سکتی ہے ،

الدھی جی نے هم کو بتایا تھا که ایک بھوکے آدمیکو پھاکوانی رزئی کی شکل میں درشن دیتے ہیں ۔ اِسی اُمول کو مان کر سویت والے اناج اور زندلی کی دوسری ALS TO THE STATE OF THE STATE O

इसी की दूसरे सूकी ने इन शब्दों में कहा है:—
''द्दें दिल के वास्ते पैदा किया इनसान की
बरना ताकत के लिये कुछ कम न वे करोंवियां'' (करिस्ते)

इन्जील में भी यह खयाल बार बार तरह तरह से

श्राता है. जिस्ता है :--

"हम इस बात को अच्छी तरह सममकर कि असल में स्ट्रा और खुवा पक हैं. खुवा के साथ मिल सकते हैं और एक हो सकते हैं, जिनके विल पाक हैं वही खुवा को वेख सकते हैं."

यह बात भी सब मजहबों में मिलती है कि जब आदमी इस हालत को पहुँच जाता है तो फिर उसे धर्म और मजहबों के इस तरह के हुकमों की जरूरत नहीं रहती—यह करो और यह न करो. वह इन नियमों से उपर उठ जाता है. उसी को 'धर्मारमा' या 'सजीम' कहते हैं.

शंकराचार्य ने लिखा है :---

"जो बादमी तीनों गुणों से उपर उठ जाता है उसके लिये फिर न कोई विधि रह जाती है और न कोई निषेध."

जो रुद्दें इस बात को अनुभव कर जेती हैं कि सबके अन्दर एक ही आत्मा है, कोई रौर नहीं, कोई अलग नहीं, कोई दूसरा नहीं, वहीं पूर्ण पुरुष, दिञ्च पुरुष, जीवन सुक्त, अवचार, बुद्ध, बौधि सस्त्व, अईत, तीर्थंकर, मसीह, क्राइस्ट, इनसाने कामिल, मजहरे अतम्म, वरौरा बंरीरा नामों से पुकारी जाती हैं.

इंजील में जिखा है:---

"जिस तरह स्वर्ग में तुम्हारा पिता (यानी परमेश्वर) कामिल है उसी तरह तुम भी कामिल हो जाओ, और तुम सचाई की जान लोगे, और सचाई तुम्हें आजाद कर देगी, तुम देवता हो.

मोहम्भद साहब की एक हदीस है :-

"आस्ताइ कहता है पे आदमी! तू मेरे क़ानूनों पर चक्क, बिला छुबह तू मेरी ही तरह हो जायगा, फिर अगर तू किसी बात के लिये भी कहेगा बह हो जाय तो वह बात फीरन हो जायगी!"

गीता में लिखा है:—
"वह रिग्नी लोग जिम के सब पाप धुता गए हैं, जिनकी
हुबिया मिढ गई है, जिन्होंने बात्मा को जीत लिया है, जो
सब प्रांशियों के मले में लगे रहते हैं, जिनकी इन्द्रियां यानी
जास उनके काबू में हैं. जो सब को एक निगाह से देखते
हैं. बही भगवान को पाते हैं."

स्की कहता है :--

"को आदमी मर्दे कामिल हो जाता है वह सब का आखिक होते हुए भी सब की राखामी वाली खिद्मत में लगा रहता है"

इसीकिये ईरवर अस्ताह के नामों में से वक नाम सासाहावास सामी दासों का दास भी है. اسی کو دوسرے صوفی نے اِن شہدوں مہیں کہا ہے :-'' درد دل کے واسطے پیدا کہا انسان کو
ورثہ طاعت کےلئے کچھ کم نہ تھے کرو بھاں'' (فرشتے)
انتجمل میں بھی یہ خیال بار بار طرح طرح سے آتا
لکھا ہے:---

" هم اس بات کو اچھی طرح سنجھکر که اصل میں رح اور خدا ایک هیں' خدا کے ساتھ مل سکتے هیں اور ایک هوں جن کے دل پاک هیں رهی خدا کو دیکھ سکتے هیں۔" دیکھ سکتے هیں۔"

یہ بات بھی سب مذہبوں میں ملعی ہے کہ جب آدمی اِس حالت کو پہلچ جاتا ہے تو پھر آپے دعوم اُور مدہوں کی فرورت نیمی رھتی ۔
۔۔یہ کرو اور یہ نہ کرو ، ولا اِن نیموں سے اُوپر اُلّٰہ جاتا ہے ،
اُسی کو دھرماتما' یا ' سلیم ' کہتے ھیں ،

شنكر اجارية لے لكها هے:-

'' جُو آدمی تیلوں گلوں سے اوپر آتھ جاتا ہے اُس کے لیے پہر تھ کوئی دھی رہ جاتی ہے اور نم کوئی تشهدھ '' جو روحیں اِس بات کو انوبھو کر لھتی ھیں کہ سپ کے اندر ایک ھی آتما ہے' کوئی قیر تیمن' کوئی الگ نہیں' کوئی دوسرا نہیں' وہی پوران پرھی' شریعپرھی' جیران مکس' آوٹار' بدہ' بودھی ستو' اُھرت'' تھرتھلکو' مسھمے' کرائست' انسان کامل' مظہر آتم' وفھرہ وفھرہ سے پکاری جاتی ھیں ،

انجيل مين لكها هے :--

'' جس طرح سورک مهن تمهاراً پتنا (یعلی پرمهشور) کامل هے آسی طرح تم یهی کامل هو جاؤ' اور تم سچائی کو چان لوگے اور سچائی تم یهی آزاد کر دے گی' تم دیوتا هر ''

مصد ماهب کی ایک عدیث ف :--

" وہ رھی لوگ جن کے سب پاپ دھل گئے ھیں' جن کی دوبدھا مت گئی ہے' جفہوں نے آنما کو جہت لیا ہے' جو سب پرانہوں کے بھلےمیں لگے رفقے ھیں' جن کی اندویاں یعنی نفس اُن کے قابو میں ھیں' جو سب تو لیک نکاہ سے دیکھتے ھیں وہ ھی بھکواں کو پاتے ھیں۔'' صوفی کیتا ہے :

ور جو آئمی مرد کامل ہو جاتا ہے وہ سب کا مالک ہوتے ہوئے بھی سب کی غلامی یعلی خدمت میں لگا رفتا ہے ۔''

آسی لیے ایمور اللہ کے ناموں میں سے ایک نام داسانونلس یمنی داسوں کا داس یعی ہے .

फिल्हती का महासन् है—सब के अल्हर...

हर जान हंसी, हर जान खुशी हर बन्त जमीरी है बाबा जब जाशिक़े मस्त फ़क़ीर हुए फिर क्या दिल गीरी है बाबा "

इसलाम का मशहूर मकूला है:—"जिसने अपने आपको जान लिया उसने अपने रच को पहचान लिया."

दुनिया के सब सन्त महात्माओं, अवतारों, पैराम्बरों और तीथंकरों ने, सब बड़े बड़े घर्मों ने और सब धर्म प्रंथों ने तरह तरह से इसी एक सचाई को दुनिया के लोगों के दिलों पर जमाने की कोशिश की है.

पारसी गाथा में लिखा है:-

"मेरी अन्तर आत्मा मेरे अन्दर जागी. उसने हिलाकर मुक्त से पूछा 'सोच तू कौन है शिकसका है श्वहां क्यों है शक्या कर रहा है शहस जिन्दगी का मकसद तू कथ समकेगा शिवस समय मैंने समका कि मैं ही सब कुछ हूँ, में ही अहुरमज्द हूं मैं ही सब की आत्मा हूँ, सब में मैं ही रमा हुआ हूं."

उपनिषद् में लिखा है।-

"अपनी आस्मा को जानो आत्मा ही एक जानने की चीज है. आत्मा ही को ढंदो, अपनी आत्मा को जान लिया तो सारी दुनिया को जान लिया आत्मा ही देखने की, सुनने की, सममने की और ध्यान करने की चीज है. और कुछ है ही नहीं."

मशहूर यूनानी सन्त सोलोन कहा करता था :—
"अपने आपको जानो."

ऋरान में लिखा है :--

"जो अल्लाइ को भूल जाता है वह अपने को भूल जाता है."

पक हिन्दू सन्त ने इसी बात को दूसरी तरह कहा है:— "जाके घर सुख का भंडारा सो क्यों भरमे दर दर मारा

सूफी कहता है:—
"हो के सुलताने हक़ीक़त इसी आव ओगिल (पानी और
मिट्री) में

दर बदर भिस्ते गदा (भिकारी) था, मुक्ते मासूम न था " वपनिषदों में यह खयाल जगह जगह बहुत ही गहराई चौर तकसील के साथ जाहिर किया गया है.

भपने में भगवान को देखना तब ही मुमकिन है जब भादमी पहले दूसरों में भपने को देखे. इसीलिये स्फी ने कहा है:— "कुम, काफिर रा व दींन दींनदार रा

करंप बर्वे दिले असार रा

यानी—काफिर को कुफ मुवारक रहे, और दीनदार को दीन मुक्तरक रहे. अत्तार (नाम सन्त) के दिल के किये प्रेम रूपी मुक्तक की पंकादी का एक जर्रा काफी है." وُدُوكِي لا مقصدين الشيسب كي الشود..

هر آن هلیمی هر آن خوشی هز رقمت امهری هایا چنپ ماعتی مست فتیر هوئے پهر کیا دلکیری هایا."

أسلم لا مشهور مقولة هـ:-

'' جس نے اپے آپ کو جان لیا اُس نے آپھے رہ کو بہتھائی لیا ''

دنیا کے سب سلت' مہاتماوں' اوتاروں' پیقمبروں اور تھوٹھٹکروں نے' سب بڑے بڑے دھرموں نے اور سب دھوم گرنٹھوں نے طرح طرح سے اسی ایک سچائی کو دنیا کے لیگوں کے دلوں پر جمانے کی کوشش کی ہے .

پارسی کانها میں لکھا ہے :--

'' مهری انتو آنما مهرے اندو جائی ، اُس نے ها کو معجه ہے پوچها ' سوچ تو کون ہے ؟ کس کا ہے ؟ یہاں کهوں ہے ؟ کہا کو رها ہے اُ اُس وَدگی کا مقصد تو کب معجه کا ؟ اُس سے مهن نے سنجها که مهن هیسب کچه هوں' مهن هی سب کی آنما هون' مهن هی سب کی آنما هون' سبب میں مهن هی وما هوا هون ''

أينهد مين لکيا هے :---

ور اپنی آسا کو جانو ، آتما هی ایک جانانے کی جهز ہے ، آتما هی کو ڈمونڈھو ، اپلی آسا کو جان لھا تو ساری منھا کو جان لھا، آتما هیدیکھنے کی' سلنے کی' سمجھنے کی اور دھھان کرنے کی جھڑ ھے ، اور کچھ ھے هی بھس ،''

مههور يوناني سلمت سولون ديا درنا تها ا--

" الله آپ کو جانو ."

قرآن مين لکها هے:-

الله کو بهول جانا هے وہ اینے کو بهول جانا هے.
 ایک مقدو سفت نے اِسیبات کو درسری طرح کیاہے:
 جاکے گهر سکھ کا بھلڈارا

سو کیوں بہرمے دار در مارا ."

موقی کہتا ہے :---

'' مو کے سلطان حقیقت اِسی آب کل (ہانی اور مثی مثی) میں در بدر مثل گدا (بهکاری) تھا' متجھ معلم نه تھا ،''

آھندوں میں یہ خیال جکہ جکہ بہت ھی گہرائی اور تفصیل کے ساتھ ظاہر کیا گیا ہے ،

الهم مهن بهکوان کو دیکها تب هی منکن هے جب آدمی پہلے دوسروں مهن اللہ کو دیکھ ، اِسی لیّے صوفی لے کیا هے:--

کفر کافر را و دیس دیلدار را

فرئه ورديه دل مطا رأ

ہملی ۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔ کفر مہارک رہا اور دیتے دار اکو دیتی مہارک رہام سلمت) کے دال کے لگہ ہریم رواس کلاب کی پنکہوئی کا ایک ذرا کائی ہے ۔''

بلبة نهم كه از قلبا وقدو اوقعاده جدأ ز كلواويم من نه دانم كه اندر لين حورت يا ومالي كه داد يدلا مهم كه يا چشما لے دل مهون جز دوست هر چے بهتی بدال كه مظهر بے اوست''

'لیعلی۔۔۔ هم آبے پریکم پر تما خکوچے کے رهنے والے هیں.
اسدنها کی طرف یا ریت رواے والے دیدس کی طرف هم مقیان کوتے، هم آس باغ کی بلبلیں هیں جہاں سے قصا اور قدر نے یعلی بھالیہ نے همیں باهر پہھلک دیا ہے. آب حبوس ہے کہ آس پریکم کے رصال یعلی پھر سے مللے لے همیں یہ سادیها دیا ہے کہ آبے دل کی آنکھوں سے جس کسی کو دیکھو آبے سوائے آبے دوست کے آور کچہ نہ سمجھو' جان لو کہ جو کچہ نم دیکھ رہے هو سب آسی پریکم کا ظہور ہے' آسی کا روبھے کے دوبھے گو کیے ہے۔

وید کا کہنا ھے:--

" مترسية بهكشيشا يشهم

یملی ساری دنیا کو مگر یملی دوست کی آنکه سے دیکھو ،

موقى لكهاما 🙇 :---

17 كغرو إسلام در رحت پويان

وحد هو الشريك له كويان"

⁷⁷ هر کس طالب یار آندچه هوفیهار وجه مست هما جا خانیً عشق آست٬ چه مستجد چه کلهت٬٬ ۲۶ تو هی مقصود هے کمیه و بت خانه یهایا هے ٬٬٬

یعلی کور اور اسلام دونوں اُسی الله کی والا میں دورے جا رہے ہیں دونوں یہی کیتے ہیں۔ سرہ ایک ہے اُسی کا کوئی شریک نہیں اس کا کوئی شریک نہیں اور کیا مست. سب گھر اُسی کے پریم نے گھر ہیں کیا مستجد اور کیا گرجا ، اصلی مقصد یا لکش ومی ایشور الله ہے کعیم اور بت خاند اُسی تک پہنچلے کو راستے ہیں ۔

ھندستان کے مشہور سلت شاعر ' نظهر ' انہر آبادی نے کیا ہے:۔۔۔

> " ہس ست نظر کر دیکھے ہے۔ اُس دلبر کی پہلواری ہے کہیں سبزی کی مریالی ہے کہیں پہولیں کی گلکاری ہے دین رات مکی شوش بہتھے ہیں لور آس اُس کی پہاری ہے پس آپ ھی وہ داتا ری ہے لیو آپ ھی وہ داتا ری ہے

बुलबुका नेम, कि अध्य कथा व क्रवर जोननाया अवा जो गुलखारेस मन न दानम कि अन्तर हैं हैरल व विसाले कि दाद दैरानेम कि व चरमाने दिल मधी जुख दोस्त हरके बीनी बिदां कि मखहरे जोस्त."

"यानी—हम अपने शीतम परमात्मा के कूचे के रहने वाले हैं. इस दुनिया की तरफ या रीत रिवाज वाले दीनों की तरफ हम मुंह नहीं करते. हम उस बाग्न की बुलबुलें हैं जहां से क्रजा और क्रक्र ने यानी भाग्य ने हमें बाहर फेंक दिया है. अब हैरत है कि उस शीतम के विसाल यानी फिर से मिलने ने हमें यह संदेशा दिया है कि अपने दिल की आंखों से जिस किसी को देखों उसे सिवाय अपने दोस्त के और कुछ न समको, जान लो कि जो कुछ तुम देख रहे हो सब उसी शीतम का जहुर है, उसी का रूप है."

बेद का कहना है:--

"मित्रस्य चन्नुषा परयेम" यानी सारी दुनिया को मित्र यानी दोस्त की आंख से देखो.

सुकी लिखता है:— ''कुको इसलाम दर रहत पोयां बहदहू लाशरीक लह गोयां"

"हर कस ता ति वे यारन्य चे हुशियारो चे मस्त हमा जा स्नानए इश्क्र घस्त, चे मस्जिद चे कनिश्त" "तू ही मक्तसूद है कावा व बुतस्ताना वहाना है."

यानी— कुफ, और इसलाम दोनों इसी अक्लाह की राह की राह में दीने जा रहे हैं, दोनों यही कहते हैं— वह एक है, उस का कोई शरीक नहीं, हर आदमी उसी प्रीतम को कोज रहा है, क्या सममदार और क्या मस्त. सब घर उसी के प्रेम के घर हैं. क्या मस्त्रिद और क्या गिरजा. अमली मकसद या लक्षय वही ईश्वर अल्लाह है, काबा और बुतखाना उसी तक पहुँचने के रास्ते हैं.

हिन्दुस्तान के मशहूर सन्त शायर नजीर अकबर आवादी ने कहा है:—

> "जिस भिम्त नजर कर देखे हैं उस दिलबर की फुलबारी हैं कहीं सबजी की हरियाली हैं कहीं फूलों की गुल कारी हैं दिन रात मगन खुछ बैठे हैं और बास उसी की भारी हैं बस भाप ही वह संदारी हैं और बाप ही वह संदारी है

ولدلى كا متجيد في سب كر المورد

उपनिषद में तिला है:---

"परमात्मा इस सृष्टि को रच कर उसमें इसी तरह रम जाता दें जिस तरह जिस्म के अन्दर रूड, यह विश्व ही उसका जिस्म है. जो इस बात को समम ले और इस एकता को देख से उसके लिये फिर न कोई मोह है और न कोई शोक."

मुसलमान सूफी लिखता है:-

"हक्र यानी परमेश्बर सारे जहान की जान है, और यह सारा जहान उसका जिस्स है, यही तौहीद है और सब रोजगार और खेल हैं."

इसी हालत को 'सरूरे जावेदानी,' 'आत्म लाभ,' 'विसाल' या 'कैवल्य' 'एकी भाव' या 'वहदत' कहते हैं.

अपने अपने रास्तों से, अलग अलग और तरह तरह के रास्तों से, सब लोग सब जानदार उसी तरक जा रहे हैं. यह मंजिल सब के अन्दर है, इसीलिये सब अन्दर की तरक मुद्द रहे हैं. दुनिया के सब धर्म, मजहब और किलास-कियां केवल अपने घर वापिस जाने की बेचैनी हैं. इसीलिये कृष्ण ने गीता में कहा है:-

"ऐ अर्जुन लोग सब तरफ से चल कर मुफ तक ही पहुंचते हैं, जो जिस रास्ते से आता है उसे उसी रास्ते से मैं मिलता हूँ."

पारसी गाथा में लिखा है:-

"ज्ञान और बढ़ते हुए विचारों के जोर से, ऐ अहुर मज्द, हम तुक्तमें आ मिलेगे. वही हमारी शुरू की जिन्दगी थी."

जैन मंथ 'ज्ञानार्णव, में लिखा है:-

यही सब से बड़ा कान है, यही विकान है, यही ध्यान है, यही परम तप है कि यह आत्मा फिर से अपने की पहचान ले और फिर से अपने रूप में लीन हो जाय."

यहदी किताब जोहर में लिखा है:-

"दुनिया की सब चीजों, सब रुहें और उनके सब जिस्म अपने जिस असल से निकले थे उसी में जा मिलेंगे."

गीता में भगवान ने कहा है कहा है :-

"बहुत से जन्मों के बाद ज्ञानी मुक्ते त्रा मिलता है."
चीनी तात्रों धर्म की किताब 'तात्रों तेह किंग' में लिखा
है:--

"जिन्दगी बाहर निकरना है, सीत घर लौटना है." रोख सादी ने एक बहुत ही प्यारी, सुन्दर छोटी सी किताब लिखी है जिस का नाम है मा मुक्कीमां. उसकी ग्रस की बौर बास्तिरी की लाइनें यह हैं:—

"मा मुक्ती माने कूए दिल दारेम क्ला बहुनिया बदीन नमी आरेम أيلهد مين لكها هـ ١٠٠٠

والرمانيا إس سرهالى در يه كر أس مهن إسىطرح وم جاتا ہے جسن طرح جسم كے اندر روح . يه رهو هى أس كا جسم هے جو إس بات كو سمجه لے اور إس أيكتا كو ديكه لے أس كے لگے پهر نه كوئى موہ ہے اور نه كوئى هوك ،"

مسلمان صوفي لكهتا ۾ :--

"حتی یعلی پرمیشور سارے جہان کی جان ہے' اور یہ سازا جہان اس کا جسم ہے' یہی توحید ہے اور سب روزگار اور کھیل میں ۔"

اسی حالت کو اسرور جاودانی اقتمالیه اوسال یا الهولید ایکی بهاو یا اوصلت کیا هیں ،

ابھ ابھ راستوں ہے الک الک اور طرح طرح کے واستوں ہے سب جاندار آسی طرف جا رہے ہیں۔ وہے میں ، یہ مقول سب کے اندر ہے اندر کی اندر کی اندر کی طرف مو رہے میں ، دنیا کے سب دھرم ملھب اور فلاسفیاں کیول آبے کور وابسجائے کی ہے چھٹی میں ، اِسی لئے کرشن نے کہتا میں کیا ہے :—

''اے ارجن لوگ سپ طرف سے چل کر مجھ لک ھی پہلچکے ھھں' جو جس راستے سے آتا ہے اُسے اُسی راستے سے میں ملتا ھوں ۔''

يارسي الها مهن لكها هـ :--

ودکیاں اور پوھٹے ھوئے وچاروں کے زور سے' اے اھرمزد ھم تبچه میں آ ملیں گے ، رھی ھماری شروع کی زندگی تعم ہ''

دیہی سب سے ہوا گیاں ہے؛ یہی وگیاں ہے؛ یہی بھیاں ہے؛ یہی پرمتپ ہے کہ یہ آتنا پھر سے اپنے کو پہنچاں لے اور پھر سے اپنے رزپ میں لیاں ہو جائے ،''

يهودي كتاب زهر مين لكها هـ :--

''دنہا کی سب چھڑیں' سب روھیں اور اُن کے سب جسم اپے جس اصل سے نکلے تھے اُسی میں جا ملیںگے۔''

کہتا میں بھگران نے کہا ہے:

"ابہت سے جلموں کے بعد گیائی معوبے آ ملکا ھے ۔" چھٹیٹاؤ دعرم کی "نکاب تاؤ تہ کلگ" میں لکھا ھے :---"زندگی باعر نکللا ھے" موساگور لوٹٹا ھے ۔"

شیع سعدی نے ایک بہت هی پھاری سندر چھوٹی سی کتاب لکھی ہے جس کا نام ہے مامقیماں ۔ اُس کی شروم کی اور آخور کی لائیں یہ ھیں ۔۔۔۔

> الماسقیمان کوئے دال داریم ربع یا دنیا و دین نمی هاریم

अपनी ही लीला है, इसमें कोई रौर नहीं. तब आरमा डर, शक और दुख के बन्धनों से आज़ाद हो जाता है. फिर न . पाप-रहता है न पुन्य, न कोई बहम वा अन्ध विश्वास. किसी न किसी समय, जल्दी या देर में यह मुक्ति, यह नजात हर जीव आत्मा को हासिल होती है. तरह तरह के सुस दुःसों, पाप पुन्यों और जिल्ह्मी की ऊंच नीच में से मिकलते हुए सब इस मंजिल पर जा पहुँचते हैं, क्योंकि सब रुहें आख़िर उसी एक रुद्दे कुल का श्रंश हैं.

वैदिक धर्म, बौद्ध धर्म और जैन धर्म में इसे मुक्ति या निर्वान और इसलाम में इसे नजात या कना फिल्लाह कहते हैं. फना फिल्लाह के ठीक वही मानी हैं जो निर्वान के हैं यानी अपनी अलहदगी का फना या खतम हो जाना. क़ुरान की मशहूर आयत है—

इमा लिल्लाहे व इमा इलैहे राजेऊन

यानी हम सब अल्लाह से आए हैं और लौट कर अल्लाह ही में जा मिलेंगे.

यहूदी इस आस्त्रिरी हालत को "प्रेम का महल" कहते हैं. ग्नोस्टिक समप्रदाय के लोग इसे 'अनन्त ज्योति या अब्दी नूर का मन्डार" कहा करते थे. ईसाई इसे "किंगडम आफ हैंबिन" यानी स्वर्गका राज कहते हैं. अलग अलग भर्मों के सन्तों, सुकियों और महात्माओं ने इसे और भी नरह तरह से बयान किया है. सेन्ट पाल ने लिखा है कि:-

''सचाई (यह सचाई कि आत्मा और परमात्मा एक हैं) तुम्हें सब बन्धनों से बाजाद कर देगी."

इस हालत को पहुंच कर फिर कोई 'इतरता' यानी 'रोरियत' नहीं रह जाती. "ब्रांश" "पूर्ण" हो जाता है. 'अनानियते अदन।' 'अनानियते आला' हो जाती है. 'सस्रसियते अदना' 'राखसियते आला' हो जाती है. खुद या खुदी खुदा हो जाती है. बूंद समन्दर हो जाती है. यहां पहुँच कर रूह को इश्के मजापी और इश्के हक़ीक़ी का क्रक समभ में श्राता है. इसी हालत का नाम स ज्वदानन्द ₹.

ऋग्वेद में एक प्रार्थना आती है:--''बद् अग्ने स्थाम अह मृत्वं, त्वंवाधा स्था अहम्" यानी पे अग्नि में तू हो जाऊं और तू में हो जाय. अग्नि आत्मा के अन्दर की उस रोशनो का नाम है जो

आदमी को आगे का रास्ता दिखाती है.

सुकी ने इसी हालत को बयान करते हुए कहा है:---मन तू शुद्म तू मन शुदी मन तन शुद्म तू जां शुदी ता कस न गीयद बाद अर्जी मन दी गरम तू दीगरी बानी में तू हो गया और तू मैं हो गया मैं जिस्स हो गया और तू जान हो गया. ताकि इसके बाद कोई यह न कहे कि मैं भीर हूं भीर तू भीर है.

الغيهي لهذا هـ اس مين كوئي فهر نهين. تب آنما قرا شك اور دنه کے بلدھلوں سے آزاد ہو جاتا ہے . پھر نه پاپ رمعا هے نه پنهه؛ نه کوئی وهم يا انده وهواهي. کسي نه کسي سيے؛ جلدي يا دير مين يه معتى أيه نجات هر جهو أتما كو حاصل هوتی هے، طرح طرح کے سکھ داکھرں کیاپ پلھوں اور زندگی کی اُونیم نییم میں سے نکلتے ہوئے سب اِس منزل پر جا پهنچاء هيں کيونکة سب روهيں آخر اس ايك ررح کل کا آسم میں ،

ويدك دهرم بوده دهرم أور جهين دهرم مهل إس مكتى يا نروان أور إسلام مهن أسي نجات يا فدافي الله كهتم ھیں ، فنافی الله کے تھیک وهی معنی هیں جو نروان کے هيل يعلى أيذي مليصدكي كا قلا يا خدم هو جانا . قرآن كي مشهور أيت هــــ

إنغا لله وأبغا إله وأجعون

يعدى هم سب الله سے آئے۔ همن اور لوٹ کر الله هي مهن جا ملهن کے .

یهودی اِس آخری حالت کو ''پریم کا معل'' کہتے هیں ، گذوستک سمپردائے کے لوگ اِسے ''اُنفت جهوتی یا ابدی نور کا بہندار" کہا کرتے تھے ، میسائی اِسے "کذکدم آب هیون' یعلی سورک کا راج کہتے هیں ۔ الگ الگ دھرموں کے سلتوں صوفهوں اور مہانماؤں کے اسے اور بھی طرح طرح سے بیان کیا ہے ، سلت پال نے لکھا ہے که :--السجائي (يه سجائی که آتما اور پرماتما ايکههن) تمهیں سب بلد علوں سے آزاد کردے گی ،"

اِس حالت کو پہنچ کرپھر کوئی 'اِترتا' یعلی 'فهريست' نهين ولا جاتي . '''انش'' ''پورن'' هو جاتا <u>ه</u>ي . النائهم ادنين الانهم اعلى هو جاتى هـ شخصه ادنول شخصیت آملی هر جاتی هر ، خود یا خودی خدا هو جاتی هے ، آبرند سندر هو جاتی هے ایہاں پہلیج کر روح کو عشق مجازی اور عشق حقیقی کا فرق سنجه میں آنا ہے . اِسی حالت کا نام سچیداللد ہے .

وك ويد مهن ايك پرارتهنا آتي هے: --

^{رب}ين اكليے سهام أهم توم' قوم وانتها هم''

یمنی اے اکنی میں تو ہو جاؤں اور تو میں ہو جائے، اکلی آنما کے آمدر کی اُس روشلی کا تنام ہے جو آدمی كو آكے كا راسته دكھاتى ہے .

مولی نے اِسی حالت کو بھان کرتے ہوئے کہا ہے :---من تو شدم تو من شدی من تن شدم تو جال شدی تائس نه گوید باد ازین من دیگرم تو دیگری يعلى مين تو هوگها أور تو مين هرگيا؛ مين جسم مرکها اور تو جان هرگها . تاکه اِس کے بعد کوئی یه نه کیے که مهن اور هوں اور تو اور هے .

जिन्दगी का मकसद है—सबके अन्दर एक ही आत्मा को देखना.

(डाक्टर भगवानदास)

इमारी जिल्दगी की आखिरी सबसे बड़ी सचाई ही हमारी जिल्दगी का मक़सद है. आत्मा लौट कर अपने असल आपे में जा मिलती है, अपने उस अनन्त रूप में जा मिलती है जिसे वह भूल गया था और जो उसे अब फिर से याद आ जाता है भटका हुआ मुसाफिर अपने घर लौट आता है. दूसरे शब्दों में ज्ञान यानी मारफत का सांप खुद अपनी दुम निगल लेता है. आत्मा का एक चक्कर खतम हो जाता है. दोनों मिरे एक दूसरे से जा मिलते हैं. तब दिखाई देता है कि छोटे से छोटा महदूद जर्रा ही बेजन्त लामहदूद भी है, जर्रा ही आफताब है, बंद ही समन्दर है, जीब आत्मा और परमात्मा, रूहे शखसी और रूहे कुल एक हैं.

जिन्दगी का अन्त, उसका लक्षय यानी उसका मकसद दो तरह का है. पहला मक्ससद है 'अभ्यूद्य' जिसे 'इक्सबाल मन्दी' या 'नेमते दुनियावी' कहा जाता है, यानी इस दुनिया के अन्दर की खुशहाली और कामयाबी, या इन्द्रियों और हाथ पैरों के करिये दुनिया के जायक सुखों का भोग करना. हिन्दू शास्त्रों में इसके तीन हिस्से किये गए हैं - धमे, अर्थ और काम. सूफी इस्तलाइ में इन तीनों को द्यानत, दौलत भौर लक्कते दुनिया कहा जाता है. इन तीनों को उक्तट कर और मिला कर समभना चाहिये. इनका मतलब यह है कि दुनिया की लक्जतों यानी गृहस्थी की जिन्दगी को धन दौलत, सम्पत्ति और मिलकियत के साथ मिला कर 'धार्मिक नियमों' यानी 'क़ानूने इलाही' की रोशनी में अपने फर्ज कर्तव्य की निगाह के सामने रखते हुए, बताना बाहिये. यह है जिल्ह्गी के शुरू के आधे हिस्से के लिये. जिल्ह्गी का दूसरा और आखिरी हिस्सा दूसरे और आखिरी मक़सद को हासिक करने में खर्च करना चाहिये. वह असल मकसद है मोश यानी नजात, सब तरह के दुखों से झुटकारा. इसी को 'निःश्रेवस' या 'हक्को जाला' कहते हैं. यही 'परमानन्द' है. इससे बढ़ कर कोई आनन्द नहीं' कोई सुस नहीं. यह है परमात्मा की तरह हो जाना, परमात्मा में लीन या फना हो जाना, स्वयं परमातमा हो जाना.

हर आवसी के दिल के अन्दर जाने या अनजाने जिन्द्री का यही अक्रसद हिलोरें लेता रहता है. अपने जिस हाल से इस अटक गए थे उसी में फिर लीट जावें. इसे पूरी तरह पता चल जावे कि यह सारा संसार चक हमारी

زندگی کا مقصد <u>ھے۔سب کے اندر ایک</u> ھی آئیا کو دیکھنا

(قاكتر بهكوان داس)

هماری زندگی کی آخری سپ سے بڑی سنچائی هی هماری زندگی کا مقصد ہے ۔ آنما لوت کر اُنے اصل آنے میں جا ملکی ہے جسے جا ملکی ہے اُنے اُنے ایک اُنے میں اندست روپ میں جا ملکی ہے جسے وہ بھول گیا تیا اور جو اُسے اب بھر سے یاد آ جاتا ہے ، بھٹکا ہوا مسافر انے گھر لوت آتا ہے ، دوسرے شعدوں میں گیان یعلی معرفت کا سانپ خود اُیلی دم بگل لیکا ہے ۔ اُنما کا ایک چکر ختم ہو جاتا ہے ، دونوں سرے ایک دوسرے سے جا ملکے ہیں ، تب دکھائی دیکا ہے که چھوٹے دوسرے سے جا ملکے ہیں ، تب دکھائی دیکا ہے که چھوٹے دوسرے سے جا ملکے ہیں ، تب دکھائی دیکا ہے که چھوٹے دوسرے ہے متحدود ذوا ہی ہےاست لاستحدود بھی ہے ، نوا ہی ہےاست لاستحدود بھی ہے ، نوا ہی ہے است دروہ ہی ہے ، نوا ہی ہے ، دوسرے ایک ہیں ۔ وہ شخصی اور روح کل ایک ہیں ۔

إندكي كا الت اس كا لكش يعلى أس كا مقصد دو طرح كا هي . پهلا مقصد هي الههودي؛ جسي القبال مقدى؛ یا آنمست دنیاوی کہا جاتا ہے کیملی اِس دنیا کے اندر کی خرص حالی اور کامیایی' یا اِندریوں اور عاتم پهروں کے فریمے دنیا کے جالز سکھوں کا بھوگ کرنا ، هلدو شاستروں میں اِس کے تین حصہ کئے گئے عیں۔دھرم، ارته اور کام، صولی اِسطام میں اِن تیلوں کو دیالت' هولت أور للات دنها كيا جانا هي . إن تهلون كو ألت كر أور ملا كر سبجهنا جاهلًى . إن كا مطلب يه هي كه دمها كى للاتون يعلى كرهستى كى زندكى كو" دهن دولت" صمعتی أور ملکهت کے ساتھ ملا کر ادھارمک نیموں بعقی القانون إلهين كي روشلي مهن أين قرض كرتب كو دكاة كي صاملے رکھتے موئے بعانا جامئے ، یہ مے زندگی کے شروع کے آدیے حصہ کے لیے، زندگی کا دوسرا اور آخری حصه دوسرے اور آخری مقصد کو حاصل کرنے میں خرچ کرنا چاہئے ، ولا امل مقصد ہے موکش یعلی نجات اسب طرح کے دکھوں سے جہد کارا اِسی کو انہہ شریص کیا احظاماً اِن كهتم هين ، يهي الرساندد؛ هي . إس سے يوهكر كوئي آداد نههن كولى سكه نهيل . يه هـ پرماتما كى طرح هو جاتا هرمائما مهن لهن يا قلما هو جانا[،] سويم هرماتما هو جانا .

ھر آدمی کے دل کے اندر جانے یا انتجائے زندگی کا یہی متصد ملوریں لیٹا رہتا ہے ۔ آبے جس حال سے ھم پہٹک گئے تیے اُسی میں پیر لوٹ جائیں ۔ عمیں پوری طرح پتا جل جائے کہ یہ سارا سلسار چکر ھماری

नया हिण्द यह जिम्दगी वह हसीन फूल बन नहीं सकती कि जिसके सीने की भौरे मिठास खा जायं यह हलकी जीत नहीं है अन्धेरे कमरे की उभर के जिसकी श्रम्धेरे युंही पचा जायं में विक्युगी के यह अनजाम बाइता ही नहीं मेरे खुदा मैं मुसीबत से खेल सकता हूँ में आंधियों में उमड़ती हुई घटाओं में वतन की शोख मुहब्बत से खेल सकता हूं मैं वह दरकत बन्ं जिसकी नरम डालों से मुसीवर्तो की घटाओं की विजलियां गुजरें समय के मोंके जमीन से उखाड़ दें जिसको अमल की राह पे मेरे वह आंधियां उभरें में एक चट्टान बन् इतने उन्ने परवत की जो ज़ब्ते ज़ब्ते ही श्राधी से दूट कर गिर जाय बिखर पड़े जो वतन की हसीन घाटी पर हर एक दूटे हुए मन पे देस इतराय गुलाम क्रीम ने सालों की बेड़ियां तोड़ी बह आज ढंद रही है भलाई के मैदान सिपाहियों के इसीन रूप की सुनहरी अभक बढ़ा रही है उभरते हुए निशान की शान तमाम दुनिया में हा जाय गुंज रोरों की

फराां के नीचे मजालिम समय के दब जायं हर एक रूप से फूटें ह्यात की किरनें यों जानिमों के स्याह कारनामें घुल जायं इयात अपनी वहीं पर निसार मैं कर हूं

बही ये अपने लहु की बहाऊं मैं धारा वहीं पे गंजे मेरी आखरी हयात की चीख वहीं पे इबें मेरी जीस्त का इसीन तारा

बहीं पे नाब डुबो दूं मैं अपने जीवन की करकते गंजते लोहों की खब्खबा हट में

बिगुल की शोख सदाओं में दूब जाऊं मैं वहीं पे तोप की दूर्व में घड़ घड़ हट में

कुचल कुचल के वहीं मेरी लाश से गुजरे बह अस्प जिसकी है मंजिल मुकामे आजादी

वहीं पे विकारी हुई हिंडुयों पे विकारा दे इसीन गीत कोई ले के नाम आजावी

बह मौत मौत है जिस पर ह्यात नाज करे कि जिस पे नाज करे अपनी सुबह आजादी

वह जोत फुटे मेरी इड्डियों के दुकड़ों से हसीन नूर से भर जाय बन्न की बादी

अभुवादक-वरन सरन 'नाज'

ية وندكى ولا حسون يهول بن نههن سكالي کہ جس کے سہلے کی بھوترے مالہاس کھا جاٹھی ية هلكي جوت نهين ۾ أندهوري كمرے كي أبهر کے جس کو اندھیرے یوں عی پنچاھائیں میں زندگی کے یہ انجام جامعا هی نہیں مہرے کدا میں مصیبت سے کیبل سکتا ہیں مهن آندههين مهن أمرتي هولي گهتاي مهن وطن کی شرع محصیت سے کہیل سکتا ہرں

میں وہ درخت بلوں جس کی نوم ڈالوں سے مصهبعوں کی کھٹاؤں کی بجلیاں گذرین

سمے کے جھونکے وصون سے اُکھال دیں جسکو مثل کی راه یه مهری وه أندعهان أبهرین میں اک جمان بغوں اللے اُونچے پربت کی جو لوئے لوئے هي آندهي سے توف كر كر جائے

بكهر پڑے جو وطن كى حسهن گهاٿي پر هر ایک تولی هوئی من په دیس إنرائه

مَامُ قَوْمٍ لِهُ سَالُونِ كَي يَمُونِيانِ تَوْرَينِ رہ آہے ڈھونڈھ رھی ہے بھلائی کے مهدان

سهاهیوں کے حسیق روپ کی سلموی چمک ہوھا رھی ھے اُبھرتے ھوئے نشان کی شان

تبام دنیا میں جھا جائے گرنج شهروں کی نفان کے نہیجے مطالم سیے کے دب جائیں

ھر ایک روپ سے پھوٹیں حمات کی کرنیں یوں طالموں کے سیم کارتاہے دعل جاٹیں

حهات اینی وهین پر نثار مین کردون وههن په آبه لهو کې بهاون مين دهارا

وهين يه كونج ميري آخري حيات كي جيم وهیں په قربے میری زیست کا حسین تارا

رهين په داو قبو دون مين آي جيون کي لرزئے گونجیے لوموں کی کہر کہوا محق میں

يكل كي شوع صداون مين قوب جاون مين وههن په ترسائي تريون مهن کهر کهراهت مين

النجل کنچل کے وہیں میری لاش سے لڈرے وہ آسی جس کی ہے مغزل مقام آرانی

وههن په پکهري هرئي هڏيون په پکهرا دے حسین گیمت کوئی لے کے نام آزادی

ولا موس موس هے جس پر حیات ناز کرے که جس یه ناز کرے ایلی صبح آزادی

رہ جوس ہمولے موی هذيوں كے تكووں سے حمدین نور سے بھر جائے وقت کی وادی

انبروادك-چرن سون انازا



जिल्द 14

मार्च, सन '53

नम्बर 3

نىبر 3

مارچ سي 53'

ولد 14

जात आदमी, प्रेम धर्म है, हिन्दुस्तानी बोली, 'नया हिन्दु' पहुँचेगा घर घर लिये प्रेम की भोली.

جات آدمی' پریم دعرم مِنْ هندستانی بولی' ' 'نها هند ' پهنچ اا گهر گهر لیّه پریم کی جهولی ،

सिपाही का गम

(सेन्द्रोर पेतोफी)

. [सेन्दोर पेतीफी 1 जनवरी 1923 को हंगरी के किले कोरांसं गांव में पैदा हुआ था. उसका बाप एक मामुली किसान था. 16 साल की उमर में वह अपने घर से निकल पड़ा. वह गांव गांव और शहरों शहरों फिरा. बहां, उसने अपने मुल्क की ग़रीबी देखी, उसने देखा है प्रवर्ग स्नानदान के राजा किस तरह रारीव जनता पर जल्म करते हैं. उन दिनों लोगों में चेतना पैदा हो रही थी, बह भी हैप्सबर्ग के खिलाफ अपने मुल्क को स्वतंत्र करने में जी जान से जुट गया. धीरे धीरे वह वहां के जन आन्दोलन का नेता बन बैठा. उसने अपनी कविसाकों के जरिये तमाम हंगरी में एक नई जान फुंक दी. उसकी कवितात्रों में सादगी, पवित्रता और एक नया सन्देश है. 31 जुलाई 1948 में 26 बरस की भरी जवानी में सेज्सबर के मैदान में ज़ब्ते लड़ते वह शहीद हो गया, पैतोफी के नाम से आज हंगरी का बका बका परिचित है. हंगरी के निवासी उसको 'आजादी का कवि' नाम से याद करते हैं. नीचे इम उसकी मशहूर कविता 'सिपाही का राम' का आजाद तरजुमा दे रहे हैं. आशा है शहीद भीजवान पेतोफी की यह कविता हमारे पाठकों को पसम्ब आध्राी-एडीटर]

\$ \$ \$

युमे यह राम है क्यूरी जिल्हागी के दिन कोर रात गुजर न जायं यूं ही करवटें बदलते हुए बह जिल्हागी तो कोई जिल्हागी नहीं होती को सरम खेल ये कट जाती है बहलते हुए

سپاهی کا غم

(سهغدور پیتارقی)

[سيلدور پيگوني 1 جاوري 1923 کو هلگري کے كليكوراس كاون مهل يهدا هوا تها . أس كا ياب ايك معمولي كسان قها : 16 سال كي عمر مهن ولا أنه كهر سے نعل ہوا ، وہ کاوں کاوں آور شہروں شہروں پھرا ، وھاں اس یے ابع ملک کی فریعی دیکھی اس نے دیکھا مهيس برگ خاندان کے راجہ کس طرح فریب جاتا ير ظلم كرته هيل أن دلون لوكون مين جهتنا يهدا ھو رھی تھی' وہ بھی ھھپٹش برگ کے خلاف اطماکسر کو سونلگر کرتے میں جی جان سے جت کیا، دهورے وههرے وہ وهاں کے جی آندواس کا نبتا بن بیتها . اُس لے اپنی کویٹاؤں کے ذریعے تمام هفکری میں ایک بگی جان پهرنک دی ، اس کی کوهاوں مهن ساعلی⁴ پوترتا آور ایک نها سلدیش هے ، 31 جوائی 1948 میں 26 برس کی بھری جوانی میں سیجسبر کے میدان مهولوتے لوتے وہ شہدد هوگها، پهتوفي کے نام سے آبے همکري لا بچه بچه بري بهت ۾ . ملكري كي تواسي أس كو ازادى كا كوى الله بيه ياد كرته هيس ، نيجه هم أس کی مشہّور گردی اُسمادی کا فرا کا آزاد ترجمه دیے رہے مين. آشا هے ههدي توجوان پنتوني کي يه کويتا همارے سنايقيلر والهكون كو يسادد آڻے گئے ۔

معجمے یہ غم ھے کہیں زندگی کے دی آرو راُت ہے۔ گذر نه جائیں یوں ھی کروٹیں بدلعے ھوٹے ولا زندگی تو کرٹی زندگی نہیں ھوٹی

وه زندانی دو دونی زندهی نهین هوایی خوه نوم سهم چه کنگ د ان_ی هر پهلا**چ** هوایی

"नया हिन्द"

हिन्दुस्तानी कलचर सासाइटी

.. **318 (**J. ..

هندستاني كليجر سوسائتي

ĸ

•

माहवारी परचा

ार्च 1953 _{हा}र्

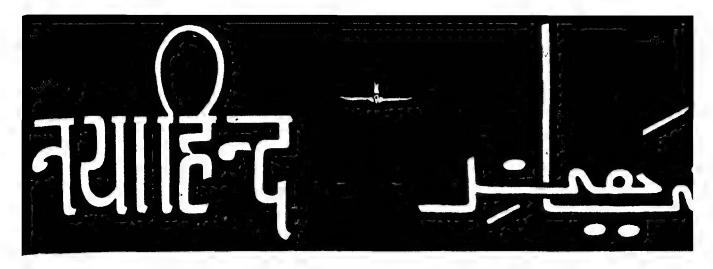
| स्था | िसंस | मका ८३०। | - | كمس مع |
|------|--|----------|---------------|--|
| 1. | सिपाही का ग्रम (कविता)—सेन्दोर पेतोकी | 75 | ں ۰۰۰ | سهاهی کا قم (کویتا)سیندور پیتوم |
| 2. | जिन्दगी का मक्तसद है—सब के अन्दर एक ही आत्मा को देखना—डाक्टर भगवानदास | | ک هی آنما | زندگی کا مقصد ہے۔۔سب کے اندر او کر دیکھلا۔۔۔۔۔اکٹر پہکوان داس |
| 3. | जग शान्ति और रूम—डाक्टर जे. सी कुमारणा | 83 | | ِ جگ ھانع ی اور روس۔قاکٹر ہے۔ س |
| 4. | हिन्दुस्तानी शब्ब्यात का चौथा अस्तः हिन्द्यावा | 1 | هقدياوا | هندستانی شهدیات تا چونها اسول: |
| | मक्टर जाकर इसन | 87 | | ةائثر هافر هسي |
| 5. | सत्य श्रीर चमत्कार-भगवानदीन | 92 | | سالیه اور چمالکاربهاگران دین |
| 6. | और वह मर गया? (कहानी)मुजीब रिजवी | 101 | | اُور وه موگها ؟ (کهامی)متجهب |
| 7. | चीन से एक स्नत-पुरुषोत्तम प्रसाद | 111 | | چین سے ایک خط-برشوتم پرساد |
| 8. | आरत में अमरीकी क़दम—बोम प्रकाश संगल | 120 | لىكى | بهارت مهن أمريكي قدمأوم پركاهي ما |
| 9. | बच्चों की दुनिया | . 130 | ••• | ہچوں کی دنھا۔۔۔ |
| 10. | कुछ किताबें | . 132 | *** | كونه كعابهن— |
| 11. | | 134 | 400 | پرواسی کی قاکی۔۔۔ |
| 12. | हमारी राय- | . 140 | | ا هماري رايه— |
| | डाक्टर मुसक्ति और शाह—मुजीव रिजवी; | | ى ؛ | قائلر مصدق أرر شاهسمنجهب رفو |
| | एटम बम और यूनोभगवानदीन; चिरारा | | 440 | ا ايالم يم اور يو نوبهكوان دين؛ جراغ ي |
| | बुफ गया !—मुजीब रिजवी. | | | کها !۔۔۔معهم، رضوی ، |

भीमन-हिन्दुस्तान में है कपका साल, बाहर वृस रुपया साल, एक रुएका वृस काने .

> मैनेजर 'नवा हिन्द्' 145, मुद्दीगंज, इलाहाबाद,

سفنستان میں جم رزید سال' باهر دسی رزید مال' ایک پرجم می آنے .

مهلوبدر 'نها هلد' 'لها هلا' مثبی گلج' الدآبال ،



पडी हर तागचर, भगवानदान, मुज्ञभण इसन, विज्ञाभर नाथ, मुन्दरताल । हिन्दी क्रिक्ट क्षेत्र । क्षेत्र क्षेत

इस नम्बर के खास लेख

- 🚓 रास्त का भारतक है। सब व अन्दर एक हो। स्थापन के देखना। हायहर भारत नदास
 - 🌎 ार द्यानित भाग क 📉 त्यहर जा स्था व्यानस्प
 - 🙆 रात्य चार वसत्कार अगवानहान
 - 🐞 जीरबहसरणाः, 🖰 १२हसः भुत्राचार १४
 - 🌲 चान से एक छत-पुरुषात्तम प्रसाद
 - 🚇 भारत में यसराक्षा क्रदभ- श्रामप्रकाश सराज

हमारी गय

- डाक्टर मुस्सीहक और शह- मृजीव रिजयी
- एटम चम श्रीर युनी--भगवानदीन
- चिरास बुक सया !--मृतीब रिज्ञवी

اِس نملز کے شاص لیکھ

- 🍑 پردگی ۱۰ مقصد هے۔ سانے ایا جار کا فواقیکیلا اداکہ بیکوئی
 - 🐞 المكاني 🏗 🏗 الهجارية المساعد الأماليين المالي
 - en lokar estan o sata 🐔
- 🕭 لويوه فيما 🗀 کونو 🔧 منديد الحمال
 - 🕳 چهر د ایما دیگا دیگوند د داد
- 🕒 دهارف مهل امريكي الحم أوربو على سلكل

هماري ۱۱)ي

- الله مصدق ابر شاود و مدهم رضوي
 - 🐞 ایاله در اور دورو سده کوان دیری
 - 🔵 عهوالغ بنجه أوا استحدوه ب وصوي

स्तानी कलचर सोसाइटी, इलाहाबाद 🎆 आर्यां कलचर सोसाइटी, इलाहाबाद

ਸਾਬੰ 1953 😸 🕻

क्रीमत दम्य बाना

قيسعا دين أدء

झंकार

सम्पादक श्री रघुपति सहाय 'फिराक'

पिछले पन्द्रह बरम से आज तक की उरद की चुना हुई कविताओं का यह सम्रह पदकर आप को माल्म हांगा कि उरद कविता ने किस तरह खयाली दुनिया को छोड़ कर जिन्दगी की सन्चाइयों से अपना नाता जीड़ लिए। है आज की उरद शायरी गुल व बुलबुल और बस्ल व जिसक तक ही सीमित नहीं है. अब आप को उरद कविता में किसानों और मजदूरों के दिला की धडकन सुनाई देगी. गुलामी, अन्याय और लुट खसोट के खिलाफ आप एक म्मी आवाग मुनगे जो आपके दिल की गहराइयों की छुएगी.

"इन कवितात्रा में अन्तराष्ट्रीय तथा राष्ट्रीय दोनों भनके मिलता है . .सत्तीव तथा साकार हैं .. .वास्तव में हिन्दी संसार में यह प्रयास अनोखा है और उरदृ साहित्य के आधुनिक दौर में अदिताय है ..."

23-2-52

- रोजाना 'लोकवागी' जयपुर

्रीतहाँ तक भाव का सम्बन्ध है कविताएँ उल्चम्तर की है ?'

63 52

--- 'विशाल भारत' कलकत्ता

' सकार में प्रकाशित 72 उरद् का कविताएं आज हैं के युग की समस्याओं से श्रीत श्रीत हैं ''

17-2-'52 --- नव भारत टाइम्स' दल्ला

''हिन्दी के पाठक स्नेह और बाब से इस सम्रह का आनन्द लगे और उनसे प्रेरणा घटण करेगे, यह निश्चत है.'' 13-1-52 - 'अमन पत्रिका' इलाहाबाद

'हम उन की (कविताओं की) शक्ति, तालगा और सूत्र के कायल हैं वह एक नए युग का सन्दर्ग देती हैं। शापा अधिकतर सरल श्रोर वामहावरा है. कहीं कहीं तो ठेठ हिन्दा है ''

8-5-102 - भीवन साहित्य' दिल्ली

"भकार का रचतात्रों म युग की पुकार है त्रोर भाषा विलकुल बोल चाल के निकट हैं" - नया गमा न' कलकचा नागरी लिखावट में ऐसा भरपूर उरद कविना समह स्राज तक नहीं निकला. सुन्दर जिल्ड, बढ़िया काग्रज उस्दा छपाई डाम भिक्त नीन कपया. दस किताबों का एम माध खरीदारी पर पचास कीस्ट्री कमीशन.

मिलने का पता

मैने नर 'नया हिन्द' 145, मुट्टोगन, इलाहाबाद,

جهنكار

سميادك--شري رگهويتى سهائم ' فراق'

پچہلے بندرہ برس سے آج تک کی اُردو کی چنی بروئی دویہاؤں کا یہ سنگرہ پوهکر آپکو معلوم هرگا که اُردر کورندا نے کس طرح خیالی دنھا کو چہوڑ کر زندگی کی سیدائیوں سے اپنا ساتا جوڑ لھا ھے ۔ آج کی اُردو شاعری بل و بلدل اُدر وصل و قراق تک هی سهمت بہدی ھے اب آپ کو اُردر کویہا میں کسانوں اور مزدوروں نے داوں کی ددونیوں سنائی دینگی علامی اُدھائے اُرر لوت برسوت نے خلاف آپ ایک ایسی آوار سنهدگے جو آپ نے برسوت نے خلاف آپ ایک ایسی آوار سنهدگے جو آپ نے دلسوں کی ڈیوائیوں کو چھوٹیگی

'' ان دویتاؤں میں انتزراشنوی بتیا راشتی دورین جهاکی میں۔۔ دورین جهلکی میں۔۔۔ سدیو تتیا سائر میں ۔۔ راستہ میں مذدی سفسار میں یہ پریاس انوایا ہے آور اندو میں ادائیہ ہے۔ ''

23-2-102 الي حي پور

الحهال بد بهاؤ كا سمجنده هـ فويتائهن أي استرد. هيون ...

6-13-52 فيال بهارت المحمد الم

'' حیلکار میں پاکاشت 72 اردو کی کویقائیں آج علی نے یگ کی سمسهاؤں سے ارت پاوت عیلی '' نے یگ کی سمسهاؤں سے ارت پاوت عیلی ''' ''دو بھارت ڈانمس' دانی

آندہ لھنٹی اور آن سے پورینا کوھی دریں کے یہ نشند سعے '' 13-1-252 مرت پتریان المایات

'' مم أن كي دويقاؤن كي) شكتي' باركي اور سود، غ قائل هين ، وه أيك بئي يك فا سنديش ديتي هين ... بهاشا ادمك در سول اور به محاوره هي دهين «هين دو تهيئه هندي هي .!'

'' (سهلکار کی) رچلاؤں میں یک ہی یکار نفی اور بیاشا بالکل بول چال نے لکمت نفی '' سیا سماج' لمندہ باک کی ایک کی ایک کا بات سعام اسال در درب اور دار دار دار کا بات کا در آ

نگری لکهاوت میں آیسا بهدیهور آردو کویدا سنگره آج نگ نهیں بکلا ، سقدر حالا ، بوهها دعق ، عدد چههائی دام صرف میں رویعہ ، دس دعادر کی ایک ساته حریداری پر بچاس فیصدی دمیشن ،

سننے کا یتہ۔۔۔

منهجر ' نيا هند ' 145' منهى كنيم الهآباد .

हिन्दुस्तानी कलचर सोसाइटी

هندستاني كلهجر سوسائتي

मकुसद्

- (1) एक ऐसी हिन्दुस्तानी कलचर का बढ़ाना, फैलाना और प्रचार करना जिसमें सब हिन्दुस्तानी शामिल हो.
- (2) एकता फैलाने के लिये किताबों, ऋखवारो, रिमालों वर्गरा का छापना.
- (3) पढ़ाई घरो, किताब घरो, सभात्र्यों, कानकरेन्सों, नक्चरों से सब धर्मों, जातो, बिरादरियो और फिर्क़ों से का मेल बढ़ाना

--: o:--

मांसाइटी के प्रेमीडेन्ट — मि० ऋटदुल मजीर ख्वाजा, वाइम प्रेमीडेन्ट — डा० भगवानदास ऋोग डा० ऋटदुल हक्त, गवरिनग बाडी के प्रेमीडेन्ट डा० भगवानदास, संकटरी प० मुन्दग्लाल.

गवर्गनंग बाडी के और मेम्बर—

डा० मैयद महमूद, डा० ताराचन्द, मीलवी मैयद गुलेमान नदवी, मि० मजर अली मीख्ना, श्री बी० जी० खेर, प० विश्नम्भर नाथ, महात्मा भगवानदीन, सेठ पृनम चन्द राका, कार्जी मोहम्मद अब्दुल गफ्कार और श्री स्रोम प्रकाश पालीवाल.

मेम्बरी के क़ायदों के लिये लिग्विये --

मृन्दरलाल सेक्रेटरी, हिन्दुम्नानी कलचर मोयाइटी 115, मुट्टीगज, इलाहाबाद

नंदि - सोमाइटी के नए क्रायदे के अनुसार मेस्वरी की कीस सिर्फ एक रूपया कर दी गई है. "नया हिन्द" के जो गाहक मेस्बर बनना चाहे उनको सिर्फ छै रूपया चन्दा देने पर ही मेस्बर बना लिया जायेगा. अलग से मेस्बरी की फीस देने बाले सोमाइटी की निकली हुई कोई किनाब जो एक रूपया दास की होगी मुफ्त ले सकेंगे या ज्यादा दास की किताबें लेने पर एक बार एक रूपया कम करा सकेंगे.

مقصد

- (1) ایک ایسی هندستانی کلید، کا بوهانا بههلانا رو برچار کا حس مهی سب هندستانی شامل هون .
- (2) ایکتا پهیلایے کے لئے تتالوں اخباروں رسالوں وہیا کا چھانتا .
- (۱) پوهائي گهرون دخات گهرون سمهاؤن' کاسرنسون' لهعنچاون سے سب دهرمون' جانون' درآدريون آور فاقون مين آيس کا مهل بوهانا .

--:5 ---

سوسائٹی نے پریسیق سے مست عدالمجید خواحہ ا وائس پریسیق سے دائٹر بھٹوان داس اور دائٹ عبدالعق ، کورندگ بادی نے پریسوڈ سے ڈائٹر بھٹوان داس: سکریٹری سے ہندہ سندرال ،

گورننگ باذی کے اور مید _

قادئ سید متحمود دادی بارا چفد مولوی سید سلیمان بدوی مسلم مقطع علی سمخته شبی بی چی کهها پفترات دشمیه باته مهاتما بهگوان دین سیئه پویم چفد رابط قاصی متحمد عددالغیار اور شری اوم پرکاش یالیوال

ممہوی نے قاعدوں نے لئے انہڈے ۔

سقدر لآان

سكىيتى ھەدسدانى ئلىچر سوسائتى؛ 115-مىلەي ئىلما الماناد .

بو سسسوسائشی نے بئے فاعد نے ابوسار ممبوی کی ایس صرف ایک روپدہ کردی گئی ہے '' بیا ہدد'' نے خو گلف ممدر بنتا چاھیں اُن دو صرف چھہ روپیہ چندہ دینے پر ھی ممدر بنا لیا خاتھا ۔ الگ سے ممدوی دی فیس دینے والے ممسائشی کی بکلی ہوئی کوئی کتاب حو ایک روپیہ دام کی عرکی صفت لے سکیس کے یا ریادہ دام کی کتابیں لیتے پر ایک دار ایک روپیہ کم کوا سکینگے ۔

| इमारे एक विकर | 1 | 64 ser. | 1 | | | |
|---|---|---------|----------|----------|---|---|
| | लावें सिर्फ हिल्दी में हैं | | *** | | ي ملدي ميں هيں . | رحه :یه کتابین صرف |
| नाम किताब | संख्य | | वा | H | المناهدية ا | تام كعاب |
| 1. रोर भी शायरी | भी अयोध्या प्रसाद गोबलीय | 8 | 0 | | شری ایودهها پرسان گوتهای | شعر وأشاعري |
| 2. रोर को सुखन | 23 | | 0 | | " | هعر وسطن |
| 3. गहरे पामी पैठ | *9 | 2 | 8 | | 37 | گہرے یاتی پیٹھ |
| 4. इमारे काराध्य | भी कारसीदास चतुर्वेदी | 3 | 0 | .0 | غری بتارسی داس چگرریعی | همازی آرانحهه |
| 5, संस्मरण | p . | 3 | 0 | 0 | 37 | سلسمرن |
| हो इचार वर्ष पुरानी कहानियां | भी जगदीश्वन्य जैन | 3 | 0 | 0 | غر ي جگنيش جل در جهن | |
| 7. ज्ञान गंगा | श्री नारायण प्रसाद जैन | 6 | 0 | 0 | شري نارائن پرساد جهن | كهان كلكا |
| 8. पथ चिन्ह | श्री शान्ति त्रिय द्विवेदी | | 0 | 0 | هرى غانعى پريددريدى | پته چنه |
| 9. पंच प्रवीप | शान्ति एम. ए. | 2 | 0 | 0 | شانعی ایم ، آیے | |
| 10. चाकाश के तारे घरती के फूल | भी कम्हैयालाक सिम प्रमाकर | | 0 | 0 | شری کنهیالل مشر هربهانو | ، آکاهی کے تاریے دمرلی کے پھول |
| 11. मुक्ति दूत | श्री बीरेन्द्र कुमार जैन एम. ए. | 5 | 0 | 0 | شری ویریلدر کمار رجهن ایم ، اے | ، مكتى دوت |
| 12, मिलन यामिनी | श्री षच्चन | 4 | 0 | 0 | هری بچن | |
| 13. रजत ररिम | डाक्टर रामकुमार वर्मा | 2 | 8 | 0 | قائقر رام كمار ورسا | , رجمت رشنی |
| 14. मेरे बापू | भी तन्मय बुखारिया | | 8 | 0 | شری تلب بضاریا | ، مهرے باہو |
| 15. विरव संघ की चोर | पंडित सुन्दरलाल भगवानदास केला | 3 | 0 | O | پنگت سندر لال [،] بهگران داس کیلا | |
| 16. भारतीय अर्थशास्त्र | भी भगवानवास केला | 5 | 0 | 0 | شری بهکران داس کیا | . بهارتیه ارته شاستر |
| 17. भारतीय शासन | 79 | 3 | 0 | 0 | 78 | . بهارتیه شاسی |
| 18. नागरिक शास्त्र | it | -2 | 4 | | 3) | ا داکرک شاشعر |
| 19. साम्राज्य और उनका पतन | 19 | 2 | 8 | 0 | " | ِ سامراج اور اُن کا پتنن |
| भारतीय स्वाधीनता अन्दोत्तन | 99 . | 1 | 4 | 0 | 91 | ِ بهارتهه سرادههاندا آندولن |
| 21. सर्वावय क्य व्यवस्था | ,, | 1 | 8 | 0 | | . سرودے ارته ورستها |
| 22. इसारी धादिम जातियां | श्री भगवानदास केला और श्री श्रस्तिल विनय | 3 | 8 | 0 | ہری بھکران داس کھا اور عری اکھل رنے | . هماری آدم جاتیاں |
| 23. अर्थशास्त्र शब्दावसी | श्री द्या शंकर दुवे, | 2 | 0 | 0 | فري ديا فلکر دوي | . ارته شاستار شهدأولي |
| | एम ए. एस एस. बी. | | | | ايم . الم ايل ايل . بي . | B / |
| | गजाधर प्रसाद, अस्वि | ₹. | | | گجادهر پرساد امهشت | |
| | भगवानदास केला | | | | بهکوان داس کیلا | |
| 24. मामरिक विका | भगवानदास केला । भी दयाशंकर दुवे | 1 | 8 | .0 | هنری پهکوان داس کها دیا هدکر دوم | ا تاگرک هکما |
| 25. राष्ट्र मंडल शासन | भी व्याशंकर दुवे | 1 | 8 | 0 | دیا علکر دویے | المعرمندل عاسي |
| 26, असानी | सहात्मा मगबानदीन | 3 | 0 | | مهالتا بهكران دين | د. رحمر المان مانين د. اجرانو ا |
| 27. सारते थी दिन्सत ! | 17 | 1 | 0 | 0 | | proper a |
| 28. सारीना सम | | 0 | .8 | ۵ | 99 | اً مازل کی همتن ، |
| 29. At mil. | P7 | 1 | | 0 | ' '19 | الماولات المالات |
| | का पता— | | | • | 71 | کے میزیے جالیں مللے کا بعد— |
| • | ं ग्रेनेसर | नया | The same | Ę, | مهلهجر الهاهلا | - |
| 第十八年上京上中本へ はなん 上京 · · · · · · · · · · · · · · · · · · | 145, agirio , p | | | | معيى علي العاماة ك. | 154 |
| | ALL AND CO. A. A. | 41 - A2 | | | | ال در المال ا |

किरकानन्दी पर वापू

सम्पादक--श्री श्रीकृश्न दास

इम पुस्तक में 1921 से सन 1948 तक गांधी जी ने साम्प्रदायिता के सवाल पर जो कुछ कहा या लिखा वह सब जापको एक जगह मिलेगा.

भारत के आजाद होने पर यह और भी जरूरी हो गया है कि हर भारतवासी साम्प्रदायिकता के नुक्रसानों को समके और इस जहर को अपने अन्दर से साफ करे.

सुन्दर जिल्द. अच्छा काराज. दो सौ सके. क्रीमत दो रुपया.

भाषा

लेखक-लाला मदन गोपाल

हिन्दी उर्वू और हिन्दुस्नानी की तकरार पर एक वे लाग राय इस किताब में आपको मिलेगी. राष्ट्र भाषा के सवाल में दिलचस्पी रखने वाले हर भाई-बहन को इस किताब के पढ़ने से कायदा होगा—सोचने की राहें सूमेंगी, जानकारी बढ़ेगी और तरह तरह की तंग नफरियां मिटेंगी.

क़रीब सबा सौ सके की सुन्दर किताब, दाम डेंद्र रुपया

فرقه بندس بر بابو

سمهادك سفري فريكرفن دأس

ارس پشکگ میں سن 1921 سے سن 1948 تک الندھی جی لے سامپردایکٹا کے سوال پر جو کچھ کیا یا لکھا یہ سب آیکو لیک جاند مایکا ۔

یہارس کے آزاد ہوتے پر یہ اور یہی ضروری ہو گیا ہے که ہر پہارس واسی سامپردایکتا کے تقصان کو سمجھے اور اِس بھر کو آپے اندر سے صاف کرے ،

سقدر بهای ، آجها کافذ . دو سو صفحے ، قیمت در وربهه .

لشلهب

ليكهك--لاله مدن كويال

هلدی آردو آور هلدستانی کی تکرآر پر ایک ہے لاگ والے اور ایک ہے لاگ والے اور کلانے ایک ایک والے اور ایک ہوئائی میں کتاب کے ایک سوال میں دلتھسیاں رکھتے والے ہو یہائی یہیں کو اِس کتاب کے پوهلے سے قائدہ هوا سسوچلے کی راهیں سوجیس گی' جانکاری ہوئے گی آور طرح طرح کی تکگ نظریاں مانی کی ،

قریب سواسو صفحه کی سقدر کتاب دام تیوه رزیهه ،

700 PAGES, 32 ILLUSTRATION 2 COLOURED MAPS

"CHINA TODAY"

PRICE

BY PANDIT SUNDARLAL

Rs. 780

A vivid narration of the glorious and wonderful schievements of New China... A picture of China which is both convincing and authentic... the best book that has come out so far on New China in the English language ... the most objective in approach and comprehensive in treatment.

—National Herald, Lucknow.

Highly infomative...throws vivid light on conditions obtaining in that country...a book which deserves to be widely known.

—Leader, Allahabad.

Encyclopæediq...characterized by acute observation of detail as well as by...instructive grasp of the fundamental perspective. To read it is veritably like accompanying the Mission on its thrilling voyage of discovery in New China.

—Blitz, Bombay.

A mine of information which gives a picture of China as nothing else dosc...the best guide to New China...Those who would like to understand what is happeing in New China can do not better than to study it.

—Bharat Jyoti, Bombay

The wealth of information it gives on China new and old...makes fascinating reading...is comprehensive and informative and must therefore interest all students of public affairs.

—Indian Express, Madrae

Cnina Today is an eloquent tribute to his (Paudit Sundarlal's) shrewd understanding of men and matter... brings to light the mighty endeavour of the Chinese People to rehulld their great nation on firm new foundations for a tomorrow which is theirs.

—Vigit, Delta.

महात्मा गाँभी की वसीयत

लेखक-भी मंजर चली सोक्ता

अपने देहान्त से कुछ धन्टे पहले महात्मा गांधी ने कांगरेस को लोक सेवा संघ में बदल देने के लिए अपनी तजवीज लिखी थी. यह देश के नाम उनकी आखिरी बसीयल दें और इसकी व्याख्या गांधी जी के परम मक श्री संखर जजी सोकता ने की है जो गांधीबाद को सममने और अपनाने वाले देश के इने गिने लोगों में से एक हैं.

गांधीवाद को सममने के लिए इसका पदना बहुत सक्ती है, 225 समें की सुन्दर जिल्द वेंधी किताब की

श्रहिंसात्मक इन्क्रजाब का रास्ता

लेखंड-श्री मंजर चली सोख्ता

क्रुसः होटी सी किताब को पढ़ कर आपको पता चलेगा कि महात्मा गांभी क्या चाहते थे और किस तरह उनके रास्ते पर चल कर अहिंसात्मक ढंग से देश में इन्क्रलाब साम्बर्ग जा सकता है.

पैतीस पन्ने की किताब, दाम सिर्फ बार आने.

अाज के शहीद

लेखक-श्री रतन लाल वंसल

जन बहादुरों की कहानियां जिन्होंने विदेशी हाकियों की फैसाई फूट की आग में इनसानियत को भस्म होते देख यक इन की भी देर न की और उसे मुमाने की कोशिश में अबसी जान हुरवान कर दी. दाम सिर्फ ढाई क्पया.

मुस्लिमं देश भक्त

सम्पारक-भी रतन लाक वंसल

जन मुससमान देश भक्तों के जीवन का हाल जिल्होंने बावनी जान हथेशी पर रक्षकर हिन्दुस्तान और विदेशों में रहते हुए भारत माला को गुलामी की जंजीरों से बाजाव काले का कोशिश की. किताब बदे दिलबस्प दंग से लिखी महत्ते. बींशव सिर्फ एक दपया बारह आने.

مهاتما کاندهی کی وصیت

لهكهك-شرى مقطر على سوخاته

ابھ دیہانت سے کتھ کھٹائے پہلے مہاتما گادھی نے کاکریس کو لوگ سیوا سلکھ میں بدل دیائے کے لئے اپنی تجویز لکھی تھی، یہ دیش کے نام انکی آخری ومیت ہے اور اسکی ویاکھٹا گاندھی جی کے پرم بھکت شری مقطر علی سوخات نے کی ہے جو گاندگی واد کو سمجھٹے اور ایفائے والے دیش کے اِنے گئے لوگوں میں سے ایک ہیں ،

کاندھی واد کو سنجھٹے کے لگے اِسکا پوھٹا بہت ضروری ہے ۔ 225 صفحے کی سلدر جلد یقدھی کتاب کی قیمت صرف دو رویدگے ۔

اهنساتیک إنقلاب کا راسته

ليكهك--شرق ملظر على سوخاته

اِس چھوٹی سی کتاب کو پومکر آپ کو پتہ چلے گا کہ مہاتیا گاندھی کیا چاھٹے تھے اور کسطرح اُن کے راستے پر چل کر اھلساتیک تھلگ سے دیھی میں انتلاب تیا جا سکتا ہے .

پهلتيس ۾ کي کتاب دام سرت جار آني .

آبے کے شہدں

ليكهك-شري راتن لال بلسل

ان بہادروں کی کہانیاں جلہوں نے ودیشی حاکموں کی پہیٹئی پہرت کی آگ میں اِنسانیمت کو بیسم ھوتے دیکھ ایک جہوں کی بھی دیر نے کی اُرر اُسے بجہائے کی کرشش میں اپٹیجان ٹربان کو دی۔ دام صرف تھائی(وبیم

مسلم ديش بهكت

سمهادگ-شری رتن لال بلسل ۴

विश्वार का पंता-विश्वार क्या किन्द्र 35, स्कृतिक, स्वादावाद.

गांधी बाबा

लेलक—कृद्धिया जैदी दो शब्द—जवाहरसाल नेहरू

यह असमोल किताब जन्म से बिलदान तक की गांधी जी की पूरी और सक्ची जीवनी भी है और कहानी भी. हमारे देश में यह पुराना रिवाज रहा है कि माएं अपने बचों को महापुदर्शों के जीवन चरित कहानी के रूप में मुनाती हैं. इस तरह की कहानियां आम तौर पर वीर राजाओं और उनके युद्धों की कहानियां होती हैं. बेगम क़ुद्रिया जैदी ने, जो महात्मा गांधी की परम भक्त हैं, अपनी इस किताब में गांधीजी की जीवनी और उनका सत्य, अहिंसा, प्रेम और त्याग का उपदेश बच्चों को ऐसी प्यारी, सीधी सादी बोली में और ऐसे ढंग से मुनाया है कि बच्चों के दिल में उतरता चला जाता है. हिन्दी में गांधीजी के अपर बच्चों के लिये इससे बदकर किताब नहीं है. इसमें कहानी का रस भी है और बच्चों को ऊंचा उठाने वाले उपदेश भी.

पंडित जवाहरलाल नेहरू ने अपने 'दो शब्द' में लिखा है---

"उन्होंने (क्रुदिसया जैदी ने) यह छोटी सी किताब सच्चे दिल से लिखी है. वह इसे सिर्फ एक किताब नहीं सममतीं. उनके लिये गांधीजी की कहानी एक बहुत ही महत्त्व की और प्यारी चीज है...मुमे खुदी है कि यह किताब लिखी गई है."

मोटे काराज पर, मोटे टाइप में, बहुत सी रंगीन तसवीरं, श्रार्ट पेपर पर सुन्दर रंगीन कवर और दक्ती की मजबूत जिल्द—दाम केवल दो उपए.

विनोबा का सन्देश

लेखक—सुरेश राममाई एक शब्द—महात्मा भगवानवीन

विनोषाजी के भू-दान-यहां से धाज सारा देश वाकिक है. इस छोटो सी किताब में धापको मिलेगा कि यह भू-दान-यह कब और कैसे ग्रुक हुआ और इसका मक्रसद क्या है

पहला पदीक्षम हाथों हाथ निकल गया. यह दूसरा पदीक्षन है. सके 25, दाम केवल दो आमे.

मिलने का पता-

मेजनेर, 'नया हिन्द' 146 स्ट्रीनंज, स्वाहासक

كاندهي بأبا

لیکهک-تنسیم زیدی دو شید-جواهر لال نهرو

پہ المول کتاب جلم سے بلیدان تک کی گاندھی جی گئی ہوری اور سچی جھونی بھی ہے اور کیاتی بھی، ھمارے ھیھی مھی یہ ہوان رواج رہا ہے کہ ماٹھیں آئے بچوں کو مہاہرشوں کے جھیوں جوت کیائی کے روپ میں سفاتی ہیں، اس طرح کی کہانیاں عام طور پر ویر راجاؤں آور آن کے پدھوں کی کہانیاں عوتی ھیں، بیکم قدسهہ زیدی نے جو مہانیا گاندھی کی پرم بیکت ھیں، ایٹی اِس کتاب میں گاندھی جی کی جھونی اور اُن کا سکھہ املسا پریم اور تیاک کا آپدیش بچوں کو ایسی پیاری سیدھی سادی بولی میں اور آیسے ڈھنگ سے سفایا ہے کہ بچوں سادی بولی میں اور آیسے ڈھنگ سے سفایا ہے کہ بچوں کے اوپر بچوں کے لیے اس سے بوھ کو کتاب نہیں ہے ۔ اُس کے اوپر بچوں کے لیے اس سے بوھ کو کتاب نہیں ہے ۔ اُس میں کہانی کا رس بھی ہے اور بچوں کو آپنچا آٹھانے والے میں بھی ہی ،

آپدیش بھی ، پنتس جواھر لالفہرو نے آئے 'دو شبد' میں لکھا ہے۔۔۔ '' آنہوں نے (قدسیہ زیدی نے) یہ چھوٹی سی کتاب سچے دل سے لکھی ہے ، وہ اِسے صرف ایک کتاب نہیں سمجھتیں ، اُن کے لئے کاندھی جی کی کہانی ایک بہت ھی مہتو کی اور بھاری چھؤ ہے۔۔۔۔مجھے خوشی ہےکہ یہ کتاب لکھی گئیہے ،''

مولّے کافذ پر' مولّے ٹائی میں' بہت سی رنگین تصویریں' آرت پھیر پر سلدر رنگین کور اُور دفائی کی مصبوط جلد—دام کیول دو رویعہ ،

> ونوبا کا سندیش لیکھک-سریش رامبهائی ایک شدد-مهانما بهکوان دین

ونوبا جي کے بهودان يکهه سے آج سارا ديھی والف ھے. اِس چهوائي سی کتاب مهن آپکو ملهکا که په بهودان يُگهه کپ اور کهسے شورع هوا اُور اِس کا مقصد کها ھے .

ہے الکیشی هاتهرں هاته نکل لیا ، یه دوسرا ایکیشی ہے . منجے 25 دام کہول در آلے ،

- ARE & ALL

مينيجر' 'نيا هند' قايل بلي لدي الدايد،

लेखक-पंडित सुन्दरलाल गीता और कुरान

इस किताब में हिन्दू धर्म और इसलाम दोनों के मेल की बातें, गीता का बड़प्पन, गीता के एक एक अध्याय का निचोड़, कुरान का बड़प्पन, लगभग 15 स्नास स्नास मजम्नों पर कुरान की क़रीब 500 आयतों का लक्जी तर्जुमा बरौरा दिया गया है.

जो लोग सब धर्मों की बुनियादी एकता को जानना और सममला चाहें उनके लिये यह किताब अनमोल है.

पौने तीन सौ सफें की सुन्दर जिल्द बंधी किताब की कौमत सिर्फ ढाई रुपया, डाक खर्च अलग.

हिन्दू मुसलिम एकता

इस किताब में वह चार लेक्चर जमा किये गए हैं जो पंडित जी ने कन्सीलियेटरी बोर्ड ग्वालियर की दावत पर ग्वालियर में दिये थे.

सौ सफ्रे की किताब. क्रीमत सिर्फ बारह आने.

महात्मा गांधी के बिलदान से सबक

साम्प्रवायिकता यानी फिरक्रापरस्ती की बीमारी पर राजकाजी, मफदबी और इतिहासी पहलू से विचार और इसका इलाज, जिसने आखिर में देश पिता महात्मा गांधी तक को हमारे बीच में न रहने दिया.

क्रीमत बारह आने.

पंजाब हमें क्या सिखाता है

महात्मा गांधी की सलाह से अक्तूबर सन् 1947 में पिछमी और पूरबी पंजाब के दौरे के बाद वहां की भयंकर बरबादी और आपसी मार काट के कारन लोगों पर जो जो मुसीबर्ते आई उन का दर्दनाक बर्नन. इस छोटी सी किताब में आजकल की मुसीबर्तों को इल करने के लिए कुछ सुमाब भी पेश किये गए हैं. क्रीमत चार आने.

बंगाल और उससे सबक्र

इस छोटी सी किताब में 1949-50 में पूरवी और विख्तमी बंगाल के किरक्षेवाराना भगवों पर रोशनी हाली शई है और ऐसे मगवों को हमेशा के लिए खत्म करने की तक्षीब भी सुमाई गई है. क्षीमत सिर्फ दो आने.

لیکهک__پنتات سندر الل گیتا اور قرآن

إس كتاب ميں هندو دهرم أور إسلام دونوں كے ميل كى باتيں' كيتا كا بوپین' كيتا كے ايک ادهياہے كا نتجور' قرآن كا بوپین' لگ ليگ 15 خاص خاص مضمونوں پر قرآن كى قريب 500 أنتوں كا لفظى ترجمه وفيرہ ديا كيا ہے .

جو لوگ سب دھرموں کی بقیادی ایکتا کو جانفا اور سمجھنا چاعیں آن کے لئے یہ کتاب اسول ہے ۔

پوٹے تین سو صفحے کی سفتو جلد بقدھی کتاب کی قیمت صوف ڈھائی روبھ^ی ڈاک غرچ الگ ،

هندو مسلم ایکتا

اِس کتاب میں وہ چار لیکنچر جمع کئے کئے هیں جو پندھت جی نے کلسمائیٹری ہورت کوالیار کی دموس پر گوانیار میں دئے تھے .

سو صفحے کی کتاب ، قیمت صرف ہارہ آئے ،

مهاتما کاندھی کے بلیدان سے سبق

سامپردایکتا یعلی فرته پرستی کی بهماری پر زاج کاجی مفعبی ارز انهاسی پهلو سے وجاز ارز اسکا علاج جس نے آخر میں دیش پتا مہانما گاندھی تک کو همارے بہج میں نه رهنے دیا ،

تهست بارة آ<u>ئے</u>.

پنجاب همیں کیا سکھاتا ھے

مہانما کاندھی کی صلاح سے انٹوبر سن 1947 مھی پھپھمی اور پورہی پنجاب کے دورے کے بعد وہاں کی پھیلکو پربادی اور آپسی مار کانٹ کے کارن لوگوں پر جو جو مصیبعیں آئیں ان کا فردناک رزنن ، اس جھوٹی سی کتاب میں آجکل کی مصیبتوں کو حل کرنے کے لئے کتی سجھاؤ بھی پھٹی کئے گئے میں ، قیمت جار آئے ،

بنگال اور اُس سے سبق

اس جہوتی سی عتاب میں 50-1949 میں ہررہی اور پچھسی بنکال کے فراغوارانہ جھکڑوں پر روشلی ڈالی ککی جے اور ایسے جھکڑوں کو جمعھیہ کےلئے ختم کرنے کی تربیب بھی مجھائی کئی ہے ، تیست صرف در آئے ،

विश्वने का परा-

मैनेजर, 'नवा दिन्द' 145, सुटीनंज, इलाहाचाद.

ملتے کا چھے۔۔۔

الله المراجع ا

हिन्दुस्तानी कलचर सोसाइटी की कितावें

The state of the s

पचास रुपए से जियादा दाम की किताचें खरीदने वालों को और बुकसेलरों को सास रिश्रायत दी जायेगी. पूरी जानकारी के लिए लिखिये.

डाक या रेल खर्च हर हालत में गाहक के जिन्मे होगा.

भारत का विधान

पूरा हिन्दी अनुवाद

जो 26 जनवरी सन 1950 से सारे भारत में लागू हुआ. 'भारत में अंगरेशी राज' के लेखक पंडित सुन्दरलाल द्वारा मूल अंगरेशी से अनुवादित.

हर भारतवासी का कर्ज है कि जिस विधान के अधीन स्वाधीन भारत का शासन इस समय चल रहा है उसे अच्छी तरह समके. भारत के हर घर में इस पुस्तक का रहना जरूरी है.

श्रासान बामहावरा भाशाः रायल श्रठपेजी बड़ा साह्य. लगभग चार सौ पन्ने. कपड़े की सुन्दर जिल्द. क्रीमत केवल साढ़े सात कपए.

ईसा का सन्देश

लेखक-डाक्टर जे. सी. कुमारप्पा.

भनुवादक-सुरेश रामभाई.

इस किताब में हजरत ईसा के सन्देश की व्याख्या ऐसे लाजवाब ढंग से की गई है कि पढ़ने वाला बड़ी श्रासानी से यह समम जायेगा कि ईसाई धर्म की सास तालीम क्या है और हजरत ईसा ने इन्सान-इन्सान की बराबरी, माई चारे, प्रेम और श्रहिन्सा पर कितना जोर दिया है.

महात्मा गांधी ने इस किताय के बारे में कहा है कि— "इर आस्तिक से, चाहे वह ईसाई हो या किसी और धर्म का मानने वाला हो, मेरी सिफारिश है कि इसे पढ़े..."

सुन्दर जिल्द, बढ़िया काराज, क़रीब सबा सी सके की किताब का दाम सिर्फ एक क्पया-

मिलने का पंता— मैकेक्ट्र 'लवा दिल्द', 145 सुद्दीगंज, इलाहाबाद.

هندستانی کلچر سوسائتی کی کتابی

ہمچاس ووہگے سے زیادہ دام کی کتابیں شریدئے والوں گو آور بکسیلزوں کو شامی وماثت دبی جاٹیکی ، ہوری جالکاری کے لئے لکھائے ،

قاک یا ریل خرب هر حالت میں المک کے ذیے هوا .

بهارت کا ودهان

پورا هندی انوراد

جو 26 جغوری سن 1950 سے سارے بھارت میں لاکو ہوا . 'بھارت میں انگریزی راج' کے لیکھک پغذت سفدلال دوارا مول انگریزی سے انورادت .

ھر بھارت واسی کا فرض ہے کہ جس ودھاں کے ادھین سوادھین بھارت کا شاس اِس سے چل رھا ہے اُسے اُچھی طرح سنجھے ، بھارت کے ھر گھر میں اُس یستک کا رھانا ضروری ہے ،

آسان بامتحاورہ بہاشا، رایل آٹھ پیجی ہوا سائز ، لگ بھگ جار سو پننے ، کوڑے کی سندر جادد ، قیمت کھول ساتھ دریائے ،

میسی کا سندیش

لیکھک--قانٹر جے ، سی ، کمارہھا، البوادک-سریش رام بھائی،

إس كتاب مين حضرت فيسيل كے سلايش كى وياكهيا ايسے لاجواب تاهلگ سے كى گئى ہے كه پوهئے والا نوى أسانى سے يه سائى دهرم كى خاص تعليم كيا ہے اور حضرت فيسيل نے انسان انسان كىبرابوى بهائى جارے پويم أور اهلسا پر كلفا زور ديا ہے .

مہاتما کاندھی نے اِس کتاب کے بارے میں کیا ہے کہ۔۔۔ ''عر آستک ہے' جانے وہ عیسائی ہو یا کسی آور عموم کا مانئے والا ہو' میری سفارش ہے کہ اِسے پوٹے۔۔۔''

سددر جلدا بوهها کافلاً قریب سوا سو صفحهے کی کتاب کا دام صرف ایک رویه،

مننے کا یعد--

مهلهجوا اليا عددا 145 سكهى كلم العآياد .

کرادے تو گذا آگریسر سمجھا جائے کا یا وہ بھوکانے والا کا لیک بمولوف بھی گئے کو آگریسر نه کیمکا تو بھوکانے والا ھی آگریسر سمجھا جائے کا ۔

اگر سرکس کیپتی کا منهجر آنے کسی شیر کو کسی کے اُرپر چھوڑ دے یا صرف شیر کے منجوے کا دروازہ کھول دے آرپر شیر کسی پر حملہ کر دے تو شیر آگریشر سمجھا جائے کا یا سرکس کمپنی کا منهجر آبایک بیرقرف بھی شیر کو آگریسر نہیں کہپکا ۔

ماں باپ کے اشارے پر هی نہیں اگر اُن کے دیکھتے دیکھتے گھر کا کوئی سمجھدار بچہ کسی کی بےوزنی کر پیٹنے تو بچھ اجائے کا یا ماں یاپ ؟ سب سمجھدار ایک رائے هوکر ماں باپ کو هیڈےدار سمجھیں کے اور اُنھیں کو برا بھلا کہیں گے ۔

آج جب کہام کہا آئن ہاور یہ کہ کو ایشہا والے ایشہاوالیں سے ٹویں' اہلا جہازی بھوا فارسوسا سے ہاتا رہے ہیں اور جہانگ کائی شیک کے جدریلیں کو بالاکر آنہیں جیس اور جہانگ کائی شیک کے جدریلیں کو بالاکر آنہیں بیہ جھیں پر خارسوسا آگریشن مانا جائے کا ؟ یہ امریکہ کی جھیں پر جوہائی ہوگی اور اِس میں ہر طرح امریکہ کا اگریسر سمنجہا جائے گا . پر کسی کو آگریسر ٹابت کو دیلے کا فیصلہ 'نیا ہند' کے قابو کی بات نہیں' کسی کے قابو کی یات نہیں' کسی کے قابو کی یات نہیں' کسی کے قابو کی یات نہیں کہ اور وہ ہے امریکہ کے ہاتے کی کائم ہے اور ایس کو آگریسر کہے گی : جب جیس کا ایک بھی ماؤنسے ناگی کو آگریسر کہے گی : جب جیس کا ایک بھی گولا فارسوسا پر گریکا یا جاپاں کے آس آئے پر گریکا جہاں امریکی ایاتہ بم کے نشے میں مسمت جیانگ کائی شیک کے جدریلیں کو آئی لے آئی لے گری کے کہ کر للکار رہے ہوں گے .

وهی هندستان کی سرکار' پهر ولا بهی لال چهن کو اگریسر کہے بنا کیسے ولا سکے گی، آخر کرریا کے معاملے میں بهی ولا ایسا هی کچ چکی ہے ، اور سنظے هیں هندستانی حکومت کا کہنا ہے کہ اس کی اُسکلی پنتور تلے دہی هوئی ہے اور اُسے یہ آشا ہے کہ ایسے موقعوں پر آهان' کہنے سے شاید اُسکلی پنتور تلے سے نکل آئے ، کوریا کے معاملے میں جس طرح 'نها هند' کی پالهسی آب لگ ویسی هی ینی طرح 'نها هند' کی پالهسی آب لگ ویسی هی ینی نوائی هووع هوئی تهی ویسے هی 'نیا هند' نے اُسی وقت نوائی هووع هوئی تهی ویسے هی 'نیا هند' نے اُسی وقت سے آمریکہ کو ایشها کے خلاف اگریسو مان لها ہے' جس وقت آگوں هاور سے منه یہ نکا که تابیدها والے آیشها والی آیشها

5 . 2 . المكوان دين

करा है तो कुत्ता कगरेसर समम्ब जावगा या वह अवकाने बाका र एक वेवक्रूक भी कुत्ते को बगरेसर न कहेगा तो भड़काने वाला ही बगरेसर समका जायगा.

अगर सरकस कम्पनी का मैनेजर अपने किसी शेर को किसी के अपर छोड़ वे या सिर्फ शेर के पिजड़े का दरवाजा खोल दे और शेर किसी पर इमला कर दे ती शेर अगरेसर सममा जायगा या सरकस कम्पनी का मैनेजर १ एक वेवक्रुफ भी शेर को अगरेसर नहीं कहेगा.

मां बाप के इशारे पर ही नहीं भगर उनके देखते देखते घर का कोई सममदार बच्चा किसी की बेइएजती कर बैठे तो बच्चा भगरेसर सममा जायगा या मां बाप ? सब सममदार एक राय हो कर मां बाप को ही जिम्मेदार सममेंगे और उन्हीं को बुरा भला कहेंगे.

भाज जब खुल्लम खुल्ला आइजन हावर यह कह कर 'एशिया वाले पशिया वालों से जड़ें, अपना जहाजी बेड़ा फारमूसां से हटा रहे हैं और ज्यांग काई रोक के जनरैलों को खुला कर उन्हें बीन पर हमला करने की तरकीं बता रहे हैं तब क्या यह बीन पर फारमूसा का अगरेशन माना जायगा ? यह अमरीका की बीन पर चढ़ाई होगी और इसमें हर तरह अमरीका आगरेसर समका जायगा पर किसी को अगरेसर साबित कर देने का फैसला 'नया हिन्द' के काबू की बात नहीं, किसी के काबू की बात नहीं, जिसके काबू की बात है उसका नाम है यू. एन, ओ. और यह है अमरीका के हाथ की कठ पुतली. वह तो माओ त्से तुंग को अगरेसर कहेगी: जब बीन का एक भी गोला कारमूसा पर गिरेगा या जापान के उस अडू पर गिरेगा जहां अमरीकी एटम बस के नशे में मस्त ज्यांग काई रोक के जनरैलों को उईलै उईलै कर कर ललकार रहे होंगे.

रही हिन्दुस्तान की सरकार, फिर वह भी लाल चीन को आगरेसर कहें बिना कैसे रह सकेगी. आ जर कोरिया के मामले में भी वह ऐसा ही कह चुकी है. और मुनते हैं हिन्दुस्तानी हकूमत का कहना है कि उसकी उंगली पत्थर "तले दबी हुई है और उसे यह आशा है कि ऐसे मौक्रों पर 'हां' कहने से शायव उंगली पत्थर तले से निकल आप. कोरिया के मामले में जिस तरह 'नया हिन्द' की पालिसी आंव तक वैसी ही बनी हुई है जैसी उस बक्त थी जब कोरिया की चरेल लड़ाई शुरू हुई थी, वैसे ही 'नया हिन्द' ने उसी बक्त से अमरीका को एशिया के खिलाफ आगरेसर जान किया है, जिस बक्त से आइजन हावर के मुंह से यह निकला कि 'एशिया वाले एशिया वालों से लाई.'

5. 2. 53

---भगवानवीन

The state of the s

آبید کم برمیشور نے آمریکہ کیجایاں سے جان بحیالی ا اب اگر آمریکہ یہ جامے کہ اس ایڈم بم پرمیشور کا دائیا بھڑ پر ُرَّاج عَوْ جانی تو اس میں اچرج کی کہا بات ؟

أمريكة كى كمزورى كى يه سب سے بڑي پہنچان ہے كه و آيشها سے إنقى دور رفقے هوئے بهى ايشهائى طاقتوں سے يہجد قرا هوا ہے ، اور قرا هوا آدمى يا تو ايك دم درسرے هر حلمه كرنے كى سوچ بهتهتا ہے يا كذههى در كو آيس مهى لوانے كى تركهب قفونقھ نكالتا ہے ،

ایشها کے لحاظ سے تروس کے امریکہ مهں اور آنون هاور کے امریکہ مهں اور آنون کوریا کو بہوکایا اور اس سے آتری کوریا پر جومت بت حملہ کوریا کو بہوکایا اور اس سے آتری کوریا پر جومت بت حملہ کوریا۔ پر جملہ بول دیا تو اسے اکریشن کے کر امریکہ لوائی میں کود پڑا اور چاتکی سے ایے کودنے کو یور این، او سے میں کود پڑا اور چاتکی سے ایے کودنے کو یور این، او سے الہیک ثابت کوا لیا ، آئون هاور کا امریکہ آج وهی کرنے جا کہا تھا اسی کام کو آئون هاور قائکے کی چوت پر کونا چاهتے کیا تھا اسی کام کو آئون هاور قائکے کی چوت پر کونا چاهتے هیں . آج فارموسا اور چین بالکل ایسہ هی هیں جهسہ دکھنے کوریا اور آئری کوریا ، فارموسا کی سرکار الگ ، وہ کی حکومت بالکل آئے تھائک کی . بہر بھی کوریا کی حکومت بالکل آئے تھائک کی . بھر بھی کوریا کی حکومت بالکل آئے تھائک کی . بھر بھی کوریا کی صحوری اور فارموسا ایک ، یعد بھی ایک هی مائک کے کی حکومت بالکل آئے تھائک کی . بھر بھی کوریا کی

آئوں ھاور چاھتے ھیں فارموسا چین پر حملہ ہول دے اور این اور آیے آفریشن نہ کہد، لیکن اگر چین ایے بچاؤ میں فارموسا پر حملہ ہول دے اور اِسی تاتے اُن جاپائی اُقرن پر ہم گرا دے جہاں فارموسا کے امریکی مددگار فارموسا والوں کو ہم گرائے کی تعلیم دے رہے ھوں تو اُس کو یور اُوں گو اُس کو این اُو اُوں گو اُوں دے دے ،

ھندستانی ہالہسی کے بارے میں ھندستان کی رحکوہ مف جانے کہ وہ کپ کس کو آڈیشن کا نام دے گی۔

ایک آدمی کسی دوسرے کی طرف ایک اینٹ اُٹھاکو پہھنکھتا ہے تو اینٹ اگریسرمانی جائے یا اینٹ پہھنکتے ۔ والا ، کوئی بھولوف بھی اینٹ کو اگریسو نہیں کہیکا ،

اگر کوئی آدمی کنیل اوره کر شهد کی مکهیوں کے جھیجے کو یہوکا کر گہروالوں پر حملت کرائے تو شهد کی مکھیاں لگریسو سنجھی جائیس کی یا کبیل والا ؟ ایک ییوکوف بھی شهد کی مکھیوں کو اگریسو نہیں کہیکا، وہ بھی اگریسو کیل والے کو کھیکا،

اکر کسی منصلے میں ایک آدمی منصلے کے کسی کالے کو بیازا کو کسی آلے جالے والے پر عملہ

बट्ड बस परमेश्वर ने बसरीका की जापान से जान बचाई. बाब बगर बमरीका यह चाहे कि उस एटम बम परमेश्वर का नुनिया भर पर राज हो जाय तो उसमें बचरज की क्या बात रि

अमरीका की कमजोरी की यह सब से बड़ी पहचान है कि वह एशिया से इतनी दूर रहते हुए भी एशियाई ताक़तों से वेहब डरा हुआ है. और डरा हुआ आदमी या तो एकदम दूसरे पर इमला करने की सोच बैठता है या किन्हीं दो को आपस में लड़ाने की तरकीय दृंद निकालता है.

पशिया के लिहाज से द्रमने के अमरीका में और आइपान हावर के अमरोका में कोई अन्तर नहीं आया. द्रमन ने दक्किती कोरिया को भड़काया और उससे उत्तरी कीरिया पर ख़ुट पुट इमले कराए. और जब उत्तरी कीरिया ने अपने बचाव की खातिर दिक्खंनी कोरिया पर हमला बोल दिया तो उसे अगरेशन कह कर अमरीका लड़ाई में कृद पड़ा और वालाकी से अपने कृदने की यू. एन. ओ. से ठीक साबित करा लिया. आइजन हावर का अमरीका आज वही करने जा रहा है जो द्रमन ने किया. द्रमन ने जो काम दब छिप कर किया था उसी काम को आहेजन हावर इंके की चोट पर करना चाहते हैं. ब्राज फारमुसा श्रीर चीन विलक्कल ऐसे ही हैं जैसे दक्किनी कोरिया श्रीर उत्तरी कोरिया. कारमुसा की सरकार खलग. वह बिलकुल द्सरों के काबू में. चीन की सरकार अलग उसकी हकूमत बिलकुल अपने दंग की. किर भी कोरिया की तरह से चीन और कारमुसा एक, यानी एक ही मुल्क के दो हिस्से.

आह्यान हावर चाहते हैं जारमूसा चीन पर हमला बोल दे और यू. एन. ओ. उसे अगरेशन न कहे. लेकिन अगर चीन अपने बचाव में कारमूसा पर हमला बोल दे और इसी नाते उन जापानी अड्डों पर बम गिरा दे जहां कारमूसा के अमरीकी मददगार कारमूसा वालों को बम गिराने की तालीम दे रहे हों तो उसकी यू. एन. ओ. अगरेशन करार दे दे.

हिन्दुस्तानी पालिसी के बारे में हिन्दुस्तान की हकूमत

जाने कि वह कब किसको अगरेशन का नाम देगी.

एक आइमी किसी दूसरे की तरफ एक इंट उठा कर फेंक्स है तो इंट अगरेसर मानी जाय या इंट फेंकने वाला. कोई वेबक्क भी इंट को अगरेसर नहीं कहेगा.

समरें कोई सावमी कम्बल सोव कर शहर की मिक्सियों के झुने को भड़का कर घर व्यक्तों पर इमला करा दे हो शहर की मिक्सियां सगरेसर सममी जायंगी या कम्बल बाला १ एक बेचकुक भी शहर की मिक्सियों को अगरेसर नहीं किहेगा. वह भी सगरेसर कम्बल बाले को कहेगा

आगर किसी गुहल्ले में एक आदमी गुहल्ले के किसी करों को भड़का कर किसीं आने जाने बाले पर हमला

لياحك

वाकारी के बाद से ऐसी सब बातों को त्याग दिया गया है. जो जितना सम्बी रिखत दे सकता है वह उतनी हो बड़ी बामदनी की जगह पर पहुँच सकता है. यह बात ठीक है कि पहले भी ट्राफिक की ग्रवतियों से दूचेटनायें होती की, बाइन किंतयर बरौरा देने में ग्रवती हो जाती थी. लेकिन यह ग्रवतियां अब बढ़ गई हैं और शायद बढ़ती ही जा रही हैं.

अपर की बावों से दो मोटे नवीजे निकलते हैं: एक
यह कि रिश्वत का बाजार बुरी तरह गरम है जिसके कारन
तकुर्वा वरीरा का खयाता किये बिना रीर जिम्मेदार लोगों
को जिम्मेदार बोहदे मिख जाते हैं. यह लोग काम करने के
बजाए पैसा कमाने के चक्कर में रहते हैं. इस सम्बन्ध में
एक क्रिस्सा सुनने में बाया है जिस पर कोई समम्बन्ध में
एक क्रिस्सा सुनने में बाया है जिस पर कोई समम्बन्ध में
क्षानक और इलाहाबाद के बीच चलने वाली जनता
पक्सप्रेस 'अंचाहार' के क्ररीब पटरी से उतर गई थी. कहा
जाता है कि इसमें सरासर इंजीनियर की रालवी बी. गेंगमैंन ने बार बार चेताबनी दी लेकिन इंजीनियर साहब ने
इसकी बात नहीं मानी. नजीता जो होना बा सो हुआ.

दूसरा नतीजा यह है कि सरकार जान बनाने के बजाय रुपया बनाने के चक्कर में रहती है. इसी कारन स्टाफ़ फ़रुरत से ज़ियादा कम है.

इस तरइ बात साफ हो जाती है कि किसी व्यक्ति या संस्था की यह जिम्मेदारी नहीं है बल्कि सरकार। मशीनरी के बादन ही यह दुर्घटनाएं हो रही हैं. सरकार रिश्वत बाजी बन्द नहीं कर सकती, यह उसके बस के बाहर की बाद है. लेकिन वह स्टाफ जिकरत बढ़ा सकती है. सिर्फ काम के यह घटा देने से ही काफी दुर्घटनाओं से खुटकारा मिल सकता है. इनसानी जानों और भारत को गादो कमाई से खरीद इंजिनों की बरबादी के नाम पर हमारी सरकार से अपीज है कि वह इस तरफ ध्यान दे!

5, 2, 53

線 2

—मुजीब रिषावी

नये दंग का अगरेशन

ं धार अमरीका के पास एटम बम न हों तब अमरीका दुलिया की ताक़तों में तीसरे दरंजे की तो क्या चौथे दरंजे की भी ताक़त न रह जाय. जमीन की लढ़ाई में वह सब ताक़तों से कमचोर है. आमने सामने हो कर खड़ाई जड़ना से क्सकी ताक़त से एक दम बाहर है.

पहरम बम ने अमरीका को बेहद फुला दिया है और असी पदन बम के जोम में बहु उस पश्चिमा से बदला लेने की की जो परहा है जिसके एक झोटे से मुल्क जापान ने अभी बंध बंदस भी नहीं बीचे क्याका माकों हम कर दिया था. آزادی کے بعد سے آیسی سب باتوں کو تھاگت دیا گیا ہے ، جو چالٹی لمبی رفوندہ دے سکتا ہے وہ آبلی طی بڑی آمدنی کی جاکہ پر پہرنےسکتا ہے، یہ بات تبیک ہے کہ پہلے بہی ڈافک کی فلطیاں سے درگیاتاتیں ہوتی تبین ⁴ لائن زلیر وفیرہ دیتے میںفلطی ہو جاتی تبی، نہادی یہ فلطیاں آب بود کئی میں اور شاید ہودتی می جارہی میں ۔

أوير كى باترن سے دو موتر نتيج نكلتہ هيں ؛ ايك يہ وهوت كا بازاد برى طرح كرم هے جس كے كارن تجربه رفيد كا شهال كئر بنا هيرنسداد لوئوں كو فسداد عهد على جاتے هيں ، يہ لوگ كام كرتے كے بجائے بيسة كمائے كے بكر ميں رهتے هيں ، إس سمبنده ميں ايك قصه سننے ميں آيا هے جس يو كوئى سمجهداد ديش بهكت دنه پردت كئے بنا نه رهے كا—ابهى حال ميں لكهنؤ أور الدآباد كے بيم جلنے والى جنت اينسهرس 'اونجاهاد' كے قريب يكرى سے آلوكئى تهى ، كيا جان هے كه إس ميں سراسر اسجينير كى فنطى تهى ، كينگ مين نے باد باد باد جينازنى دى لهكن انجينيد صاحب نے أس كى بات نہيں مانى ، نتيجه جو هونا تها سو هوا ،

دوسوا نتهجه یه هے که سرکار جان بچانے کے بجائے روپیه بچانے کے چکر میں رهتی هے ، اسی کارن استاب فرورت سے کم زیادہ کم هے ،

إس طرح باس صاف هو جاتی هے که کسی ویکتی یا سلستها کی یه قامعداری نههاں هے بلکه سرکاری مشهفری کے کارن هی یه درقهاقائیں هو رهی هیں . سرکار رشوت بازی بقد نههاں کرسکتی یه اس کے بس نے باهر کی بات هے . لیکن وہ اسلاف ضرور بوها سکتی هے ، صرف کام کے گہذائے گہنا دیلے سے هی کافی درگهافاؤں سے چهاکارا مل سکتا هے ، انسانی جانوں اور بهارت کی گڑھی کمائی سے خوید نے انسانی جانوں اور بهارت کی گڑھی کمائی سے خوید نے انسانی جانوں اور بهارت کی گڑھی کمائی سے خوید ہے انسانی جانوں اور بهارت کی گڑھی صرکار سے ایپل هے که وہ اُس طرف سے دههاری دیا

ـــمچهب رضوی

5, 2, '53

نئے تھنگ کا اگریشی

اگر آمریکہ کے پاس آیام ہم نہ عوں تب امریکہ دائیا۔
کی طاقتوں میں تیسرے دوجے کی تو کیا چوتھ دوجے کی
بیبی طاقعی نہ وہ جائے ۔ ومین کی لوائی میں وہ سب
طاقیں سے دمزور ہے ، آملے ساملے عودر اوائی لونا تو اُس

ایٹم پیر نے امریکہ کو بہدد پہلا دیا ہے اور اُسی ایٹمام کے زمر میں وہ اُس ایشیا سے بداء لیفے کی سوچ رما ہے جس کے ایک چھیائے سے ملک جایاں نے ایمی دس برس بمی نہیں پہلچے اُس کا قاکوں دم کردیا تھا ،

هناري راء

पटरियां ठीक न होंगी तो दुर्घटनार्थे लाजमी तौर पर होंगी. लाइनों पर काम करने वाले मजदूरों ने मो जानकारी हमें दी है यह यह हैं। लाइन पर पहले पांच फुट गहरा गढ़ा खोदा जाता है और फिर उमको गिट्टी से पाटा जाता है. इस काम को "पटरी गलाना" कहते हैं. गिट्टियों पर सिलपट विद्याई जाती है चौर सिलपट के उत्तर लोहे की लाइने जड़ी जाती हैं. जितना ही गहरा गढ़ा होगा उतना ही कम हचका लाइनों को लगेगा जिटिश जमाने में तीन मील की लाइन ठीक करने के लिये बीस मादमियों का गेंग रहता था. वह पूरी लाइन का जिम्मेदार था। दो आदमियों के लिये जहरी था कि वह चाठ सिलपट रोज गलाया करें.

कांगरेस सरकार चाने पर काम के ढंग में तबदीली की गई: (1) गढ़ा पांच कीट गहरा खोदने की जगह तीन कीट ही खोदा जाने लगा (2) चाठ सिलपट रोज गलाने की जगह दो चादिमयों को चौदह सिलपट रोज गलाने का हुक्म दिया गया (3) पूरे हिन्दुस्तान में दाई लाख गंगमैन थे. सरकार ने पचास हजार की छटनी कर दी. इस कारन जो बीस चादमी तीन मील लाइन के जिन्मेदार थे उन्हें चार मील की जिन्मेदारी दे दी गई.

मजदूरों का कहना है कि उनको पहले ही ज़रूरत से जियादा काम करना पड़ता था, ऊपर से इतना काम और बढ़ा दिया गया है. वह अफसरी धोंस में आ कर काम की खाना पूरी कर देते हैं. लेकिन उन्हें इससे मतलब नहीं होता कि काम खराब हुआ है या अच्छा. न उनका कुछ बिगड़ता है और न अधिकारियों का जनता की जान जाती है और उसकी गादी कमाई से खरीदे हुए इंजिनों की बरबादी होती है.

त्रिदिश जमाने में होशियार गैंगमैंन रखे जाते थे. एक तरह से इनकी एक नस्त चल गई थी. जो गेंगमैंन दो चार बार काम कर लेता था उसको हमेशा काम दिया जाता था. आजादी के बाद से गैंगमैंनों की भरती में भी जोरों की रिश्वत चलने लगी. जो दो चार बार काम कर लेता है यह सममता है कि काम मिलना उसका हक है जोर वह रिश्वत नहीं देता. नथे लोग आते हैं तो अधिकारियों की जेव गरम होती है. नतीजा यह है कि हमेशा नये नये आदमियों के सुपूर्व लाइन का काम कर दिया जाता है.

लाइनें इतनी खराब बन रही हैं कि पक ड्राइबर ने शिकायत करते हुए कहा : इचकोले से इमारा पेट हिलने लगता है और तक्षियत परेशान हो जाती है.

दाफ़िक

बिटिश जमाने में नये नये रंगरूटों को पहले छोटे छोटे स्टेशनों पर रक्ष कर ट्रेनिंग दी जाती थी और पुराने क्जुबें कार जोगों को क्षे क्षे स्टेशनों पर भेजा जाता था. लेकिन پارہار اور پر میں کی تو دوگی کا انہی قرو پو میں کی۔

پارہار کو اور اور اور اور کی جو جانکاری همیں دی

ھ وہ یہ ہے: لائن پر پہلے پانچ است کیرا کوها کیودا جانا ہے اس کام کو

در پاری کانا '' کہتے میں ۔ کٹیوں پر سلیمت بحیائی جاتی ہے اور سلیمت بحیائی جاتی ہے اور سلیمت کے اوپر اوی کی لائنیں جوی جانی میں ، جتا می گہرا کوما مواد اندا می کم محیک لائدوں کو لکے گا ۔ برتمی زمالے میں تین میل کی لائن تھیک کو لگے گا ۔ برتمی زمالے میں تین میل کی لائن تھیک کو لگئی کی بردی قرار تھا ۔ دو ادمیوں کے لئے ضروری تھا کہ وہ لائن کا کیے دار تھا ۔ دو ادمیوں کے لئے ضروری تھا کہ وہ گا سیامت ورز کانیا کریں ،

التكريس سركار آنے پر كلم كے تھنگ ميں تبديلى كى كئى ؛ (1) كوها پانچ فت كبرا كيؤدنے فى جائم تين فمت هي كيوندا جانے لئا (2) 8 سيلت روز كالے كا حكم ديا گيا ، دو آدميس كو چودہ سليت روز كالے كا حكم ديا گيا ، (3) پورے هندستان ميں قمائى لادہ كيلگ مين تي ، سركار نے پنچاس هزار كى چهالمى كر دىي ، اِسَ كارن جو بيس آدمى تين ميل لائن نے ذمردار تي انبيس جار ميل ميل كى ذمردار تي انبيس جار ميل ميل كى .

مردوروں کا کہنا ہے کہ اُن کو پہلے ھی ضرورت سے زیادہ
کام کرنا ہُونا تھا اُرپر سے اتنا کام اور بوعا دیا گیا ہے ، وہ
انسری دھرنس میں آکر کام کی خانہ پری کر دیکے ھیں
لیکن انہیں اِس سے مطلب نہیں ھوتا نہ کام خراب ھوا
ہے یا اَنہا ، نہ اُن کا کچھ بگوتا ہے اور نہ ادھیکاریوں '' ،
چنگا کی جان جاتی ہے اور اُس کی گارھی کماگی سے
خریدے ھوئے انجاری کی بریادی ھوتی ہے .

پرتھی ومانے میں هوشهار کھلگ مین رکھے جاتے تھے، ایک طرح سے ان کی ایک نسل جل گئی تھی، جو گھنگ میں دو جار بار کام درلیکا تھا اس کو همهشه کام دیا جاتا تھا ، آزادی کے بعد سے گھنگ میلوں کی بھرتی میں بھی زوروں کی رشوس جننے لکی ، جو دو جار بار کام درلیکا ہے وہ سمجھکا ہے کہ کام مللا اس کا حق ہے اور وہ رشوس نہیں دیکا ، نئے لوگ آتے ہیں تو ادھیکاریوں کی جھب گرم هوتی ہے ، نتهجه یہ ہے کہ همیشہ نئے گئے آدمیوں کے میرد لائی کا کام کر دیا جاتا ہے ،

لائیٹیں انٹی خراب بن رهی هیں که ایک تراثیور نے شعیت کرتے هوئے کہا : هچکولے سے هنارا پیت ملقے لکتا ہے اور طبیعت پریشان هو جاتی ہے ۔

ترانك

یرٹھی زمالے میں نکے نکے ونکروٹوں کو پہلے جہوٹے جہوٹے جہوٹے اسٹیشٹوں پر رکو کر ٹرینٹنگ سیجانی بھی اور پرانے تعین عینوٹیکار لوگوںکو برے بھیلے اسٹیشٹوں پر بیستاجاتاتیا۔ لیکن

होती है. कोयला मॉकने के लिये दो आदमी आयरवक हैं. ग्रुक्त ग्रुक्त में दो आदमी मुक्तर्र भी किये गए थे. बाद में पैसा क्याने के लिये एक आदमी से पूरा काम लिया जाने लगा. जाहिर बात है काम पूरा न हो सकता और इस कारण हाइवर को भी इस तरफ यान देना पड़ता है. ड्राइवर का ज्यान बेंट जाने पर दुर्घटनाओं का होना कुदरती है.

किसी किसी पुराने इंजिनों में तो आगे का लेम्प तक नहीं है. कहा जाता है कि सिर्फ नारदर्न रेलवे में हैं ऐसे इंजिन हैं जिनमें हेड जाइट नहीं हैं. गार्ड और ड्राइवर जब इस बात की शिकायत करते हैं तो अधिकारी हम कर कह देते हैं: "लेभी जाओ यह देसी रेल है, देसी रेज." जो लोग कुछ भी दुर्घटनाओं के बारे में जानते हैं उन्हें पता है कि इंजिन की डेड लाइट कितनी जरूरी है.

हाइवर की नौकरी कितनी कठिन होती है यह कहने की खरूरत नहीं उसे आग में अलसना पढ़ता है, बैठने की भी कोई जगह इंजिन में नहीं होती. उसे पैरों पर खड़ा रहना पड़ता है. खाहिर है पेसा काम कोई आदमी पूरे ध्यान से आठ घंटे से खियादा नहीं कर सकता. आठ घंटे के काम के बाद भी खरूरत इस बात की है कि उसे अच्छी खुराक मिले और ऐसा प्रवन्ध हो जिससे उसके जिस्म को फिर से लोई हुई ताक़त मिल जाय. हमारे ड्राइवरों को आठ घंटे की जगह बाईस बाईस घंटे काम करना पढ़ता है. यह ठीक है कि सरकार उन्हें जोवरटाइम (Over-time) देती है और वह इसी खालच में काम करते रहते हैं. लेकिन सरकार को सोचना चाहिये कि वह इतनी देर तक ध्यान पूर्वक काम कर भी सकते हैं या नहीं. शायद सरकार को यह सब सोचने की फुर्सत नहीं. वह तो यह सोचती रहती है कि काम चलता रहे और आदमी किसी सरत से न बहने पाएं.

इस पक्श में सरकार का कहना है: आजावी से पहले जियावातर हाइवर मुसलमान और पंग्लोइन्डियन थे. उनकी एक वही तावाद पाकिस्तान चली गई है. इस कारन हाइवरों से ओवरटाइम कराना पड़ता है. पांच साल के बाद यह इसील विलक्षल नहीं जैंचती. सरकार चाहती तो इस अरसे में न जाने कितने हजार हाइवर ट्रेन्ड कर लेती. दूसरी तरफ ट्रेन्ड लोगों को निकम्मा रखने की सरकारी पालिसी समम में नहीं आती. ऐसे रेलवे कर्मचारियों की काफी तावाद है जिन्होंने कारम पर 'पाकिस्तान' जाने की बात तो लिख दी बी लेकिन वह पाकिस्तान नहीं गए और यहीं काम करते रहें. न जाने किस लिये सरकार ने उन्हें नौकरी से अलग कर दिया है. करूरत की भी मांग है और कान्तन भी काका हक है कि ऐसे सब खोगों को क्यूटी दी जाय.

र्अनियरिंग

4

इंजिनियरिंग विभाग की जिल्मेदारी है कि वह रेस की कटिकों को ठीक रसे. जाहिर बात है बागर रेस की

هرتر بھے ، کوللم جھولکانے کے لئے دو آدمی آرھیک عیں ، شروع شروع میں دو آدمی مترر بھی کئے گئے تھے. بعد میں بیسه بحالے کے لئے آیک آدشی سے بروا كم لها جائے لكا، ظاهر بات هے كام بوراً تهيوں هو سكتا أور اس کارن قرائهور کو بھی اِس طرف دھیاں دینا ہوتا ہے . درانهور کا دههان بقت جائے پر فرکھتفاوں مرتا قدرتی ہے . کسی کسی پرائے انجیزں میں تو آئے کا لیدی کک نہیں ہے . کہا جاتا ہے که صرف ناردن ریلوے میں جھ ايسے انجن هيں جن ميں پيڌلائٽ نهيں عيں . کارڌ اور درائیور جب اس بات کی شکایت کرتے میں تو ادھیکاری هنس کو که دیگرههن: "لےبھی جاؤا یه دیسی ریل هے دیسی ریل"، جو لوگ کچھ بھی درگھٹلاؤں کے بارے میں جانتے هين أنهين بعد هے كه أذ بن كي هيد لائت كتلى ضروري هے . قرائهور کی نوکری کاللی کالهن هرتی هے یه کہلے کی فرورت نبيل . أيم أك مين جهلسلا يوتا هـ ، بيالهار کے بھی کوئی جگه انجن میں نہیں هوتی ، أسے پهروں ير كهوا رهدًا يونا هي ، طاهر هي أيسا كام كودي آدسي يورك دههان سے آله کهللے سے زیادہ نہیں کرسکتا ، آنه کهلائے کے کام کے بعد بھی ضرورت اِس بات کی ہے کہ اُسے اچھی خوراک ملے اور آیسا پربلدہ ہو جس سے اُس کے جسم کو یہر سے کھولی ہولی طالعت مل جائے ، ہمارے ڈراٹھوروں کو آثه کهنگے کی جگه بائیس بائیس کہنگے کام کرنا پرتا ہے۔ یہ ٹھیک کے سرکار انھیں آور ٹاٹم (Over-time) دیعے ہے اور ولا اسی قلیم میں کام کرتے ہیں ۔ لیکن سرکار کو سوچھا جاهکے که وہ اتدی دیر تک دهیان پوروک کام کو بھیسکتے هیں یا نہیں، شاید سرکار کو یہ سب سوچھے کی فرصت نہیں ، وہ کو یہ سوچکی رهکی ہے که کام جلعا رہے اور آدمی کسی صورت سے نے بوعلے پائیں ،

اس پکس میں سرکار کا کہذا ہے ؛ آزادس سے پہلے زیادہ تر آئیور مسلمان اور ایفکلوانتین تھے۔ اُن کی ایک بری تعداد پائستان جلی گئی ہے ، اس کارن قرائیوروں سے اورتائم کرانا پوتا ہے ۔ پانچ سال کے بعد یہ دلهل بالکل نہیں جلحچتی ، سرکار جاهتی تو اِس عرصہ میں نہ جانے کتنے هزار قرائیور آریفق کرلیتی ، دوسری طرف تریفق لوگوں کو نکما رکھنے کی سرکاری پانیسی سمجھ میں نہیں آئی ، ایسے ریڈوے کرمجھاویوں کی کائی تعداد ہے جنہوں نے فارم پر "پائستان" جانے کی بات تو لکھ دی جنہی لیکن وہ پائستان نہیں گئے اور یہیں کام کرتے رہے نہی خورس سے الک کوئیا نہ جانے کس لئے سرکار نے آنہیں نوکری سے الک کوئیا ہے ۔ فوروں کی آئی تا حق ہے کہ ایسے سب لوگوں کو تیوتی دی جائے ،

التصيدرنك ا

انجیبرزگ وبیاک کی ذب داری هے که وہ ریل کی پررین کو تھیک رکھے ہے عظامر یابعہ ہے اگر ریل کی

(7) हिन्दुस्तान के तटस्थ बने रहने में और बने रहने देने में ही सब मुल्कों का नका है और दुनिया का नका है.

- (8) हिन्दुस्तान के तटस्थ रहते रहते यह बात मुरिक त ही मालूम होती है कि काई जड़ाई दुनिया की लड़ाई में बदल जाय. और अगर बदल ही जाय तो वह तीसरी लड़ाई दुनिया की बरबादी का इतना जबरदस्त कारन न बन सकेगी जितना वह जब बनती जब हिन्दुस्तान किसी एक ब्लाक में मिल गया होता.
- (9) हिन्दुस्तान का फूल गांधी जान पर खेल गया, पर सम की खुशबू देता रहा. किसी एक का बनकर न दिया. अपनी पाली पोसी कांग्रेस से भी अलग हो गया. पर सबको एक आंख से देखने की आदत न झोड़ी. आज के हिन्दुस्तान की हकूमत उसी की देन है. उस की निगरानी में सारा हिन्दुस्तान जान पर खेल जाना पसन्द करेगा. पर किसी एक ब्लाक में मिलकर न देगा और अपने जीते जी दोनों का समतोल बनाए रखेगा.

5, 2, 53

— भगवानदोन

रेलवे दुर्घटनायें क्यों?

आजादी के बाद से रेलवे दुर्घटनायें बहुत बद गईं हैं. इनकी जिम्मेदारी सरकार कभी किसी राजकाजी पार्टी के सिर थोप देती है और कभी किसी व्यक्ति को दोशी ठहराती है. लेकिन आज तक सरकार दोश लगाती तो जरूर रही है पर उन्हें सिद्ध नहीं कर पाई. इसीलिये सरकार के बयान हमारे गले नहीं उतरते. जांच कमीशन बैठाए जरूर जाते हैं लेकिन वह गोलमोल बात कर के मामला टला देते हैं और सरकार अपने को सममा लेती है कि दस-पांच दुर्घटनायें भी हिम्दुस्तान में न हों तो बात हं क्या है; अमरीका करीरा में तो आए दिन ऐसे हादसे होते रहते हैं.

इस सम्बन्ध में हमने झानबीन की है. ड्रायवरों, कोयरमैनों, कुलियों, गाडों, गॅगमैनों और रेलवे के दूसरे तजुरवेकार मुलािक्षमों से जी जानकारी हमें मिली है वह हम बाउकों के सामने रखते हैं. यह लोग मोटे तौर पर पूरे रेलवे महकमे को तीन हिस्सों में बांटते हैं: (1) लोकोमोटिव (2) इंजीनीरिंग (3) ट्राफिक. उपर लिले सब तरह के व्यक्तियों से बात करने के बाद हम इस नतीजे पर पहुंचे हैं कि महकमे के तीनों भाग दुर्घटनाओं के जिम्मेदार हैं.

लोकोमोदिव

शियादातर बाहियों में कनाडियन इंजिन लगा दिये गए हैं. यह इंजिन देखने में तो बहुत भारी भर कम हैं लेकिन इनकी वाडी बहुत सराब है. चलते समय यह पटरियों को बहुत ह का देते हैं, जिसकी बजह से पटरी से उतर जाने का खतरा रहता है. भारी होने के कारन इन्हें ईंधन की जियादा जरूरत (7) مانستان کے تکستہ بلے رملےمیں آور بلے رملے علیہ میں می سب ملکس کا نام ہے آور دنیا کا تامع ہے۔

(8) هلدستان کے تقسته رهتےرهتے یه بات مشکل هی معلوم هوتی هے که کوئی لوائی دنیا کی لوائی میں یدل جائے ، آور اگر بدل هی جائے تو رہ تیسری لوائی دنیا کی بربادی کا اِتفا زبردست کارن نه بن سکے گی جتفا وہ جب بقتی جب هلدستان کسی ایک بقک میں مل اُلیا هبتا ،

(9) علدستان کا پھول کاندھی جان پر کھیل گھا ا پر سب کو خوشہو دیتا رہا ، کسی ایک کا بن کر نہ دیا ، اپلی پالی پوسی کانگریس سے بھی الگ ھو گھا پر سب گو ایک آنکھ سے دیکھنے کی عادت نہ چھوڑی ، آج کے هلدستان کی حکومت اُسی کی داین ہے ، اُسکی نگرانی میں سارا هلدستان جان پر کھیل جانا پسند کریے گا پر کسی ایک بلاک میں مل کر نہ دے گا اور ابھ جھتے جی دورس کا سمتول بلاک رکھ گا ،

--بهکوان دیس

5-2-'03

ریلوے درگھٹنائیں کیوں؟

آزادی کے بعد سے ریلوے درگھتانیس بہمت ہوھ گئی میں ، اِن کی ڈمے داری سرکار کبھی کسی راج کاجی پارٹی کے سر تہرپ دیتی ہے اُور کبھی کسی ریکتی کو دوشی لیم اُنے ہے ، لیکن آج تک سرکار دوش لیکائی تو ضرور رهی ہے پر اُنھیں سدھ نہیں کر پائی ، اِسی لئے سرکار کے بیان ممارے گئے نہیں اُنرتے ، جانچ کمیشن بھٹھائے ضرور جاتے میں لیکن ولا گول مول بات کر کے معاملہ تا دیتے میں اُور سرکار اُنے کو سمتجہائیتی ہے کہ دیس یانچ درگھتائیں بھی میدستان میں نہ موں تو بات ھی کیا ہے؛ امریکہ بھی میں تو آئے دن آیسے جادئے ہوتے رہتے میں .

اس سمبقدہ میں نے چہاں بین کی ہے . ذرائھوروں اُ فورمیلوں اُ قلیوں اُ گردوں گینگ میدوں اور ریارے کے دوسرے تجربے کار معارموں سے جو جانکاری ہمیں ملی ہے وا ہم ہائیکوں کے سامنے رکھتے میں . یہ لوگ موتے طور پر پورے ریلوے محصکے کو تین حصوں میں ہائٹے میں : (1) لوکو موتیو (2) انجینیونگ (3) اُرافک ، اوپر لکھے سب طرح کے ویکتیوں سے بات کرنے کے بعد ہم اِس نتیمیے پر پہرنچے میں کہ محصکے کے تیلوں بھاگ دراہٹناوں کے ذاح دار میں ،

لوفوموثيو

ویادہ تر آوہوں میں کاتین انجن لگا دیگر گئے میں۔
یہ انجی دیکھلے میں تو بیت بہاری بہرکم میںلیکی اِن
کیاتی بہت خراب ہے، چلتے سے یہ پائریوں کو بیت محتکا
دیکے میں جس کی وجہ سے پائریسے اُتر جائے کا خطرہ رہاتا ہے،
ہیاری مرفے کارن اِنہیں ایادہوں کی زیادہ شرورت

- (1) हिम्दुस्तान रारीब मुल्क है, इसके यह माने नहीं कि यह कोई मूकों मरता देश है. हां, दो एक मुल्क से कम मालदार है यानी अगर इस की सारी सम्पत्ति सब लोगों में ठीक से बांट दी जाय ता किर यह रारीब देश नहीं रह जायगा. रारीब देश इम सिर्फ इसको इस लिये कह रहे हैं कि यहां रारीकों की तादाद बहुत जियादा है और मालदारों की तादाद बहुत कम,
- (2) रासत या सही मामूली प्रचार से रारीब लोगों में समाजवाद का पौदा जितनी जल्दी जड़ पकड़ता है उतनी जल्दी पंजीबाद का पौदा जड़ नहीं पकड़ सकता. हिन्दु स्तान में कुछ ही दिनों में समाजवादी ख्यालों ने आधे से जियादा आदिमियों को अपने दायरे में ले लिया है. बाक़ी आधे से कम भी पंजीवाद के पक्के पैरोकार नहीं. मौक़ा पड़ने पर हनकी बहुत बड़ी तादाद समाजवाद की तरफ मुकेगी. इसलिये समाजवाद का पल्ला और भी वजनी हो जायगा.
- (3) कोई विदेशी बहुत कोशिश करने पर भी यह पता नहीं लगा सकता कि हिन्दुस्तान में कितने समाजवादी हैं. हिम्दुस्तान की हकूमत भी अगर चाहे तो उनकी तादाद का पता नहीं लगा सकती.
- (4)समाजवाद एक धर्म है. हिन्दुस्तान में धर्म अनोखे हंग से फैलतें हैं. जब आर्यसमाजी एक लाख थे तब आर्य-समाज के ख्याल के बादमियों की तादाद एक करोड़ थी. और अब तो एक तरह से दिसयों करोड़ आर्यसमाज के क्याल रखते हैं, पर अपने को आर्यसमाजी नहीं कहते. हिन्दुस्तान में ठीक इसी तरह से समाजवाद फैल चुका है. समाजबादियों की ठीक ठीक तादाद गर्वभेन्ट का क़रीब करीय हर एक आदमी अलग अलग अच्छी तरह जानता है. पर सरकार के मेम्बर की हैसियत से बिलकल नहीं जानता. क्योंकि उसके लिये सबूत चाहिये पर खाते वही बाला सक्त कहीं है ही नहीं.
- (5) समाजवादियों का न दिखलाई देने वाला विखराव उसी बक़्त तक न दिखलाई देने वाला रहेगा जब तक हिन्दुस्तानी सरकार तटस्थ बनी रहेगी. जैसे ही हिन्दुस्तानी सरकार का पलड़ा पूंजीबाद की तरफ मामूल से जियादा अका तो समाज बादियों का यह सारा विखराव एक दम संगठित हो जायगा और सरकार के मुकाबले के लिये इसाद हो जायगा यानी हिन्दुस्तान में घरेल लड़ाई छिड़ जायगी.
- (6) धागर ६ न्दुस्तानी सरकार मामूल से जियावा समाजवाद की तरक मुकी तो उंगलियों पर गिना जाने बाला पंजीवादी दल विदेशियों के पांचवें कालम का काम करेगा उसकी बजह से एक तूफान तो सदा होगा पर जल्दी द्याया जा सकेगा. उनकी वजह से परेल् लड़ाई की नौबत चा जाय पेसा नहीं हो सकेगा.

- (1) هلاستان قريب ملك هي . أس كي يه سعلي نهیں که یه کوئی بهوکوں موتا دیھر ہے۔ ھاں اُ دو ایک ملگ سے کم مالدار ہے ، یعلی اگر آ ہے کی ساری سمھٹی سب لركين مين لهيك سے ياسف دى جائے دو يهر يه فريسجيش تهين ولا جائم كا ، فريب ديش هم صرف إس كو أس لك کے رہے میں که یہاں فریبوں کی تعداد بہت زیادہ مے اور مالدارس کی تعداد بہت کم .
- (2) غلط یا صحصیم معمولی پرچار سے قریب لوگوں میں صمایے واد کا پودا جھلی جلدی جو پکوتا ہے اللی جلدى پرنتمى واد كا يودا جو نهين يكو سكتا ، هندستان میں کچھ ھی دنوں میں سماج وادی خھالوں لے آدھے سے زیادہ آدمیوں کو آئے دائرے میں لے لیا ہے الی آدھ سے کم بھی پولچیواد کے یکے پیروکار نہیں ، موقع پولے پر اُن كى يهت يوى تعداد سماج واد كى طرف جهكر كى . اس ليُّ سماي واد كا يله أور بهي وزني هو جألم كا.
- (8) كوكى وديشى بينت كوشف كراني پر بهي يه يكه نههن لكا سكتاً كا هلدستان مهن كتلي سماج وأدى ههن. هندستان کی حکومت بھی اگر چاھے تو اُن کی تعداد کا يته نهين لكا سكتي .
- (4) سماج وأد أيك دهرم هي . هندستان مهن دهرم الوكي دهلك س بهيلته هين . جب أرية سعاجي ايك لاکہ تھے تب آریہ سماج کے خیال کے آدمیوں کی تعداد ایک ایک کرور تھی ، اور آب تو ایک طرح سے دسھوں کرور آریہ سمانے کے خمال رکھتے میں پر آئے کو آریہ سماجی نہیں کہتے . هلدستان میں تبهک اِسی طرح سے سماج واد يهيل چکا هے . سماج واديوں کی تهيک تبيک تعداد گروسلت لا قریب قریب هر ایک آدسی الگ الگ اچهی طرر جانتا هے پر سرکار کے معمر کی حمثیت سے بالکل نہیں جانعا کیرنکد اُس کے لئے تبوت چاہئے ، پر کیاتے بہی والا ٹیوٹ کیوں ہے ھی نہوں ۔
- (5) سماج وأديون كا له دكهلائي فيقے والا يكهراؤ أسى وقت لك نه دكهائي ديلي والاره كا جب تك مندستانی سرکار تاسته بنی رهے گی، جیسے هی مندستانی سرکار کا پلوا پونجی واد کی طرف معمول سے زیادہ جھکا آو مساير واديوس كا يه سارا بكهراؤ ايك دم سفكتهت هو جائد کا اور سرکار کے مقابلے کے لکے آدارو هو جائے کا یعلی هلدستان میں گھریا۔ لوائی جھو جائے گی ۔
- (6) اگر هندستانی سرکار معمول سے زیادہ سمایہواد کی طرف جهکی تو انگلیوں پر کنا جانے والا یونتھی واهی دل ردیشهوں کے ہانجویں کالم کا کام کرے گا ، اُس کی وجہ سے ایک طوفای تو کہوا هوگا پر جلدی دبایا جاسکے گا . أن کی وجه سے گھریاں لوائی کی نوبت آ جائے ایسا نہیں ہو

William St.

اتراثی کے بادل

आहंजन हाबर के गहीपर बैठते ही दूर पूरव में लड़ाई के बादल जमने लग गए,

लड़ाई के बादल

कुछ दिनों यह हाल रहेगा कि कभी कभी ऐसा माल्स होगा कि बादल गहरे जम गए और बरसने को ही हैं. और जल्दी ही यह माल्स होने लगेगा कि बादल तितर बितर हो रहे हैं और बारिश नहीं होगी.

अकाल के मौक्ने पर मामुली बादल का दुकड़ा अनाज के भाव पर असर डाल देता है. ठीक इसी तरह शान्ति की हालत में लड़ाई के बादल का मामूली सा दुकड़ा दुनिया की तमाम बीजों के भावों पर असर डाल देता है. हो सकता है अमरीका ने इसी खयाल से लड़ाई के बादल का यह दुकड़ा आसमान पर फेंका हो, ईश्वर करे यही बात सच निकले.

पर यह बात सच्ची होती नजर नहीं आती, क्यों कि अमरीका की गही एक कौजी जनरल के हाथ मैं है, और कौजी जनरत भी ऐसा जिसके ऊपर किसी का दबाव नहीं.

अमरीका सिर्फ कहने के लिये लकोशाही है. अमली तौर पर वह कहर राजशाही और साम्राजशाही है और फिर तानाशाही तो है ही.

कोरिया के मामले में वह हुआ जो ट्रमन साहब ने चाहा और ट्रमन साहब ने वह चाहा जो फौजी जनरल मैक आर्थर ने चाहा.

दुनिया के किसी हिस्से पर आज इतनी जोर की अगर लड़ाई छिड़ती है जो तीसरी दुनिया की लड़ाई का कारन बन सकती है, वह अमरीका यानी आइजन हावर की छेड़ी हुई हो सकती है, या उस के इशारे पर छिड़ी हो सकती है.

लड़ाई के बादल के जो दुकड़े दूर पूरव में सारी दुनिया को नज़र आने सगे हैं, वह अमरीका के हाथ के किंके दुए हैं, यह सारी दुनिया जानती है. इसलिये हो सकता है कि वह दुकड़े तीसरी लड़ाई की सुरंग का फलीता साबित हों. ईश्वर न करे ऐसा हो ! अगर ऐसा हुआ तो हिन्दुस्तान के बारे में सारी दुनिया आमतौर से और अमरीका कासतौर से नीचे की बातें नोट कर ले. آلوٰن ہاور کے گدی پر بیٹھٹے ہیدور پورپ سہیں لوائی کے بادل جملے لگ گئے ۔

1 43- 1 56

کتھ دنہاں یہ حال رہے کا کہ کہمی کیمی ایسا معلوم مولا کہ بادل گہرے جم گئے میں اور پرسنے کو می میں، آور جلدی می یہ معلوم مونے لکے کا کہ بادل تقر بقر موری رہے میں اور بارش نہیں مولی ،

اکال کے موقعے پر معمولی بادل کا ٹکوا اناج کے بھاؤ پر اثر ذال دیتاہے۔ ٹھیک اِسی طرح شانتی کی حالت میں لوائی نے بادل کا معمولی سا ٹکوا دنھا کی تسام چھزوں کی بھاؤں پر اثر ذال دیتا ہے۔ ھو سکتا ہے امریکہ نے اِسی خھال سے لوائی کے بادل کا یہ ٹکوا اُسمان پر پھھلکا ھوا اُبھور کرے یہی بات سے نکلے ،

ہر یہ بات سچی ہوتی نظر نہیں آتی' کیونکہ امریکہ کی گدی ایک قوجی جنرل کے ہاتھ میں ہے'۔ اور فوجی جفرل بھی ایسا جس کے ارپر کسی کا دیاؤ نہیں ۔

امریکه صرف کہنے کے لگے لوک شاهی ہے۔ صلی طور پر وہ کثر راج شاهی اور سامراج شاهی ہے اور پہر تابا شاهی تو ہے هی .

کوریا کے معاملے مھی وہ ہوا جو گروسی صاحب نے جاتا اور گروسی صاحب نے وہ چاھا جو فوجی جلرل میک آرتبر نے جاتا ،

دنیا کے کسی حصہ پر آج آئلیزور کی اگر لوائی چھوٹی ہے تر جو تیسری دنیا کی لوائی کا کارن بن سکتی ہے ولا امریکہ یعلی آئزن ھاور کی چھھڑی ھوٹی ھو سکتی ہے یا اس کے آغارے پر چھوی ھو سکتی ہے یا

لوائی کے بادل کے جو تعربے دور پورب میں ساری دنیا کو نظر آنے لگے هیں' وہ امریکه کے هاتم کے پیھیکیے هوئے هیں' وہ امریکه کے هاتم کے پیھیکیے هوئے هیں' یہ ماری دنیا جانعی ہے ، اس لگے هو سکتا ہیں قات یہ تعربے تیسری لوائی کی سرنگ کا فلهتا ثابت هیں ، ایشور نه کرے ایسا هو! اگر ایسا هوا تو هندستان کے بارے میں ساری دنیا مام طور سے اور امریکه خاص طور سے نیمتھے کی باتیں نہت کرئے :

The second of th

'नया हिन्द' में कर चुके हैं. खाज सातवीं पुस्तक ''धर्म के عنا ''فِعرم کے ''धर्म के عنا ''فعرم کے ''धर्म के عنا ' नाम पर'' किताब के बारे में नीचे लिखते हैं—

यह किताब 128 सके की है. दाम है डेढ़ रुपया, झपाई बहुत साफ है. यह करनल इंगर सोल के व्याख्यान और नियम्भों का मंभी हिन्दी में बामहावरा अनुवाद है. **चनुवादक हैं भदन्त ज्ञानन्द कोसल्यायन, ज्ञानन्द जी की** लेखनी से सब हिन्दी पाठक अच्छी तरह परचित हैं. रही किताब की बात बह सवमुख ऐसी है कि उसकी पढ़ कर यह हो ही नहीं सकता कि आदमी के अन्दर का आत्मा « एक बार हर तरह आजाद होने के लिये उछल न पड़े. यों तो इस किताब में ईसाई धर्म के खिलाफ ही जियादा लिखा गया है पर वह ऐसा लिखा गया है कि हर घर्म के खिलाफ डसे बढ़ा जा सकता है. धर्म अगर सचाई, ईमानवारी, शेम, शील और संवोश जैसे गुनों का नाम है तक तो यह कहना चाहिये कि यह पुस्तक सच्चे मानों में धर्म पुस्तक है क्योंकि इस में इन्हीं गुनों पर जोर दिया गया है. हां, अगर धर्म से यह मतलब है कि गिरजों, मंदिर, मसिजद जाना, या पादरी, मुल्ला, प्रोहितों के दाय विक जाना, या नरक से डरना और स्वर्ग पाने की इच्छा करना या यह सममाना कि सब कुछ ईरवर के ही हाथ में है तब यह पुस्तक बेशक धर्म के खिलाफ है. यह किताब तो विचारों की पूरी आजादी देती है और इस नाते हो सकता है जो धर्म के कट्टर हैं वह इससे बिगड़ बैठे और ऐसी सरकारें भी इस किताब को पढ़ कर नाक भी चढाएं जी बेमतलब के दिखाने में विश्वास रखती हैं, और जो तमाशे के लिये अपने राजाओं पर या अपने प्रेसीडेन्टों पर लाखों का स्वाहा कर देती हैं.

यह पुस्तक ही नहीं, इस माला की सब पुस्तकें इस कि कि कि कर में रहें और हर हिन्दी जानकार के हाथ में विखाई दें.

इसी हिन्दी प्रंथ रत्नाकर की दो कितावें हमें और मिली हैं. एक शरत पत्रावलो यानी बंगाली मशहूर उपन्यास का शरत बाबू की चिट्ठियों का हिन्दी अनुवाद और दूसरी है उनकी उन कहानियों का संप्रह जो शरत बाबू पूरी न कर पाप, अधूरी छोड़ गए.

शरत बाबू की किताबों के अनुवाद के बारे में इतना सहना काफी है कि यह अनुवाद और अनुवादकों से अच्छा तो है दी पर कहीं भी ऐसा नहीं हुआ कि बंगाली का आनन्द कम हुआ हो. उसके अनुवादक हैं महादेव जी साहा. अखादाक खुद भी तो बंगला के बहुत अच्छे जानकार हैं.

—भगवानदीन

انہا هفد' میں کرچکے هیں۔ آج ساتریں یستک ''تعرم کے پر'' کتاب کے بارے میں نیچے لکیتے هیں۔۔۔

يه كتاب 188 سنصے كى هے' دام هے قيوھ رويهه' جههائم بهت صاف هے ، یہ کرنل اِنگر حول کے ویاکههاں اور نبلدهن کا ملجهی هلدی مین بامصاوره انواد هے ، انرادک هون بهدنت آنده کوسلهایی ، آنده جی کی ليكهني س سب هندي باتهك أجهى طرح برجت هيل. رهی کتاب کی بات وہ سے میے ایسی ہے کہ اُس کو پود كرية هو هي نهيل سكتا له آدسي كاندر كا آنما ايك بار هر طرب آزاد موني كرند أجهل نه يوء. يين تو إس كتاب مهن میسائی دهرم کے خلاف هی زیادہ لکھا گیا ہے پر وہ ایسا ، لكها كها هـ كه هر دهرم كـ خلاف أسـ يوها جا سكتا هـ . دهرم اگر سنچائی ایمانداری پریم شهل اور سلارش جهسے گذری کا نام هے تب تو یه کھٹا جاهگے که یه یستک سجے معدوں میں دھرم یستک ہے کیونکہ اِس میں اِنهیں کلوں پر زور دیا کیا ہے ، ماں اگر دھرم سے یہ مطلب هے کہ کرجوں مقدر مسجد جانا کیا ہادری ملا یبودهیں کے هاتھ یک جانا ہا نرک سے قرنا اور سورگ یائے کی اچها کرنا یا یہ سمجهلا که سب کجه ایشور کے ھی ھاتھ میں ھے تب یہ یستک ہے شک دھوم کے خلاف ھے۔ یہ کتاب تو وہاروں کی ہوری آزادی دیتی ہے اور اِس ناتے هو سکتا هے جو دهرم کے کُلُر هیں وہ اِس سے بکر بهاههن آور ایسی سرکارین بهی اِس کتاب کو پوهکر اناک بہوں چوہائیں جو بے مطاب کے داھارے میں وشواس رکھتی میں اور جو تماشے کے لئے ابھ راجاوں پر یا ابھ پریسگلگوں پر لاکھوں کا سواھا کو دیکی ھیں ۔

یہ یستک هی نہیں' اِس مالا کی سب ہستکیں اِس قابل هیں که گهر میں رهیں اُور هر هقدی جانکار کے هاتے میں دکھائی فیں ،

اسی هندی گرنگه رتنا کر کی دو کتابهی همهی آور ملی ههی ، ایک شرت پخراولی یعنی بنگالی مههور اپنهایی کا شرت بابو کی چگههری کا هندی انواد آور دوسری هے آن کی آن کہانهری کا سفکرنا جو شرت بابو پیری نه کر پائے ادهوری چهور گئے .

ھرت باہوکیکتاہوںکے انواد کیاریے میں اتفاکیفا کافی مے کہ یہ انہواد اور انوادئوں سے اچھا تو مے ہی و کیمی بھی ایسا نہیں موا نہ بنتائی کا آباد کم ہوا مور اس کے انوادک میں مہا دیو جی ساما ۔ پرکافک خود بھی تو بلکاء کے بہت اچھے جانظر ہیں ۔

--پهکوان دين



हिन्दी ग्रन्थ रत्नाकर

हीरा बाग्र, गिरगांव, बम्बई नम्बर 4 में इस नाम का एक कर्म है. यह हिन्दी पुस्तकें निकालने का काम करता है. 'नाम बड़ा ग्रुन थोड़े' की कहावत इस पर नहीं फवती. इस का नाम बड़ा है, तो काम भी बड़ा है. इस कर्म ने खब तक जितनी किताबें निकाली हैं उनको सचमुच हिन्दी प्रन्थ रत्न कहा जा सकता है. हिन्दी प्रकाशकों में यह प्रकाशक ऐसे क्यों हैं, इसका कारन है. इस कर्म के प्रकाशक खुर एक उचे दरजे के साहित्यक हैं, और असाधारन नहीं तो साधारन किन भी हैं. साहित्य को परखने की परख तो उनमें कमाल की है. लोगों ने भी उन्हें परख लिया और नागपुर की जनता ने उन्हें एक प्रेम पोथी यानी अभिनन्दन प्रन्थ भेंट किया. कर्म को ऐसा प्रकाशक मिल जाय इसे हिन्दी का माग्य ही सममना चाहिये.

इस कर्म के प्रकाशक भी नाधूराम प्रेमी खुद एक पत्र के सम्पादक रह चुके हैं, किताब लिख चुके हैं. यह लेखक से प्रकाशक इसलिये नहीं बने कि मालदार हो जायें. पर इसलिये बने कि हिन्दी पाठकों को जो देने लायक़ चीज़ें हैं सिर्फ बही उन तक पहुंचाएं. इस में यह सफल हुए

प्रेमी जी यह चाइते थे कि चनका क्रायम किया हुआ यह कर्म आगे भी इसी करह के प्रन्थ रत्न लोगों के सामने पेश करता रहे. इसितये उन्होंने अपने बेटे को लिखने के काम में लगाया और वह जल्दी ही उनकी मर्जी की माफिक ऊंचे दरजे का लेखक बन गया. पर "जा कि यहां चाहना है वाकी वहां पाइना है" इस सचाई के अनुसार वह इनका वेटा, हेमचन्द्र मोदी, भरी जवानी में दो बच्चे और वेवा छोड़ कर चल बसा. प्रेमी जी का दिल तो दृटा, पर हिम्मत न टूटने पाई. उसी के नाम पर हेम चन्त्र मोदी पुस्तक माला ग्रुरू कर दी और उसमें दस हजीर हपया इस नीयत से लगा दिया कि उससे जो कितावें निकर्ले वह जागत के दाम पर वेचकर या जकरत पड़े तो कुछ किताबों को लागत से कम दामों पर वेचकर उस रक्षम की पूर्ती की जाती रहे. और अगर न हो सके वो वह रक्रम पुस्तकों पर ही खरम कर दी जाये. उस प्रन्थ माला की अब तक सात किताबें निकल पुकी हैं. जिनकी समाखोचना समय समय पर हम

هندى گرنته رتناكر

هیرا باغ کراؤں بمبئی نمبر 4 میں اِس نام کا ایک قرم ہے ۔ یہ هندی پستکیں نکائے کا کام کرتا ہے ۔ 'نام ہوا گی تہورہ' کی کہارت اِس پر نہیں پہتی ، اِس کا کتابیں نکائی هیں اُن کو سے میے هندی گرنته رتن کہا کتابیں نکائی هیں اُن کو سے میے هندی گرنته رتن کہا ہاسکتا ہے ۔ هندی پرکشکوں میں یہ پرکشک ایسے کہوں هیں اِس کا کارن ہے ، اِس فرم کے پرکشک خود ایک اُونچے میرچ کے ساهتیک هیں اور اسادهاری نہیں تو سادهاری کوی بھی هیں ، ساهتیہ کو پرکھنے کی پرکھ تو اُن میں کمال کی ہے ، لوگوں نے بھی اُنہیں پرکھ لیا اور ناگپور کی جنتانے اُنہیں ایک پریم پوتھی یعنی ابھینندن گرنته بھینت کیا ، فرم کو ایسا پرکاشک مل جائے اِس هندی کا بھائیہ هی سمنجھنا جاهئے ،

إسقرمغ يركاشك شرى ناتهو وأم يريمي خود ايك يترك سبهانگ را چکے هیں کتاب لکھ چکے هیں . یہ لهکهگ سے پرکشک اِس لگے نہیں بلے که مالدار هو جائیں۔ پر اِس لِيُّهِ بِلْهِ لَهُ عِلْدُى بِالْهِكُونِ كُو جُو دَيِنْهِ لِأَنِّي جِهْزِينِ هَهِنِ صرف وهي أن تك ههوسچائهن. إس مهن يه سههل هوئه، پریسی جی یہ چاھتے تھے کہ اُن کا قائم کیا ہوا یہ قرم آئے یہی اِسی طرح کے گرنتھ رتن لوگوں کے ساملے یہیں كوتا رهي ، إس لكيم أنهون في الهي بهالم كو لكهافي كي كم مهن لٹایا اور وہ جلدی هی اُن کی مرضی کی موافق اُونچے درجے کا لیکھک بن گیا، پر ''بجا کی یہاں جاها ہے وائی وهاں جاهلا ہے''۔ اِس سجائی کے انوسار وہ اِسکا بھٹا' ههم چندر مودی بهری جوانی مهن دو بنه اور بهود چهرو کر چل بسا . پریس جی کا دل تو تونا و هست نه ٹرڈنے پائی ۔ اُسی کے نام ہو ھیم چقدر مودی ہستک مالا شروم کر دبی او، اُس میں دس هزار روپیه اِس تیبت سے لکا دیا کہ اُس سے جو کتابیں تکلیں وہ اللت کے دام پر بھیے کر یا ضرورت پوے تو تعدہ کتابوں کو لائت سے کم داموں پر آبیے کر اُس رائم کی پارٹی کی جاتی رہے ، اور اگر نه هو سکے تو وہ وقم پستکوں ہو کی خاتم کو دی جائے . أس ارتعه مالاً كى أب تك سات كتابين نكل لهکی هیں' جن کی سنالوچا میے سنے پر هم

से कम चुंगी ली जायगी. नई कम्पनी पर सरकार का इन्डस्ट्रीज (डबलेपमेन्ट एन्ड रेगुलेशन) एक्ट भी छागू न होगा.

जौर जालिर में सरकार ने यह भी मान लिया कि इस कारजाने में साम होने वाला तेल उसी भाव पर वेचा जामगा जिस भाव पर बाहर से जाने वाला साम तेल यहां विकता है. देश के अन्दर कारजाना खुल जाने पर भी जरीदारों को पहले से थोड़ा भी सस्ता तेल न मिलेगा.

इसके चलाबा जो दो विदेशी कम्पनियां (एक धंगरेची धौर एक धमरीकी) यहां तेल साफ करने के कारलाने स्रोतने बाली हैं, उनक्रो भी यह सारी सुविधाएं मिलेंगी.

अमरीकी पूंजीपतियों के लालच की हद नहीं अमरीकी राजवृत चेस्टर बाउल्स ने इन सुविधाओं का चिक करते दुए लिखा है कि विदेशी पूंजी के बारे में भारती नेताओं का उस बदल रहा है:

"उन तीन तेल की कम्पनियों को जो भारत में तेल साफ करने के कारखाने बना रही हैं, 25 साल तक राष्ट्री करन न करने का जो आश्वासन और जो दूसरे लालच दिये गए हैं उनकी दो एक साल पहले कल्पना भी न की जा सकती थी!" (अमरीकी पत्र कौरेन एकेयर्स में प्रकाशित 'नवीन भारत" शीर्षक लेख)

पर इन सुविधाओं से भी अमरीकी पूजीपितयों को संतोश नहीं है. नक्षे के लालची और साम्राज के घमन्डी जितना पाते हैं, उतना ही और मांगते हैं. बाउल्स साहब इसी लेख में बागे करमाते हैं:

"बहुत से लोगों की राय है कि देशी और विदेशी माई पूंजी लगाने वालों को आकर्षित करने के लिये भारत सरकार अभी और लालच दे सकती है. हाल में पोटोंरिकों में जो नीति अपनाई गई है उसने लोगों का काफी ध्यान स्तिचा है. वहां नई पूंजी पर सरकारी टैक्स माफ कर दिये गए हैं और दूसरी अनेक सुविधाएं दी गई हैं जिन से बड़ी तेषी से औद्योगिक विकास होने लगा है."

षोटोंदिको अमरीका का एक गुलाम देश है. बाउल्स बाहते हैं कि हमारी सरकार न सिर्फ बुनियादी उद्योगों को अमरीकी पूंजीपितयों के हाथों में सौंप दे और बन्हें सलमाने ढंग से हिन्दुस्तानी मुजदूरों और हिन्दुस्तानी खरीदारों को खटने दे, बल्कि गुलाम पोटोंरिको की तरह खब पर टैक्स भी न लगाप.

वही वह बाउल्स साहब है जिनके मारत प्रेम से गद् गब् हो कर राजपाल भी प्रकाश ने कहा था कि उन्हें क्यादीका का नहीं, बल्कि भारत का राजदूत सममाना काहिये! سے کم جھاگی لی جالے گی ، نگی کمھٹی پر سرکار کا انڈسٹریز (قیرلیمٹٹ آنڈ ریکولیشن) ایکنٹ بھی گاو نک مرکا ،

آرر آخر میں سرکار نے یہ بھی مان لیا کہ اِس کارخانے میں صاف ہونے والا تھل اُسی بھاؤ پر بھتھا جائے کا جس بھاؤ پر باہر سے آنے والا صاف تھل یہاں بکتا ہے ۔ دیس کے اندر کارخانہ کہل جائے پر بھی خریداوؤں کو پہلے سے تہرزا بھی سستا تیل نہ ملیکا ،

اِس کے ماوہ جو دو ردیشی کمپنیاں (ایک انگریزی اور ایک امریکی) یہاں تیل صاف کرنے کے کارخانے کھولئے والی ھیں اُن کو بھی یہ ساری سوودھائیں ملینگی ،

أمريكي پونجي پاڻهوں كے اللج كي هد تهين

امریکی راج درت جسٹر باؤلس نے اِن سوردھاؤں کا ذکر کرتے ھولے لکھا ھے که ودیشی پرتجی کے بارے میں بیارتی نیٹاؤں کا رم بدل رہا ہے:

''' أن تهن تهل كى كمهلهوں كو' جو بهارت مهن تهل صاف كرنے كے كارخانے بنا رهى هيں' 25 سال تك راشترى كرن نه كرنے كا جو أشواسن أور جو دوسرے لائچ دے گئے ههن أن كى دو أيك سال بہلے كلينا بهى نه كى جا سكتى تهى !'' (امريكى يقر فارن انهرس مهن بركشت '' نوين بهارت'' شهرشك لهكه)

ان سودهاؤں سے بھی امریکی پوئٹھی پگھوں کو سنتوش نہھں ہے ، ندمے کے لائٹھی اور سامواج کے کھملائی جنتا پاتے میں' اتنی می آور مانکتے میں ، باولس مانکتے اسی لیکھ میں آئے فرماتے میں :

" بہت بے لولوں کی راہے ہے که دیشی اور ودیشی نئی پونجی لٹانے والوں کو آکرشت کرنے کے تئے بھارت سرکار ابھی اور لالچ دے سکتی ہے ، حال میں پورٹورکو میں جو نیتی ایٹائی گئی ہے اس نے لوئوں کا کافی دھیاں کی بینجی پر سرکاری ایکس معامد دیئے گئے میں اور دوسری انیک سوردھائیں دی گئی میں جور سے بچی تیزی سے ادبواک وکاس ہونے لگا ہے "

پرورتروکو آمریکہ کا ایک فلم دیش ہے ، باؤلس جاھتے ھیں کہ ھماری سرکار نہ صرف بنیادی آدیوئوں کو آمریکی پرنجی پتیوں کے ھانیوں میں سونٹ دے آور آنییں من مانے ڈھنگ سے ھندستانی مودوروں اور ھندستانی حریداروں کو لوٹنے دے ' بلکہ فلم پورٹورٹو کی طرح آن پر تیکس بھی نہ لکائے ،

یہی رہ باولس صاحب میں جن کے بھارت پریم سے کد کد مر کر راچ پال شری پرکافی نے نیا تھا کہ اُنہیں امریکہ کا نہیں' بلکہ بھارت کا راچ درت سمجھٹا جاھگے آ इसी झानून की धारा 511 (B) में तिखा है:

"किसी देश की आर्थिक या तकनीकी सहायता उस वक्ष्त तक न दी जायगी जब तक राजपित यह न समर्भे कि ऐसी सहायता देने से अनरीका की सुरद्या नीति मजबूत होगी....और जब तक मदद पाने वाला देश यह स्वीकार न कर ले कि दुनिया में तनाव के कारनों की दूर करने के लिये वह ऐसी कारवाई करेगा जो दोनों देश ज़रूरी समर्भे."

यह शतें पूरी हो जाने के बाद ही भारत को डालरों, खाद और अमरीकी गांव सुधारकों की मदद मिली है. पर पंडित नेहरू इनको भी शायद शतें नहीं मानते!

% % **%** %

तेल साफ़ करने के कारखाने

श्रव तेल साफ करने के उस कारखाने पर भी विचार कर लेना चाहिये जिस में श्रमरीका की स्टैन्डड वैकुश्रम श्रायल कम्पनी ने 1680 लाँख इपए की पूंजी लगाने का कैसला किया है.

भारत सरकार बहुत दिनों से इस नीति पर अड़ी हुई थी कि कम कि से कम बुनियादी और प्रमुख उद्योगों में अगर विदेशी पृंजी को आने दिया जायगा तो सिक्त इस शतं पर कि हिस्सेदारों में हिन्दुस्तानियों का बहुमत रहेगा. अप्रैल 1918 में भारती पार्लिमेन्ट ने यही नीति अपनाई थी.

पर जब तेल साफ करने के कारजाने खोलने की बातचीत शुरू हुई तो इस शर्त को भी भुला दिया गया भारत सरकार ने स्वीकार किया कि नई कम्पनी के केवल 25 की सदी हिस्से हिन्दुस्तानियों के हाथ में रहेंगे. यानी, नये उद्योग पर पूरा पूरा श्रमरीका वालों का नियंत्रन रहेगा.

भारत सरकार ने यह भी वादा किया कि 25 सात तक वह इस नये उद्योग के राश्ट्रीकरन की बात भी न करेगी और उसके बाद भी "उचित" मुआवजा देकर ही ऐसा किया जा सकेगा. ध्यान रहे, इसके पहले भारत सरकार ने राश्ट्रीकरन का सवाल केवल अगले दस साल के लिये टाल दिया था.

साथ ही अमरीकी कम्पनी को यह अधिकार होगा कि जब चाहे उद्योग को बन्द कर दे और अपनी पूंजी मय कमाए हुए मुनाफे के अमरीका उठा ले जाय. यानी अमरीकी पूंजीपतियों को हक होगा कि चाहें तो हमारे उद्योग को ठप कर दें, पर सरकार उसका राष्ट्रीकरन भी न कर सकेगी.

इसके अलावा भारत सरकार ने कई और असाधारन सुविधाएं नयी कम्पनी को देना स्वीकार किया. उसने माना कि कच्चे तेल पर चुंगी नहीं लगाई जायगी और नये कारकाने के लिये आने शाली मधीनों पर सरकारी नियम

\$ \$ \$

تہل ماف کرنے کے کارخانے

اب تیل ماف کرنے کے اُس کارخانے پر بھی وجار کر لیٹا جامئے جس میں امریکہ کی اسٹینڈرڈ ویکوم آئل کمیٹی نے 1680 لاکھ روپئے کی پوننجی نکانے کا فیصلہ کیا ہے۔

بھارت سرکار بہت دنوں سے اِس نفعی پر اُری ھوٹی تھی تھی دو اُری ھوٹی تھی کہ سے کم بغیادی آور پر۔کھ آدیواوں میں اگر ودیھی پرنتجی کو آنے دیا جائے گا تو صرف اُس ھرط پر که حصے داروں میں ھلاستانیوں کا بہومت رہے گا۔ اپریل 1948 میں بھارتی پارلیملت نے یہی بھتی آیٹائی تھی، پر جب تھل صاف کرنے کے کارخانے کھوللہ کی بات چھمت شروع ھوئی تو اِس شرط دو بھی بھلا دیا گیا ۔ چھمت سرکار نے سویکار کھا کہ دئی کمیٹی کے ٹھول کے کھول کے کھول کے دھول کے۔ بھٹی فیصدی میں رہیں کے۔ بھٹی کے دھول کے۔ بھٹی

بھارت سرکارنے یہ بھی رہدہ کیا کہ 25 سال تک وہ اس نگے آدیوگ کے راشتری کرن کی بات بھی نہ کریگی اور اُس کے بعد بھی '' اُچت '' معارضہ دے کو ھی ایسا کھا جا سکے کا ، دھیان رہے' اِس کے پہلے بھارت سرکارنے راشتری کرن کا سوال کیول اگلے دس سال کے لئے تال دیا تہا ۔

نئے اُدیوگ پر پورا پورا امریکه والوں کا تنه ترن رهے گا .

ساله هی آمریکی کمپلی کو یه آدههکار هوگا که جب چاه آدیوگ کو بلد کو دیے اور ایلی پوسجی معه کمائے مقافعے کے آمریکه آٹیائے جائے، یعلی آمریکی پونجی پتھوں کو حتی هوگا که چاهیں تو همارے آدیوگ کو تاہی کو دیں' پر سرکار آس کا راشگری کرن بھی به کو سکیگی۔

اِس کے علاوہ بھارت سرکار نے کئی آور اسادھارن سوودھائیں نئی کمپلی کو دینا سویکار کیا ، اُس نے سانا ،گھر کچے تیل پر چلکی نیوں لکائی جائے گی اور نیم کیے کارخانے کے لئے آنے والی مشیقوں پر سرکاری نیم

- (2) बनाज के दाम बहुत अबे लगा गए. 1950-51 में बसरीका में गेहूँ का भाव 73.9 डालर की टन बा. भारत से 105 डालर की टन बसल किये गए.
- (3) धगरचे भारत धनाज के पूरे दाम मय सूद के देने बाला है, फिर भी देश विदेश में प्रचार किया गया कि अमरीका ने रहम के मार भूके भारत को 'मदद के तौर पर' धनाज दिया है.
- (4) इस कर्जे के सम्बन्ध में भारत सरकार ने जो क्रानून बनाया, (इन्डियन इमेर्जेंसी फूड एक्ट) उसकी दूसरी धारा में साफ कहा गया कि अनाज की क्रीमत के एक हिस्से के एवज में क्रीजी नज़र से महत्वपूर्न करुचा माल भारत अमरीका को देगा.
- (5) हमारे खरीदे हुए अनाज के बंटवारे की देख रेख करने के लिये एक पूरा अमरीकी महकमा नई दिल्ली में खुल गया.
- (6) शर्त रखी गई कि कम से कम आधा अनाज अमरीकी जहाजों पर लाद कर ले जाया जाय. यह तय होना था कि अमरीकी जहाजों ने अपना किराया साढ़े 10 डाकर से बढ़ा कर 25 डालर की टन कर दिया. और चूंकि कियादातर अनाज अमरीकी जहाजों में ही लाया गया, इसिकिये केवल इस मद में भारत की साढ़े 14 करीड़ रूपए का मुक्कसान उठाना पड़ा.

बह राजकाजी शर्ते उपर से देखने में कुछ न थीं. पर सभी जानते हैं कि सितम्बर 1951 में, जब मारत सरकार ने अमरीका के तैयार किये हुए जापानी संधि के मसिबदे पर दस्तखत करने से इनकार किया तो यकायक अनाम का आना एक दम कम हो गया. यह बात भी मतलब से खाली नहीं है कि अमरीका के साथ भारत का पहला फीजी सममौता मार्च 1951 में हुआ.

ब्राम सधार के लिये मदद

भारत धमरीका तकनीकी सहयोग सममौते के मातहत भारत सरकार ने प्राम सुधार करने के लिये अमरीका से एक्सपर्ट. खाद, श्रीजार श्रीर बीज मंगाए हैं इस सम्बन्ध में अधिक कहने की जहरत नहीं है.

यह सब जानते हैं कि यह मदद भारत को अमरीका के आवसी सुरका क़ान्न के मातहत मिली है अमरीकी कांगरेस (पार्तियामेन्ट) ने इस क़ानून को किस मक़सद से बनाया है, यह क़ानून के ही शब्दों में सुनिये:

''कांगरेस ऐलान करती है कि इस क़ानून का मक़सद कंयुक्त राष्ट्र कमरीका की सुरक्षा नीति को मक्षवृत करना कीर इसकी बिदेशी नीति को कांगे बढ़ाना है, जिस के क्षिये मिन्न देशों को फौजी, काश्यक और तकनीकी मदद देने का प्रबंध किया जायग....." (आपसी सुरक्षा क़ानून की कारा 2) (2) اناج کے دام بہت اُرنچے لٹائے گئے ۔ 1950-51 میں امریکہ میں کیبرں کا بہاؤ 9 73 قالر فی تی تیا ہا۔ بیارت ہے 105 قالر فی تی وصول کئے گئے ۔

- (3) اگرچه بهارت اناج کے پورے دام معه سود کے دیئے والا ہے پهر بهی دیش ودیش میں پرچار کیا گیا کہ امریکه نے رحم کے مارے بهوکے بھارت کو قمدد کے طور پراالے دیا تھ .
- (4) اِس قرفید کے سمبقدہ میں بھارت سرکار نے جو قانوں بقایا (اِنڈین امرجیقسی فرڈ ایکٹ) اُس کی درسری دعارا میں صاف کہا گیا کہ اناج کی قیمت کے ایک حصر کے عوض میں فوجی نظر سے مہتو پورن کچا مال بھارت امریکہ کو دے گا۔
- (5) همارے خاریدے هوئے اناج کے باتوارے کی دیکھ رہے کو نے کے لگے ایک پورا امریکی مصکمہ باتی دلی میں کہل گیا .
- (6) شرط رکھی گئی کہ کم سے کم آدھا آناج آمریکی جہازوں پر لاد کو لے جایا جائے ، یہ طے ھونا تھا کہ آمریکی جہازوں نے اپنا کرایہ ساڑھے دس قالر سے بوھا کر 25 قالر فی تین کر دیا ، اور چونکہ زیادہ تر اماج آمریکی جہازوں میں ھی لایا گھا' اس لگے کیول اس مد میں بھارت کو ساڑھے چودہ کروڑ روپگے کا نقصان آٹھانا پڑا ،

یه راچ کاچی شرطین آوپر سے دیکھلے مھی کچھ تھ تھیں ، پر سبھی جانتے ھیں که ستمبر 1951 میں پہارت سرکار نے امریکه کے تھار کئے ھوئے جاپانی سلدھی کے مسودے پر دستخط کرنے سے اِنکار کھا تو یکایک آناج کا آنا ایک دم کم ھوگھا ، یہ بات بھی مطلب سے خالی نہیں ھے که امریکه کے ساتھ بھارت کا پہلا فوجی سمجھوته مارے 1951 میں ھوآ ،

كرلم سدهار كالكه مدد

یہارس امریکہ تکذیکی سہیوگ سمجھوتے کے مالحت بہارت سرکار نے گرام سدھار کرنے کے لئے امریکہ سے آئسپرسٹ کہاں ارزار آور بینے امتائے میں اس سمبلدہ میں کہانے کی فدرورت نہیں ہے ،

یہ سب جانتے ہیں کہ یہ مدد بھارت کو آمریکہ کے آپسیسوکشا قانوں کے مانتصعاملی ، آمریکی کانگریس (پارلهاملت) نے آس قانوں کو کس مقصد سے بھایا ہے ا یہ قانوں کے ہی شیدوں میں سلگے :

ور کانگریس اعلان کرکی ہے کہ اس قانون کا مقصد سلیکیت راج امریکہ کی سرکھا نیتی کو مضبوط کرتا اور اسکی ودیھی نیتی کو آئے بودانا ہے، جس کے لگے مقر دیھر کو قویتی، آرتیک آرر تکفیکی صدد دیلے کا دریفدہ کیا جائے تا۔..." (آیسی سرکھا قانون کی دعارا 2)

के यहां रहन होने के कारन हिन्दुस्तानी कम्पनी के हिस्से अन्तर राष्ट्री शेयर (Share) मार्केट में विकने लगेंगे और फिर एक दिन ऐसा भी आ सकता है कि पूरी कम्पनी विदेशियों के हाथों में चली जाय.

विश्व बैंक अनेक छोटे बड़े देशों को क़र्जा दे चुका है मगर इतनी शर्मनाक, ऐसी देश घातक शर्ते आज ही सुनने में आई हैं. और वह इमारी इस 'राश्ट्री' सरकार ने मानी हैं जिसके प्रधान मंत्री कहते हैं कि वह किसी शर्त को मानने के पहले इस्तीफा दे देंगे.

फहने की जरूरत नहीं कि इस्पात का उद्योग किसी भी देश की आर्थिक व्यवस्था में बुनियाद का काम करता है, उसके विदेशियों के हाथों में चले जाने देने का मतलब होता है देश की आजादी का स्नातमा.

* * *

. अनाज वाला कुर्ज

श्रव श्रमरीकी सरकार के दिये हुए उस कर्ज को लीजिये जो भारत सरकार ने गेहूँ खरीदने के लिये लिया था. लड़ाई के बाद से ही भारत हर साल करोड़ों डालर श्रमरीका से गेहूँ वगैरा खरीदने पर खर्च करता श्रा रहा है. 1949 में श्रनाज के बारे में देश की हालत कुछ विशेश खराब जान पड़ी तो भारत सरकार ने श्रमरीका की तरफ निहारा. वह 2 करोड़ 80 लाख मन श्रनाज श्रमरीका से लेना चाहती थी. पंडित नेहरू श्रक्तूबर में श्रमरीका की यात्रा को गए तो उन्होंने बार बार इस बात का जिकर किया. श्रमरीकी सरकार ने जवाब दिया—हां, श्रनाज मिल सकता है, मगर बदले में मैंगनीज और श्रवरक दोनों देने पड़ेंगे. दिसम्बर में भारत सरकार ने कुछ काम बनता न देख कर बातचीत बन्द कर दी.

पर 1950 में देश की हालत और बिगड़ती गई. जून में भारत सरकार ने कुछ ज्यार अमरीका से खरीदी. नवस्वर में उसने अनाज खरीदने के लिये अमरीकी सरकार से कर्ज मांगा. 15 दिसस्वर को श्रीमती पंडित ने बाकायदा 5 करोड़ 60 लाख मन अनाज उधार की मांग की. अमरीका के पास उस वक्षत 28 करोड़ मन सिर्फ फालतू गेहूँ मौजूद था. फिर भी उसने भारत की प्रार्थना को सुना अनसुना कर दिया. अमरीका की तरफ से कहा गया कि गेहूँ चाहते हो तो अपनी विदेशो नीति बचला और चीन के खिलाफ अमरीका का समर्थन करो. है महीने के बाद, जब अमरीका में बहुत शोर मचा, तब कहीं 15 जून 1951 को अमरीका ने मारत को कर्ज देना स्वीकार किया.

इस फ़र्जें के सिलसिले में नीचे लिखी वातें महस्वपूर्न थीं:

(1) यह कि जैसा भारत चाहताथा, उसे पूरा गेहूँ नहीं मिला. अनाज का काफी हिस्सा आर और मक्के का था. کے یہاں میں عولے کے کارن علامتائی کیلئی کے حصے انٹر وافقری غیر (Share) مارئیت میں بکٹے لکیلکے اور یہر ایک دس ایسا بھی آسکتا ہے کہ یوری کمپلئی ودیشوں کے عالموں میں جائے .

وشوبھنگ انیک چھوٹے ہوے دیشیں کو قرقہ دے 'چکا ہے مگر اِنٹی شرمناک' ایسی دیش گھانک شرطیں آپے ھی سفتے میں آئی ھیں ۔ اور وہ ھماری اِس راشگری' سوکار نے مانی ھیں جس کے پردھان مفتری کیتے ھیں کہ وہ کسی شرط کو مانٹے کے پہلے استعفیٰ دے دیس گے۔

کہتے کی فرورت نہیں کہ اسپات کا آدیوک کسی بھی دیھی کی آرتیک وہوستھا میں بنیاد کا کام کرتا ہے ۔ اُس کو ردیشوں کے ھانیوں میں چلے جانے دیتے کا مطلب ھوتا ہے دیھی کی آزادی کا خاتمہ ۔

اب امریکی سرکار کے دئے ہوئے اُس قرض کو لینچگے جو پہارت سرکار گھبوں خورددنے کے لئے لیا تھا ۔ لوائی کے بعد سے ھہبوت ہو سال کروزوں قالر امریکہ سے گھبوں وفھرہ خوردنے پر خورج کرتا آرہا ہے ۔ 1949 میں اناج کے پارے میں دیعی کی حالت کچھ وشیعی خواب جان پڑی تو پھارت سرکار نے امریکہ سے لیٹا چاھتی تھی ، پلڈت نہرو لکھور میں امریکہ کی بیاترا کو گئے تو آنہوں نے بار بار اکتوبر میں امریکہ کی بیاترا کو گئے تو آنہوں نے بار بار اس کا ذکر تھا ، امریکی سرکار نے جواب دیا حال اناج میں سیکٹھ اور ابرک دونوں میں سیکٹھ اور ابرک دونوں دیا ہوں کے دونوں دیا چوس کے دونوں دیا کو دونوں دیا چوس کے دونوں دیکھ کو بات چوست بلد کردی ،

پر 1950 میں دیش کی حالت اور بگرتی گئی، جون میں بھارت سرکار نے کچھ جوار امریکھ سے خریدی، نومبر میں اس نے آناے خرید نے کے نئے امریکی سرکار سے قرض مانع ، 15 دسمبر کو شریمتی پنقت نے باقاعدہ 6 کروڑ 60 کروڑ 82 کروڑ میں اناج اُدھار کی مانگ کی، امریکہ کے یاس اس وقت بھارت کی پرارتہا کو سفا ان سفا کر دیا، امریکہ کی طرب یہ کہا گیا کہ گھیوں جاھتے ھو تو اپنی ودیشی نیتی پیلو اور جھیں کے خلاف امریکہ کا سمرتین کرو ، جہ مہیلے پیلو اور جھیں کے خلاف امریکہ میں بہت شور مجان تب کہیں کے بعد جس امریکہ میں بہت شور مجان تب کہیں کے بعد جون 1961 کو امریکہ نے بھارت کو قرض دیانا سویکار

اس قرفے کے سلسلے میں تینے لکھی باتیں مہلاو غورن تھوں :

(1) یہ که جیسا بہارت جامتا لها' آسے بورا کیہوں نہیں ملا ، اناج کا کانی حصہ جوار اور مکے کا تھا ،

, de la 11

किया और लौटते हुए ऐलान कर गया कि भारत को इस्पात की सकत जरूरत है, इसका उत्पादन बढ़ाने के लिये सरकार ने जो योजनाएं बनाई हैं, वह इमें पसन्द हैं, इम बैंक से सिफारिश करेंगे कि इस काम के लिये कर्ज देना स्वीकार करे. कितना कर्जा मिलेगा, यह बात गोल रही. मगर किन शर्तों पर मिलेगा, यह बात लोगों ने समका, साफ हो गई. कहा गया शर्ते सिर्फ चार हैं:

(1) इस्पात बनाने वाले दो बढ़े भारती कारसाने— स्टील कार्पोरेशन आफ बंगाल और इन्डियन आइरन एन्ड स्टील कम्पनी—मिला कर एक कर दिये जायं; (2) देशी इस्पात के दाम बढ़ा दिये जायं; (3) नये कारसानों के लिये मशीनें अमरीका से सरीदी जायं; (4) भारत सरकार क़र्जदारों की जामिन बने यानी ज़िम्मेदारी ले कि विश्व बैंक का कपया इबेगा नहीं.

अतलब साफ था. दो कारखानों को मिला कर अमरीकी पूंजीपति हमारे देश में भी इजारेदारी या एकाधिकार कायम होने की क्रिया को तेज करना चाहते थे. देशी इस्पात के दाम बढ़ा कर वह विदेशी इस्पात के लिये हिन्दुस्तानी बाजार खोल देना चाहते थे. तीसरी और चौथी शर्तों का मक्रसद तो साफ था ही.

परंहमारी देशी सरकार ने एक एक कर के चारों शर्ते मान लीं.

अक्तूतबर 1952 में इस्पात के भारती कारखानों के मालकों बरौरा का एक मिरान अमरीका गया. उसने क्या शतें क़बूल कीं, किसी को पता न चला. अन्त में क्या भिल गया. विश्व बैंक ने 1570 लाख रुपए देने स्वीकार कर लिये. भारत सरकार ने एक आर्डिनेंस निकाल कर दोनों हिन्दुस्तानी कारखानों को एक कर दिया.

भांडा फूट गया

भांडा फूटना था सो फूट कर रहा. खुद अमरीका के मशहूर दैनिक पत्र 'न्यूयार्क टाइन्स' ने इस राज को खोल दिया कि ऊपर लिखी चार शतों के अलावा दो शतें और भी हैं: (i) यह कि कर्जे के पवज में हिन्दुस्तानी कम्पनियों की सारी असल सम्पत्ति—यानी मशीन, जमीन, मकान, जायदाद बरीराः—विश्व वैंक के यहां रहन या गिरवी रख दी आयगी; और (ii) यह कि कम्पनी की बाक्री सम्पत्ति पर भी विश्व बेंक का पहला इक् माना जायगा.

भारत के सबसे अधिक अमरीका परस्त अखवार, 'बाट' तक को इन रातों की निन्दा करनी पड़ी. उसने जिला है कि यह बड़ी ही अनुचित बात है कि भारत सरकार ने इन रातों को ऋबूल करने के पहले जनता से राब लेना फहरी नहीं समका और बाद में जान बूक कर कम पर पड़ी डाले रखा. 'बाट' ने लिखा है कि विश्व बैंक

کہا آور نوقعہ هوٹے اهائی کر گیا که بھارت کو اِسهات کی سخت ضرورت ہے ؛ اُس کا اُنہائی بوھائے کے لئے سرکار لے جو ہوجگائیں بھائی ہیں' وہ ہمیں پسٹد ہیں ؛ ہم بیلک سے سفارہی کویں گے کہ اِس کام کے لئے قرضہ دینا سویکار کرے ، کتا قرضہ ملیکا' یہ بات کول رہی ، مگر کن شرطوں پر ملیکا' یہ بات لوگوں نے سمجھا صاف ہوگئی ، کہا گھا شرطیس صوف جار ہیں :

(1) إسپات بنانے والے دو بولے بہارتی کارخانے ۔۔۔استھیل کارپرریشن آن بنال اور اِنڈین آئرن اینڈ اسٹیل کمیڈی ملائو ایک کر دئے جائیں؛ (2) دیشی اسپات کے دام بوہا دئے جائیں؛ (3) نئے کارخانوں کے لئے مشیقیں امریکہ سے خریدی جائیں؛ (4) بہارت سرکار قرضداروں کی شامن بندی دے داری کے کہ وشوبینٹ کا روبیہ قوبیکا نہیں ،

مطلب مان تها . دو کارخانوں کو ملا کر امریکی پوئنجی یکی همارے دیش مهی یهی اِچارے داری یا ایکدهیکار قائم هوئے کی کریا کو تیز کرنا جاهاتے تھے. دیشی اسهات کے دام بڑھا کو وہ ودیشی اسهات کے لئے هندستانی پازار کھول دیفا جاهاتے تھے ، تهسری اور چوتھی شرطوں کا مقصد تو صاف تها هی ،

پر هماری دیشی سرکار نے ایک ایک کرکے چاروں شرطیاں مان لیس .

اکٹربر 1952 میں اسپات کے بھارتی کارخانوں کے مالکوں وقیرہ کا ایک مشن امریکہ کیا، اُس نے تیا شرطیں قبول کیں، کسی کو یکہ نہ چلا ، انت میں قرضہ مل گیا ، وشوبھنک نے 1575 لائم رویئے دیئے سویکار کرنے ، بھارت سوکار نے ایک آرڈیفٹس نکال کر دونوں مفدستانی کارخانوں کو ایک کردیا ،

بهاندا بهوت کها

پھانڈا پہوتفا تھا سو پھوٹ کو رہا ، خود امریکہ کے
مشہور دیفک پتر 'نہویارک تائمس' نے اس راز کو کھول
دیا کہ اوپر لکھی جار شرطوں کے علاد دو شرطیں اور بھی
میں : (i) یہ کہ قولمہ کے عوش میں علادستانی
کیہلیوں کی ساری اصل سمیتی۔۔۔یعلی مشین' زمین'
مکان' جائداد وقیرہ۔۔۔وشوبیلک کے بہاں رہن یا گروی
رکھ دیی جائے گی؛ اور (ii) یہ کہ کمیلی کی باقی
سمیتی پر بھی وشوبیلک کا پہلا حتی مانا جائے گا ،

بھارت کے سب سے آدھک آمریکہ پرست اخبار 'تھات' تک کو اِن شرطوں کی نقد! کرنی پڑی ، اُس نے لکھا ھے کہ یہ بوی ھی انوچت بات ہے کہ بھارت سرکار نے اِن شرطوں کو قبول کرنے کے پہلے جفتا سے رائے لیفا ضروری نیمیں سمجھا اور بعد میں جان برجہ کر اُن پر پردہ قالے رکھا ، 'تھات' نے لکھا ھے کہ وشوبھلک

يهارك مهل أمريكي قدم

यह कर्ज़े हैं या गुलामी की जंजीरें ?

थोंड़े में, विश्व वेंक के क़र्जों के सम्बन्ध में नीचे लिखी बातें (र देशभक्त को ध्यान में रखनी चाहियें.

- (1) सूद को दर-4 की सदी-बहुत उंची है.
- (2) विश्व बेंक में भारत 40 करोड़ की पूंजी लगा चुका है, उसे देखते हुए क्रफों की रक्षमें बहुत जियादा नहीं हैं.
- (3) क्यों की रक्तमों को अमरीका में ही खर्च करना पड़ता है. ट्रेकटर, इंजिन, बिजली की मशीनें सब अमरीका या कनाड़ा से खरीदनी पड़की हैं. यानी इन क्रजों के जारिये अमरीका को अपना फालतू सामान और फालतू इंजीनियर इमरे मत्ये कड़ने में मदद मिलती हैं.
- (4) कोई क़र्जा भारत का उद्योगीकरन करने के लिये नहीं मिला. कर्जे केवल ऐसी योजनाओं के लिये दिये गये जिन से देश का उद्योगीकरन नहीं होता, बल्क हन कच्चे मालों की पैदाबार बढ़ती है जिनकी अमरीका को ज़रूरत है या जिन से अमरीकी माल को लाने और भारती कच्चे माल को ले जाने के लिये ज़रूरी यातायात के साधन सुधरते हैं.
- (5) यह कर्जें भी उस वक्त मिले जब भारत सरकार ने अमरीकी पूंजीपतियों की यह मांग मान ली कि इस साल तक किसी उद्योग धन्दे का राष्ट्री करन न किया जायगा और उनकी पूंजी के साथ देशी पूंजी जैसा ब्योहार किया जायगा.
- (6.) आखरी बात यह कि कज़ों के समभौतों के अनुसार विश्व बैंक को यह अधिकार दे दिया गया है कि वह अपने नुमाइन्दे भेज कर हमारी सरकार के हिसाब किताब की जांच करा सकता है, योजना की देख रेख करा सकता है और जो माल कज़ों की रक्तमों से खरीदा जाय उसकी जांच करा सकता है. कहने की जरूरत नहीं कि अमरीका वाले इस अधिकार का पूरा पूरा उपयोग कर रहे हैं.

पर विश्व-बैंक के भी पुराने सारे कारनामे मात हो गए, जब हाल में इन्हियन आइरन एन्ड स्टील कम्पनी को दिये गये 1575 लाख के कर्जों की शर्ती का भांडा छूटा.

इस जान बूक्त कर "भांडा फूटा" शब्दों का प्रयोग कर रहे हैं क्योंकि भारत सरकार ने श्रपनी पूरी ताक़त लगा कर इब शर्तों को भारती जनता से छिपाने की कोशिश की थी.

पिछले जून के महीने में मिस्टर जार्ज डी० बुड्स के नेर्ट्स में विरम बैंक का एक तकनीकी मिशन भारत त्राया था. उसने हमारे लोडे और इस्पात के कारखानों का दौरा

يه قرفيهين يا فلاسي كي زنجيدين ؟

تہروے اُمِھن والوہینگ کے قرفوں کے سمھلدھ میں نیجچاﷺکھی ہاتھی ہو دیش بھکت کو دھیاں میں رکھتی جاھائے :

- (1) سود کی در-4 لی صدی-بهت اُونچی هے .
- (2) رشربیفک میں بھارت (4) کررز کی پرنجی لگا چکا ہے' أبید دیکھتے هوئے قرضوں کی رقمیں بہت زیادہ نہیں میں ،
- (3) قرفوں کی وقموں کو امریکہ میں ھی غربے کونا پرتا ھی، تریکگرا انجین بجلی کی مشیقیں سب امریکہ یا کفاڈا سے خریدنی پرتی ھیں، یعقی ان قرفوں کے ذریعے امریکہ کو ایفا فالتو سامان اور فالتو انجیلیم ھیارے متھے موقعے میں مدد ملتی ہے ۔
- (4) کوئی قرف بھارت کا اُدیوئی کون کرنے کے لئے نہیں ملا ۔ قرفے کہول ایسی یوجڈاؤں کے لئے دئے گئے جوں سے دیش کا اُدیوئیکون نہیں ہوتا کا بلکہ اُن کنچے مالوںکی پیداوار بوھٹی ہے جن کی امریکہ کو ضرورت ہے یا جن سے امریکی مال کو لانے اور بہارتی کنچے مال کو لے جانے کے لئے ضروری یاتایات کے سادھی سدھرتے ہیں ۔
- (5) یہ قرضہ بھی اُس ولت ملے جب بھارت سرکار نے امریکی پہنچی پھھوں کی یہ مانگ مان لی کہ دس سال تک کسی ادیوگ دیشی کرن نہ کھا جائے کا اور اُن کی پونجی کے ساتھ دیشی پونجی جھسا بھوھار کیا جائے گا .
- (6) آخری بات یہ کہ قرضوں کے سمجہوتوں کے انوسار وہوپھلگ کو یہ ادھیکار دے دیا گیا ھے کہ وہ آھے تمائلدے یہوچ کو ھماری سرکار کے حساب کتاب کی جانچ کراسکتا ھے، یوجٹا کی دیکھ ریکھ کراسکتا ھے، کہتے رقموں سے خریدا جائے اُس کی جانچ کراسکتا ھے، کہتے کی ضرورت نہیں کا امریکہ والے اس ادھیکار کا پورا پورا کیور کیوگ

پر رشورہلک کے بھی پرائے سارے کارنامے مات ھوکئے' جب حال میں اِنڈین آئرن ایلڈ اسٹیل کمھٹی کو دئے گئے 1575 لائو کے قرضے کی شرطوں کا بھانڈا پھوٹا،

هم جان ہوجہ کو ''بھانقا پھرتا'' شیدوں کا پرپوگ کو رہے ھیں کھونکہ بھارت سرکار نے اپنی پوری طاقت لگائر ان شرطوں کو بھارتی جلگا ہے جھپانے کی کوشص کی تھی .

پچھالے جرن کے مہیائے میں مسالر جارج ڈی، وڈس کے نمازتو میں وشوبیلک کا آیک تکلیکی مشن بھارت آیا تھا، اُس نے عارفانیں کا صورہ تھا، اُس نے عمارے توقد اُرر اِسهات کے کارفانیں کا صورہ

''यह बात बाज भी लोगों के दिमारों में ताला है कि 1943 की सत्यानाशी बाढ़ ने किस तरह मैन्ड ट्रंक शेड श्रीर हैस्ट हृन्डियन रेलवे को तोड़ डाला था, और पूर्वी भारत को बाक़ी देश से काट विया था, और इस तरह, लड़ाई के प्रमाने में एक बहुत ही नाजुक मौक़े पर देश रचा की उयबस्था के रास्ते में मुश्किलें पैदा कर दी थीं. सैनिक विशेषक्रयों के अनुसार, अकेली इस बाढ़ के कारन पूरे क्कः महीने तक बर्मा के मोर्चे पर फौजी कार्रवाइयां रुकी रही थीं."

बास्तव में, 1943 में ही चर्चिल सरकार ने दामोदर घाटी का बांघ बनाने का फैसला कर लिया था. जवाहरलाल जी की सरकार केवल उसका अनुसरन कर रही है!

मगर दामोदर घाटी योजना का फौजी महत्व इतना ही नहीं है, उपर लिखे प्रकाशन में आगे लिखा है:

"यह सब की जानी हुई एक साधारन बात है कि किसी देश की निहित सैनिक शक्ति सब से अधिक कीयला, लोहा और इस्पात, अल्मुनियम, और कै-िकलों वरीरा के सास उद्योगां पर निर्भर करती है. दामोदर घाटी में यह सास पदार्थ बहुतायत से पाए जाते हैं. इसिवये, लाजिमी तौर मर वह घाटी देश रक्षा के लिये आवश्यक अधिकतर डहोगों का केन्द्र बन जायगी, सच तो यह है कि इसे भारत का भावी जनवादी 'शस्त्रागार' समभता चाहिये."

लेकिन इस पूरी योजना में सब से पहले बांध बनाने. या सिचाई को व्यवस्था करने का काम नहीं ग्रुक किया गया. ग्रह्मचात हुई विजली की कल खड़ी करने सं, दशैंकि इसे विश्व-बेंक ने सहारा देने की कुपा का.

18 अप्रैल 1950 को एक क़र्जे के समफौते पर दस्तखत हो गए उसकी 11 वीं धारा में कुछ शतों का जिक था जिनके पूरा होने पर ही क़र्ज़ा मिल सकता था वह शर्ते भी 2 फरबरी 1951 तक पूरी कर दी गई

बिजली की कल के लिये सामान अमरीका की इन्टर नेशनल जनरल इलैक्ट्रिक कम्पनी से मंगाया गया और उसे खड़ा करने का ठेका अमरीकी कम्पनी कुलजियान कार्पेरिशन को सौंपा गया. रुपया जहां से आया था, वहीं पष्टंच गया !

यही नहीं, हर दो महीने के बाद बैंक के प्रतिनिधि साकर जांच कर जाते हैं कि भारत सरकार ठीक ठीक काम कर रही है या नहीं. अगस्त 1950 और मई 1951 के बीच तीन ऐसे कमरीकी विशेषक आए. उनके नाम थे: कार्ज बरजोस, एल. घे मार्शल और जनरल व्हीलर,

.इसके बलावा एक बमरीकी इंजीनियर पूरी योजना का प्रमुख नियुक्त किया गया है, उसे दस इकार कपए से क चिक् मासिक तनका मिसती है।

الم الله الله الله المن الوقيل كي عمالون مين الله في كه 1943 كن ساهاناهي بازه ۾ کس طرح الويلة ارنگ روة اور لیست انگین ریلوے کو تور ڈالا تھا' اور ہورہی بھارت کو باقی دیش سے کات دیا تھا' اور اِس طرم ' لوائی کے ہمانے مہی آیک بہت ہے نازک موقعے پر دیش وکشا کی ورستها کے راستے میں مشکلیں ہیدا کر دی تھیں، سیلک وشهشگهوں کے انوسار اکھائی اِس باڑھ کے کارن پورے جه مہیلے گک برما کے مررچے پر فوجی کاررواٹھاں رکی رهی تههن "

واستو میں' 1943 میں ھی چرچل سرکار نے دامودر کہائی کا باندھ بقالے کا فیصلہ کر لیا تھا ۔ جواہر لال جی کی سرکار کھول اُس کا انوسری کو رھی ہے!

معر دامودر كهاتي يوجفا لا فوجى مهعو أنفأ هي نههن هے . أوبر لكه بركاشن ميں أكب لكها هے :

27يء سب کي جاني هوڻي ايک سادهارڻ بات ۾ که کسی دیش کی نہت سیلک شکدی سب سے ادمک کہلکہ لوھا آور اسپات آلمونیم اور کیمیملوں وفیرہ کے خاص ادبيواين يو نربهر درتي ها . دامردر گهاڻي مهن يه حاص يدارته بهتائت سے يائہ جاتے هيں، اِس ليم الزمي طور يو یہ گھائی دیھی رکھا ہے لگے آرشیک ادسکتر ادیرڈوں کا کهدر بن جائے کی . سے ہو یہ ہے ته أسے بھارت کا بھاری جوروادى اسشتراكارا سمنجهدا چادكيا

لیکن اِس پوری پوجلا میں سب سے پہلے ہاندھ بقائے یا سیقجائی کی ویوستها کرنے کا کام نیهن شروع کیا گیا ، شرومات هوئی بجلی کی کل کهری کرنے سا کیونکه اسے وشوبھلک نے سہارا دیائے دی کریا دی .

18 ایریل 1950 کو ایک قرضے کے سنجھورتے پر دستخط مركثي أسكى 11 مرين دعارا سين كجه شرطون كا ذكر تها جن كے پرائے هوئے يو هي قرضه مل سكتا تها . وہ شرطیں بھی لا فررزی' 1951 تک پرری کردی گئیں ،

ہملی کی کل کے لگے سامان امریکہ کی انڈرنیشلل جفرل الكَدّرك كميفي سے مفكايا كها اور اسے كهوا كرنے كا تهیکه امریکی کمهلی کلتجیان کا رپوریشن کو سونها گها ، رویهه جهان سے آیا تهاکوهین پهلیج گها!

یہی نہیں، هر در مہیئے کے بعد بیٹک کے پرتی ندهی آکر جانے کر جاتے هیں که بهارت سرکار تهیک تهیک کام کر رهی هے یا نہیں ، آگست 1960 اور مکی 1951 کے بدی تمن ایسے امریکی وشیشگ آنے . آن نے نام تھے: بعارے پرجوس ایل کرے مارشل اور جارل هويلر اِس کے علوہ ایک امریکی انجہدیر پوجدا کا پرمکہ

نیکت کیا گیا ہے۔ آنے مس مزار رویکے سے ادھک ماسک تلصراه ملتي هـ !

11-11-

चाहिये. 18 धामस्त 1949 की बैंक ने भारत की 340 लाख बालर का जो कर्ज दिया है, उसका यही उदेश्य है......

"भारत सरकार ने बैंक के सामने रेल के इंजिन बनाने की भी एक योजना रखी बी. हमारे सलाइकारों ने इसका सक्त, बिरोध किया....."

यानी, ऐसी कोई योजना जिसे भारत खुद अपनी प्रहरत की चीजें बनाने लगे और औद्योगिक नजर से स्वतंत्र हो जाय, विश्व-बेंक के अमरीकी आक्राओं को मंजूर न थी. पहले कर्जे के साथ साफ साफ यह शर्त लगी हुई थी कि उसका कोई हिस्सा इंजिन बनाने पर सर्च न किया जायगा.

टैक्टर ख़रीदने के लिये कुर्ज़

विश्व बैंक से मिलने वाला दूसरा कर्जा भी किसी श्रीचोगिक योजना के लिये न था. इसका उद्देश्य यह था कि कांस हटा कर परती जमीन तोड़ ने के लिये भारत सरकार श्रमरीकी ट्रैक्टर खरीद सके.

असल में, इस क़र्जें के मिलने के बहुत पहले से भारत सरकार कांस इटा कर परती जमीन जोतने की योजना बना रही थी. यह क़र्जा तब मिला जब मेजर जे. एच. कीनार्स नामी अमरीकी भारत सरकार के ट्रैक्टर विभाग का प्रमुख नियुक्त किया गया. क़र्जा मिल जाने के बाद मेजर कीनार्स ने भारत सरकार की नौकरी छोड़ दी और उनको बैंक की खोर से कांस योजना की देख रख करने वाले इंजीनियर के रूप में नियुक्त कर दिया गया; और उस समय से ही धड़ाधड़ इस विभाग में खमरीकियों की भरती होने लगी.

ध्यान देने की बात है कि यह क़र्ज भी द्रैक्टर बनाने के ज़िये नहीं, बल्कि महज 180 ट्रैक्टर खरीदने के लिये दिया गया था और यह ट्रैक्टर भी सिर्फ अमरीका से ही खरीड़े जाने वाले थे!

विजली कल बनाने के लिये कर्ज़

तीसरा क्रजी 18 अप्रैल 1950 को दामीदर घाटी योजना के मातहत बोकारो कोनार की विजली की कल खड़ी करने के जिये दिया गया. सरकारी प्रचारक कहते हैं कि दामोदर घाटी योजना का उदेश्य "बाढ़ को रोकना और बड़े पैमाने पर सिचाई का प्रबंध करना है." लेकिन दामोदर से कहीं अधिक भयंकर और सत्यानाशी बाद हर साल कोसी में आती है जिससे पूरा उत्तरी बिहार चौपट हो जाता है. किर दामोदर नदी की बांधने की ही इतनी क्या जल्दी थी दामोदर घाटी कार्योरेशन का एक प्रकाशन उत्तर देता है:

چاھئے۔ 18 اکست 1949 کو بیلک نے بہارت کو <u>340 ہے</u> لاکھ ڈالر کا چو قرض دیا ھے' اُس کا یہی ادیش

''یہارت سرکار نے بیلک کے سامنے ریل کے انجن بٹانے کی بھی ایک یوجنا رکھی تھی ، ھمارے صلحکاروں نے اِس کا سبطت ورودھ کیا'''

یعلی ایسی کوئی یوجلا جس سے بھارت شود ایلی فرروت کی چھڑیں بلالے لکے اور اودیوکک نظر سے سوتلار ھو جائے و شوبھلک کے امریکی آفاؤں کو منظور نہ تھی ا پہلے فرضے کے ساتھ ساف ساف سے شرط لکی ھوٹی تھی ا کہ اُس کا کوئی حصہ انجوں بنائے پر شرح نہ کھا جائے گا۔

تربیکٹر خریدنے کے لئے قرض

وشوہیلک سے ملئے والا دوسوا قرضہ بھی کسی اودیولک ہوچٹا کے لگے نہ تھا ۔ اِس کا اُدیش یہ تھا کہ کانس ھتا کو پرتی زمین تور نے کے لگے بھارت سرکار امریکی قریکتر شوید سکے ۔

اصل میں' اِس قرضے کے ملئے کے بیت پہلے سے
بھارت سرکار کانس مگا کر پرتی زمین جوتئے کی بوجئا
جھا رھی تھی، یہ قرضہ تب ما جب مهجر جے، آبھے
کوئرس نامی امریکی بھارت سرکار کے تریکٹر وبھاگ کا
پرمٹھ نہوکت کیا گیا، قرضہ مل جائے کے بعد مهجر
کوئرس نے بھارت سرکار کی نوکری جھوڑ دی اور اُن کو
بھٹک کی اور سے کانس یوجئا کی دیکھ ریکھ کرنے والے
انجھٹلیر کے روپ میں نہوکت کو دیا گھا؛ اور اُس سہ سے
انجھٹلیر کے روپ میں نہوکت کو دیا گھا؛ اور اُس سہ سے
می دھوا دھو اِسوبھاگ میں امریکھرں کی بوتی تریکٹر
میان دیئے کی بات ہے کہ یہ قرض بھی تریکٹر
بھائے کے لئے نہیں' بلکہ محض 180 تاریکٹر خریدئے کائے
دیا کیا تھا اور یہ قریکٹر بھی صرف امریکہ سے ھی خریدے
خوائے والے تھے۔

ہجلی کل بقالے کے لیے قرض

تهسرا ترضه 18 اپریل 1950 کو دامودر کهائی یوجها کے مانعصت بوکاررکونار کی بجلی کی کل کھڑی کرئے کے مانعصت بوکاررکونار کی بجلی کی کل کھڑی کرئے کے آئے ذیا گیا ۔ سرکاری پرچارک کہتے ھیں که دامودر گهائی "پوجها کا ادبیض "بازه کو روئها اور بوے پیمائے پر سیاجائی کا پریددہ کرنا ہے۔" لیکن دامودر سے کہیںادھک بھیلکر اور سعیاناشی باوہ ھر سال کوسی میں آئی ہے جس سے پروا گونی بہار چوہت ھو جاتا ہے ، پھر دامودر ندبی کو شیافت ہے کی دامودر کھائی کی دی ادبی کو خاتوں کہا ہے۔ اور دیتا ہے :

इसके मंसावा हाटा शहरो-इसैक्टिक कम्पनी को 720 काल रुपय और खुद भारत सरकार की इस्पात का कारकामा कीलमे के किये भी विश्व वैंक से एक काफीं बड़ी रक्रम कर्ष भिक्षने वाली है.

6. अमरीकी सरकार से आई मदद

न्यूचुचत सिक्योरिटी एक्ट (बापसी सुरक्ता क्रानून) के मातहत तकनीकी सह बोन समगीते के अनुसार क मक्द मिली है.

रक्रम (जाज रुपप्) 1. 5 जनवरी, 1952 2560 3 नवस्वर, 1952 2270

4830

इस तरह भारत में .लगी कल प्राइवेट अमरीकी पंजी 54 करोड़ 60 लाका क्पए की होती है, और अमरीकी सरकार और अन्तर राष्ट्रीय कहताने वाली अमरीकी संस्थाओं से भारत ने 1 अरब 65 करोड़ 25 लाख रुपए क्रज क्रिये हैं; और अमरीकी सरकार ने हमें 48 करोड़ 30 जाना रुपए की मदद दी है.

इसका मतलब है कि प्राइवेट अमरीकी पुंजी का अभी इतमा महत्व नहीं है जितना सरकारी और अंघ सरकारी क्रफी और मदद का है. इसके कारन पर हम बाद में तौर करेंगे. पहले वेसाना चाहिये कि यह कर्ज ,धौर मदद हमें किन दालीं पर मिस्री है.

इंजिन खरीवने के लिये कुर्ज़

मिसास के किये, बिरव-बैंक के क़र्जों को सीजिये. भारत सरकार ने कई बार बिरव-बैंक की दरखास्तें वी कि उसे नये, विरोध कर, भारी बचोग स्रोसने के लिये कर्ज दिया जाब. तेकिन हर बार उसकी दरखास्त नामंजूर कर दी गई. भारत सरकार ने रेलवे इंजिन बनाने का कारेखाना स्रोतने के किये कर्ज मांगा. उस पर भी इनकार हो गया. बैंक ने कांक बाक कहा : इंजिन खरींचने के लिये इस कर्या दे सकते हैं, बबाने के सिये नहीं! साचार, इसारे नेताओं ने इसी वर सन्तोख किया, 23 जकत्वर 1949 को विश्व वैक के कार्याची काराक, जिस्टर ई. बार. ब्लैक ने भारत को किने गर्वे पाने क्रमें का येक्सम करते हुए एक क्यान से कहा :

' बोबे सें में, हवारे सवाहकारों ने सिकारिश की कि वेंच को समरीका और कमाना से 660 देश के इंजिन और अस्तार अर्थे और नामकर संमाने के विने क्रफा दे देना

انس کے خلاوہ ٹائلمائڈیور الفائرنس کیلیٹی کو 720 اللہ رویکہ اور شود بھارت سرکار کو اسهات کا کارشانہ کھولنے کے لگے بھی وشہیملک سے ایک کافی ہوی رقم قرض مللہ والی ہے۔

6. امریکی سرکار سے آئی مدد

مهوچول سیکورٹی ایکت (آیسی سرکھا قانون) کے ماتصت عکلیکی سہورک سنجھوتے کے انوسار یامدد ملی

> بر ناویخ 5 جاوری 1952 2560 7070 رتم (الكه رويقي) 2. 3 نومبر 1952 2270

> > 4830

إس طرح بهارت مهن لكى كل براثهويت أمريكي پرنجی 54 کرور 60 لاکه روینے کی هوتی هے، اور امریکی سرکار اور انگر راشگری کہلائے والی امریکی سفستهاؤں سے بہارس نے 1 ارب 65 کرور 25 لاکھ رویکے قرض لکے میں ؛ اور امریکی سرکار نے همیں 48 کرور 30 لائھ روپکے کی مدد

اِس کا مطلب ہے کہ پراٹھویٹ امویکی پونچی کا ایهی اتفا مهتونهیں ہے جتنا سرکاری اور ادهسرکاری قرضوں اور مدد کا ہے۔ اِس کے کارن پر ہم بعد میں فور کریں گے ۔ پہلے دیکھٹا جاھگے که یه قرض اور مدد عمیں کی شوطوں پر ملی ہے .

انجی خریدنے کے لگے قرض

مٹال کے لئے' وشوہقیک کے قرضوں کو لیجٹے ، بھارت سرکار نے کئی ہار وہوہیدک کو دوخواستیں دیں کہ آسے نائے وشیعی کر بہاری ادیوات کمولقے کے لائے قرض میا جالے ، لیکن هر بار اُس کی درخواست نامقطور کردی کئی . بھارس سرکار نے ریڈوے انصن بغانے کا کارخانے کھولئے کے لگے قرض مانکا ، اُس پر بھی انکار ہوگھا ، بھلک نے ماف ماف کیا ؛ انجی خریدلے کے لئے هم قرض دیے سکتے میں بتانے کے لگے نہیں الہار مبارے نفااوں نے اسی پر 'سنتوس کیا .. 23 انتوبر 1949 کو وشربهنک کے امریکی آدھیکس مسار کی، آو، بلیک نے پھارت کو دیئے گئے چہاں قرض کا آعان کرتے عوالہ ایک بیان میں کیا ا

وانہوں ہے مین ممارے صلح کاروں نے سفارش کی کا بيلك كر أمريكه أور كفاقا به 650 ريل كم أنجي أور يهاك يوان أور باليلو منافي كالكر الرق الدي دية

8. 1948 श्रीर 1951 के बीच आने वाली अमरीकी पूजी

पिछली 12 जून 1952 को आरत की पार्लिमेन्ट में व्योपार मंत्री में बताया कि 1948 से से कर 1951 तक, चार बरस में, 821 लाख क्पर की अमरीकी पूंजी भारत में बाई.

4. 1952 में आने वाली अमरीकी पूंजी

पूरे बांकने अभी नहीं मिल सकते, सैंकिन इतना सब को मासूस है कि इस साल अमरीका की स्टैन्डर वैकुधम आयल कम्पनी को बम्बई में तेल खाक करने का कारलाना खोलने के लिये 1680 लाख इपय की की पूंजी लगाने की इजाजत मिल चुकी है और काब्हिक्स कम्पनी को भी इसी तरह की इजाजत मिलने बाली है.

8. 1948 اور 1951 ك مع آيوالي أمريكي پيتسي

بچہاں 12 جربے 1952 کو بھارت کی ہارلیمانت میں بھروار منتیں نے بتایا کہ 1948 سے لے کر 1951 تک' جار برس میں' 321 لکہ روہائے کی امریکی پرنجی بھارت میں آئی ۔

عز 1962 میں آئے والی امریکی پرنجی

پورے آنکوے ابہی نہیں مل سکتے کی انتا سب کو معلوم ہے کہ اِس سال امریکہ کی اسٹیلقرۃ ویکوم آئل کمپلئی کو بمبلی کو بمبلی کو بمبلی میں تیل صاف کرنے کا کارخانہ کمولئے کے لیے 1680 لاکھ رویگے کی یونجی لکانے کی اجازت مل جکی ہے آور کارتیکس کمپلی کو بھی اِسی طرح کی اجازت مللے والی ہے ،

 अमरीकी सरकार और अन्तर राष्ट्री सस्थाओं से क्षिया गया क्षर्ज امریکی سرکار آور انعر راشتری سنستهاوں سے لیا گیا ترش آریکی سرکار آور انعر راشتری سنستهاوں سے لیا گیا ترش آریکی سرکار آور انعر راشتری سنستهاوں سے لیا گیا ترش

| | | रक्रम (लाख | 5 精育年4 | |
|---|------------------------------|--|---|---|
| संस्था रिक्रमान | तारीख ڪن) ¹ 3 | कपए में) कपए में) क्प्रें) (एक्ट क्प्रें) | मक्रसद् | स्य की दर |
| इन्टरनेशनल मौनिटरी फ़न्ड या विश्वकोष. انگرنیمدل مونیگری فلق یا رهو کوهی . | 1948-49 | 2740 | अमरीका, कनाडा वरौरा डालर वाले देशों से माल मंगाने के लिये امروعه' کنادا رفهره دالر والے دیشوں سے مال مدیا کے لکے | 1/2% से ग्रुट्स कर के 4% तक बदवी जायगी کرکے 1/2% سے دروع کرکے 44 تک برمعی |
| 2. विश्ववैक شو بینک | चगस्त 1949 الست | 1700 | रेल के इंजन सारीदने के सिये یل کے انجی غرید کے لکے | واله كى 4 फीसरी 4 فيصدى |
| 3. | सितम्बर 1949 | 481 | काँस हटा कर परती जमीन तोड़ने के | सादे तीन कीसदी |
| 4. | बार्येत 1950 बार्येत 1950 | 890 | लिये द्वीर्ट हुंग्वर किला है। हिन्स हिन्स हिन्स हिन्स हिन्स हिन्स हिन्स हिन्स है। हिन्स हिन्स हिन्स हिन्स हिन्स हिन्स हिन्स है। हिन्स हिन्स हिन्स हिन्स हिन्स हिन्स हिन्स हिन्स है। हिन्स है। हिन्स है। हिन्स हिनस हिन्स हिन् | क्ष्या क्ष्य क्ष्य कार्य य कीसरी क्ष्या 4 |
| 5. अमरीकी सरकार | जून 1951 | 9139 | बमरीकी गेहूँ सरीदने के लिये | ढाई कीसवी |
| أمريكي سركار 6. विरथ वैंक | क्ष्म 1952 | 15 75 | देश है है अपने जिल्ला किया किया किया किया किया किया किया किय | قعالى فيصدي |
| رغر بينک | فسمهو | - | انڈین آلرن اینڈ اسٹیل کمھٹی کو دیا قیا قرض | -4 |
| *** | जोक् | 16525 | 344 |) |

मारत में सागी हुई अमरीकी प्ंजी 1948 में

(1) सीघें लगाई गई पूंजी

| | नास रपप |
|---|--------------|
| कल कारखाने (जूट मिले चौर पेट्रोंस | |
| के विपी) | 559 |
| यातायात, पानी कर्ते, विजली की कर्ते वरी | T 36 |
| बैंक बरीरा | 192 |
| फुरक्र | 301 |
| • | |
| , जोब् | 1132 |
| (ii) दूसरी तरह लगाई गई पूंजी | |
| षमीन, जागीर, ट्रस्ट बरौरा | 233 |
| सरकारी और अध सरकारी हुन्डियां | 96 - |
| जमीन, सकान बरौंरा | 47 |
| जमा गरीरा | 159 |
| জীৰ | 535 |
| (iii) प्रामिक और शिक्स सम्बन्धी संस्था | t 658 |

(यह आंकड़े बम्बई के 'कामर्स' नामक पत्र के 10 जुलाई 1948 के अंक में प्रकाशित हुए थे जो उसने अमरीकी सरकार द्वारा प्रकाशित विदेशों में लगी हुई पूंजी की गिनती की रिपीर्ट से किये के.)

1948

आरती रिफर्क बैंक ने विदेशी पूजी की गिमती कर के जो रिफोर्ट 30 जून 1948 को प्रकाशित की थी, उसमें आरत में सगी अमरीकी पूंजी के बारे में नीचे तिसे आंकड़े दिवे गये हैं:

(1) तम्बे अरसे के तिये

| • | _ , | , , |
|--------------------------|-----------------|--------------------|
| | (सास दपप) | |
| काम | ऐसी पूंजी जिसका | ऐसी पूंजी जिसक |
| | काम उद्योग पर | उद्योग पर नियंत्रन |
| • | नियंत्रन है | नहीं है |
| वंश कारकाने | 20 | 493 |
| ब्योपार | 34 | 484 |
| क्योपार सार्वजनिक हित | के व्यवसाय 1 | • • • |
| बात्यानात | 1 | 2 |
| बावे | 18 | |
| वान | 2 | 694 |
| पुटकर | 30 | 38 · |
| wite. | 106 | 1711 |
| (2.) बोबे | परसे के लिये | 1642 |
| the same of the | क्रम जोस | 3459 |

بھارت میں لکی ہوئی آمریکی پرنجی 1948 میں .

(i) سيده لائی ککی پرلجی .

| 43) 453 | |
|-----------|-------------------------------------|
| 559(3 | کل کارخانے (جوٹ ملیں اور پاکرول کے |
| وهرد 36 | ياتاياس باني كلين بجلي كي كلين |
| 192 | يهلك وفهزة |
| 301 | يهثكر |
| | |
| 1132 | 329- |
| ي | (ii) درسری طرح لگائی گئی پرنجو |
| 238 | ومهني جاكهرا ترست وفهره |
| 96 | سرکاری آور ادم سرکاری هلتیاں |
| 47 | ومهن مكان وقيرة |
| 159 | |
| | لجمع وفهرة |
| 535 757 | į |
| 658 Mist. | Astroniaca L. C. I 1995 |

(iii) دهارمک ارز فکشا سیلدهی سلستهالهی (iii

کل جرز (یہ آنکوے بمیٹی کے ' کسوس ' نامک یعر کے 10 جوائی 10 ایک میں پرکاشت ہوئے تھے جو اُس نے امریکی سرکار دوارا پرکاشت ودیشیوں میں لکی ہوئی پرنجی کی گلتی کی رپررٹ سے لئے تھے ،)

بہارلیہ رزرربھلک نے ودیشی پرنجی کی گلعی کو کے جو رپرت 30 جوں 1948 کو پرکاشت کی تھی اس میں بہارت میں نعجے لکھے

آنکوے دیکے گئے میں ا

(1) لمعبر عرصہ کے لگے (3کھ روپائٹ) ایسی، پرنتجی جسکا ایسی پرنتجی جہ

| ایسی پرنتهی هستا آدیوک پرنیفترن | کام ایسی، پرنتجی جسکا اُدیوک پر تهلندرن | |
|------------------------------------|--|---|
| نېدر <u>ه.</u> 493 484 | عل كارخاني 20 عوباد علي 34 | , |
| 2 694 38 | ار جلک هتاکے نیوسائے آ الایات ابانیں ابانیں ابنک رفیرہ ابنک رفیرہ | 1 |
| 1711 | 106 1642 1 1 2 (2) 3459 39 31 (2) | • |

A 153

*53 Jane

भारत में अमरीकी क्रदम بهارت میں امریکی قدم

(भोम प्रकाश संगल)

बभी दो महीने भी नहीं हुए कि भारत वासियों को अखबारों में बपने प्रधान मंत्री का नीचे लिखा बयान पढ़ कर बड़ी खुशी हुई थी. लखनऊ के एक प्रेस सम्मेलन में वंडित जी ने फरमाया था:

"यह सरकार अगर हमें मदद देने वाली किसी विदेशी सरकार के दबाब के सामने मुक्तने लगेगी और जनता को भी ऐसी मदद स्वीकार करने पर मजबूर करेगी तो मैं एक दिन के लिये भी उसका प्रधान रहना पसन्द नहीं करुंगा. (अमृत बाजार पत्रिका, 23 दिसम्बर 1952)

पंडित जी का दावा आगे पंडित जी ने कहा थाः

'शर्तों के साथ आने वाली विदेशी मदद पर निर्भर रहने से... हम यह जियादा पसन्द करेंगे कि तकलीक में रहें."

पंडित जी के इन क्यानों का क्या मतलब था और जनता को उन्हें सुन कर क्यों खुशी हुई थी ? भारत सरकार ने अब तक जितनी विदेशी सहायता स्वीकार की है, उसका अधिकतर भाग या तो संयुक्त राष्ट्र अमरीका से आया है, या अन्तर राष्ट्री कहलाने वाली, विश्व बेंक वरौरा ऐसी संस्थाओं से. इन संस्थाओं में अमरीका की ही चलती है और अमरीका एक बहुत ताक़तवर साम्राजवादी देश है. भारत वासियों को साम्राजवादी गुलामी का दो औ वरस का अनुभव है. इसिलये उन्हें विन्ता है कि अगर अमरीका के क़रम हमारे देश में पड़ेंगे तो उसका बंटाढार किये बिना न छोड़ेंगे.

पंडित जी के इन बयानों से उनकी जरूर कुछ दिल जमई हुई होगी, क्योंकि उनका साफ मतलब यह था कि (1) अमरीकी मदद के साथ किसी तरह की शतें नहीं लगी हैं, और (2) अमरीका भारत सरकार के उपर किसी तरह का दबाब नहीं डाल तहा है.

सवाल है कि क्या यह बातें सचाई से मेल खाती हैं?

\$\$ \$\$

असरीकी पूंजी का लेखा जोखा

भारत को जमरीका से जभी तक कितनीं और किस तरह की मक्द भिली है और उसकी और कितनी पूंजी यहां आई है। यह नीचे के आंकड़ों से साफ हो जाबगाः (أوم پركاهي سلكل)

آپھی دو میھئے بھی نہیں ھرئے کہ بھارت واسھوں کو اشماروں میں آپے پردھان مقتری کا نیچے لکھا بھان پوھ کو بھی خوشی ھوئی تھی ، لکھٹؤ کے آیک پریس سمیلن میں یقتت جی نے فرمایا تھا :

赋"疗疗"

" یہ سرکار اگر ہنیں مدد دیتے والی کسی ودیشی سرکار کے دباؤ کے سامتے جھکتے لگے گی اور جفتا کو بھی ایسی صدد سویکار فرلے پر متجدور کرنے کی کو میں لیک بسے لگے بھی اس کا پردھان رھٹا پسڈد نہیں کروں گا۔" ('امرت بازار پعریکا' 23 دسمر 1952)

يقت جي کا دعوي

اکے پفترے جی نے کہا تھا :

'' شرطوں کے ساتھ آئے والی ودیشی مدد پر توبیر وھٹے ہے۔۔۔۔۔ھم یہ زیادہ پسلد کریں گے کہ تکلیف میں رھیں ۔''

پفتس جی کے اُن بھانوں کا کھا مطلب تھا اُور جلتا کو اُنھیں من کر کھوں خوشی ہوئی تھی ؟ بھارت سرکار کے اُن کا فیما تک جاتمی وفیشی سپائٹا سریکار کی ہے' اُس کا فیمک تر بھاگ یا تو سلیکمت راشار اُمریکت سے آیا ہے' یہا اُنجر راشاری کہانے والی' وشو بھلک وفیرہ آیسی سیستھاؤں میں آمریکت کی ہی جلتی ہے آور آمریکت آیک بھت طاقت ور سامراج وادبی دیس ہے اور آمریکت آیک بھت طاقت ور سامراج وادبی فامی کا دو سو برس کے انہیں چلتا ہے کہ اگر آمریکت کے گئا آدیم ہمارے دیس میں بویس کے تو اُس کا بفاتا قاد آدمار کیے گئا تہ جھوڑیں گے۔

پلڈت جی کے اِن بھائوں سے اُن کی ضرور کچھ دل جمائی ھوئی ھوئی' کھونکہ اُن کا صاف مطلب یہ تھا کہ (1) امریکی مدد کے ساتھ کسی طرح کی شرطیں نہیں لگی ھیں' اور (2) امریکہ بھارت سرکار کے اُریر کسی طیے کا فیاؤ نہیں ڈال رہا ھے۔

سوال هے که کها په باتين ستھالىيے ميل كهاتىهيں؟

إمريكي ورثعهى كاليكها جوقها

بھارس کو آمریکہ سے آبھی تک کتلی آور کس طرح کی مدد ملی ہے اور اُس کی آور کتفی پرنجی یہاں آئی ہے : یہ نیجے کے آنکورں سے ماف ہو جائے گا :

الرون 850

ही होगा. बाह्य 90 भी सदी फिसान जहां के तथा रहेंगे. और जैसे देश की पैदाबार पिखले 50 सात से गिरती का रही है कैसे ही गिरती जायगी. बावल की पैदाबार की 1921-22 में 957 पैंड की एकड़ थी, 1945-46 तक घटते बटते 717 रह गई और गेहूँ की पैदाबार 845 से 580 रह:गई, बानी 25 भी सदी और 19:3 भी सदी कम.

प्लान का असली रूप

इस तरह इस देखते हैं कि कई सौ करोड़ कपए जर्च करने के बाद भी इसारे देश की खुनियादी समस्या—खेती की खमस्या—इल होती नजर नहीं खाती. सब तो यह है कि सरकार के प्लान से खाम जनता और किसान का कोई कायदा नहीं होता. सरकार का विचार सामेदारी की खेती बढ़ाने का है, और प्लानिंग कमीशन की तजवीज है कि खगर गांव के दो तिहाई किसान या ऐसे आदमी जिनके पास गांच की आधी जमीन है तय कर लें, तो बाक़ी लोगों के लिये जरूरी हो जाता है कि बह भी सामे की खेती में शामिल हों. इसका साज अर्थ यह है कि थोड़े से बड़े जमीदार और धनी किसान बाक़ी गांव बालों को मजबूर कर सकते हैं कि बह अपने खेत उनके हाथ में सौंप हें.

बेकारी के सबाल का कोई हल प्लान में नहीं है. सरकार को चाहिये था कि बाहर से बड़ी बड़ी मशीनें मंगाने के बजाय, जहां तक हो सके देश के लाखों करोड़ों केकारों की मेहनत से कायदा उठाए. चीन की सरकार ने भी ऐसा ही किया है. सरकार 'डिगनिटी आफ लेबर बीक' का स्वांग तो रचा सकती है लेकिन ऐसा ठीस काम नहीं कर सकती. प्लान के असली रूप को देख कर किसी को उसके लिखे जीश या उत्साह पैदा नहीं हो सकता.

क्लान में बताया गया है कि इस वोजना के तहत खूब कल्ला माल पैदा होगा और बाहर से तैयार माल मंगाने के लिये उसे बाहर मेजा जायगा. इससे साफ जाहिर है कि भारत का कल्ला माल सस्ते वामों मिलेगा और उसी माल से उलीकी सामान तैयार कर के बिदेशी हम से मन-माने वाम ऐंडेगें. इस तरह हम 'पर कर्ज का मार बढ़ता जायगा. गुल्क में दीसत बाने के बजाप देश की पूंजी विदेशियों की भेंट खबती रहेगी.

H Tales

می هوگا یالی 90 فیصدی کسان جہاں کے تہاں رهیاگے ، آرر جیسدیش کی پیداوار ہجھانے 50 سال سے کرتی آ رهی ہے' رہیے هی کرتی جائے کی ، جارل کی پیداوار جو 1921-22 میں 957 پرنگ فی ایکو تھی' 46-1945 تک گیٹتے گیٹتے 717 رہ ککی آور گیہرں کی پیداوار 845 سے 580 رہ کئی' یملی 25 فیصدی آور 19'3 فیصدی کم .

يقن کا اصلي روپ.

إس طرح هم ديكهتي ههي كه كئى ضو كرور رويئ خرج كرن كه يعد بهي همارے ديه كى بقهادى سمسها— كهيتى كى سمسيا— كهيتى كى سمسيا— كهيتى كى سمسيا سركار كے إس پائى سے عام جلتا أور كسان كا كوئى قائدة كا يو، پولانى كى كهيتى بوها لے أور پائنگ كميشن كى تجويز هے كه اگر گوں كے دو تهائى كسان يا ايسے آدمى جن كے ياس گوں كى آدهى زمين هے طے كر ليں' تو بائى لوگوں كے لئے ضرورى هو جاتا هے كه ولا بهى ساجھے كى كهيتى مهى شامل هوں ، جاتا هے كه ولا بهى ساجھے كى كهيتى مهى شامل هوں ، ايلى كا صاف اوته يه آي كه تهوري سے بوے زميندار آور دهني كسان بائى گوں والين كو مجهور كو سكتے هيں كه دهني كسان بائى گوں والين كو مجهور كو سكتے هيں كه دهني كسان بائى گوں والين كو مجهور كو سكتے هيں كه دهني كسان بائى گوں والين كو مجهور كو سكتے هيں كه

بھکاری کے سوال کا کوئی جل پلان میس نہیں ہے،

سرکار کو چاھئے تھا کہ باھر سے بوی بوی مشیقیں منکا لے

کی بنجائے کہاں تک ہو سکے دیش کے قانوں کررزوں

بھکاروں کی منحقت سے فائدہ اُٹھائے ، چین کی سرکار نے

بھی ایسا ھی کہا ہے ، سرکار ' تلفقی آف لیبر ویک ' کا

سوانگ تو رچا صمحی ہے لیکن ایسا تیوس کام نہیں کو

سکتی ، پلان کے اصلی ورپ کو دیکھکر کسی کو اُس کے

لگے جوھی یا آنساہ نہیں پیدا عوسکتا ،

پلان میں بتایا گیا ہے کہ اس یوجلا کے تحت خوب
کچا مال پیدا ہوگا اور باہر سے تیار مال ملکانے کے لئے آسے
باہر بہیجا جائیگا ، اس سے صاف ظاہر ہے کہ بہارت کا
کچا مال سستے داموں ملے گا اور آسی مال سے آدیوگی
سامان تیار کر کے ودیشی ہم سے میں مانے دام ایلٹیمیں گے،
اس طرح ہم پر قرض کا بہار بومتا جائے گا ، ملک میں
دولت آنے کے بجائے دیش کی پوتجی ودیشیوں کی بہیلت

वसरी योजनाएँ

कृदं और तालाव सुरवाना, बीज बांटना, साद इकट्ठा करना बरौरा कोई नई योजनाएं नहीं हैं. 'पैदाबार बढ़ाओ' या 'अधिक अनाज पैदा करों' आल्दोलन के नाम का ढोल ब्रिटिश सरकार बहुत दिन तक पीटती रही है. इस आल्दोलन में उसने करोड़ों रुपए सर्च भी किये थे. बाद में उसे मानना पड़ा कि इस स्कीम से कोई सास कायदा नहीं हुआ। (देखिये रिजर्व बैंक आफ इंडिया के करल एकनामिक्स दिवीजन्स और बम्बई यूनिवर्सिटी स्कूल आफ इकनामिक्स एन्ड सोस्थालोजी की रिपोर्टें)

आज टीम टाम जियादा है, धूम धाम जियादा है. खर्चा पहले से चौगना बढ़ गया है. लेकिन स्कीम में कोई खास फर्क़ नहीं है. स्कीम के मुख्य आंग यह हैं:—

- (i) सारा काम अफसरों की देख रेख में होगा. हर जिले में कलक्टर की सदारत में एक कमेटी बनेगी. इस कमेटी में एक प्लानिंग अफसर और दूसरे नामजद किये हुए लोग होंगे. प्लानिंग अफसर ऐसी ही कमेटियां हर तहसील में बनाएगा. सूबाई पैमाने पर एक बड़ा अफसर सब स्कीमों का जोड बैठाएगा.
- (ii) कोई ऐसे सुधार नहीं किये जायंगे जिससे किसान के हाथ में पहले से जियादा रुपया आए और खेतिहर को खेत मिले. जमींदारी जातमें की जो स्कीमें हैं उनमें लगान कम होना तो अलग रहा, उल्टे किसान को दसगुना मुभावजे में देना होगा. यानी पहले दस गुना रुपया इकट्टा करो, तब 15 साल के बाद फायदा हो. जो न दे सके उसे कोई कायदा नहीं. जाहिर है हिन्दुस्तान के अधिकतर किसान दस गुना दाम नहीं दे सकते. जमींदारी खातमे से उल्टे अफसरशाही को किसानों को परेशान करने के दस बहाने और मिल गए.

कमयुनिटी प्रोजेक्ट स

सरकार की योजना में 90 करोड़ कपए कमयुनिटी प्रोजेक्ट्स के लिये रखे गए हैं. भारत सरकार और अमरीको सममील के मुताबिक कमयुनिटी प्रोजेक्ट्स के 55 केन्द्र खोले जायंगे. हर केन्द्र में 300 गांव शामिल होंगे. इन केन्द्रों के परिये नए बीजार, खाद, बीज वरौरा किसानों को मुहैया काये जायंगे. उन्हें खेतों की उपज बढ़ाने और मवेशियों की नस्त सुधारने वरौरा की सीख भी दी जायगी. इस सब अर्च का आठवां हिस्सा अमरीकी सरकार देगी. पर बमरीका की सत्ताह के बिना भारत सरकार कोई क्रदम न उठा सकेगी.

दूसरी सरकारी स्कीमों की तरह इस योजना में भी दिखाबट अधिक है, असलियत कम. किसान अफसर शाही से तंग होगा और फायदा सिर्फ थोड़े से धनी किसानों. सरकारी दखालों और पैसे वाले जमींदारों को

درسرى يوبملاكيس

کفوٹیں آور تالاب کھدوانا' بیم بانٹٹا' کھاد اکٹھا کرنا وفیرہ کوئی نکی یوجلائیں تہیں ھیں ۔ ' بھداوار بچھاؤ ' یا ' ادھک اناج پیدا کرر ' آندولن کے نام کا ڈھول برٹھ سرکار بہت س تک پیٹٹی رھی ھے ، اس آندولن میں اُس نے کروڑوں رویئے خرچ بھی کئے تھے ، بعد میں اُسے مانٹا ہوا کہ اس اِسکیم سے کوئی خاص قائدہ نہیں ھوا' ، (دیکھئے رزروبیٹک آف انڈیا کے روزل ایکٹامکس فویزنس' آور ہمیئی یونیورسٹی اِسکول آف ایکٹامکس ایٹڈ سوشیولجی کی رپورٹیں)

آج تهم تام زیادہ ہے' دھوم دھام زیادہ ہے ، خورجہ پہلے ہے۔ پہر قام زیادہ ہے ، خورجہ پہلے ہے۔ پہر قبل اللہ ہے ، کوئی خاص فرق نہیں ہے ، اِسکیم کے مکہہ آنگ یہ ھیں ،

- (i) سارا کام افسروں کی دیکھ ریکھ میں ہوگا، ہو فلائے میں کلکٹر کی صدارت میں ایک کمیٹی بلا۔ گی، اِس کمیٹی میں ایک یلانلگ افسر اور دوسرے نامزد کئے ہوئے لوگ ہونگے، پلانلگ افسر ایسی ہی کمیٹیاں ہر تحصیل میں بنائے کا، صوبائی پیمائے پو ایک ہوا افسر سب اسکیموں کا جرز بیٹھائے گا،
- (ii) کوئی ایسے سدھار نہھں کئے جاٹھں گہ جس سے کسان کے ھاتھ مھی پہلے سے زیادہ روپھہ آئے' آور کھھٹی ھر کو کھھٹ ملے ، زمینداری خاتمے کی جو اسکمیں ھیئی ان میں لگان کم ھونا تو الگ رھا اُلٹے کسان کو دس گنا معارضہ میں دینا ھوگا ، یعنی پہلے دس گنا روپھہ اُنٹھا کرو' تب 15 سال کے بعد قائدہ ھو ، جو نہ دے سکے اُسے کوئی قائدہ نہیں ، ظاھر ہے ھندستان کے ادھک تر کسان دس گنا دام نہیں دے سکتے ، زمینداری خاتمے سے اُلٹے افسر شاھی کو کسادوں کو پریشان کرنے کے دس بہائے اوو مل گئے ،

كمهونثى يروجيككس

سرکار کی پوچھا مہں 90 کررز روپگے کمھولٹی پروجھکٹس کے لئے رکھے گئے ھیں ، بھارت سرکار اور اسریکی سمجھوتے کے مطابق کمھونٹی پروجکت کے 55 کھندر کھولے جاٹھنگے ، مر کھندر میں 300 گاؤں شامل ھونکے ، اِن کھندروں کے فریعے نئے اوزار' کھاد' بیمے وفیرہ کسانوں کو مہما کئے جاٹھں گے ، اُنہوں کھیترں کی آریمے بڑھائے اُور موپشھوں کی نسل سدھار نے وفیرہ کی سیکھ بھی دی جائے گی ، اس سب خرچ کا آتھول حصم امریکی سرکار دے گی ، پر امریکہ کی صفح کے بنا بھارت سرکار کوئی قدم نم آتھا سکے گی ،

دوسری سرکاری اسکیموں کی طرح اِس یوجلا میں یہی دکھارت آدھک ہے اصلیت کم ، کسان افسو شاھی سے تلک موٹ تھوڑے سے دھلی اگسانوں مرکاری دلالوں اور یعمے والے زمیلداروں کو

एक क़दम और. अगर सरकार की इस दलील को भी इस मान लें कि इस समय चरूरत पैदाबार बढ़ाने की है, और आगे की तरक़की की तरफ क़दम बढ़ाना है तो क्या इस प्लान से इमारी पैदाबार और सास तौर से अनाज की पैदाबार का सदाल इल हो जाता है ? अगर यह प्लान इसना ही कर सके तो कम नहीं!

प्लानिंग कमीशन का अन्याचा है कि 1955-56 तक

पैदाबार की बढ़ौती इस तरह से होगी:

| राल्ला मीजूरा | बढ़ौती |
|----------------------------------|--------|
| (भिलयन टन) ⁵⁴ | 61.6 |
| कपास (लाख गांठ) 29 7 | 42.2 |
| पटसन (लाख गांठ) 33.0 | 53.9 |
| सीनी (मिलियन टन) ⁵ '6 | 6.3 |

उपर की टेबिल से माल्म होता है कि राल्ले की पैदाबार 7.6 मिलियन टन या 14 की सदी, कपास की 12.6 लाख गांठ या 42 की सदी, पटसन की 20.9 लाख गांठ या 63 की सदी, और चीनी की पैदाबार 7 लाख टन या 12 की सदी बढ़ाने की योजना है. लेकिन सवाल यह कि पैदाबार बढ़ेगी किस तरह ? सरकार का विचार है कि पैदाबार बढ़ेगी किस तरह ? सरकार का विचार है कि बड़ी बड़ी आवपाशी की योजनाओं (दामोदर, हीराकुंड, भकरा, नंगल) के जरिये 23 लाख टन राल्ला पैदा किया का सकेगा. बाक़ी 49 लाख छोटी आवपाशी की योजनाओं, कुली, बच्छी खाद, बीज बरीरा की मदद से और उसर क्रमीन को जोत वो कर पैदा किया जा सकेगा.

बोटी योजनाएं

No.

यह कहना मुश्किल है कि बड़ी बड़ी नित्यों को मुखाने की खो स्क्रीमें सरकार ने बनाई हैं उनसे असल पैदाबार में कितनी बढ़ीती होगी. अभी तो इन योजनाओं में पानी की तरह कपया बहाया जा रहा है. दामोवर घाटी स्कीम का सर्च 37 करोड़ से बढ़ कर 75 करोड़ हो गया है. तूसरी तरफ योजनाओं के खर्चे में भी उसी पैमाने पर सरकारी हो रही है. साफ है कि जिस तरह इन योजनाओं के हारा बड़े बढ़े अपसारों की पेट पुजाई हो रही है उसी सरह अब नये सेत बंटने का सवाल आपगा तब दूसरे अक्टूबाई की पेट पुजाई हो रही है उसी सहकारों की पेट पुजाई हो रही है उसी सरहारों की पेट पुजाई होगी. अमरीकी "पेक्सपटों" की सो की बारह है.

فو جون پھمت بھر کھانا دیگا اور دیش میں پددآوار بوھانا ۔ پلاس کے مطابق دیش کی آمدنی یانیے سال میں 11 فیصدی بوء جائیگی ، لیکن هماری آبادی بھی اِس دوران میں بوھ کی ھی ، اُس لگر جلانا کی آمدنی میں کوئی فرق نیمن پڑے گا ، پرسدھ اُرتے شاستری قائلر وی ، کے ، آر ، وی ، راؤ کا کہنا ھے کہ اگلے 15 سال تاک جلانا کی آمدنی میں کوئی بوھوتی نیمن ھو سکتی، تک جلانا کی آمدنی میں کوئی بوھوتی نیمن ھو سکتی،

آیک قدم آور، اگر سرکار کی اس دلیل کو بھی مان لیس که آس سے شرورت پیداور پڑھانے کی ہے، اور لگے کی ترقی کی طرف قدم بڑھاتا ہے تو کیا اس پلان سے هماری پیداوار کا سوال حل ہو جاتا اور خاص طور سے آناج کی پیداوار کا سوال حل ہو جاتا ہے؟ اگر یہ پلان افغا ہی کر سکے تو کم نہیں !

یقانلگ کمیشن کا اندازہ ہے که 56۔۔1955 تک پهداوار کی پوھوتی اس طرح سے ہوگی ۔

| يوهولي | موجودة | غلغ |
|--------------|--------------|---------------------|
| 61.6 | 54 | (ملهق ٿي) |
| 42.2 | 29.7 | كياس (لآنه كالله) |
| 5 3·9 | 33· 0 | پتسن (لاکه گفته) |
| 6.3 | 5.6 | چينې (ملين ٿن) |

أوير كى تهبل سے معلوم هوتا هے كه فلے كى پهداوار 7 ملهن تن يا 14 فهصدى كهاس كى 12.6 لائم كالله يا 13 فهصدى 42 لائم كالله يا 63 فهصدى بالا 42 فهصدى بوهانے كى اور چهنى كى پهداوار 7 لاكه تن يا 12 فهصدى بوهانے كى يوجفا هے . لهكن سوال يه هےكه پهداوار بوهے كى كسطرے؟ سركار كا وچار هے كه بوى بوى أبهاشىكى يوجفاون ("دامودر" ههرأنفق" بهكرا" نفكل) كے فريعے 23 لائم تن فله بهدا كها جا سكيكا . باقى 49 لائم چهراتى آبهاشى كى يوجفاوں كه كفور، اچهىكهاد بهج وههراتى قبهاشى كى يوجفاوں خوت بو كر بهذا كها جوت بو كر بهذا كها جا سكيكا :

هموتى يوجفائين

یه کهذا مشکل ها که بوی بوی ندیوں کو سکهانے کی جو آسکهمیں سرکار نے بغائی هیں اُن سے اصل پیداوار میں کتفی بوهیئی هوئی، آبھی تو اُن بوجفاؤں میں باتی کی طرح رویفہ بھایا جا رہا ہے ، دامودر گهاتی اسکھم کا خوج 37 کروڑ سے بوهکر 75 کروڑ موگھا هے ، دوسری یوجفاؤں کے خورجے میں بھی اِسی پیمانے پر ترقی هو رهی هے کرقی هو رهی هے ک دوارا بوے بوے افسرین کی بیمک پیمائی هو رهی هے کی دوارا بوے بوے افسرین کی بیمک پیمائی هو رهی هے دوسری افسرون کی بیمک پیمائی هو رهی هے دوسری افسرون کی بیمک انگلے کا سوال آئے کا تب دوسری افسرون کی بیمک انگلے کا سوال آئے کا تب دوسری افسرون کی بیمک پیمائی هوئی، امریکی ''ایک سپرتیں''

दिमारा की पैदावार थीं. यह हो भी कैसे ? सरकार के नुमाइन्दे आए दिन विदेशी पूंजी की दावत देते रहते हैं. दुनिया का सबसे बड़ा पंजीपित देश, अमरीका, रुपया देने को हर दम तैयार बैठा है. यह कहने की जरूरत नहीं कि साहकार विना किसी कमेले और शर्त के पैसा उचार नहीं देता. अमरीका की शर्तें यह हैं - अमरीकी और हिन्दुस्तानी पंजी में कोई भेद भाव न रखा जाय, राश्ट्रीकरन न करने का वक्रीन दिलाया जाय, सुनाफा बाहर भेजने की पूरी सहुलियते दी जार्य बरौरा. भारत सरकार यह जियादातर शर्ते मानने को तैयार है. लेकिन इस पर भी असरीकी पूंजीपति संतुरट नहीं हैं. असल में उन को हिन्द सरकार की विदेशी नीति से शिकायत है. यह चाहते हैं कि सरकार साफ साक कम्यूनियम के खिलाक जिहाद में अमरीकनों की मदद करने का बायदा करे, अमरीकनों को भारत में कौजी धड़े बनाने दे ताकि चरूरत पड़ने पर वह भारत के श्रंदरूनी मामलों में भी दखल श्रंदाजी कर सकें. इसके श्रतावा वह ऐसी रिम्नायतें भी चाहते हैं जो मारत सरकार हिन्द्स्तानी पुंजीपतियों को भी नहीं देती.

जहिर है कि बड़ी मान्न में विदेशी पूजी हमें अपनी आजादी पूरी तरह बेच देने से ही मिल सकेगी. और तब भी यह पूंजी देश को पिक्कमी देशों की आर्थिक गुलामी से आज़ादी दिलाने के लिये नहीं लगाई जायगी. क्योंकि जो विदेशी पूंजी देश में आएगी वह कच्चा माल पैदा करने और यातायात के साधनों की बदाने के काम में

ही लगाई जायगी.

ऊपर की बात से साफ हो जाता है कि विदेशी पूंजी पहले तो जिन शर्तों पर शायद हमें मिल सके वह एक आफाद देश की शान के खिलाफ हैं; और दूसरे उसका मक़सद हमारे देश को आजाद और ख़ुशहाल बनाना नहीं है. हमें सढ़ाई का अड़ा बनाना, हमारे कच्चे माल को हासिल करना और हमारी नई आजादी को खतम करना उसका लच्य है.

हमारा अपना तजुर्बा और दूसरे देशों का तजुर्बा भी यही सिखाता है कि अगर हमें अपने देश को मजबूत और खुशहाल बनाना है तो हमें अपने ही साधनों, अपनी ही मेहनत और कुर्बानियों पर ही निर्भर रहना पढ़ेगा. यह दुख की बात है कि सरकार और प्लानिंग कमीशन ने इस बात की 'सक' और बिदेशी पूंजी के सतरे को 'बे मतलब शक' कह कर टालना चाहा है.

खेती की समस्या

सवाल यह उठता है कि अगर हम थोड़ी देर के लिये विदेशी पूंजी के सवाल को नजरअंशाज भी कर दें तो क्या उससे हमारी समस्या इस हो जाती है ? गुनियादी सवाल हैं—देश के जनता के जीवन के स्तर को ऊंचा उठाना, उन्हें

دساغ کی پیداوار تھیں۔ یہ هو بھی کیسے؟ سرکار کے اساللنے آثے میں رونیدی پونسی کو دموس دیتے رهتے هیں ، دنیا کا سب سے ہوا پرنجی یکی دیمی' امریکہ' رریبہ دینے کو هر دم تهاو بياتها هـ . يه كهام كي ضرورت نهيس كه ساهركار بنا کسی جهدیانے اور شرط کے پیست ادھار نہیں دیا! . امريكه كي شرطهن يه هين-امريكي اور هندستاني پرنجي مهی کوئی بهید بهاو نه رکها جائے اشقاری کرن نه کرنے كا يقهي دايا جائه منانع باهر بهيجله كيبرى سهولتهن هي بهائهن وفهره ، بهارت سركار يه زياده در شرطهن ماني كو تهاو هر. ليكن إس ير بهي امريكي دراعهي پائي سلكشت نهیں میں، اصل میں آن کو هلد سر^او کیودیشی نهای سے شکیت ہے ، وہ جامعے میں که سرکار صاف صاف کمھولوم کے خلاف جہاد میں آمریکلوں کی مدد کرتے کا وعدة كريدا امريكتون كو يهارت مهن قوجى أدّ يقال دي تاکه ضرورت پولے پر وہ بھارت کے آندوونی معاملوں میں بھی دستال اندازی کرسکیں، اس کے ملاوہ وہ ایسی رماکتیں بھی جامعے میں جو بھارت سرکار نے مندستانی پونجی پانیوں کو بھی نہیں دیاتی،

ظاهر ہے کہ بری ماترا میں ودیشی پونجی همیں ایکی آزادی پیری طرح بیچ دیلے سے هی مل شکے گی ، آور تب بھی یہ پونجی دیش کو پچھمی دیشوں کی آرتیک فلامی سے آزادی دلانے کے لیے نہیں لگائی جائیگی، کیونکہ جو دیشی پونجی دیش میں آئرگی وہ کچا مال پیدا کرتے آور یانایات کے سادھتوں کو بوھائے کے کام میں هی

لكائي جائے كى .

آرور کی بات سے صاف هو جاتا هے که ودیشی پوئنجی پہلے تو جوں شرطوں پر شاید همیں مل سکے وہ ایک آزاد میرس کی شان کے خاف هیں آ اور دوسرے اُس کا مختب جداوے دیش کو آزاد اور خوشسال بنانا نہیں ہے ، میرس اُلی کا آذا بنانا' همارے کنچے مال کو حاصل کرنا اُور هماری نئی آزادی کو خاص کونا اُس کا لکھی ہے ،

همارا ایدا تجربه اور دوسرے دیشوں کا تجربه بھی
یہی سکھاتا ہے کہ آذر همھرائے دیش کو مضبوط اور خوش
حال بدایا ہے تو همھر اپنے هیسادهدوں ایدی هی مصلت
اور قرباندوں پر هی نربهر رهنا پویکا . یه دکه کی بات
ہے که سرکار اور بلانفک کمیشن نے اِس بات کو 'جھک' اور ودیشی پونجی کے خطرے کو 'یے مطلب ہگا کہ کر
تالیا جاها ہے .

کههالی کی سنسها

سوال یہ آٹھتا ہے کہ اگر ہم ٹھوڑی دیر کے لئے ودیشی پونجی کے سوال کو نظر انداز بھی کودیں تو کیا اِس سے هماری سمسیا حل ہو جاتی ہے ؟ بنیادی سوال ہیں— عیمی میں جلتا کے جھوں اِستر کو اُونچا اُٹھانا اُنھیں

लगाने का काम सुबे की सरकारों पर छोड़ दिया गया है. इसका कारन यह है कि केन्द्रीय सरकार का यह इरावा नहीं है कि बादमनी के सास परियों को जिन्हें वह अब तक दबाए हुए है छोड़ दे. बड़े बड़े पेंजीपतियों की पूरी छूट दी गई है क्योंकि सरकार का विचार है कि अगर उनके दाथ मैं में रुपया न बदा तो सरकार को रुपया उधार लेने में काठनाई होगी. इसलिये अधिक ग्रुनाका टैक्स नहीं लगाया जायगा, कम्पनियों के टैक्स में कमी होगी, और दूसरी बासानियां भी सरमायादारों को दी जायेंगी.

सरकार जब नोट झापनें की बात करती है तो इस के मानी होते हैं चीजों के दामों में बढ़ौती करना, जाहिर है कि यह भार भी जनता के कंघों पर पहेगा.

विदेशी प्रजी

इस योजना की सब से खतरनाक बात इसरे ं अल्कों से 655 करीड़ हपप की पूजी बधार लेना है. इमें अपने तुर्वे से यह बात अच्छी तरह मालम है कि विदेशी पूंजी के क्या माने होते हैं. अंगरेजी पूंजी बाज भी इमारे देशे के आर्थिक जीवन को अपनी मुद्री में लिये हुए है. पडसन, नाय के बराचि, कीयले की खानें, इंजीनियरिंग उद्योग करीब करीब पूरी तरह से अंगरेजों के हाथ में हैं. बिजली, ट्राम बीर कपड़ा जैसे उद्योगों में या काफी अंगरेंकी पूंजी लगी है और या ऐसे कारखानों का इन्तजाम जगरेजी मैनेजिंग एजिन्सयों के हाथ में है. इसके जलावा बहुत सी ऐसी नई नई कम्पनियां खलती जा रही हैं जिनमें अंगरेज और हिन्दुस्तानी पंजी-पितयों की मिली जुली पंजी लगी है. नाम के लिये इन कम्पनियों का उद्देश्य है देश में नये उद्योग धनदे जायम करना. लेकिन यह कम्पनियां विदेशी चीकों को ही देशी नास देकर वेचती हैं. विरत्ता की हिन्दुस्तान मोटर सुद बन्हीं के कहने के मुताबिक सिर्फ 60 की सदी हिन्दुस्तानी है. यही बात इबाई जहाज और जहाजों के बारे में कडी जा सकती है.

विदेशी पंजी के जरिये हर साल देश से करोबों रुपया बाहर बंला जाता है. पंडित जवाहरलाल नेहरू की सदारत में राष्ट्रीय प्लानिंग कमेटी ने (1932-42) में इस बारे में काफी सोच विचार किया था और यह फैसला किया था कि जहां विदेशी पुंजी सने वहां जाघे से जियादा । हिस्सा हिन्दुस्तानियों का होना चाहिये और यह शर्त होनी चाहिये कि दिन्दुस्तानियों को सब तकनीकी काम विसाद जायं.

होना तो यह त्राहिथे था कि विदेशी पंजी का विलक्त सहारा न शिया जाय, लेकिन इस फान में इन शर्तों का भी बार्टी किम नहीं है को खुद पंतित अवाहरताक नेहरू के

لتاتے کا کام صوبے کی سرکاروں پر جھور دیا گیا ہے۔ اِس کا كان يه يه كه كهدوس سركار كا يه إواده تهول يه كه أسدتي کے خاص فویموں کو جلههی وہ آب تک دیائے هوائے ہے جهرز دیے . بوے ہونجی بتیوں کو ہوری جہوف دی كثى هي كيونكه سركار كا وجار ه كه أكر أن كه هاله ميس روبیه نه برها تو سرکار کو روپیه أدهار لیلے میں کایالی هبكي ، إس لئر إدهك منافع اليكس نهين لتايا جالهكا؟ کمیڈیوں کے تیکس میں کمی ہوئی اور دوسری آسانیاں بهی سرمایهدارون دو دی جانیدگی .

سرکار جب نوش جهاب نے کی بات کرتی ہے تو اِس کے معنی هرتے هيں جهيوں کے داموں مهن بوهوتی کرتا . طامر ہے کد یہ بہار بھی جلعا کے کلدھرں پر ھی ہویکا ،

وديشي پوتجي

اِس یوجفا کی سب سے خطرناک بات دوسرے ملکوں سے 655 کرور رویلے کی پرلجی ادھار لیفا ھے ، ھمیں اپنے تجربے سے یه بات اچهی طرح معلوم هے که ودیشی چونجی کے کہا معلم هوتے هيں، انگريزي بونجي آج بھي همارے ديس کے ارتهک جهون کو اچلی ملهی مهن لکے هوئے ہے ، پلاسن چائے کے بافینچے کوٹلے کی قبانیوں انجیدیونک ادیرک تربیب قربیب پوری طرح سے انگریزوں کے عاتم میں عین . بجلي ترام اور کهوا جيسے آديوگوں مهن يا کاني انگريزي پرنسوی لکی ہے اور یا ایسے کارشانوں کا اِنتظام انگریزی مينيجنگ ايجنسيون کے هانه مين هے ، أس کے علاوة بہت سے ایسی نثی نثی کمپنیاں کہلٹی جارهی هیںجن مهن انگریز اور هددستانی پونجی پتهون کی سلی جلی برنجي لکي هے ، نام کے لئے اِن کمهفوں کا مقصد هرديش مهن نَتُم أديوك دعقد عد قائم كرنا . لهكن يه كسهيان ودیشی چیزوں کو عی فیشی نام دے کر بیچھی هیں ، برلا کی هلدستان موثر خود أنهیں کے کہلے کے مطابق مرف 60 فیصدی هندستانی هے . یهی بات هوائی جهاز اور جہازوں کے بارے میں کہی جاسکتی ہے .

ودیشی پرنجی کے ڈریمے هر سال دیش سے کروزں رویقة باهر چلا جاتا هے ، بلقت جواهر لال نهرو کی صدارت مهن رافقری باندگ کمیتی نے (42-1939) شین اس بارے مهر کافی سریر وجار کها تها اور یه فیصله کها تها که جهان وديشي پرنجي لکر وهان آدي سر زيادة حصة عدد متابهون لا هونا جائے اور یہ شرط هوئی بهاهگے که هدنسدالهوں کو سب تغفیکی کم سکهائے جائیں ۔

هوتها بنو پند جاهگر تها که وابیشیپونسچی کا بالکل سهارا ته لها جائية ليعلن أس يان سهن أن شرطون كا الله كهون خَتْرَ لَهِمِينِ هِم جَوْدُ خُودُ يُلْقُونُ جُواُهُمْ قُلْ تَهُرُو كُمْ

יונוש במי

The state of the s

1411

Bypriori I in

भारत संरकार की पंचलाला योजना

(डाक्टर सतीशचन्द्र)

भारत सरकार की पंचसाला योजना की पिंछले दो तीन साल से देश में काफी चरचा हुई है. अब सरकार ने योजना का आखिरी खाका तैयार कर निया है. अगरचे यह आखरी खाका पुरानी योजना से बहुत अलग नहीं है फिर भी सरकार का दावा है कि जितनी आलोचना जायफ थी उसको नजर में रक्ष कर पुरानी योजना में तबदीली की गई है.

नये प्लान के मुसंबिक्त कुल खर्चा 1493 करोड़ से बढ़कर 2069 करोड़, यानी पहले से 567 करोड़ जियादा हो गया है. खर्चे का मोटा मोटा ब्योरा नीचे दिया जाता है. मीचे के टेबिल में लाख की रक्षम छोड़ दी गई है.

| | 3 | रानी योजना | नया प्तान |
|----|-----------------------|------------|-------------|
| | | (करोड़) | (करोड़) |
| 1. | खेती बारी और | | |
| | कम्युनिटी प्रोजेक्ट्स | 191 | 361 |
| 2. | सिचाई और विजली | 440 | 561 |
| 3. | यातायात | 388 | 497 |
| 4. | उद्योग धन्दे | 100 | 17 3 |
| 5. | समाज सेवा | 833 | 476 |
| 6. | बाक़ी चीज़ें | 28 | • • • |
| | | - | |
| | | 1493 | 2068 |

इस तरह हम देखते हैं कि खर्च खेती बारी, कम्युनिटी प्रोजेक्ट्स, सिंचाई, बिजजी, यातायात और उद्योग धन्दों के क्यर बढ़ा दिया गया है.

सवाल यह उठता है कि 2069 करोड़ क्पए की रक्षम सरकार के हाथ में आपगी कहां से १ प्लान में यह सवाल सबसे बाद में उठाया गया है. ग़ीर से देखा जाय तो मालम होगा कि यह प्लान का वह हिस्सा है जिसके बरीर प्लान केवल काराजी प्लान बन कर रह जायगा. जनता के लिये भी यह सवाल काफी अहम है. सरकार का विचार है कि टैक्सों की शकत में 738 करोड़ क्पया बसूल किया जाय और 520 करोड़ क्यया जनता से उधार लिया जाय. 156 करोड़ विदेशी मदद सरकार को मिल जुकी है. 655 करोड़ क्पय की रक्षम विदेशों से और ली जायगी. बाक़ी नये टैक्स लगा कर हासिल की जायगी और या नोट काप कर पूरी की आवगी.

विक्री टैक्स, विकास टैक्स, पानी टैक्स वरीरा वरीरा सास टैक्स समाद जारंगे. इसके अलावा नये नवे टैक्स

بهارت سرکار کی پنیج ساله یوجنا

(قائلرستيش چندر)

بهارت سرکار کی پٹیج سالہ یوجفا کی پنچھلے دو تھن سال سے دیش میں کائی چوچا ہوئی ہے ، اب سرکار نے یوجفا کا آخری خاکہ تیار کر لیا ہے ، اگرچہ یہ آخری خاکہ پرائی یوجفا سے بہت انگ نہیں ہے بھو بھی سرکار کا دعوی ہے کہ جمعنی آنوجفا جائز تھی اُس کو نظر میں رکھ کر پرائی یوجفا میں تبدیلی کی گئی ہے ،

نگے پائن کے مطابق کل خرجہ 1493 کروڑ سے بڑھ کر 2069 کروڑ سے بڑھ کر 2069 کروڑ زمائد ھوگیا ہے، خرچے کا میرال نہوٹا نہوڑا نہجے دیا جاتا ہے، نہجے کے ٹیمل میں لاکھ کی رقمجمرڑ دی گئی ہے،

| نیا پلان | پرائی یوهلا | | |
|----------|-------------|--------------------|----|
| (کروڙ) | (کررو) | | |
| | | کههای باری آور | .1 |
| 361 | ى 191 | كىيونىڭى پروجهكالس | |
| 561 | 440 | سهقتهالى أور يتجلى | .2 |
| 497 | 388 | ياتايات | .3 |
| 173 | 100 | أديوك دهلان | .4 |
| 476 | 333 | lyan glan | .5 |
| *** | 28 | بالى چيزس | .6 |
| 2868 | 1493 | | |
| 2868 | 1493 | | |

اِس طرح هم دیکهتے هیں که خرچ کهیتی باری' کیپونیٹی پروچکٹس' سیلچائی' بجلی' یاتایات اور ادیوک دهلدرں کے اوپر بوها دیا گیا ہے ۔

سوال یہ اُٹھٹا ہے کہ 2069 کروڑ رویئے کی رقم سرکار کے ماتھ میں آئیگی کہاں ہے؟ پانی میں یہ سوال سب سے پید میں آٹیگی کہاں ہے؟ پانی میں یہ سوال سب سے پید میں آٹھایا گیا ہے ، فور سے دیکھا جائے تو معلوم ہوگا کہ یہ یہ پانی کیول کافلمی پانی ہی رد جائیگا ، جفتا کے لئے بھی یہ سوال کافی اُھم رویھے وسول کا وجار ہے کہ ٹیکسوں کی شکل میں 738 کروڑ رویھہ جفتا سے اُدھار لیا جائے ، 650 کروڑ رویھہ جفتا سے اُدھار لیا جائے ، 650 کروڑ ودیشی مدد سرکار کو مل جکی ہے ، 655 کروڑ ودیشی مدد سرکار کو مل جکی ہے ، باقی نئے ٹیکس لیا کر حاصل کی جائے کی اُور یا نوٹ چھاپ کو پوری کی جائے گی ،

یکری ٹیکس' وکاس ٹیکس' یانی ٹیکسوفھوہ وقیوہ غض ٹیکس لکائے جائیں گے، اِس کے علوہ لیئے نیئے ٹیکس इसकी प्रक्रिकर न कर. इस बार मैं जेश नहीं का सकुंगा. खान मराज मार कर मर जाय उसे एक गवाद नहीं मिलेगा. प्राइ बता कि लोकमन ने मुक्ते जेल करादी तो क्या काब यह मेरा भाई नहीं रहा है तो क्या उसकी कौरत मेरी भौजाई नहीं रहीं है और क्या उसका लड़का मेरा मतीजा नहीं रहा है

लतीफन तिनक कर बोली—तुम मई भी अजीब होते हो ? जाने सुम्हारी नाक मोम की है या काहे की. मेरे लिये तो मुन्नू एक दिन मट्टा ले कर आया था मैंने साफ इनकार. कर दिया और मुन्नू से कहा—कह देना अपनी अम्मा से कि मैं यह उनके देवर के जेल भिजवाने की खुशी का तबक क नहीं लेना चाहती.

अरी मली मानुस, यह तूने क्या किया! तूने तो मुराल खानवान की इप्खत को बट्टा लगा दिया. कहा सुनी मेरी और खोकसन की हुई थी और किन भाई भाई में आपस में मगड़ा नहीं होता? तुमसे तो न लड़ने लोकमन आया था और न लोकमन की औरत. और बच्चा! उस प्यारे बच्चे को तुमसे पुषकारा भी न गया! बहुत , करती तो लोकमन से न बात करती. लोकमन से तो तू वैसे भी परड़ा करती हैं पर मेरी भीजाई और भतीजे ने क्या बिगाड़ा था? भाई माई लड़े तो क्या तू दुनिया मर को दुरमन सान लेगी?

क्तीफल की जांकों से टप टप जांस् गिरने लगे.

--- भगवानवीन

أَسَى كَى تُو قَكُرُ لَهُ كُو ، إِسَ عِبَارُ مِهِنَ خِعَلَ تَهِمَ جَا سَكُولُكِا ، خَانِ مَقُو سَارُ كُو مَرَ خِعَالَمَ أَسِ أَنِكَ قُوالًا نَهِمَا مِنْهَكَا. ثويه يَكَاكُهُ لُوكَ مِنْ فَيْ مَعْهِمَ جَهَلَ كُرادِي تَو كَهَا أَبِ وَهُ مَهْرُ أَ بِهَالَى يَبِيْقِي وَهَا؟ تَو كَهَا أَسَكِي عَوْرَتُ مَهْرِي بَهُوجَالَى نَهْهِنَ وَهِي ؟ أَوْرُ كَهَا أَسَ كَا لُوكًا مِهْراً يَهْتَهُمَا نَهْهِنَ وَهَا ؟

لطهفاً تنگ کو بولی ۔۔۔ ثم مود بھی مجھب ھوتے ھو ؟ جائے تمہاری ناک موم کی ھے یا کاھے کی ، مھرے لئے تو مقدو أیک دن سقها لهكر أیا تها مهن نے ساف إنكار كو ديا أور مقفوسے كها ۔۔ کہ دیقا أیقی أساسے كه مهن يه أن خوير كے جهل بهجوانے كی خوشی كا تجرک نههن لهفا جاهاتى ،

أرى بهلى مانس يه تونے كها كها ! تونے تو مغل خاندان كى عوت كو يتا لكا ديا . كها سلى مهرى أور لوكسن كى هولى تهى أور لوكسن كى هولى تهى أور كن بهائى بهائى مهى آيس مهى جهكوأ نههى هوتا؟ تجه يے تو نه لونے لوكسن آيا تها أور نه لوكسن كى هورت . أور يجه ! أس يهارے بجے كو تجه يے پچكارا بهى نهيى كوتى لو لوكسن يے ته بات كوتى . لوكسن يے ته بات يهوجائى . لوكسن اور بهتابتھے نے كها يكارا تها ؟ بهائى بهائى بهائى بهائى

لطهداً کی آنکهوں سے تپ ٹپ آنسو گرنے لگے۔

ـــههکوان دیری

"इट चूने की चुनाई के पहले हृदय मंदिर की चुनाई बहुत जरूरी है. धगर यह हो जाय तो और सब तो हुआ ही है"

الیلت جونے کی جنائی کے پہلے مردی ملدر کی جنائی بہت فروری ہے ، لگر یہ دو جائے تو سب اور تو هوا هی ہے ، ا

- महात्मा गांधी

سمهاتما كأندهي

रहमान, जबान संमात कर बात कर, बमर किये हैं ढाई बाने सुद पर, मैं बाज ही सादे सात बाने पहुँचा दंगा.

ज्ञान में क्या संभात, ज्ञान तू संभातः वेईमान कहीं का, भूद बोलता है, ढाई रुपए को ढाई आना कहता है.

बेईमान तु !

इसके जवाब में रहमान के मुंह से लोकमन को मां की गाली निकली. उसी बक्त जेल से हुट कर अहमद अली का पहुंचा. रहमान की गाली उसके कान में पड़ चुकी थी. रहमान दायें हाथ में एक छौटा सा डंडा लिये हुए था और वायें हाथ से लोकमन का बायां हाथ पकड़े हुए था. यह डंडा उठा कर जमाने को ही था कि अहमद अली ने रहमान जां के हाथ से डंडा खींच कर एक दम आवाज़ दी- खान, लोकमन का हाथ छोड़.

मोहल्ले के लोग तो यह सममें कि अब अहमद अली ने लिया लोकमन से बदला. अब मुन्तू मज़ा चखेगें, अहमद अली को जेल भेजबाने का इतने में अहमद अली का डंडा पड़ा खान के हाथ पर. वह लोकमन का हाथ छोड़ अहमद अली की तरफ लपका. जब तक अहमद अली ने उसकी खोपड़ी पर दो और कस के जमाप. अब खान को भागते ही बना. इथर मोहल्ले वाले आ कर अहमद अली से बोले—

तुमने फिर जेल जाने की तैयारी कर ली. लोकमन से तुम्हें इतनी मोइब्बत थी तो न कुछ बात के लिये तुमने इसका हाथ क्यों तोड़ा ?

तुम भी अजीव आदमी हो. वह रोजी का सवाल था, पेट का सवाल था, उसूल का सवाल था.

भौर भव जिसने तुम्हें जेल भिजवाया था उसकी स्नातिर तुम में इतना प्यार कहां से जाग आया ?

तुम लोगों में शर्म नहीं है तो मैंने तो अपनी शर्म नहीं बेच खाई. लोकमन की मां मेरी चाची होती है कि नहीं, और तुम में से भी किसी की ताई है, किसी की बुचा है और किसी की कुछ. उस कमबख्त खान ने जब इसको मां की गाली दी तो मेरी चाची को गाली दी कि नहीं, और तुम्हारी ताई और बुचा को गाली दी कि नहीं. यह लोकमन का सवाल नहीं है, मोहल्ले की इपचत का सवाल है. अगर तुम आज इस तरह मोहल्ले की इपचत लुटवा दोगे तो कल किरंगियों की जुलियां खाते फिरोगे.

सब मोइल्ले बाले यह कहते हुए कि अहमद अली बात तो पते की कहता है, अपने अपने घर बल दिये.

श्रहमद श्राली जैसे ही घर पहुँचा लतीफन ने ताना दिसा—जिसने तुन्हें जेल भिजवाया श्रव उसकी स्नातिर फिर जेल जाने की तैयारी कर सी! وحمان وہاں سلیہال کر بات کرا وریگر لگر ھیں اٹھائی آئے سود ہور میٹن آج ھی سارھے سات آئے پہوئیدا دونیا ،

زبان آئیں گیا سلبہالیں' زبان تو سلبہال ۔ بہایمان کہیں گا گھورت ہولکا ہے ، تھائی ربیٹے کو قعائی آنہ کہتا ہے ،

يرفينان لو ا

اس کے جواب میں رصان کے ملہ سے لوک من کو ماں کی گلی نکلی ۔ اُسی رقعان کے ملہ سے جہت کو احدد علی آ پہونچا، رحمان کی گلی اُس کے کان میں پوچکی تھی، رحمان دائیں ہاتہ میں ایک جہوٹا سا ڈنڈا لئے ہوئے تھا اُور یاٹیں ہاتہ سے لوک من کا بایاں ہاتہ پکڑے ہوئے تھا ، وہ ڈنڈا گھا کو ہی تھا کہ احدد علی نے رحمان خمان کے ہاتہ سے ڈنڈا کہینچ کو ایک دم آواز دی —خان لوگ میں کا ہاتہ جہوڑ ،

محطے کے دوک تو یہ سنجھ کہ اب احدد علی نے لیا دوک میں سے بدلا ۔ آب مغنو موا چکھینگے احدد علی کو دوگری بھیل بھجوانے کا ، آئلہ میں احدد علی کا ذیا خان کے ھاکھ پر ، وہ لوک مان کا ھاتھ چھوڑ احدد علی کی طرف لیکا ، جب تک احدد علی نے اُس کی کھوڑوی پر دو اور کسی کے جمالے ، آب خان کو بھائتہ ھی بغا ، آدھر محصلے گسی کے جمالے ، آب خان کو بھائتہ ھی بغا ، آدھر محصلے والے آگر احدد علی سے بولے ،

ٹم لے پور جھل جائے کی تیاری کرلی ، لرکساس سے تمہیں اِتلی محصیت تھی لو نه کچھ بات کے لگے تم نے اِس کا ھاتھ کھوں ٹورا ؟

تم یهی هجهب آدمی هو . ولا روزی کا سوال تها ا پهنگ کا سوال تها اُ اُسول کا سوال تها .

اور ای جس نے تبییں جمل بمجوایا تما اُس کی خاطر تم میں اِتنا بمار کہاں سے جاک آیا ؟

تم لوگوں میں ہرم نہیں ہے تو میں نے تو ایکی شرم نہیں بیچ کھائی ، لوکسن کی ماں مہری جاچی ہوتی ہے کہ نہیں' اور تم میں سے بھی کسی کی تائی ہے' کسی کی بوا ہے اور کسی کی کچھ ، اس کمینصت خان نے جب اِس کو مان کی گلی دی تو میری چاچی کو گائی دی که نہیں' اور بوا کو گائی دی که نہیں ، یه لوکسن کا سوال نبیش ہے' متعلے کی عزت کا سوال ہے ، اور بوا کی عزت لتوا درئے تو کل فرنگھوں کی جوتیاں کھاتے بھروئے ،

مب معطم والے یہ کہتے ہوئے که احمد علی بات تو یعے کی کہنا ہے' آیے آیے گھر جال دئے ۔

الحمد على جيسے هى گهر هېرتجا لطيداً نے طعله ديا سيوس نے تمهيل جيل بهجوايا اب أس كى خاطر يهر جيل بارش كرلى !

सलाह से लो. पर मेरे पर में तो देवी मौजूद थी और जैसे एससे सलाह न ली.

अच्छा, अब दुख न मानो. मैं मद्रा तो अभी मुन्तू के हाम लतीकन के यहां भेज रही हूँ और बाटे वाल सब का प्रबन्ध कर दुँगी, तुम बे-फ्रिकर रही.

×

मुन्नू बेटा क्या लाए हो १ चाची, मद्रा लाया है. किसने भेजा है ? धम्मा ने !

×

देवर को जेल भिजवाने की खुशी में.

मुन्तू इस व्यंग की कुछ न समका. बोला -नहीं चाची, अभी अभी निकाला है, आज तो अम्मा ने इसमे से निकाल कर हमें मक्खन भी नहीं दिया.

अच्छा अच्छा ले जा. अपनी अस्मा से कह देना. चाची सट्टे की भूकी नहीं.

श्रम्मा, चाची ने तो मट्टा नहीं लिया.

देखा, मुन्तू के दहा ! मुक्ते भी डर था कि वह बन्दी मर जायगी पर मट्टा न लेगी. मुरालों का राज चला गया तो **क्या.** मुरालों का खुन तो नहीं चला गया.

मुन्तू की अन्मी अब क्या होगा ?

फिक्स न करो, में उसका इलाज जानती हूँ. देवर नहीं है तो क्या भूकी मरने दुँगी ?

तो क्या करोगी ?

34.6

क्रह्मंगी क्या, हाशिम बेग के घर भैंस है और वह मीलबी भी है. उनकी मारफत सब चीज पहुंचवाऊंगी तब स्रो इल्कार नहीं करेगी ?

(3)

लोकमन तुमने पक्ष्यीस इपए उधार लिये थे. न तुमने रुपए लौटा के विषे और न तीन महीने से सूद चुकाचा.

रहमान सां, अभी तीन महीने कहां पूरे हुए हैं ? तुम्हें शर्म नहीं आती, तीन महीने पूरे होने में पांच है दिन बाक़ी होंगे. तुम दो महीने का अगर पांच कपए सुद कुष्ठा देते तो मैं काहे को मांगने जाता.

बारे, तुम यह पांच रूपए कैसे मांग रहे हो ! तुमने तो डाई जाना महीने सुद की बात कही थी, सो तीन महीने के इप सादे सात आने. अब क्या सादे सात रूपए लोगे ?

अगर मेरा नाम रहमान खां है तो सादे सात लुंगा, साढ़े सात. ददया जेते बहुत कैसा मीला बना हुआ था, अब सारी चालाकी आ गई. निकाल सादे सात, नहीं तो तेरे बार पर जुले जमाता है.

ملے کے آبا پر شہرے گھر مہیں تو دیوں۔ سوھوہ ۔ تھی آبو میں تے اس سے شام نه لی ،

المها أليه هالو أنه مالو . مين مالها تو أبهى مقلو ك عاتم لطيفاً كم يهال يهيم رهى هول أور أنِّم دال سب كا وريلته كر دونكي ، تم نے فكر وهو .

×

مغلو بهتا كها الله هو ؟ جاجي مثها ليا هول . کس لے بھیموا ہے ؟

ديور کو جهل بهجوائے کی خوشی مهن ،

مللواس ويلگ كو كچهانه سنجها يولاسانيهن جاجه، أ ابھی ابھی دکالا ہے ، آج کو اساں نے اس مھی سے نکال کر هنهن معهق يهي تهيان فيا ،

آجها آجها کے جا ، اینی امان سے که دینا جاجی مالمے کی بھوکی نبھی ہ

أمان ؛ جاجي نے تو مثلها نهيں ليا ،

دیکیا' منفو کے ددا! مجھے بھی قراتھا که وہ بقدی مر جائهكي هر مالها نه ليكي . مغلول كا راج جالا لها أو كياً مقلول كا خون تو نهيل چلا كها .

مققو کی امان آپ کها هوا ؟

نکر نے کروا میں اُس کا علاج جانعی ہوں ، دیور نہیں ہے تو کیا بھوکی مرتے دونکی !

در کها کروگی ؟

کہنگی کھا عاشم بھگ کے گھر بھیٹس کے اور ولا مولوی بھی ہے . اس کی معرفت سب چیز بہدچواونگی تب تو إنكار نهين كريكي ؟

(3)

لوک من اتم لے بتھیس رویائے اُدھار لائے تھے۔ اند تم نے رویکے لوٹا کے دیکے اور نه تین مہیلے سے سود چکایا . رحمان خان ابھی تھن میھات کیاں پورے ہوا۔

نبيين شرم نهين آئيءُ ۔ تين مينٹے پورے طرقے میں پانچ چه دن یاقی هونگه . تم دو مهیشه کا اگر یانی رویگم سود چکا دیگی او مهن کافی کو مانگذی آتا .

ارے کم یہ ہانی رویکی کیسے مالک رہے ہو ! تم لے تو قعالی آنہ مبہیلے سود کی بات کہی تھی سو تھی مہدیلے کے مرئے سابھ سات آلے . آپ کھا ساتھ سات رویئے لوئے ؟

للرسهرا نام رحمان خال هر تو ساره سات لونا. ساره سات . رويها لهال وقده كهسا يهولا يقا هوا تها أب ساري چالئي آ گلي ، نكل ساره سابط^{اء} نويس تو تبرت سر پر جوتے جسالیا جوں ۔ सीकमन यह चनौती सुनकर तात्र में था गया और गाहक का दाय पकड़ कर बोला—से तोड़ मेरा दाय.

बहुमद बाली इस चुनौती की बर्दारत न कर सका. उसने उठाया एक इंडा और मारा लोकमन के हाथ में. लोकमन के चोट तो बढ़े जोर की बैठी पर गरम गरम चोट थी रास्से में मूल गया और बहमद बली से लिपट पड़ा और दोनों में गुत्थम गुत्था होने लगी. दूसरे द्कानदार बचाने के लिये दौड़ पड़े और उनको अलग कर दिया. गाहक पैसा छोड़ चलता बना. दुकानदारों ने ऋसूर लोकमन का ही साबित किया, बनकी दुर्लाल यह थी कि लोकमन को गाहक से पैसा लिखे बरोर सीदा नहीं करना चाहियेथा. लोकमन इस कैसलें से चुप तो हो गया पर अब उसकी चोट ठंडी ही चुकी थी और बुरी तरह दुल देने लगी थी. श्रीर जैसे ही उसने चोट पर हाथ रक्खा तो उसे ऐसा मालूम हुआ कि उसकी हुई। टूट गई है. अब वह कुछ चीट से कुछ हार से, खिसिया कर दुकान बढ़ा कर चल दिया और थाने में रपट लिखा आया. दस दिन के अन्दर डिपटी साहब के यहां से फ़ैसला हो गया अहमद अली को तीन महीने की जैल हो गई. मुक़दमें में सब मिला कर लोकमन के पच्चीस रूपये सात आने सर्च हुए पर जीत की सुशी में वह इस पैसे की चोट को को बर्दाश्त कर गया.

(2)

वेख री, मुभू की मां, जब तक शहमद खली जेख से छुट कर ना भाए शहमद अली की औरत लतीकन को किसी तरह की तकलीफ न होने पाए.

इसमें तुम्हारे कहने की क्या जरूरत है, तुम्हारे बोटे भाई की बहू है तो वह मेरे देवर की भी तो भौरत है, मेरी देवरानी है. मैं उसे तकलीफ क्यों होने तुँगी. पर यह तो बताओं कि तुमने मेरे देवर को जेल भिजवा कर क्या कोई हाथ का जरूम अञ्झा कर लिया. गुस्सा सब को हराम है तुम्हीं को आ जाता और तुम उस पर डंडा चला बैठते और फिर वह थाने में जाता तो क्या तुम्हों न जेल हो जाती. और जब दुकानदारों ने फैसला कर दिया था तब तुम फिरंगियों की अवालत में क्यों पहुंच गए.

मुन्नू की मां, बात तो तुम बड़ी जक्रल की करती हो पर अब तो जो हो गया सो हो गया. अब यह अनहुआ तो नहीं हो सकता और मैं तो बीच में भी मुक़द्मा वापस ले रहा आ पर यह रौतान के बच्चे बकील साहब मुमसे बोले अगर तुम मुक़दमा वापस लोगे तो तुम फंस जाओंगे. अब तुम्ही बलाओं मैं क्या करता ?

तुम यह फरते कि याने में रपट लिखाने से पहले मुक्त से मिल कर जाते तो मैं तुम्हें रपट ही न लिखाने देती.

दां, सुन्तु की मां, यह तो भूत हुई. मैंने कान पकड़े. चंतों का कहाना है कि कोई न हो तो अपनी पगड़ी से ही َّا لَوْكِ مِنِي بِهُ جِعَلُولِي مِنِي كُرَ تَاوُ مِنِي ۖ لَهَا ۚ لُورَا الْعَكَٰبُ } لَا عَالَمُ اللهِ اله

الصلافالي اس جنوتي كو يوداشك له كر سكا . أس نے آٹھایا ایک قلقا اور سارا لوک من کے ہاتھ سیں ، لوک صن کے جوت تو ہوے زور کی بہتھی پر گرم گرم چوت تھی قصے میں بہول کیا اور احدد علی سے لیت ہوا آور دونوں مهن گاهم کاها هونے لکی. دوسرے دوکان دار بجانے کے لگے فور یوے آور اُن کو الگ کر دیا ۔ کامک چیستہ چھور جالتا بدا . دوکان داروں نے قصور لوک من کا هی ثابت کیا . أن کی دلیل پت تھی کہ لوک من کو گلمک سے پیسہ لگے بغیر سودا نہیں کرنا جاھئے تھا۔ لوک من اس فیصلہ سے جب تو هرگیا، پر جب أسكى چوك تهلكى هو چكىتهى آور بربی طرح دکه دیئے لکی تھی آور جیسے ھی اُس لے جیت یر هانه رکها تو أیه ایسا معلوم هوا که اسکی هذی ، البت كلي هي ، أب وه كنچه چوت بير كنچه هار بير كهسيا كو هوكان يوها كو چل ديا أور تهائي مهن ريت لكها آيا . دس دن کے اندر ڈیٹی صاحب کے یہاں سے قیصلہ ہوگیا . الحدد على كو تهن مهيلے كى جول هوگئى ، مقدمے مهن سب ملاکو لوک من کے پنچیس روپے سات آنے خرچ ہوئے' ير جيت کي خوشي مين وه اس پيسم کي چوڪ کو چر*داشت* کو گھا ۔

2

دیکھ رہی مقاو کی ماں' جب تک احمد علی جهل ہے۔ ہے چہت کو نہ آئے احمد علی کی عورت لطھڈا کو کسی طرح کی تکلیف نہ ھوتے پائے ،

اس مهی تمهارے کہتے کی کیا ضرورت ہے' تمہارے مہورتے ہیائی کی بہو ہے تو وہ مہرے دبیور کی بھی تو عورت ہے۔ مہری دبیور کی بھی تو عورت ہے۔ مہری دبیور کی بھی تو عورت پر یہ تو بتاؤ کہ تم نے مہرے دبیور کو جھل بہتجوا کو کیا کوئی ہاتھ کا وخم اجھا کولھا، فصہ سب کو حوام ہے، تمہیں کو آجاتا اور تم اس پر قنقا چھ بھیتتے اور بھر وہ تھائے مہی جاتا تو کیا تمہیں نہ جھل ہو جاتی ، اور جب درکانداروں نے فیصلہ کردیا تھا تب تم فرنگھوں کی عدالت مہی کھوں بہونیج گئے ،

مقلو کی ماں' بات تو تم ہوی مقل کی کرتی ہو پر اب تہ میں مقل کی کرتی ہو پر اب تہ انہوا تو تہمی ہوسکتا اور ممی تو بمج ممی بمی مقدمه واپس لے رہا تما پر یہ شیطان کے بحجے وکیل صاحب مجم سے بولے' اگر تم مقدمه واپس لولے تو تم پہلس جاؤ کے . آب تمہمی پتاؤ ممی کیا ؟

تم یہ کرتے کہ تھائے میں ریٹ لکھائے سے پہلے سجھ سے مل کر جائے تو میں تمہیں ریٹ ھی نہ لکھائے دیگی، ماں' ملٹو کی ماں' یہ تو بھول ھوئی ، میں نے کان چکونے ، سفتوں'ا کہنا ہےکہ کوئی نہ ھو تو آینی پکویسے سے

نگلی آئی جالک الطر کے ابر پیدلک کر جائی گلے ۔

تہوری عیر میں دونوں نے مل کر خربورے خریدے اور باتت بائت کو کھائے ۔ جار یج گئے اور کوئی کاهک دونوں میں سے کسی کی دکان پر نہ آیا ۔ آدھ گھٹٹے کے بعد ایک کاهک احمد علی کے پاس آیا ، رواج کے مطابق احمد علی نے بیٹیٹے ھی اُس سے ایک پیست مانکا ۔ اُس نے پیست دے دیا اور کاهک دکان پر سے تہاں اُتھا اُتھا کو دیکھٹے لگا .

یہ پیسہ اس لئے دیا جاتا تھا کہ جب تک گامک اُس پیسے کو واپس نہ لے لے تپ تک دوسرا درکان دار اُس گامک کو ابھے پاس بلانے کا جندار نہیں .

احدد علی سے وہ سودا نه پتا ۔ کاهک آته کهوا هوا اور اپنا پهسة واپس مانکنے لگا ۔ وہ دینے مهن تال مقبل کو رها تها لور کاهک کو چهرونا نههن جاهتا تها ۔ کاهک اب بالکل اُوب قیا تها اور وہ اُس سے نها نههن جاهتا تها ۔ جب احدد علی نے پهسته دینے مهن آنا کانی کی تو کاهک پهسته لئے بغیر لوک من کے پهو کے حاملے آگها اور بهتهار اُس دوکان کے تهان دیکھانےلگا ۔ اس پر احدد علی بگر بهتها اور لوک من سے بولا۔۔۔

بہائی لوک من یہ کاهک میوا ہے کم آبیہ تھان نہیں دکھا سکتے اُ اِسے مہرے پاس بہنجو .

لوک مان ہوا۔۔یہ خوب م نے کوئی کاهک مول خرید ایا ہے ، مهں نے تو آسے بالیا نہیں ، وہ آنے آپ آیا ، بهتما اور دیکھنے لگا ، مهن کہوں نه تهان دکھائی ؟

احدد علی پرالسسمان میں نے کامک خرید لیا ہے ۔ اُس کا پیستہ ایمی میرے پاس ہے ، تم نے اگر تمان کا مول تول کیا تو اچھا نہیں ہوگا ، مہرا کاهک مہرے پاس بہم دو ،

لوک من ہوا۔۔۔۔ تم اچھ آئے کیمن کے نواب جو مجھ ہر حکم چلاتے ہو ۔ المک کا ایک ہیسہ نہمن دیاتہ اور کیاتے ہو گلمک میرا ہے ۔ اب مہری دکان کے ساملے آگیا ' اب مہرا ہے .

دیکھو لوک می یات ہوہ کر تھ کرو ، گامک مهرا ہے ۔ تمہارا تبھی ،

ایہا، دیکہ لیا کاهک والے، دیکھیں تو تو میری دکان کے سامنے سے کاهک نے جائے ،

هوهی کی دوا کر لوک من هوهی کیدوا ، جو تولے گاهک سے سودا پھایا تو تھری گردان توج درنکا ۔

تو تواک کو کے تو ہول نہیں' ھست ھو تو آ جا ۔ ھو جائے دینے جو ھو ھاتھ ۔

الصد أبلي يُول—أبهها تو يكو تو العك كا هالها ألو تهرأ ماله هي لغ تيو فين تو شهرا للم يهي الصد قيهن .

नकती बड़ी बासाक. नजर के तीर केंद्र कर बसी गई.

बोड़ी देर में होनों ने मिल कर खरकूजे खरीदे और बांट बाट कर खाए. बार बज गए और कोई गाहक दोनों में से किसी की दुकान पर न बावा. बाब घंटे के बाद एक गाहक बहमद बाली के पास बावा. रिवाज के मुताबिक़ बहमद बाली ने बैठते ही उससे एक पैसा मांचा. उसने पैसा दे दिया और बाब गाहक दुकान पर से बान उठा उठा कर देखने लगा.

यह पैसा इसिलये दिया जाता था कि जब तक गाहक इस पैसे को वापस न जे ले तब तक दूसरा दुकानदार इस गाइक को अपने पास बुलाने का इक़दार नहीं.

अहमद अली से वह सौदा न पटा. गाहक उठ खड़ा हुआ और अपना पैसा वापस मांगने लगा. वह देने में टाल मटोल कर रहा था और गाहक को झोड़ना नहीं चाहता था. गाहक अब विल्ड्डल ऊब गया था और वह उससे लेना नहीं चाहता था. जब अहमद अली ने पैसा देने में आनाकानी की तो गाहक पैसा लिये बरौर लोकमन के फड़ के सामने आ गया और बैठ कर उस दुकान के थान देखने लगा. इस पर अहमद अली विगड़ बैठा और लोकमन से बोला—

भाई लोकमन, यह गाहक मेरा है, तुम इसे थान नहीं दिखा सकते, इसे मेरे पास भेजी.

लोकमन बोला—यह लूब, तुमने कोई गाहक मोल खरीद लिया है. मैंने तो उसे बुलाया नहीं. दह अपने आप आया, बैठा और देखने लगा. मैं क्यों न थान दिखाऊं?

बहुमद बली बोला—हां, मैंने गाहक खरीद लिया है. उसका पैसा बभी मेरे पास है. तुमने बगर थान का मोल तोल किया तो बच्छा नहीं होगा. मेरा गाहक मेरे पास भेज दो.

लोकमन बोला—तुम अच्छे आए कहीं के नवाब, जो मुक्त पर हुक्म चलाते हो. गाहक का एक पैसा नहीं हेते और कहते हो गाहक मेरा है. अब मेरी दुकान के सामने आ शया, अब मेरा है.

देखो लोकमन, बात बढ़कर न करो गाहक मेरा है, सन्दारा नहीं.

अने जा, देख लिया गाइक वाले. देखें तो तू मेरी दुकान के सामने से गाइक ले जाय.

होश की दवा कर लोकमन, होश की दवा. जो तूने गाहक से सौदा पटाया तो तेरी गर्दन तोड़ दूँगा.

तू तदाक कर के तो बोल नहीं, हिम्मत हो सो भा जा. हो आने दे दो दो हाथ.

कहमद जाती बोला—जरुहा तू पकद तो गाहक का हाज, जनर तेरा हाज ही न तोद दूँ तो नेरा नाम भी कहमद नहीं

AND THE STATE OF T

, 16 - 10 1 48 w

आसानी से सुसमा देती थी. गाइकों को सेकर भी कभी कभी मृगदा भी हो जाता था. लोगों में खूब दम था. ज्यालीस बरस की गुलामी का इन लोगों पर बहुत ही कम असर हुआ था जो सन सत्तावन से पहले की जीलाद थे और जिन्होंने अपना राज अपनी आंखो देखा था. ऐसे लोग जरा सी भी बेइजजती बर्दाशत नहीं कर सकते थे.

हिन्यू मुसलमान सूब मिल कर रहते थे. एक पेशा करने वाले हिन्दू मुसलमान तो ऐसे मिलकर रहते थे मानो मां जाब माई हों. हर एक दूसरे के खातिर हर वक्त खून पसीना बहाने के लिये तैयार रहता था. गांव और शहरों की बसावट में हिन्दू मुसलमानों का कोई स्रयाल नहीं रक्सा जाता था. आहान और मुसलमान एक ही मकान में रह लेते थे. कभी कोई दिशकत न होती थी.

मेंठ लगी हुई थी. धाररौली करने के नवादा मोहरूले के दो बजाज पास पास बैठे बार्ते कर रहे थे. एक का नाम था धाइमद असी और दूसरे का नाम था लोकमन. लोकमन की डमर 37 की रही होगी और धह्मद असी तीस बत्तीस का था. बहमद असी कह रहा था—

भाई लोकमन, भाज पेठ का रंग दीला रहता माल्स होता है.

लोकमन बोला--पेंठ का पूरा रंग तीन बजे के बाद जमेगा, अभी तो एक ही बजा है.

हमेशा तो ऐसा नहीं होता था !

आजकल खेतों की कटाई हो रही है कटाई, गाहक तीन बजे से आने शुरू होंगे. पांच बजे इसी पेंठ में इतनी भीड़ होगी कि मियां अहमद अली तुम से गाहक संभाले न संभक्तेंगे.

इतने में ब्रह्मद अली की नजर एक औरत पर पड़ी जो बीस-पच्चीस की रही होगी, पर थी बड़े गठीले जिस्म की. वह इधर उधर सब दुकानों पर नजर शालती आगे बदती आ रही थी. ब्रह्मद अली बोला—भाई लोकमन, इसकी आंखें बड़ी चुटीली हैं.

शिक्सन बोला-आंखें क्या हैं नीवू की फांकें हैं.

इसकी नाक तो देखों कैसी सुढील हैं. और देखों, इसने अपनी कोळी फितनी कस कर बांध रक्खों है.

देखों, अब बह पास आ गई, हमारी बार्ते सुन लेगी. गाइक की अगर थह मालम हो जाय कि हमारी नज़र सराब है तो फिर वह दुकान पर भी नहीं फटकेगा.

हां, बात तो तुम ठीक कहते हो पर क्या करें. इसकी शक्त ही ऐसी है कि बात किये करीर दका न जाय.

वह औरत दोनों तरफ निगाइ बालती हुई निकल गई. किसी दुकान पर सौदे के लिये न टिकी. अब बहमद अली और सोकमन दोनों टहाका सार कर इंसे और बोले—यह آسائی سے سلمیوا فیٹی تھی ، لاھکوں کو لیے کر بھی کھھی کدبی جمیکوا بھی ھو جاتا تھا ، لوگوں مھی شوب دم تھا ، بھالیش برس کی فلاسی کا اُن لوگوں ہو بہمت ھی کم اگر ھوا تھا جو سن سٹاون سے پہلے کی اُولاہ تھا اُور جنہوں نے اپنا واچ اپلی آنکھوں دیکھا تھا ، ایسے لوگ

هندو مسلمان خوب مل کو رهیم ته. ایک پیشه کونے والے هندو مسلمان تو ایسے مل کو رهیم ته مانو مان جائے پیائی هون ، هر ایک دوسرے کے خاطر هر وقت خون پیشینه پہائے کے لئے تهاو رهیما تها ، گاوں أور شهروں کی بساوی و بین هندو مسلمانوں کا کوئی خهال تهون رکها بھاتا تها ، براهمن أور مسلمان ایک هی مکان میں را لیہے تھے ، کیوی کوئی دائت نه هوتی تهی ،

پیڈٹہ لکی ہوئی تھی، اتروآی قصمہ کے انوادہ معملے کے دو ہجانے پاس پاس بیٹھے باتیں کر رہےتھے، ایک کا نام تھا احمد علی اور دوسرے کا نام تھا اوک من ، لوک سن کی عمر 87 کی رہی ہوئی اور احمد علی تیس بتیس کا تھا ، ایعمد علی کہ رہا تھا۔۔۔

پہائی لوک من آج پینٹھ کا رنگ ڈھھلا رھٹا معلوم اوٹا ھے ۔

لوک من ہولا۔۔۔ہھٹھ کا ہورا ونگ تین بجھ کے ہمد جسے کا ابھی تو ایک ھی بجا ہے .

همهشد تو ایسا نههی هوتا تها !

أَج كُلُ كَهِيْدُونَ فَي كَثَّائِي هُو رَهِي هِ كَثَّائِي ُ لَاهْكَ تَهِيْ يَحْدِي هِ كَثَائِي ُ لَاهْكَ تَهِي يَحْدِي إِسَى يَهِنْتُهِ مَهِنَ النَّبِي يَحْدِي هُوكِي كَهُ مَهَالُ الحَمْدُ عَلَى ثَمْ سِ لَاهْكَ سَلْبَهِالِي لَمْ سَلْبَهَالِي لَمْ سَلْبُهَا لَمْ سَلْبَهَا لَمْ سَلْبَهَا لَمْ سَلْبَهَا لَمْ سَلْبُهَا لَهُ سَلْبُهَا لَمْ سَلْبُهَا لَمْ سَلْبُهَا لَمْ سَلْبُهَا لَمْ سَلْبُهَا لَمْ سَلْبُهَا لَمْ سَلْبُهُا لَمْ سَلْبُهُا لَمْ سَلْبُهُا لَمْ سَلْبُهُا لَمْ سَلْبُهُا لَمْ سَلْبُهَا لَهُ عَلَى لَمْ سَلْبُهُا لَمْ سَلْبُهُا لَمْ سَلْبُهُا لَمْ عَلَيْكُمْ لَمْ عَلَيْ لَمْ عَلَيْ لَمْ عَلَيْكُمْ عَلَيْكُمْ عَلَيْكُمْ عَلَيْكُمْ عَلَيْكُمْ عَلَيْكُمْ عَلَيْ عَلَيْكُمْ عَلَيْكُمْ عَلَالُهُ عَلَيْكُمْ عَلَا عَلَالُكُمْ عَلَيْكُمْ عَلَيْكُمْ عَلَالُهُ عَلَيْكُمْ عَلَيْكُمْ عَلَيْكُمْ عَلَالِهُ عَلَيْكُمْ عَلَيْكُمْ عَلَيْكُمْ عَلَيْكُمْ عَلَيْكُمْ عَلَاكُمْ عَلْهُ عَلْمُ عَلَالُكُمْ عَلَالْكُمْ عَلَالْكُمْ عَلَالْكُمْ عَلَالْكُمْ عَلَالْكُمْ عَلَالْكُمْ عَلْكُمْ عَلَالْكُمْ عَلَالْكُمْ عَلْكُمْ عَلْكُمْ عِلْكُمْ عَلْمُ عَلَالْكُمْ عَلَالْكُمْ عَلَالْكُمْ عَلَالْكُمْ عَلْكُمْ عَلَالْكُمْ عَلَالْكُمْ عَلَالْكُمْ عَلَالْكُمْ عِلْكُمْ عَلَالْكُمْ عَلْكُمْ عِلْكُمْ عِلْكُمْ عَلَالْكُمْ عَلَالْكُمْ عَلَالْكُمْ عَلَالْكُمْ عَلَالْكُمْ عَلَى عَلَى عَلَى عَلَى عَلَالْكُمْ عَلَالْكُمْ عَلَالْكُمْ عَلَى عَلَى عَلَى عَلَالْكُمْ عَلْكُمْ عَلْكُمْ عَلَالْكُمْ عَلَاكُمْ عَلَالْكُمْ عَلْلِلْكُمْ عَلَالْكُمْ عَلَالْكُمْ عَلَالْكُمْ عَلَالْكُمْ عَلْمُ عَل

اتنے میں احمد علی کی نظر ایک مورت پر پوی جو پیس بچیس کی وهی هوئی' پر تهی بوی گلیبلی جسم کی و ادام ادهر سب دوکانوں پو نظر ڈالٹی آئے ہوھتی آرهی تهی ، احمد علی بولات بھائی لوک میں' اِس کی آرهی ہوی ہوئیلی هیں ،

لوگ من بولا۔۔۔ آنکھیں کیا میں تیبو کی پھانکیں

آسرکی ناک تو دیکھو کیسی سو ڈول ھے۔ اور دیکھو اِس نے اینی جولی کھنی کس کر باندھ رکھی ہے۔

دیکھو' آب ولا یاس آگئی' هماری باتیں سن لے گئی ، کاهک کو اگر یہ معلوم هو جائے که هماری نظر خواب ہے تو پھر وہ درکان پر بھی نہیں پھٹکے گا .

ماں' یات تو تم ٹھھک کہتے ہو ہو کیا۔ کویں ، اِسکی شکل می ایسی ہے کہ یات کئے بغیر رکا تم جائے ،

رہ مورت دونوں طرف عاہ ڈالٹی ہوٹی نکل گئی۔ کسی دکان پر سودے کے لیّے نہ تکی، اب اُحمد علی اور نوک می دونوں تہہاکا مار کو ہلسے اور پولےسیہ

वह भी क्या थे ?

उन्नीसवीं सदी खतम होने में कुछ महीने बाक़ी थे. श्रंगरेजी राज को जमे ब्यालीस बरस बीतने को थे फिर भी नावें की दियासलाई को छोड़कर सारी चीचें गांव की पेंठ में देशी हो होती थीं. बदई गहूलने और रेड़ लेकर आते थे. लोहार चाक़, केंची, उस्तरे, कजरोटे और इसी तरह घर की दूसरी जरूरी चीजें बेचते नजर आते थे. हाय के बने काराज भी मिल सकते थे. कुम्हार मिट्टी के खिलौने लाते थे. लखेरे लाख की चृष्यां बेचते मिलते थे. उन्हीं के पास बच्चों के खेलने के लिये लाख की गेंदें मिनती थीं, को पैसे में बार तक मिल जाती थीं. यह गोबर की बनी हुई होती थीं और इन पर लाख चढ़ी रहती थी. आज की रबर की गेंद से भी जियादा इलकी होती थीं. काराज के कते हुए भी तरह तरह के खिलीने मिल जाते थे. पंखे वाले पंखे बेबते थे. कंजरियां सिरकी के भुत्रभुते और डोली बनाकर बेचती थीं, जिनके दाम दो कौड़ी होते थे. यानी एक पैसे में चालीस. देशी शक्कर, गुड़ और परचूनी की बीद चीजें सभी पेंठ में मिल जाती थीं. हाडियों में घी देख कर तिक्यत खुश हो जाती थी. रवादार घी जब आधी आधी इटांक बानगी में चलने को मिल जाता था तो सुसक चा जाता था. विलायती कपड़ा देखने को भी न था. डाथ के कते सूत को ले लेकर छोटी छोटी लड़िकयां और बड़ी बृद्धियां आती थीं और जुलाहों को वह सूत बेच देती शी. जुलाहे अपने हाथ के बुने थान उन लोगों के हाथ बेच देते भे जो उनको रंगने और छाप कर तरह तरह की छीटों में तबवील करने का काम जानते थे. एक जास तरह का कपडा होता था जिसकी जमीन नीली होती थी पर बीच बीच में सफ़ेद जगह रहती थी और उसमें छोटा सा गुलाब का फूल बना रहता था, उस कपड़े का नाम सुरगुल होता था, यह पेंठ में विकने तो कम भाता था, जियादातर काबुल चला जाता था. उसी पेंठ में तैयार कपड़े के बेचने वाले बचाज भी रहते थे जिनके पास हर रंग और हर तर्ज का कपड़ा रक्ता था. लाल रंग के कपड़े को सूरज पाखी कहते बे. इदे रंग के बारीक बारीक बृटियों समेत कपड़े का जरी साम रहता था. तोशक और लिहाफ के वेश बुदेवार अवरे भी भिल जाते थे.

पैठ में जाम तौर से दुकानदारों की जगह पहले से ही नियस रहती थी. गांव की छोटी सी कमेटी उन से कुछ मामूली किराया बसूज कर लेती थी. जगहों के लिये कमी कभी महावा भी हो जाता था पर गांव कमेटी उसको बड़ी

ولا بھی کیا تھے!

أنهسوين صدى شتم هونے مين كنچه مهيئے بالى تھے، الكريزي رأج كو جيم بهاليس برس بهتلم كو تهم يهر بهي ناروسے کی دیاسائی کو جہور کر ساری جیزیں گلوں کی پهنته مهن ديشي هي هوتي تهين ، بوهتي كقولله أور ريوو لي كر آتے تھے ، لوهار چاقو؛ قيقتي أستوے كتوروث اور اِسىطرح گهر كى دوسوى فروري چهنوس بهنچاتے نظر آتے تھے ، ھانھ کے بلے کافل بھی مل سکتے تھے ، کمھار مالی ایک كهلوغ لاترنه. لكههو علاكه كي جوزيان بهنها ملاء تها أنههن کے پاس بھوں کے کھیلنے کے لئے لاکھ کی گھلدیں ملتی تهدی کے جو پیسے میں جار تک مل جاتی کھیں ، یه گوہر کی بلی هوئی هوٹی تههن اور اِن پر لاکه چوھی رھتی تھی ۔ آج کی ربر کی کیلد سے بھی زیادہ ھلکی ھولی تھیں ، کفٹ کے پلے ھوٹے بھی طرح طرح کے كهلول مل جائے تھے . يلكھ والے يلكھ بهجھتے تھ ، کلتجریاں سر کی کے جورے جوٹے اور قولی بقا کر بھنچھی تههں کون کے دام دو کوری هوتے تھے ، یعنی ایک پیسے میں چالیس ، ڈیشی هکر' کو اور پرچونی کی اور چھڑیں سبه، پيناه ، بي مل جاتي تهين ، هانڌيون مين گهي دیکهکر طبیعت خوص هو جاتی تهی ، روادار گهی جب آدهی آدهی چیتانک بانگی،مین چکهای کر سل جاتا تها تو لملف آ جاتا تها ، ولايتي كهوا سكها كو يهي نه تھا ، ھاتھ کے کالے سوت کو لے لے کر چھوٹی چھوٹی لوکھاں اور بوی بوزههان آتی تهین اور جولاهون کو ولا سوت یبهدیدی تهیں ، جوالم اپ هانه کے بلے تهان أن لوگوں کے هانه بہیے دیاتے تھے جو اُن کو رنگفے اور چھاپ کر طوح طرح کی جهيئتين مهن تبديل كرل كا كام جانتے تھے ، أيك خاص طرح کا کہوا ہوتا تھا جس کی زمین نیلی ہوتی تھی پر بھے بیے میں سفید جگہ رفتی تھی اور اُس میں چھوٹا سا گلاپ کا پھول بغا رفتا تھا' اُس کیڑےکا نام سرکل ہوتا تها . یه پینته میں تو بعلے کم آنا تها' زیادہ تر کابل چلا جانا تها ، أسى يهلقه مهن تهار كهوم ك بهنچله وألم بؤاز بھی رہیے تھے جن کے پاس مر رنگ اور مر طرز کا کیوا رمتا تھا لال ونگ کے کیوب کو سورے پاکھی کہتے تھے ، أردے ونگ کے باریک باریک ہوٹیس سیس کیوے کا زری نام رہا تھا۔ تو شک اور لحاف کے بول ہوتے دار ابرے بھی ال جاتے تھ ، پهنته مهن عام طور سے دوکان داروں کی جانه پہلے سے هي ليست رهتي لهي ۽ گاؤن کي ڇهوڻي سي کميڻي اُن سے کتھے معمولی کرایہ آصول کو لہانی تھی، جالموں کے لیے کیمی کیمی جهکوا یمی هر جاتا تها پر گار کیوکی اس کو اوی

Se Jane . The second second

श्रीमान, यह भारतमाता का मंदिर है, क्रिबला, यह आपकी खाला का घर नहीं है. यहां प्रसाद सब को बराबर मिलता है; यहां अब उद्यह नहीं होने दिया जायेगा कि आप हर रोज ईद मनायें और हर रात शबबरात; और बाक़ी बचे लोग दिन को रोजा और रात को फाक़ा करें. क्या आपने गांधी को यह कभी कहते नहीं सुना कि "जो बीज करोड़ों की नहीं हो सकती वह मुक्ते मान्य नहीं है. अहिंसा अगर करोड़ों की नहीं हो सकती तो वह मेरे लिये कौड़ी काम की नहीं." लिहाजा आपकी यह ईदें और शबबरातें अगर हम करोड़ों की नहीं हो सकतीं तो वह मेरे लिये कौड़ी काम की नहीं की नहीं हो सकतीं तो हुजूर पुरन्र के लिये भी हराम होनी चाहियें.

आप को पांच साल, सात साल अविध दी जा रही है. और बक्कत चाहिये और ले लीजिये, मगर बता दीजिये कुल कितना बक्त लेंगे. तब तक यक्कीन मानिये, हम अहिंसा की क्रसम खाए खड़े रहेंगे. मगर गुस्ताखी माफ, आपने रामायन तो पढ़ी होगी. जब राम के अंगद की बात रावन ने नहीं मानी थी तो क्या हुआ था? और महाभारत तो आपने जरूर पढ़ी होगी. पढ़ी क्या, पढ़ाई होगी. जब पांडवों के कुशन की शिश्टाई की दुर्योधन ने उपेसा कर दी थी तो आपके खानदान वालों की क्या हालत हुई थी. बारे-खातिर न हो तो अपनी मुद्दलत के दौरान में अपने इन अवतारों की लीलाओं के हश को याद रखियेगा.

जरा और सुनिये. भारत के पुनीत विधान में 'आर्थिक समानता' की घोशना कर दी गई है और मैं बिरला और भिकारी, डालिमया और मज़ल्मियां, टाटा और परकाटा की आर्थिक असमानता देख रहा हूँ. जनता-जनार्दन, दरिद्र नारायन, अब अपने चीर सागर वाली शेष शैया पर जस्मी विजास के लिये आतुर हो रहे हैं. कल्पान्त हुआ चाहता है.

"....... जो धर्म ग्रुद्ध अर्थ का विरोधी है वह धर्म नहीं है. जो धर्म राजनीति का विरोधी है वह धर्म नहीं है. धर्म के बिना अर्थ बेमानी है. धर्म के विना राजसत्ता शैनानी है. अर्थ वरौरा से अलग धर्म नाम की कोई चीज नहीं....."

— महात्मा गांधी

شری مان یہ بھاوت ماتا کا مقدر ہے ؟ قبقہ یہ آپ کی خالا کا کہر نہیں ہے ۔ یہاں پرساد سب کو پرابر ﴿مثنا ہے ؟ یہاں اب یہ نہیں ہور دیا جائے گا که آپ ہر روز عبد مفائیس اور ہر رات شب برات اور یاقی بچے لوگ دن کو روزہ اور رات کو فاقہ کریں ، کیا آپ نے گاندھی کو یہ کہمی کہتے نہیں سفا که '' جو چھز کروڑوں کی نہیں ہیکتی واد منجم مابیہ نہیں ہے ۔ اهفسا اگر کروڑوں کی نہیں ہو سکتی تو وہ میرے لئے کوڑی کام کی نہیں ۔'' لہذا آپ کی یہ عہدیں اور شب براتیں اگر ہم کروڑوں کی نہیں ہو سکتیں تو حضور پرنور کے لئے بھی حرام ہونی جاھئیں ،

آپ کو پاتیج سال' سات سال اودھی دبی جا رھی ہے ، اور وقت جاھی اور لے لیجھے' مگر رہتا دیجھے کل گنا وقت لینگے، تب تک پتین مانکے' هم اهنسا کی قسم کھائے کہتے ویسل کے ، مگر گستانی ممان' آپ نے وامائین تو پوھی هوئی ، جب رام کے انگد کی بات راون نے نہیں مانی تھی تو کھا ہوا تھا ؟ اور مہا بھارت تو آپ نے ضرور پوھی هوئی ، پوھی کیا' پوھائی هوئی ، جب پانڈوں کے کوشن کی ششگائی کی قربودھن نے ایکشا کر دبی ، تھی تو آپ نے خاندان وائوں کی کھا حالت ہوئی تھی ، بار خاطر تھ تو اپنی مہلت کے دوران میں ابھ ان اوتاروں کی نہیں کے حشر کو یاد رکھگ گا ،

فرا اور سلکے بہارت کے پلیت ودھان میں آرتیک سمانتا کی کووشفا کر دمی گئی ہے اور میں براڈ اور بہکاری قالمیا اور مطلومیاں قاتا اور پرکاتا کی آرتیک اسمانتا دیکھ رھا ھوں ، جلتا جفاردن در در نارائی اب ایے جھیرساگر والی شیش شیا پر لکشمی والس کے لگے آتر ھو رہے ھیں ، کلیانت ھوا جاھتا ہے ،

سسمهاتما كاندهى

जब तक शरीर है तब तक कार्य से छुट्टी कहां र आपको मीच के लिये कुछ भी करना भले ही बाक़ी न रहा हो, लेकिन बगर शरीर से काम लेना बन्द कर दिया तो यह ज़रूर सकने लगेगा. केवली प्राप्त हो जाने पर भी शरीर रहने तक मन, बचन, काया की क्रियाएं होती ही रहती हैं.

इस खाक की खूराक जिस्म को सेवा में घिस क्यों न डाला जाय? चाकू का जंग खा खा कर मिटने से तो चसका काम में चाते चाते एक चमचमाती जिन्दगी बसर करते हुए कना हो जाना अच्छा!

सन्यास का मतलब निकम्मापन मान कर इम गुलाम बने, दुश्टों के शासन तले कुचले आते रहे. अगर अब भी हमने सन्यासी का मतलब 'लोक संप्रहार्थ बे-रारज बे-लौस सेवा करने वाला' न किया तो गुलामी फिर धर द्वीचने वासी है. क्रानियों, तपस्वयों, सिद्धों, जीवनमुक्तों, अवतारों और ख़ुदाओं ने अगर हकूमत की बाग हाथ में न ली तो वह विदेशी आतताइयों और देशी गुंडों के हाथ में चला जाने वाला है या तो सज्जन आगे आ कर समाज की बाग होर परित्रांनाय साधू नाम् (भगवान को बचाने के लिये) डाय में ले ले, और दुर्जनों को विनाशायाच्छ दुश्कृताम् (सुराई को नाश फरने के लिये) दवा कर रक्खे, वर्ना दुर्जन सज्जनों पर रावन राज चलाते रहेंगे. कलयुग में संघ शक्ति का महात्न्य गाया गया है. पर आज हलकट सीग ही संगठित है, उद्भट लोग विघटित. चुनांचे जो लोग किसी मवेशी स्ताने के भी लायक नहीं आज इन्द्रों के-से भोग भोग रहे हैं, और जो राजरिशी होने लायक हैं वह अर्थिपशाचों के अस्तवल के घोड़ों की लीद उठाने की काटी पर तैनात हैं.

इने-गिने लोग झान को बहुत बारीक कातने की हसीन दुष्टता करते रहे और दुनिया को उल्लू बना कर उन पर हकूमत चलाते रहे. मगर वह काठ की हंडिया चढ़ चुकी है. तसक्बुरे जानां में बैठे रहनेवालों की कुर्सत के रात दिन चले गए, अब देहात का दहकान और शहर का जागलूल जाग गया है. वह ऐसे राम बान सवाल करने लगा है जिन के सामने सोने के मायाबी हिरन अपनी चौकड़ियां मूलने लगे हैं. यह बन्दरों और रीछों की सेना अब सोने की लंकाओं को लूट ही लेने वाली है. अब इन चौपायों (या चतुर्भुजों ?) को कीन सममाप कि कलां उपनिषद्कार कह गया है कि 'दूसरे की दौलत को गृद्ध दिन्द से मत देख' ? त्रेता में राम की बानर सेना के बन्दरों की यह उपनिषदकार अपनी उपर्युक्त उक्त का आईना दिखाता ही रह गया, पर लंका छटनी श्री सो लुट गई.

बाज समाज के गुरु घंटाल खुद तो ककड़ी सा रहे हैं बीर देश के करीकों भूखे नंगे चेले चिन्टारियों को लकड़ी साने को कह रहे हैं. جب تک شریر ہے تب تک کاریہ سے چھٹی کیاں ؟ آپ کو مرکش کے لئے کچھ بھی کرنا بھلے ھی یاتی نہ رھا ھو' لیکن اگر شویر سے کام لیفا بقد کر دیا تو یہ ضرور سڑنے لئے گا ، کھولی پرایت ھو جانے پر بھی شریر رھٹے تک سی' وچی' کیا کی کویائیں ھوتیھی رھتی ھیں ،

A CONTRACTOR STATE

آس خاک کی خوراک جسم کو سیوا میں گیس کیوں نہ قال جائے ؟ چالو کا زنگ کیا کیا کر مقلم سے تو اُس کا کم میں آتے آتے ایک چمچمانی زندگی بسر کرتے موٹے قفا مرجانا اچھا!

سقهاس کا مطلب تکماین مان کر هم قالم یقی دشتون کے شاسن تلے کچلے جاتے رہے . اگر آب یہی هم نے ستهاسی كا مطلب الوك سفكراهارته يهفرض يهلوث سهوا كرله وألا نه كها تو قلامي پهر دهر ديوچة والي هـ. گهالهون توسهون سدھوں جھوں معتوں اوتاروں اور خداوں نے اگر حکومت كى ياك هاته مين نه لى تو ولا وديشي أت تائهون أور ديهى كلدور كے هاته ميں چلا جانے والا هے يا تو سجن آئے آئر سماج کی ہاگ درو پری ترا نائے سادھو نام (بھگوان کو کو بچانے کے لکے) هاته ميں لے لے ' اور درجدوں کو وذاشا یاب دشکرتام (برائی کو ناهی کرنے کے لئے) دیا کر رکھے ورنا ردجن سجلوں پر راون راج چاتے رهوں کے ، کلوگ مهن سفكم شككى كا مهاتم كايا كها هـ ، ير أج هلكت لوك هي سلكتهت هـ؛ أدبهت لوك وكهتت . جلانچه جو لوف کسی مویشی خالے کے بھی لائق مھیں' آج اِندووں کے سے بھوگ بھوگ رہے ھیں' آرر جو راج رشی ھولے لائق هیں وہ ارتب پشاہوں کے اصطبل کے گھوڑوں کی لهد اُٹھا لے کی ڈیپوٹی پر تعدات ھیں ۔

انے گئے لوگ گیاں کو بہت پاریک کاتئے کی حسین دائلگا کرتے رہے اور دنیا کو الو بنا کر آن پر حکومت چاتے رہے ۔ گر وہ کاتھ کی شندیا چوھ چکی ہے ، تصور جال میں بیٹھے رہنے والوں کی فرصت کے رات دن چلے گئے ، اب دیہات کا دھقان اور شہر کا زافلول جاگ گیا ہے ، وہ ایسے رام بان سوال کرنے لکا ہے جن کے سامنے سونے کے مایاوی ھرن اپنی چوکویاں بھولنے لگے ھیں ، یہ بندروں اور ریچھوں کی سینا آپ سونے کی لفکاؤں کو لوت ھی لینے اور ریچھوں کی سینا آپ سونے کی لفکاؤں کو لوت ھی لینے والی ہے ، آپ اِن چوپائیوں (یا چہر بھجوں ؟) کو کون سمجھائے کہ لفل آپنشد کار کیا گیا ہے کہ دوسرے کی دولت سینا کو بادوں کی بادوں کی بادوں سینا کی بادوں سینا کی بادوں سینا کی بادوں کی بادوں سینا کی بادوں سینا کی بادوں کی بادو

آج سماج کے گرو گھٹٹال خود تو کنوی کیا رہے میں اور دیمن کے کرووں بھوکے ننگے چھلے چنٹاریوں کو لکوی کیا کے کہ رہے معین ۔

इस तरह 14 करोड़ की आवादी बार सूबों में बंटे तो दक्खिन की राजकाजी सत्ता आशाबार होगी, वह खुद पूरी और काफी बलवान भी होगी. हां, इन दो भाशा बोलने वाले सूबों का संगठन व शासन कैसे हो, इस पर ग़ोर करना फ़रूरी है. اِس طرح 14 کروڑ کی آبادی چار صهین مهن بھے تو دکھن کی راج کاجی سکا بھاشاوار ھرکی' وہ کود چوری آور کافی بلوان بھی ھوکی ۔ ھاں' اِن دو پھاشا بولنے والے صوبوں کا سلکتھن و شاسن کیسا ھو' اِس پر فور کرنا ضروری ہے ۔

वेदान्त कल्पान्त

(नारायन प्रसाद जैन)

वेदान्त नहीं कहता कि दुनिय छोड़ दो. वेदान्त नहीं कहता कि अपने रोज-य-रोज के जरूरी काम न करो. वेदान्त सिर्फ लगाव, उष्ना, राग देश, आसना वासना, इच्छा कामना, वरौरा मन के दोशों को छोड़ने के लिये कहता है.

वेदान्त कहता है, 'यह सब पसारा बहाहै' 'अपनी आत्मा ही बहा है', 'बहा आनन्द स्वरूप है' यानी यह सब कुछ राम ही राम है, मैं ही मैं हूँ. आनन्द ही आनन्द है. मगर यह राम, मैं या आनन्द कुछ भी न करे तो जड़ हो जाय. इस लिये यह रामलीला, मेरा खेल या आनन्द की मस्ती, या रासलीला हमेशा से चलती आ रही है और हमेशा चलती रहेगी. इस रासलीला से मुक्ति नहीं है. आपको दुख से मुक्ति मिल सकती है, आनन्द से मुक्ति नहीं सिल सकती, आनन्द कोई शिलाखंड नहीं कि किसी उजाड़ खंड में मुदें की तरह पड़ा रहे! कोई बालक बुत बना बैठा रहे तो घर वाले घबरा जायं और किसी डाक्टर को दिखलाने दौड़ें! कोई खिलाड़ी खेले नहीं तो वह खिलाड़ी कैसा शिकोई नाचने वाली नाचे नहीं तो क्या शोभा दे ?

'सत् का सार चित् (हलन चलन) है और चित् का सार आनन्द है.' आनन्द को चिद् रूप होना ही चाहिये. ईश्वर निश्किय (निकम्मा) (Static) नहीं, कियाशील (Dynamic) है. साइन्स का कहना है, हर चीज धूम रही है. बदलाब ही एक नियम है, जो कभी नहीं बदलता. यों हमेशा इन्क्रलाब जिन्दा रहता है!

बेदान्त हमें काम में जुटाता है. बे-गरफ बे-लीस काम का बिदया जानन्द ईरवर का ऐरवर्य है, सीन्दर्य है यानी खुदा की खुदाई जीर शान है!

साप जीवन सुकत, चरिहल्त, भी क्यों न हो गए हों,

ويدانت كليانت

(نارائن پرساد جهن)

ویدانت نہیں کہتا کہ دنیا جھور دو ، ویدانت نہیں کہتا کہ ابھے روز بروز کے ضروری کام نه کرو ، ویدانت صرنب لٹاوا ترشقا' راگ دریش' آسفا راسفا' اِچها کامقا وفیرہ می کے درشوں کو چھورٹے کے لئے کہتا ہے ،

ویدانت کہتاہے' ایہ سبیسارا پرھم ھیں' اپلی' آساھی
پرھم ہے' اپرھم آسلدسرروپ ہے' یعلی یہ سب کچھ رام ھی
رام ہے' سیس ھی سیس ھرن' آسد ھی آسد ہے مگر یہ
رام' میں یا آسد کچھ بھی نہ کرے تو جو ھرجائے ، اِس
رام' میں یا آسد کچھ بھی نہ کرے تو جو ھرجائے ، اِس
لیڈ یہ رام لیلا' میرا کھیل یا آسد کی سستی' یا راس
لیلا ھمیشہ سے چلتی آ رھی ہے اور ھمیشہ چلتی رہئی ،
اِس راس لیلا سے مکتی نہیں ہے ، آپ کو دکھ سے مکتی
مل سکتی ہے' آسد سے مکتی نہیں سل سکتی' آسد
کوئی ہلا کہتی نہیں مل سکتی' آسد
طرح پوا رہے ! کوئی بانک بت بنا بہتھا رہے تو کور رائے۔
گھیرا چائیں اور کسی آلاتی کو دکھانے دوریں ا کوئی کھلای
کھیلے نہیں تو وہ کھاڑی کیسا؟ کوئی ناچنے والی قاچے
کھیلے نہیں تو وہ کھاڑی کیسا؟ کوئی ناچنے والی قاچے

'ست کا سار جت (هان چان) هے اور جمعہ کا سار آئند هے'، آبند کو چد ورب هونا هی چاہگے، ایشور نشکریه (نکما) (Static) نہیں' کریاهیل (Dynamic) هے ، ساٹنس کا کہنا ہے' هو چهاز گهوم وهی هے ، 'بدالو هی ایک نهم هے' جو کبھی نہیں بدلتا ۔ یوں همیشه انتلاب وندہ وهتا هے!

ويدانت همهن كام مهن جتّاتا هـ ، يقرض يهارث كا كام يُوهها آلند أيشور كا أيشوريه هـ، سوندريه هـ يعتى خداً كى خدالى أور شان هـ أ

آبي جهون مثمت أريهلت بهي كهون نه هوگئر هون ا

करवरी '53

(37)

فرورى 530

سهامها کسی مده و کے لئے آسان هو ساتھ ہے۔ لها تها تها تها اور اسمیں بولقا مشکل هی نهیں کیا بامدین هی هو کا اسمین بولقا مشکل هی نهیں کیا تامدین هی هوا اس کے بجائے آفر مدواس والے کی ودهان سبها کی بهاشا سیکھئے میں آن کو آدها سبے نهیں لگا ، تمل آور تباکو دونیں کی تعداد بانچ کرور کے لگا بھگ هے اور باتی کی 70 لاکھ ، کفلو اور ملهالم کے دونوں جهوا ہے تکو کفلو اور ملهالم کے دونوں جهوا ہے تکو کفلو اور ملهالم کے دونوں جهوا ہے اس بها هوں تو کلم جهوا ہے آسان هو جائے کا اس پر خدرور سوچا جانا جاما جاما ہے۔

اگر همارے ساوے شاسن کے کام وکھندوت هوں اور لوک سبھا مهں صوف الگ الگ مهتو کی اتران پر نیتی کا هی قیصله هو تو یہ کام اور آسان هو جائے گا ، یہی بات حیدرآباد اور بسبئی کے لئے بھی لائو هو سمعی هے اِس سے الگ الگ بھاشا بھاشیاس کو پارسی بھاشاؤں کے لئے آدر دیائے اور اسکو سیمھنے کا بھی موقع ملے گا ، آخیر تبل اور نیلگو مھی کون بوا فرق هے مملی کا ، آخیر تبل بوا فرق هے مملی کون بوا فرق هے مملیالم اور تبل میں خاص فرق کہاں ہے ، یہ سب صرف نظریئے اور بھاؤیا کی بات ہے ، بھاشا کے ذریعے سب صرف نظریئے اور بھاؤیا کی بات ہے ، بھاشا کے ذریعے سہوا هی همیں کرنا هو تو ایک سے زیادہ بھاشا سیکھنے میں نقصان نہیں و فائدہ ہے .

اسی طرح سارے ہمیٹی راج کا بھی انتظام ہو سکتا ھے ۔ کگی ریاستوں کی ساڑھے تھن کروڑ آبادی میں اِس سے لگ بیگ 50 الله كللو بهاشا بهاشي هيئ. كللو بهاشابهاشی تکوا کرناتک مهن مل جائے تو کل تهن کرور کی آبادی ره جاتی ہے جو مراثهی اور گجراتی بهاشابهاشی هیں ، مراحمی أور گجرانی بهاشائیں صدیوں سے سکی بہنوں دی طرح رهیں ، دونوں بھاشا بھاشی ایک دوسرے صوبے میں لاکھوں کی تعداد میں پائے جاتے میں ، خاص کر مراتهی بهاشا ایهاشی گنجرات مین کافی اتعداد امین هیں' جیسے که تیلگو بهاشا بهاشی تبل صوبے میں هیں۔ وكيقندوت تعفك ير آج يسبكي دو بهاشاول كا صوبه بنايا جائے تو بہمیں هے فائدہ هو سکتا هے ، کسی نه کسی ولات حهدرآباد کو تو وگیندرت هونا هی پوے کا ، بمهائی اور مدراس ایلی ایلی راجدهانی بنا کر دو بهاشی موید هو جائیں کے تو صرف سوال کرناٹک اور کھول کا وہ جاتا ہے۔ وہ دونوں صوبے زیادہ تر سملدر کے کفارے اور ساتھ جی ملے هوئے هيں . وہ اوپر لکھی کاروائی سے اپنے آپ صوبے بن جاتے هين' بنگلور أور ترووننت پرمخود كاني كيندر هين . إن دونین شهرون کو رأیم ددهانی بقا کر یه دونون صوبی ایلی أيني حكومتها كا كام بعثوبي جالا سكتے ميں .

सीखना किसी मेम्बर के लिये बासान हो सकता है. लेकिन तीन तीन भाशास्त्रों का सीखना और उसमें बीलना मुश्किल ही नहीं, बल्कि नामुमिकन ही होगा. इसके बजाब अगर मदरास राज की विधान सभा में तिमल और तेलुगु भाशा भाशी ही रहें तो एक दूसरे की भाशा सीखने में उनकी अधिक समय नहीं लगता. तिमल और तेलुगु होनों की तादाद पांच करोड़ के लगभग है और बाक़ी की 70 लाख. कबड़ और मलयालम के दोनों छोटे दुकड़े कबड़ और केरल प्रान्त में मिल जायं, असानी से चार भाशाओं के बजाय दो ही भाशाएं हों तो काम कितना आसान हो जायगा! इस पर जरूर सोचा जाना चाहिये.

अगर हमारे सारे शासन के काम विकेन्द्रित हों और लोक सभा में सिर्फ अलग अलग महत्व की बातों पर नीति का ही फैसला हो तो थह काम और आसान हो जायगा-यही बात हैदराबाद और बम्बई के लिये भी लागू हो सकती है. इससे अलग अलग भाशा माशियों को पड़ोमी भाशाओं के लिये आदर दिखाने और उसको सीखने का भी मौक़ा मिलेगा आखिर तिमल और तेलुगु में कितना फरक है, कन्नड़ और मराठी में कौन बड़ा फरक़ है, मलयालम और तिमल में खास फरक़ कहां है, यह सब सिर्फ नजरिये और भावना की बात है. भाशा के जरिये सेवा ही हमें करना हों तो एक से जियादा भाशा सीखने में नुक़सान नहीं, फायदा है.

इसी तरह सारे बम्बई राज का भी इन्तजाम हो सकता है. कई रियासतों की साढ़े तीन करोड़ आबादी में इस समय लगभग 50 लाख कन्नड़ भाशा भाशी हैं. क्षम भाशा भाशी दुकड़ा करनाटक में मिल जाय तो कल 3 करोड़ की आबादी रह जाती है जो मराठी और गुजराती भाशा भाशी हैं. मराठी श्रीर गुजराती भाशाएं सदियों से सगी बहुनों की तरह रहीं हैं. दोनों भाशा भाशो एक दूमरे सबे में लाखों की तादाद में पाए जाते हैं. खास कर मराठी भ शा भाशी गुजरात में काकी तादाद में हैं, जैसे कि तेलुग भाशा भाशी तमिल सुबे में हैं. विकेन्द्रित ढंग पर आज का बम्बई दो भाशाओं का सुबा बनाया जाय तो बहत ही फायदा हो सकता है. किसी न किसी वक्त हैदराबाद को तो विकेन्द्रित होना ही पड़ेगा. बम्बई और मदरास ब्रापनी अपनी राजधानी बनाकर दो भाशी सुबे हो जायंगे तो सिर्फ सवाल करनाटक और केरल का रह जाता है. बह दोनों सूबे जियादातर समुन्दर के किनारे और साथ ही मिले हुए हैं. यह अपर लिखी कार्रवाई से अपने आप सुवे बन जाते हैं, बंगलीर और तिखवनन्तपुरम खुद काफी बड़े केन्द्र हैं. इन दोनों शहरों को राजधानी बना कर यह दोनों सूबे अपनी अपनी इकूमत का काम बख्वी चला सकते हैं.

a real of the state of the state of

एक दूसरा असूल यह भी है कि अपने देश के शासन न्नेत्र का विकेन्द्रीकरन हो. यह विकेन्द्रीकरन हमारे आर्थिक. नैतिक और कलचरी संगठन के लिये जरूरी है. इससे हमारा शासन-चेत्र ही विकेन्द्रित नहीं होगा, बल्कि हमारी राजकाजी चेत्र और साथ ही त्रार्थिक चेत्र भी विकेन्द्रित होगा. इस विकेन्द्रीकरन से हुमारी शक्ति बढेगी. हमारी क्षोकशाही जियादा सफल होगी. इस असल से होनेवाला दोश तभी दूर हो सकता है कि हमारा हर एक प्रान्त अपनी भाशा के साथ साथ एक दूसरी भाशा को जरूर सीखने और काम में लाने का भी बन्दोबस्त करे, जो हिन्दी भाशा-भाशी शन्त हैं वहां हर सभी पढ़े-लिखे लोगों को एक सुबाई भाशा का सीखना जरूरी बना दिया जाय. जो बरौर हिन्दी भाशा-भाशी हैं, उन्हें एक पड़ोसी भाशा को सीखना बहुत जरूरी मानना चाहिये. विकेन्द्रीकरन की योजना में हमारा कोई सूबा ऐसा भी नहीं होना चाहिये जिससे श्रार्थिक नजर से ही नहीं बल्कि भाशावार संगठन की नजर से भी अपना हाम चलाने के लिये असमर्थ न हो जाय.

The statement relatives of anti-philosophy and the

इस समय हमारी कुछ ऐसी रियासतें हैं जो रक्तवे की नज़र से ज़रूरत से ज़ियादा बड़ी हैं. जब ऐसी रियासतों में एक से जियादा भाशाएं बोजी जाती हैं तो नेत्रत्व की विविधता बढ़ जाती है, जैसा कि मदरास, बंबई छौर हैदराबाद में इस बक्त है. मदरास में 4, बंबई में 3, हैदराबाद में 3 भाशाओं का चेत्र है. इसके लिये अलग अलग कांगरेस कमेटियां भी हैं और दूसरे राजकाजी दलों के संगठन भी भाशाबार ही बने हुए हैं. जब कि सारे इक्रमत के काम के लिये एक ही को नेतृत्व हासिल है तब दसरी भाशास्त्रों के दलों के नेतास्त्रों में उसके लिये होड़ चलती है. तादाद की जियादती से ही इसका तय तोड़ होत है, इस होड़ का फक़त कारन यही है कि हमारी राज-काजी सत्ता ही नहीं, बलिक हमारी सारी आर्थिक सत्ता और शासन भी इस समय हद से जियादा केन्द्रित है. इसका विकेन्द्रित होना बहुत फरूरी है. विकेन्द्रीकरन से ही ऐसी परिस्थित पैदा होगी जिससे नेतृत्व तादाद के जरिये हासिल करने की होड़ कम हो सकती है.

हमारी सारी तांकत जहां तक राज्यों का सवाल है विधान सभाओं में निहित है. इन विधान सभाओं में अलग अलग भाशा के मेम्बर अपने अपने प्रदेश से चुन कर आ जाते हैं. मिसाल के लिये मदरास की विधान सभा को लिया जाय. इसमें 375 मेम्बर हैं—140 आन्ध्र भाशा भाशी, 190 तमिल भाशा भाशी, 30 मेम्बर मलवालम भाशा भाशी, करीब 15 मेम्बर कन्नड़ भाशा भाशी हैं. जब चारों प्रान्तों के मेम्बर अपनी अपनी मात्र भाशा में बोलने के इक पर जोर देते हैं तो सभा का चलना मुश्किल हो जाता है, अपनी भाशा के साथ साथ सिर्फ एक और भाशा

ایکی دوسرا اسول یہ یہی ہے که آبے دیش کے شاسور چههای کا . وکیفدری کرن هو . یته وکیفدری کرن هماری آرتیک نیمتک اور المجری سفالیان کے لئے ضروری ہے . إس سے همارا شاسل جهیتر هے رکیددرت نهیں هوکا یلکه هدارا رابرکاجی جهیتر اور ساته هی آرتهک جهیتر بهی وکیندرس هوال اس وایندری کرن سے هماری شکتی بوهیکی . هماری لوک شاهی زیاده سیبل هوگی . اِس أصول سے هوئے والا دوهی تبھی دور هوسکتا هے که همارا هو ایک پرانت اپنی بهاشا کے ساتھ ساتھ ایک دوسری بهاشا کو ضرور سهکهنے اور کام مهن لانے کا یہی بندوبست کرے . جو هدد بهاشا بهاشی پرانت هیس وهاس پر سهمی وه لکه لوگوں کو ایک صوبائی بھاشا کا سیکھٹا ضروری بڈا دیا جائے ، جو بغیر هندی بهاشا بهاشی هیں' آنههں آیک يووسي بهاشا كو سهكهذا بهت فروري ماندًا جاهلي. وكهندوى كي يوجئا مهن همارا كوئي صوبه أيسا بهي نہیں مرنا چامکہ جس سے آرتیک نظر سے می نہیں بلکہ بداشاوار سلکھتن کی نظر سے بھی ایکا کام چالے کے لله اسدرته نه هوجالي .

اِس سیے هماری کچھ آیسی ریاستیں عیں جو رقبہ کی نظر سے فرورت سے زیادہ ہوی میں ، جب آیسی ریاستوں میں لیک سے زیادہ بھاشائیں ہولی جاتی هين تونيعرتوكي ويويدهنا بره جاتي هـ جيسا كه مدراس بمبلی آور حیدرآباد میں اس وقت ہے، مدراس میں بھار' بسیکی میں تین' حیدرآباد میں تین بهاشاؤں کا چهیئر هے . اس کے لئے الگ الگ کانگریس کمیٹیاں بھی هیں آور درسرے راج کاچیدارں کے سلکٹھوں پھی پہاشاوار ھی بلے ھوٹے ھیں ، جب کہ سارے حکومت کے کام کےلئے ایک مے کو نیٹرتو حاصل مے تب دوسری بھاشاؤں کے ملوں کے تبتاؤں میں اُس کے لگے ہور جاتی ہے، تمداد کی زیادتی سے می اِسکا طے ترز هوتا هے . اِسَ هور کا قتط کارن یہی ہے که هناری راج کاجی ستا هی نههن' يلكه هماري ساري آرتهك ستا ارر شاسن يهي اس سے حن سے زیادہ کھندرت ہے ، اِسکا وکھندرت ھونا بیت ضرورس ہے ، وکیلدری کرن سے هی آیسی پرستهتی پیدا ھوکی جس سے نیٹرتو تعداد کے ذریعے حاصل کرنے کی هور کم هو سکتی ہے .

باکل میں ہے. ایکی بھاشا کے واسطے چریم عرشانے کے لئے دوسری بهاشا ير دوه الكاليكم عادي بهي هديس كالمينقصان بهونها لي والي ه . ليكن كيا كيا جائر ؟ اليك ايك رياست ك لئر جار جار بهاشاول مهر حكوست كا كام جانا بهي تو مشكل ھے، دیھی بھر کے لوگوں کی ایک عام بھاشا جب تک نه هرتب تک اِسمسللہ کو روک رکھا بھی نقصان دی ہے ، اس لگے کوئی اِنقظام کرنا بہت ضروری ہے ۔ اصل میں هماری اِن دقتوں کے مول میں هی بہت بڑی ارچن ستا حاصل کرتے کی جلدہازی ہے . یہ کوسے کہا جائے کہ جن رياستون مين بهاشا كي إيكتا هي وه وكاس كي رأه ير أكم ہوھ رھی ھیں . اویسم کے لوگوں کو ایٹا رام ملے سولت سال موکئے . اِس سے اِس بہاشا کی کندی درقی مولی اور أس بهاشا کا اِستعمال اُس راج کے حکومت کے کاموں میں کہاں تک هو رها هے؟ بفکلہ اور اسامی بھاشاؤں کے بھی ایے ایے راے قائم ھیں ۔ اُن کو کہاں تک فائیدہ بهونتها ؟ كها يه بهاشائيس دوسرى بهاشاؤل سے كهيل ألح بوهي هين ؟ هندستان کي سبهي بهاشاؤن کي اِستهتي تربيب قريب ايک سي هي . آج بهي سب جکه انگريزي ھی راج کو رھی ھے ، حکومت کے کام کے لئے ھم ایلی بهاشا لا نام ليعيد هين لهكن آساني انكريون كا هي إستعمال كرنے مهن هي هے . بهاشاوار نيك درآنت بن جانے سے تردت هی کسی بهاشا کو نها پد مل سکتا هو سو بات نهین ف ، اِسَ لِنُهُ بِهِاهَاوَارِ بِرَالْتِ كَمْ يَهِلُمُ دِيشَى بِهِاهَاؤِن كَى تَرَقَى ير وجار كرنا بهت ضروري ه. .

ید بھی فرروری ہے کہ هم دیشی بھاشاؤں کی ترقی پر آیک ساتھ وچار کریں اور آنھیں اِس قائق بغاویں جس سے که وہ انگریزی کا استھان هی نہیں' بلکہ همارے سارے کاموں کو چلائے کے لئے اچھے مادھیم ہن سکھیں ۔

سب سے پہلے آنے پروسی بہاشا بہاشیوں کے لئے پرایم اور مؤت کی سب بہاشاؤں کے استر کو ایک هی مانلے کی' هلدستان کی سبھی بہاشائیں آینی نقی هیں' ایسا سمجھلے کی' ملوورتی کا هر ایک بہاوندراسی میں پیدا هرنا بہت ضروری ہے ، ایسی بہاؤنا صرف آیدیش سے یا اچھی آچھا سے هی بیدا نبیس هرکی' بلکه بہاشاؤں کے ساموهک وکس پوچٹا کے کام دھام سے هی بن سکتی ہے ، یہ صاف ہے کہ الگ انگ بہاشا آرائیوں سے چتنا فائیدہ مورا کرنا هو تو همارے لئے یہ ضروری ہے کہ هم هر ایک دور کرنا هو تو همارے لئے یہ ضروری ہے کہ هم هر ایک بہاشا کی آرائی میں آیسے دو بہاشا بہاشیوں کو بھی چگہ دیں جس بھی ایک کی بھی ایک دور کونا فو دوسروں کی بھاشاؤں کے لئے ادھک آدر دکھانے کا موقع مل جائے۔

کہا جاتا ہے کہ بھاشاوار پرانٹوں کے باتوارے کے ہوجے

पागलपन है. अपनी भाशा के अस्ते प्रेम दर्शाने के लिये दूसरी भाशा पर दोश लगाने की आदत भी देश के लिये नुक्रसान पहुंचाने वाली है. लेकिन किया क्या जाय ? एक एक रियासत के लिये चार-चार आशाचों में हकमत का काम चलाना भी तो सुरिकल है. देश भर के लोगों की एक श्राम भाशा जब तक न हो तब तक इस मसले को रोक रखना भी नक्रसान दे हैं. इसिवये कोई इन्तजाम करना बहुत ज़रूरी है. असल में इमारी इन दिक्क़तों के मूल में ही बहुत बड़ी अड़चन सत्ता हासिल करने की जल्दबाजी है. यह कैसे कहा जाय कि जिन रियासतों में भाशा की एकता है, वह विकास की राह पर आगे बढ़ रही हैं. उड़िसा के लोगों को अपना राज मिले सोलह साल हो गये. इससे उस भाशा की कितनी तरक्क़ी हुई और उस भाशा का इस्तेमाल उस राज के हकुमत के कामों में कहां तक ही रहा है ? बंगला और असामी भाशाओं के भी अपने अपने राज क़ायम हैं. उनको कहां तक फायदा पहुँचा ? क्या यह भाशायें इसरी भाशाबों से कहीं बागे बढ़ी हैं ? हिन्दन्तान की सभी भाशाओं की स्थित क़रीब क़रीब एक सी है. आज भी सब जगह अंगरेजी ही राज कर रही है. हकुमत के काम के लिये इम अपनी भाशा का नाम लेते हैं, लेकिन आसानी अंगरेजी का ही इस्तेमाल करने में ही है. भाशाबार नये प्रान्त बन जाने से तुरन्त ही किसी भाशा को नया पद मिल सकता हो सो बात नहीं, इसिलये भाशाबार प्रान्त के पहले देशी आशाओं की तरक्रकी पर विचार करना बहत वरूरी है.

यह भी जरूरी है कि हम देशी भाशाच्यों की तरक्की पर एक साथ विचार करें और उन्हें इस लायक बनावें जिससे कि वह अंगरेजी का स्थान ही नहीं, बल्कि हमारे सारे कामों को चलाने के लिये अच्छे माध्यम बन सकें.

सब से पहले अपने पड़ोसी भाशा-भाशियों के लिये प्रेम और इज्जत की, सब भाशाओं के स्तर को एक ही मानने की, हिन्दुस्तान की सभी भाशाएं अपनी ही हैं, ऐसा सममने की मनोष्टित का हर एक मारतवासी में पैदा होना बहुत जरूरी है. ऐसी भावना सिर्फ उपदेश से या अच्छी इच्छा से ही पैदा नहीं होगी, बल्कि भाशाओं के सामृहिक विकास योजना के काम धाम से ही बन सकती है. यह साफ है कि अलग-अलग भाशा इकाइयों से जितना फायदा होगा, खतना न हो तो कुछ न कुछ नुक्रसान जरूर होगा. इसे दूर करना हो तो इमारे लिये यह जरूरी है कि हम हर एक भाशा की इकाई में ऐसे दो भाशा-भाषियों को भी जगह दें जिससे कि हमें अपने पड़ोसियों के लिये सब्भावना को बढ़ाने और दूसरों की भाशाओं के लिये सब्भावना को बढ़ाने और दूसरों की भाशाओं के लिये सब्भावना के बंदबारे के पीछे स्वा जाता है कि मासावार प्रान्तों के बंदबारे के पीछे

| गुगराती , | | 17, |
|----------------|-----|-----|
| भासा मी | *** | 14 |
| करमीरी | ••• | 6 |

इन आंकड़ों से यह साफ है कि कोई बड़े बड़े पांच सूबे मिल कर भी हिन्दी के बराबर नहीं हो सकते यह जाहिर है कि पालिंमेन्ट में ही सारी हकूमत की बागडोर है, उसी से सब क़ानून निकलते हैं और उसी के ज़िरये सारा ग्रासन चलता है; सभी रियासतों को शक्ति और मदद प्राप्त होती है. इस हालत में भाशाबार बंटे हुए भारत में अपनी अपनी भाशा की आत्मीयता के साथ जुदा जुदा रियासतों के प्रतिनिधि हर एक चीज को देखने लगें तो हमारा सारा राजकाजी जीवन बहुत ही कठिन और दुखदाई हो जायगा.

हिन्दुस्तान में दिक्खन भारत ही एक ऐसा प्रदेश है जहां भाशाओं का अधिक से अधिक भगड़ा है. तेलुगू, तमिल, मलयालम, कन्नड, मराठी भाशा-भाशी प्रान्तों से ही भाशाबार रियासतों के बंटबारे की मांग है. अगर भाशाबार रियासर्ते इन भाशा-भाशियों के लिये बन जायं तो इस समय बंबई, मैसर, तिरुवितांकर-कोशि, मदरास, कुर्ग, हैदराबाद घौर मध्यप्रदेश कुन 7 रियासतों के स्थान पर चार रियासतें हो जायंगी श्रौर एक-एक रियासत की जन संख्या डेढ़ करोड़ और तीन करोड़ के बीच में रहेगी. यह मांग बहुत परानी है. इस मांग को ठीक समक कर महात्मा गांधी श्रीर कांगरेस ने भी जल्दी पूरा करने के लिये वादा किया था. लेकिन इस बीच में ही अपनी अपनी सरहदों के श्रीर बंबई, मदरास जैसे शहरों के जपर अधिकारों के सवाल को लेकर इतने मगड़े उठ खड़े हए कि इस सवाल को हाथ में लेते ही हमारे देश के नेता डर रहे हैं. इस स्थिति के लिये वह ही लोग जिम्मेदार हैं जो भाशाबार रियासते की मांग करते हैं. इस भगड़े की बुनियाद को दूर करना उतना ही जरूरी है जितना कि भाशाबार रियासतें क्रायम करना. यह काम कौन करे ? हमारे बढ़े बजीर पंडित जवाहरलाल नेहरू पर इस समस्या के हल की जिम्मेदारी डालना तो बहुत ही ग़ैर मुनामिब है.

थोड़ा इस बात पर भी विचार किया जाय कि क्या हमारे लिये यह बहुत जरूरी है कि इस अपने को एक भाशा-भाशी एकाइयों में बांट ही लें किया अपने सफल राजकाजी जीवन के लिये और देश के आर्थिक, कलचरी और और खौद्योंगिक विकास के लिये एक भाशा-भाशी सूवे कायदे मन्द साबत होंगे १ एक सूवे में दो-तीन भाशा-भाशी निवासियों के होने से क्या मगड़ा बढ़ता ही रहेगा १ इस पर भी हमें खरूर सोच लेना चाहिये. हमारा देश बहुआशा-भाशी है, बहुआशा-भाशी ही रहेगा. भाशाओं को मिटा कर हमें एक आशा-भाशी बनाना नासुमकिन ही नहीं.

| 7.77 | | |
|------|--------|----------------------|
| 17 | *** | گچ _{در} الی |
| 14 | B-9407 | |
| A/Z | 849 | آينامي |
| 6 | * | |
| | 0.00 | کشمهری |

ان آنکورں سے یہ صاف ہے کہ کوئی بڑے لڑے پانچ صوبے مل کر یہی ھادی کے برابر نہیں ھوسکتے . یہ ظاھر ہے کہ پارلیسلمت میں ھی ساری حکومت کی باگ قرر ہے' اسی سے سب قانرن نکلتے ھیں اور اسی کے قریعے سارا شاسن جلفا ہے؛ سبھی ریاسٹوں کو شکٹی اور مدد پرایمت ھرتی ہے . اُس حالت میں بہاشاوار بتے ھوئے بہارت میں اپنی اپنی بہاشا کی آنمیتا کے ساتھ جدا جدا ریاسٹوں کے پرتی ندھی ھر ایک چھڑ کو دیکھنے لگوں تو ھمارا سارا راج کاجی جھوں بہت ھی کٹھن اور دکھ دائی

هندستان مين دكون بهارت هي أيك أيسا يرديش هے جہاں بہاشاؤں کا ادمک سے ادھک جہگڑا ہے ، تیلگو' تمل، ملقالم کللو مراثهی بهاشا بهاشی پرانتوں سے هی بہاشارار ریاستوں کے بتوارے کی مانگ ھے . اگر بہاشاوار ویاستیں اِن بھاشا بھاشیوں کے لئے بن جائوں تو اُس سے بيبائي "ميسور" تهرووتان كور كوچچى مدراس كرك، حیدرآباد اور مدهیه پردیش کل سات ریاستوں کے استهان ير بهار رياستين هو جاڻهدي اور ايک ايک رياست کي جوں سلکھھا تیرھ کرور اور تھن کرور کے بھی میں رھیکی ، یه مرانگ بهمت پرانی هے. اِس مانگ کو تهیک سمجه کو مہانما کاندھی اور کانگریس نے بھی جلدی پورا کرنے کے لیے مدة كها تهاء ليكن إس بوج مهن هي أيدى سرهدون کے اور یمنیس مدراس جهسم شهروں کے اوپر ادعیکاروں کے سوال کو لے کر اِتلے جهکوے اُتھ کھوے هوانے که اِس سوال کو ماتھ میں لہتے ہی مدارے دیش کے تعدا در رہے میں ، اس استهتی کے لئے وہ می لوگ ذیردار هیں جو بہاشاوار ویاستوں کی مانگ کرتے ھیں ، اِس جھکوے کی بنهاد رو دور کرنا الله می ضروری هے جعفا که بهاشاوار ویاستیس قائم كرياً . يه كام كون كرياً هماريم بوي وزير يفقت جواهر ول نہرر پر اِس سمسیا کے حل کی فسرداری قالفا تو بہت هي فهر مقاسب ۾ ،

تهورا اس بات پر بھی وجار کھا جائے که کیا ھمارے
لئے یہ بہت ضروری ہے کہ هم آئے کو ایک بھاشا بھاشی
اِنْہُرں میں بانت ھی لیں؟ کیا آئے سپھل راج گاجی
جدرن کے لئے اور دیش کے آرتھک' کلتجری اور اودیوگک
رکس کے لئے بھاشا بھاشی صربے قائدے مقد تابت ھونگے؟
ایک صوبے میں دو تین بھاشا بھاشی نواسیس کے ہوئے سے
کیا جھکوا بوهتا ھی وھھا ؟ اِس پر بھی ھمیں ضرور
سرچ لیڈا جاھئے ۔ ھمارا دیش بھوبھاشا بھاشی ہے'
میرچ لیڈا جاھئے ۔ ھمارا دیش بھوبھاشا بھاشی ہے'
میرچ لیڈا جاگے ، ھمارا دیش بھوبھاشا بھاشی ہے'
میرچ لیگا جاشی ھی رھیکا ۔ بھاشاؤں کو مال کو

करल प्रान्तों में अपने पड़ोसी प्रान्तों के भाशा भाशी काफी तादाद में बसे हुए हैं. हां, वह विखरे हुए जरूर हैं. बेसे कि, मैसूर में क़रीब 25 की सदी तैर कमड़ी हैं. केरल में क़रीब 15 की सदी तैर कमड़ी हैं. केरल में क़रीब 15 की सदी तैर मलयाली हैं. तिमल में क़रीब पचास लाख तैर तिमल हैं. आन्ध्र में काफी तादाद में तिमल और कमड़ी हैं. इससे यह ज़ाहिर है कि इसके पहले भाशा का कोई सवाल नहीं था. रोजी के सवाल ने लोगों को दूसरे प्रान्तों में बसने को मजबूर किया था. इतिहास की घटनाओं ने भी बाजाब्ता भाशावार प्रान्तों, को बनने नहीं दिया.

प्रजातंत्र में राजसत्ता हासिल करने के लिए जैसा कहा पहले गया है प्रजा सेवकों की इच्छा जैसे जैसे बढ़ती जाती है वैसे वैसे नए मसले भी पैदा होते जाते हैं जिनमें सब से बड़ी और ज़ियादा जलमी हुई समस्या आजकल भाशा

की है.

ंऊपर के आंकड़ों से मालूम होता है कि ऐसे राज्यों की सादाद जिन्होंने हिन्दी अपनी सुबाई भाशा मान ली है कुल 11 है और उनकी जन संख्या साढे पंदह करोड है. बाक्री 21 करोड़ लोग 11 भाशाओं और 18 रियासतों के बीच में बंटे हुए हैं. इनमें अगर कश्मीर को छोड दिया नाय तो आसाम की तादाद सब से छोटी है-करीब एक करोड़ की है, उसके बाद उड़ीसा की है; गुजराती और मलयालम डेढ़ करोड़ से भी कम; उसके बाद बाक़ी भाशाचों की. फर्ज किया जाय कि इरेक प्रान्त ने अपना काम अपनी अपनी सूर्वाई भाशा में चलाना शुरू कर दिया, लोगों के बीच में अपनी सूबाई भाशा का अपना-पन इतना बढ गया कि बह अपने अपने प्रान्त के लिये जियादा से षियादा सत्ता द्वासिल करने की कोशिश करने लगे और पेसा अपना-पन हिन्दी भाशा बोलने वालों में भी उतनी ही मात्रा में आ गया जितना कि दूसरे प्रान्तों में है. तब क्या होगा ? क्या हिन्दी के सामने दूसरी भाशाएं टिक सकेंगी ! इसका साफ साफ सबत हमें पाना हो तो पार्लियामेन्ट की ही मिसाल ले सकते हैं. आजकल पार्लियामेन्ट के कुल मेम्बरों की तादाद इस वक्त कोई 485 है, वह नीचे लिसे अनुसार भाशाबार बंटे हुए हैं :---

| | _ |
|-------|-----|
| *** | 210 |
| 100 | 43 |
| *** | 40 |
| *** | 37 |
| *** | 34 |
| ••• | 26 |
| | 20 |
| *** | 20 |
| 340 . | 18 |
| | |

کیول ہوانعوں میں اپنے ہووسی پرانتوں کے بہاشا بہاشی کافی تعداد میں بسر مولے ہیں۔ ہاں' وہ بہکرے مرابے فرور ہیں ، جیسے که' میسور میں آریب 25 فیصدی فیر کللوی ہیں ، کیرل میں قریب ہنچاس آرہ فیصدی فیر ملیالی ہیں، تمل میں قریب ہنچاس آرہ کللوی ہیں ، آردھر میں کافی تعداد میں تمل آرہ کللوی ہیں ، اِس سے یہ ظاہر ہے که اِس کے میلے بہاشا کا کوئی سوال نہیں تیا ، ورزی کے سوال نے لوگوں کو دوسرے پرانتوں میں بسلے کو منجیور کیا تیا ، انہاس کی کہتلاؤں نے بھی باقابطہ بہاشا وار پرانتوں کو بیٹے نہیں دیا ،

And the state of t

پرجانفعر میں راج سععا حاصل کرنے کے لئے جیسا پہلے کہا گیا ہے پرجا سیوکوں کی اچھا جیسے جیسے بوهعی جاتی ہے ویسے ویسے نئے مسکلے بھی پیدا ہوتے جاتے ہیں جن میں سب سے بوی آور زیادہ اُلتجھی ہوئی سمسیا آج

كل بهاشا كي هر .

أوير كے أنكوں سے معلوم هوتا هے كه ايسے راجهوں كى تعداد جلہوں نے علدی ایلی صربائی بھاشا مان لی ہے کل 11 هے آور اُن کی جوں سفکھیا ساڑھے پغدرہ کروڑ ھے ، باقی 21 کرور لوگ 11 بھاشاؤں آور 18ویاستوں کے بیھے بلتے هوئے هيں ، أن ميں أكر كشمير كو چهور ديا جائے تو آسام کی تعداد سب سے جھوٹی ہے۔۔۔قریب ایک کروز کی ہے اُس کے بعد اُزیسه کی ہے ؛ گجرائی آور ملهالم قیرہ کرور سے بھی کم؛ اُس کے بعد باقی بھاشاؤں کی۔ فرض کھا جائم که هر ایک برانت نے اینا اینا کام اینی اینی صوبائی بہاشا میں جانا شروع کر دیا کوکوں کے بھچ میں اپنی صوبائی بھاشا مھی چاتا شروع کر دیا الوگوں کے بھے میں أيني صوبائي بهاشا كا أينا بن أننا بزء كيا كا ولا أيه أيه یرانی کے لئے زیادہ سے زیادہ حلا حاصل کرنے کی کوشمی كرن لكي أور ايسا أيقا بن هلدى بهاشاً بولل وأنون مين بهي أتلى هي مانوا مهن آلها جعلا كه دوسرے پرانعوں مين هي تب كها هوا؟ كها هندى كيسأمني دوسرى بهاشائين نک سکیں کی؟ اِس کا صاف صاف قبوت هنیں یانا هو دو پارلیمنت کی هی مثال لے سکتے هیں ، أج كل پارلیملت کے کل ممہروں کی تعداد اس وقت کوئی 485 هـ ، و نهج لكم انوسار بهاشا وار بقد هول هي :-

| هقدى | ••• | 210 |
|-------------|-----|-----------|
| تهلكو | *** | 43 |
| مراثهي | | 40 |
| سل | *** | 37 |
| E CL | *** | 34 |
| كللو | ••• | 26 |
| ينجابي | *** | 20. |
| Led | 440 | 20 |
| مليالع | ••• | 18 |

| राज | रक्तवा (वर्गमील) | जन संख्या | भाराएँ 🤭 🦚 |
|---------------------------------|------------------|----------------|--|
| وأى | رقبه (روگ مهل) | جن سلكهها | الله الله الله الله الله الله الله الله |
| क्छ +क्र्य | 8 461 | 567,825 | गुजराती ुर्ग् |
| जम्मू-करमीर رحمو - کشمهر | 82,258 | 43,70,000 | करमीरी अ |
| मैसूर भूक | 29,4 58 | 90,71,678 | क्रम्नक् क्रम्म |
| हैदराबाद अशंज्यक | 8 2,313 | 1,86,52,964 ते | लगू, मराठी, कम्लङ् کللو लगू, नराठी, कम्लङ् |
| तिहवतांकूर कृषि उक्ते १९९८।।।।। | 9,115 | 92,65,157 | तिमल, सलयालम ी ملهالم ' لمل |
| हिमाचल प्रदेश صاجل प्रत्या | 10,600 | 9,89,437 | हिन्दी और पंजाबी अंदर्भ अंदर्भ अंदर्भ |
| पैपस् १००४ | 10,099 | 34,68,631 | पंजाबी अध्यक्ष |
| विक्री ें | 574 | 17,43,992 | क्रम्यी कार्या |
| व्यजमेर अ | 2,425 | 6,92,506 | 21 22 |
| सिक्किम سكم | 2,745 | 1,35,646 | 77 72 |
| कुर्ग ८,५ | 1,593 | 2,29,255 | कन्तक अध्य |
| बिनासपूर भूगम् | 453 | 1,27,566 | हिन्दी अंध्य |
| अंडमान-निकोबार راد علوالم | 3,143 | 30,963 | 79 29 |
| त्रिपुरा । ११५५५३ | 4,049 | 6,49,930 | बंगला बाद्रभ |
| मनीपुर ،،پ | 8,620 | 5,79,058 | त्रसामी اسامي |
| 1 1 2 1 1/1 | | | |

उत्पर के बांकड़े बगर फिर भाशाबार बांटे जायं ती

नतीजा करीव करीव इस तरह होगा:-

| भाशा | जनसंख्या | | |
|-----------------|-----------------|--|--|
| हिन्दी | 15 करोड़ 50 लाख | | |
| तेलुगु | 3 " 20 " | | |
| मराठी | 3 " 0 " | | |
| तमिल | 2 " 80 " | | |
| वंगला • | 2 " 56 " | | |
| कश्रह | 2 " 0 " | | |
| उड़िया | 1 " 50 " | | |
| पंजाबी - | 1 " 40 " | | |
| गुजरात <u>ी</u> | 1 " 30 " | | |
| मलयालम | 1 " 40 " | | |
| आसामी, मनिपुरी | 1 " 0 " | | |
| क्रमीरी | 44 " | | |
| ••• | 36 10 | | |

जब भाशाबार रियासतें बनेंगी जैसा कि इस वक्षत मांग की जा रही है और ऊपर लिखी तावाद के अनुसार रियासतें बनाई जायंगी तो इसका यह मतलब नहीं कि छन रियासतों में दूसरे भाशा भाशी नहीं रहेंगे. भाशाबार प्रान्त जब बनेंगे तो उन दो भाशा बोलने वालों को भी अपनी स्वाई भाशा को ही मानना पड़ेगा और उसी में कारोबार चलाना पड़ेगा— ऐसा एक मत है. दूसरा मत यह है कि हर एक भाशा भाशी को अपनी मान भाशा का उपयोग करने का हक भी रहेगा बश्तें कि उनकी तादाद काफी हो. मिसाल के लिए दक्खिन भारत की ही ते सिया जाय. कज़ड़, तेलुगु, तामिल और أوبر كے آنكڑے اگر يمر بماشا وار بانگے جائمں تو نتمجه قريب اس طرح هواا :--

| جن سلامهها | بهاها |
|-----------------|----------------|
| 15 كروز 50 الله | هندى |
| " 20 " 3 | تهلكو |
| " 0 " 3 | مراتهي |
| " 80 " 2 | تمل - |
| " 56 " 2 | I Kių |
| " 0 " 2 | كللو |
| " 50 " 1 | أويا |
| " 40 " 1 | يلتهابى |
| " 30 " 1 | كحوراتي |
| " 40 " 1 | ملهالم |
| " 0 " 1 | آسامی ملی پوری |
| " 44 " | كهبيرى |
| | |
| 10 36 | |

جب بہاشا وآر ریاستیں بنیں کی جیسا کہ اِس وقت مانگ کی جا رہی ہے اور اُوپر لکھی تمداد کے انوسار ریاستیں بنیک کی جا رہی ہے اور اُوپر لکھی تمداد کے انوسار ریاستیں بھائی جائینگی تو اس کا یہ مطلب نہیں کہ اُن را است جب بنیں کے تو اُن دو بھاشا ہولئے والوں کو بھی اُبلی صوبائی بھاشا کو ھی مانظا ہوئے کا آور اُسی میں کاروبار جھانا ہوئے گسایسا ایکنہ میں ہے۔ دوسرا میں یہ ہے کہ مرابک بھائی ہوئی اُبھی مانر بھاشا کا اُبھرگ کو اُبھی مانر بھاشا کا اُبھرگ کوئی دو رہیا ہے۔ کوئی دو رہیا ہیں کوئی دو رہیا ہیں کو میلے لیا جائیں۔ کنٹو تیلگو تیلگو

هو سکتا هے که چولکه هماریے رائے کی آمدانی کم هو سکتا هے اور بهاشا بوللہ والی ملی جانی بهاشا بهاشی

جلعا کو یعی آیے راج کے اندر ملائیں' تو اُس کی آمدنی

ہوھ سکتی ہے اور اُس آمدنی کے دریعے جنتا کا بھلا ھو

سُكتا هـ . إس لَيْهِ هنين أيني أيني بهاشا كا راج جهيدر

بوهان جاهلي . ايک ليسرا كارن يه ه كه هم پرجانفتر كا

مطاعب تعداد ماننے لگ کئے هیں. تعداد میں همارا وشواس بهمت زياده بومما جارها هي. كهونكم جب تك زياده تعداد

سیں همارے آدمی نه هوں تب تک راج کاچی ستا همیں

نهیں مل مکٹی ، لوک شاهی کی بلیاد میں جیسا

كه يحيله خلاو مين ديكها كها كه تعداد كا بل كها هـ . اس طرح ایدی آور ای حمایتوں کی تعداد بوهانے کی

مقوروتي بهاها جهيدرون مين مين بهي آگئي هي. اگر

كسى بهاشا كے بوللے والے زيادہ تعداد ميں مليں' تو ولا

ولا أيه كو يلوان مانع هين ، هم چونكم مانتي هين كه

ماتر بھاشا کے پرتی پریم سوابھاوک ہے اِس لئے اُس کے

فريع ايني تعداد برهاما جاهتے هوں يا شايد هماري

بھاھا کے جہاوے میں کسی جگا پر تھڈوں کارن موجود هیں تو کسی جگه پر دو اور کسی جگه پر ایک ، هان ا

همارا ديش إس سم 29 رياستان مين بلتا هوا ه

تعداد کا موہ سب سے بلوان ہے .

ही सकता है कि चौके हमारे राज की जामदनी कम है. इस से दो भाशा बीलने बाखी मिली जली भाशा-भाशी जनता को भी अपने राज के अन्दर मिलाएं, तो उसकी जामदनी बढ़ सकती है और उस आमदनी के जरिये जनता का भला हो सकता है. इसलिये हमें अपनी-अपनी भाशा का राज चेत्र बढ़ाना चाहिये. एक तीसरा कारन यह है कि इस प्रजातन्त्र का सतलब तावाद सानने लग गये हैं. तादाद में हमारा विश्वास बहुत फियादा बढ़ता जा रहा है. क्योंकि जब तक जियावा तादाद में हमारे आरमी न हों तब तक राजकाजी सन्ता हमें नहीं मिल सकती, लोकशाही की बुनियार में, जैसा कि पिछले चुनाव में देखा गया कि तादाद का बल क्या है. इस तरह अपनी और अपने हिमायतों की तावाद बढ़ाने की मनोवृत्ति भाशा क्षेत्रों में भी आ गई है. अगर किसी भारा के बोलनेवाले जियादा तादाद में मिलें. ती बह अपने को बलवान मानते हैं. हम चंकि मानते हैं कि मालुभाशा के प्रति प्रेम स्वाभाविक है इसलिये इसके करिये अपनी तादाद बढ़ाना चाहते हैं या शायद हमारी भाशा के भगदे में किसी जगह पर तीनों कारन मौजूद हैं तो किसी जनह पर दो और किसी जगह पर एक. हां, तादाद का सोह सब से बलबान है.

हमारा देश इस समय 29 रियासतों में बंटा हुन्ना है क्वीर इन 29 रियासतों में 12 माशाएं चालू हैं. कुछ रिष 5 को

| गैर इन 29 रियासतों में 12 भाशाएं चालू हैं. कुछ स्थात ऐसी हैं, जिनमें एक ही भाशा को माना गया है, कु में दो और कुछ में चार के भाश की रियासतों का और उनकी भाशाओं का गिरा में हैं: | | ہاشا کو مانا کھا۔ ن اور کنچھ مھن | اور إن 29 رياستوں مهن 12 بهاشائهن چه رياستهن أيسي هيں؛ جون مهن ايک هي به وياستهن أيک هي به وياستوں مهن ته چار كو ، بهارت كي رياستوں كا اور أن كو رياستوں كا اور أن كو |
|--|-----------------------------------|-------------------------------------|---|
| दान | रक्रवा (वर्गमील) (کسول)) جوئ | ्जन संख्या पेक्स्ट्रीन ७२ | —: ہورا ہوں ہے: भाशापं بہاشائیں |
| उसरप्रदेश أتر يرديس | 1,12,523 | 6,32,54,118 | हिन्दी مددى |
| विहार भूम | 70,368 | 4,02,18,916 | |
| भग्मई ہسکی | 1,15,570 | 3,59,43,559मर | ाठी, गुजराती, कस्र مراتهي كلبوراتي كللو |
| मदरास صدراس | 1,27,768 | 5,69,52,332 | तामल, तेलगू, कमद, मलयालम |
| | # aa 030 | | تما ؛ تعلكم كلله ملياتم |
| मदप्रदेश مده پردیش | 1,30, 323 | 2,13,27,898 | हिन्दी और मराठी مندى اور مواتهي |
| पंजाब प्रकार | 37,428 | 126,38,611 | पंजाबी پنجاب |
| पच्छमी बंगाल रहें। | 29,476 | 2,47,86,683 | वंगला सदस् |
| खबीसा 🛶 | 59,86 9 | 1,46,44,293 | उदया ५ |
| षासाम إسام | 54,084 | 91,29,442 | वसामी اسامی |
| रामस्यान अध्यक्ती | 1,28,424 | 1,52,97,979 | विन्दी مندي |
| संख्य मार्ड क्रांभ स्कार | 46,610 | 79,41,642 | معدى الهمقا |
| विन्यमवेश ज्यान्य स्थान | 24,600 | 35,77,431 | 27: 23 |

HORE PLANS

8,38,107

41,36,005

6,921

21,062

अपने आई की तरह मानते हैं और उसके अनुसार हम अपना परिवारिक, सामाजिक, आर्थिक और राजकाजी गठ बण्धन कर लेते हैं. अगर इमारे देश के लोग सहज ही सभी सूर्यों में सममी जाने वाली किसी एक माशा को अपनी सुवाई भाशाओं के साथ साथ समम लेते तो भाशा के सवाल को ले कर हमारे देश में इतनी चस्त चस्त नहीं होती. पता नहीं, वह जमाना कव आएगा जब कि इस देश के निवासी अपनी भाशा के साथ साथ देश की दूसरी भाशा को भी समम सकेंं. ऐसी कोशिश तो हम लोगों की 50 साल से जारी है. लेकिन जितनी सफलता की उम्मीद थी अब तक हम को नहीं मिली. इस बीच में मराठी, गुजराती, बंगला, हिन्दी, पंजाबी वगैरा पड़ोसी भाशाव्यों और संघ की भाशा हिन्दी के बीच में रोजाना मगड़ा चलता आ रहा है.

बंगाली और बिहारी अपने सूबे की सरहद के कैसले के बारे में बहुत पुराना मगड़ा जारी किये हुए हैं. पंजाबी और दिन्दी के बीच में मगड़ा कम नहीं हो रहा है. हिन्दी और मराठी के बारे में मध्यप्रदेश के कारकर्ताओं में हमेशा कानाफूसी रहती है. सिरोही के मसले को लेकर राजस्थान और गुजरात के बीच में कम मगड़ा नहीं है.

तिमल और तेलुगु के बीच में मगड़ा बहुत पुराना है जिसके फलस्वरूप आन्ध्र के लोग अपना आन्त अलग करना चाहते हैं, करनाटक और मराठी सिद्यों से पड़ोसी होने पर भी आज अपने-अपने हक़ों के बारे में ऐसे जागरूक हैं कि समय आए तो लड़ पड़ें. कझड़ और तेलुगु लोगों के बीच में बल्लारी जिले को लेकर जो मगड़ा ग्रुरू हुआ अब तक शान्त नहीं हुआ. क्या भाशा हमें अपने जीवन की सुविधा के लिये और सेवा के साधन के लिये ही नहीं बल्कि अपने अड़ोस पड़ोस के लोगों के साथ भगड़ा करने के लिये भी चाहिये ?

द्यार हमें एक की जगह दो भाशाएँ माल्स हों और दोनों के जरिये हम अपने और अपने समाज की सेवा कर सकते हों तो क्या नुक़सान होगा ? हम इतने कट्टर क्यों हैं कि अपने पड़िस्यों को, जो हम से अलग भाशा बोलते हैं, अपने से जुदा सममते हैं ? हम उस चेत्र को अपने चेत्र में क्यों मिलाना चाहते हैं जो भाशा के अनुसार हम सममते हैं कि हमें मिल सकता है ? इस के जरूर कुछ कारन होंगे. इस मनोवृत्ति की वजह से जो मनमुटाव पैदा हो रहा है उसे दूर करना हमारा धर्म है. उन कारनों में एक खास कारन यह हो सकता है कि भाशा के जरिये हम अपने देश की लोकशाही का संगठन करना चाहते हैं और चूंकि हमारे चेत्र की ज़जा एक खास भाशा बोलती है, इसलिये इसके संगठन में उसका चेत्र दो माशा बाला चेत्र हो तो निश्चत नेक्स के अन्दर नहीं आ सकता. इसलिये हमें अपने चेत्र को अपनी साशा से बांचना चाहिये. एक दूसरा कारन यह افع بھائی کی طوح مائٹے میں اور اس کے اتوسار ما ایف ہورہوارک ساساجک آرتیک اور راج کاچی کاچیک گھیلٹریوں کو لیکے میں اگر ممارے دیش کے لوگ سیج می سبجی حوالی موں سمجھی جانے والی کسی ایک بھاشا کو ایکی صوبائی بھاشاؤں کے ساتھ ساتھ سمجھ لیکے تو بھاشا کے سوال کو لے کر همارے دیش میں انہی چیغ چیغ نہیں مورتی ، پکا نہیں وہ زسانہ کب آئے گا جب که اِس دیش کے نواسی آیئی بھاشا کے ساتھ ساتھ جب که اِس دیش کی نواسی آیئی بھاشا کے ساتھ ساتھ دیش کی دوسری بھاشا کو بھی سمجھ سکھں ، آیسی کیشش تو هم لوگوں کی 150 سال سے جاری ہے ، لھکن حیثنی سپھلٹا کی آمید تھی اب تک هم کو نہیں ملی ، جبٹنی سپھلٹا کی آمید تھی اب تک هم کو نہیں ملی ، وہیرہ پورسی بھاشاؤں اور سلکھ کی بھاشا مقدی کے بھی وفہرہ پورسی بھاشاؤں اور سلکھ کی بھاشا مقدی کے بھی میں درزانہ جھاگوا جانا آرما ہے .

ہلکائی آور بہاری اپنے صوبے کی سرحد کے فیصلے کے بارے میں بہت پرانا جھکڑا جاری کئے ہوئے ھیں ، پلتجابی اور ھلدی کے بیچ میں جھکڑا کم نہیں ہو رہا ہے ، ھلدی اور مراتھی کے بارے میں مدھیہ پردیش کے کاریہ کرتاؤں میں ھمیھیہ کانا پہوسی رہتی ہے ، سروھی کے مسائلے کو لیے کو راجستھان اور گتبرات کے بیچ میں کم جھکڑا نہیں ہے ، تیل اور تیلگو کے بیچ میں جم جھکڑا نہیں ہے ،

کے پہلسوروپ آندھو کے لوگ اپنا پراست الگ کرنا چاہئے ھیں؛ کرناتک اور مراتھی صدیوں سے پورسی ھونے پر بھی آج اپنے اپنے حقوں کے بارے میں ایسے جاگروک ھیں کہ سمے آلے تو لو پویس ، کلنو اور تیلکو لوگوں کے بھی میں پلاری ضلعے کو لے کر جو جھکوا شروع ھوا اب تک شانت نہیں ھوا ، کیا بھاشا ھمیں آئے جیوں کی سویدھا کے لئے آور سھوا کے سادی کے لئے ھی لیس بلکہ آئے آورس پورس کے لیائی کے لئے ہی جھٹوا کرنے کے لئے ہی جاھئے؟

प्रशातंत्र भारत में भाषावार प्रान्त

(मो० सत्यनारायन)

भारत एक बहुत बड़ा भू लंड है. दो हिस्सों में बंटने पर भी आज इसकी आबादी चीन को छोड़ कर दुनिया के किसी भी देश से कम नहीं है. इसकी आबादी रूस और अमरीका दोनों की मिली हुई आबादी से भी बड़ी है. 1951 की मर्तुमशुमारी के अनुसार 36,12,61,624 आदमी इस देश में रहते हैं. यह 1,22,17,200 बर्ग मीलों में बंटा हुआ है. इस देश में सभी तरह की आब हवा मिलती है और बहुत पुरानी जातियां बसती हैं.

हमारा देश जितना बड़ा है, उतनी ही बड़ी बड़ी समस्याएं भी हमारे सामने हैं. अब तक इस देश के सामने हिन्दू-मुसलमान सामप्रदायिक संघर्श एक बहुत बड़ा मसला था. लाख कोशिश करने पर भी हम उसे हल नहीं कर पाए. आखिर उसका हल हमें अपने देश को मुसलमान हिन्दुस्तान, हिन्दू हिन्दुस्तान के तौर पर दो हिस्सों में बांटने से ही मिला.

सामप्रदायिक संघर्श के बाद हमारे देश में भाशा के मसले को ले कर काफी बहस मुबाइसा हुआ. बहुत बड़ा देश होने के कारन यह स्वाभाविक है कि हमारे देश के लोग अपने अपने प्रदेशों में अपनी अपनी भाशाएं बोलें घीर यह भाशाएं मुहाबरा, घावाज, रचना को ले कर एक दुमरे से अलग हों पिछले 50 बरसों से इमने अपनी भाशास्त्रों को जियादा ठोस स्रौर प्रमानिक बनाने की कोशिश की. हम आज सर जार्ज की प्रियर्सन की रिपोर्ट के अनुसार सैकड़ों भाशाओं के बीच में बंटे हए नहीं हैं. हमारे देश में आज कुल 12 भाशाएं हैं. प्राचीन भाशा संस्कृत और जगह जगह फैली हुई दूसरी भाशाएं और उद्की मिला कर कुल 14 भाशाओं की हमने माना है. यहीं बात विधान की आठवीं सूची में दर्ज है. विधान परिशव ने भारत की सुबाई भाशाओं के और संघ राज की भाशा के बीच का जो सम्बन्ध और संघ राज की भाशा श्रीर सबाई भाशाओं के उपयोग का जो फैसला किया उसका ब्योरा विधान के सतरहवें अध्याय में दिया गया है.

वैसे तो भाशा एक साधन मात्र है. उसके द्वारा एक आदमी को दूसरे आदमी से बोलने की सुविधा मिलती है. हमारे जीवन में धकसर सभी चेत्रों में इस सुविधा की जरूरत पहली है. एक दूसरे की भाशा को सममने की सुविधा से हम एक दूसरे के नजदीक आते हैं. जो हमारे नजदीक होते हैं और हमारी भाशा सममते हैं, उन्हें हम

پرجاتنتر بهارت میں بھاشاوار پرانت

المرابع المرابع والمرابع المرابع المرا المرابع المراب

(سو. ستهد نارائن)

بھارت ایک بہت ہوا بھوکھلڈ ہے ۔ دو حصوں میں بھلے پر بھی آج اِس کی آبادی چین کو چھوڑ کو دنیا کے کسی بھی دیش سے کم نہیں ہے ، اِس کی آبادی روس اور اسریکه دونوں کی ملی هوئی آبادی سے بھی بچی ہے ، اور اسریکه دونوں کی ملی هوئی آبادی سے بھی بچی ہے ، اور اسریکه دونوں کی انوسار 36,12,61,624 آوگ آسی اِس دیش میں سبھی طرح کی آب و ہوا بیٹا ہوا ہے ، اِس دیش میں سبھی طرح کی آب و ہوا ملتی ہے اور بہت پرانی جاتیاں بستی میں .

همارا دیص ج تقا ہوا ہے ' اُنقی هی ہوی ہوی سمسهائیں بھی همارے سامنے هیں . اب تک اِس دیش کے سامنے هندو مسلمان سامهرائک ستگهرش ایک بہت ہوا مسئلہ تھا ، لاکھ کوشش کونے پر بھی هم أسے حل نهیں کر پائے ، اُخر اُس کا حل همیں آئے دیش کو مسلمان عندستان کے طور پر دو حصوں میں بانتنے سے هی ملد

سامہرائیک سلکھرش کے بعد همارے دیش میں بهاشا کے مسللے کو لے کر کافی بحث مداحدہ ہوا ، بہت ہوا دیش هونے کے کارن ہے سوابهاوک هے که همارے دیش کے لوگ آبھ آبھ پردیشوں میں ایقی ایقی بھاشائیں بولیں اور یہ بھاشائھی مصاورہ' آواز' رچنا کو لے کر ایک دوسرے سے الگ موں . پچھلے 50 برسوں سے هم نے اپذی بهاشاوں کو زیادہ تھوس اور پرمانک بنانے کی کوشھ کی . هم آج سر جارج گریهرسن کی رپورٹ کے انوسار سیکھروں بھاشاوں کے بدیج میں بلکے مولے نہدرمدی، مدارے دیم میں آج كل 12 بهاشائين هين. پراچين بهاشا سلسكرت اور جكه جگه پههلی هوئی دوسری بهاشائهن اور اردو کو ملا کر کل 14 بهاشاؤں کو هم نے مانا ہے . يہى بات ودهان كى آڻهوين سوچي مهن درج هے . ودهان پريشد نے بهارت کي صوبائی بھاشاؤں کے اور سنکھ راج کی بھاشا کے بھچ کا جو سممنده اور سفکه راج کی مهاشا اور صوبائی مهاشاوں کے ابھوک کا جو فیصلہ کھا اُس کا بیورا ودعان کے سترهویں ادعهائے میں دیا گیا ہے ،

ویسے تو بہاشا آیک سادھن ماتر ہے ۔ اُس کے دوارا آیک ۔ آدمی کو دوسرے آدمی سے پوللے کی سویدھا ملتی ہے، ھمارے جیون میں اکثر سبھی جھیتروں میں اِس سویدھا کی ضرورت پوتی ہے ، ایک دوسرے کی بہاشا کو سمجھلے کی سویدھا سے ھم ایک خوسرے کے تودیک آتے ھیں، جو ھمارے تودیک ھوتے میں اور ھماری بھاشا سمجھتے ھیں' اُنھی ھم

· Bearing and the state of the

नक्रल करे और आप के सत्यापद का किलवाद करे. हम आप के साथ रहे हैं जितना हम सरपामह को समकते हैं उतना यह क्या समभ सकते हैं जिन्होंने आप के कभी वर्शन भी नहीं किये. भला तनखा न लेना कोई सत्याग्रह हो सकता है, यह तो एक तरह का असहयोग हुआ, और श्रसहयोग कही श्रपनी सरकार से किया जाता है ! आप ने असहबीग किया था तो उस सरकार से किया था जो विदेशी थी! भला, यह अपनी सरकार को विदेशी सरकार की तरह सममते हैं तब इन के साथ कोई रियायत कैसे की जा सकती है, और फिर इम भी तो निर्दयी कैसे बन सकते हैं! यह हम कैसे बरदाश्त कर सकते हैं कि एक आदमी हमारी नौकरी ठीक ठीक बनाए, ठीक बक्त पर आए और ठीक बक्त पर जाय और साने के लिये तनस्ता न ले फिर वह जियेगा कैसे ? यह तो एक तरह की खद्कशी यानी बात्मघात हुआ, और बात्मघात क़ानून की नज़र में जुर्म है, फिर ऐसे मुजरिमों को सजा न दी जाय तो क्या किया जाय ! हमारे इस काम पर कुछ लोग उंगली उठाएं तो उठाएं, हम परवा क्यों करें ?

बापू, आप के जीवन का फिलसफा कुछ इस क्रिस्म का है जिसे हम लोग ही सकम सकते हैं क्योंकि हम आप के साथ रहे हैं. दूसरे लोग तो उस का मजाक़ ही उड़ा सकते हैं या भद्दी नक़ल कर सकते हैं. अच्छा, उड़ायें मजाक़, करें नक़ल और भुगतें उसका ततीजा.

क्यों बापू हम ठीक कहते हैं न !

आप चुप हैं, हम समक गए, चुप रहना एक तरह हां ही है.

—भगवानदीन

एक खास मियाद के अन्दर हर सूबे की अदालतों और असेम्बिलयों का काम काज उसी सूबे की भाशा में जारी होना चाहिये. अपील की आखरी अदालत की जबान हिन्दुस्तानी करार दी जाय, लिखावट चाहे देव नागरी हो या फारसी. सेन्ट्रल गवर्नमेन्ट और असेम्बिलयों की भाशा भी हिन्दुस्तानी ही हो. अन्तर राष्ट्री राज व्योहार की भाशा आंगरेखी रहे. मुके भरोसा है कि अगर आपको यह तजबीख अपने विचार के मुताबिक नजर न आई और आपने यह खयाल किया कि मैं स्वराज की इच्छा में हद से बाहर चला गया हूँ तो भी आप बूटते ही इसकी इंसी न उड़ाने काँगे.

---महात्मा गांधी

نظل کرئے آور آپ کے ساتھالرہ کا کہلوار کرنے ، هم آپ کے ساتھ ره مها جعلا هم سعها كره كو سمجهع هين أعلا يه كها سنتی مادرهیں جنہوں نے آپ کے کیم درفین بھی نہیں گئے۔ بها تلطواه نه لهذا كولى ستهاؤره هوسكتاها يه تو أيك طرح ا اسهبوک هوا؛ اور اسهبوک کهین ایلی سرکار سے کیا جاتا ھے! آپ نے اسھروک کیا تھا تو اُس سرکار سے کھا تھا جو ودیشی تھی! بها' یه ایٹی سرکار کو ردیشی سرکار کی طوم سمجها هين تب إن كے ساته كوئى رمالت كهسم کے جا سکتے ہے' آور پھر هم بھی تو نردئی کھسے ان سکتے هیر ! یه هم کیسے برداشت کر سکتے هیں که ایک آدسی هماری نواری تهیک تهیک بجائے' تهیک وقت پر آئے آور ٹھوک وقت پر جائے آور کھالے کے لئے تلحواہ نه لے پھر وہ جگے کا کیسے ؟ یہ تو ایک طرح کی خود کشی یعلی آنم گهاس هوا أور آنم كهات قانون كي نظر مهن جرم هـ پهر ایسے معجرموں کو سزا نے دمی جاتے تو کھا کھا جائے! همارير إس كام يو كجه لوك أنكلي أتهائيس تو أتهائيس هم يرواه کهون کوين ؟

یاپو' آپ کے جھون کا فلسفہ کچھ اِس قسم کا ہے جسے میں لوگ ھی سنجھ سکتے ھھی کھونکہ ھم آپ کے ساتھ رہے ھھیں ، دوسرے دوگ تو اُس کا حذاتی ھی اُوا سکتے میں یا بھدی نقل کو سکتے ھیں ، اچھا' اُوائھیں صذاتی' کریں نقل اور بھکتیں اُس کا نتھجے ،

کیوں باہو هم تهیک کہتے هیں!

آپ چپ ههن' هم سمجه کثر، چپ رهقا ایک طرح هان هی هے ،

-بهگواندین

ایک خاص مهاد نے اندر هر صوبے کی هدائتوں اور اسمهلیوں کا کام کاچ اُسی صوبے کی بھاشا مهں جاری هونا چامئے ، ایهل کی آخری هدائت کی زبان هندستانی قرار دی جائے کی اہمارت چاہے دیوناگری هو یا قارسی سهنگرل گورنملت اُرر اسمهلیوں کی بھاشا بھی هندستانی هی هو ، انتر راشتری راج بهوهار کی بھاشا انکریزی رھے ، مجھے بهررسه هے که اگر آپ کو یه تجویز آنچ وجار کے مطابق نظر نه آئی اور آپ نے یہ خیال کیا که مهن سوراج کی اجها میں حد سے باهر چلا کیا هوں تو بھی آپ جھوٹتے کی اجها میں حد سے باهر چلا کیا هوں تو بھی آپ جھوٹتے کی اجها میں حد سے باهر چلا کیا هوں تو بھی آپ جھوٹتے کی اجها میں حد سے باهر چلا کیا ہی۔

سمهاتما كأندهى

जल्दी आजाद कर सकते हैं और इसी बक्री हैं के आधार पर हम आपकी समाधी से अपना बाबा रगक्ते हैं और सममते हैं कि इतना कर लेने मर से हम जरूर भारत को हमेशा आजाद बनाप रखेंगे! कुछ ना समम हमारे इस काम को भूटी मूरत पूजा सममते रहें तो सममते रहें!

वापू, आप देश की खातिर हमेशा खुन बहाने के लिये
तैयार रहते थे, हम भी आप की तरह हमेशा खुन बहाने के
लिये तैयार हैं. फर्क़ इतना है कि आप हम से बहुत पीछे थे
हम आप से बहुत आगे हैं. आप सिर्फ अपना खुन बहा
सकते थे, हम देश की खातिर अपनों का बहा सकते हैं,
बहाते हैं, पाक्रत पड़े तो बहाने को तैयार मिलेंगे. रौरों के
खून बहाने की तो बात ही क्या ? रही अपने तन की बात
ससका खून हम कैमें बहायें, और कैसे बहने दें ? वह तो
अब हमारा है ही नहीं, वह तो देश और समाज का हो
खुका, उस के तो हम इस्टी भर हैं! हमारी इतनी सीधी
बात न जाने कुछ लोग क्यों नहीं समक पाते, और हां,
बापू, आपको भी सब लोग कहां समक पाए!

बापू, इस तलवार की नोक से लोगों को सच बोलना सिक्सा कर रहेंगे, बड़ी बड़ी सजाएं दे कर लोगों को ईसानदार बना देंगे और लाखों भूटे लालच दे कर लोगों को बहिसक बना कर झोड़ेंगे. खाप के सत्य और बहिसा दोनों जतों को जैसे बनेगा वैसे कायम रखेंगे.

बापू, आप यह न सममना कि हम सिर्फ आप के दो ही अतों पर ध्यान रखेंगे. हमें वह रलोक अच्छी तरह याद है जिसमें आपके सब के सब ग्यारह अत आ जाते हैं. अतों के मामले में हम आप के अनासक्तयोग के क़ायल हैं. हम स्वादिरट से स्वादिरट चीज और चटपटी गरम मसालेदार चीज़ें जब भी खाते हैं तो उस में कोई आसक्ती महीं रखते. इस अनासक्ती की बात को लोग समभते हैं नहीं, हम पर चटोरा होने का इलजाम लगाते हैं. लगाया करें! जैसे बापू आप अपने टीकाकारों की परवा न कर के अपने काम में लगे रहते थे, वैसे ही हम टीकाकारों की तरफ से अपने कानों को बन्द कर देश की तरकक़ी में जुटे हुए हैं!

बापू, आप की गुस्सा नहीं आता था, क्योंकि आप से बढ़ कर आप के कामों की कोई नक़ल करने वाला आप के सामने था ही नहीं! गुस्सा तो हमें भी नहीं आना चाहिये और अकसर नहीं भी आता पर आप की तरह जब कोई सत्यायह कर बैठे जो असल में होगी तो नक़ल पर वह कहेगा उसे असल, तब हमें गुस्सा आ जाता है और फिर देसे ही सत्यायही या सत्यायहियों का हम पुलिस और कीज से गुकाबशा करते हैं और मिन्टों में ठीक कर देते हैं. हम बह हरीगण गवारा महीं कर सकते कि कोई आप की मही جائی آزاد کرسکٹے میں اور اُسی مکھٹے کے آتھار پر مم آپکی سمادھی سے ایفا مانیا رکوتے میں اور سمجیٹے میں کا اِنٹا کرلیئے ہور سے هم قورر بھارت کو همشه آزاد بغائے رکھیٹکے اِ کچھ نا سمجہ مدارے اِس کام کو جھوٹی مورت پوچا سمجھٹے رمیں توسمجھٹے رمیں اِ

باپو' آپ دیھی کی خاطر هبیشتہ خون بہائے کے لگے تھار تھے' هم بھی آپ کی طرح همیشتہ خون بہائے کے لگے تیار ههی، فرق انقا هے که آپ هم سے بہمت پهنچھے تھے هم آپ سے بہمت آپا خوبی بہا سکتے تھے' هم دیھی گی خاطر آپنوں کا بہا سکتے هیں' فرورت پونے تو بہائے کو تیار ملیں گے . غیروں کے خون بہائے کی تو بات هی کہا ؟ رهی آپ تن کی بات أس کا خون هم کیسے بہائیں آور کیسے بہتے دیں ؟ وہ تو آب همارا هی نہیں' وہ تو دیش آور سماج کا هو چکا' آس کے تو هم ترستی بھر هیں ! هماری آننی مهدهی بات نه جائے کچھ لوگ کیوں نہیں سمجھ پاتے' اور هاں' باہو' آپ کو بھی سب لوگ کھوں سمجھ پاتے' اور هاں' باہو' آپ کو بھی سب لوگ کھوں سمجھ پاتے' اور هاں' باہو'

یاپو' هم تلوار کی نوکسے لوگوں کو سبھ بولفا سکھا کو رهھی کے' یوس بوس سواٹھیں دیے کو لوگوں کو ایساندار بقا دیں کے آور الاکھوں جھوٹے اللہے دیے کو لوگوں کو اهفسک بقا کو جھووریفکے ۔ آپ کے ستھھ آور اهفسا دونوں برتوں کو جھسے بقیکا ویسے قائم رکھیں گے ،

یاپو آپ یہ نہ سمجھفا کہ هم صوف آپ کے دو هی برترں پر دهیان رکھیں گے . همیں وہ اِشلوک اچھی طرح یاد هے جس میں آپکے سب کیارہ برت آجاتے هیں برتوں کے معاملے میں هم آپ کے اناسکتیوگ کے قائل هیں . هم سوادشت چیز آور چتیتی گرم مسالے دار چیزیں جب بھی کھاتے هیں تو اُس میں کوئی مسالے دار چیزیں جب بھی کھاتے هیں تو اُس میں کوئی سمجھتے هیں نہیں هم پر چتررا هوئے کا الزام لکاتے هیں ، لکیا کویں چھیے بیا آپ آپ اُھے تھے کو لوگ کام میں لگے وهتے تھے ویسے هی هم تیکہ کاروں کی طرف کام میں لگے وهتے تھے ویسے هی هم تیکہ کاروں کی طرف سے آپے کاروں کی طرف سے آپے کاروں کو بقد کر دیھی کی ترقی میں جتے هوئے هیں ،

یاہو' آپ کو غصہ نہیں آتا تھا' کھونکہ آپ سے ہومکر آپ کے کاموں کی کوئی نقل کرنے والا آپ کے سامئے تھا ھی نہیں ا غصہ تو ھمیں بھی نہیں آنا بھاھئے آور اکثر نہیں بھی آتا پر آپ کی طرح جب کوئیستھاگرہ کو بھتھے جو اصل میں ھوئی تو نقل پر وہ کہہ گا آسے اصل' تب ھمیں فصہ آ جاتا ہے آور پھر آیسے ھی ستھاگرھی یا ستھاگرھیوں کا ھم پولیس آور فوج سے متابات کرتے ھیں آور مقالیں میں تھیک کر دیتے ھیں ، ھم یہ ھرکز کوئرآ نہیں کو سکتے کہ گوئی آپ کی بہدی

En that I want to the week

करवरी '58

the state of the s

(26) 753

ं बापू , अपर की बार्ते तो इसने यों ही कह दी. असल में इम यह कहना चाहते हैं कि हमने यह समक लिया है कि हम अपने देह के ट्रस्टी हैं! यह देह देश का है! बस इसी नाते, बापू, हम इसको हर तरह का बाराम पहुंचाते हैं, अपनी खातिर नहीं सिर्फ अपने इस जिस्म की खातिर, जिसके इस ट्रस्टी हैं, मालिक किसी तरह नहीं, कुछ जुटा लेते हैं, तो, न जाने, इस बात को ने कर कुछ मुरख क्यों हाय तोबा मचा उठते हैं ? इम कुछ अपने लिये मोटर थोंदे रखते हैं. इस तो उस तन की खातिर रखते हैं जिसके हम द्रस्टी हैं ! हम अपने तन की बढ़िया से बढ़िया माल खिलाते हैं क्योंकि यह हमारा नहीं है! वह देश का है! इमारे पास घरोहर है! हम तो उसके ट्रस्टी भर हैं! उस तन को तकलीफ दे कर क्या हम अपने कर्तव्य को बट्टा नहीं लगायंगे! कुछ मूरख चिल्लाते रहें कि इम इजार हजार, पांच पांच हजार, तनखा लेते हैं, हम उनकी एक नहीं सुनेगे ! और इस तन को अपनी ट्रस्टीशिय में किसी तरह दुबला नहीं होने देंगे ! आपने भी कब किसी सेठ को दुबला होने दिया था ! हां, आप भी तो जीते जी अपने को अपने तन के ट्रस्टी सममते रहे और मरते दम तक उसे ऐसा ही चिकना चुपड़ा रखा जैसा कोई असली मालिक उसे रखता ! क्या आप हे खाने पीने पर लोगों की उंगलियां नहीं उठीं थीं ! श्रीर क्या आपने दो दक जवाब नहीं दिया था ? बापू , इस मामले में हम आपसे बहुत आगे बढ़ गए हैं! इस पर यह कह कर लाखों करोड़ों उंगलियां उठती हैं कि इम बड़ी बड़ी तनखाईं लेते हैं, सेठों से भी ज़ियादा मीटे हो गए हैं, और, न जाने, क्या क्या, पर हम हैं, कि उसकी कौड़ी भर परवा नहीं करते! आप दो टूक जवाब देते थे, हम सौ दुक जनाब देते हैं !

The state of the s

आपके ट्रस्टी के विचार की जय!

बापू, लोगों का मुंह बन्द करने के लिये हम कभी किसी का बेतन आधा कर देते हैं, पर, बापू, आप घषरायें नहीं. हम बैसा कर के भी टोटे में नहीं रहते! टोटे में रह कर क्या हम अपने ट्रस्टी शिप को बट्टा लगायेंगें हमें तो जो तन देश बालों ने धरोहर के तौर पर दे रखा है उसकी लाख जतन कर के वैसा ही बनायें रखेंगे जैसा आप बनाए रखते थे!

बापू, हीरो वर्शिप यानी नायक पूजा में हम आप से बहुत आगे निकल गए हैं. आपने लोकमान्य तिलक की रथी को कंधा भर लगाया था और ऐसे ही देशबंधु चित रंजन दास और भाई मोतीलाल जी की रथी को कंधा दिया था, पर हम तो अपना सिर उस समाधी पर रगड़ डालते हैं जिस के अन्दर आपकी हड़ी के कुछ फूल हैं! इसारा क्याबा है आपका यह विश्वास जरूर रहा होगा कि आप लायकों की रथी को कंधा लगा कर मारत को

باہو' آویو کی ہائیں تو هم نے یون هی کو طایق ، اصل ميں هم يه كينا چاهيے هيں كه هم أن يه سبجه لها هـ که هم الم دیم کے ترستی هیں! یه دیه دیش کا مے! یس اِسي نَاتِيُّ يَايِو' هم اِس كو هر طرح كا آرام يهونهائي ههن' اینی خاطر نہیں سرف اپ اس جسم کی خاطر جس کے هم تُرسِتي هين َ مالک کسي طرح نهين ، کچه جگا لهي۔ هين تو نه جال إس بات كو لهكر كچه موركه كهون هائر توبه منها أتهاد هين؟ هم كنهه ألي ليُّ مواثر تهورت رکھتے میں ، هم تو اُس تن کی خاطر رکھتے میں جس کے هم ترستی هیں ! هم آیے تن کو بوهیا سے بوهیا مال کھلاتے هين كيونكه ولا همارا نهيل هد! ولا ديش كا هد! هماري پاس دھروھر ہا ھم تو اُس کے ترسائی بھر ھھر، ا اُس تن کو تعلیف دے کر کیا ہم آنے کرتریہ کو بگا نہیں لکاٹھنگے آ كتهم سوركم چلاتے رعمى كه هم هوار هوار' ياني ياني هوار' تنظواه ليتم هيل هم أن كي أيك نهيل سليلكر أ أور هم تن کو ایدی ترستی شپ میں کسی طرح دیلا نہیں هرلے دیدعے! آئے بھی کب کسی سیٹھ کو دیلا هولے دیا تھا! ھاں' آپ بھی تو جھتے جی آبھ کو ابھ تن کے ترسلی سمجهاتم رهے اور موتے دم تک آبے ایسا هی چکفا چهوا رکھا جیسا کوئی املی مالک آسے رکھتا ! کھا آپ کے کھائے پهند پر لوگوں کی انگلماں نہیں آئمی تعمل! اور کھا آپ لے دو توک جواب نہیں دیا تھا ؟ باہو' اِس معاملے میں هم آپ سے بہت آئے ہوہ کیے هیں! هم پر یہ کہ کر لاکھوں كرورون الكلهان أثهتي ههن كه هم يوي يوي تنخواههن لیتے میں سیتیوں سے بھی زیادہ سوئے موکئے میں' اور' تم جائے کیا کیا ہر هم هیں که اُس کی کرزی بهو براًلا نهين كرته إلى دو توك جواب دياء تها هم سو توك جواب ديتے هيں .

آپ کے ترسلی وچار کی چے!

باپو' لوگوں کا متھ بند کرنے کے لئے ہم گبھی کسی کا ویعی آدھا کر دیتے ہیں' پر' باپو آپ گھمرائیں نبھی ، هم ویسا کرکے بھی ڈوٹے میں نبھی رہتے ! ٹوٹے میں رہ کر ایا ہم اپے ٹرسٹی شب کو بٹا لٹائینگے؟ ہمیں تو جو تن دیھی والوں نے دمروہر کے طور پر دے رکھتا ہے اُس کو لاکھ جھسا آپ بلائے لاکھ جھسا آپ بلائے رکھتا تھے !

باپوا همروورشپ یعلی نائک هوجا میں هم آپ سے بہت آئے نکل کئے هیں ۔ آبے لوک مانیہ تلک کی رتھی کو کلدھا بہر لکایا تھا اور ایسے هی دیش بقدهو جگرنتجوں داس اور بہائی موتی لالجی کی رتھی کو کلدھا دیا تھا ہم تو اپنا سر اسسمادهی پررگویۃالہمیںجس کے اندر آپ کی هذی کی هذی کو کندها لیک بهول هیں! هماوا خیال ہے آپ کا کورد رہا ہوگا کہ آپ تالکوں کی وتھی کو کلدھا لیک کر بھارت کو

बिग्दुरुतानी सही हिण्दी है. यह आपस में तीन बहनें हैं. तीन सोकिन नहीं. तीन दोस्त हैं, तीन दुशमन नहीं. भगर इन तीन में से हिन्दी को राजकमारी बनाया गया है तो बितकत ठीक हमा, उसका श्रिधकार जियादा था और बह राज गही का हक भी रखती थी. राज गही पर बैठ कर डसे पहले से जियादा न्याय करना चाहिये और अपनी आम मक्रमूलियत या हर दिल प्रेम बढ़ाने के लिये जनताई भाशा का रूप चारन करमा पहेगा. आजकल की राज गही साम्राम की गही नहीं होती वह जनता राज की गही होतीहै. अगर हिन्दी इस सचाई को भूल जायगी तो शायद उसका राज गरी पर बैठना और बैठ भी जाय तो संभन्नना मुश्किल होगा. यह किसी हिल्दी कपटी की बददुष्या और मनहस साहिश नहीं है बल्कि हिन्दी प्रेमी की बक्त से पहले आगाही है. अगर वक्त से पहले आगाह करने वाले हिन्दी प्रेमी को आप हिन्दी शत्रु सममें तो आपकी न सममी भौर मेरा दुर्भाग्य है. अपना फर्ज समककर मुक्ते हिन्दी की भलाई की खातिर हिन्दुस्तानी का प्रचार करना है क्योंकि हिन्दुस्तानी का रूप घारन कर के ही सारे देस और रारड की भाशा बन सकती है.

هنئشگالیسهی هندی هن یه آیسمین تین بهلین هین . تين سرائين نهير . تين دوست هين الدولين سرائين. اكر أن تمن مهن سر هددى كو رأج كمارى بقايا قياه تو بالكل تهيك ھوا' اس کا انجهکار زیادہ تھا آور وہ راے گدی کا حتی بھی رکھتی تھی۔ راے کدی پر بھتھکر آسے پہلےسے زیادا نھاے کرنا چاہئے اور اپنی آم مقبولیت یا هردل پریم بوهانے کے لئے جلتای بہاشا کا روپ دھارن کرنا ہوے کا ، آج کل کی راج گدی سامرام کی کدی نہیں ہوتی وہ جلتا رام کی گدی ہوتی ھے ۔ آگو ملامی اس سنچانی کو بھول جانے کی تو شاید اس کا رام کدی بر بیتهدا آور بیته بهی جاید تو سلمهللا مهكل هرلاً ، يه كسى هندى كيتى كي بددما أور مليوس خاهشانهين فيبلكه هددى يريمي كيرقت ييهله آگاهی هے . اگر وقت سے پہلے آگاہ کرنے والے ملدے پریسے کو آپ هندی شدرو سمجهیں تو آپ کی ناستجهی اور مهرا دربهاگیم هے ، ایلا فرز سمجهمر مجهد هلدی کی بهای کی خاطر هندستانی ا پرچار کرنا هے کیوں که هندی هندستانی کا روپ دیماری کر کے هی سارے دیس اور راشتر کی بہاشا ہوں سکھی ھے ،

The state of the s

वापू से

बाप्, सब हमें आपकी 'ट्रस्टी' वाली नई स्म की धाद आ जाती है तो जी फड़क उठता है! आपका ट्रस्टी का आइडिया सबमुच कैपिटलिएम को गुड़ दे कर मारने जैसा है! ट्रस्टी का विचार वह आग है जो पूंजीवाद की रस्सी के बढ़ क्रायम रखती है. पर उसकी राख बना देती है! आपका ट्रस्टी वाला बिचार हमें बेहद पसन्द है! आपने अपने जीते जी किसी सेठ सःहूकार को ग़रीब नहीं होने दिखा, उसे जी मर फलने फूलने दिया! यह दूसरी बात है कोई इक्का दुक्का अंगरेजी राज की सखती का शिकार हो कर ग़रीब हो गया! हां, अगर वह इक्का दुक्का ज़ग औरों जैसा चालाक होता तो वह भी ग़रीब न हो पाता!

कन्युनियम से आपके कुछ भक्तों को चिद्र सी हो गई है. बापू, इमारे 'कुछ' शब्द को आप नोट कर लें, द्रयों कि आपके कुछ भक्त ऐसे भी हैं जिन का यह कहना है कि गांधीबाद का मतलब है 'हिंसा रहित कन्युनियम' जिनका यह कहना है कि गांधीबाद हिंसा रहित कन्युनियम है बन्ही' का यह कहना है कि ट्रस्टी पने का विचार वह जिनाद है जो पूंजीवादियों में आपो आप कन्युनियम कैंडा करता है!

بایو سے

باہو' جب همیں آپ کی 'درسائی' والی نئی سوجه کی یاد آ جاتی ہے تو جی بھوک، اُٹھٹا ہے! آپ کا درسائی کا آبنتیا سے میے کیھٹلؤم کو گو دیکر مارنے جھسا ہے! درسائی کا وچار وہ آگ ہے جو پونجی واد کی رسی کے بت قائم رکھتی ہے' پر اُس کو رائم بنا دیکی ہے! آپ کا درسائی والا وچار همیں بہدد پسند ہے! آپ اُپ جھتے جی کسی سیٹھ ساھوکار کو فریب نہیں ہونے دیا' اُس جی بھر پھللے پہرلئے دیا! یہ دوسری بات ہے کوئی اِکا دکا انگریزی راج کی سختی کا شکار ہوکر فریب ہوگھال ہاں' اگر وہ اِکا دکا ذرا اوروں جھسا چالاک ہوتا تو وہ بھی فریب نہ ہو ذرا اوروں جھسا چالاک ہوتا تو وہ بھی فریب نہ ہو باتا!

کمونوم سے آپ کے کچھ بھکتوں کو چوہ سی ہوگئی ہے،
باہر' ہمارے 'کچھ' شہد کو آپ نوٹ کرلیں' کھونکہ آپ کے
کچھ بھکمٹ ایسے بھی میں جن کا یہ کہنا ہے کہ گاندھی
واد کا مطلب ہے 'ملسا رہت کمیونوں' جن کا یہ کہنا ہے
کہ گلدھی واد منسا رہت کمیونوں ہے آنہمں کا یہ کہنا ہے
کہ گرسٹی ہے کا وجار وہ وجار ہے جو ہونجی وادیوں میں
آپ و آپ کیھونوں بھھا کوتا ہے !

Organisa (Control of the Control of

بالکل الک الک هیں ، آپ اُنگی دف جا رہے هیں هم هیں هم الکی دف اللہ الک هیں اُنگی دف جا رہے هیں اُنگی دف اُنگی دف اُنگی دف اُنگی ودوانوں کا نگہوں واسته پسند کرتے میں ' هم آم جانای واسته ، آپ میں اور هم میں میل هو هی بهوں سکتا۔

ھاں اگر آپ جنت کے اجارن اور تلفز کو بدلاؤ تلفز (Alternative Pronunciation) دی همسیست هی سے مان لیس اور اس کو یکاڑ یا آیجھردھی کہذا چھوڑ دیں تو بھی آپ ھم ایک راستے پر جا سکتے ھیں . یہ راستہ سرل ملدی کا رأسته هے یہی آسان اردو کا راسته هے اور یهی مندستانی کا راسته هے . اگر سنزل اور تهکاما ایک هو تب بهي مليست هي' آپ چاه مودر مين جائين ا جاه مرائي جهاز مين جاين چاه بيدل جلين بهر هال دیر سویر ایک هی منزل پر تو بهونندهن گیشرطیکه سب كى مدول ايك هو : مكر ترقى دوستون أور وأج الهون كم مدول ايك ديهي هوتي القلايهون أور تور انقلايهون کے داسنے الگ الک اور ایک دوسرے نے التے هوتے هيل ، اکر ہم نے وہ راسته اختهار نہمی کیا جسے پنچھای سدی سیں اُنشااللہ خان نے' اسی سدی کے شرو میں شیلی نعمانی ازاد اور حالی نے دکھایا تھا اور جو همارے زمانے میں سلیتی کمار چتر جی دنیا رہے میں اور سب سے بوهكر مهائماً كاندهى دنها كُنُه هين تو هم جلك كي ترقي مهن روزے اتنا کر' بہاشا کو فقین بدا کر آنہ سرف دیس لورقوم كو نقسان بهذبتها يفكه بلكه در تهن دهائهون صوب ایدی کوششین دو تاکام هوتا هوا دیکهکر دراس آور هت دهرم هو جاڻين گے ،

مجهے يبرا يقهن هےكة نهن دهائهيں بهاء أسمانهايوني وراتی اور نظام سرکر نے آسان اردر کا راسته 'ختیار کیا هوتا اور بدلاء لكهاوك أور يدلاه تلعز كے ساته ساته استلاهوں کے بنانے میں ریادہ تر منسکرت اور ہندی سے مدد لی هرتی تو آج بهارت میں بهاشای مسکله بالکل فیر اهم هوتا . هیدرآباد اور اسمامیا یودی ورسائی نے تو ایکا موقا کهو دیا آب مقدی دو موقا ملا هے . اگر هقدی بهی جفتا کا ورودھ فرنے لکیکی ' بھانت بھانت کے پودیشوں فی بهاشاؤں سے شہد قبول بہن دریکی اور وہ جالو شبدوں كو بكالنا چاه كى موقد موقد نويل أور بهدادك استدهون گڑھتی رہے کی تو سب سے زیادا فائدا انکریزی کو ہوگا اور وہ سماج اور بیویار' راج اور کام کاچ کی بھاشا رہے گی۔ مقصی پریم کے مالے مددستانی پریم کے میں ان میں ورودمین هرگو بهین هو سکتا ، بهگران کا راپ اوتار مین هوتا هے ، سہی مدیسیں زبانی کلام کی ٹیکا کرتی میں، وہ دونو ایک دوسرے کے هم رنگ اور هم آهلگ هين . الهيك الشي تره أسان أردو هانستاني ها أور

विजकुत असग अलग हैं. आप उत्तरी तरक जा रहे हैं. हम सीधी तरक. आप पूरव को जा रहे हैं तो हम पिछझ का, आप विद्वानों का कठिन रास्ता पसन्द करते हैं. हम आम जनताई रास्ता, आप में और हम में मेल हो ही नहीं सकता.

हां, अवर आप जनता के उच्चारन और तलक्ष्मुज की बद्ताव तलक्कुष (Alternative Pronunciation) की हैसियत ही मान लें और उस को बिगाड़ या ध्वपश्रंश कहना छोड़ दें तो भी आप इम एक रास्ते पर जा सकते हैं. यह रास्ता सरल हिन्दी का रास्ता है, यही आसान उरद का रास्ता है और यही हिन्दुस्तानी का रास्ता है. अगर मंजिल और ठिकाना एक हो तब भी रानीमत है, आप चाहे मोटर में जायं, चाहे हवाई जहाज में जायं, चाहे पैदल चल, बहरहाल देर सबेर एक ही मंजिल पर तो पहुँचेंगे बशर्ते कि सब की मंजिल एक हो : मगर तरक्की दोस्तों और राजझितयों की मंजिल एक नहीं होती; इनक़िलाबियों श्रीर तोइइनक्रिलाबियों के रास्ते अलग अलग और एक दूसरे के उलटे होते हैं. अगर हमने वह रास्ता इक्तियार नहीं किया जिसे विश्वली सदी में इन्शाश्चरताह कां ने, इसी सदी के शुरू में शिवली नेमानी, आजाद और हाली ने दिखाया था और जो हमारे जमाने में सुनीति कुमार चटरजी दिखा रहे हैं और सब से बढ़ कर महात्मा गांधी दिखा गए हैं तो हम जनता की तरक्क़ी में नोड़े घटका कर, भाशा को कठिन बना कर न सिर्फ देस और कौम को नुक्रसान पहुंचायेंगे बल्कि दो तीन दहाइयों में अपनी कोशिशों को नाकाम होता हुआ देख कर निरास श्रीर हट धर्म हो जायंगे.

मुमे पूरा यक्कीन है कि तीन दहाइयों पहले उसमानिया यनिवर्सिटी और निजाम सरकार ने श्रासान उरद का रास्ता इंख्तियार किया होता और बदलाव लिखावट श्रार बद्लाव तलफ्फ़ुज़ के साथ साथ इस्तलाहों के बनाने में जियादातर संस्कृत और हिन्दी से मदद ली होती तो आम भारत में भाशाई मसला बिल्कुल ग़ैर श्रह्म होता. हैदराबाद श्रीर उसमानिया यूनिवसिटा न तो अपना मौक्रा खाँ दिया अब हिन्दी को मौका मिला है अगर हिन्दी भी जनता का विरोध करने लगेगी, भांत भांत के प्रदेशों की भाशाश्रों से शब्द क्रबूल नहीं करेगी, अगर वह चाल शब्दों की निकालना चाहेगी, मोटे मोटे कड़ियल और भयानक इस्तलाहें गढ़ती रहेगी तो सब से जियादा कायदा आंगरेजी को होगा और वह समाज और व्योपार, राज और कामकाज की भाशा रहेगी. हिन्दी प्रेम के माने हिन्दुस्तानी प्रेम के हैं उन में विरोध पन हरगिज नहीं हो सकता भगवान का रूप अवतार में होता है सही हदीसे जवानी कलाम की टीका करती हैं. वह दोनों एक दूसरे के इस रंग और इस बाहुंग हैं. ठीक बसी तरह आसान उरदू हिन्दुस्तानी है और

STEEL STORY OF BOTH SECTION

बदलाचों को बिगाइ, अपश्रेष, सत्यानासी से ताबीए कर के अपना जीर चलाते और चला सकते हैं. बाज मरतबा बह कहते हैं कि विद्याई या श्रदकी जरूरतों के तहत "ग्रद्ध उचारन" लाजमी है मिसाल के तौर पर वह कहते हैं कि नर्म श्रीर गर्म को नरम श्रीर गरम पढ़ा जाय तो उरद के सैकड़ों शेर वे वजन श्रीर वे श्रसर हो जायंगे. जैसे इस मशहूर शेर में :---

बाह्म सलुक था तो उठाते थे नर्म गर्म काहे को 'मीर' कोई दबे, जय बिगड़ गई

कोई नरम गरम की 'र' को हरकत दे वो कलाम बे मीजं हो जाता है.

हिन्दी बाले कहते हैं कि स्टेशन और श्नान की तरह अगर हम स्पष्ट की अम्पष्ट कहे तो इसका अर्थ ही उलटा हो जाता है.

इन एतराजों का जनाब यह है कि अवधी या कविताई और विदाई जरूरतों के तहत लक्ष्यों के उचारन को बदलना हर जवान में ठीक माना गया है और इस क़िस्म की मिसालें बहुत कम हैं.

बहर हाल हिन्दी वालों के संस्कृत प्रेम और उरद वालों की फ़ारसी परस्ती और अरबी दोस्ती को देखते हुए, उनके बलबूते को जानते हुए, सब से बढ़ कर आजकल की फिजा और आपसी रंजिशों का खयाल करते हुए हम यह सुमाब रखते हैं कि हिन्दुस्तानी को तरक्ष्मी देने के लिये बदलाब तलक्कूप को असूली तौर पर सही मान लेना चाहिये. और इन लफ्जों के तलफ्जुज को ठीक मान लेना चाहिये जो विचाई या कविताई मजबूरी से आम तलफ्कुज से अलग हो. जैसे हिन्दुस्तान के क़ौमी तराने में "यमुना" का लक्ष आया है या उरदू शायरी में नर्म को नरम

शक्तसी नामों की इद तक तो यह असूल सारे संसार में चल पड़ा है कि हर शरुस का नाम इसकी इच्छा के मुताबिक्न लिखना चाहिये.

राषिन्दर नाथ टैगोर को रवीन्द्र नाथ ठाकर लिखना या कहना आम सभ्यता और महिकल के आदाव के खिलाफ है. जो शस्त्र अपने आपको वंशीधर कहलवाना चाहता है उसे इसी तरह याद करना चाहिये. आम बोलचाल की हद तक बदलाब उच्चारन के असूल के सुताबिक बिशाई रवाक्रकुष के साथ साथ आम तलक्रकुज् भी सह। है, हिन्दी जनसा और उरदू जनता के तलक्कुज को विगाइ कहना. इसे अपभंश ठहराना और हर हालन में रालत सममना ती किसी सरह जायज नहीं, अगर आप देश ही कहने पर इसरार करेंगे और देस हर हालत में रालत ठहरायेंगे तो इस के वह मानी होंगे कि आप के और हमारे रास्ते

مدلایان کو بکارا ایمهرنش ستیاناسی سے تابیر فوکے ابدًا زور چلاتے اور چلا سکتے ہیں، باز مرتبه وہ کہتے میں که ودیای یا ادین زررترں کے تہت أو شده اجارن ا الزمي هے . مسال كے تور يور وہ كہتے همي کہ نوم اور گرم کو اور گرم نوم ہوما جانے تو اردو کے سیکھوں شعر ہوزان اور براسر هو جائيں گے. جهسماس مشہور شعر

هاهم سلوک نها تو أتهاتے نصر فرم گرم کاھے کو امھر' کوئی دایے' جاب بائٹر گئے

کوئی۔ ترم گرم کی رکو حورکت دائے تو کلام ہے صوروں ہو جاتا ھے .

هددی والے کہتے میں که استیشن اور اشدان کی ترہ الرهم سهشت كو اسهشت كهين تو اس كا أرته هي التا

ان ایترازوں کا جواب یہ ہے که ادبی یا کویتای أور ودیامی زرورتیں کے نہت لفزوں کے اچاری دو بدلغا هر زبان مهن تهیک مانا کها هے، اور اُس قسم کی مسالهی بهت

پہرھال ھفدمی والوں کے سائسکرت پریم اور اردو والوں کی قارسی پرستی اور اربی دوستی کو دیکھتے ہوئے اُن کے بل بوتے کو جانتے ہوے' سب سے بوهمر آجمل کی فزا اور آیسی رنجشوں کا خیال کرتے هوے هم یه سوجهار کهانے میں کے مقدستانی کو ترائی دیائے کے لئے بداؤ تلفؤ کو اسولی تور پر سہی مان لیکا چاھئے ، اور ان لغزوں کے تلفز کو ٹھیک مان لیدا چاھئے جو ودیای یا کویٹای مجهوری سے آم تلفو سے الگ ہو ، جیسے مندستان کے قوسى تُوالِي سَهِن " يمونا " كَا لَقَوْ آيَا هِ يَا أَوْدُو شَايِرِي میں نوم کو اوم پوھفا ہونے ،

شطسی ناموں کی هد تک تو یه اسرال سارہے سلسار مهن چل يوا هے که هر شخس کا نام اس کی اچها كے مثابق لكهذا چاهئے .

وأيشدر ناته تهكور كو رويقدر ناته تهاكر لكهذا يا كهذا آم سبهها اور مهفل نے آداب کے خلاف ہے . جو شاطس الله آپ کو رنهی دهر کهلوانا جاهدا هـ؛ اس اسی ترد یاد كرنا جاهي آم بول جال كي حد تك بدار أجاري ك اسول کے معابق ودیای تلفؤ کے سانہ سانہ أم تلفؤ بھی سہی ہے، مقدی جنتا اور اردر جلما کے تلفز کو بکار کہفا اليه آيههرنش لههراك أور هر حالت مهن قلت سمجها دو کسی قود جایز نهیں اگر آپ دیمی هی کهانے پر اسرار كريس في أور ديس هو هائت مين قلت تيپرائين أي تو اس کے یہ مانے ہونگے که آپ کے اور همارے راستے

جس پر گسال کا تھیا ہو چکا ہے ، آپ ہر شخص جان سکتا اور پہچان سکتا ہے که یہ دولا بھر جاندی ہے . اس کے لھن دین میں کسی کو نہ جھجھک ہوسکتی ہے ۔ نہ قر .

سے پہچھگے تو یہ کہذا ہوا مشکل ہے کہ کون سا لغو

السلی'' تھا اور کونسا بدلا ہوا ہے جسے ہم سلسکرت یا

لاھلی یا اوہی یا یونانی لغز کہتے ہیں' ان میں بھی ہواروں

لفزیہت پرانی زبانوں سے لئے گئے ہیں ، اس لئے یہ بہسی

کم فلاں شید سلسکرت کا ہے' لہازا اس کا اچاری سلسکرتی

کم فلاں شید سلسکرت کا ہے' لہازا اس کا اچاری سلسکرتی

کیا مالوم کہ وہ سے مے سلسکرت کا ہی لفز ہے' کسی اور

کیا مالوم کہ وہ سے مے سلسکرت کا ہی لفز ہے' کسی اور

کیا مالوم کہ وہ سے مے سلسکرت کا ہی لفز ہے' کسی اور

کیا مالی منجہتے ہیں' ان سے ہماری بہس نہیں ، دنیا

کو جہتی سمجہتے والوں سے جغرافیہ جانئے والے بہس

کر ہی کیا سکتے ہیں' اس تا اسانہات اور ساج ودیا

کے جانئے والے جو یقین کرتے میں دہ سا بی تہذیب دھیرے

دھورے وجود میں آئی تھی' برابر بدیتی وہی تھی' اب

دھورے وجود میں آئی تھی' برابر بدیتی وہی تھی' اب

قک بدل وہی ہے اور آلفدا بھی بدلتی وہیکی' نسی

قک بدل وہی ہے اور آلفدا بھی بدلتی وہیکی' نسی

فرز بہاشائیات اور شہدیات کے اتل قایدے کے انوسار مقدمتانی میں بھی ،

| راجيه | ه که | کہدا جاملے' ا | تا، |
|----------|--------|---------------|-------------|
| ديها ولى | ئە كە | ھی سہی ھے' | ديوالي |
| ورهي | ** | شدھ ہے' | ہر <i>س</i> |
| ورها | 25 | تہیک ہے' | بارش |
| | | | اسی تره |
| لينترن | المطاح | کی | للثين |
| تپهوتی | " | | ڌيائي |
| للتن | 59 | | للدن |
| ورنداون | 73 | | يرندايي |
| وتھی دھر | 11 | | يلسى دهر |
| يوامب | " | | يم |
| گرم | 97 | | گرم |
| ويلكث | 21 | | بلكس |

کہلوائے کی کوشعل کرنا یا تو جہت وہم ہے (یائے Inferiority Complex جس کا تہتیا بلا کارن سمجھ لیکا ہے کہ اُس کی سبھیکا نہیے ہے اور دوسوے بیسوں یا زمانوں کی تہذیب بہتر تھی یا ہے) یا نہیں تو النی نمایش یائے Pedantry .

پہر بہی مانٹا پڑے گا کہ اردو میں پاکباز اور مقدی کے شدہ پریمی کائی بلوان میں ، وہ سماج اور واج کی امم خدمتوں پر دایز میں ، جلتا میں آئ

है जिस पर टकसाल का ठप्पा पड़ चुका है. बाब हर शकस जान सकता है ब्लीर पहचान सकता है कि यह तीला भर बांदी है. इसके लेन देन में किसी को न किमक हो सकती है न डर.

सच पूछिये तो यह कहना बड़ा मुश्किल है कि कौन सा लक्क "असली" था और कीन सा बदला हुआ है जिसे इम संस्कृत या लातीनी या अरबी या युनानी क्रमण कहते हैं, उन में भी हजारों लक्ष्य बहुत पुरानी जबानों से लिये गए हैं. इसलिये यह बहसें कि फलां शब्द संस्कृत का है, लिहाजा इसका उचारन संस्कृति तरीक़े पर होना चाहिये हमारी महाभूल है क्योंकि यह भी क्या माल्म कि वह सचमुच संस्कृत का ही लक्ष्य है, किसी और भाशा से लिया हुआ नहीं. हां वह लोग जो संस्कृत को देव बानी समभते हैं, उन से हमारी बहस नहीं. दुनिया की चपटी सममने वालों से जुराराफिया जानने बाले बहस कर ही क्या सकते हैं, इसी तरह इनसानियात और समाज विद्या के जानने वाले जा यक्तीन करते हैं कि सारी तहजीब धीरे धीरे वजूद में आई थी, बराबर बदलती रही थी, अब तक बदल रही है और आयन्ता भी बदलती रहेगी, किसी जबान के पैदाइशी बड़प्पन होने को तसलीम नहीं कर सकते.

रारज भाशाइयात और शब्दयात के घटल कायदे के

श्रनुसार हिन्दुस्तानी में भी

| | 2.5 | |
|-----------|-------------------|--------------------|
| राज | कहना चाहिये, न कि | राज्य |
| दीवाली | ही सद्दी है, न कि | दीपावली |
| षरस | शुद्ध है " | वर्ष |
| षारिश | ठीक ,, | वर्षा |
| इसी तरह | | |
| लालटेन | की बजाय | लेनटर्न |
| िंदरी | ,, | डिप्यूटी |
| लन्दन | " | लन्डन |
| त्रन्दाबन | >> | विरन्दा य न |
| बंसीधर | ,, | वंशीधर |
| वस | 17 | बीम्ब |
| गरम | 1) | गर्म |
| बेनकेट | 33 | वेनेकट |

कहलवाने की कोशिश करना या तो छुठ वहम है (यानी Inferiority Complex जिस का तहतिया विला कारन समम लेता है कि उसकी सभ्यता नीच है और दूसरे देसों या जमानों की तहजीब बेहतर थी या है) या नहीं तो इलमी हुमायश यानी Pedantry.

फिर भी मानना पड़ेगा कि उरदू में पाक बाज और हिन्दी के शुद्ध प्रेमी काफी बलवान हैं वह समाज और राज की बाहम खिदमतों पर फायज हैं जनता में इनका काफी बिकार (मान) है, वह भागाई तबदीलियों और लक्जी

مهربے والد مرحمم یہی کہتے تھے ، یہ سب فلمت تلفز کھوں کو کرسکتے هیں اور زبان میں آخر سہی اور فات کا مهار هی کیا ہے؟ زبان هماری ہے نہ که اوہوں اور ایرانهوں' انگریزوں یا ترکوں کی ۔ اس کا جواب وہ یہی گستانے ہوں! ایہو هال وہ مرتے سرگئے مگر کیمی اپنی گستانے ہوں! یہو هال وہ مرتے سرگئے مگر کیمی اپنی فلتی مہسوس نہیں کی ۔ ان کے زندہ چربے آج بھی سیکورں نہیں هزاروں هیں جو اپنی زبان میں غیر زبانوں کی تقالی کرنا اور کروانا چاهتے هیں ۔ ان لوگوں کی کوشعی کہی سیمل نہیں هوئی اور نہ آئے هوگی ، کوشعی کیمی سیمل نہیں هوئی اور نہ آئے هوگی ، هاں ان کی بدولت الم کا پرچار نہیں هوسکھکا' زبان کی دیواریاں بھی رهیلگی اور ان دو کے ملواں بھار زبان کی دیواریاں بھی رهیلگی اور ان دو کے ملواں بھار زبان کی دیواریاں بھی رهیلگی اور ان دو کے ملواں بھار

تق معلوم هم کب اس قدرتی قانون کو جانیدگے که شکشا کے زریبے سرکار اور ودیای سبهایی جدتا کو تهورا پہت کفترول کرسکتی هیں مگر جنتنا کے جهکاؤ کو اس کی هسرتوں اور خاهشوں کو ایک دم نہیں بدل سکتی اسی ترد هم جفتای اچاری یا آم تلفز تهورا بہت گفترول میں لاسکتے هیں ، مگر یہ قطعی ناممکن هے که اس کے رم کو یالکل هی بدل قالیں ،

جب داؤد اور David استعاق اور Isaac موسی اور Moses ابراهیم اور Moses ایک هی لفز سے المحال الم

اس اثل تبدیلی کو ''بکار'' کیفا' ''خرابی'' سے تاہیر کرنا' ''آپ بھرنش'' کا شودر نام دیفا هماری قلمانہ دلس پرکرتی' جہنت وهم اور جہالت کا سبرت نے .

مهی پوری یقهن کے ساتھ کیا سکتا هوں که قلعه Qale کو قلعه Qale کی ترہ آردو میں بولے جائے والے آرہی لفؤوں پر آرہی تلفؤ لادنے کی تمام کوششیں آسی ترہ کے کار جایلکی جیسے جملا کو یمونا یا جلتا کو جلتا کیلوائے کی کوششیں آخرکار ناکام رهیلگی .

ھیمیں آپھی ترہ ہے مالوم کرلیفا چاھگے کہ ھقدیاے ھوے شہد ھی ھلاستانی کا جو بن سکتے ھیں۔ ملدیایا ھوآ شیف مالو اس تولے بھو چالدی کی توہ

मेरे वालिद मरहूम यही कहते थे. यह सब रालत तत्तप्रकुष क्यों कर कर सकते हैं और प्रवान में आखिर सही और रालव का मेयार ही क्या है ? प्रवान हमारी है न कि अरबों और ईरानियों, अंगरेजों या तुरकों की. इसका जवाब वह यही देते थे कि मैं गलती कर रहा हूँ, इट धर्म हूँ और गुस्ताख हूँ ! बहरहान वह मरने मर गए मगर कभी अपनी गलती महसूस नहीं की. उनके जिन्दा चरवे आज भी सैकड़ों नहीं हजारों हैं जो अपनी जवान में गैर जवानों की नक्क ली करना और करवाना चाहते हैं. इन लोगों की कोशिश कभी सफल नहीं हुई और न आगे होगी. हां, इनकी बदौलत इल्म का प्रचार नहीं हो सकेगा, जवान की दिक्क तों से इल्म जा प्रचार नहीं हो सकेगा, जवान की दिक्क तों से इल्म जकड़ा रहेगा इल्म की दुशवारियों के साथ साथ जवान की दुशवारियों भी रहेंगी और इन. दो के मिलवां भार का वठाना बहुत बड़ी अकसरीयत के लये ना मुमकिन होगा.

न माल्य हम कब इस कुद्रती क़ानून को जानेंगे कि शिक्षा के जरिये सरकार और विद्याई सभायें जनता को थोड़ा बहुत कनट्रोल कर सकती हैं मगर जनता के भुकाव को इसकी हसरतों और खाहिशों को एकदम नहीं बदल सकती. उसी तरह हम जनताई उच्चारन या आम तलफ्फुज थोड़ा बहुत कनट्रोल में ला सकते हैं. मगर यह क़तई ना मुककिन है कि इसके रुख को बिलकुल ही बदल डालें.

जब दाऊद और David, इसहाक और Issac, मूसी और Moses, इबराहीम और Abraham, एक ही लक्ष्य से बने हुए दो अलग उबारन की वजह से दो अलग भाशाओं में सही हैं तो संस्कृत "प्रसाद" और हिन्दी प्रशाद या संस्कृत देश और हिन्दी देस या अरबी कला और उरदू किला क्यों गलत हो सकते हैं शिष अरबी में यूनानी लक्ष्य, अंगरेजी में फ़ेन्च लक्ष्य, अपना "असल" तलक्ष्युज बाक्री नहीं रख सकते तो हिन्दुस्तानी में भी दूसरी जबानों से खिये हुए लक्ष्यों का "असल तलक्ष्युज" या "शुद्ध उबारन" कभी बाक्री नहीं रह सकता. हर भाशा के उबारन मुकाब के अनुसार गैर लक्ष्य के उबारन में कुछ न कुछ तबदीली अटल है.

इस अटल तबदीली को ''बिगाइ'' कहना, ''खराबी'' से ताबीर करना, "अपभरन्श'' का शुद्ध नाम देना हमारी दास प्रकृति, छुट वहम और जहालत का सबूत है.

मैं पूरे यक्तीन के साथ कह सकता हूं कि करता Qale को किता Qile की तरह उरदू में बोले जाने वाले अरबी लफ्जों पर अरबी तलक्फुज लादने की तमाम कोशिशें इसी तरह केकार जायंगी जैसे जमना को यमुना या जनता को जन्ता कहलवाने की कोशिशें आखिरकार ना काम रहेंगी

हमें अच्छी तरह से मालम कर लेना चाहिये कि हिन्यसाए हुए शब्द ही हिन्दुस्तानी का जुज बन सकते हैं. हिन्द्याया हुचा शब्द मानो उस तोले मर चांदी की तरह

का तलक्कुज़ संस्कृत या फारसी या अरबी या अंगरेजी के मुताबिक्र हो.

हैदराबाद की यूनिवसिंटी में अरबी डिपार्टमेन्ट के पिछले सदर ने एक बार सुमें "उमरानियात" कहते हुए टोका था उस जमाने में डीन होने की वजह से वह मेरे बड़े अकसर भी थे. कई मरतबा वहस करने के बावजूद वह "उमरानियात" कहलाने पर इसरार करते थे और मुक्त से सखननाराज रहते थे. हैदराबाद ही के एक बड़े बजीर के मोनिमद उर्दू में इस्तेमाल होने वाले अरबी लक्ष्जों का "सही तलक्ष्कुज" अपने मातहतों को बताते थे और इनमें से बाज अपनी वाक़िष्ठयत अपने जान पहचान वालों पर जनजाने थे. आजकल भी इसी किस्म की जहनियत रखने वाले बीसियों बुजुर्गवार हमारी स्टेट में मौजूद हैं. मगर हैदराबाद से उर्दू का तखत और तखता चूंकि उत्तट गया है, इन अरबी परस्त शुदबुदियों की श्रहमियत घट गई है.

आजकल के हिन्दी डिपार्टमेन्ट के सदर अपना नाम खालिस संस्कृति तौर पर कहलवाने पर बड़ा जार देते हैं. युद्ध उच्चारन के बारे में उनके वही खयालात हैं जो पिछले जमाने के अरबी के प्रोफेसर साहब के थे.

"नूरवललुग़ात" इमारी ज्वान की एक प्रमानिक लुग़त मानी जाती है. इसमें इरशाद होता है:

''क़ुलकी : क़ुलकी ग़लत है, सही क़ुकली है.'' इसी डिक्शनरी में.

"क़ुलन्ज" के बारे में लिखा है "क़ौलन्ज का बिगड़ा हुआ."

'क़ला" पर फर्ज ग़रज़ से ज़बर दिया ताकि आप क़िलान पढ़ें.

"क़नदील" के नीचे जबर दिया ताकि आप क़नदेत न कहें.

अगर ख़ुद हिक्शनरी की तरतीय देने वाली ऐसी गुम-राही में मुखतिला हों तो सरकारी श्रोहदेदारों या बढ़ बहम में लतपत विद्वानों का क्या जिकर. खयाल तो कीजिये. उरदू हिक्शनरी में अरबी श्रोर फारसी तलक्फ़ज़ को सही श्रोर उरदू बोलने वाली मां बहनों, पढ़े लिखों श्रोर खुद श्रालिमों का तलक्फ़ज़ गलत है! सही तलक्फ़ज़ को गलत सममना ही सबसे बड़ी गलती है.

मुक्ते खूब याद है कि मैंने अरबी खदा पिछले रेक्टर साहब से कहा था कि 'इमरानी अलूम' मैंने बीसियों बार इलयास बरनी साहब के लेक्चरों में मुना था, मैं खुद दो तीन दहाइयो से यही बोलता चला आया हूं, मेरे बीसियों शागित भी इमरानी ही कहते रहे, अनीम के खानदान के एक बुजुर्ग दूलहा साहब की जवानी भी मैंने इमरानी छुना; كا تلفز سفسكرت يا قارسي يا أربي يا أنكريزي كم معايق هو.

هیدوآباد کی یونی ووستی میں عربی قیارتمنت کے بتچھالہ سدر نے ایک بار محمد "عمرانیات" کہتے ہوے توکا تھا ، اس زمانے میں قبین ہونے کی وجه سے وہ مہرت بورے افسر بھی تھے ، کئی مرتبه بیس کرنے کے باوجود وہ "عمرانیات" کہلانے پر اسرار کرتے تھے اور محجه سے سخمت تاراز رهتے تھے ، هیدرآباد هی کے ایک بچے وزیر کے موتمد آردو میں استیمال ہونے والے اربی لعزوں کا "صحبهم تلفظ" اپنے مانیکوں کو بتاتے تھے اور ان میں سے باز آپنی واقنیت اپنے جان پہنچان والوں پر جتلقے تھے ، آجکل بھی اسی اسے حان پہنچان والوں پر جتلقے تھے ، آجکل بھی اسی قسم کی زهنیت رکھنے والے بیسیوں بزرگوار هماری استیمت اور میں موجود میں ، مگر هیدرآباد سے آردو کا تخت اور تخت کی ہے ، تحکی کی ہے ، ان آرہی پرست شدیدیوں کی تختہ کہت کئی ہے ،

آجکل کے هددی تہارتمانت کے سدر ایفا نام خالس سلسکرتی تبر پر کہلوائے پر ہوا رور دیکے هہیں۔ شدھ اچاری کے ہارے مہیں ان کے وہنی خیالات هیں جو پچھلے زمانے کے اربی کے پروفیسر ساهپ کے تھے :

"نوراللغات" هماری زبان کی ایک پرمانک لغت مانی جاتی هے .

"للذي: للذي فلط هي صحيح قنلي هي"

اسي ڏاشقري سهن ،

"قلله" كر بارس ميں لكها هے "قولله كا بكوا هوا"
"قلعه" هر قرض غرر سے زبر ديا تاكه أب قلعه نه يوهيں
"قلديل" كر نينچے زير ديا تاكه أب قلديل نه كهيں .

اگر خد تاشفری ترتهب دیفے والے ایسی گسراهی مهن مهتلا هون تو سرکاری فهده دارون یا بورهم مهن الت هت ودوانون کا کها ذکر ، خهال تو کیچگه ، اُردو قاشفری مهن اُربی اور فارسی تلفز کو سهی اُور اُودو بولفه والی مان بهفون' پڑھ لکهون اُور خد آلمون کا تلفز فلت ها سحمه تلفز کو فلت صححها هی سب سے بوی فلکی هے ،

معید خرب یاد ہے کہ میں نے آربیزدہ بھیلہ ریکو ساھب سے کہا تھا کہ ''معرآبی علوم'' میں نے بیسیوں بار آلیاس برنی ساھب کے لکتھروں میں سفا تھا' میں خد دو تین دھائیوںسے یہی بولغا چاڈ آیا ھوں' میرے بیسیوں شاگرد یہی عمرآنی ھی کہتے رہ' آنیس کے خاندان کے ایک بورگ دولہ ساھبکی زبانی بھی میں نے عمرآنیسفا؛

A Company of the Comp

Little Barrier Commence of the Commence of the

अस्पताल या इस्पताल, स्टाम्प, स्टेशन, विदागी, टिकट, फ़न्ट, लालटेन, फ़लालेन, जारजट, जमना, मौसम, मैयत जैसे इज़ारों लफ्ज़ हैं जिन का तलफ़्फ़ुज़ उद्ध्या हिन्दी में इन लफ़्ज़ों की "असल ज़बानों" के तलफ़्फ़ुज़ से अलग होता है.

जनताई तलफ़्फ़ुज़ या आम उच्चारन की अहमियत जनता याने अवाम के तलक़्फुज़ को रालत समम कर बहुतेरे लोग कोशिश कर चुके और करते रहते हैं कि हमारी भाशा में बोले जाने वाले लक्ष्णों का "सही तलक़्फुज़" हो. इस किस्म की जेहिनयत रखने वाले और कोशिश करने बाले वही लोग हैं जो भाशाइयात और आवाज़्यात के इलमों से नावाक़िक, आम सम्म से महरूम, अपनी जुज़ क़ाबलियत की नुमायश के शक़ीन और सब पर तुर्रा यह कि सियासी या मज़हबी बजहों से छुट बहम में मुबितला हैं.

खान बहादुरों और राय बहादुरों की तरह मक्कियत में लतपत हज़ारां नाम मात्र आलम और फिसी न किसी वजह से थांड़ी बहुत इंफ्ज़त या रसूख पाए हुए लोग कहते हैं कि फलां लक्ज़ गलत है, इसका तलक्फ़ुज़ यूं नहीं यों होना चाहिये. दिसम्बर गलत है इसे डिसम्बर लिखना और बोलना चाहिये बिनोद गलत है बिनोद होना चाहिये. इसी तरह जमना नहीं यमुना शुद्ध है. प्रशाद को प्रसाद कहना चाहिये और देस को देश! क्योंकि इन छुट वहिमयों के क्रयास के मुताबिक़ यह लक्ज़ श्रंगरेजी या संस्कृत से आए हैं और इनका वही तक्षक्कुज़ भी होना चाहिये.

यह लांग इतना भी नहीं जानते कि हजारों लक्ष्य जिन्हें वह अपनी महतूद वाक्रिक्रयत की बिना पर अंगरेज़ी सममते हैं, सिरं से अंगरेज़ी ही नहीं बल्कि अंगरेज़ी में लातीनी या यूनानी या फ़ेम्च या किसी और जबान से आए हैं. बिला मुबालग़ा हजारों क़दीम योरपी भाशाओं के लक्ष्यों को हम अंगरेज़ी लक्ष्य समभते हैं और उसका उच्चारन भी अंगरेज़ी की तरह करना चाहते हैं. मैं बड़ा निरास होता हूं जब हिन्दी और उद्दे किताबों में "अंगरेज़ी" शब्दों को हिन्दुस्तानी तरीक़े पर लिखने के बजाय "असल" अंगरेज़ी बोल चाल के मुताबिक़ या उसकी क़रीबी नक्ष्याली में लिखा हुआ देखता हूं जैसे:

| स्टेशन | की बजाय | सटेशन |
|----------|------------|---------|
| सन्दन | y , | लन्डन |
| व्यमरीका | ** | अमेरीका |

सास कर पंजाब और हैव्राबाद में न सिर्फ योड़े पहें लिसे बल्कि दिगरियां रखने वाले, कहम सरकारी जिद्मतों पर काइण इन्तहा यह कि खुद उर्दू के प्रोफेसर, रीदर, लेकचरार और लेकचरारनियां इस सब्त में पंसे हैं कि दिन्दी और उर्दू में आम तौर पर बोले जाने बाले लक्जों

اسيعال يا هسيعال استامي استيشن يدائي تعت المرتب الالتين التالي التعالى التعال

جفعاى فلفويا أم أجارن في اهمهت

جنتا یائے اوام کے تلفز کو فات سمنچه کر بہتھر اوک کوشش کر چکے اور کرتے رہتے ہیں کہ هماری بہاشا میں بولے جانے والے لفزوں کا '' صحفح تلفظ '' هو ، اِس قسم کی زهنیت رکھنے والے آور کوشش کرنے والے وہی لوگ ههی جو بہاشائیات آور آوازیات کے اِلموں سے ناوالف' آم سمجھ سے مہدوم' اینی جز قابلیت کی نمایش نے شوقین اور سب پر ترا یہ دد سیاسی یا مقعدی وجہوں سے جہت

خان بہادروں آرد دائے بہادروں کی ترہ مروبھت میں لت یہ بت ہوا دسی بہ کسی وجہ سے تہوری بہت مؤاروں بام ساتو آلم آود دسی بہ کسی وجہ سے تہوری بہت مؤت اسکا تموز یوں بہیں یوں عوبا چاھئے، دسمبر فلمت ہے، اس کا تموز یوں بہیں یوں عوبا چاھئے، بندود علمت ہے وبود عوبا چاھئے، اِسی طرہ جمفا بہیں بندود علمت ہے ، پرشاد کو پرساد کہنا چاھئے اور دیس کو دیمی اور دیمی کو دیمی اور دیمی کو دیمی اور دیمی کو دیمی اور ان کا وھی تلمز بھی لمزانگریزی یا سنسکرت سے آئے مھی اور ان کا وھی تلمز بھی میا جاھئے۔

یہ لوگ اتنا ہی نہیں جانتے کہ مزاروں لفز جنہیں وہ اپنی مہدوہ واقسیت کی بنا پر انگریزی سجہتے ھیں، سرے سے انگریزی ھی دیا ہو انگریزی میں النیٹی سرے سے انگریزی ھی دیا ہوان سے آلے ھیں ، بالمہالغہ عزاروں قدیم بوردی بہاشاؤں نے نفزوں دو ھم انگریزی لفز سجہتے ھیں اور اس کا اچاران بھی انگریزی ترہ کونا چاہتے ھیں ، میں نوا براس ھوتا ھرں جب ھندی اور اردو کتابیں میں دو ابائریزی " شیدوں کو هندستانی اردو کتابیں میں دو الگریزی " شیدوں کو هندستانی تریتے پر لکھتے کے بنجائے دو اسل " انگریزی بولچال کے تریتے پر لکھتے کے بنجائے دو اسل " انگریزی بولچال کے متابی یا اسکی قریبی نقالی میں لکھا ھوا دیکیتا ھوں جیسے ،

استهمن کی بجانه ستهمن المدن ۱۶ المدن امریکا ۱۶ امریکا

خاس کر پلجاب اور هیدرآباد میں نه سرف تهوزے بوقے لکھ بلکه بوی تگریاں وکھنے والے الم سرکاری خدمگرں پر فایر انتہا یہ نه خد اردر نے پروفیسر ویدر لکنچراو اور نکنچراونیاں اس حبت میں پہلسے میں که مقدی اور اودو میں آم تور پر براے جانے والے لغوری

जिन्न्हेंल, मैकाईल, इसराकील, इ राईल, इसमाईल, इसहाक नरीरा भी खालिस अरबी लफ्ज नहीं हैं बल्कि हीन् और सीरया इससे पहले की ज्वानों से घरबी में चलन पाए हुए फरिश्तों और इनसानों के नाम हैं.

फ़ारसियाए हुए लफ़्ज़

हरान से जितने खत आते हैं उस पर "पस्त हरान" लिखा होता है. यह "पस्त" उंचाई का उलटा नहीं है बल्कि फ्रानसीसी ज़बान के ज़िरये दाखिल किया हुआ योरपी लक्ष्म है, जिसे अंगरेजी में Post कहते हैं याने पट्टा. इल्म और फन का फरक लक्ष्म जिसे अंगरेजी में डोक्टर (Doctor) कहते हैं, फारसी में डाक्टर नहीं बल्कि दक्तोर (बरवफन अंगूर) कहा जाता है. फारसी लुगल (शब्दावली) डठा कर गौर से देखिये या खालिस कारसी दानों से बातचीत की जिये आपको सैकड़ों नहीं हज़ारों मिसालें मिलेंगी, जिन से साबित होगा कि ईरानी ग्रैर ज़बानों के अकसर लक्ष्मों को अपनी ज़बान की बोल चाली फितरत के मुताबिक़ बदल देते हैं.

"संखुन दान फ़ारस" में मोहम्मद हुसैन आज़ाद ने सैकड़ों फ़ारसी लक्ज़ दिये हैं जो संस्कृत से लिये गए हैं हैं. आपने सही लिखा है:

"जिस तरह मुलकों की आब व हवा आद्मियों के रंग रूप, डील डील, रस्म व रिशान बदल देती है, इसी तरह लहजों, आवजों और तलफ्कुज़ के फरफ़ से इन लफ्जों के डील डील और इबारतों के जोड़ तोड़ में फरफ़ आ गया...''‡ आगे चल कर आप ने क्या ख़ब लिखा है:—

"तजुर्वे और मुशाहिदे ने क्रानून बनाया कि अकसर अलकाज ग्रुह्म में लचर और ग़लत ग्रुमार होते हैं फिर अगर महावरे ने उन्हें मंजूर कर लिया और खबास ने ज़बान में जगह दी और नज़म ब नसर ने लिखावटी सनद दे दी तो वही ग़लत सलत लक्ष्म मुस्तिकल लुग़त हो कर अज़ाय ज़बान हो जाते हैं.......मुल्के सखुन में कोई लक्ष्म सही नहीं, कोई लक्ष्म गालत नहीं. जिस पर कबूले आम और रिवाजे ताम मोहर कर दे वह लक्ष्म सही है. यह नहों तो सही भी मर्बृष्."*

उरदुआए हुए लफ्ज़

सुदरत के भटल क़ानून के मुताबिक़ हमारी ज़बान में ग़ैर ज़बानों के हज़ारों लक्ष्ण बदल गए हैं. घरारोट, جهرٹیل' میکٹیل' اسرائیل' آزراٹیل' آسامیل' اسامیل' اسامیل' اسعاق وقیرہ بھی خالس اربی لغز نہیں میں بلکہ میبرو ارر سیریا اس سے پہلمکی زبانوں سے آرہی میں جانی پانے موں قرشتوں آور انسانوں کے نام میں ،

قارسیا ہے ھوپے لفز

ایران سے جھلے خت آتے میں اس پر ''یست ایران' کہا موتا ہے ۔ یہ '' بست '' اونجای کا الگا نہیں ہے بلکہ قرانسیسیزبان کے زریفے داخل کیا ہوا یورپی لفز ہے' جسے انگریزی میں Psot کہتے میں یائے یتہ ۔ الم اور فن کا فرق لقب جسے انگریزی میں ڈوگٹر (Doctor) کہتے میں فارسی میں ڈاکٹر نہیں بلکہ دکٹرر (بروزن انگور) کہا جاتا ہے فارسی لفت (شہداولی) اُٹھاکر فورسےدیکھگےیا خالس فارسی دانوں سے بات چیت کیچگے آپ کو سیکورں نہیں فارسی دانوں سے بات چیت کیچگے آپ کو سیکورں نہیں فوروں مسالیں ملیں گی' جن سے سابت ہوگا کہ ایرانی فیرون کو ایلی زبان کی بولجالی فیرت

'' سخندان قارس '' مهن محمد حمهن آزاد نےسهکورن قارسی لغز دلے ههن جو سنسکرت سے لگے گئے ههن ، آپ نے سهی لکها هے:

" جس طرح ملکوں کی آباوہوا آدمہوں کے رنگروپ ڈیل ڈول' رسم و رواج بدلتی ہے' اسی طرح لہجوں' آوازوں اور تلفظ کے فرق سے ان کے لفظوں کے ڈیل ڈول اور عمارتوں کے جوڑ تور میں فرق آگیا۔۔۔۔۔''*

آئے چل کر آپ نے کہا خوب لکھا ہے :--

را تجریاور مشاهد یے قانون بذایا که اکثر الفاظ شروع میں لچر أور فلط شمار هوتے هیں . پهر اگر محاور ہے آء انهیں مقطور کر لیا اور خواص نے زبان میں جگہ دی آور نظم و نثر نے لکھارتی سند دے دی تو وهی فلط سلط لغظ مستقل لئت سخوں میں کوئی لغظ صحیح نهیں' کوئی لغظ میں نہیں' کوئی لغظ محیم نہیں اور رواج تام مہر کر دے والفط صحیح ہے ، یہ نه هو تو صحیم بهی مردود ''عہ

اردواے ہوے لغز

قدرت کے اتل قانوں کے معابق هماری زبایی میں فیر زباتوں کے هزاروں لفز بدال گئے هیں ، آواروسا

मतबा मुफीद धाम, लाहौर का छपा हुआ प्रबोशन
 1907 ई० सका 2 और 3.

सका 53

ه مطبع منيد عام العور كا جهيها هوا التيشي. 1907ع صنعه 2 أور 3 . • ب منعه 53 .

की नारिसमत कहते थे, बस इसी रोख से बह थी हमेशा नारसी कह कर अपनी जरमन बाक्त फिरत जतलाते फिरते थे,

योरपी महीनों के लातीनी नाम फ़िल्य में श्रलग तरह सें बोले जाते हैं, श्रंगरेजी में श्रलग तरह से श्रीर हिन्दुस्तानी में श्रलग तरह से. मरारिवयत के साथ साथ मरारिवी वहत शुनारी भी सारे संसार में फैल गई हम यक्तीन के साथ कह सफते हैं कि हर जवान में उनका तलफ्कुज कुछ न कुछ इफिल्काफ के साथ होता है. इसका श्रन्याजा हम बाद में दिचे हुए टेबिल से कर सकते हैं जिस में योरपी महीनों के नाम जरमन, श्रंगरेजी और हिन्दुस्तानी तलफ्कुज के लिहाज से लिखे गए हैं.

| 14141 1141 | लातीनी महीनों के नाम | |
|----------------|----------------------|-----------------------|
| अंगरेजी | जरमन | हिन्दु स्ता नी |
| जैनवरी | यानुचार | जनवरी |
| क्षेषरूबरी | केंद्र आर | करवरी |
| मार्च | मैरतस | मार्च |
| ए प्रिल | धा त्रिल | अ प्रेल |
| मे | सई | मई |
| সূৰ | यूनी | जून |
| जोलाई | यूली . | जु लाई |
| धोगस्ट | भावगस्ट | व्यगस्त |
| सेप्टेम्बर | जेप्टेम्बर | सितम्बर |
| व्यक्टोबर | अक्टूबर | अ क्तूबर |
| नोवम्बर | नौवेम्बर | नवम्बर |
| डिग्रम्बर | दीसम्बर | दिस्मवर |
| | | |

इसी एक टेबिल से हम दुनिया भर की जबानों पर लागू हो सकने वाले क़ानून का पता चला सकते हैं, जो क़ुदरती होने की बजह से साइन्सी क़ानूनों की तरहबदल है.

"तमाम मशहूर मुकामों और शिक्सियतों के नाम, तमाम मशहूर चीजों के नामों की तरह हर जवान में उस जवान के सब ब सहजे, बनावट और भुकाव के मुताविक मुखातिक शकत इंक्तियार करते हैं."

इसी कानून की संसारयाना अहमियत ज़िहर करने के लिये इम मुखतिलक ज़्बानों में चलन पाए हुए शैर ज़्बानों के सम्बों की मिसालें पेश करते हैं.

धरवियाए हुए लक्न्ज़

B 10 10 1

सुक्ररात, अप्रलातून और अरस्तू की तरह बुकरात, जालीनूस, फैसा ग़ौरस खास नाम हैं. कैसर, फलसफा और जाराफिया, क्रनशील, क्रौनसिल और फील की तरह हुसरी जानों के लक्ष्य हैं जो अरबी सांचे में डाल कर अरिक्याय गय हैं. दूसरी संसारी जंग में चर्चिल का नाम सोगों की ज्वानों पर चड़ा हुआ। बा. अरबी में सिरे से ख है दी नहीं लिहाका तमाम अरच चर्चिल को शशिल या कार्सिल कहते और किसते थे.

کو تاہسیمت کہتے تھے۔ ہس آسی روڑ سے وہ یہی ہمیشہ تاہمی کہ کو ایٹی جوس وآلٹیمت جاتاتے پہرتے تھے ۔

یوروی مهیلار کے لاتھتی نام فرنی میں الگ توا سے
بولے جاتے ھیں ' اسکریوی میں الگ توا سے اور ھندستانی
میں الگ توا سے ، مغربیت کے ساتھ ساتھ مغربی وقت
شماری بھی سارے سنسار میں بھیل گئی ، هم یقین کے
ساتھ کہ سکتے ھیں کہ هر زبان میں ان کا لغز کچھ نه
کچه اختلاف کے ساتھ هوتا ہے ، اس کا اندازہ هم باد میں
دئے هوئے (تعدل) سے کرسکتے هیںجس میں یوری مهیلوں
کے نام جومن ' انکریزی اور هندستانی تلغز کے لهاز سے لکھے
گئے هیں ،

| | لاتھٹی مہھٹوں کے نام | |
|-----------------|------------------------|-----------------|
| هلنستاني | جرمن | انكريزي |
| جذوري | ياتوآر | جهلوري |
| فروری | فمهروآر | فبررواري |
| ماري | مهرتس | ماري |
| ايريل | آيرل | ايهرل |
| ممكنى | ستنى | æ |
| ⊎)÷ | يونى | 4 ول |
| جولالي | يولى | جولائي |
| الست | آوکست | أوكست |
| yanka | 74# ^{\$} \$15 | سهاتمهر |
| اكقوير | انقوبر | ائترير |
| توصهر | فورتهمهر | تووميار |
| فسبهر | ديسمهر | قسمهر |
| dia | | |

اسی ایک (تھبل) ہے۔ ہم دنھا بھر کی زبانوں پر لائو ہوسکتے و'لے قانون کا پکا چلا سکتے ہھں' جو قدرتی ہونے کی وجه سے سائٹسی قانونوں کی ترہ آئل ہے ۔

روندام مشهور مقاموں اور شناسه عوں کے نام نمام مشهور چدووں کے ناموں کی توہ هر زبان مهی اس زبان کے اب زبان کے ناموں کی توہ هر زبان مهی اس زبان کے اب راہم مشابق مشتلف شکل اختیار کرتے مهی۔،،

اسی قانون کی سنسار بیانہ اھمیمت زاھر کرنے نے لیے هم مختلف زبانوں میں چلن یائے ھوے قیر زبانوں کے لیے لیے دورن کی مثالیں پیش کرتے ھیں:---

عربهاے هوے لقز

سقراط' افقطون اور ارسطو کی ترہ بقراط' جالیفوس' فسیلفورث خاص نام ہیں ۔ قیصر' فلسفہ اور جغرافیہ' قندیل' قرنسل اور فیل کی ترہ دوسری زبانوں کے لفز میں جو اربی سانچے میں قمال کر اربیاے گئے ہیں ۔ دوسری سفساری جفگ میں جرجل کا نام لوگوں کی زبانوں ہو جوھا ہوا تھا ۔ اربی میں سرے سے سے ہے ہی نہیں نہاوا تمام ارب جوجل کو شرهل یا تشرشل کہتے اور نہیں نہاوا تمام ارب جوجل کو شرهل یا تشرشل کہتے اور نہیں تھا۔

हिन्दुत्तानी शब्दयात का तीसरा असूजः बदलाव उच्चारन और आम तलप्रफ़ुज

(डाक्टर जाफर इसन)

हिन्तुस्तानी शब्दयात का तीसरा असूल यह है कि लफ्ष्य चाहें कहीं के हों: योरप के या भारत के; पुरानी प्रवानों के या नई भाशाओं के; लफ्ष्य चाहे कहीं से लिये गए हों, अंगरेजी से, लातीनी से, यूनानी से, अरबी से, कारसी से, तुरकी से, संस्कृत से. दिली अकाब यह होना चाहिये कि इन लफ्ष्यों को हिन्दुस्तानी सांचे में ढाल कर हिन्द्याया जाय. यह प्रक्रि नहीं कि कोई लफ्ष्य अपने असली रूप में बाक़ी न रहे, भगर अफसर शब्दों के रंग रूप का बदलना भाशाइयात का अटल क़ानून है. इस अहम क़ानून की नावाक़िक्यत से जिस क़दर नुक़सान हिन्दी और उद्के को पहुँच चुका और पहुँच रहा है उसका अन्दाजा करना ही मुश्किल है. इस क़ानून की मुजरिमाना नावाक़-कियत हमारे कई पंडितों और मौलवियों बल्कि आलिमों और विद्वानों की सब से बड़ी भूल है.

यूनानी और लातोनी के हजारों शब्द योरप की तमाम भाशाओं में चाल हैं मगर इन शब्दों के उच्चारन भांत भांत के हो गए हैं. शब्दों को जाने दीजिये इनसानों और मुक़ामों के नाम अकसर बदल जाते हैं और हर जवान में उसकी निजी फितरत के मुताबिक अनका उच्चारन किया जाता है.

जैसे श्रंगरेजी में

1 the Friday

काली घाट या कलकत्ता को Calcutta देहली या दिल्ली Delhi बम्बई Bombay Hyderabad हेदरञ्जाबाद " बोक्ते हैं. जरमन अपनी जवान के क़ायदे और कितरी सकाब के अनुसार कलकत्ते को Kalkutta लिखते और कल कता कहते हैं. जरमन भाशा में ज सिरे से है ही नहीं. लिहाजा वह जापान को यापान और शाहजहां को शाह-यहां कहते हैं और यही तलफ्रुज़ जरमन की हद तक सही है. अगर आप जरमन बोलते हुए Kalkutta की बजाय कलकत्ता कहें तो सुनने वाले ख्याल करेंगे कि आप सिर्फ भ्रपनी बाक्रफियत जतलाना चाहते हैं. इल्म नुमाई या विचा प्रदर्शनी बुराई है. दूसरी संसारी जंग में हिटलर का नाम अनगिनत मौक्रों पर लिया जाता था. इसी सिलसिले में नाजी पारटी और नाजीयत का जिकर खैर होता था. इमारे देस के एक साहब ने किसी से सुन लिया कि खुद जरमन नाजी तहरीक को नात्सी बीर नाजीयत

هندستانی شبدیات کا تیسرا اسول: بدلاؤ أچارن اور آم تلفز

(دَائتر جانر هسي)

هندستانی شبدیات کا تیسرا آسول یہ ہے که لفز چاہے کہیں کے هوں ؛ یورپ کے یا بھارت کے ؛ پرانی زبانوں کے انگریزی ہے ، قانوں کے انفز چاہے کہیں سے لئے گئے هوں ' انگریزی ہے ' قارسی سے 'ترکی ہے ' انہی ہے ' قارسی سے 'ترکی ہے ' سنسکرت ہے ، دلی جھکاؤ یہ هونا چاهئے که ان لفزوں کو هندستانی سانتھے میں تھال کر هندیایا جائے ، یه زروری نہیں کہ کوئی لفز آنے آسلی روپ میں باقی نه رہے ' مگر اکسر شبدوں کے رنگ روپ کا بدلقا بھاشائیات کا اثل قانون اور شبدوں کے رنگ روپ کا بدلقا بھاشائیات کا اثل قانون ہے ، اس امم قائرن کی ناواقفیت سے جس قدر نقسان هندی اور آردو کو پہنچ چکا ارد پہنچ رہا ہے اس کا اندازہ کرنا ھی مشکل ہے ، اس قانون کی مجرمانه ناواقفیت سے بھی اور ودوانوں کی سے بھی بوی بھول ہے ۔

یونانی اور لاتیقی کے هزاروں شبد یورپ کی تمام بہائی مہیں جالو هیں مگر ان شہدوں کے آجاری بہانت بہائت کے هواکئے هیں، شبدوں کو جانے دیجگے انسانوں اور مقاموں کے نام اکسر بدل جاتے هیں اور هر زبان میں اس کی تجی فعرت کے متابق ان کا اُچاری کیا جاتا ہے ، جیسے انگریزی میں

Calcutta کلی گهات یا کلکته کو
Delhi " پدهلی یا دلی په دلی

پولٹے میں، جرمن اپنی زبان کے قایدے اور فتری جیکاڑ کے انوسار کلکتے کو Kalkutta انوسار کلکتے میں، چرمن بیاف میں ج سرے سے ہے می نہیں، لیازا وہ جاپان کو بیان اور شاهجیاں کو شاهیاں کیتے میں اور بیان کی مد تک سپی ہے ۔ اگر آپ جرمن پرلٹے موئے Kalkutta کی بجائے کلکته کیس تو سفلے والے خیال کویلئے که آپ سرف ایٹی والفیت جکانا جاتا کیا کہ نام انگلمت موٹوں پر لیا جاتا تیا ، اسی سلسلے میں نازی یارٹی اور فازیمت کا زکو خیر موثا تیا، میارے میس کے ایک ساهب نے کسی سے سن کیر میں ایس اور نازیمت کا زکو کیا کہ خد جوس نازی تہریک کو ناتسی اور نازیمت

का दुरमन है ? फिर उस तीन की कमेटी में काहिर है कि कम्युनिस्ट चीन और कोरिया के इक्र में अपनी राय देगा भौर रौर कम्युनिस्ट संयुक्त राष्ट्र संघ के पद्म में, पर वह तीसरा विचौतिया ? वह भी क्या उस संयुक्त राष्ट्र संघ के पक्ष में राय न देगा जिसके लड़ाई एलान करने में वह धारीक रहा है ? इस तरह इस कमेटी की इक़ीक़त असलि-यत में नहीं के बराबर हो जाती है. तीसरी बात यह है कि आखिर किस प्वाइन्ट पर पान मुन जान की बातचीत रुक गई थी श इसी बात पर न कि क़ैदी किस उसल से लौटाए आयें ? और उस निरुषत चीन और कोरिया का कहना एक था और संयुक्त राष्ट्र संघ या अमरीका का दूसरा. वह बुनियादी भगवा हिन्दुस्तानी मसाविदे में बदल्तूर क्रायम है. इसितये उस मसने पर मामला जहां का तहां रह जाता है और चीन या कोरिया देखता है कि जिस बात के लिये वह पान मुन जान में अड़ा था इस में कोई फर्क़ नहीं पड़ा. इस तरह हिन्दुस्तान के मसविदे ने सममौते को आगे नहीं बढ़ाया और उस की इवारत की लक्काफी इटा देने पर अगड़े की इक्रीक़त वहीं की वहीं रह जाती है. फिर कोई वजह नहीं कि सारे संसार का माना हुआ जिनेवा का उसूल न माना जाय. सोवियत रूस ने जो लड़ाई को बिलकुल बन्द कर देने की बात उठाई है वह भी एक ज़रूरी बात है जिसका हवाला हिन्दुस्तानी मस्विदे में नहीं है. जब इम सुलह की बात चीत करते हैं तो उस बातचीत में पहली शतं यही होनी चाहिये कि तबाई बितकत बन्द कर दी जाय आखिर एसा करने में असन पसंद क्रीमों को क्या और क्यों एतराज हो सकता है ? उन जोगों को अकल से कोई बास्ता नहीं जो यह सममते हैं कि लड़ाई रकते ही चीन, कोरिया या रूस बालों को लढ़ाई के सामान बनाने का मौक़ा मिल जायगा क्योंकि उन्हें समभाना चाहिये कि मोची पर लड़ने वाली फ़ीजें घर खीट कर हथियार नहीं बनातीं, उन्हें घर बाले ही बनाते हैं और बनाते रहते हैं.

. कोरिया की लढ़ाई की इक़ीक़त यह है. कोरिया और बीन को लड़ाई मंखूर नहीं क्योंकि लड़ाई उनके निर्मान के कामों के खिलाफ जायगी. वह अपने घर में बैठे दूसरों की ताक़त और घमंड भरी बरबता का शिकार हो रहे हैं, उन की बरबरता का जो अपने मुक्क की हदों से बाहर दूसरों की खमीन पर हैं और वहां अपनी आजादी की रज़ा कर रहे हैं! बीन के बांद तारे उस के अमन की कैंफियत जानते हैं और कोरिया की खमीन लहू से उस का सबृत देती है. उस की हवा में अमन के लिये मरे हुओं की पुकार गूज़ रही है.

کا دشمن ہے ؟ پہر اُس کین کی کمیٹی میں طاہر ہے کہ کمھونست مھھن اور کوریا کے حق میں آیٹی رائے دیے کا اور غیر کیمونست سلیکت رافقرسلکه کے یکھی میں ، ير ولا تيسرا بحولها؟ ولا يهى كها أس سقهكت واشدر سلكه کے پیمس میں رائے نہ دیے ا جس کے لوائی اطان کرلے مهن ولا شريك وها هم ؟ إسطوم إس كميثل كي حقيقت املیت میں نہیں کے برابر ہو جاتی ہے ، تیسری بات یع ہے که آخر کس پوائلت پر پان من جان کیات جهمی رک گئی تھی ؟ آسی بات یہ تع که قیدی کس أصول سے لودائد جائين ؟ اور اس نسبت چهن أور كوريا كا كهانا ایک تها اور سفیکت راشتر سفکه یا امریکه کا دوسرا . وه بقهادي جهكوا هندستاني مسودي مهن بدستور قائم ھے، اس لئے اُس مسئلے ہو معاملة جہاں کا تہاں وہ جاتا ھے اور چھوں یا کوریا دیکھتا ھے کہ جس بات کے لیے وا پان من جان ميں أوا تها اس ميں كوئى فرق نهيں پڑا . إسطرم هددستان كے مسودے نے سمجهوتے كو أكم نهين بَوَهَايًا أَوْرُ أَسْكَى عَمَارِتُ كَي لَفَاظَى هَمَّا دَيِنْ يُرْ جَهِمَّالِهِ کی حقیقت وهیں کی وهیں رہ جاتی ہے ، پیر کوئی وجه نههن که ساری سنسار کا مانا هوا جلهوا کا اُصول نه مانا جائے. سویت روس نے جو لوائی کو بالکل بلد کر دیئے کی بات أنهائي هے وہ بھی ایک ضروری بات هے جس کا حوالہ هندستاني مسودے ميں نهين هے ، جب هم ملع کی بات چیت کرتے هیں تو اُس بات چیت میں پہلی شرط يهي هواي جاهے که لوائي بالكل بند كر دي جائے ، أخهر ایساً کرنے میں اس پسلد قوموں کو کیا اور کیوں اعتراض ه و سکتا ہے؟ آن لوگوں کو عقل سے کوئی واسطه نهیں جو یہ سمجهتے هیں که لوائی رکتے می چهن کوریا یا روس والیں کو لوائی کے سامان بنانے کا موقع مل جائے کا کیونکہ أنههن سمجهقا جاهله كه مورجون ير لوق وألى قوجهن گهر لبت كر متهيار نهيل بدنين أنهول كور والم هي بدات هیں اور بداتے رهیے هیں .

کوریا کی لوائی کی حقیقت یہ ہے ، کوریا اور چھن کو لوائی مقطور نہیں گھونکہ لوائی اُن کے نرمان کے کاموں کے خفف جائے گی ، وہ اپنے گھر میں بیڈے' دوسروں کی طاقت اور گھملڈ بھری بربرتا کا شکار ھو وہے ھیں' اُن کی بربرتا کا جو اپنے ملک کی حدوں سے باھر دوسروں کی زمین پر ہے اور وہاں اپلی آزائی کی رکشا کو رہے ھیں اُ جھن کے چاند تارہے آسکہ امن کی کھیت جانتے ھیں اور کوریا گی زمین نہو سے اُس کا ثبوت دیتی ہے ۔ اُسکی ھوا میں اُسی کے لگے مریہ ھوؤں کی پکار گونیج رھی ہے ۔ اُسکی ھوا

The second secon

معهد وقهرہ قعهد کے قعه ہم کے تکورں کے ساتھ آیسی جگہوں مهں مغیہ جہاں بغید لے جائے گئے اُن کا پہلے حکفا سکی نہ تہا ہُ آئی تاتفاید' کالرا سلیریا' جیجک وقورہ بهداریوں کے قوابدی کو فوابد بیکھا' پیکفگ نے ساتھ سہیں ۔ کم فوابدی کی مائش میں ۔ هم اِس بانت سے ذرقے تیے کہ همارے کہنے کا لوگ یقین نه کریں کے پر جو انگر راشگری نشیکھن' ویکھانکوں نی رپورٹ نکلی اس پر ٹیکا ٹیویں کرتے ہوئے' سینجے جو نکلی اس پر ٹیکا ٹیویں کرتے ہوئے' سینجے جو لکھانکوں کی رپورٹ کی میرنست دنیا سے آئی ہے ، جس للدن پونهورسیگی کے انگریز ویکھانک کی تحقیقات کی کیفیت اور وائے اِس انگریز ویکھانک طریقوں سے انگریز ویکھانک طریقوں سے انگلیفتی میں ایمان دار دوجھی کی هیں اور کوئی رجت نہیں کہ جو شریقوں کے انگلیفتی میں ایمان دار دوجھی کی هیں اور کوئی رجت نہیں کہ جو آس کی بات کو جھوٹ قرار دے دیں ،

صلح کی بات اداءر چل هی رهی تهی که اداهر کوریا اور چهن کے قداد میں مارے جائے لگے اور آج بھی مارے سیکووں کی تعداد میں مارے جائے لگے اور آج بھی مارے جا رہے ہیں سوال یہ ہے نه لواتی نے قیدیوں کا فیا هو، اسی ایک بات پر سارا ، عامله لگکا هوا ہے ، کوریا اور چهن کا کہنا یہ ہے ته 1949 میں جلیوا کامفرنس میں جو امریک امرال ایک بار طبہ هو چکا ہے اُسی نے مطابق قیدیوں کو لوائی بلد هوتے هی اینے پکش کو لوائا دیا جائے، پر امریکہ اور آتر کوریا کے قیدیوں کو وہ چھانگ کائی شها اور اور آتر کوریا کے قیدیوں کو وہ چھانگ کائی شها اور سلک میں جہونک دیا جائے یا اُنہیں امریکی ریڈیو کے سامنے کہوا در اُن سے دیا جائے یا اُنہیں امریکی ریڈیو کے سامنے کہوا در اُن سے دیا جائے یا اُنہیں امریکی ریڈیو کے سامنے کہوا در اُن سے دیا جائے یا اُنہیں امریکی ریڈیو کے میں تہاہ میں جہونک دیا جائے یا اُنہیں امریکی ریڈیو کے میں تہاہ میں یقیا اُسے نه اُتر کوریا ملظور کر سکتا ہے میں تہاہ میں یقیا اُسے نه اُتر کوریا ملظور کر سکتا ہے اور نه چھیں ،

मच्छार वरीरा हैर के देर बम के दुककों के साब ऐसी जगहों में मिले जहां बरीर ले जाय गए इनका पहुँच सकना मुमकिन नथा. उन टाइफाइड, कालरा, मलेरिया, चेचक वरीरा बीमारियों के जरियों को हमने खुद देखा, पीकिंग की नुमायश में. हम इस बात से बरते थे कि हमारे कहने का लोग यक्तीन न करेंगे पर जो बन्तरराष्ट्री निश्पच वैज्ञानिकों की रिपोर्ट निकली उस पर टीका टिप्पणी करते हुए 'मैनचसटर गारजियन' ने लिखा कि हम उस हर चीज को भूट नहीं कह सकते जो कम्युनिस्ट दुनिया से बाती है. जिस लन्दन यूनिवरसिटी के अगरेज वैज्ञानिक की तहकी कात की कैंकियत और राय इस बारे में छपी है उस ने 30 बरस वैज्ञानिक तरीकों से इंगलेंड में ईमानदार खोर्जे की हैं और कोई बजह नहीं कि हम उसकी बात की भूट करार दे दें.

सु। ह की बात इधर चल ही रही थी कि उधर कोरिया और चीन के क़ैंदी कनसन्ट्रेशन कैम्पों में गोल के गोल, सैकड़ों की तादाद में मारे जाने लगे और आज भी मारे जा रहे हैं. सवाल यह है कि लड़ाई के क़ैंदियों का क्या हो. इसी एक बात पर सारा मामला लटका हुआ है कोरिया और चीन का कहना यह है कि 1949 में जिनेवा कान-फंम्स में जो उसूल एक बार तय हो चुका है उसी के मुताबिक्त क़ैंदियों को लड़ाई बन्द होते ही अपने पत्त को लौटा दिया जाय. पर अमरीका इस की मुखालफत इसलिये लगातार करता रहा है कि चीनी और उत्तर कोरिया के क़ैंदियों को बह चियांग काई शेक और सिंग मन री को देकर उनहें अपने ही मुक्क की तोपों के मुंह में मोंक दिया जाय या उन्हें अमरीकी रेडियो के सामने खड़ा कर उन से कहलाया जाय कि वह अपने कम्युनिस्ट मुक्क में तबाह हैं. यक्तीनन इसे न उत्तर कोरिया मजूर कर सकता है और न चीन.

इधर हाल में हिन्दुस्तान ने संयुक्त राष्ट्र सघ के सामने मसविदा पेश किया था जिस में एक कम्युनिस्ट, एक ग़ैर कम्युनिस्ट और एक बिचीलिये की एक कमेटी क़ायम करने की सलाह दी गई. अमरीका पहले उसकी मुखालफत करता रहा पर जैसे ही उसने देखा कि सावियत उस के खिलाफ है वैसे ही उसने दुनिया की राय को सोवियत के खिलाफ करने के जिये हिन्दुस्तानी मसिवदे को उद्याबना शुरू किया. चीन के उसे ना मंजूर करने से बहुत से लोगों के दिल को चोट पहुंची और बहुतों ने नाक भों सिकोड़ी. पर इस के मुतालिक कुछ बुनियादो बातें समम लेनी पहरों हैं. अठवल तो यह कि इस लड़ाई में एक फराक क़ानूनन संयुक्त राष्ट्र संघ है, दूसरा कोरिया चीन है. जब तक कि दूसरे फरीक को उस समा में बैठने का इक हासिल न होगा तब तक उस संस्था का कोई प्रस्ताब क्या एक तरका का होगा तब तक उस संस्था का कोई प्रस्ताब क्या एक तरका का होगा खोर यह दस स्था एक फरीक का जो दूसरे

26 سال کا تربیعے تھا ، اُس کے دستے نے ایک کاوں کی رکشا كرته مرك 17 سال كي ايك لوكي لور ايك يعيد كو يتهايا . بعيدة توقعه مواقية يرا لوكي جسكي مرهم يالتي كرقي الهي جب شرم مارے کے زمین میں کو چلی تو وانگ کے اُس سے کہا۔۔۔بہن میں تجه سے کئی سال ہوا بھائی ہوں . بھائی کے سامنے پردہ کر اپنی جان نہ کھو ، جسم کے کہوے آثار ڈال جس سے تھری مرھم یکی در سکوں اور جان که مهرے بھی بہلیں عیں جن کو بجہن میں میں نے لنکی دیکھا ہے ، لوئی نے کہوے آثار دیگے ، اجنبی بھائی مرھم یائی کر دھمدرں کے فراق میں جل یوا اور کوریا تیلهکهشن کے اُس پر دھان نے سن سن را کا جو پیان کیا وہ تو انسان کے اِتھاس میں سوتے کےحرفوں میوں لکھا جائے کا ، سن سن زا اُس استقال کی برستھی جسے گاؤں کے ساتھ ھی امریکی فوجوں نے برباد کر دیا تھا . سن سن وا کو یکو کر آونجے جموترے پر مادرزاد نظامی کھڑا کر دیا گھا اور اُس کے پہنچنے ایک آدم قد شیشہ ٹکا دیا گھا ، پھو اُتو دوریا نے سیاھیوں کو اُسے دیکھتے ہوائے ساملے سے گذرنے کا حکم سلا ، وہ تُهمّکے اور اُنہوں نے ایکی آنکھیں قعک لیں ، سن سن رائے چلا کر فہا۔'' نوریا کے بہادر سیاھیو' ایڈی انسانیت کی بلکی عزت کو یے خوف دیکھ لو آور یہ که کوریا کی بھتی کس شان سے سرما جانتی ہے' جس سے تم اُس کے دشمئوں سے بدلا لے سکو ۔''ا ے خوف کورین سہاھیوں نے بعرہ بلقد کھا۔ امریکی سامرايروادمودهاد! عهر تو دشمتون ير كنهه ايسا خوف جها گیا کہ سن سن زا آور اس کے ساتھھوں دو چھوڑ در وہ چی چاپ چاہے گئے ،

یه رونکھے کهوے کو دیائے والی قربانهاں ههں' اور یه کل تہیں منعض کچھ ھیں اُن یہ شمار قربانیوں میں سے کجے جو کورہا کی لو گی میں آرادی کے یوداھاؤں لے کی میں، دسیا کے چی میت اور ایلی مشکلوں سے پریشان هو کر امریکه بےصلع كىياسىچەيوى سلىم كى بات ھونےلكى پر أس بينى بەي سلىم كے مرکز پر بھی امریکی ہم ہازوں نے حملہ کئے آور گونه اُن کے جدرل بهلم آس فاسد آری ہے انکار کرتے گئے پرآ عدر میں انہیں مانقا ہوا که قاعدہ ان نے ہم ہازوں نے توڑا ھے . صلعے کی ہ ت چینما کے بیچ اگر لوائی بالکل روئی نہوں جاسکتی تھی تو کم سے کم اُس کی تھڑی میں تو نرمی لائی ھی جا سکتی تھی ، پر ایسا کنچه نه کر 500 امریکی بم ہازوں نے بالو کی سرحد پر" جهدی زمین پر" فیر لواکو آبادی پر' ہم برسائے ، ساری دنیا نے اِس امریکی به حیالی پر لعلت پھیجے ، غود بلقت نہرو نے بارلیاملت میں بری جہالمت کے ساتھ اُس شہر کا ڈائر کیا ، ساتھ ھی خرمعلم بيم يعميكم جالي لك اور مكون مكيمال

A STATE OF THE STA

26 साल का तोपची था. उसके दस्ते ने एक गांव की रक्षा करते हुए 17 साल की एक लड़की और एक बच्चे को बचाया बचा तुरन्त सर गया पर लड़की जिसकी मरहम पड़ी करनी थी जब शर्म के सारे जमीन में गड़ चली तो बांच ने उस से कहा-बहन, मैं तुम से कई साल बड़ा भाई हूँ. भाई के सामने शरदा कर अपनी जान न खो जिस्म के कपड़े उतार डाल जिस से तेरी मरहम पट्टी कर सक् और जान कि मेरे भी बहुने हैं जिनको बचपन में मैंने नंगी देखा है. लड़की ने कपड़े उतार दिये. अजनबी भाई मरहम पट्टी ६र दुश्मनों के फिराक़ में चल पड़ा और कोरिया डेलीगेशन के उस प्रधान ने सिन सिन जा का जो बयान कि या वह तो इनसान के इतिहास में सोने के हरकों में लिखा जायगा. सिन सिन जा उस अस्पताल की नर्स थी जिसे गांव के साथ ही अमरीकी कौजों ने बरबाद कर दिया था. सिन सिन का को पकड़ कर ऊंचे चयुतरे पर माररजाद नंगी खड़ा कर दिया गया और उस के पीछे एक आदम ऋद शीशा टिका विया गया. फिर उत्तर कोरिया के सिपाहियों को उसे देखते हुए सामने से गुजरने का हक्म मिला. वह ठिठके और उन्होंने अपनी आंखें दक ली. सिन सिन जा ने चिल्ला कर कहा-"कोरिया के बहादुर सिपाहियो, अपनी इनसानियत की नंगी इक्जत को वे स्त्रीफ देख लो और यह कि कोरिया की बेटी किस शान से मरना जानती है, जिस से तुम उस के दुशभनों से बदला ले सको.'' वे खौफ कोरियन सिपाहियों ने नारा बुलन्द किया--'श्रमरीकी सामराजवाद मुरदाबाद !' फिर तो दुशमनों पर कुछ ऐसा स्नीफ छ। गया कि सिन सिन जा और उसके साथियों को छोड़ कर वह चुपचाप चले गए.

यह रोंगटे खड़े कर देने वाली क़रवानियां हैं, श्रीर यह कुल नहीं महज कुछ हैं, उन वे शुमार क़ुरवानियों में से कुछ जो कारिया की लड़ाई में आजादी के योद्धाओं ने की हैं. दुनिया के जनमत और अपनी भुश्किलों से परेशान हो कर अमरीका ने सुलह की बात छेड़ी. सुलह की बात होने लगी पर उस बीच भी मुलह के मरकज पर भी अमरीकी बमबाजों ने इसले किये और गांकि उन के जनरल पहले इस जिम्मेदारी से इनकार करते गए पर आखिर में उन्हें मानना पड़ा कि कायदा उनके बमबाजों ने तोड़ा है. सुलह की बास बीत के बीच अगर लड़ाई बिलकुल रोकी नहीं जा सकती थी तो कम से कम उसकी तेजी में तो नरमी लाई ही जा सकती थी. पर ऐसा इछ न कर 500 अमरीकी बमबाजों ने याल की सरहद पर, चीनी जमीन पर, रौर लड़ाकू चाबादी पर, बम बरसाए. सारी दुनिया ने इस अमरीकी बेहयाई पर जानत भेजी. खुद पंडित नेहरू ने पालियामेन्ट में बड़ी मल्लाह्य के साथ उस सवर का जिकर किया. साथ ही बरमीसे इस फेंके जाने सरो और मध्यी, सक्सियां. क्या हाल होगा ? और अगर रूस के अलग रहते कोरिया की लड़ाई की कैफियत यह है कि अमरीका को मुंह चुराने की नौबत आ गई है तो चीन को हमलावर क़रार देने पर दोनों की दोस्ताना मुलह के मुताबिक जब चीन पर हमले के बाद रूस सुल्लम सुल्ला लड़ाई के मैदान में उत्तर कर चार दिन में पण्छिमी योरप को रोंद ढालेगा तो उसे कौन बचाएगा ?

लड़ाई चलरी रही. चीन के किसान और मजदूर रोज के काम के घंटों के बाद आध घंटा और इसलिये मेहनत करने लगे कि कोरिया के मोरचे पर लड़ने वाले चीनी वालनटियरों या कोरियन लड़ाकों को खाने पहनने की कमी न हो. इस बीच अमरीका के कारजानों ने तोप उगली, हवाई नहाज उगले, नपाम और जरमीले बम उगले. और कोरिया के साथ साथ चीन की सरहदी जमीन याल की की घाटी खून से लाल हो गई. जब तक 38 वी पड़ी सरहदी लकीर दूर थी एचेसन और वेबिन कहते रहे मंजिल वही है, बस वही. पर वहां तक पहुँचते ही उन्होंने अपनी बेहया जबान बदल दी और कहा, उस लकीर को पार कर जाना तो बिल्कुल ठीक है. और वह पार कर गए.

आज कोरिया के शहर और गांव मिट्टी में मिल चुके हैं, तोपों की तड़प से पहाड़ की छाती फट चुकी है, उसकी गुफाओं में लोगों ने पनाह ली है. इस बांच की हुई कोरिया की क़ुरबानियां बयान तवारीख़ के वरक़ पुकार पुकार कर सुनायेंगे

इन क़ुरबानियों का जो चित्र पीकिंग कानफरेन्स में आए कोरियन डेलीगेशन के पेशवा इान सुल या ने खींचा वह भुलाया नहीं जा सकता. कहने लगे हमारे गांवों में एक घर खड़ा नहीं, एक मर्द नहीं, एक बच्चा नहीं, एक औरत नहीं जिसकी असमत बची हो, जिसके जिस्म की शरम की जगहें संगीनों से फाड़ न डाली गई हों. मेरे सामने रोलट एक्ट के बाद का उस पंजाबी गांव का रूप खड़ा हो गया जिसका जिस्स तरह वहां के म द पकड़ लिए गए थे और औरतों पर ग़ैर इनसानी जुल्म ढाए गए थे.

हान सुल या ने अपनी आंखों में आंसू भर कर बताया कि किस तरह एक कमरे में 77 बच्चे बरफ में जम गए थे. जिन के ना न इसिलये बखड़ गए थे कि जब चीस्तरे चिल्लाते डम्होंने खिड़िकयों को पकड़ा तो उनके हाथों में संसार की आजादी के जिम्मेदार अमरीकी सिपाहियों ने संगीनें मोग दी थीं! हान सुज या के मुंह का कौर निगला न ना सका.

कौर हमदर्री और दिलेरी की जो मिसालें उन्होंने दीं वह लकाई के इतिहास में लासामी हैं. वांग लिन पी کہا جال ھوگا؟ اور اگر روس کے الگ رھٹے کوریا کی الگان ہے۔ الگان کی الوائی کی الوائی کی الوائی کی الوائی کی توبہت آگئی ہے تو چھن کو حملہور قرار دیائے پر دونوں کی دوستانہ صامع کے مطابق جب چھن پر حملے کے بعد روس کہام کہا لوائی کے میدان میں آتر کر چار دن میں پچھمی بورپ کو رون ڈالیکا تو اُسے کون بچھائھا ؟

لوائي چلتى رهى . چين كے كسانوں اور مؤدور روز كے كم كے گهلترں كے بعد آدھ گهلته اور اس لئے معصلت كرنے لكے كم كوريا كے مورچے پر لوئے والے چيلى واللتهورں يا كورين لواكوں كو تُهائے پہلئے كى كسى نه هو . اِس بهنے امريكة كے كارخانوں لے توبيهں اللهن هوالى جهاز أگلے ، اور كوريا كے سانه سانه چهن كى سرحدى زمهن يالو كي گهائى خون سے لال هوگئى ، جب نكى 8ڭ ويس پوى سرحدى لكهر دور تهى اچسن بهرن كهتے وي ملزل وهى يے اس وهى ، پر وهاں تك پهونچة هى أنهوں نے ايلى يہونچة هى انهوں نے ايلى يہونچة هى انهوں نے ايلى يہونچة على انهوں نے ايلى يہونچة على انهوں نے ايلى يہونچة على انهوں نے ايلى يہونچة كانہوں نے ايلى يہونچة كيا كيوركو يار كو يار كو چان تو يالكل تهيك هے ، اور وہ يار كيا كيا

آپ کوریا کے شہر اور گاؤں متی میں مل چکے ہیں' توپوں کی توپ سے پہاڑ کی چھاتی پھت چکی ہے' اُس کی گپھاؤں میں لوگوں نے پٹالا لی ہے ، اِس بھچ کی ہوٹی کوریا کی قربانیاںپیان تواریخ کے ورقیکار پکار کر سقائیفگے۔

آن قربانیوں کا جو چھر پیکنگ کانفرنس میں آئے کورین تیلی گیشن کے پیشوا ھانسلیا نے کھیلچا وہ پہلایا نہیں جاسکتا ، کہنے لکے ھمارے گاوں میں ایک فورت نہیں ایک مرد نہیں ایک بچہ میں جس کی عصمت بچی ھوا جس کے جسم کی عصمت بچی ھوا جس کے جسم میرے ساملے رولت ایکٹ کے بعد کا اس پنجابی گاوں کا رزپ کھوا ھوگیا جس کا ذکر مہاتما گاندھی نے اپنی آئم کیا میں کیا ہے ، که کس طرح وہاں کے مرد یکو لئے گئے تھے اور عورتوں پر فیر انسانی ظلم ڈھائے گئے تھے .

ھان سلیا نے اپلی آنکہوں میں آنسو بہرکر بتایا کہ کس طرح ایک کسرے میں 77 بجے برف میں جم گئے تھے۔ جن نے ناخون اِس لگے آکھو گئے تھے کہ جب جیطاتے جائے آنہوں نے کوڑھیوں کو پکڑا تو اُن کے ھالیوں میں سلسار کی آزادی کے فاسردار آمریکی سیاھیوں نے سلگھلیں بہوگ دی تبییا ھان سلیا کے ملم کا کور نگا تہ جاسکا،

اور همدردنی اور دلیهری کی جو مقالهن آنهوں نے دیں وہ لوائی کے انہاس میں اقانی ہیں۔ والگ لی ہو'

روال مهد الإلا الم

بوساتا رها، اس العلان تها که ولا "کوئی چلای هوئی چهو زنده نه جهوریکا اور اس نے نه کیول گاوں کے گاوں جلا ڈالے کمیست اور مویشی نشت کو دئیے بچوں کی ڈرا سی جان پر ولا داست بهید چور چور کر ڈالا . یہاں تک کا اس نے چور چور کر ڈالا . یہاں تک کا اس نے چور چور کر ڈالا . یہاں تک کا اس کی یہ دھوسس لیلا خود سنگ میں ری گی اور سلگ میں کو بردادشت نه هوسکا دکھی کوریا کے پارلیسلت کے مسیروں نے بقاوت کردی اور سلگ میں بی کو آنیس قید کرنا ہوا . سنگ میں ری کی ایم هی دیس میں وهی دشا هوئی جو چھانگ کائی شبک کی چھی میں میں وهی دشا هوئی جو چھانگ کائی شبک کی چھی میں میں هوئی تهی . آج بھی ولا امریکھ کے بوتے دکھی کوریا میں کہوا ہے .

جب امریکه دوارا دکھن کوریا کے باشدوں کا پیشمار خون جهن کو برداشت نه هوسکا تب اُس کے والدتهو لائھوں کی تعداد میں سلسار کی شانعی بھلگ کرتی ھوئي اُس امريكى قوم كے خلاف آيے پرومى كى حفاظت کے لیے لوائی کے میدان میں کو، پونے ، پانسا بلت گھا . جون 1950 اور • کی 1951 کے بیچے جو امریکی سینا کی رهائی هوئی هے وہ اتهاس میں اپنا استهان رکھیکی. 38 ويل يوى ويكهايار' سيؤل لانكه' هرر دكهن سمقدر کنارے کی طرف ودیشی فرج بھاگ چلی' ابد پکس والوں کے هی کاؤں جالتی کیل تورنی ولل انهارتی سونیں نشت كرتي عمارتين كرأتي كهرى كهيتي جلاتي . ابنے ساريے استر شستروں کے ساتھ توپیس ساتھ لئے ٹیفکوں میں بھائتی کی پہر پھر دیکھتی اور اُن کے پہنچھا کرتے والے نہتھے کوریس آور چهلی لوائے سرف نام کو متههار لگے زیرو ڈگری سے نہدیے کی سردی میں دور تے چمھلے میں تر بعر جنکے رکتے ہی لباس جم جاتے تھے ، امریکی فوج کے کالکھ لگ گئی افریقه کے میدانوں سے جرمن قوجین اِتقی تیو نہ بھاکی تھھں اور نھ گریس کی زمھن سے جرملوں کے ساملے سے انگریز جدتا کوریا کے مہدانیں سے ویٹرن بھائے . خونى مهكارتهر كا يوى بات كهتا جهوتا تهويو نيعي لتك کھا ، تروس نے أسے نکمکا کھ أسے لوائی کے مهدان سے برخاست كرديا .

امریکہ نے یونو کی بیتھکوں میں ھر چند کوشش کی کہ چھن کو حملہور قرار دے دیا جائے جس سے اُس پر ایٹمہم پھیلکا جاسکے ، پر سوریت اور ھندستان نے مارے وہ نہ ھوسکا ، جنرل ور نے کہا ۔ آخر کتنے ایٹم ہم چھن پر نوروئے ۔ سہانے 'دس' پندرہ' کتنے آ پندرہ کا مطلب ہے شائد 50 اگھ چھنی جانہں' جو چھن اپنی اور ایشھا کی حفاظت کے بتخوشی قربان کر دیکا ، پر آگر کھیں ہم نے پانے سادے ہم' اُن حفاظتی بھلونوں کو بھید کر' جنھیں ہم فرور ھی بھیدلینگے نہویارک پر پھینک دئے تو بھی میں ھتی کا

इर्स्साला रहा. उसका यलान था कि वह 'कोई चलती हुई चील जिन्दा न डोड़ेगा' और उसने न केवल गांव के गांव जला डाले. खेत और मवेशी नरट कर दिये, बच्चों की जरा सी जान पर वह बांत मींच कर पड़ा बल्कि पहाड़ों तक को उसने चूर चूर कर डाला. यहां तक कि उसकी यह ध्वंसलीला खुद सिंग मन री की सरकार के वजीरों को बर्दारत न हो सका, दिक्खन कोरिया के पालिंमेन्ट के मेम्बरों ने बगावत कर दी और सिंग मन री को उन्हें कैंद करना पड़ा. सिंग मन री की अपने ही देश में बही दशा हुई जो चियांग काई शेक की चीन में हुई थी. आज भी वह अमरीका के बूते दिक्खन कोरिया में खड़ा है.

जब अमरीका द्वारा दक्किन कोरिया के बाशिन्दों का बेशुमार खन चीन को बरदाश्त न हो सका तब उसके बालिनटियर लाखों की तादाद में संसार की शान्ति भंग करती हुई उस अमरीकी फौज के खिलाफ अपने पड़ोसी की हिफाजत के लिये लड़ाई के मैदान में कूद पड़े. पांसा पसट गया. जुन 1950 और मई 1951 के बीच जो अमरीकी सेना की हार हुई है वह इतिहास में अपना स्थान रखेगी. 38 बी पड़ी रेखा पार, सियोल लांघ, दूर दक्खिन समन्दर किनारे की तरफ विदेशी फीज भाग चली, अपने पक्श बालों के ही गांव जलाती. पुल तोड़ी, रेल उखाड़ती. सङ्कें नरट करती, इमारतें गिराती, खड़ी खेती जलाती, अपने सारे अस्त्रशास्त्रों के साथ, तोपें साथ लिये टेंकों में भागती, फिर फिर देखती और उनके पीछा करने वाले निहत्ये कोरियन और चीनी लड़ाके सिक नाम को हथियार लिये, ज़ीरो डिगरी से नीचे की सरदी में दौड़ते पसीने में तरबंतर जिनके दकते ही लिबास जम जाते थे, अमरीकी कीज के कालिख लग गई, अकरीक़ा के मैदानों से जरमन फ़ीजें इतनी तेज न भागी थीं खीर न घीस की जमीन से करमनों के सामने से अंगरेज जनता कोरिया के मैदानों से बेटरन भागे. खुनी मैकार्थर का बड़ी बात कहता छोटा शोबद नीचे लटक गया. द्रुमन ने उसे निकम्मा कह उसे सबाई के मैदान से बरसास्त कर दिया.

अमरीका ने यूनो की बैठकों में हर चन्द कोशिश की कि चीन को हमलावर फ़रार दे दिया जाय जिससे उस पर एटम बम फेंका जा सके. पर सोवियत और हिन्दुस्तान के मारे वह न हो सका. जनरल बूने कहा—आखिर कितने एटम बम चीन पर तोड़ोगे—पांच, दस, पन्द्रह, कितने १ पन्द्रह का मतलब दे शायद पचास लाख चीनी जानें. जो चीन अपनी और पशिया की हिफाचत के लिये कखुशी हुरबान कर देगा. पर अगर कहीं हमने पांच सादे बम, उन हिफाजती बैस्नों को भेद कर, जिन्हें हम जरूर ही भेद सेंगे, न्यूयार्क पर फेंक दिये तो भला मैन हटन का

, j.

४रते सगता है और जो बास्तीर में जा कर इस सरह के एक बजाब में खतम होते हैं जो सब को घेरे हुए है और जो हमारे खबाल की दूर से दूर की पहुँच से भी परे हैं."

قرل ناعدا ها أور جو الخدر مهل بها كر إس طرني كل ايك وجود مهن خام هوتے ههن جو سب کو گههرے هوئے ہے اور جو همارے کھال کی دور سے دور کی پہونیم سے بھی برے ہے۔ ا

A STATE OF THE STA

(डाक्टर भगवत सरन उपाध्याय)

यह कोरिया है, जुन से नहाया हुआ, आज कई साल से बह जुम रहा है इसलिये कि अपनी आजादी को इनसान की आजादी के दुशमनों से रक्शा कर सके और अपनी उस आजादी के लिये कोई क्रीमत, कोई क़रबानी उसने मंहगी नहीं समभी है.

सवाल यह नहीं है कि किसने किस पर क्यों हमला किया ? वह सवाल घरेलू है, उत्तरी दक्किनी कोरिया का अपना. कोई आजाद रहेगा या साथ यह उनकी अपनी बात है जिसे वह चाहे जैसे तय करे भगड़े की बुनियाद तो तभी पढ़ गई जब एक क़ौम के दो हिस्से कर दिये गए, बनावटी हिस्से जिनका अलग अलग अपना कोई मतलब नहीं हो सकता था सवाज बुनियादी यह है कि कौन किस की जमीन पर है ?

कौन किस की जमीन पर है-कारिया श्रीर चीन संयुक्त राज अमरीका की जमीन पर, संयुक्त राज अमरीका कोरिया और चीन की जमीन पर ?

यह लड़ाई कीन लड़ रहा है ? संयुक्त राश्ट्र संघ ? संयुक्त राज श्रमरीका ? संयुक्त राष्ट्र संघ के नाम पर संयुक्त राज अमरीका अपने 48 पिट्टुओं के साथ ताबड़ तोड़ कोरिया पर लड़ाई ऐलान कर उसकी जमीन पर उतर पड़ा. सिंग मन री की सरकार उसके हाथ की कठपुतली थी. और अमरीका के उन पिट्ट ओं में से कितने उस मैदान में उतरे यह भी किसी से छिपा नहीं. हिन्दुस्तान ने सिर्फ मरहम पट्टी करने वाला एक डाक्टरी दस्ता भेजा और इंगलैंड अपने जहाजी बेड़े के साथ कोरिया के टापू से लगा मंडराता रहा. हां, तुरकी के डर और भोलेपन को अमरीका ने अच्छा फायदा उठाया क्योंकि कोरिया के देश मक्तों की गहरी मार तुरकों को ही अपने सीनों पर घेलना पडी.

अमरीका ने अपनी सारी ताक़त लगा दी. दिन रात कोरिया की खमीन पर वह गोले खगालता रहा, बम

प्रमासी '53

(دَاندر بهكرت سرن أيادههائي)

یہ کوریا ہے' خون سے نہایا ہوا' آج کمی سال سے وہ جوجه رها هے اِس لئے که ایڈی آزادی کو اِنسان کی آزادی کے دھملوں سے رکھا کرسکی ، اور ایلی اُس آزادی کے لیے کوئی قیست کوئی قربانی اس نے مہلکی نہیں سنجھی

سوال يه نههن هے که کس نے کس پر کهوں حمله کها؟ ولا سوال گهریلو ها انهی دکهنی کوریا کا ایفا ، کوئی آزاد رهیا یا ساته یه آن کی اینی بات هے جسے ولا چاھے جیسے طے کرے ، جوگارے کی ملہاد تو تمهی پوکگی جب آیک قوم کے دو حصہ کر دلے گئے علوائی حصے جن کا الگ الگ ایمًا کوئی مطلب نهین هوسکتاً تها . سوال بقیادی یه 🕰 که کون کس کی زمهن پر 🙇 ؟

کون کس کی زمهن پر هـ -- کوريا اور چهن سفهکت راہم امویکدکی زمین پر' سقیکت راہم اویکه کوریا اور چین کی زمین پر ؟

يم لوائي كون لورها هے ؟ سلهكت راشتر سلكه ؟ سلهکت راج اسریکه ؟ سلهکت رافاتر سلکه کے نام در سلهکت رائے امریکہ آیے 48 یقهوؤں کے ساتھ تابو تور کوریا پر لوائی اعلان کو اس کی زمهن پر آدر بوا ، سلگ سروی کی سرار اس کے هاته کی داویشلی تهی ، اور امریکه نے اُن بِقُورِانِ مَوْنِ سِے کُھُنے اُسِ مِیدانِ مَینِ اُدرے یہ ہوں کسی سے چھپا نہیں ، هندستان نے صرف سرهم پائی کرنے والا ایک ةاندری دسته بهبجا أور إنكليفة أنه جهازی بهرے کے ساتھ کوریا کے ٹاہو سے لئا سفقرانا وہا ، ھاں' توکی کے قر اور بهرلے بن کا اسریک نے اچها قائدہ اُٹھایا کھونک کوریا کے دیوں بھکٹوں کی گہری مار ترکین کو ھی آھے سھلوں يو جههلنا پري .

أمريكه نے أينى ساري طاقت لكا دى. دن رات کوریا کی زمین پر وہ گولے آثالتا رہا' ہم

1 3 6 6 6 6 6 6 6

मिला के का पूसरों में मेर की काम इस्तार हैं. बीर जब जब जह जाग फिर बीमी पड़ जाती है की बार बार का कर जगाते उन्नते हैं. वनके बार फिर और वनसे होटे इस्ते के होगा काते हैं जो वनके वपवेशों पर टीका करते हैं. काका मतसब सममाते हैं. वह टीका करने वाले जब इस इमसानी समाज का सच्चा मता बेतने वाले होते हैं तब होना खुदारक, भूटे कीर पमन्दी हो जाते हैं तो दीन पर्म किरने हागता है, मिलाने की जगाह वह कावने का काम करने सगता है. बहुत से खता बाता किर के लड़े होने हागते हैं. वीन पर्म सुरमाने सगता है. किर नप सिरे से किसी राह दिसाने वाले की जसदा परता है. किर नप सिरे से किसी राह दिसाने वाले की जस्दत परता है.

साइन्स भी इनसानी समाज के इस तरह के रास्ता दिखाने बाखों के वजूत को मानती है. साइन्स के मशहूर बांगरेज पंडित प्रोफेसर टी. एच. इक्सले ने अपनी किताब 'ऐसेज बान सम कब्ट्रोबरटेड क्वेशचन्स' में दिखा है:—

"इस सारे मामले.को जगर बहुत ही कड़ी साइन्सी विवाह से देशा जान तो सके ऐसा मान्यम होता है कि यह सम्बद्ध होना कि इस अनन्त आकाश में जो लाखों दुनियाएं विसरी हुई हैं उनमें कहीं कोई ऐसा समसदाद बजूद नहीं ही सकता जिसकी समग्र भावमी की समग्र से बतनी ही अभी हो जितनी चादमी की समन एक काले भौरे की समम से जंबी है, या यह समम लेना कि कोई बजुद ऐसा महीं हो सकता जिसमें सुद्रत के धारे को मोद देने की शक्ति बार्मी से उतनी ही अधिक हो जितनी यह शक्ति अंतिमी में एक के चुए से अधिक है. इस तरह की वातें समम सेना न केवल वे बुनियाद ही है वल्कि गुसतासी भी हैं, जो बातें इमें मालूम हैं उनकी हद के अन्दर रहतें इस भी इस बासानी से इस बड़े बालम को इस तरह के बजुरों से धाषाय समभ सकते हैं जी दरजे व दरजे ऊपर जाते हुए किसी ऐसे बज़्द तक पहुँच जायं कि अमली तौर पर इस इस इज़्द में और सर्व शक्तिमान, सर्व ज्यापक कौर सर्वज्ञ. यानी फ़ादिरे मुतसक्त, सब जगह हाजिर नाजिर और आसमे क्या में सोई फरफ़ न कर सके."

्रहाल में दूसरे मदाहर पोरोपियन विद्वान साइण्सर्ग सर कोसिकर साल ने इसी बात को इन राज्यों में सिखा है:—

भी बातों का मेरे दिल पर गहरा चसर है—पहली कह कि सम्बद्ध हमारे इस तरह के शक्तिशासी मददगार कौच्छ हैं को किसी न किसो सीथे और नपारोकी तरीके कर हमें रास्ता दिखाते हैं, हमारा प्रवन्ध करते हैं और प्रव सुनातिक हर के अन्दर हमें वस में रखते हैं, और जो अपने काम में सने हुए हैं, पर जो सर्व शक्तिमान वानी क्राविरे सुरातक नहीं हैं। हूसरी बात यह कि इस जाकन (विरक्) के

تھوں تنزید کے لوات آتے میں جو آن کے آیدیھوں ہو لها الزلم عهن أن لا مطلب سنجهات عهن ، يه تُها كرتم والمراجب تك إنساني سماير كا سجا بها جهاله والے موتے میں تب تک دیرہ دھرم پہلتا پہولتا اور يهها الله م حب يد لوك شود فرش جهول أور كهنكس هو وال هين تو دين دهوم كرل لكتا هي ملال کے مخکه یہ بھارنے کا کام کرنے لکھا ہے ، بہت سے الگ الگ فرقيه كهور مول لكته هيل ، دين دهوم موجها ل لكتا هـ. يُهِم لَكُ سُون سے كسى راه دانهائے والے كى شرورت يولى ف. سائلس بھی انسانی سماج کے اِس طرح کے راسته دکهالے والیں کے وجود مالکتی ہے ،ساللس کے معبور انکریو بلاکت بروانیسر لی . اینے . هکسلے نے ایلی کتاب السير أن سم كنارو وراد كو تصحيس مهل لكها هـ:--" إس سارے معاملے كو أكر بهدی في كوي شاكلسي ناو سے دیکھا جائے تو مجھے ایسا معلوم هوتا ہے که یه سنجه لهذا كه أس أندت أكاهي مين جو الأمون دنهائين يكهرن هولى ههن أن مهن كههن كولى أيسا سنجهدار وجود لهين هو سكتا جسكي سنجه أدمى كي سنجه س اللي هي ارنچي هو جعني آدمي کي سنجه ايک کال پہرترے کی سنجہ سے اُرتجی ہے' یا یہ سنجہ لیٹا که كولي وجود آيسا تهين هو سكانا جس مهن قدرت كه هاريم کر مور دیلے کی فکٹی آدس سے آنلی ھی آدھک ھو جعلی یہ شکعی آدامی میں ایک کیچورے سے ادھک ہے ۔ اِس طَرح کی ہاتیں سنچہ لیٹا تد کیول پے بٹیاد می ہے بلكم كستاشي يهي . جو ياتهن همهن حملوم ههن أن كي حد کے اندر رہائے عولے بھی هم آسانی سے اِس بوء مالم کو اس طرے کے وجودوں سے آباد سنجھ سکتے عمل جو درج به درج اربر جاتے هرال کسی ایسے وجود تک پہولے جالهن که هملی طور پر هم اُس وجود مهن اور سروفتعی مان سرو ریایک اور سروکیه یعلی قادر مطای سب جاك مافير فاظر اور عالم فل مهن كوكي قرق تع كر سكهن. أ حال موں دوسرے مشہور پوروہوں ودوان سائنسداں

سرائهور کے لے اِس بات کو اِن شہدوں میں لکھا ہے:
اد یہ باتیں کا میرے دل پر گہرا اگر ہے-جہاں یہ کہ

میرے میارے اِس طرح کے شکتی عالی مددگار موجود

میر کی کسی سیدھ اور ٹوئیکی طریقہ پر شنیاں

ایک کتمائے میں جمارا پربندہ کرنے میں اور ایک

میر میں میں بہت رکھتے میں اور جو

اور میر میں میں دور شکتی میں بعدی کو اور جو

اور میر میں میں میں میں میں میں میں اور جو

اور میر میں میں بین میں میں میں میں میں اور جو

اور میر میں میں بین میں میں میں میں میں اور جو

اور میر میں میں بین میں میں میں میں میں میں میں اور جو

एक और बुरीख सोग नाम करते हैं जिसमें कहा गया

"दिन्दुस्तान में एक नवी हुआ है जिसका रंग सोवका

कीर जिसाबा साम करिन था."

वादित है छहिन से अस्ताब कान्द्र या कृत्या से है. कृत्या के बाली भी सांवसे के हैं.

पारकी फिलाब गाथा में सिसा है:--

"इन्ह्यान की क्रीम से प्रेय करने वासे सीरकारों के बताय हुए व्यस्तों को ते तो, बनसे हुम्हारी बास्ता का भला होगा. यन से, क्यन से और क्रमक से बन पर बता. इर देश में/ यहां तक कि क्रसभ्य देशों में भी क्रोस्ट्यन्त हुए हैं निन्दोंने परमात्मा की प्रस्म शानित को हासिस किया है. इस क्रालम के सम्राट ने जो सबके क्यन्द रमा हुका दे हम सबके पास सोस्ट्यन्त भेजे हैं ताकि वह हमें बीक रास्ता विकारों."

ब्रुट ने कहा है:--

"समय बीतमें पर दूसरा बुद्ध आएगा. वसे स्रोग सैत्रेय कहेंगे."

येत्रेय का मतस्व है जो सन का मित्र यानी मला चाहने

M de

इषारत ईसा ने इन्जीस में कहा है:---

'मैं फिर भाउंगा और तुम्हें भपने साथ ले बसूंगा ताकि जहां मैं जाता हूँ तुम भी जा सको."

इल्जील में इसी तरह की बातें बार बार कही गई हैं.

भीर वह साफ लिखा है कि-

"इस तरह की राह विकान बाले ग्रुक कमाने से बाज तक हमेशा काले रहे हैं."

सुरान में बार बार इस बात पर जोर दिया ग्या है कि मोहम्मद के मंह से अस्ताह बोसता है

हजरत ईसा ने भी इन्जील में यही बात कही है.

हम सगर केवस इन महान आत्माओं का स्वयास रखें भीर वह सममें कि यह सच इनादे मेमी और मददगार थे तो इस अपने अन्यर रुद्धानी और इससाफ़ी ताक़त वैदा कर सकते हैं और अपने अन्यर की ताक़तों को जगा कर रुद्धानी तरक़ती की आगे की मंकित तय कर सकते हैं.

फिल्या की जुनियादी संग्रह्मां और धर्म के अस्त संग कार एक ही से हैं और सन्न वंग ही से रहेंगे. केवल वह अपर के हांथे, वह रीठ-रिवाज, वह तरीक्रे, वह सम्ब जिनमें वह सम्बद्धां फाहिर की वह भी पुराने पढ़ जाते हैं काका कार कम हो जाता है इसकिये उन्हीं समाइयों को फिर से वोदराने की जकरत पदला है वही काम इन महा कारों का है. यह तोग सक्वे प्रेम मानी इस्ते हमीकी के सरें केंद्रें हैं, वह स्वयु तथ का भना चेतते हैं. इस प्रेम पी कार्य हैं की वह स्वयुक्त को असा कारते हैं. इस प्रेम ایک کرر بعوری کرکے بیال کرتے میں میں میں ایا کیا کہ کہ ایب

الا هديبينايلي مون ايک تهي هوا هي جس ۴ رنگبه ماتراد في اور جيرن به نام کون دوا ."

ِ طَاهُونِ فِي اللَّهِ بِي مَطَلَّبِ اللَّهِ يَا كَرَهُنِ بِيرَ فِي الرَّفِينِ عِلَى اللَّهِ وَالرَّفِينِ عِل كَامِعْتِي بَهِي مِنْالِقِلِ فِي هَيْنِ ،

ياوني الداب الها مين لكها هـا---

يفد لے کہا ھردسہ

السم بھاتتے ہر درسرا بدد آئے کا ، أس الوقب معاویکے گہنوں کے ،'' میلاریکے کا سطامی ہے جو سب کا متر یعلی بھا جادتی رالا دو ،

حضرت عيسي تر انجهل مدن كيا هـ :---

در میں پیر آوں ۴ اور تبہیں آیے۔ ساتھ لیے جادرہ ۴ تاکہ جہاں میں جاتا ہوں تم یہی جا ساتو ،"

اِلتِعِیلِ میں آسی طرح کی باتیں بار بار کہی گئیں۔ میں' آوریہ ماف تکیا ہے کسب

" إس طرح كي رأة دانهائے والے شروع زمائے سے أيتك هميشه آتے وہے هيں ."

قرآن میں بار بار اِس باس پر زور دیا گیا ہے کہ محصد کے مقد ہے اللہ براتا ہے ،

معصوت عيسيل نے بھي لنجيل مهن يہي بات کہي۔

هم آثر کیول اِن میان آساوں لا خیال رکییں اُور یہ مسجبیں کہ یہ سب همارے پیھمیآور مددگار تھے تو هم آبھ آنٹیر رہندائی اُور اُنتھائی طاقت پیدا کر سکانے ہیں آور اُبھے آنٹو کی طاقتوں کو جلا کو روحانی ترقی کی آئے کی مقولین کے کر سکتے ہیں ۔

واهلی کی بلیادی سچالیاں اور دهرم کے اصول سب جات ایک هی ہے وهیں گے۔ کھیل وہ آرید ایک هی ہے وهیں گے۔ کھیل وہ آرید ایک هی ہے وهیں گے۔ کھیل وہ آرید کی تعلق وہ شبعت وہ شبعت وہ شبعت این کا اگر کم هیا جاتا ہے ، اس لکے آدیدی شبحالیوں کو بعر ہے دوهرائے کی ضرورت بولی ہے۔ یہی الم شبحالیوں کو بعر ہے دوهرائے کی ضرورت بولی ہے۔ یہی الم شبحالیوں کو بعر ہے۔ یہی الم شبحالیوں کی دومرائے کی ضرورت بولی ہے۔ یہی الم شبحالیوں کی دومرائے کی ضرورت بولی ہے۔ یہی الم شبحالیوں کی دومرائے کی ضرورت بولی ہے۔ یہی الم شبحالی کی دومرائے کی دومرائ

ह्युव, सीस, अकरार, अवित्यार, वसी, जमी चौर रबूस कहा नवा है, इंसाई वर्न में इन्हें सेन्ट, मसीइ और भीर श्रुक्त का भेटा कहा गया है. इन्जीब में इसी तरह के बौर भी बहुत से नाम हैं. बहुबुबों में इन्हें सेज, प्राकेट भीर वैद्विमार्क बहते हैं. पारसी बार्न में इन्हें सोरवन्त, और नरीइका नरी कहा गया है. सीरवन्त का सतलक है 'प्रेमी' कानी इनसानी समाज के मेमी. नरोइश नरो का मतलब है 'आइसियों के आवमी', 'अंचे आवमी' इन सब में वड़े ह्यारे सरजे हैं.

यह इंजी कहें जमीन पर बादमी की राकत में भी

काती रहती हैं.

चीन के राष्ट्रों धर्म की किसाव में खिला दै:---"इंचे बासमानों का बढ़ा सम्राट खमीन पर इतरता है, सैकड़ों बार बतरता है, इसिक्वये कि बाम क्रोगों के साथ रहें और उन्हें सचाई सिखाने, रोगियों को अच्छा करे, अप द्वात्र के साथ करह भोगे और बार बार अपने प्राय हैं, साकि वसके करतों से बहुत से विसों के शिये खुसी भीर तेकी का बद्धमा फूट निकते.

इत्न ने गीता में साम कहा है:---

'पे प्रार्जुन ! जब जब धर्म में गिराचर धाती है और अध्यर्भ फैलका है तब तब मैं पैदा होता हूं ताकि नेक कोगों को बुचाकं और बुराई करने बाबों को क्रम करूं, और वर्म को फिर के क्रांचम करूं. इस काम के खिने में युग बुग में पैवा होता रहता है."

बही बात दुर्गा सप्त शती और दूसरी हिन्दू किताबों में

बार बार और तरह तरह से कही गई है.

क्षेप्री ने गीसा की अपर की मशहर लाइनों का वदा

सुन्धर कारबी तरजुमा किया है।--

चुं बुनिवादे दीन शुस्त गरदद वसे तुमायेम सुव रा व शकते कसे साजी-जब दीन की दुनियाद बहुत सुस्त हो जाती है साह हुआ जावनी की शक्त में अपने की काहिर करते हैं. कुराल में यही बाल दूसरी तरह कही गई है. जिला है

"केंकुको क्रीमिन हाव" यानी--हर क्रीम में हादी वानी

रायका विकास बासे शेले गए हैं.

हुसी तरह की बहुत सी आयर्त हैं जैसे यह कि:-विश्वार विश्वी क्रीम नहीं जिस में सोगों को सुराई से

बराने कौर बचाने वाले म बाते रहे हों.

''हर होम में रसून भेजे नाते रहे हैं" नरीरा नरीरा कंडु ब्राइत ने एक ह्दीस बाल्य की है जिसमें किसा है कि "कुछ दर सी सास के बाद हर क्रीय में एक राह क्रिमाने पाला में जाता है जी इतिया में श्रीम की फिर से de sa tu

قطسيان غيونه الوزارة الشهار ولي فيساور وشول فيه فيعين ميسائل عظرم ميون ألهون سوشيء مسيم أور عدا لا يهالا كها كها يقد والمعال مهن إس طرح ك أور يهي يوسه بقر عام حين لا تجويهون حين إلهين مهيم الراهيدي اور يهيم اركب كهاي هون ، يارسي دهرم مون إنهون سوفيلمها ليو نرولش فيو فها لها هـ ، سوهيلت كا مطلب هـ ايريمي يعلى إلَسَالي سَمَاج كَ يُرِيس . ترولش قور لا مطلب هـ الدميون ك أعمى الونج أدمى؛ لن عبب مين يوء

یہ آونجھی روحین زمین پر آدسی کی شکل میں بھی

اني وهالي ههون .

جون کے تاؤ قعرم کی کتاب میں نکہا ہے:۔۔

10 أرفعها أسمالون كا يوا سموات ومهين ير أثرنا هوا سيتاون عاد ألونا هـ إسالك كه عام لوكين ك ساله رهـ لود ألهين سنهائي سانهاري وركيون كو اجها قوي شهد صهر ك ساله كشنك بهويد اور بار الله بران ديه الانه أس ك کھالوں سے ایست سے دانوں کے لگے شوشی اور لہائے کا چىدە پەرى ئىلى .

كرفان لے قبعا میں سائے کہا ہے است

" أمَّ لُوجِن أ جب حب همرم مين قرارها ألى ط أور أدهوم ومهلكا في تبعب مهن يهدأ هونا هي تافع نهك لوایس او مجاول اور درائی کرنے والوں کو شاتم کروں، اور دھرم کو پھر سے قالم گروں ، اِس کم نے لیے میں یگ یگ مهن يهدأ هوتا رهانا هون ١٠٠

يهى بَالْطَ قَرَا سَهِمْكَ فَكُلِّي أُورَ حُوسَرِي طَلَّتُو كَتَايُونَ

مهن يار بار اور طرح طرح سے کھیکٹی تھے ،

فیضی نے قیما کی آریز کی مصور اللہن کا ہوا۔ سلدر فارسی لرباسه فها هے ہــــ

چوں بلیاد دین سست گردد ہے لمالهم عاود وأ چه هادل کس

يمليسمهم ديق کي بلهاد بهت سنت هو جال ه تب هم آهني کي فاعل مين آي کو هاهر کرتے هيں ۽

الرآن میں یہی بات دوسری طرح کہی گئی ہے ، لکھا

الله فقد قومی عاله 4 يعلى سندر قوم مهن نحاضي يملي وأمالته فالهائي والم بمهمه لكر هيري.

وُسَى اللَّهِ عَلَى لِهِمِكَ حَي أَنْكُهِن اللهِن جَهِمَ لِهُ أَمْمَ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ 🧗 گوای آیسی قوم نہوں ہمیں میں لوٹوں کو ہوائی سے الوالي أور بالهالي والى له أن ره عور .

اللهو قوز مهل رسول بجداته بعاقة وقامهن عومهوا والهواد الوَ عَلُونِ فِي أَيْكُ مَعْدِيثُ نَعَلَ فِي فِي عِس مِينِ لَكِهَا في كان الم الموسوسال كر ومناهر قوم مون أيك وأو مليال ولا المعالمة في يمو الديها منان فيون كو عمر بير داوه

一种

इन्जीय में लिखा है—"मर पूरत बसकी है जी अब की सब में मरे हुए है."

बहुनी कियान तसमूद में सिका है— 'इस इसने नड़े कासम के अन्वर कोई फरों नरट नहीं होता. आवमी की कासमा के अन्वर सारा आक्षम क्रिपा हुआ है. वह नरट कैसे हो सकती है ?"

कोस की हर बून्स के जन्दर पूरा सूरज दिसाई देता है और हर जक्स सूरज से हैं. हर छोटे से छोटे बीज के अन्दर पूरा दरस्त छिपा हुआ है और बीज की इस्ती दरस्त से हैं.

साइन्स इमें बताती है कि इर बीज और इर करें के अन्दर वे अन्त फैल जाने की शक्ति है. हर एटम अनगिनत चक्कर लगा रहा है, हर ऐटम दूसरे सब ऐटमों के जपर असर डाल रहा है, रोशनी की वे अन्त किरने हर ज़रें पर सब पारों के अनगिनत अक्स या फोटो फेंक रही है. यह अनिगनत फोटो चारों तरफ से पढ़ रहे हैं और दूर दूर के सितारों से भी भा रहे हैं. यही हाल भावाजों का है. जो चीज जहां असर डालती है वह लाजमी तौर पर वहां है. रारज यह कि सब सब जगह है. मशहूर बिद्दान बगेसन ने अपनी किताब "कीयदिव पवील्यान" में जिला है- "कोई माही नुक्रवा पेसा नहीं है जो इर दूसरे माही नुक्रते पर असर न डालता हो, जब हम देखते हैं कि जो चीज जहां असर डालती है यहां वह जरूर खुद भी है तो हमें फरेडे की तरह यह मानना पढ़ता है कि सुरिट के संब पटम एक दूसरे में बुसे हुए हैं और उन में से हर एक सारे बालम में रमा हुआ है."

इसक्रिये किसी एक जरें को पूरी तरह देख लेना और समक्त लेना सारी दुनिया को देख लेना और समक्त लेना

है, खुदा को देख लेना और समग्र लेना है.

इसी तरह का एक और खयाल है जो सब मजहवाँ में एक सा पाया जाता है वह यह है कि जिस तरह आदमी से नीचे बजुरों या हरितयों का एक सिलसिला है जैसे जानवर, दरहर, सोना, चांदी, मिट्टी, पत्थर वरीरा उसी तरह आदमी से कार भी बजुरों का एक सिलसिला है इन ऊपर के बजुरों में इस तरह की रहें भी हैं जो आदमी की उसी तरह देख रेल करती रहती हैं, उसे रास्ता दिखातों रहती हैं, उसे अटकने से बचाती रहती हैं जिस तरह मां बाप था उस्ताद खपने बच्चों या शागिरदों को बचाते रहते हैं. योरच के बच्चे बच्चे मशहूर साइन्सवां खुले इस सायाल की ताईए कर चुके हैं. सब मजहूब इसे मानते हैं. वैदिक धर्म में इन्हें दिशी, अनि, मन्तु, कुमार और अवतार नामों से पुकारा राजा है. इन के अपने अपने बरजे हैं. बोदा धर्म में इन्हें वीविकस्त, मत्योकहुद और दुख नाम दिया गया है. जैन बर्म इन्हें बरहा कीर तीरचे कर कहता है, इसकाम में इन्हों को العجول مون لکها هرسدادیهزیزدا آس ای هر جو سیاد کو سب مین بورد هول ها

یہوئی کتاب طلبود میں لکھا ھے۔۔''اس۔ آٹھے ہوں عالم کے آندر کولی فرد نشت نہیں ہوتا ۔ آدمی کی آتماکے آندر سارا عالم جھھا عوا ھے، ود نشبت کیسے ھوسکائیھے؟''

ارس کی هر برلد کے اندر پورا سورے دکھائی دیکا ہے اور عر عکس سورے سے ہے ، هر جھوٹے سے جھوٹے بھی کے اندر پورا درخت جھیا ہوا ہے اور بھیے کی هسکی درخت

سائنس همیں بعالی ہے کہ در یہنے اور دو ڈرے کے الفو ہانس پهيل جائے کي شعالي ھے . هر ايام أنكلت جاکر لٹا رہا ہے ، ہر ایکم دوسرے سب ایکسوں کے اوہر الر ڈال رھا .ھے' ورشٹی کی ہےائنت کرنیں ھر ڈوے پر سب نوروں کے ان کلمت مکس یا فراتو پیملک رهی هے . يه انگلیب فرتر جاروں طرف سے ہو رہے میں اور دور دور کے معارون سے بھی آ رہے میں۔ یہی حال آوازوں کا ہے ، جو جهو جهان او قالتي ها وه الزمي طوو پر وهان ها. فرض يه کہ سب سب جالم ہے۔ مشہور ودوان برکسن نے اہلی کتاب الهريكوليولوشن" مين لكها هرسالكوثي ماددي نقط ايسا نهيس هـ جو عر عوسرے مادس تقطے هو اثر نهِ قالتا هو ، جب هم ديكه ي هين كه جو جهو جهان اثر دالتي ه وهاں وہ ضرور خود ہمی ہے تو همهن فهريٽے کی طرح يھ مالقا ہوتا ہے که سرفائی کے سب ایکم ایک دوسرے موں گھسے ھولے میں اور اُن میں سے هر ایک سارے عالم میں يما هوا هـ".

أس لكم كسى أيك دُره كو يورى طرح ديكه لهذا أور سنجه لهذا هـ' سنجه لهذا جارى دنها كو ديكه لهذا أور سنجه لهذا هـ' خدا كو ديكه لهذا أور سنجه لهذا هـ .

إسى طرح كا إيك أور خهال هي جو سب مذهبون مين ايك سا بايا جاتا هي وه يه هي كه جس طرح آدمي بهانور الهجيد وجودون يا هستيون كا أيك سلسله هي جهيس بهانورا فرخمه سونا بهاندي الكي سلسله هي الى طرخ أورمي بيد أوير بهي وجودون كا أيك سلسله هي الى أوير بهي وجودون كا أيك سلسله هي الى أوير بهي أسى طرح كي روحهن بهى ههن أسي جو آدمي كي أسى طرح كي روحهن بهى ههن أسي بهو آدمي كي أسى طرح ديكة ديكه كراي ههن أسي بهاني وهتي ههن أبي يجاني وهتي ههن أبي يجاني وهتي بهاني وهتي هين أبي يجاني وهتي المين الله يجون يا شاؤمون كو بهاني بهاني كه بوي بهين بهاني المانية أبي المين الهانية وهي المين المين المين الهانية وهي المين الهانية الهانية الهانية والهانية واله

4

यहूदी समझ्म की फिलाम जोहर में लिखा है—"बुद्धि-मान भावमी इस स्ट्रीस्ट यांनी भावम के सारे रहस्यों मानी राणों को किसी भी एक मादमी के चेहरे में पद सकता है." यहूदी कब्बाला की मशहूर कहावत है—"जो अपर है बही नीचे है."

सलमूद में लिखा है—"ठींक जिस तरह हह इस जिस्म के अन्दर रमी हुई है वसी तरह खुवा सारे जालम के अन्दर रमा हुआ है, जिस तरह हुइ जिस्स को संभाले हुए है बसी तरह खुदा जालम को संभाले हुए है, जिस तरह हुद देखती है लेकिन देखी नहीं जा सकती, वसी तरह खुदा देखता है लेकिन देखा नहीं जाता.

युसलमान सूफी इनसान के जिसमें और सारे आहम की इस तमसील वा उपमा को बहुत अधिक बढ़ा कर ले गए हैं और उन्होंने बड़ी तकसील के साथ इस को बयान किया है, यहां तक कि पढ़ने वाले को विलक्षल ऐसा लगने लगता है कि यह सारा आलम एक जीता जागता जिस्म है जिस के इस सब बंग या जरें हैं. खाजा खां ने अपनी बंगरेजी किताब 'दि किसासकी आज इससाम' में गुसलमान स्क्रियों के इस सरह के बयानों और वेद, पुरायों और उपनिश्चों के बयानों को खूब तकसील के साथ मिला कर विकास है. खास कर दिक्सन के गुसलमान स्क्रियों के बयानों और हिन्दू पुरायों के बयानों में तो करक निकाल सकना ना गुमकिन है.

कुछ साइन्स वालों ने बह राय भी जाहिर की है कि आसमान के सूरज, चांद, तारे और नक्षत्र सब अलग अलग जीती जागती जानदार हस्तियां हैं. एक जरमन साइन्सदां फैकनर ने खयाल जाहिर किया है कि हमारी यह जमीन एक जानदार हस्ती है. मगहूर अमरीकी दर्शिनिक बिलयम जेम्स ने भी अपनी एक किताब 'ए मुरैलिस्टिक यूनिवर्स' में बड़ी विद्वता के साथ इस खयाल की ताईद की है हिन्दुन्तान के युराखों में पृथ्वी को 'देवी' कहा ही गया है. इसी तरह के खयास इसलाम और दूसरे धर्मों में भी मिलते हैं.

यह सब बात कुर्रती है. जब ईश्वर अस्साह एक है, एक ही आत्मा सब के अन्दर रसा हुआ है तो सब के अन्दर इस एकता का होना भी लाजमी है. उपरी नाम रूपों की असहत्यी हमें इस एकता को देखने के लिये और भी बेचैन कर देती है. इसीलिये राज काज यानी सियासत में आवनी "वरावरी! वरावरी!" का नारा कंचा करने पर असबहर हो जाता है, और घामिक बादमी कहता है—'सर्वम् सर्वेत्र सर्वेदा" यानी सब सब जनह और हमेशा है.

सूकी इसी को 'इन्दराजे इस मिलाइक' करता है. दोलों के सकाही मानी हैं. یهودی مناهب کی گلاب وجر میں لکھا ہے۔
''ابدهیمان آدمراض سرشکی بعثی دام کے سازے رهمیوں
یملی وازوں کو کسی بھی ایک آدمی کے چھرے میں
یوھ سکتا ہے''، یہودی کیالا کی مشہور کہارت ہے۔''جو
اریر بھے رھی تبجے ہے''۔

طلعود میں لکھا ہے سے الہمک جس طرح روح أِس جمعم كے أندر وس موئى ہے أسى طرح خدا سارے عالم كے افتر وسا هوا ہے، جمس طرح ورح جسم لاو سقیمالے هوئے ہے أسى طرح خدا عالم كو سقیمالے هوئے ہے جس طرح روح فیكھتى ہے لیكن دیكھى نہیں جاسكتى أسى طرح خدا دیكھتا ہے لیكن دیكھى نہیں جاسكتى أسى طرح خدا دیكھتا ہے لیكن دیكھا نہیں جاتا ۔

مسلمان صولی إنسان کے جسم اور سارے عالم کی اِس تمثیل یا اُپما کو بہمت آدھک بوھا کو لے گئے ھیں اور اُنہوں نے بوی تفصیل کے ساتھ اِس کو بھان کیا ہے' یہاں تک که پوہلے والے کو بالکل ایسا لکئے لگتا ہے که یہ سازا عالم ایک جیتا جاگتا جسم ہے جس کے هم سب اُنگ یا قرے ھیں ۔ خواجه خان نے ایشی انگریزی کتاب دیے فلاستی آب اِسلام' میں مسلمان صوفیوں کے اس طرح کے بیانوں اور وید' پرانوں اور ایڈھکوں کے بھانوں کو طرح کے بیانوں اور وید' پرانوں اور ایڈھکوں کے بھانوں کو خوب تفصیل کے ساتھ می کو دکھن کے مسلمان صوفیوں کے بھانیں اور ھندو پرانوں کے بھانوں کے مسلمان صوفیوں کے بھانوں اور عددو پرانوں کے بھانوں اور میں تو فرق نکال سکتا نامیکن ہے ۔

کچھ سافنس وائوں نے یہ وائے بھی ظاھر ہے آسمان کے سووج کہائے اور نکشتر سب الگ الگ جھتی جائدار ھستیاں میں ، ایک جرمن سائنسداں فیکٹو نے خیال ظاھر کیا ہے کہ ھباری یہ زمین ایک جارہ فیکٹو نے خیال ظاھر کیا ہے کہ ھباری یہ زمین ایک جارہ فار ھستی ہے ، مشہور امریکی دارشنگ ولیم جیسس نے بھی ایٹی ایک اکتاب 'آے پلوریلسٹک یونیورس' میں یوی وہرتا کے ساتھ اس خیال کی تائید کی ہے ، ھندستان کے پرانوں میں پرتیوی کو 'دیوی' کہا ھی گھا ہے ، اِسی طرح کے خیال اسلام اور دوسوے دعرموں میں بھی ملتے طرح کے خیال اسلام اور دوسوے دعرموں میں بھی ملتے

یه سب بات قدرتی هے ، بوب ایشور الله ایک هے اندو ایک هی قب ایک اندو اس ایکتا کا عوتل بهی قرامی هے ، آویوی نام وویوں کی اس ایکتا کو دیکھیئے کے لگے اور بهی علیت کر دیکھی هے ، آس لکے واج کاج یعلی سیاست میں قومی آدرائیوں آ برابوں آ' کا تحرہ 'آوتھا کرئے ہو میٹور هو جاتا هے' اور معارمک آدمی کیتا ہے۔'سروم سروتو سروتا یعلی سب جگه آور همیشه هے ،

مولی این او الندرای الی فالکل کیتا ہے۔ مرتوں کے ۔ ایک سیالی میں د

एक ही खयाक सब जगह

(डाक्टर भगवानदास)

एक और सचाई जिसकी तरफ दुनिया के सब मजहब हमारा ज्यान दिलाते हैं यह है कि जो कुछ इस सारे जातान में है वही सब हर छोटे से छोटे जरें में भी है. दिन्दू जम में इनसान के जिस्म की पिंड जीर इस सारे विश्व वा जातान की जातान्त्र कहा जाता है. वेदान्त की एक मशहूर कहाबत है:—

यथापिंडे तथा जलान्डे

यानी—जो कुछ सिंह के अन्दर है वही अझान्ड के अन्दर है. पिंड और अझान्ड ही को 'खुद्र विराट' और 'महा बिराट' भी कहते हैं. धुसलमान सुफी इन्हीं को 'बालने सरीर' और 'बालमें कवीर, कहते हैं. बंगरेजी में इन्हीं को 'माइको काजम' और 'मैकरों काजम' कहते हैं.

पाहिर है कि जब जी कुछ पिड में है वहीं ब्रह्मान्ड में है तो जो कुछ एक पिड में है वही सब पिड़ों में होना चाहिये. इसीक्षिये भी छरण में भगवन् गीता में कहा है :---

> विद्या विनय सम्पन्ने नाझनें गवि इस्तिने ग्रुनि चैव श्वपाके च पंडिताः सम धर्शिनः

यानी—जो लीग पंकित या सच्चे जानकार हैं वह उस आक्षम की जो दिवा और विनय (इन्ज) से सम्यम है, गाय को, हाची को, कुत्ते को और चान्डास की सब की वक निगाह से देवते हैं.

सूकी कहता है कि :--

मोहतिशास हमीं थीनद जल्पर एविस कि दर अवस्थाने चीन-को-चनिक

वाबी—जो सन्दाई को जासने वाता है वह अंद के देरे मेड़े जिस्स के अन्दर भी उसी जीख को देखता है जिसे वह जीन या जिता के अवस्रत लोगों के अन्दर देखता है.

इसी का नाम समय्भिता है. यही सवा जान है यही अस्तियत को देखना है दुनिया की सारी साइन्सें अपने अपने हंग के इसी अमर्गाता के असूब से निक्की हैं. मण्डक या वाजिक में इसी का नाम इन्क्कान है. वह इन्क्कान ही साइन्स की दुनियाद है. साइन्सर्थ हमें बताते हैं कि जो दुख इस सारे सोसर सिसटम सीर कगत यानी निकासे इससी में है वही हर प्रथ्म, कर्या वा चर्र में है.

वारि बाल तका शरह से जारी मजहूब, ईसाई जकहब कीर कारकार कीलों में बार बार करी गई है.

ایک هی خیال سب جگه

(داکاتر بهکوان دلس)

آیات اور سنهائی جس کی طرق فتها کے علیہ مقضیہ خسارا ضعهاں فاتے علی یہ ہے که جو کھید اولی ساوی عالم خشن ہے وہ کھی اور کی ساوی میں جہوئے طرح میں جہوئے سے جہوئے طرح میں جہوئے سے مشتر دخوم میں السان کے جسم قریدک اور اِس ساوی والم یا عالم کو برعسانہ کہا جاتا ہے ، ویدانت کی ایک مجھیارو فہاوت ہے:۔۔۔

يتها بلقب نعها برسانت

یندگی سیعو کنون یک کی انجو کے وہی بوسائٹ کے اندو کے یکٹ اور درسیاٹ می کو 'فندو ورائٹ' اور 'سہاوراٹٹ' بھی قبائے میں ، مسلمان صولی انہیں کو 'سالم صفیو' اور 'عالم کییو' کیاتے میں، آنائیوی میں انہیں کو 'سالکووٹاوم'' اور المغارو اور' کیاتے میں ،

طاعر کے کہ بدب ہو کونے پات میں ہے وقی بوصائد میں ہے تو جو کونے آیک پلک میں ہے وقی سب پلکیں میں مینا جاملے ، اِسی لگے ہربی کرفین نے بھارت کیتا میں کیا ہے ہے۔۔۔

> ودیا وئے صبہتی پرآھیٹے گری ھستنی شکی جوہو شرہا کے جہ بلگتم سے دیفتاد

یمٹی--جو لُوک پائٹٹ یا سچے جانکاو ھیں وہ آس براھس کو جو ردیا اور وئے (عجز) سے سمین فٹ کائے گوا ھاٹیں گو' کیے کو اور جانڈال کو سپ کو ایک ناؤہ سے میکھکے ھیں ۔

صوفی کیٹا ہے که : --

مصلق همهی بهدد اندر آیهل

که درخوبرو یعلی چین و چکل یملی سور مولی کو ارت کے الیوی میوی جسم کے الدربعی اسی چین کو دیکھتا ہے جسم کے الدربعی اسی چین کو دیکھتا ہے جسم واحق کا قام مردشتا ہے ، یعبی سنجا قبان ہے ، یعبی المان کو دیکھتا ہے ، المان سنجا قبان ہے ، یعبی تعبید کا قام مردشتا ہے ، دیعبی سنجا قبان ہے ، یعبی تعبید کا قام مردشتا کے اصول سے نکلی عین، مقطی قبال ہے المان کی دیا انگری میں اسی کا نام انگریشن ہے یہ انگریش میں اسی کا نام انگریشن ہے یہ انگریشن میں اسی کا نام انگریشن ہے یہ انگریشن کی بلیان ہے ، سائلسدان حمین باتا ہیں تا جو کتی اس سارے سرائیسام اور جادی یعلی نظام جو کتی اس میں ہے وہی خر ایکی الدی یا قرید میں ہے .

یہی بات طرح طرح سے یہوسی مقطب میسائی مقاسیہ اور اِنظم تنائی میں بار بار کیی گئی ہے ۔

گو**ئ**ی بھی اُس کو لاکھ پکاڑے تهاے ہوے رہ جاتے میں سب چل پرتے ہیں جب بنجارے مجبوراً لی پیس کے خاطر بجهار منجه لهكن نه لیلک در کے مارے قدمی نالے خون کی بہها کھھلاوں مھی ہوٹے انکارے جلك مجب يدجلك فيسالهي جوكه جهتا صلمے کی کوشش آمن کے جلم اُمکّ ے موثر امرت کے دھارے روس أور چهن کی باتهن سفکر हस और चीन की बातें सुनकर أته أفكار هماري लाम उठे अजकार हमारे ذا في مهن أك جلت سي بقادر ناج گئے آنکھوں میں نظارے آگے ہوستے جائیں کے ساتھی کاندھا جوڑے سیلم ابھارے هركي جب آزاد رقص کریں کے جاند الهکی لے کو کود میں سوتا رقص کریں کے بھاند سعاریے سرحون پهولي پهول يسقاتي کویا LINE گھول کے ہانی میں سابن کو أنكو مجولى للبديا كههاء

बाबादी है इनकी लॉडी उड़ने को तैयारे बोल का लेकिन पोल खिलाती काने सर्गे कसमें वेवारे काक सरीक्रों स्थे कुबकाया लाख जलन भी परके शारे गुपारा कारा करी सीवा है कोई भी इसकी लाख पुकारे ठाट पढ़े रह जाते हैं सब चल पड़ते हैं जब बनजारे मज़कूर इस पेट की खातिर हरप नये फनकार ने भारे भार बना और कोई नेप्कर कौर कमें कुछ राज दुनारे काल बुमनकड़ सममे लेकिन नाम न होंगे बर के सारे शहर आशीय- नदी नाले खुन की भैया श्रंगारे मे बोप खेतों जंग अजब यह जंग है साथी जीखे जीता हारा

मुलह की कीशिश अमन के जलसे डमडे हुए अमृत के धारे

> नाच गए कांखों में मजारे आने बढते जावंगे साथी कांधा जोने सीना होगी जब आजाद वह भूमि रक्स करेंगे जांद सितारे गायेगी के कर कोए में सोना रक्स करेंगे चांद किलारे सरसों फूबी कूब बसन्ती

जहन में एक जनत सी बनाकर

लोरी--मन्त्रे ध्यावे ध्याचे सोका सोजा बेरी गुहिया सुबह बलेंगे खेल किनारे घोल के पाची में सामून को

नसकी से झोड़ेंगे गुज्जारे स्रोजा सोजा मेरी गुड़िया बिडोले में पांत्र पसारे

भांस मिचोली नित्या सेसे माया यएकी मारे.

। जिल्हा 14

करवरी, सम '53

नम्बर् 2

لىپر 2

غرور**ي' سن** 53°

14 Alw

जात आदमी, प्रेम धर्म है, हिन्दुस्तानी बोली, ' 'नया हिन्दु' पहुँचेगा घर घर लिये प्रेम की कोली. جات آدمي' پريم دهرم چ'، هندستانی برلی' 'لها هند ' پهنچے کا گهر گهر لگے پريم کی جهولی ،

सब रंग

'वामिक्त' जौनपुरी

प्रजल रोज के हमदम शब के सहारे दलके आंसू टूटे तारे

इलके बांस् दूटे तारे नजरें मिल कर इट जाने में हो जाते हैं लाख इशारे

दूबती किश्ती देख के अकसर आंख चुरा लेते हैं किनारे फिर भी बचने वाले बचे हैं तुकां में मौजों के सहारे

'बामिक' जब मयुजाना अपना साक्षी साक्षी कौन पुकारे

वासोकत--

ग्रद्धत का पहसास क्रयामत

नंगे रह कर जी सकते हैं इट जायं यह भूक के मारे चन्द्र गुलाम आक्रा बन बैठे पाप यह सिर से कौन उतारे

सन्दा (ठवंग)— यह टोपी नेताओं की है सहस व बचा जिन के हरकारे - पूजी पतियों के हर पर में

परिवाद से पुर जन के हैं बदारी परिवाद से पुर जन के पिटारे बह जो चार्चे कर सकते हैं अबके खब कानून ज्यारे

سب رنگ

(اوامعی تجونهوری)

روز کے همدم شب کے سہارے قملکے آنسو ٹرٹے تارے نظریں ملکر هت جالے میں هو جاتے هیں لاکھ اشارے قوبتی کشتی دیکھ کے اکثر آنکھ چرا لیتے هیں کفارے

یہر بھی ہیچائے والے بچے میں طوفان میں موجونکے سہارے اور ان ان حاب میخاند ایقا سالی کون یکارے

اسوشت کا احساس قیامت جال جاتے میں روح آج آرے ننگے رہ کر جی سکتے میں کت جاتیں یہ بھوک کے مارے

چند فقم آقا بن بیتی پاپ یه سر سے کون آثارے

طفو (ویڈگ)--- یہ توپی نیتاؤں کی ہے۔ قصط ر وہا جلکے ہوکارے پونتھی پکیونکے کے ہو گھر میس

گونچائے ھیں انکے جدکارے بعد انکے جدکارے بعد اور بھارت کے جدن مقاربے برات ہے بدارے بعد بدر جاھیں کرسکائے ھیں ب

یه جو جاهین درسکتے هیں انکم سب قانون تهاری

"नया हिन्द्"

हिन्दुस्तानी कलचर सासाइटी

का

माहवारी परचा

هندستانی کلچر سوسائٹی ۱

ماهواری پرچا

فرررى 1953 ्फ़रवरी

| म्या | किससे | मका | Assk | _ | 2 | ه⊢ دس |
|------|---|----------|------|------------|--|------------|
| 1. | सब रंग (कविता)—'वामिक्र' जौनपुरी | | 1 | | سب رنگ (ئويتا)'وأمق، جونهوري | .1 |
| 2. | एक ही खयाल सब जगह—डाक्टर भगवानदास | | 3 | داس | ایک هی خیال سب جکهداکتر بهکوان | .2 |
| 3. | | | 9 | ••• | كوريادّاكدّر بهكرت سرن أيادههائے | .3 |
| 4. | हिन्दुस्तानी शब्दियात का तीसरा श्रमुल : बदलाव उच्चारन श्रीर श्राम तलक्ष्मुजडाक्टर जाफर | ब हमन | 15 | 513.4- | هددستانی شددیات کا تهسرا أسول- اُجتهارن اور عام تلدر-قافتر جافر هسن | .4 |
| 5 | बापू से — भगवानदीन | | 24 | | ہاپو سے۔۔۔ بھکواں دین | .5 |
| | प्रजातंत्र भारत में भाशावार प्रान्त— | | | | پرجانفتر بهارت مهن بهاشاوار پراست | .6 |
| • | मो. सत्यानारायन | | 28 | *** | مو . ستهم بارأثن | |
| 7. | वेदान्त कल्पान्त—नारायन प्रसाद जैन | | 37 | | ويدانت كلهانت—بارائن برساد جهن | .7 |
| 8, | | | 40 | | وة بهى كها تهي ^{اء} (كهاني)—بهكوان دين | .8 |
| 9. | भारत सरकार की पंचसाला योजना—डाक्टर | | | دائتر | بهارت سرار کی پلنے ساله یوجذا— | .9 |
| | सतीशचन्द्र | | 47 | ••• | ×هش چندر | |
| 1 | 0. भारत में अमरीकी क़दम—श्रोम प्रकाश संगल | i | 53 | | بهارت سهن امریکی قدم۔۔۔۔ ٔوم پرکاش سلکا | |
| 1 | 1. कुछ कितावें— | | 65 | | احه كتابهرك | .11 |
| 1 | 2. हमा री राय | | 67 | | | 1 2 |
| | लड़ाई के बादल-भगवानदीन, रेलवे दुर्घटनाएं | Ì | | | لوائی کے بادل۔۔بھگوان دین؛ ریڈوے | |
| | क्यों ?मुजीब रिजवी; नये ढंग का | | | | دركه تلاائهن كهون ؟منجهب رضوى ؛ | |
| | श्रगरेशनभगवानदीन. | | | | نَمُے دَعَدُک کا اگریشن-بهگوان دین . | ; |

क्रीमत-द्विन्दुस्तान में छै कपया सास, बाहर दस कपया مندستان موں چه رویه سال' باهر دس رویه साल, एक परचा दस आने.

> मैमेजर 'नया हिन्द्' 145, मुट्टीगंत्र, इलाहाबाव,

146' متهى كنج المآباه .



प्डीटर—ताराचंद, मगवानदीन, मृत्रुफ्फर इसन, विशम्भर नाथ, सुन्दरलाल الايتر--نارا جلد بهكوان دين مطعر حسن بهميهر ناته سندر الل नायब एडीटर—सुरेश रामभाई, मुजीब रिज़वी نائب اذبيتو سريعي رام بهائي متجهب رضوي

इस नम्बर के खास लेख

- ★ कंरिया—डाक्टर भगवत सरन उपाध्याय
 - 🖈 हिन्दुम्तानी शब्दियात का तीमरा अमृलं : बदलाव المبل : بدار المهل المجل ﴿ ﴿ ﴿ ﴿ الْمُعَالِينَ الْمُعَالِينِ الْمُعَالِينَ الْمُعَالِينَ الْمُعَلِّينَ الْمُعَالِينَ الْمُعَالِينَ الْمُعَالِينَ الْمُعَالِينَ الْمُعَالِينَ الْمُعَالِينَ الْمُعَلِينَ الْمُعَالِينَ الْمُعَلِينَ عَلَيْهِ عَلَيْكُ الْمُعَلِينَ عَلَيْكُونِ الْمُعَلِّينَ عَلَيْكُونِ الْمُعَالِينَ الْمُعَلِينَ عَلَيْكُونِ الْمُعَلِّينِ عَلَيْكُونِ الْمُعِلَّيْكِ عَلَيْكُونِ الْمُعَلِينَ عَلَيْكُونِ الْمُعَلِّينَ عَلَيْكُونِ الْمُعَلِّينَ عَلَيْكُونِ الْمُعَلِّينِ عَلَيْكُونِ الْمُعَلِّينَ عَلَيْكُونِ الْمُعَلِينَ عَلَيْكُونِ الْمُعَلِينِ عَلَيْكُونِ الْمُعَلِّينِ عَلَيْكُونِ الْمُعَلِّينِ عَلَيْكُ عَلَيْكُونِ الْمُعَلِينِ عَلَيْكُونِ الْمُعِلِينِ عَلَيْكُونِ الْمُعَلِّينِ عَلَيْكُونِ الْمُعَلِّينِ عَلَيْكُونِ الْمُعَلِّينِ عَلَيْكُونِ الْمُعَلِّينِ عَلَيْكُونِ الْمُعِلِينِ عَلَيْكُونِ الْمُعِلِينِ عَلَيْكُونِ الْمُعِلَّيِنِ عَلَيْكُونِ الْمُعِلِينِ عَلَيْكُونِ الْمُعَلِّينِ عَلَيْكُونِ الْمُعِلَّيْكُونِ الْمُعَلِّينِ عَلَيْكُونِ الْمُعِلَّيْكُونِ الْمُعِلِينِينِ عَلَيْكُونِ الْمُعَلِّينِ عَلَيْكُونِ الْمُعِلَّيْكُونِ الْمُعِلَّيْكِمِينِ عَلَيْكُونِ الْمُعِلَّيْكِمِينِ الْمُعِلِينِ عَلَيْكُونِ الْمُعِلَّيْكِمِينِ الْمُعِلِينِ عَلِينِ الْمُعِلِينِ عَلَيْكُونِ الْمُعِلِينِ عَلَيْكُونِ الْمُعِلِينِ عَلَيْكُونِ الْمُعِلَّيِنِ الْمُعَلِّيْكِمِينِ الْمُعِلِينِ عَلَيْكُونِ الْمُعَلِّينِ عَلَيْكُونِ الْمُعِلِينِ عَلَيْكُونِ الْمُعِلَّيِنِينِ عَلَيْكُونِ عَلَيْكُونِ عَلَيْكُونِ عَلَيْكُونِ عَلِينِ ع उच्चारन ऋौर श्राम तलफक्ता - डाक्टर नाफर हसन
 - 🛨 वह भी क्या थे ? (कहानी) भगवानदीन
 - 🖈 प्रजातत्र भारत में भाषाबार प्रान्त मो. मत्यानारायन
 - 🛨 भारत सरकार की पंचसाला योजना डाक्टर सतीश चन्द्र
 - 🛨 भारत में श्रमरीकी कदम—श्रांम प्रकाश सगल

हमारी गय-

- ★ लड़ाई के बादल—भगवानदीन
- ★ रेलवे दुर्घटनाएं क्यों ?—मुजाब रिजावी
 - नए ढग का एगरेशन—भगवानदीन

اِس نمبر کے خاص لیکھ

- 🚖 کوریا-داکتر بهکوت سرن آیادههائے
- ارد أم تلمز قائلر حافر هسن
 - ★ وه بهی کها ته ؟ (کهادی) -- پهکوان دین
 - ★ پرجاند بهارت میں بهاشاوار براست-مو . سعهه دارائق
 - 🛊 الهارك سركار كي يقيم ساله يوجقا— قائلر ستهش جلدر
- 🖈 بهارت مهن امريكي قدم-أوم پركاهي سلكل

- 🛨 لوائم نے بادل-بیکوان دین
- 🖈 ویلوپے درگھٹلانیں کیوں؟ --منجیب رضوبی
 - 🖈 دئے دَعنگ ؟ ادریشن بهکوان دیر



फ़रवरी فرورى 1953

क्रीमत दस माना

🗝 قهمت دسی آنه

नई किताब

ي کتاب

चाइना ट्रडे

लेखक - मृन्दरलाल

पहली अक्तृबर 1951 की नये चीन के लोकराज की दूसरी साल गिरह के मौके पर हिन्दुम्तान से एक गुड़िबल मिशन चीन गया था जिस के नेता पाड़त मृन्द्रलान थे.

इस किताब से त्रापको माल्म होगा कि इस मिशन ने चालीस रोज नये चीन में रह कर क्या क्या देखा और. श्राज का चीन कैसा है, किस तरह वहां से बेरदापन. भिक्रमंगी श्रीर वेरोज्जगारी की खत्म किया गया, किस तरह वहा के वेजमीन वाले करोड़ों किसानों को जमीन दी गई स्त्रीर नयं खेती सुधार कानून से चीन कैसे भिक्सोंगे से श्रमदाता बन गया. किस तरह श्रमरीका की नाके ननदी के बावजद उसने श्रपने उद्योग धन्दे श्रीर कल कारस्तान सभाल कर श्रपनं का स्वावलस्वी वना लिया, किस तरह अपने तालीम के नये ढग से प्राने पढ़े लिखों के दिशास फेर कर उन्हें दुक्तरन किया और देश में नई जान फक दी, किस तरह शही के नये कानन ने चीनी औरत के समाज के अन्दर मर्द के बराबर उज्जात की जगह दी, किस तरह बहां के नेताओं ने ईमानदारी, सादगी और जनना की सेवा के तीन उसलों पर चल कर देश के श्रन्टर से रिश्वत खोरी, काम चौरी और सीना जौरी खत्म की देश के पार्थिक संगठन की ठीक किया, वगैरा वरौग,

श्रगर श्राप विस्तार के साथ इन सवालों का जवाव पाना चाहते हैं श्रीर यह जानना चाहते हैं कि हिन्दुस्तान नये चीन से क्या सबक ले सकता है तो इस हिताब से श्रापका काफी सदद मिलेगी. साथ ही साथ यह किताब एक सकर नामा है जिस में चालीस रोज की डायरी के तरीन श्रीर विलवस्प हंग से दो गई है.

700 से जियादा सके, बढ़िया कागज, कपट़े की जिल्द, एक निरंगी श्रीर तीस एकरंगी तसवीरें, दो रंगीन नक़शों के साथ -दाम सिर्फ साढ़े सात कपये या 15 जिलिंग.

श्रपने यहां के बुकसेलरों से मंगाइये या हमें लिखये.

मिलने का पता -

मैनेजर, नया हिन्द, 145, मुद्दीर्गज, इलाहावाद.

چائنا ٿو ت_

لهكهك-سقدر لال

پہلی اکٹربر 1951 کو نئے چھن نے لوک راہ کی دوسری سالگرہ کے موقعے پر ہلدستان سے ایک گڈول مشن چھن کیا تھا جس کے نیٹا پلڈت سلدر لال تھے ،

اس کتاب سے آپکو معلوم ہوگا کہ اِس مشن نے چالیس روز لگے چھی میں رہکر کیا گیا دیکھا اور' آنے ک چین کیسا ہے' اس طرح وہاں سے ویشھاپن' بھکملکی اور پروورگارمی کو ختم دو آگها کس طرح وهال کے پرمهن والے کروڑوں کسانوں کو رمیون دیے کٹی اور نگے کھیتی سدھار قانوں سے چھن کیسے بہدمائکے سے آن داتا ہی کیا۔ کسطوم امریکه کی ناکےبلدی نے باوجود اُس نے اپنے ادديوك دهندے أور كل كارشانے سلمهال كر الع دو سواوامهی بدا لها کس طرح اید تعلیم نے بائے ڈیفدگ سے دالے پڑھے لکھوں کے دساغ بھیر در اُنہیں درست کیا اور دیش مهن دمی جان پهونک دی، کس طوب شادی نے دیے قانون نے چیلی عورت کو سماج نے اندر مرد کے برادر عوت نیجگه دی کس طرح وهار کے بهتائی نے ایمانداری سادئی اور جنتا کیسهوا کے تمن اصولیں ہو چل کو دیمی نے اندو سے رشرت حوری کام چوری اور سهقاروری حتم کی دیھی کے آرتیک سفکھٹی کو تھیک کیا ، وقیرہ وفیہ »

اگر آپ وسخار کے ساتھ اِن سوالوں کا جواب یانا چاھتے مفن اور یہ جانا چاھتے ھیں کہ ھفدنہاں نئے چھن سے کہا سبق لے سکتا ہے تو اس کتاب سے آپ کو کئی مدد ملیکی ، ساتھ ھی ساتھ یہ کتاب ایک سفر امم ہے حس میں جانیس روز کی قائوی بھترین اور دلتچسپ تھائی سے دی گئی ہے ،

700 سے ریادہ صفحے' بوھیا کافڈ' کپڑے کی جلد'ایک تبریکی اور تھس یکرنگی تصویریں' دو رنگین نقشوں نے ماتھ سات رہیئے یا 15 شلنگ .

افی بہاں کے بکسیاروں سے ملکاٹھے یا ہمیں لکہتے ۔

مللے کا پتھ—

ملهجرا نها هندا 145 مثهى كنم العآباد.

हिन्दुस्तानी कलचर सोसाइटी

هندستانی کلچر سوسائتی

मक्सद

- (1) एक ऐसी हिन्दुम्तानी कलचर का बढ़ाना, फैलाना श्रोर प्रचार करना जिसमें सब हिन्दुम्तानी शामिल हों.
- (2) एकना फैलाने के लिये किताबों, श्रखवारों, रिमालों धगैरा का छापना.
- (3) पढ़ाई घरों, किताब घरों, सभाद्यों, कानफरंन्सों, लक्चरों से सब धर्मों, जातों, विरादिस्यो और फिर्क़ों में आपस का मेल बढ़ाना

-:0:-

संासाइटी के प्रेसीडेन्ट-- मि० ऋट्दुल मजीद ख्वाजा, बाइस प्रेमीडेन्ट-- डा० भगवानदास ऋोर डा० ऋट्दुल हक गवरानिग बाडी के प्रेसीडेन्ट-- डा० भगवानदास, संकेटरी - प० सुन्दरलाल.

गवरनिंग बाडी के और मेम्बर—

डा॰ सैयद महमृद, डा॰ ताराचन्द, मोलवी सैयद मुलेमान नदवी, मि॰ मजर ऋली सोख्ता, श्री बी॰ जी॰ खर,पं॰ विशम्भर नाथ, महात्मा भगवानदीन, सेठ पृनम चन्द रांका, क़ाजी मोहम्मद ऋब्दुन राफ्कार और श्री ओम प्रकाग पालीवाल.

मेम्बरी के कायदों के लिये लिखिये--

मुन्दरनान सेकेटरी, हिन्दुस्तानी कलचर सोमाइटी 145, मुट्टीगंज, इलाहाबाद

नीट — सोमाइटी के नए क्रायदे के अनुसार मेम्बरी की फीस सिर्फ एक रूपया कर दी गई है. "नया हिन्द" के जो गाहक मेम्बर बनना चाहें उनको सिर्फ छै रूपया चन्दा देने पर ही मेम्बर बना लिया जायेगा. अलग से मेम्बरी की फीस देने वाले सोसाइटी की निकली हुई कोई किताब जो एक रूपया दाम की होगी मुक्त ले सकेंगे या ख्यादा दाम की किताबें लेने पर एक बार एक रूपया कम करा सकेंगे.

مقصد

- (1) ایک ایسی هندستانی کلچر کا نوهانا پههلانا اور پرچار کرنا جس مین سب هندستانی شامل هون .
- (2) ایکٹا پھیلانے کے لیے کتابوں' اخباروں' رسالیں وعیرہ کا چھابنا .
- (د) پڑھائی گھروں' کتاب گھروں' سمھاؤں' کانسرنسوں' لیکنچروں سے سب دھرموں' جاتوں' درادریوں اور فرقوں میں آپس کا مھل ہڑھانا۔

--:0:---

سوسائٹی کے پریسیڈنٹ۔۔مسٹر عندالمنجید خواحہ' وائس پریسیڈنٹ۔۔۔۔ڈاکٹر بھکوان داس اور ڈاکٹر عبدالندق ، کورنٹگ باڈی کے پریسیڈنٹ ۔۔ ڈانٹر بھکوان داس: سکریٹری ۔۔ پلڈٹ سندرلال ،

گورندگ ہاڈی کے اور ممبر __

قائقر سهد محصود؛ قائقر تارا چند؛ مولوی سهد سلهمان بدوی؛ مسقر ملطر علی سوخته؛ شری بی، جی کههر: پندت بشمبهر باته؛ مهاتما بهکوان دین سیقه یونم چند رانی؛ قاصی محصد عددالغفار اور شری اوم پرکاش پالهوال.

ممدوي کے قاعدوں کے لگے لکھگے ۔

سقدر لاآل

سكويگرى؛ هددستانى كلىچو سوسائلى؛ 115 ماتهى كليم؛ العاباد .

سوق سوسائٹی نے نئے قاعدے کے اسوسار ممدری کی فیس صرف ایک ررپمہ کردہی گئی ہے '' بیا ہند'' نے جو گاهک ممدر بنا چاھیں اُن کو صرف چھہ روپیہ چندہ دینے پر ھی ممدر بنا لیا جائیکا ، الگ سے ممدری کی فیس دینے والے سوسائٹی کی دکلی ہوئی کوئی کتاب حو ایک روپیہ دام کی ہوئی معت لے سکیں ئے یا ریادہ دام کی کتابیں لینے پر ایک بار ایک روپیہ کم کوا سکیٹگے ،

(7) इसी दरिमयान क्षे क्यीर ने कौज बुता की कौर सत्याप्रही पुलिस को घेरे में कर लिया और उससे हथियार रखवा लिये. साथ ही साथ उनकी पंचायत के दफतर को भी घेर लिया और उसके काराज अपने क्रवर्ज में कर लिये.

अब मदरास पर पुलिस की जगह फीज का पहरा है.

यह भी खबर मिली है कि जिस बन्नत पुलिस पंचायत घर पर घेरा डाला गया उस वन्नत पुलिस के कुछ चादिसयों ने ऐसे काम किये जो सत्यायह के दायरे में नहीं चाते और समराध के दायरे में चाते हैं.

इस बाखरी खबर को भी सन्व मान कर इम यही कहते रहेंगे कि मब्रास पुलिस का यह सत्यामह बाज तक के सब सत्यामहों से ऊंचे दरजे का सत्यामह था और ऐसा सत्यामह बा जिससे बहुत से लोग सबक्र ले सकते हैं.

पेसा लिखने के लिये हमारे मन ने हमें मजबूर किया और उसने यह कह कर मजबूर किया कि ऐसे मौके पर चुप रहना सत्यामही की स्प्रिट को बट्टा लगाना है. हमें अब ऐसा माल्म होने लगा है कि सत्यामह करना मामूली आदमी का काम नहीं, इसके लिये ताक़त, हिम्मत और त्याग की सब से जियादा जरूरत है. इनके बिना सत्यामह जैसा काम हो ही नहीं सकता. इनके साथ साथ और भी उने एरले के गुन हों तो कहना ही क्या. यह कह कर हम यह कहना बाहते हैं कि खाली उन्ने दरले के गुन वाले आदमी उन्ने दरने का सत्यामह नहीं कर सकते जब तक उन में ताकृत, हिम्मत और त्याम के गुन न हों.

हमारा दिल यही कहता है कि मदरास के पुलिस सत्यामिहयों से न मदरास राज को खतरा है, न भारत देश को, न किसी और को. अगर उन से किसी को खतरा है तो हुरामहियों को और उन को जो अन्याय पर कमर कसे हुए हैं.

इमें आशा है मदरास के पुलिस सत्याग्रही अपनी परीक्षा में पूरे उतरेंगे और आसरी दम तक अहिंसक बने हुए सचाई पर डटे रहेंगे.

12. 1. '53

—भगवानदीन

(7) اسی بوسیاں یہے ویوں نے فوج بھالی اور سکھا کرھی پرلیس کو گھیدے میں کرلیا اور آس سے عکھیار رکھوا لمکے ، ساتے ھی ساتے اُن کی یقتھایت کے دفار کو بھی گھور لیا اور اُسکے کافٹ آنے قبضے میں کر لگے ،

آپ مدراس پر پولیس کیجاته قوے کا پهرلا ھے ۔

یه بهی شهر ملی هے قدمس وقعه پولیس ینهایت گهر پر قههرا دالا گها آسوقت پولیس کے کچھ آد۔ هوں نے ایسے کام کئے جو ستیا ڈرہ کے دائرے میں نہھںآتے آور ایرادھ کے دائرے میں آتے هیں .

اِس آخری خبر کو بھی سے مان کر ھم یہی کہتے رھیں کے کہ مدراس پولیس کا یہ ستھا گرہ آج لک کے سب ستھا گرھیں ہے اونتھے درجے کا ستھاگرہ تھا اور ایسا ستھاگرہ تھا جس سے بہت سے لوگ سمق لے سکتے ھیں۔

أيسد لكهائد كے لكم همارے من لے هميان متجبور كيا اور أس تے يہ كہكر متجبور كيا كة ايسد موقعہ ير جب رها سخيا گرهي كى إسپرت كو باتا لغانا هے . هميان أب ايسا معاوم هوئے اللا هے لاء سخياگرہ كونا معمولي آدمى كا كم نہيں إس كے لكے طاقت همت أور تهاك كي سبس زيافيد هيووت هي أبن كے بنا سخياگرہ جهسا كام هو هي نہيں سكتا . إن كے سانه ساته أور بهى أونت درجے كے كن هوں تو كہنا هي كها جاهتے هيں كه خالى أونت هرج كے كن والے آدى أونت درجے كا سخياگرہ نہيں كو خالى أونت هرج كے كن والے آدى أونت درجے كا سخياگرہ نہيں كو سخيالى أونت هرج كے كن والے آدى أونت والے آدى أونت كے كي سخياگرہ نہيں كو سخياك أن مهن طاقت عمت أور تهيا كے كي لقا هوں .

همارا دل یہی کہتا ہے که مدراس کے پولیس ستیا گرهیوں سے نه مدراس رأج کو خطرہ ہے نه بہارت دیش کو' مه کسی اور کو اگر اُن سے کسی کو خطرہ ہے تو درا گرهیوں کو اور اُن کو جو اُنیائے پر کمر کسے ہوئے ہیں ،

همیں آشا ہے مدراس کے یولیس ستیاگرھی اپلی پریکھا میں پورے آتریں کے اور آخری دم تک اهلسک بلے هوئے سجائی پر تائے رهیں کے ،

-- بهگواندین

12-1-758

बाद जिल्हों सत्यामह बमल में बाप उन सब से बह सत्या-मह हमें जंभे दरने का जना. राजा जी, जो बाज उन मदरीस के बदे वजीर हैं, गांधी जी के साथ रह चुके हैं, सत्यामह की बच्छी जानकारी रखते हैं. उस जानकारी के बल पर वह मदरास पुलिस सत्यामह को शायद सत्यामह न कहें, पर उनकी यह बात हमारे गले नहीं उतरेगी क्योंकि वह जिस जगह बैठे हुए हैं वहां से मदरास पुलिस के सत्यामह पर ऐसा फैसला नहीं दे सकते जो सत्य की कसीटी पर सोलही बाने ठीक उतर सके. इसलिये हम मदरास पुलिस सत्यामह को इस बन्नत तक सब से ऊंचे दरजे का सत्यामह मानते रहेंगे जब तक इस से उंचे दरजे का सत्यामह इम को देखने को न मिले.

ऐसे अवसर पर राजा जी की जगह अगर हम होते तो सत्याप्रदी पुलिस के मुकाबले में कौज को बुला कर बही मानते कि हमारी सत्याग्रह की जानकारी का दिवाला निकल गया. हम यह सोचे बरौर हरगिज न रहते कि कल अगर कौज इसी तरह का सत्याप्रह कर बैठी तब हम क्या करेंगे और किसे अपनी मदद के लिये मुलायेंगे ?

हम तो अपनी जान को खतरे में डाल कर अकेले ही सत्यायही पुलिस के पास जाते और उन से हिश्वयार बापस मांग लेते. हमें उम्मीद है हमें हिश्यार बापस मिल जाते, हो सकता है, हमारी उम्मीद भूटी साबित होती. तब हम अपने को नालायक सममते और अपनी जगह अपने से जियादा भले आदमी के हाथ ताक़त सौंप देते.

पुलिस सत्यात्रह क्यों शुरू हुआ उस की जो सवरें हमें मिली हैं उस का खुलासा यह है :--

- (1) भदरास पुलिस की कुछ तकलीकों थीं उन तकलीकों को दूर करने के लिये उसने सरकार से लिखा पदी की लेकिन नतीजा कुछ न हुआ.
- (2) महरास पुतिस की एक पंचायत थी उस पंचायत को सरकार ने मानता दे रखी थी.
- (3) अब यह हुआ कि मदरास सरकार अनुशासन की कारवाई कर बैठी.
- (4) पुलिस की तकलीकों जब दूर नहीं हुई तो पुलिस ने एक नये दंग का सत्याप्रह कर दिया. उस सत्याप्रह का रूप यह था कि काम पर जाना, काम ठीक ठीक करना पर सनसा न लेना.
- (5) इस सत्याग्रह के बाद यह खबर मिन्नी कि मदरास के बड़े वज़ीर ने यह मान खिया है कि उनकी कुछ तकलीफें ठीका हैं और उनको दूर करने की ज़कर कोशिश की जायगी. प्रक्रिस को चाहिये कि वह अपनी तनका ले ले.

(6') कुछ पुक्तिस वालों ने चनका ने जी पर बहुतों ने

بعد جتلی ستهائرہ عمل میں آئے آن سب سے ان انگیائیہ میں ارتبے درجا جی، جو آج کل مدراس کے بجے رزیر میں گدھی جی کے ساتھ رہ جکے میں ستهائرہ کی اچھی جانکاری رکھتے میں ۔ اس جانکاری کے الل اور مدراس پرلیس ستیائرہ کو شاید ستهائرہ نہ کہیں' پر ای کی یہ بات مدارے گلے نہیں آئرے گی کیوں که وہ جس جکہ بہتے مورقے میں وماں ہے مدراس پرلیس کے ستمائرہ پر ایسا فیصلہ نہیں دے سکتے جو ستهہ کی کسوئی پر ایسا فیصلہ نہیں دے سکتے جو ستهہ کی کسوئی پر میلیو آئے ٹھیک آئر سکے ۔ اِس لئے هم مدراس پولیس مدولی پر سیمائرہ کو اس وقت تک سب سے اُرتبے درجے کا ستهائرہ مائٹے وہیں گے جب لک اِس سے اُرتبے درجے کا ستهائرہ مائٹے وہیں گے جب لک اِس سے اُرتبے درجے کا ستهائرہ مائٹے وہیں گے جب لک اِس ہو۔

م مو بالمهمور مو سامع مر .

الهمه أوسر پر وأجا جى كى جكه أكر هم هوتى تو ستهاكرهي پوليس كے مقابلے مهن قوج كو بالاتر يہى مائتے كه همارى ستهاكره كى جائكارى كا ديواله نكل گها ، هم يه سوچے بقهر هركز نه وهتے كه كل أكر قوج إسى طرح كا ستهاكره كو بيتهى تب هم كها كريس كے اور كسے أيقى مندن كے لئے باور كسے أيقى مندن كے لئے بالانى ئے ؟

هم تو اینی جان کو خطرے میں ڈال کر اکھلے هی ستھائرهی پولیس کے پاس جاتے اور اُن سے ہتھیار واپس مانگ لیتے ، همیں آ-ید ہے همیں هتیهار واپس مل جاتے ' هوسکتا ہے ' هماری اُمید جہوتی ثابت هوتی ، تحب هم ایل کو زالائی سمجھتے اور اینی جگہ ایلے سے زیادہ بھلے آدمی کے هاتو طاقت سونے دیتے ،

پولیس سعیاگره کیوں شروع هوا، اُس کی جو خبریں هیں اُس کا خاصه یه هے:--

- (1) مدراس پرلیس کو کچه تکلیدیں تھیں آن تکلیدوں کو دور کرتے کے لئے اُس نے سرکار سے لکھا پڑھی کی لیکن تعیجہ کچھ نہ ہوا ،
- (2) مدراس پرلیس کی ایک پنجایت تهی اس پنجایت کو سرکار نے مانتا دے رکوی تھی ،
- ُ (ُ 8) آپ یه هوا که حدراس سرکار انوشاسی کی کاروائی کر بهتھی .
- (4) پولیس کی تعلیتیں جب دور تبین ہوئیں تو پولیس دولیں تو پولیس نے ایک نئے ڈملگ کا سعیاکرہ کو دیا ، اُس بیعیاکرہ کا روپ یہ تھا کہ کام پر جانا' کام تھیک ٹھیک کرنا

ير تلطواه نه لهلا .

- (5) اِس ستھاکوہ کے ہمد یہ خیر ملی کہ مدراس کے بڑے رزیر نے یہ مان لیا ہے کہ اُن کچہ تعلیمیں ٹھیک میں اور اُن کو دور کرنے کی ضورر کوشش کی جائے کی پولیس کو جامئے کہ وہ ایلی تلضواہ لے لے .
- (6) کچھ پرلیس والیں نے تفتعواد نے لی پر بہتری نے نیمیں لی .

सबता क्योंकि इसके दिल में इनसाली मावना इस इट अट्ट सदी है. और वह नहीं चाहता है कि इनसाल हसी दिल्यों के इसकों में चले जायं. वह यह भी नहीं चाहता है कि चीनी कौदी फिद कम्यूनिस्टों के गुलाम बन लायं. इस उपकार के लिये वो चार लाख को सिर्फ गुलामी से बचाने के लिये वह रोख लाखों को बमों के घाट उतार देता है, नेपाम बम इस्तेमाल करता है, जरमीले बम फेंकता है. यह इनसान को बचाने के लिये हैं. इर है कहीं कम्युनिस्ट इनसानों को खा ब आर्थ इसलिये अमरीका खुद ही उन्हें क्यों न मुन है!

नतीजा

किसी ने ठीक कहा है कि नेक नियती से लोग दोष स का रास्ता तैयार करते हैं. हिन्दुस्तान ने सचमुच तैयार कर दिया है. मुलह तो नहीं हो सकी लेकिन जंग के बढ़ने का पूरा स्नतरा पैदा हो गया है. अपने कारनामें की तारीक करते हुए पंडित नेहरू ने भी इस स्नतरे को माना है. आह्वन हावर ने कोरिया का दौरा स्नतम कर लिया है. सेकार्थर ने पसान किया है कि उनके पास जंग स्नतम करने का पक नया प्रोप्राम है. मेकार्थर का प्रोप्राम सारी दुनिया जानती है. आह्वन हावर ने तार दे कर उस प्रोप्राम की तकसीक्ष मांगी है. मेकार्थर और चांग काई रोक की पाबरदस्त दोस्ती है. यह प्रोप्राम इसके सिवाय कुछ नहीं है कि चांग काई रोक समरीकी मदद से चीन पर हमला कर दे और आह्वन हावर का साब पूरा हो—"पिश्रया बालों को आपस में ही जंग करने दी."

सुताह का दो ही आधार है. एक तूर पूरव से बाहरी देशों की कीर्ज इटाई जायं, अमरीकन सियोत की हिफाजत करने के बजाय वाशिंगटन को रक्षा करें, कोरिया से दोनों सरफ की कीर्ज वापस चली जायं. दूसरे, चीन को उसकी काह यूनो में मिले. सरकारें चाहे मानें या न मानें लेकिन काता की बाबाज उठाना चाहिये और अपनी अपनी सरकारों को मजबूर कर देना चाहिये कि वह मानें जनता की बाबाज में बहुत तकत है!

10, 1, 58

.—मुजीब रिज़बी

मदरास पुबिस सत्वापह

किसी भामह को हर भावनी हर तरह सत्वाधह नहीं कह सकता. किसी गरम बीच को भी कव हर भावनी हर सामने हर सामने हर सामने हैं हैं जो की भी के कर कही जायगी साम किसी ठंडी चीच को सामने रख कर कही जायगी. सामने ठंडी चीच भागे से चिमाया गरम चीच के सामने ठंडी यह जाती है. इस ववील को भ्यान में इस कर हम मदरास की आपका के सामने ठंडी के आपका के सामने ठंडी की जाती है.

سات کوران کے اسان میں انسانی بیاونا کوی کارت کو اسان ووسی درندوں کے قبضہ میں جانے ہوں ، وہ یہ بھی درندوں کے قبضہ میں جانے ، وہ یہ بھی انہوں جانوں ، وہ یہ بھی غلم بی جانوں ، اس ایکو کے لئے دو جار الکو کو صرف خاص سے بچانے کے لئے وہ ووز انہوں کو بموں کے کہائ آتاو دیاتا ہے نہام ہم استعمال کوتا ہے جرمیلے بم بھیلکا آتاو دیاتا ہے نہام ہم استعمال کوتا ہے جرمیلے بم بھیلکا ہے ، انسانی کو بچانے کے لئے ہے ، اور ہے کہیں کمیونہ کو بھی انہوں کو کہی تہ بھونی دے ا

لتهجم

کسی نے تھیک کہا ہے کہ نیک نیتی سے لوگ دورخ کا راستہ تھار کرتے ھیں ، ھلدستان نے سے میے تھار کر دیا ھے ، صلح تو نہیں ھو سکی لیکن جلگ کے بوطئے کیا ھرا خطرہ پیدا ھو گیا ھے ، اُنے کارنامے کی تعریف کرتے ھوار نے کوریا کا دورہ ختم کر لیا ھے ، میک آرتور نے اُمانی کیا ھے کہ اُن کے پاس جلگ ختم کرنے کا ایک نیا پروگرام کی قامی ہوارگرام کی تفصیل مانکی ھے ، آگران ھاور نے راتور نے اُن کی میک آرتور کی تفصیل مانکی ھے ، آگران میک آرتور چانگ کائی شیک کی زاردست دوستی ھے ، اُگران میک آرتور چانگ کائی شیک کی زاردست دوستی ھے ، اُن میک اُن شیک میں مدد سے چھین ہو حملہ کر دے آور آگران ھاور کا میواب ہورا ھو۔"ایشیا والوں کو آپس میں ھی جنگ کرنے دو۔"

صلع کا دو هی آدهار ہے ، ایک دور پورب سے باهری دیھوں کی قوجوں هقائی جائیں' امریکن سوؤل کی حفاظت کرنے کے بجائے واشلگائن کی رکھا کریں' کوریا سے دونوں طرف کی فوجوں واپس جانی جائیں ، دوسرے' جین کو آسکی جاند یونو میں ملے ، سرکاریں جاند مانے یا نے مانیں لیکنی جاند کو آواز آنیانا جاهئے اور ایلی ایلی سرکاروں کو مجھور کر دیدا جاهئے که وہ مانیں ، جاندا کی آواز میں بہم طاقعہ !

سسمجهب وقنوى

10-1-'53

مدراس يوليس ستياكره

کسی گرد کو هر آدسی هر طرح ستیاکرد نهیں کے
سکتا ، کسی گرم بھیو کو یہی کپ هر آدسی هر حالت
میں گرم کہتا ہے ، هر بھیو جسب کرم کہی جائے گی لب
کسی البلگس جیار کو ساملے وقیاد کی جائے گی ، گرم
بھیو گیا ہے وقافہ گرم جھیو کے ساملے ٹیلنگس رہ جائی ہے ،
آرس جائیل کو دھیاں میں رکیاد هم مدراس براہس

ं जन्होंने बहा है कि जंगी हैवियों के केम्पों में बमरीकी काफी जुरुम कर रहे हैं. अखनारों से उनकी इस बात का संबंद मिलता है. भजीब मजाक है कि भमरीका वाले जिस केल्य के बारे में यह कहते हैं कि यह लोग चीन लौटना नहीं चाहते उन्हीं कैन्पों पर उन्हीं टैन्कों से गोली बरसानी पहती है. अमरीका इस बात पर जोर इसलिये दे रहा है ताकि वह चीनी सिपाहियों को बद्दिल कर सके. सरदार की जीत और हार सिपाहियों के बल बूते पर होती है. एक सिपादी के हित के लिये सरदार खुद क़रवानी करता है. कम से कम पूरवी देशों की यही प्रथा रही है. फिर यह कैसे हो सकता है कि माओ तसे तुंग तो अमरीकी सदर से हाथ मिलायें, डिनर उड़ायें और बेचारे सिपाहियों को अमरीकनों को सौंप दें. अगर चीन वाले इस बात को मान लेते तो यह बड़ी फलील इरकत होती. हमें खुशो है कि उन्हें अपनी जनता का बेहद खयाल है और उन्होंने इस बक्त इमारे पुराने उसूलों को निमाया है. अकसीस की बात है कि भारत इस पुराने उसूल को न निभा सका.

अमरीका और भारती ठहराव

अमरीका का कहना है कि चीनी और उत्तरी कोरिया के जंगी कैंदी अपने अपने देशों को अपनी मरजो के खिखाफ न भेजे जायं. भारत के ठहराव ने इस बात को हु-बहू मान लिया. अमरीका का कहना है कि पहले जंगी कैंदियों की रिहाई का मसला तय हो और फिर आरजी सुलह हो भारत ने यह भी मान लिया. हम यह विश्वास से नहीं कह सकते कि भारती ठहराव मेनन के बजाय एचीसन का तैयार किया हुआ था लेकिन ठहराव देख कर ऐसा शक फक्कर होता है.

स्ती सूरत में इसे अमरीका को मानना ही चाहिये और रूप और चीन के लिये इसकी मुखालकत करना आवश्यक है.

इस सम्बन्ध में अमरीका के अधिकारी दो बातें कहते हैं। एक यह कि स्टालिन चाहता है कि लहाई जारी रहे और अमरीका और उसके साथी छाटे छोटे राष्ट्रों से लहकर कमजोर होते रहें और वह खुद रूस की फीजी ताक़त को मखबूत करते रहें. कहने का मतलब यह है कि अमरीका शान्ति चाहता है और रूस जंग, मामूली अक़ल का आदमी भी पूछेगा कि फिर जान बूक कर अमरीका स्टालिन का बिक्सीना क्यों बना हुआ है । क्या वह इतना मोला है । जो बाह्य स्टालिन करवाना चाहता है वही अमरीका कर रहा है, अमरीका को चाहिये था कि वह हर सूरत में लड़ाई कन्द कर हैता, अपने क्याओं के लिये पहरी था कि वह इस के ही सुमाब को यूनी में मान लेता. लेकिन अमरीका के ऐसा नहीं किया और अवह करेगा, वह बेसा नहीं कर

آنھوں نے کہا ہے کد جاتای قیدیوں کے کیمھوں میں المريعي كافي ظلم كر رهم هيل ، المهاورن سر أن كي إس باب كا ثبرت ملتا ير مجهب مؤال يد كه أمرايكه والد جس الهدي كے بارے ميں يه كہتے هيں كه يه لوگ جين ليقنا نبين جاهت أنهين كيمين ير أنهين تهلكون س گوای برسانی پوتی هے . امریکه اس بات پر زور اِس لماء در والله و الكه والم مهاهدون كويد دل كر سكم . سردار کی جہت اور هار سهاههوں کے دل بوتے در هوتی هے. ایک سیامی کے عت کے لگے سردار شود قربانی کرتا ہے . غم سے کم پورنی دیشوں کی یہی پرتھا رهی ہے، پہر یہ کیسے هو سکتا ہے که ماؤنسے تلک تو آمریکی صدر سے هاتھ ملائیں؛ قنر أواليس اور بهجاوے سياهيوں كو أمريكتوں كو سونت ديس ، الرجهين والي إس بات كو مان لهترتو ية بوى دالهل حرکت هوتی ، هموں خوشی هے که آنهوں ایلی جلتا کا ہے حد خیال ہے اور اُنہوں نے اِس وقت همارے پرائے اصلین کو تعمایا ہے . انسوس کی بات ہے کہ بھارت اِس **یوانے اصول** کو ناء نبھا سکا ،

أمريكم أور بهارتى تههرأؤ

امریکه کا کہنا ہے که چینی اور اُتری کوریا کے جنگی قیدی اپنے اپنے دیشوں کو اپنی مرضی کے خلاف نه بهہجیم جائیں ، بہارت کے انہوراو نے اس بات کو هو بہو مان لیا، امریکه کا کہنا ہے که پہلے جنگی قیدیوں کی رهائی کا سیکله طے هو اور بہو فارضی صلح هو ، بہارت نے (یہ بهی مان لیا ، هم یه وشواس سے نہیں کہ سکتے که بہارتی تهہواؤ مینی کے بجائے ایجسن کا تیار کہا هوا تھا لیکن قہراؤ دیکیکر ایسا شک فررو هوتا ہے .

ایسی صورت میں اِسے آمریکه کو ماندا هی چاهئے اور روس اور جهن کے لیئے اِسکی مطالفت کرنا آوشیک ہے .

إس سبهده میں امریکہ کے ادھوکاری دو بالیس کیتے ھیں: ایک یہ کہ استالی چاہتا ہے کہ لوائی جاری رہے اور امریکہ اور اسکے ساتھی چھوٹے چھوٹے راشتروں سے لو کر کمزور ھوتے رھیں اور وہ خود روس کی فوجی طاقت کو سفیدہ کوتے رھیں ۔ کہتے کا مطلب یہ ہے کہ امریکہ کا آدمی بھی پوچھے کا کہ بھر جان بوجھکر امریکی استالیں کا کہلونا کیوں بنا ھوا ہے؟ کیا وہ انقا بھولا ہے ؟ جو بات استالیں کورانا چاھتا ہے رھی امریکہ کو رھا ہے ۔ امریکہ کو رہا ہے ۔ امریکہ کو بھا کہ وہ ھر صورت میں لوائی بند کو بیت ایسیال کو یونو میں مان لیتا ۔ لیکن امریکہ نے ایسا تیہی کو بیتو میں امریکہ نے ایسا تیہی کو بیتو میں مان لیتا ۔ لیکن امریکہ نے ایسا تیہی کو بیتو کیا اور انہ وہ کرے کا ۔ وہ ایسا تیہی کو بیتوں کیا گیٹی کو ایسا تیہی کو تیہیں کو ایسا تیہی کو تیہیں کو ایسا تیہیں کو تیہیں کو ایسا تیہیں کو

वारसाई की समिध में जिस बात पर बमल करने के लियें जोर दिया गया है उसी.का जिसर यहां भी है. इसी कनवेनहान के 118 वीं क्या में लिखा है कि जैसे ही जड़ाई की सरगरमी सास हो वैसे ही जंगी क्रेंदी रिहा कर दिये जायं. वह बंधान आरफी सुलह के सिलसिले में बण्द होने वाली लड़ाई के सम्बन्ध में लागू नहीं हो सकता. शायव दूसरी जंग के बाद नतीं जो के बाधार पर यह बण्धान बनाया गया है. जरमनी, जाधान और इटली ने बिना शर्त के हथियार डाल दिये और लड़ाई बण्द हो गई. हांलांकि इस बात की उन्मीद नहीं रह गई थी कि लड़ाई फिर शुक्त हो. फिर भी कई साल तक पारटियों में कोई सिन्ध नहीं हुई.

"यह सारी बातें चाहे किताबी बकवास माल्म होती हों कैंकिन आज अन्तर राश्ट्री कानून में इतना घपला है और बह इस डांबाडोल हालत में है कि टरमों के इस्तेमाल को ले कर उसमें और घपला फैलाना अच्छा नहीं लगता."

कानून शास के इस पंडित के खत से पता चलता है कि अब तक का रिवाज यही रहा है कि पहले आरजी सुबह हो और फिर सिंग की जाय. जंगी कैंदियों की रिहाई का सवाल सिंग का पक अंग होना चाहिये न कि सिंग उसका एक अंग बना दी जाय. इस तरह हम देखते हैं कि इस इनसाफ की तरफ था और भारती ठहराव ने सर्वें बात ठुकरा कर तैर जानिबदारी के फर्ज से मुंह मोंडा है.

ः चीन और भारती ठहराव

भारती ठहराब को पहले रूस ने मानने से इनकार किया और उसने यह भी बताया कि बीन भी इसे नहीं मानेगा, इस बात को ने कर भी खूब प्रचार किया गया है कि बीम बही सब करता है जो रूस कहता है बानी चीन क्रम का गुजाम है, यह बात सोचने की है कि बीन ऐसी हालत में क्या कर सकता था. उसका कोई प्रतिनिधि अम-रीका बाले यूनो में नहीं बाने देते. फिर बगर उसने अपने पक्ष दोस्त के जरिये बपनी बात कहताई तो इससे यह बैसे सिक्क होता है कि वह रूस का गुजाम है.

आहरी ठहराब की कापी चीन सेजी गई थी. उसका जबाब बड़ां के बड़े बजीर चू पन लाई ने दिया है. उनके जबाब में अपने पक्श की मजबूती है, इनसाफ की गरज है और साथ ही साथ सहयोग की भावना है. यह कह सकते में चूंकि वह यूनों के मेन्बर नहीं हैं इसलिये उनके लिये यूनी का ठहराब गैर कानूनी है. उन्होंने यह नहीं कहा बल्कि इस ठहराब के मानने पर जो असरे सामने आवेंगे उनका उन्होंने जिकर किया है और बाद में शान्ति कायम करने के लिये अपने सुमाब दिये हैं. यह सुलह चाहने बाते की वात है संबाई जारी रसने बालों को नहीं. پارسائی کی باندون میں جس بات پر عمل کولے کے لگا اور دیا گیا ہے آسے گا دکر بجان بھی ہے ۔ اِس کلویھی کے 138 بیل دور دیا گیا ہے آسے کا دیکے سرگرمتی ختم هو ریسے هی جنگی قیدی رها کر دیگے جائیں ، یہ بندهان عارضی صلح کے سلسلے میں بند هو شکتا ، هوئے والی کوائی کے سمبنده میں لاکو نہیں هو شکتا ، شاید دوموں جنگ کے بعد کے نتیجوں کے آدمار پر یہ بندهان بنایا گیا ہے ، جرملی جایان اور آتای تے بنا شرط کے متبیار قال دیئے اور لوائی بند هوگئی ، حالانک شرط کے متبیار قال دیئے اور لوائی بند هوگئی ، حالانک اِس بات کی آمید نبیس وہ گئی تھی کد لوائی بھر شروع ہو بھر بھی کئی سال تک پارٹیوں میں کوئی سندهی نبید ہوئی ۔

⁷⁹ یہ ساری باتھی جاھے کتابی بکواس معلوم ہوتی ہیں لیکن آج انتو رافقری قانوں میں اتنا گیولا ہے اور وہ اس ڈانوا ٹول حالت میں ہےکہ ترموں کے استعمال کو لے کر اس میں اور کہلا پیلانا انہیں لکتا ۔"

قانون شاستر کے اِس پنترت کے خط سے پتھ جاتا ہے اور پہر سلام اور پہر سلامی کے جاتا ہے اور پہر سلامی کی جائے ، جائی قیدیوں کی رہائی سوال سقدھی کا ایک انگ ہونا جامئے نہ کہ سقدھی اُس کا ایک انگ بھانے ، اِسطرے هم دیکھتے دھی کہ روس انصاف کی طرف تھا اور بھارتی تھیجاؤ نے اُسکیبات بھیراؤ نے اُسکیبات بھیراؤ کے اُسکیبات بھیراؤ کے اُسکیبات ہون کے فرض سے مدہ مورا ہے ،

جهن اور مهارتی تهمراه

پھارٹی تھپراؤ کو پہلے روس نے مائٹے سے انکار کھا اور اسی نے ہے بھی بٹایا کہ چھوں بھی اِس نبھی مائے گا۔ اِس اِبات کو لے کر بھی خوب پربھار کھا گھا ہے کہ چھوں روس گا فلام بھے ، یہ بات سوچھے کی ہے کہ چھوں ایسی حالت میں کیا کو سکتا تھا ، اُس کا کوئی پرتھلدھی اُمریکہ والے یونو مھی اُبھی آخریکہ والے یونو مھی اُبھی بات کوست کو دوست کے فریمہ اُبھی بات کوست کے فریمہ اُبھی بات کھیے سدھ ھوتا

بھارتی بھہوڑو کی کابی جمین بھمجی کئی نہی ، اُس کا بہوات ہوں ، اُس کا بہوات وہاں کے بورے وزیر بھو این قانی نے دیا ہے، اُن کے بھراپ میھون اور باتھی کی مقبوطی ہے ' انصاب کی کرچ نے اور بساتھ عی ساتھ سپھوک کی جہارتا ہے ، وہ کہ سکتے ہے بہونو کے سمجے نہیں میں اُس لک اُن کے لئے بہونو کا بہون اور کے ساملے اُن کے لئے بہون کیا لئے اُن کے بہون کیا اُن کے بہون کیا گیران کے بہون کیا اُن کے بہون کیا گیران کے بہون کیا ہے اُن کو بہون میں شائمی آئمی گیران کے اُن کے بہون کیا ہے اُن کے بہون کیا ہے اُن کے بہون کیا ہے اُن کے بہون کی باتھی اُن کے بہون کی باتھی اُن کی باتھی باتھی اُن کی باتھی اُن کی باتھی باتھی باتھی اُن کی باتھی ب

"特别"

समास की पहले रका और लड़ाई के जन्म करने के सवास को बाद में. इस्त में बादा का कि लड़ाई के जन्म का समास पहले जीर फिर बाद में हैदियों के बदलाब का सवाल जाए. न जाने क्यों भारत ने इस मासूस सुमाद को क्यों नहीं माना ! तीसरी कमजोरी यह थी कि जंगी कैदियों का बदलाब यूनो की मातहती में होने वाला था. ज्यान रहे कि यूनो खुद एक पारटी है और उसी के नाम पर अमरीका कीरिया में लड़ रहा है, फिर कोई पारटी कैसे जज बन सकती है.

. रूस ने ठहराव क्यों नहीं माना

रूस ने भारती सुमाव को नहीं माना. चीन ने भी नहीं माना. हमें यह सोचना चाहिये कि आखिर उनके इनकार में कोई तत्व है या नहीं. इस सम्बन्ध में खरूरी है कि इंगलैंड के मशहूर वकील लार्ड सायमन के खत को हम पढ़ लें. वह लार्ड चान्सक्षर भी रह चुके हैं. पहली दिसम्बर 1952 को उन्होंने 'टाइन्स' में नीचे दिया खत खिसा थाः

"अगर हम आरजी मुलह का यह एक असूल मान लेते हैं कि हर आरजी मुलह के बाद सारे जंगी क़ैदियों की रिहाई का अधिकार है तो अन्तर राष्ट्री क़ानून में काफी अपला मच जाने का हर है. कोरिया के सम्बन्ध में यह आधार यादे ठीक हो लेकिन आम तरीक़ से आरजी मुलह के बाद ऐसा कभी नहीं हुआ. आरजी मुलह का मतलब यह है कि ज़ब्ने वाली ताक़तों में लड़ाई बन्द कर देने का समम्मौता हो जाय और बाद में बह पूरी शान्ति क़ायम करने के लिये रास्ते निकाल सकें. मिसाल के तर पर हम पहली जंग के बाद जरमनी की आरजी मुलह को ले तें. इसमें जंगी कैदियों की रिहाई की शर्त नहीं थी. असल में आरजी मुलह का मतलब यह नहीं है कि कुछ दिनों के लिये शान्ति क़ायम हो जाती है क्योंकि दोनों तरफ लड़ाई की परिस्थित उसी करह बन रहती है, केवल गोले बाख़द नहीं कुटते.

"जब आरजी सुजह हो रही है तो उस समय भी जंगी केंदियों की रिहाई के सबाज पर सममीता हो सकता है. लेकिन आम तरीक़े से यही होता है कि संधि के समय ही इस सबाज को इस किया जाता है बारसाई संधि को ही ते लेकिन जंगी केंदियों जोर सिविज्यिन केंदियों की रिहाई असत में आनी वाहिये. यह काम बहुत तेजी से होना चाहिये. इसके बाद एक कमीशन के मुकर्रर करने का बन्धान है जो दिहाई को अस्य अमल में सा सके.

ा 1949 के जिलेश कर्मनेगशन के जिस मारा का सम्बन्ध जंगी केंदियों के साथ क्योहार करने से हैं उसकी 75 वी वृक्ष में विकार है कि सम्बन्ध के बाद जिल्ली जन्मी सुमक्ति हो सके संग्री केंदियों की दिहाई असल में लाई बाय. سوال کو پہلے رکھا اور کوائی کے انس کرتے کے سوال کو پہلے ہوں ہے جاھا تھا کہ لوائی کے انس کو پہلے کے سوال انس کا سوال کی پہلے ھو اور پھر بعد میں قیدیوں کے بیناؤ کا سوال آئے، نہ جائے کیوں بھارت نے اِس معصوم سجھاؤ کو کیوں نہیں مانا ! تیسری کمزوری یہ تھی که جنگی قیدیوں کا بداؤ یونو کی مانجیکی میں ھوتے والا تھا ، دھھاں رہے کہ یونو خود ایک پارٹی ہے اور اُسی کے نام پر امریکہ کوریا میں لورھا ہے' بھر کوئی پارٹی کیسے خمیم بن مکتی ہے ،

روس نے ٹھہراو کھیںتہیں مانا

روس نے بھارتی سجھاؤ کو ٹھیں ماتا ، چھن نے بھی نہیں ماتا ، چھن نے بھی نہیں ماتا ، ھموں نے بھی نہیں ماتا ، ھموں نے انکار میں ماتا ، ھموں نہیں ہوں اس سمبلدھ میں ضروری نہے کہ انگلیفلڈ کے مشہور وکیل الرق سائس کے خط کو ھم پوھ لیس ، وہ الرق چانسلر بھی رہ چکے ھیں ، پہلی دسمبور 1952 کو آنہوں نے انانس میں توجے دیا خط لکھا تھا:

ور چب عارفی صلع هو رهی هے تو اُس سمہ بھی جنگی قیدیوں کی رهائی کے سوال پر سمجہوتہ هو سکتا ہے ، لیکن عام طریقے سے بھی هوتا هے که سقدهی کے سبے هی اِسِسوال کوجال کیا جاتا ہے ، وار سالی سقدهی کو هی لیسینے ، اِسکی دفعہ 214 میں لکھا ہے : اِس سقدهی کے بعد فرراً جنگی قیدیوں کی رهائی عمل میں آئی چاهئے ۔ یہ کام بہت تھڑی سے هوتا چاهئے ، اِس کے بعد ایک کمیشن کے مقرر کرنے کا بقدهان ہے جو رهائی کو جلد عمل میں الا سکے ،

آ1949 کے جلورا کلویشن کے جس بہاگیا سمیدہ جلکی 1949 کے جلاوی کاروں جلکی 75وں کے مالہ بیرهار کرتے سے قد آسکی جلادی سالی درمانی میں لکھا ہے کہ سالدھی کے بعد چلائی جائدی سالے جائے ، هو سکے جائلی قالی عالی میں اللہ جائے ،

السوس في المسوس في المساور الور عوس الموالي المالية ا

هم إن آدهاروں پر كه سكتے ههن كه بهارت بچولك کا دومرا فرفس بھی نہیں تبھا سکا : ایک یه که جھوں ارر کوریا سے ہورمی بات کرکے نہ تھھراؤ رکھا گھا اور نہ ھی امریکی مستجهاوں کو مانعے سمر چھن اور روس سے دائد لی گئی ، بھارت کے ادھیکاریوں نے بھی اِس بات کو سویکار کیا ہے کہ پونو میں چین کے پرانیقدعی کی فیر حاضری کی وجه سے پیرا مشورہ چھی سے نہیں هوسکا ، دوسرے یہ نه جب بهارت کو معلوم هوگها که چهن اور اُتری کوریا والے اُس کے تھیراو کے آدھار پر صلمے کرنے کو تھار تبھی ھس تو أس ابد الهبراو كو وايس له ليلا جاها لها اور يمر يات جهت کرکے درسرا تهہراو الله جاهائے لها یا جب بیٹھ جانا جاهيًے تها ، يحورلك كا كام هے ايسے نقطے دهونده نكالما جس پر دونس پارتی راضی هو جانهن . اُس کا کام تهیواؤ ياس كرأنا نهين هي ليكن نه جاني كيون بهارت ني بَسِرِلِيُ كَي هَيِثْهِت جِهِولَى كَو أَيك يَارَثِي كَي هَيِثْهِت اختیار فرلی اور تهبراؤ کے پاس هونے یا ته هونے کے صوال كو أيلى هار أور جيمت سمجه بهاها .

تهيراو کي کمورويان

پیرے قیبراو کی بنیاد لیک تبیارر باقی سب تنصیلی چھڑوں تھیں ، وہ بنیاد یہ تھی کہ چیکی اور ادری کورنا کے اُس جنگی لیدنیوں کا بدالو نہ کیا جائے جو جھن ، اُور کوریا نوٹنا نہیں چاہتے ، یہ بات امریکہ دعراتا ہے اُور یہی اُس کا یکھی ہے ، اُمریکی یکھی کو پوری طرح بھارت نے مانی لیا یہ بات میں اُن تیاد نہیں جیسکتی تھی باکہ دومرے اوری کے بات سمجھوڑی کا تیادہ نہیں جیسکتی تھی باکہ دومرے اوری کے بات اور امریکی یکھیار جائز، اِس تھوڑی کے بیموری کی بات اور امریکی یکھیار جائز، اِس

पूरा न कर सका. हमने पंडित नेहरू और दूसरे फिन्मेदार सारती नेताओं के बयानों को गीर से पढ़ा है. कहीं यह पता नहीं पताला कि किसी भी हालत में नया चीन ने ठहराव को स्वीकार किया हो. किसी बात को मान कर मुकर जाना बहुत बड़ा पाप है. तोस्ती में तो यह चीज विश्वास्थात के अपराध के बराबर है. लेकिन चीन ने ऐसा कोई अपराध महीं किया. हिन्दुस्तान ने एस से मश्वारा किया कि वह कोरिया में शान्त लाने के लिये कोशिश करना चाहता है. चीन ने इस कोशिश की सराहना की और पूरी तरह सहयोग हैने का बचन दिया. लेकिन उसे यह पता नहीं था कि यह कोशिश किस आधार पर होगी. अफसोस है कि भारत ने अमरीका के सामने अपने युदने टेक दिये और अपने ठहराव में तबदीबी कर ली. ऐसी हालत में ठहराव को मानने से इनकार करने का चीन को पूरा अधिकार था.

इस इन बाधारों पर कह सकते हैं कि भारत विचौतिये का इसरा कर्ज भी नहीं निभा सकाः एक यह कि चीन और कोरिया से पूरी बात कर के न ठहराव रखा गया और न ही अमरीकी क्षमाओं को मानते समय चीन और इस से राय ती गई. भारत के आधिकारियों ने भी इस बात को स्वीकार किया है कि बूनों में चीन के प्रतिनिधि की रौर हाजरी की कजह से पूरा मशबरा चीन से नहीं हो सका. इसरे यह कि जब भारत को मालूम हो गया कि चीन और उत्तरी कोरिया वाजे उस के उहराव के आधार पर सुलह करने को तैयार नहीं हैं तो उसे अपने ठहराब को बापस ले लेना चाहिये वा और फिर बातचीत कर के दूसरा ठहराव काना चाहिये था या चुप बैठ जाना चाहिये था. विचौतिये का काम है ऐसे मुक्ते ढंढ मिकालना जिस पर दोनों पारटी राषी ही आयं. वस का काम ठहराव पास कराना नहीं है. लेकिन स जाने क्यों भारत ने विभौतिये की हैसियत और कर एक पारटी की हैसियत अकियार कर ली और ठहराव के पास होंसे या न होने के सवास को अपनी हार और जीत समम बैठा.

टहराव की कमज़ीरियां

पूरे ठहराब की जुनियार एक थी और बाक़ी सब संस्थीली बीजें थीं. वह जुनियाद यह थी कि बीनी और इसरी कोरिया के उन जंगी कैंदियों का बदलाव न किया जाय की बीन और कोरिया लौटना नहीं बाहते. यह बात सम्मरीका दुहराता है और यही उसका पक्या है. कमरीकन पक्या की पूरी तरह भारत ने मान खिया. फिर सुलह की गुंकावड़ा कहां रह जाती है. यह बात सममौते का नुक्ता नहीं हो सकती थी बल्कि दूसरे करीक के पक्या को जूटा उद्यान या और अमरीकी पक्स को जावजा. इस ठहराब की दूसरी कमजोरी यह थी कि इस ने कैंदियों के बयुलाव के

विश्वस्तान को गाती है दहा मा वही पूसरे विकास दोतों की वारीक करते नहीं सकता था। यहां तक कि न्यूयाके दाइन्स ऐसे हिन्दुस्तान विरोधी अमरीकी अखबार ने भी मारत सरकार की नीचे जिसे शक्यों में तारीक की :

"हिन्दुस्तान के सामने तीन रास्ते थे--एक ठहराव मे तबदीली करके उसे बोट के लिये रखा जाय, दूसरे तबदीली करने से साफ इनकार कर दिया जाय और तीसरे ठहराव को वापस ने लिया जांय, कैसला बहुत मुश्किल था क्योंकि हिण्दुस्तान को रौर जानिबदारी और विचौतिये की दैसियत की बोड़ कर साफ साफ कम्युनिस्टों के खिलाफ खड़ा होना पदता लेकिन भारत ने हिम्मत से काम लिया बोट के नतीजे से साफ जाहिर है। 54 ने पक्छ में बोट दिया. नैशनलिस्ट चीन ने बोट नहीं दिया और इसी गुट के पांच पेशों ने मुखालिकत की "

न्युयाकं टाइन्स और उसकी विचार घारा वाले दूसरे देशी और विदेशी अखबारों ने भारत सरकार की तारीफ के पुत्र सिर्फ इसीलिये बांधे हैं क्योंकि भारत ग्रैर जानिवदारी और विभौतिये की हैसियत को छोड़ कम्युनिस्टों के खिलाफ खड़ा हुआ। या वसरे शब्दों में यं कहिये कि खामोश लड़ाई में हिन्दुस्तान ने अमरीका को अपने कन्धे पर बन्तूक रख कर छुड़ाने दिया और हारी हुई बबाई में एक

भगर हिन्दुस्तान विचीलिया नहीं रह गया, अगर इसने रीर जानियदारी छोड़ दी, अगर वह अमरीका का दोस्त बन गया तो जाहिर बात है कि रूसी गुट बाले उस पर विश्वास नहीं रख सकते. भारत की नियत पर भी अगर वह हमले करते हैं तो उन्हें पूरा हक है.

क्या हिन्दुस्तान ग़ैर जानिक्दार नहीं था ?

समरीकी पंक्रा वाले इस संबंध में हिन्दुस्तान को अपने पक्या में गिनते हैं और रूस के इनकार को अपनी जीत सममते हैं, रूसी गुट भी इस बात की ताईद करता है. लेकिन हुने खुद ठंडे दिल से सोचना आहिये कि हिन्दुस्तान ग्रेर जानिकदार रह सका या नहीं और उस ने विचीलिये के फर्ज को निमाचा यह नहीं हमारा जवाब है कि हिन्द-स्तान अपने प्रज् को नहीं निमा सका. क्विंतिये और वह भी रीर जानिवदार विचीलिये के दो फज़े होते हैं. एक यह कि वह इस बात का सही अन्याचा लगाप कि उस सास मार्ग में जियावती किस की है, और दूसरे यह कि वोनों पार्टियों से बात चीत कर के एक पैसा समाव रखे कि जिस पर दीनी राजी हो जार्य. पहला कर्ज हिन्दुस्तान ने सहीं निभाया और वह निभा भी नहीं सकता था. वह खुद ऐसी जल या जो उत्तरी कीरिया बालों की क्रम्रकार उहरा पुका है इस पर इस जोर नहीं देतें लेकिन यह बात भी पुक् विश्वीतिये के सान और उस के फैसले की बहमियत की बहुत क्रम कर देती है

هلنسافان الله الله وها تها وهي دوسون دن أيزو الوالوالين -كن تعويف الكرية فهوس المكتا لها . يهال لك كه لهيهاؤك البائس ايميي المنسجان ورودهي أمريكي أغبار لم يهي بهارت سركار كي تهني لكي هيدس مين تعريف كي :

أتعدد ایک تهوال مهن لهديلي كرك أب ورف كي لكر ركها جائر اليسري تهديلي كرن س صاف الكار كو ديا جائد أور تهسرے قهراؤ کر واس نے لیا جائے ، فیصلہ بہدی مشکل تھا کھونکہ هقهستان کو فهر جانب داری لور بحولیے کی حیثهم کو جهرو کر صاف ماف کیهونسٹاری کے شاف کھوا ہوتا۔ ہوتا لیکن بھارس نے هست سے کام لیا ۔ روت کے تتہجے سے صاف همر ۾ : 54 نے پانھي مهن ديا , نيشلست جهن نے ورته نهمن دبیا اور روسی مت کے پانی دبیموں نے متعالقت

تهويبارك تائمس أور أسائي وجاوأ دعارا واله دوسريم دیشی اور ردیشی اخماروں نے بہارت سرکار کی تعریف کے پل مرغب أسى لكر بالدي ههل كيولكه بهاوت فهر جالهداري اروا بحولتے کی حیثیات کو جوور کمیونسٹوں کے خاف کیوا ہوا ۔ یا درسرے شہدوں میں یوں کیٹے که خاصوش، لوائي مهور هددستان نے امريكة كو الهر كندي يو بددوق رکھ کو جھٹوانے دیا اور عارم ہوئی تواثی میں ایک دقعه پهر آس سائنس لهلي ١٤ موقع مل كها .

اگر هفت معان بحورلها نههن ره گها اگر اُس نے غهر جانبهداری چهور دی؛ اگر ره امریکه کا دوست می گها .تو طاهر یات ہے که روسی کت والے اُس پر وهواس تهیں وکھ سكتير ، يهارت كي نيمعا پر يمي اكر ود حمل كرتے ممن تو آنهيون پورا ڪي هه .

کها هندستان فهر جانبدار نیهن تها ؟

إمريكى يكش واله إس سمهلده مهن هقدستان كو ائے پکش میں گلائے عیں اور روس کے اُنکو کو اُپلی جیمت سنتهملت هيں ، روسی مُث بھی اِس باسا کی تاثید کرتاھے۔ الهامي هميس كود الهلق دل س سوجةا جامل ك هدستان فيرهانسيدار ره سكا يا نهون أور أس له بچیانگے کے قرضی کو تبتهایا۔ یا انہیں ؟ همارا جواب ہے که هندستان اله قرض كو تهم تمها سلا ، يجوليُّه اور وا بھنے عیر جانب دار بحولکے کے دو فرنس دوتے میں ، لیک ية كه ود إس بات كا محديم الدارد لتأثير كد أس خاس جهاور میں ویادتی کس کی هے اور دوسرے یہ که دونوں بازتهورس باس جهت کوکے ایک ایسا سجهای رکھ که جس ور دولس راهي هو جائهن . يها قرض ماندستان ال ليهن نهايا أور ود نبهه بهي نهين سكادا تها . ود خود أيسا جمع تها جن أتوى كوريا والوس كو تعيوروار تهدرا جهاه . احي ير هم ژور آنهيان ديات ليکان په بات بيمي ايک بجولگر که، مان آور آس کے فیصلے کی اہمیت کو بہمت کم گردیاتی ہے ۔

हिन्दी का क्रियुक्तानी का ही बोबन होगी, बीन्क विवान की माठवी कहरिस्त में गिनाई हो बीको भाशामी के सहार से जपने को माला माल करेगी. और तब ही वह रास्ट भाशा कहला संकेगी."

. हम सत्य नारायन की की इस बात से पूरी तरह सहमत हैं, और इमें विश्वास है कि विकास के हिन्दी विरोधी सममे जाने बाले माइयों के विकार भी इससे मिन नहीं हैं. जावरवकता केवल हमारे अपने जपने विखों की क्या करने की है.

5, 1, '53

सुन्दरकास

भारत का शान्ति उहराव

दुनिया की भाग जनता भाग तहाई से नकरत करती है. सबाई का बाताबरन पैदा करने वाले प्रचार के बीच जब उसे शान्ति की बाबाज सनाई देती है तो वह शाशा भरी निगाहों से छान्ति प्रचारक व्यक्ति या देश की तरफ हें जी तयती है. भारत ने जब इस बात का एखान किया कि बहं कीरिया की लढ़ाई के अन्त के लिये एक सुमाव रखेगा से दुनिया की आम जनता ने उस को क्याई दी. हम आरतवासी तो ऋजे नहीं समाते थे. हमारी वजह से शान्ति क्रायम हो जाय यह कोई क्रम गर्व की बात न थी. संक्रित इमें भी निराश होना पड़ा और दुनिया की भाग जनसा भी निराश हो गई.

जब किसी चीप को पाने की पानरदस्त खाहिश होती है और यह नहीं मिल पाती को हम व्याक्रत से हो बठते हैं. विव कारतों से इम नाकामयाव होते हैं उनकी परचा होती है और तरह तरह की वार्त निकल पहती हैं. मारत के शामित ठडराव की नाकासयावी पर जब इस मोटे तरीक्रे कें सीचते हैं तो एक ही बजह समक में बाती है. बगर सारी ग्रह के देश भी इस उद्दाव को मान लेते तो शान्ति कहर फ़ाब्स हो जाती. और इस बात को मानने का फ़ररी स्तीजा यह निकलसा है कि अमरीकी गुट कोरिया की सन्दर्भ खराम करना चाहरा है लेकिन रूसी गुट लड़ाई को करी रक्ता पाइता है.

का से कम बोदी देर के किये भोती जनता के दिमारा में बह स्वास करूर बगंद कर गया. अमरीकी प्रचार ने बीह होगाना, हिन्दुस्तान के काकी असवारों ने तेस हारे सीर प्रतिहित्स लिखे. सब का सार वहीं वा कि रूती बुद के केल शानित नहीं चाहते. कामोरा तदाई में असरीका की सह बहुत नहीं जीत की और इस जीत का पूरा सेहरा

क्रिक्स्वान के सर है.

्रिनुत्वान प्री तरिक्र को अधिकार श्रेष पण दिन प्राते एक नेहरू और

حقين. أردو عقيستال لا هي سنتم عبلي بنايه وتعلي لن الهورس فهرست مون فعالى حولى توريدون بماغاون لل بهلدار سے اور در مال کرے کی اور تب سی وہ واغلر بهاها كيلا سكر عي ال

هم سُتُهِ تَارَالُنِي وَى لَى إِسَ بِأِنْ بِدِ يُورِي طَرْح سهمت هين اور هدين وغواس ۾ که هکين کے هلابي وروبھی معص بوائے والے بہالیوں کے وجار بھی اس سے نهي لهو هيل . آرشكها كيول هماري أبي أبي دلول كو يوا عرف كي هم .

بسملمر لال:

5-1-33

بهارت كاشانتي تهراؤ

دنها کی فام جَنَتَا آج لوائی سے نفرت کرتی ہے ۔ لوائی الا والاوران يددا كرل وال درجار ك بدي جب أس عالعي کی آواز سفائی دیتی ہے تو رہ آھا بھری تکاهوں سے شاتعی پرچارک ویکٹی یا دیمی کی طرف دیکھی لکھی ہے ۔ بهارت لل جب آس باس كا أمان كها كه ود كوريا كلي لوالي ك ألت ك الله ايك ستيهاو ركف كا تو دنها كي مام بمدتا لے اُس کو بدهائی دی ، هم بهارت ولسی تو پهولے تهیں سمائے تھے . طماوی ونیم سے فاتعی قائم ہو بتائے یہ کوئی كم كرو كي يات تهي ، اليكن همين يهي دراهي هوتا يوا ارر دنها کی عام جلتا یمی دراش هرککی .

ا بھپ کسی، بھوڑ کو پائے کی زبردست بخواهش هوتی فے اور وہ نہیں مل پاتی تو هم بھاکل سے هو اُٹھتے هیں . جي كارتون سر هم تاكاميات هوته هيل أن كي جوجا هرتي ھے، اور طوح طوح کی ہاتھی نکل ہوتی میں ، بہارت کے شائعی آلیهواو کی ناکامهایی پر جمیه هم سرته طریعی سے سونهائے هوں تو ايک هي۔ وجه سنجه مهن آتي هے . اگر ورسى علماء كے فيص بھى إس تهمراؤ كو مان ليتے بو شانتی شروز قائم هو جاتی. اور اِس بات کو ماتله کا فرروى بعيجه يد تعلعا ه كه إمريكي. كت كوريا كي تواثي لفتم کولا جاهتا ہے لیکن روسی کت لوائی کو جاری رکھتا

اللم يد عُمْ تَهِرِينَ عَيْرِ فِي أَيْدُ لِهُمْ اللهُ عَنْدُا كَ دَسَاعٌ مِنْنَ يه عيال مروز معد كو قيا . امينكي مرجار له ادر ليفيا . هديشاني كے الى المهاروں في ادعو جمال لور المتباليول لکھے ایس کا سار یہی تھا کہ پوسی گنے کے دیش شائعی ليون جامع . خاموم لوالي مين امريكه يه بيست على جيت الفي أور أس حست كا يورا سورا هدمتان كے سر هيد

A. Land B. C. Commission of the Commission of th

والمنافق والمن المكت عن المالي لك المهال الد

केन्स सरकारी पहलू से नहीं, तो समा देश की बहुत ही काम की सेवा करेगी. दक्किम भारत के लोगों के गर्लो से बगर हिन्दी पार्यरदस्ती उतारी गई तो हमेगा इस बात की सम्भावना रहेगी कि लोग उसका विरोध करें. बर मुके पूरा विश्वास है कि बगर हिन्दी की जानकारी उसके कलचरी यानी सांस्कृतिक पहलू और सांस्कृतिक कायदे को सामने रख कर फैलाने की कोशिश की गई तो लोग इसे बहुत पसन्द करेंगे. कुछ भी हो, हिन्दी अंगरेजी की तरह कोई विदेशी भाषा नहीं है. एक और मिसाल लीजिये. हमारे देश के लोग लगभग एक सौ बरस से योरपी संगीत सुनते आ रहे 🐉 फिर भी योरपी गाने हमें कभी पखन्द न आए. वह इसरे यहां न फैल सके. पर इस सब रीज देखते हैं कि सदरास प्रान्त के हर हिस्से में बोटे बोटे लड़के और लड़कियां तक आ जा कर रोज ताजे से ताजो हिम्द्रस्तानी फिल्मी गाने गाते रहते हैं. इससे पता चलता है कि उत्तर और दक्किन की बोलियों और कलवरों में बनियादी तौर पर कोई दुशमनी नहीं है. मैं आशा करता हूँ और सुमे डम्मीद है कि यह सभा, बिना जबरदस्ती के और बिना सरकार का सहारा जिये इस सारे प्रान्त भर में हिन्दी को फैताने की और जियादा कोशिश करेगी,"

CONTROL OF THE STATE OF THE STA

भी राजमझार के भारान से इमने जान बुम कर इतना लम्बा हिस्सा नक्कल किया है. उनकी बातें उत्तर और दिक्खन रोनों जगहों के हिन्दी प्रेमियों के लिये ध्यान देने की हैं. दिक्खन में लाखों हिन्दू और मुसलमान उद् बोलते हैं. उनमें सैकड़ों बल्कि हजारों ही उद् के अच्छे बिदान, लेखक और किये भी हैं. तमिल, तैलिग्, मलयालम और कमड़ का तो वह घर ही है. यह सब भाशाएं बहुत उझत भाशाप हैं. खार इन सब की मदद से दिक्खन के हिन्दी सेवक रास्ट्र भाशा हिन्दों को माला माल करने, बढ़ाने और सजाने की कोश्चिश करेंगे तो हमें इस में कोई सन्देह नहीं कि दिक्खन भारत उसी तरह इस देश की आगे की रास्ट्र भाशा हिन्दी का जन्म स्थान और गहवारा साबित होगा जिस तरह वह धान से कई सी बरस पहले खड़ी बोली रेक्सा का जन्म स्थान रह चुका है.

इस में कोई शक नहीं कि व्विखन के दिन्दी सेवक और हिन्दी प्रचारक खुपचाप जाने वाले रास्ट्र की सच्ची तामीर में लगे हुए हैं. मदरास हिन्दी प्रचार सभा के मंत्री बी संस्थारायन जी ने बात करते हुए हम से कहा—"हम वृक्तिन वालों ने हिन्दी को रास्ट्र भाशा और रास्ट्र एकता के माम पर अपनाया था. फिर जब हिन्दी उर्द का मगड़ा चला तो हमने हिन्दुस्तानी को वोनों के संगम के रूप में अपनायां, और अब हम ने हिन्दी को फिर विधान की बन चाराओं के सहस्रकार 'हास्ट्र भाशा के रूप में अपनाया है, जिन में साक कहा गया है कि शस्द्र भाशा हिन्दी न केवल المول بودالها بها الهادي الواسطوا هاهي كي المدال ا ليلين کے آليل سے اکو ملدی زيرمستی اُناوی کای عبر همههم اس باس على سنبهاؤنا ره كي كه لوگ أس كا وُرُودُھِ کُریں یہ ہر صحیہ ہیرا وقواس ہے کہ اگر ھفدی کی خوالكارى أسكم كالمجرس يزملص السكرلك يهلو أور سالسكرلك اقائدے کو ساملے رایکو پھھالے کی کوشھی کی گئی الو لوگ اور بهبت بسفد کرین کے ، کچھ بھی هوا هفتی انكيوي كي طرح كولى وديشي بهاها نهيل ۾ . أيك آرو مَقَالَ لِهِ لَهِ مَارِدُ دَيْقَ كَ لُوكَ لَكَ يَهِكُ الكَ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّه شو پرس سے یورپی سلکیت سلکے آ رہے عیں ، پہر بہی البوراني کالے همهن کمهی پسلد ند آئے' وہ ممارے یہاں ند پهیل سکے . پر هم سب روز دیکیتے هیں که مدراس پرائنگ کے هر حصيہ مهن جهوالہ جهوالہ فولے آور لوکھاں تک اً جا کر روز تازے سے تازے هلدستانی فلمی کالے کاتے وهتے نفینی ، اِس سے پعد جلعا ہے که آثر اور دنیوں کی بولیوں آور كلهرون مهى يثيادي طور ير كوئىدشملىتهه ه ، مهن أَعْا كُرِنا هِي أَيْرِ مَصِي أَمِيدَ هِي لَهُ بِهُ سَهِهَا * يَمَا وَبِرِدُسِكِي كر إور يدا سركار كا سهارا لكر إس ساري يوانت بهر صهن مَلَّذِي كُو يَعِيدُكُ كَي أَوْرُ رُيانِهُ كُوشِش كَارِي كَي . "

The state of the s

قری راے ملفار کے بہاھن سے هم لے جان ہوجہ کر الفا لمبا حضہ نقل کیا ہے ۔ ان کی باتوں اور اور دائوں دواوں جگہر کے مقدی پرینیوں کے لئے دھیان دیئے آی مھیں دواوں جھی الکوں جھی دواوں مسلمان اردو پولتے ھیں ، ان آور کری بہی ھیں ۔ تل' تیڈاڈ مقیارہ کے اچھے ودواں لیک کا اور کری بہی ھیں ۔ تل' تیڈاڈ مقیارہ اور کلفز کا آو را گھر فی سب بیافائیں بیت انقت بیافائیں ھیں ۔ اگر ای سب کی مدد سے دائوں کے مقدی سیوک راشار بیافائی گی سب کی مدد سے دائوں کے مقدی سیوک راشار بیافائی گی نے میں کرئے بوھائے اور سجائے کی کوشش کریں گئے تو ھیک اس دیش کی آئے کی راشار بیافا عاشی کا آئی طرح اس دیش کی آئے کی راشار بیافا عاشی کا جام استمان اور گھوارا گابت ھوگا جس طرح را آج سے آئی سو پرس پہلے کہری بولی ریشات کا جام استمان را

اِس میں اولی شک نییں کہ دکین کے مقدی سیوک اور مقدی پرجارک جب جاپ آلے والے واشار کی سچی افعین میں ایک معین میں لکے مولے میں ، مدراس مقدی پرجار سیوا کے امالاری شری ساتھ ناوائن جی نے بات کرتے ہوئے ہے سے کیا۔ اُلی مائی وائیں نے مقدی کو واشار بھاتا اور واشاری اُلیکا کے نام پر ایقایا تھا ، پہر جب مقدی آردر اُل جیاوا بھاتا ہو اور ایک میں آبایا اُلیکا کے دام کے مقدی کو بہر ودعان کی آن معاراورں کے اُلی معاراورں کے دویا میں ایقایا ہے جن میں میں میتا کیا گیا ہے کہ واقار بھاتا ہاتھی نہ کیول میں میتا کیا گیا ہے کہ واقار بھاتا ہاتھی نہ کیول

पंच कारने यह है कि हिल्दी में संस्कृत शैक्षी की शान और इसके वैभव के लिये भी जगह है और इसमें कारशी के सरीके संगीत मरे कोमल शब्दों और महावरों के लिवे मी गुजावण है. युमे हिन्दी इसलिवे पसन्द है क्योंकि उसमें यह संचीकापन है. इसी सचीसेपन बोर बावाजों के उसार वर्षांव के कारन उसमें सब तरह के भाव और नाजक से माचक समात जाहिर किये जा सकते हैं. यह एक बाज कत की जिल्हा जवान है जो वह सकती है. मेरी यह राज है कि चनार इस देश में कोई भाषा ऐसी है जो कभी कम से कम क्रम कार्मों के लिये सारे देश की भाशा का काम दे सकती है तो पह हिन्दी है. विधान की दक्त 351 में साफ बस्तवा यया है कि हिन्दी का यह काम क्या है. दक्ता 351 में जिस्सा है कि विन्दी की एक ऐसा माध्यम बनना है जिसके करिये भारत की मिली जुली कंजवर के सब बंग और सब हिस्से चाहिर हो सकें: हिण्दी का यही पहतू सुमे सबसे विवादा विकास लगता है. हिन्दी का दूसरा पहल है कलग अलग सुवों के बीच या तुनों और यूनियन सरकार के कीक दफ्तरी पत्र व्यवहार के काम में आना. किसी भी रास्ट के भीवन में ग्रह एक बहुत ही छोटी सी बात है, करोड़ों जनता में से फ़ितने हैं जिन्हें इस एफ़्तरी पत्र व्यवहार से काम पढ़ता हो. हम से पृक्षिये तो यह पत्र व्यवहार किसी भी भाशा में हो हुने कोई परवाद नहीं। सुने कोई एतरावा नहीं बगर हर सुबा बपनी ही सुवाई आशा में चिट्टियां मेजे और उसके साथ जो भी सरकारी माशा हो उसमें चिट्ठी का चलुवाद साथ लगा विया करे. होटे से स्विटकरलैन्ड में कई सरकारी भागायं हैं. प्रक्षियों बहां की संघ सरकार के चलाने में कभी कोई बहुत क्यी कठिनाई नहीं चाई. लेकिन में यह प्रकर मामता हूँ, लोगों के विसासी पर इसका बहुत बढ़ा असर पड़ता है और यह क्षेरि असूरी जीवा है कि कोई न कोई एक इस तरह की जाशा होती बाहिये जिस में यूनियन भर के सन परे लिखे लोग एक इक्षरे से बापने अपने विचार प्रकट कर सर्वे और सक एक दसरे से बोब सकें. मिसात के किये बारा सभायों के मेंक्द्र राजकाकी और समाजी काम करने वाले, साहित्य-कार, कलावन्त, साक्ष्म्सयां, व्योगरी, यानी वह सब लोग जो या तो जपने सुने से बाहर देस के दूसरे सुनी ने जाते काल सहते हैं, या फिल्हें अपने कारबार में व्सरे स्वाँ के कोशों से बारता पहला है, इन सब लोगों की जनकी तरह क्रिक्शी आणी चाडिये. सचसुच इसी से मारती राष्ट्र बीर आहरी केवलर की बुलियादी एकता का संयास सोगों में बैतिका प्रशाने प्रमाने से क्षम पदे लिखे लोग बहुत कम बे संस्कृत सामा के सकते मिलाप रखती थी चौर भारत की ब्राजियांकी पहला की मकट करती थी. बाज हिन्दी कहीं काविक संस्था तरा वह कार्य दे सकती है. यह सभा सगर क्रम पहला से दिन्दी की जानकारी संग ठरफ कैसा सके.

أيك كاري يه يد كا عليني مين سلسارت فياي كي قالي اور أس كا ومبدو كا لله يهي حالة فد اور أس مدن قارسي کے سریلے سلکھمٹ بھرے کودل فیشوں اور مصاوروں کے لله يمي گلنجالفي ۾ . معود هلدي اِس لگ يسلد ۾ قيونكه أس مهل يه لنشيالين هي أسي لجهايين أور آوازوں کے اتار چوفاؤ کے کاربی اُس مھی سب طرح کے بھاؤ اور نازی سے نازک خیال طاهر کئے جاسکتے هوں . یه الیک آے کل کی زندہ زبان ہے جو بود سکتی ہے ، مهری يه واله هر كه اكر إس ديش مين كوئي بهاشا أيسي هـ جو کیھی کے سے کم کچھ کاموں کے لائے سارے دیھی کی بهاشا کا کام دیے سکتی ہے تو وہ ہلدی ہے ، ودہان کی دفعه 351 میں سائے بٹایا گیا ہے۔ که هفدی لا یه کام کیا هے دفعہ 351 میں لکھا ہے که هندی کو ایک آیسا مادھیم بلکا ہے جس کے ذریعے بہارت کی ملی جلی للحور کے سب انگ اور سب حصر طاهر هوسکوں، هلدی کا یہی پہلو معمیر سب سے زیادہ اُچھا لکتا ہے ، هندی كا دوسراً يهلو هم الف الك صوبون كر اهي يا صوبون أور یرئین سرکار کے بیچے تفعری ہٹر بھوشار کے قام مھی آیا ۔ کسی بھی راشٹر کے جدری میں یہ ایک بہت هی جورتی سی بات هے ، کرروں جلتا میں سے کتلے فیں جلیوں اُس دقال پاتر بهوهار سے کام ہوتا هو . منجه سے بوجها توایه پاتر بهوهار کسی بهی بهاشا مهی هو مجھ کوکی هرواه نيهن. منجه كرئى أعدر أفل نهين أكر هر ضويه ايتى هي صوبائي بهاشا میں چھٹیاں بھیجے اور اُس کے ساتھ جو بھی سرکاری بهاها هو أس مهر جهنتي كا أنواد نماته لكانبياكري، جهول س سركتورلهدى منى كلى سرفاري بهاهالهن هين براس سرهان سلكه سراار كرجلانه مهركبهم كولى بهت كالهدالي نهيس آلي. الهندي مهل يه فرور مالتا هول الركول كے دماقوں ير إس کا بیمت ہوا اگر ہوتا ہے آور یا ہوی ضروری چیز ہے کہ کوٹی ند کوئی ایک اِسطرے کی بھاشا هوئی جاهائے جس میں یولیوں بھر کے سب ہوھ لکھ لوٹ ایک فرسرے یہ آتھ الله وجهار پرکت کو سامین آور سب ایک دوسرے سے اول بنگیر ن مٹال کے لگے فعارا سبھاؤں کے ممبرا راہے کاجی اور مماجي کام کرتے والے ساعاته کار کاونت، ساتنس دان بهيهاري يعلى ولا شب لوك جو يا لو أله صوب سه قاهر دینی کے درسریے مزاہل میں جاتے آئے روائے دیں یا يعقيهن أله الزيار منهي هوسرت ضويين كي لوكون بي وأسط يونًا هِ أَن سِب لُولُون كُو أَجِعِي طَرِح عَلَّدِي أَني جِاعِكُم . سے سے اِسی سے بہارلی واشار آور بہارلی للجو کی اُلھائی المعل و المال لواول ميل معلى ١٠ يول وما ي موري يري ليم لوك يهند كم ك مليكون بهاها أن سير كو معل کیتے ہیں آرر بیٹرٹ کی تنہادی ایکٹا کو پرکٹ کرنی فهرير أي هلعن كيون أدعك أجهر طرورة كم در ستكلى هـ. یه میها کر سیهاویدهای کی جانکاری سیطرف پیها سکے

जानका है. यह भी सच है कि विकास में हिन्दी के जिलाक सामना मौजूब है. पर इस मनमुदाय की जिल्मी कितानी विकास में कुछ भारतों की कमितामी पर है वस से कहीं अधिक उत्तर के कुछ हिन्दी पेमियों की ना समभी और इस्ता पर है. हिन्दी विदोधी आन्योतन के सब से बढ़े नेता भी रामास्वामी नायकर इमारे एक पुराने मित्र और पुराने देश मकत हैं. त्राहानों के बढ़प्पन के बह सिखाफ हैं. इमने उनका यह बयान पढ़ा है कि अगर जात पात की अस नीय का सायाल इमारे राष्ट्र के जीवन से बिलाइल जाता रहे और सारह आंधा का विकास वितायल गांधी जी की बताई राह वस हो तो यह पूरी तरह उसके साथ हैं. इाल में उन्होंने हिन्दी प्रचार सभा के काम की तारीफ भी की है. इसे विश्वास है कि अगर इस प्रेम और समक से काम लें तो राष्ट्र भाशा के विरोध के यह बादल सारे भारत से बहुत जल्द छटते हुए विसाई दें.

हिन्दी प्रचार समा मदरास के सन 1952 के पहची दान समारोह में भाशन देते हुए मदरास के गवनर जी प्रकाश जी ने सभा के संचालकों और काम करने वालों से कहा था—"यह एक बहुत कड़ी और सक्वी कात हैं कि आप ने राष्ट्र भाशा के जारिये देश को एक करने का सपना इस समय देखा जब कि चारों तरफ अंधेरा वा और जब अभी कोई यह अनुमान भी नहीं कर सकता था कि विदेशी सरकार इमारे देश से हट आयगी. यह कोई छोटी बात नहीं है. अपने इस आदर्श पर आप मजबूती के साथ जमे रहे उस तक पहुँचने के जिये आपने बने बने त्याग किये और अधिक से अधिक मेहनत और कोशिशों की."

श्री प्रकाश जी ने इस बात पर मी जोर दिया कि हिन्दी प्रवाद के रास्ते से ककावटों को दूर करने की असल जिस्मेदारी हिन्दी बोलने बालों पर है, और उन्हें इस काम में महारमा गांधी के से बड़े दिला, मेल और प्रेम से काम लेना चाहिये. उन्होंने यह भी कहा कि उत्तर भारत के इर आदमी की अपनी माशा के साथ साथ कम से कम एक माशा विकलन की भी अच्छी तरह सीसनी चाहिये, जिससे एक दूसरें की सममें और एकता बदें.

भी राजगोपालाकारी ने बिल्ली पार्तिमेन्ट में ठीक कहा था कि—"मैं सकाई और अभिमान के साथ दावें से यह कह सकता हूं, कि भारत की किसी और एक संस्था ने राद्र भाषा हिन्दी की फैलाने और बढ़ाने में इतना काम नहीं किसा जिसना सबरास की विकास भारत हिन्दी प्रचार सका में.

26 अर्गेल सन 1952 को समा के राजा जी होस्टल को बोलते हुए मदरास के विद्याल बीफ जस्टिस भी पी. बी स्वयंत्रकार ने कहा था:

प्रक्रियों भाषा सने की कारने से व्यारी लगती है.

مقدی پرچار سبها مدراس کے سن 1952 کے پدری مان سباروہ سبس بهائیں دیکے ہوئے مدراس کے گورنر قری پرگاھی جی نے سبها کے سفتھاکیں اور کام کرتے والوں سالے الها تھا۔ ایک بہت بوی اور سبھی بات ہے کہ آپ نے والات بہت کرتے ہا سبکا اس سب الهائی بید الوسان بھی نہیں کرسکتا تھا کہ ودیشی سرکار کہاں یہ الها المراجب ابھی کہاں ہے کہ الها کہ ودیشی سرکار جسازے دیش سے حجہ جائیگی، یہ کوئی جھوٹی بات بہت رہے ہیں ایم اس قوش پر آپ بشبوطی کے ساتھ جس رہے ۔ ایم الس آدر علی آپ نے بوے بوے تھاک کئے اور المنظل سے ادھک مصفت اور کوششیں کھی''۔

بھوی پرکھی جی نے اِس بات پر بھی زور دیا کہ مختی پرجاز کے داستے سے دوکوائوں کو دور کرنے کی اصل پرسرداری مندی بولئے والیں پر بھا اور اُنھیں اِس کام میں مہالت کاندھی کے سے بولے دال میل اور پریم سے کام لیا جامگے ، اُنھوں نے یہ بھی کہا کہ اُلر بھارت کے ہو آئاسی کے اُنھوں نے یہ بھی کہا کہ اُلر بھارت کے ہو آئاسی کو اُنھیں بھائے کم سے کم ایک بھائا دکھیں اُنھی طرح سیکھٹی جامئے' جس سے اُنگی دوسرے کو سمتھیں اور ایکھا بوٹے ۔

غیری رابتدریالهاری کے دائی پارلیامقت میں تھیک کیا گیا گیا گیا گیا ہیں۔''میٹن سچائی اور ایمیمان کے ساتو دھوے سے یہ کے سبعا جوں کہ یمارت کی کسی اور ایک سلستھا کے واقعال میں انتقا کام یہیں کی دکھوں بہارت ھندی پرچار سندان'ا۔

25 البریل سن 1952 کو سبھا کے راجا جی ہوسٹال کو کھولتے عولے مغواس کے وجوان چھف جسٹس طری پی وی وراج ملفار کے کہا تھا :

"هناس بهاها معهد كلي كارتين بير يهاوي الكلي بهـ

न मिस सकते हों. एक सास बात यह है—और शायद इसी
से हिन्दी भवार में सब से जाविक मन्य मिसी है—कि बहां
हिन्दी सीसाने में चौरतों ने मदों से भी बह कर हिस्सा
किया है. त्र त्र के गांव तक में शायत ही कोई जगह देसी
हो जहां हिन्दी चन्छी तरह बोस सबने और समम सकने
वाली काकी बहने न मिल सकती हों.

हिन्दी प्रचार सभा, मदरास के प्रधान अंत्री भी मी. सर्वनारायन ने हमारे पास सभा के 35 बरस के काम की यक होटी सी रिपोर्ट भेजी है. रिपोर्ट से पता चलता है कि मदरासं सब भर के अन्दर जगह जगह इस समय लगभग चार हजार प्रचारक या अध्यापक हिन्दी पहाने का काम कर रहे हैं. सन 1951 में इन प्रचारकों के जरिये हिन्दी पढ़ने बालों की तावाद दो खाख से ऊपर थी. उस साल तक 25 ं साक्ष विद्यार्थी हिन्दी सीख सीख कर निकक चुके ये और 5,45,783 सभा के इन्तहानों में बैठ चुके थे. बकेले सम 1951 में सभा के इम्तहानों में बैठने बालों की तावाव 1,00,6,28 थी. हिन्दी की उंची से उंची दियी पाए हए लोगों की साबाद उस समय प्रान्त में ग्यारह हजार थी पिहाले पन्त्रह बरस के अन्दर सभा चालीस लाख रुपए से उपर अपने काम पर खर्च कर चुकी है. सभा के अपने रक्तीं के अलावा प्रान्त भर के अन्तर 160 कातिओं और 2,900 हाई स्कृतों में हिन्दी पदाने का पूरा पूरा प्रथम्ब है. सभा का एक काम प्रचारक या अध्यापक तैयार करना है. इन में एक बहुत बड़ी तादाद शियों की है. गांव के लोगों में सम्बा का प्रकार शहर के लोगों से भी अधिक है और वढ़ रहा है.

पहले अट्टारह बरस तक सभा ने किराए के मकानों में काम किया. आज सभा के अपने सुन्दर और शानवार भवन हैं अपना प्रेस है जिस में अगरेजी के अलावा देश की बाठ मायाओं में सुन्दर साफ अपाई होती है. हिन्दी की महाई बौर प्रचार के लिये सभा अब तक 167 किया के होये का निकाल चुकी है जिन की सब मिला कर एक करीड़ से अपर कारियां दक्तिन मारत में फैल चुकी हैं. सभा हिन्दी के वो माहवारी रिसाल निकालती है, हिन्दी प्रचार समाजार और 'दक्तिन मारत' वारों भाशाई इलाहों में समाजार' और 'दक्तिन मारत' वारों भाशाई इलाहों में

स्वी की करान करान स्वार शाखाएं है.

ब्रिंस में सम्बंद नहीं कि महरास सूबे में उपर के पहें क्रिक्ट कोगों में बाब भी हजारों आवमी ऐसे हैं जो अंगरेजी जानते हैं और अंगरेजी में काम कर सकते हैं. पर में किन्दी जानते हैं और न हिन्दी में काम कर सकते हैं पर इस के ब्रिक्टी आवक ताबाद ऐसे लोगों की है जो न जंगरेजी आगते हैं और न जंगरेजी में काम कर सकते हैं. पर हिन्दी आगते हैं और दिन्दी में काम कर सकते हैं. पुल मिला कर किन्दी जानने बालों की ताबाद अंगरेजी जानने बालों से الله مل سائل هول ایک شائل باید ید بیستارر عالد ایسی بیشتر می ایک شائل ایسی می مساور ایک ایسی می ایسی می می ایسی می می ایسی بیشتری می ایسی بیشتری ایسی بیشتری ایسی بیشتری ایسی می خوابی جاد ایسی می خوابی جاد ایسی می خوابی جاد ایسی می خوابی می خوابی می ایسی می خوابی می خوابی می ایسی می خوابی در می خوابی می خوابی در می ایسی می خوابی در می در می خوابی در می در می

هديني پرچار سههاء مدراس کے پردهان ملتري فرن منی سٹید ٹرائیں کے همارے پاس سبھا کے 35 پرس کے کام کی لیک چھوٹی سی رپورٹ بھھھی ہے ۔ رپورٹ سے چات جلعا مے کد مدراس صوبے بہر کے اندر جاعہ جاعہ اس سی لک بیک جار هزار پرجارک یا آنههایک هدر پرهالی کام کر رہے میں۔ سن 1951 میں اُن پرچارکیں کے ذریعے مقدی پوهلے والیں کی تعداد 'دو لاکھ سے اُوپر تھی ، اُس سال تك 25 لائه رديارتهى هدى سيكه سيكه كر نكل چك تھے اور 5,45,783 سبها کے امتحانی مهی بیٹھ چکے تھے، اکیلے سن 1951 میں سبھا کے اِمعصائی میں بيتها والون كي تعداد 1,00,628 تهي ، هائني كي اُولیچی ہے اُولیچی قاکوی)ائے ہوئے لولیں کی تعداد اُس سمر ہرالت میں کہارہ ہوار تھی۔ پنچیلے باشوہ برس کے اقدر اسبها جالهس الکه رویکه سے آویر ایے کام اور شربے کرچکی ھے . سبھا کے اپنے استولین کے علوہ پرانست بھر کے اندر 160 كالتجين أور 2,900 هالي أسكولون مهن هندي يوهان، كا يورا يورا يربقده في . سبها كا أيك كام يرجارك يا أدههايك تهار كرتا هم ، إن سهن أيك بهت يوى تعداد إستريون کی تھ ، کاوں کے لوگوں میں سبھا کا پرتھار شہر کے لوگوں

سے بھی ادمک ہے اور بوہ وہا ہے .

پہلے الہارہ برس تک سبھا نے کرائے کے مکانیں میں کام کیا ۔ آج سبھا کے اپر سلدر اور شاندار بنہوں میں ایکا پریس ہے جس میں انگریزی کے عالم دیش کی آلؤ بہائی میں سفدر صاف جھھائی ہوتی ہے ، ہفتی کی پوہائی اور برجار کے آلے سبھا اب تک 167 کتابین چھاپ کو نکال جانی ہے ہوں کی سب ما کر ایک کروز نے اور کابھال حکی ہے ہوں کی سب ما کر ایک کروز نے اور کابھال حکی ہیں ، سبھا میں کے ہو سامراری بھالے نکالتی ہے 'حقدی پرچار سمیا اور ادکھی بھارت ، جازوں بھائی عادرں میں سبھا کی ایک مورائی شاگائی عادرہ میں سبھا کی ایک حوالی ماندانی عادرہ میں سبھا کی ایک حوالی شاکائی شاکائی میں ،

اپنی میں شدیر نہیں کا مدراس مور میں اور کے

اور اکرین اس میں اب بین جاروں آدمی اس جوں

و انگرین جانے جیں اور انگرین میں کا کرسکت

میں اور مقدی جانے جیں اور نہ مقدی میں کا کرسکت

میں اور ان کیں اصف تعداد اس نہوں کی ہے جو

و انگرین میں کا کرسکت میں کی مسلم میں کا کرسکت میں

و انگرین جی کرسکت میں کی مسلم کرسکت میں کی

77

का काई रूप जो सत्य और बाहिया की कसीटी कर पूरा व हतरे और कुछ भी हो 'सत्यामह' नहीं कहा जा सकता और न हमारी राय में उससे किसी देश का मला हो सकता है. इस तरह के मामलों में विषेक और सममाने सममाने की जगह केवल मायुकता और आवेश से काम लेना देश को रसातल में ले जाना है. देश के इसी तरह के भीतरी मामलों में हमें हर तरह की तंगनजरी और मेरे तेरे के सवालों से अपर उठ कर सब के और सारे देश के दूर तक के मले को निगाह में रख कर अपने कैसले करने चाहियें और उन फैसलों की रोशनी में ही सोच समम कर ज़ब्म बढ़ाना चाहियें.

माशा या भाशाओं के सवाल पर अगर हमें देश की गलत रास्ते पर पढ़ने से बचाना है तो एक पहली बाल हमें यह करनी चाहिये कि देश का हर पढ़ा लिखा आदमी देश की बड़ी बड़ी भाशाओं में से कम से कम कोई हो अच्छी तरह सीखे. हमारी पालिंमेन्ट और भारा सभाओं के मेन्बरों, बजीरों और बड़े सरकारी अजसरों के लिये जरूरी होना चाहिये कि वह देश की कम से कम हो भाशाओं में अच्छी तरह सब काम कर सकें. इस तरह के उदार और मेल के उपायों से ही हम देश के इस कठिन सवाल का ठीक ठीक हल कर सकते हैं.

22, 12, '52

—सुन्दरताल

हिन्दी प्रचार सभा, मदरास

महातमा गांधी ने जो बहुत से काम देश में प्रेम, एकता और बल पैदा करने के लिए किये उन में उनका एक बहुत बड़ा काम सन 1918 में दिक्लन भारत हिन्दी प्रचार सभा की शुस्मियाई हालना था. उन दिनों दिन्दी के बड़े से बड़े अकत हिन्दी प्रचार की खास जगह उत्तर और पिछलम के उन प्रान्तों को ही बनाना चाहते थे जहां की भाशाएं हिन्दी से मिलती हैं. गांधी जी के सोचने का ढंग दूसरा था. उनकी निगाह पहले खुद देक्सिन के उन इलाकों पर गई जहां की भाशाएं हिन्दी से बहुत दूर दिखाई देती थीं. आज 35 बरस के मर्दास हिन्दी प्रचार सभा के काम को देखने से पता चलता हैं कि गांधी जी की निगाह कितनी दूर की और उन की संसाध कितनी काम की थीं.

दिक्सन की चारों उसत माशाओं टैलिश, तमिल, कत्तर कीर मखनामल के इलाकों में खाज हचारों नहीं लाखों आवनी इसनी धन्छी, इतनी साफ और इतनी सही हिन्दी बोलते हैं कि बहुत से उत्तर वालों को भी उनके सामने सिंह सुख्यान पहला है. दक्तिन का कोई छोटे से खोटा पहल देशा बहा है जहां हिन्दी हिन्दुस्तानी में तैकचर देने वाले को हुन्दी और समक्तन वाले हचारों की तादाद में الله كولى الرواقة بدو سعهد أود أهاسا كى كسولني يود يووا تقارآلونه أور كه الرعب بهى هو استها كرد " تبهن كها جا سكها أود له هماوى وأليه مهن أس بيد كسى نديش كا بها هو سكها هد إسطوح كي معاملون مهن وويك أود سنجهل سنجها كي دو الله مهن له يهاد كها لايش كو وسائل مهن له جانا هي ديش كي إسي طرح كي بههادوى معاملون مهن هيهن هو طرح كي تلك نظرى أود مهود تهويد كي سوالون بيد أويد أنهكر سب كي أود ساود ديش كي فود قك سوالون بيد أويد أنهكر سب كي أود ساود ديش كي هود قك يهادي كو نتاه مين وكهكر أبي فيصلي كرة جاهلين أود إلى فيصلين كي دوشتي مين هي سوج سمته كاد قدم يوهانا جاهلي .

بہاتھا یا بہاشاؤں کے سوال پر اگر همیں دیش کو قاط واستہ پر پوتے سے بجھانا ہے تو ایک پہلی بات ہمیں دیا کرتی جاملے کہ دیش کا هر پوما لکھا آدسی دیش کی بوی بوی بہاشاؤں میں سے کم سے کم گوئی دو اجھی طرح سمکھ ، مواردی پارلیمٹٹ آور دھارا سبھاؤں کے صمعروں' وزوروں آور بول سبھاؤں کے صمعروں' وزوروں آور دیش کی کم سے کم دو بہاشاؤں میں اجھی طرح اسب کام دیش کی کم سے کم دو بہاشاؤں میں اجھی طرح اسب کام مرسکتے ہیں کہ اس کام سوال کا تھیک تھیک حل کر سکتے ہیں۔

--سلار لل

22-12-52

هندی پرچار سبها سدراس

مہاتما گاندھی نے جو بہت سے کام دیعی میں پریم' ایکتا اور پل پیدا کرنے کے لئے گئے آن میں آن کا آیک بہت ہوا کام سن 1918 میں دکھن بھارت ملدی پرچار بہت ہوا کام سن 1918 میں دکھن بھارت ملدی کے بڑے سے بڑے بہت کے بیات ملدی کے بڑے سے بڑے پرانتیں کو میں بلانا جامتے تھے جہاں کی بھاشائیں مقدی سے ملتی میں ، گاندھی جی کے سوچلے کا تھلگ دوسرا تھا ، اُن کی نکاہ پہلے دھردکیں کے اُن غلارں پر گئی جہاں کی بھاشائیں مدینی تھا ، اُن کی نکاہ پہلے دھردکیں کے اُن غلارں پر گئی جہاں کی بھاشائیں مدینی کے اُن غلارں پر گئی بہت دور دکھائی دیتی جہاں کی بھی ، آچ 35 پرس کے مدراس مقدی پرچار سبھا کے کام دیر کی نکہ کتھی دیر کی نکہ کتھی دیر کی نکہ کتھی دیر کی نکہ کتھی دیر کی نکہ کتھی

تصعیبیل المثال میں جارہ آور کیں ایوار میں کیور عبراند میں المار بوالد والے میں اور کی میکراند میں کس کی اور کی میں المار المار کی اللہ المار کی اللہ المار کی اللہ المار کی کا موا کر گامت آبادی کے ادار سے آدھر حالات جائے کا ایمی سوال نور دیکن کے لئے سے بھی کہیں ادھک دکھ سی المال یور دیکن کے لئے اللہ المار سوال یوسلاداک بالوارے سے بھی کہیں ادھک دکھ بہرا سوال یوسلاداک بالمارے کی نصفیس میں بالقا آسان ہے جوزنا مھکل ہے، اور پھر اسطرے کی نصفیس میں جوزنا اور بھی مھکل ہے، اور پھر اسطرے کی نصفیس جوزنا اور بھی مھکل میں جاتے میں تو آنہیں جوزنا اور بھی مھکل ہے، اور بھی جاتے میں تو آنہیں جوزنا اور بھی مھکل ہے،

جو بات بمجلی کے باریر میں ٹیپک ہے وہی حیدوآباد ویاسیت آور ایک درجے تک مدراس خاص کو مدراس شہو کے بارے میں ٹیپک ہے دائے میں ٹیپک ہے . نظام یا نظام کی حادومت سے نفرت یا دیعی کے کسی کرہ سے آھے پرائے کے بہاؤ میں پیپلس کو ہم دیعی کے آور مانو سماچ کے اصلی بیوشفہ کی طرف سے آنکوییں بقت کیوں کو لیس آ پرانترس کا بیاشا وار یاگوارہ آفر ایک درجے تک ہونا بھی تو اس کے ساتھ ساتھ میں دیعی کے آندر اسطرح کے ٹاپوئ یا تکورں کو گھانا نہیں بوہادا آور ہوا کونا ہے جن میں الگ الگ دورس اور الگ الگ دورس بین کلوگ پرام کے الگ رورس بین کلوگ پرام کے ساتھ بمل کو رہ سکیں آور ایک ساتھ پہل پھول سکیں ، ساتھ می ایک درجے تک آبو والے بھارت کے نمونے میں گے ۔

همیں یہ یاب ہمی یاد رکھتی جاھئے کہ بھاشا کوئی
دھید یا مقصد نہیں ہے ، بھاشا کیول ایک سادھی ہے ،
بھاشائیں سدا بھتی آور بدلتی رھتی ھیں ، ایک تمل
کے سوآ ھمارے درش کی کوئی بھی اِس سبے کی بولی
ایک عوار برس سے زیادہ برانی نہیں ہے ، دیش میں
ایک عوار برس سے زیادہ برانی نہیں ہے ، دیش میں
دھیرے دھیرے ختم ھو کر کسی ایک ہوی بولی میں
ملتی جا رھی ھیں ، ھم سیفتجوں سے بارہ تک پہونتے
میں آور جیسے آور کئی معاملیں میں ویسے ھی بھاھا
میں آور کے سے آور کئی معاملیں میں ویسے ھی بھاھا
سے کم آور کے سے آور کم آور بھر شائد ایک کی طرف جا
سے کم آور کے سے آور کم آور بھر شائد ایک کی طرف جا
سے کم آور کے سے آور کم آور بھر شائد ایک کی طرف جا
ھی اُنھیر میدن سلی مانو سماج کی ایکتا آور آنلتی کا دارمدار
ھی جی بید میدن سلی مانو سماج کو ایک کٹمپ کا درب دیا۔

اسک جاوہ غیری پہتی ہوں راسلو کے آپراس کے ساتھ ساتھ جس حکم جگاہ ریال اس پر انسی میں جکم جگاہ ریال کا اس پرکی عقوں جاتھ اور کی گاہوں کو کشت بیوگئے بیات آپر لیک کے بعد جس جارے دیل گاریاں کیوں کو کے لوٹی کلوں اور اسکان وہ سب کم کسی بین آپریاں کی رہ سب کم کسی بین آپریاں کی رہ سب کم کسی بین آپریاں کی دیا ہیں آپریاں کی بین ایکیاں کی بیان انسانی کی بیان بین آپریاں کی بیان انسانی کی بیان بیان آپریاں کی بیان آپریاں کی بیان انسانی کی بیان بیان آپریاں کی بیان انسانی کی بیان بیان آپریاں کی بیان آپریاں کی بیان بیان آپریاں کی بیان بیان آپریاں کی بیان آپریاں کی بیان آپریاں کی بیان آپریاں کی بیان کی بیان آپریان کی بیان کی بیان

तहसील बंगाल में आय और कीन बिहार में, कीन गुजरात में बीर कीन महारादट्ट में, किस गांत में तिमल बोलतें वाले अधिक हैं और किस में तिलगू बोलने बाले और फिर इनके साथ लगा हुआ कमिनन आवादी के इधर से उघर हटाए जाने का भी सवाल खड़ा हो जाय ती वह सारा सवाल पूरे देश के लिये सम 147 के सामजदायिक बटवार से भी कहीं अधिक दुलभरा सवाल बन मकता है. इस दुविया में कादना आसान है जोड़ना गुरिकत है, और फिर इस सरह की बहुतों में जब कहुवापन आ जाता है और दिल फट जाते हैं तो उन्हें जोड़ना और भी गुरिकत हो जाता है.

को बात बम्बई के बारे में ठीक है वही हैदराबाद रिसायत और वक वरजे तक मदरास खास कर मदरास शहर के बारे में ठीक है. निकास या निजास की इक्सत से नकरत या देश के किसी, गिरोइ से अपने पराप के आब में फंस कर हम देश के और मानव समाज के असली भविरय की तरफ से कांकी बन्च क्यों कर लें। प्रान्तों का भाशाबार बटवारा असर एक दरजे तक होना भी है तो उसके साय साब हमें देश के अन्दर इस तरह के टापुओं या दुकड़ों को पटाना मदी बढ़ाना और बढ़ा करना है जिन में अलग अलग बोक्रियों, सलग अलग वमी और अलग अलग रहन सहन के लोग प्रेम के साथ मिल कर रह सकें और एक साथ पल फूल सकें. यह दुकड़े ही एक दरजे तक आने वाले भारत के नमुने होंगे.

हमें नह बात भी बाद रखनी चाहिये कि भारा कोई भ्येय सा मक्तस्य नहीं है. भाशा केवल एक साधन है. माशापं सदा बनती और बदलती रहती हैं. एक तमिल के सिवा हमारे देश की कोई भी इस समय की बोली एक हुआर बरस से खियादा पुरानी नहीं है. देश में इस समय भी सैकवीं कोटी शुकामी बोलियां धीरे घीरे खतम हो कर किसी एक बड़ी बोली में मिलली जा रही हैं. हम सैकड़ों से बारह कक पहुँचे हैं, और जैसे और कई सामलों में वैसे ही आवा या बोकी के मामले में भी दुनिया धीरे धीरे बहुत से कम कीर कम से और कम और किर शायह एक की सरफ जा रही है. इसी पर मानक समाज की एकता और बक्तति का दारमदार है. आखीर में सारे मानव समाज को एक शुरुष्य का कम देने में ही हम सब का करवान है.

इसके असावा भी पीट्ट भीरायुत्त के उपवास के साथ अस्य जिस तरह मदरास भागत में जगह जगह देवगादियां रोकी गई, हजारों वे युनाहों की कस्ट भोगने पढ़े और कसके बाद जिस्र तरह देवनादियां सदी कर के दूटी गई। और करोड़ों की सम्पन्ति जतत अली गई वह सब काम किसी भी आएपीलन के न मान को नदा सकते हैं भीर न

The transfer was the fire

پرہم أور سب سے أدهك خوص حالى كا هوتا ، دنها يهو كى بها شاؤن كے الهاس سے اور خود الله هى ديش كے الهاس سے اور خود الله هى ديش جا سكتے هيں ، أس طرح كے بهاشائى آندرللرں سے أج تك أيك بهى كام كى چهن يا دنها كى نكاهوں ميں جوهئے والى چيز كسى ديش ميں يدنا نهيں هوئى همارا آجكل كا بهاشاؤں أور بهاشاؤار يرانتوں كا آندولوں ايك بهت بوے درجي تك فلط بهكى هوئى ميں جس طرح كا روپ ليتا جا رها هے وہ روپ كهيں ميں جس طرح كا روپ ليتا جا رها هے وہ روپ كهيں كميں جس طرح كا روپ ليتا جا رها هے وہ روپ كهيں خطرناك اور ديش كى آنفتى كے لئے أس سے بهى ادهك خطرناك اور ديش كى آنفتى كے لئے أس سے بهى ادهك گهاتك بغانا هوا دكھائى ديتا هے .

ہم ہمیڈی فیار ھی کو لے لھی۔ ہمیڈی کا شہر بھارت کا ایک ایسا ملات ہے جہاں انہک بھاشاوں کے بولقے والے اور انیک دھرموں کے لوگرہی سین کےاپیے آلگ آلگ ڈھلگ رکھا ہوئے بھی کم سے کم ککی سو پرسن سے پریم کے سالھ مل جل کو رهتم آئے میں، ہمیکی میں مراتهی بولدے والے ا كجهراتي بولغي والي نمل بوللي اوالي الهاكو بوللي وألي مارواری بولیے والے عددستانی بولیے والے پارسی عیسائی هدرا شهمه اور سدی سب هیں ۔ اُن کی ایک هی کچهپریان هیں ایک هائی کورت هے ایک شاندار یونیورستی ھے ایک ھی بازاروں میں سب کروروں کا دعددا کرتے میں آور بھارت کے اور منب علاقیں آور شہروں کے مقابلے میں سب خوص آور مالا مال هیں ، ہمیٹی کے رابے کاچی آور آرتهک آندوللوں میں بھی اِس رنا رنای کے کارن کچھ صدد عى ملتى هـ؛ يادها كوثى نهيس پوتى . إس ناله سـ أور اس درجے تک ہمیئی سیفکت أور الهفق بهارت کا ایک جهرتا سا نمونه هے آور همهن آگیے کی راه دکھالے والا ایک دیبک ہے ،

خوص قسعتی سے بعبئی کے ہارے میں ابھی سب یہ مان چکے ھیں کہ اگر ہاتی بعبئی پرانت کا بھاشاواری ہاوارا بھی ھو تب بھی بعبئی شہر نہ کسی ایک بھاشا وائن کی طرف جائے گا نہ اسکے تکریہ ھونکے ، لیکن الر کھھی ھمارے گجراتی بولئے والے آرر مراتهی بولئے والے بھائی ایڈی ایڈی ماں بولیوں کے انوجت موہ یا بھجا طرفداری میں آ کر اِسمات پر لو جائیں کہ بمبئی شہر مہاراشار کے ساتھ یا جائے یا گجرات کے اُسکے تکریہ کئے جاویں تو یہ ایڈی بہائی کی اُندت کرنا نہیں ھوگا یہ جاویں تو یہ ایڈی بہائی کی اُرد سے ھال کر اُونکی کی حوال سارے دیش کا رہے اُنگی کی اور سے ھال کر اُونکی کی حوال آرد دیش کا رہے اُنگی کی اور سے ھال کر اُونکی کی حوال اے جاتا ۔

ایسے هی اگر پرانعوں کے بھاشا وار بعوار سلسلے میں یہ ضوال جہارے کی جو بی جاریں که کوں شام یا

प्रेम और सब से अधिक खुग्रहाली का होना. दुनिया मर की माशाओं के इतिहास से और खुद अपने ही देश के इतिहास से इन सब बातों के अनिगनत उनाहरन दिये जा सकते हैं. इस तरह के भाशाई आन्दोलनों से भाज तक एक भी काम की जीज या दुनिया की निगाहों में जढ़ने बाली जीज किसी देश में पैदा नहीं हुई. हमारा अनिजल का माशाओं और भाशाबार प्रान्तों का आन्दोलन एक बहुत बड़े दरजे तक गलत, बहकी हुई और हानिकर जीज है. इतना ही नहीं यह आन्दोलन देश में जिस तरह का रूप लेता जा रहा है वह रूप कहीं कही इस सवाल को फिरकेबाराना सवाल से भी जियादा जतरनाक और देश की उन्नति के लिये उस से भी अधिक घातक बनाता हुआ दिखाई देता है.

हम बम्बई शहर ही को ले लें. बम्बई का शहर मारत का एक ऐसा इलाका है जहां अनेक भाशाओं के बोलने वाले और अनेक भर्मों के लोग रहन सहन के अपने अलग अलग ढंग रखते हुए भी कम से कम कई सौ बरस से प्रेम के साथ मिल जुल कर रहते आए हैं. बम्बई में मराठी बोलने वाले, गुजराती बोलने वाले, तमिल बोलने वाले, तैलिगु बोलने वाले, मारवाड़ी बोलने वाले, हिन्दुस्तानी बोलने वाले, पारसी, ईसाई, हिन्दू, शिया और सुन्नी सब हैं. उनकी एक ही कचहरियां हैं, एक हाईकोर्ट है, एक शानदार युनिवरसिटी है, एक ही बाजारों में सब करोड़ों का धन्दा करते हैं और भारत के और सब इलाक़ों और शहरों के मुक़ाबले में सब ख़ुश और मालामाल हैं. बन्बई के राजकाजी और आर्थिक श्रान्दोलनों में भी इस रंगारंगी के कारन कुछ मदद ही मिलती है, बाधा कोई नहीं पड़ती. इस निगाह से और इस दरजे तक बम्बई संयुक्त और अखंड भारत का एक छोटा सा नमना है और हमें आगे की राह दिखाने वाला पक दीपक है.

खुश किस्मती से बन्बई के बारे में अभी सब यह मान चुके हैं कि अगर बाक़ी बन्बई प्रान्त का भाशाबारी बंटवारा भी हो तब भी बन्बई शहर न किसी एक भाशा बालों की तरफ जायगा न उसके दुकड़े होंगे. लेकिन अगर कभी हमारे गुजराती बोलने बाले और मराठी बोलने वाले भाई अपनी अपनी माबोलियों के अनुचित मोह या बेजा तरफ-दारी में आ कर इस बात पर लड़ जायं कि बन्बई शहर महाराष्ट्र के साम जाय या गुजरात के या उसके दुकड़े किये जावें तो यह अपनी माशाओं की उम्रत करना नहीं होगा, यह होगा सारे देश का कल उम्रति की ओर से हटा कर अबनित की ओर मोबना और देश को बरबादी की तरफ ले जाना.

केसे श्री कागर शान्तों के माशावार बटवारे के सिलसिले में वह सकाल मागके की कई बन जार्ग कि कीन जिला या प्रान्तों के बंदबारे के असूल को मान चुकी है. इसी असूब को मान कर सरकार इस से पहले भी यह एलान कर चुकी यी कि आन्ध्र को बाक़ी मदरास से अलग कर दिया जायगा. आन्ध्र के लोगों में और मदरास बदेश के बाक़ी लोगों में, आन्ध्र के लोगों में और सरकार में मगड़ा इस बात पर नहीं था. मगड़ा कुछ ऐसे इलाक़ों के बारे में या जिन को कुछ आबादी तैलिगू बोजने वालों की है और कुछ तमिल बोलने वालों की. खास कर मगड़ा यह था और यह मगड़ा अभी तक बाक़ी है कि मदरास शहर को, जो तैलिगु इलाक़े दोनों के बीच में है, और जिस में लगभग अइसठ की सदी आबादी तमिल बोलने वालों की और सोलह की सदी तैलिगु बोजने वालों की बताई जाती है, कियर रखा जाय.

तिमस बोलने वाले चाहते हैं कि अगर आन्ध्र को अलग किया ही आप तो आवादी के बहुमत के कारन मदरास शहर तिमस के साथ रहे. आन्ध्र नेताओं में दो दल हैं. एक कहते हैं कि मदरास शहर आन्ध्र में मिलाया जाय. उनकी दलीलों में जाने की हमें जरूरत नहीं हैं. दूसरे कहते हैं कि मदरास दोनों में से किसी को न दिया जाय, उसे एक अलग कमिशनरी सूवा बना दिया जाय. इसी तरह के कुछ और तकसीली मगदे भी अभी हैं. इस लिये नए सरकारी कमीशन का काम इतना आसान नहीं है. आन्ध्र आन्दोलन अभी आरी है.

यह ठीफ है कि किसी भी देश या प्रदेश के बच्चों की तालीम जितनी अच्छी तरह उनकी अपनी माबीली में दी जा सकती है उतनी किसी दूसरी बोली में नहीं दी जा सकती, यह भी ठीक है कि हर इलाक़े का अदालती और दफ्तरी काम जहां तक हो सके वहीं की बोली में होना चाहिये. इसी लिये कांगरेस ने भाशाबार प्रान्तों के बंटवारे के असल को माना था. पर यह बिलकुल रालत है कि किसी भाशा की उन्नति के लिये उस भाशा के बोलने वालों का एक अलग प्रान्त या अलग राज होना जरूरी है. यह भी राखत है कि कोई भाशा अपने एक भाशी प्रान्त में जितनी उन्नति पर सकती है उतनी या उस से भी अधिक दो या दो से भी अधिक भागाओं वाले प्रान्तों में रह कर नहीं कर सकती. जिन जगहों में कई कई बोलियां बोली जाती हैं वहां बच्चे आम तौर पर शुरू से हो दो और तीन तीन बोलियां बहत आसानी के साथ और एक सी रवानी के साथ एक साथ बोलने और समझने लगते हैं. कलकत्ता. महरास, बम्बई, बंगलोर, दैदराबाद और वंजाब जैसी जमहों में अब भी लाखों ने पढ़े आदमी कई कई भाशाएं जासानी से चौर चच्छी तरह बोलते सममते हैं. किसी भाशा की वजरि और उस के विकास के लिये माशावार प्रान्त का होना उतना पारूरी नहीं है जितना देश में अमन, वकता.

پرائٹوں کے ابقوارتے کے اصول کو مان چکی ہے ، اِسی اُمیال کو مان کو سرکار اس سے پہلے بھی یہ اُملان کر چکی تھی کہ آندھر کو باقی مدراس سے الگ کر دیا جائے گا ، آندھر کے اُندھر کو باقی مدراس بیدالگ کر دیا جائے گا ، آندھر کے لوگوں میں اور سرکار میں جھکوا اس بات پر نہیں تھا ، جھکوا کچھ ایسے علقوں کے بارے میں تھا جن کی کچھ آبادی جھکوا کچھ ایسے علقوں کے بارے میں تھا جن کی کچھ آبادی جھکوا یہ تھا اور یہ جھکوا ایمی تک باقی کہ مدراس شہر کو جھکوا یہ تھا اور یہ جھکوا ایمی تک باقی کہ مدراس شہر کو میں لگ بھگ اور تمل ملائے دونوں کے بھی میں ہے اور جس میں لگ بھگ اوستی تمان بوللے والوں کی اور سولہ فیصدی آبادی تمال بوللے والوں کی بخائی جاتی میں کو سرد کو اور سولہ فیصدی آبادی دوالوں کی بخائی جاتی

for the second second second second second second

تمل بولقے والے چاہتے ہمیں کہ اگر آندھو کو الگ کہا ھی جائے تو آبادی کے بہومت کے کارن مدراس ھیو تمل کے ساته رھے ، آندھو نیعاؤں میں دو دل ھیں ، آیک کہتے ملیل کہ مدراس ھیو آندھو میں مالیا جائے ، آن کی دلیلوں میں جائے کی ھمیں ضرورت نیمیں کے ، دوسرے کہتے ہمیں کہ مدراس دونوں میں سے کسی کو تقادیا جائے اُسے ایک الگ کمشلوی صوبہ بنا دیا جائے ، اسی طرح کے کیچہ اور تفصیلی جھگڑے بھی ابھی ھیں، اِسلیم نئے سرکاری کمیشن کا کام اتفا آسان نہیں ھے ، آندھو آمدولن ابھی جاری ھے ،

یہ ٹھیک ہے کہ کسی بھی دیش یا پردیش کے بحوں کی تعلیم جالی اچھی طرح أن کی اینی ماں بولی میں دی جا سکای مے اللی کسی دوسری ہولی میں نہیں دی جا سکتی ، یه بهی تهیک هے که هر ملائے کا مدالتی اور دفتری کام جهان تک هو سکے وهیں کی پولی میں ھونا چاھئے ، اسی لگے کانگریس نے بھاشا وار پرانتوں کے یگوارے کے اصول کو مانا تھا ، یہ بانکیل فلط ہے کہ کسی بہاشا کی اُنتعی کے اُس بہاشا کے لئے بولنے والیں کا ایک الگ پرانس یا الک راج هونا ضروری هے . یه بھی فلط هے که کوئی بهاشا ایے ایک بهاشی پرانت مهن جدلی أللتي كر سكتي هـ أللي يا أس بد بهي ادهك در يا دو سے بھی ادھک بھاشاؤں والے پرانتیں مھی رہ کر نبھی کر سکائی ، جن چکیس میں کئی کئی بولیاں بولی جاتی هیں وهاں بحجے عام طور چر شروع سے دو دو اور تھیں تھی یولیاں بہمت آسانی کے ساتھ اور لیک سی روانی کے ساتھ ایک ساته بوللے اور سمجھلے لگتے میں ، کلکته مدراس ا بميثى' ينكلير' جيدرآياه أور ينجاب جيسي چكيون مين - أب يهي لانهين يه يوهي أدسى كثي كثي يهاشائهن أساني سے اور لیومی طرح ہوئتے سمجھتے میں ، کسی بھاشا کی أنفاني أور أسكم وكاس ع لكم يهاشا وأو يوانيت كا هونا أللا فيرون نبهن هـ جنبا ديش مهن أدن أيكنا

सन्दें सन मिल कर इल करें, चलें पर दाय से सूत कतवाने और उस सूल से कपड़ा जुनने की तरफ जियादे से जियादे ध्यान दें लाकि कम से कम सूती कपड़ों में बह बहुत दरजे तक मिलों की गुलामी से बच जायें, सरकार को जाने वाले मेमोरेन्डम पर सूचे भर के खठारह साल से उपर उमर के जुनकरों के जियादा से जियादा दससात या अंगूठों के निशान हासिल करें, 7 जनवरी को अमन, पकता और पूरी सरगरमी के साथ अपनी मांग का दिन मनावें, और उसके बाद बनारस कानकरेन्स के कैसले के मुताबिक 19 जनवरी से 26 जनवरी तक "हैन्डलम हक्ता" मनावें जिस में फेरी लगा कर और दूसरे तरीक़ों से अपने करघों के बने कपड़े की जियादा से जियादा विकरी की कोशिश करें.

उत्तरप्रदेश के सब भाइयों और बहनों से मेरी अपील है कि वह इस नेक और ज़रूरी काम में अपनी पूरी शक्ति भर और हर तरह मवद दें. अगर इस नाजुक समय में हम सब ने मिल कर अपनी माली और रोजगारी मुसीबलों को हल न किया तो हमारी अधूरी राजकाजी आजावी भी धोके की और चन्दरोजा साबित होगी. हम सबका ईश्वर अल्लाह हमें शक्ति दे कि हम हिम्मत के साथ इस समय की मुसीबतों को पार कर सकें और सब मिल कर देश को सच्ची तरक्षकी, खुशहाली और बहबूवी की तरक ले जा सकें!

145 मुद्रीगंज, — मुन्दरलाल इलाहाबाद सदर, यू॰ पी॰ बुनकर फेडरेशन 12. 12.52

श्री रामुलू का श्रीर त्याग श्रीर भाशावार प्रान्तों का बंटवारा

श्री पोट्टि श्री रामुल् आन्ध्र के रहने वाले इस देश के सच्चे और निस्वार्थ काम करने वालों में से शे. श्रट्टाकन दिन के कपवास के बाद 15 दिसम्बर सन 52 की रात को मदरास में उन्होंने शरीर छोड़ा. उन की मौत ने देश में और जास कर मदरास प्रदेश में एक जासी इलचल पैवा कर दी. उन के उपवास की रारज थी देश पर और सरकार पर इस बात के लिये दबाव डालना कि आन्ध्र यानी उस इलाफ़े को जहां तैलिशु कोली जाती है बाक़ी मदरास प्रदेश से काट कर एक अलग प्रान्त बना दिया जाय. उनके मरने के बाद दिल्ली सरकार की तरफ से पंडित जबाहरलाल नेहरू ने एलान कर दिया है कि आन्ध्र एक अलग प्रान्त बना दिया जायमा. इस काम के लिये सरकार ने एक हाई कोर्ट जफ हा एक कमीशन भी नियुक्त कर दिया है.

कान्त्र के एक कालग प्रान्त बनाए जाने का कान्दोलन कालीस बरस से अपर का बान्दोलन है, कांगरेस माशासार آنھیں۔ سب مل کو حل کریں جونفے ہو ھاتھ سے موت کتوانے اور اُس سوت نے کہوا بقایے کی طرف زیادہ سے زیادہ دھیاں دیں تاکه کم از کم سوتی کهروں میں وا بہت درجے تک ملوں کی غلامی سے بھے جائیں' سرکار کو جانے والے مهمورنگم پر صوبے بھر کے اٹھارہ سال سے اُوہر عمر کے بلکروں کے زیادہ سے زیادہ دستخط یا انکوتیس کے نشان حاصل کریں' 7 جنوری کو امن' ایکٹا أور پوری سرگرمی کے ساتھ ایدی مانگ کا دن مداویں اور اُس کے بعد بغارس کاندرنس کے فیصلے کے مطابق 19 جنوری سے 26 جنوری تک المهنگالیم هفته الماریس جس مهن پههري لا کر اور دوسرے طریقوں سے آیے کرگھوں کے بلیے کیوں کی زیادہ سے زیادہ بکری کی کوشش کریں . ، أتر پرديش کے سب بهائيس اور بهلوں مهرى أيهل هے كه ولا إس نهك أور فرروري كام ميں أيقي پوری ککتی بهر اور هر طرح مدد دین . اگر اس نازک سید میں هم سب نے مل کر اینی مالی اور روزگاری مصهبتون کو حلنه کها تو هداری ادهوری راجکاچی آزادی بھی دھوکے کی اور چلد روزہ گابت ھوگی ، ھم سپ کا ایشور الله همهن شکعی دے که هم همت کے ساتھ اس سمے کی مصیعتوں کو پار کرسکیں اور سب مل کر دیش کو سنھی ترقی' خوشتحالی اور پہبودی کی طرف لے جا سمين !

شری راملو کا شریر تیاک اور بهاشا وار پرانتوں کا بتوارا

شرق ہوتی شرق راملو آندھر کے رھٹے رائے اِس دیش کے ستھے اور نسوارتھ کام کرنے والوں میں سے تھے۔ آٹھاوں دین کے آوراس کے بعد 15 دسمبر سن 52 کیرات کو مدراس میں آئیوں نے شریر جھوڑا۔ اُن کی موسلے دیش میں اورخاص کو مدراس پردیش میں ایک خاصی کل چواس کی فرض تھی، دیش پر اور سرکار پر اِس بات کے لئے دیا قالفا کہ آندھر یعلی اسعائے کو ایک الگ پرانس بنا کے مرزے کے بعد دلی سرکار کی طرف سے دیا جائے۔ اُن کے مرزے کے بعد دلی سرکار کی طرف سے پرانس بنا دیا جائے ۔ اُن کے مرزے کے بعد دلی سرکار کی طرف سے پرانس بنا دیا جائے گا۔ اِس کام کے لئے سرکار نے ایک پرانست بنا دیا جائے گا۔ اِس کام کے لئے سرکار نے ایک ہرانمت بنا دیا جائے گا۔ اِس کام کے لئے سرکار نے ایک ھائی کورت جم کا ایک کیشش بھی تھیکت کو دیا ہے۔

آندھر کے ایک الگ پرائٹ بنائے جائے کا آندولن جائیس ہرس سے اُوہر کا آندولن ھے ، کاکریس بھاغا وار

MENT BUT SOLL BY

तक अब यह कहते हुए नहीं शरमाते कि श्रमुक विदेशी चीज वह इसिलये काम में लाते हैं, क्योंकि उसके मुकाबले की देश की बनी चीज इतनी साफ सुधरी नहीं होती. हमें स्वदेशी के उस पुराने पाठ को फिर से दोहराना होगा.

सबसे पहले हमारे सब बुनकर भाइयों और बहनों का कर्ज है कि वह अपने रोजमर्रा के बरतने में और खुशी रामी के सब मौक्रों पर स्थिय अपने या अपने बुनकर माइयों के करघों के बने कपड़े के और कोई कपड़ा काम में न लावें. हिन्दू बुनकरों और मुसलिम बुनकरों दोनों को इसे अपना धार्मिक और दीनी कर्ज समम कर इस पर अमल करना 'चाहिये. बुनकर भाइयों का यह भी कर्ज है कि वह अपने जूते, बरतन और दूसरी सब चीजों के स्तरीदने में भी जहां तक हो सके अपने देशी कारीगरों के हाथ की बनी चीजें ही स्तरीवें और उन्हीं को बरतें. हम सब एक दूसरे के धन्दे को बचाने की कोशिश करेंगे तभी हम सब बच सकते हैं.

देश की सारी जनता का यह फर्ज है कि वह देशी मिलों के कपड़ों वा विदेशी कपड़ों का इस्तेमाल बन्द कर के जहां तक हो सके अपनी सारी कपड़े की फरूरतों को देशी करघों के बने कपड़ों से पूरा करे. इसमें कुछ पैसा अधिक भी खर्च करना पड़े तो कोई हर्ज नहीं. खास कर असरीका की बनी रेमशी साड़ियों और अमरीकी रेशमी कपड़ों का वेचना, खरीदना और बरतना तीनों को हमें पाप सममना चाहिये. आप दिन की अपनी और सब फरूरतों के सम्बन्ध में भी हमें स्वदेशी के असूल और अपने देश के अन्दों को जिन्दा रखने के इस असूल पर असल करना चाहिये, चाहे इसमें थोड़ी तकलीफ और जिरहारी भी क्यों न डठानी पड़े.

साथ ही देश की जनता की अपने राजकाजी अधिकारों और अपनी शक्ति को भी पूरी तरह सममना जाहिये, और हर जायज और अहिंसात्मक तरीक़ से या तो सरकार की अपनी मांग पूरी करने पर मजबूर करना चाहिये और या मौक़ा आने पर इस सरकार की जगह ऐसी सरकार ग्यम करना चाहिये जो देश की जनता के सच्चे नफ़े नुक्कसान की ममम सके और जनता की राय के मुताबिक़ चक्त सके.

बासीर में देश के और सास कर उत्तरप्रदेश के बुनकर भाइयों का कर्ज है कि वह अपने संगठन को मजबूत करें, जिन जिन जिलों में बुनकरों की काफी तादाद है उनमें अपनी बुनकर संस्थायं सूचे में मौजूद हैं या जो नई वनें, वह सब बुठ पी० बुनकर फेडरेशन के साथ अपना सम्बन्ध जोड़ लें, सूत सरीद, माल की बिकरी, तरह तरह के टैक्स और रेसबे बरीरा में दिन रात बुनकरों को जो दिक्कतें होती हैं ٹک آپ یہ کہتے 'ہوئے نہوں ہرمائے کہ آمک ودیمی ہوئو وہ اس لئے کام میں لاتے میں کوزنکہ اُس کے مقابلہ کی دیمی کی بھی چوہ اللی صاف مقوری نہیں ہوتی ، ہمیں سودیمی کے اُس ہوائے ہاتہ کو پھر سے دھوانا ہوگا ،

سب سے پہلے ھمارے سب یقکو بھائیوں اور بہتوں کا قوضھے کہ وہ اپنے ووزموہ کے برتئے میں اور خوشیقمی کے سب موقعوں پر سوائے آپ یا آپ یفکر بھائیوں کے کرٹیوں کے یقے کہرے کے اور کوئی کہوا کام میں نہ قویں ، ھقدو بفکووں اور مسلم بفکورں دونوں کو آپ ایفا دھارمک آور دیگی فرض سمجھ کو اس ہے عمل کرنا چاھئے ، بفکر بھائیوں کا لیہ بھی فرفس ہے کہ وہ آپ جوتے برتن اور دوسری سب جہوں کے خرید نے میں بھی جہاں تک ہو سکے آپ دیشی کاریکروں کے خاتہ کی بقی جہوں ہی خریدیں اور آنیوں کو برتیں ، ہم سب ایک دوسرے کے دعقدے کو بجانے کی کو برتیں ، ہم سب ایک دوسرے کے دعقدے کو بجانے کی کوشھی کریفگے تبھی ہم سب بہے سکتے ہیں ،

دیش کی سازی جلتا کا یہ قرض ہے کہ وہ دیشی ملیں کے کپورں یا ودیشی کپورں کا اِستعمال بقد کرتے جہاں تک هوسکے اپلی سازی کپوے کی ضرورتوں کو دیشی کرگھوں کے بلے کپورں سے پررا کرے . اُس میں کچھ پیست ادھک بھی خرچ کرنا پوے تو کوئی حرج نہیں . خاص کو ارریکہ کی بقی سریدی ساویوں اور امریکی ریشمی کپورں کا بیچنا خریدنا اور برتفا تینوں کو همیں یاپ سمجھنا جاھئے . آئے دن کی اپنی اور سب ضرورتوں کے سمجفدھ میں بھی همیں سودیشی کے امول اور آبے دیش کے معمددوں کو زندہ رکھنے کے اسول اور آبے دیش کے دھندوں کو زندہ رکھنے کے اس میں تہوری تکلیف اور زیرباری بھی کھوں نه چھے اس میں تہوری تکلیف اور زیرباری بھی کھوں نه آبھانی بودے ،

ساته هی دیش کی جاتا کو این راجکاجی ادهیکاروں اور اپنی شکتی کو بھی پوری طرح سنجھنا چاهئے' اور هر جائز اور اهنسانیک طریقہ سے یا تو سرکار کو اپنی مانگ پوری کرنے پر متجبور کرنا چاهئے اور یا موقع آئے پر اِس سرکار کی چکھ ایسی سرکار قائم ٹرنا چاهئے جو دیش کی چلتا کے ستھے نفع نقصان کو عستیہ سکے اور جاتا کی رائے کے مطابق چل سکے ۔

آخیر میں دیش کے اور خاص کر آتر پردیش کے بلکر
بھائیوں کا فرض ہے کہ وہ آئے سلکھتی کو مقبوط کویں'
جی جی جی ضاموں میں بلکروں کی کافی تعداد ہے آی میں
اپلی پرنیں' سبھا یا آیسوسی آیشن بلاویں ، اس طرح
کی جتنی بلکر سلسٹھائیں صربے میں موجود ہیں یا
جو نگی بلیں' وہ سب ہو ، بی ، بلکر فیڈریشن کے
ساتھ ابلا سستدھ جوڑ لیں' سوت خوید' مال
کی بہکری' طرح طرح کے تیکسا اور ریارے وقورہ
میں جی واس بلکروں کو جو دقتیں ہوتی ہیں

14 V

पदे हैं. उनके होशियार कारीगर जिन पर इस सूचे को चौर सारे देश को घमंड था, कुछ रिक्सा चला कर अपने बच्चों को पालने की कोशिय कर रहे हैं, कुछ मजदूरी की तलाश में बम्बई और दूसरे शहरों को निकल गए हैं और जो हज़ारों अभी बनारस में मौजूद हैं, उनकी यह हालत है कि उनके घरों में हफ्ते में मुश्किल से दो या तीन दिन चूल्हाँ जलता है. नन्हे बच्चों को काक़ों पर काक़े गुजर रहे हैं. मोपड़ियों की छतें गिर गई हैं, दरवाजे दूट गए हैं, लेकिन पैसा नहीं कि मरम्मत करा सकें. मैंने यह हालत और इससे कहीं बदतर हालत जिसे बयान कर सकना नामुमिकन है, पचासों घरों में घुस घुस कर देखी है. बनारस की यह पुरानी कारीगरी मिट रही है.

हमारी सरकार अगर चाहती तो यह हालत एक दिन में दुइस्त हो सकती थी. वह चाहती तो यह नौबत ही न व्याती. लेकिन सरकार का ढंग कुछ दूसरा ही दिखाई दे रहा है. श्री राजगोपालाचारी ने चाहा था कि खास नम्बर तक के सूत की धोतियां और साड़ियां बुनने से मिलों को रोक दिया जावे और यह काम देश के करघों के लिये छोड़ दिया जावे ताकि यह करोड़ों की आबादी बेकारी और भूक से बच जावे. लेकिन इससे मिलों के मुनाके में कुछ कमी आती. दिल्ली सरकार को यह बात पसन्द न आई. बनारसी साड़ियों में जो रेशम काम में बाता था वह जियादा तर जापान और इटली से आता था. हमारी सरकार ने उस रेशम के मुल्क में आने पर इतना भारी टैक्स लगा विया जिससे कि बनारस की साङ्यां मंहगी पड़ने लगी. दसरी तरफ बनारसी साड़ियों की टक्कर की पहले कोई चीज बाहर से नहीं आती थी. अब अमरीका की बनी इसी तरह की रेशमी साड़ियां खुले बन्दों देश में आ रही हैं और सस्ते दामों विक रही हैं. उन पर कोई रोक टोक नहीं. बनारस के बुनकर उनसे सस्ता नहीं वेच सकते. शक होने लगता है कि हमारे देश में किस का राज है, अमरीकी पंजीपतियों और उनके हिस्सेदार कुछ हिन्दुस्तानी पंजी-पितयों का या इस देश के नुमाइन्दों का ! फिर भी 6 और 7 दिसम्बर सन '52 की बनारस की यू० पी० बुनकर कानफरेन्स ने दिल्ली सरकार और उत्तरप्रदेश की सरकार, दोनों के पास एक मेमोरेन्डम या प्रार्थनापत्र भेजा है जिसमें बताया गया है कि किस किस तरह सरकार देश के इस इसने बढ़े धनदें को अब भी बरवादी से बचा सकती है और करोड़ों देशबासियों की फिर से काम पर लगा सकती है.

पर इस समय सबसे बड़ा सवाल यह है कि देश की जनता और सुद इमारे बुनकर माई इस बारे में क्या करें? चालीस बरस से ऊपर तक स्वदेशी का जी क़ीमती पाठ इस पढ़ते रहे, उसे यह अधूरी आजादी पाते ही इमने एक दम मुला दिया. घारा समाओं के अन्दर इमारे मिनिस्टर

پوے هيں . أن كے هوشهار كاريگر جن ہو أس صوبے كو أور سارے ديوس كو گهدائ تها كنچه ركھا چة كر أور سارے ديوس كو گهدائ تها كنچه ركھا چة كر كي بچوں كو يالقے كى كوشش كو رقے هيں كچه مؤدوري كى تقش ميں بميلى بميلى اور دوسرے شہروں كو تكل گئے هيں اور جو هؤاروں أبهى يقارس ميں موجود هيں أن كى يه حالت ہے كہ أن كے قياوں ميں هلاتے ميں مشكل سے دو يا تين دن چولها جاتا ہے . نفي نفي بحوں كو قاتوں پر قاتى دووازے قرت كئے هيں ليكن پيسه نبين كو مرمست كرا دروازے قرت كئے هيں ليكن پيسه نبين كه مرمست كرا سكيں. ميں نے يہ حالت أور إس سے كہيں بدتر حالت جسے بيان كرسكا ناممكن ہے پچاسوں گوروں ميں كيس گيس گيس كي يه پرائى كاريكري ميں ميں وي يه پرائى كاريكري

هماری سرکار اگر چاهای تو یه حالت ایک دن مهل هرست هومکلی تهی . ولا چاهانی تو یه نویت هی نه آئم ، لهكين سركار كا تملك كچه دوسرا هي دكهائي دي رها هے . شری راج کرہالا جاری نے جاها تھا که خاص تمهر تک کے سوس کی دھولیاں اور ساویاں بدائے سے ملوں کو ورک دیا جاویے اور یہ کام دیش کے کرگھوں کے لگے چھوڑ دیا جارے تاکد یہ کروروں کی آبادی بھکاری اور بھوک سے ہیے جاویے . لیکن اِس سے ملوں کے مقافعے میں کچھ كمي آئي . دلي سركار كو يه يات يسلد نه آلي . بغارسي شاريون مين جو ريشم كام مين آنا فها وه زيادةتر جايان اؤر اللّٰي سے آتا تھا ، هماري سركارنے أس ريشم كے ملك میں آئے پر بھاری ٹیکس لکا دیا جس سے که بغارس کی ساویاں مہنگی پونے لگیں، دوسری طرف بقارسی ساویوں کی ٹکر کی پہلے کوئی چیز باہر سے نہیں آتی تھی ، آپ امریکه کی بلی أسی طرح کی ویشمی ساویاں کہلے بلدوں دیم میں آ رهی هیں آور سستے داموں یک رهی هیں. أن ير كوئى روك توك نهيل، بدارس كے بدور أن سے سستا نہیں ہیے سکتے ، شک عوتے لکتا ہے کہ عدادے دیش میں کسکا راہے ہے' امریکی پونجی پتیوں اور اُن کے حصردار کچه هندستانی پرنجی پتیون کا اِس دیش کے نمائندوں کا ! پہر بھی6 اور 7 دسمبر سن 52' کی بدارس کی ہو ۔ ہی ، بفکر کانفرنس نے دانی سرکار اور آتر پردیش کی سرکارا دونوں کے پاس ایک مهمورندم یا پرارتها پاتر پھینچا ہے جس میں بتایا گیا ہے کہ کس کس طرح سرکار دیس کے اِس اللے ہوےدھندے کو اب بھی برہادی سے بچا سكتم هاور كروزون ديش وأسهون كو يهر ساكم وراكا سكتى ها. ير اس سب سب س بوا سوال يه هے كه ديش كى جاتا أور خود همارے بلكر بهائي إس بارے مهل كها كريں؟ جالیس برس سے آرپر تک سردیشی کا جو قیمتی پاتھ ہم پوهائے رہے' آسے یہ ادھوری آزادی باتے ھی ھم لے ایک دم بھلا دیا ، دھارا سبھاؤں کے اندر ھمارے ملسلار



हमारे घरेलू धन्दों की बरबादी--एक अपील

हमारे देश को इस समय एक बहुत गहरे संकट का सामना करना पड़ रहा है. एक एक कर के देश के लगभग सब धन्दे और सब रोजगार तेजी से मिटते जा रहे हैं. बारों तरफ बेकारी बढ़ रही है और बेकारों की तादाद करोड़ों तक पहुँच गई है. यहां में केवल कपड़े के धनदे की बात करना चाहता है.

हाल में मदरास के बड़े बजीर श्री राजगोपालाचारी ने दुनिया को बताया था कि वहां पर बुनकर भाइयों का धन्दा करीब करीब ठप हो गया है जिसकी वजह से अकेले मदरास प्रदेश में 50 लाख से जपर लोगों पर, जो इस धन्दे में लगे हुए थे, काक़े की नौबत आ गई है. हमारे सूबे उत्तरप्रदेश में कुल लगभग तीन लाख करये हैं जिनमें आठ लाख कारीगर काम करते हैं. इस काम से कम से कम चालीस लाख मर्द, औरत और बच्चों का पेट पलता है. आज इन चालीस लाख में से अधिकतर सख्त मुसीबत और प्रोशनी में हैं. यही हालत और सब सूबों की है.

6 दिसम्बर से 9 दिसम्बर तक मुमे बनारस में रह कर बहां के बुनकरों की हालत देखने का मौका मिला बनारस की रेशमी सादियों की दस्तकारी वह बदिया और सुन्दर दस्तकारी है जिस पर सारे हिन्दुस्तान को हजारों बरस से नाज रहा है. जरी का काम वहां बहुत होता है. वहां के कारीगरों में इतना एका है कि अगर कोई कारीगर भूटी जरी लगते हुए पकड़ा जाय तो उसका विरादरी में हुक्का पानी और ज्याह शादी तक बन्द कर दिया जाता है. नतीजा यह है कि बनारसी सादियों का काम सिद्यों से टकसाली काम रहा है जिसे गाहक आंख बन्द कर के खरीद सकता है. बनारस की इस दस्तकारी को डेद सौ बरस के अंगरेजी राज में भी कोई नुकसान नहीं पहुंचा और यह बराबर फलती-फूलती रही. लेकिन आज बनारस के लगभग पांच हजार करवों में से कृरीब क्रीब चार हजार बन्द

همارےگھریلو دهندوں کی بربادی۔ ایک اپیل

همارے دیش کو اِس سے آیک بہت گہرے سلکت کا سامنا کرنا یو رہا ہے ۔ ایک ایک کرکے دیش کے لگ پہک سب دھندے اور سب روزگار تھوی سے مگتے جا رہے میں ۔ چاروں طرف بھکاری ہوہ رہی ہے اور بھکاروں کی تعداد کروزوں لگ پہونچ گئی ہے ، یہاں میں گھول کھڑے کے دھندے کی باس کرنا چاہتا ہوں ،

حال میں مدواس کے ہونے وزیر شرق وأنے گوبالچاری نے دنیا کو بٹایا تیا کہ وہاں پر بنکر بھائیوں کا دھندہ قریب توبیب توبیب ہوئیا ہے جستی وجہ سے انہلے مدواس پردیش میں 50 لاکھ سے آویو لوگوں پر' جو اس دھندے میں لکے ہوئی تھ' فائے کی نوبت آ گئی ہے ۔ ھمارے صوبے آتر پردیش میں کل لگ بھگ تین لائم کوگے ہیں جی میں آتہ لاکہ کاریکر کام کوئے ھیں ، اس کام سے کم سے کم جالیس لائم مرد' عورت اور بچوں کا پھمی پنتا ہے ، آج اِن چالیس لائم میں میں سے آدھک تر سخت مصبحت اور پویشائی میں ھیں ، یہی حالت اور سب موابی کی

6 دسمبر ہے 9 دسمبر تک صحیحے باارس میں وہ کر وہاں کے باکروں کی حالت دیکھنے کا سوقع ماڈ باارس کی وہاں کی وہاں کی وہاں اور سفدردساکاری کی وہا ہوہا اور سفدردساکاری بیشر میس پر سارے هالمستان کو هزاروں بوس سے ناز رهاہے فرق کا قام رهاں بہت هوتا ہے ، وہاں کاریکروں میں انفا لیک ہے کہ اگر کوئی کاریکز جہوتی فری لگاتے هوئے پخوا بیائے نو اُس کا بوادوی میں حقد پائی اور بیاہ ہائی گئی پلد کر دیا جاتا ہے ، لتیمید یہ ہے کہ باارس ساڑیوں ساڑیوں کی اُس دسکاری کو قیر سو کریے کریک انگریزی والے میس بھی کوئی نقصان نہیں بہونیوں اور بیا ہیں بہونیوں اور بیا ہیں بہونیوں کی اُس دسکاری کو قیر سو بہراہو پہلتی بہولتی رہی۔ لیکن آج باارس کے لگ اور بیک بانے ہزار کرکیوں میں ہے تریب تریب جوار ہوار بلد

और राजनीति के बारे में राष्ट्रीय साहित्य देते चले आ रहे हैं. आजारी के बाद से उनकी राष्ट्रीयता ने सर्वोदय विचार भारा का बाना पहना और अपने गहरे चिन्तन व पुराने अनुभव के बल पर उन्होंने लगभग एक बरस हुआ "सर्वोदय अर्थशास" नाम की एक अनोसी रचना देश को दी जो अपने देश की लासानी किताब है.

धर्यशास के बाद केला जी राजनीति की तरफ मुकते मालूम होते हैं और इस छोटी सी किताब से पता चलता है कि वह इस दिशा में भी कोई बड़ी देन देना चाहते हैं जिस के लिये यह किताब भूमिका रूप जैसी मालूम पड़ती है. इस किताब में केला जी ने जोरदार अपील की है कि हमारे राजकाज को सर्वोदय के उसूल पर बदल देना चाहिये.

हमें उम्मीद है कि राजनीति से दिलचस्पी रखने वाले विद्यार्थी, शिचक और नेतागन इस पुस्तक से पूरा पूरा कायदा उठावेंगे.

X

-काडू (मध्वाला स्मृति नम्बर)

X

श्वक्तूबर-नवस्वर 1952; सम्पादक--नवरंग प्रसाद जायसवाल और गोपाल कृष्ण मलिक; निकालने वाले--विद्यापित भवन, खजान्ची रोड़, पटना; सालाना चंदा पांच रुपये; इस नम्बर का एक रुपया.

आचार्य किशोरलाल यनस्यामलाल मश्रूबाला हमारे देश के उनके चोटी के विचारकों और सोचने वालों में थे जिनकी कसौटी में हर किसी को विश्वास था. वह मानो एक हमेशा जागते रहने वाले चौकीवार थे जो हिंसा या केन्द्रीकरन की आहट पाते ही सब को चौकन्ना कर देते थे. लेकिन वह साथ ही साथ इतने नम्न और संकोची थे कि उनके बारे में जियादा जानकारी लोगों को हो ही नहीं पाई.

इसलिये हम 'माड़्" के इस नम्बर का स्वागत करते हैं जिससे मश्रवाला जी जैसे छिपे हुए हीरे के जुदा जुदा पहलुओं पर कुछ रोशनी पड़ती है. इस में आवार्य विनोबा, काका 'कालेलकर, श्री श्रीकृष्टन दास जाजू, श्री केदार नाथ, पंडित सुन्दरलाल, श्रीमती रामेश्वरी नेहरू, श्रीमती जानकी देवी बजाज वरौरा के सुन्दर लेख हैं. पर ताज्जुब की बात है कि पूच्य किशोरलाल आई की जन्म से लेकर सत्यु तक पूरी जीवन कहानी कहने बाला एक लेख भी नहीं है जो बहुत सटकता है. फिर भी "माड़्" के सम्पादकों को हम बधाई देते हैं कि इतना कम समय रहते हुए उन्होंने इतना सुन्दर नम्बर निकाला. हमें विश्वास है कि क्या रचनास्मक कार्यकर्ता और क्या हिन्दी प्रेमी दोनों इससे कायहा उठायेंगे और "माड़्" को जियादा से जियादा सेवा करने के लिये प्रोत्साहन वेंगे.

—सुरेश राममाई

ارد راج نیمت کے بارے میں واشتری ساھتیہ دیتے چاہے آ رہے میں ۔ آزادی کے بعد سے اُن کی واشتری تنا نے سروودے وجار دھارا کا بانا پہنا اور آئے گہرے چنتن و ہزائے آنویوو کے بل لا اُنہوں نے لگ بیک ایک بوس ہوا ''سروودے آرتیشاستر'' نام کی ایک انوکیی وچنا دیش کو دی جو آئے قملک کی لائنی کتاب ہے ۔

آرته شاستر کے بعد کیلا جی راج نیمت کی طرف جهکتے معلم هوتے هیں اور اس جهوتی سی کتاب سے پتھ جلتا هے که وہ اس دفیا میں یهی کوئی یوی دین دینا جاهتے هیں جس کے لئے یہ کتاب یہوم کا روپ جیسی معلوم پوتی ہے ، اس کتاب میں کیلا جی نے زوردار ایپل کی ہے که همارے راجکاج کو سرورد نے کے اصول پر بدل دینا چاهئے .

همیں اُمید ہے که راج نیت سے دلنچسپی رکھنے والے ودیارتھی' شکشک اور نیٹا کن اس پستک سے پورا قائدہ اُٹھائیں کے ،

جهارو (مهرروالا اِسترتی نمبر)

X

انگوبر-اومبر 1952؛ سمهادك-نورنگ پرشادجائهسوال أور گوبال كرشن ملك؛ نكالغ راله-ودياپگی بهون خوانچی رود پالغی روبهه؛ اس نمبر كا ايك روبهه؛ اس نمبر كا ايك روبهه .

آجاریہ کشورلال گہن شیام لال مشرووالا همارے دیش کے اُن چوتی کے وچارکوں اور سوچلے والوں میں تھے جٹکی کسوتی میں هر کسی کو وشواس تھا، وہ مانو ایک همیشه جاگئے رہئے والے چوکیدار تھے، جو هنسا یا کھندری کرن کی آهٹ پاتے هی سب کو چوکنا کردیتے تھے، لیکن وہ ساتھ هی ساتھ آنئے نمر اور سلکوچی تھے کہ اُن کے پارے میں زیادہ جانکاری لوگوں کو هو هی نہیں پائی .

اس لئے هم ''جہاڑو'' کے اُس نمبر کا سوالت کرتے هیں جس سے "شرووالا جی جیسے چھھے ہوئے هوئے همرے کے جدا چدا پہلووں پر کچھ روشلی پرتی ہے ۔ اس میں آچاریہ ونیا' کاکا کالیلکر' شری شری کرشن ہاس جاچو' شری کیدار ناتی پلات سفدولال' شریعتی رامیشوری نهرو' شریعتی جانکی دیوی پجاج وفیرہ کے سفدر لیکھ میں پر تعتجب کی بات ہے کہ پرجھہ کشور لال بھائی کی جمارہ بر تعتجب کی بات ہے کہ پرجھہ کشور لال بھائی کی جمارہ بیا ہمیں بھی جہازہ کو سمیادگوں کو هم بدھائی دیتے هیں کہ اتفا کم سمیدر میادگوں کو هم بدھائی دیتے هیں کہ اتفا کم سمیدر میادگوں کو هم بدھائی دیتے هیں کہ اتفا کم سمیدر میادگوں کو هم بدھائی دیتے هیں کہ اتفا کم سمیدر میادگوں کو ہمائی دیتے هیں کہ اتفا کم سمیدر ناتے ہوئے انہوں نے اتفا سفدر نمیر نکالا ۔ همیں وشواس سے فائدہ اُتھائیلگے اور جھاڑو کو زیادہ سے زبادہ میھوا کی نے پروتساهن دیائے ۔

---سريش رامههاڻي

हमारे पड़ोसी पर जब भूट की बारों तरफ से बौज़ार हो रही है, 'नया चीन' नामी मासिक पत्र दिया के समान है इस दिया को न बुकते देने की उन सब को क्रसम खानी चाहिये जो सच की जीत देखना चाहते हैं और उन्हें 'नया चीन' को हर तरह की सहायता देनी चाहिये.

'नया चीन' की हर चीज सुन्दर है-सम्पादन, कशर, गेटश्रप और लेख-हिन्दी जानने वालों के लिये 'नया

चीन' बहुत बड़ा खजाना है.

हमें विश्वास है कि भारत की जनता अपने हित के लिये 'नया चीन' को कभी बन्द न होने देगी. लेखकों और पाठकों से हमारी अपील है कि वह योगता के मुताबिक 'नया चीन' की अधिक से अधिक मद्द करें.

—मुजीब रिजाबी

'नया समाज'—परिवार नियोजन अंक

सम्पादक—मोहन सिंह सेंगर, पता—33 नेताजी सुभाश रोड, कलकत्ता-1; लिखावट हिन्दी; सका 120;

वाम एक रुपया.

regression di

'नया समाज' पांच साल से निकल रहा है. हिन्दी के शायद कुछ ही पत्र इसकी छपाई और गेटकप का मुकाबला कर सकेंगे. 'नया समाज' का जनवरी श्रंक 'परिवार नियोजन अंक' (श्रौलाद पर रोक) है. इस बात को लेकर हिन्दुस्तान में बहुत बहस चली है. कुछ का कहना है कि रीर क़ुदरती ढंग से झौलाद की कमी न होनी चाहिये झौर कुछ का कहना है कि इस संबंध में जितनी भी मदद हम साइन्स से ले सकते हैं वह लेनी चाहिये. इस विशय से संबंध रखने वाले सभी पहलुओं पर काफी लिखा जा चुका है. लेकिन यह सब साहित्य अधिकतर अंगरेजी में है और कभी कभार ही हिन्दी पाठकों को थोड़ा बहुत पढ़ने को मिलता है. 'नया समाज' ने इस विशय पर यह अंक निकाल कर अच्छी साहित्य सेवा की है. इस अंक की एक बड़ी कमजोरी यह है कि यह एक पक्श ही की बात पाठक के सामने रखता है. ऐसी योजनाओं के विरोधियों के विचारों को इसमें जगह नहीं मिली. इस कारन से अंक का महत्व कम हो जाता है.

---मुजीब रिज्रवी

सर्वोदय राज क्यों भीर कैसे ?

लेखक—भगवानदास केला; निकालने वाले—भारतीय प्रंथ माला, दारागंज, इलाहाबाद, लिखावट नागरी, सफ्रे 71, दाम दस आने, पहली बार 1952.

श्री भगवानवास केला हिन्दी जगत के उन गुजुर्वी में से हैं जो सम 1915 से अब तक लगातार अर्थशास همارے پورسش پر جب جهوت کی جاروں طرقب سے بوجهار هو رهى هے ? نها چهن ؛ نامى ماسك يتر ديا كے سمان ہے . اِس دیا کو نہ بجہنے دیئے کی اُن سب کو قسم كهاني چاهكر وسي كيجهت ديكهنا چاهتر ههن أور أنههن اليا چهن كو هر طرح كي سهائمًا ديني جاهيّے . ا نیا چین ' کی هر چیز سندر هے --سمپادن کور' گتاب اور لیکھ-سفدی جانئے والوں کے لئے 'نیا چین' بہت

همیں وشواس ہے که بھارت کی جلعا اپنے هت کے لگے ' تھا چھن ' کو کبھی بند نه هوئے دے کی . لیکھکوں اور پالھکوں سے هماری اپیل ہے که وہ یوکنا کے مطابق انهاچھوں کی ادھک سے ادھک مدد کریں ،

--منهیپ رقاری

انیا سیاج '۔ پریوار نیوجی انک

سىهادك -- موهن سلكه سهلكر؛ يته -- 33 نهتاجي سههاهي روة كلكته 1: لكهاوتهندى؛ صنصه 120؛ دام ايكرويهم.

ا نیا سام ا پانی سال نکل رہا ہے . هلدی کے شاید كتهم هي يتر إسكى چههائي اور كت آپ كا مقابله كر سكين كي ، 'نها سناج' كا جذوري انك ' هريوارنهو جن انك ' (اولاد ير روك) هي أس بات كولي كر هددستان مين بهت يعدث جلى هـ . كچه كا كهنا هـ كه فير قدرتي دهنگ سے اولاد کی کمی نہ ہونی چاہئے اور کچھ کا کہایا ہے کہ اِس سمبندہ میں جعنی ہوی مدد ہم سائنس سے لے سکتے دیں وہ لیلی چاہئے اس وٹنے سے سبیلدد ركهنے والے سبهی پهلوؤں پر كافی لكها جا چكا ھے . ليكن یه سب ساهتیه ادهک تر انگریزی مین هے اور کههی کبھار ھی مقدمی پاٹھکوں کو تھوڑا بہت پوہلے کو ملتا ہے۔ انها سمام ' نے اِس وشہ پر یہ انک نکال کر اچھی ساھاتھ سهوا کی ہے ، اس انک کی ایک بڑی کدروری یہ ہے که یم ایک بعض هی کی بات پاتیک کے سامنے رکھتا ہے ۔ آیسی یوچفاؤں کے ورودھیوں کے وچاروں کو اس میں جات نبھی ملی ، اس کارن سے آنک کا مہتو کم هو جاتا ہے ،

سمجهب وقبي

سرووںے راج کیوں اور کیسے ؟

ليكهك بهكوان دأس كيلاء نكاللم والرسبهارتهم كرنته مالاً دارا كلم الدالد؛ لكهارت نادري أصفحه 71؛ دام دس أنه؛ يهلي بار 1952 .

شرمی بهکوان داس کیلا ملدی جاست کے اُن بزراوں میں سے میں جو سن 1915 سے اب تک لعادر اردیشا معر इस संग्रह की काश्विपी नक्क में राही ने दुनिया की उसकी असली शकल दिखाने की कोशिश की है:

आज इर सिन्त अंधेरा ही मिलेगा तुम की रात के पास अंधेरे के सिवा कुछ भी नहीं लेकिन शायर मायूस नहीं है और वह कहता है: और तूफां के मक्तने में भी अब देर नहीं और सूरज के निककाने में भी अब देर नहीं

जिस जोश से लोग राही की नज़में मुशायरों में सुनले हैं हमारा खयाल है कि उसी जोश से राही का 'नया साल' सरीहेंगे भी.

--- मुजीब रिजवी

आहंग

लिखने वाले—इसरारलहक 'मजाज', निकालने वाले— आजाद किताब घर, कलां महल, देहली; लिखावट उरदू; दाम चार रुपया: सफा 216.

'आहंग' उरदू के मशहूर शायर 'मजाज' की नजमों और राजलों का संग्रह है. इस में मजाज की सन 30 से सन 52 तक की रचनायें शामिल हैं. किताब का दूसरा एडीशन है. खपाई 28 पींड के सफेद काराज पर है. कवर वरीरा बेहद खूबसूरत हैं.

मजाज' की रचनाओं की तीन मंजिल रही है—जाम और सुराही—इनक़िलाबी ललकार—सुराही की क़ुलक़ुल से निकलने वाली इनक़िलाबी ललकार—जैज ऋहमद 'जैज' ने इस किताब के दीबाचे में मजाज की शायरी पर काजी रोशनी बाली है.

इसरावल इक को शराब ने मारा है और इसरावल इक ने 'मजाज' का गला घोंट दिया है. अब भी कभी कभी बह जागता है लेकिन कब तक यह चिंगारी और जलेगी कहा नहीं जा सकता.

-- मुजीब रिज्रवी

नया चीन

ं एडीटर--मनोरमा सैटिन, मिलने का पता-D47/411 रामापुरा, बनारस; लिखावट हिन्दी; सालाना चन्दा तीन रुपया, एक कापी का दाम पांच आना.

'नया चीन' कुछ लोगों की कांलों में सटकता है और कुछ लोगों को हिम्मत देता है, आशा बंधाता है, पहला गिरोह नया चीन को बदनाम करने पर तुला हुआ है, भूट सच जिस तरह से भी हो डालर के जोर पर अम पैदा करने की कोशिश में है. दूसरा गिरोह निर्धन है पर उसे अपने पच्छा की सचाई पर विश्वास है. हिन्दुस्तान में भी यह दो निरोह हैं. آجی سنکرہ کی آخری نظم میں راھی نے فایا کو آسکی آبنکی شکل دکیائے کی کوشش کی ہے :

آج هر سمت أندهبرا هی ملے گا تجهکو راس کے پاس اندهبرے کے سرا کچھ بھی نہیں لیکن شاعر مایرس نہیں ہے اور وہ کپتا ہے:
اور طوفان کے محلقے میں بھی آب دیر نہیں اور سورج کے نکلنے میں بھی آب دیر نہیں جس جوش سے لوگ راهی کی نظمیں مشاعروں میں سقاتے ہیں همارا خیال ہے کہ اسی جوش سے راهی کا 'نیا سال' خیردیں گے بھی ۔

سسبجهب رقبوى

أهنك

لكها، والهـالسرارلحق مجاز؛ نكاله والهاأول كتاب الهرا كال محل دهاى؛ لكهاوت أردو؛ دام جار ربيه ؟ منحه 216 .

ا آھلگ ' اُردو کے مشہرر شامر مجاز کی نظموں اور فؤلوں کا سفائرہ ہے ۔ اِسمیاں مجاز کی سن 30 ہے سن 28 کے سن 28 تک کی دوسرا ایڈیشن ہے ۔ چیہائی 28 پونڈ کے سفید کفڈ پر ہے ۔ کور وغیرہ ہے ہی خوبصورت میں ،

المجاز' کی رچاؤں کی تھن مغول رھیھے۔۔جام اور مراحی۔۔انقلابی اور الکار۔۔مراحی کی قل قل سے انکلنے اللہ انقلابی الکار۔ قیض احمد افیض' نے اِس کتاب کے دیھاجے میں مجاز کیشاہرو پر کائی روشقی آائی ہے ۔

إسرارلحتى كو شراب ته مارا ها اور إسرارلحتى نه مجاز كا كلا كهرست ديا ها ، اب يهى كهى كهبى كهبى وه جائلا ها نهكن كب تك يه جلكارى اور جله كىكها نهين جاسكتا .

ــمجهب رضوي

نیا چین

ایقیگر-مدورما سیتن؛ ملنے کا یته-1411 میں اور اما پورا بناوس؛ لکهارت هندی؛ سالانه چلدید تین روید ؛ ایک کای کا دام یانچ آنه .

'نیا چین' کچہ اوگوں کی آنکھوں میں کھٹکھٹا ہے اور کچہ لرگوں کو همت دیٹا ہے' آشا ہددھاتا ہے ۔ پہلا گوہ نیا چین کو مدت دیٹا ہے' آشا ہددھاتا ہے ۔ پہلا گوہ نیا چین کو جس طرح ہے بھی ہو قالر کے زور پر بھرم پیدا کرتے کی کوشش میں ہے ۔ دوسرا گروہ نردھن ہے پر اُسے آئے پکش کی سچائی پر وشواس ہے ۔ هندستان میں بھی یہ دو گوہ هیں ،



नया साल

نيا سال

किसने बाले—राही मासूम रजा; निकालने वाले—खबामी किसाब घर, बगीर मंजिल, राजिपुर; बिखावट उद्दे, वाम बारह काना, सका 64.

मास्म रका और 'राही' होनों एक ही श्वादमी के नाम हैं लेकिन फिर भी होनों में काफी फर्क है. मास्म रका का नाम सुनकर लोग सोचने लगते हैं कि यह किसका नाम है. कर 'राही' का नाम चाते ही, लोगों के दिल में गुद गुदी होने लगती है. बनके सामने भोला, मुसकराता हुआ एक ऐसा चेहरा नाच उठता है जिसकी जावाज और जिसकी नजमें मुशायरे में जान डाल देती हैं. राही की उमर चाहे जितनी भी कम हो लेकिन जिस राह का वह राही है, वह पुराना रास्ता है. वह कुरवानी, त्याग, हिम्मत क्षान्रास्ता है. यही खुरवानी उसकी नजमों की जान है, यही हिस्मत उसकी आवाज में लखकार पैदा करती है.

'नया साल' उसी नौजवान शायर की पांच नक्सों का संग्रह है. पहली नक्स पाकिस्तान और हिस्दुस्तान के पूंजी मित्रपों को जेत्यांनी है. राडी का निरूचय इतना मजबूत है कि किसी खाफत के सामने भी वह सर मुकाने को तैयार नहीं है. वह कहता है:—

सर—मगर मौत की साहिश वे नहीं कुक सकते गीत—लोहे की सलाखों से नहीं दक सकते.

द्वार जीत का असर सच्चे इनक्रिलावियों की हिन्मत पर महीं पड़ता, उनके सामने एक मक्कसर होता है और बद इतमिनान से कठिनाइयों का मुक्रावला करते हुए उसे द्वासिल करने के लिये आगे बढ़ते जाते हैं. राही ने उसी उसल की वों नक्स किया है:

व्यक्ती ही फतह, कोई जंग का वस्त्र नहीं कूंती साहित का सर्क मोजों से कुछ दूर नहीं यू तो कब दार नहीं, अरकते मंस्र नहीं विक्गी मौत के क़ामून से मजबूर नहीं

जिस्म मर जाय पे ईमान नहीं मर सकता मीत मर खालगी. इनसान नहीं मर सकता لكهة والسراهى معصوم وضا؛ تكلف والسعوامى كتاب عبره والدستوامى كتاب عبره بهور مفول فاتي يورى؛ لكهارت أردو؛ دام باره آنه؛ منعت 64

مصوم وضا اور 'راهی' دونوں ایک هی آدمی کے قام هیں اله کن یہ بھر بھی دونوں میں کئی قبق ہے ، معصوم وضا کا نام سن کو لوگ سوچنے لگتے هیں کہ یہ کس کا نام ہے ، پر 'راهی' کا نام آتے هی لوگوں کے دل میں کدگدی هوئے لگتی هی ارائی کے سامنے بھولا' مسکراتا هوا لیک ایسا چھرا ناچ آئی کے سامنے بھولا' مسکراتا هوا لیک ایسا چھرا ناچ آئی کی سامنے بھی آواز اور جس کی نظمیں مشاہرے میں نوان دیکی هیں ۔ راهی کی عمر چاھے جھٹی بھی ہوان قال دیکی هیں ۔ راهی کی عمر چاھے جھٹی بھی کم هو لیکن جس رائ کا وہ راهی ہے وہ پرانا راستہ ہے' وہ قرباتی' تھاگ' هممت کا راستہ ہے' وہ نظموں کی جان ہے' یہی همت اُسکی آواز میں للکار بھدا کرتی ہے ۔

' تھا سال ' اُسی نوجوان شاعر کی ہانچ نظموں کا سنگرہ ہے ، پہلی نظم ہائستان اور مقدستان کے پرنجی پتیوں کو چیتلونی ہے ، وامی کا نشتے اتنا مقدوط ہے کہ کسی آفت کے ساملے ہوں وہ سر جوکائے کو تھار تھوں ہے ، ود کہتا ہے :---

سرسمگر موت کی خواهش په نههن جهک سکتے . گیمتیسلومے کی سائٹورس سے نہیں رک سکتے .

مار جهت کا اگر سمچے انقابهوں کی هست پر نہیں ہوتا ، اُن کے ساملے ایک مقصد هوتا ہے اُور وہ اسیمقان سے کتیفائیوں کا مقابلے کرتے ہوئے آئے حامل کرتے کے لگے آگے بوہتے جاتے ہیں، راهی نے آسی سوال کو پور نظم کیا ہے :

ایتی هی قتم گوئی جلک کا دستار نهیاں پور تو توں پور تو توں پور توں توں پور توں پور توں پور توں پور توں پور توں پور توں توں پور توں دار توں بور توں کے گائوں سے محبور توں توں پوس خرجائے پر ایدان توں مر سکتا موں مرجائے کی انسان توں مرسکتا

मचराख में बेती की समस्या

Commenced to the state of the s

सरकार ने इस कमेटी की इसकिये विठाया था कि वह इस बात पर रिपोर्ट करें कि जियादा से जियादा कितनी जमीन हर एक आदमी के क्रवजे में रहने दी जाय, कैसे खेती न करने वाले और ग़ैर सकूनती रैयलों को जतम किया जाय, किसानों को कैसे खेत का मालिक बनाया ज़ाय और जगान कैसे मुक्ररेर हो. कमेटी को हिदायत दी गई थी कि वह जास अफसर की और कुमारपा कमेटी दोनों की रिपोर्टों पर भी ग़ौर करे.

इस कमेटी की रिपोर्ट 1951 में छपी. इस रिपोर्ट में किसानों के बजाय जमींदारों के हित की रचा की गई थी. कांगरेस के इस मसले पर सारे पुराने सुमावों और पुरानी मांगों की यह रिपोर्ट विरोध में थी.

आज भी मदरास में खेती का मसला जूं का तूं बना हुआ है.

مدراس میں کہھٹی کی سسیا

سراؤ یے آئیں کسیکی کو اس لئے بتھایا تھا که وہ اسس بات پر رپررٹ گریے که زیادہ سے زیادہ کتئی زمهن ہر آیک آدمی کے قبضے میں رہنے دبی جائے کسے کھیلی نه کرنے والے اور غیر سکونکٹی ومیٹرں کو ختم کھا جائے ا کسانوں کو کیسے کھیمت کا مالک بنایا جائے اور لگان کیسے مقرر جو ، کمیٹی کو ہدایت دبی گئی تھی که وہ خاص افسر کی آور کماریہا کمیٹی دولوں کی رپورٹوں پر بھی فور کریے ،

اِس کمیٹی کی رپورٹ 1951 میں چھپی ۔ اِس زیروٹ میں جھپی ۔ اِس زیروٹ میں کسائی کے بتجائے زمینداری کے مت کی رکشا کی کئی تھی ۔ لانکریس کے اِس مسئلے پر سارے پرائے سجھاؤں اور پرائی مانگوں کی یہ رپورٹ ورودہ میں تھی۔ آئے بھی مدراس میں کھیٹی کا مسئلے جوں کا

آج پہی مدراس میں کہیٹی کا مسئلف جوں ک کیں بنا ہوا ہے ۔

किसान विनती

(स्वामी मारहरवी)

कर के मेड़ मेड़ी बाखर तुमने ऊचे महल बनाए जगमग मेरे दिये बुमाकर अपने घर के दीप जलाए मेरे सुनहरे खिलहानों पर आड़े तिरखे दांव लगाए लुट लई निर्धल की आशा ऐसे तुमने जाल बिछाए.

सुले सांसद हार हैं मेरे, लाल फुलरव। गाल तुम्हारे देह के हंगर बालक मेरे लालों के हैं लाल तुम्हारे भूक में हम एक कौर को तरसें घर में तर माल तुम्हारे अपनी कमाई बाह लुटा कर हो गए हम कंगाल तुम्हारे.

मेरे धन से मिलें बनाएं, मांत भांत की कलें लगाएं आप मनेजर, आप बिरेक्टर, आप ही जग दाता कहलाएं मेरी पैदाबार से हिर फिर आप ही सारा लाभ उठाएं कबुवा कबुवा थू थू कर के, मीठा मीठा हप कर जाएं.

کسان بنتی

(سوامی مارهوری)

کو کے مہو مہری باکہر تم نے اُونچے محل بقائے ہیں مگ مہرے دیئے بجھا کو آئے گھر کے دیت جائے مہرے سفہرے کہلھہانوں پر آڑے ترچھے داؤں لگائے لوگ لگی نربل کی آشا ایسے تم نے جال بجھائے ،

سوئے کہاکھو ھار ھیں مہرے الل پہلروا کال تمہارے دیے ۔ تنگر ہالک مہرے اللی کے ھیں الل تمہارے بہوک میں ھرن ترمال تمہارے بہوک میں ھرن ترمال تمہارے الیتی کہائی آت انگا کر مولکے ھم کلکال تمہارے۔

مهریدد من سرملها بنائها بهانت بهانت کی کلها کالها او آپ منهجر آپ دریکتر آپ هی جگ دانا کهانها مهری پیداوار سر هر پهر آپ هی سارا اله آنهانها کورا نور تهر تهر تهر کی مهنها هی کر جانها .

कारनों से और भी जरूरी है कि किसानों की दिकायत की जाय.

दूसरी बात जो कमेटी ने कही वह यह थी कि किसानों की मिलकियत की हिकाजत का मसला खेती सुधार से अलग एक अहम मसला है. चूंकि कमेटी के मेम्बर इस मसले पर एक राय नहीं हो पाए इसलिये इस सवाल पर दूसरी कमेटी बैठाई जाय.

3 दिसम्बर 1938 को मदरास असेम्बली में श्री प्रकाशम ने एलान किया:

"कांगरेस और दूसरे इलक़े सरकार से मांग कर रहे हैं कि सूबे में जमीन के क़बज़े संबंधी एक क़ान्न पास होना चाहिये. रैयतबारी प्रथा के मातहत जो इलाक़ हैं वहां कारतकारों को क़बज़े का हक देने का मतलब है कि पहादारों से सारे अधिकार झीन लिये जायं. सरकार इस सवाल पर सोच विचार नहीं कर रही है."

यह कहने की ज़रूरत नहीं है कि ऊपर की बात मदरास के ज़र्मीदार इस मसले पर बात बरते हुए हमेशा कहा करते हैं.

प्रकाशम कमेटी की सिकारिश पर 1946 में सरकार ने एक खास अकसर मुकर्र किया कि वह इस बात का पता लगाए कि रैयत बारी इलाक़ों में लगानदारी की कितनी किसमें हैं और उन में क्या सुधार किया जा सकता है. इस अकसर ने 1948 में अपनी रिपोर्ट पेश कर दी. इस रिपोर्ट में सारे जरूरी सुधारों की सिकारिश की गई थी. लेकिन इस रिपोर्ट को रोक किया गया और यह कहा गया कि कुमारणा कमेटी के अपने पर इस पर कार्रवाई की जायगी.

इतना समय काफी था. कारतकार फ्रबरदस्ती वेदखल कर दिये गए. लगान का दर वेहद वेहद बढ़ गया और परिस्थित खराब होने लगी. शोर मचने पर कारतकारों की आरखी रक्षा के लिये एक बिल तैयार किया गया ताकि व तो किसानों को खेत से वेदखल किया जा सके और न लगान ही बढ़ाया जा सके लेकिन इस में भी ऐसी शर्त रखी गई कि वही किसान फायदा उठा घके जो कम से कम तीन बरस पहले से खेत को जोत रहा हो. ऐसी परिस्थित में जब रैयतबारी पट्टे दार हर साल अपने कारतकार बदलते हों यह बात साफ थी कि शायद ही हने गिने किसानों को फायदा हो सके. लेकिन मजे की बात बद है कि यह बिल भी असेम्बली में नहीं लाया गया और कुआराज कमेटी की रिपोर्ट न निकलने का बहाना किया

कुमारणा कमेटी की रिपोर्ट 1949 में निकल गई. मन्द्रास सरकार ने एक मालगुकारी सुधार कमेटी बैठाई. کارٹوں سے اور بھی ضروری ہے کہ کسائوں کی معلاقات عی جاتے ۔

فرسری یاس جو کمھٹی نے کہی وہ یہ نہی کہ کسائوں کی ملکیت کی حفاظت کا مسئلہ کھھٹی سدھاز سالگ ایک اهم مسئلہ ہے ، جونکہ کمھٹی کے ممبو اِس مسئلے پر ایک وائے نہیں ہو پائے اُس لئے اُس سوال پر دوسری کمھٹی بھٹھائی جائے ،

3 دستور 1938 کو صدراس استهای مهن شری پرکاشم راملان کها :

'' کانگریس اور دوسرے حلقے سرکار سے مانگ کر رہے میں کہ صوبے میں زمین کے قبضے سمبندھی ایک قانوں پاس ھونا چاعثے ، رمهت واری پرتہا کے مانحت جو علاقے ھیں وہاں کاشتکاروں کو قبضے کا حتی دیلے کا مطلب ہے کہ پائم داووں سے سارے ادھیکار چھین لگےجائیں. سرکار اس سرال پر سوچ وچار نہیں کر رہی ہے ''

یہ کہنے کی ضرورت نہیں گھ اوپر کی بات صدراس کے زمیندار اِس مسئلے پر بات کرتے ہوئے ہمیشہ کیا کرتے ہیں .

پرکاهم کینگی کی سفارهی پر 1946 میں سرکار نے ایک خاص افسر مقرر کیا کہ وہ اِس بات کا بتہ لکائے کہ رمیت واری علاقوں میں لکانداری کی کتفی قسمیں هیں اور اُن میں کیا سدھار کیا جاسکتا ہے۔ اِس افسر 1948 میں میں اپنی رپورت میں سارے قسروری سدھاروں کی سفارهی کی لگی تبی ، لیکن اِس رپورت کو روک لیا گیا اور یہ کہا گیا کہ کماریہا کمیٹی کے جہیئے پر اِس پر کاروائی کی جائے گی ،

اتفا سے کافی تھا، کاشتکار زبردستی ہے دخل کر دیئے
گئے المان کا در ہے حد بوہ گھا اور پرستہتھی خراب
مونے لکی ، شور محتفے پر کاشتکاروں کی عارضی
رکھا کے لگے ایک بل تیار کیا گھا تاکه نه تو کسانوں
کو کھیدی سے بے دخل کھا جا سکے اور نه لکان هی بوهایا
جا اسکے ، لیکن اسمیں بھی ایسی شرط رکھی گئی که
وھی کسان فائدہ آتھا سکے جو کم سے کم تین بوس پھلے سے
کھید کو جوت وہا ھو ، ایسی پرستھتی میں جب وہید
واری پٹیدار ھر سال آبے کاشتکار بدلتے ھوں یہ بات
میاف تھی کہ تھاید ھی آنے گئے کسانوں کو فائدہ ھو سکے ،
دیکن مورے کی بات یہ ہے کہ یہ بل بھی اسمیلی میں
نہیں قیا گھا اور کماریھا کمیٹی کی رپورت نه تکلیے کا

کمارپیا کمیٹی کی رپورٹ 1949 میں نکل گئی ۔ معراس سرار نے ایک مالکڈاری سدھار کمیٹی بیٹیائی ،

وصولاتے دھیں ، یہ مائکڈاری کی کسی بھی ایک وجہ ہے۔ جس نے لیگوں کو بڑھیں خرید نے پر اکسایا۔ کسی سے بھی سرکار نے مقافع کی رقم کا آھیے سے زیادہ مالکڈاری کے روپ میں نہیں وصولا مالانی موجودہ قانوں کے ماتحت وہ زیادہ رصول سالاتی تھی ، عام طریقے سے سرکاری مائکڈاری اور زمیقدار کے لگان میں ایک اور جار کی نسبت ہرتی تھی، آجکل ایک اور دیس کی نسبت ہے ، یعلی اگر زمیلدار سرکار کو ایک دوریہ مائکڈاری دیکا ہے تو وہ کسان سے دیس رویعہ لگان وصول کرتا ہے ،

كسيتهال

1936 کی فیروز پور کانگریس میں کسان سنسیا پر کافی ویجاد هوا تها ، کافکریس نے مانگ کی تھی که لکان مهل کمی هوا لکان کی حد سترو هوا کسان آبه کههت پر قصبه رکھ سکیہ اور قانون یاس کر کے کھیٹوں پر کام کرنے والوں کی مؤدوری مقرر کر دی جائے ۔ 1937 میں کانکریس کارکارنی لے اسمعلی کے سمدروں کو هدایت دبی تھی که ولا اوہر کے ہروگرام کو صلی جامد پہلوائے کی کوشش کریں . 1946 مھی جلاؤ کے سے کانگریس پھر اعلن کھا کہ ولا راہے کا بہار سفیمالئے پر سرکار آور کسانیں نے بھی کے دلالوں کو شکم کر دے کی اور دوسرے سدھار بھی لاکو کرے کی ، 1948 میں ایک کاعریس آرتیک پروٹرام کبیتی يتى ئولى چهرمون يندّت جواهر لال نهرو تهـ ، (1940 میں کانگریس نے ڈاکٹر خباریہا کی صدارت میں پهر اُس سوال پر ایک کمیکی بیکهائی تهی . لیکن ان سب کمهایون آور پروگرامون کا فوٹی اثر مدراس کی سرکار يو تيپين يول.

هم پہلے لکہ چکے هیں که اِلهاس کے یقی سے یقد چلاتا ہے که حال تک کسانیں کو اُپلی اُبقی اُبھی رمین پر قبطہ رکھلے کا حتی تھا ، کھیٹی سمسیا کے سدھار کے لئے فروری ہے کہ یہ حتی پہر اُن کسانیں کو ملحیائے ، 1938 میں اِسی سوال پر شری پراشم کی صدارت میں ایک کمیٹی بیٹھی بیٹھی ، اِس کمیٹی لے اُسلی کاشٹکار کی ملکمیت کے حتی کو نہیں مانا ، اِس دھورت میں لکھا ہے : '' چمپ کبھت کے لئے کسانیں میں ہوئی لگی ہو اُور زیادہ سے پہلتہ رقم دے کر وہ زمین پر قبضہ کرما چاہتے ہیں تو ایک کھیبلہ نہیں کیا جا سکتا کہ کبھت کا کاشٹکار کون ہے، یہ فیصلہ نہیں جو زمیداؤر کی پہنچان کرنا مسانی نہیں ، جو زمیداؤر کی پہنچان کرنا مسانی نہیں ، جو زمیداؤر کی پہنچان کرنا مسانی نہیں ، جو زمیداؤر کے نہیں ہو زمیدی ہے اور اُنجت رقم دیکا ہے زمیداؤر اُسی ہو زمیدی دے دیتا ہے ، ہو سال یہ کرم چلتا رہتا ہے ، ایسے زمیدی رکی پہنچان کا مالک دیسے مانا جا سانتا وہ ، ایسے زمیدی رکی پرمین کا مالک دیسے مانا جا سانتا وہ ، ایسے

تهوري يهن سنجه لا آدمي يهي يه کيد لا که انههن

वस्तृतते हैं. यह मालगुजारी की कमी भी एक वजह है जिस ने लोगों की जमीन खरीदने पर उकसाया. किसी समय भी सरकार ने मुनाके की रक्षय का आधे से जिजादा माल-गुजारी के रूप में नहीं वस्ता हालांकि मीजूदा क़ानून के मातहत वह जिजादा बसूल सकती थी. आम तरीक़ से सरकारी मालगुजारी और जमींदार के लगान बे. एक और चार की निस्वत होती थी. आजकल 1 और 10 की निस्वत है. याजी अगर जमींदार सरकार को एक रूपया मालगुजारी देता है तो वह किसान से दस रूपया लगान वस्तुल करता है.

कमेटियां

1936 की फिरोजपुर कांगरेस में किसान समस्या पर काफी विचार हुआ था, कांगरेस ने मांग की थी कि लगान में कमी हो, लगान की हद मुक़र्रर हो, किसान अपने खेत पर क़ब्ज़ा रख सके, और क़ानून पास कर के खेतों पर काम करने बालों की मजदरी मुक़र्रर कर दी जाय. 1937 में कांगरेस कारकारनी ने असेम्बली के मेम्बरों को हिदायत दी भी कि वह उपर के प्रोमाम को अमली जामा पहिनवाने की कोशिश करें. 1946 में चुनाव के समय कांगरेस ने फिर एलान किया कि वह राज का भार संभालने पर सरकार और किसानों के बीच के दलालों को स्नतम कर देगी और दुसरे सुधार भी लागू करेगी. 1948 में एक कांगरेस द्यार्थिक प्रोमास कमेटी बनी थी जिस के चेयरमैन पंहित जबाहरलाल नेहरू थे. 1949 में कांगरेस ने डाक्टर कमारप्पा की सदारत फिर इस सवाल पर एक कमेटी विठाई थी. लेकिन इन सब कमेटियों और प्रोप्रामों का कोई असर मदरास की सरकार पर नहीं पड़ा.

इस पहले लिस चुके हैं कि इतिहास के पन्नों से पता कता है कि हाल तक किसानों को अपनी अपनी जमीन पर क्रक्या रखने का हक था. खेती की समस्या के सुधार के लिने जरूरी है कि यह इक फिर इन किसानों को मिल जाय. 1938 में इस सवाल पर भी प्रकाशम की सवारत में एक कमेटी बैठी. इस कमेटी ने असखी कारतकार की मिलकियत के हक को नहीं माना. इस रिपोर्ट में लिखा है: ''जब खेत के लिये किसानों में होड़ लगी हो और जियादा से जियादा रक्रम देकर वह जमीन पर क्रम्या करना चाहते हों तो वह फैसला नहीं किया जा सकता कि खेत का कारतकार की पहचान करना मुमकिन नहीं जी जमीदार के पास पहुंचता है और छचित रक्रम देता है जातियाद करना का पास करना मुमकिन नहीं जो जमीदार करा का पास पहुंचता है और छचित रक्रम देता है जातियाद करना करना मालिक कैसे मामा जा सकता है. ऐसे कारतकार को जमीन का मालिक कैसे मामा जा सकता है."

शोदी बहुत सममा का जादमी भी यह कहेगा कि इन्हीं

मालगुजारी

5 - * 6 - 50 - 1

ساری رفیتواری علالہ کی ناپ جوکه کی گئی ، آیسی ناپ جوکه ، کے لئے یوندی بلا دائے گئے ، ایک ہوندی میں زیادہ سے زیافہ دس ایکو زمین آئی تھی ، ایکو کے سویں حصيم كي بهي يولت بن كئي تههن، بهمائش لے بعد ألك الک یونت کا الک الک لاان مقرر کر دیا گیا . موتد ڈھ**نگ سے** زمین کی دو قسمیں مانی گئیں، ایک سهلهائي وألى أور دوسريه بنا سهلهائي والي . سركاري مالكذاري لا مطلب هے كه يهداوار مهن سركار كا جو حصة ہے اُس کا نقد دام ، اِس دام کو همهشه کے لگے مقرر کرتے کے لئے کھیتیں کی پیداوار اور ایجاوین وقیرہ کا اندازہ لکایا ئیا . هر علاقے کے لئے ایک آنام استیندرد مان لیا گیا . سیدچائی والی زمین کے لئے دھان أور بقا سیدچائی والی کے لئے آجھولم' اور 'رکی' اسٹیلڈرڈ انام مان لئے لئے . کھیتوں کی پیداوار کا اندازہ لکاتے سمے برائے تجربوں کے آدھار پر فصل کی خرابی ارر میر ایجاز زمین کے لڑے رمائعیں دی گئیں، گاوں کی استہتی سے نفع نقصان کو اور سیلچائی کے قھلکوں کو ساملي وكهكر اور يهي جهوت دي گئي . ايسے بهس سال کے بھاؤں کا اوسط لے لیاگیا جن میں قصط نہ ہوا ہو، اب جو يهداوار بحيى أس كا دام إسادهار يرطه كها كها. إس رقم مہرسے کچھ فیصدی تعالی وفهرہ کے خرچ کے لئے چورو دى ككي ، يهر بالي رقم مهن سے كنچه حصة فصل كي تھاری کی لاک کے طور پر چھروں کئی ، آپ مقالع کو روبهم مهن تبديل كر لها گها . اس رقم كا آيك حصم جو لگ بیگ آدھا تک ھوتا ہے سرکارہ مالکھاری کے روپ مہر مقرر کر دیا جانا ہے اُس ویوستھا کو بلدوبست کہا جانا ہے ، هو فیس سال کے بعد پیداوار میں سرکاری 'حصے کی

مالكذاري كا موجودة طريقه أنها هر روب مهن برت زمیقداروں کے مقابلے میں چھوٹے کسانوں کو بہت زیادہ چرستا ہے . 1937 میں کانگریسی سرکار نے مالکڈاری میں سارھ بارہ فیصدی کی چھرے دے دی تھی، مثال کے طور ير هم أسى جهرت كو له لهن ، يه جهوت أس سيد دبي کئے تھیں جسب کھیعے کی پیداوار کے دام بہت بود گئے له . إس جهوف سے جهوائے كاشتكاروں كو كوئى فائدة نهيں هوا . دو بهار آلے بوسے جو اُن کے بلے بڑے مرنگے وہ بھی مالكذاري انسرون كى لقر هوككيد لهكن بوء بوء زمهندارون کو اِسِن سے کافی بچمت هولی .

قیمت اوپر بعائے قملک سے آنکی جاتی ہے ، ایسا فکتا

ھے که 1837 کے بعد یہر ٹیس سالا بقدوبست تبین ہوا ۔

بع يوس زمهندار فهرسهنجاو زمهن ير دو رويقة سے زیادہ مالکذاری سرکار کو نہیں دیتے' لیکن سب جانتے هيں که آيسي زمين پر يہت زيادہ لاان وا

सारे रैयत बारी इलाक़े की नाप जोख की गई. ऐसी नाप जोस्स के लिये यूनिट बना दिये गए. एक यूनिट में जियादा से जियादा दस एकड़ जमीन आती थी. एकड़ के सीवें हिस्से की भी यूनिट बन गई थीं. पैमाइश के बाद अलग अलग यूनिट का अलग अलग लगान मुकर्र कर दिया गया. मोटे ढंग से जमीन की दो किस्में मानी गई. एक सिंचाई बाली और दूसरे बिना सिंचाई बाली. सरकारी मालगुजारी का मतलब है कि पैदाबार में सरकार का जो दिस्सा है उसका नक़द दाम. इस दाम को इमेशा के लिये अक़र्रर करने के लिये खेतों की पैदावार और उपजाऊ पन बरौरा का अन्दाजा लगाया गया. हर इलाक़े के लिये एक अनाज स्टैन्डर्ड मान लिया गया. सिचाई वाली जमीन के तिये धान और बिना सिंचाई वाली के लिये 'ब्रोलम' चौर 'रणी' स्टैण्डर्ड चनाज मान लिये गए खेतों की पैदावार का अन्दाजा लगाते समय पुराने तजुरबों के आधार पर फसल की खराबी और रौर उपजाऊ जमीन के लिये रियावतें दी गइ. गांव की स्थिति से नका नुकसान की और सिचाई के ढंगों को सामने रख कर और भी छट दी गई. पेसे बीस साल के भावों का भौसत ले लिया गया जिन में बहुत न पढ़ा हो. बाब जो पैदावार बची उसका दाम इस आधार पर तय किया गया. इस रक्म में से कुछ की सदी दुलाई वरीरा के खरचे के लिये छोड़ दी गई.फिर बाकी रकम में से कुछ हिस्सा फसक की तैयारी की लागत के तौर पर छोड़ी गई. अब मुनाफ़े को रुपया में तबदील कर लिया गया. इस रक्म का एक हिस्सा जो लगभग आधा तक होता है सरकारी मालगुजारी के रूप में मुक्रेर कर दिया जाता है. इस व्यवस्था को बन्दोबस्त कहा जाता है. हर तीस साल के बाद पैदावार में सरकारी हिस्से की क्रीमत कपर बताए दंग से आंकी जाती है. ऐसा लगता है कि 1837 के बाद फिर तीस साला बन्दोबस्त नहीं हुआ.

मालगुजारी का मौजूदा तरीका अपने हर रूप में बड़े जमीवारों के मुकाबले में छोटे किसानों को बहुत जियादा चसता है. 1937 में कांगरेसी सरकार ने मालगुजारी में सादै बारह की सदी की खूट दे दी थी. मिसाल के तौर पर हम इसी खूट को ले लें. यह खूट उस समय दी गई थी जब बोली की पैदाबार के दाम बहुत बढ़ गए थे. इस कूट से क्रीडे कारतकारों को कोई फायदा नहीं हुआ। दो चार आने वैसे जो इनके पहले पढ़े होंगे वह भी मालगुजारी अफसरों ही नजर हो गय, लेकिन बड़े बड़े जमीदारों को इससे काफी वचत हुई.

करें बढ़े क्रभीवार गैर सीचाऊ जमीन पर दो रुपया से जियादा मालगुजारी सरकार को नहीं देते, लेकिन सब जामते हैं कि ऐसी जमीन पर बहुत कियादा लगान वह

साता नम्बर दस का रिजस्टर ज़रूर मिलता है. यह रिजस्टर गांच के मालगुजारी चक्तार के पास रहता है. यह अफसर कहीं पटवारी कहलाता है कहीं पटेल कहलाता है और मक्रास में यह 'करनम' कहलाता है. यह रिजस्टर इसिलये होता है कि हर खेल की तकसील इसमें दर्ज की जाय. खाम तरीक़े से इसमें तबदीली उसी वक्त की जाती है जब कि करीक़ ऐसा करने की दरखास्त है. किसी खादमी के मरने पर बारिसों का नाम उसके नाम की जगह इस साते में चढ़ा दिया जाता है.

लेकिन इस खाता नम्बर दस से यह पता नहीं चल पाता कि किस प्रमीन का कीन मालिक है, कीन उस पर खेती करता है और कीन उसका शिकमी कारतकार है. इस तरह इस रजिस्टर की भी कोई क़ीमत नहीं रह जाती.

बेमतलब कागुज

यह कोई ताज्जुब की बात नहीं है कि 1880 के झकाल कमीशन की इस सिफारिश के बाद भी कि मिल्कियत का इक साबित करने वाला एक रजिस्टर तैयार हो अंगरेज सरकार ने इस तरफ कोई ध्यान नहीं दिया. कांगरेस ने मदरास पर 1937 से 1939 तक पहले राज किया था और 1946 से झब तक दोबारा राज कर रही है. ताज्जुब की बात है कि किसानों के साथ इमदरदी जताने के बावजूद भी सरकार ऐसा कोई काग़ज तैयार नहीं करवा सकी. यह बात ध्यान देने की है कि जब तक ऐसा कोई रजिस्टर नहीं बनता तब तक लाखों किसानों को इरगिज इरगिज उनका हक नहीं मिल सकता. खाता नम्बर दस बिल्कुल बेकार सी जीज़ है क्योंकि खाज कोई ऐसा क्रानृती बन्धान नहीं है जिस के खनुसार लोग उस खाते में जायज तबदीली करवा सकें.

टाल मटोल की पालीसी

1947 में एक बार कांगरेस सरकार ने काराजों को ठीक करवाने की बात पर बहस की थी. लेकिन इस कारन से उसे टला दिया गया क्योंकि जमीदारी अन्त ज्ञानून पास होने वाला था और यह ठीक नहीं था कि मिल्कियत का कोई रिजस्टर उस समय बने जब कि पूरी चीज साफ न हो.

1948 में कांगरेस सरकार ने कुमारप्पा जांच कमेटी विठाई थी. उस समय सरकार के आदिमियों ने कहा कि वह कुमारप्पा कमेटी की रिपोर्ट के इन्तजार में हैं नहीं तो मदरास के जिने ऐसा मालगुजारी कोड तथार करायें जिस तरह का बम्बई में है और जैसे ही कोड का काम पूरा हो जायगा सरकार मिल्कियस सम्बन्धी काराज कौरन तैयार करा लेगी.

कुमारप्या कमेटी ने 1949 में अपनी रिपोर्ट पेश कर दी. अब 1958 शुरू हो गया है. लेकिन अब तक इस सम्बन्ध में कुछ सी नहीं किया गया. کھاتہ نہیردسس کا رجستر ضوور صلعا ہے۔ یہ رجستر قوں کے مالکڈاوی افسر کے یاس رھٹا ہے۔ یہ افسر کبھی ملعا ہے پتواری کہلاتا ہے کو مدراس میں پتواری کہلاتا ہے کو مدراس میں یہ 'کرنم' کہلاتا ہے ۔ یہ رجستر اس لئے ہوتا ہے کہ مر کیپنٹ کی تفصیل اس میں درج کی جائے ۔ عام طریقے ہے آسی میں تبدیلی اس وقت کی جائے ۔ عام طریقے فریق ایسا کرنے کی درخواست دے ، کسی آدمی کے مرنے پر وارٹوں کا نام اس کے نام کی جکہ اس کھاتے میں جوہا دیا جاتا ہے ،

لیکی اِسی کہاتہ اُمہر دسس سے یہ پتم نہیں چل یاتا کہ کس رسین کا کون مالک ہے' کون اُس پر کہیتی کرنا ہے کون اُس کا شکمی کاشتکار ہے ، اُس طرح اِس رجستر کی یہی کوئی قیمت نہیں رہ جاتی ۔

ہے مطلب کافٹ

یہ کوئی تحجب کی بات نہیں ہے کہ 1880 کے اکال کیندن کی اس سفارش کے بعد بھی کہ ملکیت کا حق قابت کرنے والا ایک رجسٹر تھار ہو انگرین سرکار نے اِس طرف کوئی دھیان نہیں دیا ، کانگریس نے مدراس پر 1937 سے 1939 تک دربارہ راج کر رھی ہے ، تعجب کی بات ہے کہ کسانیں کے ساتھ همدردس جعانے کے باوجود بھی سرکار ایسا کوئی کافئ تھار نہیں کرواسکی ، یہ بات دھیان دیئے کی لاہوں کسانوں کو ہراز ہوئو اُن کا حق نہیں بلکا تب تک کہاتہ نہیں کو ہراز ہوئو اُن کا حق نہیں مل سکھا ، کہاتہ نہیں کہ جب الکال بیکاری جھیڑ ہے کیونکہ آج کوئی کہاتہ نہیں جائز تہدیلی کرواسکیں ،

قال مثول كي پاليسي

1947 میں آیک ہار کانگریس سرکار نے کفٹوں کو تھیک کروائے کی بات پر بحث کی تھی ، لیکن اِس کارن سے آبیہ تلا دیا گیا کیونکہ ومینداری انت قانون یاس ہوئے والا تھا اور یہ تھیک نہیں تھا کہ ملکھت کا کوئی رجسٹر اسی سیے بنے جب که پوری چیز سان نہ ہو .

1948 میں کانکریس سرکار نے کبارپیا جانبے کیوٹئی بہتیائی تھی ، اُس سیے سرکار کے آدمیوں نے کیا کہ وہ کماوییا کمیٹی کی رپورٹ کے انتظار میں میں نہیں تو مدراس کے لئے ایسا مالکذاری کوڈ تھار کرائیں جس طرح کا بہتی میں ہے اور جیسے می کوڈ کا کام پورا ہو جائے گا سرکار مائیت سمیندھی گافڈ قرزا تھار کرا لے گی ،

كناريها كنيلى لے 1949 ميں ايلي رپورٹ پيش كر دي ، اب 1963 هروع موليا ہے ، ليكن آب تك اِس سنيله ميں كچھ يمى نہيں كيا گيا ، बात को इतिमनान हो जाय कि वसे बाए दिन सेत न झोबना पहेगा. इस मांग के पीछे एक इतिहास है. किसानों को पहले ऐसे बाधकार और मुविघावें हासिल थीं. घीरे घीरे ईस्ट इंडिया कम्पनी ने किसानों से यह अधिकार छीन कर एक ऐसे तबक़े के हाथ में जमीन सौंपी जो कम्पनी को मालगुजारी बसुल कर के दे दिया करे. इस बात को सामने रस कर ही हमें कांगरेस के कारनामे को देखना और सममना चाहिये.

अकाल कशीमन की सिफ़ारिशें

पूरी हालत सममने के लिये यह भी फ़रूरी है कि हम 1880 के अकाल कमीशन की सिफारिशों के बारे में भी जान लें. कमीशन ने तीन अहम सिफारिशों की थीं: पहली यह थी कि फ़मींदारी इलाक़ों में लगानदारों की मिल्कियत के हक में बढ़ौती की जाय. दूसरी यह कि शिकमी पट्टादारी पर रोक लगाई जाय क्योंकि ग्रुक्त के रैयलों से कुछ ऐसे लोगों ने फ़मीन खरीद ली है जो देहालों में नहीं रहते और मन माने दामों पर शिकमी कारतकारों को खेत देते हैं. तीसरी सिफारिश नीचे के शक्यों में यह थी कि रैयल बारी इलाक़ों में भी शिकमी पट्टादारी पर रोक लगाई जाय.

''ओ लोग सरकारी काराजों में रैयत माने जाते हैं उनका यह रुख है कि वह किसानों की खेत लगान पर देते हैं और इस तरह सरकारी लगान चवा करने के बाद जो रक्तम उनके पास बच रहती है उससे अपना गुज़ारा चलाते हैं. इस तरह उन शिकमी किसानों का एक तबका पैदा होता जा रहा है जो हमेशा के लिये खेत से फायदा नहीं उठा सकता और उसे इतना जियादा लगान देना पड़ता है कि यह ज़रूरी हो जाता है कि वह हमेशा रारीब रहे इन काश्तकारों को सरकारी मानता नहीं मिली. ऐसे तबक्रे के कजूद से वही बुराइयां पैदा होती हैं जिनका जिक उत्तर हिन्दुस्तान के किसानों की चरचा करते हुए हमने किया है. हमारा विचार है कि मुक़ामी सरकार इस बात पर भ्यान दे कि क्या मालगुषारी बन्दोबस्त के मातहत सरकारी रैयतों की यह इक्र हासिल है कि वह दूसरों को लगान पर खेल दे सकें और अगर ऐसा है तो सरकार को चाहिये कि वह ऐसे काश्तकारों को मानता दे और जो रक्रमा कारतकारों के कबजो में है, जो तागान वह देते हैं भौर इनके लगान दारी की प्रथा सब का इन्द्राज सरकारी काराचों में कराय."

खाता नम्बर दस

सदरास के सूचे में किसानों के इक को जायज बतलाने बाले बाज भी वह रजिस्टर नहीं हैं जो हिन्दुस्तान के दूसरे रैक्स बारी इलाक़ों जैसे बन्दई बरीरा में हैं. हर गांव में مات کا اطمیقان هوجائے که أبیرآئے دین کھیت نه جھوڑنا پڑے کا اسمانگ کے پھنچھے لیک انہاس ہے۔ کسانوں کو پہلے ایست ادھیکار لور سودھائیں حاصل تھیں۔ دھیرے دھھوے ایست انقیا کمپلی نے کسانوں سے یہ ادھیکار جھھوں کو ایک ایسے طبقے کے ماتھ میں زمین سونیی جو کمپلی کو مالگذاری وصول کرکے دے دیا کرے ۔ اِس بات کو ساملے رکھ کر ھی میس کانکریس کے کارنامے کو دیکھلا اور سمجھلا جاھائے۔

اکال کمهشن کی سفارشیں

ھوری حالت سنجہتے کے لئے یہ بھی فروری ہے کہ مم 1880 کے امل کیھش کی سفارشوں کے بارے میں بھی جان لیں ، کمیشن نے تین اہم سفارشوں کی تیمن: پہلی یہ تھی کہ زمینداری علاقوں میں لگانداروں کی ملکیت کے حق میں بوہوتی کی جائے، دوسری یہ کہ شکمی باتداری پر روک لگائی جائے کیونکہ ہروع کے رعیاوں سے کچھ ایسے لوگوں نے زمین خوید لی ہے جو دیہاتوں میں نہیں رمجے اور من مانے داموں پر شکمی کاشتکاروں کو کھیت دیاجے ہیں۔ تیسری سفارش نیجے کے شعدوں میں یہ تھی دیاجے کے رمیتواری علاقوں میں یہ تھی المائی جائے ،

"جو لوگ سرکاری کافشوں میں رمیمت مانے جاتے ہیں أن كا يه رم ه كه وه كسائون كو كبهت لئان ير ديتے ههن اور اس طرح سرکاری لگان ادا کرنے کے بعد جو رقم ان کے یاس سے رہتی ہے اس سے اینا کوارا چاتے میں ، اس طرح أن شكمي كسانون كا ايك طبقه پيدار هوتا جا رها هـ جو هميشه كے لكے كهيت سے قائدة نههن أتها سكتا أور أسے إننا زيادة لكان دينا يونا هي كه يه فروري هو جانا هي كه ولا همهشته قريمي رهي ، إن كاشتكارون كو سركاري مانتا نهون ملی، ایسے طبقے کے وجود سے وہی برائیاں پیدا ہوتی ہوں جن کا ذکر اُتر مقدستان کے کسانوں کی چرچا کرتے ہوئے هم نے کیا ہے ، همارا وجار ہے که مقامی سرکار اس بات یر دھیاں دے کہ کیا مالکذاری بلدریست کے ماتعت سرکاری رعیترں کو یہ حتی حاصل ہے نہ وہ دوسروں کو لٹان پر کھیمت دے سکھی اور اگر ایسا ہے تو سرکار کو جاهلے که وہ ایسے کاشتاروں کو مانتا دے اور جو رقبه کاهتکاروں کے قبضے میں ہے' جو نکان وہ دیتے میں اور اُن کے لکاسداری کی پرتھا سب کا اندراج سرکاری کافذرن میں کرائے''۔

كهاله نبهر دس

مدراسی کے صوبے مھی کسائوں کے حتی کو جائز آبالے والے آج بھی وہ وجسائر نبھی جدو مندستان کے دوسرے رویتورانی فاقی مھی میں میں اور آئی میں رویتورانی فاقی میں میں میں میں اور آئی میں رویتورانی مانوری مان

को रैयतवारी और जमींदारी दोतों इलाक़ों में पीदियों से खेत पर फ़बजा रखने का जो हक या वह पिछली सदी में खतम हो गया.

1880 का अकाल कमीशन

मदरास के किसानों की हालत की चरचा 1880 के अकाल कमीशन की रिपोर्ट में भी पाई जाती है. इस वक्त तक खेत नक़द लगान पर उठने शुरू हो गए थे और किसानों के क़बजे के इक खतम हो गए थे उत्तर मदरास के 'वलकुदी' और दक्किसन के 'क़दीम' उस समय तक ही खेत पर कबजा रस सकते थे जब तक कि मीरासीदार की मरजी हो. पैदाबार में भीरासीदार का हिस्सा बढ गया था.

मद्रास सरकार ने श्रकाल कमीशन के सामने एक मेमोरेन्डम पेश किया था. उस में मदरास के मालगुजारी बोर्ड ने लगानदारी के बारे में नीचे लिखी बातें कही हैं :

"1871-72 में बोर्ड ने खेती करने बाली बाबादी की गिनती की. कुल 71 लाख आदमी इस पेशे में लगे हुए हैं. इन में 20 लाख सत्तर हजार ऐसे हैं जो खेतों पर काम जरूर करते हैं लेकिन उनका अपना कोई खेत नहीं है 32 लाख पचास हजार ऐसे हैं जिन के पास कुछ जमीन है और जो तीस रुपया से कम मालगुआरी अदा करते हैं. यह लोग मेहनत मजदूरी करते हैं या अपनी जमीन को लगान पर दे कर पेट पालते हैं. पांच लाख के क़रीब ऐसे लोग हैं जिन के पास थोड़ी बहत जमीन भी है लेकिन वह व्योपार बरौरा करते हैं. बारह लाख पचास हजार आदमी लगान पर खेत उठाते हैं और उसी से गुजारा चलाते हैं. इस बारह लाख में से 1800 पट्टे दार ऐसे हैं जो पांच सौ इपयां और उससे अपर मालगुज़ारी अदा करते हैं और 5.288 ऐसे पड़े बार हैं जो 250 रुपया से लेकर पांच सौ इपया तक मालगुजारी अदा करते हैं."

ब्रह्मन ज़मींदारों की लुट

उपर के मेमोरेन्डम में ही छंगलीपट के कलक्टर मिस्टर प्राइस ने इस बात की सकत शिकायत की है कि ब्रह्मन जमींदार जमीन को परती रखते हैं और उन्होंने यह भी कहा है कि चालीस की सदी जमीन ऐसे जमींदारों के क्रबंदी में है जो न तो किसानी का पेशा ही करते हैं और न गांव में ही रहते हैं. यह लोग किसानों को खुब चूसते हैं और हर तरीक़े से रक्तम हजाम करने की कीशिश में रहते हैं. उनका कहना है कि जब से वह इस जिले में बाद थे उन्होंने बाधे दरजन भी खाते पीते कारतकार नहीं देखे.

कांगरेस राज और किसान

ब्याज मदरास का किसान इस बात की मांग करता है कि कम से कम जायज सगान मुक़र्रर हो जाय और इस

کو رمیت واری اور زمینداری دونوں ملقوں میں <u>بدوهوں</u> جد کهیت پر قبقت رکهان کا جو حتی تها ولا پیهانی صنبی میں خاتم هوگها ر

1880 كا أكل كنيهن

مدراس کے کسانی کی حالت کی جربیا 1880 کے إكال كميهن كي رپورت مهن بهي هائي جاني هي . اِس وقدف عكم المهدف نقد لكان ير أنهاء شروع هوكائر تعا أور کسانوں کے قبضے کے حق ختم ھوگئے تھے ، اُتر مدراس کے 'الکتی' اور دیمن کے اکدیم' اُس سے تک ھی کھیمت ہر قبضہ رائی دار کی مرضی ھو ، يهداوار مهن ميراثي دار كا حصه برد گها تها .

مدراس سرکار نے اکال کمهشن کے ساملے ایک مهمورنقم یہیں کہا تھا ، اُس مہی مدراس کے مالکڈاری ہورڈ نے لانداری کے بارے میں نیجے لکھی باتیں کہی میں:

"72-72 میں بورڈ نے کھیٹی کرنے والی آبادی کی عنعى عى ، عل 71 لاكه أدمى إس يوهم مهن لك هواله هیں، اِن مهں سے 20 لائه سعر هزار ایسے هیں جو کههعوں پر کلم ضرور کرتے هيں ليکن اُن کا ايلا کوئی کهيت نهيں هـ: 32 لايه يحياس هؤار أيسم ههن جن كم ياس كجه زمهن ہے اور جو تیس روپیم سے کم مالکڈاری ادا کرتے ہیں . یہ لوگ مصلت مزدوری کرتے میں یا اپلی زمین کو لکان یر در کر پہت بالعے علین ، بانچ قائم کے قریب ایسے لوگ ھھوں جس کے پاس تھوڑی بہت زمین بھی تھ لیکن وہ بهرياو رفيرة كرته دهن . بارة لاكه يعياس هؤار آدامي لكان ير كهيت أثهات مهن اور أسى سے كزارا چان هيں . اِس باره لاکھ مھن سے 1800 پھےدار ایسے ھھن جو پاسم سو رویهم اور اُسی سے اُوپر مانگذاری ادا کرتے میں اور 5,288 السے پالیدار میں جو 250 رویقہ سے لے کر پانچے سو رویقہ تک مانگذاری ادا کرتے هیں''۔

يوهمن زميلدارون اكى لوث

ارور کے میمورندم میں می چھینگالی ہے کے کلعثر مستر برائس نے اِس بات کی سخت شکیت کے مے که پرهسي زميندار زمين کو پرتي رکهتے هيں اور اُنهرں نے يه ہم آیا ہے کہ بھالیس فی مدی زمین ایسے زمیدداری کے قبقے میں ہے جو نہ تو کسانی کا پیشہ ھی کرتے میں اُور نه ااون میں هی رهانے هیں ، یه لوگ کسالین کو خوب چوستے میں اور هر طریقے سے رقم هامم کرتے كى كرشف ميں رهتے هيں . أن كا كهذا هے كه جات سے ولا اِس شلع میں آئے تھے اُنہوں نے آدھے درجوں یہی کہاتے المحل نهيل ديكم

كانكريس ولج لور كسان

آج مدراس کا کسان اِس بات کی مانگ کرنا ہے که کم سے کم جائز لتان مقرر هو جائے اور اس

(439

بهرهاريون في إس أمده مهن دهي لكانا غريع كيا كد أتههن کر سے کم جھ غیصتی مثالع تو شوور ھی موال ہوتے ہوتے وکیٹوں اور آن لوگوں نے جنتیوں نے شہروں میں کانی رویہہ کمایا تھا اپنے دھیں سے زمین شرید نے کو بہت اچھا اور سرکشت بهویار سنجها . اول کے وہ جهوتے جهوتے لوگ جن کے پاس زمین کی ملکیت کا حق تھا کسانوں کو لکان پر کھھت دے دیکے تھے اور دھھرے دھھرے لگان وصول کرکے ایٹا گوارا جائے تھے ۔ اِس کے علاوہ اُن کے پاس بہت بالله کا اور کوئی سادهن نههن تها . ایسه لوگ دن پر دن فريب هوت كلُّه أور أخير مين زمين بهنها كروى ركها کے ملاوہ اور کوئی بھارہ نہ رہ کھا ۔ اِس طرح کاؤں کی مالی ويوستها مهن أور زيادة كهندري كرن شروع هوأ. ايك طرف مگهی بهر لوگوں کا زیادہ سے زیادہ ومهری پر قبضہ هونے لکا أور دوسری طرف زیادہ سے زیادہ لوگ أن كهيتوں سے بھی هاتھ دهو بهاته چن هر کسی نه کسی صورت مهل آن کا تبقه

The same of the sa

الله المراجعة ال

ھرہ شرق تواس راکھو آکنگر نے محراس رابع کی چالیس سالا أنتى ير ليك ميمورنكم لكها هر. أس مون أنهون في 1850 اور 1890 کے بھیم میں لکان دا رمی کے طریقہ میں جو وكاس هوا هے اُس كي يهي چورها كي هے، ولا لكهاتے هيں:--الفلے یا نقد کے روپ میں لتان لیلے کا طریقہ تلجور ضلعے میں خام سا هو رها هے . ساجهے کی کهوائی کا رواج

77دکھنے ارکاٹ کے کسان ایسے لکاندار میں جنہیں کہیت پر قبقہ رکہتے کا اُس سے تک ادھیکار ہے جب تک کہ وہ خود اُس حق کے استعمال سے استعمال نہ دے دیں، نجم معلقول پر کسان نوکوی کرتے میں اور ایسے نوکووں کو ایدیال کیا جاتا ہے . تعلقہ دار اور کسان کے بھی مهس بچولئے هوتے ههن . يه بچولئے كسانوں كو زمهن أكان بو ديت ههي لاان نقدى شكل مهن بهي الها جاتا ه ليكن ادھگ ورپ میں ھی لیٹے کی کوشش بچولگے کرتے میں ، بحولائے جب جامیں کسانیں کو قصل کے عالم ھرنے یہ کہوست سے مگا سکتے میں''۔

انگریزوں نے اُٹری هندستان میں مالکذاری کی ومولى كے لئے ومهددار بهدا فئر تھے، أنههن اس سے فائدہ موا تها ، اُنهوں نے یہی طریقہ بہاں بھی لاکو کرنے جاتے ، الكريوس نے مالكة أرى كى جو لمجى لمجى رقم مقرر كو رکھی تھی اُس کی رصولی کے لیے شروری تھا که ولا مہرائی داروں کو جوں کا توں بقا رمقے دیں ، جس طرح أنهيل أن ومهندار كو ومهن لا مالك بدا ديا تها أسى طرح مهرافی دار کو بھی زمین کا مالک بقا دیا. اِن مهراکی داروں کے تھیجے جو کسان تھ اُن کو کرئی قانونی عق كهيت يو لنهي هيا كها، تحييه يه هوا كه. كسان

क्योपारियों ने इस सम्मीद में यम क्षमाना ग्राह किया कि उन्हें कम से कम है की सदी मुनाका तो कहर ही होगा. बड़े बड़े बकीलों और उन कोगों ने जिल्होंने शहरों में काकी रुपया कमाया था अपने धन से जमीन खरीदने को बहुत अच्छा और सुरक्षित ब्योपार समका. गांव के वह छोटे कोटे लोग जिन के पास जुमीन की मिल्कियत का हक या किसानों को लगान पर खेत दे देते थे और धीरे घीरे क्षगान बसूल कर के अपना गुज़ारा चलाते ये इस के अलावा उन के पास पेट पालने का और कोई साधन नहीं था. पेसे लोग दिन पर दिन रारीव होते गए और आर्सीर में ज़मीन बेचने, गिरवीं रखने के अलावा और कोई चारा न रह गया. इस तरह गांव की माली व्यवस्था में और जियादा केन्द्रीकरन ग्रुक्त हुआ. एक तरफ मुट्टी भर कोर्गो का ज़ियादा से ज़ियादा ज़मीन पर कृषजा होने लगा भीर वूसरी तरक जियावा से जियावा लोग उन सेतों से भी हाय भी बैठे जिन पर किसी न किसी सूरत में उनका कृवणा था.

श्री श्रीनिवास राघव आयंगर ने मदरास राज की चालीस साला उन्नति पर एक मेमोरन्डम लिखा है. इस में **अन्होंने 1850 और 1890 के बीच में** लगानदारी के तरीक्रे में जो विकास हुआ है उसकी भी चरचा की है. वह तिखते हैं:---

"राल्ले या नक्द के रूप में लगान लेने का तरीका तमजीर ज़िले में खतम सा हो रहा है. सामे की बेती का रिवाज वढ़ रहा है."

"विक्सनी अरकाष्ट के किसान ऐसे लगानदार हैं जिन्हें स्रेत पर क्रबज़ा रखने का उस समय तक अधिकार है जब तक कि वह ख़ुद उस इक के इस्तेमाल से स्तीका न दे हैं. निजी साल्लुक्रों पर किसान नौकरी करते हैं. और ऐसे नीकरों को 'पदयाल' कहा जाता है. ताल्लुक्रेदार और किसान के बीच में वियौतिये होते हैं. यह विचौतिये किसानों को जमीन लगान पर देते हैं. लगान नक़दी शकत में भी लिया जाता है लेकिन अधिकतर राल्ले के रूप में ही लेने की कोशिश विवीलिये करते हैं. विवीलिये जब बाहें किसान की कसल के खतम होने पर खेत से इटा सकते हैं."

अंगरेकों ने उत्तरी हिन्दुस्तान में मालगुकारी की बसूली के लिये कमीवार पैदा किये थे. उन्हें इससे फायदा हुआ था. उन्होंने यही तरीक़े यहां भी लागू करने चाहे. संगरेकों ने मालगुकारी की जो सन्त्री सन्त्री रक्षम युक्तरेर कर रखी भी उसकी बस्तुली के लिये जरूरी शा कि वह भीरासीदारों को ज्यों का त्यों बना रहने दें. जिस तरह उन्होंने चार्सीदार को चार्मीन का माखिक बना दिया था उसी तरह मीरासीदार की भी अभीन का मालिक बना दिया. इन शीरासीबारों के नीचे जो किसान वे उनको कीई क्रानुनी का सेत पर मुद्दी विया गया. नतीजा वह हुया कि किसान इक्क है और उनके सरने के बाद वह इक्क बनकी जीवाद को शासिल हो जाता है. 'कुड़ी मिरास' वह लोग होते हैं जो ज़मीन के मालिक होते हैं और जो मिलकियत का इक दूसरे को भी दे सकते हैं."

पैदायशी बाङ्गत काश्तकार

इसी तरह के और बहुत से एतबार के क्रांबिल काराओं से इस बात को सिद्ध किया जा सकता है कि मदरास में ज़मीन पर किसान का क्रबज़ा पीदियों से चला आता था और बहुत सी सूरतों में उसे मिल्कियत का इक तबदील करने का मी अधिकार था.

मद्रास मालगुज़ारी बोर्ब के एक मेम्बर मिस्टर ए. ही. केम्पबिल ने सर भामस मुनरों के लिये एक रिपोर्ट तैयार की थी. उसमें उन्हों ने लिखा है:

"मीरासीवारों का क्रमणा होने के बणाय गांव में और खास कर ब्रह्मन गांव में ब्राह्म ही खेतों को बोते जोतते हैं: यह लोग जन्म के आधार पर खेती का पेशा अखतियार करते हैं." लेकिन क्रानून ऐसे क्रबजे को नहीं मानता.

प्रिवी कौंसिल के एक अहम फैसले का ज़िकर यहां
रीर ज़रूरी न होगा. यह इसी बात से सम्बन्ध रखता है.
त्रिचनापती के बीसियों गांव में किसान पिढ़ियों से खेत
पर जुताई बोकाई करता था चौर ज़मीन उसके क्रबंजे
में भी होती थी फिर भी उसका क़ानूनी क़्बज़ नहीं माना
जाता था. इस नुकृते को ले कर प्रिवी कौंसिल में एक
मुक्दमा चला था जिसमें प्रिशी कौंसिल ने बोने जोतने
बाले को ज़मीन का मालिक माना था.

इस तरह के सारे मुक़दमें तिवी कौंसिल तक नहीं पहुँच सकते थे. सरकार को चाहिये था कि तिवी कौंसिल के कैमले के आधार पर वह कोई क़ानून बना देती. पर सरकार ने इस सम्बन्ध में कुछ न किया. बलटे किसान के क़रजों पर देके के अनुसार क़बज़ेदारों को तरजीह दे दी गई. मातहत कचहरियों ने ऐसे मुक़दमों में अपने क़बजों के सबूत का बोम किसानों के कंधों पर डाल दिया जो उन के लिये बहुत मुश्किल हो गया. मालगुजारी के प्रबंधकारों का उद्देश सिर्फ ऐसे आदमी को मुक़र्रर करना था जो मालगुजारी अदा कर दिया करे. उन्होंने जानबूम कर खेत के जोतने वालों की तरफ से लापरवाही बरती. नतीजा यह हुआ कि खेत तो किसान के कृबजों में रहा लेकिन क़ानून ने उसका कृबज़ा न माना.

खेती पर व्योपारियों की नज़र

वजीसवीं सदी जब आधा चक्कर पूरा कर रही भी तो परिस्थिती में एक तबदीली आई. लेती की पैदाबार का दाम बद्दे की बद्द से जमीम भी क्योपर की चीज़ का गई. جن ہے ارز آن کے مرتے کے بعد اود جش آن کی اوقد کو خاصل مور جاگا ہے ۔ ' کوئی ممراس ' وہ لوگ ہوئے میں جو بورے ماکیمت کا حق دوسرے کو بھی ہے میکئے میں ۔'' بعدی کے مالک میں میں اور جو ملکیمت کا حق دوسرے کو بھی ہے میکئے میں ۔''

يهدائهي أجهرت كالمعكر

اسی طرح کے اور بہت سے اعتبار کے قابل کافڈوں سے امتیار کے قابل کافڈوں سے امیں پات کو سدھ کھا جاسکتا ہے کہ مدراس میں رامین سے پیر کسان کا قبقت پیرھیوں سے چلا آنا تھا اور بہت سی صورتیں میں آنے ملکیت کا حتی تبدیل کرنے کا بھی ادھیکار تھا ،

مخبراس مالكذاری بیرة کے ایک صبیر مساو آیہ ، قبی ، کیمیدل نے سرتیامس مدرو کے لیاد آیک ریورٹ تیار کی تھی ، اُس میں آنیوں نے لکھا تھ :

پریوی گونسل کے ایک اہم قیصلہ کا ڈکر یہاں قیر شوروں تہ ہوگا ۔ یہ اسی بات سے سمبقدہ رکھتا ہے ، ترچھایلی کے بیسیوں گؤں میں کسان پیڑھیوں سے گھھت میں پرچھالی بوائی کوتا تھا اور زمین اس کے قبقہ میں ایمی غوتی تبین مانا جاتا تھا ، اِس تقطیہ کو لے کر پریوی کونسل میں ایک مقدمہ چھ تھا جس میں پریوی کونسل نے بوتے جوتنے والے کو امین کا مالک مانا تھا ،

اِس طرح کے سارے مقدمے پریپی کونسل تک نہیں پہوٹی سکتے تھے ، سرکار کو چاھئے تھا کہ پرھبوی کونسل کے قیصلے کے آدھار پر وہ کوئی قانوں بنا دیتی، پر سرکار نے اِس سبلدہ میں کتھ نه کھا ، اُلٹے کسان کے قرفے پر تھھکے کے انوسار قبقے داروں کو ترجیم دے دی گئی ، ماتحت کتھپردیوں نے ایسے مقدموں میں ایلے تبقی کے تموت کا پوجھ کسانوں کے کندھوں پر ڈال دیا جو اُن نے لئد بہت مشکل کسانوں کے کندھوں پر ڈال دیا جو اُن نے لئد بہت مشکل موئیا ، مالکڈاری کے پربندھکاروں کا آدیوں صرف ایسے آدمی کو مقرر کرنا تھا جو مالکڈاری ادا کردیا کرے ، آنہوں آئیوں بوجھ کر کھیت کے جوتنے والوں کی طرف سے قیرواھی برتی ، نتھیجہ یہ ہوا کہ کھیت تر کسان کے قبضے میں رہا لیکن قانوں نے آس کا قبضہ نہ مانا ،

کههتی پر بهرپاریوں کی نظر

انیسویں مدبی خب آدما جائز پورا کر رهی تھی تو پرستھتی میں ایک تبدیلی آئی ، کھفتی کی پھنٹوار کا خام پرملے کی رجہ سے زمین نمی نموبار کی جمع نی گئی - मात्र गुज़ारी बोर्ड की 5 जनवरी 1814 के काराजों में नी हमें यही चीज़ देखने को मिलती है।

'तिमल के बहुत से इलाक़ों में और खास कर तनजीर सूचे के इलाक़ों में किसानों के बहुत से अधिकार ब्रह्मां ने खरीद लिये हैं, या उनको ज़बरदस्ती हासिल कर लिये हैं. ब्रह्मम ही खब रैयत बन गए हैं. लेकिन ऐसा मालूम होता है कि शुक्र में तमिल के 'विकासकों' 'कोमबेजों' और क्खर सरकार के 'रेड्डियों' और 'नायहुकों' की ज़मीन की मिक्कियत के इक्ष सारे हिन्दुस्तान में हासिल थे."

उन्नीसवीं सदी का आरम्भ

थह बात पूरी तरह से सिद्ध हो चुकी है कि उन्नीसवीं सदी के गुरू में दो तरह के किसान थे. एक 'उलकुतुस' और दूसरे 'पुराकूड्स'. इन लोगों को ज़मीन पर विरासती कृष्णे का हक था. लेकिन यह लोग मिल्कियत को दूसरे के नाम नहीं कर सकते थे. बाद में जब जोतने वालों की कमी होने लगी तो 'चलकुदुस' किसानों को इजांज़त दे दी गई कि अगर उनके कोई जीलाद न हो तो वह दूसरे को जमीन दे सकते हैं. उन्हें इस बात की भी इजाज़त दे दी गई कि खगर उन्होंने खेत को तरक़क़ी देंने पर अपना धन खर्च किया है तो वह स्रेत बेच सकते हैं. मिरासीरदार सिर्फ 'कन्बबरम' के रूप में पैदावार का सादे बारह की सदी किसान से ले सकता था. 'थम्बूबरम' उस जमीन की फीस के रूप में लिया जासा था जो रौर मीरासियों को जोतने के विषये भी जाती थी. 'पूराकूबी' किसान जाम तरीक्रे से मांद में नहीं रहते थे. इन लोगों ने भी गांव में रहना शरू कर दिया. "ऐसे किसान जब तक लगान चदा करते रहते बे उन्हें अपनी ज़मीन पर पूरा हक रहता था और उनकी चौलाद को भी हक मिलता था."

लगानदारों की अलग अलग किसमें

उन्नीसवीं सदी के बीच में मदरास में कितने तरह के लगानदार थे इसका पता मदरास हाईकोर्ट में चलने वाले एक मुक्तदमें के फैसले से चलता है. उसमें लिखा है:

पनाइल वाली वह किसान जिन्हें जमीन पर कोई इक नहीं है वा 'असालीट प्राफुड स, यानी वे पर बार किसान 'उलर प्राकुड स' बानी गांव में न रह कर खेती करने वाले किसान कम जाते हैं और यह अपने को 'अवलावदाई' कगानदार बहुते हैं. 'अवलावदाई' किसान वह हैं जिन्हें खेत पर कुछ दिनों कवज़ा रखने का इक होता है और जो न तो मिरासी होते हैं और न किसासती क्रवज़े का उन्हें अधिकार होता है. 'अवलावदी मीरास' वह किसान होते हैं जिन्हें जमीन पर हमेशानी के कवजे का इक होता है. 'अवलावदसी कृषु मीरास' वह किसान हैं जिन्हें हमेशानी के क्रवज़े का भी مالکھاری ہورہ کی 5 جدوری 1814 کے کانٹوں میں یہی شدیں یہی جنیز شبکیلہ کو ملکی ہے :

الا تمل کے بہت سے علاقوں سیس آور شاس کر تلتیتور صوبے کے فلائیں سیس کسانوں کے بہت سے آدھیکار بوھملوں نے شریف لگے عیس کے تحریف لگے عیس کے تحریف لگے عیس معلوم بوشن عی آب رہیت ہیں گئے عیس ، لیکوی ایسا معلوم عوال ہے کہ شروع میں تمل کے 'ویلاسکوں' 'فومبھڑوں' آور آموں کی ملکیت کے آثر سبرگار کے ویڈیوں اور نائیڈوں کو زمین کی ملکیت کے سازے عقدستان میں حاصل تھے ''

أتليسهي مدى كا أرمهه

یہ بات پوری طرح سے سدھ ھو چکی ہے کہ اُنہسویں مدی کے شروع میں دو طرح کے کسان تھے، ایک ' اُلگو دسن " اُور دوسرے ' پورا کو ' رئیس ' اِن اللہکوں کو زمین پر وراثتی قبقے کا حق تھا ، لیکن یہ لوگ ملکیت کو دوسرے کے نام نہوں کر سکتے تھے ، بعد میں جب جوللے والوں کی کمی ہولے لگی تو ' الکو مس' کسائوں کو آجازت دے کی لکی که اگر اُن کے کوئی اولاد نه هو تو وہ دوسرے کو زمین دے سکتے میں . اُنہیں اِس بات کی بھی اجازت دے دی کئی اگر انہوں نے کھیسا کو ترقی ديلے پر اپنا دھن خرچ کيا هے تو وہ کهيت بهج سکتے ھیں ، میرائی دار صرف ' تهفدر ورم ' کے روپ میں پیداوار كا ساجع بارة فهصدي كسان سے لي سكتا تها . 'تهلقو ورم ' اُس اِسهن کی فیس کے روبیا میں لھا جاتا تہا جو فہر مهوافهوں کو جونلے کے لئے دی جانی تھی ، ' ہورا کوڑی ' کسان عام طریقے سے گاؤوں میں نہیں رہتے تھے ، اُن لوگوں نے بھی گاورں میں وهذا شروع کر دیا ، " ایسے کسان جب تک ایان ادا کرتے رهتے تھ انبهن ایلی زمین پر پررا حق رها تها اور أن كو بهي حق ملتا تها ."

لكان دارس كى الگ الگ قسيهس

الیسویس سدی کے بنتے میں مدواس میں کتلے طرح کے لگان دار تھے اِس کا پتد مدواس خالی کورٹ میں چلکا ہے ، اُسمیس نائیا ہے ، اُسمیس نائیا ہے :

 सवाल जाता है तो बाजार के बहे ध्रुप जान के जाजार पर या जाने बढ़ने की उन्मीद के जाजार पर लगान बढ़ा दिया जाता है. इसी कारन किसी किसान के पास पक साल से जियादा दिनों तक खेत नहीं रहने पाता. क़ुवरती तौर पर किसान को पैदावार बढ़ाने की जगन नहीं रहती क्योंकि वह जानता है कि पैदावार बढ़ाने से उस का लगान भी बढ़ जायगा.

किसी सूरत में भी ज़मींदार पूरा का पूरा लगान माफ नहीं करता. जब पानी बिलकुल ही नहीं बरसता और कसल बिलकुल ही खराब हो जाती है तो लगान में कुछ कमी ज़रूर की जाती है. यह कमी एक खाध खादमियों के लिये नहीं की जाती बल्क पूरे पूरे गांव के किसानों के लिये की जाती है. इन हालतों में खाम तरीक़ से मुक़र्रर लगान को 'वर्म लगान' में तबदील कर दिया जाता है, 'वर्म' उस लगान को कहते हैं जो ज़मीन का मालिक पैदावार का कुछ हिस्सा किसान से लगान की सूरत में ले लेता है और नक़द दाम नहीं मांगता. इस तरह किसान को नुक़सान अगतना पड़ता है. उसकी लागत भी वस्ल नहीं हो पाती. सच्ची बात यह है कि लगान में खूट देने का कोई नियम न होने की वजह से किसान हमेशा घाटे में रहता है.

केवल मालाबार में लम्बी मियाद की लगानवारी की सूरत में किसान को खेत को तरक्की देने का अध्यावजा मिलता है. कम मियाद वाली लगानदारी में वह भी नहीं मिलता.

अपर की बातों से साफ पता लगता है कि रैयतवारी इलाक़े का किसान बिलकुल मालिक की मरजी पर है इर फसल के साथ लगानदारी का उसका इक खतम हो जाता है, मौरूसी और लम्बी मियाद के लगानदारी के आधार पर भी वह कोई अधिक इक नहीं पा सकता.

लगानदार का हक एक तारीख़ी भलक

रैयतवारी लगानदार हमेशा के आज की तरह दुखी नहीं थे. ईस्ट इंडिया कम्पनी के ग्रुक के काराजों, मालगुजारी कोई के रेकाडों और ग्रुक ग्रुक के वृद्धिश राज के कलक्टरों के छोड़े हुए नोट इस बात के सबूत हैं कि भदरास में बहुत दिनों तक रैयतवारी लगानदारों को मिक्कियत का हक था इस बात का जिक्र मदरास के कलक्टर मिस्टर प्लेस की 6 जून 1799 की रिपोर्ट में मिलता है. यह रिपोर्ट ईस्ट इंडिया कम्पनी के मसलों पर खास कमेटी की पांचवी रिवोर्ट की सोकहवीं जोड़ की सुरत में छपी है.

1814 के एक कलक्टर की गवाही

1814 में सदरास के कलकटर मिस्टर एक. डब्ल् एकेस ने भी लिखा है कि किसानों को ज़मीन पर इमेशगी के क्रकों का इक था. آنا ہے تو بازار کے بوجے هوئے بہاؤ کے آدھار پر یا آگے پوہلے کی اُمهدن آئے آدھار پر یا آگے پوہلے کی اُمهدن آئے آدھار پر لٹان ہوھا دیا جاتا ہے ۔ لسی کاری کسی کسان کے پاس ایک سال سے زیادہ دنیں تک کیهت وابین رہنے پاتا ۔ آجرتی طور پر کسان کو پیداوار بوھائے کی لگن نہیں رہتی کیونکہ وہ جاتھا ہے کہ پیداوار بوھائے سے اُس کا لٹان بھی بوھ جائے گا ۔ ،

کسی صورت میں یہی زمیندار پورا کا پورا لکان معاف نہیں کرتا ، جب پانی بالکل ھی نہیں برستا اور قصل بالکل ھی خراب ھو جاتی ہے تو لکان میں کچھ کدی ضور کی جاتی ہے ، یہ کدی ایک آدھ آدموں نے لگے نہیں کی جاتی بلکۂ پورے پورے گارں کے کسانوں کے لگے کی جاتی ہے ، ان حالتوں میں عام طویتے ہے مقرر لگان کی جاتی ہے ، ان حالتوں میں عام طویتے ہے مقرر لگان کو ورم لکان 'میں تبدیل کر دیا جاتا ہے ، ' ووم ' اُس لگان کو کیتے ہیں جو زمین کا مالک پیدارار کا کچھ حصہ کسان ہے لگان کی صورت میں لے لیتا ہے اور نقد دام نہیں مانگتا ، اِسطرے کسان کو نقصان بھکتا پوتا ہے ، اُمکی لگت بھی وصول بہیں ھو پاتی ، سچی بات یہ ہے اُمکی لگت بھی وصول بہیں ھو پاتی ، سچی بات یہ ہے کہ لگان میں چھوت دیاہے کا کوئی نیم نہ ھونے کی وجہ سے کسان ھیھے گہاتے میں رھتا ہے ،

کھول مالا ہار میں لمبیءمھاد کیلکان داریکی مورت میں کسان کو کھیت کو ترقی دیلے کا معارضہ ملکا ھے ، کم ممیاد والی لکان داری میں وہ بہی نہیں ملکا ،

اوپو کی باتوں سے صاف پتہ لکتا ہے کہ رمیت واری عقلے کا کسان بالکل مالک کی مرقی پر ہے ، هر فصل کے ساتے لگان داری کا اُسِکا حتی حُکم هو جاتا ہے ، موروثی اُور لمبی معاد کے لگانداری کے آدھار پر بھیوہ کوئی ادھک حتی نہیں یا سکتا ،

لكاندار كا حق-ايك تاريضي جهلك

وعیت واری الخاندار همیشه سے آج کی طرح داہی نہیں تھے ، ایست انڈیا کمیڈی کے شروع کے کافاوں' مالگذاری بورڈ کے ریکارڈوں اور شروع شروع کے برٹش راج کے کلنگروں کے مہورے ہوئے نوٹ اس بات کا ڈبرت میں بہت دنوں تک رعیمت واری اکان داروں کو ملکیمت کا حتی تھا، اس بات کا ذکر مدراس کے کلنگر مسٹر پلیس کی آ جون 1799 کی ارپورٹ میں ملتا ہے ، یہ رپورٹ ایست انڈیا کمیڈی کے مسئلوں پر خاص کمیڈی کی بانچویں رپورٹ گی سولیوں جوڑ کی صورت میں

1814 کے ایک کلکٹر کی گرامی

1814 میں مدراس کے کلکٹار مسٹار آیف ، قبلو ، آیلس نے بھی لکہا ہے کہ کسانوں کو زمیق پر همهشگی کے تبلیے کا حتی تیا ، and the state of t

हम अब दूसरी चीजों के साथ साथ यह दिखाने की कोशिश करेंगे कि मदरास की रैयतवारी प्रथा में किसान की क्या हालत है और किस तरह अनिगत कमेटियों पर सामखा रुपया सर्च किया गया है. इनका कोई फायदा मज़र नहीं छाता. आज भी ज़मीन पर किसान को कोई डक़ नहीं है. इस मामले में दूसरे सूबों की कांगरेसी सरकारों के मुकाबते में भी मदरास सरकार बहुत पीछे रही है.

मदरास का रैयती काक्तकार

मदरास में जमीन की मिलिकयत के बहुत से क़ायदे हैं—ज़मीदारी, इनामदारी, रैयतवारी, जनमी, मुलगानी बरौरा. मलाबार और दिक्खनी किनारे को छोड़ कर जहां कनमदार और मुलगानी कारतकार, असली कारतकार और रैयत के दरमियान विचौलिये की हैसियत से हैं रियासत भर में ऐसे विचौलियों को और कहीं भी क़ानूनी मानता नहीं मिली. बड़े बड़े निजी ताल्लुक़ों या संस्थाओं जैसे 'देवास्थानम' के ताल्लुक़ों में बड़े बड़े विचौलिये होते हैं जो ताल्लुक़ों से ज़मीन लेकर छोटे छोटे किसानों को लगान पर देते हैं. लेकिन आम तरीक़ से रैयत खुद ही किसान से लेन देन रखता है.

लगान का तरीका

सींचाड जमीन पर धान और सूखी जमीन पर जौ बरौरा जैसी फसलों का लगान दो तरीक़े से तय होवा है. एक तो लगान की प्रथा के आधार पर और दूसरे ज़मीन के उपजाऊपन और सिंचाई की जासानी के आधार पर. सामे की खेती में किसान को पूरी पैदाबार का एक तहाई से दो तिहाई तक जमींवार को देना पड़ता है. यही हालत उस मुक़र्रा लगान की भी है जो जिन्स के रूप में लिया जाता है. किसान एक तिहाई अवा करे या दो तिहाई यह बात दो आधार पर तय होती है. एक तो लगान की प्रथा और जमीन के उपजाऊ पन और सिंचाई की आसानी के आधार पर और इसरे इस आधार पर कि अमींबार कुल खर्च का कितना हिस्सा सुद् बरदारत करता है. दक्खिनी जिलों में सामे की खेती का बहुत रिवाज है. अधिकतर अञ्जूत और बहुत ही रारीब किसाम इस तरह के कारतकार होते हैं. मुक्तररा सगान पर वह किसान खेत लेते हैं जिन के पास क्रम न कुछ पैसा हो जाता है गना, कपास, तम्बाकू और मोअपनी ऐसी ब्योपारी फसलें उगाने वाले खेतों का लगान महादी शकत में तय होता है. इब धनी किसान ही इस तरह के खेत से पाते हैं. इन खेतों के लगान में बढ़ती होती रहती है.

क्योपारी फसलों के बाजार माब को सामने रख कर इन सेतों का लगान तय होता है. जब नवा पहा लिखने का ھم آپ موسری بھوڑوں کے ساتھ ساتھ یہ دکھائے کی کوشھ کریں گے کہ مدراس کی رمیت واری پرتھا میں کسان کیکھوں پر کسان کی گفت کمیکھوں پر کسان کی گفت کمیکھوں پر خوانامطوالا روپیہ خرچ کھا گیا ہے ۔ اُن کا کوئی قائدہ نظر نبیاں آتا ۔ آج بھی رمین پر کسان کو کوئی حتی نبیاں ہے۔ اِس معاملے میں دوسرے صوبرں کی کانکریسی سرکاروں کے متابلے میں بھی مدراس سرکار بہت پہنچے رھی ہے۔

مدراس کا رمهتی کاشتکار

مدواس مهن زمهن کی ملکیت کے بہت سے قاعدے ههن۔ رمیداری انعام داری رمیت واری جلسی ملکانی وقیوہ مالا یاد اور دکھتی کفارے کو چهور کو جہاں کئم دار اور ملکانی کاشتکار اصلی کاشتکار اور رمیت کے درمیان بچولگر کی حیثیت سے ههن ریاست بهر مهن ایسے بچولگر کی حیثیت سے ههن ریاست بهر مهن بوے بوے نجی تعلقوں یا سفستهاؤں جیسے دیواستهانم کی تعلقوں میں بوے بوے بچولگر هوتے هیں جو تعلقوں سے زمین لے کو چهوائے جہوائے سانوں کو لگان پر دیتے هیں۔ لیکن عام طریقے سے رمیت خود هی کسان سے لین دین دین

لگان کا طریقه

سیقنچاؤ زمین پردهان اور سوکهی رمین پر جو وهیره جهسى قصلون لا الان دو طريقه سے ملے هوتا هے. ايک تو لاتان کی پرتھا کے آدھار پر اور دوسرے زمھن کے ایتجاو ہیں اور سیلجائی کی آسانی کے آدھار پر ، ساجمے کی کھیٹی میں کسائ کو ہوری پیدارار کا ایک تہائی سے در تہائی تک ومهدار کو دیدا پوتا ہے ، یہی حالت اُس مقررہ لکان کی بھی ہے جو جلس کے روپ میں لیا جاتا ہے . کسان ایک تہائی ادا کرے یا در تہائی یہ بات دو آدھار پر طے هولي هـ . أيك تو لكان كي يرتها أور زمهن كه أيجال بن لور سیدچائی کی آسانی کے آدھار پر اور درسرے اِس ادھار پر که زمیندار کل خرج کا کندا حصه خود برداشت کرتا ھے . دکھلی ضلعوں میں ساجھ کی کھیٹی کا بہت روایہ نے ادامک در اجہوت اور بیت هی قریب کسان اسطرم کے کافیتکار هوتے هیں ، مقررة لگان پر وہ کسان کہیت لیتے هين بين كے ياس كچه نه كچه ييسه هو جاتا ہے . كتا؟ كهاس تمماكر أور موم يهلي أيسي بهوياري قصلهور أكاني وألي كهيتون كا لكان نقدى شكل مين ط هوتا هـ . كجه فعلى كسان هي إسطرم كي كههت له يات ههن . إن کھیٹوں کے لگان میں آوہوتی ہوتی رہتی ہے ۔

بھیناری فصلوں کے بازار بھاڑ کو ساستے رکھ کر اِن کھیتوں کا لکان طے حولا ہے ۔ جب نہا یک انکہنے کا

Will state

सेती की भामदनी और संर्व 1945 में तेमार्ग भाषादी की भीसत.

| ثمام | مهن | ترنس1945 | ,,i | ' آمدانی | کی | كهيلى |
|------|-----|----------|-----|----------|-----|--------------|
| | | | | | يسط | ،آبادی کی آر |

| | वर्जी ४२,७ | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | तमामं आवादी की आमदंनी की श्रीसत हो श्रीसत تمام آیادسی کی آمدنی کی آرسط |
|----|--|------------|--------------|-----------|------------|------------|---|
| | | रुपया यक्त | रूपया यक्ष्य | हपया यस्त | रुपया 44%) | त्तवा ४४५) | रुपया 🖦 |
| 1. | चामदनी एक स्नानदान पर آسدنی ایک خاندان پر | 4,332·1 | 1,339.6 | 687.5 | C86·1 | 477 7 | 902·3 |
| 2. | आमदनी पक आदमी पर آمدنی ایک آدمی پر | 347.7 | 201.7 | 116·1 | 1089 | 91.7 | 144.4 |
| 3, | क्रज़ो एक आदमी पर ترهء ایک آدمی پر | 113.3 | 64.1 | 37.6 | 21.3 | 8.3 | 40-8 |
| 4. | श्रीसत ३: 4 | 32.5 | 31.8 | 32 4 | 19.5 | 9.0 | 28.2 |

بمبائی یونیووسائی کے آتا اگر وی ، وی ، مائی نے مدراس صوبے کی کسان سسیا پر کافی مصفت اور چھانی بیس کی ھی ، آنیوس نے ہات لکایا ھے کہ جو وصین کھھائی کرنے والے کسانس جھوائے رمیعوں اور چھوٹا دھقدا کرنے والی کسانس تھی رہ آپ وصفداووں سومائدوں اور سرمایدواووں کے پاس پہونچٹی جا رهی ھی ، اِس بارے میں دوسرا رہے یہ ھے کہ زمین سکونائی ومھیائی ہیس دوسرا رہے یہ ھے کہ زمین سکونائی ومھیائی اس بارے کا سی سے قیم سکونائی ومھیائی کے دوسرے دھی ہے کہ گوشی کے دوسرے حصوں دے گروسی کے دوسرے حصوں

میں بھی عام هو چلا ہے .

تمل ناد کانکریس کمیٹی کے ہمفلت سے پتھ چلکا ہے کہ سن 1945-46 سے لے کر آب تک آمدنی کا جو کھتے بھی بھوارا کیا گیا ہے وہ بڑے زمینداروں کے خی میں هو رها ہے ، ضروری پیداوار کی تیمٹیں بڑعٹی جاتی هیں ۔ ٹیس بڑھوتی سے طور سے آنا ہے کہ ام بہت بڑھ گئے هیں ، ایس بڑھوتی سے جو نفع هوتا ہے وہ بڑے بڑے وہ بنداروں کے حصے میں هی آتا ہے کیونکہ آنییں کے پاس بہجلے کے لئے بیمٹ سا میں ہوتا ہے ،

बम्बई यूनिवर्सिटी के डाक्टर वी. वी. सायन ने मदरास सूचे की किसान समस्या पर काफी मेहनत और ज्ञानबीन की है. उन्होंने पता लगाया है कि जो ज़मीन बेली करने वाले किसानों, छोटे रैयतों और छोटा धन्दा करने वालों के पास थी वह अब ज़मीदारों, सौदागारों और सरमायादारों के पास पहुँचती जा रही है. इस बारे में दूसरा रुख यह है कि ज़मीन सकूनती ज़मीदारों के पास से ग्रेर सकूनती ज़मीदारों के पास से ग्रेर सकूनती ज़मीदारों के कबजे में पहुँच रही हैं. डाक्टर सायन ने यह बात बड़े कोर से कही है कि क़र्ज देकर ज़मीन हड़पने का तरीक़ा देश के दूसरे हिस्सों में भी आम हो चला है.

तामिलनाइ कांगरेस कमेटी के पैम्फलेट से पता चलता है कि सन 1945-46 से लेकर अब तक आगर्नी का ओ कुछ भी बटवारा किया गया है वह बने ज़मीदारों के इक में हो रहा है. ज़करी पैदावार की क्रीमतें बढ़ती जाती हैं. खास तौर से अनाज के दाम बहुत बढ़ गए हैं. इस बढ़ौती से जो नका होता है वह बने ज़मीदारों के हिस्से में ही आता है क्योंकि इन्हीं के पास बेबने के लिये बहुत सा माल होता है. "खगानदार कीथे दरने में शुमार किये जाते हैं. इन पर पक आदमी पीछे 4 की सदी करज़ा बदा है. जहां तक के ज़मीन बालों की बात है उनकी हालत इस से भी ज़ियादा खतरनाक है. इनका करजा 45.6 की सदी तक पहुँच गबा है.

नीचे लिखा टेबिल भी रेडियर की किताब Agrarian Reforms and Parity Economy से लिया गया है।

सन 1945 में हर इलाक्ने की श्रीसत श्रामवनी और श्रीसत देनदारी.

''لگاندار چوتھ فرنھ میں شیار کالے جاتے کیں ۔ اُس یو اُلیک آدمی پرچھ 4 فی صدی قرضہ بوطا ہے۔ جہاں تک پرمین والیں کی باط ہے اُن کی حالت اِس سے بھی زیادہ خطرناک ہے ، اُن کا فرضہ 45،6 فی صدی تک پہرنے گیا ہے''۔

نیسے لکہا تیبل شری ریڈیر کی کتاب Reforms and Parity Economy
ھے لیا گیا
ھے:

سن 1945 میں هر ملائے کی آوسط آمدانی اور آوسط دیرہداری:

| ¥ | इलाक स्थार | 7 | कुनवा पीछे जामदनी क्रम्भ क्रम्प | भारमी पीछे भामवनी किरुक्ष ठाउँ آمدنی | कुनवा पीछे देनदारी کلیه پیچی | ब्रादमी पीछे देनदारी ههد آدس دینداری |
|-----|------------------|---|---------------------------------------|---|------------------------------------|---|
| 1. | विष्रेगापट्टम | والزاءكيةم | 75 4· 8 | 112·1 | 289 2 | 42.9 |
| 2. | सरंकार के किनारे | سرکار کے کلارے 🕟 | 1010.5 | 161.8 | 336.4 | 53•9 |
| 3, | सरकार के पठार | سرکار کے پالہار | 1064.4 | 168.5 | 268.5 | 42.5 |
| 4. | दक्किनी जिले | دكهتي ضلعي ا | 623· <u>5</u> | 107-0 | 269.7 | 46.3 |
| 5. | कर्नाटक | کرنار <i>گ</i> | 1017.8 | 174.5 | 327.9 | 56·2 |
| 6. | कावेरी डेलटा | كاريري تيلقا | 77 4 ·1 | 125.6 | 191.9 | 31-1 |
| 7. | केन्द्री सूबे | كهلدري صوي | 954.0 | 153.7 | 231.2 | 37.2 |
| 8. | विक्सनी पश्चिमी | قا قا دکھٹی پنچ ھسی کونے | 1030-9 | 164-0 | 140·1 | 22-3 |
| 9. | दक्खी पूरवी कोने | دکھٹی پوربی کو لے | 969.8 | 169-9 | 253.8 | 43.9 |
| 10. | पश्छिमी किनारे | يجهني كقاري | 8 80·3 | 1218 | 307.6 | 42-5 |
| | कुल जीसत | كل أوسيط | 902.3 | 144·4 | 255.2 | 40.8 |

कपर किसी भीसत को माल्ली दिसाय से जांचने पर सरुवी भीर साफ तस्वीर सामने नहीं भाती, नीचे किसे देविस से पांचों दरकों की भीसत भावादी भीर उनके कर्ज का साफ साफ पता चल जाता है.

اُوور انجی اُوسط کو معمولی مساب سے جانجانے پر سچی اُور ماف تصویر ساملے انہوں آتی ، نہنچے انجے انجال سے پانچوں کروں کا ماف بانچوں بھا جاتا ہے ، اُن کے قرض کا ماف ماف بھا بھا جاتا ہے ،

مدراس مُعَاقَعُ عُهَوْمِي كَي سيسها مدراس مُعَاقَعُ عُهواتي كي سيسها

(3°) - مهمولان کسائ تجن کرایاس 5 لیکو نے بھی کم زمین ہے .

(4) ناندار اور

(5) ایسے کہہ ی مؤدور جن کے پاس زمین بالکل لہوں ہے .

جانے پرتال سے جو نعیمے نکلے وہ یہ میں : کل قرف

1944-45 1939-49 : 2,17,71,15,000 44,, 2,71,91,64,000

| م قرض: | آدمیکے پیت | ل میں ایک | ك ورگ مها | ر اليا |
|------------|------------|-----------|-----------|--------|
| فهصتنی کنی | قرق | | 1939 | درجه |
| یا ہوھوتی | | | | |
| -39.9 | -75.2 | 113.3 | 188.5 | .1 |
| -24.6 | -19.4 | 59.4 | 78·8 | .2 |
| -12:3 | -5.2 | 37.6 | 42.8 | .3 |
| +4.1 | +0.8 | 21.3 | 20.5 | .4 |
| +45.6 | +2,6 | 8.3 | 5.7 | .5 |
| 4 = 4 = | 1 4000 | | | |

پانچ درجوں کا فیصدی قرض 1939 اور 1945 ہیں؛۔ درجه 1 2 3 2 کل 100 0 1 4 4 4 35 3 43 5 14 4 1939 (3)

100.0 2.5 7.0 38.7 41.0 10.8 1945 (4)

(5) نی مدی

(2) سے (1) تک 60 0-10 48 88 10 48 143 143 104 88 10 - 3 اگر تائیڈو جن خاص اور اہم نتیمیں پر پہرنمچے وہ یہ میں :۔۔۔

''ان آنکورن سے ہتے چلتا ہے کہ لوائی کے درران میں جو فائدے ہوئے وہ بڑے بیمائے پر ہوے کسانیں کو هی هرئے۔ اُن کے کل قرضہ کا حصہ 1939 میں 14 فرصدی تھا ، لیکن یہی قرضہ 1945 میں صرف 10 فرصی رہ گیا ، اسی طریقہ سے بیچ والے زمینداروں کا قرضہ 1946 میں لئے فیصدی رہ گیا ، آتے ہیں قرضہ 36 فرصدی ہو گیا ،

''لکان داروں سے بھی زیادہ پرزمیدی والوں کے اُوپر قرطس بوھا ہے''۔

मन्द्रम् वे बेती ही समस्या

- (3) ब्रोटे किसान जिनके पास 5 एक से भी कम जुमीन है.
 - (4) लगानदार, और
- (5) ऐसे खेती मज़दूर जिस्के पास ज़मीन विलक्षुल नहीं है.

जांच परताल से जो नतीजे निकले वह यह हैं:

कुल करजा

1939-49 1944-45 2,41,91,64,000 हमसा 2,1771,15,000 हमसा

एक वर्ग मील में एक आदमी के पीछे कर्ज :

| य् | एक बर्ग मील में एक बादमी के पीछे क्रज : | | | | | | | | |
|-------|---|----------|----------------|------------------------|--|--|--|--|--|
| दर्जी | 1939 | 1945 | फरक | की सदी कमी या बदौती | | | | | |
| 1. | 188.5 | 113.3 | $-75^{\circ}2$ | -39.9 | | | | | |
| 2. | 78 ·8 | 59.4 | -19.4 | -24.6 | | | | | |
| 3. | 42.8 | 37.6 | -5.2 | - 12·3 | | | | | |
| 4. | 2 0·5 | 21.3 | +0.8 | +4.1 | | | | | |
| 5. | 5.7 | 8.3 | +2.6 | +45.6 | | | | | |
| यां | च दरजों का | फी सदी 🛪 | भू 1939 - | और 1945 में: | | | | | |
| | _ | | 3 4 | 5 কুল | | | | | |
| (3) | 1939 144 | 43.5 | 35.3 4. | 4 1.4 100.0 | | | | | |
| (4) | 1945 10-8 | 410 | 38.7 7.0 | 2.5 100.0 | | | | | |
| (5) | की सवी | | | | | | | | |

'इन आंकड़ों से पता जलता है कि लड़ाई के दौरान में जो कायते हुए वह बड़े पैमाने पर बड़े किसानों को ही हुए. सनके कुल कर्जे का हिस्सा 1939 में 144 की सदी था. लेकिन यही करजा 1945 में सिफ 108 की सदी रह गया. इसी तरीक्रे से बीच बाले जमींदारों का कर आ 1945 में 41 की सदी रह गया. छोटे जमींदारों का जो तीसरे नम्बर पर आते हैं करजा 35-3 की सदी से 387 की सदी बढ़ गया. यानी इनका करज़ ३-४ की सदी बढ़ा."

(2) 计(1) 商 600 700 880 104 143 801

बाक्टर नायद् जिन खास और घहम नतीजों पर

'खगानदारों से भी जियाना ने जमीन नाजों के ऊपर

पहुंचे वह यह हैं:-

the second of the second of the second of advantages

क्ये उन्होंने भी अपनी कमीन किसालों के दाथ पट्टे पर करा ही.

मन्रास स्वे में 72 लाख बढ़े फर्मीदार और 70 लाख जोड़े फर्मीदार हैं जो रैयत बाले तरीक़ के मातहत आने हैं. इनके पास 31 लाख एकड़ धावपाशी बाली कमीन है जिस पर सरकार ने सिखाई का प्रवन्ध किया है और 185 लाख एकड़ ऐसी पामीन है जिस पर धावपाशी नहीं की जाती. 70 क्वास कारतकारों में से 51 लाख ऐसे हैं जिनके पास धीसत से भी कम फर्मीन है. इनकी मालगुकारी 50 कप्या या से इससे भी कम है. इनकी मालगुकारी 50 कप्या या से इससे भी कम है. इनके पास कुल मिला कर 11 लाख एकड़ धावपाशी वाली प्रमीन है और 102 लाख एकड़ वे धावपाशी वाली प्रमीन है व्यूसरी तरफ निगाइ बालें तो पता चलेगा कि 2 लाख ऐसे मालिक हैं को 50 कपए से फियादा मालगुज़ारी देते हैं. इनके पास 22 लाख एकड़ धावपाशी वाली जमीन है जिस पर सरकार ने सिखाई का प्रवन्ध किया है और 38 लाख एकड़ ऐसी कमीन है जिस पर धावपाशी नहीं होती.

बगर की सदी के दिसाब से इस पर गौर करें तो मास्स होगा कि छोटे जमींदार 97 की सदी हैं. इन में से 59 की सदी के पास सिचाऊ जमीन है. उनको इस बात की गारंटी दे दी गई है कि उनको सिचाई के लिये पानी मुद्देश किया जायगा. बड़े जमींदार करीब 3 की सदी हैं. इनके पास 41 की सदी सिचाऊ जमीन है. इनको भी सिचाई के लिये पानी की गारंटी हैं. छोटे जमींदारों के पास 83 की सदी और बड़े जमींदारों के पास 17 की सदी ग़ैर सिचाऊ जमीन है.

यह बांकने 1945-46 में तिमलनाद कांगरेस कमेटी के खोज विभाग ने तैयार किये थे. इस में उस इालत का ज़िकर मही है जो बड़ी जंग के बाद सामने बाई.

हाकटर बी. बी. नारायन स्वामी ने 1946 में इस बारे में जांच प्रताल की. इस जांच परताल से माल्स हुचा कि क्सिनों की थोड़ी बहुत ग़रीबी घटी है लेकिन केसी मजदूरों की हालत में सरक्की नई हुई. 1939 में मदरास सूचे में किसानों पर क्रजे करीब 272 करोड़ रुपया था. 1945 में यह क्रजों करीब 218 करोड़ रुपया रह गया, इससे स्नाविश होता है कि क्रजों में 45 करोड़ की एक इम कमी हो गई.

जांच परवास के लिये डाक्टर वी. वी. नारायनस्वामी माचकू ने खेती करने वाली आवादी को पांच हिस्सों में खंडा है. वह यह हैं:

(1) वह बड़े किसान जिनके पास 25 एकड़ या इससे जियादा सिचाक और सुखी जमीन है.

(2) बीच के ऐसे किसान जिनके प्रस 5 बीर 25 बुक्स के क्रियान जुमीन.

17 1 1 1 2 2 1

1 m

بحجے آئیوں کے بھی آپائی رائین کسائین کے عالم پالے پر آلها سی ۔

1 1 30 1

مدراس صوبے میں 72 لابع بونے وسیدار اور 70 لاکھ جہولے وسیدار هیں جو رعیمت والے طریقے کے ماتصت الے میں ، ان کے پاس 31 لاکھ ایکو آبیاهی والی وسین وسید جس پر سوار نے سیدچائی کا پربندھ کیا ہے اور 185 لاکھ آیکو ایسے میں جاتی، لاکھ آیکو ایسی زمین ہے جس پر آبیاهی نہیں کی جاتی، 70 لاکھ کا کہ کا کہ کا کہ کا کہ ایسے میں جن کے پاس اوسط سے بھی کم وسین ہے ، ان کے پاس کل ملا کو ایکو آبیاهی والی زمین ہے اور 102 لاکھ ایکو کر 11 لاکھ آیکو آبیاهی والی زمین ہے ، دوسری طرف نکاد ڈالیس تو پہاس رویعه ہے آبیاهی والی زمین ہے ، دوسری طرف نکاد ڈالیس تو پہاس رویعه سے زیادہ مالکڈاری دیتے میں ۔ ان کے پاس 22 لاکھ ایکو سے زیادہ مالکڈاری دیتے میں ۔ ان کے پاس 22 لاکھ ایکو سے زیادہ مالکڈاری دیتے میں ۔ ان کے پاس 22 لاکھ ایکو بیادہ مالکڈاری دیتے میں ، ان کے پاس 22 لاکھ ایکو بیدی نہیں والی زمین ہے جس پر سرکار نے سیڈچائی کا پربیڈدھ کیا ہے اور 18 لاکھ ایکو ایسی زمین ہے جس پر برکار نے سیڈچائی کا پربیڈدھ کیا ہے اور 18 لاکھ ایکو ایسی زمین ہے جس پر بربیڈدھ کیا ہے اور 18 لاکھ ایکو ایسی زمین ہے جس پر بربیڈدھ کیا ہے اور 18 لاکھ ایکو ایسی زمین ہے جس پر بربیڈی نہیں موتی ۔

اگر فی صدی کے حساب سے اِس فور کریں تو معلوم عولاً که چھوٹے زمیددار 97 فیصدی ھیں ۔ اِن مھی سے 59 فیصدی ھیں ۔ اُن کو اِس یات فیصدی کے پاس سیلتھاؤ زمین ھے ۔ اُن کو ایک پانی مینا کیا جائے گا ۔ برے زمیندار قریب کا فیصدی ھیں ، اُن کے پاس 41 فی صدی سیلتھاؤ زمین ھے ۔ اُن کو بھی سیلتھائی کے لگے یانی کی گارتانی ھے ۔ اِن کو بھی سیلتھائی کے لگے یانی کی گارتانی ھے ۔ چھوٹے زمینداروں کے پاس 88 فیصدی اور بوے زمینداروں کے پاس 89 فیصدی اور بوے زمینداروں کے پاس 88 فیصدی اور بوے زمینداروں کے پاس 88 فیصدی اور بوے زمین ھے ۔

ن یہ آنکوے 46-1945 میں تمانات کانگویس کمھٹی کے کہوچ وبھاک نے تھار کئے تھے ، اِس میں اُس حالت کا ذکر نہیں ہے جو ہوی جنگ کے بعد سامنے آئی ،

آنگر وی ، وی ، ترائن سوامی نے 1946 میں اِس بارے میں جانبے پرتال کی ، اِس جانبے پرتال سے معلوم هوا که کسانوں کی تهروی بہت فریبی گھٹی ہے لیکن کیھی مودوروں کی حالت میں ترقی نہیں ہوئی، 1939 کروز وربیہ میں مدراس موبے میں کسانوں پر قرش قریب 272 کروز وربیہ وہ گھا ، / اِس سے ثابت ہوتا ہے کہ قرضے میں 45 کروز کی گیا ، / اِس سے ثابت ہوتا ہے کہ قرضے میں 45 کروز کی آیک ہم کسی ہوگئی ،

ایک هم کنی هوکگی .
حالی چاہی دولان کے لگے ڈاکٹر ری ، وی ، ترائن سوامی تاثیقار نے کیمٹی کوئے والی آبائی کو پانچ حصوں میں باتکا ہے ، وہ یہ هیں :

(1) وہ ہڑے کسان جن کے پاس 25 آیکو یا اِس سے زیادہ سیڈھچاؤ اور سوئھی ومیں ہے .

(2) بھے کے لیسے کسان جن کے پاس 5 اور 25 ایکو کے درمیان رمیں ہے . बजह से 'रैयंस' किसान आपनी क्यीन को उपजांत बलने और उसमें अवड़े बीज इस्तेमाल करने की कोई दिलचस्ती नहीं रखता. यह सब से भ्रहम वजह है जिस के कारन खेती महरास सूचे में तरमकी नहीं कर रही हैं.

रैबतवारी तरीक़े में वही कमजीरियां आ गई जो पहले अभीवारी तरीक़े में पाई जाती थीं. अमीवारी वाली जगहों पर किसानों ने अपनी जहाजेहद के कारन कुछ रिद्यायतें और इक हासिल कर लिये थे लेकिन रैयतवारी त्तरीक्षे में किसान के पाले कुछ भी न पड़ा. बड़े दुख के साथ कहना पड़ता है कि रैवत और किसानों के बीच माम-सात सुलमाने की कोशिश सरकार ने भी नहीं की. इसका नतीचा यह हुआ कि छोटी छोटी मिलकियतें पूंजीपतियों और सरमायादारों के हाथ में पहुंच गईं. यह बात खास तीर पर 1928 में ब्योबार में मन्दी आ जाने के समय हुई. 1934 में सरकार ने इस की आंच परताल कराई. इस जांच परताल से माब्स हुआ कि रैयतवारी जमीन करीब करीब 10,351 इज़ार यकक है, जिसका 20 की सदी या 2,070 हजार पकड़ उन लोगों के पास चला गया है जो खेती नहीं करते. इस तरह छोटे और बीच के प्टे दार ने खेत हो गये. यह कहने की जरूरत कहीं कि आजकल भी यही हालत है.

इस तरह श्री रेडियर ने अपनी किताब में बताया है कि किसान की पैदावार का बड़ा हिस्सा जमींदार को मिलता है. नीचे का टेबिल इस पर रोशनी डालता है:

| | ान का हिस्सा | प्रमीदार का हिस्सा |
|----------------|----------------------|----------------------|
| तक तकह | में (फी सदी) | एक एकड़ में (फी सदी) |
| चिंगलपट | 33 | 67 |
| तंजीर | 161 | 83.9 |
| पूर्वी गोदावरी | 40.1 | 59 9 |
| विजेगापट्टम | 44.4 | 5 5·6 |
| उत्तर अरकाट | 23.1 | 76.9 |
| बिलौरी | 43.5 | 56. 2 |
| तिनैवेली | 24.3 | 75 7 |
| कोयम्बद्धर | 7.6 | 92.4 |
| दक्किन कनारा | 4 3· 5 | 5 6·5 |

पामीन का बंटवारा ठीक ढंग से न होने के कारन सूद की दर बद गई है, किसान चुसते जा रहे हैं और रारीब होते जा रहे हैं, मजदूरी के दाम गिर गए है चौर रहन सहन का दर्जा काफी गिर धमा है. चाजकल मदरास और दूसरे जिसों की हासत बहुत जियादा सतरनाक है.

जो किसान रैयतबारी तरीक़े में जाते हैं वह करीब करीब 55 से 60 की सदी तक हैं. 15 की सदी ऐसे पामीदार है जो गांव से दूर रहते हैं. इन्होंने अवनी बामीन बढ़े पर दठा रखी है. 25 से 30 की सदी तक जो बाक़ी وجه سے 'رهیت ' قسان ایکی ومینی کو آینجای بقائے اور اُس خیں اچھے بیج استعمال کرنے کی کوئی دلتجسی نہیں رکیعا ، یہ سنیانے اُھم وجه ہے جس کے کاری کیھی معراس مونے میں ترقی نہیں کرر ھی ہے .

رهیمت واری طاریقے میں وهی کمزوریاں آگائیں جو هملم زمهداري طريق مين يالي جاني تهين ، زميداري والی جگھوں پر کسالوں نے اپلی جدوجهد کے کارن کعید رعائتهن أور هت خاصل كو لله تهد لهكان رعهمت وأوى طریقے میں کسان کے بالے کعیہ بھی نہ ہوا ، ہوے دائی کے ساله کهنا پرنا هے که رفیت اور کسائوں کے بیچ معاملت سلطهائے فی کوشش سرکار نے بھی نہمن کی، اِس کا تکهم يه هوا كه چهوالي جهوالي ملكتين پوتعبي يتهون أوو سرمايعداري كهاته مهي پهولي گلهي. يه بات خاص طور ير 1928 سهل بهريار سهل مقدي أجال كي سد عوثي . 1934 میں سرائل نے اِس کی جانبے ہرتال کراگی ، اِس جانب يردال بيمعلوم هوا كة رمهت وأرق زمهن قريب قريب 10,351 هوار ايكو هـ، جس كا 20 في صدى يا 2,070 موار ایکو ان لولوں کے پاس چھ کیا جے جو کمھھی تھیں کرتے ، إسطرے چھوٹے اور بھی کے پتےدار بے کھیت عولکے ، ید کہتے کی ضرورت نہیں کہ آج کل بھی یہی حالت ہے . إسطار ش مي ويديو نے أيدى كتاب مهن بتايا هے ده كسان يبدأوار كا بواحسه زميلدار كو ملعا هي. نهجے كا تهبل اِس ير روهني دَالِمَا هِي:

| - // // - | | w 1 a |
|---------------|-------------------------------------|---|
| خالع | نسان کاهصهٔ آیک ایکو میس (فیصدی) | زمیندار کا حصه ایک ایکو میں (فیصدی) |
| جلكال يات | 33 | 67 |
| للجور | 16.1 | 83•9 |
| پورمی گوداوری | 40.1 | 59 ·9 |
| وزيكة ياقم | 44.4 | 5 5•6 |
| أتر أركات | 23.1 | 76·9 |
| يقرري | 43 5 | 56 5 |
| تهدویلی | 24.6 | 75 .7 |
| کویماً ور | 7.6 | 92.4 |
| دكهي كناره | 43.5 | £6· 5 |

رسین کا باتوارہ البھک الفنگ سے نہ مولے کے کارن موہ کی در ہوہ گئی ہے' کسان چسٹے جا رہے میں اور فریب موتے ہا رہے میں اور فریب موتے ہا رہے میں' مودوری کے دام کر لگے میں اور وہی سیس کا فریک کائی کر گیا ہے ۔ آجکل مدراس اور دوسرے فالموں کی حالت بہت زیادہ شطرناک ہے ۔

جو کسان رمیت واری طریقے میں آتے میں وہ قریب قریب 55 میں 60 فیصدی ایسے 50 میں 15 فیصدی ایسے رمیدار میں میں الیوں لے آیکی ومیلی آتے ہوں 30 فیصدی کے جوہائی

तक़सीम नीचे किसे बांकड़ों से साफ साक मालूम हो مطرم هر जायगी:

| मिलकियत की तादाद एकड़ में ملکوس کی تعداد ایکو میں | रजस्टिहें मालिकों की तादाद लाख में उ,द्याप्त, مالكوں كى تعداد لانه ميں | हर प्रुप की गिनती का फी सब्दी जोड़ कर देवले हैं कि उसे कर हैं कि उसके कि उसके कर हैं कि उसके कर हैं कि उसके कर हैं कि उसके कर है कि उसके कि उसके कर है कि उसके | زمهن کی | इर सुप की मिलकियत का जोड़ की सरी में कर्त रेल्स्स के निकार ४ न्ल् | का बोसत एक्ट्र में क्रम्म | सिचाई जमीन का दिस्सा पण्ड में जीकुमेसन स्टब्स प्रस्तु एक्ट प्रस्तु |
|--|---|---|---------|---|---------------------------------|---|
| 1 एकड़ से नीचे क्षांट प्रदर्ग | 5.0 | 24.0 | 1.62 | 25 | 0.32 | 0.06 |
| 1—3 مهم بديا | 10.0 | 48.0 | 15.1 | 23.3 | 1.5 | 0.0 |
| 3-9 ,, ,, | 3.8 | 18.3 | 17.2 | 26.5 | 45 | 1.4 |
| 9-12 ,, ,, | 1.1 | 5.3 | 8:1 | 12:5 | 7.4 | 3.0 |
| 12—18 " " | Q ·6 | 2.9 | 7:6 | 17.7 | 12.7 | 5.6 |
| 18-50 ,, ,, | 0 23 | 1.1 | 6.2 | 9.6 | 28.2 | 146 |
| 50 से जपर ,, , , ।। 🕳 50 | 0.08 | 0.4 | 9.0 | 13•9 | 112:5 | 61·8 |

ارپر کی تیبل سے معلوم ہو جاتا ہے کہ اِن چھ صوبری مهر 3°90 فیصدی زمون سے فائدہ اُتھائے والرس کے پاستھیک 52°8 فیصدی زمین سے فائدہ اُتھائے والرس کے پاس 47°7 کھیٹی کی زمین ہے ،

the state of the s

मदरास सूबे का दो तिहाई हिस्सा रैयतवारी था और बाक़ी एक तिहाई ज़र्मीदारी. आज कल क्या सरत है इस का अण्याचा लगाना सरिकल है. रैयतवारी तरीक्रे में सरकार और जुताई करने वाले के बीच सीधा रिशता बना रहता है. असल में रैयत ही जमीन की मालिक होती है. लेकिन अब ऐसे बहुत से रैयत हैं जो खुव जुताई नहीं करते. 'रैयत' इस रजिस्टड जमींदार को कहते हैं जिस के पास पक साथ जमीन का दुकड़ा होता है और जिस पर उसकी पूरा अख्तियार रहता है. ऐसे रैयत सरकार को मालगुजारी देते हैं. जिन लोगों के पास बढ़ी जमीदारी हैं उन्होंने दूसरे इंचे काम अपना लिये हैं. इन में से जियादा तर लोग गांवों से दर जा कर बस गए हैं. आम तौर से वह अवनी जमीन सासाना सगान पर किसानों को दे देते हैं. ऐसे किसानों को किसी क्रिस्म का कोई अख्तियार नहीं दिया जाता. ऐसे किसानों की हारात उन किसानों से चियादा खराब है जिन के लिये.क्यर प्रदेश में 1926 में आगरा टिनन्सी एक्ट पास प्रया था. इन ही तमान कारनों और परेशानियों की

जपर की देविल से मालूस ही जाता है कि इन ही सुबों

में 90.3 की सवी जमीन से कायवा बठाने वालों के

पास ठोक 52.3 की सदी जमीन है और 9.7 की सदी

क्रमीन से फायदा उठाने वालों के पास 47.7 खेती की

जमीन है.

مدراس صریے کا دو تہائے حصم رمهم وارمی تها اور ہاتی ایک تہائی زمیلداری، آج کل کیا صورت ہے اِس کا اندازہ لیانا مشکل ہے ، رمهت وارمی طویقے میں سرکار اور جوتائی کرتے والے کے بیتے سیدما رشته بقا رهما هے. اصل میں رمیت م رمین کی مالک هولی هے۔ لیکن 'ب ایسے بیمت سے رعیت میں جو خود جوتائی نہیں کرتے ، رميس وجسارة ومهدار كو كباته هون جس کے پامی ایک شامی زمین کا ٹاکوا هوتا ہے اور جس ہو اُس کو پورا اختهار رهتا هے ، ایسے رمیت سرکار کو مالكذاري ديتے هيں . جن لوكين كے پاس يوى زمهلدارى مهن أنهون نے دوسرے أونجے كام أيدًا لكے هدن. إن مهن ش بیات تر لوگ کاؤں سے دور جا کر پس لئے میں ، عام طور سود اینے زمین سالاله لکان پر کساتیں کو دے دیکے عین . ایسی کسانی کو کسی السم کا کرای اختیار نیمی دیا جالا، ایس کسانین کی حالت اُن کسانین سے زیادہ خواب ہے جِن كَمْ لَكِمْ أَلِر يُرْدِيضَ مِينَ \$192 مَين أَلَا الْعِلْلُسِي أيكسى ياس هوا لها . إنهين تمام كارتون أور يريشانهون كي

अपर किसे बांकरों से यह बात साफ हो जाती है कि आसे से जियादा खेती करने वालों के पास दो एकड़ से भी कम फायदा पहुँचाने बासी ज़मीन है यह ज़मीन उन के गुज़र बसर के लिये पूरी नहीं पड़ती, इस लिये भूकों मरने तक की नौबत बा जाती है. अगर इस बात को इस तरह बयान किया जाय कि मदरास की 82 की सदी खेंती करने वाली बाबादी के पास बाधे से भी कम फायदा पहुँचाने बाली ज़मीन है तो बेजा न होगा.

नीचे लिखे चांकड़े तामिलनाद कांगरेस से रिसर्च महकमें ने लिये हैं, इससे यह बात चौर साफ हो जाती है: اوہر لکھے آلکورں سے یہ باس ماف ہو جاتی ہے کہ آدھے سے زیادہ کھیچی کرنے والوں کے پاس دو ایکو سے بھی کم فائدہ چپونچانے والی ومیں ہے . یہ زمین آن کے گزر بسر کے لیے پروی نہیں بوتی ایس لئے یہوکوں مرنے تک کی نواجت آ جاتی ہے . اگر اس بات کو اِس طرح بیان کیا جائے کہ مدراس کی 82 فی صدی کھیچی کرتے والی آبادی کے پاس آدھے سے بھی کم فائدہ یہونچانے والی زمین ہے تو بہجا نہ موال .

نهجے لکھے آنکوے تامل ناد کانگریس کے ریسرچ محکمے نے لگے هیں' اس سے یہ بات اور صاف هو جاتی ہے:

مدراس صوبے مهی رعیتواری زمون کا الموارد کا

| المناع فيلتامني | तादाद लाख भ | 5 4.5.0 | षामीन की मिलकियत की तादाद लाख में ८०६००३ ८०६००३ نعداد لانه مهن | षा'हर किया गया बर रेर्र रेर अध्या ४ | का श्रीसत | आवपाशी का जमीन का हिस्सा एकढ़ में ४ ८००० १०४० १८०० |
|-----------------------------|-------------|---------|--|--|-----------|--|
| 1 एकद से नीचे कुक्तं कार्या | 16.4 | 22·8 | 9:5 | 34 | 0.58 | 0.07 |
| 1-3 وهم بديا | 39.7 | 55.1 | 104.3 | 37.8 | 2.6 | 0.2 |
| 3-9 ", | 11.2 | 15·6 | 75.0 | 27.2 | 6.7 | 12 |
| 9—12 ", " | 2.7 | 3.8 | 28:3 | 10.2 | 10.7 | 28 |
| 12-18 " " | 1.4 | 1.9 | 23.4 | 8.3 | 16.7 | 5.1 |
| 18-50 " " | 0.46 | 0.6 | 16.9 | 6.2 | 42.0 | 16.0 |
| 50 एकद से ऊपर अर्थ करनी है | 0.14 | 0.2 | 18·9 | 6.9 | 134.0 | 55.0 |

इन आंकड़ों से माल्म होता है कि 93.5 की सदी ज़मीन से फायदा उठाने वालों के पास 68.4 की सदी ज़मीन है और 6.5 की सदी ज़मीन से फायदा उठाने वालों के पास 31.6 खेती की ज़मीन है.

है कि में में मलाबार, तंजीर, गुल्तूर, किस्तना, पूर्वी गोदाबरी और पश्चिमी गोदाबरी में रैयतबारी जमीन की اِن آنکووں سے معلوم ہوتا ہے کہ 93.5 فیصدی ومھن سے فائدہ آٹھائے والیں کے پاس 68.4 فیصدی ومھن ہے اور 6.5 فیصدی ومھن سے فائدہ آٹھائے والیں کے پاس 31.6 فیصدی کھیٹی کی ومھن ہے .

چه شلمی مهن-مالایار تنصور کنتور کستنا پورمی کی کوداوری اور پچهنی کوداوری مین رمهمتواری زمین کی

athalant hathanus an 23, 2 s s

मदरास जिले की आबादी सब से जियादा है और आवादी जियादा होने के कारन खेती बारी की जमीन कम पढ़ जाती है. जमीन का अच्छा और वपजाऊ हिस्सा ऐसे लोगों के पास है जो खेती बारी नहीं करते. और सिर्फ यही कारन है कि खेती बारी करने वाले लोग नाखरा हैं.

नीचे लिखे आंकड़ों से यह बात आसानी से मालूम हो जायगी कि मदरास जिले में श्रीसत खेती करने बाले एक आदमी और एक खानदान की क्या हालत है. असली हालत तो इससे अधिक दुर्दनाक और अचरज भरी है.

مدراس شلم کی آبادی سند سے زیادہ ہے۔ اور آبادی زیادہ هوتے کے کارن کھیکی ہاری کی زمین کم پر جاتی ہے۔ زمدی کا اچھا اور ایتجاؤ حصہ ایسے لوگرں کے ہاس ہے حو کھیٹی ہاری نہیں کرتے ، اور صرف یہی کاربی ہے که کھیٹی ہاری کرلے والے لوگ ناخرش میں ۔

نهجے لکھے آبکوں سے یہ بات آسانی سے معلوم ہو جالهكي كه مدراس ضلعے مهن أرسط كههتى كرنے والے أيك آدسی آور ایک خاندان کی کیا حالت هے. املی حالت تو اِس سے ادھک دردناک اور اچرے بھری ھے .

| | जुता हुआ रफ़बा (॰एकड़) ४+३) १०० ८६० (४४३) | जुता हुआ बेकार रक्तवा (एकड़) जुद्धा के एक (उद्धी) समें | कुल (एकड़) ଧ (५५४) | |
|-----------------------------|---|---|---------------------------------|-------------------------|
| एक किसान पर औसत रहवा | 0.86 | 0.59 | 1.45 | ایک کسان پر آوسط رقبه |
| एक सानदान पर श्रीसत रक्ष्या | 5.29 | 3.64 | 8.93 | ایک خاندان پر آرسط رقبه |

एक सानदान में पांच जवान शादमियों की श्रीसत मानी गई है.

नीचे लिखे बांकड़ों से सूबे के रक़ने का सही अन्याजा हो जाता है. यह आंकड़े नायब सर्वे डायरेक्टर ने दिये हैं. वह सेन्द्रल सर्वे श्राफिस मद्रास के इनचार्ज हैं:

ایک خاندان میں پانچ جوان آدسیوں کی أوسط ماني گئي هـ.

نیعے لکھے آنکورں سے صوبے کے رقبے کا صنعهم اندازہ هو جانا هے . يه آنکوے نائب سروے ةائركتر نے دئے هيں . الله سنترل سروے آنس مدراس کے انجارے هیں:

रक्षा मुरव्या मील لهم ميل दक्ष

| 1. | रैयतबारी अनिसमें ह्याटे इनामदार भी शामिल थे | 75,604.94 | رمهد وارى جسمهن انعامدار بهىشامل ته | .1 |
|----|---|-----------|-------------------------------------|----|
| | | | | |

| a. | पूर इनामवार | 1,210 (1 | ھورے انعام دار | .2 |
|----|-----------------------------|-----------|----------------------|----|
| 3. | जमींदारियां | 25,661.29 | زمهقداریا <i>ن</i> | .3 |
| 4. | रिषार्व जंगलात और पहाड़ियां | 17,146.95 | رزر جنگات آر بیازیان | .4 |

कुल

125,828.95

کل

श्री रेडियर का कहना है कि सूचे में ज़मीन तीन तरह से षांटी जा सकती है-यानी अगर वह आवपाशी वाली हो तो 20 एकड़, बार्सो बाली हो तो 10 एकड़ और अगर सूखी जुमीन हो तो 30 एकड़. इससे यह साफ ज़ाहिर हो जाता है कि एक खेती करने वाला खानदान मदरास में ऐसी ज्मीन पर जुताई करता है जिस से फायवा नहीं होता. नीचे लिखे आंकड़े इस बारे में आंखें खोल देते हैं.

श्रीसत गिनती उन खानदानों की जो ऐसी जमीन रसते हैं:

| 2 एकद से भी कम | 51 फी सदी |
|----------------|------------|
| 2 से 5 एकड़ तक | 11 की सदी |
| 5 से 10 एक इतक | , 7 की सबी |
| 10 एक इसे अपर | 11 की सदी |

شرى ريتيم كا كهذا هي كه صوبي مهن زمهن تهن طرح سے بانٹتی جاسکتی ہے۔۔۔یعنی اگر وہ آبھاشی والی ہو تو 20 ليكوا بالهرس والي هو تو 10 أيكو أور اكر سوكهي زمهن هو تو 30 أيكور إس سے يه مات ظاهر هو جاتا هے كه أيك کههتی کرنے والا خاندان مدراسمها ایسی زمین پر جوتائی كرنا هي جس سے قائدة نهيں هوتا ، نهجے لكھ آلكوے إس ہارے میں آنکھیں کبول دیتے ھیں : آرسط گفتی اُن خاندان کی جو ایسی زمین رکھتے

رزرو جنگلات أور بهازیان

| 51 ئى مدى | 2 لیکو سے بھی کم |
|-----------|--|
| 31 ئى مدى | 2 سے 5 ایکو تک |
| 7 ئى مدي. | 5 سے 10 ایمر تک |
| 11 أي صدي | 10 الما يا الما الما الما الما الما الما ا |

ایک سجی ریڈیر گروئے اپنی لیگ کتاب میں لکھا ہے: '' کھیتی باری کا سوال آج جتنا ضروری ہے آتنا پہلے کیمی نہیں رہا ۔ اِس سوال کے مسئلے پر همیشہ سوتیلی ماں جیسا بوتاؤ کیا گیا ہے۔ ساتھ هیساته دلنچسپی بھی اِس سوال پر بہت هی کم دکھائی گئی ہے ۔''

آب هم اس بات يو وچار كريدگي كه مدراس سركار نے كس طرح رقيم ركو تقسهم كها هے:

تتسیم مدراس صوبے میں 47'۔۔1946 میں (کنعی فصل لور موسم رپورٹ کے مطابق ہے ،) تقسیم

जैसे विद्वानों की भी मिसालें दी हैं. उन्होंने इस कात पर जोर दिवा है कि गांव वाले मिल कर काम करें. हिन्द सरकार ने कपनी पंच साला योजना में भी इसी बात पर काकी जोर दिवा है. मीरिस दाव ने इस 'सामृहिक गांव इन्तजाम' की बात की वो घोडों पर सवारी करना जैसा बताया है.

एक सञ्जन रेडियर गुरु ने अपनी एक किताब में लिखा है: "सेती बारी का सवाल आज जितना च करी है उतना पहले कभी महीं रहा. इस सवाल के मसले पर हमेशा सीतेली मां जैसा बरताव किया गया है. साथ ही साथ दिलचस्पी भी इस सवाल पर बहुत ही कम दिकाई गई है."

अब हम इस पर विचार करेंगे कि मदरास सरकार ने किस तरह रक़ने को तक़सीम किया है:

तकसीम मन्रास सूचे में 1946-747 में (गिनती फ़्सल और मौसम रिपोर्ट के मुताबिक है.)

कुत रक्षवा बुकाई जंगल परती बह जमीन जिस पर जुताई नहीं दुई और एक साल के लिये जुताई की जरूरत नहीं है आज कल की ऐसी जमीन जिस पर एक साल के लिये जुताई की जरूरत नहीं है कुत रक्षवा

श्री रेडियर की किताब के अनुसार मदरास में खेती करने बालों की आबादी क़रीब 36,142,232 है. यह किताब 1951 की मर्दुम शुमारी से पहले लिखी गई थी. इस आबादी को नीचे लिखे जिलों में बांटा गया है:

किले का नाम खेली करने बाबों की आबादी فلجہ کا نام کھیتی کرنے والوں کی آبادی

| विजागापटम | 3,064,163 | وزکا یکم |
|-----------------|-----------|-----------------------------|
| पूर्वी मोदावरी | 1,479,063 | پورېي گو ^ن اوربي |
| पश्चिमी गोदावरी | 1,137,068 | پنچهمی گوه او ارس |
| किस्तमा | 1,062,807 | lixus |
| गुन्ब्र | 1,818,471 | كلترر |
| कर्नुल | 986,206 | كرنول |
| बेलारी | 807,265 | بيلاري |
| धनन्तपुर | 1,025,245 | أنغيها يور |
| क्रुदाया | 8,99,260 | كدايا |
| नेखीर | 1,420,196 | تهلور |
| चिगत्तपट - | 1,483,373 | چنکل یت |
| द्विसन अरकाट | 2,425,737 | دکهن ارکت |
| विश्वर | 1,50,5417 |)) ^I * |

رتبه ایکو میں قبع باکہ میں جب رہت ہا ہے۔ 31,035,475 (a) ایکر میں ہوائی ایکر میں ایکر میں ایکر میں ہوائی ایکر میں جب یہ ایکر میں جب یہ ایکر میں جب یہ ایکر میں جب یہ ایکر اور 9,498,721 (b) ایک سال کے لئے جوتائی کی ضرورت نہیں ہے۔

ا الجمل كى ايسىزمين جس ير ايك سال 2 الله جوتائي كى فرورت نهدن هـ ، (ه) 79,933,806 كان الهه

ھری ریڈیر کی کتاب کے انوسار مدراس میں کھھتی کرنے والوں کی آبادی قریب 36,142,332 ہے ، یہ کتاب 1951 کی مردم شماری سے پہلے لکھی گئی تھی ، اِس آبادی کو نہتے کئے ضلعوں میں بانڈا کیا ہے :

चित का नाम खेती करने वालों की श्रवादी فلام كا نام

| 2,172,165 | أتر اركات |
|------------|---|
| 2,23,2879 | بير بر سالهم |
| 1,228,693 | كولىيالور |
| 1,729,678 | ترجها پلی |
| 2,119,949 | للجور |
| 1,595,934 | مدورا |
| 1,102,462 | رامنان |
| 1,362,432 | ر م تن ریلی |
| 2,486,328, | ماليار |
| 960,713 | دكهن كذارا |
| 36,823 | نیلگری |
| 36,142,332 | جوبه |
| | 2,23,2879 1,228,693 1,729,678 2,119,949 1,595,934 1,102,462 1,362,432 2,486,328, 960,713 36,823 |

Carry of the state of the state of

नदरास में खेती की समस्या

AND THE RESERVE OF THE PROPERTY OF THE PROPERT

(कुरनवर्जुन)

मद्रास सरकार ने खेती सुधार को टालने के लिये नये नये तरीक़े इंक्तियार किये. 'जनता की आवाज' और 'जमींदार सभा की आवाज' का बद्दाना लेकर सरकार ने अखबारों में पढीटोरियल्स बरौरा निकलवाये, अपनी योज-नाओं का प्रचार भी किया. लेकिन पिछले कई सालों से सरकार की इन कोशिशों के जो नतीजे निकले हैं वह निराशा जनक ही रहें हैं.

बढ़े बढ़े ज़मीदारों ने कुमारप्पा कमेटी को एक तरफा और कम्युनिस्ट तरीक़े का क़रार दे दिया. इस पर सरकार ने एक कमेटी बन सुधारों पर फिर से सोचने विचारने के लिये क्रायम की. इस सरकारी कमेटी ने भी कुमारप्पा कमेटी के तमाम सुकावों को रह कर दिशा और लगान और खेती टैक्स के बारे में कुछ हिरायतें दी. लेकिन जमीदारों ने फिर सरकारी कमेटी की दिवायतों को नामंजर कर दिवा. इसके बाद मदरास सरकार ने इस बारे में दिलचस्पी लेना छोड़ दिया एक बार सरकार ने खेती बिल की बहस चलाई लेकिन जुमींदारों को यह बिल भी एक आंख न भाया. इसी तरीक्रे से माजगुजारी बन्दीबस्त, अच्छी सिचाई और टैक्सों की ठीक वस्की वरीरा के भी सुमाब सरकार ने रखने की कीशिश की लेकिन उनकी भी बापस हो लिया गया. इस के बाद मदरास सरकार ने दिल्ली सरकार से मांग कि वह इस सूबे की भलाई के लिये कुछ कायदे कानून बना दे. लेकिन उसकी यह मांग भी बेकार गई. इन सब का नतीजा यह हुआ कि ज़र्मीदार अपनी मन मानी करने जगे.

ज़मीचार जो कुछ चाहते थे उसको पूरा करने की के शिश की गई. उन्होंने सरकार से 'हिफाजती को जों' की मांग की. उनके कहने के मुताबिक की जों को बतलाई हुई जगहों पर भेज दिया गया ज़मींचार को क़रीब क़रीब जब सब सुविधायें मिल गईं तो उसने गरीब किसानों और मज़हरों पर मन मानी शुरू करे दी.

अभी हाल में 'जमीन सुघार पर कम्युनिस्ट विचार'
(Communist Spotlight on the Land Problem) नामी पैम्कलेट निकला है. इस छोटी सी पुस्तक को बी. रामामूर्ति ने लिखा है. इस में उन्होंने कांगरेसी नेताओं की जमीन सुधार नीति की कड़ी आलोचना की है. आगे चलकर श्री मूर्ति ने जोरवार शब्दों में मांग की है कांगरेस को जमीन सुधार की नीति पर एक अमली और मज़बूत क़दम दक्षना चाहिये. अपने सिद्धान्त को साक करने के लिये उन्होंने जी. ही. एक कोल और सद मैक्काम

مدراس میں کھیتی کی سیسیا

A CONTRACTOR OF THE STATE OF TH

(كرهن أرجن)

مدراس سرکار نے کھھٹی سدھار کو ٹائٹے کے لئے نگے نگے نگے نگے انکے اکمیدار کئے۔ 'جفتا کی آواز' اور 'زمھندار سبھا کی آواز' کا بہانہ لے کو سرکار نے اشھاروں میں ایڈی ٹوریلس وغیرہ نکلوائے' ایکی یرجداوں کا پرچار بھی کیا ۔ لیکن پچھلے کئی سالیں سے سرکار کی اِن کوشھوں کے جو نیراشجے نکلے ھیں وہ نراشاجلک ھی رہے ھیں ،

ہوے ہوے وہ ہدداروں نے کما رہیا کمیتی کو ایک طرفه اور کینهونسمت طریقے کا قرآو دیے دیا ، اِس پر سرکار نے ایک کمینائی اُن سدهاروں پر پھو سے سوچانے وجارتے کے لکے قائم کی ، اس سرکاری کنیکی نے بھی کناریہا کنیگی کے تمام ستجہاؤوں کو رد کر دیا اور لگان اور کھھای تهکس کے بارے میں کچه هدائتیں دیں، لیکن زمیلداروں نے پیر سرکاری کیپڈی کی هدائیعوں کو نامنظرر کر دیا ، اِس کے بعد مدراس سرکار نے اس بارے میں دلچسپی لینا چھور دیا ، ایک بار سرکار کے کھیائی بل کی بعدت جائی لهای زمیندارس کو یه بل بهیایک آنکه نه بهایا . اِسی طریقے سے مالکذاری بقدریست اچهی سینجائی اور ٹیکسوں کی تھیک وصولی وقورہ کے بھی سجهاو سرکار نے رکھلے کی کوشش کی لھکن اُن کو بھی واپس کے لیا گیا ، اِسکے کے بعد مدواس سرکار نے دلی سرکار سے مانگ کی که وہ اِس صوبے کی بھلائی کے لکے کنچے قاعدے قانون بنا دے ، لیکن اسکی یه مانگ بھی بيكار لكى . إن سب كا تعيجه يه هوا كه زميندار ايني من مانى كرنة لكه .

وسیندار جو کتھ جائٹ تھے اُسکو پورا کرنے کی کوٹھی کی گئی ، اُنہوں نے سرکار سے ' حفاظتی قوچوں ' کی مانگ ٹی ، اُن کے کہنے کے مطابق قوجوں کو بٹلائی ھوٹی جگہوں پر پہنچ دیا گیا ، زمیندار کو قریب قریب جب سب سوودھائیں مل گئیں تو اُس نے فریب کسانوں اُور مؤدوروں پر میں مانی شروع کر دی ،

ابھی عال میں ' زمین سدھار پر کمیونست Communist Spotlight on the Land) ، وجارا ' Problem نامی پمغلت نکا ہے ، اس جھوٹی کی پمنعک کو ویں ، وامنا میولی نے اکھا ہے ، اسمیں انہوں نے گئریسی نیکاؤں کی ومیں سدھار نیکی کی کوی الوجانا کی ہے گئے بھل کو شہری میولی نے زوردار شبدوں میں مانگ کی ہے کہ کنگریس کو رامیں سدھار کی نیکی پر ایک معلی اور مضیوط قدم آلیانا جائے ، ایے سدھاندی کو مانت کو مانت کو مانت کو را نے بھی ، قبی ، کول اور سر میلکم کرنے کہ گئوران نے بھی ، قبی ، لیے ، کول اور سر میلکم

में सिंचाई की जमीन का रक्षता 32 कास एकड़ बढ़ गया है. साथ ही साथ 160 कास एकड़ जमीन को, जिसमें पहले से सिंचाई- होती थी, सास फायदा पहुंचा. बाद का इलाक़ा इस हिसाब से कम किया गया है:

1949 67 **and tack** 1950 40 " " --1951 14 " " --

नये चीन की सिंचाई योजनाओं पर वहां की सरकार और जनता दोनों कों ही गर्व है और इससे पता चलता है कि दोनों एक दूसरे में कितने चुल मिल गये हैं.

संती के भौजारों के आमले में भी चीन का किसान आगे बढ़ रहा है और जियादा अच्छे ढंग से खेती करता है. 1951 के शुरू के छै महीने में चीन में दस लाख टन से ज़ियादा खली और डेढ़ लाख टन क़रीब के बिलायती खाद किसानों ने सहबोगी समितियों से खरीदी सरकार की तरफ से 160 कारखाने चल रहे हैं जो बढ़िया औजार तैयार करते हैं.

खेती की पैदाबार में मददगार नौथी सहायक और महत्व की बीज़ हैं बापसी मदद की दोलियां. हम यहां यह बतादें कि नये चीन में सरकार कहीं भी धुरतरका खेती के लिये दबाब नहीं डालती है. किसान को पूरी बाज़ादी है कि वह अकेले खेती करे या मिल कर. आपसी मदद की बाज यहां हचारों टोलियां है. कुछ टोलियां तो इतनी कामयाब हुई हैं कि पैदाबार दुगनी बढ़ गई है. 'बापसी मदद टोलियों' के अलावा मेहनत एवजी (Exchange Labour) टोलियां भी हैं. इसके अलावा जियादा पैदाबार करने बालों को बादर्श किसान कहा जाता है जिन्हें सरकार इनाम व बढ़ावा देती है.

नवे चीन की चुनौती

चीन का कमीन सुधार क़ानून आज सारी दुनिया के लिये और ख़ास कर पूरवी देशों के लिये एक जुनौती है. इस क़ानून के माइतत जोतने वाले कमीन के मालिक बन गए हैं और इसी कारन चीन की पैदावार वरीरा में अवरज भरी तरक़्क़ी हुई है. इसके मुक़ाबले हमारे देश के सूथों के फ्मींवारी अन्त क़ानून हैं जिनसे न किसान मुखी हैं और न क्मींदार और पैदावार की कमी कामभग वैसी की वैसी ही कमी हई है.

नया चीन तसकार कर कह रहा है कि हर मुल्क अपनी काचा पतट सकता है और तपाही को तरकती में बदल सकता है. क्या इमारे देश की सरकार और प्लानिंग क्मीशन काल रहते चेतेंगे, किसान के सच्चे हमदर्श बनेंगे और केल की क्यों से क्यायेंगे!

("चाइना दृढे" से) —सुरेश रामभाई

میں سینجائی کی زمین کا رقبہ 32 اٹھ ایکو بوملیا ہے ، ساتھ ھی ساتھ 160 اٹھ ایکو زمین کو جس میں پہلے سے سینجائی مرتی تھی' خاص فائدہ بہونتھا ، بارھ کا مقد اس حماب سے کم کیا گیا ہے :

نگے جھیں کی سیلجائی یوجلاؤں پر وقال کی سرکار' اور جلتا دونوں کو ھی 5۔و ھے اور اِس سے یکھ جلتا ہے کہ دونوں ایک دوسرے میں کتنے گھل مل گئے ھیں۔

کھیتی کے ارزاروں کے معاملے میں بھی جھوں کا کسان آئے پچھ رھا ہے اور زیادہ اچھے تھنگ سے کھیتی کرتا ہے . 1951 کے شروع کے چھ سپیلےمیں چھن میں دس لاکھ تن سے زیادہ کھلی اور تیجہ لاکھ تن کے قریب ولائتی کھاد کسائیں نے سپھوکی سمیتیوں سے خریدی . سرکار کی طرف سے 160 کارخانے چل رہے میں جو بچھھا ارزار تھار کرتے میں .

کهیتی کی هداوار میں چوتهی سیائک اور مهتو کی چوز هیں ایسی مدد کی تولیاں، هم یہاں یہ یتا دیں که نئے چون میں سرکار کهیں بهیمشترکہ کهیتی کے دیں که نئے چون میں سرکار کہیں بهیمشترکہ کهیتی کے کہ الا الفیلے کہ یہ اللہ التی کہیتی کرے یا مل کر آیسی مدد کی آج یہاں هزارن تولیان میں ، کچھ تولیان تو اللی کامیاب هرکی هیں که بهداوار دکتی یومبلک عرفی داران کو اللہ کا اللہ کی بالہ کی بالہ اللہ کی بالہ اللہ کی بالہ اللہ کی بالہ کی بالہ کی بالہ اللہ کی بالہ اللہ کی بالہ اللہ کی بالہ کی

نکے چھن کی چلوتی

چھن کا زمین سدھار قانون آج ساوی دنیا کے لئے اور خاص کر پررہی دیشوں کے لئے ایک چھرتی ہے ۔ اِس قانون کے مالحت جوتئے والے زمین کے مالک بن گئے میں اور اِسی کارن چین کی پیداوار رفیرہ میں اُجرج بھری ترقی هوئی ہے ۔ اِس کے مقابلے همارے دیش کے صوبوں کے زمینداری انت قانون هیں جن سے ته کسان سکھی هیں اور نم زمیندار اور پیداوار کی کمی لگ بھگ ویسی کی ویسی هی بنی هوئی ہے ،

ریسی سی بھی مرکی ہے۔

انہا جہوں للکار کر کہ رہا ہے کہ هو ملک ایلی گایا

المت کر سکھا ہے اور تجاهی کو 'ترکی' میں بدل سکھا

المے کیا همارے دیم کی سرکاریں اور پلانڈک کمیشن

وقیت رہتے جیکیلگہ' کمان کے سچے همدرد بقیکہ اور
دیمی کو تربئے سے بچائیلگہ اُ

(اچاللا ترانے سے)

-سريش راميهائي

किसान की हिफाजत और उसकी बेहतरी के लिये जीन की बनवादी सरकार ने तरह तरह के क़ानून क़ायदे लागू किये, पहली जून 1950 को सरकार ने खेती सम्बन्धी सारे टैक्सों में 25 की सदी कभी का ऐलान किया. किसी हलक़े में जो औसत कसल पैदा होती है उससे जियादा फसल हो तो बढ़ती हिस्से पर कोई लगान नहीं. किसान को लगान नक़दी की बजाय जिन्स की शक्त में देना पड़ता है जिससे उसको और भी आसानी रहती है. आम तौर से यह लगान कसल की 13 की सदी है.

चीन के पुराने काराजात से पता चलता है कि ईसवी सम् के ग्रुक होने से चाब तक वहां कोई सात सौ बड़ी बड़ी बाढ़ें और इज़ार से ऊपर अकाल आ चुके हैं. कोमिन-तांग राज के 25 बरस में 1937 तक लगभग 80 महामारियां आई. जंग के दिनों में इनकी रफ्तार और भी बढ़ गई. इन सबके कारन चीन का किसान लवे-दम रहा करता था ओर पेट भर खाना भी उसे नसीब नहीं होता था.

नई सरकार ने चीन के इस रोग को पहचाना और उसकी दवा की. पहला काम उसने यह किया कि कच्चे और पन्पदार दोनों तरह के कुएं खुदवा ढाले ताकि किसान अपनी कारत को सींच सके उत्तर चीन में तीन बरस में को यह काम हुआ उसके आंकड़े यह हैं:

| | | • |
|------|------------|--------------|
| साल | करुचे कुएं | पम्पदार कुएं |
| 1949 | 9,0803 | 3,26 246 |
| 1950 | 9,53,955 | 3,95,333 |
| 1951 | 9,92,910 | 4,62,036 |

सिर्फ इन कुंचों से ही कारत के लायक ज़मीन 1950 में 46 जास माओ और 1951 में 24 जास माओ के क़रीब बढ़ गई. और 1950 में पैदाबार 1949 के मुकाबले 2740 करोड़ केट्टी बढ़ी और 1951 में 1950 के मुकाबले 1588 करोड़ केट्टी बढ़ी.

कुएं खोवने वरौरा जैसी छोटी स्कीमों के खलावा नये चीन ने बड़ी बड़ी स्कीमें भी बनाई हैं. इनमें सब से बड़ी है इ चाई नदी योजना जो आज दुनिया का सब से बड़ा अवरण समसी जाती है. नवम्बर 1950 में इस योजना का काम ग्रुक किया गया. जुलाई 1951 तक इस योजना में खामग 80 लाख किसानों ने काम किया और लगभग 20 करोड़ मीटर मिट्टी खोद फेंकी, बांध बना डाले और नहरें चाल कर दी. जुलाई 1951 तक ही इस योजना ने लगभग साथे पांच करोड़ किसानों को बाढ़ के बर से मुक्त कर दिया और उस साल उस इलाक़ की फ्रिकी पोरशर असल हुई.

हु आई योजना के अलावा नवे चीन में लगभग दो सी अवह वानी को बांधा गया है और पंद्रह लाख से उपर आम, ताकाब बसैरा बनाए गए हैं. इन सब के कारन चीन کسان کی جفاظمت آور آس کی بیٹری کے لئے چھیں کی جھیں کی جندوادی سرکار نے طرح طرح کے قانون قامدے اگو کئے ، پہلی جون 1950 کو سرکار نے کہیٹی سمیلدھی سارے ٹیکسوں میں 25 فیصدی کمی کا آمان کھا ۔ کسی حلالے میں جو لوسط فصل پیدا ہوتی ہے آس سے زیادہ فصل مو تو پوھٹی حصد پر کوئی لگان ٹیمن ۔ کسان کو لگان نقدی کی بجائے جنس کی شکل میں دیانا ہوتا ہے جس سے آس کو اور بھی آسانی رھٹی ہے ۔ عام طور سے یہ لگان فصل کی 13 فیصدی ہے ۔

چین کے پرانے کافذات سے بات جاتا ہے کہ میسوی سن کے شروع ہونے ہے اب تک وہاں کوئی سات سو بوی بوی باوهیں اور موار سے آریز اکال آچکے ہیں۔ کومن تانگ رانے کے 25 برس میں 1937 تک بیک 80 مہاماریاں آئیں ، جاگ کے دنوں میں اِن کی رفتار اور بھی بوھ گئی، ان سب کے کارن چین کا کسان لب دم رہا کوتا تھا اور بھت بھر گھانا بھی آسے نصیب نہیں ہوتا تھا ۔

نئی سرکار نے چین کے اِس روگ کو پہنچانا اور اُس کی دوا کی ، پہلا کام اُس نے یہ کیا کہ کچے اور پسپداو دنیں طرح کے گلوٹیں کہدوا ڈالے تاکہ کسان ایکی کاشت کو سینے سکے ، اُتر چین میں تین پرس میں جو یہ کام ہوا اُس کے آنکوے یہ ھیں :

| يمپدار كئوئين | کنچے کلوٹیں | سال |
|---------------|-------------|------|
| 3,26,246 | 9,0803 | 1949 |
| 3,95,333 | 9,53,955 | 1950 |
| 4,62,036 | 9,92,910 | 1951 |

مين أن تنبول أبير هي الامت لا التي ومهن 1950 ميل 46 التي ومهن 1951 ميل 46 التي ماو كم البيب ميل 46 التي ماو كم البيب المود التي المود 1950 كم مقابله 1968 كرور كرتي يوهي أور 1951 ميل 1950 كم مقابله 1988 كرور كرتي يوهي أور 1951 ميل 1950 كم مقابله المود كرتي يوهي .

کلوئوں گہرہ نے وفہرہ جیسی چھوٹی اسکیدوں کے مارہ نئے جعین نے بڑی بوی اسکیدوں بھی بقائی میں ، اِن میں سب سے بڑی ہے ہوائی ندی بوجلا جو آج دلیا کا سب سے بوا اُچرچ سبجھی جاتی ہے ، نو بر 1950 میں اس بوجلا کا کام شروع کیا گیا ، جولائی 1951 تک اس بوجلا میں نگ بھی کرو میٹر مٹی کورد پھیٹکی' باندھ لگ ڈائے اور نیویں جالو کر دیں ، جالائی 1951 تک بیا ڈائے اور نیویں جالو کر دیں ، جالائی 1951 تک بیارہ کے قو سے متحت گردیا اور اُس سال اُس علاقے کی بھلی بارہ گے قو سے متحت گردیا اور اُس سال اُس علاقے کی بھلی بارہ گے قو سے متحت گردیا اور اُس سال اُس علاقے کی بھلی بارہ گردیا ہوگی ۔

عوائی ایوجنا کے فاؤہ لکے چین میں لگ ہوگ دو سر جاتہ بائی کو بالدعا گیا ہے اور بندوہ لائم سے اُوہر قام تالب رقیرہ بنائے گئے میں ۔ ان سب کے کارن جمن थे जिन के अन्दर नये क़ानून की हर दका तकसील से सममाई जाती थी, जो वह सवाल पूछते उन्हें इल किया जाता और हर तरह के शक दूर किये जाते थे. यह गांव बाले ट्रेनिंग के बाद अपने गांवों में जा कर नये क़ानून के संबसे बड़े प्रचारक और पैरोकार का काम करते.

प्रमीन सुधार कानून की बुनियाद में 'किसान संभा' का संगठन है जिस के बारे में कायदे कानून 14 जुलाई 1950 को पास हुए. यह किसान सभायें किसानों की अपनी चीज हैं जिन में वह अपनी मरजी से शामिल होते हैं. इनका मक्सद है खेतिहर मजदूरों, ग़रीब किसानों, बीच के किसानों और देहात की सभी सामन्त विरोधी ताक़तों को जमा करके एक करना ताकि किसानों के हित सुरिचत रहें और नया कानून खूबी के साथ अमल में लाया जाय. इन समाओं का दूसरा काम है देहाती सहयोग समितियों का संगठन करना ताकि खेती और दूसरे ख्योग धन्दे पनप सकें और तरक़्क़ी पायें; और तीसरा काम है किसानों के राजकाजी हक़ों की हिकाजत करना, उनका राजकाजी और कलचरी स्तर उपर उठाना और लोकशाही राज के क्षायम करने में मदद देना. यह किसान सभायें ही वह क़ न्नी साधन है जिन्होंने नया जमीन सुधार क़ानून लागू किया.

किसान सभा की सबसे नीचे की कड़ी है इसांग (गांव) किसान सभा, इस के ऊगर चू किसान सभा, जिस तरह इमारे यहां गांव के ऊपर मंडल होता है. चू के बाद काउन्टी या तहसील सभा आती है फिर ज़िला और प्रान्त किछान सभा.

जमीन सुधार के दौरान में हर तहसील में एक जनता ट्रियुनल बैठा करता था जिसका काम यह देखना था कि कानून ठीक तरह से लागू किया जा रहा है या नहीं. यह ट्रियुनल जगह जगह घूम कर सब बातें देखता और कानून की पाबन्दी कराता और जो भी जिलाफ जाते उन्हें सज़ा देता. लेकिन कई बातों की मनादी थी— जिसे बाहे पकड़ लेना, लोगों के बदन पर चोट करना या क़तल बरौरा जास बात यह है कि हर किसान को और उसके प्रतिनिधि को अधिकार है कि जलसों में किसी भी बड़े से बड़े औहदेदार की बेजा हरकत पर एतराज़ कर सकता है और उससे जवाब तकब कर सकता है.

खेती के दूसरे सहारे

जैसा हमने उपर कहा है नये ज़मीन सुधार क़ानून ने चीन की बनाज की पैदाबार और तमाम उद्योग भन्दों की निकासी को बेहद तरक़्क़ी दी है. पर इसके बालावा चार चीज़ें और हैं जिन्होंने काफ़ी मदद पहुँचाई है—(i) लगान में कमी और सरकारी मदद,(ii) पानी बांधने की छोटी बड़ी योजनायें, (iii) खेती के नए बौज़ार और (iv) बापसी मदद की टोज़ियां.

تھے جن کے آندر نئرقاتون کی هر دفعہ تفصیل سے "صبحبهائی جاتی ہوں ہوال پوچھتے آبھیں حل کیا جاتا اور هر طرح کے شک دور کئے جاتے تھے . یہ گاؤں والے الویلنگ کے بعد آنے گاؤں میں جا کر نئے قاتون کے سب سے بوے پرچارک اور پیروکر کا کام کرتے .

زمین سدهار قانون کی بلیاد میں ' کسان عهها ' كا سفكتهن هي ، جس كے بارے ميں قامدے قانون 14 جولائي سن 1950 كو پاس هولي ، يه كسان سبهالهن عسانوں کی ایٹی چھڑ ھیں جن میں وہ ایڈی موضی سے هامل هوتے هيں ، إن لا مقصد ۾ کهيلاي هر مزدورون غریب کسانوں' بینے کے کسانوں اور دیہات کی سبھی سامقت ورودھی طاقتوروں کو جمع کر کے ایک کرنا تاکه کسائوں کے مت سرکشت رهیں اور تھا قانون خوبی کے ساته عدل میں لیا جائے ، ان سبهاؤں کا درسرا کام ہے ديهاتي سَههوك سميتهول كأ سلكتهن كرنا تاكد كههتى أور ھوسرے اُدھوک داملانے پانٹ سکیل اور فرقی پائیل! اور نیسرا کام ہے نسانوں کے راج کاجی حقوں کی حفاظت کرنا؟ ان کا راج کاچی اور فلتوری استر اوپر اُٹھانا اور لوک شاهر راج في قائم درغمين مدد دينا . يه كسان سبهائين هی وہ گانونی سادھن ھھن جلھوں نے نہا زمین سدھار قالون لاكو لها .

کسان سبوبا کی سب سے نہتچے کی کوی ہے هسانگ در اور) کسان سبوبا ، اس کے آرور چو کسان سبوبا جس طوح همارے یہاں گاؤں کے آرور منڈل ہوتا ہے ، چو کے بعد کارنڈی یا تحصیل سبوبا آئی ہے' یہر ضلع آرر پرانت کسان سبوبا ،

سان سدهار کے دوران میں هر تحصیل میں ایک جاتا تربیوس بیٹھا کرنا تہاجس کا کام یہ دیکھا تھا کہ قانوں تہیک طرح سے لاکو کیا جا رہا ہے یہا نہیں، یہ تربیودل جگہ جگہ کہوم کر سب باتیں دیکھٹا ور قانوں کی پایٹدی کراتا اور جو بھی خان جاتے انہیں سڑا دیٹا ، لیکن کئی باتوں کی مفادی تھی—جسے چاھے پکڑ لیفا لوگوں کے بدن پر چرف کرسا یا قتل وفیرہ ، خاص بات یہ ہے کہ مدر کسان کو اور اُس نے پرتی ندھی کو ادھیکار ہے کہ جلسوں میں کسی بھی بڑے سے بڑے عہدےدار کی بیجیا حرکت پر اعتراض کرسکتا ہے اور اُس سے جواب طالب کرسکتا ہے ،

کھیٹی کے دوسوے سہارے

جیسا هم نے اوپر کہا ہے نئے زمین سدهار قانوں نے جنین کی اناج کی پیداوار اور تمام آدیوگ دهلدوں کی نکامی کو پہدد ترقی دی ہے ۔ پر اِس کے علوہ چار جیوزیں اور میں جنیوں نے کالی مدد پہرنچائی ہے۔۔۔(i) لکان میں کمی اور سرکاری مدد' (ii) پانی باندھنے کی جھیوٹی ہوں پرجفائیں (iii) کیفٹی کے نئے اوزار اور (iv) آیسی مدد کی تولیاں ،

which is a first or an expense of the second of the second

अनाज न मंगा कर उद्योग धन्तों को बढ़ाने वाली दूसरी वृसरी चीजों मंगाते हैं. 73 बरस के बाद अंतर क्रीमी क्योपार में उन्हें पहली बार बचत 1951 में हुई.

स्तरीय शक्ति की सूरत यह है कि उत्तर पूरव चीन में चार सूचों में इस आदमी 1949 में जहां 36 गज कपड़ा स्तरीय सकते थे, 1951 में वह 80 गज स्तरीय सकते थे. सन 1950 में लोगों की आम स्तरीय शक्ति 1949 के मुक्ताबले 68 की सदी ज़ियादा थी और 1951 में 1950 से 53.5 की सदी यानी 1949 की ढाई गुनी. एक गांव का सवें करने पर देखा गया कि 1948 में वहां के लोगों की स्तरीय शक्ति 100 मान लें तो 1949 में 136 थी और 1950 में 263.

ज़मीन सुधार क़ानून की सब से खास देन है चीन की जनता में जागृति और सच्ची लोकशाही की नींब । पहले तो ज़मीदार लोग ज़मीन के मालिक होने के कारन किसान को सताते और चूसते थे. इसलिये जनता को अहसास ही नहीं होता था कि कौन राज करता है और 'कों के हु राजा हमें का लाम' वाली बात थी. लेकिन अब सूरत एकदम बदल गई है और जनता यह महसूस करती है कि देश हमारा है और हम उसके हैं. चीन की जनता में आज जान है, संगठन है, अस्माभिमान है और सारी दुनिया की जनता को अपना भाई सममती है और शान्ति की हर कोशिश में पूरा हाथ बटाने को हमेशा मुस्तेव रहती है-

ज़मीन सुघार कैसे ?

सवाल ठठता है आखिर चीन के नेताओं ने यह सब कैसे कर खिया? यह जावू का सा असर क्यों कर पैदा किया? इसकी तफसील में न जाकर हम सिर्फ इतना कहेंगे कि इसकी बुनियाद में वह तीन ल्सूल हैं जिन पर माओ त्से-तुंग और चीन के सभी नेताओं ने सख्ती के साथ अमल किया—ईमानदारी, सादगी और जनता की सेवा. आज चीन के अन्दर वहां के राश्ट्रपति माधो तसे-तुंग और मामूली किसान के बीच आसानी से फर्क़ नहीं किया जा सकता. दोनों का किवास एक है, दोनों का रहन सहन भी काफी मिलता जुलता है. साथ ही साथ आज चीन के अन्दर बेईमानी, दशा और रिश्वत की गुंजायश नहीं है. चोरबाजारी करने वाले, घोका देने वाले, घूस लेने वाले या बदचलनी करने वाले अफसर का वहां ठिकाना नहीं है. नेताओं की इस लगन के कारन ही जनता की उनकी नेकी पर विश्वास बुझा और उनके कहने पर दसने अमल किया.

खमीन सुघार कानून को अमली जामा पहनाने के लिये पहले तो लोगों को सममाया जाता था, इस कानून की पहरत और इसकी धाइमियत बताई जाती थी. किसानों को ट्रैनिंग के लिये दो दो चार चार इक्ते के कैम्प होते أناج له مقط كر أديوك دهلدون كو يوهاني وألى دومرى فروري جهزين منطق هين . أور 73 يوس كے بعد التر لومي يهيئور مهن أنهين يهلي بار يجت 1951 مين هوئى .

خرید شکتی کی صورت یہ ہے کہ آتر پورپ چین میں 36 گؤ موروں میں دس آدمی 1949 میں جہاں 36 گؤ کووا خرید سکتے تھے 1951 میں وہ 80 گؤ خرید سکتے 1949 میں 1950 میں 1950 میں 1950 میں 1950 میں 1950 میں 1955 کی تھائی گئی ۔ سے 1955 کی صدی پھٹی 1949 کی تھائی گئی ۔ ایک گؤں کا سروے کرتے پر دیکھا گھا کہ 1948 میں وہاں کے لوئوں کی خرید شکتی 100 ماں نیں تو 1949 میں 1960 ہیں اور 1950 میں 263

وسهن سدهار قانون کی سب سے خاص دین ہے چین کی جین کے جین کی نہو۔

پہلے تو زمیندار لوگ زمین کے مالک عونے کے کارن کسان کو ستاتے اور چوستے تھے، اس لئے جنتا کو احساس هی نہیں هوتا تها که کون راج کرتا ہے اور 'کرؤ هو راجه همیس کا لابھ' والی بات تھی . لیکن اب صورت ایک دم بدل گئی ہے اور جنتا یہ محسوس کرتی ہے که دیش همارا ہے اور هم اس کے هیں ، چین کی جنتا میں آج جان ہے ' اور ساری دنھا کی جنتا کو اینا سنجھتی ہے اور ساری دنھا کی جنتا کو اینا بھائی سمجھتی ہے اور شانتی کی هر کوشش میں پورا بھائی سمجھتی ہے اور شانتی کی هر کوشش میں پورا بھائی سمجھتی ہے ،

ومین سدهار کیسے ؟

سوال آتهتا ها آخر چهن کنیتاؤں نے یه سب کیسرکر لیا ؟ یه جادو کا سا اثر کهرن کو بهدا کها؟ اِس کی تفصیل مهن نه جا کر هم صرف آنفا کهیدگے که اِس کی بنیاد مهن نه جا کر هم صرف آنفا کهیدگے که اِس کی بنیاد چهن کے سبهی نهتاؤں نے سختی کے ساتھ عمل کیا۔ ایمانداری سادگی اور جفتا کی سهوا ۔ آج چهن کے آندر وهان کے واشتر پتی ماؤتسے ننگ اور معمولی کسان آندر وهان کے واشتر پتی ماؤتسے ننگ اور معمولی کسان کے بہیچ آسانی سے فرق نهیں کیا جا سکتا ، دونوں کا لہاس آیک ہے دونوں کا رهن سهن بهی کافی ملتا جلتا کے بہیچ آسانی نهیں وہیں کے آندر بے ایمانی دفا اور وشوت کی گفتالی نهیں نہیں ہے . چور بازاری کرنے والے افسر وشوت کی گفتالی نهیں ہے . نهتاؤں کی اِس لگن کے دیئی ہو اور اُن کے کہی پر وشواهی هوا اور اُن کے

ومهن سدهار قانون کو عملی جامه پیغانے کے لگے پہلے تو لوگوں کو سمجھایا جاتا تھا؛ اس قانون کی ضرورت اور اس کی اسانوں کی اس کی المیست بعالی، جاتی تھی ، کسانوں کی گیملنگٹ کے لیے خود جو جوار جار ہفتے کے کیمپ ہوتے

Land Maria

William Committee to the committee of th

5.000

उपर के आकड़ों से यह साफ पता बलता है कि नये प्रमीन सुधार क़ानून ने बीन की हालत को बुनियादी तौर से बदल दिया है और लोगों में नई जान हाल दी है. प्रमीन का मालिक बनने के बाद बीन का किसान, खेतिहर मंजर्र सभी आनन्द से हैं और मन लगा कर काम करते हैं. इस का लाज़मी नतीजा बीन की खेती की पैदाबार पर पड़ना या और जो पड़ा. 1948-49 में बांग काई शेक का जीन जो बिदेशों से अनाज की भीक मांगता था 1952 में माओ त्से तुंग के उसी बीन ने हिन्दुस्तान व दूसरे देशों को अनाज इमदाह के तौर पर भेजा.

ज्मीन सुधार क्षानून का असर चीन की खेती पर क्या पड़ा है इसके आंकड़े इस नीचे देते हैं. 1936 में चीन में सब से बेहतरीन पैदाबार हुई थी फिर उस के बाद जापान के इमले, आपसी लड़ाई और जग व्यापी जंग के आ जाने से बहां पैदाबार नहीं पनप सकी. सन 1936 के आंकड़ों को 100 मान कर इस सन 1950 और 1951 के आंकड़े दे रहे हैं.

| | শ্বনাল | 1936 | 1950 | 1951 |
|----|----------|------|--------------|---------------|
| 1. | चावल | 100 | 87.0 | 92.8 |
| 2. | गेहूँ | 100 | 96 ·5 | 99.4 |
| 3. | सोया बीन | 100 | 80.4 | 88 ·5 |
| 4. | कपास | 100 | 83.7 | 133 ·0 |
| 5. | लम्बाकू | 100 | 2 4·1 | 130.2 |
| 6. | हैम्प | 100 | 114.7 | 227.1 |

सन 1950 में अनाज की जुल पैदाबार लगभग 1250 लाख टन थी जो 1949 की पैदाबार से 122 लाख टन जियादा थी. जैसा इमने ऊपर कहा अब चीन अनाज के लिये दूसरों का मोहताज नहीं रहा. 1948-49 में बह जहां 20 लाख टन अनाज बाहर से मंगाता था, वहां 1951 में इसने 5 लाख टन से जियादा अनाज हिन्दुस्तान को ही भेजा. और 1952 में चीन की पैदाबार इतनी जियादा हुई कि चीन की 47 करोड़ आबादी के लिये अगली फसल तक के बास्ते गल्ला रखने के बाद इतना गल्ला बच रहा जिससे दस करोड़ आदमी एक साल तक अपना काम अच्छी तरह चला सकते थे.

पैदाबार में इस इज़ाफ़े के कारन चीन को तीन खास फाबदे और भी हुए—(i) अन्तर क़ौमी ज्योपार में सरक्की, (ii) सोगों की खरीद शक्ति का ऊपर चठना, और (iii) बाम जनता में जागृती.

1949 में चीन का अन्तर क़ीमी व्योपार चाटे का सौदा था. इसकी खास वजह थी अनाज की सरीदारी—जैसे इसारे हिन्द्रस्तान में भी आज हो रहा है. अब चीन वाले أوہر كے أنكور سے يه صاف بته مهلا في ته نتے ومين سدهار قانون نے جهن كى حالت كو بلهائى طور سے الجال ديا هے أور لوكوں ميں نتى جان قال دي هے ، ومين كا مالك بلنے كے بعد جهن كا كسان كهيتى هر مؤدر سبهى آنلد سے هيں أور من لتا كو كام كرتے هيں ، أس كا لؤمى نتيجه جهن كى كهيتى كى يهداوار يونا تها اور جو ہوا ، 94–1948 ميں جانگ كائى شهك كا جهن جو وديهرن سے اناج كى بهيك مانكتا تها 1952 ميں مارتستے تنگ كے أسى جهن نے مقدستان و دوسرے ديھرن كو اتاج امداد كے طور پر بهيجا .

زمین سدهار قانون کا آثر چین کے کھیتی پر کیا پوا ہے اس کے آنکونے هم نینچے دیتے هیں ، 1936 میں چھن میں سب سے بہترین پیداوار هوئی تهی پھر اس کے بعد جاپان کے حملے' آپسی لوائی اور جگ ویاپی جنگ کے آجائے سے وہاں پیداوار نہیں پئپ سکی . سن 1936 کے آنکون کو 1950 مان کر هم سن 1950 اور 1951 کے آنکونے دیے وہے هیں .

| | اناع | 1936 | 1950 | 1951 |
|----|---------|-------------|-------|------------------------|
| .1 | چاول | 10 0 | 87.0 | 92.8 |
| .2 | گهبرن | 100 | 96.5 | 99,4 |
| .3 | سويابيس | 100 | 80.4 | 88,5 |
| .4 | كهاس | 100 | 83.7 | 1 3 3 ·0 |
| .5 | تمهاكو | 100 | 24.1 | 130.5 |
| .6 | هيسي | 100 | 114.7 | 227.1 |

سن 1250 میں آنا کی کل پیداوار لگاہیگ 1950 لاکھ ٹن زیادہ لاکھ ٹن زیادہ تھی ، جیسا هم نے اوپر کہا آب چین انا نے نے لئے دوسروں کا مصتاے نہیں رہا ، 49-1948 میں وہ جہاں 20 لاکھ ٹن انا پیھر ہے منتانا تھا وہاں 1951 میں اس نے ڈ لاکھ ٹن سے زیادہ آنا ہے هندستان کو هی بھیجا ، اور 1952 میں جین کی پیداوار انٹی زیادہ هوئی که جھن کی 75 کرور آبادی کے لئے اگلی فصل تک کے واسطے شاہ رکھنے کے بعد انٹا فاع بھ رہا جس سے دس کرور آدمی ایک سال نک ایٹا کام اجھی طرح چھ سکتے تھے ،

پہدارار میں اِس اضافے کے کاری چھن کو تین خاص فائدے اور بھی ہوئے۔ (i) انتر توسی بھریار میں ترقی' (iii) درگوں کی خرید شکتی کا اُریر اُٹھٹا' اور (iii) عام جلتا میں جا گرتی ۔

1949 میں چین کا انگر قومی یہویار گہاتے کا سودا تہا ۔ اس کی خاص وجہ تھی اناج کی خریداری۔۔۔جیسے همارے ملدستان میں بھی آج ہو رہا ہے ۔ اب جدی والے सवाल ही नहीं था. जमीदारों और मालदार किसानों से ली हुई जमीन इन्हीं को बांट दी गई है जमीदारों और मालदार किसानों के अलावा पुराने मन्दिरों, गिरजों, मठों स्कूलों और दूसरी जन संस्थाओं और उद्योग पतियों व क्योपारियों की जमीनें भी जब्त करके इन आदमियों में बांट दी गई.

जमीन सुधार क़ानून से चीन की हालत में क्या फर्क पड़ा है इसका जन्ताज समम्मने के लिये हम चीन के सिन-क्यांग प्रान्त के एक गांव युंग क्वाई को लेते हैं.

नीचे के आंकड़ों में दिखाया गया है कि जमीन सुधार क़ानून के पहले बहां खेतिहर मज़हूरों, रारीब किसानों, दरम्यानी किसानों, मालदार किसानों और जमीदारों की तादाद व हालत कैसी थी और क़ानून के बाद क्या हालत हुई. سوال هی نههی تها. زمینداری اور مالدار کسانی سے لی هرکی زمین اِنهیں کو یاست هی گئی هے . زمینداری اور مالدار کسانی اِنهیں کو یاست هی گئی هے . زمینداری مالدار کسانی کے مارہ پرائے ملدروں' گرجوں' مالهیں' اور دوسری جی سنستهاؤں اور ادیرک یاتیوں و ریویاویوں کی زمینهی بهی شیط کر کے اِن آدمهوں مهں یانت دی گئیں .

زمین سدهار قانون ہے جین کی حالت میں کیا فرق ہوا ہے اس کا اندازسمجھٹے کے لئے اُ ھم جھین کے سن کیانگ پرانمیا کے آیک کاؤں پلگ کوئی کو لیکے ھیں ۔ نیمچے کے آنکوں میں دکھایا گیا ہے کہ زمین سدھار

نهجے کے انکووں میں دکھایا گیا ہے که زمین سدھار قانون کے پہلے وہاں کھیٹی جو مزدوووں' فریب کسائوں' درمیائی کسانوں' مالدار کسانوں اور زمیقداروں کی تعداد و حالت کیسے تھی اور اُس قانون کے بعد کیا حالت جوئی ۔

क़ानून के पहले

قانون کے پہلے

| गिनती अध्य | नाम ,७ | | | | घर , 4 | | घोड़े ८)१५5 | | गाड़ी ुऽ | | |
|---------------|----------------------------------|-----|-----------|--------------|------------------|-----|----------------|-----|-------------|-----|------|
| 1 | खेतिहर मज़दूर १९७५० १८, इस्क्रिस | 283 | % 41.9 | | % | | % | ••• | % | *** | % |
| 2 | रारीब किसान ७५०० क्रे | | 17.3 | 0.4 | 0 06 | 14 | 6.1 | 10 | 7.2 | 2 | 10.5 |
| 3 | درمهانی کسان क्रसान ا | 82 | 12.1 | 45 ·3 | 6.90 | 20 | 8.8 | 29 | 21 2 | 4 | 21.1 |
| 4 | سالدار كسان मालदार दिसान | 131 | 19.4 | 315.7 | 47.84 | 92 | 40 4 | 55 | 39 9 | 3 | 47.3 |
| 5 | पामीवार ग्रेथका | 63 | 9.3 | 208.4 | 45·2 0 | 102 | 53· 7 | 44 | 31 9 | 4 | 21.1 |

क़ानून के बाद अब ह गंध

| गिनती उद्यु | नाम ,u | ज्याव ७ | | चमी अ | | i | ार 4 5 | | घो वे ८३७४ ⁵ | i | गड़ी ७) ^६ |
|------------------|---|-------------------------------|----------------|---|---|----------------------|---------------------------|---------------------------|-----------------------------------|--------------|------------------------------|
| 1 2 3 4 | सेतीहर मजदूर अंधिक क्रिसान केर्पान किसान करियाची किसान क्रिसान अंधिक कार्पालदार किसान आधीर्तार किसान वार्पालदार किसान क्रिसान क्रिसान क्रिसान क्रिसान | 285 166 93 146 82 | 22 12 19 | 189 26 110 22 62 93 96 94 54 45 | % 36·9 21·4 12·3 18·8 10·6 | 95 52 36 32 | % 41·7 22·8 15·8 14·0 5·7 | 47 21 17 16 5 | % 41·4 19·9 16·0 15·0 4·7 | 13 3 5 | % 620 14·2 23·8 |

इस क्रानून का ख़नियादी उसूल है कि जमींदार की मिलकियत की पुरानी प्रथा के बजाय प्रमीन पर खेती करने वाले किसान की मिलकियत को प्रथा क्रायम हो ताकि देश की पैदावार बढ़ सके और उसका अच्छी तरह विकास हो. जैसा इस ऊपर कह चुके हैं चोटी के और नीचे वाले दुर्जे-जमींदार और खेतिहर मजदूर-नाम के लिये भी नहीं रहने दिए गए. लेकिन किस तरह—जमीदार के पास जो जमीन. खेती वाले जानवर या श्रीजार, बेझी ग़रुला श्रीर देहात के अन्दर जो बेशी मकान होंगे वह जब्त कर लिये जायंगे. लेकिन उसकी दूसरी जायदाद-जैसे कारखाने या तिजारती सामान श्रीर वह जमीन व दूसरी जायदादें जो जभीदार लोग बराहेरास्त कारखानों या व्यापार के काम में इस्तेमाल करते हैं--प्रज्त नहीं की जायगी. लेकिन इनक़लाबी कौज के चारमी, शहीयों के बाल बच्चे या उनके सहारे परवरिश पाने शले कारीगर लोग. काम करने वाले मचद्र, पढ़ाने वाले मास्टर, खोन्चा बेचने वाले और दूसरे लोग जिनके पास कुछ थोड़ी सी जमीन है वह उसे लगान पर उठा देते हैं क्योंकि ख़र नहीं जोत सकते हैं. उन्हें जमीदारों में नहीं शुमार किया जायगा और उनकी क्रमीनों को हाथ भी नहीं लगाया जायगा बराते कि यह जमीनें हर आदमी को मिलने वाली जमोनों से दुगनी हों. लेकिन अगर दुगने से जियादा होंगी तब उसे जब्त कर लिया जायगा. अगर इन जमीनों के मालिक बढ़े हैं, यतीम हैं, लाचार विधवा या जमीन ही उनका एक सहारा है तो दुगना होने पर भी उनके साथ रियायत बरती जायगी.

मालदार किसान की जमीन श्राम तौर पर जब्त नहीं की गई क्योंकि वह कारखाने वाले की तरह पैदाबार में खुद हिस्सा लेता है. उनके पास जो जमीन है जिसे वह खुद जोतते या मजदूरों से जुतवाते हैं वह जब्त नहीं का गई. उनको ऐसी जमोन का कुछ हिस्सा लगान पर उठा देने का भी इखतयार दिया गया है. लेकिन श्रगर लगान पर दी गई जमीन का रक्षवा उस जमीन से जियादा हो जो वह मालदार किसान खुद जोतता या मजदूरों से जुतवाता है तो लगानू जमीन जब्त कर ली गई.

व्रस्थानी किसान की जमीन पर हाथ भी नहीं लगाया गया. यही नहीं अगर किसी दरम्यानी किसान के पास औसत से कम जमीन है तो उसे और जमीन सरकार ने दे दी. पर अगर उसके पास जमीन औसत से जियादा थी तब उसे नहीं छुआ गया. इस वजह से दरम्यानी किसानों ने ज़ो कुल खेती आबादो का लगमग एक तिहाई हैं, नये चीन के जमीन सुधार क़ानून का पूरी तरह समर्थन किया.

रारीय किसान और लेतिहर मणदूर से कुछ लेने का

إس قانون کا باہادی اصول ہے که زمیقدار کی ملکونت کی پرانی پرتھا کے بنجائے زمون پر کھھٹی کرلے والے کمان كى ملكيسه كى پرتها قائم هو تاكه ديش كى يهداواو بوه سكم اور أس كا]الجهي طرح ركاس هو ، جهسا هم أوبر كه چمے میں چرثی و نیسے والےدرجے -- زمیندار اور کھیتے مر مودور-نام کے لئے بھی نہیں رہا۔ دیئے گئے ، لیکن کس طربے-سرمیقدار کے پاس جو زمین' کھھتی والے جانور یا ارز را بیشی فلم أور دیہات کے اندر جو بھشی مکان ھونگے ولا ضبط كو لئي جائينگي . ليكن أس كي دوسري جائداد-جیسے کارخانے یا تجارتی سامان' اور وہ زمین و دوسری جائدادیں جو زمیندار لوگ براہ راست کارخانوں یا ویاپار کے کام میں استعمال کرتے میں۔۔فیط نہیں کی جائے ئی ، لیکن انقابی فرج کے آدمی شہودوں کے بال بھے یا ان کے سہارے ہرورہی ہانے والے کاریکر لوگ کام کرنے والم مردورا يوهال والم ماساترا خونجه بهجاء والم أور دوسرے لوگ جن کے پاس کچھ تھوڑی سی ڑ ھن ھے وة أبير المان ير أثها ديتم هين كيونكه خود نهون جوت سكته همين . أنهيس زمهندارون مهن نهين شمار كها جائه ا اور ان کی زمهدوں کو هاتھ بھی نہوں لاایا جائے ا بشرطهكة يه زمهلهن هو آدمي كو مللم وألى زمهلون سے دکلی موں ، لیکن الر دکلہ سے زیادہ هوگی تب أس فيط كر لها جائے كا . اگر إن زمهدوں كے مالك بورھ ههي؛ يعيم هين؛ لاچار بدهوا ارزيا زمين هي أن كا ايك سهارا هے تو دگنا هونے پر بھی اُن کے ساتھ رہایت برتی

مالدار کسان کی زمین عام طور پر ضبط نہوں کی کئی کھونکھ وہ کارخالے والے کی طرح پھداوار میں خود حصہ لیکنا ہے ، اُن کے پاس جو زمین ہے جسے وہ خود جونتے میں یا مزدوروں سے جھواتے میں وہ ضبط نہیں کی گئی ، اُن کو ایسی زمین کا کچھ حصہ لگان پر اُٹھا دیلئے کا بھی اُختہار دیا گیا ہے ، لیکن اگر لگان پر دی گئی زمین کو بھی اُختہ اس زمین سے زیادہ ہو جو وہ مالدار کسان خود جونتا یا مؤدوروں سے جھوانا ہے تو لگانو زمین ضبط کو جونتا یا مؤدوروں سے جھوانا ہے تو لگانو زمین ضبط کو

درمهانی کسان کی زمهن پر هاته بهی نهه لگایا گیا ،
یهینهه اگر کسی درمهانی کسان کے پاس ارسط سے کم زمیهن
هے تو اُسے اُور زمین سرکار نے دے دی ، پر اگر اُس کے
پاس زمین اُرسط سے زیادہ تھی تب بھی اُسے نیهی
چھوا گھا ، اِس وجہ سے درمهانی کسانوں نے جو کل کھھتی
آبادی کا لگ بھگ ایک تھائی ھیں نگے جھن کے
آبادی کا لگ بھی بھگ ایک تھائی ھیں نگے جھن کے
زمین سدھار قانوں کا پوری طرح سمرتھی کیا ،

غریب کسان اور کہیتیءر مودور سے کچہ لیٹے کا

Α,

रोजी के लिये दूसरों के शोवन पर निर्भर है. जमींदार यह ्रोशोषन कई तरह के करता है-लगान बसूल करना, सूद पर रुपया देना, मजदूरों से बेगार लेना. पर शोवन का आम रूप लगान बसली होता है.

मालदार किसान यह आदमी है जिसके पास अपनी षामीन है, लगान की है या दोनों है और साथ ही साथ उसके पास कुछ पंजी है और पैदावार के दूसरे बेहतरीन साधन भी हैं, और बह थोड़ी बहुत मेहनत खुद भी करता है. लेकिन आम तौर से वह शोषन पर निर्भर है. जिसके लिये वह या तो मजदूरों से बेगार लेता है या जमीन का लगान बसूल करता है या सूद पर कपया देता है. जमीदार और मालदार किसान में बुनियादी फर्क़ यह है कि मालदार किसान थोड़ी बहुत मेहनत खुद भी करता है लेकिन क्रमींदार बिल्कल नही फरता.

दरम्यानी किसान वह धादमी है जो जिस जमीन को जोतता है उसका कुल या थोड़ा सा हिस्सा उसका अपना है और बाक़ी का लगान देता है, या बिल्कुल बेजमीन वाला है और कुल जमीन का लगान देता है. उसके पास खेती के कुछ श्रीजार होते हैं जिनके जरिये वह पूरे तौर पर या जियादा तर अपनी मेहनत पर निर्भर करता है और बूसरों का शोषन नहीं करता. बिलक लगान या सूद की शक्ल में दूसरे ही उसका शोषन कर लेते हैं. लेकिन कभी कभी बह अपनी उस आमदनी से जो उसकी रोजी का मुस्तकिल और खास साधन नहीं है दसरों का कुछ हद तक शोषन कर भी लेता है।

ं रारीय किसान वह आदमी है जो जिस जमीन को जोसता है उसमें से बहुत थोड़ी सी उसकी है या बिल्कुल नहीं है, उसके पास खेती के अधूरे औजार होते हैं और लगान पर जमीन लेता है, और दूसरे लोग उसका शोवन क्षगान, सूद या बेगार की शकल में करते हैं. व्राच्यानी किसान और रारीव किसान में फर्क यह है कि दरम्यानी किसान आम तौर पर अपनी मेहनत नहीं बेचता लेकिन रारीव किसान को समय समय पर अपनी मेहनत बेचना पडती है.

खेतिहर मजदूर वह बादमी है जिसके पास न श्रीजार हैं न जमीन. है भी तो बहुत ही कम. वह रोजी के लिये अपनी फुल की कुल या जियादा-तर मेहनत वेचने पर मजबूर है.

अब हम यह देखेंगे कि जमीन सुधार क्रानून के मासहत इस पांचों के साथ कैसा व्यवहार किया गया.

روزی کے لگے درسورں کے قبیقی پر تربھر ھے۔ زمیندار یه هوشی کئی طرح می کرتا م --لایان رصول كرنا سود يو رويه، ديدا مومورون س بهكار لهذا ، يو شرشن کا عام روپ لگان وصولی هی هوتا هے،

مالدار کسان وہ أدمى جس كے پاس أيدى رمين هـ لکان کی ہے یا درنیں ہے اور ساتھ ھی ساتھ اس کے پاس کچه پونجی ه اور پهداوار کے دوسرے بهترین سادهن بهی ههن اور وه تهروی بهمه سطلت خود بهی کرتا ه. لیکن عام طور سے وہ شوشن پر نوبہر ہے ، جس کے لگے وہ یا تو مودوروں سے بیکار لیکا ھے یا زسمن کا لکان وصول کرتا هے يا سود پر روپهم ديتا هے ، زسهدار اور سالدار كسان مهن پنهادي قرق يه هے که مالدار کسان تهروی بیت معصف خود بهی کرتا ہے لیکن زمیندار بالکل نہیں

درمهانی کسان ولا آدمی هے جو جس زمین کو جونتا ھے اُس کا کل یا تهووا سا حصہ اُس کا ایدا ھے اور یائی کا لمان دیعا هے کیا بالعل بے زمین والا هے اور کل رمین کا لاان دیتا ہے ، اُس کے پاس کھیٹی کے کچھ اورار هوتے ھیں جن کے ذریعے وہ پورے طرو پر یا زیادہ تر ایلی منصلت پر سربهر کرتا ہے اور دوستروں کا شوشن مهدان کرتا ۔ پلکہ لگان یا سود کی شکل میں دوسرے ہی اُس کا شوشن در لیتے میں ، لیکن دیمی کیمی وہ ایڈی اس آمدنی سے جو اُس کی روزی کا مستقل اور خاص سادھن نهیں ہے 'دوسروں کا کچھ حد تک شوشوں در بھی لیکا

فريب دسان وه أدسي هے جو جس زمهن كو جوتعا ھے اُس میں سے بہت تہوڑی سی اُس کی ہے یا بالکل نہیں ہے ، اُس کے پاس کھیتی کے ادعورے اوزار هوتے هیں اور لکان پر زمین لیتا هے' اور دوسرے لوگ أس كا شوهون لگان' سود یا بهکار کی شکل مهی کرتے هیں ، درسهانی کسان اور فریب کسان مهن فرق یه هے که درمهانی كسان عام طور پر اپلى محملت نهيس يهنهقا ليكن فريب کسان کو سے سے پر اپلی متعلمت بہتھا ہوتی ہے.

کھیعی مر مودور وہ آدمی ہے جس کے پاس نم اوزار ھے تم زمین ، ھے بھی تو بہت ھی کم ، وا روزی کے لگے ایعی کل کی کل یا زیادہ تر معملت بعجائم پر ・ 此 か

اب عم یہ دیکھیں کے کا زمین سدھار قانون کے مالحصت ان یانجین کے ساتھ ٹیسا ریوشار کیا ،

literation of the second

The green of the

دکھی پچھبی حصے مھن ہے اور جہاںجانگ کالیشفک کا دخل نهیں جلتا تهاسائے اِس رجار کو سلی جامہ پہلاکر تهروی نهمه کامهایی اور سوله آلے آتم وهواس حاصل کولها. بہلی انٹوہر 1949 کو جب سارے چھن کی باگ قرر أن كے هاته ميں آئى تو أنهوں نے پہلا كام زمين سدھار کا ھی کیا ، بوین کے نیٹا کہتے میں که مبارا ومين سدهار قانون عي همارے اِنقلاب كي بقهادي إيقت هم آور اِسی سدهار کی بدولت هم آیه تبیض کا کنچه بها کرسکے مهنی مندستان کے جو بھائی اور بھن پچھلے قیرہ ہرس میں چین کلے میں انہوں نے بھی اِس سجائی کو قبول کھا تھے اور یہ بتایا ہے که چھن کی کایا بلتلے میں ومهن سدهار قادرن کا بهت هی بوا هاته هے . اب هم الرا تنصیل کے ساتھ دیکھیلگے که چین کا زمین سدهار عانون کیا ہے اور اِس نے کسطرے چھن کے فریب سے فریب آدسی کے اندر نگی جان پھونک دی .

يران چين مين-چانگ کائي شيک والے چهن مهرساههای بر زنده رهنے والے الوکوں کی آبادی 41 کرور تھی اور کھھتی کی جانے والی زمھن کا رقبہ 140 کرور مثو (چه مثودایک ایکو) تها . اِس آبادی مهن لگ بهگ پانے فیصدی لوگ زمهندار تھے اور پانچ فیصدی مالدار کسان تھ . اس دس فیصدی آبادی کے عاس جدن كى 70 قيصدى كهيتى وألى زمين تهى. ياقى 10 فيصدى آیادیں کے پاس --جس مهن بھی کے کسان اور فریب فسال اور کهیاء هر مزدور شامل ههر سیالی 30 فیصدی كهيتني وألى زمين تهي . اس 90 فيصدى آيادي كا لگ بهگ دو تهائی حصه ایسے پرانهوں کا تھا جو نہایت فریب ارد پرزمین والے تھے اور دوسروں کے کھھٹوں مھن جاکر کام كرتے تھے . إن مؤدوروں كو أيلي مصلت سے پهدا كى هوئى فصل کا آدھا یعلی پچاس فیصدی حصه لاان کے روپ میں درے دیٹا پرتا تھا اور کبھی کبھی پورا 100 فیصدی ۔ ظاهر بات هے که آیسی بعالمت مهن دیش مهن قرورت کے لائق نے تو کافی آباج پیدا ہرتا تھا اور آئے دن جگہ جگہ اکال اور بهکسری کا زرر رهنا تها .

چهن نے زمین سنھار سلسلے میں پوری کههتی هر آبادی کو پانچ حصوں میں بانتا: (1) زمهندار (2) ماندار کسان (3) درمهانی کسان (4) قريب كسان (5) يهزمين والا مزدور . أن يانجوس كا مطلب نهجے دیا جا رہا ہے :--

ومهدار ولا آدمی هے جو زمهن کا مالک هر لهكيل خود كرثى معملت تبهن كرنا أور يتو لهلى

विक्सन पच्छिमी हिस्से में है और जहां बांग काई शेक का दसल नहीं चलता था-अपने इस विचार को अमली जामा पहना कर थोड़ी बहुत कामयाबी और सोलइ आने आत्मविश्वास हासिल कर लिया. पहली अक्तूबर 1949 को जब सारे चीन की बागडोर उनके हाथ में आई तो उन्होंने पहला काम जमीन सुधार का ही किया. चीन के नेता कहते हैं कि हमारा जमीन सुधार क़ानून ही हमारे इन्क़लाब की जुनियादी ईंट है और इसी सुधार की बदौलत हम अपने देश का कुछ भला कर सके हैं. हिन्दुस्तान के जो भाई और बहन पिछले डेढ़ बरस में चीन गये हैं उन्होंने भी इस सच्चाई को क़बूल िया है धौर यह बताया है कि चीन की काया पलटने में षामीन सुधार क़ानून का बहुत ही बढ़ा हाथ है. अब हम षरा तकसील के साथ देखेंगे कि चीन का जमीन सुधार क़ानून क्या है और इसने किस तरह चीन के ग़रीब से रारीब आदमी के अन्दर नई जान फूंक दी

पुराने चीन में - चांग काई शेक वाले चीन में - खेती पर जिन्दा रहने वाले लोगों की आबादी 41 करोड़ थी भौर खेती की जाने वाली जमीन का रक्तवा 140 करोड़ मौ (ह्रै मौ प्रक एकड़) था. इस आवादी में लगभग पांच फीसदी लोग जमीदार थे और पांच फीसदी मालदार किसान थे. इस दस कीसदी आबादी के पास चीन की 70 फीसदी खेती वाली जमीन थी. बाक़ी 10 फीसदी आबादी के पास-जिस में बीच के किसान और रारीब किसान और लेतिहर मजदूर शामिल हैं-बाक़ी 30 फीसदी खेती वाली जमीन थी. इस 90 फी सदी आबादी का लगभग दो तिहाई हिस्सा ऐसे प्रानियों का था जो निहायत गरीब और वे जमीन वाले थे और दूसरों के खेतों में जा कर काम करते थे. इन मणदूरों की अपनी मेहनत से पैदा की हुई फ़सल का आधा यानी 50 फ़ीसदी हिस्सा तगान के रूप में दे देना पड़ता था और कभी कभी पूरा 100 फीसदी. जाहिर बात है कि ऐसी हालत में देश में जरूरत के लायक न तो काफी अनाज पैदा होता था और बाए दिन जगह जगह अकाल और भुकमरी का जोर रहता था.

चीन ने जमीन सुधार के सिलसिले में पूरी खेतिहर आबादी को पांच हिस्सों में बाटाः (1) जमीदार (2) मालदार किसान (3) दरम्यानी किसान (4)रारीच किसान (5) वे जमीन वाला मजदूर. इन पांची का मसलय नीचे दिया जा रहा है:-

जमीबार वह बादमी है जो जभीन का मालिक है केकिस खुद कोई मेहनत नहीं करता. और जो अपनी

(\$65)

चीन में जमीन सुधार

चीन हमारा पड़ोसी देश है और उससे हमारा नाता आज का नहीं हुजारों बरस पुराना है. बहुत सी बातों में हिल्दुल्वान और चीच क्राफी मिलते हैं—(1) इन दोनों देशों की आबादी दुनिया के किसी भी तीसरे देश से जियादा है. (2) दोनों देशों की सभ्यता बहुत ही पुरानी है. (3) दोनों देशों की लगभग तीन चौथाई आबादी खेती पर गुज़र करती है. (4) दोनों देशों में जमीन पर मिलकियत कुछ क्मीदारों की रही और लाखों व करोड़ों आदमी ऐसे हैं जिन के पास अपनी जमीन या तो है ही नहीं या बहुत बोबी है और जिन की मेहनत का फायदा जमीदार या गिनती के कुछ लोगइस तरह उठाते हैं कि उन्हें रोखाना दो क्त रोटी भी नमीब नहीं होती. (5) जोते बोये कोई, फसल कार्ये कोई, के कारन खेतिहर किसान पूरे उत्साह के साथ काम नहीं कर पाता. इस बजह से पूरे देश की पैदावार क्स पढ़ गई और दोनों देशों को विदेशों से अनाज सरीवना पडाः

जो देश बाहरी अनाज के सहारे जिन्हा रहेगा बह या तो गुलाम हो जायगा और या उसे इंगलैंड की तरह देशों को अपना गुलाम बनाना पढ़ेगा. पर हिन्दुस्तान और बीन की मिट्टी में ही कुछ ऐसी खासियत है कि बहां के लोग विदेशों पर छापा मारने और उनको अपना ताबेदार बनाने की लालच नहीं रखते. इस लिये बह खुद उलटे विदेशों के चक्कर में फंसकर अपनी आजादी को खतरे में डाल लेते हैं.

इसारे आजाद हिन्दुस्तान में जपर बताई हुई हालत आज मौजूद है और कोई साढ़े तीन साल पहले बीन में भी मौजूद थी. पहली अक्तूबर 1949 को चीन ने नया जम्म किया और नये बीन की नय्या के खेबनहार साओ-स्से-तुंग और उनके साथियों ने इरादा कर लिया कि बीन को अगर हमेशा के लिये सुखी और आजाद बनाना है और करोड़ों जनता के अन्दर यह भावना पैदा करनी है कि राज उन्हीं का है तो दूसरों की मेहनत लूटने वाला जमीदार और अपनी जान देने बाला बेजमीन किसान या संबद्द दोनों खतम होने चाहियें और देश के बच्चे बच्चे के पास इतनी जमीन हो कि उस पर मेहनत करके बहु अपने पांच पर खड़ा हो सके.

माधो स्से तुंग के दिल में यह विचार उनके राज-काजी जीवन में जाने के समय से ही काम कर रहा या धौर चीन में जब चांग काई रोक का राज चलता था लो माधो स्से तुंग ने बेनान नाम के सूचे में—जो चीन के

چین میں زمین سدهار

عمين همارا يووسي ديش هي أور أس سے همارا نابا آب كا نبهن هوارون بوس يرانا هي . بهت سي بالون مهن هندستان اور چین کافی ملتے هیں۔۔۔(1) اِن دونوں دیشوں کی آبادی دنیا کے کسی بھی تہسرے دیش سے زیادہ هے . (2) دونوں دیشوں کی سببھتا بہت هی پرانی ہے . (8) دونیں دیھیں کی لگ بھگ تھی چوتهائی آبادی کههتی پر گذر کرتی هے . (4) دونوں ديشون مين زمين پر ملكيت نجه زميلدارون كي رهی اور لاکھوں و گروزوں آدمی ایسے هیں جن کے ہاس ایلی زمین یا تو هے هی نهیں یا بیت تهوری هے اور جو کی معدد کا فائیدہ زمیندار یا کلعی کے کچھ لوگ إس طرح الهاتي هين كه أنههن روزانه دو جون روتي بهي نصيب نهين هوتي . (5) جوتے بوئے کوئي فصل کھاکے کوئیء کے کارن کھھکی هر کشان پورے اُتساہ نے سانھ کام نہیں کو پاتا۔ اس وجه سے پورے دیش کی پیداوار کم یو گئی اور دولوں دیشوں کو ردیشوں سے انایم خویدنا ہوا۔

جو دیش باہری آناج کے سہاریے زندہ رہیکا وہ یا تو فقم ہو جائیکا اور یا آسے انگلیلڈ کی طرح دیشوں کو ایفا فقم بلانا پویکا، پر ہفدستان اور چھن کی ستی سهن ہی کتچھ ایسی خاصفت ہے که یہاں کے لوگ ودیشوں پر چھایا سارنے اور آن کو ایفا تابعدار بلانے کی لائچ نہیں وکھتے، اِس لئے وہ خود اُلٹے ودیشوں کے چکر سهن پھلس کر ایفی آزادی کو خطرے سهن ڈل لیتے ہیں ،

هماری آزاد هندستان میں اُرپر بتائی هوئی حالت آج موجود ہے اُور کوئی ساڑھے تین سال پہلے چھن میں بھی موجود تھی ، پہلی اکتربر 1949 کو چین نے نیا جام ایا اور نگر چھن کی نیا کے کیون ھار ، ارتسے تلگ اور آن کے ساتھیوں نے آرادہ کر لیا کہ چھن کو اگر همیشه کے لئے سکھی اور آزاد بقانا ہے اور کروڑوں جلتا کے اندر یہ بھارنا پیدا کرنی ہے کہ راج اُنھیں کا ہے تو دوسروں کی بھارنا پیدا کرنی ہے کہ راج اُنھیں کا ہے تو دوسروں کی مصلت کوئٹے والا ومهندار اور اینی جان دینے والا ہے میں کسان یا مختور دونیں ختم ہونے چاھئیں اور دیش کے بھے کے پاس اِنٹی زمین ہو کہ اُس پر محصلت کرکے وہ ابھ بھے کے پاس اِنٹی زمین ہو کہ اُس پر محصلت کرکے وہ ابھ بھی کے باس اِنٹی وسکے .

مارتیے تلک کے دل میں یہ رچار اُن کے راج کاچی جمین میں آئے کے سے سے بھی کام کر رہا تھا اور جمین میں جس جستا تھا تو میں جستا تھا تو مارتیے تلک نے یہنان نامکے صوبے میں۔۔۔۔۔۔۔ جمین کے

स्ताक' की व्यपना नेता बनाए रहेगा. उसे ऐसा सगता है कि वही पारटी उसके हित का स्थाल रखती है.

किसान जब यह सुनता है कि अमरीकी साम्राजी इटली के इजारे दार उद्योग पतियों से मिल कर इटली को लूट रहे हैं और टैंक बनाने के चक्कर में जनता के दित को दुकरा रहे हैं तो वह ताली पीटता है. अमरीकनों के सिलाफ छोटे छोटे उद्योग पितयों और किसानों में काफी नफरत फैल गई है.

गावों के चक्कर लगाने और किसानों से बात करने के बाद मेरा अनुभव है कि इटली का किसान ट्रेक्टर और कीमयाई खाद के इस्तेमाल के लिये इस समय बिलकुल तैयार नहीं है. इस तरह का अगर कोई नारा दिया जायगा तो बहु भड़केगा. इटली में ऐसे भयानक पहाड़ी इलाक़े हैं जहा मैकेनिकल खेती सपने में भी नहीं सोची जा सकती. बड़े बड़े फारमों पर अगर बैल की जगह ट्रेक्टर इस्तेमाल होने लगे तो दूध और गोशत की समस्या खड़ी हो जायगी. यह बात अपनी जगह पर सही है कि ट्रेक्टर से बेरोजगारी बढ़ेगी ही घटेगी नहीं. असल में जिस जीज की जहरत है वह यह है कि खेती के मजदूरों की भलाई के लिये धन लगाया जाय. केवल जमीन पर ही सुधार न हो बिल्क गांव के अर्थशाख से सम्बन्ध रखने वाले उद्योगों को खूब प्रोत्साहन दिया जाय.

ہلاک' کو اپنا نیعا پنائے رہے گا۔ آسے ایسا لکھا ہے کہ یہی پارٹی اُس کے هت کا خیال رکیعی ہے۔

کسان جب یہ سنتا ہے کہ امریکی سامراجی اُٹلی کے اجازہ اُدیرگ چنوں سے مل کر اُٹلی کو لوت رہے میں اور تینک بنانے کے جکر میں جنتا کے حت کو تھکرا رہے ہمیں تو وہ تالی پہلتا ہے ۔ امریکنوں کے خاف چھوٹے جھوٹے اُدیرگ پتھرں اور کسانوں میں کانی نفرت پھیل گئی ہے ۔

گاؤں کے چکر لگائے اور کسانوں سے بات کوئے کے بعد مهرا انوبھو ہے کہ اٹلی کا کسان ڈریکٹر اور کیمھائی کھاد کے استعمال کے لئے اس سمے بالکل تھار نہیں ہے . اس طرح کا اگر کوئی نعرہ دیا جائے گا تو رہ بھوکے گا ۔ اٹلی میں آیسے بھیانک پہاڑی علائے ہیں جہاں میکٹیکل کھیٹی سیئے میں بھی نہیں سوچی جاسکتی ، بڑے بڑے فارموں پر اگر بیل کی جگہ ڈریکٹر استعمال ہوئے لگے تو دودہ اور گوشت کی سمسیا کھڑی ہو جائے گی ، یہ بات آیڈی جگہ گوشت کی سمسیا کھڑی ہو جائے گی ، یہ بات آیڈی جگہ اصل میں جس چھڑ کی ضرورت ہے وہ یہ ہے کہ کھیٹی اصل میں جس چھڑ کی ضرورت ہے وہ یہ ہے کہ کھیٹی کے مؤدوروں کی بھلائی کے لئے دھن لکایا جائے ، کھول زمین پر ھی سدھار نہ ھو بلکہ گاؤں کے ارتبشاستر سے شہیدہ رکھئے والے آدیوگوں کو خوب پرونساھی دیا جائے .

"स्रेती सुधार की खास बात ज्मींदारों से ज्मीन लेकर खेत मजदूरों और रारीब किसानों में बांट देना है इस तरह समाज से ज्मींदार वर्ग का अन्त होगा और उसकी जगह पर जोतने वाला ज्मीन का मालिक बनेगा.......खेती सुधार एक लगातार खलने वाला और महान संघर्ष है."

--ली शास्रो-ची

الله کهیتی سدهار کی خاص بات زمهن له کو کههمی مودوروں اور فریب کسانوں میں بانت دینا ہے . اس طرح سماج سے زمیندار ورگ کا انت هو گا اور اس کی جکه پر جوتنے والا زمین کا مالک بنے گا.....کهیتی سدهار ایک لکاتار چلنے والا اور مہان سنگهری ہے .*

سلى شاؤ . چى

The state of the s

ان المراق ال المراق المراق

जब कि जमींदार की बिना तिनका हिलाए उसकी मेहनत की बजह से एक दिन में लगभग तीन सी रुपए की आमदनी हो जाती है. उसकी दिली इच्छा है कि जमींदार खतम हो जायं. लेकिन शायद जियादा लोग उसकी राय के नहीं थे.

इटली के तमाम देहाती इलाक़ों और कुछ उद्योगी इलाक़ों (बोलोगना, कैथोलिक, ऐकंशन) में यह बात गूंजती रहती है कि अगर नेनी और नोरालीती की आम जुनाब में जीत हुई और उन्होंने सरकार का भार संभाला तो अमरीकन इटली में घुस पड़ेंगे और जोर की घरेलू लड़ाई ग्रुह्म हो जायगी. 1944 और '45 की कड़वी याहें लोगों के दिमारों से अभी दूर नहीं हुई और वह लड़ाई के विचार से भी घबरा डठते हैं.

इटली के किसान नेता इस वक्त इस बात पर जियादा जोर दे रहे हैं कि किसान खेतों से बेदलल न होने पाएं, पैदाबार में अधिक हिस्सा किसानों को मिले और उनकी आसानी के लिये स्कूल, अस्पताल वरौरा का प्रबन्ध हो इस समय सब से जियादा तालियां बजीं जब बोरगी ने कहा कि जमीदारों ने 2300 किसानों को बेदलल करना बाहा लेकिन किसानों के मश्चूत एके और संगठन के कारन केवल 30 किसान ही बेदलल हो सके. किसानों का एका दिन पर दिन बद रहा है. 1950 से अब तक न जाने कितने किसान पुलिस की गोली से मर चुके हैं और घायल हो खुके हैं.

पो नदी के कछार में मुफे कुछ ऐसी कोश्रापरेटिव दिखाई पड़ी जिनका ढंग तो बहुत अच्छा नहीं या लेकिन उनका इन्तजाम बहुत अच्छा था. उनको दिमाग में रख कर मैंने बार बार लोगों से सवाल किये कि कोश्राप-रेटिव कोकना भी किसान मान्दोलन का एक प्रोमाम क्यों न हो कहीं तो मुके जोरों से ''हां'' कहने वाले मिले लेकिन जियादा सोगों ने बेठसी दिखलाई.

को आंकड़े में इकट्ठे कर सका हूं उनके आधार पर कह सकता हूँ कि उस मामूली किसान की आमदनी जिसके एक बीबी और दो बच्चे हों और सब के सब काम करते हों पहाड़ी फारमों पर 1800 रुपया सालाना है और मैदानों में तीन हजार रुपया से ले कर तीन हजार सात सौ पनास रुपया सालाना है.

स्रेत मजदूरों की मजदूरी लगभग पांच रुपया रोज है. लेकिन उन्हें काम नहीं मिलता है. थोड़े से ही ऐसे हैं जो तनका पर काम करते हैं और बराबर उनकी नौकरी सागी रहती है. किसी स्रत में भी एक खेत मजदूर की आसदनी साड़े इस सी से अधिक नहीं हो पाती जब तक सह दालते हैं तब तक इटली का किसान सुघार वादी ढंग से संदर्भ कलाएगा और राजकाजी चेतमा के लिये 'क्रैक्ट جب که زمهنداو کو بنا تفکا هائے اُس کی معدلت کی وجه سے ایک دی میں لگ بهگ تین سو ررپھے کی آمدنی هو جاتی ہے ۔ اُس کی دلی اُچها ہے که زمیندار ختم هو جاتی ہے ۔ اُس کی دلی اُچها ہے که زمیندار ختم هو جاتیں ، لیکن شاید زیادہ اُوگ اُس کی رائے کے تُجهن تے۔

ائلی کے تیام دیہائی ملائی اور کنچھ آدیوای ملائوں (پولوگفا کھتھولک ایکشن) میں یہ بات گرنسجتی رہتی ہے کہ اگر نہلی اور تو غیلتی کی عام چفاؤ میں جیست موئی اور آنیوں نے سرار تا بھار سنیمالا تو امریکن اٹلی میں گھس ہوئیں نے اور زور کی گھریلو لوائی ہروع ہو جائے گی ، 1944 اور 145 کی کوری یادیں لوگوں کے دمافوں سے ابھی درر نہیں ہوئیں اور وہ لوائی کے دچار سے بھی گھرا آئیتے ہیں .

اتلی کے کسان نیکا اِس رقت اِس بات پر زیادہ زور دے رہے ھیں که کسان کھیٹوں سے پدخل نه ھونے پالیں پیداوار میں ادھک حصه کسانوں کو ملے اور اُن کی آسانی کے لئے اسکول' اسپتال وفیرہ کا پربندھ ھو ۔ اُس سے سے زیادہ تالیاں بجیں جب بورگی نے کہا که زمیدداوں نے 2300 کسانوں کو پدخل کرنا چاھا لیکن کساتوں کے مضبوط آیکے اور سنگھٹن کے کارن کیول 20 کسانوں کا ایکا دن پر دن بوھ کسان ھی پدخل ھوسکے ، کسانوں کا ایکا دن پر دن بوھ رھا ھے ، 1950 سے آپ تک نه جانے کتلے کسان پولیس کی گولی سے مرچکے ھیں اور گھائل ھو چکے ھیں ،

پوندی کے کچھار میں مجھے کچھ ایسی کوآپریتو دکھائی پریں جن کا ڈھنگ تو بہت اجھا نھیں تھا لیکن اُن کا انتظام بہت اچھا تھا ۔ اُن کو دماغ میں رکھ کو میں نے بار بار لوگوں سے سوال کئے که کوآپریتو کھولڈا بھی کسان آندولی کا ایک پروگرام کھوں نہ ھو؟ کہیں تو مجھے زوروں سے ''ھاں'' کھنے والے ملے لیکن زیادہ لوگوں نے بہ رخی دکھائی ۔

جو آنکوی میں اکٹی کرسکا ہیں اُن کے آدھار پر میں کے سکتا ہوں کہ اُس معمولی کسان کی آمدنی جس کے لیک بہوی اور دو بنچے ہیں اور سب کے سب کم کرتے ہوں پہاری فارمیں پر 1800 ردیئے سالانہ ہے اُور میدانوں میں تین ہزار سات سو پنچاس رویئے سالانہ ہے ،

کههمت مؤدوروں کی مؤدوری لگ بهگ پائچ رویعہ
روز ہے ، لیکن آنههی کام نہهی ملکا ہے ، تہوڑے سے هی
ایسے هیں جو تنظواہ ہو کام کرتے هیں اور برابر اُن کی نوکری
لگی رهٹی ہے، کسی صورت میں بھی آیک کهیت مؤدور کی
آمینی ساوی فیس سو سے آدھک تیمن هو پاتی، جب تک
بید حالتیں عیں تب تک آلی کا کسان سدماروادی قفتگ
سے جالتیں عیں تب تک اُور رائے کاجی جیکھا کے لیے الیمن

the square of the square

ایتی جهزرںکے دام سو گنا ہوتا لهر ؟ دیہاتوںکی بھائی کے کام میں لگانےکئی سرکار کے پاس پیستیدں تھیں اور آمریکی قوچ کے بلدرہ قویون کو باللے کلئے اُس کے پاس پیستھیں؟ کیا میڈیکائی کا کارن مانہوں کی دور نہیں؟ اِن باتوں پر بھی کسانوں نے خوب تالیاں بجائیں ۔

ایک جگه کهوا هوکر مهن بات چهت سلفے لگا. زورون کی بعدث هو رهی تهی-الدے اور مرفی کے سوال پو كامويق كسهم كا سمعهوته كرنا أجمت تها يا تههر سميه مسئله بهی خوب ه ، اثلی مهن أبهی تک عجیب عجب تعلك جلم أره عين عب كولى زمهلدار کسے کو ایقا کہیت ساجھے پر دیکا ہے تو وہ یہ شرط لهاتا ہے که وہ کسان هر کرسمس پر زمیندار کو اتلے القے اور اتفی مرفیاں بھیلت کرے کا، اِس کا کارن یہ ہے: کسان کی مرفهان کهیت پر چگین کی ، اسطوم ود زمیندار کے حصے کا بھے قاء کھائھن کی اِس ڈلے کے بدلےمیں زمیلدار کو مرفی اور انڈے ملئے ھی جاھئیں ، اِس بات سے کشان بيمه جهلاتا هي . كسان أور زمهددار كے بهي مرفى أور القبل كى تعداد يو جهكوا جلتا ومتاه ، كسانون في جگه جگه پر کانی سلگهرش کها هے آور ولا کیمن کیمن بقق جهوانے میں کامیاب بھی هوگئے میں ۔ ایسا لگرنا ہے که گسهه اور رسیندار مهن بهت زیاده آن بن نهض تهی ، کھڑےکت کے مطابق آنہیں زمیندار کو جار سرفیاں اور تين درجن انق مر كرسس كو ديلا جامل تها . أنهون نے آنگے اور مرفهاں دیلے کے بجائے یہ سبجهوت کرلیا که ولا هر سال زمیلدار کی بهاچی کو پولوگلا شیر میں ایک مرقى بههاست كر ديا كرين كر ، الله كو أروب سے بحالے ھوٹے کسیے نے کہا ''فارم بھر میں سب سے مریل مرقی میں نے اُس کے گلے بائدہ دی'، سب لوگ ملس ہوے اور بعدث تهمائوں کے بھی اعلم هوگئی .

میں نے اِس بات کی جرجا یہاں اس لئے کی ہے کورنکھ یہی سب چھڑیں بھچ آئٹی کے کسانوں کی سمسیا کو بہمت پیچھدہ بلا دیدی ھیں . ساجھی دار کسانرں اور کو بہمت پیچھدہ مزدوروں دونوں پر لیفمی (باٹیں بازو) کا رنگ مہودا ھوا ھے . میں جہاں جہاں کیا ھوں اور جو حالت مہیں نے وہاں دیکھے ھیں اُن سے یہ ناتھت تکلفا غیر اُمیس نہ ھوگا کہ آئے والے عام جھاؤ میں بھچ کے اٹلی کے اسمی نر کسانوں کے ووٹ اُس صورچے کو ملیں گے جس کے انبیا توفایشی اور نیٹی ھیں ، لیکن پردیلٹا کو جھوڑ کو نہیں زمینداورں کا انتہا ورودہ نہیں ہوئے ہے ۔

میں آمیریا کے پہاڑی علاقیں کے قارم پر کیا۔ یہاں ایک کسان نے بہت داہ سے اِس بات کی شکایت کی کہ آسے چوٹی کا پسیلہ اینیں تک بہائے کے بعد اور دس بھر نگے رہانے کے بعد صرف تھی رویت روز مائٹے ہیں

अपनी चीजों के दाम सी ग्रुना बढ़ा लें ? देहावों की मलाई के काम में लगाने के लिये सरकार के पास यैसे नहीं हैं और अमरीकी फ्रीज के पण्डह डिवीजन की पालने के लिये उसके पास पैसे हैं ? क्या महगाई का कारन हथियार बण्दी की दौड़ नहीं ? इन बातों पर भी किसानों ने साब तालियां बणाई.

देक जगह खड़ा हो कर मैं बात चीत सुनने सगा. जोरों की बहस हो रही थी-अंडे और गुरशी के सवाल पर कामरेड गिस्पे का सममौता करना उचित था वा नहीं—यह मसला भी सन् है, इटली में अभी तक अजीव श्रजीब दंग चले आ रहे हैं. जब कोई वर्मीदार किसी को अपना खेत सामे पर देता है तो वह यह शर्त लगाता है कि वह किसान हर किसमस पर जमीदार को इतने श्रंडे और इतनी मुरिरायां भेंट करेगा. इसका कारन यह है: किसान की मुरगियां खेत पर चुगेंगी. इस तरह वह जमींदार के हिस्से का भी राल्ला खायेंगी. इस राल्ले के बर्ले में जमींदार को मुरगी और अंडे ही मिलने ही चाहियें. इस बात से किसान बहुत मल्लाता है. किसान और जमींदार के बीच सरशी और अंडों की तादाद पर मज़ावा चलता रहता है. किसानों ने जगह जगह पर काफी संवर्ष किया है और वह कहीं वहीं पिंड छुड़ाने में कामयाब भी हो गए हैं. ऐसा लगता है कि गिस्पे और जमीदार में बहुत जियादा अन-बन नहीं थी. कन्ट्रेक्ट के मुताबिक उन्हें जमीदार की चार मुर्गियां और तीन दर्जन अंडे हर किसमस को देना चाहिये था, उन्होंने श्रंडे और मुरशियां देने के बजाय यह सममौता कर लिया कि बह हर साल जमींदार की चाची को बोलोगना शहर में एक मुरशी भेंट कर दिया करेंगे. अपने को आरोप से बचाते हुए गिस्पे ने कहा "कार्म भर में सबसे मरियल मुरशी मैंने उसके गले बांध दी." सब लोग हंस पड़े और बहस ठहाकों के बीच खतम हो गई.

मेंने इस बात की चर्चा यहां इसिलये की है क्योंकि यही सब चीज़ें बीच इटली के किसानों की समस्या को बहुत पेचीदा बना देती हैं. सामीदार किसानों और खेत मजदूरों दोनों पर तैम्ह (बाएं बाज़) का रंग चढ़ा हुआ है मैं जहां जहां गया हूँ और जो हालात मैंने वहां देखे हैं उनसे यह बतीजा निकालना ग़ैर उचित न होगा कि आने वाले आम चुनाव में बीच के इटली के अधिक-तर किसानों के बोट इस मोरचे को मिलेंगे जिसके नेता तोग्रलीती और नेनी हैं. क्षेकिन पो डेलटा को छोड़ कर और कहीं जमीदारों का इतसा बिरोध नहीं है.

में क्रमिशि के पहाड़ी इलाकों के कार्म पर गया. यहां एक क्रिसान ते बहुत दुसा से इस बात की शिकायत की कि बसे कोडी का प्रतीसा पेड़ी तक बहाने के बाद और विन सक्षा को बहुत के बाद सिर्फ तीन स्पर रोज मिसते हैं the second control of the second of the seco

इटली की पूरी जमीन का चौथाई हिस्सा बीस हजार जामीदारों के क़बज़े में है. छोटे छोटे फारमों का रिवाज इटली में पुराना है. ऐसे फ़ारमों की तादाद लगभग चालीस लाख है. इनमें से आधे से जियादा के पास तीन एकड़ से अधिक जमीन नहीं है. इन सब फारमों की हालत और पैदाबार भी बिलकुल खलग खलग है. नेपिल्ज के इर्द गिदं के बारों के कारमों, उन्त्रिया और ऐक्हजी के पहाड़ी फ़ारमों और पो के कछार के गेहूँ और चावल पैदा करने वाले फ़ारमों में कोई श्रीज भी मिलती जुलती नहीं है. इन कारनों से इटली के किसानों की समस्या के बारे में एक श्राम राय क़ायम नहीं की जा सकती.

रोम में मुक्ते एक खेती शास्त्री ने बताया कि इटली के गांव की हालत किसी हालत में भी दुरुस्त नहीं हो सकती. मेरा तजुरबा उनकी राय के खिलाफ है. मैं उनकी राय से सहमत नहीं हूँ कि एक एकड़ में दस से बीस मन गेहूँ से जियादा की पैदाबार नहीं हो सकती क्योंकि अगवान ने ऐसा लिख दिया है. और न मैं इसे सही मानता हूं कि इटली के किसानों की वे रोजगारी अधिक आबादी को वहां से इटा लेने से ही हल होगी.

सात साल लड़ाई को खतम हुए हो गए लेकिन आज भी 1910 और 1914 के मुक़ाबले में इटली की पैदावार एक आदमी पर चार फीसदी कम है. चालीस साल के द्यान्यर दूसरी चीजों के दाम सी गुना तक ३६ गए हैं लेकिन खेत की पैदाबार के दाम में कुल चार फीसदी की बढ़े ती हुई है. पैदाबार चार फीसदी कम है और आबादी पहले के मुकाबले में 36 फीसदी बद गई है.

(2)पीरुगया में हाल खनाखन भरा था. तम्बाकू की महक उद रही थी. क़रीब चार सी गेहुआं रंग के किसान चेहरे दिखाई पड़ रहे थे. शिकमी काश्तकारों की तीसरी कांगरेस में हिस्सा लेने के लिये यह लोग यहां इकट्टे हुए थे. एक छोटी सी मेज पर कार्ड लगा था-विदेशी पत्रकार. मैं बहीं जा कर बैठ गया शिकमी काश्तकारों के फ़ैडरेशन के जनरल सेकंटरी एट्टरे बोरगी भाशन दे रहे थे. उनके भाशन की एक छपी कापी मुक्ते भी दी गई. इसमें जिन . खास बातों की तरफ इशारा था वह यह थीं:---

पाबरदस्ती बेदखली के खिलाफ लढ़ाई लड़ना: श्रच्छे मकान, स्कूल और देहातों के लिये अस्पताल भी मांग करना. इन बातों पर किसान भूम उठते थे और ताक्षियां **पीटले थे. जब बोरगी ने किसानों की मांग से हट कर** आम राजनीत की बात करनी शुरू की तब भी तावियों की शरण सुनाई दी. उन्होंने कहा कि किसानों को उस सरकार 😘 🐖 के खिलाक आयाज जठामा चाहिके जिसने इजारेदार उद्योग पतियों को पूरी बूट दे रखी है कि वह 1938 के मुकाबले

اللم کی پوری زمین کا جونهائی حصد بیس عوار رسهقداروں کے قبضہ جوں ہے جووتے جووتے فارموں کا رواب اتلی میں پرانا ہے ، ایسے فارمیں کی تعداد لگ بیک جالیس اکو ہے . إن مین سے آدھے سے زیادہ کے یاس تون ایکو سے ادھک زمین نہیں ہے . ان سب فارسوں کی حالت اور پرداوار بھی بالعل الک الگ ھے . نیھلو کے ارد گرد کے باقیں کے قارمیں' آمیریا اور ایپررزم کے پہاڑی فارسیں اور ہو کے کتھمار کے گھمیں اور جاول بھدا کرنے والے قارموں میں کوئی چیز بھی ملتی جلتی نہیں ہے . اُن کارنیں سے اٹلی کے کسانیں کی سمسھا کے بارے میں ایک عام رائے قائم نہیں کی جا سکتی ۔

روم میں مجھے ایک کبیعی شاستری نے بتایا که اللي كم كالت كسي حالت مهي درست نهيل هو سكتى . مهرا تجربه أن كي رائه كي خاف ه . مهن أن کے رائے سیست نبھی میں کمایک ایکو میں دس سےبیس من گهہرں سے زیادہ کی پیدارار نبھی ہو سکتی کھونکہ بهگوان نے 'یسالکھ دیا ہے ، اور نه میں اِسے صحیم مانکا ھوں که اقلی کے کسانوں کی بے روزگاری ادھا آبادی کو وهاں سے مثا لیلے سے هی حل هوای .

سات سال لوائی کو ختم هرئے هو گئے لهکن آج بهی 1910 اور 1914 کے مقابلے میں اٹلی کی پیداوار ایک آدمے ہو جار فی مدنی کم ہے ، جالیس سال کے اندر فرسری چیزوں کے دام سرکنا تک ہوھ گئے ھیں لیکن کہیت کی پہداوار کے دام میں کل جار فیصدی کی بوہوتی ہوئی ھے ، پهداوار جار في مدي كم ھے اور آبادى پہلے كے مقابلے مِين 36 فيصدي بُوء كُنُي ٰهِ ، أ

(2)پهروکيا ميں هال که چا که ج بهرا تها ، تمباکو کی مہک او رہی تھی ۔ قریب جار سو گھیواں رنگ کے کسان چهرے دکھائی ہو رہے تھے ، شکمی کشتکاروں کی توسری الكريس موں حصه ليلے كے لئے يه لوگ يهاں انتها عوث تھے ، ایک جووائی ہے موڑ پر کارڈ لگا تھا۔۔ردیشی باترکار ، میں وهیں جاکر بہتھ گیا ، شکمی کشتاکاروں کے فیکریشن کے جفرل سکریٹری ایٹورےبورگی بماشن دے رہے تھ ، ان کے پہانھیں کی ایک چھپی کاپی مجھ بھی دی گئی، اِس مهن جي خامي باتين کي طرف آشاره تها وه يه تهين :--زېردسېلي پهدېلي کې خلاف لوالي لونا کا اچه مکن استول لهر هيهانين كم للم أسيقال دي مانك كونا . إن باتين پر کسايي جهيم ألبتر تم اور تاليان پهليد تم . جب ہورکی نے کسالیں فی صافی ہے محت کر عام راج نہدے کی بات کرنی ہروم کی تب یہی تالہوں کی گرے سلائی دی انہوں نے کہا کہ کسانوں کو اس سرکار کے خلاف اواز آلهانا جاملے جس في اجارددار أديوك يعون كو يوري جيوه ديوي ۾ که ره 1938 کے مقابلے

قريب قريب فريب 28000 أيكو هي. إس بي سركار كو بهت فالدة ھے۔ وہ یہ بھی سفائیں گے کہ اِس تیلتا کو اُیحواو عِمَائے کے لئے جو تھلک وہ ایفا رہے ھیں وہ بہت ھی کارگر سدھ هوئے هیں. اِس میں شک نہیں که زمین کو کھیتے کے ڈلق بقائے کی کوشھ کی گئی ہے ، لیکن یہ کہانے بھی مزیدار ھے ، مسولیلی کے سمیرمیں ہوں ہوی کمیلیوں کو پہت سی رمائعیں مل کٹیں تھیں ، آنہوں نے دادلی زمین کو سکھا گر کھیتی کے پوک بقائے کی کچھ کرشش بھی کی تهي ، وه كمهلهان أم بهي الله كام مهن لكهن هين . لك بہک دس ہزار ایکو زمین ان کے قبضے میں ہے . ہر ان کی پالیسی یہ رهی هے که کائے کو چارہ کم سے کم اور دودھ زیادہ سے زیادہ ، وہ ایدی ضرورت کے لئے کچھ پیسم لکاتے هیں اور اُس سے زیادہ سے زیادہ قائدہ اُٹھانے کی کوشھی كرته همل ، ولا يهدوار زيادة اس لله بهي نهمل بوهاته كهونكة أيسى حالت مين تهكس بوهد كا در هي ، يهر وه خواه محواه درد سر مول کهوں لیں . اگر سیلجائی کا پربلدہ نہیں ہے اگر کہاں کے بنا زمین خراب مورھی ہے ا تو اس کی چلتا أن كو نهيں هے . اثلی كے كسانوں كی یے روزگاری کی سیسیا کو حل کانے کی قامے دار کمھلھاں کیسے مو سکتی میں ، اگر لوگ دی کے پیمار میں تو ہوا كويس . اسكول استخال صفائي وقهره كا يردنده بههن ه تو نه هو ، کمپنی کے ڈائرکٹر کبھی اِن بھوقوقی کی ہاتوں یر دههای نههی دیگے .

أيسا لكتا يهاته سركار بهى إن باترسكو دههان ديني كائق ئيين سمجهاتي. لخبارون أمهن زمهن سدهار كا تعلقهوراً ضرور يهيمًا جاتا هـ - اب لك لك بهك قهائي لانه أيكو زمين سركار 20 هزار خاندانين مين بالت چكى هـ، ٹیس ٹیس سال کے لئے پانچ ایکو سے کو بچاس ایکو تک کے بلات کسانیں کو دیے دیائے گئے میں ، سرکار نے گاؤوں مهن نو هزار مكان بقرائه ههن . إن مهن سے چه هزار تهار هولك هين أور ياقي جلك تهار هول وألم ههن وقهرة وفهرة. أيسي كجه بانهن هوئي ضرور هين لهكن أن كا فائدة کسائیں کو نہیں ہوا . اِن پروگرامیں کے پہنچم راجاجی جالهی تههی . پانی کی طرح رزیهه بهایا گها أور آیگی یا، تی کو مضبوط کہا گیا ، اِن سدھاروں سے دکھٹی اتلی کے ناهل ومهنداوس نے خوب فائدہ الهایا . بیچ اللّٰی میں جهاں کا مهن ذکر کر رها هوں إن يورگراموں کا كوئى اثر دکهائی نهیں پوتا ، اس تیلگا اور کومےچھو کی بات کون کرے کے اور تائیر بدنی کے کمچھاروں میں بھی معجم کسی سعمار کا انوبھر نه هوا"، اثلی کے سمھی صوبے فریخی اور کم بهدارار کے شکار هیں . یه حالت مهدان اور بہار دونین حصوں کے کسانوں کی ہے ، کھول اثلی کے 20 اللہ ي كهيت كسان هي يهوكون نهين مر رهـ ؛ بلكه 5 لاكه المروا داری (شکسی کسان) کی بھی بہی درفقا ہے ۔

क़रीय क़रीय 28000 एकड़ है. इस से सरकार को बहत फायदा है. वह यह भी सुनायेंगे कि इस डेलटा को उपजाऊ बनाने के लिये जो ढंग वह अपना रहे हैं वह बहुत ही कारगर सिद्ध हुए हैं. इस में शुक्र नहीं कि जमीन को खेती के लायक बनाने की कोशिश की गई है. लेकिन यह कहानी भी मजेदार है. मुसोलिनी के समय में बड़ी बड़ी कम्पनियों को बहुत सी रिश्रायतें मिल गई थीं. उन्होंने दलत्ली जमीन को सुखा कर खेती के योग बनाने की कुछ कोशिश भी की थी. वह फम्पनियां आज भी अपने काम में लगी हैं. लगभग दस इजार एकड़ जमीन उनके क्रब्बे में है. पर उनकी पालिसी यह रही है कि गाय की चारा कम से कम श्रीर दूध जियादा से जियादा. वह अपनी जरूरत के लिये कुछ पैसा लगाते हैं चौर उस से जियादा से जियादा फायदा जठाने की कोशिश करते हैं. वह पैदाबार जियादा इमलिये भी नहीं बदाते क्योंकि ऐसी हालत में टैक्स बढ़ने का डर है. फिर वह खामखा दर्द सर मोल क्यों ले. चगर सिचाई का प्रबन्ध नहीं है, अगर खाद के बिना जमीन खराब हो रही है, तो इसकी चिन्ता उनको नहीं है. इटली के किसानों की वे रोजगारी की समस्या को इल करने की जिम्मेदार कम्पनियां कैसे हो सकती हैं. अगर लोग दिक्र के बीमार हैं तो हुआ करें. स्कूल, अस्पताल. सफ़ाई वरौरा का प्रबन्ध नहीं है तो न हो. कम्पनी के हायरेक्टर कभी इन वेबक्रुकी की बातों पर ध्यान नहीं देते.

ऐसा लगता है कि सरकार भी इन बातों को ध्यान देने के लायक नहीं सममती. अखबारों में जमीन सुधार का दिदोरा कहर पीटा जाता है- अब तक लगभग ढाई लाख एकड जमीन सरकार 20 हजार जानदानों में बंट चुकी है, तीस तीस सात के लिये पांच एकड़ से लेकर पचास एकड़ तक के प्लाट किसानों को दे दिये गए हैं. सरकार ने गांवों में नौ हजार मकान बनवाए हैं. इन में से है हजार तैयार हो गए हैं और बाक़ी जल्द तैयार होने वाले हैं वरीरा वरीरा. ऐसी कुछ बातें हुई जरूर हैं लेकिन उनका फायदा किसानों को नहीं हुआ. इन प्रोप्रामों के पीछे राजकाजी बालें थीं. पानी की तरह रूपया बहाया गया और अपनी पार्टी को मज़बूत किया गया. इन सुधारों से दक्तिवनी इटली के निठरले जमीदारों ने सब फायदा उठाया बीच इटली में जहां का मैं जिकर कर रही हूँ इन प्रोग्रामों का कोई असर विसाई नहीं पड़ता. इस डेलटा और कोमेषिय की बात कौन करे, पो और टाईबर नदी के कझारों में भी मुक्ते किसी संबार का अनुसव न हुआ. इटली के सभी सूचे ग़रीबी और कम पैदाबार के शिकार हैं. यह हालत मैदान और पहाड़ दोनों हिस्सों के किसानों की है. केवल इटली के 20 लाख वे खेत किसान ही मुखें नहीं मर रहे बल्कि 5 लाख 'सीखादारी' (शिक्सी किसान) की भी यही दुदेशा है.

हैं भीर भीरतें भीर बच्चे इस घर से जिसमें कच्चे नम फर्श पर लेटना पहला है इस सहक को बेहतर सममते हैं. अक्तूबर के महीने में वे रोजगारी इस कम हो जाती है, फिर भी 75 फीसदी से जियादा ही लोग वे रोजगार रहते हैं कसल की कटाई और जुताई के समय काम बढ़ जाता है. जाड़ा आते ही बेरोजगारों की तादाद 90 की सदी तक पहुँच जाती है. इसी कारन यह भीड़ भड़क्का सड़क पर रहता है. क़रीब से देखने पर निढाल चेहरे, सूखे होंट और गस्तीली बांखों का अनुभव होता है.

राहीबी में बच्चों की तादाद भी बद जाती है. कोमे चियु को म्युनिस्पलटी के आंकड़ों से पता चलता है कि हर खानवान में श्रीसतन है बच्चे होते हैं. शहर के बीच में पुरानी वे मरम्मत कोठिरियों में विना उमर और जिनस के विचार किये हैं है और सात सात आदमी सोते हैं. शहर से बाहर जाने के लिये कची गलियां हैं. बरसात में इन पर घटने घटने कीचड़ हो जाता है. इन इलाक़ों में भी आदमी दुसे रहते हैं. क्रॉपड़े मिट्टी और उट्टर के बने होते हैं और उन में खिड़ कियां तक नहीं होती. एक खाते पीते कहे जाने वाले खानदान की सालाना आमदनी कुल 70 पौंड होती है. लोगों को ढंग का खाना तक नहीं मिलता. इसीलिये जियादातर लोग दिक्र के शिकार होते हैं. जल्द ही उमकी आंखें खराब हो जाती हैं. शहर तक में बिजली का कोई इन्तजाम नहीं है. गन्दगी इद दर्जे को पहुंची हुई है. यहां पानी के नल भी नहीं हैं. लगभग पानी के नल तो परे डेलटे में ही नहीं हैं. पीने का पानी बीस बीस मील की द्री से गाँडियों पर लाद कर लाया जाता है और बेचा जाता है. एक छोटे गगरे का दाम एक आना होता है. जिस समय मैं वहां गया था तो कम से कम चालीस खानदान ऐसे थे जिन के पास कोई घर नहीं था. कोमेचिय में आम तरी है से लोग ठट्टर पर काराज लपेट कर मकान बना लेते हैं. इन वेचारों के पास ऐसा भी कोई मकान नहीं था. किराया न देने के कारन यह सब घर से निकाल दिये गए थे. सब के सब एक छोटे से स्कूल में दुसे पड़े थे. यह इमारत मेथर ने किसी सहत में ऐसे लोगों के लिये खाली करा दी थी.

धगर इटली की राजधानी रोम में जा कर कोमेचिय का और या इस डेलटा का कोई जिकर करे तो वह अधिका-रियों के प्रेम का पात्र न होगा. अधिकारी जल्द ही बतायंगे कि यह समस्या बहुत ही मुश्किल है और इटली की मौजदा माली हालत इस योग्य नहीं है कि कोई हल इस सवाल का निकाला जाय. वह उत्तटा इस परिस्थित से फायदा बताने लगेगें, इस डेलटे में जो निचले इलाक़े हैं उनसे मछली के ड्योपार के कारन 45 रुपय एकड से लेकर 150 रुपय एकद तक का हर साल कायदा होता है. इस तरह की जमीन

هیں اور مورتیں اور بحے اُس گھر سے جسسمیں کچے تے فرص ير ليگفا پرتا هے اس سوک کو بیکر سنجھیے هھی ، اکٹربو کے مہیئے میں بے روزاری کچھ کم هو جاتے ہے بھر بھی 75 فیصدی سے زیادہ هی لوگ پے روزگار رهعے هیں . فصل کی کڈائی اور جونائی کے سے کلم ہوھ جاتا ہے ، جاوا آتے می پررزاروں کی تعداد 90 فیصدی تک پہرنیے جاتی هے. اِسی کارن یه بهیو بهرکا سوک پر رهاتا هے، قریب سے دیکھیلے پر نقامال جہرے اسوکے دونت اور غصیان آنکھوں کا انوپھو ھوتا 🙇 .

فرینی میں بحوں کی تعداد بھی ہوہ جاتی ہے۔ کومے جهو کی مهونسپیلٹی کے آبکوں سے پات بہلتا ہے کہ هر خاندان ميں اوسطا جه بھے هوتے هيں . شهر کے پھیے میں پرانی ہے مرمت کو ٹھریوں میں بنا میر اور جلس کے وجار کئے جہ جہ اور سات سات آدمی سوتے ههور شهر سے باهر جانے کے لئے کچے گلیاں ههور. برساس میں اِن پر گهٹنے گهٹنے کیجو هوجانا ہے ، اِن علاقوں میں بھی آدمی تہنسے رہتے ہیں ، جھونیوے متی اور ٹھٹر کے بلے ہوتے میں اور اُن میں کھوکماں تک نہیں هوتهن ، أيك كهاتم بيعتم كهم جانم والم خاندان كي سالانه آمدیی کل 70 ہونڈ ہوتی ہے۔ لرگیں کو ڈھٹک کا کھانا تک نہیں ملقا ، اسی لگے زیادہ تر لوگ دق کے شکار ہوتے هين جلد هي أن كي الكهين خراب هو جاتي هين . شہر تک میں بجلی کا کوئی اُنتظام نہیں ہے ۔ کلدگی حد درجے کو پہونچی ہوئی ہے ، یہاں پانی کے بال یمی نہوں ھوں ، لگ ہوگ پانی کے نل تو پورے ڈیلٹے مهن هي تههن ههن ۽ پهڻي کا پائي بهش بهش مهل کي دورم سے گڑیوں پر لاد کر لایا جاتا ہے اور بھنچا جاتا ہے . ایک چہوائے ککرے کا دام ایک آنہ ہوتا ہے ، جس سے میں وهاں گیا تھا تو کم سے کم چالیس خاندان ایسے تھے جن کے پاس کوئی گھر نہیں تھا ، کومے چھو میں عام طریقے سے لوگ قیدر پر کفٹ لیمت کر مکان بنا لمتے همن . اِن ر مجاوراں کے پاس ایسا بھی دوئی مکان نہیں تھا ، کرایہ زء دیلے کے کارن یہ سب گھر سے نکال دیئےگئے لیے. سب کے سب ایک جهوتم سے اسکول میں تیسے بڑے تھے. یہ عمارت میر نے کسی صورت ایسی لوگوں کے لگے خالی کوا دی تھی،

اگر اٹلی کی راجدھانی روم میں جا کر کوسے چھو کا لیو یا اِس تیلتا کا کوئی ڈار کرے تو وہ انھیکاریوں کے پریم كا ياتر نه هوا ، ادهيكاري جلد هي يتاثهن كے كه يه سمسها بهت هي مشكل هـ أور اللي كي موجودة مالي حالمت اس ہوگ نہیں ہے که کوئی حل اِس موال کا فکالا جائے ، ولا ألكا إس يرستيكي سر فائدة بكانے لكوں كى . اس قیلتے میں جو نجلے عالے میں اُن سے مجہلی ك بيوبار ك كارن 45 روائد ايكو مد لد در 150 ايكو تك كا هو بينال فالعاه هوتا هدد أس طوم كي زمهور

इटलो के किसान और उनकी राजनीत

(आयल मीर वालेन्स)

श्रायल मीर वालेन्स इंग्लैंड में झपेंने वाले अखबार 'दी न्यू स्टेट्मैन एन्ड नेशन' के रिपोर्टर हैं. आपने इटली के गांवों का दौरा किया है और किसानों की एक कानफरेन्स में भी भाग लिया है. यह लेख एक रिपोताच है इस को पढ़ने के बाद इटली के किसान आन्दोलन और उनकी हालत की एक अच्छी मलक मिलती है. इस लेख का जमीदारी अन्त से संबंध नहीं है लेकिन किसानों की समस्या पर काकी रोशनी पेंड़ जाती है—एडीटर]

फरेरा से एडरियाटिक तक जाने वाली तारकोल की उन्दा सदक यकवारगी आस्टेलेटो पर आकर खतम होती है. यहां से कोमेचियु जाने के लिये दूसरी सड़क पकड़नी पड़ती है. इस जगह को 'कठिनाइयों की राजधानी" कहा जाता है. सङ्क पर गर्द उड़ती रहती है और जगह जगह पर गढ़े भी हैं. छोटी छोटी गिट्टियां बिछी हैं जिन को चूर चूर करती हुई कोई लारी गुजर जाती है आस्टेलेटो और कोमेचिय के बीच सिर्फ यही एक सड़क है. यहां पहुँच कर पो नदी के कछार के लम्बे चौड़े लहलहाते खेत पीछे खूट जाते हैं. अब एक डेलटा मिलता है जो रेतीला मैदान है सिचाई और पानी निकालने का जरूरी प्रवन्ध न होने के कारन इस का इजारों एकड़ हर साल गर्मी में सुख जाता है और जाड़ों में पानी में हुब जाता है खेती का कोई खास साधन दिखाई नहीं देता नीले आसमान के नीचे जहां तहां कुछ लोग मरियल बैलों से पुराने इल जोतते दिखलाई पड़ते हैं और दूर दूर नजर घुमाने पर कहीं कहीं कुछ मर्द और औरत कुदाली से खेत के ढ़ेले फोड़ते हुए मिलते हैं. आगे बलकर एक लम्बा चौड़ा मैदान मिलता है जिस पर पानी लहरें मार रहा है इस दुकड़े के चारों तरफ नमक की मीलें हैं और कुछ भोंपड़े बने हुए हैं. इन मोपड़ों के रहने वाले मझलियां पकड़ कर गुजारा करते हैं. इस डेलटा का रक्तवा करीब करीब पांच लाख एकड़ है, करीब करीब तीन लाख आदमी इस में आवाद हैं. जियादा आवादी वे खेत सजदरों की है. यह इलाक़ा भयानक रारीबी और शीर गुल का गहवारा है.

कोमें चियु की लम्बी सड़क पर चलते चलते जो पहला खयाल किसी के दिमारा में आ सकता है वह यह है कि यह खगह कोई चौक बाजार है. सारी आवादी—मर्द, औरत, करने सड़क पर इकट्टे रहते हैं. इसका कारन जल्द ही मासम हो जाता है, लगभग सभी मर्द वे रोजगार होते

اٹلی کے کسان اور اُن کی راج نیٹ

(آللمهر واليلس)

آثامهر والهنس انگلیند مهن چهپنے والے اخبار اسی نیواسائیتسمین ایند نیهن کے رپوراتر هیں۔ آپ نے اتلی کے گاؤں کا دورہ کیا ہے اور کسانوں کی ایک کانورنس مهن بهی بهاگ لیا ہے ۔ یہ لیکھ ایک رپوتاز ہے ۔ اِس کو پوہنے کے بعد اتلی کے کسان آندولن اور اُن کی حالت کی ایک اُنچهی جہلک ملای ہے ، اِس لیکھ کا زمهنداری انت سے سمبندھ نہیں ہے لیکن لیکھ کا زمهنداری انت سے سمبندھ نہیں ہے لیکن کسانوں کی سمسها پر کائی روشنی پر جاتی ہے ۔ اِس کسانوں کی سمسها پر کائی روشنی پر جاتی ہے۔۔

فریرا سے ایڈریاٹک تک جانے والی نارکول کی عمده سوک یکهارکی آستیلهتو پر آکر ختم هوتی هے. پیاں سے کومے چھو جانے کے لگے دوسری سوک پکوئی پوتی ہے ، اس جکه کو '' کتهفائهوں کی راجدهانی '' کها جاتاً ہے ، سوک پر گرد آزاتی رهتی ہے اور جاکه جاکہ پر گڏه بهي هين . چهوٽي جهوٽي کٽيان بجهي ههن جن کو چور چور کرنی هوئی کوئی لای اغار جانی ہے ، آسٹهلهالو اور کومے بچھو کے بھی صرف یہی ایک سوک تھ ، یہاں پہوتے کر یو ندی کے کتھار کے لنبے چورے الهالے کہدت بهدر جهرت جاترهیں ، آپ ایک تبلتا ملع ہے جو ریعیا مهدارر هي سهلجائي أورياني فكالله كا فروري يربلده نه هونے کے کارن اِس کا هزاروں ایکو هر سال گرمی میں سوكه جاتا هم أور جارون مين ياني مين قرب جانا هم ، كهيتني كا كوئي شاس سادهن دكهائي نههن ديتا . نيك أسمان كے نهنچے جہاں تہاں نبچہ لوگ مریل بھلوں سے ہرائے مل جرتعے دکھائی ہرتے میں اور دور دور نظر گھمائے ہر کہیں کہیں کچھ مرد اور عررت کدائی سے کہیت کے قفهلے پهورتے هوئے سلعے هيں ، آگ چل کو ايک لمها جوراً مهدأن ملعا هے جس پر پانی لہریں مار رها هے . اس العوم کے جاروں طرف نیک کی جہلیں میں اور کچہ جورنیوں بئے مولے میں ، ان جورنیورں کے رہنے والے مجهلهان بكو كركزارا كرته هين. إس قيلتا كا رقبه قريب قريب ياري لاكه ايكو هـ' قريب قريب تهن لاكه أدمى اِس مهن آباد هين . زياده آبادي به كهيت مودوون كى ه . يد ماقد بهيانك فريدى أور شور فل كاركبوأرا فه -کوئے چیو کی لمبی سرک پر چلانے چلانے جو پہلا خهال کسی کے دماغ میں آ سکتا ہے وہ یہ ہے که یه بھی كولى چوك بازار هي . ساري آبادي-سمودا هورت بنجي-سوک یر انامے رہتے میں اس کا کارن جاد ھی معاوم هو جاتا هے لک بیک سبھی مرد پے روزار ہوتے

द्रैक्टर क्यों नदी खरीद लेते. सोकद इकार में एक ट्रैक्टर खाता है. जावा क्या सरकार तकावी में देगी, आधा जाय लग्ध दीजावे. वह बोला, साहब, इमारे पाल इतना क्या होता तो इम खेती ही क्यों करते हिस सम्बन्ध में एक बात खास है. सन 1947 में भारत सरकार ने भारत में सब से पहले ट्रैक्टर योजना सागर जिले में शुरू की थी. भी जयरामवास दौलतराम उसका उद्घाटन करने वहां पर्यारया नामक एक गांव में गए थे. पर्र सरकारी ट्रैक्टरों से इन पांच सालों में भी पूरा सागर ज़िला नहीं जुत पाया है. मध्यप्रदेश के उत्तरी जिलों में कांस बहुत होता है और सिर्फ ट्रेक्टरों की मदद से ही कुछ फायदा हो सकता है. मध्यप्रदेश में कई साल से चकवन्दी का काम भी हो रहा है पर वह बहुत धीरे धीरे हो रहा है.

मध्यप्रदेश में सिचाई के सावन बहुत कम हैं: किसानों की मखाई के लिये सरकार ने उनको काफी रुपया राजावी में बांटा है और बांट रही है. लेकिन एसका ठीक तरह से खपयोग नहीं हो रहा है. किसान तकावी लेते हैं क्योंकि इस पर उन्हें सुर कम देना पड़ता है और उस रक्तम को शादी ब्याह, तीर्थ यात्रा वरौरा में सार्च कर देते हैं. थोड़ी बहुत बिड़ी खेत की मेंडू पर डाल दी, आधा कुंआं सदासा. पटवारी को बखशीश दे दी और काराज भरवा विया. ठीक यह होगा कि खद सरकार मौज जगह देख कर कृषा खरबाप और फिर किसानों से फ़िस्तेबन्दी में वपया बस्ता करती रहे. खेती को तरक्क़ी के लिये सिंचाई प्रकरी है और यह काम सरकार को ही अपने हाथ में लेना चाहिये. कसल खराब होने पर लगान में कूट देना तो ठीक 🖁 क्षेक्रित कुमां खुद्वाना, खेतों में बांध बंधवाना बरौरा काम सरकार को ही करना चाहिये. या सरकार कुछ बोबरसियर मुक्तरेर कर दे जिनकी देखरेख में यह सब काम हों. सञ्चारदेश के महाकौशल क्षेत्र की खेती बहुत ही पिछवी हुई हालत में है और उसकी तराक्ती के लिये कुछ ठोस इत्य च्छाना चाहिये.

मालगुजारी का खालमा करके सरकार ने ठीक ही किया है. इसे कोई बुरा न कहेगा पर इससे भूमि ठयवस्था मैं सुबार नहीं हो सकते और न किसानों की ही हालत सुबर सकती है. इस में शक नहीं कि किसान को राहत मिली है पर हमारा मकसद खेती के ज्योग को बहाबा और किसान के जीवन स्तर को ऊंचा उठाना है. यह दोनों मकसद सिर्फ मालगुजारी खातमे से पूरे नहीं होते. मालगुजारी खालमा तो सिर्फ एक सायन था, मक्रतद नहीं. खगर सरकार को बेती और किसान की सच्ची सेवा करना है तो मालगुजारी खातमे को खाखरी काम महीं सममन्त जाहिये, शुरू का काम ही सममना चाहिये. تربکتر آفا ہے۔ آففا روبه سرکاو تقابی میں دے گی کو رکتر آفا ہے۔ آففا روبه سرکاو تقابی میں دے گی کو اس آپ لیا فیدیئے ، رد برائ ساسب شمارے پاس آفقا روبه هوتا تو هم تهیئی هی کیوں کرتے ؟ اس سمیده میں آپک بات شامی ہے، سن 1947 میں بیاوت سرکاو نے بہاری میں سبیدیہائے تربیکتر بوجقا سائر ضافے میں شروع کی تھی ، غری بھی رام داس دولت رام اس کا آدگیاتی کر نےوماں پتھاریا نامک ایک کاوں میں گئے تھے، پر سرکاری تربیکتروں ہے۔ اور یانے سائوں میں بیا ہے ، مدهید پردیش کے آئری شلمی نہیں بیا ہے ، مدهید پردیش کے آئری شلمی میں کانس بیت هوتا ہے اور سرن تربیکتروں کی مده سے هی کھی قائدہ هوسکتا ہے ، مدهید پردیش میں کئیسال سے بچک بندی کا کام بھی رہا ہے ور وہ بہت دهیں سے بیا ہے ، مدهید پردیش میں کئیسال سے بیک بندی کا کام بھی رہا ہے ور وہ بہت دهیں سے دورہ ہے ۔

مدھید پردیس میں سینجائی کے سادھن بہاعا کم هیں ، کسانوں کی پہالی کے لئے سوکار نے اُن کو کافیروہما ققاوم مهن يانقا هر أور يانت وهي . ليكن أس كا تهدك طريع أيهوكانيمن هورها هي. خسان تقاريليكم همن كمونكم أس ہر انہیں سود کم دینا ہوتا ہے اور اُس رقم کو شادی يهالاً تهرته ياتراً وفهولا مهل خرج كو دياتم ههل ، تهورى هبت معى كهيمت كى مهلق ير دال شي؛ أدها كثوال كهداياً پاتواری کو بضمیم دے دی اور کافذ بهروا دیا ، تهیک یه هوا که خود سولار موزوں جگه دیکھ کر گذواں کهدوالے اور پھر کسالوں سے قسط ہلدی میں دوہمہ وصول کرتی رہے ، کھیٹی کی ترقی کے لئے سیلجائی ضروری ہے اور مع کام سرکار کو هی آنے هاته ميں ليقا چاهيك ، فصل خراب هولي پر لکان مهن چهرت دیدًا تو تههک هے لهکن كةول كيدواناء كههتون مهن يانده يقدهوأنا وقهره كام سركار کو هی کونا بچاهئے ، یا سرکار کچھ اوررسهر مقرر کر دے جن کی دیکھ ریکھ میں یہ سب کام موں ، مدھیہ پردیش کے مہا کوشل جوہتر کی کھیٹی بہت می،جوہی هولي حالت مين هر أور أس كي الرقي يَد ليَّه كنونه الهوس قدم إلهانا جاهاد ،

مالكذاري كا خانمه كر كے سركار نے تهيك هي كيا هي ،

إي كوكي برا نه كيد كا يو اس سے بهوري ويوستها ميں سخھار نهيں هو سكتے اور نه كسانوں كي هي عالمت سدهر سكتي هي ، اس ميں هك نهيں كه كسان كو داحت ملى هي پر همارا مقصد كهيتى كے ادبوك كو پوهانا اور كسان كے جهوں استو كو ارتبا اتهانا هي . يه يوفانا اور كسان كے جهوں استو كو ارتبا اتهانا هي . يه يوني مقصد ضرف بمالكذاري خالم سے يوري نهيں هوته ، الكذاري خالم تو صرف ليك سادهن تها مقصد نهيں ، اكر سركا كو كهيتى اور كسان كي سجى سهوا كرنا هے تو مالكذاري خاليہ كو آخرى كم نهيں سمجها جاهكے ، مالكذاري خاليہ كو آخرى كم نهيں سمجها جاهكے ،

Notable !

لیتے میں اور اگر یٹیل کے پاس رویه نہیں ہوتا تو أس سے لیکے هیں جس سے پائیل لیکے کو کہا کے یا کسی ماهوکار سے لیکے میں مطلب یہ که سرکاری قر أب كسال كو قرض لهاني كو مجهور كرتا هي.

> کجہ لوگوں کا منت ہے کہ لگان وصولی کا کام اگر کاؤں یلجایت کو سرنب دیا جائے تو ہوا اجہا هو . ساته هي اگر یہ چھ نیصدی کمیشن کاوں پنجابت کو ملنے لگے تو ولا أس كاول كي ترالي مهل خريم كو سكتي ههي ، إس يو کچھ لرگیں نے یہ آلوجلا کی ہے کہ اگر کاؤں پلجایت کے سريني يا يني سركاري رريبه كها كثر توكها هولا ؟ إس کے جرآب میں یہ کیا جا سکتا ہے کہ آلار پالیاں ورفقہ لے کر بھاک جائے تو کھا ہوگا ، جس طرح کسیگاؤں کا ساھوکار رربع لے کر بھاک سکتا ہے اُسی طرح یتول بھی بھاک سكتا هي ، يتواري يتهل كا أنفك كاورن مهن أسى طرح بنا هوا هے جس طرح مالكذار كا تها ، اكر يقهل أور يقوارى کا میل هوا تو کسی یعی سے کسان کی زندگی اور قسمت کے ساتھ کھلواو کھا جاسکتا ہے .

> دوسری بات یه دیکهی کئی هے که سرکاری ویوستها کے مانست کنون کام بهت ازیر هولکے هیں، جیسے که مالکڈار سنگھاوا لکانے کے لئے آپے تالیوں کا تبھکه جهتم اساءہ کے سبھنے تک دے دیتے تھے ، لیکن اب ہجیس جاکه سے آرڈنر آتے میں تب نیلام هوتا ہے ، کبھی کبھی ليسا مرنا هے كه جب سنگهازے لكانے كا سبے تكل جاتا هے تب نهام هوتا هے. اسطوع جبمهوا كي فصل ختم سي هو جالے مے تب مہوا کے پھڑوں کا لیالم هوتا هے. یه حالت سب جگه نهیں هے اور جہاں ہے بھی ممکن ہے سم پاکر وہ سدھر جائے لھکن اس سیے تو لوگوں کو کائی تکلیف ہے .

> تهسرا سوال یه هے که اس بهومی سدهار سے کسانوں کو کیا لبھ مرا ، جیسا هم که چکے هوں زیادہ تر پرائے مانگذار هی نکے پالیل هوککے هیں اور پالواری پالیل کا آننک أسى شكل مين هر جس شكل مين مالكذار يديل و تھا ، لیکن اس کے ساتھ ھی سب سے ہوی بات یہ ہے که آرتهک نظر سے کسان کو کوئی فائدہ نہیں ہوا . لکان میں کسی طرح کی کنی تیوں مرکی ، اُس نے پورک کو جهسے ایوآب وقهرہ بود کئے عهل ، آب کاوں پدھایہوں نے ہمی کر لگا دیگے میں' اس نے کسان کو تو کوئی واحث ملی تهیں . اصل میں وہ یہومی سدھار کا کوئی سکھ انویهو نهیں کر رقا ہے .

آپ رہی کھیٹی میں ٹرقی فرنے کے لئے سرکار کے فریعے دبی جائے والی سوودهاوں کی یاص ، پنچھٹی گرمیوں میں مدور مدھیے پردیش کے تجه اور میں جائے کا موالع مق ایک کسان کہاتا پیٹامعلوم ہوتا تھا، مھیلے پوچھا آپ

क्षेत्रे हैं और अगर पटेल के पास क्यम नहीं होता तो क्ससे लेते हैं जिस से पटेल लेने को कहता है या किसी साहकार से लेते हैं. मतलब यह कि सरकारी हर यह किसान को क्रव लेने को मजबूर करता है.

कुछ लोगों का मत है कि लगान वसली का काम अगर गांव पंचायत को सौंप दिया जाय तो वडा अच्छा हो. साथ ही अगर यह है फीसदी क्मीशन गांव पंचायत की मिसने लगे तो वह उसे गांव की तरहकी में खर्च कर सकती हैं. इस पर कुछ लोगों ने यह बालोचना की है कि अगर गांव पंचायत के सरपंच या पंच सरकारी रुपया सा गए तो क्या होगा ? इसके जवाब में यह कहा जा सकता है कि श्रगर पटेल रूपया लेकर भाग जाय तो क्या होगा. जिस तरह किसी गांब का साहकार कपया लेकर भाग सकता है. बसी तरह पटेल भी भाग सकता है. पटवारी पटेल का आतंक गांवों में उसी तरह बना हुआ है जिस तरह माल-गुषार का था. अगर पटेल और पटवारी का मेल हुआ तो किसी भी समय किसान की जिन्दगी और क्रिस्मत के साथ लेलवाड किया जा सकता है.

दूसरी बात यह देखी गई है कि सरकारी व्यवस्था के मातहत कुछ काम बहुत गड़बड़ हो गए हैं. जैसे कि माल-गुजार सिंघाडा लगाने के लिये अपने वालावों का ठेका जेठ या असाद के महीने तक दे देते थे. लेकिन अब पचीस जगह से बार्डर बाते हैं तब नीलाम होता है. कभी कमी ऐसा होता है कि वब सिघाड़े लगाने का समय निकल जाता है तक नीलाम होता है. इसी तरह जब महुचा की फसल खतम सी हो जाती है तब महुआ के पेड़ों का नीलाम होता है. यह हालत सब जगह नहीं है और जहां है भी मुमकिन है समय पा कर वह सुधर जाय लेकिन इस समय तो लोगों को काफी तकलीफ है.

तीसरा सवाल यह है कि इस भूमि सुधार से किसानों को क्या जाम हुआ. जैसा इम कह चुके हैं जियादातर पुराने मालगुजार ही नये पटेल हो गये हैं और पढवारी पटेल का आतंक उसी शक्त में है जिस शक्त में मात्रगुषार पटेल का या. लेकिन इसके साथ ही सब से बड़ी बात यह है कि आर्थिक नखर से किसान को कोई फायदा नहीं हुआ. लगान में किसी तरह की कमी नहीं हुई, उसके पूरक कर जैसे अञ्जाब वरौरा बढ़ गए हैं. अब गांव पंचायतों ने भी कर चगा दिये हैं, इसलिये किसान को तो कोई राहत मिली नहीं. असल में वह मुमि सुधार का कोई सुख अनुभव नहीं कर रहा है.

अब रही सेती में तरक्क़ी करने के लिये सरकार के परिये दी जाने वाली सुविधाओं की बात. पिछली गरमियों में मुक्ते सम्बद्धिय के बुद्ध गांवों में जाने का मौक्रा मिला. एक किसान सांता बीता मासूम पहता था. मैंने पूछा, वाप

11,871

که جلد هی یه جاگل آن کهانه بیرکیسکی والی هیو تو آنهین نے بهوپاریوں اور تهیکیداور نے کو مائی کے مول لے کے دیے دیگے اور ان تهیک داؤوں نے ان جاگلیں کو مائٹ کر دیا۔ تیک اور دوسری عمارتی لکوی کے جهوٹے جهوٹے پودیے جو کچھ بهی کم میں آ سکتے تیے کلیاری کے کہاس آثار دیلی کئے۔ کچھ لوگوں کا اندازہ ہے کہ اس طرح سرکار کو لگ بھگ ایک کروچ روپے کا نقصان هوا اور یہ اجوے هوئے جاکل لگ بھگ دھی سال میں آباد هو پائیس کے ۔ کہا اجہا هوتا اگر سرکار اس خطرے کو دیکھ لیتی اور ایک آرتینیلس یا اعالیٰ کے خوری دیکھ لیتی اور ایک آرتینیلس یا اعالیٰ کے خوری نیتی ،

قانوں سے سرکار نے مالکڈاروں کا تو خاتمہ کر دیا پر اب سوال یه اُتها که ان مالکدارس کی جاکه لکان وصول کوں کرے اور اُسے سرکاری خزائے میں جمع کون کرے ؟ اُس کے لئے سرکار نے مر ایک گاؤں میں پاٹیل مقرر کانے ، سرکار کی لوک اشاهی کی بهاؤنا اللی زیادة بهوک أتهی که هر ایک کاوں میں اِن یکیلوں کا کسانوں کے فریعے چھاؤ کوایا کیا۔ لیکن جہاں ان ہود اور آتلککا راج هو وهاں یہ جلاؤ كهان تك سههل هو سكتے ههن اس كا انومان هم أساني سے کو سکتے میں ، کیا گاؤں والوں کی یا کسانیں کی یہ جمت هو سکتی تهی که جهان کل تک ایک مانکذار کا راج تھا' وھاں آنے آس مالکڈار کے خلاف کوئی دوسرا آدمی' ايك معسولي كسان باليل جن لها جائه كا؟ يا جالو كرائے والے بعواری ریونهوانسههكار یا نائب تصصیادار كى اِجِها کے خلاف کولی کساں پٹیل چن لیا جائے کا ؟ نتیجہ یہ هوا که دس مهن ہے نو پالیل وهی آدمی چالے کا جو پہلے اُس گاؤں کے مالکڈار یا مقدم تھے ، صرف کچھ گاؤں مهن جهان مالكذار كمؤور تها جات هات كے بل يرا كتي ايس أدمى يلهل جلے كلے جو پہلے مالكذار نهدن تعد ان چناور کا نتیجه یه هرا که جهال تک که کسانول کا سمعلده هے اُن کے لکہ وہ برانا آنفک جموں کا تموں بقا رها ، کیا جاتا ہے پالیلوں کے چناؤ کی یہ سوجھ مدھیہ پردیش کے پنچھلے عیم منسلو درارکا پرساد مصر کے دمائے کي اُپيم تهين .

یہ پالیل کسانیں سے لگان وصول کو کے آسے سرکاری خوالے میں جمع کرتے ہیں اور اس کے لئے چھ فی صدی کمیشن ملتا ہے ، کچھ لوگوں نے اس برتھا پر امترانی کیا ہے ، یہ لیک طرح سے درسری شکل میں زمینداری ہی ہوگئی، آب لیکن ادا کرنا مولیا، کا ادا کرنا مولیا، گر سے پر ادا نہیں کیا گیا تو پورا سرکاری تندا کسان پر پوتا ہے ، اس کے نام وارنت تکلفتا ہے اور جانے کیا کیا حالی جوتی ہے ، تعیمی یہ ہوتا ہے کہ سے پر لگان ادا کیا گیا جوتی ہے ، تعیمی پر بھیلوں سے ارتبی سود پر وربعہ ہوتا ہے کہ سے پر لگان ادا

कि जरूद ही यह जंगल इनके हाथ से खिसकने वाले हैं तो उन्होंने व्योपारियों और ठेकेदारों को मिट्टी के मोल ठेके दे दिये और इन ठेकेदारों ने इन जंगलों को साफ कर दिया. टीक और दूसरी इमारती लक्षण के छोटे छोटे पीधे जो कुछ भी काम में भा सकते थे कुल्हाज़ी के बाट उतार दिये गए. कुछ लोंगों का अन्दाजा है कि इस तरह सरकार को लगभग एक करीड़ उपए का जुक्रसान हुआ और यह उजड़े हुए जंगल जगभग दस साल में आबाद हो पार्थेंगे. क्या अच्छा होता अगर सरकार इस लतरे को देख लेती और एक आर्डीनेन्स या एलान के परिये इस बरवादी को रोक लेती.

क़ानून से सरकार ने मालगुजारों का तो सातमा कर दिया पर अब सबाल यह उठा कि उन मालगुजारों की जगह खगान बसल कीन करे और उसे सरकारी खजाने में जमा कौन करे हैं इसके लिये सरकार ने हर एक गांव में पटेल मुकर्रर किये. सरकार की लोकशाही की मावना इतनी पियादा महक डठी कि हर एक गांव में इन पटेलों का किसानों के जरिये चुनाव कराया गया. लेकिन जहां अनपद और आतंक का राज हो वहां यह चुनाव कहां तक सफल हो सकते हैं इस का अनुमान हम जासानी से कर सकते हैं. क्या गांव बालों की या किसानों की यह हिस्मत हो सकती भी कि जहां कल तक एक मालगुजार का राज था, वहां आज उस मालगुजार के खिलाफ कोई दूसरा आहमी पक मामूली किसान, पटेल चुन लिया जायगा ? या चुनाव कराने बाले पडवारी, रेबेन्यू इन्सपेक्टर या नायब तहसील-दार की इच्छा के जिलाफ कोई किसान पटेल जुन लिया जायगा ? नदी मा यह हुआ कि दस में से नी पटेल वही काइमी जुने गए जो पहले उस गांव के मालगुजार या मुक्तहम थे. सिर्फ कुछ गांव में जहां मालगुजार कमजीर ने, जात पात के बल पर, कुछ ऐसे आदमी पटेल चुने गए जो पहले मालगुजार नहीं थे. इन चुनावों का नतीजा यह हुआ कि जहां तक किसानों का सम्बन्ध है, उनके लिये बहु पुराना आतंक ज्यों का त्यों बना रहा. कहा जाता है पटेलों के खुनाव की यह सूक्त मध्यप्रदेश के पिछले होम मिनिस्टर द्वारका प्रसाद मिश के दिमारा की उपज थी.

यह पटेख किसानों से लगान बसूल करके उसे सरकारी खफाने में जमा करते हैं और इसके लिये हो की सदी कमीशन मिलता है. कुछ लोगों ने इस प्रथा पर पतराज किया है. यह पक तरह से बूसरी शकल में प्रमीदारी ही हो गई, अब लगान अदाई एक तरह से सरकारी कर्ज का खदा करना हो गया. अगर समय पर नहीं अदा किया गया तो पूरा सरकारी ढंडा किसान पर पड़ता है. उस के नाम बारंड निकलता है और जाने क्या क्या हालत होती है. जतीजा यह होता है कि समय पर लगान अदा करने के सिये किशान अकसर हजीं पटेलों से केंचे सुद पर कपया

मध्यप्रदेश में भूमि सुधार

(पन्नालाल भीवास्तव)

भारत में स्वराज के बाद सरकार ने मारके का जो काम किया है वह है कुछ स्वों में भूमि सुधार. जमींदारी किसी भी राज में या किसी भी बाज के शासन में होनी नहीं चाहिये और कांगरेस तो बहुत पहले जमींदारी का अन्त तय कर जुकी थी. इसलिये कई स्वों में कांगरेस सरकार ने जमींदारी खतम कर दी है. चूंकि पिछले साल जुनावों में कांगरेस को जनता के बोट चाहिये थे इसलिये यह कोशिश की गई कि जुनावों के पहले ही जमींदारी अन्त अन्त बन जाये. जुनाचे वह क़ानून बना दिये गय. पर इस सम्बन्ध में कुछ देसी जक्दी बाजी की गई कि इस में कई किमयां रह गई और सरकार और जनता दोनों को इसके बुरे फल भोंगना पड़ रहे हैं. इस लेख में मध्यपदेश में जमींदारी अन्त और भूमि सुधार पर गौर करेंगे और देखेंगे कि उस में क्या गलतियां रह गई और किसानों को क्या कायदा हुआ.

मध्य प्रदेश में क्रमीवारों को मालगुकार कहते हैं. 31 मार्च सन 1951 से मध्यप्रदेश में हर तरह से क्रमीवारी या मालगुकारी खतम कर दी गई. इस क्रान्न के करिये क्ररीब दो लाख मालगुकार क्रमीवार बरीग से 40 लाख एकड़ भूमि पर से मालिकी बरीरा के हक ले लिये गए. अब कारतकार थोड़ा सा नजराना देकर अपनी क्रमीन पर मालिक मक्रबूका हक हासिल कर सकते हैं.

जहां तक इस कानून का सम्बन्ध है इस में शक नहीं कि यह ठीक है. सरकार और कारतकार के बीच में अब कोई तीसरा आदमी नहीं रह गया और लगभग 80 साल तक किसानों को मालगुजारों के जो अन्याय सहना पड़े थे, उनका खातमा हो गया. लेकिन इससे किसानों की और भूमि के सवाल का इल नहीं हुआ. इस पर हम आगे विचार करेंगे. अभी तो हम यह देखेंगे कि इस क्रानून के बनाने में सरकार ने कहां और क्या भूतें की.

हर एक कानून को बनाने में कुछ वन्नत लगता है.
मध्यप्रदेश के मालगुजारों को जब मालग्र हो गया कि
सरकार अब जल्दी ही हमारी मालगुजारी छीनने बाली है
तो उन्होंने भागते भूत की लंगोटी मली कहाबत के मुताबिक
बदोरना शुरू कर दिया। मध्यप्रदेश में जंगल बहुत हैं और
उन जंगलों में इमारती लकड़ी बहुत होती है. सी. पी. टीक
तो देश और विदेश में भी मशहूर है. इस तरह के बहुत से
जंगल मालगुजारों में सामिक थे. जब मालगुजारों ने देला

مدهیه پردیش میں بھومی سدهاد

یهاوت مهن موواج کے بعد سرکار نے معرکے کا جو کام کیا ھے وہ ھے کچھ صورس میں بھومی سدھار ، زمیلداری کا کسی بھی آج کے شاسی میں ہونی نہیں جاھٹے آج کے شاسی میں ہونی نہیں جاھٹے آر کانگریس نو بہت پہلے زمیلداری کا انت طے کو چکی تھی ، اس لگے کگی صوبوں میں گاگریس سرکار نے زمیلداری ختم کر دی ھے ، چونکہ پنچہاہے سال چیاؤرں میں کانگریس کو جفتا کے روت چاھٹے تھے اس لئے یہ دوشص کی کئی که چذاؤوں کے پہلہ ھی زمیلداری انت قانوں بن جانبی کی گئی که انس سمیدھ میں کچھ ایسی جاد بازی کی گئی که یر اس سمیدھ میں کچھ ایسی جاد بازی کی گئی که اس میں کئی کیوار فور جباتا دونوں مدھیہ پرینیس میں زمیلداری انت اور بھومی سدھار مدھیہ پرینیس میں زمیلداری انت اور بھومی سدھار مدھیہ پرینیس میں زمیلداری انت اور بھومی سدھار مدھیہ پرینیس میں دو کیا فائدہ ھوا ،

مدھیمپردیس میں زمیدداروں کو مالکذار کیائے ہیں ، 31 مارچ سن 1951 سے مدھیم پردیس میں ہر طرح سے زمیدداری یا مالکذاری خام کر دی گئی ، اس قانون کے طریعے قریمی دو لائه مالکذار زمیددار رفیزہ سے 40 لائه ایکو بھومی پر سے مالکی وفیوہ کے حق لے لئے گئے ، آپ کاشتکار تمہوا سا نظرانم دیے کو ایلی زمین پر مالک مقورضم حق حاصل کو سکتے ہیں ،

جہاں تک اس قانون کا سمجندھ ہے اس میں شک نہیں کہ یہ تبیہ ہیں۔ سرکار اور کھتکار کے بیجے میں اب کوئی تیسرا آدمی نہیں رہ گیا اور لگ بیگ 80 سال تک کساس کو مالکڈارس کے جو انبیائے سیائا ہوئے تھے' اُن کا خاتیہ ہولیا ۔ لیکن اُس سے کسانیں کی اور بھوسی کے سوال کا حل نہیں ہوا ۔ اِس پر ہم آلے وجار کوئیں گہ ۔ ایمی تو ہم دیکھیں گے کہ اس قانون کے بقانے میں سرکار ایمی تو ہم دیکھیں گے کہ اس قانون کے بقانے میں سرکار نہا بھونیں کیں ،

ھر ایک قانوں کو بقالے میں کچھ وقت لکھا ہے،
مدھیہ پردیش کے مالگذاروں کو جعب معلوم ہوگیا کہ سرکار
آپ جلدی ہی هماری مالگذاری چھیقئے والی تو آنہوں
نے بھائتے بھوت کی للگوتی بھلی کیارس نے معلائی بالورتا
گروع کر دیا، مدھیہ پردیش میں جنگل بیمت ہیں اور آن
جنگلوں میں مارتی لکوی بیمت ہوتی ہے، سی، ہی، ٹیکن
تو دیش اور ودیش میں بھی مشہور ہے، اِس طرح کے بیمت
سے جنگل مالگذاری میں اہمی مشہور ہے، اِس طرح کے بیمت

17. गांच में काम करने वालों को जितनी मदद वहां के नीजवानों से मिल सकती है उससे कहीं जियादा वहां के बड़े बढ़ों से मिल सकती है, बह बदे बढ़े बहुत तजुर के और पते की बात कहते हैं. नीजवान अधिक वसते हुए और तिजारती हुदि के हैं. तिजारती लोगों से किसान जियादा सममतार हैं.

18. नशा और जुजा, खास कर नौजवानों में गांव में बढ़ता जा रहा है.

19. लोगों को आम तौर पर यह स्म रहा है कि सारे देश के लिये एक ऐसे नेक और जोरवार आदमी की प्रकरत है जो कुटुम्ब के बढ़े बूढ़े की तरह सब को ठीक राह पर चला सके.

20. ऐसा माल्य होता है कि दस दस या बीस बीस गांबों को मिला कर उनमें नेक मुख्या नियुक्त करना और ऐसे दुकड़ों को जहां तक हो सके राजनीतिक, आर्थिक और सब निगाहों से स्वाबलन्वो और खुद मुखतार बनाना, बहीं आज के गांब और वहां की जनता को बचाने का तरीक़ा हो सकता है.

21. गांव स्कूलों के अध्यापक अपने अपने गांव में अध्यापक अपने अपने गांव में अध्यापक अपने अपने गांव में अध्यापक विश्व कार्य कर सकते हैं बहातेंकि वह खुद सकते, प्रेमी, बढ़े दिल बाले, निरपच और चरित्रवान हों.

17. الموں میں الم کرتے والیں کو جھٹی مجھ وہاں کے نوجوانیں سے مل سکھی ہے اُس سے قیمیں وہائت وہاں کے بورے بووھوں سے مل سکھی ہے ، یہ بورے بورہ بہرہاں تجربے کی اور بھے کی بات کہتے میں ، نوجوانی احمک جھٹے موٹے اور تجارئی بدھی کے میں ، احجارئی لواوں سے کسان زیادہ سمجھداو میں ،

18, تھے اور جوا خاص کر توجوانوں میں گاؤں میں برمانے ،

19. لوگوں کو عام طور پر یہ سوجھ رہا ہے کہ سادے دیھی کے لئے ایک ایسے نیک اور زوردار آدمی کی ضرورت ہے جو کالمب کے بڑے بوڑھے کی طرح سب کو ٹھیک راہ پر چلا سکے ،

20. ایسا معلوم هوتا هے که دس دس یا بهس به بهس گاؤں کو مالکو آن مهن نهک حکها نهکت کرنا آور ایس تکون کو میلان کید هوسکے واج نهتک آرتهک آور سب نکاهیں سے سواولمهی اور خود منفقار بانانا یہی آج کے گاؤں اور وهان کی جلگا کو بتھائے کا طریقہ هوسکتا

21. گاؤں اِسكولین كے ادھھایک آبھ آبھ گاؤں مھن اُنھھا كام كر سكتے ھھن اُنھوطيكة ولا خود سنتے اُنہيمی اُنہ ہوتوران ھوں ،

"मेरी राय में हािदुस्तान की और सारे संसार की अर्थ बयबस्था ऐसी होनी चाहिये कि उसमें बिना खाने और कपदे के कोई भी रहने न वाये. दूसरे लक्ष्णों में हर एक को अपनी गुजरबसर के लिये काफी काम मिलना ही बाहिये. यह आदर्श तभी सिद्ध होगा जबकि जीवन की पहली ज़रूरतें पूरी करने के साधनों पर जनता का अधिकार रहेगा जिस तरह भगवान की पैदा की हुई हवा और पानी सब को मुक्त मिलता है उसी तरह यह साधन सब को बेरोक टोक के मिलने चािब्यें. उन्हें दूसरों को खहने के किये केन देन की बीचें हरियाल नहीं बनने देना चािब्ये."

-- महात्मा गांधी

ارت مہری رائے میں عقدستان کی اور سارے سقسار کی اور مارے سقسار کی اور کیو۔ کے کوئی بھی رھلے نہ پائے ۔ دوسرے لفظوں میں مر ایک کو ایٹی کھر بیدو کے لئے کائی کام ملنا ھی جامئے ۔ مر ایک کو ایٹی گفر بیدو کے لئے کائی کام ملنا ھی جامئے ۔ یہ آدرهی تبھی سدھ عوا جبکہ جهری کی بہلی فرورتیں پوری کرتے کے ساتھتوں پر جلتا کا اُدھیکار رہے گا ۔ جس طرح بہکوانی کی بھٹا کی عوثی ھوا یانی سب کو بہ مقمد ماتا ھے اُسی طرح یہ ساتھن بھی سب کو بہ مقمد ماتا ھے اُسی طرح یہ ساتھن بھی سب کو بہ روگ اُرک کے جاھئیں ، اُنہوں درسوں کو لیائے کے لئے لئے دیتا جامئے ۔ اُنہوں درسوں کو لیائے کے لئے دیتی کی جمھیں عرکز تہیں بللے دیتا جامئے ۔ اُنہوں دیوں کو لیائے کے لئے

سسمهاليا الكعي

में पड़ना नहीं चाहते. अपनी प्रमीन से, चाहे दुकड़े दुकड़े सेत अलग अलग फैले हुए हों, बहुत अधिक ममता है. एक न सही दूसरे दुकड़े से किसान कुछ न कुछ पैदा कर के अपना काम चला लेता है. जब सारा घर काम करता है तो दो तीन बीचे प्रमीन से एक छोटे परिवार का अच्छी तरह गुप्पर हो जाता है.

8. खेती बाड़ी के पश्किमी तरीक़ों जैसे ट्रैक्टरों, कीमियाई खाद वरीरा के लोग बिलकुल जिलाफ है.

- 9. पंचायतें और गांव सभाएं या तो बेकार पड़ी हैं और या वित्तकुत उपर के सरकारी हुक्मों पर चलती हैं. लोग सब इन से असन्तुरट हैं. इनके बारे में बात करते हुए एक आदमी ने कहा—"डोये ढोये मरें बैलवा, बांधे खार्य तरंग."
- 10. जाम लोगों में संगठन की कमी है. पारटी बल्ली और कलह हर गांव में फैली है. पर यह कारवारी लोगों और पढ़े लिखों में अधिक है. सीधे सादे कियान अब भी मग़बे की बात पसन्द नहीं करते. कोई सममावे तो युनते भी हैं. गांधी जी में लोगों को अदूट अद्धा है. त्यागी और साधु लोगों को वह पसन्द करते हैं. उनका हृदय अब भी बिल्कुल ठीक है. उन्हें किसी राह दिखाने वाले की फुरूरत है.
- 11. मेरा खयाल है कि बीड़ी का जाना गांव में बिल्कुल बन्द होना चाहिये. उसकी जगह लोगों को अगर तम्बाकू पीना ही है तो अपने खेत की तम्बाकू चिलम में रख कर पीयें तो कम नुक़सान हो और उनका पैसा भी बचे.
- 12. हर गांव में एक ऐसे बजनदार और नेक मुखिया की जरूरत है जो उनमें सचा संगठन पैदा कर सके.
- 13. आम रारीब लोगों में मेहमान की सेवा और मान मर्थादा का खयाल अब भी बहुत है.
- 14. जंगलों की कटाई और बरबादी से कमीन की नमी को बहुत तुक़सान पहुंचा है.
 - 15, कपदे की तंगी से लोग काफी परेशान हैं.
- 16. गांव की सब से बड़ी जरूरत यह है कि मूंगफली, तन्बाकू और बनावटी ईस जो मिलों में काम आती है, इनकी खेली बहुत कम की जावे, और सामें का नाज, तिलहन, कपास और देशी ईस की खेली अधिक की जावे. पैसे का खलन कम हो और गांव वाले तिजारती बुद्धि से थोड़ा हट कर साने और कपड़े में स्वावलम्बन की तरफ चलें. इससे गांव के धन्दे जैसे कपड़े की बुनाई, कोल्हू वरोरा बढ़ेंगे और गांव का धन बाहर बह जाना बन्द होगा. इस तरह नाज की पैदाबार भी बढ़ सकती है और देश की नाज की कमी विश्वक दूर हो सकती है.

مهن بونا نههن جاهاته ، أيلى زمهن بيرا جاهه الكوي الكور كههت الك الك بههاه هواه هن بهت النهك معال هي ، ايك نه سهمى دوسرے الكوے بير كسان كورة نه كورة بهذا كركي أيفا كام جال ليا هي . جاب سارا گهر كام كورة هي تو دو تهن بيكه زمهن بير أيك جهواته بريورا كا أجهى طرح كذر هو جاتا هي .

- کھیٹی باڑی کے پنچیمی طریقوں جھسے ڈریکٹروں³
 کیمیائی کھاہ وفیرہ کے لوگ بالکل خالات ھیں ۔
- 9. ینجایتی اور گاری سببائین یا تو بهکار ہوی ہیں ، هیں اور یا بالکل اوپر کے سرکاری حکموں پر چلتی هیں ، لوگ سب ان ہے استشت هیں ، ان کے بارے میں بات کرتے ہوئے ایک آدمی نے کیا۔ ''تھوئے تھوئے مریں بہلوا' یاندھے کیائیں ترنگ،''
- 10. مام لوگوں میں سلکھٹی کی کسی ہے ، پارٹی بندسی اور کلاء ھر گاوں میں پھیلی ہے ، پر یہ کارباری لوگوں اور پڑھے لکھوں میں ادعک ہے ، سیدھ سادے کسان آپ بھی جہکڑے کی بات پسند نہیں کرتے ، کوئی سنجھارے تو سنتے بھی ھیں ، کادھی جی میں لوگوں کو رہ پسلد کرتے ھیں ان کا ھودے آپ بھی بالکل تھیک ہے، آپھی کسی راہ دکھانے والے کی ضرورت ہے ،
- 11. میرا خیال ہے کہ بیری کا جانا گاوں میں بالکل بلد ہونا چاہئے۔ اُس کی جگه لوگوں کو اگر تمہائو پیلا ھی ہے تو اُم کییست کی تمہائو چام میں رکھ کر پیٹیس تو کم نقصان ھو اور اُن کا پیسہ بھی بچے۔
- 12. هر کاوں میں ایک ایسے وزندار اور نیک مکبها کی ضرورت ہے جو اُن میں سبتا سنگھتی ہیدا کرسکے ۔
- 13. هام غریب لوگوں مهن مهمان کي سهوا اور مان مریادا کا خیال آب بهی بہت ہے .
- 14. چنگلوں کی کٹائی اور برہائی سے زمین کی نمی کو بہت نقصان پہرنچا ہے ،
 - 15. کہوے کی تلکی سے لوگ کافی پریشان ھیں ،
- 16. گاوں کی حب سے ہوس ضرورت یہ ہے کہ مونگ پہلی' نبھاکو اور بدارتی ایکھ جو ملیں میں کام آتی ہے' اُن کی کھیتی بیست کم کی جارے' اور کھائے کا ناج' تلهین' کیاس اور دیسی ایکھ کی کھیتی ادھک کی جارے ، پیسے کا چہان کم ھو اور گاوں والے تحوارتی بدھی سے تھوڑا ھیٹے اور کپوے میں سوارلیمن کی طرف چہلیں۔ اِس سے گاوں کے دھلدے' جیسے کپوے کی بدائی' کولپو وکھرہ ہوھیکے اور گاوں کا دھن باھر بہ جانا بلد ھوگا، اِس طرح اناج کی بیداوار بھی بوط سکتی ہے اور دیھی کی نامے کی بیداوار بھی بوط سکتی ہے اور دیھی کی نامے کی بیداوار بھی بوط سکتی ہے اور دیھی کی نامے کی بیداوار بھی بوط سکتی ہے اور دیھی کی

सब जगह सीग उन्हें प्रेम के साथ खाने की भीजन और रहने की ठिकाना भी वे देते थे.

2. उन्होंने देखा कि गांव के खाम लोग सब जगह कांगरेस और सरकार दोनों से बहुत असन्तुष्ट हैं. कांगरेस के नाम तक से लोग चिढ़ते हैं, पर जब उनसे कहा जाता है कि गांधी जी का कोई खादमी उनसे मिलने खाया है तो उससे प्रेम के साथ मिलते हैं, खपना सब दुखड़ा उससे कहते हैं, और उसकी बात ध्यान से सुनते हैं.

3. उस इलाक के जिन जिन हिस्सों में नहर गई है उन में लोग खरोचू कसलें ही अधिक बोते हैं, यानी, मूंगफली, तम्बाकू और नए बनावटी ईख जैसी चीजें जो प्रमीन से जियादा से जियादा ताक़त खींच लेती हैं. इससे जमीन की ताक़त घटती जा रही है. नहर की जमीन से अरहर, सरसों, देसी ईख, कपास, जैसी काम की चीजें नहीं ली जातीं. नहरी इलाक़ों में काम की चीजों को पैदा करने की शक्ति भी घटती जा रही है. जवार जहां पहले पचीस मन की बीघा होती थी वहां अब घटते घटते कहीं कहीं पांच मन की बीघा रह गई है ऐसा मालूम होता है कि नहरों से बाहरी तिजारत और लूट पाट का काम ही लिया जाता है, गांव की असली और टिकाऊ भलाई का नहीं.

4. पैसों के लोभ में और रारीबी के कारन गांव बाले अपनी गाय भैंसों का दूध बाहर भेज देते हैं और अपने बचों, बुदों और बीमारों तक को दूध नहीं दे पाते, जिस से बनकी तनदुदस्ती बिगइती जा रही है.

5. एक गांव में लगभग नन्दे बरस के एक बृदे बेपदे आदमी ने मुमले कहा—'जब से यह काराज का नीट खला है तब से हम लोग मिटले जा रहे हैं. जब हम चीजों की अदला बदली कर लेते थे तब हमारा घर भरा रहता था. यह काराज का नीट बार बार गिरता रहता है और धोका देता रहता है. बाहर यह पैसे का चलन टूटे तो हम लोगों की जान बचे." मेरी अपनी राय है कि गांव में सब मजदूरी पैसे की जगह चीजों के रूप में ही ली दी जाय तो गांव बालों को जियादा सुविधा हो और उनका श्रधिक मला हो.

6. एक अनुभवी गांव बाले ने मुमसे कहा:—"आज-कल के आदमी हुड़ी चचार कुत्ते की तरह सूखी हुड़ी चचोर कर अपने ही दांतों के खून का सवाद लेते रहते हैं, अपने से उन्नीस अपने भाई का खून चूस कर उसकी और अपनी दोनों की गिरी हुई हालत को मुलाए रहते हैं. दूसरे के अशकन के लिये अपनी नाक काटते किरते हैं."

7: सब जगह इस बात की बड़ी शिकायत है कि किसी के पास फररत से कम जमीन है और किसी के पास बहुत जियादा. फिर भी लोग सामृहिक सेती के बन्धन

سب جگه لوگ آنههن پریم کے سانه کھائے کو یهریون اور رهانے کو ٹھکانه یعی دے دیکے تھے ۔

2. أنهوں نے دیکھا کہ گاؤں کے عام لوگ سب جگھ کانکریس اور سرکار دونوں سے بہت استشف عیں. کانکریس کے نام تک سے لوگ چوندیے عیں' پر جب أن سے کہا جاتا ہے کہ کاندھی جی کا کوئی آدمی ان سے مللے آیا ہے تو اس سے پریم کے ساتھ ملتے عیں' ایفا سب دکھوا اُس سے کہتے عیں' ایفا سب دکھوا اُس سے کہتے عیں .

ان اس ملانے کے میں جن حصوں میں نہر کئی اُن لوک کیروچو فصلیں ھی ادھک ہوتے ھیں' یعنی مونگ پہلوچو فصلیں ھی ادھک ہوتے ھیں' یعنی جو رمین ہے زیادہ طاقت کیہاچے لیکی ھیں ، اِس سے رمین کی طاقت لہلاتی جا رھی ہے ، نہر کی رمین سے ارھر' سرسر' دیسی ایکھ' کہاس' جیسی کام کی چیزیں نہیں لی جاتیں، نہری ملاقوں میں کام کی چیزیں کو پیدا کرنے کی شکتی بھی گیلاتی جا رھی ہے ، جوار جہاں پہلے برجیس من فی بیکھا ھرتی تھی وہاں آپ گیلاتے کہیں کہیں بانچ من فی بیکھا رہ وہاں آپ گیلاتے کہیں کہیں بانچ من فی بیکھا رہ گئی ہے ، ایسا معاوم ھوتا ہے کہ نہروں سے باھری تجارت اور لوت ہات کا کام ھی لیا جاتا ہے' کاؤں کی اصلی اور لوت ہات کا نہیں دیا جاتا ہے' کاؤں کی اصلی اور کیا بہدئی کا نہیں .

4. پیسرں کے لوبہ سیں اور فریخی کے کارن گاؤں والے اپنی گائے بھیلسرں کا دودہ باہر بھیج دیکے ہیں اور اپنی گائے بچوں' بوڑھوں اور بیماروں تک کو دودہ نہیں دے یائے' جس سے اُن کی تقدرستی یکوتی جا رہی ہے ۔

5. ایک گاؤں مہی لگ بہک نوے برس نے ایک بورھ ہے ہوت نے ایک بورھ ہے پرھے آدمی نے مجھ سے کہا۔"جب سے یہ گافڈ کا نوٹ چا رہے ھیں ، جب ھم لوگ مثنتے جا رہے ھیں ، جب ھم لوگ مثنتے جا رہے ھیں ، جب ھمرا گیر بہزا رھتا تھا ، یہ کافڈ کا نوٹ یار یار گرتا رھتا ہے اور دھوکا دیٹا رھتا ہے ، یاھو یہ پھسے کا چان توثہ تو ھم لوگوں کی جان بجے ،" مہری ایکی رائے ہے کہ گاؤں میں سب مودوری پھسے کی جکہ جھوڑوں کے درب میں میں سب مودودھا ھو اور ھی لی دی جائے تو گاؤں والوں کو زیادہ سوودھا ھو اور

6. ایک انوبھوی کاوں والے نے اُن سے کہا:۔۔' آج کل کے آدمی هتی چھور کر کے آدمی هتی چھور کر اپنے میں دانتیں کے خون کا سواد لیتے رہتے ہیں' اپنے سے آنٹیس اپنے بہائی کا خون چوس کر اُس کی اور اپنی دونوں کی گوی ہوئی حالت کو بہائے رہتے ہیں، دوسرے کے اُسکی کے لیتے اپنی ناک کاتھے پہرتے ہیں''۔

آ۔ سب جاکہ اِس بات کی ہوں شکایت ہے کہ کسی کے پاس بہمیا کے پلس فیورت سے کم ومیں ہے اور کسی کے پاس بہمیا نیافہ ، پھی بھی لوگ، سامومک، کیمٹی کے بقدھی

हमारे गांव-एक भावक

(किशनचन्द दुवे)

विरुधा जिले में सेलढोड़ नाम का एक गांव है. माम उद्योग संघ वरधा के मंत्री डाक्टर जे. सी कुमारूपा ने हाल में वहां एक आश्रम कोला है जिसका नाम है "पने आश्रम सेलडोइ". 'पने' शब्द तामिल भाशा का है जिसका अर्थ है संस्कृति या कलचर, यहां कई सी एकड जमीन लेकर उसमें लीगों को बसाकर और खेती बाढ़ी करके डाक्टर कुमारप्पा यह दिखाना चाहते हैं कि गांधी जी के सिद्धान्तों के बतुसार गांव बालों की आवर्श जिल्लगी कैसी होनी चाहिये. जमीन खरीवने में जो रुपया लगा और ग्रह में मकान बनाने. और बैल बरौरा खरीदने में जो रूपया लगेगा, उसके श्रताका डाक्टर कुमारप्पा आश्रम और आश्रम वासियों के माह्वारी खर्च के लिए, या जागे काम बदाने के लिए, एक पैसा या कोई चीचा बाहर से नहीं ले रहे हैं. डाक्टर कुमारप्पा ने ऐसी जमीन भी कोई नहीं खरीदी जो किसी किसान की जीत में रही हो और जिससे किसी को निकालना पड़े. उन्होंने सब जमीन परती की ली है. पन्ने आश्रम की रचना एक स्वावलस्वी दंग से हो रही है. अपने दंग का वह एक नया तज़रवा है.

हाल में पन्ने आश्रम के एक कार्यकर्ता श्री किशनचन्त दुवे देश के कुछ गांव की हालत देखने गए. इस के लिए उन्होंने यू. पी. के उन्नाव जिले की चुना. ग्यारह दिन में वे इकीस गांव गए, ऋकेले पैदल बिना एक पैसा या खाने का कोई सामान साथ लिये, नंगे पैर, नंगे बदन, कंधे पर खहर की एक मोटी चादर डाले, हाथ में एक मोला क्षिये जिस में एक फालत् घोती, एक अंगोछा, लोटा होर, कुछ काराष और एक पेंसिल थी. उन गांवों में उन्हें कोई पहले से नहीं जानता था, न उन्होंने किसी की किसी तरह की पहले से स्वना दी थी. हर गांव में जाते थे. जो लोग मिलते भे उनसे बातें करते थे, जो कोई साना दे देता था ला लेते थे, और जहां जगह मिल जाती थी लेट रहते थे. इस तरह न्यारह दिन की पात्रा में हर गांव की हालत खुद देखने के साथ साथ उन्होंने किसानों और मजदरी पैशा कोगों के असाबा गांव पंचायतों के जोगों, सरपंचों, गांव सभापति, 🏃 जमीदालें और कांगरेसी कारकर्ताओं से भी काफी वातें कीं. अपने सकर के कुछ तजुरचे उन्होंने 'जया हिन्द' की शिख कर मेजे हैं जिनका नियोद हम नीये दे रहे हैं.

- श्डीटर]

1. इर गांव में थोड़ी देर के सन्दर ही कम से कम
दस बीच आदमी कनकी बातें सुनमें के लिये जमा हो जाते थे.

مارے گاؤں۔ایک جھلک

(لفن جلد فوي)

[وردها ضامه مهن سهلةره نام كا أيك كأون هي. کرام ادیوک سلکھ رردھا کے ملتری قائلر جے سی . کماریها نے حال میں رہاں لیک آغرم کھولا ہے جس کا قام ه "يلل أشرم سيلموه"، "يلله" فهد تامل بهاشا كا ه جس كا ارته هـ سلسكرتي يا كلمهر . رهان ككّي سو ايكو زمین لے کر اُس میں لرگوں کو پسا کر اور کھھٹی ہاڑی کرکے ڈاکٹر کماریہا یہ دکھاتا جامعے میں که اندھی جی کے سذھانعوں کے انوسار کاؤں والوں کی آدرھی زندگی کهسی هونی جاهگه ، زمهن خویدیه مهن جو رویه لکا اور شروع ميں مكن بقانية أور بهل رقهرة خريد لے مهن جو رويهة لكهكا أس كي مقود ذاكتر كماريها أشرم أور أشرم وأسهون ك ماهواري خرب ك ليدا يا آل كام بوهاني ك ليدا ايك پهسه يا كوئي چهڙ باهر سے نهيں لے رهے عيل . 3اكثر کماریہا نے ایسی زمین بھی کوئی تبھی خریدی جو کسی کسان کی جرت میں رہی ہو اور جس سے کسی کو تکالفا يوے ، أنهوں لے سب زمهن پرتی کی لی ہے . پللے آشرم کی رجلا ایک سواؤ لمبی دھلک سے هو رهی هے ، آهے قمنلگ کا وہ ایک لیا تجربہ ہے ،

حال منیں پللے آشرم کے ایک کار کرتا شربی کشن جلد دوبے دیف کے کچہ الوں کی حالت دیکھتے گئے۔ اس کے لیے آنہوں نے ہو ۔ ہی ، کے آناو ضلعے کو جانا ۔ کیارہ دن میں وہ اکیس گاوں گگے، انہلے پیدل، بنا ایک هیسه یا کهانے کا کوئی سامان ساتھ لکے نظیے یہر ا نظیے بدن ا کلدھے پر کھدر کی ایک موثی جادر ڈالے' ھاتھ میں ایک جهولاً لَئْمَ جُسَّ مَهِنِ أَيْكَ فَالْعُو دَهُولَى إِيكَ أَنْكُوهِهَا الْكُوهِهَا الْكُوهِهَا الْكُوهِهَا لوتا تور' كنويه كافل أور أيك يهلسل لهي . أن الأورس مهن آنہیں کوئی پہلے سے تبھی جانعا تھا انہیں نے کسی کو کسی طرح کی پہلے سے سوچھا دی تھی ، ہر گاوں میں جاتے امرا چو لوگ ملعے تھے اُن سے باتین کرتے تھے جو کوئے کہانا دے دیکا تھا کہالہتے تھے اُور جہاں جاکہ مال جاتی تھی لھت رھتے تھے ، اِس طرح گھارہ دن کی اترا میں ہر گاوں کی عالات خود دیکھلے کے ساتھ آتیوں لے کسائیں اور مودوری پیشہ لوگوں کے علاوہ کاوں پلانهالکوں کے لولون سر پتنچون کاون سبها پتی زمیقدارون اور کالاریسی کارکرتاؤں سے بھی کافی باتھی کھی ، آبے سنر کے فجھ تجربے أنين لے انها هلدا كو لكي كر بههجے هيں جي كا نجور هم نهجے دے رہے هيں۔۔ايڈيڈر]

1. مر کاوں میں تہرزی دیر کے آندر ھی کم سے کے کم سے کم سے کے کم سے کم سے

68 फी सबी यानी क़रीब 33 लाख एकड जमीन एक लाख 25 हजार जमीवारों की मिल्कियत में थी जो ख़द खेती नहीं करते थे और केवल बत्तीस की सदी छोटे किसानों की मिल्कियत में यी जिनकी तावाद क़रीय खाठ लाख थी. करीय तीन लाख किसान ऐसे थे जो किसी जमीन के मालिक नहीं थे और सिक दूसरों की जमीन पर मजदूरी करते थे. इन आंकड़ों से पता चलता है कि निट्रक्षे जमीदारों की मिल्कियत में कितनी जियावा जमीन थी और जो लोग अपना पसीना बहाकर जुमीन पर मेहनत करते हैं उनकी मिल्कियत में कितनी कम थी. चार सौ बहत्तर बड़े बड़े पामीदारों के पास मिला कर एक लाख 45 हजार पकड़ जमीन थी. पक हजार बाठ सौ छियासी जमींदारों के पास मिला कर एक लाख चालीस ट्यार सात सी साठ एकड़ जमीन थी क़रीब नौ हजार जमींदार ऐसे थे जिनमें से इर एक के पास पौने तेइस एकड़ से जियादा जमीन थी और जिनकी कुल जमीनें मिला कर है लाख तिरसठ हजार एक इ होती थी. इसमें से चार जाल बासठ हजार एक इ अमीन नए क़ानून के मुताबिक जोतने बालों की मिल्कियत में रे दी गई या दे दी जा रही है. जून सन 1952 तक करीब एक लाख चालीस हजार एकड़ जमीन एक लाख क्चीस हजार दो सौ अपन किसानों को दी जा चुकी है. जो अब अपनी अपनी जमीन के मालिक हैं. उनके घर बालों की तादाद मिला कर साढ़े चार लाख होती है. इसी अरसे के अन्दर पचास हजार एकड़ जुमीन रियासत की मिल्कियत में आई. नए क़ानून के मुताबिक इन्द्राज रियासत भर में तेजी के साथ पूरा किया जा रहा है.

68 الهصدي يعلى قريب 33 الله أيكر ومهن أيك لاكه 25 هزار زمهددارس كي ملكيت مين تهي . جو خود کههای نهیں کرتے تھے اور کهول 32 فیصدی چہولے کسانوں کی ملکیمت میں لھی جن کی تمداد قريب أثه لاكه تهي وريب تهن لاكه كسان ايسم تھے جو کسی زمین کے مالک نہیں تھے اور صرف دوسروں كى زمهن پر مزدوري كرتے تھے ، إن أنكورن سے بته چلتا ھے که ناهلے زمیداروں کی ملکیت میں کالی زیادہ زمین تهی اور جو لوگ آیدا پسهده بها کر زمین پر محالت کرتے هیں اُن کی ملکیت میں کٹلی کم تھی جار سو بہار ہوتے ہوتے زمینداروں کے پاس ملا کر ایک لاکھ 45 ہزار ایکو زمین تھی ، ایک هوار آٹھ سو چھیاسی زمینداروں کے پاس ملا كر ايك لائم جاليس هزار سات سو ساله ايكر زمهن تھی۔ قریب نو عوار زمیددار ایسے تھے جن میں سے عر ایک کے پاس ہوئے تیس ایکو سے زیادہ زمون تھی اور جن کی کل زمینین ملا کر چه لاکه تریسته هزار ایکر هوتی تهیں ، اِس میں سے چار لاکھ باسٹھ هؤار ایکو زمین نگے قانون کے مطابق جوتئے والوں کی ملکھت میں دے دی کئی یا دے دی جا رهی هے . جون سن 1952 تک قریب ایک لائه چالهس موار آیکو زمین آیک لائه پچهس هؤار در سو چهدن کسانس کو دی جا چکی هے جو آب اپلی ایلے زمین کے مالک میں ، إن کے گهر والوں کی تعداد ملا کر ساڑھے چار لاکھ هوتی ھے ، اِسی عرصے کے اندر پنچاس هزار ایکو زمهن ریاست کی ملکیت مهن آئی . نثر قانون کے مطابق اِندراج ریاست بھر میں تیزی کے ساتھ پورا کیا جا رها هي .

किसानों का गीत

बर घरती, यह जीवन सागर, यह संसार हमारा है, श्रम्त बादल बनके उठे हैं पर्वत से टकरायेंगे. सेतों की हरियाली बन कर छवि अपनी दिखलायेंगे, दुनिया का दुख सुख अपना कर दुनिया पर छा जायंगे. हम खुद ही तक़ंदीर हैं अपनी अब अपना ही सहारा है, बह घरती, यह जीवन सागर, यह संसार हमारा है. — मसऊद अक्तर 'जमाल'

کسانوں کا گیت

یہ دھرتی' یہ جھوں سائر' یہ سفسار ھمارا ھ' امرت بادل بن کے آتے ھیں پربت سے ٹکرائیں کے۔ کھھٹوں کی ھریائی بن کر چھھی اپنی دکھٹئیں گے' دنیا کا دکھ سکھ اپنا کر دنیا پر چھا جاٹیں گے۔ ھم شود ھی تقدیر ھیں اپنی اب اپنا ھیسہارا ھے' یہ دعرتی' یہ جھوں سائر' یہ سفسار ھمارا ھے۔

ــمسعود اختر جمال

جين زميدداروں کے ياس صرف هو أيكو ومهورسے لهكر بارة أيكو ومدورتك خود كاشت زمين هے ولا أس زمهين كو كسى دوسريم کے نام فہیں کر سکتے اور سب صورتوں میں زمین کی ملکیمت یا اسمیں کوئی حق سرکار سے دہلے اچازت لےکر کسے دوسرے ك دام كها جا سكتا هي ليكن بغير سركار كي إجازت كينهين. كسى وقمت بھى كوئى زميندار يونے 23 ليكو سے زيادہ ومهن كا مالك بههي هو سكتا أور كوئي كسان بهس أيكو سے زیادہ زمین أنهے یاس نہیں رکھ سکتا ، اگر کسی علاقے کے کسی روایم کے مطابق یا اس وقت کے کسی قانون کے مطابق کسی کے پاس ہونے 23 ایکو بیا 20 ایکو سے زیادہ زمهن أ كدُى هو تو أتلى زيادة زمهن ضبط صنجهى جاوي کی ، یہاں زمون میں جلکل کی زمیلیں اور پرتی زمیلیں شامل ھیں ، لیکن جس زمین کے آریز کسی گؤں میں یا شهر میں کوئی مکان بنا ہوا ہو یا جو زمین کسی ایسے مکان وقهرا سے سمجادہ رابعی هو وہ شامل تهين ۾ ،

هم یه اوبر دانها چکے هیں که زمین کے بحجولیوں کو ختم کو دیتے کا هماوا یه مطلب نهیں تها که زمینداوں سے ان سب کی ز-ینیس جهیں لی جائیں ، هر رمینداو کے پاس ایے باغیجوں ایندهن اور گهاس کے میدانوں کے علاوہ انتی کاهت کی زمین رہے جس سے اُس کا اور اُس کے لهر والوں کا اُچھی طرح گنارہ هو سکے، نگے قانون کا مطلب صرف یه ہے که ایک خاص حد سے زیادہ زمین کسی کے پاس نه هو اور ناتها اُے رہ کو دوئی دوساوں کی محصلت پر میش نه کرے ،

یه سوال که جو زمیلیس زمیتداروس سے چھیتی گئی هیس ان کا کوئی معاوضہ آنھیس دیا جائے یا نه دیا جائے هم نے ریاست کی کاسٹی توایشت اسمبلی کے فیصلے پر چھوو دیا اس کے بعد همارے یہاں کی کانسٹی توایشت اسمبلی ایک وائے سے یہ فیصله کر چکی ہے کہ جو زمیلیس زمینداروں سے لے لی گئی میں ان کا آبھیں کوئی معاوضہ نہیں دیا جائے ، پھر بھی جس دن اسمبلی نے یہ فیصله کیا اس جائے ، پھر بھی جس دن اسمبلی نے یہ فیصله کیا اس دن تک ریاست کی سرکار پرانے زمینداروں کو سالانه رقمیس مالکذاری کا تین چوتھائی اور دوسرے سال یا سال کے مالکذاری کا تین چوتھائی اور دوسرے سال یا سال کے حصے کے لئے مالکذاری کا دو تیائی سب زمینداروں کو دیا گھا ، لیکن کسی صورت میں بھی یہ سالانه رقم کی گھا ، لیکن کسی صورت میں بھی یہ سالانه رقم

جمو آور کشمهر ریاست مهن چورانوے هزار چار سو اکیٹر مربع میل کے آندر نو هزار گاون هیں۔ آن نو هزار گاؤں کی نوے فی صدبی آبادی کههتی سے آپنی روزی جالتی ہے، کههتی کی کل زمهان کا

जिन क्रमींदारों के पास सिर्फ दो एकड क्रमीन से ले कर बारह एकड़ जमीन तक खदकारत जमीन है वह उस जमीन को किसी दूसरे के नाम नहीं कर सकते और सब सुरतों में जमीन की मिल्कियत या उसमें कोई हक सरकार से पहले से इजाजत ले कर किसी दूसरे के नाम किया जा सकता है लेकिन बरौर सरकार की इजाजत के नहीं. किसी बन्नत भी कोई जमींदार पोने 23 एकड़ से जियादा जुमीन का मालिक नहीं हो सकता. और कोई किसान 20 एकड़ से जियादा जमीन अपने पास नहीं रख सकता. अगर किसी इलाक़े के किसी रिवाज के मुताबिक या उस वक्त के किसी कानून के मुताबिक किसी के पास पीने 23 एकड़ या 20 एकड़ से जियादा जमीन आ गई हो तो उतनी जियादा जमीन जन्त समभी जायेगी. यहां जमीन में जंगल की जमीने और परती जमीने शामिल हैं. लेकिन जिस जमीन के ऊपर किसी गांव में या शहर में कोई मकान बना हुआ हो या जो जमीन किसी ऐसे मकान वरौरा से सम्बन्ध रखती हो वह शामिल नहीं है.

हम यह ऊपर दिखा चुके हैं कि जमीन के विचौलियों को खतम कर देने का हमाग यह मतलब नहीं था कि जमींदारों से उन सब की जमीनें छीन ली जायं हर जमींदार के पास अपने बागीचों, देंधन और घास के मैदानों के अलावा इतनी कारत की जमीन रहे जिससे उसका और उसके घर वालों का अच्छी तरह गुजारा हो सके. नए क़ानून का मतबल सिर्क यह है कि एक खास हद से जियादा जमीन किसी के पास न हो और निटुक्ने रह कर कोई दूसरों की मेहनत पर ऐश न करे.

यह सवाल कि जो ज़मीनें जमीदारों से छीनी गई हैं उनका कोई मुद्राविजा उन्हें दिया जाय या न दिया जाय हमने रियासत की कान्सटीटुएन्ट ऐसेम्बली के फैसले पर छोड़ दिया. इसके बाद हमारे यहां की कान्स्टीटुएन्ट ऐसेम्बली एक राय से यह फैसला कर चुकी है कि जो जमीनें जमीदारों से ले ली गई हैं उनका उन्हें कोई मुत्राविजा नहीं दिया जाय. फिर भी जिस दिन ऐसेम्बली ने यह फैसला किया उस दिन तक रियासत की सरकार पुराने जमीदारों को सालाना रक्षमें या पेन्हानें देती रही. पहले साल के लिये उस जमीन की मालगुजारी का तीन चौथाई और दूसरे साल या साल के हिस्से के लिये मालगुजारी का दो तिहाई सब जमीदारों को दिया गया. लेकिन किसी सूरत में भी यह सालाना रक्षम 3000 हपए से जियादा किसी को नहीं दी गई.

जम्मू और कश्मीर रियासत ने चौरानवे हजार चार सौ इकहत्तर मुख्या मील के अन्दर नौ हजार गांव हैं. इन नौ हजार गांवों की नव्ये की सदी आबादी खेती से अपनी रोजी चलाती हैं. खेती की कुल जमीन का प्रमीन का मालिक बना दिया गया. जो मालगुजारी बरौरा उस बक्त जमीदार से ली जाती थी वही अब किसान से ली जायगी और इसके अलावा रुपए में चार आने के हिसाब से उसे एक जास टैक्स (स्पेशल लैन्ड डेवलपमेन्ट सेस) और देना होगा. इस टैक्स की सारी आमदनी उस किसान की जमीन को बेहतर बनाने और उसे खेती में मदद देने के काम में खांचे की जायगी.

वह सब जमीने जिन पर से जमीदार का हक तो स्ततम हो गया लेकिन जो किसी भी किसान की कारत में नहीं थीं रियासत की मिल्कियत समभी गई और वह सब इस तरह के खेती मजदूरों में बांट दी गई जिनकी अपनी कोई जमीन नहीं थीं और जो सिर्फ दूसरों के लिये भजदरी करते थे. इस तरह हमारे यहां श्रव कोई बेजमीन किसान नहीं रह गया. नया कानून उन जमीनों पर भी लागू होता है जो शरनार्थियों या पनाहगुजीनों के क्रवर्षों में थीं या जो दुश्मन के एजेन्टों के हाथों में थीं और जिन्हें रियासत ने जन्त कर लिया. इससे पहले जमीदार को जितने इक या अधिकार अपनी जमीन पर हासिल थे जिसमें दरकत, कुएं, तालाब, जूहड़, नहरें और रास्ते सब शामिल हैं वह सब अब नए मालिक यानी असल जीतने वाले किसान की मिल गए. लेकिन अगर इन पर जमीधार ने कोई क़र्जा ले रक्ला था तो नए मालिक का उस क्रुपें से कोई सम्बन्ध नहीं. जमीन के ऊपर नए मालिक के इफ़ को किसी दीवानी या रेविन्यू अदालत की किसी हिन्नी या किसी हुक्म के अमल दरआमद में न कर्क किया जा सकता है और न दूसरे को बेचा जा सकता है. अगर षद क्रमीन किसी दूसरे को दे दी गई थी तो वह देना विलाना भी रष्ट ठहरा दिया गया.

जिन जमींदारों को पहले से यह मालूम था कि उनकी पामीने छिनने वाली हैं उनमें से कुछ नए श्राने वाले क़ानून का पहले से मुकाबला करने के लिये किसान और सरकार दोनों को चकमा देने के लिये तरह तरह से जमीनों को दसरों के नाम कर दिया था और अदालतों से दूसरे लोगों के इक़ में मिल्कियत के हुक्मनामे और डिग्रियां भी द्यासिल कर ली थीं. इस शरारत का मुक़ाबला करने के लिये नए क़ानून में यह बात भी शामिल कर दी गई कि शुक् बैसास सन 2005 यानी 13 अप्रैल सन 1947 के बाद किसी अदालत ने भी अगर कोई हुक्म इस तरह का दिया हों या डिमी जारी की हो जिससे कोई जमीन किसी दूसरे के नाम कर दी गई हो या किसी दूसरे को प्रमीन का ऋषणा दिला दिया हो तो अगर यह पता चलेगा कि इस तरह का जमीन का तबादला आने वाले क्रांनून के मतलब की रह करने के लिये किया गया है तो बस तबादले, उस हक्स या हिमी को रह समका जायगा. ومهن کا مالک بنا دیا گیا ، جو مالکاری وههوا کس وقع املی وقی اب کسان سے لی جائیکی اور اس کے علاوہ رویئے میں جائی کے علاوہ رویئے میں جار آنے کے حساب سے آسے ایک خاص تیکس (اسپیشل لیفڈ دیولپ ملت سیس) اور دینا هوگا ، اس تیکس کی ساری آدنی اس کسان کی زمین کو بہتر بنانے اور اسے کو میں خوج کی اس کو بین خوج کی جائیگی ،

ولا سب زمیدیں جن پر سے زمیددار کا حق تو کہم هوگها لهکن جو کسی بهی کسان کی کاشت میں نهیں تههن ریاست کی ملکیات سمجهی گئین اور ولا سب اس طرم کے کھیلائی مزدوروں میں بانت سیکٹیں جن کی ایلی کوئی زمهن نهیں تھی اور جو صرف دوسروں کے لئے مودوری کرتے تھے ، اس طرح همارے بہاں آب کوئی بے زمین كسان نهيم ره كيا ، نها قانرن أن زمهدون در بهى لأكو هوتا ھے جو شرنارتھیوں یا پناہ گزیدوں کے قبضے میں تعین یا جو دھمن کے ایجائٹوں کے ہاتھوں میں تھیں اور جامهیں ہیاست نے ضبط کو لیا ، اس سے پہلے زمهندار کو جملے حق یا ادههای اینی زمین پر حاصل ته جس میں درخت کلولهن تالآب جومع نهريس اور راسع سب شامل ههن ولا سب أب بدر مالك يعلى أصل جوتال وألي کسان کو مل گئے ، لیکن اگر أن پر زمهددار نے کوئی قرضه لے رکھا تھا تو نیے مالک کا اُس قرضے سے کوئی حمدلدہ نہیں ، زمین نے اوپر نگے مالک کے حق کو کسی دیرانی یا ایہ نہو مدالت کی کسی ڈگری یا کسی حکم کے عمل درآمد مهى نه قرق كها جا سكتا هے اور نه دوسرے ,كو بينچا جا سكتا هي . اگر وه زمين كسى دوسرے كو دے دي كئى تهى تو وه ديفا دلانا بهي رد تههراً دينا گها .

چن زمیقداری کو پہلے سے یہ معلوم تھا کہ اُن کی زمیقی چھٹنے والی ھیں اُن میں سے کچھ نئے آنے والے قانون کا پہلے سے مقابلہ کرنے کے لئے کسان اور سرکار دونیں کو چکمہ دینے کے لئے طرح طرح سے رمیئوں کو دوسردل کے نام کو دیا تھا اور عدالتیں سے دوسرے لوئوں نے حق میں ملکھیت کے حکم نامے اور تأریاں بھی حاصل کو لی تھیں ملکھیت کے حکم نامے اور تأریاں بھی حاصل کو لی تھیں اُس شراحہ کا مقابلہ کونے کے لئے نئے قانون میں یات بھی شامل کو دی گئی کہ شروع بیساکہ سن 2005 یعلی آئے وائے حکم اس طرح کا دیا ھو یا تاکری جاری کی عو جس سے کہئی وسی دوسرے کو زمین کا قبضہ دلا دیا گیا ھو تو اگر کوئی یہ پہتے جانے گا کہ اس طرح کا زمین کا تبادلہ آنے وائے کیا گیا ھی تو اس یہ پہتے جانے گا کہ اس طرح کا زمین کا تبادلہ آنے وائے کیا گیا ھی تو اس یہ پہتے جانے گا کہ اس طرح کا زمین کا تبادلہ آنے وائے گانوں کے مطلب کو رد کرنے کے لئے کیا گیا ھی تو اس تبادئے کیا گیا ہی تو دستجھا جائیگا ۔

Maria Maria Company

1 1 1 2 2 3 4

. 1

मुलाषियों के साथ साज बाज करके इस तरह की जमीनों को भी जो दूसरे किसानों के कारत में होती थीं अपनी खुद कारत लिखा लेते थे. इस जुरुम से किसान को बचाने के लिये नए क़ानू में यह बात शामिल कर दी गई कि अगर किसी भी पटवारी के कागज या सरकारी कागज में किसी जमींदार की खुद कारत जमीन साढ़े बारह एकड़ से जियादा लिखी हुई होगी तो उस इन्द्राज को गलत माना जायगा.

पिछले पन्द्रह बरस के अन्दर बड़े बड़े फर्मीदारों के जुल्म और जमीनों पर उनके क़ब्जे बढ़ते जा रहे थे. यहां तक कि बहुत सी ऐसी जमीनों पर भी जो 'शामिलात' कहलाती यों और जो सारे गांव की मिल्कियत मानी जाती थीं बड़े बड़े जमींदारों ने क़ब्जा कर लिया था और कहीं कहीं तो बाहर के ऐसे लोगों के हाथ उन्हें बेच दिया था या रहन रख दिया था जिनका इस जमीन से कोई सम्बन्ध नहीं था और न जिन का उस पर कोई हक़ था. लाचार और रातीब किसान कुछ न कर सकते थे और अगर उन में से कोई कुछ हाथ पैर मारता भी था तो क बहरियों के तरीक़े और क़ानून की पेचीदिगयों उन के रास्ते में दीवार बन कर खड़ी हो जाती थीं. सरकार ने पुराने क़ानून को बदल कर 'शामिलात' जमीनों की इस तबाही को भी खतम कर दिया.

13 जुलाई सन 1950 हमारे शहीदों के दिन की उन्नीसवीं साल गिरह थी. उस दिन सरकार ने यह तारीखी फैसला कर दिया कि जो जिस जमीन को जोते बही उस जमीन का मालिक और उसी के, नाम जमीन की मिल्कियत का इन्दराज होना चाहिये. 17 अक्तूबर सन 1950 को बड़ी जमींदारी अन्त कानून (बिग लैन्डेड स्टेट्स अबालिशन ऐक्ट) पास हुआ जिसे किसानों का मैगनाचार्टा यानी महान अधिकार पत्र कहा जा सकता है. इस क्रानून ने रियासत के जमीन के इन्तजाम में एक जबरदस्त इन्क्रलाब पैदा कर दिया है. यह एक बहुत बड़ा तजुरबा है. इस में गांव की सारी जिन्दगी को समाजी बराबरी और माली इन्साफ की नई बुनियादों पर खड़ा करने की कोशिश की जा रही है.

इस नए क़ानून के मुताबिक हर जमींदार को अपने बारीचों, बास के मैदानों और ईधंन के ज़रूरी जंगलों के अलाधा सिक पौने तेइस एकड़ तक जमीन अपने पास रखने का हक है. जिस किसी के पास इस से जियादा जमीन है उसका बाक़ी सब जमीन पर से इक मिल्कियत जातम कर दिया गया है और वह सब जमीन उन किसानों की मिल्कियत करार दे दी गई जो उसे जोतते हैं. इसके लिये खरीक सन 2007 यानी सितम्बर-अक्तूबर सन 1950 की कारत को ठीक मान लिया गया. खरीक सत 2007 में जो किसान जितनी जमीन को जोतता या वही अब हमेशा के लिये उस

مقزص کے ساتھ ساز باز کرکے اُس طرح کی زمیدیں کو بھی جو حوسرے کسانوں کے کاشت میں ھوتی تھیں اُپلی خود کائیمی لکھا لکھا لیکے تھے۔ اُس طلم سے کسان کو بچائے کے لگے تھے۔ اُس طلم سے کسان کو بچائے کے لگے تھے۔ اُلے اُس کا اُل کہی کا اُل کسی زمیددار بھی باتواری کے کافل یا سوکاری کافل میں کسی زمیددار کی خودکائیت زمین سازیے بارہ ایکو سے زیادہ لکھی ھوئی موکی تو اُس اِندراج کو شلط مانا جائیگا ۔

یجھلے پلدرہ برس کے اندر برے بڑے زمھلداروں کے ظلم اور زمھلوں پر اُن کے قبضے بوھکے جا رہے تھے ، یہاں تک کہ بہت سی ایسی زمیلوں پر بھی جو 'شاملات' کہلاتی تھیں اور جو سارے گاؤں کی ملکیت مانی جاتی تھیں ہوے بوے زمھلداروں لے قبضہ کر لیا تھا اور کہیں کہیں تو باھر کے ایسے لوگوں کے ھانھ اُنہیں بیچ دیا تھا یہا رھی رکھ دیا تھا جن کا اُس زمین سے کوئی سمبلدھ نہیں تھا اور نہ جن کا اُس پر کوئی حق تھا ۔ الہار اور فریب کسان کچھ نه کوسکتے تھے اور اگر اُن میں سے کوئی فریب کسور کے فراحی تھا تو کچھریوں کے طریقے اور کوہی خواتی تھیں ۔ سرکار نے پرائے قانون کو بدل کر تشاملات' ھو جاتی تھیں ۔ سرکار نے پرائے قانون کو بدل کر تشاملات' ومیشر کی اِس تجاھی کو بھی ختم کر دیا ،

13 جولائی سن 1950 همارے شہیدرں کے دن کی أنیسویں سالگرہ تھی۔ اُس دن سرکار نے یہ تاریخی فیصلہ کودیا کہ جو جس زمین کو جوتے رهی اُس زمین کا مالک اور اُسی کے نام زمین کی ملکیت کا اِندراج هونا چاہئے۔ 17 اکتوبر سن 1950 کو ہوی زمیلداری انت قانون (یک لیقد استیاس ایبالیشن ایکت) پاس هوا جسے کسانیں کا میکلاچارٹا یعلی میان ادعیکار پتر کہا جا سکتا ہے ۔ اِس قانون نے ویاست کے زمین کے اِنگظام میں ایک زبردست انتقاب پیدا کردیا ہے ۔ یہ ایک بہت ہوا لیک تجربہ ہے ۔ اِس میں گاؤں کی ساری زندگی کو سماجی لیرابری اور مالی اِنصاف کی نگی بنیادوں پر کہوا کرنے کی برابری اور مالی اِنصاف کی نگی بنیادوں پر کہوا کرنے کی برابری اور مالی اِنصاف کی نگی بنیادوں پر کہوا کرنے کی

اِس نیکے قانوں کے مطابق ہر زمیندار کو آپے یافیچوں کا گھاس کے میدانوں اور ایندھن کے ضروری جنگلوں کے علاوہ صوف پونے نیس ایکو نک زمین آپے یاس رکھنے کا حق ہے، جس کسی کے پاس اِس سے ریادہ زمین ہے اُس کا بالی سب زمین پر سے حق ملکیت حتم کر دیا گھا ہے اور وہ سب زمین اُن کسانوں کی ملکیت قرار دیدی گئی جو اُسے جونٹے ہیں اِس نے لئے خریف سن 2007 اُسے جونٹے ہیں اِس نے لئے خریف سن 2007 میں جو کسان میاں لیا گیا ، خریف سن 2007 میں جو کسان حکلی زمیں دو جونٹا تھا وہی آب ہیں ہیں کے آس

The Richard Street

and the second of the second o

کئے ہر جب تک دیھی کے کسائیں کو سالی آزادی نہیں ملای تب تک دیمی کی ترقی ناسکی ہے۔ گورنمائت نے قوراً قیصلہ کر لہا کہ زمیوں کا مالک وہی ہوتا جاهلتے جو أسے جوتے اور أس پر كام كرے اور كوئى نتهلى جماعت جو خود مصلت نع کرے اور دوسروں کی مصلت کے سہارے صوبہ اُواوے کسان کے سر پر نبھوں وہلی جاہلے۔ یہی لگے کشمیر کے بھوسی سدھار کی تجویز تھی ایس کے ڈیعے سے سرکار ویاست کے اندر کھیٹی کے کام کو نگے اور زیادہ اچھے طریقے پر چلانے اور کسانوں کے رهبی سپن کو أولنها كرنے كى أمهد كرتى هے ، هماري إس تجويز كے دو پنیادی اصول تھ — (1) زمینداری کو ختم کرنا اور (2) جو زمین کو جوتے أسے هي زمين كا مالك تهيرانا . هم نے یہ بھے دیکھ لیا تھا کہ کسان کے پاسی ایٹی زمھن کی پیداوار بوھائے کے لئے کیول سادھنوں کی ھی کمی نہ تھی ا اس کے پاس اُتساد اور همت کی یہی کمی تھی، وہ نہیں سبجه سكتا تها كة كهون أور آخر كس كے لئے متعلت كرے. ارر پھر ایک دوسرے کے ہمد اُس کی متعلت کا پھل اُس سے جمہللے کے لئے نالملے لوگوں کا سلسلہ بلدھا ہوا تھا جهسے جاگهردار' معاقم دار' زمیندار وقیرہ ۔

نئی سرکار نے زمیلداری ختم کرنے کے لئے پہلا کام یہ کها که سب جاگهرداریوں کو ختم کرکے اُن پر قبضه کرلها . اُسی کے بعد سرکار نے سب معافیوں کو خدم کیا اور زمهوں کی پیداوار سے جن لوکوں کی نقد راسیں بندھی مولی تههن جلههن امتروی کهتی ته أنههن بهی سرکار ندختم کر دیا ، صرف ولا معاقبان اور مقرریان رهیے دی تکین جن کا دھارہ ک سلستھاؤں کے ساتھ سمھندھ تھا، اِس کے بعد سرکار نے ریاست کے کھیٹی قانون (ٹینلسی لا) کو یدلا، برائے قانرن کے مطابق کسان کو جب چاھا آس کی زمین سے بےدخل نیا جاسکتا تھا ، نئے سدھار کے ذریعے یہ ید شامی بند کردی گئی اور کسانس کو ایک طرح کا یکا حق ایلی ایلی زمین پر دے دیا گھا . کسان کے لئان کو بھی ٹھیک ٹھیک مقرر کر دنیا گیا، یہ طے کر دنیا گیا کہ جن کسانیں کے پانس ساویے ہارہ ایکو سے کم زمون ہے أور سے اصلی بیداوار کا آدھے سے زیادہ لکان نه لها جارے ارد جن کے یاسر سارھے بارہ ایکو سے زیادہ زمین ہے اُن سے سهنچائی کی زمهنی کی صورت میں اصل پیداوار کا ایک بهوتهائی اور فیو سینجائی کی زمینوں کی صورت میں امل پهداوار کا ایک تهائی سے زیادہ لکان کسی سے نہ لعا جائر.

ارس سے پہلے ناتھانے وسیندار ایک شرارت اور کھا کرتے اتھے ، وہ انگر جھیوائے سرکاری افسروں اور سرکاری

गई परं जब तक देश के किसानों की माली आजादी नहीं मिलती तब तक देश की तरक्षकी नामुकिन है. गर्वनमेन्ट ने फीरन फैसला कर लिया कि जमीन का मालिक वही होना चाहिये जो उसे जोते और उस पर काम करे और कोई निट्टल्ली जमात जो खुद मेहनत न करे और दूसरों की मेहनत के सहारे मौज उड़ाने किसान के सर पर नहीं रहनी चाहिये. यही 'नए कश्मीर' के भूमि सुधार की तजवीज थी. इसके जरिये से सरकार रियासत के अन्दर खेतीके काम को नए और जियादा अच्छे तरीक़े पर चलाने और किसानों के रहन सहन को ऊंचा करने की उम्मीद करती हैं. हमारी इस तजवीज के दो बुनियादी उसूल थे. (1) ष्मिंदारी को खतम करना (2) जो जमीन को जोते उसे ही जमीन का मालिक | ठहराना. हमने यह भी देख लिया था कि किसान के पास अपनी जमीन की पैदावार बदाने के लिये फेबल साधनों की ही कमी न थी, उसके पास जत्साह और हिम्मत की भी कमी थी. वह नहीं समभ सकता था कि क्यों और बाखिर किसके लिये मेहनत करे. और फिर एक दूसरे के बाद उस की मेहनत का फल उससे छीनने के लिये निटुल्ले लोगों का सिलसिला बंधा हुआ था जैसे जागीरदार, माफीदार, जमीदार वरौरा.

नई सरकार ने अमीदारी खतम करने के लिये पहला काम यह किया कि सब जागीरवारियों को खतम कर के उन पर कब्जा कर लिया. उस के बाद सरकार ने सब भगिकयों को खतम किया और जमीन की पैदाबार से जिन लोगों की नक़द रक़में बंधी हुई थीं, जिन्हें 'मुक़र्ररी' कहते धे उन्हें भी सरकार ने खतम कर दिया सिर्फ वह माफियां और मुक्तरेरियां रहने दी गई जिनका धार्मिक संस्थाओं के साथ सम्बन्ध था. इसके बाद सरकार ने रियासत के खेती क्तानून (टिनैनसी ला) को बदला पुराने कानून के सताबिक किसान को जब चाहा उसकी जमीन से बेदखल किया जा सकता था. नए सुधार के पारिये यह बेदजली बन्द कर दी गई और किसानों को एक तरह का पक्का इक अपनी अपनी अमीन पर दे दिया गया किसान के लगान को भी ठीक ठीक मुक्रेर कर दिया गया. यह तय कर विया गया कि जिन किसानों के पास सादे बारह एकड़ से कम जमीन है उनसे असली पैदाबार का आधे से जियादा लगान न लिया जावे. श्रौर जिन के पास साढ़े बारह एकड़ से जियादा जमीन है उनसे सिचाई की जमीनों की सुरत में असल पैदाबार का एक चौथाई और ग़ैर सिचाई की जमीनों की सरत में असल पैदाबार का एक लिहाई से जियादा लगान किसी से न लिया जाय.

इससे पहले निट्ठल्ले जमीदार एक शरारत और किया इस्ते थे. वह अकसर झोटे सरकारी अकसरों और सरकारी

Kang Cura Land

نه روا<mark>م د اوران این اوران این اوران این اوران </mark>

"मानते हैं इस्ताद तुम्हें भी" ठाकुर साहब ने सराहना की.

ज्खमी सुक्खी होश में बाने के बाद सीच रहा था— धरती किसकी ?—ज्मीदार की या किसान की—सुक्खी की या दुक्खी की.

रात को गांव के सारे किसानों की पंचायत हुई. दुक्सी और मुक्सी गले मिले. मुक्सी ने अपना तजुरबा बताया और सब ने मिल कर क्रसम खाई कि वह कभी लालच में नहीं फर्सेंगे, आपस में कभी नहीं लड़ेंगे, अपना संगठन करेंगे, एक ताक़त बनेंगे, जुल्म के सामने एक चट्टान बन जायंगे!

—मुजीब रिजवी

''مانتے میں اُستاد تبہیں یہی'' تُھاکر صاحب لے۔ سراھنا کی ا

رہمی سمہی هرهی میں آنے کے بعد سرچ رہا تھا۔۔۔ دھرتی کس کر ؟۔۔۔زمیندار کی یا کسانکی۔۔۔سکھی کی یا دکھی کی ،

وات کو گاؤں کے ساوے کسانوں کی پلتھایت ہوئی ۔
دکھی اور سکھی گلے ملے ، سکھی نے آیفا تحویه بھایا اور
سب نے مل کو قسم کھائی که ولا کھپی لالچ میں نیش پہنسیں گے' آپس میں کبھی نیش لویں گے' ایفا
مشکھٹن کویں گے' ایک طاقت بنیں گے' ظلم کے ساملے
ایک چٹان بن جائیں گے !

--- مجهب رغاری

जम्मू और कश्मीर रियासत में जमीन सुधार

(एम. ए. बेग, मालगुजारी वजीर जम्मू और करमीर)

जम्मू और करमीर की रियासत में अधिकतर आबादी खेती पेशा लोगों की है. कुल आबादी में सौ पीछे पचासी आदिमियों की रोजी खेती से चलती है.

हमारी अब तक की सभ्यता महाजनी सभ्यता रही है. इस सभ्यता में आम जनता की भयंकर रारीबी का कारन यह है कि धन दौलत पैदा करने के जियादातर साधनों पर थोड़े से ऐसे लोगों का कृष्जा है जो खुद मेहनत नहीं करते और दूसरों की मेहनत पर मोटे होकर निट्ठल्लेपन में अपने दिन गुजारते हैं. इसी बजह से आम जनता के रहन सहन का दंग दिन पर दिन गिरता चला जा रहा है और उनकी रारीबी श्रोर नायारी तेजी से बदती जा रही है. यही हालत करमीर की थी. इन निट्ठल्ले जमींदारों और अपना पसीना वहा कर नाज पैदा करने वाले किसानों के बीच साहकारों और दूसरे विचीलियों का एक सिलसिला था जिसकी वजह से कश्मीर के किसान की कमर कर्जें से दूद जाती थी और खेती के काम में किसी भी तरह की तरक्की नासुमकिन थी. पैदाबार घट रही थी और किसानों की हालत बद से बदतर होती जा रही थी.

करमीर की मौजूदा गर्वनमेन्ट नेहकूमत की बाग अपने हाथ में लेते ही देखा कि देश को राजकाजी आजादी तो मिल

جمو اور کشمیر ریاست میں زمین سدهار

(ایم ، اے ، بیگ مالگؤاری وزیر جمو اور کشمهر)

جدو اور کشتیر کی ریاست میں ادھکتر آبادی کھیٹی پیشہ لوگوں دی ہے ، کل آبادی میں سو پھچھ پچاسی آدمیوں کی روزی کھیٹی سے چلتی ہے ۔

هماری آب تک کی سبهیتا مہاجئی سبهیتا وهی هم اس سبهیتا وهی هم اس سبهیتا میں هام جنتا کی بهینکر فریدی کا کارن یہ هے کہ دهن دولت پیدا کرنے کے زیادہ تر ساده نوں پر تہارے سے ایسے لرگوں کا تبقہ ہے جو خود محصلت نہیں کرتے اور دوسروں کی محصلت پر موتے هوکر نقیلے بن میں آئے دن لاآرتے هیں، اسی وجہ سے مام جنتا کے وهن سبورکا ذمنگ دن پر دن گرتا چا جا رها ہے اور ان کی فریمی اور ناداری تیوی سے پوعتی جا رهی ہے، یہی حالت کشمیر کی تہیں۔ اس نقیلے زمینداوں اور آینا پسینہ بہاکر ناچ پیدا کرنے والے کسانی کے بیچے ساهوکاوں اور دوسرے بچولیوں کا آیک سلسانہ تھا جس کی وجہ سے کشمیر کے کسان کی کمر قوفیے سے لوت جاتی تھی' کہیتی کے کام میں کسی بھی طرح کی سے لرقی جاتی تھی' کہیتی کے کام میں کسی بھی طرح کی حرقی تامیکن تھی' کہیتی کے کام میں کسی بھی طرح کی حالت وقی تامیکن تھی۔ پیداوار گھٹ وهی تھی اور کسانیں کی

کشمیر کی موجودہ گورنمٹٹ نے حکومت کی باک افے ماتھ میں لیٹرھی دیکھا کہ دیھرکو زاجکاجی آزادی تو مل

सुक्रदमा श्रुक्त हुआ. एक तरफ के पैरोकार ठाकुर साहब ये और दूसरी तरफ के मीर साहब. जोरों का मुक्रदमा चला. अदालत ने फसल को मुक्रदमे के फैसले तक सरकार के ज़िम्मे कर दिया, और मुख्यिया होने के नाते वह ठाकुर साहब को सौंप दी गई.

मुक्रदमा चलता रहा. गवाहियां होती रहीं. रूपया गलता रहा, दोनों का कर्ज बढ़ता रहा.

मीर साहब की रसीद ने सुक्खी का क़बज़ा बताया, पटवारी के काराज़ ने सुक्खी का साथ दिया. सारा गांव जानता था कि खेत सुक्खी का है लेकिन काराज़ जो कहते हैं वह ठीक कहते हैं!

सुक्खी ने जीत की ख़ुशी में गुड़ बांटा. मंदिर में प्रसाद चढ़ाया दूसरी फसल सुक्खी ने बोई, दिन दिन भर मेहनत करता रहा. दुक्खी भगवान से दुखड़ा रोता रहा और सुक्खी भगवान की लीला को सराता रहा फसल तैयार हो गई. सुक्खी और उसकी घर वाली ने उत्साह के साथ फसल काटी, हर मांग को काटते हुए उन्होंने न माल्म कितने सपने चुने, न जाने कितने महल बनाए.

सब दय गए, सब कुछ खतम हो गया. मीर साहब के आदिमियों ने आ कर खेत को घेर लिया. मीर साहब ने आगे बढ़ कर कहा — 'सुखिया, पहले हमारा हिसाब कर दे तब खेत से लांख उठा."

"में आपका कौड़ी कौड़ी अदा कर दूँगा, बस माड़ कूट कर आपका ही हिसाब करूंगा."

"या तो भाज मेरा पैसा दे, नहीं तो खेत से स्तीका, कें तीसरी बात नहीं जानता."

"कुपा कीजिये, मीर साहब."

"तम कमीनों के साथ पहसान करना हिमाकत है."

"भरो जी लांख गाड़ी में" मीर साहब ने अपने आदमियों को हुक्म दिया.

सुक्खी को भी जोश माया उसने भी झाती फुलाई.

पीछे से एक लठ सर पर पड़ी वह गिर पड़ा. मीर साहब ने बढ़ कर एक काराज पर उसका निशान आंगृहा ते जिया

क्रांस्थ उठ गई. कर्ज बाक़ी रहा और खेत से स्तीका भी क्षी गया

ठाकुर साहब और मीर साहब गले में हाथ डाले ठहाका लगाते वापस हो रहे थे. मीर साहब कह रहे थे— देखा मेरा दिमारा धुम उस रोज़ आकत मोल ले रहे थे. तुम्हारे तरीक़े पुराने हो गए. ज़रा इन नए तरीक़ों को आज़मा कर देखों. बिलकुल गोट ठीक बैठती है. जब साकृत की लड़ाई नहीं है विमाना की लड़ाई है...... दिमना की....."

مقدمه شروع هوا . ایک طرف کے پهروکار تهاکو صاحب تھے اور دوسری طرف کے مهر صاحب ، زوروں کا مقدمہ چھا ، عدامت نے فصل کو مقدمے کے فیصلے تک سرکار کے ذاتے ولا تهاکو صاحب کو سرنمی دی گئی ،

مقدمه جلفا رها ، گوآمهان هوتی رههن ، رویهه کلفاً رها ٔ دوترن کا کرفن بوهفا رها ،

مهر صاحب کی رسید نے سکھی کا آدشہ بتایا' پتواری کے کافلہ نے سکھی کا ساتھ دیا ، سارا گاوں جاتا تھا کہ کھیست دکھی کا ہے ، لیکن کافلہ جر کیاتے میں تھیک کہتے میں !

سب قبے گئے سب کچھ خالم هوگها ، مهر صاحب کے آدمهوں نے آدر کھیت کو گھھر لھا ، مهر صاحب نے آئے ہوھ کو کہا۔ السانی کو دے تب کھیت سے لائکھ آٹھا ۔"

ول_{ه ه}ی آپ کا کوری کوری آداً کر دونکا ، یس مار کرت کو آپ کا هی حساب کرونکا ،''

''یا تو آج میرا پیسه دے' نییںتو کہیت سے اُستعفیٰ' میں تیسری بات نہیں جانکا ۔''

"دريا كيجائي مهر ساهب ."

''تم کمهلوں کے ساتھ احسان کرنا حساقت ہے ۔''

ور پہرو جی لانکہ گاری میں'' میر صاحب نے آیے آدمیوں کو جکم دیا .

سکھی کو بھی جوش آیا ، اُس نے بھی چھاتی پھائی ، پھڑی ، وہ کر ہوا ، مھر پھائی ، پھڑی ، وہ کر ہوا ، مھر صاحب نے ہوہ کر ایک کفٹ پر اُس کا نشان انکرتھائے لیا، وہا اُور کھھت سے استعفیٰ اللہ گئی ، قرض باقی رہا اُور کھھت سے استعفیٰ

بهی هرگیا ،

दिसम्बर '52-जनवरी '53

1 10

السندر 25 - بعاوري 38 ' المناور 152 - بعاوري 183

⁴दुक्की वाला खेत तुन्हें दे दें." 'अनाज से लदा है, सर के ऊपर पेड़ हैं" ठाकुर साहब ने शोशा दिया.

'नहीं सरकार, दुक्खी भैया उसे पुरखों से जोते है. में उसे कैसे ले सकता हूँ" सुक्खी ने कहा

"तुम बिलकुल पागल हो सुक्खी. तुम इस दुन्तिया को नहीं सममते तुम बहुत सीथे हो. दुक्खी बहुत चालाक है. उसका बस चले तो तुम्हारे दो बीघा भी छीन ले.

''जो जैसा करेगा वैसा भरेगा, अपना अपना ईमान !"

दुक्खी ने इनकार का कारन बताया.

मीर साहब कहां हार मानने वाले थे, कोशिश जारी रखते हुए उन्होंने सुक्ली से फिर कहा-'हमारा कहना मान जामी, तुम्हारा कुछ खर्च नहीं होगा, हम पटवारी की मुला कर खेल तुम्हारे नाम करा देंगे. रहा क्रमजा..... वह भाई तुम कर लेना हम बीच में बोलेंगे तो लोग कहेंगे जमीदार किसानों को लड़ाते हैं.....सोच लो जो तुम्हें फ़ायदे की चीज दिखाई पड़े वही करो....."

एक तरफ दुक्खी था, भाई चारा था और खाली ईमान था और दूसरी तरफ.....हरा भरा लहलहाता खेत..... बिना मेहनत का फल खर्च कुछ भी नहीं केवल 'हां' कहने की देर थी...... सुक्खी दुखदा में पड़ गया. उसके दिमारा में भगड़ा होने लगा. उसकी समभ में नहीं आता था कि बह 'हां' कहे या 'नहीं'.

"हमारा कुछ नहीं बिगड़ता. तुम अपना नका नुक्रसान खुद सोच लो.....घर वाली से भी सलाह कर लो..... तुम्हें हम अपना आदमी समभते हैं. इसीलिये चाहते हैं कि तुन्हारे पास भी कुछ खेत हो जायंनहीं तो हमें क्या पड़ी है.....''भीर साहब ने सुक्सी की 'हां' की तरफ एक धक्का और दिया.

किसान द्वार गया. जुर्मीदार की तिकदम जीत गई. श्रमधेरा उजाले पर छाने लगा. सुक्खी दुक्खी के खेत पर क्रबजा करने की नियत से चल पड़ा. हंसिया उसके हाथ में थी और कम्बे पर पुर्ली लठ.

बात ख़ुपके हुई थी. ठाकुर साहब, मीर साहब और सुक की के अस्तावा इस भेद को कोई और नहीं जानता था. फिर भी यह बात दुक्खी को मालूम थी. उसे किसने बताया

यह भी एक भेद है...दुक्खी तैयार था. सुक्खी भी तैयार था, एक ने अपने क़बजे को मज़बूत करने के लिये खेत का कुछ हिस्सा काटना चाहा, दूसरे ने रोका. बातों की गरज में लाठियों की कड़क सुनाई दी. न जाने क्यों भीर कैसे एक तरफ से ठाकुर साहब आ गए और दूसरी तरक से मीर साहब. सुक्ली और दुक्ली अलग कर दिये गय. दोनी की दाय दी गई कि लड़ने के बजाय बदालत से कैसला करा हैं।

⁴⁵دکھی والا کھیمت تمہیں دیے دیں .³⁵

"اناب سے لدا ہے سرکے اربر پہر میں" ٹھاکر صاحب لے

"انهیں سرکارا دکھی بھیا أسے برکھوں سے جوتے ہے، مھی أسے کیسے لے سکتا موں " سکھی لے کہا ،

"تم بالمل باكل هو سمهى . تم إس دنها كو تهها سمجهای.....لم بهم سیده هو ، دکهی بهت جالکه. أس كا يس چلے تو تمہارے دو بدكها بهي چهدن له .

"جو جيسا كريم كا ويسا بهريم كا أيقا أينا أيمان!"

دکھی نے افکار کا کارن بتایا . مهر صاحب کہاں هار مانتے والے تھ کوشھی جاری رکھتے هوئے أنهوں نے سکھی سے پهو کھا۔۔"همارا کھقا مان جاء المهارا كنهم خرج نهين هوالا هم يقواري كو الأكر كهمت تمهاري نام كرا ديس كي، وها قبضه....ولا بهائي تم كرلهمًاهم بهج مين بولين كے تو لوگ كهيں كے زميندار كسانون كو لوالة ههن.....سوي لو.....جو تمهون فالدعم کی چیز دکھائی پڑے وہی کروں "

ایک طرف دایی تها بهائی جارا تها اور خالی أيمان تها اور دوسرى طرف....هرا بهرا لهلهانا كهمتبنا متعلت لا يهل . . . خرج کچه بهی نههن کھول 'مان' کہنے کی دیر تھی۔۔۔۔سکھی دکھدا میں پو گھا ۔ اُس کے عاماع میں جھگوا ھوٹے لگا ۔ اُس کی سمجھ مين نهين أنا نها كة وه أهان كهم يا أنهين،

الهمارا كجه تههل بكوتا ، تم اينا نفع لقصان خود سوبے لوں،،،،گهر والی سے بھی صالح کرلو،،،،،تمهوں هم ابنا آدمی سمجھتے میں اسی لئے چاہتے میں کھ تىهارى ياس بهى ئچه كهيت هو جائهى.....نههن تو هدوں کیا یوں ہے ا مهر ساهب نے سکھی کو 'هان' كى طرف ايك دهكا أور ديا .

كسان هار كها . ومهدار كي تكوم جهت كثي. اندههرا أجالي پر چهالے لئا . سكمى دكمي كے كمهت پر قبضه كرلے کی نہت ہے چل ہوا ۔ هنسها اُس کے هاته میں تهی اور كانده پريكوى لگه .

بات چوہ کے هوئی تھی، قهاکر صاحب سير صاحب لرر سکھی کے مقوم اِس بھھد کو کوئی اور نبھی جانگا تھا۔ پہر بھی یہ یات دکھی کو معلوم تھی ، اُسے کس نے بتایايه بهي ليك بهيد هي.....د هي تيار تها . سكهي ہوی تیار تھا ، ایک نے اپنے قبضہ کو مضبوط کرنے کے لئے کھیت کا کجھ حصد کاٹنا چاھا . دوسرے نے روکا . ہاتوں کی گرے میں لاھیوں کی کوک سائی دی. نه جائے کیوں اور کیسے ایک طرف سے تھاکر صاحب آگئے اور دوسری طرف سے مهر صاحب ، سکوي أور دکوي ألگ كو دائے گئے، درنوں کو رائے دی گئی که لولے کے بتجائے مدالمی سے فیصله كرالهور

है. बह श्रन्याय कैसे हो सकता है !" मीर साहब ने मुस्क-राते हुए कहा.

सुक्खी ने ऐसी हुँकार भरी जैसे वह कहना चाहता हो कि यह सब दांव पेंच मेरी समक्त में नहीं त्राते.

मीर साहब की नजर दोबारा सुक्खी पर गई श्रीर वह श्रपने गाव तिकये से उछल पड़े श्रीर बोले—"यह तुम्हारी जियावती है सुक्खी. इनसान इनसान सब बराबर हैं, यह भगवान की देन है कि किसी को उसने राजा बना दिया श्रीर किसी को जांगी. भाई राजा श्रपनी जगह पर रहे श्रीर जोगी श्रपनी जगह पर. वह दोनों एक दूसरे के दुश्मन क्यों हों, दोनों खुश रहें. पर श्रादमी श्रादमी सब बराबर हैं..... यह नहीं हो सकता कि तुम जमीन पर बैठो श्रीर हम गाव तिकया लगाये बैठे रहें....."

भीर साहब ने उठ कर सुक्खी का हाथ पकड़ा और अपनी चारपाई पर बैठा लिया. गांव की हालत, खेती बारी की हालत और न जाने कैसी कैसी बातों की चर्चा चल पड़ी

"त्राज कल खेती का क्या हाल है सुक्खी" मीर साहब ने एका

"मेरे पास तो कुन दो बीघा खेत है सरकार ! उसका होना क्या श्रीर न होना क्या."

"तुम श्रीर खेन क्यों नहीं जीत लेने."

"कौन दे, श्राप ही दो चार बीघा स्रेत दे दीजिये, जब तक जिन्दा रहूँगा, श्रहमान मानुंगा."

"न बाबा! तुम लोगों का कोई एसबार नहीं. जिम प्याले में खाद्योगे उसी में छेद करोगे. खेत लेते बक्त तो मीठे बनोगे श्रीर बक्त निकल जाने पर श्रांख दिखाश्रांगे."

"मीर सहब, वह कोई और होते होंगे. आपने कभी मेरी शिकायत सुनी है ? इननी गड़बड़ हुई, तमाम उधम भवा लेकिन मैं हमेशा अलग रहा. जमींदारी आप लोगों को सुबारक हो, हम तो आपके साया तले जीवन बिताना चाहते है." सुक्खी ने इस नरह कहा जैसे उसे भीर साहब से खेत तो लेना ही है.

"सब का दिमाग खराब हुआ, लेकिन सुक्खी ने कभी बुरा रास्ता इख्रतियार नहीं किया. जमींदार का वही आद्र सत्कार करता रहा.....'' ठाकुर साहब ने सुक्खी की सर्टीकिकेट दिया.

मीर साहब जैसे खुश हो गए श्रीर उन्होंने सुक्खी को थपथपाते हुए कहा—''जो खेत कहो सुक्खी हम तुम्हें दे दें.''

"जो श्राप हमें देंगे, वह खुशी से ले लेंगे, श्राप हमारा ख्याल न करेंगे तो कीन करेगा."

"फर भी बोलो तो" "जो आपकी मरजी." هے . یه انهائے کوسے هو سکتا هے !" مهر صاحب نے مسکراتے هوئے کیا .

سکھی نے ایسی هنکار بھری جھسے وہ کہنا چاهتا هو که یه سب داؤں پھنچ مهری سمنجه میں نچھی آتے ۔

مهر صاحب کی نظر دوباره سکهی پر گئی اور وه اله کاو تکهه سے اُچهل پڑے اور بولے ' یه تمهاری زیادتی هے سکهی اسان انسان سب برابر ههی، یه بهکوان کی دین هے هے که کسی کو اُس نے راجه بنا دیا اور کسی کو جوئی ، بهائی راجه اپنی جگه پر رهے اور جرئی اُپنی جگه پر ، وه دونوں ایک دوسرے کے دشمن گهوں هوں' دونوں خوص وهیں. پر آدمی آدمی سب برابر هیں..یه بهیں هوسکتا که تم زدهن پر بہتھو اور هم گاؤ تکیه لکائے بهتھے رهیں..'' مهر صاحب نے اُتهکر سکهی کا هاته پکوا اور اپنی

میر صاحب نے اٹھکر سکھی کا هاتھ پکڑا اور ایکی چاریائی پر بیٹھا لھا ، گؤں کی حالت کھیتی، باری کی حالت اور نه جانے کیسی کیسی باتوں کی چرچا چل بعد "

ک (د آچکل کههتی کا کها حال هے سکهی " مهر صاحب اللہ موجها .

و مهرے پاس تو کل دو بیکھا کھھت ہے سرکار! اُس کا هونا کیا اور نہ هونا کیا ۔''

" تم اور کهیت کهوں نههن جوت لهاتے ."

دد کون دے' آپ هي دو چار بيگها کهيت دے دينجگے' جب تک زنده رهونگا' احسان مانونگا .''

اعتبار نہیں اوکوں کا کوئی اعتبار نہیں ، جس کیائے میں کہاؤ کے اُسی میں چھید کرو گے ۔ کھھت لیتے وقت تو میتھے بنو کے اور وقت نکل جانے پر آسکھ دکھاؤ کے ۔۔۔۔۔۔''

'' مہر صاحب' وہ کوئی اور ہوتے ہونگے ۔ آپ نے کہهی میری شکایت سلقی ہے ؟ انٹی گونو ہوئی' تمام اُدھم میچا لیکن میں ہمیں ہمیشہ الگ وہا—رسینداری آپ لوگوں کو مہارک ہو' ہم تو آپ کے سایہ تلے جہوں بتانا چاہتے میں'' سکھی نے اس طرح کہا جیسے اُسے میر صاحب سے کہیت تو لیٹا ہی ہے ۔

السب کا دساغ خراب هوا کیکن سکھی نے کبھی برا راسته اختیار نہیں کیا ، زمیندار کا وہی آدر ستکار کرنا رها.... ا تھاکر صاحب نے سکھی کو سرتینکت دیا ، میر صاحب جیسے خرص هولکے اور آنھوں نے سکھی کو تھی تھیاتے هولے کھا—"جو کھھٹ کہو سکھی هم تمہیں دے دیں ۔"

ورجو آپ هديس ديس کے وہ خوشی سے ليس کے آنيا همارا خيال نه کريس کے تو کون کرے گا۔''

"پهر يهي بولو تو ۔" ''چو آنها کي مرضي ۔" ठाकुर साहब इस अधिकार को ताक्षत से लेना चाहते हैं... अपनी ताक़त, पुलिस की ताक़त.....सरकार की ताक़त, सारी ताक़तें उनके पीछे थीं—वह आगे बढ़ते जाते थे और थाना और कोतवाली में मामले को ठीक रखने का मसाला भी सोच रहे थे.

सब मौन थे, शायद बातावरन भी खमोश था.

मौन द्वा, फिजा बदली, किसी ने श्राकर जैसे एक नया मोहरा चल दिया श्रीर सारे खेल का रंग बदल गया— ठाकुर साहब, उनके सिपाही, उनकी बन्दूक, सब के सब घर वापस हो रहे थे—सब कुछ वही था—सिर्फ—गुस्सा नहीं था…...जोश नहीं था…... श्रीर ठाकुर साहब की गरदन में हाथ डाले मीर साहब साथ साथ चल रहे थे. ठाकुर साहब कुछ सुन रहे थे श्रीर मीर साहब कुछ कह रहे थे.

फिर ठाफुर साहब का दरबार लगा, फिर उन्होंने श्रपने कारनामें सुनाने ग्रुरू किये. पहले उन्होंने बर की खोज के क़िस्से सुनाए. बड़ी बड़ी मुसीबतों का सामना उन्हें करना पड़ा, ब मुश्किल तमाम योग बर ढूंढ़ पाए......दस हजार में सौदा तय हुआ......आजकल यह बाजार बहुत गर्म हो गया है.

मीर साहब ने इन सब बातों का समर्थन करते हुए कहा, आज कत बर की बहुत दिक्कत हो गई है..... कोई बात नहीं.....दस हजार में अच्छा बर तो मिल गया... यही रानीमत है.....चलां लड़के के दाम चढ़ा देना.....

"मैंने तो तय कर लिया है कि बीस हजार से कम पर राजी न हूँगा. आख़ीर अशोक का सारा खर्च कहाँ से निकलेगा....."

ठाकुर साहब सारी दिक्कत भूल गए, सारी परेशानियां उनके दिमाग से दूर हो गईं यह सब बुराइया उस समय तक थीं जब उनका जेब कट रहा था, जब तक उनकी चहेती बिना बर के थी... और अब... दूसरों के जेब काटने की बारी थी... दूसरे बापों की चहेतियों का माल तोन उन्हें करना था..... उनहें पीछे मुड़ के देखने की क्या ज़ हरत !

"त्रारे श्रो सुक्खी, सुखी हो" मीर साहब के श्रावाज दी. सुक्खी हर पग पर संकोच करते हुए मीर साहब के पास श्रा गया

''तुम तो दर्शन ही नहीं देते भाई, न जाने क्यों स्नफा हो."

"नहीं साहब, ख़फ़ा होने की क्या बात है और वह भी आप से." ज़मीन पर उकरू बैठते हुए सुक्खी ने उत्तर दिया.

"यह लोग समभते हैं कि श्रब ज्मीदारों से व्योहार क्यों किया जाय. ज्मीदारी खतम हो जायगी." ठाकुर साहब ने चुटकी ली.

"यह लोग जो चाहें समभे, न ज़र्मीदारी खतम होगी और न ज़र्मीदार. किसी का हक कोई आज तक छीन सका ٹھاکر صاحب اِس ادھھکار کو طاقت سے لیٹا چاھٹے ھیں ۔...اپٹی طاقت کی طاقت دیوائی کی طاقت ۔..سرکار کی طاقت ساری طاقتیں اُن کے پھنچھے تھیں۔۔۔وہ آئے ہڑھتے جاتے تھے اور تھانہ کوتوالی میں معاملے کو تھیک رکھنے کا مسالا بھی سوے رہے تھے ،

سب مون تهد شايد وأتاورن بهي خاموش تها .

مون توتا کفا بدلی کسی فی آگر جیس آیک نیا مهوا چل دیا اور سارے که فل ارنگ بدل گیا ۔ تهاکر صاحب آن کے سپاھی آن کی بلدرق سب کے سب گهر واپس هو رهے تھے۔ سب کنچه وهی تها ۔ صوف فضت نهیں تها... ور تهاکر صاحب کی گردن میں هانه دانے میر صاحب ساته ساته چل رهے تھے . تهاکر صاحب کنچه سن رهے تھے اور مهر صاحب کنچه سن رهے تھے .

پھر تھاکر صاحب کا دربار الما پھر اُنھوں نے افی کار نامی سفانے شروع کئے ، پھلے اُنھوں نے درکی کھوچ کے قصیہ سفائے ، پچی ہوی ہوں کو سامقا اُنھیں کرنا پڑا ، بمشکل تمام یوگ پر قعوندھ پائے ... دس ھوار میں سودا طے ھوا ... آبے کل یہ بازار بہت گرم ھوگھا ھے ... آبے کل یہ بازار بہت گرم ھوگھا ھے .

'' میں نے تو طے کر لھا ھے کہ بھس ھزار سے کم پر رافی نه ھونتا ، آخیر اشوک کا سارا خرج کہاں سے نکلے کا''

تهاکر صاحب ساری دقت بهول گیّے' ساری پریشانهاں اُن کے دماغ سے دور هو گئیں ۔ یہ سب برائهاں اُس سے تک تهیں جب آن کا جهب کت رها تها' جب نک اُن کی چههای بفا بر کے تهی ...اور آب . .دوسروں کے جهب کاٹلے کی باری تهی ...دوسرے باپوں کی چههاوں کا مول تول اُنهیں کرنا تها...اُنهیں پهچها حج کے دیکھانے کی کیا ضرورت اُ

'' اربے او سکھی' سکھی ہو'' میر صاحب نے آراز دی . سکھی ہر پگ پر سفکرچ کرتے ہوئے میر صاحب کے پاس آگیا .

" تم تو درشن هی نهیں دیتے بہائی' به جانے کهرن خفا هو."

"نہهں صاحب کفا هونے کی کها بات هے اور وہ پہلی آپ سے ." ومهن پر اکرو بھٹھتے هوئے سکھینے آتر دیا .
" یہ لوگ سنجھتے هیں که اب زمینداروں سے بھوهار کیوں کہا جائے ۔ زمینداری ختم هو جائے گی ." تھاکر صاحب نے چٹکی لی .

" یہ لوگ جو چاھیں سمجھیں' نہ زمینداری خاتم ھولی اور نہ زمیندار ، کسی کا حق کوئی آج نگ چھیں سکا i wae i a a

धरती किसकी ?

ठाकुर साहब की गरज सुनाई दी—"बदमाश की यह मजाल! मेरी करनी का यह फल. सच कहा है किसी ने "कमीनों" के साथ कभी नेकी न करो. मैंने समाज की बुराई सही, दोस्तों के तिरस्कार सहे, सब इनके लिये! मैंने बाप दादा के मंदिर के दरवाजे इनके लिये खोल, इन्हें चारपाई पर बैठाया..... इन्हें सर पर बैठाया..... उसी का नतीजा है....."

ठाकुर साहब का हाथ मूंछों पर था और होंट ऐसे चल रहे थे जैसे सामने लिखी कोई चीज पढ़ रहे हों.

सब जामोश थे, सब पर सन्नाठा छाया हुन्या थाः

"सरकार ! बहुत ही कमीना निकला. मैंने घी माँगा नहीं कि लगा बमकने...... मैंने भी खूब सुनाई. पुरखों की हड़ी भी जल भुन गई होगी."

''बदमाश का मंह क्यों नहीं मीच लिया.''

"सरकार बात तो उसने ऐसी ही की थी! आपका लिहाज कर गया, बस.....नहीं तो ख़ुन की नदी बह जाती...... आपकी बेटी और उसकी छोकड़ी का जोड़......कहता था —ठाकुर साहब की ही बेटी नहीं है, मेरी बेटी भी है. उसकी शादी में घी खर्च करूँगा. ठाकुर साहब को क्यों घी दे हूँ....."

"घी नहीं देगा......घी इसी वक्तन ले लिया तो श्रपने बाप से पैदा नहीं.......चलांश्रो श्रादिमयों को.....चलां, बलो, उठो, बढ़ो.......लुट ली......फिर देख लूंगा...... याना कचहरी समभ लूंगा......कभी हार नहीं मानी...... दुनिया को हँसी का मौका नहीं दूँगा, चलां, बढ़ों, लुट़ों, मारों, चलों, बढ़ों!

आगे आगे ठाकुर साहब थे, उनके एक हाथ में एक नाली बन्दूक थी, श्रीर दूसरा हाथ मूंछों पर था. उनके सिपाही पीछे चल रहे थे. बहुत बड़ा क़िला जैसे उन्हें फतह करना था..... चाल ऐसी थी जैसे फतह तो उनकी ही है... कौन उनको रोक सकता था, कौन उनका मुक़ाबला कर सकता था. दुखी श्रहीर! उसकी क्या मजाल कि ठाकुर साहब के सामने भी श्राप, उसकी कैसे जुरश्रत हो सकती है..... लेकिन कौन जाने, बक्त बहल रहा है......ठाकुर साहब की मांग पूरी होती आई है, उनके बाप ने जो चाहा वह हुआ...उनके बाप ने जो हुक्म दिया वह हुआ श्रीर दुक्खी, दुक्खी का बाप, बाप का बाप श्रीर इसी तरह न जाने कितनी पीढ़ियां हुक्म बजाती आई हैं...लेकिन श्राज ठाकुर से यह आधिकार क्षिन गया था. दुखी ने जुआ उतार फेंकी थी...

ںھوتی کس کی ؟

تهاکر صاحب کا هانه موچهوں پر تها اور هونت آیسے چل رہے تھے جیسے سامنے لکھی کوئی چھڑ پڑھ رہے ھوں. سب خاموش تھے' سب پر سفاتا چھایا ہوا تھا .

'' سرکار ! بہت ھی کمیڈہ نکلا ، میں نے گھی مانکا نہیں کہ لٹا یمکنےمیں نے بھی خوب سفائی ، پرکھوں کی ھڈس بھی جل بھی گئیھوگی ۔''

'' بدمعاش کا مله کیوں نہیں نوچ لیا ۔''

'' سرکار بات تو اُس نے ایسی هی کی تهی ! آپ کا لعصاط کر گها' ہس....نهیں تو خون کی ندی ہے جاتیآپ کی پہنچی اور اُس کی چهوکوی کا جوز..... کہتا تها—تهاکر صاحب کی هی بهتی نهیں هے' مهری بهتی بهی هے . اُس کی شادی میں گهی خرج کروں گا .. تهاکر صاحب کو کهوں گهی دے دوں....''

'' کھی نہھں دے کا…..کھی اسی وقت مہ لے لیا تو آئے باپ سے پیدا نہھں….. باؤ آدمیوں کو...چاو' چاو' چاو' آئھو' بوھو… لوت لو...پھر دیکھ لونکا'…تھامکچہری سمجھ لونکا'…تھامکچہری مانی…دییا کو ھلسی کا موقع نہیں دونکا' چاو' بوھو' لوائو' مارو' چاو' بوھو ا

آگر آگے تھاکر صاحب تھے' اُن کے ایک ھاتھ میں ایک نالی بلدوق تھی اور دوسرا ھاتھ مرنچھوں پر تھا ۔ اُن کے سیاھی پھچھے چل رھے تھے ، بہت ہوا قلعہ جھسے اُنھوں فقتع کرنا تھا، ..چال ایسی تھی جیسے فقتع تو اُن کی ھی ھے...کون اُن کو روک سکتا تھا' کون اُن کا مقابلہ کو سکتا تھا ، دکھی اھھر! اُس کی کھا مجال کہ تھاکر صاحب کے ساملے بھی آئے' اُس کی گیسے جوشت ھو سکتی ھے... کے ساملے بھی آئے' اُس کی گیسے جوشت ھو سکتی ھے... لیکن کون جائے' وقت بدل رھا ھے... تھاکر صاحب کی ھر مانگ پوری ھوتی آئی ھے' اِن کے باپ نے جو چاھا وہ موا' اُن کے باپ نے جو چاھا دکھی' وہ ھوا' اُن کے باپ نے جو چاھا دکھی کا باپ' باپ کا باپ اور اُسی طرح نہ جاے کتلی پورھھاں حکم بجاتی آئی ھیں۔۔۔لیکن آج تھاکر سے یہ پورھھاں حکم بجاتی آئی ھیں۔۔۔لیکن آج تھاکر سے یہ لادھیکو چھون گیا تھا ، دکھی نے جوآ آنار پھیلکی تھی۔۔۔

किसानों ने हर तरह की जमीदारी खतम करने के लिये बहादुरी से लड़ाइयां लड़ी हैं. पर इसके बदले उसे मिली सरकार की जमींदारी, पुरानी जमींदारी में भी आपसी रिश्ते और निजी लिहाज की कुछ न कुछ जगह थी. उसकी जगह श्रब सरकारी नौकर की कड़ाई और शान होगी, क़ानून की पाबन्दी होगी. लगान का बोम वैसे का वैसा बना रहेगा. कम से कम चालीस साल के लिये तो बना ही रहेगा. नया क़ानून बनाने वालों को मालूम था कि लगान का बोम किसानों को पीस डाल रहा है और उसकी श्रदायगी में बड़ी मुश्किलें श्रायंगी. तभी लगान वसूली के लिये सरकार ने वह श्राकितयार श्रपने हाथ में लिये हैं जो शुरू में भारत आए श्रंगरेजों ने अपनाए थे. सम्मन, गिरफ्तारी, नज़र बन्दी, क़ुर्क़ी श्रीर नीलाम लगान वसूली के लिये किसानों को पहले गिरफ्तार नहीं किया जा सकता था. सन 52 में, कांगरेसी राज में जो क़ानून बना है, उसमें गिरफ्तारी का आम अख्तियार है. हालत इससे भी जियादा चिन्ता जनक है, क्योंकि यह जालिम श्राक्तियार काम में लाने के लिये सरकारी अमला होगा और उसकी पीठ पर देहातों भर में फैला कांगरेस का जाल होगा.

नई ज़मींदारी का जन्म

इस तरह इस देखते हैं कि नया क़ानून सामन्ती ज़मींदारी को सरकारी ज़मींदारी में बदल कर धीरे धीरे एक नई जमात खड़ी कर देगा और बड़े जोत वालों की एक नई जमात बना देगा जो कि ज़ियादातर धनी भूमिधर होंगे. श्रसल किसान श्रीर रारीब होते जायेंगे. इसके साथ छोटे ब्योपारी श्रीर रोज़गार वाले भी पिसेंगे. सरकारी ज़मींदारी की परवरिश में मुट्टी भर कुलक या रईस किसान सर्व शक्तमान बन जायंगे.

आगे का रास्ता

उपर की बातों से शायद कुछ लोगों पर यह असर पड़े कि हिन्दुस्तान का किसान एक ऐसी हालत में फंस गया है जिसमें नाउम्मीदी और बदनसीबी के सिवा और कुछ भी नहीं है, पर बात ऐसी नहीं है. आदमी दुनिया के गुरू से अब तक अपनी खुशी और भलाई के लिये कोशिश करता आया है, और कदम कदम उसे कामयाबी मिली है. यही हालत हमारे मुल्क के किसानों की भी है. उनकी ग्रांची दुनिया में वे मिसाल है. सवाल यह है कि इस हालत में तबदीली कैसे की जाय शइस तबदीली की रूप रेखा हमने उपर दे दी है. इस तबदीली की कुंजी भी उसी जनता के हाथों में है जिसके संगठन, त्याग और सत्यामह ने इस देश से अंगरेजी राज को खतम किया, यह रास्ता भी वही त्याग और कुरबानी का रास्ता है.

کساتوں نے مر طرح کی زمیلداری شاتم کرنے کے لئے بہادری سے لوالهاں لوی همیں ۔ پر اِس کے بدلے اُسے ملی سرکار کی ومهنداری پرانی زمینداری مهل بهی آیسی رشتے اور نجی لتحاظ كى كنچه نه كچه جكه تهى . أس كى جُگه اب سرکاری نوکر کی کوائی اور شان هوگی قانون کی پایقدی هوكى . لكان كا بوجه ويسم كا ويسا بقا رهم كا . كم سم كم 40 سال کے لیے تو بلا می رہے گا . بھا قانون بغائے والوں کو معلوم تها که لگان کا بوچه کسانون کو پیس قال رها هے اور اس کی آدائیگی میں بوی مشکلیں آئیں گی . تبهی لکان رصولی کے لئے سرکار نے وہ اختیار اسے هاتھ میں لئے هیں جو شروع میں بھارت آئے انکریزوں نے اپغائے تھے. سمن ' گرفتاری کر تطر بلدی کرور نیام اکان وصولی کے لئے کسانوں کو پہلے گرفتار نہیں کیا جا سکتا تھا ، سن 52 مين كانكريسى رأج مين جو قانون بنا هي أس مين گرفتاری کا عام اختیار فی . حالت اس سے بھی زیادہ جِنْتًا جِنْكَ هِوْ لَهُولِكُهُ يَهُ طَالَمُ أَخَلُهَا لِالْمُ مِهِنِ لِلَّهُ لَهُ لئے سرکاری ممله هوکا اور اُس کی پهته پر دیهاتوں دهر مين يهيلا كالكويس كا جال هوگا .

نئی زمینداری کا جذم

اس طرح هم دیکھتے هیں که نیا قانون سامقتی زیمنداری کو سوکاری زمینداری میں بدل کو دهورے دهورے ایک نئی جماعت کھتی کر دیکا اور بوے جوت والوں کی ایک جماعت بنا دیکا جو که زیاددار دهنی بهومی دهر هونگه ، اصل کسان اور فریب هوتے جائیننگه ، اس کے ساته چهوائی بهویاری اور دورکار والے بھی پسیس گه ، سرکاری زمینداری کی پوروش میں متهی بهر کلک یا رئیسی کسان سروشکتی مان بن جائینگه .

آگے کا راسته

اوپر کی باتوں سے شاید کچھ لوگوں پر یہ ادر پڑے که هدستان کا کسان ایک ایسی جالت میں پھنس گیا ہے جس میں نا امیدی اور بدنصیبی کے سوا اور کچھ بھی نہیں ہے، پر بات ایسی نہیں ہے، آدمی دنیا کے شروع سے اپنی خوشی اور بھائی نے لئے کوشش کرتا آیا ہے، اور قدم قدم اس کامیابی ملی ہے، یہی حالت همارے ملک کے کسانوں کی بھی ہے، اُن کی غریبی دنیا میں یہ مثال ہے، سوال یہ ہے کہ اِس حالت میں تبدیلی کی مہیں تبدیلی کی جائے آ اِس تبدیلی کی میں دیکھا هم نے اوپر دے دبی ہے۔ اس تبدیلی کی کنجی بھی اسی جائے آ اِس تبدیلی کی ختی بھی اسی جلتا کے هاتھوں میں ہے جسکے سلکتھیں کی تباک اور ستیا کرہ نے اس دیھی سے انگریزی راج کو ختم کھا یہ راستہ بھی وہی تبائی کا راستہ ہے۔

पुराने जुमींदार का नया चोला

जमीदारी अन्त क़ानून ने सूबे के किसानों को 22 क़िस्मों की जगह चार कर दिया है. इन चार में से भूमि-धरों श्रीर थोड़े से मीरदारों की खुश किया जा रहा है ताकि वह राज करने वालों की सामाजिक बुनियाद की तरह देहातों में रह सकें. इन भूमिधरों व थोड़ से सीरदारों में कल के जमीदार श्रीर बड़े किसान ही श्रात हैं. सहकारी फार्मी के आर्थिक सुधार, पचायती अदालतों के सामाजिक न्याय श्रीर राजनीति की नेतागीरी इन्हीं लोगों के हाथों में रहेगी. इन की यह ताक़त बंटाई प्रथा जारी रखने की सहलत से बहुत बढ़ गई है. बटाई से छोट किसानों की जो लूट खसोट होगी उसकी तो मिसाल मिलना मुश्किल हो जायगा. पंचायती ऋदालत के जरिये इस जमात ने न्याय, राजनीति त्र्यौर समाज में वैसे ही दुबद्बा क़ायम कर रक्खा है. कांगरेस की देहाती रचना में बनी हुई यह जमात जमींदार की शकल में न आ कर फिर देहातों के प्रबन्ध में श्रोहदेदार बन कर श्रायगी. श्रीर इन श्रोहदेदारों के अस्त्रियार पहले से बहुत जियादा बढ़ा दिये गए हैं. इस तरह जमींदार व महाजन गांव के राजा तो बने ही रहेगे, उन्हें क़ानून की ब्राड़ ब्रीर लोकराज का सुनहरा सेहरा भी पहनने को मिल जायगा. अभी तक आर्थिक साधनों, राज काजी ताक़त श्रीर न्याय करने का जो हक़ यह लुटेरी जमात श्रपने हाथों में शैर जाब्ते से लिये हुए थी, गांव पंचायतों के जरिये नया क़ानून उन्हें जाबते श्रीर हक का जामा भी पहना देगा.

जुल्मों की भरमार

देहानों की लुट को यह जामा तो पहनाया हो गया है, पर लुट की पुरानी, सिंड्यल ऋध सामन्ती ऋसे जियत भीतर ही भीतर क़ायम रहेगी, जिससे जमीन की इजारेदारी बढ़ेगी और ऋधिकतर किसानों पर मुसीबतों के पहाड़ ट्ट पड़ेंगे, उनकी बरबादी और नज़दीक ऋाती जायगी. यह ढांचा जो जो मुसीबनें लायगा, उनकी गिनती भी नहीं हो सकती. लगान की वस्ती में जुलम होंगे, खेती में लगे लोगों की गिनती बराबर बढ़ती जायगी और किसानों के क़ब्ज़े की जमीन घटती जायगी. किसानों की रोजी का दूसरा जिया ढूंदने के सभी रास्ते बन्द होंगे. खेती की पैदाबार बढ़ाने के रास्ते में ऋड़चनें बढ़ेंगी. किसानों की गरीबी बढ़ेगी. और उनकी वे दखलियां बढ़ेंगी, जातों का रक़बा घटता जायगा. किसान क़र्ज से लहेंगे. आपसी दुश्मनी बढ़ेगी, सामाजिक तनाव बढ़ेगा.

जमींदारी प्रथा की यह सब खराबियां नए निजाम में भी मौजूद रहेगी, फर्क सिर्फ इतना होगा कि मालगुजारी जमींदार बसूल न करेगा, सरकार करेगी. दूसरे शब्दों में जमींदार की जगह सरकार जमींदार बनेगी. हमारे सूबे के

يرانے زميندار كا نيا جولا

ومهددارم انت قانون نے صوبے کے کسانوں کو بائیس السمون کی جگه چار کر دیا هے ، اِن چار مهن اسے بهومی دهروں اور تھوڑے سے سھرداروں کو خوش کیا جارها ہے تاکہ وہ راج کرنے والوں کی ساماجک بلیاد کی طرح دیہاتوں میں وہ سکیں ، أن بهومی دهروں و تهورے سے سیرداروں مهن کل کے زمیددار اور بڑے کسان هی آتے هیں . سهکاری فارموں کے آرتھک سدھارا پلچانتی عدالتوں کے ساماجک نھائے اور راج نیتی کی بیتا گری آبھیں لوگوں کے ھاتھوں مهن رهے گی ، إن كي يه طاقت بتائي پرتها جاري راهلے کی سہولت سے بہت ہوہ کئی ہے ۔ بٹائی سے چهرتے كسابون كي جو لوت كهسوت هو كي أس كي تو مثال ملفا مشعل موجائد کا ، پنتھایتی مدالت کے ذریعہ اس جماعت نے نیائے' راج نیتی اور سماج میں ویسے هی دب دید قائم کو رکھا ہے۔ گانگریس کی دیھاتی رچانا میں بھی ہوئی یہ جماعت زمهندار کی شکل میں بعا آ کر پھر دیہاتوں کے پربنده مهی عهدے دار بی کر آئے کی ، اور اِن عهدیداروں كے اختيار بہلے سے بہت زيادہ بوها ديئے گئے هيں ، اس طرے زمیندار و مہاجن گاؤں کے راجا تو بنے هی رهوں گے أبههن قانون كي آو اور لوك واج كا سفهوا سهرا بهي پهلغے كو مل جائے گا ، ابھی تک آرتھک سادھدوں' راج کاجیطاقت اور بھائے کرنے کا جو حتی یہ لٹھری جماعت آئے ھانھوں میں فور ضابطے سے لئے هوئے تھی کاؤں پنچایتوں کے ذریعے نھا قادون أنهيس ضابطے أور حتى كا جامع بهى پهذادے كا .

ظلموں کی بھر مار

دیہانوں کی لوت کو یہ جامہ تو پہلایا ھی گھا ھے' پر لوت کی برانی' سویل ادھ ساملتی اصلیت بھیتر ھی بھیتر قائم رھے گی' جس سے رمین کی اجارہ داری ہونے کی اور ادھک نر کسانوں پر مصیبتوں کے پہاڑ ٹرت بویں گئ اُن کی بربادی آور نزدیک آنی جائے گی ۔ یہ تھانچہ جو مصیبتھں لائے گا' اُن کی گئتی بھی نہیں ھوسکتی ۔ لگان کی وصولی میں ظلم ھونگے' کھیتی میں لگے لوئوں کی کلتی برابر بوھتی جائے گی اور کسانوں کے قبضہ کی زمین گھتتی جائے گی ۔ کسانوں کی روزی کا دوسرا ذریعہ تھونتھنے کے سبھی راستے بلد ھوں گے۔ کھیتی کی پھداوار بوھی کی جوتوں کی درسانوں کی تھا ہوگے گی ۔ کسانوں کی تھا ہوگے گی ۔ کسانوں کی درسانوں ک

زمینداری پرتها کی یه سب خرابیان دی نظام مین ایمی موجود رهین کی فرق صرف اتفا هوگا که مانگذاری زمیندار وصول به کریگا، سرکار کرے کی ، دوسرے شیدون مین زمیندار کی جگه سرکار زمیندار بنے کی، همارے صوبے کے

गांव सभा का असली रूप

यह सब पढ़ कर लगेगा कि इस क़ानून के ज़रिये राम-राज, पंचायत राज या सोवियत राज क़ायम हो रहा है. क़ानून के मक़सद में ही कहा गया है-गांव को एक छोटा लोकराज और यहकारी समाज बनाने वाला यह क़ानून लोगों में आर्थिक और सामाजिक विकास और सामाजिक जिम्मेदारी और भावना पैदा करने के लिये है. हम इस गांव सभा की पैदाइश और उसका श्रमली रूप षताने की कोशिश नीचे करेंगे.

सभी बालिग़ों से हाथ उठवा कर जियादा गिनती वालों को चुनने का जो तरीक़ा गांव सभाश्रों में इस्तेमाल होता है उसमें छोटे किसानों श्रीर खेतिहर मजदरों के लिये इन्साफ की गारन्टी नहीं रह जाती. अपने ठाकुर के खिलाफ हाथ उठाने में अभी किसान हिचकिचाता है. असली लोकराज के लिये तो यह तरीक़ा सही नहीं है. आज सही लोकराज में बोट देने का वही तरीक़ा सही माना जाता है जी रूस वरौरा में लागू है. उसे हम सच्चा लोकराज कहते हैं.

''गांव का लोकराज या सहकारी समाज" ऐसे शब्द हैं जो सुनने में अच्छे लगते हैं. लेकिन असल में उनके अर्थ हमेशा इतने अच्छे नहीं होते. गांवों में जमीदार और महाजन हमेशा जुल्म ढाने वाले और दमन करने वाले रहे हैं. यही लोग गांव सभा में भी मौजूद हैं. जमीदारी खतम होने के बाद जमींदारों का श्रसर श्रीर रोबदाब रातों रात तो स्रतम हुए नहीं. उनकी ताक़त गांव के समाज पर क्रब्जा जमाए रहती है. सूबे में पंचायत राम का जो पिछले तीन साल का अनुभव है, वह हमारे इस बयान को सही साबित करता है.

हर गांव में आम तौर पर दो या दो से जियादा गुट या दल होते हैं. हर दल का कोई न कोई नेता होता है. ऐसी हालत में इन गांव सभात्रों में दबी पिसी जनता की आवाज नहीं सुनी जाती. गांवों के अमीरों का ही बोल बाला रहता है. गांवों के यह दल आपस में लडते रहते हैं. उनके नेता अपना अपना असर और क्रब्जा बढ़ाने की धुन में किसानों के हितों की आड़ लेते हैं, गांव सभाओं की परती पर क़ब्ज़ा पाने के बाद हर गुट अपने अपने आदिभयों को उसका पड़ा दिलाने की कोशिश करेगा और उसके लिये किसानों के बोट मांगेगा, श्रीर इस तरह दोनों गुट किसानों की दहाई देंगे. किसान इस तरह दो दल में बंट जायंगे. जमीदार महाजन यही तो चाइते हैं. किसानों की फूट से उनकी लूट खसोट का रास्ता खुलेगा. जुल्म और सितम तो नई शकल में जारी रहेंगे ही, कुनबा परस्ती श्रौर रिशवत के बाजार भी गरम रहेंगे.

کاوں سبھا کا اصلی روپ

یہ سب یوهم لکے کا که اس قانون کے ذریعے رأم راج، هلمچايمت رابم يا سويمت رابع قائم هو رها هي . قانون کے مقصد میں ھی کہا گیا ہے۔ کاوں کو ایک چھوٹا لوک رام اور سهکاری سمام بقانے والا یہ قانون لوگوں مھی آرتیک آور ساماجک وکاس اور ساماجک، ذمے داری اور بهاونا بهدا كرنے كے لئے هے . هم اس باوں سبها كى يهدائش اور أس كا اصلی روب بعانے كي كوشف نيجے كريس كے .

سبهی بالغوں سے هاته الهوا کر زیادہ گلتی والوں کو چننے کا جو طریقہ کاؤں سمهاؤں مهی استعمال هوتا ہے اُس میں چیوائے کسانوں اور کھیٹی ہر مؤدوروں کے لگ انصاف کی کارنگی نہیں رہ جاتی ، آپ تھاکر کے خلاف هانه أثهاني مين أبهى كسان هچكچانا هي ، أملى لوكرام کے لئے تو یہ طریقہ محمد نہیں ہے . آج صحیح لوگ راج میں ووق دیلے کا وهی طریقه صحیح مادا جاتا ہے جو روس وفهره مهن لاكو هه . أسي هم سنچا لوك راج كهع هين ،

" كاول كا لوك راج يا سهكاروسماج " أيسم شبد هول جو سندے میں اچھے لگتے ہیں ، لیکن اصل میں أن كے ارته هميشه الله اچه نههن هوته . گاون مهن زميندار اور مهاجي هميشه ظلم قعالي والي أور دمن كرني والي رهي هيل ، يهي لوگ کاي سبها مهن بهي موجود هين ، زمیدداری ختم هونے کے بعد زمیدداروں کا اثر اور رعب داب راتوں رات تو کم هوئے نههیں . أن كى طاقت كاؤں كے سمای در تبضه جمائه رهتی هے ، صربے مهن بذجایت رأیم كا جو ينجيالي تهن سال كا أموبهو هے وہ همارے اس بهان كو معديم ثابت كرنا هے .

ھو گاؤں میں عام طور پر دو یا دو سے ریادہ کت یا دل هرتے هیں ، هر دل کا کوئی به کوئی نیکا هوتا هے ، أيسى حالت مهن إن كاون سبهاون مين ديي و سي جلكا كي آواز نہیں سلی جاتی۔ گاؤں کے امهروں کا میول بالا رهتا ھے. گاؤں کے یہ دال آپس مھل لوتے رہتے مھر اُن کے نہتا اینا اینا اثر اور قبضه بوهانے کی دور میں کسانوں کے متوں کی آر لیکے هیں، گاؤں سیهاؤں کی پرٹی پر قبقہ پالے کے بعد هر كت الله اله أدمهون كو أس كا يته دلان كي بهر كوشهر كوي كا اور اُس کے لئے کسانوں کے ووق مانکے کا ، اور اس طرح درتین کت کسانین کی دھائی دیں کے . کسان اِس طوت دو دال مهن بغت جائهن كي زمهندار مهاجن يهي تو چاھیے ھیں ۔ کسانوں کی پہرے سے اُن کی لوے کہسوے کا راسته کهلے کا ، ظلم اور ستم تو نکی شکل میں جاری رهیں کے هی کنیه پرستی اور رشوس کے بارار بھی گرم رمیں کے ۔

(435)

جهلک ملتی هے جو شاید آگے سارے صوبے میں لاکو هو ، ''جالمی زمین جو کاشکار قارم کو دے' اُسی کے حساب سے اُس میں اس کا حصه هو ، ، جهانسی کے فارموں کے سلسلہ میں واس ملتری نے کیا تھا—هم زمین کی قیدمت آنکیوں کے اور زمین کی ماتی کی قسم و کاشکار کے بیال و دوسرے جانور' اُس کی قابلیت' هوشیاری و جانکاری وفیرہ کا اندازہ لاا کر قارم کی آیج اُسی حساب سے بانت دیلئے ،

سرکار جہسی سہکاری کہیتی چانا چاہتی ہے، ایسے قارموں کی ایک جہلک اِس بہاں مہی ملتی ہے ۔ ایسے قارموں اور جوانت استاک کہمیٹھوں میں کیا استر ہوتا یہ بتاقا ہید مشتری جی کے لئے بہی مشکل ہو ، برسوں کی مصلت کے بعد سرکار نے دو قارم جہانسی میں کہولے جنہیں وہ ''آدرش'' بتاتی ہے ، پر اِنہیں قارموں کے کچه کسانوں نے دباؤ اور دھمکی کی شکایتیں بھی کیں، اُجرت اور مزدوری نہ ملئے کی شکایتیں تو عام تہیں ایک کسان نے کہا۔ "مجھے دھمکی دی گئی کہ اگر قارم میں نہ شامل نے کہا۔"مجھے دھمکی دی گئی کہ اگر قارم میں نہ شامل ہوا تو جہل بہمجدیا جاؤں گا ''

كاول سبها

بہوسی سدھار قانون کے مطابق ہو گاؤں میں ایک کوں سبہا بنے کی ، کاوں والوں کے ملے جلے سفکھتن کے روب ميں يه سبها چل أور آچل جائداد لينه وكهلي أس کے بندوبست کرنے اُس کا تبادله کرنے تهیکے اور سمجهوتے کرنے اور اِس سب کے لئے مدالت جانے کا حق رکھے کی ، کاوں سبھا کی یہ شکل جوائدت استاک کمیلی ہے ملعی جلعی ہے ، کاؤں میں رہنے والے سبھی بالغ أور گئیں کی زمین کے بھومی دھر' سھردار' آدمی واسی و اسامی سیها کے سمهر هونگے ، یافوں اور اوسر زمهوں کو چهور کر ہاتی سب یہومی جنگل پہڑ سب کے آستعمال کے كتونيس مات بارار مهلي تالاب وفيرة سبهاك ادهيكارميس رهینگے اور وهی اِن کا انتظام کریگی . کهیتی کا وکاس اور سدهار جنگلوں و يهووں کی ديکھ بھال کوں کے واستوں و آبادی کا رکه رکهای اور وکاس ٔ هات باراروں کا انتظام اور جانوروں کی نسل سدهار نے چکاہندی کهریلو دهندوں كا وكاس كدوي تالابون كا انتظام وفهرة سبهي كي دامنداري كاول سبها ير هوكي. كاولسبها كي بنجايتين يه كام كرينكي. پنتجایتوں کے دس منبر ھونگے، کووھی' پاکل' سرکاری نوکو' ایرادهی وقهرة اُس کے ممهر نه هوسکیں گے ، جن سے نیک چلقی کے لئے منچلکے لئے گئے موں وہ بھی سمبر نه هو سکهن کے . یه پلچایتهن سرکاری حکمون کی یابلد هونكي أور أنهين لاكو كريلكي . ير كسي خاص حالت سين سرکار پنجایتوں سے یہ حق لے سکے کی اور کام جلانے کا درسرا انتظام کرسکے کی ۔

मलक मिलती है, जो शायद आगे सारे सूबे में लागू हो. "जितनी जमीन जो कारतकार कार्म को दे, उसी के हिसाब से उसमें उसका हिस्सा हो." मांसी के कार्मों के सिलसिले में विकास मंत्री ने कहा था—हम जमीन की क्रीमत आकेंग और जमीन की मिट्टी की क्रिस्म व कारतकार के बैल व दूसरे जानवर, उसकी काबलियत, होशियारी व जानकारी बरोरा का अन्दाजा लगा कर कार्म की उबज उसी हिसाब से बांट देंगे.

सरकार जैसी सहकारी खेती चलाना चाहतीहै, उसकी एक मलक इस बयान में मिलती है. ऐसे फार्मों और ज्वाइन्ट स्टाक कम्पनियों में क्या अन्तर होगा यह बताना शाबद मंत्री जी के लिये भी मुश्किल हो. बरसों की मेहनत के बाद सरकार ने दो फार्म मांसी में खोले जिन्हें वह "आदर्श" बताती है. पर इन्हीं फार्मों के कुछ किसानों ने दबाव और धमकी की शिकायतें भी की. उजरत और मजदूरी न मिलने की शिकायतें तो आम थीं. एक किसान ने कहा—"सुमे धमकी दी गई कि अगर फार्म में शामिल न हुआ तो जेल भेज दिया जाऊंगा."

गांव सभा

भूमि सुधार क़ानून के मुताबिक़ हर गांव में एक गांव सभा बनेगी. गांव वालों के मिले जुले संगठन के रूप में यह सभा चल श्रीर श्रचल जायदाद लेने, रखने, उसके बन्दोबस्त करने, उसका तबादला करने, ठेके और सममौते करने श्रीर इस सब के लिये श्रदालत जाने का हक़ रखेगी. गांव सभा की यह शक्ल ज्वाइन्ट स्टाक कम्पनी से मिलती जुलती है. गांव में रहने वाले सभी वालिस और गांव की जमीन के भूमिधर, सीरदार, भादिवासी व असामी सभा के मेम्बर होंगे. बागों और उसर जमीन को छोड़ कर बाक़ी सब भूमि, जंगल, पेड़, सब के इस्तेमाल के कुएं, डाट, बाजार, मेले, बालाब वरीरा सभा के अधिकार में रहेगे स्रोर वही इनका इन्तजाम करेगी. खेती का विकास श्रीर सुधार, जंगलों व पेड़ों की देख भारा, गांव के रास्तों ब आबादी का रख-रखाव और विकास, हाट बाजारों का इन्तजाम और जानवरों की नस्त सुधारने, चकवन्दी, घरेलू धन्दों का विकास, कुएं तालाबों का इन्तजाम वरौरा सभी की जिन्मेदारी गांव सभा पर होगी. गांव सभा की पंचायतें यह काम करेंगी. पंचायतों के दस मैम्बर होंगे. कोढ़ी, पागल, सरकारी नौकर, अपराधी बरौरा उसके मेम्बर न हो सकेंगे. जिनसे नेक चलनी के लिये मुचलके लिये गए हों वह भी मेम्बर न हो सकेंगे. यह पंचायतें सरकारी हुक्मों की पावन्द होंगी और उन्हें लागू करेंगी. पर किसी स्नास हालत में सरकार पंचायतों से यह हक ले सकेगी और काम चलाने का दूसरा इन्तजाम कर सकेगी.

भी क़ानून ने सहकारी खेती का एक तरीक़ा बताया है. श्रगर किसी इलाक़े की दो तिहाई जमीन के भूमिधर और सीरदार (उनकी गिनती भी कुल किसानों की गिनती के दो तिहाई होनी चाहिये) कलक्टर को सहकारी फार्म के लिये अर्जी दें तो सारी जमीन का तबादला सहकारी कार्म के लिये हो जायगा, इसमें से छोटी बड़ी जीतों की कैंद नहीं रक्खी गई है, पर फार्म की जमीन की मिल्कियत भूमिधरों व सीरदारों की होगी. अगर छोटी ग़ैर गुजारे लायक जोतों वाले काश्तकार इस फार्म में शामिल न हो सकें तो कलक्टर उनकी जमीन ले सकता है. काम की जामीन की चकवन्दी हो जायगी और मेम्बरों को बने नियमों की पाबन्दी करनी होगी किसी मेम्बर की मौत होने पर उसका वारिस उसकी जगह कार्म का मेम्बर ही सकता है. सरकार इन कार्मों को कर्ज व दूसरी सहलतें देगी,खेती की आमदनी पर सरकारी टैक्स व लगान में कमी हो जायगी, सरकार की तरक से उन्हें खेती के सिलसिले में मुक्त सलाह मिला करेगी, सिंचाई में भी अव्वल नम्बर उनका होगा, सरकार सहायता के लिये एक मुश्त रक्तम मुक्त देगी, वरौरा वरौरा.

इस में किसका फ़ायदा है ?

दुनिया का तजुरबा है कि सहकारी खेती को बढ़ाया देने के लिये जमीन के बंटबारे से बढ़ कर दूसरी कोई चीज नहीं है. इसमें छोटे किसान और बंटवारे से जमीन पाने वाले लोग उमंग में आगे बढ़ते हैं और सहकारी खेती के आन्दोलन के नेता बनते हैं. बंटवारा न हांने पर किसानों में इस तरफ दिलचस्पी और उत्साह पैदा करने के लिये सरकार ने जो सहलतें दी हैं उनका फायदा मुट्टी भर बड़े किसान ही उठा सकेंगे. इस सवाल पर गौर करने के लिये एक दूसगी बात भी ध्यान में रखना चाहिये. माल गुजारी से वसूल होने वाली रक्षम का एक बहुत छाटा हिस्सा ही सरकार खेती पर खर्च करती है. छोटे किसानों से मिलने वाली करोड़ों की रक्षम खेती के विकास पर नहीं खर्च होगी बलिक जमीदारों के मुआविजे पर खर्च होगी. और सहकारी खेती के विकास के लिये बड़ी रक्षम चाहिये.

दो तिहाई किसानों की रजामन्दी की शर्त लगाना एक तिकड़म है जिससे छोटे गैर गुजारे लायक जोतों वाले किसान उन सहूलतों से भी बंचित रखे जायंगे जो कि सहकारी कामों की मिलती हैं.

सहकारी खेती के इस ढांचे में अगर किसी को उत्साह पैदा हो सकता है तो वह है जमींदार और बड़ा किसान. क़ानून में वह उसूल भी नहीं बताया गया जिस उसूल पर फार्म की उपज उसके मेम्बरों में बांटी जायगी. मांसी में सरकारी परवरिश में जो फार्म हैं उनसे इन उसूलों की

بھی قالوں نے سہکاری کھیتی کا آیک طریقہ بتایا ہے ۔ اگر کسی علاتے کی دو تہائی زمین کے بھوسیدھر اور سهردار (اُن کی گفتی بھی کل کسانوں کی گفتی کے در تھائی ھونی چاھیے) کلکٹر کو سہکاری فارم کے لئے عرفی دیں تو ساری زمهن کا تبادله سیکاری قارم کے لئے هوجائدکا . اِس میں چھوٹی ہوی جوتوں کی قید نہیں راہی گئیھ' پر فارم کی زمین کی ملکیت بهومی دهروں و مهرداروں کی هولی ، اگر چهولی فهر کذارے لائی جودوں والے کاشتکار اس فارم مهن شامل نع هوسکهن تو کلکتر آن کی رمهن لے سکتا ہے ، فارم کی زمهن کی چک بندی هو جائهگی اور ممدرون کو بنے تھموں کی پایندی کرنی ہوگی ۔ کسی ممدر کی موت هوئے پر آسی کا وارث اس کی چکه قارم کا ممير هوسكا هے . سركار أن قارموں كو قرض و دوسرى سهولتين ديكي، كهيتي كي أمدني پر سركاري تهكس و لکان میں کسی هو جائیکی سرکار کی طرف سے اُنہیں کھیتے کے سلسلے میں معت صلح ملا کریکی سلنچائی میں بھی اول نمیر اُن کا ھوکا ' سرکار سہایتا کے لئے ایک ه شت رقم مفت دیگی، وفیره وفهره

اِس مهن کس کا فائدہ ہے؟

دنیا کا تجربہ ہے کہ سہکاری کہیدی کو بوہاوا دیائے کے لئے زمین کے بتوارے سے بوہ کر دوسری کوئی چھڑ نہیں ہے۔ اِس میں چھوتے کسان اور بتوارے سے زمین پانے والے لوگ اُملک میں آئے بوہتے ہیں اور سپکاری کھیدی کے آندوان کے نیدا بلتے ہیں ۔ بتوارہ نہ ہوئے پر کسانوں میں اِس طرف دانچسپی اور اُنساہ پیدا کرنے کے لئے سرکار نے جو سہولتیں دی میں اُن کا فائدہ متبی بھر بڑے کسان ہی اُتھا سکیں گے ۔ اس سوال پر فور کرنے کے لئے ایک دوسری بات بھی دھیاں میں رکھنا چاہئے ۔ مالکناری سے وصول بات بھی دھیاں میں رکھنا چاہئے ۔ مالکناری سے وصول پر خرچ کرتی ہے ، چھوتے کسانوں سے ملئے والی کروروں کی پر خرچ کرتی ہے ، چھوتے کسانوں سے ملئے والی کروروں کی رقم کھیدی کے والی پر خرچ ہوگی ، اور سیکاری کھیدی کے والی کروروں کی رقم جھوٹے کسانوں سے ملئے والی کروروں کی رقم کھیدی کے والی کروروں کی رقم کھیدی کے والی کروروں کی رقم کھیدی کے والی کروروں کی دھوٹی بر خرچ ہوگی ، اور سیکاری کھیدی کے والی کروروں کی لئے ہوی رقم چاہئے ،

دُو تُهَائَی کسانوں کی وضامندی کی شرط لاانا ایک تکوم ہے جسسے چھوٹےفھر گذارے لائی جوتوں والے کسان اُن سہولیموں سے بھی بنجست رکھے جائینگے جو کہ سہکاری فارموں کو ملمی میں .

سہکاری کھھتی کے اس تعانیجے میں اگر کسی کو اُتساہ پیدا ھوسکتا ہے تو وہ ہے زمیندار اور بوا کسان، قانون میں وہ اصول دبی نہیں بتایا گیا جس اصول پر قارم کی اُپیج اس کے معبروں میں بانٹی جائے گی جہانسی میں مرکاری پرروش میں جو قارم ھیں اُن سے اِن اصواوں کی

· Ark

लेकिन सीधा साथा सवाल यह उठता है कि आदिवासी से पांच साल का इन्तज़ाम क्यों कराया जा रहा है और उसे ज़मीदार के रहम पर क्यों छोड़ा जा रहा है शि जहां तक लगान का ताल्लुक है बेचारे आदिवासी पर कड़ी मार पड़ी है. या तो वह मालिक की मरज़ी का मनमाना लगान देने को तैयार हो और या जब चाहे बेदखल कर दिया जाय और मोरूसी लगान से एक तिहाई और ज़ियादा है. अगर मालिक के पास आठ एकड़ से कम ज़मीन है, तो भी वह आदिवासी को बेदखल कर सकता है.

हम न्याय की बुनियाद पर इस नीति का विरोध करते हैं. अगर इस क़ानून का इरादा यह है कि देहाती जनता ढंग से जुमीन पर बस जाय, तो यह देखना जुरूरी है कि जुमी गर सेती को अपना खास पेशा बनाता है या वह गुजारे के लिये इसरे काम करता है और खेती केवल थोड़ी सी मदद के लिये करता है, अगर उसका खास पेशा खेती नहीं है, तो बेद्सल उसे होना चाहिये न कि आदिवासी को. अगर यह उसूल लागू हो तो श्रादिवासी सुरचित हो जाय. पर यहां तो सरकार नीलाम में सब से जियादा बोली लगाने वालों की ही भूमिधर बनाने की फिकर में परेशान मालूम पड़ती है. भूमिधरों को एक और रिश्रायत मिली है. अगर श्रादि वासी भूमिधर बनता है तो सरकार उस जमीन के लिये ज्मीदार को मुचाविजा देगी. ऐसी हालत में श्राम किसानों की रारीबी बदती ही जायगी. जहां तक सहकारी खेती का सवाल है वह बड़े जीतेदारों के हाथ में एक ऐसा हथियार है जिससे सिर्फ वही फायदा उठा सकते हैं. इस बात का पूरा सबत हम नीचे देंगे.

8. सहकारी खेती

सरकार के नए भूमि सुधार क़ानून के मुताबिक चार तरह के किसान होंगे. पर जैसे शेर बकरी के एक घाट पानी पीने की बात अनहोनी है, वैसे ही इन अलग अलग किस्मों के काश्तकारों की सहकारी खेती भी अनहोंनी है. इस ढांचे में तो सुधार की अमरीकी "पायलट" की स्कीम ही चल सकती है, जिसमें गरीब की ग्रारीबी बढ़ती जाती है और साथ में अमीर की अमीरी भी! लेकिन जिन लोगों ने यह क़ानून बनाया उन्हें किसानों की इस बढ़ती हुई मांग का पता था कि सहकारी खेती हो इसलिये इसका ढोल पीटने के लिये क़ानून ने गुंजाइश कर ली है कि हम भी सहकारी खेती को बढ़ावा देना चाहते हैं.

गांव सभा के कोई भी भूमिषर या सीरदार मेम्बर जिन की कुत प्रमीन कम से कम तीस एकड़ है, सहकारी खेती के लिये सोसाइटी बनाने की श्रर्फी रजिस्ट्रार को दे सकते हैं. ब्रोटी रौर गुजारे लायक जोत वाले किसानों के लिये لهكن سهدها سادة سوال يه أتهتا ه كه آدى واسى سه پانچ سال كا انتظام كيون كرايا جارها ه اور أس وميقدار كرمم يو كيون چهورا جا رها ه ؟ جهان تك لئان كا تعلق ه بيدچارد آدي واسى يو كوى مار بوي ه. يا كو وه مالك كى مرضى كا من مانا لئان ديل كو تهار هو أور يا جب چاه دخل كو ديا جائه أور موروئى لئان سے أيك تهائى أور زيادة در . . اكر مالك كے ياس آته أيكو سے كم زمين ه تو بهى وة آدى واسى كو يه دخل كو سكتا ه .

هم نهائےکی بنهاد پر اس نهتیکا وروده کرتے هیں . اگر اس قانون کا ارادہ یہ هے که دیہائی جفتا دهفک سے زمین در بس جائية تو يه ديكهذا فروري في كه وسيقدار فههتيكو أيغا خاص بهشه بذاتا هے یا وہ کذارے کے لئے دوسرے کام فرتا ھے اور کھیتی کیول تھرتی سی مدد کے لیے کرتا ہے ، اگر أسكا خاص پيشه كهيتي نهيل هـ ' تو يه دخل أس هونا چاهگے نه که آدی واسی کو--اگریه اصول لاکو هو تو آدی وأسى سركشت هو جائے . پر يهان دو سركار نيام مين سب سے زیادہ بولی لٹانے والوں کو ھی بھومیدھر بخانے کی فکر میں پریشان معلوم پڑتی ہے۔ بھوسی دعروں کو ایک لور رمايت ملى هے . اگر آدى واسى بهومى دهر بدتا هے تو سرکار اُس زمین کے لئے زمیندار کو معاوضه دے گی، ایسی ڪاليت مهن عام کسانون کي فهريجي پوهٽيهي جائے گي . جہاں تک سیکاری کھیتی کا سوال ہے وہ ہونے جوتے داروں کے عالم میں ایک ایسا هتهیار فے جس سے صرب وهی ذائدة أثبها سمعے مهل ، اس بات كا پورا ثبوت هم بيجے دنیں کے ،

8. سهکاری کهیاتی

سرکار کے نگے پھرمی سدھار قانون کے مطابق چار طرح کے کسان ھونگے ، پر جھسے شہر بکری کے ایک کھات پانی پیلنے کی بات آن ھونی ھے' ویسے ھی اِن الگ الگ قسموں کے کاشتکاروں کی سہکاری کھیتی بھی اُن ھونی ھی اس قمانچے میں تو سدھار کی امریکی ''یایلت'' کی اسکیم ھی چل سکتی ھے' جس میں فریب کی فریدی بھی جاتی ھے اور ساتھ میں امیر کی امیری بھی اِ لیکن بون لوگوں نے یہ قانون پنایا اُنہیںکسانوں کی اس بوھتی ھوئی مانگ کا پتھ تھا کہ سہکاری کھیتی ھو اس لئےاس کا قمول پیٹنے کے لئے قانون میں گفجائش کرلی ھے کہ ھم بھی سیکاری کھیتی کو برھارا دینا چاھتے ھیں .

گاؤں سبھا کے کوٹی بھی بھرمی دھر یا سھردار معبرجن کی کل زمین کہ سے کم تیس ایکڑ ھے' سیکاری کھیلانی کے لگے سوسائٹی بٹائے کی عرضی رجسٹرار کو دے سکتے میں ، چھرٹی فیر گذارے لائق جوت والے کسانوں کے لگے

اور استهالی مالک دوسرا هرکا ، اس مالک کی مرضي پر عارضی طور سے زمین لے کو وہ کاشت کر سکے گا ، اگر بھومی دھر یا سھردار کے حتی زمھن کے کسی حصے میں ختم عولے دو اسامی کے ادھیکارا آباے آپ هي ختم هو جالين کي . اُسکا لکان دسي اُصول کے ماتحمت طے نہیں ہوتا ، زمین کے مالک (یا گاؤں سبها) جعلى زمين أتهائين كے اور جعلے اسامی زمهن لهن ك اس کے حساب سے بہاؤ تاؤ اور سمجھوتے سے لکان کی رقم طے هوكى . زمين لا مالك (يا كان سبها) 100 ميں 99 ہار اسامی کو داپ کو من مانا لکان وصول کرے گی . یه اصول اسامی پر ایسی آفتین تعالی کا جس کا بهان كرنا مشكل هے . جب أسامي بوھ هوئے لكان كو أدا نهين کر یائے کا تب زمین کے مالک اُس کی زمین اور اگر باغ هوا تو يهو كے يهل وفهوہ ير قبضه كو لهن كے . لكان كے لكے فصل پر قبقه در لیڈ کا اختیار هر کاشتکار کے خلاف استعمال هو سكتا هے پر اسامي كي قريبي كے كارن قانون کی سب سے کوی مار اُسی بھچارے پر پوے کی ، آج سے سم دیره سو سال بهلے انکریزی بلدوبست افسروں نے پہلے پہل جو حق کساموں کو دیکے تھے وہ ان اسامھوں کے حقوں سے نم ہوگز بہیں تھے ، اتان کی وصولی کے طریقوں میں بھی کانی دھاندلی ہے ، اسستلت دلکتر' گاوں سبها يا جسم لكان يانا هو ولا أنه من مطابق لكان نقد مال میں یا جس شکل میں چاہے کا وصول کرے کا ، مال یا دوسری چیز کی قیمت بھی یہ لوگ هی آنکیلکے، لكان يدداوار كي شكل مين بهي لها جا سكي كا . اكر لكان کا ایک حصه بھی بدایا رہ جائے تو اسامی کو بے دخل کر دیا جائے گا، اُس طرح سن 3 کے قانون نے مانحت کشتکار کو جو حتی سلے هوئے تھ ' زسیدداری است قانون اب الهیں بھی چھوں لے کا ، ابھی تک کاشتکار یے دخال نہیں کیا جا سکتا تھا ۔ بیا تابون اسے یہ دخل بھی کر د ہے ، بب دیکھئے آدی واسی کا حال ،

آدى واسى

سهر کے کاشتکار (جو سهردار یا بهرسی دعر بهوں هیں) شکسی کاشتکار اور بهوسی دهر سیردار و اساسی جهور کر اور سهوی آدیواسی هیں ، آن کی کلتی ساڑھے سیلتیسی لائھ ہے جو که کل کا ساتھ چودہ فی صدی ان کے سیاست فی صدی ان کے اساس ہے ،

آدی واسی بھی هر طرح کی لوگ کھسوٹ اور زیادتی کے شکار میں ۔ اِنہوں ایڈی زمین جھیں جانے اور یے دخل هو جانے کا خطرہ همیشہ بلا رمانا ہے ، قانون نے اُنھوں مہربانی کر کے جھوٹ دی ہے تا پانچ سال بعد یا زمیلداو کی مرضی سے کہھی بھی وہ بھومی دھر بن سکھی گے،

और स्थाई मालिक दसरा होगा. इस मालिक की मरची पर भारजी तौर से जमीन ले कर वह कारत कर सकेगा. श्रगर भूमिधर या सीरदार के हक जमीन के किसी हिस्से में खतम हुए तो असामी के अधिकार अपने श्राप ही स्नतम हो जायंगे. उसका लगान किसी उसल के मातहत तय नहीं होगा. जमीन के मालिक (या गांव सभा) जितनी जमीन उठायेंगे और जितने असामी ज्मीन लेंगे उसके हिसाब से भाव ताव और सममौते से लगान की रक्तम तय होगी. जमीन का मालिक (या गांव सभा) 100 में 99 बार असामी को दाब कर मनमाना लगान वसूल करेगी. यह उसूल आसामी पर ऐसी आफर्ते ढायगा जिसका बयान करना मुश्किल है. जब असामी बढ़े हुए लगान को अदा नहीं कर पायगा तब ज़मीन के मालिक उसकी जमीन और अगर बाग हुआ तो पेड़ के फल बगैरा पर कृञ्जा कर लेंगे. लगान के लिये फसल पर क्रञ्जा कर लेने का श्राख्तियार हर काश्तकार के खिलाफ इस्तेमाल हो सकता है, पर असामी की ग़रीबी के कारन क़ानून की सब से कड़ी मार उसी बेचारे पर पड़ेगी. आज से सी डेढ़ सी साल पहले श्रंगरेजी बन्दोबस्त श्रक्तसरों ने पहले पहल जो इक किसानों को दिये थे, वह इन असामियों के इक़ों से कम हरगिज नहीं थे. लगान की वसूली के तरीक़ों में भी काकी धांधली है. ऋसिस्टेन्ट कलकटर, गांव सभा या जिसे लगान पाना हो वह, अपने मन के मुताबिक लगान नक़द, माल में या जिस शक्त में चाहेगा वसूत करेगा माल या दूसरी चीज की क़ीमत भी यह लोग ही आकेंगे. लगान पैदावार की शकल में भी लिया जा सकेगा. अगर लगान का एक हिस्सा भी बक्ताया रह जाय तो श्रसामी को बेदखल कर दिया जायगा. इस तरह सन '39 के क़ानून के मातहत कारतकार को जो हक मिले हुए थे, जमीदारी श्रन्त क़ानून श्रव उन्हें भी छीन लेगा. श्रभी तक काश्तकार बेदखल नहीं किया जा सकता था. नया क़ानून उसे बेदखल भी कर देगा. श्रव देखिये श्रादिवासी का हाल.

आदिवासी

सीर के काश्तकार (जो सीरदार या भूमिधर नहीं हैं) शिकमी काश्तकार और भूमिधर सीरदार व असामी छोड़ कर और सभी आदिवासी हैं. उनकी गिनती साढ़े सेंतीस लाख है जो कि कुल काश्तकारों की गिनती का साढ़े चौदह की सदी है. कुल जमीन का सवा सात की सदी इनके पास है.

आदिवासी भी हर तरह की खूट खसोट और ज़ियादती के शिकार हैं. इन्हें अपनी ज़मीन छिन जाने और वेदखल हो जाने का खतरा हमेशा बना रहता है. क़ानून ने उन्हें मेहरबानी कर के छूट दी है कि पांच साल बाद या ज़मीदार की मरज़ी से कभी भी वह भूमिधर बन सकेंगें.

भूमिघरों और सीरदारों में दो बुनियादी फक हैं. सीरदार ज़मीन बेच नहीं सकते और उस पर सिर्फ खेती या जानवर पालने वरौरा का काम ही कर सकते हैं. लेकिन उनके साथ जो सबसे खराब शर्त लगी है, वह है उनकी बे-दखली की. उन्हें बेदखल करने के कई क़ानूनी तरीक़े हैं:—

ज्मीन के मालिक (जैसे गांव सभा) भूट मृट दिखा दे कि सीरदार ने ज्मीन दूसरे को दी है और इस बिना पर उसे बेदखल कर दे.

अगर मीरदार ज्मीन पर खेती के अलावा और कुछ करता है तो उसे न सिर्फ बेदखल ही कर दिया जायगा बिल्क उससे वह खर्च भी वसूल किया जायगा जो जमीन की किर से खेती के क़ाबिल बनाने में लगेगा इसके खिलाफ भूमिधर अपनी जमीन पर कारखाना भी चला सकेगा. लड़ाई में और उसके बाद, जमीदारों ने बड़ी बड़ी रक़में नजराने में वसूल कर चरागाहें तक उठा दी सरकार यह जानती है. पर क़ानून इसके लिये जमीदार को नहीं सीरदार को सजा देगा, क्योंकि गांव सभाओं की शिकायत पर सीरदार चरागाहों से बेदखल कर दिये जायंगे.

इससे सावित है कि सीरदारों के हक़ों की रचा इस कानून में नहीं है.

असामी

नीचे जिस्से किसी भी क़िस्स के काश्तकार असामी कहलाएंगे जो जमीदारी अन्त क़ानून के मुताबिक काश्त-कारों की तीसरी क़िस्स है.

- (1) अमीदारों के रौर दंखीलकार कारतकार.
- (2) बाग्न के शिकमी काश्तकार.
- (3) जिनके पास कारतकारों ने अपनी जमीन रहन रखी है.
- (4) चरागाहें, पानी से भरी (सिंघाडा वगैरा पैदा करने वाली) जमीन और नदी के कछार की वह जमीन जहां कभी कभी खेती होती है— के गैर द्खीलकार कारतकार, इनमें तांगिया खेती करने वाले भी शामिल हैं.
 - (5) ठेकेदार.
- (6) क़ानून के मातहत जिन्हें असामी बनाया गया हो.

इस क़ानून के लागू होते ही राज के दो लाख रीर दखीलकार कारतकार असामी हो गए. असामी के ज़मीन पर वही हक हैं जो सीरदार के हैं और बेदखली बरौरा का खतरा भी उसका वैसा ही है. लेकिन "नये समाज" में असामी का दरजा और कतबा सीरदार से नीचे है. असामी उस जुमीन का कारतकार होगा जिसका पक्का بهومی دهووں لور سیرداروں مهں دو بقیادی قرق ههی۔ سیردار زمین بهچ نهیں سکتے اور اُس پر صوف کهیتی یا جانور پالقے وقیرہ کا کام هی کرسکتے هیں لیکن اُن کی ساتھ جو سب سے خراب شرط لگی هے' رہ هے اُن کی بهدخلی کی ، اُنہیں بیدخل کرنے کے کئی قانونی طریتے میں :---

رسین کے مالک (جیسے گؤں سبہا) جہوت موت دکھا دے کہ سہردار نے زمین درسرے کو دیے ہے اور اس بنا پر آیے بیدخل کردے .

اگر سهردار زسهن پر کهیتی کے عقوہ اور کچھ کرتا ہے تو اُسے نه صرف بیدخل هی کر دیا جائیگا بلکه اُس سے وہ خرچ بھی وصول کیا جائیگا جو زسمن کو پھر سے گھیتی کے قابل بغانے میں لگیگا ، اِس کے حقف پھوسی دھر اُپنی زمین پر کارخانہ بھی چلا سکیگا ، لوائی میں اور اُس کے بعد' زسینداروں نے بتی بتی وقمیں نذرانے میں وصول کر چواکھیں تک اُٹھا دیں ، سرکار یہ جانتی ہے ، پر قانون اُس کے لئے زمیندار کو تہیں سهردار کو سزا دیگا کیونکه گاوں سمهاؤں کی شکایت پر سیردار چراگھیں سے بھدخل کر دئے جائیلگے ،

اِس سے ثابت ہے کہ سیردار کے حقوں کی رکشا اس قانون میں نہیں ہے .

أسامي

نیچے لکھے کسی بھی قسم کے کاشڈکار اسامی کہاٹیلگے جو زمیلداری اُسٹ قانون کے مطابق کاشٹکاروں کی تیسری قسم ھے ،

- (1) زسینداروں کے قیر دکیل کار کافتکار ،
 - (2) بانے کے شکمی کاشٹکار .
- (3) جن کے پاس کاشتکاروں نے آپذی زمهن رهن رکھی ھے .
- (4) چراکاهیں' پانی سے بھڑی (سلکھاڑہ وتھرہ پیدا کرتے والی)

زمین آور ندی کے کنچهار کی ولا زمین جہاں کبھی کبھی کبھی کھیتی ھوتی ہے۔۔۔کے قیر دکھل کار کاشتکار، اُن میں تانکیا کھیتی کرنے رائے بھی شامل ھیں ،

- (5) تېيكىدار .
- (6) قانون کے ماتصت جنہیں اسامی بنایا گیا ہو۔

اس قاتون کے لاکو هوتے هی رأج کے دو لاکھ غیر دخیل کار کاشتکار أساسی هوگئے۔ اساسی کے زمیون پر وهي حتی هیں ، اور په دخلی رفیزہ کا خطرہ بھی آسکا ویسا هی هے ، لیکن '' نئے سما ی اساسی کا درجہ اور رتبہ سمودار سے نیجیا هے ، اساسی اس زمین کا کاشتکار هوگا جسکا یکا

बद जाय. वह अपनी जमीन पर क़र्ज ले सकते हैं (लेकिन अगर वह क़र्ज के बदले महाजन की जमीन जोतने देंगे तो यह बिकरी मानी जायगी). वह बेदखल न हो सकेंगे, ज़मीन पर उनका हक़ तभी खतम होगा जब वह बिना श्रीलाद मर जायंगे.

इस तरह क़ानून ने भूमिधरों के अधिकारों की रचा की पूरी कोशिश की है. अगर इन हकों पर कोई आधात कर सकता है तो वह है महाजनी सभ्यता का वह नियम जो हमेशा कमज़ोर को ताक़तवर के कायदे के लिये कुरबान कर देता है. यह सोचना भी रालत होगा कि जितने लोग काग़ज़ पर भूमिधर हो गए हैं वह सभी रईस या पूंजी बाले हो जायंगे. सिर्फ मुट्टी भर ही भूमिधर ऐसे होंगे जिन के पास जमीन और उस जीतने के लिये काफी पूंजी और हल बैल हैं. जियादातर भूमिधरों की आर्थिक हालत हमज़ीर ही है और कमज़ोर ही रहेगी.

सीरदार

ं उत्तर प्रदेश के अमीदारी अन्त क़ानून में काश्तकारों की दूसरी क़िस्म है सीरदार. नीचे लिखे 12 क़िस्मों के काश्तकार सीरदार कहलाएंगे—

- (1) अवध में द्वामी पट्टा वाले.
- (2) सीर साक़ितुल मिलकियत वाले.
- (3) द्खीलकार काश्तकार.
- (4) मौरूसी कारतकार.
- (5) कमी लगान के माफीदार.
- (छ) चाय बराचिं के ग़ैर दखीलकार काश्तकार.
- (7) यह शिकमी जो जा़ब्ते से निकाले नहीं जा सकते हैं और जिनका असल काश्तकारों का हक चल गया है.
 - (8) बगीचे वाले जो भूमिधर नहीं हो पाए हैं.
- (9) सीर के कारतकार जिनके पास पुराना पट्टा रहा है.
- (10) वह सभी कारतकार जिनको स्नाली जुमीन पर सीरदार का श्रक्तियार मिलेगा.
- (11) 250 हपए से ज़ियादा मालगुगारी देने बाले ज़मीदारों के वह काश्तकार जिन्हें ज़ाबते से खेत का हक नहीं मिला है.
- (12) वह कारतकार जिनकी जुमीन और किसी की जोत में नहीं है.

इस तरह सूबे के पौने दो करोड़ किसान— (या कुल कारतकारों के साढ़े 68 फी सदी) सीरदार हैं जो सवा तीन करोड़ एकड़ ज़मीन (जो खेती की कुल ज़मान की 72 फी सदी है) के काबिज़ होंगे.

بوھ جائے . وہ آیتی زمین پر قرض لے سکتے ھیں (لیکن اگر وہ قرض نے بدلے مہاجن دو زمین جوتئے دیں گے تو یہ یکرو مانی جائے گی) ، وہ بے دخل نہ ھو سکیں گے وہ بنا اولاد مرجائیں گے ، مرجائیں گے ،

اِس طرح قانون نے بہومی دھروں نے ادھیکاروں کی راشا کی پوری کوشش کی ہے ۔ اگر ان حقوں پر کوئی آلہات کر سکتا ہے تو وہ ہے مہاجئی سبہیتا کا رہ نیم جو همیشہ کمزور کو طاقتور نے فائدے کے لئے قربان کر دیتا ہے ۔ یہ سوچلا بہی فاط ہوگا کہ جتنے لوگ کافٹ پر بہومی دھر ہوئئے ہیں وہ سبہی رئیس یا پرنجی والے ہو جائیں گے ۔ سون متهی بہومی دھر ایسے ہوں کے جن کے پاس نورن متهی اور اسے جونئے نے لئے کافی پرنجی اور ہل بیل میں ، زیادہ تر بہومی دھروں کی آرتہک حاکت کمزور رہی ہے اور کمؤور ہی رہے گی ،

سدردار

آٹر پردیش کے زمیقداری انت قانون میں کاشتکاروں کی دوسری قسم ہے سیردار ، بینچے لکھے بارہ قسموں کے کاشتکار سیردار کیائیں گے ،

- (1) اوده میں درأمی پته والے .
- (2) سهر ساقط الملكهت وألم
 - (3) دخيل ار کائتکار ،
 - (4) سوروثي كاشتكار .
 - (5) کسی لٹان کے معافی دار،
- (6) چائے بغیچوں کے غیر دخیل کار کاشتکار ،
- (7) ولا شکمی جو ضایطہ سے نکالے نہیں جاسکتے ھیں اور جن کا اصل کشتکاروں کا حق چلا گیا ھے۔
- (8) بغيم والے جو بهومي دهر نهيں هو يائے هيں،
- (9) سہر کے کاشتکار جن نے پاس پرانا یتم رہا ہے۔
- (10) وه سههي کاشتکار چون دو حالی زمهون پر سهردار کا مختهار مایکا،
- (11) 250 روپئے سے زیادہ مالکذاری دیئے والے زمینداروں نے وہ کاشتکار جنہوں ضابطے سے نووست جوتئے کا حتی نہوں ملاھے.
- رہ کاشتکار جن کی زمین اور کسی کیجوت میں نہیں ہے .

اس طرح صوبے کے پونے دو کروز فسان۔ (یا دل کاشتکاروں کے ساتھے 80 فیصدی) سیردار فیسجو سوا دین فروزایکو رمین (جو دہیتی دی دل رمین دی 72 فیصدی ہے کے قابض ہونگے .

तब तक ठीक और इनसाफ का नहीं माना गया जब तक बिना मुखाविजा ज़मीदारी न खतम कर दी गई, ज़मीन का फिर से बंटवारा न हो गया, और सामन्ती काल के बढ़े हुए लगान कम न कर दिये गए.

किसानों के साथ वायदा खिलाकी

लेकिन अपने पुराने बादों के खिलाफ यू. पी. के इस नए क़ान्न बनाने वालों ने किसानों की इन बुनियादी मांगों को तो पूरा किया नहीं; बल्कि अलग अलग तरह के चार क़िस्म के काश्तकार बहाल रख कर पुराने भेद भाव जारी रखे. कई तरह के किसान होना सामन्ती बम्दोबस्त की खास निशानी है. किसान में "ऊंच नीच" का यह भेद क़ायम रखने के लिये क़ान्न इतना जटिल और पेचीदा बना दिया गया है कि अनपढ़ किसानों की बात कौन कहे, पढ़े लिखे बकील और मुखतार भी अकसर उसे समम नहीं पाते. जिन किसानों के हितों की रचा का दावा यह क़ान्न करता है, बह किसान यह नहीं जानते कि इस क़ान्न में है क्या.

भूमिधर

क्रानून के मुताबिक जिस क्रिस्म के काश्तकार की सबसे जियादा इक मिले हैं वह है भूमिधर. जिन सात क्रिस्म की खेती वाले लोग भूमिधर बन गए हैं वह यहहैं :—

- (1) जिन ज्मींदारों के पास सीर, खुदकारत श्रौर
- (2) श्रवध के दवामी पट्टा वाले जो कारसकार की हैसियत से जमीन पर सीधे क़ाबिज हैं.
 - (3) बिल मुख्ता कारतकार या माफीदार.
- (4) ऐसे काश्तकार जिन्हें ज़मींदारों ने जमीन बेचने का अधिकार दिया है.
 - (5) सीरदार जी सरकार की 10-12 गुना लगान देते हैं.
- (6) काश्तकार जो लगान का दस गुना जमा कर देते हैं.
- (7) श्रादिवासी जो क़ानून लागू होने पर पांच साल बाद लगान का 15 गुना जमा कर दें या जमीन के मालिक की इजाज़त से कभी भी 15 गुना जमा कर दें.

इस फैहरिस्त को देखने से ही पता लग जायगा कि बहुत से ऐसे लोग हैं जो बिना कुछ दिये हुए भूमिधर बन गए हैं (जैसे कि पिछले चार). नए क़ानून में भूमिधरों को सबसे जियादा हक़ दिये गये हैं. ज़मीन पर उनका पूरा पूरा क़ब्जा होगा और वह उसे किसी भी काम मैं इस्तेमाल कर सकेंगे. वह उन पर मकान बना सकेंगे और दूसरे धन्दे खोल सकेंगे. ज़मीन पर उन्हें मौरूसी हक़ होगा और वह उसे बेच सकेंगे. लेकिन धगर वह बेचें तो शर्त यह है कि ऐसे आइमी के हाथ न बेचें जिसकी जीत 30 एकड़ से जियादा تب تک ٹھیک اور انصاف کا نہیں مانا گیا جب تک بنا معارضہ زمینداری نہ ختم کر دمی گئی 'زمین کا پہر سے بتوارہ نہ ہو گیا اور سامنتی کال کے بوجے ہوئے لگان کم نہ کر دئے گئے ۔

کسانوں کے ساتھ وعدہ خلاقی

لهكن الله بوالم وعنوں كے خلاف يو . پى، كے اس نگے قانون بنانے والوں نے كسانوں كى أن بنهائى مائكوں كو تو پورا كيا نهيں؛ بلكة الگ الگ طرح كے چار قسم كاشتكار بعتال ركهكر پرائے بهيد بهاؤ جارى ركھ . كئى طرح كے كسان هونا سامنتى بندوبست كى خاص نشانى هے . كسانوں ميں '' أونج نيج "كا يه يهيد قائم ركها له ك لئے قانون انفا جاتل أور يهنچيده بنا ديا ئيا هے كه أن پوه كسانوں كى بات كون نها، پوه لكهے وكهل أور منتقار بهي اكثر أے سمنجه نهيں ياتے ، جن كسانوں كے هانوں كي الله وه كسان يه نهيں جانتے وكھا كا دهوى يه قانون كرتا هے وہ كسان يه نهيں جانتے وكھا كا دهوى يه قانون كرتا هے وہ كسان يه نهيں جانتے

يهومي دهر

قانوں کے مطابق جس قسم کے کاشکار کو سب سے زیادہ حق ملے میں وہ ہے بھومی دھر ، جن سات قسم کے کہلتی والے لوگ بھومی دھر بن گئے میں وہ میں :---

- (1) جن زمهنداروں کے پاس سیر' خود کاشت اور یاغ ههی .
- (2) اردہ کے دوامی پتد والے جو کاشتکار کی حیثیت سے زمین پر سیدھ قابض هیں ،
 - (3) بل منطقه كاشتكاريا معافى دار .
- (4) ایسے کاهتکار جلههی زمهنداروں نے زمون بهچنے کا ادهیکار دیا ہے .
- (5) سهردار جو سرکار کو دس یاره گفا لکان جمع کو دیتے هیں .
- (6) کاشتکار جو لاان کا دس کا جمع کر دیتے میں .
- (7) آئی واسی جو قانون لاکو ہوئے پر پانچ سال بعد نگان کا بندرہ گفا جمع کر دیس یا زمین کے مالک کی اجازت سے کبھی بھی پندرہ گفا جمع کر دیں .

اس فہرست کو دیکھائے سے ھی پاتھ لگ جائے گا کہ بہرمی بہت سے ایسے لوگ ھیں جو بنا کچھ دیائے ھرائے بہومی دھر بن گئے ھیں (جھسے کہ پنچھائے جار) ، نائے قانون میں بھومی دھروں کو سب سے زیادہ حق دے گئے ھیں ، ومین پر ان کا پورا پورا قبضہ ھوگا ، اور وہ اُسے کسی بھی کام میں استعمال کر سکیں گے ، وہ اُن پر مکان بنا سکیں گے ، اور دوسرے دھلدے کھول سکیں گے ، زمین پر ابھیں موروثی حق ھوگا اور وہ اُسے بھچ سکیں گے ، فریدی اگر وہ بھتچھیں تو شوط یہ ھے کہ ایسے آدمی کے بیکن اگر وہ بھتچھیں تو شوط یہ ھے کہ ایسے آدمی کے ہاتے نہ بھتچھی جس کی جوت 30 ایکو سے زیادہ

ज़मीदारी अन्त क़ानून में लिखा है—जिस पर लगान बक़ाया हो उसे गिरफतार कर पंद्रह दिन तक बन्द रक्खा जा सकता है, अगर वह पंद्रह दिन से पहले अदा कर दे तो वह पहले भी झोड़ा जा सकता है. यह दफा तो विधान में दिये गए बुनियादी अधिकारों की भावना के भी खिलाफ है. सन '39 के आराजी क़ानून ने बक़ाया वस्नूली के लिये क़र्क़ी, नीलाम, गिरफतारी वग़ैरा सब बन्द कर दी थी. और यह क़ानून उस समय पास हुआ था जब अंगरेज़ी हक़्मत क़ायम थी. लेकिन आज कांगरेसी राज में किसानों को वह सहूलत भी नहीं मिल रही है जो अंगरेजी राज में थी. आजकल जो लगान लिया जाता है बह चालीस साल तक इसी तरह जारी रहेगा और तब तक उसकी वस्नूली के लिये यह जुल्म भी जारी रहेंगे.

चालीस साल के बाद बन्दोबस्त अफसर जा कर हर जोत की पैदाबार, उस पर खर्च, बचत बगैरा तय करेंगे और उसका एक हिस्सा (जो विधान सभा तय करेगी) नए सिरे से लगान में बांधेंगे. भूमिधरों का लगान तब भी सीरदारों से आधा होगा.

यह उसूल चाहे जितना अच्छा हो पर यह बात तो माननी ही पड़ेगी कि चालीस साल बाद न्याय करने का तरीक़ा किसी लोकशाही सरकार के लिये ठीक नहीं है. आज कल का लगान और उसकी वसूली के तरीक़ों को जारी रखने का सिर्फ एक मतलब है और वह यह कि सरकार चालीस साल तक उत्तर प्रदेश के किसानों से सामन्ती लूट जारी रखना चाहती है.

7. कांगरेसी बन्दोबस्त

हमारे देश में जमीन का बन्दोबस्त कई बार हुआ. इस्तमरारी बन्दोबस्त के इलाक़ों को वहां के किसान डंकनी बन्दोबस्त कहते हैं, इसकी वजह यह है कि एक अंगरेज़ इंकन साहब ने इसका बन्दोबस्त किया था. हो सकता है कि जमीदारी के बाद का बन्दोबस्त कांगरेसी बन्दोबस्त कहा जाय क्योंकि यह बन्दोबस्त कांगरेस का चलाया हुआ है. ज्रमीन के बन्दोबस्त का मतलब है वह शतें जिन पर कारतकार को जमीन जोतने वरौरा के इक मिलते हैं. हमारे यहां जो बन्दोबस्त है उसे बदलने की मांग काफी दिनों से चल रही है. इधर तो बहुत से विद्वानों ने भी यह मांग दोहराई है, कहा गया है कि इन सुधारों के बग़ैर नाज की पैदाबार नहीं बढ़ सकती क्योंकि किसानों को जिन शतों पर जमीन मिलती है वह शरतें या तो ऐसी होती हैं कि जिनसे जमीन के साथ किसान का प्रेम बढ़े और जमीन को सुधारने और पैदाबार बढ़ाने के लिसे उसे दिलचम्पी हो और फिर या ऐसी होती हैं जो उसके प्रेम और हिम्मत दोनों को खतम कर दें. हाल में दूसरे देशों में जो सुधार हुए हैं उन्हें

زمیندای است قانون میں لکھا ہے ۔۔ جس پر لگان بقایا ہو اُسے گرفتار کو پندرہ دن تک بند رکھا جاسکتا ہے گار وہ پندرہ دن بیت رکھا جاسکتا ہے گار وہ پندرہ دن سے پہلے بھی چھوڑا جا سکتا ہے . یہ دفعہ تو ودھان میں دئے گئے بقیادی ادھیکاروں کی بھاڑنا کے بھی خلاف ہے . سن 39 کے آراضی قانون نے بھایا وصولی کے قرقی نیلام کرفتاری وفیرہ سب بند کردی تھی . اور یہ قانون اُس سیے پاس ھوا تھا جب انگریزی مکومت قائم تھی . لیکن آج کانگریسی راج میں کسانوں کو وہ سہولت بھی نہیں مل رھی ہے جو انگریزی راج میں تھی ۔ آج کل جو لگان لھا جاتا ہے وہ چالیس مال تک اسی طرح جاری وھیگا اور تب تک اُس کی وصولی سال تک اسی طرح جاری وھیگا ،

بچالیس سال کے بعد یندوبست افسر جاکر هر جوت کی پیداوار' اس پر خرچ' بتچت وقهرہ طے کریٹکے اور اس کا ایک حصة (جو ودھان سبها طے کریٹکی) نثیے سرے سے لگان مهن بانده بهن گے ۔ یهومی دھروں کا لگان تب بهی سهرداروں سے آدھا هوگا .

یه اصرل چاه جتفا اچها هو پر یه بات تو مانقی هی پریگی که چالیس سال بعد نهائے کرنے کا طریقه کسی لوک شاهی سرکار کے لئے تهیک نهیں هے . آج کل کا لگان اور اُس کی وصولی کے طریقوں کو جاری رکھنے کا صرف ایک مطلب هے اور وہ یہ هے که سرکار چالیسیساں تک اُترپردیش کے کسانوں سے سامنتی اوت جاری رکھنا چاهتی هے .

7. كالگريسىبلدوبست

همارے دیش میں زمین کا بندویست کئی بار ہوا۔ استمراری بندویست کے ملاقوں کو وہاں کے کسان قائکتی بقدوبست کہتے ہیں؛ اِس کی وجه یه هے که ایک انگریز قامن صاحب نے إس كا بلدوبست كيا تها . هو سكتا هے که زمینداری کے بعد کا بندربست کانگریسی بندربست کها جائے کیونکھ یہ بلدوہست کانگریس کا جلایا ہوا ھے ، زمین کے ہلدوبست کا مطلب ھے وہ شرطیوں جن پر کا گھٹکار کو زمین جوتنے وفہرہ کے حتی ملتے ہیں . همارے يهاں جو بندوبست ہے أسے بدلنے كي مانگ كافي دنوںسے چل رهی هے ، ادهر تو بہت سے ودوانوں نے بھی یہ مالگ دھرائی ہے ، کہا گیا ہے که اِن سدھاروں کے یغیر ناہے کی پهداوار نههن بوه سکتی کیونکه کساس کو جن شرطون پر زمهن ملتی هے وہ شرطهں یا تو أیسی هوتی ههی که چن سے زمین کے ساتھ کسانوں کا پریم ہوھے اور زمھن کو سدھارنے اور بهداوار بوهانے کے لئے أسے دلنجسهی هو اور بهر يا ايسى هوتی هیںجو اس کے پریم اور همت دونوں کو ختم کردیں، حال میں دوسرےدیشو*ں م*یں جو سدھار موٹے میں آنہیں

जब कानून बनाने बैठे तो यह सुमाव भी भूत गए श्रौर पुराना लगान श्रीर लगान का पुराना तरीका जारी रखा.

इस लगान की तो बुनियाद ही ग़लत है. यह तो काश्त-कार ज़मीदार युग के सांचे में ही ढला हुआ है. क़ायदे से खेती या ज़मीन को पैदाबार का साधन या ज़िरया मान कर ही उस पर लगान लगाना चाहिये और इसमें भी एक हद होनी चाहिये जिस के नीचे आमदनी पर लगान न लगे. नेहरू जी चाहते हैं कि देश में 'वैलकेयर स्टेट' यानी 'मंगलकारी राज' हो. पर अगर जनता का 'मंगल' चाहना है तो बन्दोबस्त के ठीक होने की पहचान यही है कि सब से कम आमदनी वाले लोगों पर टैक्स का बोम बिल्कुल न पड़े. अर्थशास्त्र के बहुत से माहिरों ने भी यही बात कही है कि रीर गुज़ारे के लायक जोतों पर लगान उचित नहीं है.

नए कानून में ज़ियादाती

सन 31 में सूबा कांगरेस ने एक कमेटी इसी सिलसिले में बनाई थी. उसमें पत जी भी थे. कमेटी ने अपनी रिपोर्ट में लिखा था—"किसी जीत पर लगान तय करने का यही तरीक़ा है कि आमदनी और खर्च का पता लगाया जाय और अगर कुछ बचत होती हो तो उसका एक हिस्सा लगान में ले लिया जाय." दूसरे शब्दों में कमेटी ने सुकाव दिया था कि लगान का आग का उसूल ग़लत है, उसकी जगह खेती की आमदनी पर टैक्स लगाना चाहिये. इनसाक, भलाई और बराबरी के उसूलों की भी यही मांग है. इसी लिये फ्लाउड कमीशन से ले कर कांगरेस की खेती सुधार कमेटी तक सभी लोगों की राय इसी बात के माफिक पड़ती है.

पर कमेटी के श्रमली सुभाव और क़ानून में न तो लगान कम करने की ही बात आती है और न लगान का ढांचा या उसून बदलने का जिकर है नए क़ानून के मुताबिक गांव की मालगुजारी की वसूली के लिये सभी सीरदार श्रीर भूमिधर सामृहिक या मजमूई तौर पर जिम्मेवार होंगे. वह 'श्रववाब' के भी देनदार होंगे. नया क़ानून बनाने वालों की मालूम था कि भूमिधर का लगान आधा और सीरदार का लगान कम हो जाने के बावजूद माल गुजारी की वसूली में बहुत बाधाएं आयंगी. और जब तक पैदावार बढ़ाने के तरीक़ों का विकास और सुधार न हो इन ब धाओं का श्राना लाजिमी है. इसीलिये नए क़ानून में किसान का दुख कम करने के बजाय पुराने सामन्ती ढंग के लगान वसूल करने के सभी जलिमाना तरीक़ों को इस्तेमाल करने की ह्यट दे दी गई है. लगान की बक़ाया वसूल करने के लिये सम्मन, गिरफ्तारी, नजरबन्दी, मनकूला (चल) जायदाद की कर्की, जमीन पर कब्जा या दूसरी ग़ैर मनकूला (अचल) मिल्कियत की जब्ती और नीलाम तक की खूट है. तहसीलदार के सामने हाज़िरी मामूली बात है.

جب قانون بفائے بھٹھے تو یہ سجھاؤ بھی بھول گائے اور پرانا لگان اور لگان کا پرانا طریقہ جاری رکھا ۔

اس لگان کی تو بلیاد هی قلط هے . یہ تو کاشتکار زمیندار یگ کے سامچے میں هی تعقد هوا هے . قاعد یہ سے کہیتی یا زمین کو پیداوار کا سادھن یا ذریعہ مان کو هی اس پر لگان لگانا چاہئے اور اس میں بہی ایک حد هونی چاهئے جس کے نیجے آمدنی پر لگان نه لگے . نیرو جی چاهتے هیں که دیره میں 'ویل فیراستیت' یعلی ثملکل کاری واج ' هو . پر اگر جلتا کا 'ملکل' چاهنا هے تو بلدوبست کے تیهیک هونے کی پہچان یہی هے که سب سے کم آمدنی والے لوگوں پر تیکس کا بوجه بالکل نه پوے ، لوته شاستر کے بہت سے ماھروں نے بھی یہی بات کہی ہے ارته شاستر کے بہت سے ماھروں نے بھی یہی بات کہی ہے ارته شاستر کے بہت سے ماھروں نے بھی یہی بات کہی ہے ۔

نئے قانون میں زیادتی

سن 31' میں صوبہ کانگریس نے ایک کمیٹی اِسی
سلسلے میں بانگی تھی۔ اس میں پلت جی بھی تھے۔
کمیٹی نے اپلی رپورٹ میں لکھا تھا۔''ئسی جوت پر
لگان طے کرنے کا یھی طریقہ ہے دہ آدئی اور خرچ کا پتھ
لگایا جائے اور اگر نجھ بچت ھوتی عو تو اُس کا ایک
حصد لگان میں لے لیا جائے '' دوسرے شہدوں میں
دمیٹی نے سجھاؤ دیا تھا لگان کا آج کا اُمول فلط ہے' اُس
کی جگہ کھیٹی کی آمدنی پر ٹیکس لگانا چاھئے۔ انصاب
بھائی اور برابری نے اُمولوں کی بھی یہی ماسک ہے۔
اِسی لئے فلاوڈ میشن سے لیکر کانگریس کی دھیٹی سدھار
اِسی لئے فلاوڈ میشن سے لیکر کانگریس کی دھیٹی سدھار
کمیٹی نک سبھی لوگوں کی رائے اِسی بات نے موافق

یر کمیتی کے عملی ستجھاؤ اور قانون میں نہ تو لگان كم كرتيكي هي بات أتى هي اور نه لكان كا دهاسيه يا أصول بدلنے کا ذکر ہے . بئے قانون کے مطابق گاؤں کی ما مخاری کی وصولی کے لگے سبھی سهردار اور بهوسی دھر ساموهک یا مجبوعی طور پر ڈسروار ہونگے ، وہ 'ابواپ کے بھی دیندار هوسکی دیا قادون بقانے والوں کو معلوم تھا که پہوسی دھر کا لکان آدھا اور سیردار کا لکان کم ھو جانے کے باوجود مالكذارى كي وصولي مهن بهت بادهائهن أثهلكي. اور جب تک پیداوار بوهانے کے طریقوں کا وکاس اور سدهار نه هو إن بادهاول كا آيا لازسي هي . اسي ليَّه نصَّ قانون میں کسان کا دنہ کم درہے کے پنجائے پرانے ساملتی ڈھلگ کے لکان اصول کرنے کے سمبھی ظالمانہ طریقوں کو استعمال کرنے کی چھوٹ دیدی گئی ہے . لکان کی بقایا اصول درنے کے لئے سمن گرفتاری نظربندی منقرله (چل) جالداد کی قرقی' زمین پر قبضه یا دوسری فهر ملقوله (الحِل) ملكهمت كي ضبطي أور نيام تك كي چهوك هـ. تصميلدار كر ساملي حاضري معمولي بالتا هـ .

a "2

हमारे सूबे के नए जमींदारी अन्त क़ानून से तो शिकमियों वरोरा की बेदखली की भी बाद आ जायगी. इस बुनियाद पर नए क़ानून में वह दफाएं लाई गईं हैं जिनसे क़ानून लागू होने के पांच साल बाद आदिवासियों की बेदखली होगी. इस तरह के शिकमी काश्तकार 32 लाख एकड़ जमीन जोतते हैं और वह बहुत गरीब हैं, वह मारूसी काश्तकार से दुअनी रुपया जियादा लगान देते हैं. क़ानून की इस धारा से यह नहीं समका जा सकता कि खेतिहर मज़दूरों के लिये दिखाई गई हमदुर्दी सची है.

6. लगान में कमी

हमने यह भी कहा था कि सामन्ती लुट का असली बोम लगान के ज़िरये किसान ही पर पड़ता है, इसलिये ज़मींदारी खातमे का असली मतलब यह है कि किसानों पर लगान का बोम कम हो. हमारे सूबे में की एकड़ लगान का जो औसत पड़ता है, वह दूसरे सूबों से ज़ियादा है. फलाउड कमीशन की रिपोर्ट में कहा गया था कि बंगाल में दखीलकार काश्तकार तीन रुपया छै आना की एकड़ लगान देता है, पंजाब में तीन रुपया दो आना, यू. पी. में यही लगान इन सूबों से दूना यानी छै रुपया की एकड़ है. वजह जो भी हो, लगान अधिक है, इससे कोई इनकार नहीं कर सकता.

ज़मींदारी श्रंत कमेटी की भूल

इसलिये अगर किसानों को उम्मीद थी कि जमींदारी स्नतम होने के बाद उनका लगान श्राधा हो जायगा तो इसमें उनकी गलती नहीं थी. कराची कांगरेस के जिस ठहराव का हवाला ऊपर दिया है, उसमें ग़ैर गुज़ारे लायक्न जोतों वाले किसानों को लगान सेपूरी बूट है और आम तौर पर लगान कम करने का सुभाव शामिल है. यही बात ज्मींदारी अन्त कमेटी वालों के दिमारों में भी रही होगी, क्योंकि रिपोर्ट में लिखा है-हम समभते हैं कि लगान बड़ी जोतों पर बढ़ाते जाना ज़रूरी है. इससे एक तो छोटी जोत वाले किसान का मोम इल्का होगा और उसे पैदावार बढ़ाने में सहूलत होगी. दूसरे आमदनी के ग़लत बंटवारे में भी कमी होगी. पर जब सुफाव देने की बात श्राई तो कमेटी ने लिखा कि उसकी सभी खराबियों के बावजूद लगान का यही तरीक़ा क़ायम रखा जाय. कमेटी ने जो दो एक सुधार इस सिलसिले में दिये हैं. वह बहुत ही नाकाफी हैं. कमेटी का सुमाव था कि एक एकड़ तक की जीत पर है आने, चार एकड़ तक चार आने, है एकड़ तक दो आने, और दस एकड़ तक की जोत पर एक आना भी रूपया छूट दे दी जाय. आज कल की तंगी और लगान के पुराने और पिछ घसीट तरीक्रे को देखते हुए यह इंट कम से कम छोटी जीत वालों के लिये तो नहीं के बराबर है. पर मजे की बात यह है कि कमेटी के मेम्बर همارے صوبے کے نگے زمھنداری انت قانوں سے تو شکمھوں وفقوہ کی بے دخلی کی بھی بارھ آجائیکی، اِس بلھاد پر نگے قانوں میں ولا دفعائیں لائی گئیں ھیں جن سے قانوں لائی گئیں ھیں جن سے قانوں لائی گئیں ھین جن سے قانوں لائی عالی مارے کے یابچ سال بعد آدی واسیوں کی بیدخلی ھوئی، اس طرح کے شکمی کا شتکار 25 لائم ایکڑ زمین جوتھے ھیں اور ولا بہت فریب ھیں، ولا موروسی کاشتکار سے دوانی روبیہ زیادہ لکان دیکے ھیں، قانوں کی اس دعارا سے یہ نہیں سمجھا جا سکتا کہ کھیگی ھر مودوروں کے لگے دکھائی گئی ھمدودی سجھے ھے ،

6. لكان مهى كسى

هم نے یہ بھی کہا تھا کہ سامنتی لوت کا اصلی ہوجھ لگان کے ذریعے کسان هی پر پوتا ہے' اس لگے زمینداری خاتیے کا اصلی مطلب یہ ہے کہ کسانوں پر لگان کا پوچھ کم هو ، همارے صوبے میں فی ایکو لگان کا جو اوسط پوتا ہے' را دوسرے صوبوں سے زیادہ ہے ، فقاد تامیشن کی رپورت میں کہا کہا تھا تھ بلگال میں دخیل کار کشتگار تھن روبھہ جھ آنہ فی ایکو لگان دیتا ہے' پنجاب میں تھن روبھہ دو آنہ' ہو ، پی ، میں یہی لگان ان صوبوں سے دولا یملی جھ (ربعہ فی ایکو ہے ، وجہ جو بھی هو' لگان یملی ہے' اس سے کوئی ایکو ہے ، وجہ جو بھی هو' لگان ادھک ہے' اس سے کوئی ایکو ہے ، وجہ جو بھی هو' لگان

زمهدداری است کمیشی کی بهول

اِس لئے اگر کسانوں کو اُمهد تهی کھ زمهنداری ختم ھونے کے بعد أن كا لكان آدها هو جائهكا تو إس ميں أن کی فلطی نہیں تھی ، کراچی کانگریس کے جس ٹھہراؤ كا حوالة أوير ديا كها هـ، أس مهى فهر كزارم لائق جونون والے کسانیں کو لگان سے پوری چھرے ہے اور عام طور پر لگان کم کرنے کا سجهاؤ شامل هے ، یهی بات زمیدداری انت کمینٹی والوں کے دمافوں میں بھی رھی ھوگی، كيونكه ربورت مين لكها هر-هم سمجهيم هين كه لكان ہوں جوتوں پر ہوھاتے جانا ضروری ہے ، اس سے ایک تو چهولی جرت والے کسان کا بوجه هلکا هوکا اور اسے پیداوار ہوھائے میں سپولت ہوگی، دوسرے آمدنی کے غلط بتوارے میں بھی کسی ھوئی۔ پر جب سجھاؤ دیا۔ کی بات آلی تو کمیٹی نے لکھا کہ اُس کی سبھی خرابھوں کے ہارچود لکان کا یہی طریقہ قائم رکھا جائے ، کمیٹی نے جو دو ایک سدهار اس سلسلے میں دیاے هیں وہ بہت نا كافي هيس ، كميثي كا سجهاؤ تها كه ايك أيكو نك كي جبت يرجه آنے' چار ايكو تك چار آنے' چه ايكو تك دو آیے' اور دس ایکو تک کی جوت پر ایک آنہ فی رویه چهرے دیدی جائے . آج کل کی تلکی اور لکان کے برانے اور یہے کہسمت طریقے کو دیکھتے موثے یہ جھرت کم سے کم چہوٹی جوت والوں کے لیئے تو نہیں کے ہرابر ہے ، ہر مزے کی بات یہ ہے که کمیشی کے سبور

वाले राल्ते में जो कमी हो उसे दूर करने का तरीक़ा यह नहीं है कि फिर से जमींदारी प्रथा लागू कर दी जाय या बड़ी जीत वालों के पास जियादा जमान छोड़ दी जाय. तरीक़ा यह है कि शामिलात खती के जुरिये उपज बढ़ाई जाय, जो बीच वाले किसान हैं उनसे सहकारी खेती करवाई जाय. यह दलील भी दी जाती है कि यह सब बातें तो आगे की और लम्बे अरसे में लागू होने वाली हैं, और हमें कल से ही शहर की जनता का पेट भरना है. लेकिन जमीन के बंटवारे का असर सिर्फ गल्ला वसूली पर पड़ सकता है और ग़ल्ला बसूली में सरकार को जमीदार श्रोर बड़े किसान से कभी भी सहयोग नहीं मिला. तभी सरकार उपज की 14 भी सदी से जियादा कभी बसल ही न कर पाई. असलियत में भुकमरी और श्रकाल पैदा करने वाले जमींदार ही हैं. जमीन के ठीक बंटवारे से ही सरकार श्रीर किसान के बीच सचाई श्रीर दोस्ती का रिश्ता क़ायम हो सकता है. ममकिन है आखीर में जमीन का असली बन्दो-बस्त बहुत छोटी जोतों पर नहीं, सहकारी व शामिलाती खेती पर ही हो जब सच्चे आर्थिक लोकराज की ओर सरकार क़दम उठायगी, तभी देहात और शहर दोनों आपमी मदद के बल पर अपने अपने पैरों पर खड़े होंगे.

जमीवारी अन्त कमेटी ने यह भी दलील दी थी कि बंदबारे से खेतिहर मजदूरों की रोजी छिन जायगी. लेकिन यह बात ग़लत है. बड़ी बड़ी जोत वालों के बड़े फार्मों पर खेतिहर मज़दूर बरक़रार रहेगे, जो ज़मीन जमीदारों से क्करेगी उसमें जमीदारों के परिवार वाले ता खेती करेंगे नहीं बल्कि वहां भी खेतिहर मजदूर ही लगेंगे हां ! जहां किसानों की जोतें छोटी होंगी वहां जरूर खेतिहर मजदर खाली होंगे. पर साथ ही साथ हमें यह भी याद रखना चाहिये कि खेतिहर मजदूर तब उस सामन्ती गुलामी से भी छटकारा षा जायंगे, जिसमें श्राधे चौथाई पेट खाना देकर जबरदस्ती काम लिया जाता था. जमींदारी खतम होने के बाद उस जोर जबरदस्ती का अन्त होगा और मजदूर और ग़रीब किसान पहली बार अपनी मेहनत की उजरत मंह खोल कर मांग सकेगा, उसे पहली बार मौका मिलेगा कि अपनी सभाशों के सहयोग से अपनी मजदूरी ऊंची करा सकें, फिर पामीन के बंटबारे में उन्हें भी कुछ न कुछ जमीन मिलेगी ही. इस तरह आधे गुलामों की तरह बेगार की जिन्दगी बसर करने की जगह खेतिहर मजदूर आजाद मजदूरों की तरह मोल भाव करने की ताकत की बुनियाद पर बाजिब एजरत मांगेंगे और उनमें से बहुत से पहली बार जमीन के मालिक होंगे. यह हालत आज कल की अध-गुलामी की हालत से कैसे बुरी है ? वह तो इसका स्वागत ही करेंगे.

लेकिन खेतिहर मणदूरों का सवाल हल करने की जगह

والمفلم مهن جو کمی هو أبيد دور کانے کا طريقة يه نبهن ہے کہ یہر سے زمهلداری پر تھا لاکو در دیی جائے یا ہوی جوت والوں کے یاس زیادہ زمین چھوز دی جائے ، طریقه یه هے که شاملات کهیتی کے ذریعے أربع برهائي جائے' جو يہي والے كسان هيں أن سے سهكاري کھیتی کروائے جائے ۔ یہ دلیل بھی دیے جاتی ہے کہ یہ سب ہاتیں تو آئے کی اور لمدے عرصے مندں لاکو هونے والی ههن' أور همهن كل سے هي شهر كي جنتا كا يهت بهرنا ھے ، لیکوں زمیوں کے بتوارے کا اثر صرف فالم وصولی پر ہو سکھا ہے اور غلم وسولی میں سرکار کو زمیقدار اور ہوے کسان سے کہھی بھی سپھوگ نہیں ملا ، تبھی سرکار اُپیم کی 14 فیصدی سے زیادہ کھھی وصول ھی تھ کر پائی ، اسلیت مهی بهکمری اور اکل بهدا کرنے والے زمیندار هی ھیں . زمین کے تبھیک ہٹوارے سے ھی سرکار اور کسان کے بیچ سنچائی اور دوستی کا رشته قائم هوسکتا چے . ممکن هے آخهر مهن زمهن کا اصلى بغدوبست بهت چهوتى جوتوں پر نهین تامیکاری شاملانی کهیتی پر هی هو ، جب سنچے آرتهک لوک راج کی اور سرکار قدم اُنهائه کی تیهی دیهات اور شہر دونوں آیسی مدد کے بل پر ائے ایے پھروں پر 195ء هوں گے ،

امیلداری انت کمیتی نے یہ بھی دلیل دی تھی که بتواريے سے کههتي هر مؤدوروں کی روزی چهن جائے گی . لیکن یہ بات فلط ہے ، بچی بوی جوت والوں کے بچے قارموں پر کھھٹیھر مزدور برقرار رھھیں گے ، جو زمھی زمیدداررن سے چھوٹے کی اسمیں زمیدداروں کے پریوار والے تو كهيئي كريس كرتهيس بلكه وهال يهي كههني مردور هي لكيس کے ، آماں اَ جہاں کسانوں کی جوتیں چھوٹی ہونگی وهال فدرور کههای هر مؤدور خالی هونکه ، در ساته هی ساته همهن یه بهی یاد رکهنا جاهگی که کهیتی هر مزدور تب اس سامنتی فلامی سے بھی چھٹکارا یا جائرینکے جس میں آدھے چوتھائی پوسٹ کھانا دے کر زبردستی کام لیا جاتاً تھا ، زمیدد اُری ختم هوئے کے بعد اس زور زیردستی کا انت هوگا اور مزدور اور فرتب کسان پهلی بار ایلیمعملت کی اُجرت مدہ کھول کو مانگ سکے کا ، اُسے پہلی ہار موقع ملے کا که ایلی سبھاوں کے سہھوگ سے ایلی مزدروس أرنجي كرا سكم ، پهر زمهن كم يتراريمهن أنيين بهی کنچه نه کنچه زاین ملے کی هی ، اس طرح آدمے فلامس کی طرح بهکار کی زندگی بسر کرنے کی جکه کههای هر مودور آزاد مودوروں کی طرح مول بھاؤ کرنے کی طالت کی بنیاد یر واجب أجرت مانكینكے اور أن میں سے بہت سے بہلے ہار زمھوں کے مالک ھونگے ۔ یہ حالت آج کل کی اده فلامی کی حالت سے کہسی بری ہے؟ وہ تو اس کا سواکت ھی کریں گے ۔

لهكن كهيةى هر مزدورون كا سوال حل كرنے كي جگه

Úi.

की जरूरत सममी गई थी. लेकिन मुस्लिम लीग के भीतर और बाहर के जमींदारों का जार सहरावर्दी पर पड़ा और बिल कभी पेश ही नहीं हुआ. कांगरेस की आर्थिक श्रोमाम कमेटी ने भा जनवरा सन '48 में सिफारिश की थी—बेहतर होगा। क कम से कम जोत की एक हद बांध दी जाय, उससे जियादा जमीन जिस पर भी हो उस से लेकर सहकारी समिति की दे दी जाय. कांगरेस का आराजी सुधार कमेटी ने भी इस बात को दोहराया.

इन कमेटियों ने यह सुभाव इस अर्सालयत की समभ कर ही दिया था कि सीर और खुद कारत को कम किये बिना न तो सामन्ती जमींदारों का इजारेदार ही तोड़ी जा सकती है और न किसानों की जुमीन की भूक ही मटाई जा सकती है, इसके बिना देश के किसानों का दशा सुधर भी नहीं सकती. ज़मीन की भूक ज़मीदारी खतम कर के ही पूरो की जा सकती है. हमारे सूबे में जितन को सदी लाग खेता की जितनी कम जमीन से रोजी चला रहे हैं, उतने किसा भा दसरे सुबे में नहीं चला रहे हैं. हमारे यहां 50 लाख खेतिहर मजदूर हैं जिन के पास अपनी सुई बराबर भी जुमान नहीं है. श्रौर हम।रं यहां भा ऐसी छोटा छोटी जोतों की ताद द सबसे जियादा है जिन पर किसी कुनवे का गुजारा नहीं चल सकता. भूमि सुधार का पहला असूल जमान का फिर से बंटवारा होना चाहिये. हमारे सूबे में इसके बिना काम हो नहीं चल सकता. किसान सभा ने कहा है कि जियादा से जिय दा 25 एकड़ जमीन एक ब्यादमों के पास रहें. लेकिन हमारे सूबे में ता 15 एकड़ ही इतनी काफा जमीन है जो कि इतमिनान से गुजारे लायक जोत कही जा सकती है.

ज़मींदारी अन्त क़ानून में दरार

पर इस जमीदारी अन्त क.न्न में जमान के बंटवारे की कांई बात ही नहीं है इसकी वजह जमीदार। अन्त कमेटी की रिपोर्ट में मिलती है कमेटा ने जावते से तो जमान के नए सिरे से बटवारे का ठी 6 और मुनासिब बताया है. लिखा है कि "खेती से होने वाली ज़ियादा से जियाद और कम से कम आमदिनयों में जो भारी अन्तर है वह बंटवारे से खतम हो जायगा, और सामाजिक न्याय की नीव पड़ जायगी." लेकिन जब काम के सुभाव देने का वक्त आया तो कमेटी को कई करजी दिक्कतें दिखाई पड़ने लगी. कमेटी ने लिखा कि "बंटवारे से रूस की तरह मुकमरी ओर अकाल आ जायगा. कम से कम शहरों में आने वाले राल्ले में इतनी कमी आ जायगी कि शहर वाले मुकों मर जायंगे. इससे खेतिहर मज़दूर्रा की रोजी छिन जायगी वरीरा."

जहां तक रूस की भुकमरी का सवाल है, खुद स्टाबिन ने इस सिलसिले में कहा था कि बाजार में आने کی قدوس سمجھی گئی تھی لیکن مسلیم لیگ کے بھتر اور یاھر نے زمیمداروں کا روز سہاورد نے بر بڑا اور بل کیھی پیش عی دیھی ھوا کانگیس کی آرتھک پارگرام دمیٹی نے بھی جلوری سن 48 میں سفارش کی تھی سدیٹ عوال که ام سے ام جوت اور کی الدھ دی جائے اس سے ریادہ زمین جس پر بھی ھو آس سے لے کا سہکاری سمیٹی کو دیے دی جائے ۔ کانگریس کی آرضی مدھار نمیٹی نے بھی اس بات دو دھرایا ۔

ان کمیٹیوں نے یہ سجھاؤ اس اصلیت کو سجھکر هی دیا تها که سهر اور خود کاشت کو دم کثیر بالما به تو سآملتی ومهلداران فی آجاری داری هی تری خا سکتی هے اور به کسانوں دی زمهن ای بهوت هی متاثی جا سعتى م أس يريد ديم يو نساس در دشا سدور بھی تھیں سکتی ، زمین دی بھوک زمیداری ختم کر ہے ھی پہری کی جا سکتی ہے . همارے صوبے میں جاتاہے فیصدی لوگ پهتی ئی جندی نم زمون سے درزی چا رم میں اللے اسی بھی دوسرے صوبے میں بہمن چا رہے هين ۽ هماري يهان 60 لاءِ هنڌي هر مؤ ور هون جن نے پاس ایڈی سرنی ہواہر بھی زمون نہوں ہے۔ اور عمارے يهاں بھی ايسی جھوڙي جھودي جوتوں دی بعداد سب سے غیافته نهر نجری یو فسی معهم ۱۵ دقه را نبهیس چل منتقا . بهومے سدھار کا پہلا اصول ردھن کا پھر سے بنڈر را عوب چاعلے ، ممارے صوبے میں اس نے یب ام عی بہوں جا المكتال السان سهم نے دیا ہے له ريانة سے ريادہ فاق يكو زمین ایک آدمی کے پاس رہے لیکن هدارے صربے میں تو 15 ایکو هی اندی کافی زمین هے جو ده اطامهان سے كذاري النق جوت لهي جا سكتي ه .

وميلداري است قانون مهن درار

وراس زمهداری است قانون میں زمین کے بقرارے دی ولی وابعی ایس زمهداری است دمیشی دی ویورنق میں ملدی ہے دمیشی نے ضابطے است دمیشی دی ویورنق میں ملدی ہے دمیشی نے ضابطے سے تو زمین نے بند سے سے بقرارے دو تبیک اور مطاسب بقایا ہے ، لکہا ہے ده '' دہیشی سے ہونے والی زیادہ سے زیادہ اور کم سے کم امدینوں میں جو بھاری انقر ہے وہ بقرارے سے خمتم ہو جائیگا اور سماجک بیائے دی نیو پر جائے گی '' لیکن جب کام نے سجھاؤ دینئے کا وقت آیا تو کمیشی کو دگی فرضی دقتیں دنھائی پر نے لکین ، کمیشی نے لکھا گئے '' بھوارے سے روس دے طرح بہتموی ور اکال آبائے گا ، کم سے کم شہروں میں آنے والے فلے میں اندی دمی آ جائے گی کہ شہر والے بھوکوں مو جائیلگے ، اس سے دھیسی ہو کی کہ قیدوروں کی دوزی جھن جائے گی ۔'' وقیدو

جہاں تک روس فی یہکمری کا سوال ہے' خود اسلالی نے اس سنسلے میں نیا تھا که بازار میں آنے ه پهمين د پرځماند

युव्याविजा सिर्फ उन्हीं को मिलना चाहिये था जिनके पास सचमुच म गुज़ारे क कई ज़रिया व्हीं रह गया था इसका मतलब यह है कि सरकार का ज़मींदारों की कुल आमदनी का पता चलाना था—चाहे वह ज़ दिन या खेती की हो और चाहे किसी और ज़िरये से जिनकी आमदनी 300 रूपए महीने से कम होती उन्हें उनकी ज़मंदारी का आमदनी के बराबर की रक्षम ज़ियादा से ज़िय दा दस साल तक भन्ते के रूप में दी जाती. सरकार की मदद से दस साल में सभी ज़मींदार आमदनी के नए ज़िरये और नए पेरो अपना लेते. ऐसे लोग छोटी आमदनी वाल ही होते और उन पर खर्च करने के लिये ज़ियादा से ज़ियादा उठ करोड़ की रक्षम बहुत काफी होती.

यहां इम इस बात को भी साफ करदें कि इम फिर बसाओं और मुश्राविजे के उसून में एक दूमरे से कोई ताल्लुक नहीं है. हम यह सुफ'व इसिलिये दे रहे हैं कि हमारे देश में बेकारी बीमा की कोई यो जना नहीं हैं; श्रीर यह देखने की ज़िम्मेदारी सरकार की है कि देश का कोई भी श्रादमी भुक और बेकारी के रास्ते न जाय.

पर सरकार का मकसद तो यह माल्म होता है कि भाज के ज्मीदार कल के ऐसे किमान बन जायं जो खेत भीर जात से अलग रह कर दूसरों से खेती कराते हैं भीर यह मक़सद हमारे किसानों की हर जमात के लिये खतरनाक है.

5. जमीन का फिर से बंटवारा

ज्मींदारों को जो दूसरी बडी छूट दी गई है वह है सीर, खुद कारत व ब'गों का उन्हीं के पाम छोड़ दिया जाना. सीर की सादे बयालीस लाख एकड़, खुद कारत की सवा इकत्तीस लाख एकड़ और बागात की सादे पांच न ख एकड़ मिल कर यह ज़मीन कुल जमा खेती की ज़मीन का पांचवां हिस्सा बैठती है. हमारी सरकार ने करमीर श्रीर वर्मा की पड़ांसी सरकारों से भी मबक नहीं लिया, जहा ज़मींदारों की पास थोड़ी सी ज़मीन छोड़ कर बाक़ी सीर व खुद काश्त बिना मुआबिज़ा ले ली गई है श्रीर ग़रीब किसानों में बांट दी गई है.

सीर श्रीर ख़ुद काश्त पर पावन्दी

अपने द्दी देश में बंटवार से पहले बंगाल के मंत्री हुसैन शदीद सहरावर्दी ने जमींदारी के खातमें का जो बिल तैयार किया था उसमें जमींदारों की 32 एकड़ से जियादा सीर ब खुद कारत रखने की इजाजत न थी उनकी बाक़ी जमीन खेतिहर मजद्गां, ग्रारीब किसानों और बंटाई वालों में बांट दी जाती उस बिल में कई गलतियां थी पर हम केवल यह बताना चाहते हैं कि उस बिल में भी जियादा से जियादा सीर और खुद कारत कितनी छोड़ी जाय, इसकी हद बांधने معارضة صوف أنهدو كو ملقا جاهد كها جور كے پاس سهميه مهل گؤارے كا دوئي قايعة مهمول وه گها تها سركا طلب يه هي ده سركار كو زيده دور دى ال امدادى كا پنه جات نها سواه وه زمهدارى با كهيتي ايه هو اور جايا اسى ور دريعة سي بحور كى آمدارى كي آمدارى دي آمدار يا به باله آله زيا كا يا بالك كي راهدارى كي آمدار يا به باله الله يا باله الله يا بالك تك هند يه دون مهما دارى كي راهدارى كي آمدار يا باله يا بالك تك هند يه دون مهم دى جان الله يا بالك مدال مي سبهى زمهادار آمدار كي نئي مدال مي سبهى زمهادار آمدار كي نئي مدال مي بالك ليه يا بالك كي نئي مدال مي بالك الله يا بالك كي نئي مدال مي بالك يا بالك كي نئي مدال مي بالك يا بالك يا بالك كي نابي مدال مي بالك يا بالك يا

یہاں ہم اس یات ہو بھی صاف ددیں کہ اس پھر ہساؤ اور معاوضے نے اُصول مھی آیک دوسرے سے کوئی تعلق بھیں ہے۔ ہم یہ سعواؤ اُس لئے دے رہے ہیں نہ ہمارے دیش میں بھکا ہی بعدہ کی کوئی یوجلا بہوں ہے: اُور یہ دیکھئے کی ڈامدداری سوکار کی بنے کا دیش کا کوئی بھی آدسی بھوک اُو، بھکا ہی کے راسٹار نہ جائے

پر سرگار کا مقصد ہو یہ معلوم عوتا ہے کہ آج کے زسهنداو کل کے آیسے کسان بن جائیں جو کھیت اور جوت ہے الگ رلا کو دوسروں سے کھیٹر فرائے ھیں اور یہ مقصد ھمارے کسانوں کی ھر جماعت نے لگے خطرباک ہے ،

5. زمهن کا بهر سے بخوارا

وسهندارور کو جو دوسو. یوی چهوت در کئی هے وہ هے سهرا حدد کشت و باقی کا انهیاں کے پاس چهور دیا سانا۔ سیر دو سازهے بهالیس آنه ایکوا حود کاشت کی سوا کنیس لاکه آیکو اور باقات دی سازهے پانچ لانه ایکو مل کو یہ زمین کل جمع نهینگی کی زمین کا پاسپوال حصہ بهنگینگی ہے۔ مماری سرکاروں سے هماری سرکاروں سے بھی سبق دیمیں لیا جہاں زمینداروں کے پاس تهوری زمین چهور کو باقی سیر و خود کاشت بنا معارضہ لے لیے زمین چهور کو باقی سیر و خود کاشت بنا معارضہ لے لیے کئی ہے اور غریب کسانوں میں بانت دی گئی ہے۔

سهر اور خود کاهت پر پایددی

ابھ ھی دیھی مہیں ہٹر رہے سے پہلے باکال کے ماہری مصمین شہید سہرا رردی نے رسیداری کے خاتم کا جو ہل تیار کیا تھا اُس میں رسیداروں کو 32 ایکڑ سے ریادہ سمبر و خبرد عامت رکھنے کے اساس اور باللہ اور باللہ میر باسٹ دی جاتے سی ان میں کی فیطان میں اور باللہ سے ریادہ کیول کے باتا چاعاتے میں کہ سیر ریادہ سے ریادہ بار خود تائے کا تاہمی جھوری جائے اُل سی کی حد بالدھنے

इन ज्मीवारों को सरकारी बान्ड या परामेसरी नोट दिये गए तो उससे काग़जी नोटों के बढ़ जाने, चीजों के और मंहगे हो जाने और देश की आर्थिक व्यवस्था के बिगड़ से जाने का जो डर है, वह इस तरीके के खतम हो जायगा.

मुत्राविजे की रक्रम का सही उपयोग

ज्मीदारों की दूसरी जमात 250 रुपप से लेकर 3500 रुपप की श्रामदनी वाली है. इसे भी मुशाबिज की रक्षम कुछ तो सहकारी समितियों के ज़िरये श्रीर कुछ नक़दी में मिलनी चाहिये थी. इस जमात के ज़मीदारों में शिचा कुछ ज़ियादा है, श्रीर उन्हें व्योपार का भी थोड़ा बहुत तज़ुरबा है. इन लोगों का जो नक़द रुपया मिलता उसके ठीक उपयोग की श्राशा ज़ियादा थो. इस तरह से मुश्राबिज़े की रक़म की चीथाई (क़रीब 22 की सदी) सूबे की श्राथिक दशा सुधारने में ठीक तरह से लग जाती.

3500 रुपए से 5000 रुपए तक मालगुजारी देने वाले जमीदारों को भी रुपया समितियों और नक़दी के रूप में दिया जाता. लेकिन इन्तजाम यह किया जाता कि जैसे जैसे रक़म बढ़ता जाती, नक़द मिलने वाली रक़म का औसत भी धीरे धीरे बढ़ता जाता. इस तरह मुझाविजे की रक़म का 90 की सदी उपयोग उद्याग धन्दे चलाने के लिये पूंजी के रूप में मिल जाता. इस वक़्त अगर हमारे देश में किसी चीज़ की कमी खटकती है तो वह पूंजी की ही, और वह इस तरह से पूरी हो जाती.

5000 रुपए से ज़ियादा के मालगुजारों की सिर्फ नाम के लिये कुछ मुखाविजा दे कर खतम कर दिया जाता जिससे विधान के पिछायसीट उसूत की रहा भी हो जाती और जियादा रुपया भी नहीं खर्च होता.

इस सब का यह मतलब नहीं है कि हम इस स्कीम के हामी व तरफदार हैं. हम तो जिक्क यही दिखाना चाहते हैं कि इस कानूनी ढांचे में भी तरक्क़ी की गुंनाइश निकाली जा सकती थी. अगर सरकार देहातों की ग़रीब जनता की हालत सचमुच सुधारना चाहती तो उसकी स्कीम और क़ानून में तरक्क़ी की यह बातें शामिल हो सकती थीं.

वैसे इम तो इसी उसूल को ठीक मानते हैं कि ज़मी-दारी के खातमे से जिन लागों की रोजा पूरी तरह से या कुछ कुछ खतम हो रही है उनके गुज़ारे का फिर से इन्तज़ाम करने के लिए एक फिर बसाओं भत्ता ही दिया जाता.

सरकार का फुर्ज़ और जुमींदार

सरकार को हर ज़मींदार के सवाल पर श्रालग श्रालग श्रिलग करना चाहिये था क्योंकि एक तरफ तो बेकारी से बचाना था और दूसरी तरफ मुश्राविजे के बहाने रईस बन जाने की तिकड़म भी खतम करनी चाहिये थी.

ان زمھنداروں کو سرائوی بانڈ یا پرامیسری نوٹ دئے گئے تو اس سے کافڈی نوٹرں کے بوھ جانے' چھڑوں کے اور مہنگے ھو جانے اور دیکس کی آرتھک ریوستھا کے بگڑ جانے کا جو قر ہے' وہ اس طریقے سے ختم ہو جانھکا .

معاوضے کی رقم کا صحصیم اُپیوگ

زمینداروں کی دوسوی جماعت 250 روپائے سے لیکر 3500 روپائے کی آمدئی والی ہے ۔ اِسے بھی معاوضے کی وقم کچھ تو سیکاری سمیتھوں کے ذریعے اور کچھ نقدی میں مللی چاھئے تھی ، اس جماعت کے زمینداروں میں شکشا کچھ زیادہ ہے اور اُسیس بیوپار کا بھی تھارا اُس کے بہت تجربہ ہے ، ان لولوں کو جو نقد روپیہ ملتا اُس کے تھیک اُپھوک کی آشا زیادہ تھی ، اس طرح سے معاوضے کی رقم کی چرتھائی (تریب 22 فیصدی) صوبے کی آرتھک دھا سدھارئے میں تھیک طرح سے لگ جاتی ،

3500 روپگه سے 5000 روپگه تک مالکڈاری دیلے والے زمیدداروں کو بھی روپھ سمیتھوں اور نقدی کے روپ میں دیا جاتا۔ لیکن انتظام یہ کہا جاتا کہ جہسے جہسے وقم بڑھتی جاتی نقد ملئے والی وقم کا اوسط بھی دھی یہ دھیدے دھیدی بوھتا جاتا ۔ اِس طوح معاوضے کی رقم کا 90 فیصدی ایپورگ آدیوک دھندے چلانے کے لئے پردچی کے روپ میں مل جاتا ، اِس وقت اگر ھمارے دیش میں کسی چھڑ کی دمی کھٹکتی ہے تو وہ پونجی کی ھی وہ اس طوح سے پروس ھو جاتی ،

5000 روپگے سے زیادہ کے مالکڈاروں کو صرف نام کےلئے کچھ معارضہ دیکر ختم کر دیا جاتا جس سے ودھان کے پچھ گھسھٹر اُصول کی رکشا بھی ھو جاتی اور زیادہ روپھے بھی نہیں خرچ ھوتا .

اس سب کا یہ مطلب نہیں فے کہ هم اِس اسکیم فے حامی و طرف دار هیں ، هم تو صرف یہی دکیانا چاهتے هیں دہ اس قانونی دھانچے میں بھی ترقی کی گئچانھی بکالی جاسکتی تھی ، اگر سرکار دیہانوں کی فریب جنتا نے حالت سے میے سدھارتا چاهتی تو اُس کی اسکیم اور قانون میں ترقی نی یہ باتیں شامل هو سکتی تھیں ،

ویسدهم تو اِسی اصول کو تھیک مانتے ھیں که زمینداری کے خاتمے سے جن لوگوں کی روزی پوری طرح سے یا کچھ کچھ حتم هو رهی هے ان فے کزارے کا پھر سے انتظام کرنے کے لئے ایک یھر بساؤ بھتھ ھی دیا جاتا ۔

سرکار کا قرض اور زمهندار

سرکار کو ہو زمیندار کے سوال پر الگ الگ وچار کرنا چاہئے تھا کھونکہ ایک طرب تو بھکاری سے بیچانا تھا اور درسری طرب معارضے کے بھائے رئیس بی جائے کی تکوم بھی ختم درنی چاہئے تھی،

ابھی تک سرکار اُس مد میں کل 33 کرور رویعہ اکتھا کر ہائی ہے . اُور اِس کے لئے ھزاروں گیلی پترول پھورکا گیا ہے . کانگریس کے نیتاوں اور سرکاری افسروں نے لاکھوں کسانوں کی سیھائیں کرکے اُن میں بھاشن دئے میں . ریتیو اُخبار سیھائیں کرکے اُن میں بھاشن دئے میں کم میں لایا گیا ۔ کھلے کھلے پھسلایا اور سمجھایا گیا ۔ کہلے کھلے پھسلایا اور سمجھایا گیا ۔ دیاؤ ڈالا گیا جو سمجھ گئے تھے کہ جتنا زیادہ رویعہ اس دیاؤ ڈالا گیا جو سمجھ گئے تھے کہ جتنا زیادہ رویعہ اس میں آئیکا اُنٹا زیادہ اُنہیں کو ملے گا ۔ لیکن اس میس کے بعد بھی صرف تین طرح کے کسانوں نے یہ رویعہ میں جمع کیا ۔ ایک تو وہ جو جھگڑے کے کھیڈوں پر قبضہ جمانا جمع کیا دوسرے وہ جو جھگڑے کے کھیڈوں پر قبضہ جمانا چہاہتے تھے اور تیسرے وہ جو جھگڑے کے کھیڈوں پر قبضہ جمانا چہاہتے تھے اور تیسرے وہ جو جھگڑے کے کھیڈوں پر قبضہ جمانا چہاہتے تھے اور تیسرے وہ جو بھیگڑے کے کھیڈوں پر قبضہ جمانا چہاہتے تھے اور تیسرے وہ جو بھیگڑے کے کھیڈوں پر قبضہ کیا دوگوں کو قبض زیادہ دباؤ پڑا تھا ۔ اس تھسری طرح کے لوگوں کو قبض لیکر یہ رقم جمع کرنی پڑی ۔

یه بات سان هے که چهوتے زمینداروں کا سوال انہیں ایک مشت رقم دیکر حل نہیں کیا جاسکتا ، اِنہیں لیے طریقوں سے کھیتی کا سدھار کرنے کا کوئی تجربه نہیں هے ، اور نه اِنہیں کقیش دهندوں یا بیویار چانے کا انوبہو هی هے ، جب تک سرکار ان کی رقم اور سادهنوں کا تھیک استعمال کوانے میں انہیں صدد نہیں دیتی تب تک اس رقم اور سادھی کے بریاد هو جانے کا خطرہ بنا رهیکا ، اس طرح نه تو کھیتی کا سدھار ہوگا اور نه دهندوں کا وکاس ، اُن دونوں کے بنا چھوتے زمیندار پہر سے بسائے اور بھتے کی رقم ان زمینداروں کی سیکاری سمیتیاں بناکر اُن سمیتیوں کو پونجی کی شکل میں دی جائے اور یه سمیتیاں آبے کھیتی یا ادیوک دھندوں کے وکاس میں سمیتیاں آبے کھیتی یا ادیوک دھندوں کے وکاس میں سمیتیاں آبے کھیتی یا ادیوک دھندوں کے وکاس میں لیے

معارف کی دو تھائی رقم ان زمینداروں کو ملیکی جن کے زمینداری سے ساانہ آمدنی تین سو روپئے نکھے. هر چھوٹے زمیندار کو جورقم ملیکی اُس کا اوسط تو 250 روپئے سے 14250 روپئے سے 14250 روپئے سے بہت سے زمیندار بھی اِس میں شامل مهں جنہیں اس سے اور کھھتی کم رقم ملیکی ایک ارب سے زیادہ کی یہ رقم اگر کھھتی و ادبوگ دھندوں کے لئے سہکاری سمیتھوں میں لکائی جائے تو کسانوں کھیتی هر مؤدروں' کارخانوں کے مؤدوروں اور درمھانی درچے کی جنتا کو تئے روزگار مل جائیں ۔ اِس سے زمین پر تربھر رھنے والے لوگوں کی تعداد بھی کم هو جائیکی' اور زمینداروں کی آمدنی بھی بھی کم هو جائیکی' اور زمینداروں کی آمدنی بھی سدھار اور کسانوں کی حالت اچھی کرنے میں لکایا حاسکھتا ۔ اور 'سب سے بڑی بات یہ بھی کو کھتی کے حاسکھتا ۔ اور 'سب سے بڑی بات بھی کو تھیتی کے حاسکھتا ۔ اور 'سب سے بڑی بات بھی کو کو میتی کے حاسکھتا ۔ اور 'سب سے بڑی بات بھی کونے میں لکایا

भभी तक सरकार इस मद में कुल 33 करोड़ रूपया इकट्टा कर पाई है. और इसके लिये हजारों गैलन पेट्रोल फुंका गया है. कांगरेस के नेताओं और सरकारी अफसरों ने लाखों किसानों की सभाएं कर के उनमें भाशन दिये हैं. रेडियो, अखबार, सभाएं-श्रोपेगन्डा श्रौर प्रचार का हर तरीका काम में लाया गया खले खुले फुसलाया श्रीर सममाया गया. लिपे लिपे पटवारी, पुलिस और ऐसे ऐसे जमींदारों का दबाव डाला गया, जो समक गये थे कि जितना जियादा रुपया इस फन्ड में श्रायगा, उतना जियादा उन्हीं को मिलेगा, लेकिन इस सब के बाद भी सिर्फ तीन तरह के किसानों ने यह रूपया जमा किया -एक तो वह बड़े बड़े किसान जिनके पास रूपया था, दूसरे वह जो मताई के खेतों पर क़बजा जमाना चाहते थे और तीसरे बह जिन पर पुलिस और पटवारी का जियादा दबाब पड़ा था. इस तीसरी तरह के लोगों को क़र्ज ले कर यह रक़म जमा करनी पड़ी.

यह बात साफ है कि छोटे जमींदारों का सवाल उन्हें एक मुरत रक्तम दे कर हल नहीं किया जा सकता. इन्हें नए तरीक़ों से खेती का सुधार करने का कोई तजुरवा नहीं है. खौर न इन्हें किन्हीं धन्दों या ब्योपार चलाने का अनुभव ही है. जब तक सरकार इनकी रक्तम और साधनों का ठीक इस्तेमाल कराने में इन्हें मदद नहीं देती, तब तक इस रक्तम और साधन के बरबाद हो जाने का जतरा बना रहेगा. इस तरह न तो खेती का सुधार होगा और न धन्दों का विकास. इन दोनों के बिना छोटे जमींदार फिर से बसाए नहीं जा सकते. इसिलिये यह जरूरी है कि मुआबिजे और अने की रक्तम इन जमींदारों की सहकारी समितियां बना कर उन समितियों को पूंजी की शक्त में दी जाय और यह समितियां उसे खेती या उद्योग धन्दों के विकास में लगावें.

मुशाब्जि की दो तिहाई रक्तम उन जमीदारों को मिलेगी जिनकी जमीदारों से सालाना श्रामदनी तीन सी रुपए तक है. हर छोटे जमीदार को जो रक्तम मिलेगी उसका श्रोसत तो 250 रुपए से 4250 रुपए के बीच श्राता है. पर असित तो 250 रुपए से 4250 रुपए के बीच श्राता है. पर असित तो 250 रुपए से 4250 रुपए के बीच श्राता है. पर असित तो 250 रुपए से प्रामिल हैं जिन्हें इससे श्रीर भी कम रक्तम मिलेगी. एक श्ररव से जियादा की यह रक्तम श्रामर खेती व उद्याग धन्दों के लिय सहकारी समितियों में लगाई जाय तो किसानों, खेतिहर मज्दूरों, कारखानों के मज़्दूरों श्रीर दरमियानी दरजे की जनता को नये रोजगार मिल जायं. इससे जमीन पर निर्भर रहने बाले लोगों की तादाद भी कम हो जायगी, श्रीर जमीदारों की श्रामदनी भी पहले से बढ़ जायगी. इस श्रामदनी को खेती के सुधार श्रीर किसानों की हालत श्रन्छी करने में लगाया जा सकेगा. श्रीर सबसे बढ़ी बात यह है कि श्रार

بهارت کا ودهان أور معاوضه

حال میں کچھ لوگرں نے یہ بھی کھلا شروع کھا ہے کہ همارے وقعان میں هی معارضہ دیتے کا امول مانا گھا ہے تو هم کھا کریں ۔ پر یہ لوگ یہ بھول جاتے هیں کہ ودعان میں معارضے کا ذکر آنے سے پہلے زمیلداری ختم کرنے کے فیصلے کئی صوروں میں هو چکے تھے . چوکم دیش کے لیکروں نے معارضہ دیئے کا فیصلہ کو لھا تھا اس لئے ودهان میں بھی یہ دهارا چوڑ دی گئی . اگر اِن حاکموں کی طبیعت هو کہ فریب کسانوں کا بھلا کھا جائے تو همارے جیسا لچکھلا ودهان راستے کا روزا نہیں جائے تو همارے جیسا لچکھلا ودهان راستے کا روزا نہیں جاسکتے تھے کہ معارضہ نام ماتر کا ہو اور یہی انسانیت اور انصاف کی با بھی هوتی یا بھی معارضے کی پوری اور انصاف کی با بھی هوتی یا بھی معارضے کی پوری ابسے اور انصاف کی باتھ ہوں واسکتے تھا جیسے اور انصاف کی باتھ کو دوسرا واستہ نکالا جاسکتا تھا جیسے اور انصاف کی باتھ کو دوسرا واستہ نکالا جاسکتا تھا جیسے

کرائے کی موڈریوں چلانے والوں کے ساتھ کھا جا رہا ہے .

یر إن باتوں کو طاق پر رکھکر اور کمیٹی کے ستجھاؤں کی پروالا کئے بنا کھا ہے کہ وسیداری انحت قانون میں کہ دیا گیا ہے کہ ہر زمیندار کو اُلّٰہ کنا معاوضہ ملیکا اور بانچ ہزار تک کے مالکٹاروں کو پھر سے بسانے کے ملکٹا اور بانچ ہزار تک کے مالکٹاروں کو پھر سے بسانے کے کئے بھتے بھی دیا جائے گا ۔ حساب لکایا گیا ہے کہ معاوضہ میں 60 کروڑ کی رقمیں لگینگی ۔ تیوہ ارب کی یہ رقم سرکار کی تین سال کی آمدتی کے برابر ہے ۔ کھیتی کے سدھار کا جو نقشہ کھرے گھات دمیٹی نے برابر بنایا تھا اُس کے مطابق اُس سدعار میں 36 برس میں جنایا تھا اُس کے مطابق اُس سدعار میں کے دی جانوں بنانے والوں نے یہ کہیں نہیں کہا کہ زمین کے مالک تھے ۔ قانوں بنانے والوں نے یہ کہی بھی زمین کے مالک تھے ۔ اُس لگے یہ صاف ہے کہ معاوضے کی یہ بھاری رقم زمین کے مالک تھے ۔ اُس لگے یہ صاف ہے کہ معاوضے کی یہ بھاری رقم زمین کے مالک تھے ۔ اُس لگے یہ صاف ہے کہ معاوضے کی یہ بھاری رقم زمین کے مالک تھے ۔ اُس لگے یہ صاف ہے کہ معاوضے کی یہ بھاری رقم زمین کے سرے بھی یہ رقم آنئی بوھا دہی گئی ہے ۔

کسانوں پر تھا ہوجھ

سرکار کو قیود ارب رویده چاهگه، کسانوں سے لکان کا دس گذا وصول کر آنهیں بھومیدھر بقاکر یه رقم وصول کرنے کی آمید کی گئی ، بھومیدھاری آدههکار تھوڑے سے مہیں یہ مھیں: بھومیدھر کو زمین پر استھائی آور موروسی حق ہے' رہ اپنی ز-بین بیچ سکتا ہے' ضماست نبھی رکھ سکتا اس کا لگان آدها هو جائے گا ، اس اسکھم کی قرض معاولے کی رقم انتہا کرنا تھی ، اس کے بھجھے یہ بھارتا کم کر رهی تھی که دیہاتوں میں بہمت سا رویعہ جمع پوا ہے اور آسے نکال کر اس نہک کام میں لکانا چاهئے ،

भारत का विधान और मुश्राविजा

हाल में कुछ लोगों ने यह भी कहना ग्रुरू किया है कि हमारे विधान में ही मुझाविजा देने का उसूल माना गया है तो हम क्या करें पर यह लोग यह भूल जाते हैं कि विधान में मुझाविजा का ज़िकर झाने से पहले ज़मींदारी खतम करने के फैसले कई सूबा में हो चुके थे चूंकि देश के लीडरों ने मुझाविजा देने का फैसला कर लिया था, इसलिये विधान में भी यह धारा जोड़ दी गई. अगर इन हाकिमों की तिषयत हो कि ग़रीब किसानों का भला किया जाय तो हमारे जैसा लचकीला विधान रास्ते का रोड़ा नहीं बन सकता. फिर विधान के उसूल के यह मानी भी तो निकाले जा सकते थे कि मुझाविजा नाम मात्र का हो और यही इनसानियत और इनसाफ की बात भी होती या फिर मुझाविजे की पूरी बात को ही छोड़ कर दूसरा रास्ता निकाला जा सकता था, जैसे किराये की मोटरें चलाने वालों के साथ किया जा रहा है.

पर इन बातों को ताक पर रख कर और कमेटी के समावों की परवा किये बिना इमारे सूबे के जमीदारी अन्त क़ानून में कह दिया गया है कि हर जमींदार को श्रद्धाना मुद्राविजा मिलेगा और पांच हजार तक के माल-गुजारों को फिर से बसाने के लिये भत्ता भी दिया जायगा. हिसाब लगाया गया है कि मुत्राविजे में 60 करोड़ और भत्ते में 80 करोड़ की रक्तमें लगेंगी, डेंद अरब की यह रक्तम सरकार की तीन सान की आमदनी के बरावर है. खेती के सुधार का जो नक़शा खरे-घाट कमेटी ने बनाया था उसके मुताबिक इस सुधार में 36 बरस में जिनता रूपया लगता, उतनी रक्तम मुख्याविजो में दे दी जा रही है. क़ानून बनाने वालों ने यह कही नहीं कहा कि जमीदार एक जमात की हैसियत से कभी भी जमीन के मालिक थे इसलिये यह साफ है कि मुत्राविजे की यह भारी रक्तम जमीन पर मालिकाना इक हासिल करने के लिये नहीं दी जा रही है, तब भी यह रक़म इतनी बढ़ा दी गई है.

किसानों पर नया बोभ

सरकार को डेढ़ श्ररब रूपया चाहिये. किसानों से लगान का दस गुना वसूल कर उन्हें भूमिधर बना कर यह रक्षम वसूल करने की उम्मीद की गई. भुमिधारी अधिकार थोड़े से में यह हैं: भुमिधर को ज़मीन पर स्थाई और मौहसी हक है, वह श्रपनी जमीन बेच सकता है, ज़मानत नहीं रख सकता, उसका लगान आधा हो जायगा. इन स्कीम का गरज़ मुझाविजे की रक्षम इकट्ठा करना थी. इसके पीछे यह भ बना काम कर रही थी कि देहानों में बहुत सा रूपया जमा पड़ा है और उसे निकाल कर इस नेक काम में लगाना चाहिये.

गए. दूसरे इस तरह के ज़मीदार ढाई सौ रुपए से जियादा मालगुज़ारी नहीं देते. इसका मतलब हुआ कि ज़मीदारी से उनकी आमदनी तीन सौ रुपए सालाना था पच्चीस रुपया महीना है. इस छोटी रक्षम पर पांच लोगों का परिवार नहीं चलता. उनकी सीर और खुद काश्त का रक्षबा औसतन तीन एकड़ है. सवा लाख से जियादा ऐसे बताए जाते हैं जिनके पास मुई बराबर भी सीर या खद काश्त नहीं हैं.

तीसरे, क्या लगान बसूली कोई नौकरी है, जिसके खतम होने पर दूसरी नौकरी ढूंदने की जरूरत पढ़े ? असलियत यह है कि इन लोगों के लिये जमींदारी एक ऐसा काम है जिससे उनकी आमदनी में थोड़ी बहुत मदद मिलती है. उनका असली पेशा तो बड़ी जमींदारी के काश्तकारों की हैसियत से खेती करना है जो उनसे नहीं छीना जाता.

ज़मींदारी अन्त कमेटी का फ़ैसला

श्रमनी निगाह से तो यही श्रच्छा होता कि इन नाम के जमींदारों को जमींदारी विनाश का हामी बनाया जाता. अगर वह हामी न बन पाते तो कम से कम उसके विरोधी तो न होते. इनसाफ भी यही है कि समाजी रहो बदल में इन नाम के जमीदारों को जहां कहीं जरूरत हो सरकार ऐसे साधन ऋौर हील दे जिनसे वह ऋपनी गुजर बसर की दिक्कतें दूर कर सकें. जमींदारी अन्त कमेटी ने भी अपनी रिपोर्ट में लिखा था—उचित मुत्राविजो के ऋर्थ हैं उन्हें रहन सहन का एक दग क़ायम रखने और फिर से इसने का मौका देना. पर कमेटी ने यह उसूल तो लागू किया नहीं, इल्टेएक नई बात यह कहनी शुरू कर दो कि जभीदारी के खातम से सरकार की जो आमदना बढ़े उसका बड़ा भाग जमीदारी के मुत्राविजे में दिया जाय. इस नई बात को कमेटी ने जियादा मज्बूत शब्दों में तब कहा जब उसने 136 करांड़ रुपए मुत्राविज में दिये जान की सिफारिश की. श्रगर कमेटी श्रपने पर्ले श्रसूल पर याना फिर संबसान के लिये ही मुत्राविजा दन पर जमा रहता ती मुद्राबिजे की बड़ी रक्तम खता के विकास म लग वकता, जिस की श्राज सबसे जियादा जरूरत है

रहन सहन का एक अच्छा ढंग क़ायम रखने के लिये 10 एकड़ का खेती आम तीर पर काफी माना जाता है. इस हिसाब से देखें तो जिन जमींदारों का बीस एकड़ से जियादा खुद काश्त या सीर है, उन्हें फिर से बसान के लिये मुझाविजे की कोई जरूरत नहीं है इम खुद काश्त के अलावा जमींदारों के पास पहले का जमा का हुई रक़म भा है जिन्ह ब्यापार में लगाकर वह आराम से राजा कमा सकते हैं. इसलिये उनको मुझाविजा देना तो उस उसल को फिर से पलट देने के बराबर ही हुआ जो कमेटो ने तय किया था. यह बात याद रखने की है कि इस कमेटी के वेयरमैन खुद यू. पी. के बड़े बजीर पंत जी थे.

گئے ، دوسرے اس طاح کر زمیقدا، ڈھائی سو روپئے سے

ہیا دی الانکا می ایمانی دیتے ، اس کا مطلب ہوا کہ

ریدہ الانکا ہی ایمانی تابی ہورنگے سالانہ یا پہوار

ریدہ الانکا ہے اس جہوڈ رقم پانچ ٹوئس کا بہوار

ریس چاتا ، ان کی سب ور حاد دشت کار رقبہ او طا

تیس چاتا ، ان کی سب ور حاد دشت کار رقبہ او طا

تیس چاتا ، ان کی سب ور حاد دشت کار بقبہ او طا

تیس چاتا ، ان کوئی ہوارہ بھی سھر یا خود کاشت نہھں ہے ۔

تیسرے کہ باس سوئی ہوارہ بھی سھر یا خود کاشت نہھں ہے ۔

تیسرے کہ اس اور ہی تھونڈھئے کی ضرورت پوے آ

سلمی یہ میں نواری تھونڈھئے کی ضرورت پوے آ

اسلیمت یہ ہے کہ ان لوگوں کے لئے رمینداری ایک ایسا کام ہے جس سے ان کی امدانی میں تہوڑی بہت مدد اس کے میر دیا ہو ان سے نہیں ملکی ہوں نے دیا ہو ان سے نہیں جہان سے نہیں جو ان سے نہیں جو بہت ان کا اسلی پہشی در ہے جو ان سے نہیں جو بہت ان کا اسلی پہشی در ہے جو ان سے نہیں جو بہت ان کا اسلی پہشی در ہے جو ان سے نہیں جہیں جو ان سے نہیں جو بہت ان کا اسلی جاتا ،

رمهلداری است کمهلی کا فیصله عملی بالا بے یو یہی چها هوتا ده آن نام کے رمهلداروں عملی دار مردم کا جاس مقابا جاتا ہے آک وہ جاس

و زمینداری ودهی و عامی بنایا جانا ، آلوود جامی ے دیں یاتے تو دم سے م اُس کے ورودھی تو به هوتے الصاف ابھی ایہی ہے کہ مماجی وقاریدل میں ان اہم نے ر هدد اور دو جهان کههن ضرورت هو سره ر آیسے سادھوں اور حیدے دیے حق سے وہ ایدی گزر نسر کی دقتیں اور دوسکیں و المدانی ابت میڈی نے مہی ایڈی ویورت میں کہا بھاسے چت معرفد نے اوبھ عیں فہوں رهن سهن كا ايد دهمگ قائم ربهدر اور يهر بر يسلم كا موقع دیدا ، یو نمیشی نے یہ اُصول تو لائو جا نہیں کا لتے یک در پات یه دیلی شاوع فردنی ده زمهانداوی نے حالم سے ساکار ای جو آمدنی ہونے اس ا ہو بھاک ومهدداری بے معاوفے مهر دیا جانے اس نگی بات دو کیلٹی نے زیادہ عظماط شمدوں میں تب دیا جب اس ہے 136 درور رویئے معاوض میں دئے جانے ہے سعارض کی ، اگر فینگر آنے پہنے اصول پر یعلی پھر سے مساتے نے لئے عی معاوفیہ دیائے پر جس رہائی او معاوفے ہی ہوی رقم دہیائی ہے واس میں لگ سکائی اجس دی آج سب سے

زیادہ صرورت ہے .

رهن سپن کا ایک اچھا ڈسٹگ قام ردیئے نے لئے

آآ ایکو کی ٹھھٹی عام طور پر کافی صابی جاتی ہے ،

اس حساب سے دیکھوں تو جن رسیقداورں کا یوس ایکو

سے زیادہ حود کاشت یا سور ہے ' انہوں بھو سے بسانے نے لئے

مہر رفیے دی کوئر فرزرت نہوں ہے ، اس حود کاشت نے

ہرو زمیقداروں نے پاس پہلے کی جمع کی هوئی رقمیں

ابھی هوں جہوں بھوبار جن لگا در وہ ارام سے دوری دما

سکتے میں ، اس لئے ان یو معاوضہ دیما تو اس صول کو

پر سے پلت دینے کے برابر هی هوا جو نمیٹی نے طے دیا

تھا ۔ یہ بات یاد رنہنے کی ہے دی اس شیالی نے چھوموں

حود ہو ۔ ہی ۔ کے بڑے وزیر بغت جی نہ ۔

सरकार के बीच में आने वाले इन जमींदारों के इक उन्हें मुनासिव मुआविजे देकर ले लिये जायं. इस काम के लिये एक स्कीम तैयार करने के लिये सरकार एक कमेटी बना दे."

देश के तरक्क़ी पसन्द लोग हमेशा ही बिना मुंबाविजा जमींदारी खातमे की ताईद करते रहे हैं. मुबाविज के लिये यह भी तो देखना होगा कि देश की ऐसी हैसियत है या नहीं कि किसानों की पीठ से जमींदारी का एक भारी बोभ हटा कर मुबाविज का दूसरा बोभ उनके कंधों पर लाद दिया जाय. मुबाविज का सवाल तो उस नुक़सान या घाट के संबंध में होता है, जिसे पूरा करने या उस समय की मुसीबत दूर करने लिये कुछ रक़म या और चीज दी जाती है. मुबाविजा देने के लिये किसी प्रकार के नुक़सान का होना जरूरी है और मुबाविजो की रक़म किसी भी हालत में नुक़सान की रक़म से ज़ियादा नहीं हो सकती.

इस उसूल से देखें तो बात साफ हो जायगी कि अगर किसी को मुआबिजा मिलना है तो किसानों को, जमींदारों को नहीं. जो दो हजार रुपए से जियादा के मालगुजार हैं, उनके पास ख़ुद इतनी जमीन है कि जमींदारी के खातमे के बाद भी वह मजे में रह सकते हैं. उनके पास सोना चांदी व नक़दी है, जो रोजी कमाने में लगाई जा सकती है. ऐसे लोगों को मुआबिजे देना इनसाफ नहीं होगा, समफ और इनसाफ के ख़िलाफ बात होगी. इसका हमारी समाजी और आर्थिक तरक़क़ी पर बहुत बुरा असर पड़ेगा.

ब्रोटे जमींदार

दूसरी तरफ वह लाखों टुट-पूंजिये जमींदार हैं जिनकी हालत मामूली किसान से अच्छी नहीं है. वह खुद बड़े जमींदारों के काश्तकार हैं और उस तरफ से उनकी भी चुसाई होती है. उन्हें जमींदार मान कर वैसा ही बरताव करना अन्याय होगा. उनके लिये जमींदारी के बाद खेती दूसरे पेशे की तरह है. इन 20 लाख पेशेवर काश्तकारों को जमींदारों की क़तार में खड़ा करना एक ढ़ोंग है. उस क़तार में खड़े होकर वह उन मुट्टी भर बड़े जमींदारों की ढाल की तरह इस्तेमाल होते हैं जिनके हित और निगाहें देश के हित के खिलाफ हैं.

कहा जाता है कि बीस लाख जमींदारों और उनके क्रिरीब दो करोड़ रिश्तेदारों की रोजी का ज़रिया ज़मींदारी के साथ खतम हो जायगा; इसलिये ज़मींदारी खतम करने के बाद में उन्हें नौकरी या दूसरे काम दिलाना चाहिये. पर यह बात ग़लत है.

अव्यक्त तो दुनिया में कहीं भी एक आदमी पर निर्भर रहने वाले रिश्तेवारों की गिनती औसतन दस नहीं मानी गई. औसत ठीक मानने पर आधे लोग तो ऐसे ही निकल سرکار کے بیچ میں آلے والے ان زمینداروں کے حق انہیں مقاسب معاوضے دیکر لے لئے جائیں، اس کام کے لئے ایک اسکیم تیار کرنے کے لئے سرکارایک کمیٹی بقا دے۔''

دیش کررقی بسند لوک همشه هی بنا معاوضه زمینداری خاتید کی نائید کرتے رہے هیں ، معاوضہ کے لئے یہ بھی تو دیکھنا هوگا کا دیش کی ایسی حیثیت هے یا نہیں که کسانوں کی پہتھ سے زمینداری کا ایک بھاری بوجه هنا کر معاوضے کا درسرا بوجه اُن کے کندهوں پر قد دیا جائے، معاوضے کا سوال تو اُس نقصان یا گھاتے کے سمبنده میں هوتا هے، جسے پررا کرنے یا اُس سے کی مصهبت دور کرنے کے لئے کچھ وقم یا اور چیز دی جاتی هے ، معاوضہ دینے کے لئے کسی پرکار کے نقصان کا هونا ضروری هے اُور معاوضے کی رقم اسی بھی حالت میں نقصان کی وقم سے زیادہ کی سے سروسکی .

اس اصول سے دیکھیں تو بات صاف ھو جائے گی کہ اگر کسی کو معاوضہ ملقا ھے تو کسانوں کو' زمیفداروں کو نہیں ، جو دو ہزار روپے سے زیادہ کے مالکذار ھیں' ان کے پاس خود اتقی زمین ھے کہ زمیفداری کے خاتمے کے بعد بھی وہ مزیے میں رہ سکتے ھیں ، اُن کے پاس سونا چاندی و نقدی ھے' جو روزی کمانے میں لٹائی جا سکتی ہے ، ایسے لوگوں کو معاوضےدیفا اصاف نہیں ھوگا' سمجھ اور انصاف کے خاف بات ھوگی ، اُس کا ھماری سماجی اور انصاف کے خاف بات ھوگی ، اُس کا ھماری سماجی اور

چهوتے زمیلدار

دوسری طرف وہ الکھوں تب پونچیئیں زمھندار ھھی جون کی حالت معموای کسان سے اُچھی نبھی ہے ۔ وہ خود برے زمھنداروں کے کستکار ھیں اور اس طرف سے اُن کی بھی چسائی ھوتی ہے ۔ انبھی زمیندار مان کو ویسا ھی برتاؤ کرنا انبیائے ھوتا ، اُن کے لئے زمینداوی کے بعد کھیتی دوسرے پیشے کی طرح ہے ، اُن بیس الله پیشے ور کشتکاروں کو زمینداوں کی قطار میں کہوا کرنا ایک تعویٰک ہے ، اس قطار میں کہوا کرنا ایک بھر بڑے زمینداوں کی تھال کی طرح استعمال ھوتے بھر بڑے زمینداوں کی تھال کی طرح استعمال ھوتے بھر بڑے زمینداوں کی تھال کی طرح استعمال ھوتے بھر بڑے زمینداوں کی تھال کی طرح استعمال ھوتے بھی جن کے خلادھیں،

کہا جاتا ہے کہ بیس لاکھ ومیلداروں اور ان کے قریب دو کروڑ رشتےداروں کی روزی کا فریعہ زمیلداری کے ساتھ ختم ہو جائیا: اس لئے ومیلداری ختم کرتے کے بعد میں انہیں نوکری یا دوسرے کام دلانا چاھئے، پر یہ بات فلط ہے ۔

اول تو دنیا میں کہیں بھی ایک آدمی پر نربور رہنے والے رشتےداروں کی گفتی اوسطاً دس نہیں مانی گئی ، اوسط تھیک ماننے پر آدھے لوگ تو آیسے ھی نکل 184 x x x x

यह सन्देश सुनने के लिये उनमें शामिल हुए. इस तरह देहातों की जनता के लिये जमींदारी के खातमे की जरूरत मालगुजारी बसूली के तरीक़ों के बदलने से बहुत जियादा है. जनता तो हर तरह की सामन्ती लूट खसोट और चुसाई से छुटकारा पाना ही जमींदारी का सही अन्त मानती है. जनता ने देश की आजादी का मतलब भी आर्थिक आजादी ही माना है.

ज़मींदारी अन्त का निचोड

जमींदारी जातमे के क्या माने होनी चाहिये यह बात बहस की नहीं है. पूर्वी योरप और चीन के किसान आन्दो-सनों ने यह कर के दिखा दिया है. अगर अपने देश के ही उत्तर पश्छिम में कश्मीर को हम देखें तो माल्म हो जायगा कि जमींदारी के खातमे का क्या मतलब है. मोटे रूप से जमींदारी अन्त का निचोड़ यह है:—

- (i) जमीदारी का श्रंत बिना मुद्याविजा दिये ही किया जाए (ऐसे झोटे जमीदारों को रोज गार के लिये सहायता दी जाय जिनको जमीदारी खतम करने से धका लगा हो).
- (ii) सीर श्रीर ख़ुद्कारत के रक़ के की हद सुक्तर्र कर दी जाय श्रीर उससे जियादा जमीन जमींदारों से लेकर छोटे किसानों व खेतिहर मजदूरों में बांट दी जाय.
- (iii) "जोतने वाला जमीन का मालिक हो." नए बन्दोबस्त का उसूल यह हो कि जोतने वाले का जमीन पर से स्थाई मौरूसी हक न इटाया जा सके.
- (iv) ज़मीन पर लगान तय करने का तरीक़ा ऐसा हो कि छोटी जीतों पर एक हद बांध दी जाय और हन पर लगान न लिया जाय. जैसे जैसे जीत का रक्षवा बढ़ता जाय खेती की आमदनी पर टैक्स बढ़ता जाय. पुराना सामन्ती तरीक़ा स्नतम हो.
- (v) बड़े पैमाने पर थोड़े से सामूहिक (Collective) और सहकारी (Cooperative) कार्म खोल कर सेती के तरीक़ों में सुधार किये जायं.

आइए अब इन पांच उसूलों को थोड़ा विस्तार से देखें और फिर इस बात पर ग़ौर करें कि इस बारे में हमारे उत्तर प्रदेश की सरकार क्या कर रही है.

4. मुआविज़े का सवाल

जमीदारों को छोड़ कर जमीदारी का दूसरा हामी आज कोई नहीं मिलेगा. बहुत से जमीदार खुद जमीदारी प्रथा के खंत के पक्श में हैं. पर जिस बात पर बहस शुरू होती है वह है मुख्याविजे की बात. 8 खगस्त सन 1946 को सूबे की असेम्बली ने यह ठहराव पास किया था:—

"यह असेम्बली जमीदारी प्रथा के अंत का असूल मानती है. यह असेम्बली तय करती है कि किसान और یه سلدیش سلنے کے لئے اُن میں شامل ہوئے۔ اُس طرح دیہاتوں کی جلتا کے لئے زمینداری کے خاتیے کی ضرورت مالکڈاری وصولی کے طریقوں کے بدائے سے بہت زیادہ ہے ۔ جلتا تو ہر طرح کی سامئتی لوت کسرت اور چسائی سے چھٹکارا یانا ہی زمینداری کا صحیم است مالتی ہے . جلتا نے دیش کی آرادی کا مطلب بھی آرتھک آرادی ہی مانا ہے .

زمهنداری انت کا نجور

زمهقداری خاند کے کہا معلے ہونا چاہئے یہ بات بحث کی نہیں ہے ، پوربی یورب آور چین کے کسان آدول قول کے کہ کو کے دکہا دیا ہے ، اگر آئے دیش کے ہی آتر پنچہم میں کشمیر کو ہم دیکھیں تو معلوم ہوجائے کا تقارمی نداری کے خاتیے کا کہا مطلب ہے ، موثر روپ سے زمیقداری آنت کا نجور یہ ہے :--

- (i) زمیقداری کا آنت بقا معاوضه دئے هی کیا جائے (ایسے چھوٹے زمیقداروں کو روزکار کے لگ سہایتا دی جائے جن کو زمیقداری ختم کرنے سے دھکا لکا هوئے).
- (ii) سیر اور خود کاشت کے رقبے کی حد مقرر در دی جائے اور اس سے زیادہ زمین رمیلداروں سے لے کر چھوٹے کسانوں و کھیتی ہر مؤدوروں میں یانت دی جائے۔ (iii) '' جوتئے والا زمین کا مالک ہو.'' نئے
- ہندوبست کا اصول ہے ہود زمین کا مالک ہو ۔ '' سے ہندوبست کا اصول ہے ہو کہ جوتئے والے کا زمین پر سے استہائی موروثی حق نہ ہتایا جاسکے ،
- (iv) زمین پر لکان طے کرنے کا طریقہ ایسا, ہو کہ چہوٹی جوتوں پر ایک حد باندہ دبی جائے اور ان پر لکان نہ لیا جائے ۔ جیسے جوت کا رقبہ ہوھتا جائے کیپتی کی آمدنی پر ٹیکس ہوھتا جائے ۔ پرانا ساملتی طریقہ ختم ہو ،
- (v) ہوے ہیمائے ہو تھوڑے سے ساموھک (Collective) لرر سیکاری (Co-operative) قارم کھول کو کھیتی کے طریقوں میں سدھار کئے جائیں .

آیئے اب ان پانچ اصولوں کو تھوڑا وستار سے دیکھیں اور پھر اس بات پر فور کریں که اس بارے میں همارے اور پردیھی کی سرکار کیا کر رہی ہے .

4. معارضے كا سوال

زمینداروں کو جھور کو زمینداری کا دوسرا حامی آج کوئی نہیں ملے گا ۔ بہت سے زمیندار خود زمینداری پرتیا کے انت کے یکھی میں ھیں ۔ پر جس بات پر بحث شروع ھوتی ہے واقے معاوفے کی بات، 8 اکست 1946 کو صوبے کی اسمبلی نے یہ تہراؤ پاس کیا تھا :--

دا یہ استبلی زمیلداری پرتھا کے انت کا اصول مانٹی ہے۔ یہ استبلی طے کرتی ہے کہ کسان

Million in the

- ्र (9) देहात के आर्थिक संकट को जमीं वारों ने धर बढ़ाया है. उन्होंने बड़ी तादाद में किसानों को बेदखल धा है; परती तोड़ ली है या उसे पट्टे पर उठा दिया है धर जंगल और बंजर भी काट लिये हैं। उन्होंने ये काम न बजहों से किये हैं:—
 - (क) अपनी स्नुद काश्त का रक्षवा बदाने के ∭तये. (ख) नजराने के जरिये जियादा से जियादा

म बसूल करने के लिये.

(ग) 'परती' को 'खेती' दिखला कर जमीदारी जल्म होने पर जियादा से जियादा मुझाविजा वसूल करने के लिये.

इस तरह हमारे देश में जमींदारी का मतलब है—वह प्रथा जो रारीबी, भुकमरी, राल्ले की हमेशा के लिये कमी, जहाजत अनपढ़ता और नैतिक पतन बढ़ाती है. आर्थिक ढांचे के दूटने का यह लाजमी नतीजा है. जमींदारी को बचाने के पक्ष में कोई भी दलील—राजनैतिक, आर्थिक या-नैतिक नहीं दी जा सकती. कोई उसूल या सिद्धान्त उसकी ताईद नहीं कर सकता.

3. ज़मींदारी के खातमे का मतलब

पिछले बीस साल से जमींदारी खतम करने का श्रान्दोलन देश की श्राजादी की लड़ाई का एक हिस्सा रहा है.
"किसानों की हालत में सुधार हा" का नारा लगा कर ही
राश्ट्री श्रान्दोलन श्राम जनता के दिलों में जगह पा
सका है. जहां तक उत्तर प्रदेश का ताल्लुक है, बीस सल्ल
'पहले किसान श्रान्दोलन में एक सुभाव ऐसा भी श्राया कि
पूरी कांगरेस जमात को किसान कमेटियों में बांट दिया
जाय और वहीं से संगठन शुरू हो. यहां कांगरेस जो जनता
की जमात की शक्ल में बनी हुई है, इसकी सबसे बड़ी
वजह यही है कि उन दिनों कांगरेस ने किसानों की मांगे
पूरी कराने और उनके संगठन बनाने की कोशिश की.
इसका नतीजा एक यह भी हुआ कि कांगरेस की ताक़त तो
बढ़ी पर किसान श्रान्दोलन और किसान सभाएं श्रलग न
पनप पाई.

कराची कांगरेस श्रीर ज़मींदारी

सन '31 में कराची में कांगरेस ने बुनियादी अधिकारों का जो प्रस्ताव पास किया उसमें कहा गया था—कांगरेस लगान, मालगुजारी और जमीन के बन्दोबस्त के तरीक़ों को बदलना चाहती है......छाटे किसानों का लगान और मालगुजारी कम होनी चाहिये; जो बहुत छोटी छोटी जोतें हैं हन पर तो लगान और मालगुजारी की पूरी छूट होनी चाहिये. जमीन पर जो टैक्स का बाम है, उसे इस तरह चांटना चाहिये कि जो उसे संमाल सकें उन्हीं पर वह पड़े. रहन इस बात का सभाओं, सम्मेलनों और कानकरेन्सों के गई. हरेंये प्रचार किया गया. लाखों लोग अपने छुटकारे का

- (9) دیہات کے آرتیک سفکت کو زمیقداروں نے آبر بوھایا ہے ۔ اُنہوں نے بوی تعداد میں کسانوں کو بیدخال کیا ہے آبر کیا ہے کہ برتی تور لی ہے یا اُسے بائے پر آٹھا دیا ہے آبر جنگل آبر بفجر بھی کاٹ لئے میں ، اُنھوں نے یہ کام تھوں وجہوں سے کائے میں ،
 - (ک) ایلی خود کاشت کا رقبة بوهانے کے لئے .
- (که) نظرائے کے فریعے زیادہ سے زیادہ رقم وصرال کرنے اللہ ،
- (ک) 'پرتی' کو 'امیتی' دکھلا کر رمھنداری ختم هوئے پر زیادہ سے زیادہ معارضہ رصول کرتے کے لئے .

اس طرح همارے دیھی میں زمینداری کا مطلب ھے۔۔۔وہ پرتھا جو فریبی بهکمری فلے کی همیشہ کے لئے کمی جہالت ان پوهنا اور نهنگ پتن بوعانی هے ، آرتیک قبالتھ کے ترثیلے کا یہ لازمی نتیجہ هے ، زمینداری کو پچالے کے پکش میں کوئی بھی دلیل۔۔۔راج نهنگ آرتیک یا نهنگ نہیں دی جا سکتی ، کوئی اصول یا سدھانت اس کی تائید نہیں کو سکتا ،

لا, زمیلداری کے خاتمہ کا مطلب

پچھلے پیس سال سے زمینداری کتم کرنے کا آندولن دیھی کی آزائی کی لوائی کا ایک حصد رھا ۔ '' کسانوں کی حالت میں سدھار ھو '' کا نعرہ لگا کر ھی راشتری آندولن عام جلتا کے دلوں میں جگھ پاسکا ھے ۔ جہاں تک اُتو پردیش کا تعلق ھے بیس سال پہلےکسان آندولن میں ایک سجھاڑ ایسا بھی آیا کہ پوری کانگریس جماعت کو کسان کمیتیوں میں بانت دیا جائے اور رھیں سملکھٹن شروع ھو ۔ یہاں کانگریس جو جنتا کی جماعت کی شکل میں بنی ھوئی ھ' اس کی سب سے بچی وجہ یہی ھے کہ اُن دنوں کانگریس نے کسانوں کی مانگیں پوری کرانے اور ان کے سنگھیں بنانے کی کوشش کی ۔ اِسکا نتیجہ ایک یہ بھی ھوا کہ کانگریش کی طاقت تو بچھی پر کسان آیدولنی اور کسان سبھی انگیں یہ بھی ہوا کہ کانگریش کی طاقت تو بچھی پر کسان

كواچى كانگريس اور زمهنداري

سن 31 میں کراچی میں کانگریس نے بلیادی ادھیکاروں کا جو پرستاؤ یاس کیا اس میں کیا گیا تیا۔ کانگریس لگان مالگذاری اور زمین کے بلدوبست کے طریقوں کو بدلغا چاھتی ہے..... چہوتے کساتوں کا لگان اور مالگذاری کم ھونی چاھئے: جو بہت چہوتی چھوتی جوتیں ھیں ان پر تو لگان اور مالگذاری کی پرری چھوتی ھونی چاھئے. ومین پر جو تیکس کا بوجھ ھے اسے اس طرح بانگلا زمین پر جو اسے سلبھال سکھی اُنھیں پر وہ بوتے ،

اُس بات کا سبھاؤں' سبھلفوں اور کانفرنسوں کے فریعے پرچار کیا گیا، لائھوں لوگ آھے چھٹکارے کا

- (5) कारतकारों की जमीन की भूक बढ़ गई है. इनकी जोतें छोटी छोटी हो गई हैं और इनके भी बटवारे होते गए हैं और बेदखली का डर बराबर बना रहता है.
- (6) जो खेती करते हैं (यानी किसान) उनसे अमीन छीन कर ऐसे लोगों के पास पहुँच रही है जो खेती नहीं करते और अकसर तो देहातों में भी नहीं रहते (जैसे क़स्बे के बनिये और शहरी जमींदार). जमींदारी में काश्तकारों की हिफाज़त की गारन्टी नहीं है और इसलिये शिकमी व दूसरे छोटे किसान अपनी आजाद खेती तो कर नहीं पाये पर महाजनों ने जमीने जरूर हथिया ली. यह महाजन या तो अपनी जमीनें काश्तकारों को पट्टे पर उठा देते हैं या खुद खेती करके अपनी लागत पर भारी मुनाफा उठाते हैं. ऐसी महाजनी सभ्यता में खेती का विकास पिछड़ जाता है और सूद खोरी बढ़ती जाती है इसीलिये पिछड़ हुए देशों में उद्योग धन्दों में लगाने के लिए पूंजी नहीं बन पाती. महाजनों को सूद पर हपया देने में काफी मुनाफा हो जाता है.

ख़ोटे जमींदार भी अपना कर्ज चुकाने के लिये जमींने बेचते हैं और महाजन उसे ख़रीदने में जो रक्तम लगाते हैं उस पर काफी और स्याई मुनाफा कमाते रहते हैं. इधर हाल में ग़ल्ले के जो दाम बढ़े हैं उसके बावजूद भी छोटे जमींदार दिवालिये पन की तरफ बढ़ते जा रहे हैं.

इसी तरह खेतों की रहन रख देना भी आम बात हो गई है. रहन के जरिये कर्ज अंगरेजी जमाने में बहुत बढ़ा क्योंकि बीच के दर्जे के जमींदार रईस अपनी आमदनी में रह कर खर्च नहीं चला पाते थे. उन्होंने अपनी जमीनें बेच कर क्रजे से छुटकारा पाया. होटे और बीच के दरजे के जमींदार भी जमींदारी प्रथा में रह कर काश्तकार की तरह ही पिसते हैं.

- (7) ग़रीबी से खेती का विकास न होने की वजह से देहात की जियादातर जनता कर्ज के बोम से दबी हुई है, आज जब अनाज ना दाम बढ़ा हुआ है फिर भी देहात का ग़रीब किसान और मजदूर कर्ज से दबा है. हाल में जांच से मालूम हुआ है कि कुछ जिलों में तो 80 की सदी जनता कर्ज में गिरफ़्तार है. इस तरह जमींदारी प्रथा ने खेती के विकास में जेक का काम किया है.
- (8) रारीय किसान की ग़रीबी और बद गई है और साथ ही साथ अमीरों की अमीरी भी बदी है. इससे देहात के समाजी ढांचे में ऐसा तनाव पैदा हो गया है कि वहां अब अमन से रहना मुश्किल हो गया है. आए दिन किसान जमींदार या किसान-जमींदार-साहुकार की खड़ाइयां होती रहती हैं.

- (5) کاشٹکاروں کی زمین کی بھوک ہوہ کئی ہے ، پہولی ہوہ کئی ہے ، پہوتی جوتی ہو گئی ہیں اور ان کے بھی ہے ، پہوتے گئے ہیں اور بیدخلی کا در برابر بنا رہتا
- (6) جو کهیتی کرتے هیں (یعلی کسان) انسے یہ چھھوں کر ایسے لوگوں کے پاس پہلچ رهی هے جو بی نہیں کہتے اور اکثر تو دیہاتوں میں بھی مہیداری ہر (جیسے قصدے کے بلیے اور شہری رمیلداری بھی کاست کاروں کی حفاظت کی گریتی نہیں ہے اور اس لئے شخمی و دوسرے چھوٹے کسان ایلی آزاد کھیتی تو کو نہیں یائے، پر مہاجلوں نے زمیلیں ضرور هتھیا ہیں۔ یہ مہاجی یا تو اپلی زمیلیں کاشت کاروں کو پانے پر اُٹھا دیتے هیں یا خود کھیتی کرکے اپلی لائت پر بھاری دیتے هیں ایسی مہاجلی سمھیتا میں کھیتی کا وکاس پنچھو جاتا ہے اور سود خوری ہوھتی جاتی ہے ، اسی لئے پنچھوے ھوئے دیشوں میں اُدیوگ دھلدے لگانے کے لئے پونچی نہیں بن پانی ، مہاجلوں کو سود پر روپھا کے لئے پونچی نہیں بن پانی ، مہاجلوں کو سود پر روپھا دیتے میں کافی مقافع ھو جاتا ہے .

چہرتے زمیندار بھی اینا قرض چکانے کے لئے زمینیں بیچتے ھیں اور مہاجن اُسے خریدنے میں جو رقم لکاتے ھیں اس پر کافی اور استہائی منافع کماتے رہتے ھیں ۔ اُدھر حال میں فلے کے جو دام بڑھ ھیں اس کے باوجود می چھوٹے زمیندار دیوالھے پن کی طرف بڑھتے جا رہے میں ،

اسی طرح کهیتوں کو رهن رکھ دینا بھی عام بات هرگئی هے ۔ رهن کے ذریعے قرض انگریزی زمانے میں بہت بوها کیوں که بیچ کے درچے کے رمیندار رئیس آبنی آمدی میں رہ کر خرچ نہیں چا پاتے تھے اُنہوں نے اپنی زمینی بیچ کو قرض سے چھتکارا بایا ، چھوتے اور بیچ کے درچے نے زمیندار بھی زمینداری پرتھا میں رہ کو کاشتکار کی طرح هی پستے رہے هیں ،

- (7) فریبی ہے کہ کہ کا رکاس نہ ہوئے کی وجہ سے دیہات کی زیادہ تر جلتا قرض کے بوجہ سے دیی ہوئی ہے۔ آج جب اناج کا دام بڑھا ہوا ہے پہر بھی دیہات کا فریب کسان اور مؤدور قرض سے دیا ہے ۔ حال مهن جانبی سے معلوم ہوا ہے کہ کتھ فلعوں میں تو 80 فیصدی جلتا قرض میں گرفتار ہے ۔ اس طرح زمینداری پرتھائے کہ ہتی کے وکاس میں میں بریک کا کام کیا ہے ۔
- (8) فریب کسان کیفریبی اور بڑھ گئی ہے اور ساتھ ہی ساتھ اسھروں کی امیری بھی بڑھی ہے ۔ اس سے دیہات کے سماجی قمانچے میں ایسا تفاع پیدا مو گیا ہے که وہاں اس اس سے مشکل ہوگیا ہے ۔ آئےدن کسان زمیقدار کی لوائیاں ہوئی رہتی ہیں ۔ رہیا در ماہوکار کی لوائیاں ہوئی رہتی ہیں ۔

TO ANTINO SERVICIONE COMMANDO

breef 4

तरफ्र. तो मुट्टी भर जमींदार साठ की सदी जमीन हथियाए बैठे हैं और दूसरी तरफ छोटे काश्तकारों की द्दालत इतनी जराब है कि एक करोड़ अट्टारह लाख आदमी आज बेजमीन के खेतिहर मजदूर हैं और बाक़ी में 80 की सदी से जियादा काश्तकारों के पास पांच एकड़ से कम जमीन है.

- (2) खेतों की उपज बराबर कम हाती जा रही है. खेती के क्राबिल बई जमीन उठाई ही नहीं ना रही है और जहां खेती होती थी वह जमीन भी परती होती जा रही है. क़दरती तौर पर जमीन की पैदाबार घट रही है. एक अच्छे खेतिहर देश में चरागाहों श्रीर जंगलों के लिए जो जगह छूटनी चाहिये थी जमीदारों ने उसे भी नहीं छोड़ा. ऐसी हालत में अनाज का संकट बराबर बना रहा और बढता रहा है. बंगाल का अकाल और अब यहां और वहां जो श्रकाल की छाया दिखाई देती है सब एक बढ़े दरजे तक इसी प्रथा की देन है. जियादा ग़ल्ला पैदा करने की सारी स्क्रीमें नाकाम रही हैं. सम्राट अकबर के जमाने में की एकड़ 20 मन गेहूं पैदा होता था. सन 1930 तक यह उपज गिर कर 11 मन रह गई थी. श्रीर सन '46-47 में यह 9 मन से भी कम रह गई. यही हालत पूरे देश की है. लड़ाई से पहले के पचीस बरस में चावल की उपज एक चौथाई कम हो गई थी सन '21 के मुक़ाबले में सन '41 में 21 लाख एकड़ कम जमीन पर खेती हुई और क़रीब 80 लाख टन ग़ल्ला कम पैदा हुआ. इस बढ़ते हुए संकट से साबित है कि जब तक जमीदारी नहीं खतम होती खेती में कोई काम का सुधार नहीं हा सकता.
- (3) दूसरों की कमाई पर जिन्दा रहने वाले और उन्हीं का चूसने वाले जमीदारों की यह जमात खेती की आमदनी का बड़ा हिस्सा ले तो लेती है पर इस आमदनी को फिर से पैदावार बढ़ाने के लिये नहीं लगाती. हिसाब लगाया गया है कि इस सदी के शुरू के पहले चालीस बरस में इस जमात ने दो अरब रुपया किसानों से नजराने की शकत में बसूल किया. पिछले दस साल में यह सुट और भी बढ़ गई. इस सबके अलावा जाब्ते की जायज सुट अलग है.
- (4) जमीदारी प्रथा ने देश में कल कारखानों और उद्योग धन्दों का विकास रोका है. एक तो देश की आमदनी का बड़ा हिस्सा हड़प कर जमीदार उसे उद्योग धन्दों या पैदाबार बढ़ाने में नहीं लगाने और दूसरे देश की करोड़ों जनता को बेहद ग़रीब बना कर उन्होंने कारखानों के बने या घरेलू धन्दों के बने माल की खपत भी कम कर दी है. जब किसान की जेब में पैसा नहीं है तो वह कपड़ा, तेल, शक्कर, बच्चों के लिये काग़ज के खिलौने बगैरा कैसे खरीदेगा?

طرف، تو متھی بھر زمھندار ساتھ فیصدی زمھن ہتھھائے بھتھ معتمدی زمھن ہتھھائے بھتھ معتمدی خوات کا ستکاروں کی حالت اللہ خواب ہے کہ ایک کروڑ اُتھارہ لاکھ آدمی آج پزمھن کی کھیتی ہر مزدور میں اور باتی میں 80 فیصدی سے زیادہ کاشتکاروں کے پاس پانچ ایکڑ سے کم رمین ہے ،

(2) كهيتوركي أيم برابر كم هوتي جا رهي هـ . کھیٹی کے قابل نکی رمین اُلھائی ھی نہیں جا رھی ہے أور جهان کههنی هوتی تهی ره زمهن بهی پرتی هوتی جا رهی ہے ، قدرتی طور پر زمهن کی پیداوار گهت رهی هر ایک اچه کههای هر دیدهامین چراکاهون اور جنگلون کے لئے جو جکہ چھوٹلی چاعثہ تھی زمھدداروں نے أسے بهی نبهن چهرز ایسی حالت میں انام کا سفکت برابر بدا رها أور بوعدا رها هے . بدال كا أكال أور أب يهال اور وهال جو آکال کی جهایا دکهائی دیتی هے سب ایک ہوے درجے لک أسى درتها كى دين هے ، زيادة فله پيدأ كرنے کے سارمی اسلامیں نا کام رھی ھیں۔ سمرات اکبر کے زمانے مهن في ايكو بيس من گيهول پيدا هوتا تها . سن 1930 تک یه آیم کر کر 11 س ره کئی تهی . اور سن 47-46 میں 9 من سے بھی ئم رہ گئی . یہی حالت پورے دیش کی ہے ، لوائی سے پہلے کے پہلی برس میں چاول کی اہم ایک چوتھائی کم هوگئی تھی . سن 21 کے مقابلے مين سن 41 ميں 21 لاکھ ايکو کم زسين پر کھيدي هوئي اور قریب 80 لاکھ تن فلے کم پھذا ہوا ، اس بوھتے ہوئے سنكت سے ثابت ہے كه چپ تك زمهندارى بههن ختم هوتی کههای مهان کوگی کام کا سدهار نههان هوسکاها یا

(3) دوسروں کی کمائی پر زندہ رہنے والے اور امهوں کو چوسٹے والے زمینداروں کی یہ جماعت کھیتی کی آمدنی کا ہوا حصہ لے تو لھتی ہے پر اس آمدنی کو پھر سے پھداوار ہوعانے کے لئے مہوں لگاتی ، حساب لگایا گھا ہے کہ اس صدی کے شروع کے پہلے چالیس پرس میں اس جماعت نے دو عرب رویهہ کسانرں سے نذرانے کی شکل میں وصول کھا ، پچھلے دس سال میں یہ لوش اور بھی ہوں گئی ، اس سب کے علاوہ ضابطے کی جائز لوث الگ ہے،

(4) زمیلداری پرتها نے دیھی میں کل کارخاتوں اور آدیوگ دھلدوں کا وکاس روکا ہے: ایک تو دیش کی آمدنی کا پواحصہ ھوپ کر زمیندار آسے آدیوگ دھلدوں یا پیداوار بوھانے میں بہیں لگاتے آرر دوسرے دیش کی کروورں جنتا کو بےحد فریب بناکر آمیوں نے کارخاس کے بنے یا گہریار دھلدوں کے بنے مال کی کویت بھی کم کردی ہے ۔ جب کسان کی جیب میں پیسہ نہیں ہے تو وہ کہوا تھا گھرا تھا گھرا تھا گھرا تھا گھرا تھا گھرا کی کھلونے وفیرہ کیسے کیدیا ؟

कि कम से कम इतनी ही बेदखलियां और जमीन पर नाजायज क़ब्जे घोंस पट्टी और जबरदस्ती से भी हुए.

इस तरह हम देखते हैं कि सन '39 के आराजी क़ानून के बावजूद, जोर जबरदस्ती व हाकिमों की खुली या छिपी मदद से किसानों पर जुल्म होते रहे.

सन '47 में दूसरी कांगरेसी सरकार ने क़ानून में कुछ सुधार करके थोड़े से बड़े फर्मीदारों का सीर बढ़ा लेने का हक़ कम कर दिया. पर चूंकि छोटे जमींदारों का यह हक़ बना रहा, बड़े फर्मीदार अपने मिले जुले परिवार में नक़ली बटवारा दिखा कर छोटे जमींदार बन गए और लगातार वेदललियां करा कर अपनी सीर बढ़ाते रहे. इससे जमींदारों छोर काशतकारों के बीच अन बन, मन मुटाव, मगड़े. मुक़दमे बाजी और टक्करें बढ़ती ही रहीं.

धरकार ने हाल में जो 'जमीदारी क़ानून" बनाया है उससे तीन सवाल पैदा होते हैं: (i) जमीदारी क्यों जत्म की जाय ? (ii) जमीदारी के खात्मे का क्या मतलब है ? (iii) सरकार ने इस सिलसिले में क्या किया है ? इन तीनों सवालों के जवाब हमें इस मसले की बुनियादी बातें सममने में मदद देंगे.

2. जमींदारी क्यों खत्म की जाय

राजनीति की नज़र से हमार। जमींदारी प्रथा इंगलैंड की जमीदारी प्रथा की भौडी नक़ल है. अपनी ताक़त मज़बूत करने के लिये श्रंगरेजों ने एक ऐसी जमात को जन्म दिया जो जमीन के असली मालिकों का हक छीन कर खुद मालिक बन बैठी-जिसके जिन्दा रहने के लिए अंगरेजी सरकार की मदद जरूरी थी और अपनी सरकार की जड़ जमाने के लिये श्रंगरेजों को जिसकी जरूरत थी. समाजी निगाह से इस प्रथा ने देहात में एक ऐसी जमात पैदा कर दी जो निठल्ली थी. संस्कृति की निगाह से जमीदारी शासकों के हाथ में एक ऐसा हथियार है जिससे जहालत, दुराचार और तरह तरह की चाल चलन की बुराइयां पैदा की गई और पिछड़े हुए जात पात, बिरादरी क़बीले, और अलग अलग धर्मों के मगड़े पनपा कर देहाती दुनिया में सुधार और तरक्की की ताक्रतों को रोका गया. माली हालत की निगाह से जमीदारी ने एक ऐसी जमात को पैदा किया है जिसने किसान की रोटी छीन कर भारत जैसे उपजाऊ देश को अफमरो और राल्ले की कमी वाला देश बना विया है.

ज़मीदारी के युरे नर्ताजे

आर्थिक नजर से जमीवारी का हमें क्या फल मिला है यह नीचे लिखी बातों से देखा जा सकता है :—

(1) इससे खेती के लायक़ जमीन का रालत बंटवारा हुआ है देहात का ढांचा इससे इतना विगढ़ गया है कि एक که کم سے کم آتھی ھی بھد شلهاں اور زمین پر ناجائز قبضے دھونس یکی اور زیردسکی سے بھی ھوگے ۔

اس طرح هم دیکھتے هیں که سن 39 کے آراضی قانون کے باوجود' زور زبردستی و حاکموں کی کھلی یا جھھی مدد سے کسانوں پر ظلم هوتے رہے .

سن 47 میں دومری کانگریسی سرکار نے قانون میں کچھ سدھار کر کے تہورے سے بوے ازمیدداروں کا سیر بوھا لیا یا حق کم کر دیا ۔ پر چونکہ چہوٹے زمیدداروں کا یہ حق بدا رہا ہو۔ زمیددار ایلے ملے جانے پریوا ر میں نقلی بتوارا دکھا کر چہوٹے زمیددار بن گئے اور لکاتار بهدخلیاں کوا کر ایڈی سیر بوھاتے رہے۔ اس سےزمیدداروں اور کاشتخاروں کے بیچے آن بن' من متاؤ' جھگڑے' مقدسے بازی اور تکریں پوھتی ھی رھیں ،

سرکار نے حال میں جو '' زمینداری قانون '' بقایا یہ اس سے تین سوال پیدا ہرتے میں : (i) زمینداری کیم خاتیے کا کیا کیوں ختم کی جائے ؟ (ii) رمینداری کے خاتیے کا کیا مطلب ہے ؟ (iii) سرکار نے اس سلسے میں کیا کیا ہے؟ اِن تینوں سوالوں نے جواب ہمیں اِس مسئلے کی بنیادی باتیں سمجھنے میں مدد دیلگے ،

2. زمیلداری کیوں ختم کی جائے

راج نیعی کینظر سے هماری زمید اللہ الکلیلڈ کی زمینداری پرتھا کی بھونڈی مقل کے " ایدی طاقت مھبوط کرنے کے لئے انگریورں نے ایک ایسیجماعت کو جلم دیا جو زمین کے اصلی مالکوں کا حق چھھن کر خود مالک بن بیتھی۔۔۔جس کے زندہ رہنے کے لئے انگریزی سرکار کی مدد ضروری تھی اور اپنی سرکار کی جو جمانے کے لیے انگریزوں کو جس کی ضرورت تھی ، سماجی نکاہ سے اس پرتھا نے دیہات میں آیک ایسی جنامت پیڈا کردی جو تاہلی تھی ، سلسکرائی کی باتا سے زمیقداری شاسکوں کے هاتھ میں ایک ایسا همهار هے جس سے جهالت دراچار اور طرح طرح کی چال۔ چلن کی برالهاں پهدا کی کلیں اور پچھوے هوئے جات پات برادری قبیلے ارو الک الگ دھرموں کے جھگڑے پنیا کر دیہاتی دنیا میں سدهار ارر ترقی کی طاقتوں کو روکا گیا ۔ مالی حالت کی نکاہ سے زمینداری نے ایک ایسی جماعت کو پیدا کیا ہے جسلے کسان کی روثی جہون کر بہارے جیسے اُبجاو دیمی کو بهکمری آور فلے کی کمی والا دیش بدا دیا ہے ۔

ومیلداری کے برے تعیدے

آرتیک نظر سے زمیلداری کا همیں کیا پیل مالا ہے یہ نہیں کے لئے اسکتا ہے اسے لکیمی باتیں سے دیکھا جاسکتا ہے اس

(1) اس سے کہیٹی کے لائق زمین کا فلط بالرارا مرا ہے ، دیہات کا تمانچہ اس سے اللا باکر کیا ہے کہ ایک

مدر کے بعد زمینداری قانون

اس طرح انكريز لوك زمين كا بقنوبست برأير أيس تمنگ سارترها ان کی راجاجی جرین اس دیش سین مضموط رهیں اور یہاں کا کچا مال انگریزی کارخانوں کو ملتا رهم ، اس نكى ويوستها مهن زميندارون أور كاشت کاروں کے آیسی جهکڑے بھی دھھوے دھھوے آئے دن کی باس هرائيم . كسانون كا أستتوش أهتان كو لئه سركار في ایسیے قانون بقائے جن سے زمیقداروں کو کوئی نقصان نه يهلعي اور كسان يهى خوش هو جائيل . سن 57 ك یعد سری 1930 تک سرکار نے کم سے کم تو ایسے قانوں بقائے۔ ان قانونیں کو پوھلے سے بعد المدا ھے کہ کسانوں کی خاص مالكين تين تهين :--بلدهي هوئي مالكذأري كهيتون يو مېږوني حق اور کههتي کو ترتي ديلي کې سوردهانهن . ان استعرش سرکار کو محجمور کرتا تها که هر نید قادون میس أنههن كنچه رمانهن ملهن كنچه ملهن بهي . پر أن سب قانونوں کے بارجود کسان کی بھدخلی اور زمیقدار کے من مائے نقرائے اور یعکار اور ٹیکس وسول کرنے کا زمینداروں کا حهر برابر قائم رها ، تعهجه يه هوا كه كسادون كي بهجولكي لااتار بئی رهی، اسی بیچ کاندهیجی کے استهموگ آندولن كي كونيم ديهاتون مين پيديي .

کانگریس اور بے دخلهان

سن 30' کے بعد ہو ، پی ، کے کئی ضلعوں میں زور شور سے لگان بندسی شروع هوئی ، وأج الهتک صلع هونے کے بعد کانگویشی سرکار بلی نجس نے سن 39 میں نیا آراضی قانوں بدایا . اس قانون میں زمیندار کے ایلی سهر يوها لهلي ير قانوني روك لك كدّى اور لكان كي تههك، در طے کرنے کی بھی کوشش کی گئی . لگان کی بقایا وسول کرنے کے لئے کاشت کار کی گرفتاری ' هر پهکار و نظرانه لیدا بند کر دیا گیا ، بیدخلی بند کرنے کی یہی کوشش کی گئی . اس قانون کے پہلے کاشتکاروں کو آئے کہیت پو کیں بدانے اور کوٹیں کھودلے کا حق نہمی تھا ، اس نکے قانون سے اُنہیں یہ حق مل لیا . کاشتکاروں کی ٹھوری بهت حفاظت تو هوئی ، هر أن كي أصلي أمهدون ير ياني يهر لها . سن 41 سے 45 تک میں اس بردیس کے ومهنداروں نے شاہملے سے ساڑھے چھ لاکھ کسانوں کو ساڑھے آٹھ لاکھ ایکو زمین سے بہدخل کر دیا اور لگ بھگ 80 کروز رویده نزرانه لیکر وهی زمهن پهر دوسرون کو اُتها دسى . يانيم سال مين زميددارون له أيدى سير اور خود كاشت كي زميدس مين لاكهون أيكو زمين بوها لي . يه سب اس سیے کے بے ایمان افسروں اور یتواریوں سے مل کر مول خود کاشت کی زمین بهدخانی کرا کر اور چراکاهون یر کیف کر کے بوھائی گئی . یہ بات تو ھوئی ضابطے کی اور لکھمت پوشت کی ، پر انومان یہ ھے

ग़दर के बाद ज़ मींदारी क़ान्न

4, 25 1

इस तरह श्रंगरेज लोग जमीन का बन्दोबस्त बराबर ऐसे ढंग से करते रहे कि उनकी राजकाजी जड़ें इस देश में मजबूत रहें और यहां का कवा माल अंगरेजी कारलानों को मिलता रहे। इस नई व्यवस्था में जमींदारों और काश्त-कारों के आपसी भगड़े भी धीरे धीरे आए दिन की सात हो गए. किसानों का असन्तोश घटाने के लिये सरकार ने ऐसे क़ानून बनाए जिन से जमीदारों को कोई नुक़सान न पहुंचे और किसान भी ख़ुश हो जाय. सन '57 के बाद सन 1930 तक सरकार ने कम से कम नी ऐसे क़ानून बनाए, इन क़ानूनों को पढ़ने से पता लगता है कि किसानों की खास मांगें तीन थीं:-बंधी हुई मालगुवारी, खेतों पर मौरूसी इक और खेती को तरकको देने की सुविधाएं उनका असंतोश सरकार को मजबूर करता था कि हर नए क़ानून में उन्हें कुछ रियायतें मिलें, कुछ मिनीं भी पर इन सब क़ानूनों के बावजूद किसान की बेदख़ली और जमीदार के मनमाने नजराने और बेगार और टैक्स वसूल करने का जमीदारों का इक बराबर क़ायम रहा. नतीजा यह हुआ कि किसानों की बेचैनो लगातार बनी रही. इसी बीच गांधीजी के असहयोग आन्दोलन की गुंज देहातों में पहुंची.

कांगरेस श्रीर वेदख् लियां

सन '30 के बाद यू. पी. के कई जिलों में जोर शोर से लगान बन्दी शुरू हुई. राजनैतिक सुलह होने के बाद कांगरेसी सरकार बनी जिसने सन '39 में नया श्राराजी , क्रानून बनाया. इस क़ानून में जमींदार के अपनी सीर बढ़ा लेने पर क़ानूनी रोक लग गई और लगान की ठीक दर तय करने की भी कोशिश की गई. लगान की बकाया बसूल करने के लिये काश्तकार की गिरफ्तारी, हर बेगार व नजराना लेना बन्द कर दिया गया. बेदखली बन्द करने की भी कोशिश की गई. इस क़ानून के पहले कारतकारों को अपने खेत पर घर बनाने और कुएं खोदने का इक नहीं था. इस नए क़ानून से उन्हें यह हक़ मिल गया. काश्तकारों की थोड़ी बहुत हिफाजत तो हुई, पर उनकी श्रसली उम्मीदों पर पानी फिर गया. सन '41 से '45 तक में इस प्रदेश के जमीदारों ने जान्ते से साढ़े है लाख किसानों को साड़े आठ लाख एकड़ जमीन से बेदखल कर दिया और लगभग 80 करोड़ रुपए नजराने लेकर वही जमीन फिर दसरों कि डठा दी. पांच साल में जमीदारों ने अपनी सीर और ंखुद कारत की जमीनों में लाखों एकड़ जमीन बढ़ा ली. अयह सब उस समय के बेईमान अफसरों और पटवारियों 🖟 से मिल कर हुआ. खुद कारत की जमीन बेदखली करा कर-श्रीर चरागाहों पर क़ब्जा कर के बढ़ाई गई. यह बात तो हुई काब्ते की और लिखत पढ़त की. पर अनुमान यह है

APPRILE TO THE PROPERTY OF THE

यू. पी. में ज़मींदारी

(डाक्टर बीर बहादुर सिंह, लखनऊ यूनिवर्सिटी)

1. ज़मींदारी का जन्म

हमारी आजकल की सभ्यता पूंजीवादी या महाजनी सभ्यता है. आजकल सब जगह पैसे का बोल बाला है. इस सभ्यता में अपना साम्राज बढ़ाने की इच्छा भी दृसरों पर हकुमत करने की लालसा से कम और दूसरों का धन चूसने की लालसा से अधक पैदा होती है. जाक़तवर देशों में दूसरे देशों पर हकूमन करने की इच्छा भी इसीलिये होती है कि हकूमत से दूसरों का धन चूमने के सब से अच्छे साधन आसानी से उनके हाथ में आ जाते हैं. इसीलिय आजकल के साम्राजों का खास का जितना आर्थिक या माली होता है उतना राजकाजी नहीं. इसी तरह का एक साम्राज इमारे देश में सन 1947 तक अंगरेजों का था. इसीलिय इस देश में अंगरेजों ने वह दंग अपनाया जिससे हम अपना कथा माल और अनाज उन्हें बेचने पर मजबूर हो जायं और इसके बदले में बढ़ां से उनकी मशीनों के बने सामान खरीदें.

अंगरेज़ी राज और ज़मींदारी

इसके लिये देहातों को क़ायू में रखना जरूरी था. देहातों का आर्थिक ढांचा आराजी क़ानूनो की धुरी पर घूमता है. इसीलिये अंगरेजों ने इन देश में जमीन के ऐसे नए मालिक बनाए जो अपनी खुदरारजी की वजह से अपने देश के दोस्त न हो कर अंगरेजों के पिट्टू बने रहने पर मजबूर थे.

हमारे उत्तर प्रदेश पर श्रंगरेजों का क़बजा तीन दौर में हका, पहले उन्हें बन।रस का सुवा मिला जहां उन्होंने इस्तमरारी बन्दोबस्त लागू किया. दसरे दौर में उन्होंने बुन्देलखन्ड श्रीर कुछ दूसरे इलाक्नों में विलायत के ढंग पर जमीदार बनाने की काशिश की. श्रंगरेज यहां की भाशा महीं जानते थे इसलिये उन्हें देसी क़ानूनगोत्रों की मदद लेनी पड़ी, जिन्होंने जिस को चाहा उसे जमीदार लिखा दिया श्रीर मनमानी मालगुजारी जारी करा दी. इस बन्दांबस्त के पहले ज्ञानि किसकी थी, इसे सामित करने के लिये जोर जबरदस्ती का सहारा लिया गया. त्रंगरेजी राज की नींव पक्की करने के लिये तीसरे दौर में अवध में तालुक़ेदारी को बढ़ावा दिया गया. इस के बाद सन 1857 का ग़द्र हुआ। श्रीर रादर के बाद गवरनर-जनरल ने कुछ खेरखाह पामीदार स्नानदानों को छोड़ कर बाक़ी सब की पामीनें पाब्त कर ली और इनके नए मालिक बनाए गए जो हमेशा शंगरेज यहादुर की ही हां में हां मिलाते रहे.

يو . چې . مين زمينداري (دانتر وير بهادر سنکه المهدو يونهررستي)

1. زمهنداری کا جام

هماری آج کل کی سبهبتا پرنتجی وادی یا مهاجئی سبهبتا هے، آج کل سب جگه پیسے کا بول بالا هے، آس سبهبتا میں ابنا سامراج بوهانے کی اچها بھی دوسوں پر حکومت کرنے کی السا سے کم اور دوسروں کا دھن چوسئے کی السا سے ادعک پیدا ھوتی هے، طالگور دیشرں میں دوسرے دیشوں پر حکومت کرنے کی اچها بھی اسی لئے هوتی هے که حکومت سے دوسروں کا دھن چوسئے کے سب سے اچھے سادھن آسانی سے آن کے هاتھ میں آ جاتے ھیں، اسی لئے آج کل کے سامراجوں کا خاص روپ جگنا آرتھک یا مالی ھوتا ہے آئا واجکاجی نہیں، اسی طرح کا ایک سامراج همارے دیش میں سن 1947 تک انگریزوں کا ایک سامراج همارے دیش میں سن 1947 تک انگریزوں کا ایک ایٹا جس سے هم ایٹا کچا مال اور ان اُن آبین بھیچئے پر متجبور ھوجائیں اور اس کے بدلے میں وهان سے آن کی مشهنوں کے بئے سامان خویدیں ،

الكريزي راج أور رمهدداري

اس کے لئے دیہانوں کو قابق میں رکھنا ضروری تھا ،
دیہانوں کا آردیک تھادیا آراضی قانونوں کی دھری پر
گھومتا ہے ، اسی لئے انگریزوں نے اس دیش میں رمین
کے ایسے بئے مالک بنائے جو اپنی خود عرضی کی وجه سے
اینے دیش نے دوست بہ ہو کر انگریزوں کے پٹھو بنے رہنے
پر مجہور تھے .

همارے آثر پردیھی پر انگریزوں کا قبضہ تھی دور مھی ھوا ، يوليے اُنھوں بقارس کا صوبت ملا جہاں اُنھوں لے اسمدراري بلدويست لاكو كها . دوسرے دور مهل أنهوں نے بنديل كهنت أور كحجه دوسرے علائوں میں ولایت دِدَهنگ ہر زمیندار بنانے کی کوشش کی ۔ انگریز یہاں کی بھاشا نہلی جانتے تھے اس لئے انہیں دیسی قانون گروں کی مدد لیلی یوی جلهوں نے جس کو چاعا أسے زمیلدار لکها دیا اور من مانی مانکذاری جاری کرا دی . اس ہلدوہست کے پہلے (میین کس کی تھی اُ اِسے ثابت کرنے کے لئے زور زبردستی کا سہارا لیا گیا۔ انگریزی راج کی اً نہو پکی کرنے نے لئے توسرے دور میں اوبھ میں تعلقداری . کو پوهاوا دیا گیا ، اس کے بعد سن 1857 کا عدر هوا اور غدر کے بعد گورس جغرل نے کچھ خهر خواۃ زمهندار خاندانی کو چهورکر باقی سب کی زمیتین ضبط کر لین ارد این کے نئے مالک بنائے گئے جو همیشه انکریز بہادر کی هے هائ مهن هان معتے رہے .



जल्द 13

दिसम्बर, सन '52

नम्बर 6

تمبر 6

وسمهر^ا سن 52'

جلد 13

जात आदमी, प्रेम धर्म है, हिन्दुस्तानी बोली, 'नया हिन्द' पहुँचेगा घर घर लिये प्रेम की भोली. جات آدمي' پريم دهرم هـ' هلدستاني برلی' 'نها هلد ' پهلچے کا گهر گهر لیّد پریم کي جهولی .

अपने को पहचानो

शान को दे दो देश निकाला विद्या का कर दो मुंह काला अपने आपे को पहचानो विद्या झान इसी की जानो

> प्रेम का कर दो देश निकाला न्याय का कर दो तुम मुंह काला निज स्वभाव में तुम रम जास्रो प्रेम न्याय दोनों को पास्रो

चालाकी का देश निकाला करो कायदे का मुंह काला डाकू रहे न चोर बिचारे यह दोनों तो इनके प्यारे

> मुख को दे दो देश निकाला दुख का मुंह कर दो तुम काला स्वारथ कम करना ही मुख है इच्छाएं बढ़ जाना दुख है

सत्य धर्म की घटती आई प्रेम न्याय की मची दुहाई विद्या ले आई चालाकी मक्कारी क्यों रहती बाक़ी

---भगवानदीन

(एक चीनी फिलासफर के विचार)

اینے کو پہچانو

گھان کو دے دو دیش نکالا ودیا کا کو دو سفہ کالا ایے آیے کو پہتچانو ودیا گیان اِسی کو جانو

پریم کا کر دو دیش نکالا نهائے کا کر دو تم سقه کالا نیج سوبهاؤ سهن تم رم جاؤ پریم نهائے دونوں کو پاؤ

> جالاکی کا دیش نکالا کرو قائدے کا سفہ کالا ڈاکو رہے نہ چور بھارے یہ دونوں تو اِن کے پیارے

سکھ کو دے دو دیش نکالا دکھ کا صلع کو دو تم کالا سوارتھ کم کرنا ھی سکھ ھے اِچھائیس ہوہ جانا دکھ ھے

> مٹیه دهرم کی گهٹٹی آئی پریم نیا<u>ئے</u> کی منچی دھائی ودیا لے آئی جالائی مکاری کھوں رهٹی یا**ئی**

--بهگراندین

[ایک چینی فلسنر کے رچار]

A M

'नया हिन्द' का 'ज्ञमीदारी अंक' पाठकों के सामने है. अंक अच्छा है या बुरा इस का अन्दाजा खुद पाठक ही लगाएंगे, हमे इस सम्बन्ध में कुछ कहने की आवश्यकता नहीं. हम आभारी होंगे भगर पाठक अपनी अपनी रायें हमें लिख भेजें.

'नया हिन्द' दूर से निकल रहा है, इस के लिये जरूर पाठकों से हम माफी चाहते हैं. कठिनाऱ्यां जब सामने आती हैं तो इकट्टा आती हैं. हमने कठिइनायों पर जीत तो हासिल कर ली पर समय पर 'बसा हिन्द' न मेंट कर सके. दिसम्बर का अंक हमें इन्हीं कारनो से जनवरी अंक से मिला देना पड़ा. इस तरह 'नया हिन्द' का यह अंक दिसम्बर '52-जनवरी '53 अंक है.

इस देर से एक जाम जात्सर हुआ है वह यह है कि हम फरवरी अंक पहली तक पाठकों को भंट कर मकेंगे.

हमारे आगले आंक में पिछले सारं कीचर होंगे और साथ ही एक नया कीचर भी झेंगा—"भारत में अमरीकी

एक दक्ता फिर हम देर के लिये माफी चाहने हैं और आशो करते हैं कि पाठक हमें भाफ कर हेंगे मनीनर, 'नया हिन्द'

A. 42

انها هذد' کا زمیلداری الک' باتهکوں کے سامدے ہے ۔ انک اچھا ہے یا ہرا اِس کا اُندازہ خود یاتهک هی لگائیں کے' هموں اُس سمبقدھ مهن کنچھ کہنے کی آوشیکتا بھیں۔ هم آبھاری هونکے اگر پاٹھک 'یٹی اُپٹی رائیں عمیں اکھ

انها مقدا دیر سامل رها هر اس کری فرور دانهکون سهم معادی چامت میں . کٹھقانهاں جب سامق آنی معن تو اکٹھا آنی معن . هم به کٹھقائهوں پر جہت تو حاصل کرلی پر سب پر انها مقدا نه بهوفت کر سکے دسمبر کا انک مسون آنهیں کونوں ہے جفوری انک سے ما دیکا پول ایسطوح انها مقدا کا یہ انک دسمبر 25٪ جفوری

اس دیو سے ایک قربه خارور عوا ہے ۔ وہ یہ ہے کہ عم غروری امک پہلی تک پالٹھکوں کو بھوشت کر سکیں ہے ۔ عمارے اگلے انک میں ہجھلم سارے فہتچر عونکے اور ساتھ می ایک نیا فیتجر بھی عوال—''بھارت میں امریکی

قدم ۔'' ایک دفعہ پھر عم دیر کے لئے معافی چاھتے عمل آرر آشا درتے عمل که پاتھک همیں معاف کردییں گے .

ملهجر 'بها علد" العآباد

इलाहाबाद

हिन्दुस्तानी कलचर सासाइटी

का

माहवारी परचा

दिसम्बर - जनवरो 1952-53

هندستانی کلچر سوسائتی

К

ماهواري پرچا

*د*سببر - جنوري

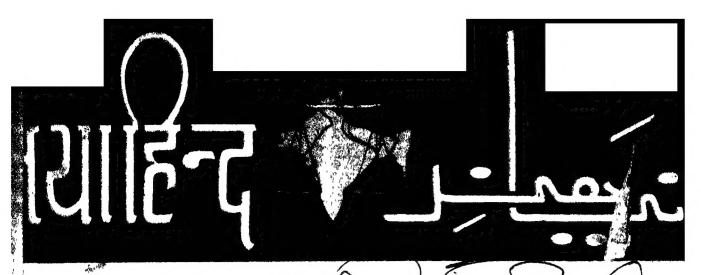
| क्या | <u>क्समे</u> | सका 🖘 | ہا کس سے | ١ |
|-------------|---|--------------|---|-------|
| 1. | श्रपने को पहचानां (कविना)-भगवानदीन | . 409 | اً. الله كو دېچامو (كويغا) مكروان دين | 4 |
| 2, | यू. पी. में जमीदारी—डाक्टर वीर बहादुरसिंह | 410 | 2 يو. يى. مهن زميدداريدائدر وير بهادرسلكه | Ì |
| 3. | धरती किसकी ? (कहानी)—मुजीव रिजवी | . 438 | 3. دهوتي کس کي؟ (کهادي)منجب رضوي | ı |
| 4. | जम्मृ और कश्मीर रियासन में जमीन मुधार- | - | 4. جمو اور كشمهر وياست مهن رمهن سدهار- ايم | |
| | एम. ए. बेग | 443 | گهر ا | 1 |
| 5 | हमारे गांव - एक भलक—किशन चन्द दूबे | 449 | همارے گاؤں۔۔ایک جہلک۔۔کشن چلد دویے | 1 |
| 6. | मध्य प्रदेश में भूमि मुधार-पन्नालाल श्रीवास्त | a 453 | مدههة يرديش مهن بهوسي سدهار – يقالال سريواسة و | |
| 7. | इटली के किसान और उनकी राजनीति- | | 7. اتلی کے کسان اور ان کی راج نفتیآتلمهر | 1 |
| | श्राएनमीर वार्लन्स | 457 | ا والهقس | , |
| 8. | चीन में जमीन सुधारसुरंश रामभाई | 464 | 8 چهن مهن رمهن سدهارسویشن رأم بهائی | ı, |
| 9. | मदरास में खेती की समस्याऋश्न अर्जुन . | 174 | 9. مدراس میں کھی ^ع ی کی سیسیا۔۔۔۔کرشن ارجن | , |
| 1 0. | कुछ किताचें | 496 | 1. كچه كتابهن— | Ę, |
| 11, | हमारी राय | 500 | 1. هماري رائيب | ì |
| हमा | र घरेलू धन्दों की बरबादी -एक अपील- | - , | مارے گھریلاو دھلدوں کی ہربادی ۔ایک اپیل۔۔ | , |
| | सुन्दरलाल, श्री गमुल का शरीग्त्याग ऋौ | र | سقدراً لال ؛ شري رامادو كا شرير تهاگ أور | * * " |
| | भाशाबार प्रान्तों का बटवारामुन्द्रलाल | i, | بهاشارار پراندون کا بخوار دسستدر لال: | i di |
| | भारत का शान्ति ठहरावमुजीब रिजबी | Ì; | ىھارى ئا شاندى تھھرار ــمجيب رضرى؛ | 1 |
| | मदरास पुलिस सत्याग्रहभगवानदीन. | | مقراسن پولیس س ^ع هاگرهبهکوان دین . | |

क्रीमत—हिन्दुस्तान में छै रूपया साल, बाहर दस रूपया साल, एक परचा दस आने.

> मैनेजर 'नया (हन्द' 145, मुट्ठीगंज, इलाहावाद.

لهمت عقدستان مهن چه رویهه سال ٔ باهر دس رویه: احال ایک پرچه دس آنے .

مهلهندر 'بها هلد' 145' مثهی گلیج' الفآباله .



पड़ीटर-ताराचंद, भगवानदीन, मुज्यफर हसन विशम्भर تارا چند' بهتران دين خطفر حسن بشميهر باته سفدر لال

नायब एडीटर - सुरेश रामभाई, मूजीच रिज्यी

نائب الديالو--سريص وام بهائي، معجيب رضوي

ज़मींदारी अंक पंग डांग्यां

यू. पी. में जमींदारी - डाक्टर वीर बहादूर सिंह

سو اور كهمه رياست مهن زمهن سدهار ايم जम्मू श्रीह कश्मीर रियासन में जमीन सुधार एमं. ए. वेग

इटली के किसान और उनकी राजनीति- -- अध्य ती है। है। है अध्यान और उनकी राजनीति श्राएलमीर वालेन्स

مدراس موں کھیٹی کی سمسہ '-- کرشن ارسی ارسی - ऋर्नश्रा की समस्या -ऋर्नश्रा की دراس موں کھیٹی کی سمسہ '-- کرشن ارسی ا

يوسهن مهن زميونداري-داكتر وير ديادر سلكه

Mecillo

हमारी राय

👱 इमारे घरेलू धन्धों की घरवादी- गक अपील-- 👚 ایک ایول 🕳 ایک ایول **सुन्द**रलाल

श्री रामुल् का दारीरत्याग श्रीर भागावार प्रान्तां का बटवारा-सन्दर्लाल

🖈 भारत का शान्ति ठहराव--मुजीब रिजाबी

मंदरास पुलिस सत्याग्रह-भगवानदीन

ومي وأنيلو كا شرير تهاف اور بهاشاوار برانتون كا يشوارات عدد الل

يهارب ال هانعي بهراو-معيب رضوي اللق بولايس ساهاكوة-بهكوان دين

पत्ती कल्डेन्ट्र संस्थान्त्र संवाहाताती

दिस्तिकर - जनवरी

WHEN THE WHAT